100वीं

वार्षिक रिपोर्ट

2022-2023

भाग-II

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली

विषय सामग्री

विभाग **1**

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय **1**

वित्त और व्यापार आर्थिकी विभाग **1**

कला संकाय **7**

अरबी **7**

बौद्ध अध्ययन **10**

अंग्रेज़ी **11**

जर्मनिक और रोमांस अध्ययन **18**

हिंदी **19**

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान **21**

भाषा विज्ञान **25**

आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्य अध्ययन **29**

फ़ारसी **34**

दर्शनशास्त्र **35**

मनोविज्ञान **37**

पंजाबी **40**

संस्कृत **43**

स्लावोनिक और फिनो-यूग्रियन अध्ययन **51**

उर्दू **53**

आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा संकाय **60**

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान **60**

आयुर्वेदिक और यूनानी तिब्बिया कॉलेज एवं अस्पताल **64**

वाणिज्य और व्यवसाय अध्ययन संकाय **67**

वाणिज्य **67**

शिक्षा संकाय **74**

शिक्षा **74**

होम्योपैथिक मेडिसिन संकाय **83**

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज **83**

अंतःविषय और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय **85**

जैव रसायन 85
जैवभौतिकी 91
इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान 94
आनुवंशिकी 99
सूक्ष्मजीव-विज्ञान 104
शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान 108
पादप आण्विक जीव विज्ञान 110
विधि संकाय 120
कैंपस विधि केंद्र 121
विधि केंद्र -I 129
विधि केंद्र -II 131
प्रबंधन अध्ययन संकाय 136
गणितीय विज्ञान संकाय 143
कंप्यूटर विज्ञान 143
गणित 146
परिचालन अनुसंधान 159
सांख्यिकी 164
चिकित्सा विज्ञान संकाय 168
एनेस्थिसियोलॉजी(एमएएमसी) 168
एनाटॉमी (एमएएमसी) 171
जैव रसायन (एलएचएमसी) 174
जैव रसायन (एमएएमसी) 177
जैव रसायन (यूसीएमएस) 180
सामुदायिक चिकित्सा (एमएएमसी) 182
दंत चिकित्सा विज्ञान (एमएएमसी) 183
दंत चिकित्सा विज्ञान (यूसीएमएस) 189
त्वचाविज्ञान, रतिरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग (एमएएमसी) 191
फोरेंसिक मेडिसिन (एमएएमसी) 193
मेडिसिन (यूसीएमएस) 195
सूक्ष्म जीवविज्ञान (वीपीसीआई) 197
ऑप्थल्मोलॉजी (एलएचएमसी) 200
नेत्र विज्ञान (एमएएमसी) 203
अस्थि-रोग (एलएचएमसी) 206

अस्थि-रोग (यूसीएमएस) 208
बाल रोग (एमएएमसी) 211
बाल रोग (यूसीएमएस) 213
विकृति-विज्ञान (यूसीएमएस) 217
औषध-विज्ञान (यूसीएमएस) 221
औषध-विज्ञान (एमएएमसी) 223
शरीर-विज्ञान (एलएचएमसी) 227
शरीर-विज्ञान (एमएएमसी) 229
शरीर-विज्ञान (यूसीएमएस) 232
शरीर-विज्ञान (वीपीसीआई) 235
मनोरोग (एमएएमसी) 236
फेफड़ा-संबंधी (वीपीसीआई) 238
रेडियोलॉजी, रेडियोथेरेपी, रेडियोडायग्नोसिस और रेडिएशन मेडिसिन (एलएचएमसी) 242
शल्य-चिकित्सा (एमएएमसी) 243
शल्य-चिकित्सा (यूसीएमएस) 246
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) 247
वी.पी चेस्ट संस्थान 252
संगीत और ललित कला संकाय 261
संगीत 261
विज्ञान संकाय 266
मानव विज्ञान 266
वनस्पति विज्ञान 276
रसायन विज्ञान 294
पर्यावरण अध्ययन 318
भूविज्ञान 327
भौतिकी और खगोल भौतिकी 338
प्राणीशास्त्र 374
सामाजिक विज्ञान संकाय 381
वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार 381
अफ्रीकी अध्ययन 383
पूर्व एशियाई अध्ययन 386
अर्थशास्त्र 389
भूगोल 395

इतिहास..... 398
राजनीति विज्ञान..... 407
समाजशास्त्र..... 412
सामाजिक कार्य..... 414
अकादमिक केंद्र..... 427
कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र..... 427
संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र..... 428
उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र..... 430
अवक्रमित पारिस्थितिकी प्रणालियां पर्यावरण प्रबंधन केंद्र..... 432
फसल पादप आनुवंशिक परिवर्तन केंद्र..... 435
वैश्विक अध्ययन केंद्र..... 436
संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र..... 438
पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतःविषयक अध्ययन केंद्र..... 440
उच्च शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र..... 442
क्लस्टर नवाचार केंद्र..... 446
दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म..... 448
दिल्ली कौशल संवर्धन और उद्यमिता विकास स्कूल (डीएसएसईईडी)..... 451
दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स (डीएसटीए)..... 454
डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैव-चिकित्सा केंद्र..... 455
साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान..... 462
सूचना विज्ञान और संचार संस्थान..... 463
आजीवन अध्ययन संस्थान..... 464
पादप जीनोमिक्स अंतर-विषयक केंद्र..... 465
विश्वविद्यालय विज्ञान उपकरण केंद्र..... 468
महिला उन्नत अध्ययन और विकास केंद्र..... 469
महाविद्यालय..... 470
आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय..... 470
अदिति महाविद्यालय..... 481
अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय..... 486
अमर ज्योति इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी..... 487
आर्यभट्ट महाविद्यालय..... 493
आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय..... 500

भगिनी निवेदिता महाविद्यालय..... 507
भारती महाविद्यालय..... 510
भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय..... 517
कला महाविद्यालय..... 524
नर्सिंग कॉलेज, आर्मी अस्पताल (अनुसंधान और रेफरल) 525
व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय..... 530
दौलत राम महाविद्यालय..... 533
दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय..... 544
दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय..... 551
देशबंधु महाविद्यालय..... 560
डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय..... 567
दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय (दृश्य बाधित) 572
दयाल सिंह महाविद्यालय..... 576
दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय..... 582
फ्लोरेंस नाइटिंगेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग..... 586
गार्गी महाविद्यालय..... 587
हंसराज महाविद्यालय..... 596
हिंदू महाविद्यालय..... 605
होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग..... 613
इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान..... 616
इंद्रप्रस्थ महिला विश्वविद्यालय..... 619
गृह-आर्थिकी संस्थान..... 626
मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इभास) 634
जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय..... 640
जीसस और मैरी महाविद्यालय..... 648
कालिंदी महाविद्यालय..... 655
कमला नेहरू महाविद्यालय..... 661
केशव महाविद्यालय..... 667
किरोड़ी मल महाविद्यालय..... 673
लेडी इरविन महाविद्यालय..... 676
लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय..... 682
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय..... 695
महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय..... 700

महर्षि वाल्मीकि शिक्षा महाविद्यालय..... 706
मैत्रेयी महाविद्यालय..... 708
माता सुंदरी महिला महाविद्यालय..... 716
मिरांडा हाउस..... 722
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय..... 733
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य)..... 736
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शारीरिक विकलांगता (दिव्यांगजन) राष्ट्रीय संस्थान..... 742
पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय..... 745
पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) 749
राजधानी महाविद्यालय..... 755
राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय..... 760
रामानुजन महाविद्यालय..... 764
रामजस महाविद्यालय..... 770
राम लाल आनंद महाविद्यालय..... 779
सत्यवती महाविद्यालय..... 787
सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य) 792
मुक्त शिक्षा विद्यालय..... 795
शहीद भगत सिंह महाविद्यालय..... 797
शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (सांध्य)..... 803
शहीद राजगुरु महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय..... 806
शहीद सुखदेव व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय..... 810
शिवाजी महाविद्यालय..... 816
श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय..... 824
श्याम लाल महाविद्यालय..... 827
श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) 838
श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय..... 840
श्री अरबिंदो महाविद्यालय..... 847
श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य)..... 860
श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय..... 866
श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय..... 873
श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय..... 876
श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय..... 883
सेंट स्टीफन महाविद्यालय..... 892

स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय 898
विवेकानंद महाविद्यालय 901
जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय 908
जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य) 914
सामान्य सुविधाएं 921
पूर्व-छात्र मामले 921
सांस्कृतिक परिषद 922
दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र 924
दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय सिस्टम 930
दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र-सह-शिक्षा स्कूल 936
दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ 937
हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय 939
समान अवसर प्रकोष्ठ 939
विदेशी छात्र रजिस्ट्री 941
गांधी भवन 942
उद्यान समिति 944
अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह 945
राष्ट्रीय कैडेट कोर 946
राष्ट्रीय सेवा योजना 947
गैर-कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड 948
छात्र कल्याण कार्यालय 949
विश्वविद्यालय अतिथि-गृह 950
विश्व विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केंद्र 951
विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल 953
अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास 953
अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास 954
केंद्रीय शिक्षा संस्थान छात्रावास 955
डी.एस. कोठारी छात्रावास 956
गीतांजलि छात्रावास 957
ग्वायर हॉल 959
अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास 960
अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास 964

जुबली हॉल..... 965
मानसरोवर छात्रावास..... 967
मेघदूत छात्रावास..... 968
पूर्वोत्तर महिला छात्रावास..... 969
स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास..... 970
राजीव गांधी बालिका छात्रावास..... 971
सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास..... 973
सामाजिक कार्य छात्रावास..... 974
छात्राओं के लिए स्नातक-पूर्व छात्रावास..... 975
विश्वविद्यालय महिला छात्रावास..... 977
वी.के.आर.वी. राव छात्रावास..... 978
डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास..... 980
वार्षिक लेखे..... 981

विभाग

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय

वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र

संक्षिप्त विवरण

वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना 2019 में दो विभागों, अर्थात व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग और वित्तीय अध्ययन विभाग को मिलाकर की गई थी। विभाग दो प्रमुख एमबीए कार्यक्रम [व्यवसाय अर्थशास्त्र में एमबीए और वित्त में एमबीए], दो पीएच.डी. कार्यक्रम (व्यवसाय अर्थशास्त्र में पीएच.डी. और वित्त में पीएच.डी.) के साथ-साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में चलने वाले तीन स्नातक पाठ्यक्रम संचालित करता है, अर्थात, बीए (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज [बीएमएस] और बीबीए इन वित्त और निवेश विश्लेषण में बीबीए [बीबीए (एफआईए)]।

वर्ष 1973 में स्थापित, दिल्ली विश्वविद्यालय के व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग ने व्यवसाय अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एमबीए (व्यवसाय अर्थशास्त्र) (पूर्व में व्यवसाय अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर) की शुरुआत की। कार्यक्रम आर्थिक विश्लेषण के आधारभूत सिद्धांतों को नीति और व्यापार जगत के व्यावहारिक पहलुओं के साथ संयोजित करता है।

एमबीए (वित्त) कार्यक्रम, जिसे पहले मास्टर ऑफ फाइनेंस एंड कंट्रोल के नाम से जाना जाता था, 1987 में तत्कालीन वित्तीय अध्ययन विभाग द्वारा शुरू किया गया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित किए जाने वाले एमएस (वित्त) की तर्ज पर, एमबीए (वित्त) वित्त के क्षेत्र में एक प्रकार का विशिष्ट कार्यक्रम था जिसे तेजी से बढ़ते कॉर्पोरेट जगत की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन और विकसित किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ऐसे वित्तीय व्यवसायियों को तैयार कर रहा है जो गतिशील भारतीय वित्त उद्योग की सेवा करने के लिए भली-भांति तैयार हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम एमबीए (वित्त) (तत्कालीन मास्टर ऑफ फाइनेंस एंड कंट्रोल (एमएफसी) और एमबीए (वित्तीय प्रबंधन)), वित्त के क्षेत्र में एक विशिष्ट पाठ्यक्रम है जिसे कॉर्पोरेट जगत की लगातार बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है। विभाग का हाल ही में सीएफए विश्वविद्यालय संबद्धता कार्यक्रम में स्वागत किया गया था। केवल ऐसी शैक्षणिक संस्थाएं, जिन्होंने अपनी पाठ्यचर्या में आचार संहिता और व्यावसायिक आचरण के मानकों सहित सीएफए कार्यक्रम

कैंडिडेट बॉडी ऑफ नॉलेज (सीबीओके) के एक महत्वपूर्ण भाग को शामिल किया है, विश्वविद्यालय संबद्धता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पात्र हैं।

विभाग को 50 वर्षों के इसके उत्कृष्ट इतिहास के साथ भारत भर के सर्वश्रेष्ठ सरकारी बी-स्कूलों के मध्य आईआईआरएफ (भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में 26वां स्थान दिया गया था।

विभाग ने 15 अक्टूबर, 2022 को एमबीए (वित्त) कार्यक्रम का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया। इस वर्ष सम्मेलन का विषय था, "वित्तीय सेवाएँ और फिनटेक-भावी राह"।

प्रकाशन

शोध-लेख

सहगल, एस., राखयानी, एस., और डीस्टिंग, एफ. (2022), क्या बीटा रणनीति के विरुद्ध दांव लगाना प्रमुख एशियाई बाज़ारों में काम करता है? पेसिफिक-बेसिन फाइनेंस जर्नल, 75.

शर्मा, जी., सहगल, एस., एवं मिश्रा, ए., (2022)। क्या वित्तीय एकीकरण इक्विटी विसंगतियों के प्रदर्शन को प्रभावित करता है?, कोजेंट इकॉनोमिक्स एंड फाइनेंस, 10(1).

सहगल, एस., वशिष्ट, वी., एवं जैन, टी. (2022)। बॉन्ड रेटिंग निर्धारक और मॉडलिंग: भारत से साक्ष्य। मैनेजेरियल फाइनेंस, 49(3), 529-554.

सहगल, एस., मिश्रा, आर.के., एवं जयसवाल, ए. (2022)। वित्तीय संकट के व्यापक आर्थिक निर्धारकों पर। इंडियन इकॉनॉमिक रिव्यू, 56(2), 435-461.

सैनी, एस. एवं सहगल, एस. (2022)। मौद्रिक नीति और स्टॉक मार्केट इंटरैक्शन: अंतर्राष्ट्रीय साक्ष्य। इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 71(3), 612-634.

नैशियर, टी., एवं गुप्ता, ए. (2023)। भारत में स्वामित्व एकाग्रता और दृढ़ प्रदर्शन। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, 24(2), 353-370.

मग्गो, वी., एवं गुप्त, वाई. (2023)। शहरी भारत में स्कूल से बाहर के निर्धारकों के विश्लेषण पर एक मात्रात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च-ग्रंथालय, 11(1), 144-152.

सुनील कुमार. (2022)। आरसीईपी समझौते के तहत टैरिफ प्रतिबद्धताएं और भारत का मुद्दा। आईओएसआर जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस (आईओएसआर-जेईएफ), 13(5), 53-60.

शर्मा, सी., एवं मिश्रा, आर.के. (2022)। प्राकृतिक संसाधन के अच्छे और बुरे पर, भ्रष्टाचार और आर्थिक विकास नेक्सस, पर्यावरण और संसाधन अर्थशास्त्र, 82(4), 889-922.

चौधरी, ए., साहू, एस., एवं डावर, वी. (2022)। उभरते बाजार में संस्थागत निवेशकों के ब्लैक बॉक्स के अंदर: विक्रय पक्ष विश्लेषक आउटपुट की भूमिका। वित्तीय बाज़ारों में गुणात्मक अनुसंधान, 14(5), 637-656.

सिन्हा, ए., सेडाई, ए.के., नेपाल, आर., एवं कुमार, ए. (2022)। क्या निरंकुश सत्ताएँ पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं? दो शताब्दियों के डेटा से वैश्विक साक्ष्य। द एनर्जी जर्नल, 44(2), 47-77.

श्री लक्ष्मी, आर., सिन्हा, ए., एवं मंडल, एस.के. (2022)। भारत में कोविड 19 से संबंधित अनिश्चितता, निवेशकों की भावना और स्टॉक रिटर्न, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 57(35), 53-61.

ठुकराल, एस., एवं सिंह, एम. (2023)। ई-कचरा प्रबंधन के प्रति उत्पादक के दृष्टिकोण पर एक खोजपूर्ण अध्ययन: उभरते बाजारों का एक मामला: क्लीनर अपशिष्ट प्रणाली। एल्सेवियर, 5, 155.

पुस्तक-अध्याय

सिंह, सौरभ. (2023)। डिजिटल मार्केटिंग एनालिटिक्स के साथ यथार्थवादी होना: रूपांतरण अनुकूलन दर, (पृ.179-198)। उत्तर प्रदेश: ब्लू रोज़ प्रकाशन।

विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन

श्री हिमांशु गवरी, श्री खगेश बत्रा, श्री प्रतीक जैन, श्री चैंया शाश्वत, सुश्री सोनाली हांसदा, श्री अनुज राहुल जोशी, कॉर्पोरेट, एन.ए., जेनेसिस 2022, 20-08-2022.

श्री हिमांशु गवरी, श्री खगेश बत्रा, श्री प्रतीक जैन, श्री चैंया शाश्वत, सुश्री सोनाली हांसदा, श्री अनुज राहुल जोशी, कॉर्पोरेट, एन.ए., जेनेसिस 2022, 20-08-2022

श्री नमन तनेजा, प्रमुख लेखा प्रबंधक, सिग्निफाई, एन.ए., फिलोमैथेस: उत्पाद विकास के वित्तीय पहलू, 24-09-20222.

श्री यश अरोड़ा, मैनेजिंग पार्टनर, नेक्समाइल प्रोफेशनल्स, एन.ए., फिलोमैथ्स: नेता पैदा होते हैं, विकसित नहीं... एक मिथक, 13-10-2022.

श्री संदीप कुमार, सुश्री गुंजीत कौर, श्री सुमित भाटिया, श्री नवेंदु शेखर, सुश्री निधि विनोद, श्री तुषार सचदेवा, श्री अमित कटारिया, सुश्री सुगंधा जैन, सुश्री कल्पना सचदेवा, श्री सिद्धार्थ श्रीवास्तव, सुश्री सोनल अरोड़ा, श्री रमित बेदी, सुश्री टीना कालरा, सुश्री ज्योति भट्ट, कॉर्पोरेट, एन.ए>, थ्राइव'22: एचआर समिट, 15-10-2022.

श्री शांतनु धर, डॉ. प्रीति संभलवाल, सुश्री रुचि धवन शर्मा, श्री राकेश सिन्हा, डॉ. अशोक कुमार सांगवान, सुश्री रोशनी छाबड़ा, श्री राजीव निथानी, श्री प्रणव सिन्हा, श्री ऋषभ चोपड़ा, कॉर्पोरेट, एन.ए>, एचआर

कॉन्क्लेव, 19-11 -2022.

श्री निशाल जोसेफ, श्री फेला चावंगथु, श्री नवदीप कुमार, सुश्री मिताली लाम्बा, सुश्री मैत्रेयी गांगुली, श्री संजय थावाकर, श्री अमोघ गुप्ता, श्री रोहित चड्ढा, सुश्री भाव्या सूद, श्री गौतम बाहरी, श्री प्रतीक जैन, कॉर्पोरेट, एन.ए., इम्प्रिंट्स 2022, 05-11-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठियों/सम्मेलनों (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) में प्रस्तुतीकरण

प्रो. अमिताभ गुप्ता

16-17 दिसंबर, 2022 को विश्व वित्त बैंकिंग संगोष्ठी, मियामी, यूएसए में फ़ैज़ा पीरभाई के साथ भारतीय कंपनियों के बोर्ड में महिला निदेशकों की नियुक्ति पर बाज़ार की प्रतिक्रिया प्रस्तुत की।
डॉ. सौरभ सिंह

"वीयूसीए विश्व में बिजनेस लीडरशिप: लोगों, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के प्रभावी एकीकरण के माध्यम से विकास को आगे बढ़ाना" पर आयोजित XVIII अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विघटनकारी वित्तीय प्रौद्योगिकी पर एक अध्ययन: फिनटेक साहित्य के बिबिलियोमेट्रिक विश्लेषण से अंतर्दृष्टि" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया (17-18 फरवरी 2023)।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह कॉलेज में डेटा साइंस (पायथन) पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया (24 फरवरी-2 मार्च 2023)।

विषय विशेषज्ञ के रूप में शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में डेटा साइंस (पायथन) पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया (24 फरवरी-2 मार्च 2023)।

डॉ. सोनल ठुकराल

वारसॉ, पोलैंड में एसजीएच वारसॉ स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एआईबी) द्वारा "वैश्विक व्यवधानों के तहत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार लचीलापन" विषय पर 5-9 जुलाई, 2023 को आयोजित कार्यक्रम में "पारिवारिक फर्मों के विदेशी बाजार में प्रवेश के तरीके: एक समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्याता/विषय विशेषज्ञ:

21 अप्रैल 2023 को वाणिज्य विभाग, दयाल सिंह कॉलेज, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा 'डिजिटलीकरण: आर्थिक विकास की ओर एक कदम' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में एक सत्र की सह-अध्यक्षता की।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

व्यावसायिक अर्थशास्त्र, वित्त और औद्योगिक विकास से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में अनुसंधान, संकलन और ज्ञान के प्रसार के लिए पक्षकारों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और

मानविकी संकाय (एफएएसएसएच), दिल्ली विश्वविद्यालय तथा औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के बीच 24 नवंबर, 2022 को समझौता-ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह सहयोग व्यावसायिक अर्थशास्त्र, वित्त और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में डॉक्टरेट अनुसंधान सहित अनुसंधान कार्यक्रमों को सुविधाजनक बनाएगा। यह परिकल्पना की जाती है कि जैसे-जैसे सहयोग विकसित होता जाएगा, सहयोगी क्रियाकलापों का विस्तार अन्य क्षेत्रों तक भी किया जा सकता है।

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

एमबीए (वित्त)-2022

अंतिम नियोजन-49 में से 37 नियोजित किए गए (76%)

कैंपस भर्ती के लिए 11 कंपनियों ने दौरा किया

ग्रीष्मकालीन नियोजन-48 में से 47 नियोजन (98%)

कैंपस भर्ती के लिए 24 कंपनियों ने दौरा किया

एमबीए (व्यवसाय अर्थव्यवस्था)-2022

अंतिम नियोजन-70 में से 68 नियोजित किए गए (97%)

कैंपस भर्ती के लिए 19 कंपनियों ने दौरा किया

ग्रीष्मकालीन नियोजन-79 में से 46 नियोजन (58%)

कैंपस भर्ती के लिए 17 कंपनियों ने दौरा किया

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

वृक्षारोपण

वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग ने 20 अगस्त, 2022 को लायंस क्लब, दिल्ली के सहयोग से साउथ कैंपस में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रो. संजय सहगल, विभाग प्रमुख, प्रो. गिरधर कुमार पांडे, अध्यक्ष, उद्यान समिति, साउथ कैंपस, श्री जी.एल. मुसाफिर, अध्यक्ष, लायंस क्लब, श्री वी. स्वामीनाथन, सचिव, लायंस क्लब, श्री हरीश अरोड़ा, कोषाध्यक्ष, लायंस क्लब, श्री नवनीश जैन, परियोजना अध्यक्ष और श्री आशीष जैन, परियोजना समन्वयक ने साउथ कैंपस में विभिन्न किस्मों के पादपों का रोपण किया।

योग दिवस

21 जून, 2022 को प्रात: 11 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस के वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग में योग दिवस मनाया गया। विभाग के संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने योग सत्र में भाग लिया। प्रतिभागियों द्वारा प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोमविलोम, भस्त्रिका और भ्रामरी जैसे श्वास व्यायाम किए गए। प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, अध मुख शवासन, त्रिकोणासन, नौकासन, भुजंगासन आदि योगासन भी किए।

आद्रभूमि दिवस समारोह

विश्व आद्रभूमि दिवस के अवसर पर, वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग की प्रोफेसर यामिनी गुप्त ने 2

फरवरी, 2023 को दिल्ली के यमुना जैवविविधता पार्क में आयोजित किए गए आद्रभूमि दिवस में एमबीए (व्यवसाय अर्थशास्त्र) के 53 छात्रों और डॉ. सुनील कुमार के साथ प्रतिभागिता की। इस आयोजन का विषय था "आर्द्रभूमि पुनर्स्थापन का समय"। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक संस्थाओं के विशेषज्ञों, उद्योगपतियों, प्रकृति प्रेमियों और विभिन्न संस्थानों जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. यामिनी गुप्त ने भारत द्वारा 2023-24 तक की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आशा के संदर्भ में आद्रभूमि द्वारा उत्पन्न पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्य ($47 ट्रिलियन) के परिमाण पर प्रकाश डाला।

संकाय सदस्यों की संख्या - 15

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. (वित्त)-4 पीएच.डी (व्यवसाय अर्थशास्त्र)-2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अरावली जैवविविधता पार्क के पारिस्थितिक लाभों पर शोध कार्य

प्रो. यामिनी गुप्त के एक अध्ययन में पाया गया है कि वसंत कुंज में दिल्ली विकास प्राधिकरण के अरावली जैवविविधता पार्क में 2,00,000 से अधिक पूर्ण विकसित वृक्ष (15 वर्ष और उससे अधिक पुराने) अब तक लगभग 9,107 टन CO_2 संग्रहीत करने में सक्षम हुए हैं-जिसका मूल्य 12.35 करोड़ रु. है। अध्ययन में वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने और भंडारण की प्रक्रिया के माध्यम से वृक्षों की कार्बन पृथक्करण क्षमता का आकलन किया गया।

***

कला संकाय

अरबी

संक्षिप्त विवरण

अरबी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय का 1922 से सबसे पुराने विभागों में से एक है। प्रारंभ में यह सेंट स्टीफन महाविद्यालय में स्थित था और बाद में कला संकाय भवन में स्थानांतरित हो गया। शम्सुल उलेमा मौलाना अब्दुर रहमान और मौलाना सईद अहमद अकबराबादी जैसे प्रसिद्ध विद्वानों ने विभाग की प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत-अरबी साहित्य को बढ़ावा देने में विभाग ने प्रतिष्ठित विद्वान बनाए हैं और पूर्व-छात्रों ने अरबी में राष्ट्रपति प्रमाणपत्र प्राप्त किया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

विभाग ने 22 दिसंबर, 2022 को "अरबी अध्ययन इंडो-अरब संस्कृति, भाषा और साहित्य" पर विद्वानों की एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

एक विदेशी प्रतिनिधि जार्डियन के प्रोफेसर डॉ. नाजी अल-कबेलत, निदेशक, भाषा केंद्र, अल-बाल्का एप्लाइड यूनिवर्सिटी, अम्मान, जॉर्डन ने 21 जनवरी, 2023 को समझौता-ज्ञापन द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय और अल-बाल्का एप्लाइड यूनिवर्सिटी, अम्मान, जॉर्डन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए विभाग का दौरा किया।

के.ए. फारिक मेमोरियल व्याख्यान-15, 15 मार्च, 2023 को "अरबी भाषा में अवध का योगदान" पर।

विभाग ने 15-16 मार्च 2023 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "अरब और गैर-अरबों के लेखन में भारतीय संस्कृति और सभ्यता" का आयोजन किया।

"आरएसएमपीपीएस" रिसर्च स्कॉलर्स मासिक शोध-पत्र प्रस्तुति कार्यक्रम, अप्रैल 2022-मार्च 2023 के दौरान महीने के प्रत्येक अंतिम गुरुवार को नियमित आधार पर विभाग द्वारा आयोजित "विद्वानों के विशेष विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ"।

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान तीन से अधिक आमंत्रित व्याख्यान निम्नानुसार आयोजित किए गए थे;

(I) "आधुनिक अरबी साहित्य के रुझान और चलन" प्रोफेसर मुजीबुर रहमान जेएनयू द्वारा दिया गया।

(II) "आधुनिक अरबी कविता" प्रोफेसर फौज़ान अहमद जे.एम.आई द्वारा.

(III) "अनुवाद (अरबी-अंग्रेजी) विधि और रुझान" प्रोफेसर हबीबुल्ला खान जे.एम.आई द्वारा.

विभाग के तीन वरिष्ठ संकायों को इब्न सिना अकादमी अलीगढ़ द्वारा पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

सम्मान/गौरव

विभाग के निम्नलिखित तीन वरिष्ठ संकायों को इब्न सिना अकादमी अलीगढ़ द्वारा पुरस्कारों से सम्मानित किया गया:

प्रोफेसर नौमान खान

प्रोफेसर हसनैन अख्तर

प्रोफेसर नईमुल हसन

प्रकाशन

शोध-लेख

अख्तर, एसएच, और जामिया-इलाहाबाद, (2022)। वहदा-अल-उम्माह। अक्तूबर, आईएसएसएन 2348-5057.

अख्तर, एसएच (2022-2023)। जार्ज जुदाक़ और उनकी तालीफ़ "अल-इमाम अली, सौतुल अदला-अल-इंसामिया"। सलूनी, दिसंबर-फरवरी, आईएसएसएन 2348-2567.

हसन, एन. (2022)। विद्वानों के व्यक्तित्व की नींव में शब्दकोशों की भूमिका। मजल्लाह अल-दिरासत अल-अरब: जर्नल ऑफ़ अरेबिक स्टडीज, अरबी भाषा और साहित्य का एक वार्षिक शोध जर्नल, आईएसएसएन 2231-1912.

अख्तर, एम. (2021-2022)। मोहम्मद हुसैन हाइकल की तहरीक में हिंदुस्तानी तहजीब वा थकाफत की अक्कासी। शमा-ए-हयात, आईएसएसएन 2395-1230.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

अख्तर, एम. (2022)। अब्दुल हमीद यहूदा अल-सहैर व इशामातुहू फी अल-क़िसाह अल-अरबिया। मरकज़ी प्रकाशन। आईऍसबीऍन 978-93-91105-57-0.

अख्तर, एम. (2022)। माज़ सुमा-तुल-क़ियाम फी रेवायत अब्दुल हमीद यहूदा अल-सहैर। मरकज़ी प्रकाशन। आईऍसबीऍन 978-93-91105-65-5.

अख्तर, एम. (2022)। मौलाना मनाज़िर अहसान गिलानी अपनी स्थिति के आईने में। मौलाना मनाजीर अहसान गिलानी में, हयात, खिदमत और अफकार। वस्तुनिष्ठ अध्ययन संस्थान। आईऍसबीऍन 978-93-84973-38-4.

अकरम, एम. (2022)। यूनानी चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय मानक शब्दावली। विश्व स्वास्थ्य संगठन। आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 978-92-4-006495-9 (इलेक्ट्रॉनिक संस्करण), 978-92-4-006496-6 (प्रिंट संस्करण).

शोध परियोजनाएं

अयूब, एम. (2021)। हिंदुस्तान में अरबी सहफल (अल-सिहाफा अल-अरबी फियाल-हिंद) का उर्दू तर्जुमा। राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीयूएल)। अवधि: 24 महीने। बजट:₹1,05,000.

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

विभाग ने 15-16 मार्च 2023 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "अरब और गैर-अरबों के लेखन में भारतीय संस्कृति और सभ्यता" का आयोजन किया।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रोफेसर हसनैन अख्तर ने 21-22 दिसंबर को जामिया के अरबी विभाग में "अरबी में शोध के विभिन्न पहलू" विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रोफेसर नईमुल हसन, अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा 15-16 मार्च 2023 को आयोजित

"अरब और गैर-अरबों के लेखन में भारत संस्कृति और सभ्यता" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. मुजीब अख्तर ने 1-2 मार्च, 2023 को आयोजित अरबी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "इज़ा-अतु-उमूम-अल-हिंद वा दौरुहा फी इरसा-ए-दायम-अल-सहफाह-अल-अरबह फि-अल-अल-हिंद" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मोहम्मद अकरम ने 29-30 नवंबर 2023 को सेंटर फॉर अरबी एंड अफ्रीकन स्टडीज जेएनयू द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इलमूल माजिम लादल अरब" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मोहम्मद अकरम ने 15-16 मार्च 2023 को दिल्ली के अरबी विश्वविद्यालय विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मशाहिद फी तुहफतिनुजर उम्म हजरतिलहिंद वा थकफातिहा' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मोहम्मद अकरम ने 17 नवंबर 2022 को प्रसारित प्रसार भारती, आकाशवाणी, दूरदर्शन की चर्चा में भाग लिया। रात्रि 10:00 बजे (9 नवंबर 2022 को रिकॉर्ड किया गया) (30 मिनट)।

डॉ. मोहम्मद अकरम ने 9 मार्च 2023 को प्रसारित प्रसार भारती, आकाशवाणी, दूरदर्शन की चर्चा में भाग लिया। रात्रि 10:00 बजे (7 मार्च 2023 को रिकॉर्ड किया गया) (30 मिनट)

डॉ. मोहम्मद अकरम ने 31 मई 2022 को कुल्लियात फैकल्टी ऑफ मेडिसिन एएमयू अलीगढ़ (यूपी) में आयोजित सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया। नई दिल्ली में अल-फलाह फाउंडेशन न्यूयॉर्क द्वारा 23 अक्तूबर 2022 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सीरा कार्यक्रम में "पैगंबर मुहम्मद का जीवन" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. असगर महमूद ने 29-30 नवंबर, 2022 को सेंटर फॉर अरबी एंड अफ्रीकन स्टडीज जेएनयू द्वारा आयोजित "अरबी साहित्य की यात्रा : युगों के माध्यम से अपनी विभिन्न शैलियों का विकास" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. असगर महमूद ने "अरबी भाषा सीखने का महत्व" विषय पर सरकारी डिग्री महाविद्यालय थन्ना मंडी, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर, अरबी विभाग में व्याख्यान दिया।

संकाय संख्या : 5+4=09

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 04

प्रदत्त एम.फिल की संख्या : 08

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

एक ऑनलाइन/ऑफलाइन अरबी जर्नल/पत्रिका लॉन्च करना।

अरबी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने में डीयू के पूर्व छात्रों के योगदान पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना।

मार्च, 2024 में फ़ारिक मेमोरियल लेक्चर का आयोजन करना।

***

बौद्ध अध्ययन

संक्षिप्त विवरण

दर्शनशास्त्र विभाग की देखरेख में भारत सरकार द्वारा 1957 में स्थापित, बौद्ध अध्ययन विभाग ने 1962 में दिल्ली विश्वविद्यालय में एक पूर्ण विभाग के रूप में कार्य करना शुरू किया । 1989 में, इसे विभाग विशेष सहायता (डीएसए) प्राप्त हुई। वर्ष 2006 में अपने शैक्षणिक दायरे का विस्तार करते हुए, विभाग ने उन्नत अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

उन्नत अध्ययन केंद्र और ई-पाठशाला कार्यक्रम

सम्मान/गौरव

विभाग में एक संकाय को भारत के राष्ट्रपति द्वारा 2018 युवा पाली विद्वान के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

शोध-लेख

शर्मा, एन. (2022)। वैश्विक संजाल मैन मथुरा बौध मूर्तिकला : एक सांस्कृतिक धरोहर। नागफानी, 18(12), 22-24.

शर्मा, एन. (2022)। मथुरा जनपद का बौद्ध विवरण। शोध ऋतु, 20(5), 23-24.

शर्मा, एन. (2022)। नारी अस्मिता के विविध आयाम : ऐतिहासिक परिपेक्ष्य। नागफानी, 24(7), 43-67. एस

शर्मा, एन. (2022)। एप्लीकेशन ऑफ़ एप्लाइड बुद्धिज़्म एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन पर्सनल डेली लाइफ । शोधऋतु।

शर्मा, एन. (2022)। बौद्ध धर्म दर्शन । शोधऋतु।

संगई, जी. (2022)। समता एंड विपस्सना मैडिटेशन : इट्स इम्पोर्टेंस इन बुद्धिज़्म एंड ह्यूमन वेल-बीइंग। दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय अनुसंधान जर्नल।

सुस्मिता। (2022). रेलेवंस ऑफ़ बुद्धिज़्म इन द ऐज ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन। ग्लोबल थॉट, 24, 154-157.

सुस्मिता। (2022). पालि वांग्मय में प्रयुक्ता 'थेरवाद अवं बिभज्जयवाद शोभदों के तत्पर्या का अनुशीलन। धर्मदूत, 88.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

शर्मा**,** एन. (**2023)**। संबोधि। महाबोधि सोसाइटी। आईऍसबीऍन 978-93-93-9329105-09.

सुस्मिता। (**2023).** दशबोधिसट्टुपत्तिकथा. नव नालंदा महाविहार। आईऍसबीऍन 978-93-83205-53-0.

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. नीरजा शर्मा ने मलेशिया विश्वविद्यालय, मलेशिया और एनएस सीबी, भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित मलेशिया में 21-22 जनवरी 2023 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. नीरजा शर्मा एसडी महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता 20-21 अगस्त 2022, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर "1857 के संग्राम में पत्रकारिता की भूमिका" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीरजा शर्मा ने 10 अक्स युवा विद्वानों की 1 और 2 जुलाई 2022 को "भारत में कोरियाई अध्ययन में उभरते रुझान : गतिशीलता और विविधीकरण" विषय पर 10 अक्स युवा विद्वानों के एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और सेंटर फॉर कोरियन स्टडीज, स्कूल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "कोरिया के एकीकरण के लिए बौद्ध धर्म की भूमिका" विषय पर प्रीएंटेड शोध-पत्र प्रस्तुत किया ।

डॉ. नीरजा शर्मा ने 24-25 मार्च, 2022 को सत्यवती महाविद्यालय (पूर्व संध्या) में "समकालीन विश्व में बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की। बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईक्यूएसी द्वारा आयोजित।

डॉ. नीरजा शर्मा ने 24-25 मार्च, 2022 को सत्यवती महाविद्यालय (पूर्व संध्या) में "समकालीन विश्व में बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता" विषय पर बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईक्यूएसी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. गलधन संगई, राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रसार में भारतीय पद्मसंभव की भूमिका विषय पर आर्यभट्ट महाविद्यालय में 13-14, दिसंबर 2022' को विशेष व्याख्यान।

डॉ. सुस्मिता ने सेमिनार में "वैश्विक पारिस्थितिक समस्याओं को कम करने के लिए बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया, वैश्वीकरण के युग में बौद्ध धर्म और पर्यावरण संकट, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 19 मार्च 2023.

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत) : 26

संकाय संख्या : 12

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 26

प्रदत्त एम.फिल डिग्री की संख्या : 6

***

अंग्रेज़ी

संक्षिप्त विवरण

1922 में दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना के वर्ष में अंग्रेजी विभाग, एम.ए. और पीएच.डी. स्तरों की डिग्री प्रदान करता है। एम.फिल. कार्यक्रम, जो पहले प्रस्तावित किया गया था, 2022 में पूरे विश्वविद्यालय में बंद कर दिया गया। विभाग 79 संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। 1970 से,

यह दो कैंपसों से संचालित है : कला संकाय में मुख्य कैंपस, उत्तरी दिल्ली और दक्षिण कैंपस, धौला कुआं, दक्षिण दिल्ली। इसके अतिरिक्त, विभाग गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड में एम.ए. (अंग्रेजी) कार्यक्रम संचालित करता है। विविध प्रकार के मंचों के माध्यम से कक्षा के भीतर और बाहर छात्रों को गहन सलाह प्रदान की जाती है। विभाग के कार्यकलापों में अनेक विषयों पर चल रहे व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग, संगोष्ठी, सम्मेलन और बोलचर्चा शामिल है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

वर्ष 2012 में, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने वैश्विक मान्यता प्राप्त की। इसे क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग द्वारा दुनिया भर में शीर्ष 100 अंग्रेजी विभागों में स्थान दिया गया जो इस श्रेणी में भारत से एकमात्र है। अपनी स्थापना के बाद से दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक विभाग वर्तमान में एम.ए. और पीएच.डी. डिग्री कार्यक्रमों का संचालन करता है, विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों में स्नातक अंग्रेजी शिक्षण की देखरेख करता है। महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, विभाग गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड के माध्यम से महिला छात्रों के लिए अंग्रेजी कार्यक्रम में एम.ए. पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसमें समाज के हाशिए वाले वर्गों के छात्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अपनी स्थापना के बाद से साहित्यिक अध्ययन के विहित क्षेत्रों को बनाए रखते हुए, विभाग वर्षों से शिक्षा और समाज की उभरती मांगों और चुनौतियों का सक्रिय रूप से प्रत्युत्तर देता है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर अनिल के. अनेजा : 2022 में एनसीपीईडीपी एलटीआई - माइंडट्री द्वारा हेलेन केलर पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रोफेसर रिमली भट्टाचार्य : पोट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी में विजिटिंग फेलोशिप से सम्मानित।
प्रोफेसर इरा राजा : पॉट्सडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी, 2022 में वैश्विक आधुनिकताओं के लिए पॉट्सडैम पोस्टकोलोनियल चेयर के लिए नियुक्त।

प्रोफेसर उज्जवल जाना : शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के लिए इओटवोस लोरांड विश्वविद्यालय, बुडापेस्ट, हंगरी में सहयोगी अनुसंधान के लिए हंगेरियन राज्य छात्रवृत्ति प्रदान की गई। शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 में हंगरी के डेब्रेसेन विश्वविद्यालय में सहयोगी अनुसंधान के लिए हंगेरियन स्टेट स्कॉलरशिप भी प्राप्त की।
डॉ. श्वेता एंटनी : 8 नवंबर 2022 से 31 अक्टूबर 2023 तक इंडियाना यूनिवर्सिटी, साउथईस्ट, न्यू अल्बानी, यूएसए के साथ एडीएचडी ग्राफिक मेडिकल नैरेटिव्स पर प्रोजेक्ट के लिए रिसर्च एफिलिएट के रूप में सेवारत।
डॉ. भारती अरोड़ा : 2022 में एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी, यूके में चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट फेलो नामित।

प्रकाशन

शोध-लेख

कुमार, राज, 'ए हंटिंग ट्रेजेडी : जेंडर, कास्ट एंड क्लास इन द 1866 फेमिन ऑफ उड़ीसा': ए बुक-रिव्यू आर्टिकल इन *सोशियोलॉजिकल बुलेटिन*, सेज पब्लिकेशंस, 30 जून 2023 (ऑनलाइन)

अनेजा, अनिल। "डिस्मैंटलिंग द नोर्मेटिव : जोनाथन स्विफ्ट एंड गुलिवर ट्रेवल्स (1726)" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी) वॉल्यूम 11, अंक 3, मार्च, 2023.

मंडल, अरिजीत और उज्जवल जाना। "मैपिंग द पोएटिक्स ऑफ मेमोरी : ए क्रिटिकल रीडिंग ऑफ मनोरंजन ब्यापारी इंटेरोगेटिंग माय चांडाल लाइफ एज कल्चरल आर्काइव" कंटेम्पररी वॉइस ऑफ़ दलित, 2023.

सेतुलक्ष्मी, एस और उज्जवल जाना। "ए रिव्यु ऑफ़ क्रिटिकल डिजास्टर स्टडीज"। जैकब एसी रेमेस और एंडी होरोविट्ज़ द्वारा .."इंटरडिसिप्लिनरी लिटरेरी स्टडीज"। वॉल्यूम 24, नंबर 3, 2022, पीपी 463-466.

जाना, उज्जवल और तनुश्री दत्ता। "टेक्स्ट एस एन आर्काइव : ए क्रिटिकल रीडिंग ऑफ़ एस्टेरिन कीरे व्हेन द रिवर स्लीप्स।"स्केस जर्नल ऑफ लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज", वॉल्यूम 4, नंबर 3, पेज 61-69.

दुबे, योगेश के. "लोकेटिंग द इनर वॉइस ऑफ़ मैकबेथ इन द थ्री वीचेस। "द जर्नल ऑफ ओरिएंटल रिसर्च मद्रास, वॉल्यूम नंबर XCIII - VII, 2022. (पहला लेखक)।

दुबे, योगेश के. "शेक्सपियर वीमेन इन मच अदो अबाउट नथिंग"। अन्वेसाक, खंड संख्या 52 संख्या 2 (1), 2022, पृष्ठ 150 - 157.

दुबे, योगेश के. "मस्क्युलिस्ट सेपरटिस्म : ए टूल ऑफ़ जेंडर सबवर्सन अंडर द तालिबान। जर्नल ऑफ एजुकेशन : रबिन्द्र भारती यूनिवर्सिटी, वॉल्यूम नंबर XXIV, 2022, पृष्ठ 255 - 260.

कदीर, हारिस। "दैट वन"। उर्दू अध्ययन, मेहर ए फारूकी द्वारा संपादित अतिथि, 2022.

सिंह, विनोद के. "मेल शोवनिज़म इन राम-लोर : ए रीअसेस्मन्ट।" मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज। 2022 (27.1) पृष्ठ 133-36. आईएसएसएन। 0973-855X.

सिंह, विनोद के. "एनपीई (1986) से एनईपी (2020) तक : द रेलेवंस ऑफ़ इंग्लिश एजुकेशन टुडे." बंगाल, पास्ट एंड प्रेसेंट। 2022 (140.1) 200-03। आईएसएसएन। 00058807.

सिंह, विनोद के. "शेक्सपियर पोलिटिकल विजडम : ए स्टडी फ्रॉम इंडियन पर्सपेक्टिव।" अन्वेषक । 2022 (52.2 आई)। पृष्ठ 146-49. आईएसएसएन। 03784568.

रानी, गीता। "मर्डरर ऑफ़ मार्टियर्स : फादर सन रिलेशनशिप इन आल माय संस " आईजेसीआरटी, खंड संख्या 10, अंक 11, नवंबर 2022।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

पुस्तकें

देवदावसन, क्रिस्टेल आर, आरडब्ल्यू देसाई, राजीव वर्मा (सं.) *एसेज ऑन इंग्लिश एंड इंडियन लिटरेचर : प्रीकोलोनियल से पोस्टकोलोनियल*, दिल्ली: आकार। 2022 (आगामी, प्रूफ पारित)

जाना, उज्जवल। संपादक, डिजिटल कल्चर इन ह्यूमैनिटीज़ : कंटेम्पररी ट्रेंड्स, नई दिल्ली: एबीएस बुक्स, 2023

पुस्तकों में अध्याय

पंजा, शोरमिष्ठा। "हीरोइक मेवरिक : लेबेडेफ्फ एंड द थिएटर ऑफ़ बंगाल ,"गेरासिम लेबेडेफ और द *डॉन ऑफ इंडियन नेशनल रेनेसां* एड. में आगामी यारोस्लाव वासिलिकोव, प्रेस ऑफ द म्यूजियम ऑफ एंथ्रोपोलॉजी एंड एथ्नोग्राफी, रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस।

देवदावसन, क्रिस्टेल आर. 'राइवल शकुंतलस' : नेहरू, जयप्रकाश नारायण एंड शंकर'स इंडिया,' प्रीकोलोनियल टू पोस्टकोलोनियल इंग्लिश एंड इंडियन लिटरेचर, एड रुपिन देसाई, क्रिस्टेल देवदावसन और राजीव वर्मा, आकार : दिल्ली 2022, 145-162.

देवदावसन, क्रिस्टेल आर. 'विजुअल एडवोकेसी एंड द गांधी आइकन, 'इन गांधी, एडवोकेसी जर्नलिज्म एंड द मीडिया, एड डेविड बुल्ला में, न्यूयॉर्क : पीटर लैंग 2022, 225-236.

कुमार, राज, 'मधुसूदन दास : एड्रेसिंग द दलित क्वेश्चन' द अनडाइंग लिगेसी ऑफ मधुसूदन दास' में, जुगल किशोर मिश्रा, कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, भुवनेश्वर, 2022 द्वारा संपादित।

कुमार, राज, 'ए फ्यू वर्ड्स फॉर डॉ. जीतमित्रा सिंह देव', इन मरागुडा टू महानदी, फनिंदम देव एट अल द्वारा संपादित, खदियाल गबेशाना प्रतास्तान, खारिया, 2022, पृष्ठ 121-123.

कुमार, राज, 'इन मेमोरी ऑफ गेल ओमवेट' में गेल ओमवेट: फर्स्ट अम्बेडकर राइट्स वुमन राइटर, मोहनदास नमिश्रय द्वारा संपादित, अपोलो पब्लिशर्स, दिल्ली, 2022, पृष्ठ 136-141.

कुमार राज, 'द 'अदर' इंडियंस : रीडिंग दलित डिस्कोर्स इन जोसेफ मैकवान अंगलियात' में दलित राइटिंग: इमर्जिंग पर्सपेक्टिव्स, संतोष गुप्ता और बंदना चक्रवर्ती द्वारा संपादित, रावत प्रकाशन, जयपुर, 2022, पृष्ठ 21-36.

कुमार राज, 'मूली'स लाइफ हिस्ट्री एस दलित टेस्टीमोनिओ' इन सबलटर्निटीज़ इन इंडिया एंड लैटिन अमेरिका : दलित ऑटबाइआग्रफी एंड द टेस्टीमोनिओ, सोन्या सुरभि गुप्ता द्वारा संपादित, रूटलेज, लंदन, 2022, पृष्ठ 96-110.

भट्टाचार्य, रिमली। वुड एंड वाटर : रेसोनानेस फ्रॉम द इंडियन ओशन'। दक्षिणी प्रिंट विवरण में पुस्तक अध्याय, एड। चार्ने लैवरी और सारा न्यूटल, यूनिवर्सिटी ऑफ विटवाटरसैंड प्रेस, जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका (2022 के अंत में आगामी)।

इस्लाम, मोहमिनुल और उज्जवल जाना। "डिसेबिलिटी लाइफ राइटिंग इन इंडिया। क्रिप ऑथरशिप : डिसेबिलिटी एज मेथड, मारा मिल्स और रेबेका सांचेज़ द्वारा संपादित, न्यूयॉर्क, यूएसए: न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी प्रेस, 2023, पृष्ठ 210-218.

जाना, उज्जवल। "फॉरगिविंग थ्री टाइम्स & इंडियन फोक नैरटिव"। साहित्य अकादमी, 2022.

जना। उज्जवल। "फ्रॉम इमीटेशन टू इन्जनूइटी : बंगाली थिएटर फ्रॉम 1795-1857." इन्डीअन एस्थेटिक्स : कन्वर्जेन्सेस एंड डाइवर्जन्स। डीके प्रिंटवर्ल्ड, 2022.

दुबे, योगेश के. "अफगानिस्तान : ए ग्रेवयार्ड ऑफ़ वीमेन'स राइट्स." डिक्टेटिंग द रूल्स ऑफ़ इंगेजमेंट फॉर कंटेम्परारी वीमेन। कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, 2022.

सिंह, विनोद के. "इंडियन आईडिया ऑफ़ किंगशिप।" इंडियन विज़न ऑफ़ पोलिटिकल थिंकिंग। संजीव कुमार शर्मा और अनसुइया नैन। इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन, 2022; पृष्ठ 65-83. (सह-लेखक एस के शर्मा)

पू, के.बी. जेरी पिंटो और मधुलिका लिडल (सं.) में "क्रिसमस इन द मून प्लेस" इंडियन क्रिसमस: एस्सेज, मेमोरीज़, हिम, नई दिल्ली : स्पीकिंग टाइगर बुक्स, 2022, पृष्ठ 141-152.

पू, के.बी. "लिटरेरी ट्रडिशन्स", जेले जेपी वाउटर्स टंका बी. सुब्बा (सं.) द रूटलेज कम्पेनियन टू नॉर्थईस्ट इंडिया, लंदन/न्यूयॉर्क : रूटलेज, 2023, पृष्ठ 307-311.

पू, के.बी. "पॉपुलर कल्चर" (रेलो केन्ये के साथ सह-लेखक), जेले जेपी वाउटर्स टंका बी सुब्बा (एड्स) में द रूटलेज कम्पेनियन टू नॉर्थईस्ट इंडिया, लंदन/न्यूयॉर्क : रूटलेज, 2023, पृष्ठ 370-374.

अरोड़ा, भारती। "नेगोटिएटिंग जेन्डरड कॉन्टेक्ट्स ऑफ़ द नेशन स्टेट: ए रीडिंग ऑफ़ अमृता प्रीतम'स सेलेक्ट फिक्शन.।" अमृता प्रीतम : द राइटर प्रोवोकेटर में, हिना नंदराजोग और प्रेम कुमारी श्रीवास्तव द्वारा संपादित। रूटलेज, 2023.

अरोड़ा, भारती। "गाँधी एंड पैसन्ट ऑर्गनिज़ैशन इन कोलोनियल इंडिया : ए रीडिंग ऑफ़ सतीनाथ बहादुरी'स धोराई चरित मानस" गाँधी इन इंडिया'स लिटरेरी एंड कल्चरल इमेजिनेशन में, निशात जैदी और इंद्राणी दास गुप्ता द्वारा संपादित। रूटलेज, 2022.

शोध परियोजनाएं

रिमली भट्टाचार्य (भारत से), विक्टोरिया मेमोरियल हॉल (वीएमएच) परियोजना के लिए एनईएच सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान : 2021 से 2023 तक। प्रधान अन्वेषक रोमिता रे (परियोजना निदेशक), सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय ; टिम बैरिंगर, येल विश्वविद्यालय ; जयंत।

चतरजी, सुबर्नो। माइनर रिसर्च ग्रांट, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस स्कीम के तहत फैकल्टी रिसर्च प्रोजेक्ट, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021-2022। परियोजना का शीर्षक : "भारत में युद्ध और संघर्ष का प्रतिनिधित्व।"

चतरजी, सुबर्नो। ले मैंस विश्वविद्यालय और रेनेस यूनिवर्सिटी प्रेस, फ्रांस द्वारा प्रकाशित रिव्यू लिसा/लिसा ई-जर्नल (https://journals.openedition.org/lisa/) के लिए "भारत में युद्ध और प्रतिनिधित्व" पर एक विशेष अंक पर काम करना।

जाना, उज्जवल। भारतीय प्रधान अन्वेषक, शैक्षिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (एसपीएआरसी) परियोजना "भारतीय-यूरोपीय उलझाव : डिजिटल मानविकी के माध्यम से ट्रांसकल्चरल संबंधों की खोज", गेन्ट सेंटर फॉर डिजिटल ह्यूमैनिटीज के साथ - गेन्ट विश्वविद्यालय, बेल्जियम शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 2023 द्वारा वित्त-पोषित

जाना, उज्जवल। अंग्रेजी और अमेरिकी अध्ययन संस्थान, डेब्रेकन विश्वविद्यालय, हंगरी, 2022 में सहयोगी अनुसंधान परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए हंगरी सरकार के टेम्पस फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 में हंगेरियन राज्य छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

जाना, उज्जवल। 2022-2023 के लिए हंगेरियन स्टेट स्कॉलरशिप से सम्मानित, ईएलटीई डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश स्टडीज, इओटवोसलोरांड यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट हंगरी, 2022 में एक सहयोगी शोध करने के लिए हंगरी सरकार के टेम्पस फाउंडेशन द्वारा वित्त-पोषित।

कदीर, हारिस। किंग्स महाविद्यालय, लंदन में विजिटिंग फैलोशिप (चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट) 2022.

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

भारत में अंग्रेजी अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : शताब्दी परिप्रेक्ष्य (28 फरवरी-2 मार्च, 2023) अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के सहयोग से।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

देवदावसन, क्रिस्टेल आर. ""द ड्यूटी टू सी," एंड रिलेटेड पॉसिबिलिटीज इन विजुअल स्टडीज", एट इंग्लिश स्टडीज इन इंडिया, सेंटेनरी पर्सपेक्टिव्स, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, दिल्ली विश्वविद्यालय, फरवरी 2023

कुमार, राज. 02 मार्च 2023 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'दलित अध्ययन एक नया अनुशासन'।

कुमार, राज. मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा द्वारा 28 जनवरी 2023 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'जाति, वर्ग और लिंग : दलित महिलाओं की विषयवस्तु की समझ'।

कुमार, राज. 15 अक्टूबर 2022 को मानविकी संकाय, सर दीनबंधु छोटूराम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल, हरियाणा द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार में 'साहित्य, सीमांतता और पुनर्चक्रण'।

कुमार, राज. जानकी देवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 30 सितंबर 2022 को आयोजित सेमिनार में 'भारतीय साहित्य में गांधी'।

कुमार, राज. 13 अप्रैल 2022 को सत्यवती महाविद्यालय (ईवनिंग), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फ्रॉम बीइंग टू बिकमिंग : दलित आर्टिकुलेशन थ्रू एज एंड अक्रॉस जॉनर'।

अनेजा, अनिल। अंग्रेजी विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय संध्या, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 मार्च, 2023 द्वारा आयोजित 'असमर्थ निकायों से सक्षम विषयों तक' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण

अनेजा, अनिल। अंग्रेजी विभाग, एसजीएनडी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 17 मार्च, 2023 द्वारा आयोजित "विकलांगता के प्रतिनिधित्व की बदलती रूपरेखा" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण, 17 मार्च, 2023.

सिंह, विनोद के. "भारत के विवरण में संतों और संतों की भूमिका और योगदान" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कहा कबिन पर कहत न जाना," भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और बीएपीएस

स्वामीनारायण अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (जनवरी 2023)

सिंह, विनोद के. "चेक एंड बैलेंस : ईविल बनाम कॉन्शियस इन शेक्सपियर," शेक्सपियर और अवचेतन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में। अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (अप्रैल 2022)

नेगी, पूजा। लोककथाओं और जनजातीय अध्ययन विभाग, सामाजिक और व्यवहार विज्ञान स्कूल द्वारा आयोजित "मौखिक परंपरा में संक्रमण और संचरण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "किन्नौरी लोक संस्कृति की जड़ों और मार्गों का पता लगाने" पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया (20 से 22 जनवरी तक) कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, भारत।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विभाग उन छात्रों को सहायता प्रदान करने का ध्यान रखता है जिन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है।

संकाय संख्या : 26
प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 6
प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 23

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग ने विभाग की सीटों पर एम.ए. प्रवेश शुरू किया है। इसके अलावा, एम.ए. स्तर पर विभाग में अनुभाग और ट्यूटोरियल प्रणाली शुरू की गई है। पीएच.डी. सीटों की संख्या बढ़ाई गई है और पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य को संशोधित किया गया है।

2022-23 में शताब्दी वर्ष मनाने के लिए, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के सहयोग से 28 फरवरी, 2023 से 2 मार्च, 2023 तक भारत में अंग्रेजी अध्ययन : शताब्दी परिप्रेक्ष्य शीर्षक से 3-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, डॉ. सुभाष सरकार, माननीय केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा किया गया था और इसकी अध्यक्षता प्रोफेसर योगेश सिंह, माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने की थी। सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मुख्य भाषण दिया गया और इसके बाद ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के प्रबंध निदेशक श्री सुमंत दत्ता ने एक विशेष संबोधन दिया। सम्मेलन के कुछ उप-विषयों में भारत में पुनर्जागरण और 17वीं शताब्दी के अध्ययन, 18वीं और 19वीं शताब्दी के साहित्य, आधुनिकतावाद और परे, औपनिवेशिक कल्पना में भारत, अंग्रेजी और अनुवाद में भारतीय लेखन, 2000 तक विभाग की यात्रा, अंग्रेजी अध्ययन में नई दिशाएं शामिल हैं। प्रख्यात विद्वानों, आलोचकों और लेखकों ने सम्मेलन में वक्ताओं/संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया। सम्मेलन का पिछला सत्र 'इंग्लिश स्टडीज इन इंडिया : द ऑथर्स वॉयस' शीर्षक से एक विशेष सत्र था और इसमें प्रसिद्ध लेखक शामिल थे।

***

जर्मनिक और रोमांस अध्ययन

संक्षिप्त विवरण

1948 में आधुनिक यूरोपीय भाषाओं के विभाग के रूप में स्थापित, जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग 1988 में उभरा। एक अंतःविषय परिप्रेक्ष्य और एक व्यापक यूरोपीय आयाम के साथ सांस्कृतिक अध्ययन पर केंद्रित, विभाग ने 1988 में फ्रेंच, जर्मन और हिस्पैनिक अध्ययन में एमए कार्यक्रम पेश किए। विभाग लगातार विकसित हुआ है, कार्यक्रमों का पुनर्गठन कर रहा है, नए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है, और यूरोपीय सांस्कृतिक अध्ययन पर जोर दे रहा है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी : साहित्य में द्वीप, साहित्यिक द्वीप, द्वीप साहित्य, 2-4 मार्च 2023

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर मिन्नी साहनी : हिस्पैनिस्ट्स के इंटरनेशनल एसोसिएशन के बोर्ड 2023-2026 के निर्वाचित सदस्य।

प्रकाशन

शोध-लेख

शेखर, ए. (2022)। इम्प्रेसिओनेस, एनक्यूएंट्रोस वाई रिफ्लेकिओन्स: ला इंडिया पैरा लॉस लिटरेटोस हिस्पानिकोस [इंप्रेशन, एनकाउंटर्स एंड रिफ्लेक्शन्स: इंडिया फॉर हिस्पैनिक राइटर्स]। *स्पेनिशबोलो*, 2 (2)।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

साहनी, एम. (2022)। ला फिगर डेल रेनेगाडे एन एल टीट्रो डे सर्वैंट्स. इन *एक्टैस डे ला असोसाकिओं इंटेर्नसऑनालदे हिस्पानिस्तास.*

साहनी, एम. (2022)। एस्टीलोस,एस्ट्राटेजीअस इ इदेन्तिदद्देस: एल्मर मेंडोज़ा य ला क्रेसिओं डे उन सागा डेटेक्टीवेस्का । वर्नोन प्रेस।

साहनी, एम. (2022)। सुरमाउंटिंग बॉर्डर्स: थे कोर्रिडोस ऑफ़ जेन्नी रिवेरा. इन सेंटरिंग बॉर्डर्स इन लैटिन अमेरिकन एंड साउथ एशियन कॉन्टेक्ट्स: एस्थेटिक्स एंड पॉलिटिक्स ऑफ़ कल्चरल प्रोडक्शन। रूटलेज

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

1. साहित्य में द्वीप, साहित्यिक द्वीप, द्वीप साहित्य, 04-03-2023

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय और वियना विश्वविद्यालय

(ख) दिल्ली विश्वविद्यालय और वुपर्टल विश्वविद्यालय

(ग) दिल्ली विश्वविद्यालय और ट्यूरिन विश्वविद्यालय

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय और इंस्टीट्यूट फ्रांसेस, भारत

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों की संख्या: 02

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

एम.ए. शोध प्रबंध संगोष्ठी, 25-26 अप्रैल 2023

संकाय संख्या:

15 - स्थायी
06 - तदर्थ
03 - आगंतुक

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 03

***

हिंदी

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग देश के सम्मानित शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। संस्कृत विभाग के सहयोगात्मक प्रयासों के तहत 1948 में स्थापित, दोनों विभागों ने शुरू में एक एकीकृत इकाई के रूप में कार्य किया। प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान महामहोपाध्याय पंडित लक्ष्मीधर शास्त्री ने संस्कृत सह हिंदी विभाग के संस्थापक प्रमुख के रूप में कार्य किया। इसके बाद, 1952 में, हिंदी विभाग ने अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत में कुशल एक प्रसिद्ध विद्वान डॉ. नागेंद्र के नेतृत्व में स्वायत्तता से काम करते हुए स्वतंत्रता प्राप्त की।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग का देश शैक्षणिक विभागों में एक प्रमुख स्थान है। यह सक्रिय रूप से अकादमिक उत्कृष्टता के उच्च मानकों को बढ़ावा देता है, नवाचार करता है और बढ़ावा देता है। बदलते समय और ज्ञान और आवश्यकताओं के तेजी से विस्तार के अनुकूल, विभाग लगातार यूजीसी मानदंडों के अनुसार अनुसंधान का एक बेहतर स्तर बनाए रखता है।

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

तिवारी, वी।(एड.) (2023). विचार का आइना: राममनोहर लोहिया. लोकभारती। आईऍसबीऍन 978-81-959656-6-3.

तिवारी, वी।(एड.) (2023). प्रतिनिधि कहानियां: शिवमूर्ति. राजकमल। आईऍसबीऍन 978-81-19028-47-4.

पटेल, आर. (2022)। छायावाद: विचार और विश्लेषन। नेशनल। आईऍसबीऍन 978-939217507-7. पृष्ठ

1-171.

शोध परियोजनाएं

1. आईओई, 10 महीने, नई कहानी में स्त्री मुक्ति के पांच प्रश्न, 200000.
2. आईसीएसएसआर, मार्च, 2023 से मार्च, 2025, साहित्य के हस्तक्षेप के निर्माण या विकास में अनुवाद की भूमिका का समाज भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, 1000000.

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रोफेसर विनोद तिवारी; मुक्तिबोध: साहित्य का जीवन-विवेक; छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी; संस्कृति मंत्रालय; रायपुर, 11 सितंबर, 2022.

प्रोफेसर विनोद तिवारी; प्रेमाश्रम उपन्यास के सौ वर्ष, हिंदी विभाग; देशबंधु महाविद्यालय, डीयू, 22 सितंबर, 2022.

प्रोफेसर विनोद तिवारी; कबीर, मीर और इश्क; आकार पत्रिका, कानपुर का आयोजन; 09 अक्तूबर, 2022.

प्रोफेसर रामनारायण पटेल; डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र का रचना-संसार, राष्ट्रीय, नंदगांव साहित्य एवं संस्कृति, परिषद, राजनंदगांव (छ.ग.); 12 सितम्बर 2022.

प्रोफेसर रामनारायण पटेल; छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य और पत्रकारिता, राष्ट्रीय, पं.आर.एस.विश्व.विश्वविद्यालय, रायपुर; 23 फ़रवरी 2023.

प्रोफेसर रामनारायण पटेल; संपूर्ण हिंदी कविता, राष्ट्रीय, सरकारी केजी आर्ट्स एंड एससी महाविद्यालय, रायगढ़ (सीजी); 25 फ़रवरी 2023.

प्रोफेसर मंजु मुकुल कांबले; साहित्य में दलित मुक्ति के सवाल, किरोड़ीमल महाविद्यालय, डीयू; 21 सितंबर, 2022.

प्रोफेसर मंजु मुकुल कांबले; विश्व में हिंदी की स्थिति; जेडीएम; 14 सितंबर, 2022.

प्रोफेसर स्नेहलता नेगी; दलित साहित्य, कला व सस्कृति; लोकतंत्र के आयने में, दलित लेखक संघ द्वारा आयोजित वक्ता के रूप में आमंत्रित; 21 अगस्त, 2022.

प्रोफेसर स्नेहलता नेगी; नमसाई में अरुणाचल लिट फेस्टिवल (एएलएफ) के चौथे संस्करण द्वारा आयोजित वक्ता के रूप में आमंत्रित कविता पाठ कहानी सुनाने, लेखकों से मिलने, पुस्तक प्रदर्शनी सहित संगोष्ठी; 3-5 नवंबर, 2022.

संकाय संख्या स्थायी : 34

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 45

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या : 16

***

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान

संक्षिप्त विवरण

कला संकाय के अंतर्गत 1946 में स्थापित, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, (स्वर्गीय) डॉ एस आर रंगनाथन, प्रोफेसर एस दासगुप्ता और सर मौरिस ग्वायर के नेतृत्व में, देश का पहला पुस्तकालय विज्ञान विभाग और यूनेस्को की एक संबद्ध परियोजना होने का गौरव रखता है। बीएलआईएससी से परे शिक्षा प्रदान करते हुए, इसने 75 वर्षों में 4049 छात्रों को एमएलआईएससी, एम.फिल. और पीएच.डी. में डिग्री प्रदान की है। पुस्तकालय शिक्षा में अग्रणी, विभाग लगातार बदलती जरूरतों के अनुकूल है। 1972 में नए अध्ययन क्षेत्रों की शुरुआत और 2004 और 2009 में पाठ्यक्रम को संशोधित किया है। अत्याधुनिक आईसीटी बुनियादी ढांचे से लैस, इसकी विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा है। विभाग पुस्तकालय का उपयोग, छात्रावास आवास, चिकित्सा सुविधाएं और छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। प्रतिष्ठित पुस्तकालयों/प्रलेखन केंद्रों के वार्षिक दौरे व्यावहारिक प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं, जो बीएलआईएससी छात्रों के लिए अनिवार्य है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

1946 में पुस्तकालय विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने वाला भारत का पहला विभाग।

पुस्तकालय विज्ञान स्नातकोत्तर लॉन्च करने के लिए ब्रिटिश राष्ट्रमंडल में प्रारंभिक विभाग। इसने 1951 में डॉक्टरेट कार्यक्रम की शुरुआत का भी बीड़ा उठाया, जिसमें पहली पीएच.डी. 1957 में प्रदान की गई। उस युग के दौरान, यह पूरे ब्रिटिश कॉमनवेल्थ में एकमात्र विभाग था जो पीएच.डी. की पेशकश करता था।

पहला, 1978 में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में एम.फिल कार्यक्रम शुरू करना।

सबसे पहले एम.लिब.विज्ञान में दो नए शोध-पत्र प्रस्तावित किए। 1972 में (i) लाइब्रेरी सिस्टम एनालिसिस एंड एलिमेंट्स ऑफ स्टैटिस्टिकल मेथड्स, और (ii) एम.लिब.विज्ञान में लाइब्रेरी में कंप्यूटर एप्लीकेशन।

पहला, कार्यशाला-सह-पुस्तकालय की अवधारणा को प्रस्तावित करना, जिसे बाद में 1999 में अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब में बदल दिया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) ने विभाग के छात्रों के लिए एमएलआईएससी के बाद प्रशिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें छात्रों को 7,500 रुपये से 11,500 रुपये प्रति माह के वजीफे पर दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय में छह महीने तक काम करने का मौका मिलता है।

विभाग ने लाइब्रेरी क्लर्क, सेमी-प्रोफेशनल-असिस्टेंट के स्तर पर एलआईएस पेशेवरों के लिए प्रविष्टि को फिर से खोलने का प्रयास किया, जो 1986 से अवरुद्ध थे।

पहला, 2004 में एमएलआईएससी पाठ्यक्रम में एलआईएस उत्पादों और सेवाओं के विपणन और प्रबंधन परामर्श विषय पर विशेष शोध-पत्र शुरू करना।

पहला, 2009 में एमएलआईएससी पाठ्यक्रम में एलआईएस विषय में सूचना साक्षरता अनुप्रयोगों को शुरू करना।

1946 में पुस्तकालय विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने वाला भारत का पहला विभाग।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर आर. के. भट्ट

डीएलए - शांता वशिष्ठ आउटस्टैंडिंग लीडरशिप लाइब्रेरी अवार्ड 2022.

एलआईएस लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड पुस्तकालयों में हालिया रुझानों, चुनौतियों और अवसरों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून, 24-25 मार्च 2023 में प्रस्तुत किया गया।

प्रोफेसर के.पी.सिंह

विश्व हिंदी साहित्य परिषद- विश्व भागेश्वरी सम्मान-2023.

उपाख्यान भारतीय लाइब्रेरियन प्राइड अवार्ड (आईएलपीए -2022).

प्रोफेसर एम.मधुसूदन

2023: सोशल डेवलपमेंट फेडरेशन, दयालबाग, आगरा (भारत) द्वारा उत्कृष्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार।
2022: सोशल डेवलपमेंट फेडरेशन, दयालबाग, आगरा (भारत) द्वारा रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड।
2022: मद्रास लाइब्रेरी एसोसिएशन (माला), चेन्नई, (भारत) द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड।

प्रकाशन

शोध-लेख

शुक्ला, ए., और भट्ट, आरके (2022)। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित वाणिज्य और वित्तीय अध्ययन के क्षेत्र में डॉक्टरेट थीसिस का प्रशस्ति पत्र विश्लेषण: एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60(2).

मंडल, एचके, और भट्ट, आरके (2022)। ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के शोध विद्वानों और स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा ई-संसाधनों का उपयोग: एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60(3).

लांबा, एम., और मधुसूदन, एम. (2023)। पूर्ण-पाठ बड़े दस्तावेजों में ओसीआर त्रुटियों की खोज: लिस शोध और शोध प्रबंधों का एक अध्ययन। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस, 1-13.

सिंह, बीपी, और मधुसूदन, एम. (2023)। पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों में मोबाइल ऐप-आधारित अनुप्रयोग: साहित्य और भविष्य के अनुसंधान एजेंडा की एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरियनशिप (आईजेओएल), 8(3), 83-102.

बोरा, आर., और मधुसूदन, एम. (2023)। भारत में साहित्यिक चोरी पर अत्यधिक उद्धृत लेखों का अल्टमेट्रिक मैपिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज, 12(1), 1-15.

लांबा, एम., और मधुसूदन, एम. (2022)। विषय मॉडलिंग और पुस्तकालयों में इसका अनुप्रयोग: विशेष साहित्य की समीक्षा। वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरीज, 15(2), 105-120.

सिंह, के.पी., और राय, एस. (2023)। लाइब्रेरी हेराल्ड (1991-2021): एक ग्रंथ सूची का अध्ययन। लाइब्रेरी

हेराल्ड, 60(1), 77-88.

सिंह, के.पी., और अंसारी, एमयू (2022)। सूचना उत्पाद और सेवाएं: विपणन परीक्षण और परीक्षण विपणन। आईएएसएलआईसी बुलेटिन, 67(2), 67-79.

सिंह, के.पी., (2022)। पुस्तकालय और सूचना विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्लेटिनम जयंती का प्रक्षेपवक्र: अकादमिक उत्कृष्टता के लिए एक नया एजेंडा स्थापित करना, डब्ल्यूई-ए मल्टीडिसप्लनेरी & मल्टीलिंगुअल पीर-रीव्यूड रिसर्च जर्नल, 3 (1), 1-14.

सिंह, के.पी., और सिंह, पी. (2022)। सूचना प्रणाली और प्रौद्योगिकी प्रबंधन जर्नल (2018-2022): एक ग्रंथ सूची अध्ययन। डब्ल्यूई-ए मल्टीडिसप्लनेरी & मल्टीलिंगुअल पीर-रीव्यूड रिसर्च जर्नल, 3(1), 65-70.

सिंह, के.पी., (2022)। दिल्ली विश्वविद्यालय के सौ साल (1922-2022): टेक ऑन से टेक ऑफ तक की एक शानदार यात्रा। यूनिवर्सिटी न्यूज़, 60(30), 1-15.

सिंह, के.पी., और अंसारी, एमयू (2022)। सार्वजनिक डोमेन पर जानकारी साझा करने के लिए क्रिएटिव कॉमन्स अवधारणा को समझने की ओर, इंडियन जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन लाइब्रेरी एंड सोसाइटी, 35 (1-2), 132-141.

शेहू, एबी, और सिंह, केपी (2022)। उत्तर-मध्य नाइजीरिया के विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग का एक अध्ययन। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस ।

सिंह, केपी, और सिन्हा, एन. (2022)। दिल्ली में स्कूली छात्रों के व्यवहार की मांग करने वाली जानकारी: एक तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजिटल कंटेंट मैनेजमेंट, 3(5), 12-25। डीओआइ: 10.22054/डीसीएम.2022.14017.

हिमंती और कुमार, एम. (2023)। पायथन का उपयोग करके जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय पुस्तकालय के जुलाई, 2022 के परिसंचरण अनुभाग लॉग के डेटा में पैटर्न का पता लगाने के लिए डेटा माइनिंग। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस।

कुमार, एम., और कुमार, वी. (2023)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के स्नातकोत्तर छात्रों और शोध विद्वानों के बीच साहित्यिक चोरी जागरूकता: एक तुलनात्मक अध्ययन। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस ।

सिंह, एस., और कुमार, एम. (2022)। पुस्तकालय संसाधनों तक पहुँचने के लिये रिमोट एक्सेस समाधानों की भूमिका: महामारी के दौरान कानूनी डेटाबेस तक स्थायी पहुँच के लिये रामबाण रामबाण। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60(3), 106-124.

शर्मा, एस., और कुमार, एम. (2023)। उत्तर प्रदेश, भारत के चुनिंदा केंद्रीय विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों द्वारा साहित्यिक चोरी विरोधी तरीकों के बारे में जागरूकता और उपयोग। लाइब्रेरी हेराल्ड, 61(2), 55-75.

जैन, पी. और मीरा. (2022). राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के अनुसंधान उत्पादन का

एक ग्रंथ सूची विश्लेषण। आईएएसएलआईसी बुलेटिन, 63(3), 131-145.

मीरा और रुचि। (2022). लेख में लेखकत्व व्यवहार पुस्तकालय दर्शन और व्यवहार में दिखाई दिया। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, 9 (2), 105-113.

उनियाल, ए., और मीरा। गोविंद बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान उत्पादकता: एक वैज्ञानिक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एंड इनोवेटिव रिसर्च, 9 (2), 170-179.

यादव, एम., और यादव, एस. (2022)। ज्ञान प्रबंधन साहित्य में विकास मॉडल का अनुप्रयोग: 1975-2019 के दौरान लिसा डेटाबेस पर आधारित एक ग्रंथ सूची अध्ययन। केलप्रो बुलेटिन, 26(1), 29-47.

महावरिया, के., और यादव, एम. (2022)। दिल्ली में सरकारी पुस्तकालयों का संग्रह और सेवाएं। देसीडॉक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 42 (2), 88-97.

कुमार, एम., और मीरा। (2022). ऑनलाइन परीक्षा और छात्र कोविड 19 के दौरान ट्रैवेल: पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60 (2), 27-36.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

भट्ट, आरके, और बब्बर, पी. (2022). मार्केटिंग मैनेजमेंट एंड मार्केटिंग कंसल्टेंसी इन लाइब्रेरीज। दिल्ली: शारदा प्रकाशन।

सिंह, बी.पी., मधुसूदन, एम., और पांडे, पी. (एड.) (2023). लाइब्रेरीज़ अनप्लग्ड: हारनेसिंग द पावर ऑफ़ मोबाइल सर्विसेज। आगरा: सामाजिक विकास संघ।

लांबा, एम., और मधुसूदन, एम. (2022). टेक्स्ट माइनिंग फॉर इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स: एन अन्चार्टर्ड टेरिटरी। स्विट्जरलैंड: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

सिंह, के.पी. (2022). फ्लाइंग कलर्स ऑफ़ इनॉगरल सेरेमनी ऑफ़ सेंटेनरी सेलेब्रेशन्स ऑफ़ यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली। दिल्ली: एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

सिंह, के.पी. (एड.) (2022). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनफार्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत। एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

कुमार, एम. (एड.) (2022). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनफार्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत। एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

मीरा. (एड.) (2022). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनफार्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत। एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

भट्ट. आर.के. (एड.) (2022). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनफार्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत। एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

भट्ट। आरके (एड.)। *जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 47*(1-2).

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

40 से अधिक यानी 20% छात्रों ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में सरकारी और निजी क्षेत्रों में नौकरी और इंटर्नशिप प्राप्त की है।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

बी111: इंटर्नशिप कार्यक्रम
बी106: साहित्य सर्वेक्षण और क्षेत्र सर्वेक्षण
दिल्ली में पुस्तकालय भ्रमण
दिल्ली के बाहर शैक्षिक भ्रमण

संकाय संख्या : 9

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 15

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 25

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संकाय सदस्यों ने भाग लिया और 2 सम्मेलनों के आयोजन में सहयोग किया:

नए भारत के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे, सूचना और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2022).

गांधी भवन द्वारा आयोजित एक राष्ट्र के लिए एक योग।

***

भाषा विज्ञान

संक्षिप्त विवरण

1963 में स्थापित, भाषाविज्ञान विभाग ने शुरू में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पेशकश की और 1966 में मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों को प्रस्तावित करने के लिए विस्तार किया। सैद्धांतिक और व्यावहारिक भाषाविज्ञान में अपने सामर्थ्य को पहचानते हुए, विभाग को 2010-11 से यूजीसी द्वारा भाषाविज्ञान में उन्नत अध्ययन केंद्र का दर्जा दिया गया था। उल्लेखनीय प्रोफेसर जैसे (स्वर्गीय) प्रेम सिंह, (स्वर्गीय) ए.के. सिन्हा, के.वी. सुब्बाराव, आर.के. अग्निहोत्री, रविंदर गर्गेश, आर.सी. शर्मा, तिस्ता बागची, जो विशिष्ट सेवा के बाद विभाग से सेवानिवृत्त हुए, और तिब्बती-बर्मन और इंडो-आर्यन भाषाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ:

संकाय वर्ष के दौरान बहुत सक्रिय रहा है और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्रिकाओं और पुस्तकों में अवधि के दौरान कुल 12 प्रकाशन हुए हैं। संकाय ने राष्ट्रीय

और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों या आमंत्रित वार्ता में 19 सम्मेलन पत्र भी प्रस्तुत किए। विभाग ने 1 डेमो-कम-वर्कशॉप और एक अंतरराष्ट्रीय स्कॉलर द्वारा 1 वार्ता का आयोजन किया। प्रोफेसर तन्मय भट्टाचार्य को अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका भाषाई भिन्नता (जॉन बेंजामिन) के सहयोगी संपादक के रूप में फिर से नियुक्त किया गया।

सम्मान/गौरव

तनमोय भट्टाचार्य को अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका भाषाई भिन्नता (जॉन बेंजामिन) के सहयोगी संपादक के रूप में फिर से नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

शोध-लेख

भट्टाचार्य, टी. (2022). सिद्धांतों को प्रकट करना, कार्यक्रमों (कार्यक्रमों) को नहीं। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल डिसएबिलिटी स्टडीज, 2 (1), 66-71.

भट्टाचार्य, टी., और घई, ए. (2022). संपादकीय लेख। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल डिसएबिलिटी स्टडीज, 2(1), 1.

भट्टाचार्य, टी. (2023). भाषा अधिग्रहण के मूल दृश्य को प्रतिबिंबित करने के रूप में बहुभाषाता। एसएसआरएन, 2, 1-6.

भाटिया, एस., और भट, आर. (2023). हिंदी-उर्दू में कॉपुलर एग्रीमेंट। ग्लोसा: ए जर्नल ऑफ़ जनरल लिंग्विस्टिक्स, 1 (8), 1-40.

भाटिया, एस., और हुसैन, एस. (2023). प्रीवर्बल सिंटैक्टिक जटिलता स्थानीय सुसंगतता प्रभाव की ओर ले जाती है। लैंग्वेज, कॉग्निशन एंड न्यूरोसाइंस, 3 (38), 359-389.

ममता और प्रियदर्शिनी, I. (2022). दिल्ली के डिस्लेक्सिया से पीड़ित स्कूली बच्चों द्वारा की गई व्याकरण संबंधी त्रुटियां। रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी, 11 (7), 112-122.

ममता और सिंह, आर. (2022). दीमापुर (नागालैंड) के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच डिस्लेक्सिया पर जागरूकता। रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी, 12 (7), 154-161.

शर्मा, वीएमएस (2023). एरुकला के फोनोटैक्टिक्स। मुसी, 9(25), 29-32.

फनी कृष्णा, पी., अरुलमोजी, एस., माले, एस.आर., और मिश्रा, आर.के. (2023). क्या रूपक पीढ़ी में पुराने द्विभाषी बेहतर हैं? जर्नल ऑफ साइकोलिंग्विस्टिक रिसर्च, 52 (4), 1183-1204. doi.org/10.1007/s10936-022-09929-w

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

भट्टाचार्य, टी. (2022). भाषा और संस्कृति। जे.जे.पी. वाउटर्स और टीबी सुब्बा (एड्स.) में, द रूटलेज कम्पैनियन तो नार्थईस्ट इंडिया (पृष्ठ 284-291)। रूटलेज इंडिया।

भट्टाचार्य, टी. (2022). भाषा और प्रवास। जे.जे.पी. वाउटर्स और टी. बी. सुब्बा (एड्स.) में। द रूटलेज कम्पैनियन तो नार्थईस्ट इंडिया (पृष्ठ. 284-291)। रूटलेज इंडिया।

भट्टाचार्य, टी., और शर्मा, जे. (2022). ए मॉर्फोसिंटैक्टिक अकाउंट ऑफ़ एग्रीमेंट इन मारा । ए. नेविंस, ए., पी. मार्क डे वोस और जे. विलर-गोल्ड (एड्स.), एंगल्स ऑफ़ ऑब्जेक्ट एग्रीमेंट, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस. 10.1093/ओएसओ/9780192897749.003.0004

शोध परियोजनाएं

जैसा कि, पीआई: डॉ. पी. फनी कृष्णा, उत्कृष्टता संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, जूरे द्वारा उपयोग किए जाने वाले नृवंश-औषधीय पौधों का दस्तावेजीकरण: दक्षिण ओडिशा का एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह, 2 लाख।

जैसा कि, पीआई: डॉ. साक्षी भाटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2022-2023, इंडो-आर्यन भाषाओं में समझौते पर निर्भरता का प्रसंस्करण, 30 लाख।

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

टोबी टीम, सीनियर मैनेजर (सेल्स), आई ट्रैकिंग एंड अटेंशन कंप्यूटिंग, एनए, आई ट्रैकिंग एंड लैंग्वेज रिसर्च, 07-12-2022.

अर्पिता बोस, एसोसिएट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, यूके, यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, यूके, दक्षिण-एशियाई भाषाओं में अधिग्रहित भाषा विकार: भाषा-विशिष्ट नैदानिक मार्करों का महत्व, 07-12-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रोफेसर तनमोय भट्टाचार्य: 29 दिसंबर, 2022, "अंडरस्टैंडिंग सिंटैक्स" मानव संसाधन विकास केंद्र, द दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी, ग्रेटर नोएडा में स्कूल शिक्षक के साथ कार्यशाला आमंत्रित की।

प्रोफेसर तन्मय भट्टाचार्य: 26 नवंबर, 2022 साला-36 और एलएसएन-43 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, काठमांडू (इमॉन्ट्रे सुतंगा के साथ) में "पनार में समझौते का वाक्यविन्यास"।

प्रोफेसर तनमोय भट्टाचार्य: 26 नवंबर, 2022, "पुनर्निरीक्षण कैरियागिटिकोसा: अभिभाषक समझौते का एक प्रारंभिक उदय", पूर्ण वार्ता, साला-36 और एलएसएन -43 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, काठमांडू में (आमंत्रित)।

प्रोफेसर तनमोय भट्टाचार्य: 21 फरवरी 2023 "भाषा अधिग्रहण के मौलिक दृश्य को प्रतिबिंबित करने के रूप में बहुभाषा", जेएनयू में डीकोलोनाइजिंग हायर एजुकेशन: मल्टीलिंगुअल पेडागॉजी एंड एपिस्टेमिक जस्टिस सिम्पोजियम में दिया गया उद्घाटन भाषण, 21 फरवरी 2023 [https://www.jnu.ac.in/node/159895413]

डॉ. साक्षी भाटिया: 2022. व्याकरण-पार्सर इंटरफ़ेस पर भाषाई विविधता की भूमिका: हिंदी से दृश्य। पुनश्चर्या पाठ्यक्रम: 'भाषाई विविधता की ओर' यूजीसी-एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत।

डॉ. साक्षी भाटिया: 2022. हिंदी-उर्दू में कॉपुलर एग्रीमेंट: एग्रीमेंट से लाइसेंसिंग तक। वाईजेएचडी व्याख्यान

श्रृंखला, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में एक मिनीपाठ्यक्रम के रूप में प्रस्तावित किया गया।

डॉ. वी. एम. सुब्रमण्य शर्मा (2023, अगस्त): भाषाविज्ञान विभाग, भाषा विकास विद्यालय, तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद में ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और आईजीटी पर 7 व्याख्यान (8,10,11,12,16,17,18 अगस्त) दिए।

डॉ. एन. सुशील कुमार: 11 मार्च 2023 "थोटी भाषा की लिंग और संख्या प्रणाली", 11वीं ईएलकेएल, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा।

डॉ. एन. सुशील कुमार: 13-15 जुलाई 2022, अंग्रेजी विभाग, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारत की लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण सेमिनार में "थोटी का बहुवचन चिह्नक: तेलंगाना की एक लुप्तप्राय जनजातीय भाषा"।

एस. सत्यनाथ: (फरवरी 2-5, 2023) एक समाजशास्त्रीय रूप से सूचित भाषा विवरण का निर्माण। नील्स 12, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम।

एस. सत्यनाथ: (14-16 दिसंबर, 2022) एक अनसुलझी ऐतिहासिक पहेली को संबोधित करने के लिए भिन्नतावादी दृष्टिकोण का उपयोग करना। पूर्ण वार्ता। एनडब्ल्यूएवी-एपी 07, चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड।

एस. सत्यनाथ: (नवंबर 25, 2022) 60 के दशक से परे देखना: भारत में समाजशास्त्र अनुसंधान के रुझान। पूर्ण वार्ता। आईसीओएलएसआई -44, सेंचुरियन विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा।

एस. सत्यनाथ: (अगस्त 27, 2022) विविध शहरी भौगोलिक और जटिल परिणाम: शहरीकरण और शहरीकरण पर पुनर्विचार। प्लेनरी टॉक, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अर्बन लैंग्वेज स्टडीज, नानजिंग, चीन का 19 वां वार्षिक सम्मेलन।

डॉ. पी फणी कृष्ण: 29 और 30 मई, मई, 2022, "भारतीय भाषा परिवार की अवधारणा" विषय पर भारतीय भाषा अस्मिति में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. पी फणी कृष्णा: 06 फरवरी 2023, ने यूजीसी-एचआरडीसी, उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भाषा और भाषाविज्ञान में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया।

डॉ. पी फनी कृष्णा: 30 और 31, दिसंबर 2022, "भाषा, शिक्षा और भेदभाव: दक्षिण ओडिशा के जूरी स्पीकर्स का एक मामला" "शिक्षक शिक्षा में राष्ट्रीय और वैश्विक चिंताएं", हैदराबाद विश्वविद्यालय नामक एक सम्मेलन में।

डॉ. पी फणी कृष्णा: 21 सितंबर 2022, पीजी भाषाविज्ञान विभाग, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा में "वे नहीं करते लेकिन वे जानते हैं: कैसे अंधे लोग अपने आसपास की दुनिया और भाषा को सीखते हैं और समझते हैं" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. पी फणी कृष्णा: 11 मार्च 2023, ने "ज्यूरे द्वारा उपयोग किए जाने वाले एथनो-मेडिकल प्लांट्स का

दस्तावेज़ीकरण", 11वीं ईएलकेएल, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. पी फणी कृष्णा: 2 जून 2022, "द्रविड़ भाषा में रंग शब्दों का अस्तित्व और मानचित्रण", वी-वीएसएस 2022, फ्लोरिडा।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. साक्षी भाटिया अक्तूबर 2022 से मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में कार्यरत हैं।

डॉ. साक्षी भाटिया मई 2022 से यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, यूके के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में कार्यरत हैं।

डॉ. पी. फनी कृष्णा मई 2022 से यूके के हडर्सफील्ड विश्वविद्यालय के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में कार्यरत हैं।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

क्रिटिकल डिसेबिलिटी स्टडीज रीडिंग ग्रुप ने 19 मार्च 2022 को अपनी 61वीं बैठक के लिए भेंट की।

संकाय संख्या : 7

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 2

***

आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन

संक्षिप्त विवरण

1961 में स्थापित आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्यिक अध्ययन विभाग 11 भारतीय भाषाओं में स्नातकोत्तर कार्यक्रम और प्रमाणपत्र-डिप्लोमा-उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। तुलनात्मक भारतीय साहित्य, अनुवाद अध्ययन और भारतीय लोककथाओं में विभाग की अनुसंधान पहलों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। तुलनात्मक भारतीय साहित्य में मास्टर कार्यक्रम भारत के बहुभाषी और बहु-सांस्कृतिक संदर्भ में अपने अद्वितीय डिजाइन के लिए उल्लेखनीय है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

भारत के 'जनजातीय जीवन' पर राष्ट्रीय वेबिनार: अंदरूनी और बाहरी लोगों के परिप्रेक्ष्य, 01-03, अप्रैल 2022.

6-10 जून, 2022 के दौरान फिल्म पढ़ने और सीखने का कार्यक्रम। एक फिल्म पढ़ें "लाइफ इन लॉन्ग शॉट: ए चैट विद चार्ली"।

एक कलाकार का जीवन- 24 जून, 2022 को एक फिल्म कार्यक्रम पढ़ें। "अमाडेस" (1984) की स्क्रीनिंग और चर्चा।

दिसंबर, 2022 के महीने के दौरान भाषा शिक्षकों के लिए कार्यशाला की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के डॉ. प्रदीप्त श्याम चौधरी द्वारा दिया गया विशेष व्याख्यान। व्याख्यान का शीर्षक "तीसरी दुनिया के नारीवादी संदर्भ में भाईचारे और एकजुटता" 27 जनवरी, 2023 को।

मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए नए पाठ्यक्रम की तैयारी: एम.ए. सीआईएल।

2 वर्ष और 3 वर्ष के लिए भाषाओं के स्नातक पाठ्यक्रम डिजाइनिंग।

भारतीय भाषाओं में गहन पाठ्यक्रमों के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार करना: उन्नत डिप्लोमा।

भाषाओं के नए पाठ्यक्रम को डिजाइन करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

2023 के दौरान एनईपी 2020 के अनुसार स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार करना।

सम्मान/गौरव

डॉ वेंकट रमैया गम्पा - 2023 में तेलुगु विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय से उगादी पुरस्कार।

प्रकाशन

शोध-लेख

शुक्ला, ए., और भट्ट, आरके (2022). दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित वाणिज्य और वित्तीय अध्ययन के क्षेत्र में डॉक्टरेट थीसिस का प्रशस्ति पत्र विश्लेषण: एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60(2).

मंडल, एचके, और भट्ट, आरके (2022). ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के शोध विद्वानों और स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा ई-संसाधनों का उपयोग: एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60(3).

लांबा, एम., और मधुसूदन, एम. (2023). पूर्ण-पाठ बड़े दस्तावेजों में ओसीआर त्रुटियों की खोज: लिस शोध और शोध प्रबंधों का एक अध्ययन। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस, 1-13.

सिंह, बी.पी., और मधुसूदन, एम. (2023). पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों में मोबाइल ऐप-आधारित अनुप्रयोग: साहित्य और भविष्य के अनुसंधान एजेंडा की एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरियनशिप (आईजेओएल), 8(3), 83-102.

बोरा, आर., और मधुसूदन, एम. (2023). भारत में साहित्यिक चोरी पर अत्यधिक उद्धृत लेखों का अल्टमेट्रिक मैपिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज, 12(1), 1-15.

लांबा, एम., और मधुसूदन, एम. (2022). विषय मॉडलिंग और पुस्तकालयों में इसका अनुप्रयोग: विशेष साहित्य की समीक्षा। वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरीज, 15(2), 105-120.

सिंह, के.पी., और राय, एस. (2023). लाइब्रेरी हेराल्ड (1991-2021): एक ग्रंथ सूची का अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60(1), 77-88.

सिंह, के.पी., और अंसारी, एमयू (2022). सूचना उत्पाद और सेवाएं: विपणन परीक्षण और परीक्षण विपणन। आईएएसएलआईसी बुलेटिन, 67(2), 67-79.

सिंह, के.पी., (2022). पुस्तकालय और सूचना विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्लेटिनम जयंती का प्रक्षेपवक्र: अकादमिक उत्कृष्टता के लिए एक नया एजेंडा स्थापित करना, डब्ल्यूई-ए मल्टीडिसप्लनेरी & मल्टीलिंगुअल पीर-रीव्यूड रिसर्च जर्नल, 3(1), 1-14.

सिंह, के.पी., और सिंह, पी. (2022). सूचना प्रणाली और प्रौद्योगिकी प्रबंधन जर्नल (2018-2022): एक ग्रंथ सूची अध्ययन। डब्ल्यूई-ए मल्टीडिसप्लनेरी & मल्टीलिंगुअल पीर-रीव्यूड रिसर्च जर्नल, 3 (1), 65-70.

सिंह, के.पी., (2022). दिल्ली विश्वविद्यालय के सौ साल (1922-2022): टेक ऑन से टेक ऑफ तक की एक शानदार यात्रा। यूनिवर्सिटी न्यूज़, 60(30), 1-15.

सिंह, के.पी., और अंसारी, एमयू (2022). सार्वजनिक डोमेन पर जानकारी साझा करने के लिए क्रिएटिव कॉमन्स अवधारणा को समझने की ओर, इंडियन जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन लाइब्रेरी एंड सोसाइटी, 35(1-2), 132-141.

शेहू, ए.बी., और सिंह, के.पी. (2022). उत्तर-मध्य नाइजीरिया के विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग का एक अध्ययन। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस ।

सिंह, के.पी., और सिन्हा, एन. (2022). दिल्ली में स्कूली छात्रों के व्यवहार की मांग करने वाली जानकारी: एक तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजिटल कंटेंट मैनेजमेंट, 3(5), 12-25. डीओआइ: 10.22054/डीसीएम.2022.14017

हिमंती और कुमार, एम. (2023). पायथन का उपयोग करके जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय पुस्तकालय के जुलाई, 2022 के परिसंचरण अनुभाग लॉग के डेटा में पैटर्न का पता लगाने के लिए डेटा माइनिंग। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस ।

कुमार, एम., और कुमार, वी. (2023). जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के स्नातकोत्तर छात्रों और शोध विद्वानों के बीच साहित्यिक चोरी जागरूकता: एक तुलनात्मक अध्ययन। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस ।

सिंह, एस., और कुमार, एम. (2022). पुस्तकालय संसाधनों तक पहुँचने के लिये रिमोट एक्सेस समाधानों की भूमिका: महामारी के दौरान कानूनी डेटाबेस तक स्थायी पहुँच के लिये रामबाण रामबाण। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60(3), 106-124.

शर्मा, एस., और कुमार, एम. (2023). उत्तर प्रदेश, भारत के चुनिंदा केंद्रीय विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों द्वारा साहित्यिक चोरी विरोधी तरीकों के बारे में जागरूकता और उपयोग। लाइब्रेरी हेराल्ड, 61(2), 55-75.

जैन, पी. और मीरा. (2022). राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के अनुसंधान उत्पादन का एक ग्रंथ सूची विश्लेषण। आईएएसएलआईसी बुलेटिन, 63(3), 131-145.

मीरा और रुचि। (2022). लेख में लेखकत्व व्यवहार पुस्तकालय दर्शन और व्यवहार में दिखाई दिया। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, 9(2), 105-113.

उनियाल, ए., और मीरा (2022). गोविंद बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान उत्पादकता: एक वैज्ञानिक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एंड इनोवेटिव रिसर्च, 9(2), 170-179.

यादव, एम., और यादव, एस. (2022). ज्ञान प्रबंधन साहित्य में विकास मॉडल का अनुप्रयोग: 1975-2019 के दौरान लिसा डेटाबेस पर आधारित एक ग्रंथ सूची अध्ययन। केलप्रो बुलेटिन, 26(1), 29-47.

महावरिया, के., और यादव, एम. (2022). दिल् ली में सरकारी पुस् तकालयों का संग्रह और सेवाएं। देसीडॉक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 42(2), 88-97.

कुमार, एम., और मीरा। (2022). ऑनलाइन परीक्षा और छात्र कोविड 19 के दौरान ट्रैवेल: पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 60(2), 27-36.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

भट्ट, आरके, और बब्बर, पी. (2022). मार्केटिंग मैनेजमेंट एंड मार्केटिंग कंसल्टेंसी इन लाइब्रेरीज। दिल्ली: शारदा प्रकाशन।

सिंह, बी.पी., मधुसूदन, एम., और पांडे, पी. (एड.) (2023). लाइब्रेरीज़ अनप्लग्ड: हारनेसिंग द पावर ऑफ़ मोबाइल सर्विसेज। आगरा: सामाजिक विकास संघ।

लांबा, एम., और मधुसूदन, एम. (2022). टेक्स्ट माइनिंग फॉर इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स: एन अन्चार्टर्ड टेरिटरी। स्विट्जरलैंड: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

सिंह, के.पी. (2022). फ्लाइंग कलर्स ऑफ़ इनॉगरल सेरेमनी ऑफ़ सैंटेनरी सेलेब्रेशन्स ऑफ़ यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली। दिल्ली: एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

सिंह, के.पी. (एड.) (2022). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनफार्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत। एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

कुमार, एम. (एड.) (2022). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनफार्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत। एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

मीरा. (एड.) (2022). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनफार्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत। एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

भट्ट. आरके (एड.) (2022). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओन इंफ्रास्ट्रक्चर, इनफार्मेशन एंड इनोवेशन फॉर बिल्डिंग न्यू भारत। एकेएस पब्लिशिंग हाउस।

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

भट्ट। आरके (एड.). *जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 47*(1-2).

शोध परियोजनाएं

पीआई: वेंकट रमैया गम्पा, आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-23, अभिसरण और विचलन: न्यू मीडिया में तेलुगु साहित्य, 200000.

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

भारत के 'जनजातीय जीवन' पर राष्ट्रीय वेबिनार: अंदरूनी' सूत्र और बाहरी' लोगों के परिप्रेक्ष्य, 10-04-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रोफेसर अमिताव चक्रवर्ती

स्वागत भाषण, "बांग्लादेश में इस्लामी उपभोक्तावाद" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
दक्षिण एशिया में धर्मनिरपेक्षता, इस्लामीकरण और वैश्वीकरण", टीयूएफआईएससीओ, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, डिपार्टमेंट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी विभाग, जहांगीरनगर विश्वविद्यालय और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बंगाल स्टड का जापान चैप्टर सितंबर, 2022.

प्रोफेसर अमिताव चक्रवर्ती

समापन व्याख्यान, "विभाजन के बाद के युग में बंगाली मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ाई" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बंगाल स्टडीज, महिला अध्ययन केंद्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, मानव विज्ञान विभाग जहांगीरनगर विश्वविद्यालय, सावर, ढाका, समाजशास्त्र और लिंग अध्ययन विभाग, केंद्रीय महिला विश्वविद्यालय, ढाका, 3 अप्रैल, 2022.

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

क. शून्य

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

कार्यशाला - दिल्ली के शोध विद्वानों के लिए शास्त्रीय तमिल साहित्य का परिचय

केन्द्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी), तमिलनाडु के सहयोग से विश्वविद्यालय

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या - 10

संकाय संख्या

प्रोफेसर-5

एसोसिएट प्रोफेसर-4

सहायक प्रोफेसर-4

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 19

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या : 8

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग ने एनईपी 2020 के अनुसार यू.जी., पी.जी. पाठ्यक्रमों और भाषा शिक्षण के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार करने में योगदान दिया है।

यह विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के विभिन्न महाविद्यालयों में 18 भारतीय भाषाओं और एईसी, जीई पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए नोडल संस्थान है।

***

फारसी

संक्षिप्त विवरण

इस विभाग की स्थापना 1922 में दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ हुई थी। यद्यपि फारसी विभाग अपनी स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय में चालू रहा है, यह आधिकारिक तौर पर 1957 में विश्वविद्यालय कैंपस में अस्तित्व में आया। उस समय, यह अरबी, फारसी और उर्दू के संयुक्त विभागों का हिस्सा था। उर्दू विभाग ने 1959 में स्वतंत्र दर्जा प्राप्त किया। इसके बाद, शेष विभागों को 1978 में अरबी और फारसी के अलग-अलग विभागों में विभाजित किया गया। विभाग का प्राथमिक ध्यान इंडो-फ़ारसी साहित्य है, और आज यह लगभग 60 सम्मानित पीएच.डी. का दावा करता है, जिनमें से अधिकांश इंडो-फ़ारसी साहित्य में तल्लीन हैं। इसके अतिरिक्त, महत्वपूर्ण विषयों पर 60 से अधिक एम.फिल. शोध प्रबंध पूरे किए गए हैं। विभाग की साहित्यिक और शैक्षणिक कार्यकलाप फ़ारसी भाषा और साहित्य के शिक्षण और अध्ययन से परे हैं। विचारों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए, समय-समय पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं। विभाग में वर्तमान में 6 स्थायी संकाय सदस्य, 3 अतिथि संकाय और 3 कार्यालय कार्मिक सदस्य शामिल हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम:
पीएच.डी. एम.फिल.(अंतिम बैच)
एम.ए. (प्रातः और संध्या)
उन्नत अनुवाद/व्याख्या में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
पैलोग्राफी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
आधुनिक फारसी में उन्नत डिप्लोमा

पुरस्कार और सम्मान:
पद्मश्री से सम्मानित

1. प्रोफेसर अमीर हसन आबिदी
2. प्रोफेसर रेहाना खातून

निम्नलिखित विषयों के प्रस्तावित दो राष्ट्रीय सेमिनार:

दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में फारसी विभाग द्वारा 01-02 फरवरी 2023 को आयोजित "भारतीय संस्कृति और ज्ञान को फारसी दुनिया तक पहुंचाने में फारसी भाषा की भूमिका" का आयोजन किया जाएगा।

फारसी विभाग द्वारा 24-25 फरवरी 2023 को आयोजित होने वाले "इंडो-फारसी साहित्य में सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू"।

कोई अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि (शैक्षणिक विभागों के लिए):

रिसर्च स्कॉलर की मासिक बैठक 21 जून 2022 से 27 मार्च 2023 तक आयोजित की गई और 40 से अधिक विद्वानों और शिक्षकों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

विभाग के पास फारसी रिसर्च जर्नल (आईएसएसएन: 2395-3667) के नाम से कई वर्षों से पत्रिका है।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

क्रिटिकल डिसेबिलिटी स्टडीज रीडिंग ग्रुप ने 19 मार्च 2022 को अपनी 61वीं बैठक के लिए भेंट की।

संकाय संख्या : 7

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 2

***

दर्शनशास्त्र

संक्षिप्त विवरण

दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में सबसे पुराना विभाग, 1953 में दर्शन और मनोविज्ञान के संयुक्त विभाग के रूप में शुरू हुआ। इसे 1962 में स्वायत्त दर्जा मिला। मुख्य मानविकी ब्लॉक में लाल ईंट औपनिवेशिक संरचना दार्शनिक प्रवचन के लिए एक केंद्रीय केंद्र रही है। विभाग अकादमिक जांच के लिए एक केंद्र के रूप में अपनी विरासत को जारी रखा है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अनुसंधान परियोजना का पीछा करना, भारतीय दर्शन के शास्त्रीय पठन का अध्ययन करना और प्रारंभिक ग्रंथों के तरीकों और सिद्धांतों की मदद से उच्चतम ज्ञान तक पहुंचने की कोशिश करना।

प्रकाशन

शोध-लेख

कलोत्रा, जी. (2021)। आण्विक्षिकी: भारतीय तर्क की जांच। काला सरोवर, 24(5), 198-204.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

कलोत्रा, जी. (2020). महात्मा गांधी की आध्यात्मिक वंशावली। ए. रियाज़ और एस. होक (एड.) में, *रीअसेस्सिन्ग गांधियन थॉट* (पृष्ठ 73-83)। शिवालिक प्रकाशन।

कलोत्रा, जी. (2021). लॉकडाउन के दौरान रस और अस्वाद के दर्शन का पालन करना। भट्ट,स (एड.) में, *लाइफ ड्युरिंग लॉकडाउन: लीवड एक्सपेरिएंसेस एंड लीनिंग्स लेसंस।* पेपिरस स्क्रॉल प्रकाशन।

शोध परियोजनाएं

आईसीपीआर, 2022, काश्मिरा शैव धर्म की वंशावली और तत्वमीमांसा: मालिनीतंत्र, शिवधर्म और त्रिपुररहस्य का पुनः दौरा, 300000.

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

प्रोफेसर शशि प्रभा कुमार, प्रोफेसर, आईसीपीआर, भारतीय दर्शनिका दिवस-I, 17-05-2021.

प्रोफेसर लतीफ शाह हुसैन काज़मी और प्रोफेसर अजय वर्मा, प्रोफेसर, आईसीपीआर, भारतीय दर्शन दिवस-II, 15-12-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

केएमवी महाविद्यालय जालंधर (पंजाब) में भावना पर जनवरी 2022 को राष्ट्रीय वेबिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में मौन की नैतिकता पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

जून 2021 को केएमवी महाविद्यालय जालंधर (पंजाब) में भारतीय दार्शनिक परंपराओं को पढ़ने पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

16वीं एमपी और सीजी दर्शन परिषद 20-21 मार्च 2021 में प्रोफेसर संगम लाल पांडे की अद्वैत दर्शन की अवधारणा पर व्याख्यान दिया।

सीपीडीएचई (यूजीसी-एचआरडीसी) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 28 नवंबर 2017 से 19 दिसंबर 2017 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "थिंकिंग इंडियन फिलॉसफी एज ए सोशल वर्कर: एन इन्वेस्टिगेशन इन विनोबा सेल्फ" प्रस्तुत शोध-पत्र।

दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 11 से 13 अप्रैल, 2016 तक आयोजित आईसीपीआर राष्ट्रीय संगोष्ठी में क्रांति के माध्यम से पुनरुत्थान: "महात्मा फुले की गुलामगिरी पर फिर से विचार" नामक शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया।

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

डॉ. नीतांजलि खारी एसपीएम महाविद्यालय, डीयू में कार्यकलाप फैकल्टी के रूप में काम कर रहे हैं।

संकाय संख्या : 14

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 01

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या : 01 मौखिक-परीक्षा की प्रतीक्षा में

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भारतीय दर्शनशास्त्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए दर्शन विभाग के भीतर छह नए विषयों/पाठ्यक्रमों को लागू किया।

***

मनोविज्ञान

संक्षिप्त विवरण

मनोविज्ञान में मास्टर स्तर का कार्यक्रम 1957 में दर्शनशास्त्र और मनोविज्ञान विभाग के भीतर प्रस्तावित किया गया था। 1964 में, मनोविज्ञान विभाग एक स्वतंत्र इकाई बन गया, जिसमें दो इकाइयाँ थीं: एक नॉर्थ कैंपस में मनोविज्ञान और पीएच.डी. में एम.ए. की पेशकश की, और दूसरा साउथ कैंपस में 1981 में अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में एम.ए. की पेशकश की। इसके महत्व को स्वीकार करते हुए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 1989 में विशेष सहायता विभाग (डीएसए) और 2016 में विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) के लिए विभाग को चिन्हित किया। यह डीएसए के तहत संज्ञानात्मक मनोविज्ञान और एप्लाइड सोशल क्षेत्रों में अनुसंधान का समर्थन करता है, और संस्था निर्माण में, एसएपी के तहत कमजोरियों, स्वास्थ्य और कल्याण क्षेत्रों के साथ काम कर रहा है। विभाग में 14 संकाय सदस्यों की एक टीम है। यह व्यापक सहायता प्रदान करने के लिए प्रयोगशालाओं और तकनीकी कर्मचारियों से लैस है। पाठ्यक्रम में अनिवार्य अभ्यास, क्षेत्र प्रशिक्षण और शोध प्रबंध शामिल हैं। शिक्षण विधियां इंटरैक्टिव हैं, जिसमें व्याख्यान, सेमिनार, प्रस्तुतियां, और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण जैसे चर्चा, अनुभवात्मक शिक्षा, सहभागी शिक्षा, सहकर्मी सलाह और समस्या-समाधान शामिल हैं। इसके अलावा, विभाग में एक छात्र-नेतृत्व वाला इंटर्नशिप-एंड-नियोजन सेल है, जो छात्रों के लिए व्यावहारिक अनुभवों पर जोर देता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

बी.ए. ऑनर्स मनोविज्ञान और अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान और बीए कार्यक्रम के लिए एनईपी पाठ्यक्रम को अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया था।

प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्रा द्वारा 13.07.2023 को "गुणात्मक अनुसंधान विधियों के संदर्भ और प्रमुख विशेषताएं" पर और 25.07.2023 को "विषयगत विश्लेषण" पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

प्रोफेसर आनंद प्रकाश (मानव रचना विश्वविद्यालय) द्वारा 27.07.2023 को "कथा विश्लेषण" पर विशेष व्याख्यान दिया गया।

एम.ए. मनोविज्ञान के छात्रों के लिए डॉ. वत्सला सक्सेना (डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली) द्वारा विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर नंदिता बाबू, एनएओपी (नेशनल एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी) के फेलो

प्रकाशन

शोध-लेख

फातिमा, एम., और बाबू, एन. (2023). ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों में संज्ञानात्मक और भावात्मक सहानुभूति: एक मेटा-विश्लेषण। रिव्यु जर्नल ऑफ़ आटिज्म एंड डेवलपमेंटल डिसऑर्डर्स।

कंबोज, एन., सरस्वती, केएन., प्रसाद, एस., बाबू, एन., पुरी, एम., शर्मा, ए., ढींगरा, एस., सचदेवा, एमपी, और महाजन, सी. (2023)। महिला बांझपन और सामान्य मानसिक विकार: उत्तर भारत से एक पार-अनुभागीय अध्ययन। प्लोस वन, 18(1). https://doi.org/10.1371/journal.pone.0280054

सिंह, एन., चौधरी, वी., खाटे, के., भट्टाचार्जी, डी., लोंगकुमेर, आई., कटारिया, एस., कौर, जी., देवी, एन.के., बाबू, एन., और सरस्वती, केएन (2023). "एक कार्बन चयापचय मार्ग में आनुवंशिक और जैव रासायनिक विविधताओं के रूप में संज्ञानात्मक हानि: उत्तर भारत से एक जनसंख्या-आधारित अध्ययन"। जीन रिपोर्ट, 30. https://doi.org/10.1016/j.genrep.2022.101720

शर्मा, ए., कंबोज, एन., सरस्वती, के., पुरी, एम., बाबू, एन., और महाजन, सी. (2023)। बांझपन का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास: और उपजाऊ भारतीय महिलाओं में एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ बायोसोशल साइंस, 55(5), 947-959. डीओआइ:10.1017/S0021932022000347

शर्मा, ए., महाजन, सी., सरस्वती, केएन, पुरी, एम., और बाबू, एन. (2022)। प्राथमिक बांझपन के साथ संघर्ष: उत्तर भारतीय महिलाओं में मनोवैज्ञानिक कल्याण और संबंधित कारक। जर्नल ऑफ द एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, 71(1), 68-83. https://doi.org/10.1177/2277436X211073849

सिंघल, एस., और प्रकाश, एन. (2023)। कोविड -19 के बीच भारतीय उभरते वयस्कों की कैरियर पहचान के अर्थ में एक कथा जांच। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल एंड वोकेशनल गाइडेंस. https://doi.org/10.1007/s10775-023-09590-2

प्रकाश, एन., और आर, एस. (2022)। गुणात्मक संश्लेषण और व्यवस्थित समीक्षा: अनिश्चित रोजगार, महामारी और कल्याण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 10 (3), 36-46.

अग्रवाल, एस., और प्रकाश, एन. (2022)। जब मौन बोलता है: स्रोत के परिप्रेक्ष्य से मूक उपचार के कारणों की खोज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रेंड इन साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 6 (3), 1458-1472.

प्रकाश, एन. (2022)। मनोवैज्ञानिक लागत और मूक उपचार का उपयोग करने के लाभ , क्वेस्ट जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस, 10 (4), 49-54.

कौशिक, पी., और जेना, एसपीके (2022)। "आंखों के बंद और आंख-खुली स्थितियों के तहत अध्ययन की कठिनाई वाले बच्चों की इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक बैंड शक्तियों पर संज्ञानात्मक व्यवहार हस्तक्षेप का प्रभाव"। अरक्विवोस डे न्यूरो-पसीकीअत्रिअ, 80 (3), 224-232. https://doi.org/10.1590/0004-282X-ANP-2020-0503

सिंह, पी., और जेना, एस. पी. के. (2022)। क्या कम संज्ञानात्मक भार प्रदर्शन में देरी का कारण बनता है। जर्नल ऑफ़ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, 6 (2), 1141-1149.

मुकुंद, बी., और जेना, एसपीके (2022)। "कॉपिंग कैट प्रोग्राम" प्राप्त करने के स्कूली बच्चों के अनुभव का गुणात्मक विश्लेषण: उच्च चिंता के लिए एक संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी कार्यक्रम। साइकोलॉजी इन द स्कूल्ज, 59 (9), 1755-1775. https://doi.org/10.1002/pits.22725

महाकुड, जी.सी., अरोड़ा, एस., और कौर। जे. (2022)। वैवाहिक समायोजन और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के संबंध में शराबियों के जीवनसाथी के जीवन की गुणवत्ता। हेल्थ एंड पापुलेशन: पर्सपेक्टिव एंड इश्यूज, 45 (2), 79-85.

शोध परियोजनाएं

डीएसटी-सीएसआईआर, 3 साल, संज्ञानात्मक हानि में होमोसिस्टीनिन मेटाबोलिक मार्ग के आनुवंशिक और एपिजेनेटिक तंत्र: प्रोफेसर नंदिता बाबू (सह-पीआई), मेजर ग्रांट द्वारा हरियाणा में जनसंख्या आधारित मामला नियंत्रण अध्ययन

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार), 2016- 2023, प्रोफेसर एस.पी.के. जीना (पाइ) द्वारा गरीबी रेखा से नीचे वंचित युवाओं में लचीलापन और ईएनटी रिप्रेन्योरशिप कौशल विकसित करना, प्रमुख अनुदान (रूपए 4.6 लाख)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआरआई), 2019-जारी, प्रोफेसर एसपीके जेना (सह-पीआई), मेजर ग्रांट, नेशनल (48, 99, 360 /-) द्वारा किशोर अपराधियों में भावनात्मक विनियमन, आवेग और आक्रामकता पर न्यूरोफीडबैक इंटरवेंशन ट्रेनिंग मॉड्यूल (एनआईटीएम) के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए (48, 99, 360 /-)

संकाय शोध कार्यक्रम (एफआरपी) अनुदान - इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021-2022, बैक टू द क्लासरूम: टीचिंग फैकल्टी के दृष्टिकोण और भावनाओं को समझना क्योंकि वे इन-कैंपस में व्यक्तिगत रूप से लौटते हैं डॉ. निधि प्रकाश (पीआई), माइनर ग्रांट द्वारा महामारी के बाद शिक्षण तौर-तरीके।

राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ संकाय सदस्यों (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) द्वारा

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भारतीय मनोविज्ञान अकादमी के 27वें अंतर्राष्ट्रीय और 58वें राष्ट्रीय सम्मेलन (15-17 फरवरी, 2023) में डॉ. सुभाष मीणा (सह-लेखक) द्वारा प्रस्तुत "हिकिकोमोरी एंड साइबर बुलिंग अमंग यंग एडल्ट्स इन इंडिया" शीर्षक वाला शोध-पत्र।

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नॉर्थ कैंपस एम.ए. मनोविज्ञान और साउथ कैंपस एम.ए. अनुप्रयुक्त साइकोलॉजी प्रोग्राम दोनों के लिए **नियोजन की कुल संख्या** : 17 शामिल है

नियोजन प्रतिशत : 9.7%

संकाय संख्या : **स्थायी संकाय**

नॉर्थ कैंपस : 11

साउथ कैंपस : 4

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 29

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. अलका बाजपेयी

रेजिडेंट ट्यूटर, अम्बेडकर गांगुली स्टूडेंट्स हाउस फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. गोपाल के. महाकुड

नोडल अधिकारी, एम.ए. अनुप्रयुक्त साइकोलॉजी एडमिशन 2022-23।

समन्वयक, बी.ए. (ऑनर्स) एनईपी-2020 के तहत अनुप्रयुक्त साइकोलॉजी सिलेबस।

डॉ. निधि प्रकाश

नोडल अधिकारी एनएएसी और आईक्यूएसी सदस्य, एनईपी पाठ्यक्रम पुनर्गठन बी.ए. (ऑनर्स), मनोविज्ञान सदस्य, एनईपी पाठ्यक्रम पुनर्गठन बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त साइकोलॉजी; समन्वयक, छात्रों के नेतृत्व में इंटर्नशिप और नियोजन सेल।

डॉ. एस.पी.के जेना सदस्य,

शासी निकाय, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, नई दिल्ली, सदस्य, सरमती छात्रावास समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैम्पस।

डॉ. शैलजा राणा,

सदस्य, एनईपी पाठ्यक्रम पुनर्गठन बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान।

सदस्य, एनईपी पाठ्यक्रम पुनर्गठन बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त साइकोलॉजी।

सदस्य, नैक समिति, मनोविज्ञान विभाग।

डॉ. सुभाष मीणा

यूजीसीएफ-एनईपी बी.ए. कार्यक्रम सेमेस्टर III से VI पाठ्यक्रम के समिति सदस्य।

***

पंजाबी

संक्षिप्त विवरण

एक स्वतंत्र विभाग के रूप में 1985 में स्थापित, दिल्ली विश्वविद्यालय में पंजाबी विभाग ने अपने प्रख्यात संकाय और उल्लेखनीय पूर्व छात्रों जैसे प्रोफेसर हरभजन सिंह, प्रोफेसर अतर सिंह, प्रोफेसर तरलोक सिंह कंवर, प्रोफेसर आत्मजीत सिंह, प्रोफेसर एस.एस. नूर के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। कार्यक्रमों की पेशकश करते हुए, अनुवाद अध्ययन, मीडिया अध्ययन और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान को शामिल करने के लिए अपने पाठ्यक्रमों का विस्तार किया जा रहा है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पंजाबी विभाग ने 17 राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार, विशेष व्याख्यान आयोजित किए हैं। हमारे एक छात्र श्री दीपक ने जालंधर, पंजाब में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की गतका प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और असम में आयोजित गतका चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।

प्रकाशन

शोध-लेख

सिंह, बी. (2023). एच.जी. कुओं दा संखेप व्यवहाराचार्य ते राजनीतिक विवरण, सिरजन, 59.

सिंह, बी. (2022). कॉस्मोपॉलिटिज्म के बारे में बताने के लिए सिरजाना, 71.

बाला, आर. (2022). मौलाना रूमी दियान पंजाबी भाषा विच अनुवादित रचना दी पदात। संवाद, 16, 88-94.

सिंह, एन. (2022). अजमेर सिंह औलख दे नाटकं विच लिंग अधरत भाषाई वखरावेन दी निर्माणकारी.32 पारखा, 125-133.

सिंह, वाई. (2022). पंजाब: जिन्ना रहन दी मैं सार ना जाना। संवाद, 172-175.

सिंह, वाई. (2022). परवस ने पंजाबी लोक मन को खाया। काव शास्त्र, 95-102.

सिंह, वाई. (2022). शिव कुमार दी काव सिरजाना दा अंतर-दवंध। पार्क, 86-92.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

कौर, जे. (2023). बंदर नाल बहस कौन करे: चतन/अचतन दी शब्दिक लीला। पंजाब (पृष्ठ 173-178)। सप्तऋषि प्रकाशन

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

"भारतीय भाषाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियां और अवसर" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी**, 28-02-2023**।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

पंजाबी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर रविंदर कुमार ने 08-05-2022 को पंजाबी लोक मंच, दिल्ली (पंजीकृत) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस को समर्पित एक कार्यक्रम में वक्ता और मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया है।

प्रोफेसर कुलवीर गोजरा ने 22 जुलाई, 2022 को दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय, डीयू द्वारा आयोजित 'सावन कवि दरबार' की अध्यक्षता की।

डॉ. रंजू बाला, सहायक प्रोफेसर ने 31 अगस्त, 2022 को सीपीडीएचई (यूजीसी- एचआरडीसी) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित "अनुसंधान, नवाचार और रैंकिंग" विषय पर एनईपी- 2020 कार्यान्वयन योजना: रणनीतिक कार्य योजना और लक्ष्य पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया है।

प्रोफेसर रविंदर कुमार, डॉ. नछत्तर सिंह और डॉ. रंजू बाला ने 13-14 सितंबर 2022 को प्रज्ञानानम ऑडिटोरियम, एआईसीटीई, नई दिल्ली में एआईसीटीई के सहयोग से भारतीय शिक्षण मंडल और रिसर्च

फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित एनईपी कार्यान्वयन मार्ग सेवाओं (एनआईपीएस) के तहत 'एएलएपी-अकादमिक नेतृत्व संरेखण कार्यक्रम' शीर्षक से दो दिवसीय आनंदशाला (ब्लिसिनार) में भाग लिया है।

प्रोफेसर रविंदर कुमार ने इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति: भारती भाष्य और अनुवाद' पर व्याख्यान दिया है।

डॉ. रजनी बाला ने 15 सितंबर, 2022 को आकाशवाणी में 'प्रीतम सिंह सफीर: प्रख्यात पंजाबी कवि' विषय पर एक वार्ता रिकॉर्ड की।

डॉ. रजनी बाला, डॉ. नछत्तर सिंह और डॉ. रंजू बाला ने संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 01-08 सितंबर, 2022 के दौरान आयोजित "बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशंस एंड टेक्स्ट एडिटिंग टूल्स" पर एक सप्ताह की कार्यशाला सफलतापूर्वक पूरी कर ली है।

डॉ. रंजू बाला ने 9 सितंबर, 2022 को सीपीडीएचई (यूजीसी - एचआरडीसी) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित एनईपी-2020-शिक्षकों की बदलती भूमिका पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया है।

प्रोफेसर कुलवीर गोजरा ने 10-10-2022 को आकाशवंत आकाशवाणी, नई दिल्ली पर एक रेडियो वार्ता 'सोशल मीडिया एट साहित' दी।

डॉ. बलजिन्दर सिंह ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ढिलवान, जिला लुधियाना में "किताब दा संसार और विदियार्थियां दे सुपने" विषय पर व्याख्यान दिया। बरनाला, पंजाब 17.10.2022 को। 10. प्रोफेसर रविंदर कुमार ने 6 फरवरी, 2023 को भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'सफल पंजाबी निषेधाचार' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर रविंदर कुमार ने 21 फरवरी, 2023 को पंजाबी प्रचार सभा, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर 'डिस्कूज और कवि दरबार' में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

प्रोफेसर रविंदर कुमार ने 21 मार्च, 2023 को भारती भासा समिति, दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'भारतीय भाष्य एवं साहित्ये' पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत) : 30

संकाय संख्या : 8

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 11

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या : 17

***

संस्कृत

विभाग का विवरण

संस्कृत विभाग विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से है, और 1924 में संस्कृत स्नातकोत्तर कार्यक्रम में अपना पहला नामांकन था। उस समय की प्रचलित परंपरा का पालन करते हुए, विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों में सबसे वरिष्ठ शिक्षक महामहोपाध्याय पंडित लच्छमीधर कल्ला ने विभाग के शिक्षक-प्रभारी की भूमिका निभाई।

फारसी, अरबी, ग्रीक, लैटिन, जर्मन, फ्रेंच, रूसी, अंग्रेजी और कई भारतीय भाषाओं जैसी विभिन्न विदेशी भाषाओं के अच्छे जानकार पंडित लच्छमीधर कल्ला ने विभाग मे शोध कार्यक्रम शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभाई। अपनी दो अत्यधिक प्रशंसित पुस्तकों, 'द बर्थप्लेस ऑफ कालिदास' और 'द होमलैंड ऑफ आर्यन्स' के लिए प्रसिद्ध, पंडित कल्ला ने सर जॉन मार्शल के तहत एक पुरातात्विक प्रशिक्षुता पूरी की और वे रॉयल एशियाटिक सोसाइटी के निर्वाचित सदस्य थे। विशेष रूप से, उन्होंने 'आर्यन माइग्रेशन थ्योरी' के खिलाफ 'आउट ऑफ इंडिया थ्योरी' का समर्थन किया।

1949 में, डॉ.एन.एन.चौधरी एक रीडर के रूप में विभाग में शामिल हुए और बाद में 1949 में विभागाध्यक्ष का पद ग्रहण किया। डॉ. चौधरी को बाद में 1955 में प्रोफेसर के नव निर्मित मूल पद पर पदोन्नत किया गया।

विभाग में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित संस्कृतविद् और लेखक, साहित्य अकादमी पुरस्कार और 'प्रवासी भारतीय सम्मान' से सम्मानित प्रोफेसर आर. वी. जोशी को शामिल किया गया। एक अन्य दिग्गज, ज्ञानपीठ और पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर सत्यव्रत शास्त्री ने दूसरे संस्कृत आयोग की अध्यक्षता की और भारत के राष्ट्रपति सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर, महामहोपाध्याय, विद्यावाचस्पति और अनेक सम्मान प्राप्त किए। विभाग के पूर्व रीडर डॉ.एस.एस.राणा ने 12 वर्षों से अधिक समय तक दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के डीन के रूप में कार्य किया और शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रधानाचार्य के रूप में भी कार्य किया। वाचस्पति उपाध्याय, पूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष ने 1994 से 2011 तक की सबसे लंबी अवधि तक श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के कुलपति के रूप में कार्य किया। सत्यपाल नारंग, पूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, ने निदेशक, इंस्टीट्यूट फ्रांसेस डी'इंडोलॉजी, पांडिचेरी का पद संभाला। समय के साथ, विभाग का नेतृत्व 19 विद्वानों द्वारा किया गया है, वर्तमान प्रमुख प्रोफेसर ओम नाथ बिमाली हैं, जिन्हें अप्रैल 2022 में नियुक्त किया गया था।

विशेषताएं और योगदान

यह विभाग अपनी तरह का अकेला विभाग है जहां संस्कृत अध्ययन के लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों जैसे वेद, दर्शन, साहित्य, संस्कृत भाषा और व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुरालेख और पुरालेख, आधुनिक संस्कृत साहित्य, विवरण और पुराण, भारतीय ज्योतिषशास्त्र आदि की विशेषज्ञता धारक संकाय सदस्य है। विभाग में 900 से अधिक स्नातकोत्तर छात्र और लगभग 250 शोध छात्र हैं। विभाग द्वारा 67 वर्षों में किए गए शोधकर्ताओं के विहंगम दृश्य इस प्रकार हैं:

विभाग ने ज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है, जैसे:

विभाग छात्रों को भारतीय ज्ञान प्रणाली की विभिन्न शाखाओं से परिचित कराता है।

विभाग एक अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है और वैज्ञानिक, तकनीकी, साहित्यिक और दार्शनिक सिद्धांतों के नवीनतम विकास के प्रकाश में पारंपरिक ज्ञान परिवेश को देखता है।

यह संस्कृत पांडुलिपियों के संपादन, व्याख्या और गंभीर विश्लेषण पर केंद्रित है।

यह पाठक, पुरातात्विक और भाषाई साक्ष्य के प्रकाश में आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके संस्कृत साहित्य के कालक्रम को पुनः लिखने की का प्रयास करता है।

अध्ययन के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करना जो छात्रों को जिम्मेदार व्यक्तियों के साथ-साथ वैश्विक नागरिकों के रूप में अपने जीवन में सभी प्रकार की सार्थकता प्राप्त करने के लिए तैयार करता है।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

विभाग तीन स्तरों अर्थात् एम.ए., एम.फिल., और पीएच.डी. पर नियमित पाठ्यक्रम संचालित करता है। यह दो प्रारंभिक पाठ्यक्रम, संस्कृत में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा भी संचालित करता है।

संकाय और अन्य कार्मिक

संस्कृत, अन्य क्षेत्रों के विपरीत, विषयों का एक समूह है जो भारत के विभिन्न स्वदेशी ज्ञान डोमेन से संबंधित है। वर्तमान में विभाग अपने 28 संकाय सदस्यों के माध्यम से विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें चार कार्मिक हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संस्कृत विभाग ने आईसीपीआर के सहयोग से 01.03.2023 को कमरा नंबर-22, कला संकाय, विश्वविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

संस्कृत विभाग, दक्षिण दिल्ली कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007 पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18-22, मार्च 2023 का आयोजन कर रहा है। “अभिराजयशोिूषणम् स्वयं प्रणेतुराचाययस्य : वदनारभवन्दात्” .

संस्कृत विभाग में 09.08.2022 को आयोजित संस्कृत विभाग का एक दिवसीय संस्कृत सप्ताह मनाया जा रहा है।

संस्कृत विभाग 01.03.2023 को “अद्वैत दर्शन प्रस्थानों में ज्ञानमीमांस” पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर मीरा द्विवेदी को कश्मीर शिव संस्थान और आईजीएनसीए द्वारा महामहेश्वराचार्य अभिनव गुप्ता जयंती समारोह पर आईजीएनसीए में 11.6.2022 को सम्मानित किया गया।

डॉ. अवधेश प्रताप सिंह: विक्रम कालिदास पुरस्कार, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नवंबर 2022

जर्नल प्रकाशन

सिंह, ए.पी. (2022). धरमा और दर्शना: एक विश्लेषण। *शोधो नवीत*.

द्विवेदी, एम. (2022). भगवद्गीता मे त्रःगुण्य-मीमांसा । *संस्कृत विमर्श, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय*. आइएसएसएन 0975-1769, पृष्ठ 118-130.

द्विवेदी, एम. (2022). छंदः समीक्षा मे निरुपिता अवस्तंभ- व्यवस्था। *शोध-प्रभा*। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसएसएन-0974-8946, पृष्ठ 51-64.

डिंडोरिया, वीपी (2022-2023). पंचावणी में श्रीराम के उपदेश में अद्वैत वेदांत की अवधारणाएँ। * प्राक्याप्रज्ना, 35*, 240-247.

मीना, टीसी (2022). रामायण चरित्र के जनजातित्व का निर्णय एवं उनके व्यक्तित्व का उदघटन। *वाक सुधा, 8*(32), 139-145.

द्विवेदी, वीएस (2022). महाभारत में वर्णित मानवकल्याण की अवधरना। *वांग्मयम, त्रिवेनिका संस्कृत परिषद, प्रयागराज, 11*, 83-89.

शर्मा, एस., और चंद्रा, एस. (2022). कृत्-शृङ्खला: एक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली. *ज्ञान गरिमा सिंधु, 75*, 87-91. से लिया गया। http://www.cstt.education.gov.in/file/2005

निगम, ए., और चंद्रा, एस. (2022). धर्मशास्त्रीय अवधारणाओं के शोधकार्यों का सर्वेक्षण. *ज्ञान गरिमा सिंधु, 75*, 58-68. से पुनः प्राप्त। http://www.cstt.education.gov.in/file/2005

निगम, ए., और चंद्रा, एस. (2022). भारत में धर्मशास्त्रीय ज्ञान परंपरा को अध्ययन के लिए एक प्रभावी डिजिटल शिक्षण ढांचा तैयार करना। जर्नल ऑफ शीआन यूनिवर्सिटी ऑफ आर्किटेक्चर एंड टेक्नोलॉजी, 14 (7), 609-617. https://doi.org/10.37896/JXAT14.07/315462

शर्मा, एस., और चंद्रा, एस. (2022). संस्कृत-कृदन्त शिक्षण हेतु पाणिनीय नियमाधारित व्युत्पत्ति प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन सिस्टम. विज्ञान प्रकाश रिसर्च जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 20 (1), 38-49. से पुनः प्राप्त। https://www.vigyanprakash.in/download/20.1.6.pdf

संजू, और चंद्रा, एस. (2022). संस्कृत सन्धिगत ध्वनि-परिवर्तनों का भाषावैज्ञानिक आधार. शोधसंहिता: जर्नल ऑफ फंडामेंटल एंड कम्पेरेटिव रिसर्च, VIII(1XI), 143-149.

निगम, ए., और चंद्रा, एस. (2022)। धर्मशास्त्र साहित्य पर आधारित प्राचीन भारत में पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण। ज़ीचेन जर्नल, 8 (3), 354-366 से पुनः प्राप्त। http://www.ezeichen.com/gallery/2480.pdf.

निगम, ए., और चंद्रा, एस. (2022). मनुस्मृति में मानवीय स्वास्थ्य चिन्तन एवं प्रबन्धन. शोधसंहिता: जर्नल ऑफ फंडामेंटल एंड कम्पेरेटिव रिसर्च, VIII(1X), 50-56.

निगम, ए., और चंद्रा, एस. (2022). धर्मशास्त्रीय ज्ञान परंपरा के लिए डिजिटलीकरण और त्वरित संदर्भ प्रणाली। भारत में भाषा, 22 (02), 66-72. से पुनः प्राप्त। http://languageinindia.com/feb2022/arooshidigitizationdharmatextsfinal.pdf

सिंघल, एस. (2022). 'सुधीवैभवम्' आचार्य डॉ. सुधीकान्त भारद्वाजस्य अमृतोत्सवे अभिनन्दनग्रन्थ. शब्दब्रह्म की आनन्दमीमांसा मे (पृष्ठ 218-222). देववाणी परिषद्. आईऍसबीऍन 978-81-85924-44-1.

सिंह, एपी (2022). धर्म और दर्शन: एक विश्लेषण । शोध नवनीत (पृष्ठ 115-118) में। स्तुति प्राच्यविद्या समिति।

पुस्तकें

डिंडोरिया, वी.पी. (2022). *पुराणेतिहसदर्पण*। वकसुधा प्रकाशन। आईऍसबीऍन 978-81-952826-2-3.

डिंडोरिया, वी.पी. (2022). *सुवत्ततिलकम्*। चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। आईऍसबीऍन 978-81-951372-3-7.

डिंडोरिया, वी.पी. (2022). *औकिविकारका*। शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली। आईऍसबीऍन 978-93-91214-65-4.

डिंडोरिया, वी.पी. (2022). *मेघदूत*। उपासना प्रकाशन, दिल्ली। आईऍसबीऍन 978-81-95322-93-0.

शोध परियोजनाएं

प्रोफेसर मीरा द्विवेदी

(भारतीय दर्शन में प्रतिपादित गुणत्रय की अवधारणा का संस्कृत काव्यशास्त्र पर प्रभाव) भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर) द्वारा वित्त-पोषित। रूपए 5,00,000/- तीन वर्ष 9.6.2021 से 3.6.2024 तक।

प्रोफेसर वेद प्रकाश डिंडोरिया

पाशवाणी से लंका तक श्रीराम की यात्रा का सांस्कृतिक महत्व*;* विभिन्न संस्कृत रामायणों पर आधारित तुलनात्मक अध्ययन। लघु परियोजना*,* संकाय अनुसंधान कार्यक्रम (एफआरपी) के तहत अनुदान*, 2022-2023,* द इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई)*,* दिल्ली विश्वविद्यालय*,* दिल्ली।

प्रोफेसर टेक चंद मीणा

मीना टेक चंद, रामायण के जनजाति-चरित्र, एफआरपी, इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। 150000/- रुपये (04.11.2021 से 30.06.2022 तक) (पूर्ण)

डॉ. विजय शंकर द्विवेदी

धार्मिक ज्ञान परंपरा के लिए वेब आधारित त्वरित संदर्भ प्रणाली का डिजिटलीकरण और विकास, आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त-पोषित, 2022-2023। (पूर्ण)

नारदास्मृति, आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2023-2024 के लिए एक ऑनलाइन अनुक्रमण और

अवधारणा खनन प्रणाली का विकास।

डॉ. अवधेश प्रताप सिंह

रामायण, महाभारत तथा कौटिल्यीय अर्थशास्त्र में वर्णित लोकनीति एवं शासनव्यवस्था की समसामयिक प्रासंगिकता (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विशेष सन्दर्भ में), आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, अगस्त 2022-जुलाई 2025

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

प्रोफेसर मीरा द्विवेदी

2 जून 2023 को संस्कृत विभाग मातासुंदरी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दिल्ली संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित किया गया और भारतीय ज्ञानपरम्परा एवं पर एक व्याख्यान दिया।

21, 22 जून 2023 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित किया गया और एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था- रामायन में रामरज्य की अवधरना।

साहित्य अकादमी, दिल्ली और कुमार भास्कर वर्मा और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, नलबाड़ी, असम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित किया गया और संस्कृत पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण संपादकीय और स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान शीर्षक से एक शोध-पत्र में योगदान दिया।

आमंत्रित व्याख्यान

वेदेषु मानवाधिकाराः प्रसार भारती द्वारा इंद्रप्रस्थ चैनल पर प्रसारित, एयर लाइव न्यूज 24x7, आकाशवाणी एआईआर यूट्यूब और न्यूज ऑन एयर ऐप, 6 अक्तूबर 2023 को रात्रि 10:10 बजे। https://youtu.be/gMSGf8aBpd8

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में नाट्यशास्त्र में नवचार और शोध सांभवनायन विषय पर 29.08.2023 को व्याख्यान दिया।

संस्कृत सौरभम :- संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक पक्ष। संस्कृत सौरभम के विषय पर एक चर्चा का प्रसारण :- संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक पक्ष (संस्कृत भाषा का वैज्ञनिक पक्ष) 24 अगस्त 2023 को 09:15:00 पूर्वाह्न पर प्रसारभारती द्वारा.

https://abs.prasarbharati.org/decide.php?key=NlVMMUlZZmpCMUU9

साप्ताहिक संस्कृत पत्रिका वार्तावली कार्यक्रम डीडी न्यूज में 2 जुलाई को विशेष साक्षात्कार। लिंक : http://youtu.be/iUXrZG2KIoE.

29 मार्च 2013 को संस्कृत विभाग, वनस्थली विद्यापीठ द्वारा भारतीय संस्कृति में निहित मौलिक मानव और राष्ट्रीय सुधार में इसकी व्यवहार्यता विषय पर आयोजित एक दिवसीय आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय

संगोष्ठी में रस-प्रबोधन में साहित्यिका मूलों का योगदान (राष्ट्रप्रबोधन में साहित्यिक मूल्यों का दायित्व) शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 24.11.2022 को आयोजित कार्यशाला में भारतमुनि के नाट्यशास्त्र में रस की रूपरेखा शीर्षक से व्याख्यान दिया।

भारत विद्या प्रयोजना (बीवीपी), आईजीएनसीए, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा हिंदू अध्ययन पर पीजी डिप्लोमा (पीडीएचएस पाठ्यक्रम) देने के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया और 02.12.2022 (शुक्रवार संध्या 6:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक) को भारतीय समाज पर व्याख्यान दिया।

28.8.2022 को संस्कृत सप्ताह समारोह के समापन समारोह के अवसर पर संस्कृत-संस्कृति-विकास संस्थान द्वारा आयोजित भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतम संस्कृतष्ठा शीर्षक से व्याख्यान दिया।

सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई - यूजीसी - एचआरडीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24/8/2022 को जूम के माध्यम से स्त्री पर्यायों का पारिवारिक और सांस्कृतिक विमर्श शीर्षक विषय पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया।

9.8.2022 को आजादी का अमृता महोत्सव पर संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में श्री विंधीश्वरी प्रसाद मिश्रा 'विनय'- महाभागं वामाधुर्यम अनुज्ञाति शुकिति स्नादर्भे शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

जुलाई 2022 को तकनीकी सत्र- भारतीय संस्कृति की परिप्रेक्षा में नात्या-पर्यादा पर संस्कृत-संस्कृति- विकास संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पीठासीन व्याख्यान दिया।

7 जून 2022 को अभिनव गुप्ता का नाट्य्यस्त्री सिंताना के विषय पर महामहेश्वर अभिनव गुप्त जयंती के अवसर पर एमिटी स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स, एमिटी यूनिवर्सिटी, हरियाणा द्वारा आयोजित रिसोर्स पर्सन के रूप में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

साहित्य अकादमी, दिल्ली और कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत विश्वविद्यालय और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, नलवारी असम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में संस्कृत साहित्य के योगदान (संस्कृत पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण संपादकीय और स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान) पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कालिदास एकेडमी ऑफ संस्कृत एंड फाइन आर्ट्स दिल्ली और भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कालिदास के साहित्य में पुरुषार्थ-कैतुष्टैया विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 12.04.2022 को एक पीठासीन व्याख्यान दिया।

महर्षि व्यासदेव राष्ट्रीय-प्राच्योदय केंद्र, राउरकेला ओडिसा द्वारा 3/4/2022 को ज़ूम के माध्यम से आयोजित शतदीप-व्याख्यानमाला में उपमा-विमृत के विषय पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/संगोष्ठी/वेबिनार/कार्यशाला

18-22 मार्च, 2023 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त 'अभिराज्यशोभूषणम:

स्वयं प्रनेतुमाचार्यस्यवदनारविंदत' नामक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

28 फरवरी, 2023 को पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 'भारतीय भाषा मध्यम से उच्च शिक्षा : संवैधानिक एवं संभावनायेन' नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

10-12 फरवरी, 2023 को संस्कृत विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वैदिक वनग्मय में राष्ट्रीय एकता एवं विश्वबंधुत्व पर राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन में 'वेदो में शांति की अवधरना' शीर्षक से व्याख्यान दिया।

28 सितंबर, 2022 को श्री शंकर शिक्षायतन दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त वें लिमेट डिलाउज पर मेमोरियल व्याख्यान में भाग लिया।

1-8 सितंबर, 2022 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशन और टेक्स्ट एडिटिंग टूल्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

27 मई, 2022 को श्री शंकर शिक्षातन अनुसंधान केंद्र और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित गीतविजयनभस्य ज्ञानयोगविमर्श पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

7-9 मई, 2022 को अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र दिल्ली में भारत के तीन संस्कृत केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उत्कर्ष महोत्सव 2022 में नवशिक्षायुग संस्कृताध्ययनासी विश्वतोमुखत्वम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. सोमवीर सिंघल विशिष्ट-वक्ता, विषय दर्शपौर्णमास याग विवेचन (अखिल भारतीया वैदिक शोधसंगोष्ठी) सुसंगठित, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोधसंस्थान, गुरूकुल प्रभात आश्रम टीकरी, मेरठ (उ.प्र.) 13 जन॰ 2023

विशिष्ट- वक्ता, विषय स्वामी श्रद्धानन्द - एक समाज सुधारक (आर्य वैदिक संवाद श्रृंखला) हंसराज महाविद्यालय, (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) 30 सितंबर 2022।

विशिष्ट वक्ता, विषय समकालीन परिदृश्य और आर्य समाज (आर्य वैदिक संवाद श्रृंखला) हंसराज महाविद्यालय, (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) 27 दिसंबर 2022।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)

संस्कृत में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडी) संस्कृत से संस्कृति सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), दिल्ली विश्वविद्यालय (यूजीसी -एचआरडीसी द्वारा प्रायोजक) द्वारा 16 अगस्त से 30 अगस्त, 2022 तक आयोजित किया गया।

कार्यशाला

पांचदिवसीया कार्यशाला, विषय- अभिराजयशोभूषणम् स्वयं प्रणेतुराचार्यस्यवदनारविन्दात्, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 18-22.03.2023.

संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 01-08 सितंबर, 2022 के दौरान बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशंस और टेक्स्ट एडिटिंग टूल्स पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन।

दर्शनशास्त्रपीठान्तर्गतसर्वदर्शनविभागेन समायोजिता, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, द्वारा. 21.11.2022 से 01.12.2022 के दौरान आयोजित

एकादशदिवसात्मकसर्वदर्शनसंग्रहग्रन्थस्वाध्यायराष्ट्रीयकार्यशाला संगोष्ठी।

संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 01-08 सितंबर, 2022 के दौरान बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशंस और टेक्स्ट एडिटिंग टूल्स पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन।

गोकुल जन कल्याण समिति, भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा दिनांक 21.06.2022-24.06.2022 के दौरान वदाशास्त्र (वार्तालाप, वाद-विवाद और संवाद बनाने की कला) पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन।

सांख्ययोगविभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली एवं श्रीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, हाटा, कुशीनगर के संयुक्त तत्त्वावधान में, 11.05.2022 से 20.05.2022 के दौरान आयोजित पातञ्जल योगदर्शन व्यासभाष्य (समाधिपाद) दश दिवसीय विमर्श कार्यशाला।

अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों/संगोष्ठियों में भाग लिया।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, विषय- "भारतीया शास्त्रपरम्परा: सामयिकः सन्दर्भ :" संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (22-23 जुलाई, 2023)

संस्कृतम् आन्तरिकविकासश्च संस्कृतभारती/ संस्कृत- प्राच्य विद्याध्ययन संस्थानं जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालयः भारतीय-ज्ञान-प्रणाली- प्रभागः- भारतसर्वकारश्च इत्येतेषां संयुक्त तत्त्वावधाने राष्ट्रिया शोध-संगोष्ठी, 08-09/10/2022 को।

'विश्व-संस्कृति के निर्माण में भारतीय नाट्यपरंपरा का योगदान राष्ट्रिय-अन्तर्जालीय-विद्वद्गोष्ठ्यां (वेबिनार), महर्षिदयानंद विश्वविद्यालयस्थ संस्कृत-पालि-प्राकृत विभागस्य तथा नवदेहलीस्थ-भारत प्रज्ञाप्रतिष्ठानस्य संयुक्ततत्त्वावधाने, 20.05.2022 को।

एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: पुरातत्व और पुरालेख के प्रकाश में भारतीय विवरण का पुनर्लेखन (पुरातत्त्व-अभिलेखशास्त्रयोरालोके भारतीय विवरणस्य पुनर्लेखनम्) अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 29.03.2022 को आयोजित की गई।

सम्मानित एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 39

नियुक्ति की तारीख-30.12.2022.

सुश्री नीतिका, टीजीटी संस्कृत, कुंदन मॉडल इंटर महाविद्यालय, अमरोहा (उ.प्र.)

नियुक्ति की तारीख-20.11.2021.

***

स्लावोनिक और फिनो-उगेरियन अध्ययन

संक्षिप्त विवरण

भारत के पहले प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू के आदेश पर रूसी भाषा विभाग के 1946 के सृजन में उत्पन्न, विभाग का प्रारंभिक नेतृत्व डॉ वीए शिबायेव द्वारा किया गया था, जो एक बहुभाषाविद और प्रसिद्ध रूसी चित्रकार, कवि और दार्शनिक निकोलाई रोरिक के करीबी सहयोगी थे। मूल रूप से 1948 में आधुनिक यूरोपीय भाषाओं के विभाग का नाम दिया गया, विभाग ने 1969 तक फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और बाद में, हंगेरियन, पोलिश, बल्गेरियाई, चेक, क्रोएशियाई, पुर्तगाली और रोमानियाई भाषाओं में पाठ्यक्रमों को शामिल करने के लिए विस्तार किया। नामांकन में वृद्धि के कारण, विभाग ने 1987 में द्विभाजन किया, जिससे जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग और स्लाव अध्ययन विभाग की स्थापना हुई, बाद में स्लावोनिक और फिनो-उगेरियन अध्ययन विभाग का नाम बदल दिया गया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

रूसी 1946 से पढ़ाया जा रहा है, वर्तमान में प्रस्तावित पाठ्यक्रम: पीएच.डी., एम.ए., गहन अग्रिम डिप्लोमा, अंशकालिक पाठ्यक्रम (एनईपी के तहत बी.ए. शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से प्रस्तावित किया जाएगा)। भारत में एकमात्र विभाग जो स्लाव भाषाएँ: बल्गेरियाई, क्रोएशियाई, चेक, पोलिश। फिनो-उगेरियन भाषाएँ: हंगेरियन में पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

शोध-लेख

मुंजाल, जी. (2022). संस्कृत और स्लाव भाषाओं में कार्डिनल अंकों का शब्द-गठन (रूसी, पोलिश, क्रोएशियाई। "हम: कला संकाय के एक बहु-विषयक और बहुभाषी सहकर्मी-समीक्षित अनुसंधान जर्नल, डीयू", 3 (1), 49-55.

मुंजाल, जी. (2022). [साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत और व्यवहार पर 20 वीं शताब्दी में अनुवाद अध्ययन के विकास का विवरण]। 'रूसी भाषाशास्त्र', 2(2), 135-148. [रूसी में मूल शीर्षक: История развития переводческих исследований XX века по теории и практике художественного перевода]

भारती, एस. (2022). तपस्या और मोचन के माध्यम से मानव मानस को शुद्ध करने का दोस्तोवस्की का तरीका। क्रिटिक, जेएनयू', 20 (भाग 1), 104-109.

पुस्तकें/ पुस्तकों में अध्याय

मुंजाल, जी. (2023). [संस्कृत, रूसी, क्रोएशियाई और पोलिश भाषाओं में कार्डिनल अंकों के शब्द गठन का तुलनात्मक विश्लेषण]। *समारा मानविकी अकादमी, समारा सिटी, रूस * में। (पृष्ठ 94-103)। आईऍसबीऍन 978-5-98996-264-8. [रूसी में मूल शीर्षक: СРАВНИТЕЛЬНЫЙ АНАЛИЗ СЛООБРАЗОВАНИЯ КОЛИЧЕСТВЕННЫХ ЧИСЛИТЕЛЬНЫХ В САНСКРИТЕ, РУССКОМ, ХОРВАТСКОМ И ПОЛЬСКОМ ЯЗЫКАХ]

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

डीयू में, "रूसी अध्ययन: नए परिप्रेक्ष्य" पर एक संगोष्ठी «Русистика: новые перспективы» 13 फरवरी -14 फरवरी, 2023 को।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. मुंजाल, गिरीश (मार्च, 2023. रूसी में पूर्ण पत्र: "संस्कृत, रूसी, पोलिश और क्रोएशियाई भाषाओं में कार्डिनल अंकों के शब्द-गठन का तुलनात्मक विश्लेषण" («Сравнительный анализ словообразования количественных числительных в санскрите, русском, хорватском и польском языках»), अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "XXI सदी में भाषाविज्ञान की वास्तविक समस्याएं" में प्रस्तुत किया गया («Актуальные проблемы лингвистики XXI века»), 27-28 मार्च 2023 को आयोजित, रूसी भाषा और जनसंचार विभाग, समारा नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित शिक्षाविद एस.पी.कोरोलोव, समारा शहर, रूस के नाम पर।

मुंजाल, डॉ. गिरीश (मार्च, 2023 रूसी में प्लेनरी शोध-पत्र: मैक्सिम गोर्की इंस्टीट्यूट ऑफ लिटरेचर एंड क्रिएटिव राइटिंग, मॉस्को, रूस, 16 मार्च, 2023 द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "द इमेज ऑफ ए चाइल्ड एंड द थीम ऑफ चाइल्डहुड इन लिटरेचर" में "भारतीय साहित्य में भगवान राम और कृष्ण का बचपन"।

मुंजाल, डॉ. गिरीश (जनवरी, 2023. अंग्रेजी में शोध-पत्र: "लिटरेरी लैंडस्केप्स एंड कल्चरल हेरिटेज: भारतेंदु हरिश्चंद्र, अलेक्जेंडर पुश्किन, लियो टॉल्स्टॉय और मुंशी प्रेमचंद", नई दिल्ली में रूसी संघ के दूतावास और नई दिल्ली में रूसी हाउस के सहयोग से इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "जीनियस लोसी: लिटरेरी म्यूजियम इन रशिया एंड इंडिया" में प्रस्तुत किया गया, 27-28 जनवरी 2023, आईजीएनसीए, जनपथ, नई दिल्ली, भारत।

मुंजाल, गिरीश (डॉ. नवंबर, 2022। रूसी में शोध-पत्र: "रूसी और पंजाबी लोक गीत: एक तुलनात्मक अध्ययन" रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू और भाषाशास्त्र संस्थान, विदेशी भाषा और मीडिया-संचार, इरकुत्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, इरकुत्स्क, रूस, 28-30 नवंबर 2022 द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "आधुनिक शब्द में भाषाशास्त्र: रूस और भारत से परिप्रेक्ष्य" में प्रस्तुत किया गया।

बोस, एटमोजा (डॉ.) ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर स्लाविक एंड ईस्ट यूरोपियन स्टडीज वार्षिक सम्मेलन 2023, शोध-पत्र शीर्षक “Историческое Развие Русских Слов на фоне Иноземних Влияний” ग्लासगो विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड, यूके।

बोस, एटमोजा (डॉ.) सिरिलो - मेथोडियन लिगेसी इन इंटरनेशनल स्कॉलरशिप एंड कल्चरल मेमोरी 2023, शोध-पत्र टाइटल “Лексико - Семантическое Развитие с Позиций Плана Выражения и Плана Содержания Русских слов на Фоне Эволюции”, बल्गेरियाई विज्ञान अकादमी, सोफिया। बांग्ला भाषा का बुल्गारिया प्रचार: शिक्षण और सीखना 2023, शोध-पत्र शीर्षक "एनईपी 2020 की भाषा नीति: वैश्विक प्रक्षेपवक्र के प्रकाश में", भारतीय भाषा समिति, भारत सरकार, कोलकाता।

बोस, अतमोजा (डॉ.) ने रूसी के शिक्षकों के लिए एक विदेशी भाषा के रूप में अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी

में भाग लिया "एक विदेशी भाषा पाठ्यपुस्तक के रूप में रूसी: आधुनिक, क्लासिक या प्रभावी" पुश्किन स्टेट रूसी भाषा संस्थान, मॉस्को, रूस और 'ज़्लाटौस्ट' शैक्षिक और प्रकाशन केंद्र, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस द्वारा आयोजित 7 शैक्षणिक घंटों में।

संकाय संख्या : 6
प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 1

***

उर्दू

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग, मूल रूप से विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से अरबी और फारसी के साथ एक संयुक्त विभाग का हिस्सा था। इसने 1959 में अपनी स्वायत्तता प्राप्त की। इस मील के पत्थर में विश्वविद्यालय कैंपस में अपनी प्रारंभिक स्थापना के बाद 1957 बहुपक्षीय विभाग के हिस्से के रूप में स्थापना हुई। 1959 में अलगाव ने एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया, जिससे उर्दू भाषा और साहित्य पर एक समर्पित ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिली। इसने उर्दू के विशिष्ट सांस्कृतिक और साहित्यिक महत्व को रेखांकित किया, जो अपनी काव्यात्मक समृद्धि और सांस्कृतिक गहराई के लिए प्रसिद्ध भाषा है। तब से, विभाग उर्दू के विद्वानों के अध्ययन और संरक्षण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण रहा है, खुद को उर्दू शिक्षा के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

विभाग के शिक्षक उर्दू भाषा और साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रकाशन कार्य में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। कई विशिष्ट आगंतुकों, प्रोफेसरों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विशेष व्याख्यान देने और संकाय सदस्यों के साथ-साथ विभाग के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए विभाग का दौरा किया।

प्रकाशन:

अहमद, आई. (2018)। उर्दू अदब पर दबिस्तान ए सर सैयद के असरत। ऐवान-ए-उर्दू। दिल्ली: मासिक संदर्भित उर्दू जर्नल। आइएसएसएन 2321-2888.

खान, आई.ए. (2018-19). नायरंग-ए-ख्याल एक तासूर "शाम -ए-हयात"। जेडएचसी पत्रिका।

ओमेयर, एस. (2018-2019)। इस्मत चुगताई बहैसियात खाका निगार। शमा-ए-हयात, 88-93. उर्दू विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (संध्या), दिल्ली। आइएसएसएन 2395-1230.

ओमेर, एस. (2018-19). कलीमुद्दीन अहमद: एक बज़्याफ़्त। उर्दू जर्नल, 8 (9-10), 351-356। उर्दू विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना। आइएसएसएन 2249-7854.

ओमेयर, एस. (2018-2019)। इंशा और उनके अहद का तहज़ीबी मंजरनामा। अरमुघन, 5(7), 397-406. उर्दू विभाग, जेएमआई, नई दिल्ली।

ओमेयर, एस. (2019, मार्च)। खुद आगी का सफर: नेसाई शेरी आवाज। उर्दू दुनिया, 21(03), 20-22. एनसीपीयूएल, नई दिल्ली।

आयोजित संगोष्ठी/व्याख्यान

26.07.2018, प्रोफेसर एसआर किदवई की अध्यक्षता में गालिब संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तक ग़ालिब और अहादे घाली पर चर्चा।

29.08.2018, एक दिवसीय रिसर्च स्कॉलर्स राष्ट्रीय संगोष्ठी।

14.11.2018, काजी अब्दुस सत्तार पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

31.01.2019, एक रिसर्च स्कॉलर्स सेमिनार।

14.02.2019, एक शोध विद्वान संगोष्ठी।

05.03.2019, डॉ इरशाद अहमद खान द्वारा संचालित प्रोफेसर सैयद अली करीम (इरतेजा करीम) की अध्यक्षता में डॉ मोहम्मद काजिम द्वारा "पोस्ट पारसी उर्दू नाटक और रंगमंच" विषय पर एक व्याख्यान।

19.03.2019, तखलीकी अदब पर एक शोध विद्वान संगोष्ठी।

27.03.2019, उर्दू अदब में देवमलाई अनासिर पर एक राष्ट्रीय शोध विद्वान संगोष्ठी।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

प्रोफेसर एन एम कमल ने 30/4/2018 को गांधी भवन, डीयू में "उर्दू साहित्य में गौतम बुद्ध" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 5/5/2018 को एम.जे.आई.हिंद, दिल्ली में "हिंदुस्तान में उर्दू अफसाना" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 30/6/2018 को गालिब अकादमी, दिल्ली में "अदब ए अतफल" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 1/7/2018 को जेएनयू, नई दिल्ली में "अख्तर शेरानी की कविता" पर एक अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने जामिया में "गैर-काल्पनिक गद्य" पर 27/7/2018 को एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 30/7/2018 को जेएमआई, दिल्ली में "स्वतंत्रता आंदोलन और उर्दू" पर अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 1/11/2018 को खालसा महाविद्यालय डीयू में "हिंदी में लोक साहित्य की परंपरा" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 10/11/2019 को गालिब संस्थान, दिल्ली में "इंशा की कविता" पर एक अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 23/11/2018 को साहित्य अकादमी, दिल्ली में अब्दुर रहमान बिजनौरी पर अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 29/11/2018 को जेएमआई, दिल्ली में "पाठ पढ़ना" पर अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 13/1/2019 को सेंट जॉन्स महाविद्यालय, आगरा में "सेमाब अकबराबादी की कविता" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 30/1/2019 को जेएनयू, दिल्ली में "बोस्तान ए ख्याल में रज़मनिगारी" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 8/2/2019 को जेएमआई, दिल्ली में "दास्तान की परंपरा" पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 15/2/2019 को गालिब अकादमी, दिल्ली में "ग़ालिब और उनकी उम्र" पर एक अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 24/2/2019 को गालिब अकादमी, दिल्ली में "ग़ालिब के अहद की दास्तान" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 9/3/2019 को "महबूर्रहमान फारूकी" पर अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 18/3/2019 को एनसीपीयूएल, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्वतंत्रता के बाद उर्दू शोध' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एनएम कमल ने 23/3/2019 को एएमयू अलीगढ़ में "दास्तान की तकनीक" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

19. प्रोफेसर एन एम कमल ने 30/4/2018 को गांधीनगर भवन, डीयू में "उर्दू साहित्य में गौतमबुद्ध" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने एम.जे.आई.हिंद, दिल्ली में 5/5/2018 को "हिंदुस्तान में उर्दू अफसाना" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एन एम कमल ने 30/6/2018 को गालिब अकादमी, दिल्ली में "अदब ए अतफल" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, भाषा और साहित्य में अनुसंधान पद्धति, विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में व्याख्यान की एक श्रृंखला, यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (अकादमिक स्टाफ महाविद्यालय), गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, 24 जुलाई 2018 द्वारा आयोजित।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, नियाज़ अहमद खान मेमोरियल लेक्चर प्रोफेसर नियाज़ अहमद खान की जयंती के अवसर पर द मुस्लिम इंस्टीट्यूट, कोलकाता, फरवरी 2019 द्वारा आयोजित किया गया।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, समकालीन उर्दू रंगमंच, उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित

एक व्याख्यान, 5 फरवरी 2019.

डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू: ललित कला और इन्फोटेनमेंट, आज के वैश्विक संदर्भ में उर्दू भाषा के संरक्षण और संवर्धन पर एक विश्व उर्दू सम्मेलन में, नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ़ उर्दू लैंग्वेज, भारत सरकार, नई दिल्ली, 18 से 20 मार्च 2019 तक।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के उर्दू विभाग द्वारा आयोजित 'ग़ैर अफसानवी उर्दू नस्र' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. मोहम्मद काज़िम, बिस्वेन सादी के निस्फ़ आखिर में उर्दू सफरनामा, 12-14 मार्च 2019.

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के उर्दू विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू नाटक पर हिंदुस्तानी असतीर के असराट, उर्दू मज़हेब: फलसफा और अदब पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू नाटक और रंगमंच की मौजूदा सूरत-ए-हाल, वर्ल्ड उर्दू एसोसिएशन और पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता द्वारा आयोजित "उर्दू ज़बान-ओ-अदब के मौजूदा मसेल" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, 1 से 3 फरवरी 2019.

डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू नाटक में सोलह-ओ-जंग की दास्तान, वर्ल्ड उर्दू एसोसिएशन और भारतीय भाषा केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 30-31 जनवरी, 2019 द्वारा आयोजित "उर्दू, फारसी और अरबी में महाकाव्य कविता: युद्ध और शांति की गाथा" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के उर्दू विभाग द्वारा आयोजित 'फिक्शन पर वर्तमान सामाजिक परिवर्तनों का प्रभाव' विषय पर चार दिवसीय बहुभाषी अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू फिक्शन की मौजूदा सूरत-ए-हाल, 07-10, दिसंबर 2018.

डॉ. मोहम्मद काज़िम, शारिब रुदौलवी की तनक़ीदी जेहात, उर्दू विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 'प्रोफेसर शारिब रुदौलवी' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 02-04, दिसंबर 2018.

डॉ. मोहम्मद काज़िम, भारत में समकालीन प्रदर्शन कला, महिला के लिए उर्दू विभाग, अजहर विश्वविद्यालय, क़ाहिरा, मिस्र, नवंबर 2018 द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, समकालीन सोशल मीडिया और हमारी सोसायटी, उर्दू और अनुवाद विभाग, अजहर विश्वविद्यालय, क़ाहिरा, मिस्र, नवंबर 2018 द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

गवर्नमेंट गर्ल्स जनरल महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता, 30 मार्च 2019 द्वारा आयोजित उर्दू फिक्शन का आगाज़-ओइरतेक़ा पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. मोहम्मद काज़िम, हम असर दास्तानगोई और नाज़रीन।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, क़ाज़ी अब्दुस सत्तार का अफसाना लाला इमाम बख्श: एक ताज्ज़ियाती मुतालिया, सेंटर ऑफ़ एडवांस स्टडीज, उर्दू विभाग, अलीगढ़ द्वारा आयोजित काज़ी अब्दुस सत्तार और उनका अहद

पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में, 25-26 मार्च।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू नाटक की तारीख नवेसी: इक जैज़ा, अंजुमन तरक्की उर्दू हिंद, नई दिल्ली, 24 मार्च 2019 द्वारा आयोजित उर्दू तारीख नवीसी की तशकील-ए-नौ पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, महबूबुर रहमान फारूकी की अदबी और सहाफती खिदमाती, सईद एजुकेशनल ट्रस्ट, नई दिल्ली, 9 मार्च 2019 द्वारा आयोजित महबूबुर रहमान फारूकी की अदबी और सहाफती खिदमात पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, अल्लामा इकबाल की शायरी में फनून-ए-लतीफ़ा, उर्दू विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान, 6 और 7 मार्च 2019 द्वारा आयोजित अल्लामा इकबाल: जीवन और योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

डॉ. मोहम्मद काज़िम, समकालीन उर्दू नाटक और रंगमंच, एक विस्तारण व्याख्यान, उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 5 मार्च 2019

डॉ. मोहम्मद काज़िम, नियाज़ अहमद खान की अदबी खिदमात, द मुस्लिम इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रोफेसर नियाज़ अहमद खान पर एक विस्तार व्याख्यान, 15 फरवरी 2019.

डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू अदब में मेटियाबुर्ज की खिदमात, फतेहपुर विलेज रोड एवर ग्रीन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित "उर्दू आदत में मेटियाबुर्ज की खिड़मात" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य टिप्पणी, एनसीपीयूएल, मानव संसाधन विकास, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 28 जुलाई 2018.

डॉ. मोहम्मद काज़िम, ज़फ़र उगानवी की अफसाना निगारी, नरसिंह दत्त महाविद्यालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल, 28-29, अप्रैल 2018 द्वारा आयोजित 'ज़फ़र उगानवी: हयात-ओ-करनाम' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

डॉ. मुश्ताक आलम कादरी ने 23 नवंबर 2018 को ग़ालिब संस्थान में एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "मुग़लिया अहद के अख़री दौर का फ़ारसी अदब तसवुफ़ के हवाले से" नामक एक शोध-पत्र में भाग लिया और प्रस्तुत किया।

डॉ. मुश्ताक आलम कादरी ने दिसंबर 2018 में कठुआ जम्मू में राष्ट्रीय संगोष्ठी में "दौरे हाजिर मियां कृष्ण चंदर की अफसाना निगारी की अहमदियत ओ इफादियात" नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मुश्ताक आलम कादरी ने 15 जुलाई 2018 को श्रीनगर में राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अकीसविन सादी मैं उर्दू अदब" नामक एक शोध-पत्र में भाग लिया और प्रस्तुत किया।

डॉ. मुश्ताक आलम कादरी ने फरवरी 2019 में मलेरकोटला, पंजाब में राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पंजाब में उर्दू अदब" नामक एक शोध-पत्र में भाग लिया और प्रस्तुत किया।

डॉ. मुश्ताक आलम कादरी ने नई दिल्ली 2018 में इस्लामिक कल्ट्रल सेंटर में राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मौलाना ममलूकुल अली की मकतूब निगारी" नामक एक शोध-पत्र में भाग लिया और प्रस्तुत किया।

डॉ. अबू बकर अब्बाद, 8, जुलाई 2018, शायरी की कहकशां का एक तबिंदा सितारा: एजाज अफजल, एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता द्वारा आयोजित।

डॉ. अर्जुमंद आरा, 27 मार्च 2019, महिला महाविद्यालय छात्र संघ, एएमयू, अलीगढ़ द्वारा आयोजित महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2019 में अरुंधति रॉय के उपन्यास द मिनिस्ट्री ऑफ अटमोस्ट हैप्पीनेस पर व्याख्यान।

डॉ. अर्जुमंद आरा, 25 फरवरी 2019, इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में अरुंधति रॉय के उपन्यास द मिनिस्ट्री ऑफ अटमोस्ट हैप्पीनेस के उर्दू अनुवाद पर संगोष्ठी, अरुंधति रॉय, अर्जुमंद आरा और रक्षंदा जलील ने भाग लिया।

डॉ. अर्जुमंद आरा, 2 फरवरी 2019, अरुंधति रॉय के उपन्यास द मिनिस्ट्री ऑफ अटमोस्ट हैप्पीनेस के हिंदी और उर्दू अनुवाद पर पुस्तक विमोचन और संगोष्ठी, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में राजकमल प्रकाशन समूह द्वारा आयोजित अरुंधति रॉय, अर्जुमंद आरा ने भाग लिया।

डॉ. इरशाद अहमद खान, असनाफ-ए-अदब की तद्रिस (राष्ट्रीय) एपीडीयूटी जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा 29 नवंबर 2018.

डॉ. इरशाद अहमद खान, शारिब रुदालवी का तनकीदी इम्तेयाज़त (इंटरनेशनल) का आयोजन शागिरदान-ए-शारिब द्वारा उर्दू विश्वविद्यालय लखनऊ के विभाग, उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी और 'उर्दू दोस्त' अंजुमन के सहयोग से 2-4 दिसंबर 2018.

डॉ. इरशाद अहमद खान, उर्दू का ग़ैर अफसानवी अदब :1901 ता हाल (अंतर्राष्ट्रीय) उर्दू जेएमआई विभाग द्वारा एनसीपीयूएल के साथ 12-14 मार्च 2019.

डॉ. शाज़िया ओमेर, ग़ालिब इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 10 -11 नवंबर 2018 को "इंशा अल्लाह खान इंशा और इंके अहद का तहज़ीबी मंजरनामा" शीर्षक से "इंशा अल्लाह खान इंशा और भारतीय परंपरा" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शाज़िया ओमैर, ने 29 -30 मार्च 2019 को फेथ फाउंडेशन द्वारा आयोजित और उर्दू अकादमी दिल्ली, नई दिल्ली के सहयोग से एनसीपीयूएल द्वारा प्रायोजित "इकबाल की फिकरी जेहत" शीर्षक इकबाल का फिकरी-ओ-नजरयाती इरतेका पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शाजिया ओमैर, ने 30 मार्च 2019 को एनसीपीयूएल, दिल्ली के सहयोग से जमीयत फैजान-ए-उलमा-ए-हिंद द्वारा आयोजित "सईद अहमद अकबराबादी बहाईसियात सफरनामा निगार" शीर्षक से "प्रोफेसर मौलाना सईद अहमद अकबराबादी: शखसियात और खिदमत" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शाज़िया ओमैर, ने एनसीपीयूएल, नई दिल्ली के सहयोग से प्रगतिशील मजदूर जन कल्याण सेवा (पंजी) द्वारा 24 मार्च 2019 को "स्कूल में ज़रिया-ए-तालीम की सूरत-ए-हाल (उर्दू के हवाले से)" शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "उर्दू ज़रिया-ए-तालीम और सरकारी इदारे: मसेल और इमकनात" में शोध-पत्र

प्रस्तुत किया।

डॉ. अली अहमद इदरीसी, ने 29 और 30 मार्च 2019 को फेथ फाउंडेशन द्वारा आयोजित इकबाल की फिकरी जेहात पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में इकबाल और कुरान नामक एक शोध-लेख प्रस्तुत किया।

डॉ. अली अहमद इदरीसी, ने दिसंबर 2018 को राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित समकालीन साहित्य और राष्ट्रवाद पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कौमियात और उर्दू अदब नामक एक शोध-लेख प्रस्तुत किया।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल. की संख्या

प्रदत्त डिग्री - पीएच.डी- 25 , एम.फिल- 27

संकाय संख्या - 14

***

आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा संकाय

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एम्स की तर्ज पर स्थापित पहला अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) 17 अक्तूबर, 2017 को नई दिल्ली में दूसरे आयुर्वेद दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। एआईआईए को एनएबीएच मान्यता से भी सम्मानित किया गया है, इसलिए यह जुलाई, 2017 में एनएबीएच मान्यता प्राप्त करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला आयुर्वेद अस्पताल बन गया है, जो इसके द्वारा प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण रोगी सेवाओं को दर्शाता है। संस्थान प्राचीन ज्ञान और आधुनिक प्रौद्योगिकी का एक आदर्श मिश्रण है, जो वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है और इससे आयुर्वेद, दवा विकास, मानकीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा मूल्यांकन और आयुर्वेदिक दवाओं के वैज्ञानिक सत्यापन पर मौलिक अनुसंधान पर ध्यान देने के साथ-साथ भारत में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने की आशा की जाती है।

सम्मान/गौरव

प्रधानमंत्री ने आयुष स्टार्ट-अप चुनौती के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। प्रतियोगिता का आयोजन एआईआईए द्वारा स्टार्ट-अप इंडिया के सहयोग से किया गया था। चुनौती 4 फरवरी, 2022 को शुरू की गई थी।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया ने एनआईसीएम, डब्ल्यूएसयू ऑस्ट्रेलिया में आयुर्वेद में संयुक्त अकादमिक अध्यक्ष के रूप में डॉ. राजगोपाल, एसोसिएट प्रोफेसर और विभाग प्रमुख, कौमरभृत्य, एआईआईए और डीन, रिसर्च, एआईआईए को नामित किया।

डॉ. गालिब को 10 अक्तूबर, 2022 को पारंपरिक, पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा (टीसीएएम) के लिए दूसरे शेख जायद अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. प्रशांत गुप्ता 2021 को डॉ. पी. डी. सेठी मेमोरियल वार्षिक राष्ट्रीय पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया, उन्हें फार्मा, हर्बल और अन्य रासायनिक विश्लेषण में टीएलसी/एचपीटीएलसी के अनुप्रयोग पर सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार भी प्रदान किया गया जिसकी घोषणा नवंबर 2022 में की गई।

प्रकाशन

राजपूत, डी.एस., गालिब, आर., कलाईसेल्वन, वी., रहमान, एस.जेड., और नेसारी, टी.एम (2022) भौतिक सतर्कता के समकालीन पहलू की तुलना में आयुर्वेद का प्राचीन ज्ञान। *जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन*, 13 (3) 100593.

मेहर, एल., तंवर, ए.के., व्यास, एम. (2022) आयुर्वेद के परिप्रेक्ष्य में साइटोकिन तूफान की वैज्ञानिक समझ: एक समीक्षा, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड फार्मा रिसर्च*, 1 (10) 54-57.

चकोले, डी ए., चकोले, बी ए., (2022) नेल बेड संक्रमण के मामले में आयुर्वेदिक प्रबंधन का एक प्रभावी उपयोग-मामला रिपोर्ट। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन* 13 (3), 816-819.

नंदिनी, पी., गुप्ता, पी.के., महापात्रा, ए.के., दास, ए.पी., अग्रवाल, एस.एम., मिकीमारे, एस., ...एवं राजन, एम. (2023) संभावित चिकित्सीय अवरोधक के रूप में प्राकृतिक यौगिकों की इन-सिलिको आणविक स्क्रीनिंग मेथिसिलिन-प्रतिरोधी स्टैफिलोकोकस ऑरियस इनहिबिशन *केमिको-जैविक इंटरैक्शन*, 1(374), 110383.

महापात्रा, ए.के., श्रीकृष्ण, आर., ओझा, एन.के., धर्मराजन, पी., दिलीप, ए., एवं परमेश्वरन, के.के. (2023) प्रमेहा (मधुमेह) केरलिया आयुर्वेद साहित्य से अद्यतनों की एक व्यापक समीक्षा। *जर्नल ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन* 11(1) 54.

नेसारी, टी.एम., धर्मराजन, पी., महापात्रा, ए.के., राजगोपाला, एस., नेसारी, एम., कपूर, ए., एवं दिलीप, ए. (2022) माइल्ड-मॉडरेट कोविड-19 के प्रबंधन के लिए एक एकीकृत केंद्र की स्थापना, *इंडियन जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन केएलईयू*, 3(1), 21-29.

यादव, यू., भट्टेड, एस.के. (2022) प्रीडायबिटीज (प्रमेहा) के प्रबंधन में वामन कर्म (हर्बल डेकॉक्शन) की प्रभावकारिता के बाद दर्व्यादि क्वाथ (हर्बल काढ़ा)-एक एकल-हाथ नैदानिक परीक्षण। *आयु*, 42(1), 30.

कॉलेज द्वारा प्रकाशित जर्नल

जर्नल ऑफ आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स, तिमाही, प्रो. तनुजा मनोज नेसारी द्वारा सम्पादित।

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीएमआर, अक्तूबर 2021, "स्तन कैंसर में इसकी जटिल आणविक तंत्र क्रिया को उजागर करने के बाद पारंपरिक उपचार के साथ वर्धमान पिप्पली रसायन के सहक्रियात्मक प्रभाव का नैदानिक सत्यापन प्रायोगिक मॉडल से नैदानिक परीक्षण तक", 1.5 करोड़।

सीसीआरएएस, प्रगति पर, आयुर्वेद निदान विधियों का सत्यापन और विश्वसनीयता परीक्षण, 1.5 करोड़.

एआईआईए, 2 वर्ष, प्रगति पर, घाव की ड्रेसिंग और पुराने घावों पर इसके नैदानिक मूल्यांकन के लिए जड़ी बूटी गोजिह्वा (लौनिया न्यूडिकौलिस लिन) के पेक्टिन आधारित बायोकंपोजिट का विकास एक खोजपूर्ण अध्ययन (आईआईटी-डी) 10 लाख।

एआईआईए, 1 वर्ष, कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और हर्बोमिनरल तैयारियों के एंटी-बैक्टीरियल प्रभावों का

मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, 10 लाख।

एनएमपीबी आयुष मंत्रालय, चालू (3 वर्ष), ट्रांस गंगा मैदानी क्षेत्र के लिए आरआरडीआर का विकास, 5 करोड़।

आयुष मंत्रालय, प्रगति पर, (3 वर्ष), हरियाणा राज्य के फ़रीदाबाद जिले की बुजुर्ग आबादी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए समुदाय आधारित आयुर्वेद हस्तक्षेप; (पीएचआई परियोजना), 1.5 करोड़।

आयुष मंत्रालय, प्रगति पर, (3 वर्ष), आयुर्वेदिक हस्तक्षेप (पीएचआई परियोजना) के माध्यम से पुलिस कर्मियों के बीच ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं और मानसिक स्वास्थ्य स्थिति (चिंता, तनाव और अवसाद) को बढ़ावा देना, 1.5 करोड़।

आयोजित संगोष्ठीयां

"यूएफआरजे नॉलेज फेस्टिवल 2022" में यूएफआरजे (यूनिवर्सिडेड फेडरल डो रियो डी जनेरियो), ब्राजील के साथ 2 सितंबर 2022 को एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया था, जिसमें प्रोफेसर (डॉ.) तनुजा मनोज नेसारी ने आयुर्वेद पर एक परिचयात्मक व्याख्यान दिया और डॉ. हुद्दार ने 'आधुनिक समय में पैतृक चिकित्सा' विषय पर व्याख्यान दिया।

सेरेब्रल पाल्सी पर एमओयू पार्टनर कैबसिन, ब्राजील के सहयोग से एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया था, जिसमें डॉ. राजगोपाला एस ने आयुर्वेद, एआईआईए का परिचय दिया और कौमारभृत्य (आयुर्वेद बाल चिकित्सा) विभाग के क्रियाकलापों के बारे में व्याख्यान दिया और डॉ. अरुण कुमार महापात्रा ने सेरेब्रल पाल्सी पर अपने अनुभवों को साझा किया।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयुर्वेद दिवस समारोह 2022 के अवसर पर रोसेनबर्ग एकेडमी ऑफ आयुर्वेद (आरईएए), जर्मनी के सहयोग से 20 अक्तूबर 2022 को शाम 5:30 बजे से "आयुर्वेद और मानसिक स्वास्थ्य" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 'भारत-जर्मनी-लैटिन अमेरिका' का आयोजन किया गया।

23 अक्तूबर 2022 को एमओयू पार्टनर कैबसिन, ब्राज़ील द्वारा डॉ. पाउला मार्टिंस, आयुर्वेद समिति, कैबसिन द्वारा के समन्वयन में एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें कैबसिन के विभिन्न प्रसिद्ध वक्ताओं ने अपने व्याख्यान दिए गए और उन्होंने अपने अनुभव साझा किए।

एआईआईए द्वारा 26 अक्तूबर 2022 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड इंडस्ट्रियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एआईएसटी), जापान (कैफे-पिकनिख सीरीज 80) के सहयोग से "शिक्षणों और प्रौद्योगिकियों का विलय" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया।

एआईआईए द्वारा एनआईसीएम, स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, डब्ल्यूएसयू, ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलेशियन एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेद के सहयोग से 5 नवंबर 2022, शनिवार को "इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया।

आयोजित सम्मेलन (भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योग के साथ)

अन्नवाह स्त्रोत की फिजियोलॉजी और आयुर्वेद में जीआईटी से संबंधित विकारों का निदान और उपचार, 23 अगस्त 2022 से 25 अगस्त 2022, एआईआईए।

खेल चोटों के प्रबंधन में एकीकृत दृष्टिकोण पर हमारी पहचान को मजबूत करना, 26 मार्च 2023, एआईआईए।

संग्याहरण और दर्द प्रबंधन पर सम्मेलन, 30-01-2023 से 01-02-2023, एआईआईए।

एकीकृत बाल चिकित्सा पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 20 फरवरी से 26 फरवरी 2023, एआईआईए।

चरक निदान स्थान चिंतन, 13.03.2023 से 16.03.2023, एआईआईए

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

अंतर्राष्ट्रीय:

कैबसिन और ब्राजील के रियो डी जनेरियो के संघीय विश्वविद्यालय के साथ एआईआईए का त्रिपक्षीय समझौता-ज्ञापन।

यूनिवर्सिटी हेल्थ नेटवर्क, टोरंटो, कनाडा

राष्ट्रीय उन्नत औद्योगिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एआईएसटी), जापान

हवाना के चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (यूसीएमएच), क्यूबा गणराज्य

रोसेनबर्ग यूरोपीय आयुर्वेद अकादमी (आरईएए), जर्मनी तथा अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली, भारत के बीच समझौता-ज्ञापन का विस्तार।

अन्य अंतर्संस्थानिक सहयोग: स्वास्थ्यवृत्त विभाग ने "खाद्य पदार्थों के पोषक तत्व विश्लेषण" के संबंध में एनआईएफटीईएम के सहयोग से 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

एनआईएफटेअईएम, डाबर फाउंडेशन, आईजीआईबी

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत:100%

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विभिन्न स्थानों पर 15 से अधिक चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए (दिल्ली-एनसीआर और निकटवर्ती राज्य)

प्रदत्त डिग्रियों की संख्या

एमडी/एमएस: 215

संकाय सदस्य संख्या: 45

***

आयुर्वेदिक और यूनानी तिबिया कॉलेज एवं अस्पताल

प्रमुख कार्यकलाप ओर उपलब्धियाँ

संस्थान ने बी.ए.एम.एस. के नव प्रवेशित छात्रों के लिए संक्रमणकालीन पाठ्यक्रम का आयोजन किया तथा द्रव्यगुण विभाग द्वारा बी.यू.एम.एस. फार्माकोग्नॉसी प्रयोगशाला का विकास किया गया। रूसी प्रतिनिधिमंडल द्वारा ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा किया गया। 21 जून 22 को ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज एवं अस्पताल के विभिन्न स्थानों और दिल्ली सचिवालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता एवं और सांस्कृतिक क्रियाकलापों का आयोजन किया गया। 23 अक्टूबर 22 को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया गया इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। क्रियाशरीर विभाग की ओर से प्रकृति परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। अमराज़-ए-अत्फ़ाल और बालरोग विभाग द्वारा पोषण पखवाड़ा के दौरान स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई। अमराज़-ए-अत्फाल विभाग द्वारा एम. आर. टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। आईडीसीएफ (तीव्र डायरिया केंद्रीय पखवाड़ा कार्यक्रम) आयोजित किया गया। बालरोग और अमराज़-ए-अत्फाल विभाग द्वारा स्तनपान जागरूकता सप्ताह के दौरान स्तनपान के लिए स्वास्थ्य चर्चा आयोजित की गई।

सम्मान/गौरव

एयूटीसी संस्थान को आजादी का अमृत महोत्सव के लिए 136 क्रियाकलापों के संचालन के लिए एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय से प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ।

डॉ. मोहम्मद जुबैर को 4-5 अगस्त, 2022 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में राष्ट्रीय आयुष सम्मेलन (एनएसी) 2022 के दौरान आयुष्मान भारत न्यास द्वारा प्रदत्त 'समग्र स्वास्थ्य देखभाल नेतृत्व पुरस्कार' प्राप्त हुआ।

डॉ. मोहम्मद जुबैर को 09.08.2022 को दिल्ली विधान सभा में उपमुख्यमंत्री, एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा प्रदत्त "कोरोना वॉरियर्स" पुरस्कार मिला।

डॉ. शब्बीर अहमद को 09 अगस्त 2022 को दिल्ली विधान सभा द्वारा प्रदत्त "कोरोना वॉरियर्स" पुरस्कार प्राप्त हुआ।
डॉ. शब्बीर अहमद को 20 फरवरी 2023 को डॉक्टर्स आईएसएम प्रकोष्ठ दिल्ली द्वारा हकीम अजमल खान पुरस्कार-23 प्राप्त हुआ।
डॉ. शब्बीर अहमद को 25 फरवरी 2023 को अल फारूक यूनानी मेडिकल कॉलेज इंदौर द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार-2023 प्राप्त हुआ।
डॉ. इकरा हाशमी को डिप्रेशन और मिज़ाज़ पर यूनानी में सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य के लिए आईएसएसएन अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रकाशन

राजन, एस., गर्ग, एस., (2022) पुरुषों में प्रजनन स्वास्थ्य पर कोविड-19 के प्रभाव की आलोचनात्मक समीक्षा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च* 10 (जुलाई). 749-751.

राजन, एस., (2022) ओलिगोस्थेनो टेराटोज़ोस्पर्मिया का आयुर्वेदिक प्रबंधन-केस रिपोर्ट। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च*, (आईएसएसएन 2277-7105).

खान, एन., ए., (2022) अस्पताल में भर्ती सार्स-कोवि.2 परीक्षणित सकारात्मक रोगसूचक/हल्के से मध्यम रोगसूचक कोविड-19 मामलों में रोग की गंभीरता की प्रगति को रोकने में यूनानी ऐड-ऑन आहार की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन, एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण. *बांग्लादेश जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस* 21(04), 901-915.

खान, एन., ए., (2022) निक्रिस (गाउटी आर्थराइटिस) के रोगियों में मिजाज (स्वभाव) का नैदानिक मूल्यांकन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ यूनानी एंड इंटेग्रेटेड मेडिसिन* 6(2), 20-23.

वार्ष्णेय, एस., कुँवर एम (2023) दारुहरिद्रा का व्यापक विश्लेषण (बर्बेरिस अरिस्टाटा डी.सी.) *आईजेएनआरडी*, 8 (3).

वाकिकर, एस., (2023) ब्रोन्कियल अस्थमा के विशेष संदर्भ में ऊपरी श्वसन पथ विकारों में कुंजल क्रिया की भूमिका, *आईजेएपीआर*, 11(2).

अनुसंधान परियोजनाएं

रुमेटॉइड अर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय आहार का उपचार पालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक खुला स्तर, ओपीडी-आधारित, बहु-केंद्र अध्ययन "सीसीआरएएस के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान (सीटीआरआई संख्या: सीटीआरआई/2023/04/051829)।

संगोष्ठीयों/वेबिनार का आयोजन

आयुष प्रणाली की वैश्विक स्थिति एवं अवसर विषय पर डॉ. प्रदीप दुआ, तकनीकी अधिकारी डब्ल्यूएचओ द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

संगोष्टी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. शालिनी वार्ष्णेय ने गुरुकुल परिसर यूएयू, हरिद्वार द्वारा गंगा नदी बेसिन के औषधीय पौधों और भारतीय चिकित्सा प्रणाली में उनके चिकित्सीय महत्व पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में एक वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य और पशु गृह के लिए डिप्सार तथा ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

संकाय सदस्यों की संख्या

आयुर्वेद और यूनानी संकाय सदस्य-23

***

वाणिज्य और व्यवसाय अध्ययन संकाय

वाणिज्य विभाग

संक्षिप्त विवरण

वाणिज्य विभाग, जिसे औपचारिक रूप से 1967 में एक अलग इकाई के रूप में स्थापित किया गया था, ने शिक्षाविदों में ज्ञान और नवाचार की नई सीमाओं अन्वेषण करने की डीएसई परंपरा को आत्मसात किया है। पारंपरिक एम.फिल, पीएच.डी. और महत्वाकाक्षी एम.कॉम के कार्यक्रम, अलावा, वाणिज्य विभाग ने वर्ष 1995 में बाजार की अनिवार्यताओं की प्रतिक्रिया के रूप में दो स्नातकोत्तर डिग्री स्तर के व्यावसायिक कार्यक्रम, स्नातकोत्तर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एमआईबी) और स्नातकोत्तर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स एंड ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट (एमएचआरओडी) शुरू किए। लगभग बीस वर्षों की इस अवधि में, ये दोनों ही कार्यक्रमों को देश में व्यवसाय प्रशासन के क्षेत्र मे एक विशिष्ट स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के रूप में मान्यता दी जाने लगी है। दोनों पाठ्यक्रम, अर्थात एमआईबी और एमएचआरओडी को अब तक उद्योग द्वारा भली-भांति स्वीकार किया गया है। इन दोनों व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का नाम हाल ही में बदलकर एमबीए (आईबी) और एमबीए (एचआरडी) कर दिया गया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

वाणिज्य विभाग भारत में वाणिज्य शिक्षा के अग्रणी संस्थानों में से एक है। यह संस्थान अपनी शोध गतिविधियों, संकाय सदस्यों और उत्साही छात्रों के लिए जाना जाता है। विभाग दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले अपने प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों का दावा करता है। यह अधिगम की संस्कृति बनाने की दृष्टि रखता है। अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता के अलावा, संस्थान अपने छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों में शामिल करने में भी गर्व महसूस करता है। वर्ष 2022-2023 के दौरान विभाग ने नियमित कक्षा शिक्षण और संकाय सदस्यों द्वारा प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशनों के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान में योगदान दिया।

विभाग एम.कॉम, एमबीए (आईबी), एमबीए (एचआरडी) और पीएच॰डी॰ कार्यक्रम संचालित करता है। वर्ष 2022-23 के दौरान, वाणिज्य विभाग ने निम्नलिखित क्रियाकलाप संचालित किए:

1. शैक्षणिक सत्र 2023-24 से एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) का 1.10.2019 से शुभारंभ।
2. बी.कॉम (ऑनर्स) के लिए यूजीसीएफ 2022॰
3. बी.कॉम के लिए यूजीसीएफ 2022॰
4. बीए कॉमर्स आधारित पाठ्यक्रमों के लिए यूजीसीएफ 2022॰
5. जी20 संबंधित कार्यक्रम

प्रकाशन

शोध-लेख

सिंह, ए.के., एवं मीना एम.के. (2022)। कोविड-19 महामारी के दौरान आभासी कक्षा की चुनौतियाँ: भारतीय उच्च शिक्षा का एक अनुभवजन्य विश्लेषण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इवोलुयशन एंड रिसर्च इन एजुकेशन*, 1, 11, 207-212।

सिंह, ए.के., एवं मीना एम.के. (2022)। महामारी के समय में वर्चुअल मोड के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया: व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और अंतराल विश्लेषण। *ट्यूनिंग जर्नल फॉर हायर एजुकेशन*, 1, 10, 336-372।

अग्रवाल, एस., एवं सिंह ए.के. (2022)। एक नए सामान्य 'ई-नेतृत्व' से निपटना: ग्रंथ सूची विश्लेषण और सामग्री विश्लेषण का उपयोग करते हुए एक अध्ययन। *विज़न: द जर्नल ऑफ़ बिज़नेस पर्सपेक्टिव*, 1, 1, 1-14।

अग्रवाल, एस., एवं सिंह ए.के. (2022)। संगठनात्मक संस्कृति के आयामों और कर्मचारियों के प्रदर्शन के बीच मनोवैज्ञानिक पूंजी की मध्यस्थता भूमिका चुनिंदा संगठनों का एक अध्ययन। *रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च*, 1, 7, 82-92।

गौरी., सिंह, ए.के., एवं सिंह एस.के. (2023)। व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी): एक ग्रंथ सूची विश्लेषण। *दिल्ली बिजनेस रिव्यू : एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एसएचटीआर*, 24(1), 35-47।

गोयल, ए., एवं सिंह, ए. (2022)। सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल का मापन और संरचनात्मक मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम्स*, 9(1), 20-28।

रामचंदानी, साही, एवं सिंह, ए.के. (2022)। कॉर्पोरेट स्थिरता का मार्ग: चालक और आयाम-एक समीक्षा अध्ययन। दिल्ली बिजनेस रिव्यू: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ *एसएचटीआर*, 23(1), 33-42।

वी.के. श्रोत्रिय, वी.के. एवं कालरा, एच. (2023)। कोविड-19 और अति आत्मविश्वास पूर्वाग्रह: विकसित, उभरते और सीमांत बाजारों का मामला। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स*, 18(3), 633-665।

श्रोत्रिय, वी.के., सरोहा, के. एवं ढांडा, यू. (2022)। कर्मचारी सहभागिता क्यों मायने रखती है? भारत में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के साक्ष्य। *पर्सोनेल रिव्यू*, 51(2), 501-527.

श्रोत्रिया, वी.के., एवं कालरा, एच. (2022)। क्रिप्टो बाजार में हेरिंग: भारी वितरण पूंछ का निदान। *रिव्यू ऑफ बिहेवरियल फ़ाइनेंस*, 14(5), 566-587।

श्रोत्रिया, वी.के., एवं कालरा, एच. (2022)। पशुपालन और ब्रिक्स बाजार: वितरण टेल्स का एक अध्ययन। *रिव्यू ऑफ बिहेवियर फ़ाइनेंस*, 14(1), 91-114.

सिंह, पी.के., एवं सिंह के. (2023)। वित्तीय समावेशन- महिला सशक्तिकरण के लिए एक फ्रंट व्हील। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च*, 11(5), 1586-1598।

कुमार, एस., एवं सिंकू, एस. (2022)। भारत में स्टार्ट-अप की प्रभावकारिता और नियामक तंत्र की व्याख्या। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च*, 8(1), 99-103।

महाजन, आर., सैनी, जे.आर., एवं सिद्धू, ए.एस. (2023)। एमएसएमई विकास की बाधाएँ: भारत के पहाड़ी राज्य का एक अध्ययन। *बल्मिम जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च*, 8(1), 16-23।

कुमारी, एस., सैनी, जे.आर., एवं खातून, आर. (2022)। ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन की समस्याओं और संभावनाओं का आकलन: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले का एक अध्ययन। *द जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज*, 9(1), 30-45।

ढींगरा, एस., एवं शुक्ला, ए. (2023)। भारतीय एनबीएफसी क्षेत्र में बढ़ता निजी इक्विटी निवेश: जोखिमों का विश्लेषण, *इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, 58(18), 41-49।

जैन, एन., थॉमस, ए., गुप्ता, विकास., ओस्सोरियो, एम., एवं पोरचेड्डू, डी. (2023)। डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के साथ मेंटर विश्वविद्यालयों द्वारा सीएसआर शिक्षण सहयोग को प्रोत्साहित करना - कोविड-19 महामारी के दौरान एक अनुभवजन्य अध्ययन। *मैनेजमेंट डिसिज़न*, 60(10)।

बाला, के. (2023)। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख व्यावसायिक पूर्ववृत्त और डिजिटल गेम प्रदर्शन पर सहकर्मी समूह के मध्यम प्रभाव का एक अनुभवजन्य अध्ययन। *थाईलैंड एंड वर्ल्ड इकॉनमी*, 41(1)।

सिंह, ए.के., श्रीवास्तव, आर.के., चपागैन, आर., एवं यादव, के. (2022)। भारत में कार्बन उत्सर्जन पर जीवाश्म ईंधन की खपत, जनसंख्या वृद्धि और वित्तीय विकास का प्रभाव। *जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज,* 9(1), 69-75।

झुनझुनवाला, एस., एवं सेठी, ए. (2022)। क्या ईटीएफ उनकी अंतर्निहित परिसंपत्तियों के रिटर्न सह-संचलन को प्रभावित करते हैं? उभरते बाज़ार से साक्ष्य, *मैनेजेरियल फाइनेंस,* 48(11), 1661-1686।

पुस्तक-अध्याय

कौर, एस. (2023)। धार्मिकता और मितव्ययी खरीदारी व्यवहार पर सिद्धांत: एक साहित्य समीक्षा, धर्म और उपभोक्ता व्यवहार, (पीपी.1-26)। लंदन: रूटलेज.

कौर. एस. (2022)। विमुद्रीकरण के बाद का दृष्टिकोण: डिजिटलीकरण का एक नया युग, विमुद्रीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था: 5 वर्ष की बाधाएँ और उपलब्धियाँ, (पृ.171-176)। भारत: प्रेस्टीज प्रकाशन।

झुनझुनवाला, एस. (2023). कॉर्पोरेट प्रशासन: हितधारकों के लिए मूल्य निर्माण, (पीपी.1-273)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर।

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज, (2020-23), जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और बिजनेस संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1, 9, 1-79।

शोध परियोजनाएं

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), 2021-2023, वित्तीय समावेशन पर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना का प्रभाव: एक आकलन, 14,99,000/-रु।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), 2022-2023, डिजिटल वित्तीय समावेशन का आकलन और ग्रामीण परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर इसका प्रभाव: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले का एक अध्ययन, 4,00,000/-रु।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), 2021-2022,-वित्तीय समावेशन पर जीएसटी का प्रभाव मूल्यांकन: एमएसएमई का एक मामला, 100।

विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठीयाँ/सम्मेलन

फ़ेलो एवं पूर्व प्रमुख। वाणिज्य एवं रणनीतिक आर्थिक वार्ता, नीति आयोग, भारत सरकार;

इक्सार, वार्षिक अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन-2023 “भारत @ 2047: वाणिज्य और व्यवसाय की भूमिका, 12-01-2023

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठीयों/सम्मेलनों (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) में प्रस्तुतीकरण

प्रोफेसर सुनैना कनौजिया ने 15-16 दिसंबर 2022 के दौरान मोनाश यूनिवर्सिटी, मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 2022 आईसीवीजी सम्मेलन में "कॉर्पोरेट गवर्नेंस और परिवार-स्वामित्व वाले व्यवसाय: एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कीर्ति सिंह ने 30 जून और 01 जुलाई, 2023 को एमडीआई गुड़गांव और दि नेशनल सेंटर फॉर पब्लिक परफॉर्मेंस, सफ़ोल्क विश्वविद्यालय, दि कॉमन वैल्थ सेक्रेटरियट एंड आईबीएम सेंटर फॉर द बिजनेस ऑफ गवर्नमेंट द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में नवीन प्रथाओं को आगे बढ़ाने में थिंक टैंक की भूमिका

विषय से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सार्वजनिक प्रदर्शन प्रबंधन में नवाचारों नीति निर्माताओं के लिए सबक' शीर्षक पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कीर्ति सिंह ने 27-29 मार्च 2023 को बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी द्वारा बैंकिंग, अर्थशास्त्र और वित्त विभाग द्वारा "व्यवसाय, वित्त और प्रबंधन में नई प्रगति" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिखर-सम्मेलन में "वित्तीय समावेशन-महिला सशक्तिकरण के लिए एक अग्रणी पहल" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ.जगदीश राज सैनी-दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा 11-12 जनवरी, 2023 तक वाणिज्य और व्यवसाय की भूमिका पर "भारत @ 2047" विषय पर आयोजित 8$^{वें}$ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन-2023 में "डिजिटल वित्तीय समावेशन का आकलन और ग्रामीण परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर इसका प्रभाव बिहार के पूर्वी चंपारण जिले का एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ.जगदीश राज सैनी ने 12 अप्रैल, 2023 को मिनर्वा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, इंदौरा, कांगड़ा द्वारा एनईपी-2020 के लेंस के माध्यम से भारतीय शिक्षा प्रणाली विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एनईपी-2020 का विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. राजदीप सिंह-30 अप्रैल, 2022 से 1 मई, 2022 तक आईआईएम अहमदाबाद में आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित "क्या दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में फर्मों के लिए क्रेडिट चैनल में सुधार करता है" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. राजदीप सिंह ने शिक्षा ओ अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में "वायु द वाइटल लाइफ फोर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तवजी एल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ग्रेटर के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा कैलिफ़ोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बर्नारिडिनो, यूएसए के सहयोग से 30 जून-1 जुलाई 2023 को नोएडा, भारत में आयोजित आयोजित प्रबंधन में बहुविषयक अवधारणाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमसीएम-2023) में 'भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व खर्च' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुप्रीत कौर-फरवरी, 2023 में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला द्वारा आयोजित "प्रतिस्पर्धी लाभ के लिए डिजिटल परिवर्तन पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी" में भाग लिया और वित्तीय समावेशन के लिए फिनटेक: भारतीय अनुभव का अनुभवजन्य विश्लेषण विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ.सुमिता सिंकु-वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित 8वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन-2023 "भारत @ 2047: वाणिज्य और व्यवसाय की भूमिका" में "कैशलेस भारतीय अर्थव्यवस्था-यूपीआई, ई-यूपीआई-एक वर्णनात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली विश्वविद्यालय 11-12 जनवरी, 2023 तक।

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छत्रों की संख्या और प्रतिशत)

एमबीए (आईबी)

नियोजित किए गए छत्रों की संख्या और प्रतिशत-52/53-98.11%

परिसर भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या-75

एमबीए (एचआरडी)

नियोजित किए गए छत्रों की संख्या और प्रतिशत-63/65- 95% (3 ने अपना पारंपरिक कारोबार संभाला)

नियोजित किए गए छत्रों की संख्या और प्रतिशत-75

एम॰कॉम॰

नियोजित किए गए छत्रों की संख्या और प्रतिशत-110 /408 और 26.96%

नियोजित किए गए छत्रों की संख्या और प्रतिशत-13

संकाय सदस्यों की संख्या

प्रोफेसर : 15

एसोसिएट प्रोफेसर : शून्य

सहायक प्रोफेसर : 15

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियाँ - 26

प्रदत्त एम.फिल. डिग्रियाँ - 19

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हौराइजन'22: वार्षिक पूर्व-छात्र सम्मेलन, जिसमें विभाग के सम्मानित पूर्व छात्रों के पैनल मौजूदा बाधाओं पर चर्चा करते हैं, और उन्हें दूर करने के लिए नए समाधान सुझाते हैं, साथ ही भविष्य में उत्पन्न होने वाले मानव संसाधन क्षेत्र में संभावित मार्ग भी सुझाते हैं।

एचआर संगोष्ठी 2022 (सितंबर 27-28, 2022): एचआर संगोष्ठी एक 2-दिवसीय वार्षिक मानव संसाधन सम्मेलन है जो एक केंद्रीय विषय पर आधारित है। इसमें उद्योग से संबंधित विशिष्ट विषयों पर पैनल चर्चा और वक्ता सत्र शामिल होते हैं और एचआर क्षेत्र के प्रतिष्ठित अग्रेताओं को इस बारे में अपनी राय साझा करने के लिए इन सत्रों का भाग बनने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

सिनर्जी'23: सिनर्जी दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य विभाग के एमबीए (आईबी) और एमबीए (एचआरडी) के छात्रों द्वारा आयोजित वार्षिक प्रबंधन उत्सव है। इसमें देश भर के सर्वाधिक मेधावी छात्र शामिल होते हैं जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, मानव संसाधन, विपणन, वित्त, रणनीति और परामर्श के क्षेत्रों में प्रबंधन शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों मेँ आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं।

कॉमबैट'23: यह अनस्टॉप पर आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है जिसे पहले डी2सी के नाम से जाना जाता था। इसमें दो कार्यक्रम शामिल हैं, हंट इट-जो एक प्रश्नोत्तरी सह परिदृश्य-आधारित परीक्षण है जिसे व्यक्ति की महत्वपूर्ण सोच और रचनात्मकता को मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ये विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच कौशल विकसित करने में मदद करते हैं जो एक कुशल प्रबंधक के लिए आवश्यक हैं।

एरुडिशन 2022-विभाग में एमबीए पाठ्यक्रम का वार्षिक व्यापार सम्मेलन जो शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, उद्यमियों, वित्तीय गुरुओं और छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान साझा करने और विश्व स्तर पर व्यापार के वर्तमान परिदृश्य पर अपनी अंतर्दृष्टि देने के लिए एक साझा मंच प्रदान करता है। यह वार्षिक सम्मेलन छात्रों को उद्योग जगत के अग्रेताओं और उनकी विचारधारा की संस्थाओं से परिचय कराते हुए इसी नींव को मजबूत करने का प्रयास करता है।

कॉर्पोरेट एक्लेसिया'22: इस वर्ष के आयोजन का विषय "नेतृत्व: नव सामान्य से मुकाबला" था। पैनल चर्चा तीन व्यापक विषयों के इर्द-गिर्द घूमती रही। क) एक अच्छे नेता के लक्षण ख) नेतृत्व पदनामों के स्थान पर व्यवहार और मानसिकता गुणों से कैसे प्राप्त होता है?

सिम्पोजिया रीथिंक'22: टीम आईआईएसएसी ने वैश्वीकरण को पुनः परिभाषित करने के विषय के साथ 1 अक्तूबर, 2022 को सिम्पोजिया रीथिंक'22 का आयोजन किया। इस अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि श्री राजीव खेर, आईएएस सेवानिवृत्त (पूर्व वाणिज्य सचिव, भारत सरकार) उपस्थित थे। उन्होंने वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्व और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। सम्मानित अतिथि श्री संजय चड्ढा (पूर्व अतिरिक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय भारत सरकार) ने हमें वैश्वीकरण के विकास की झलकी दिखाई और भविष्य में भारत के लिए संभावित अवसरों और चुनौतियों के बारे में भी बात की।

कक्षा से परे- मीडिया प्रकोष्ठ, एम.कॉम की एक छात्र-नेतृत्व वाली संपादकीय सोसायटी है। वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने अपने प्रमुख कार्य 'दृष्टि' के साथ, वाणिज्य विभाग की आधिकारिक पत्रिका 'बियॉन्ड द क्लासरूम' की शुरुआत भी की है, जो छात्रों के लिए सत्रों की एक श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों के अनुभवों को सामने लाना है।

ब्लूमिंग इनसाइट्स, मीडिया प्रकोष्ठ का आधिकारिक ब्लॉग है जिसे फरवरी 2023 में आरंभ किया गया था। तब से, यह अपने पाठकों को गुणवत्तापूर्ण और भली-भांति शोध की गई सामग्री, दिलचस्प और मनोरंजक विषय और नवीनतम समाचार प्रदान कर रहा है। हमारे पाठकों का मनोरंजन करने और उन्हे दुनिया में चल रहे क्रियाकलापों की अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए हर सप्ताह नए समसामयिक लेख पोस्ट किए जाते हैं।

***

शिक्षा संकाय

संक्षिप्त विवरण

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, जिसे पहले सीआईई के नाम से जाना जाता था, संभवत: शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा और अनुसंधान का पहला प्रमुख संस्थान है जिसे स्वतंत्रता के बाद से स्थापित किया गया था। भारत के पहले प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू और उनके पहले शिक्षा मंत्री, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने 1947 में इसकी स्थापना और उन शुरुआती वर्षों में गतिविधियों और प्रगति में काफी रुचि ली। मौलाना आज़ाद ने इसके कार्य की कल्पना केवल "शिक्षकों को तैयार करने के लिए नहीं की जो 'आदर्श शिक्षक' होंगे, बल्कि देश की नई शैक्षिक समस्याओं को हल करने के लिए एक शोध केंद्र के रूप में विकसित होंगे"। मौलाना ने भविष्यवाणी की कि यह "देश के प्रशिक्षण संस्थानों के लिए एक प्रकाशस्तंभ प्रकाश" के रूप में विकसित होगा। इन पिछले दशकों में, विभाग वास्तव में शिक्षक शिक्षा और शैक्षिक अनुसंधान में एक गति-सेटिंग संस्थान के रूप में विकसित हुआ है। इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (आईएएसई) के रूप में मान्यता प्राप्त और मौलाना आजाद सेंटर फॉर एलिमेंट्री एंड सोशल एजुकेशन (एमएसीईएसई) शुरू करने के बाद, विभाग ने अपने अद्वितीय दर्शन को आकार दिया है, जो लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समर्पण, रचनात्मकता, सामाजिक जिम्मेदारी, विविधता, समावेश, सहयोगी और अनुभवात्मक शिक्षा, नवाचार, सत्यनिष्ठ, और उत्कृष्टता के मूल मूल्यों को विकसित करने के माध्यम से अपने सभी कार्यक्रमों में प्रतिबिंब पाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

2023 को समाप्त होने वाले वर्ष में 105 छात्रों को बी.एड. की डिग्री मिली, 59 छात्रों को एम.एड. की डिग्री मिली। इसी तरह, विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 14 विद्वानों को एम.फिल. की उपाधि से सम्मानित किया गया और 18 विद्वानों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

हमारे विभाग ने प्लेटिनम जुबली 75वां स्थापना दिवस मनाया है जहां प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार मल्होत्रा ने स्थापना दिवस का भाषण दिया और इसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर योगेश सिंह ने की। हमारे संकाय ने 11 नवंबर, 2022 को फाउंडेशनल स्टेज 2022 के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और 1 मार्च से 6 मार्च, 2023 तक डाइट और एससीईआरटी के शिक्षक शिक्षकों के बीच अनुसंधान कौशल बढ़ाने पर एफडीपी/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। गतिविधियों के तत्वावधान में, भारत की G20 अध्यक्षता और वैश्विक आर्थिक नीतियों जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है।

विभाग दिव्यांग छात्रों का समर्थन करने के लिए सक्षम इकाई के कामकाज में सुधार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। इकाई का उद्देश्य दिव्यांग छात्रों को घर पर महसूस कराना है और उन्हें उनके

अधिगम की सुविधा के अलावा मनोसामाजिक कल्याण के अवसर प्रदान करना अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों में लगभग 20 से अधिक छात्र हैं। यूनिट में एनसीईआरटी पुस्तकों की ब्रेल पुस्तकों का संग्रह है, जो छात्रों द्वारा उपयोग की जा रही हैं। रीडिंग और व्याख्यानों की रिकॉर्डिंग नियमित रूप से की जाती है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें उपलब्ध कराया जा सके। यूनिट में रीडिंग की लगभग 81 वॉयस रिकॉर्डिंग, ज्यादातर हिंदी में, उपलब्ध हैं। साथ ही, 2022-2023 में छात्रों के लिए महत्वपूर्ण पुस्तकों के ब्रेल संस्करण की एक महत्वपूर्ण संख्या खरीदी गई है। इसमें कंप्यूटर, ब्रेल प्रिंटर भी हैं इस चुनौतीपूर्ण समय में छात्रों की सलाह और परामर्श नियमित रूप से यूनिट के शिक्षकों द्वारा किया गया था। हर साल, इकाई दृश्य हानि वाले छात्रों के लिए लैपटॉप जैसे छात्रवृत्ति और सहायक उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया में छात्रों का समर्थन करती है। यूनिट युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करने और दिव्यांग व्यक्तियों से संबंधित मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का भी प्रयास करती है।

विभाग ने 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, जिसमें कई संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। एक योग विशेषज्ञ थे जिन्होंने विभिन्न आसनों और प्राणायाम का प्रदर्शन किया। आहार, जीवन-शैली और प्रसन्न रहने के टिप्स भी दिए। छात्रों की गतिविधियों का एक प्रमुख आकर्षण उनका सांस्कृतिक और खेल त्योहार, मनोरंजन है। मनरंजन तीन-पांच दिनों के लिए मनाया जाता है जहां मुख्य कार्यक्रम 'सांस्कृतिक कार्यक्रम', 'बाल मेला' और 'प्रोफेसर आरपी शर्मा स्मृति खेल दिवस' आदि हैं। बी.एड और एम.एड., एम.फिल. और पीएच.डी. के विद्वान इस कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ भाग लेते हैं। सीआईई एक्सपेरिमेंटल बेसिक स्कूल के छात्रों के लिए बाल-मेला एक विशेष विशेषता है।

विभाग की प्लेटिनम जुबली और दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के अवसर पर हमारे विभाग ने नई विभागीय वेबसाइट का शुभारंभ किया है। यह उन सभी के बारे में पूरी जानकारी देता है जो हम करते हैं। इसे दृष्टिबाधित छात्रों द्वारा भी एक्सेस किया जा सकता है। इसलिए हमारे कार्यक्रमों और गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी की आवश्यकता वाले किसी भी व्यक्ति को हमारी वेबसाइट पर जा सकते हैं जहां उन्हें रिपोर्ट और विवरण मिलेंगे।

प्रोफेसर मैरी ई. जॉन, जिनका महिला और नारीवादी राजनीति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है, ने 26 फरवरी 2023 को बसु मेमोरियल लेक्चर दिया, जो सीआईई के संस्थापक प्रिंसिपल प्रो एएन बसु की याद में एक वार्षिक कार्यक्रम है। उनके व्याख्यान का विषय 'लैंगिकता, शिक्षा और सशक्तिकरण' था। इसमें बड़ी संख्या में पूर्व छात्रों, छात्रों, विद्वानों और शिक्षा संकाय के शिक्षकों ने भाग लिया। शिक्षा संकाय (सीआईई) पुस्तकालय 1947 में केंद्रीय शिक्षा संस्थान की स्थापना के तुरंत बाद स्थापित किया गया था। सीआईई पुस्तकालय में लगभग 93,871 पुस्तकों, शोध और शोध प्रबंध का संग्रह है। इस

वर्ष 771 पुस्तकें (440 अंग्रेजी शीर्षक+331 हिंदी शीर्षक) जोड़ी गईं।

सम्मान/गौरव

लागू नहीं

प्रकाशन

शोध-लेख

अरोड़ा, पी. (2022)। सीआईई के सर्वोत्तम प्रथाओं के रूप में सह-पाठयक्रम गतिविधियां। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ टीचर एजुकेशन एंड टीचिंग।* 2(1), 67-72.

एनईपी 2020 में बहु-विषयक और अंतःविषय। *मध्य भारती,* 82,62-69।

अरोड़ा, पी. और साहू, आर. (2022)। जम्मू और कश्मीरी राज्य के छात्रों और शिक्षकों के बीच नागरिकता की अवधारणा। *एमआईईआर जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज ट्रेंड्स एंड प्रैक्टिसेज।* 12(2), 161-180.

बालगणपति, डी. और बनीवाल, वी. (2023)। परिचय. *फिलोसोफिकल प्रैक्टिस।* 18(1), 3024-3026.

बालगणपति, डी. और बनीवाल, वी. (2023)। संपादकीय लेख. हैसर. *रेविस्टा इंटरनेशनल डी फिलोसोफिया एप्लिकाडा,* 14, 13-16।

बालगणपति, डी. और बनीवाल, वी., और गर्ग, वी. (2023)। मनोवैज्ञानिक परामर्श और दार्शनिक परामर्श पर बातचीत: दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक परामर्श के बीच अभिसरण और विचलन की जांच करना। *फिलोसोफिकल प्रैक्टिस।* 18 (1), 3072.

बनीवाल, वी. और चौधरी, ए. (2023)। श्रावण कुमार: भारतीय युवाओं, धर्मों के लिए एक सांस्कृतिक आदर्श पर पुनर्विचार। *रिलिजन* 14 (6), 695

चंदर, एस. (2022)। महामारी के दौरान आईसीटी का उपयोग: विशेष शिक्षकों के दृष्टिकोण की खोज। *नवतीका: ए जर्नल ऑफ़ अर्ली चाइल्डहुड केयर एजुकेशन* XIII, 39-45

चंदर, एस. और अरोड़ा, सी. (2023)। महामारी अवधि के दौरान ऑनलाइन शिक्षा के अनुकूलन पर स्कूल शिक्षकों का एक अध्ययन, *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी।* 5(1), 44-53.

छाबड़ा, एम. और दास, आर. (2023)। स्नातक स्तर पर एक वेक्टर मात्रा के रूप में इलेक्ट्रोस्टैटिक बल की छात्रों की समझ। *फिजिक्स एजुकेशन।* 58(3), 035016(1-10)

छाबड़ा, एम. और दास, आर. (2023)। क्वांटम मैकेनिकल आइजेनस्टेट्स के स्नातक छात्रों के दृश्य और सीमा स्थितियों की भूमिका। *यूरोपियन जर्नल ऑफ फिजिक्स।* 44, 025702(1-22)

गुप्ता, एस. (2023)। सीखने के लिए कक्षा आधारित मूल्यांकन अभ्यास। *जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन।* 48(4), 1-9

गुप्ता, एस. एंड गुप्ता, एस. (2022)। कोविड-19 महामारी के बीच स्कूल शिक्षकों के लिए ऑनलाइन शिक्षण चुनौतियां और अवसर पैदा हुए। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट एंड साइंस।* 12(1), 7-16.

इंगोल, एम., कांवरिया, वीके और मंडल, एचके (2023)। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में महिलाओं की साइबरबुलिंग में गुमनामी के प्रभाव की खोज। *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी।* 5(1), 98-111.

इंगोल, एम., कांवरिया, वीके, और मंडल, एचके (2022)। साइबरबुलिंग अंतर्निहित विश्वास और विनियमन मामले के बारे में जागरूकता। *शोध समिक्षा।* 12(2),159-173.

कांवरिया, वीके और दुबे, वी. (2022)। दीक्षा, निष्ठा और सीपीडी: स्कूल सीखने-सुविधाकर्ताओं के अनुभव और धारणाएं। *इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी।* 4(2), 144-151.

कुमार, आर. (2022)। जटिल बहुस्तरीय वास्तविकता में समाधान-संभावनाओं को समस्याग्रस्त करने और कल्पना करने के शिक्षार्थियों के प्रयास को प्रोत्साहित करना। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अर्ली चाइल्डहुड स्पेशल एजुकेशन (आईएनटी-जेईसीएसई)*। 4(2). 6892-6905

कुमार, आर. और शर्मा, वी. (2023)। भारत, जी-20 और वसुधैव कुटुम्बकम के मूल श्रोट की खोज। *अकादमिक जगत।* 5, 11-15

कुमार, एस. (2023)। एक मुक्तिदायक दृष्टिकोण से शिक्षक शिक्षा की पुनर्अवधारणा। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन,* XXXVII, 1, 31-46।

एम राजेंद्रन। (2022). सीखने के लिए मूल्यांकन पर समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य: पूर्व-सेवा शिक्षकों की समझ की खोज। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस एंड ह्यूमन रिसर्च।* 5(10), 4567-4570

एम राजेंद्रन। (2022). पूर्व-सेवा शिक्षकों के बीच तकनीकी-शैक्षणिक दक्षताओं के विकास के लिए एक अवधारणात्मक शिक्षण डिजाइन का मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ़ इनफार्मेशन & क्नौलेज मैनेजमेंट,* 12 (2) 1-21

निवास, आर., (2022), प्रसन्नता के खुशी के पाठ्यक्रम का प्रभाव: दिल्ली स्कूल का एक खोजपूर्ण अध्ययन, *एक्सीलेंस इन एजुकेशन XI(3),* 112-118

राय, जी. (2022)। लद्दाख में उच्च शिक्षा में बाधाएं, *एजुकेशन इंडिया,* 11 (3), 1-11

राय, जी. (2022)। ईएसएल कक्षाओं में ऑनलाइन बनाम आमने-सामने शिक्षण के बारे में शिक्षकों के विचारों की खोज। *ईएलटी वॉइसेस,* 12 (3), 51-65

सिंह, ए., गुप्ता, एस. (2022)। कोविड-काल के दौरान शिक्षकों के लिए ऑनलाइन अध्ययन का विश्लेषण: सर्वेक्षण शोध। *शोध दृष्टि।* 13(11), 29-38.

सिंह, एस. पाल, आर., वर्मा, के. (2022)। दिव्यांगजन पर मन की बात का प्रभाव: जगद्गुरु रामभद्राचार्य का एक केस स्टडी। *डब्ल्यूई जर्नल ऑफ़ दिल्ली यूनिवर्सिटी।* 3(2), 98-109.

सिंह. एस (2023)। बीएचयू और डीयू में शिक्षक शिक्षा विभाग में पाठ्यचर्या और इसका अभ्यास: एक तुलनात्मक केस प्रोफाइलिंग। *जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन,* XXXVII, 2, 148-148-177

वर्मा, एस. (2022)। सीखने के परिणामों के बारे में शिक्षकों की धारणा का एक अध्ययन, *डोगो रंगसांग रिसर्च जर्नल,* 19 (5), 114-123।

वर्मा, एस. (2022)। जम्मू के डोगरा समुदाय के पारंपरिक गेमिंग में गणित तत्व: एक नृवंशविज्ञान अध्ययन। *एजुकेशन एंड सोसाइटी।* 45(4), 86-95.

पुस्तक-अध्याय

बनीवाल, वी. (2022)। *एन्गेजिंग विद मेडटैटिव इन्क्वायरी इन टीचिंग, लर्निंग, एंड रिसर्च: रीअलाइज़िंग ट्रांस्फॉर्मेटिव पटेन्शल इन डाइवर्स कॉन्टेक्ट्स।* न्यूयॉर्क, रूटलेज, 9781003128441, 14

बिहारी, ए. और सक्सेना, एस. (2022)। *पर्सपेक्टिव बिल्डिंग फॉर एनवायरनमेंट अमंग टीचर्स: अ करीकुलर इनिशिएटिव फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट।* यूके: कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, 9781527577237।

चंदर, एस. (2022). *एडोलैसैंट्स एंड इश्यूज रिलेटेड टू लर्निंग एंड अकादमिक अचीवमेंट।* सिंगापुर, स्प्रिंगर, 9789811698811, 81-103.

चंदर, एस. (2022)। *साइंटिफिक पेरेंटिंग हैंडबुक फॉर पेरेंटिंग ऑफ़ द प्रीस्कूलर्स।* भारत, ईटीएमए।

गांधी, एच. (2022)। *स्कूल: ए साइट फॉर करिकुलम एंड पेडागोगी,* नई दिल्ली, शिप्रा प्रकाशन, 9789391978235,

गांधी, एच. और पोपली, एम. (2022)। *फॉउण्डेशनल नुमेरसी: ए क्विन्टिसेन्शल इंग्रेडिएंट फॉर ए डेवलपिंग नेशन।* नई दिल्ली, शिप्रा प्रकाशन, 9789391978235, 199

गुप्ता, एल. (2022)। द इंटरनेशनल साइंस एंड एविडेंस-बेस्ड एजुकेशन असेसमेंट: आईएसईई असेसमेंट वर्किंग ग्रुप 1, नई दिल्ली, यूनेस्को एमजीआईईपी, 9789391756048, 339

इंगोल, एम. (2022)। मेटा- कॉग्निटिव स्ट्रेटेजीज एंड लर्निंग अप्रोचिज़: उसाबिलिटी इन द एजुकेशनल कॉन्टेक्स्ट। लुलु प्रकाशन, 9781387894901

जैन, एस. और सरोहे, एस. (2022)। *जेंडर, स्कूल एंड सोसाइटी,* भारत, पियर्सन, 9789354497483

कुमार, आर. (2022)। *गाइडेंस एंड काउंसलिंग एक्टिविटीज: हैंडबुक फॉर द प्राइमरी टीचर्स,* नई दिल्ली, एससीईआरटी, 9789390000000

कुमार, आर. (सदस्य)। (2022). *स्ट्रेटेजीज यूज़्ड बाइ द टीचर्स इन प्रमोटिंग इन्क्लूशन इन द साइंस क्लास ऐट अपर प्राइमरी लेवल इन द स्कूल्ज ऑफ़ सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ दिल्ली-ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी,* डीआईईटी, 9789394368002

कुमार, एस. (2022)। *रिसर्च एंड इनोवेशन इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ एनईपी 2020,* अटलांटिक प्रकाशन, 9788126935550, 21

कुमार, एस (विशेषज्ञ)। (2022). *गाइडलाइन्स फॉर 50 हॉर्स ऑफ़ कंटीन्यूअस प्रोफेशनल डेवलपमेंट फॉर टीचर, हेड टीचर्स एंड टीचर एडुकेटर्स: बेस्ड ऑन एनईपी 2020,* एनसीईआरटी, 978-93-5580-045-9, 68

प्रसाद, आर. (2022), *टूल्स ऑफ़ डेटा कलेक्शन इन एजुकेशनल रिसर्च,* नई दिल्ली, लकी इंटरनेशनल, 9789392255083।

सक्सेना, वी., कुमार, एस., और चंदर, एस. (योगदानकर्ता)। (2022). *कोर्स मैन्युअलऑन पेडगोजिकल इम्पेरटिवेस फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग इन हायर एजुकेशन,* दिल्ली विश्वविद्यालय: आजीवन अधिगम का संस्थान, 9789390878093, 96

काजल और सिंह, एस. (2022)। *एक्सप्लोरिंग स्टेटस ऑफ़ साइंस एजुकेशन इन इंडियन रूरल क्लासरूम: ए स्टडी ऑफ़ ईस्टर्न डिस्ट्रिक्स,* भारत, होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र, 9788195805426, 11

सिंह, एस. (विशेषज्ञ), (2022)। *गाइडलाइन्स फॉर 50 हॉर्स ऑफ़ कंटीन्यूअस प्रोफेशनल डेवलपमेंट फॉर टीचर, हेड टीचर्स एंड टीचर एडुकेटर्स: बेस्ड ऑन एनईपी 2020,* दिल्ली, एनसीईआरटी, 9789355800459, 68

कुमार, एस. (2022)। *ओपन मार्जिन्स: डाइवर्सिटी अमंग मोमोसेक्सुअल्स उन अर्बन इंडिया,* रावत पब्लिकेशन, 9788131611142, 17

प्रसाद, आर., और अंशु, के. (2023)। *ऐटिट्यूड स्केल टुवर्ड्स प्राइवेट ट्यूशन, नेशनल साइकोलॉजिकल कारपोरेशन,* आगरा, राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम, 9789391723781

इंगोल, एम. और बुकुशेवा, ए., (2023)। *फोस्टरिंग मैथमेटिकल क्नौलेज थ्रू यूसेज ऑफ़ मेटा-कॉग्निटिव स्ट्रेटेजीज:ऐन एक्सप्लोरेटिव स्टडी,* इज़राइल, हाइफ़ा विश्वविद्यालय, इज़राइल: पीएमई, 9789659311217, 471

जे सी अग्रवाल और संदीप कुमार। (2023). *असेन्शल्स ऑफ़ एजुकेशनल साइकोलॉजी 4 एडिशन: ऐज़ पर यूजीसी एंड एनईपी 2020,* नई दिल्ली, विकास प्रकाशन, 9789356746169

सक्सेना, वी. (2023)। *अकादमिक राइटिंग ए प्रैक्टिशनर इनसाइट फ्रॉम द फील्ड,* दिल्ली, मुक्तिबोध ट्रस्ट प्रकाशन, 978-93-5913-104-7

सक्सेना, वी. (2023)। शिक्षा मे समावेशन के आयाम (Siksha me samavesanke aayam), मुंबई, प्रलेख प्रकाशन, 9789355004352 , 3

कुमार, एस. (2023)। *स्ट्रेंग्थेनिंग क्वालिटेटिव रिसर्च इन एजुकेशन,* दिल्ली, मुक्तिबोथ प्रकाशन, 9789359131047

कुमार, एस. (2023)। *एसेंशियल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी,* नई दिल्ली, विकास पब्लिकेशन, 9789356746169।

रंगनाथन, एन. (2023)। बच्चों की दुनिया: विकास एवं शिक्षा. नई दिल्ली, शिप्रा प्रकाशन, 9789391978433, 60

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

अनुसंधान परियोजनाएं

इंगोल, एम., आईसीएसएसआर- माइनर प्रोजेक्ट, 2023 *द बैरियर एंड एनब्लेर्स टू हायर एजुकेशन अमंग वर्ली ट्राइब गर्ल्स इन ठाणे एंड पालगर डिस्ट्रिक्ट महाराष्ट्र:ए एथ्नोमेथोडोलॉजिकल स्टडी।* (5,00,000)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में, उत्तराखंड के संस्कृत महाविद्यालयों में शिक्षा के अवसरों की समानता, पहुँच और शैक्षणिक गुणवत्ता का समालोचनात्मक अध्ययन, ICSSR-Minor Project (3,80,000) आईसीएसएसआर-माइनर परियोजना

कुमार, एस. 2023. सामाजिक विज्ञान शिक्षक के लिए सतत व्यावसायिक विकास की स्व-निर्देशित स्कूल आधारित योजना विकसित करना। आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय (2,00,000)

कुमार, एस. (2023)। *पेडागोगी इन हायर एजुकेशन: एक्सप्लोरिंग एंड डेवलपिंग ए पॉसिबल फ्रेमवर्क,* आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय (2,00,000)

सिंह, एस. (2022) *स्किल डेवलपमेंट एंड एंट्रेप्रेन्योरशीप एजुकेशन इन दिल्ली गवर्नमेंट स्कूल्ज: ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी,,* आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय (2,00,000)

सिंह, एस. (2023) *ऐन एथ्नोग्राफिक स्टडी ऑफ़ बैगा ट्राइब्स इन सेंट्रल इंडिया,* आईसीएसएसआर-प्रमुख परियोजना (12,00,000)

सिंह, एस. (2023)। *एम्पिरिकल अंडरस्टैंडिंग ऑफ़ द सोशल इम्पैक्ट ऑफ़ मन की बात, आईसीएसएसआर।* (3,30,000)

दायर/स्वीकृत पेटेंट

लागू नहीं

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, एमओई, *नेशनल करिक्यलम फ्रेमवर्क फॉर फॉउण्डेशनल स्टेज 2022,*पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 11-11-2022

सीआईई और एससीईआरटी, दिल्ली, एससीईआरटी, *एनहैंसमेंट ऑफ़ रिसर्च स्किल्स अमंग द टीचर एडुकेटर्स ऑफ़ डाइट एंड एससीईआरटी पर पांच दिवसीय एफडीपी/प्रशिक्षण कार्यक्रम,* 06-03-2023

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

योग, हेरिटेज वॉक और बी.एड. और एम.एड. छात्रों के लिए संगीत

संकाय संख्या

प्रोफेसर - **13**

एसोसिएट प्रोफेसर - **05**

सहायक प्रोफेसर - **17**

अतिथि - **02**

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 18

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या : 14

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग की अपनी वेबसाइट http://www.doe.du.ac.in है जो लगभग हर दिन अपडेट होती है। वेबसाइट नेत्रहीन और सुनने वाली चुनौती-अनुकूल है और एक अत्यधिक समर्पित टीम द्वारा बनाए रखी गई है। इसमें होम, हमारे बारे में, संकाय, शिक्षाविदों, छात्रों, विद्वानों, मौखिक परीक्षा, प्रवेश, आईक्यूएसी, संसाधन, सीआईई स्टाफ, सीआईई पूर्व छात्रों की वेबसाइट, ऑनर बोर्ड, इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं, उपयोगी विश्वविद्यालय लिंक, उपयोगी वेब लिंक, वार्षिक रिपोर्ट, विशेष वेब संसाधनों के लिए विशेष वेब संसाधन और सुनवाई को चुनौती देने वाली, एंटी-रैगिंग, एंटी स्मोकिंग, एससी/एसटी/ओबीसी शिकायत सेल, छात्रों की शिकायत निवारण और उत्तर पूर्व छात्र शिकायत और हमसे संपर्क करें, जैसे सूचनाएं प्रदान की गई। वेबसाइट को सभी छात्रों, घटक महाविद्यालयों और संकाय सदस्यों द्वारा नियमित रूप से खोजा जाता है। विभाग में यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार एक सतर्क एंटी-रैगिंग सेल है। विभाग के साथ संलग्न एक स्कूल भी है, जिसका नाम सीआईई एक्सपेरिमेंटल बेसिक स्कूल है जो विभागीय प्राधिकारी के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत काम करता है। स्कूल में विशेष रूप से दिल्ली के अन्य स्कूलों की तुलना में शिक्षक-छात्र अनुपात बहुत इष्टतम है।

***

होम्योपैथिक मेडिसिन संकाय

नेहरू होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

नेहरू होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं और अस्पताल को राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा कोविड स्वास्थ्य-केंद्र के रूप में नामित किया गया था। कोविड महामारी की चरम अवधि के दौरान, अस्पताल ने हल्के और मध्यम स्तर के कोविड पॉजिटिव रोगियों के उचित प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान की थीं। इस संबंध में, अस्पताल सम्यक संस्थागत नैतिक मंजूरी प्राप्त करने के बाद कोविड-19 रोगियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल को चित्रित करने के लिए सफलतापूर्वक एक अवलोकन अनुसंधान अध्ययन संचालित किया। आयुष निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली सरकार के तत्वावधान में एनएचएमसी एवं अस्पताल में कोविड-19 महामारी में होम्योपैथिक चिकित्सा की रोगनिरोधी भूमिका पर एक अनुसंधान भी संचालित किया जा रहा है।

अस्पताल प्रतिरक्षा अभियान के एक भाग के रूप में इम्यून बूस्टर होम्योपैथिक दवा वितरण के कार्य में भी सक्रिय रूप से शामिल रहा है। संस्थान सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के एक भाग के रूप में कोविड-19 समुचित व्यवहार के लिए आईईसी प्रदर्शन और कर्मचारियों की जागरूकता भी सुनिश्चित कर रहा है।

<u>प्रकाशन</u>

डॉ सीमा राय. (2022). इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रीवेंटिव क्यूरेटिव एंड कम्युनिटी मेडिसिन**,** *2022,* 8(2022), 8-11.

डॉ सपना गुप्ता. (2022-23)। व्यक्तिगत होम्योपैथी द्वारा गंभीर सोरायसिस का साक्ष्य-आधारित उपचार: केस रिपोर्ट**,** *2022, 35(03)*(2022), 164-174.

अनुसंधान परियोजनाएं

एनएचएमसी एंड एच में डॉ. बी.आर. सर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और डॉ. डी. एन. डी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के सहयोग से आयोजित किए जाने वाले चार बहुकेंद्रित अनुसंधान प्रस्तावों को सीटीआरआई द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

आयोजित सम्मेलन

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस, 07-01-2022, एनएचएमसी

एनीमिया जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम, 07-02-2003, एनएचएमसी

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. जॉर्ज मैथ्यू आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित होम्योपैथिक कॉलेजों के पीजी शिक्षकों के लिए मटेरिया मेडिका में सीएमई के लिए विषय विशेषज्ञ थे तथा उन्होंने 19 दिसंबर, 2022 को एम. एल. धवले मेमोरियल होम्योपैथिक इंस्टीट्यूट, पालघर में "होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका के स्रोत, औषधि परीक्षण और लक्षणों का संग्रह" पर दो व्याख्यान दिए।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित होम्योपैथिक कॉलेजों के शिक्षकों के लिए मटेरिया मेडिका मॉड्यूल 3 में सीएमई के लिए विषय विशेषज्ञ तथा होम्योपैथी विश्वविद्यालय, जयपुर में 28 जनवरी, 2023 को "मटेरिया मेडिका के हैलोजन समूह और पशु साम्राज्य का अध्ययन करने के तरीके" पर दो व्याख्यान दिए।

केरल राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन द्वारा 15 फरवरी, 2023 को स्वास्थ्य शिक्षा पर आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन वायलोपिल्ली संस्कृति भवन, तिरुवनंतपुरम, केरल में केरल की माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती वीना जॉर्ज द्वारा किया गया, जिसमें अनेक विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। आधुनिक चिकित्सा, आयुर्वेद, होम्योपैथी, नर्सिंग, भेषजी, दंत चिकित्सा और पैरामेडिकल प्रणालियों के विशेषज्ञों ने इस आयोजन के दौरान अपने प्रस्तुतीकरण पेश किए।

संकाय सदस्यों की संख्या

नियमित-20

अतिथि संकाय-12

***

अंतःविषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव-रसायन

संक्षिप्त विवरण

जैव-रसायन विभाग, देश के सबसे जीवंत और प्रीमियर जैव-रसायन विभागों में से एक है, जिसकी स्थापना 1993 में की गई थी। छात्रों को जैव-रसायन के विभिन्न शास्त्रीय और आधुनिक क्षेत्रों में उन्नत स्तर के सिद्धांत और व्यावहारिक शिक्षा के साथ जैव-रसायन में स्नातकोत्तर-स्तर (एम.एससी. और पीएच.डी.) पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाती है, जिसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण पर अत्यधिक जोर दिया जाता है। विभाग का शिक्षण और अनुसंधान का ध्येय विभिन्न मानव रोगों का प्रतिकार करने के लिए आणविक रणनीतियों का विकास करना है। विभाग तर्कसंगत नई दवाओं की खोज और समुदाय के लिए नैदानिक किट और टीके विकसित करके सामाजिक आवश्यकताओं में प्रमुख रूप से योगदान देता है। प्रयोगशालाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त हैं। कई संकाय सदस्य उत्पाद विकास की प्रक्रिया में अगले स्तर तक ले जाने के लिए उद्योग या संस्थानों के साथ निकट सहयोग में काम कर रहे हैं। मेजबान-वायरस इंटरैक्शन, दवा की खोज, और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों, कैंसर, मलेरिया, तपेदिक, लीशमैनियासिस, मोटापा और अन्य में यांत्रिक अंतर्दृष्टि के क्षेत्र में कई शोध पहल चल रही हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

विभाग ने उत्साही संकाय भागीदारी और व्यावहारिक परीक्षणों के माध्यम से अपनी शिक्षण-अधिगम गतिविधियों में सुधार करना जारी रखा। सभी संकाय, कर्मचारियों और वरिष्ठ छात्रों के साथ विशेष चर्चा द्वारा नए एम.एससी. के छात्रों का स्वागत और उन्मुखीकरण किया गया। डीयू के शताब्दी वर्ष के सम्मान में, विभाग ने विशेष संगोष्ठी, देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के साथ एक मिनी-संगोष्ठी, संयुक्त राज्य अमेरिका से आए सहायक संकाय के साथ रोमांचक शैक्षणिक कार्यक्रम और विभाग के सभी पूर्व छात्रों के साथ फिर से जुड़ने के लिए ऐतिहासिक प्रथम पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विभाग ने एक एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. विजय कुमार प्रजापति की भर्ती की। संकायों ने अपने अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयासों को जारी रखा, जिससे समझौता-ज्ञापनों पर **हस्ताक्षर** किए गए, पेटेंट दाखिल किए गए, और कई उच्च अंत अनुसंधान प्रकाशन हुए। उन्हें व्याख्यान देने और विभिन्न राष्ट्रीय वैज्ञानिक समितियों के साथ-साथ चयन समितियों में विशेषज्ञों के रूप में सेवा करने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

सम्मान/गौरव

अमिता गुप्ता-बैक्टीरियोफेज अनुसंधान, 2022 के क्षेत्र में योगदान के लिए सोसाइटी फॉर बैक्टीरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी द्वारा उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार।

प्रकाशन

अनुसंधान लेख

जायसवाल, एन., नंदी, डी., चीमा, पी.एस., और नाग, ए. (2022). साइक्लोसोम सह-सक्रियकर्ता, सीडीएच 1, गर्भाशय ग्रीवा ऑन्कोजेनेसिस में मानव पेपिलोमावायरस 16 ई 7 ऑन्कोप्रोटीन का एक नया लक्ष्य है। *कार्सिनोजेनेसिस*, 43 (10), 988-1001.

धेम्बला, सी., यादव, यू., कुंडू, एस. एंड सुंड, एम. (2022). लिपोएट प्रोटीन लिगेज बी मुख्य रूप से अपने दाता सब्सट्रेट के सी 8-फॉस्फोपेंटेथेन हाथ को पहचानता है और कमजोर रूप से एसाइल वाहक प्रोटीन को बांधता है। *जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री*, 298 (8)।

अग्रवाल, डी.डी., मिश्रा, पी., और सिंह, एम. (2023). ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावों का विश्लेषण तनाव से संबंधित लक्षणों के लिए प्रयोगात्मक विकास के कुछ चक्रों से गुजर रहा है। *कम्पेरेटिव बायोकेमिस्ट्री एंड फिजियोलॉजी. पार्ट बी बायोकेमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, 263

दसौनी, पी., सिंह, एन., छाबड़ा, वी., महापात्रा, एम., सक्सेना, आर., और कुंडू, एस.(2022). 2, 2, 2 ट्राइफ्लोरोइथेनॉल संशोधित पाचन विधि और नैनो-एलसी युग्मित माल्डी एमएस/एमएस अणुओं के साथ हीमोग्लोबिन वेरिएंट में एकल उत्परिवर्तन का अनुकूलन और पहचान, *मोलेक्युल्स*, 27 (19)

नाग, ए., बनर्जी, के., बर्मन, आर., कार, जे., सरकार, डीपी, जाना, एसएस, और घोष, एस. (2022)। "एम्फीफिलिक बहुलक की माध्यमिक संरचना और इसकी प्रमुख एंटीवायरल गतिविधि के बीच सीधा संबंध"। *जर्नल ऑफ़ अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (जेएसीएस),* 145 (1), 579-584।

बंद्योपाध्याय, एस., यादव, पी., शर्मा, ए., डे, एस.के., नाग, ए., माहेश्वरी, आर., फोर्ड, बी.एम. "स्तन कैंसर में एक अज्ञात ठंड प्रेरित जिंक फिंगर प्रोटीन 726 की ऑन्कोजेनिक भूमिका". *जर्नल ऑफ़ सेलुलर बायोकेमिस्ट्री*, 124 (6), 889-906.

माथुर, एस., यादव, एस.के., यादव, के., भट, एस., और कुंडू, सुमन।(2023). थर्मोफिलिक साइनोबैक्टीरिया थर्मोसिनेचोकोकस एलॉन्गटस बीपी-1 से एक नया एकल सेंसर हीमोग्लोबिन डोमेन मेसोफिलिक जीवों से ग्लोबिन की तुलना में उच्च पीएच लेकिन कम थर्मल स्थिरता प्रदर्शित करता है। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 240

पुस्तक-अध्याय

कुमार**,** जी.**,** डे**,** एस.के.**,** कुंडू**,** एस.(**2023).** नाइट्रिक ऑक्साइड और हृदय रोग: कार्डियोप्रोटेक्शन**,** जटिलताओं और चिकित्सीय। स्प्रिंगर**, 13, 41-66**

अनुसंधान परियोजनाएं

सीएसआईआर, 3 वर्ष, हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में फॉक्सएम 1 और एचबीएक्स की ऑन्कोजेनिक गतिविधियों को अवरुद्ध करने में आर्टेमिसिनिन के ट्यूमर दबाने वाले गुणों को समझना, 25.0 लाख रुपये।

ड्रोसोफिला में प्रेरित-मोटापे के संकेतों का पता लगाने के लिए डीबीटी, 3 वर्ष, जीनोम-व्यापी विश्लेषण, 75.0 लाख।

आईसीएमआर, 27.03.2023 से 26.03.2026 तक, मेजबान प्रतिक्रियाओं को संशोधित करने में एम. ट्यूबरकुलोसिस के ट्रांसक्रिप्शनल नियामक वीआरएस की भूमिका की जांच करने के लिए एम. ट्यूबरकुलोसिस से संक्रमित मानव मैक्रोफेज की दोहरी परिप्रेक्ष्य प्रोटिओमिक्स प्रोफाइलिंग, मेजबान प्रतिक्रियाओं को संशोधित करने में 50.50 लाख।

डीबीटी, 21.12.2022 से 20.12.2024, तपेदिक के खिलाफ नई लिपोसोम-एनकैप्सुलेटेड दवाओं को डिजाइन करने के लिए इंजीनियरिंग एंटीसेंस ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड्स, 56.33 लाख।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

डॉ. मौसमी भारद्वाज, प्रमुख, आणविक जीवविज्ञान समूह, आईसीएमआर-नोएडा, डीयू में राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम और अनुसंधान संस्थान, मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) मध्यस्थता कैंसर का आणविक आधार, 17-03-2023

सिद्धार्थ जाना, आईएसीएस, कोलकाता, डीयू, वायरोसोम से एंडोसोम तक की यात्रा, 30-01-2023

डॉ. विजय कुमार, आईएलबीएस, नई दिल्ली, डीयू, प्रतिकृति और जीन प्रतिलेखन के दौरान सक्रिय डीएनए डिमिथाइलेशन, 30-01-2023

अमिताभ मुखोपाध्याय, आईआईटी दिल्ली, डीयू, लीशमैनिया कैसे सुरक्षित घर बनाता है और भोजन प्राप्त करता है, 30-01-2023

प्रोफेसर चंडी सी. मंडल, सीयूआर, अजमेर, डीयू, एक अस्पष्टीकृत जिंक फिंगर प्रोटीन स्तन कैंसर में ठंडे तापमान और कोलेस्ट्रॉल के बीच संबंध को पुल करता है, 30-01-2023.

प्रदीप चक्रवर्ती, पीयू, चंडीगढ़, डीयू, बैक्टीरियल किनेसेस में अंतर्दृष्टि, 30-01-2023

आनंद बछवत, आईआईएसईआर मोहाली, डीयू, एक कार्बन चयापचय का विनियमन: एक दशकों पुरानी पहेली को हल करना, 30-01-2023

प्रोफेसर एलोरा सेन, एनबीआरसी, मानेसर, डीयू, प्रोफेसर पीसी घोष मेमोरियल लेक्चरर 2023 का शीर्षक है, "मेटाबोलिक और एपिजेनेटिक लैंडस्केप के बीच बातचीत: ग्लिओमा प्रगति में निहितार्थ, 12-01-2023

देबाशीष सिन्हा, जेनिफर साल्विट्टी डेविस, ओप्थाल्मोलॉजी में एमडी चेयर, ओप्थाल्मोलॉजी, सेल बायोलॉजी और डेवलपमेंटल बायोलॉजी के प्रोफेसर, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए (सहायक संकाय, जैव-रसायन विभाग, दिल्ली दक्षिण परिसर विश्वविद्यालय), डीयू, एट्रोफिक उम्र से संबंधित मैकुलर अपघटन के लिए एक चिकित्सीय रणनीति के रूप में ऑटोफैगी को लक्षित करना, 14-11-2022.

सुवेंद्र नाथ भट्टाचार्य, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी, कोलकाता, डीयू, एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स संबद्ध एमआईआरएनए कार्रवाई में: पैकेजिंग, परिवहन और वितरण का तंत्र, 28-09-2022.

डॉ. गरिमा खरे; डॉ. प्राची नांगपाल; श्री संचय के. दास, सहायक प्रोफेसर, जैव-रसायन विभाग, डीयू; वैज्ञानिक, जैव-रसायन विभाग, डीयू; निदेशक, सीएसके बायो-प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, डीयू ने 26-09-2022 को बीएसएल 3 प्रथाओं और उन्नत टीबी अनुसंधान प्रोटोकॉल पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया।

सम्राट मुखोपाध्याय, प्रमुख, जैविक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर, मोहाली, डीयू, ने "तरल-तरल चरण पृथक्करण के लेंस के माध्यम से प्रियन प्रोटीन जीवविज्ञान: आंतरिक रूप से अव्यवस्थित टेलओलेक्यूलर की एक कहानी" पर संगोष्ठी (शताब्दी संगोष्ठी श्रृंखला) का आयोजन किया।

प्रदीप रायचौधरी, जैव-रसायन और आणविक आनुवांशिकी विभाग, इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो, यूएसए (सहायक संकाय, जैव-रसायन विभाग, यूडीएससी, नई दिल्ली), डीयू, डीयू, ने "आक्रामक स्तन कैंसर प्रगति के आणविक आधार: फॉक्सएमआई के तंत्र, 20-06-2022" पर संगोष्ठी (शताब्दी संगोष्ठी श्रृंखला) का आयोजन किया।

डॉ. गरिमा खरे; डॉ. प्राची नांगपाल; प्रोफेसर एन लता; श्रीकांत रामचंद्रन, सहायक प्रोफेसर, जैव-रसायन विभाग, डीयू; वैज्ञानिक, जैव-रसायन विभाग, डीयू; प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बेनेट विश्वविद्यालय, नोएडा; निदेशक, औषधीय रसायन विज्ञान, एनवेदा बायोसाइंसेज, हैदराबाद, डीयू, ड्रग डिस्कवरी पर ऑनलाइन कोर्स (टीबी ड्रग डिस्कवरी पर ध्यान देने के साथ) का आयोजन किया, 27-05-2022

डॉ. गरिमा खरे; डॉ. प्राची नांगपाल; डॉ. गंधर्व नागपाल, सहायक प्रोफेसर, जैव-रसायन विभाग, डीयू; वैज्ञानिक, जैव-रसायन विभाग, डीयू; वैज्ञानिक सी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, डीयू, बीएसएल 3 प्रथाओं और टीबी अनुसंधान प्रोटोकॉल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 10-12-2022

डॉ. गरिमा खरे; डॉ. प्राची नांगपाल; श्री संचय के. दास, सहायक प्रोफेसर, जैव-रसायन विभाग, डीयू; वैज्ञानिक, जैव-रसायन विभाग, डीयू; निदेशक, सीएसके बायो-प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, डीयू, ने टीबी अनुसंधान के लिए बीएसएल 3 प्रथाओं, आनुवंशिक हेरफेर और दवा खोज प्रोटोकॉल पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम का आयोजन किया, 01-04-2023

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रोफेसर सुमन कुंडू: आमंत्रित वार्ता। इंडियन पेप्टाइड सोसाइटी और बिट्स पिलानी, केके बिड़ला गोवा कैंपस द्वारा संयुक्त रूप से गोवा के गोवा में 23-25 फरवरी, 2023 को आयोजित 9$^{वें}$ इंडियन पेप्टाइड सिम्पोजियम और इंडियन पेप्टाइड शो में "एक पेप्टाइड जो एचएडीए 3-ई 6 इंटरैक्शन को बाधित करता है: एचपीवी प्रेरित कैंसर थेरेपी में निहितार्थ"।

प्रोफेसर सुमन कुंडू: लीड टॉक आमंत्रित किया। स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस और इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जैव प्रौद्योगिकी में नए क्षितिज की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों में हालिया प्रगति पर मिनी-संगोष्ठी में "सिकल सेल रोग के लिए एक चिकित्सा के मार्ग में पौधों में निहित", 10-12 फरवरी, 2023 (11 फरवरी, 2023 को वार्ता).

प्रोफेसर अलो नाग-18-19 नवंबर, 2022 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली, भारत के विशेष सेंटर फॉर सिस्टम मेडिसिन एंड स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज द्वारा आयोजित ट्रांसलेशनल केमोप्रिवेंशन एंड ब्रेनस्टॉर्मिंग पर 16वीं अंतर्राष्ट्रीय कैंसर संगोष्ठी में एक भाषण के लिए आमंत्रित किया गया। आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक: फॉक्सएम 1 की ऑन्कोजेनिक रणनीतियों में यांत्रिक अंतर्दृष्टि।

प्रोफेसर अलो नाग-8 जुलाई, 2022 को "सिल्वर नैनोपार्टिकल्स और इसके जीवाणुरोधी के ग्रीन फैब्रिकेशन" पर चार सप्ताह के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम 2022 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रोफेसर अलो नाग-एक वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया और 4 मार्च, 2023 को एमएस बड़ौदा विश्वविद्यालय, वडोदरा में "डॉ. जीएन रामचंद्रन की जन्म शताब्दी पर प्रोटीन का जश्न" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक: पेप्टाइड्स के साथ ऑन्कोजेनिक बातचीत को बाधित करना-एचपीवी प्रेरित कैंसर थेरेपी के लिए एक रणनीति।

अमिता गुप्ता-बैक्टीरियोफेज अनुसंधान, 2022 के क्षेत्र में योगदान के लिए सोसाइटी फॉर बैक्टीरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी द्वारा उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार। डॉ. गरिमा खरे-आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम में 19-20 अगस्त 2022 को आयोजित चौथी बायोग्रुप-इंडिया बैठक में आमंत्रित वार्ता।

18-19 नवंबर, 2022 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली, भारत के विशेष सेंटर फॉर सिस्टम मेडिसिन एंड स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज द्वारा ट्रांसलेशनल केमोप्रिवेंशन एंड ब्रेनस्टॉर्मिंग पर 16वीं अंतर्राष्ट्रीय कैंसर संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

प्रोफेसर अलो नाग-4 मार्च, 2023 को एमएस बड़ौदा विश्वविद्यालय, वडोदरा में "डॉ. जीएन रामचंद्रन की जन्म शताब्दी पर प्रोटीन का जश्न"।

प्रोफेसर अलो नाग-एनआईसीपीआर, नोएडा में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा "कैंसर अनुसंधान के लिए प्रासंगिक बुनियादी आणविक जीवविज्ञान तकनीक"- 02 मार्च, 2023

डॉ. गरिमा खरे-17-18 जुलाई, 2023 को जेएनसीएएसआर, बैंगलोर में आयोजित 5वीं बायोग्रुप-इंडिया बैठक में भाग लिया।

डॉ. गरिमा खरे-23 से 25 मार्च 2023 तक आयोजित टीएचएसटीआई, फरीदाबाद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय क्षय रोग सम्मेलन "टीबी को समाप्त करने की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की दिशाओं" में भाग लिया।

डॉ. गरिमा खरे-जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "सतत विकास और मानव कल्याण के लिए जैव प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित भाषण दिया।

डॉ. गरिमा खरे-दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के सहयोग से रामानुजन कॉलेज के टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन क्षमता निर्माण एफडीपी "उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना" में भाग लिया।

डॉ. गरिमा खरे ने 19-20 अगस्त, 2022 को आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम में आयोजित चौथी बायोग्रुप-इंडिया बैठक में आमंत्रित भाषण दिया।

डॉ. गरिमा खरे-टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अकादमिक अनुसंधान लेखन" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम, 4-10 जून, 2022 में भाग लिया।

डॉ. गरिमा खरे-14 मई, 2022 को सीडीएफडी, हैदराबाद द्वारा आयोजित एचवाई-साइंस 2022 में एक पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया।

डॉ. दाऊ दयाल-दिनांक 09 मार्च से 12 मार्च 2023 तक बीएचयू में आयोजित एडीएनएटी, इंडिया में एक आयोजन सदस्य के रूप में भाग लिया। संलग्न दस्तावेज।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

प्रोफेसर अलो नाग-एसपीवी स्कूल, लोधी रोड, नई दिल्ली के स्कूली छात्रों के लिए एक प्रेरक वार्ता (हासिल करने का सपना) और बातचीत 18 अगस्त 2022 को प्रोफेसर अलो नाग द्वारा दी गई।

प्रोफेसर अलो नाग-6 दिसंबर 2019 से अब तक रेड्डीज फाउंडेशन के सशकट कार्यक्रम के लिए एक संरक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. गरिमा खरे-कौशल विकास पर कार्यशालाओं का आयोजन 24 -27 मई, 2022- "ड्रग डिस्कवरी (टीबी दवा की खोज पर ध्यान केंद्रित करने के साथ)" देश भर के 45 विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों/ कॉलेजों के 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

20 से 26 सितंबर, 2022- 'बीएसएल 3 प्रथाओं और उन्नत टीबी अनुसंधान प्रथाओं पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम' देश भर के 61 विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

7-10 दिसंबर, 2022-"बीएसएल 3 प्रथाओं और टीबी अनुसंधान प्रोटोकॉल पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग कोर्स" देश भर के 08 विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

28 मार्च-1 अप्रैल, 2023-टीबी अनुसंधान के लिए बीएसएल 3 प्रथाएं, आनुवंशिक हेरफेर और दवा खोज प्रोटोकॉल। देश भर के 39 विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के 57 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संकाय संख्या - 6
प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या - 3

***

जैवभौतिकी

संक्षिप्त विवरण

1985 में स्थापित जैवभौतिकी विभाग ने प्रोफेसर यू.एन. सिंह के साथ शुरुआत की और वर्षों में अपने संकाय का विस्तार किया। प्रारंभिक अनुसंधान सैद्धांतिक और गणितीय जीवविज्ञान पर केंद्रित था, और महत्वपूर्ण योगदान में डॉ. सुदीप्तो दास की 1990 में एक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी सुविधा की स्थापना शामिल थी। प्रमुख सदस्यों के प्रस्थान सहित संकाय में बदलाव के बावजूद, 2022 में डॉ. हेमलता अग्निहोत्री और डॉ. सुमित कुमार चतुर्वेदी जैसी नई नियुक्तियों के साथ विभाग का विकास जारी रहा।

अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने जैवभौतिकी में पीएच.डी. कार्यक्रम की पेशकश की है और एक एमफिल (जैव प्रौद्योगिकी) कार्यक्रम में भाग लिया है। इसने 2018 में अपना स्वयं का एम.फिल बायोफिजिक्स लॉन्च किया और 2020 में एक एम.एससी. जैवभौतिकी कोर्स शुरू किया, 2022 में अपना पहला स्नातक बैच किया।

विभिन्न एजेंसियों द्वारा वित्त-पोषित अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं से सुसज्जित, विभाग संरचनात्मक और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान, इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी, गणितीय मॉडलिंग और जैव सूचना विज्ञान पर केंद्रित है। अनुसंधान क्षेत्रों में एक्सट्रीमोफाइल्स, मेटाजेनोमिक्स, आणविक मॉडलिंग और जीनोम और प्रोटीन अनुक्रम विश्लेषण में प्रोटीन संरचना-कार्य अध्ययन शामिल हैं। अकादमिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए विभाग की प्रतिबद्धता इसके पूर्व छात्रों की सफलता में स्पष्ट है, जो कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैन फ्रांसिस्को, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (यूएसए) जैसे प्रसिद्ध संस्थानों में स्वतंत्र शोधकर्ताओं और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलो के रूप में विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित पदों पर प्रतिष्ठित हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

मनीष कुमार का शोध समूह माइक्रोबियल विकास, विषाणु और एंटीबायोटिक प्रतिरोध का अध्ययन करने के लिए जैव सूचना विज्ञान, रसायन विज्ञान, और फाइलोजेनोमिक्स को शामिल करते हुए ट्रांसलेशनल

अनुसंधान पर केंद्रित है। वे नैदानिक, वैक्सीन और चिकित्सीय लक्ष्यों की चिन्हित करने के लिए चयापचय और सिग्नलिंग मार्गों में प्रोटीन इंटरैक्शन की भविष्यवाणी करते हैं। प्रयोगशाला दवा डिजाइन के लिए आणविक मॉडलिंग और कंप्यूटर सिमुलेशन का उपयोग करती है, जिसमें मौजूदा दवाओं को फिर से भरना शामिल है। वे मेटाजेनोमिक डेटा विश्लेषण के लिए अगली पीढ़ी के अनुक्रमण का उपयोग करते हैं, विशेष रूप से एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीन लोड में, और नैदानिक परीक्षण विकास के लिए एक संबंधित जीन लाइब्रेरी विकसित की है। कुमार का समूह जीनोम, प्रोटिओम और मेटाबोलोम एनोटेशन पर भी काम करता है, और पोस्ट-ट्रांसलेशनल संशोधनों और प्रोटीन फ़ंक्शन पर उनके प्रभाव को समझने के लिए प्रोटीन में अमीनो एसिड पैटर्न का अध्ययन करता है, कम्प्यूटेशनल और प्रयोगात्मक तरीकों को एकीकृत करता है। मनीषा गोयल का समूह संरचनात्मक जैव सूचना विज्ञान के साथ काम करता है और वर्तमान में प्रोटीन फोल्डिंग और फ़ंक्शन में प्रोसीक्वेंस की भूमिका की खोज कर रहा है। उनकी सीआरआईएसपीआर फ़ंक्शन में शामिल सीएएस प्रोटीन की कार्रवाई के तंत्र में भी रुचि हैं। डॉ. हेमलता अग्निहोत्री की लैब सेल सिग्नलिंग, रिसेप्टर बायोलॉजी, होस्ट-पैथोजन इंटरैक्शन पर काम करती है। डॉ. सुमित कुमार चतुर्वेदी की लैब प्रोटीन पर कंफॉर्मेशन और लिगैंड बाइंडिंग पर काम करती है।

सम्मान/गौरव

सुश्री मनीषा असवाल ने कोपेनहेगन, डेनमार्क में 2023 ईसीएमआईडी सम्मेलन में भाग लेने के लिए यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शियस डिजीज (ईएसएमआईडी) से फोर्डेवेरिन ग्रांट प्राप्त किया।

डॉ. सोमेंद्रो सिंह नांब्रम ने कोपेनहेगन, डेनमार्क में 2023 ईसीएमआईडी सम्मेलन में भाग लेने के लिए यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शियस डिजीज (ईएसएमआईडी) से फोर्डेवेरिन ग्रांट प्राप्त किया।

सुश्री मनीषा असवाल को हैम्बर्ग, जर्मनी में एफईएमएस 2023 सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के रूप में अपने काम को प्रस्तुत करने के लिए एफईएमएस कांग्रेस उपस्थिति अनुदान मिला।

प्रकाशन

अनुसंधान लेख

असवाल, एम., सिंघल, एन., और कुमार, एम. (2023). हाइपोकोलेस्ट्रोलेमिक प्रोबायोटिक एंटरोकोकस फेसियम एलआर 13 के व्यापक जीनोमिक विश्लेषण से कोलेस्ट्रॉल-आत्मसात में शामिल अद्वितीय प्रोटीन का पता चलता है। *फ्रंटियर्स इन नुट्रिशन,10*

पांडे, डी., सिंघल, एन., और कुमार, एम. (2022). β-LacFamPred: β-लैक्टामेज वर्ग, उपवर्ग और परिवार की भविष्यवाणी और वर्गीकरण के लिए एक ऑनलाइन उपकरण। माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियर्स। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, 13

पांडे, डी., कुमारी, बी., सिंघल, एन., और कुमार, एम., (2022). बाकरसकन: एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीन में विविधता को समझने के लिए एक इन-सिलिको संसाधन। *बायोलॉजी मेथड्स & प्रोटोकॉल्स*, 7(1)

गर्ग. ए., सिंघल, एन., और कुमार, एम., (2022). माइक्रोबियल मिमिटोप्स में यूकेरियोटिक होस्ट जैसे एसएलआईएम की जांच करना और ऑटोइम्यून बीमारियों के इलाज के लिए नई दवा लक्ष्य के रूप में उनकी क्षमता। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, 13

जैदी, एस., असवाल, एम., कुमार, एम., राशिद, एफ., खान, ए. (2022). प्रोटीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग, सिलिको वर्गीकरण और बैसिट्रासिन तनाव स्थितियों के तहत कैरियोजेनिक बैक्टीरिया स्ट्रेप्टोकोकस म्यूटन्स के मार्ग विश्लेषण में। *जर्नल ऑफ़ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी*, 71

भारद्वाज, के., गर्ग, ए., पांडे, एडी, शर्मा, एच., कुमार, एम., व्रती, एस. (2022). भारतीय उपमहाद्वीप से आबादी का नमूना लेकर मानव आंत विरोम में अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ़ जनरल विरोलॉजी,* 103(8)

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीएमआर, 2023, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एडेड जीनोमिक्स, ट्रांक्रिप्टोमिक्स और प्रोटिओमिक्स विश्लेषण मल्टीड्रग-प्रतिरोधी एंटरोपैथोजेन्स का विश्लेषण करते हैं ताकि नए दवा लक्ष्यों को समझा जा सके। 29.37 लाख रुपये।

आईसीएमआर, 2022, सार्स-सीओवी-2 रोगियों और जनसांख्यिकीय समूहों की तेजी से प्राथमिकता/ट्राइएज के लिए मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए राष्ट्रीय कोविड-19 परीक्षण डेटाबेस का उपयोग कर रहा है। 35.16 लाख रुपये।

डीबीटी, 2022, डेयरी जानवरों में नैदानिक चिकित्सीय उपयोग के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोधी मास्टिटिस रोगजनकों के खिलाफ विशिष्ट एकल डोमेन एंटीबॉडी (एसडीएबी)। 150.95, लाख।

डीएसटी, 2022, एंटीबॉडी इंजीनियरिंग केंद्र: इम्यूनो-डायग्नोस्टिक्स केंद्र। चिकित्सीय वेनियरिंग टेक्नोलॉजीज (सीवेट)। 47460 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठी /सम्मेलन

दीपक नायर, प्रोफेसर, रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, डीएनए पोलीमरेज़ की कोई संरचना, तंत्र, 23-09-2022

डॉ. इंद्राणी घोष, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी और पंजीकृत पेटेंट एजेंट, इनोवेशन प्रोटेक्शन यूनिट (आईपीयू), सीएसआईआर, कोई नहीं, जीवन विज्ञान में पेटेंटिंग-आविष्कारक का परिप्रेक्ष्य, 04-11-2022

बी जयराम, एमेरिटस प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, आईआईटी दिल्ली, कोई नहीं, जैव सूचना विज्ञान से संपर्क, 27-03-2023

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. मनीष कुमार ने 14/नवंबर/2022 को जीएसएफसी विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ साइंसेज, वडोदरा द्वारा आयोजित 'इन्फॉर्मेटिक्स इन ड्रग रेसिस्टेंस' नामक एक व्याख्यान दिया है।

डॉ. मनीष कुमार ने 14 मई, 2022 को भाकृअनुप-केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि, केरल मत्स्य संकाय, रंगील, गांदरबल (एसकेयूएएसटी-कश्मीर) और राष्ट्रीय कृषि विकास सहकारी लिमिटेड, बारामूला, जम्मू और कश्मीर द्वारा आयोजित "मत्स्य पालन, जलीय कृषि और कटाई के बाद की प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एनआरसी 2022) में "एंटीबायोटिक प्रतिरोध का विकास: यह कैसे फैलता है" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया है।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

हमने इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजिस्ट (आईएससीबी) के सहयोग से छात्रों (स्नातक और स्नातकोत्तर) के बीच एक शोध अनुशासन के रूप में जैव सूचना विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक आउटरीच गतिविधि शुरू की है। हम छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए जैव सूचना विज्ञान के प्रमुख आंकड़ों को आमंत्रित करते हैं।

संकाय संख्या - 4

प्रदत्त पीएच.डी. की संख्या - 1

प्रदत्त एम.फिल. डिग्रियों की संख्या -1

***

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान

संक्षिप्त विवरण

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग 1985 में स्थापित किया गया था और व्यापक रूप से देश के सबसे प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभागों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। विभाग माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स में एम.टेक. और इलेक्ट्रॉनिक्स में एम.एससी. के लिए पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अनुसंधान और विकास संगठनों और उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक

सैद्धांतिक पृष्ठभूमि और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। एम.एससी. पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले सभी छात्रों को उद्योग या अनुसंधान एवं विकास संगठनों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण लेना आवश्यक है। छात्रों के लिए संसाधनों और सुविधाओं की एक पूरी श्रृंखला उपलब्ध है। विभाग में छात्रों के लिए विभिन्न सर्किट सिमुलेशन और माइक्रोवेव डिजाइन सॉफ्टवेयर के साथ एक सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला है। इसके अलावा, निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रयोगात्मक कार्य के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं: माइक्रोवेव माप, संचार इलेक्ट्रॉनिक्स, सर्किट डिजाइन, इलेक्ट्रिकल मशीन और नियंत्रण प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री और अर्द्धचालक उपकरण, माइक्रोप्रोसेसर, और डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग और ऑप्टिकल इलेक्ट्रॉनिक्स।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान के साथ-साथ ऑप्टिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्द्धचालक सामग्री और उपकरणों, नैनो-सामग्री, माइक्रोवेव और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्र में पीएच.डी. की डिग्री के लिए अनुसंधान का पर्यवेक्षण में कार्य कर रहे हैं। विभाग के पास सीएसआईआर, एसईआरबी, डीआरडीओ आदि द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कई अनुसंधान परियोजनाएं हैं। इसके अलावा, विभाग नियमित रूप से संगोष्ठी, व्याख्यान और वार्ता आयोजित करता है। विभाग हर वर्ष विजिटर कार्यक्रम भी आयोजित करता है। विभाग सक्रिय रूप से कैंपस साक्षात्कार के माध्यम से छात्रों को उनके नियोजन में मदद कर रहा है। विभाग से स्नातक छात्रों को अंतरिक्ष अनुप्रयोगों, दूरसंचार और अर्धचालकों में काम करने वाले सरकारी और निजी दोनों संगठनों में पद मिले हैं।

प्रकाशन

शोध-लेख

प्रियदर्शिनी, के., पांडा, डी., पेटा, के.आर., और रथिनावेल, एस. (2023). इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए बढ़ी हुई गतिशीलता के साथ पीवीके-ग्राफ्टेड मल्टीवॉल्ड कार्बन नैनोट्यूब सामग्री। *एप्लाइड सरफेस साइंस एडवांसेज*, 13

केम, ए., अंसारी, एमआर, प्रताप, पी., जयसिम्हाद्री, एम., पेटा, केआर (2022)। साइट्रस लिमोन का उपयोग करके स्थिर ZnO नैनो-कणों का पर्यावरण के अनुकूल ग्रीन सिथेसिस: एक्स-रे विवर्तन विश्लेषण और ऑप्टिकल गुण। *फिजिका स्क्रिप्टा*, 97 (8), 15

पसुपुलेटी, के.एस., बाक, एन.एच., पेटा, के.आर., किम, एस.जी., चो, एच.डी., किम, एमडी (2022)। अत्यधिक छिद्रपूर्ण Ppy@PEDOT का उपयोग करके लैंगसाइट-आधारित सतह ध्वनिक तरंग सीओ गैस सेंसर की बढ़ी हुई संवेदनशीलता: पीएसएस हाइब्रिड नैनोकम्पोजिट्स. *सेंसर्स एंड एक्टुएटर्स बी: केमिकल*, 363

कौर, एच., टीकू, वी., प्रसाद, ए., सिंह, वाई.ए., जायसवाल, वी.वी., पेटा, के.आर., जयसिम्हाद्री, एम., हरनाथ, डी. (2022). डब्ल्यू-एलईडी अनुप्रयोगों के लिए सोल-जेल संचालित मोनो-पाहसे डीवाई 3+मिश्रित सिलिकेट-आधारित फॉस्फोर के ल्यूमिनेसेंट और कलरिमेट्रिक गुण। *जर्नल ऑफ़ सॉल-जेल साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 101(2), 443-452

गौतम, के., सिंह, आई., भटनागर, आर., भटनागर, पी.के., पेटा, के.आर. एमईएच-पीपीवी आधारित बहुलक प्रकाश उत्सर्जक डायोड के प्रदर्शन को बढ़ाने में ग्राफीन और जेडएनओ नैनोरोड्स का सहक्रियात्मक प्रभाव। *डिस्प्लेस*, 73

कुमारी, वी., गुप्ता, एम., और सक्सेना, एम. (2022). यूवीए फोटोडिटेक्टर के लिए प्लेनर ग्राउंड प्लेन जंक्शनलेस ट्रांजिस्टर (जीपी-जेएलटी) की संवेदनशीलता जांच, *आईईईई सेंसर्स जर्नल*, 23 (1), 308-316.

गोयल, पी., और कौर, एच. (2022), उच्च ब्रेकडाउन वोल्टेज और पीएफओएम का एहसास करने के लिए β-जीए 2 ओ 3 एमओएसएफईटी में परिवर्तनीय डोपिंग और कार्य फ़ंक्शन इंजीनियरिंग को लागू करना। *सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 37(4), 10.

पांडे, पी., और कौर, एच. (2022)। SiGe चैनल दोहरी प्रोग्राम FETs के लिए एक व्यापक भौतिकी आधारित सतह क्षमता और नाली वर्तमान मॉडल, *सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 37(5), 8.

पांडे, पी., और कौर, एच. (2022)। उच्च तापमान पर फेरोइलेक्ट्रिक गेट स्टैक के पैरामीटर परिवर्तनशीलता के प्रभाव में पुन: कॉन्फ़िगर करने योग्य-एफईटी की प्रदर्शन जांच। *माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक जर्नल*, 124

सहगल, पी., और पटेल, के. (2023)। डुअल-बैंड 4 × 4 हेक्सागोनल एसआरआर मीमो एंटीना पोर्ट उत्तेजना-नियंत्रित लाभ और डब्ल्यूएलएएन/वाईमैक्स अनुप्रयोगों के लिए निर्देशात्मकता के साथ। *प्रोग्रेस इन एलेक्ट्रोमग्नेटिक्स रिसर्च*, 135, 55-67.

कौशल, वी., बीरवाल, ए., पटेल, एस.एम., और पटेल, के. (2023). आरएफआईडी अनुप्रयोगों के लिए उप-6 गीगाहर्ट्ज में दोहरे ध्रुवीकृत एमआईएमओ एंटीना का विविध पथ हानि प्रदर्शन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स*, 1-17.

सहगल, पी., और पटेल, के. (2023). डुअल-बैंड हेक्सागोनल एसआरआर एंटेना और एसआईएमओ और एमआईएसओ-आधारित डब्ल्यूएलएएन/वाईमैक्स सिस्टम में उनके अनुप्रयोग। *प्रोग्रेस इन एलेक्ट्रोमग्नेटिक्स रिसर्च* B, 99,139-157.

कौशल, वी., बीरवाल, ए., और पटेल, के. (2023). उप-6-गीगाहर्ट्ज अनुप्रयोगों के लिए चार-तत्व रिंग स्लॉट-आधारित एमआईएमओ एंटीना की विविधता विशेषताएं। *ईटीआरआई जर्नल*, 45 (4) , 581-593.

बीरवाल, ए., पटेल, के., और सिंह, एस. (2022). इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए एक दिशात्मक वाइड-बैंड एंटीपोडल विवाल्डी एंटीना। *प्रोग्रेस इन एलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स रिसर्च* C, 127, 227-237.

बीरवाल, ए., कौशल, वी. और पटेल, के. (2022). गोलाकार ध्रुवीकृत सीपीडब्ल्यू फीड एंटीना की जांच 2.45 गीगाहर्ट्ज आरएफआईडी रीडर के रूप में की गई। *आईईई जर्नल ऑफ रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन,* 6, 593-600.

कुमार, वी., वेंकटेश्वर, एसआर, और जैन, पीके (2023)। समाक्षीय बीम घूर्णन HPM मोड कनवर्टर डाइलेक्ट्रिक्स प्लेटों का उपयोग कर। *आईईई ट्रान्सेक्शन इलेक्ट्रॉन डिवाइस* , 70 (3), 1288-1293.

कुमार, सी., रघुवंशी, एसके., और कुमार, वी. (2022)। 5G अनुप्रयोग के लिए फोटोनिक क्रिस्टल सब्सट्रेट पर ग्राफीन आधारित माइक्रोस्ट्रिप पैच एंटीना। *फ्रंटियर्स इन मैटेरियल्स, सेक्. सेमीकंडक्टिंग मैटेरियल्स एंड डिवाइस*, 9

अग्रहरि, आर., कुमार, पी., और कुमार, वी. (2022)। पिक्सेलयुक्त मेटासर्फेस आधारित वाइडबैंड क्रॉस ध्रुवीकरण कनवर्टर। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स एंड एप्लीकेशन*, 37 (4), 562-574.

गोयल, पी., और कौर, एच. (2023)। उच्च शक्ति और आरएफ अनुप्रयोगों के लिए β-Ga2O3 मॉस्फेट पर हवा के अंतर के साथ फील्ड प्लेट डिजाइन को लागू करने की प्रभावकारिता की खोज। *माइक्रो एंड नैनोस्ट्रक्चर*, 173, 207-454.

गोयल, पी., और कौर, एच. (2023)। उच्च शक्ति और आरएफ अनुप्रयोगों के लिए β-Ga2O3 MOSFET पर दोहरी सामग्री गेट डिजाइन और प्रतिगामी चैनल डोपिंग का प्रभाव। *सिलकोन*, 15(4), 1597-1608.

पांडे, पी., और कौर, एच. (2022)। हाइड्रोजन गैस निगरानी अनुप्रयोगों के लिए पैलेडियम गटेड-सिगे चैनल-ध्रुवीयता नियंत्रणीय-एफईटी के प्रदर्शन की खोज। *माइक्रो एंड नैनोस्ट्रक्चर*, 207-357.

आयोजित संगोष्ठी /सम्मेलन

डॉ. राजीव जोशी, आईबीएम, टीजे वाटसन रिसर्च सेंटर, यॉर्कटाउन हाइट्स, एनवाई, आईईई ईडीएस, आईईई ईडीएस डीएल "मशीन लर्निंग में प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स" पर वार्ता, 13-03-2023

प्रो. अजीत पांडा, डीएल, आईईई ईडीएस इलेक्ट्रॉनिक्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनआईएसटी), बरहामपुर, ओडिशा, आईईई ईडीएस, "5जी इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स" पर तकनीकी वार्ता, 03-02-2023

प्रोफेसर एचएस जटाना, एमआईटी पुणे और आईआईटीजी ईआईसीटी प्रोफेसर सुबीर कुमार सरकार, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता प्रो. वृंदा भौमिक, एनआईटी सिलचर प्रो. निहार रंजन महापात्र, आईआईटी

गांधीनगर प्रो. जय नारायण त्रिपाठी, आईआईटी जोधपुर प्रो. सौरभ लोढ़ा, आईआईटी मुंबई प्रो. श्री प्रकाश तिवारी, आईआईटी जोधपुर प्रो. शैबल मुखर्जी, आईआईटी इंदौर, प्रोफेसर, आईईई ईडीएस, "उभरते उपकरण, सर्किट और सिस्टम" पर कार्यशाला, "18-11-2022

इंजीनियर रणधीर सिंह, एम्बिशन टेक्नोलॉजीज, दिल्ली, एम्बिशन टेक्नोलॉजीज, इ डी विन क्स प और पीसीबी प्रोटोटाइप मशीन का उपयोग करके पीसीबी डिजाइन कार्यशाला, 13-01-2023

श्री राजेश कुमार बहल, वैज्ञानिक/अभियंता-जी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी), इसरो, इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान, ऑप्टिकल संचार प्रौद्योगिकी और क्वांटम कुंजी वितरण प्रौद्योगिकी विभाग, 18-11-2022

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

धनंजय पांडा और कोटेश्वर राव पेटा, "पॉलीपायरोल इंटरलीव्ड पॉलीविनाइलिडीन फ्लोराइड माइक्रोकैंटिलीवर बायोसेंसर की मॉडलिंग और विश्लेषण" (पोस्टर) नैनो मेडिकल साइंसेज में हालिया प्रगति (आरॅएनएमएस-2022), 22-23 जून 2022, नैनो मेडिकल साइंसेज संस्थान (आईएनएमएस) और इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

धनंजय पांडा और कोटेश्वर राव पेटा, "कैडवरिन अमाइन डिटेक्शन के लिए वी-आकार के पीजोइलेक्ट्रिक माइक्रोकैंटिलीवर का अनुकूलन"। (मौखिक) पीजोइलेक्ट्रिक में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसएपी - 2022), 14-15 जुलाई 2022, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रौद्योगिकी के लिए सामग्री केंद्र (सीएमईटी), त्रिशूर केरल।

गोयल पी, कौर एच. बेहतर आरएफ प्रदर्शन के लिए β-जीए 2 ओ 3 पर स्टेप डोपिंग प्रोफाइल और दोहरी सामग्री गेट डिजाइन का प्रभाव। 2022 में उपकरणों, सर्किट और प्रणालियों पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीसीएस) 2022 अप्रैल 21 (पृष्ठ 6-10)। आईईई।

गोयल पी, कौर एच. β-Ga2O3 मॉस्फेट के डिवाइस प्रदर्शन पर लंबवत वर्गीकृत (वीग्राड) चैनल डिजाइन का प्रभाव। 2022 में प्रौद्योगिकी में अभिसरण के लिए आईईई 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (I2CT) 2022 अप्रैल, पृष्ठ 1-4। आईईई, 2022।

गोयल पी, कौर एच. β पर डुअल स्टेप गेट ऑक्साइड डिजाइन की उपयुक्तता की खोज-हाई पावर माइक्रोवेव अनुप्रयोगों के लिए गा2O3 मॉस्फेट-भाग I। लैटिन अमेरिकी इलेक्ट्रॉन उपकरण सम्मेलन (एलएईडीसी)-4-6 जुलाई 2022 (हाइब्रिड मोड)

गोयल पी, कौर एच. β पर डुअल स्टेप गेट ऑक्साइड डिजाइन की उपयुक्तता की खोज-हाई पावर माइक्रोवेव अनुप्रयोगों के लिए गा 2O3 मॉस्फेट-भाग II। लैटिन अमेरिकी इलेक्ट्रॉन उपकरण सम्मेलन (एलएईडीसी)-4-6 जुलाई, 2022 (हाइब्रिड मोड)

प्रियंका पांडे और हरप्रीत कौर, सिगे चैनल आधारित पोलरिटी कंट्रोलेबल आयन सेंसिटिव एफईटी-भाग- I, 2022 प्रौद्योगिकी में अभिसरण के लिए आईईईई 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई2सीटी), पुणे, भारत, 7-9 अप्रैल 2022। डीओआई: 10.1109/ आई2सीटी 54291.2022.9824400। इलेक्ट्रॉनिक आईएसबीएन: 978-1-6654-2168-3.

प्रियंका पांडे और हरसुप्रीत कौर, सिगे चैनल आधारित पोलरिटी कंट्रोलेबल आयन सेंसिटिव एफईटी-भाग- II, 2022 प्रौद्योगिकी में अभिसरण के लिए आईईईई 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई2सीटी), पुणे, भारत, 7-9 अप्रैल 2022। डीओआई: 10.1109 आई2सीटी 54291.2022.9824897। इलेक्ट्रॉनिक आईएसबीएन: 978-1-6654-2168-3.

कोटेश्वर राव पेटा "जल उपचार अनुप्रयोगों के लिए जेडएनओ नैनोकणों की फोटोकैटलिटिक प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण" आईयूएमआरएस-आईसीए 2022, 19-23 दिसंबर, 2022, आईआईटी जोधपुर

डॉ. हरसुप्रीत कौर, पोलारिटी कंट्रोलेबल-फेरोइलेक्ट्रिक-आयन सेंसिटिव एफईटी के पीएच सेंसिंग प्रदर्शन का विश्लेषण। इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग महिला (डब्ल्यूआईई) सम्मेलन (वाइकॉन-ईसीई), 2022

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर मून डिओक किम, भौतिकी विभाग, चुंगनाम नेशनल यूनिवर्सिटी, कोरिया गणराज्य। एम. जयसिम्हाद्री, एप्लाइड फिजिक्स विभाग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, भारत।

***

आनुवांशिकी

संक्षिप्त विवरण

आनुवांशिकी विभाग की स्थापना 1984 में दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस में अंतर-अनुशासनात्मक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के संकाय के एक भाग के रूप में की गई थी। अस्तित्व की अपनी संक्षिप्त अवधि में, विभाग अपने विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी-चरण III) के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और उनके एफआईएसटी (स्तर 2) कार्यक्रम के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त आनुवांशिकी में अध्ययन के एक उन्नत केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। दो संकायों में जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित उत्कृष्टता केंद्र भी हैं। विभाग द्वारा दो पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं: दो वर्ष का एम.एससी. कार्यक्रम और पीएच.डी. दोनों कार्यक्रम व्यक्तिगत प्रयोगशालाओं में अनुसंधान की एक मजबूत नींव पर आधारित हैं। विभाग को ड्रोसोफिला, अरबिडोप्सिस, खमीर, डिक्टियोस्टेलियम और

मानव-प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं जैसे मॉडल सिस्टम की एक श्रृंखला का उपयोग करके अनुसंधान विशेषज्ञता के साथ संकाय होने की अनूठी ताकत प्राप्त है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

आनुवांशिकी विभाग के संकाय सदस्यों ने उल्लेखनीय वैज्ञानिक योगदान दिया है। प्रोफेसर ए.के. प्रधान के समूह (सीजीएमसीपी) के शोध कार्य ने सीएमएस-आधारित और जीएम-आधारित उत्पादक संकरों के विकास का नेतृत्व किया, बेहतर गुणवत्ता और श्वेत जंग प्रतिरोध के साथ कई शुद्ध लाइनें और हेटरोसिस प्रजनन के लिए कुछ आशाजनक संयोजनों की पहचान, और ब्रैसिका जीनोम का अनुक्रमण। प्रयोगशाला ने सात महत्वपूर्ण तिलहन सरसों लाइनों के जीनोम का अनुक्रम किया है जो महत्व के कुछ लक्षणों के लिए उम्मीदवार जीन की पहचान करने में मदद करेगा और महत्वपूर्ण क्यूटीएल और जीन के विविधीकरण में भी मदद करेगा। थेल्मा लैब के शोध हाइलाइट्स में शामिल हैं: i) पार्किंसंस रोग के मेंडेलियन रूपों के लिए ज्ञात जीन में पहली बार एक्सोम-वाइड म्यूटेशन स्पेक्ट्रम प्रदान करना; ii) सेकेल सिंड्रोम में सीईएनपीजे में एक गहरे इंट्रोनिक संस्करण के हाइपोमॉर्फिक प्रभाव का प्रदर्शन; iii) सिज़ोफ्रेनिया में मामूली प्रभाव के जीन के संचयी योगदान के लिए आनुवंशिक साक्ष्य प्रदान करना; और iv) संधिशोथ के लिए दो उम्मीदवार प्रोटीन के लिए निरोधात्मक अणुओं का डिजाइन और विकास। प्रोफेसर एम.वी. राजम के काम ने टमाटर में वायरल और फंगल रोगजनन में शामिल कई जीनों की पहचान और लक्षण वर्णन किया है; और टमाटर, बैंगन और फूलगोभी के कीटों के कायापलट, और इन जीनों के आरएनएआई-मध्यस्थता साइलेंसिंग का उपयोग करके, उन्होंने फसल सुरक्षा के लिए अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। प्रोफेसर पी.के. बर्मा के समूह ने अरबिडोप्सिस थालियाना से टेपेटम विशिष्ट प्रमोटर ए 9 का विश्लेषण किया है, जिसके कारण प्रमोटर के विनियमन में शामिल प्रतिलेखन कारकों की पहचान हुई। प्रोफेसर सुरजीत सरकार के समूह के शोध निष्कर्षों ने ड्रोसोफिला ग्लोबिन 1 रोगजनन की मानव तौपथियों की भूमिका की सूचना दी है। इसके अलावा, पहली बार उन्होंने प्रदर्शित किया है कि ग्लिपीज़ाइड, एक एफडीए अनुमोदित एंटी-डायबिटिक दवा को न्यूरोडीजेनेरेटिव पॉली (क्यू) विकारों के खिलाफ एक प्रभावी उपचार रणनीति के रूप में पुनर्निर्मित किया जा सकता है। प्रोफेसर जाग्रीट कौर के समूह ने अल्टरनेरिया ब्रासिका के प्रतिरोध में अंतर्निहित आनुवंशिक वास्तुकला को उजागर करने के लिए भौगोलिक रूप से विविध अरबिडोप्सिस परिग्रहण (140 परिग्रहण) के सेट का उपयोग किया है, जो संभावित रूप से प्रतिरोधी फसलों को विकसित करने में मदद कर सकता है। प्रोफेसर तपस्या श्रीवास्तव के समूह ने ग्लियोमास में एपिजेनेटिक विनियमन पर हमारी चल रही परियोजना पर काम करना जारी रखा। समूह ने गैस्ट्रिक कैंसर और ग्लियोमास की शुरुआत और प्रगति में अपनी भूमिका के लिए एक विशिष्ट जीन सीएनआईएएच1पर भी जांच की है। समूह ने एफआईएएस के भीतर और बाहर सहयोग को बढ़ावा दिया है-जिसके परिणामस्वरूप एक प्रकाशन भी हुआ है। प्रोफेसर श्रीवास्तव के समूह ने एम्स में अपने सहयोगियों के साथ तरल बायोप्सी और सीटीडीएनए पर काम शुरू किया है।

डॉ. कौस्तुव दत्ता के समूह ने माइटोकॉन्ड्रियल राइबोसोम में नए जीटीपीस की पहचान की है जो संभावित रूप से एटीपी/एडीपी अनुपात में परिवर्तन का प्रत्युत्तर देते हैं और श्वसन कार्यों को करने के लिए सेलुलर क्षमता को नियंत्रित करते हैं। डॉ. अरुणा देवी नोरेम का समूह डी. डिसोइडियम में विकास प्रक्रियाओं में नियामक प्रोटीन जैसे पीपीआईएएस-परवुलिन, वी फैमिली किनेसेस आदि की भूमिका को समझने की दिशा में काम कर रहा है। उनका समूह प्रोटीन में एकल अमीनो एसिड दोहराव के महत्व की भी जांच कर रहा है। उसके समूह ने इस जीव के विकास और विकास में कई प्रक्रियाओं को विनियमित करने में डी. डिसोइडियम पिना, एक परवुलिन के लिए सबूत दिखाए हैं।

प्रकाशन

शोध-लेख

अग्रवाल, पी., थपलियाल, डी., और सरकार, एस. (2022)। दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के ड्रोसोफिला मॉडल का अतीत और वर्तमान। जर्नल ऑफ़ न्यूरोसाइंस मेथड्स, 371

निशा, और सरकार, एस. (2022)। ग्लोब 1 का डाउनरेगुलेशन हेटरोक्रोमैटिन हानि को प्रतिबंधित करके और ड्रोसोफिला में ऑटोफैजिक प्रतिक्रिया को बढ़ाकर मानव ताऊ मध्यस्थता न्यूरोटॉक्सिसिटी को कम करता है। मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स, 49 (7), 6581-6590.

चोंगथम, जे., पांडे, एन., शर्मा, एलके, मोहन, ए., और श्रीवास्तव, टी. (2022)। ROS1-DCBLD1 लोकस में SNP rs9387478 भारतीय आबादी में फेफड़ों के कैंसर के जोखिम और खराब उत्तरजीविता से महत्वपूर्ण रूप से जुड़ा हुआ है। एशियाई पैसिफ़िक जर्नल ऑफ़ कैंसर प्रिवेंशन, 23 (10), 3553-3561.

शुक्ला, पी., देसवाल, डी., पंडित, एम., लता, एन., महाजन, डी., श्रीवास्तव, टी., और नरूला, ए. के. (2022)। "संभावित एंटिफंगल दवा उम्मीदवार के विकास के लिए टॉस्मिक टेथर्ड इमिडाज़ो [1,2-ए] पाइरीडिन यौगिकों की खोज"। ड्रग डेवलपमेंट रिसर्च, 83 (2), 525-543.

टंडन, एस., और सरकार, एस. (2023)। "ग्लिपीजाइड" ड्रोसोफिला रोग मॉडल में इंसुलिन सिग्नलिंग को अपग्रेड करके मानव पॉली (क्यू) मध्यस्थता न्यूरोटॉक्सिसिटी को बेहतर बनाता है". बायोकैमिकल एंड बिओफिसिकाल रिसर्च कम्युनिकेशन्स, 645, 88-96.

वर्मा, आर., सेकर, एच., मंडल, एस., और कौर जे. (2023)। ब्रैसिका जंसिया वर वरुण में अरबिडोप्सिस एनपीआर 1 (एटीएनपीआर 1) की अभिव्यक्ति स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम और अल्टरनेरिया ब्रैसिका के खिलाफ महत्वपूर्ण प्रतिरोध प्रदान करती है। फिजियोलॉजिकल एंड मॉलिक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी, 126(12)

पांडे, एन., चौंगथम, जे., पाल, एस., अली, ए., लालवानी, एस., जैन, डी., मोहन, ए., और श्रीवास्तव, टी. (2023)। जब "नो-स्मोकिंग" पर्याप्त नहीं है: हाइपोक्सिया और निकोटीन एसिटाइलकोलाइन रिसेप्टर

सिग्नलिंग कभी-धूम्रपान करने वालों में फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा प्रगति को चला सकता है। बायोचिमिका एट बायोफिजिका एक्टा (बीबीए)-मॉलिक्यूलर सेल रिसर्च।

पुस्तकों में अध्याय

प्रगति, टंडन, एस., अक्सा, अग्रवाल, पी., सरकार एस. (2022)। ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर: ग्लियल अनुसंधान के लिए एक बेदाग मॉडल। *आई. पेट्रो, पी.सेठ, एन.पेट्रो & पी.एन. टंडन (एड्स), द बायोलॉजी ऑफ ग्लिअल सेल: रीसेंट एडवांसेज,* (पृष्ठ 679-718)। स्प्रिंगर नेचर।

कौर, जी., राजाराममोहन, एस., कुमार, एस., वर्मा, आर., कौर, जी., कौर, जे., गजभिये, एस., दीक्षित, एस. और कौर, जे. (2022)। गेनोमिक डिजाइनिंग फॉर बायोटिक स्ट्रेस रेसिस्टेंट ऑइलसीद क्रॉप, (pp.215-264)। स्प्रिंगर चाम।

पंत, पी., हम्सा, एस., और कौर, जे, (2022)। एडवांसेज इन ब्रीडिंग स्ट्रेटेजीज फॉर इम्प्रोविंग स्ट्रेस टॉलरेंस इन ब्रस्सिकास, (पृष्ठ 439-469)। स्प्रिंगर चाम।

श्रीवास्तव, टी., (2022)। ऑर्गेनेल हेरीडिटी एंड एपिआनुवांशिकी कॉन्सेप्ट्स इन आनुवांशिकी: (बीबीसीसीटी-117), इग्नू.

श्रीवास्तव टी. (2022)। स्ट्रक्चर ऑफ़ डीएनए: (बीबीसीसीटी-117) जीन आर्गेनाइजेशन, रेप्लिकेशन एंड रिपेयर, इग्नू।

श्रीवास्तव टी. (2022)। जीन एंड जेनोमिक आर्गेनाइजेशन II: (बीबीसीसीटी-117) जीन आर्गेनाइजेशन, रेप्लिकेशन एंड रिपेयर, इग्नू।

अनुसंधान परियोजनाएं

एसईआरबी, 03.02.2023 - 02.02.2026, विकासात्मक प्रक्रियाओं में प्रोलिल आइसोमेराइजेशन की भूमिका: एक मॉडल जीव के रूप में डिक्टियोस्टेलियम डिकोइडियम का उपयोग करते हुए एक अध्ययन, 42.83 लाख।

एसईआरबी-एसपीजी, 2022-2025, ल्यूकेमिया के भेदभाव और विकास को विनियमित करने में हाइपोक्सिया की भूमिका की जांच, 40.80 लाख।

एमआरपी-आईओई, 2022-2025, एक अनुदैर्ध्य मल्टीसिस्टम अध्ययन में लॉन्ग-कोविड सीक्वेल से जुड़े आनुवांशिकी प्रेडिक्टिव रिस्क फैक्टर्स की जांच, 22.79 लाख।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

डॉ. सुप्रिया जी प्रशांत, "प्रोफेसर और प्रमुख, सेल और विकासात्मक जीवविज्ञान विभाग, इलिनोइस विश्वविद्यालय, उरबाना-शैंपेन", आनुवांशिकी विभाग, यूडीएससी (पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला), जीनोम स्थिरता के तंत्र, 30-06-2022

डॉ. नवनीत कौर मथारू, बायोइंजीनियरिंग और चिकित्सीय विज्ञान यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन फ्रांसिस्को, और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में इनोवेटिव जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट में महिला उद्यमी फेलो, आनुवांशिकी विभाग, यूडीएससी (पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला), आनुवंशिक विकारों के इलाज के लिए जीन विनियमन को संशोधित करना, 06-07-2022

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. अरुणा नोरेम ने 19-20 अगस्त, 2022 के दौरान केरल के आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम में चौथी बायोग्रुप-इंडिया बैठक में एक सत्र में भाग लिया और अध्यक्षता की।

प्रो. जाग्रित कौर-अल्टरनेरिया ब्रासिका के लिए अरबिडोप्सिस प्रतिक्रिया के आणविक तंत्र में ट्रांसक्रिप्टोमिक अंतर्दृष्टि: एफएस बायो 2023; आईआईएसईआर टीआरवी

प्रो. जाग्रित कौर-अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन बीएचयू 2023

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर टी. श्रीवास्तव- लैक्टोफेरिन पर काम के लिए प्रोफेसर सुजाता शर्मा, एम्स के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य; सीटीडीएनए और तरल बायोप्सी पर काम के लिए डॉ. आशुतोष मिश्रा, आईआरसीएच-एम्स के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य।

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

निवर्तमान एम.एससी. और पीएच.डी. छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में क्रमशः उच्च शिक्षा, पीएच.डी. और पोस्ट-डॉक्टरल शोध कार्य का विकल्प चुना।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

डॉक्टर अरुणा नाओरेम ने "महिलाओं के नेतृत्व वाले नवाचार और आर्थिक डॉ. के लिए उद्योग-अकादमिक सहयोग" नामक सत्र के लिए एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। अरुणा नोरेम पूर्वोत्तर भारत में विकास" 29 मार्च, 2023 को मिरांडा हाउस में उत्तर पूर्व क्षेत्रीय अनुसंधान और संसाधन केंद्र, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, नॉर्थ कैंपस द्वारा 28-29 मार्च, 2023 तक आयोजित पूर्वोत्तर भारत में स्थिरता, नवाचार और उद्यमिता पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉक्टर अरुणा नोरेम ने 16 नवंबर, 2022 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा के आनुवांशिकी विभाग में "डिस्टोस्टेलियम डिस्कॉइडियम-एक आशाजनक मॉडल जीव" पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. सुरजीत सरकार-विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने फरवरी 2023 में लैब का दौरा किया।

प्रो. तपस्या श्रीवास्तव ने एफआईएएस सम्मेलन संगोष्ठी श्रृंखला की मेजबानी की।

प्रोफेसर तपस्या श्रीवास्तव-गार्गी कॉलेज के छात्रों के लिए आणविक और कैंसर जीव-विज्ञान 15 अक्तूबर 2022 को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रो. तपस्या श्रीवास्तव- 26 नवंबर 2022 को वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए एसीबीआई विज्ञान चौपाल विज्ञान आउटरीच कार्यक्रमआयोजित किया गया।

संकाय की संख्या - 6+3
प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या -11
प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या - 1

***

सूक्ष्मजीव-विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ:

माइक्रोबायोलॉजी विभाग बुनियादी के साथ-साथ ट्रांसलेशनल अनुसंधान भी करता है। प्रोफेसर स्वाति साहा की प्रयोगशाला *लीशमैनिया* डीएनए जीव विज्ञान से जुड़ी घटनाओं की जांच करती है। पिछले एक वर्ष में उनकी प्रयोगशाला ने जीन विनियमन में एपिजेनेटिक भूमिका निभाने के लिए कई प्रोटीनों की भूमिका को उजागर करने की दिशा में काम किया है। ये प्रोटीन प्रतिलेखन और डीएनए की मरम्मत के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करने के लिए पाए गए हैं। प्रोफेसर राजीव कौल प्रयोगशाला ने एक अध्ययन किया जिसमें मवेशियों के बीओएलए, डीआरबी 3 और बीओएलए जीन में तीन बहुरूपी साइटों की पहचान की गई, जो पैर और मुंह की बीमारी (एफएमडी) के साथ हाल के संक्रमण के साक्ष्य के साथ सहसंबद्ध हैं, जो एफएमडीवी संक्रमण के लिए टीकाकरण वाले जानवरों की संवेदनशीलता निर्धारित करने में उनकी भूमिका का संकेत देते हैं। टीका लगाए गए जानवरों में संक्रमण की घटना कुछ बीमारियों में अच्छी तरह से जानी जाती है और इसे सफलता संक्रमण कहा जाता है। गोजातीय का प्रमुख हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स (MHC) यानी बोवाइन ल्यूकोसाइट एंटीजन (BoLA) एंटीजन प्रस्तुति के लिए महत्वपूर्ण है। एलील, जो कक्षा II एंटीजन में बीटा श्रृंखला के लिए कोड करता है, का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है जहां हमने मेजबान के BoLA DRB3 और BoLA जीन अनुक्रमों में बहुरूपता और टीकाकरण वाले जानवरों में सफलता FMDV संक्रमण के साथ उनके संबंध की जांच की। डॉ. विजय के. वर्मा प्रयोगशाला लगातार संक्रमण के आणविक तंत्र की खोज के क्षेत्र में काम करती है जो मानव रोगज़नक़ *हेलिकोबैक्टर पाइलोरी* में स्पर्शोन्मुख मेजबान रोगज़नक़ सह-अस्तित्व से गुजरती है। वे *एच पाइलोरी* में मौजूद विभिन्न विषाक्त पदार्थों और रोगजनन में उनकी भूमिका पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हाल ही में, प्रयोगशाला ने *एच. पाइलोरी* जीनोम में कई विष-एंटीटॉक्सिन जोड़े की उपस्थिति की खोज की है। प्रोफेसर वाई. पी. खासा

प्रयोगशाला का काम *ई. कोलाई* और *पिचिया पास्टोरिस* अभिव्यक्ति मेजबानों में पुनः संयोजक उत्पाद विकास पर केंद्रित है। प्रयोगशाला घुलनशील रूप में विषम प्रोटीन की उत्पादन लागत को कम करने के लिए लागत प्रभावी सूमो प्रोटीज तकनीक विकसित कर रही है। वे एचटीएनएफ-α के खिलाफ एकल श्रृंखला एंटीबॉडी उत्पादन के लिए बायोप्रोसेस का विकास और अनुकूलन भी कर रहे हैं। डॉ. पौ बियाक सांग की प्रयोगशाला कैंडिडा ग्लबराटा में डीएनए मरम्मत प्रोटीन और रोगजनन में इसके महत्व पर काम कर रही है। उनकी प्रयोगशाला रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने के लिए विधियों की खोज पर भी काम कर रही है।

प्रकाशन

शोध-लेख

गुलाटी, पी., सिंह, ए., गोयल, एम., और साहा, एस. (2023)। एक्सट्रीमोफाइल पिक्रोफिलस टॉरिडस में डीएनए एडेनिन मिथाइलेज़ M.Ptol होता है जो टाइप I प्रतिबंध संशोधन प्रणाली का हिस्सा है। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, 14

त्यागी, आर., पॉल, सी., बनर्जी, जे., कौल, आर., और बनर्जी एस. (2022)। गैस्ट्रिक सूजन और कैंसर के साथ वायरस एसोसिएशन: एक अद्यतन अवलोकन। *जर्नल ऑफ़ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शस डिसीसेस,* 10 (4), 163-178.

कुमार, ए., आलम, एम.एस., हामिद, एच., चुघ, वी., टिकला, टी., कौल, आर., धूलप, ए., और शर्मा, एसके (2023)। "उत्तेजक रोधी 1, 2, 3- त्रिअजोलीलप्यररोलोबेंज़ोडिअज़ेपिनोने डेरिवेटिव का डिजाइन और संश्लेषण और COX-2 चयनात्मक लक्ष्यीकरण पर आणविक संरचना का प्रभाव"। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1272

कश्यप, ए., सैनी, के., सैनी, एम., खासा, वाई.पी., और गुप्ता, आर. (2023) मेथिलोलेट से मेथनॉल की निरंतर रिहाई के लिए लाइपेज जीन के जीनोमिक एकीकरण के माध्यम से एक पिचिया पास्टोरिस अभिव्यक्ति मंच का विकास। *प्रेपरेटिव बायोकेमिस्ट्री & बायोटेक्नोलॉजी,* 53 (1), 64-75.

बब्बल, मोहंती, एस., डब्बुरु जीआर, कुमार, एम., और खासा, वाईपी (2022)। "ई कोलाई में स्किज़ोसैक्रोमाइसेस पोम्बे से सूमो प्रोटीज़ की विषम अभिव्यक्ति: उत्प्रेरक डोमेन पहचान और उत्पाद पैदावार का अनुकूलन"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 209, 1001-1019.

डागर, वी.के., बब्बल, मोहंती। एस., और खासा, वाईपी (2022)। "पिचिया पास्टोरिस में पुनः संयोजक मानव इंटरल्यूकिन -3 (एचआईएल -3) के स्राव, स्थिरता और जैविक गतिविधि पर एन-ग्लाइकोसिलेशन का प्रभाव"। *3 बायोटेक*, 12 (9), 221

गुप्ता, एन., बेहरा, डी.के., प्रजापति, वी.के., और वर्मा, वीके (2022)। मानव रोगज़नक़ हेलिकोबैक्टर पाइलोरी से टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन सिस्टम की खोज के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण: एक जहर और इसका एंटीडोट जीनोम में समझाया गया। *लाइफ साइंसेज*, 288

पाठक, वीएम, वर्मा, वीके, रावत, बीएस, कौर, बी., बाबू, एन., शर्मा, ए., देवाली, एस., यादव, एम., कुमारी, आर., सिंह, एस., महापात्र, ए., पांडे, वी., राणा, एन., और क्यूनिल, जेएम (2022)। पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य पर कीटनाशक प्रभाव की वर्तमान स्थिति और यह बायोरेमेडिएशन के रूप में पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन है: एक व्यापक समीक्षा। *फ्रंट माइक्रोबायोल*, 13

गुप्ता, एन., कुमार, ए., और वर्मा, वीके (2023)। "एक परिपक्व बायोफिल्म गठन के लिए गैस्ट्रिक रोगज़नक़ हेलिकोबैक्टर पाइलोरी द्वारा अपनाई गई रणनीतियाँ: एक दूरदर्शी उपचार के रूप में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स"। *माइक्रोबायोलॉजिकल रिसर्च*, 273

पुस्तक-अध्याय

सिन्हा, के., संग पीबी, शर्मा, पी. और जायसवाल, आरके (2023)। " डीएनए रेप्लिकेशन स्ट्रेस एंड जीनोम इंस्टैबिलिटी इन ब्रैस्ट कैंसर"। पी. केंड्रेकर, वी. आदिमुले और टी. हर्स्ट (सं.) में, ड्रग एंड थेरेपी डेवलपमेंट फॉर ट्रिपल नेगेटिव ब्रैस्ट कैंसर, (पृष्ठ 35-64)।

अनुसंधान परियोजनाएं

बीआईआरएसी द्वारा प्रायोजित बायोनेस्ट कार्यक्रम "बायोइनक्यूबेशन के माध्यम से नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना" माइक्रोबायोलॉजी विभाग को प्रदान किया गया। 2020-2023. पीआई प्रो. स्वाति साहा, 444.67 लाख रुपये।

एसईआरबी, लीशमैनिया डोनोवानी में एसईटी डोमेन प्रोटीन एसईटी2 और एसईटी3 की विशेषता। 2020-2023. प्रो. स्वाति साहा, 58.1 लाख रुपये।

डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "प्रोटोजोआ परजीवी *लीशमैनिया डोनोवानी* में एसईटी डोमेन प्रोटीन एसईटी 2 और एसईटी 3 की कार्यात्मक भूमिका की विशेषता" 14-फरवरी-2020 से 13-फरवरी-2023 तक शुरू हुई। कुल खर्च: 58.08 लाख रुपये।

23-अगस्त-2022 से 22-अगस्त-2025 तक शुरू होने वाले "प्रोटोजोआ लीशमैनिया डोनोवानी में डीएनए प्रतिकृति में शामिल परजीवी-विशिष्ट प्रोटीन की पहचान करने की ओर" शीर्षक वाली डीबीटी वित्त पोषित परियोजना। कुल खर्च: 68.99 लाख रुपये।

डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "एंटीबॉडी इंजीनियरिंग केंद्र: सेंटर फॉर इम्यूनो-डायग्नोस्टिक्स/थेरेप्यूटिक्स विनियरिंग टेक्नोलॉजीज (सिवेट)" 03-मार्च-2022 से 02-मार्च-2025 तक शुरू हो रहा है। कुल लागत: 1.87 करोड़। पीआई: प्रो. राजीव कौल, सह-पीआई: प्रो. वाईपी खासा।

डीबीटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "डेयरी पशुओं में नैदानिक चिकित्सीय उपयोग के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोधी मास्टिटिस रोगज़नक़ के खिलाफ विशिष्ट एकल डोमेन एंटीबॉडी (एसडीएबीएस)"

11-मार्च-2022 से 10-मार्च-2025 तक शुरू होना। कुल लागत: 59.6 लाख। पीआई: प्रो. राजीव कौल, सह-पीआई: प्रो. वाई.पी.खासा।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

कोविड-19: पूरे जीनोम अनुक्रमण और रैपिड परीक्षणों के माध्यम से SARS-CoV-2 वेरिएंट को ट्रैक करना। वक्ता: डॉ. सुभाष वर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ नेवादा रेनो, यूएसए से, 25 जुलाई 2022 को आयोजित।

एम. तपेदिक द्वारा नियोजित उत्तरजीविता रणनीति को चित्रित करते हुए, अध्यक्ष: विनय नंदीकूरी, 27 फरवरी 2023 को आयोजित।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

स्वाति साहा (2023)। "*लीशमैनिया डोनोवानी* एसईटी 1 प्रोटीन एक ऑक्सीडेटिव वातावरण में सेल की प्रतिक्रिया की मध्यस्थता में एक भूमिका निभाता है". विकास और रोग के जीव विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, बीएचयू, वाराणसी, भारत (20- 22 जनवरी, 2023) में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान।

स्वाति साहा (2023)। "*रोल ऑफ़ एकेडेमिया इन सपोर्टिंग इन्क्यूबेशन ऑफ़ जुवेनाइल टेक्नोलॉजीज: द वे फॉरवर्ड* "। 'जैव उद्यमिता: उद्योग के लिए शिक्षा' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। (23-24 फरवरी, 2023)।

राजीव कौल. 2023. मेजबान-रोगज़नक़ बातचीत के सार्वभौमिक सिद्धांतों की पहचान करना: मॉर्बिलिवायरस से सबक। 18-अप्रैल-2023 को दिल्ली में माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'करंट ट्रेंड्स इन माइक्रोबायोलॉजी' पर संगोष्ठी में आमंत्रित भाषण दिया।

राजीव कौल और रश्मि सिंह। 2023. रोगाणुरोधी प्रतिरोध के लिए चिकित्सीय: अतीत से सबक और भविष्य के लिए निहितार्थ। 10 फरवरी, 2023 को 'पशुधन और कुक्कुट में एएमआर का मुकाबला करना: निगरानी, निदान और चिकित्सा विज्ञान में हालिया प्रगति', पशु चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, लुवास, हिसार, हरियाणा पर 35$^{वें}$ आईसीएआर-सीएएफटी पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित वार्ता।

राजीव कौल। 2023. मेजबान-रोगज़नक़ बातचीत के सार्वभौमिक सिद्धांतों की पहचान करना: मॉर्बिलिवायरस से सबक। 07 फरवरी, 2023 को बीसीएएस कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी सोसाइटी द्वारा आयोजित माइक्रोक्वेस्ट-2023 में आमंत्रित भाषण दिया।

डॉ. विजय के. वर्मा (2023) ने बीएमए हाउस, लंदन (6-8 मार्च 2023) में आयोजित वैलिडेट नेटवर्क, जेनर इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूके द्वारा आयोजित " वैलिडेट 5$^{वीं}$ वार्षिक बैठक और एक दिवसीय प्रारंभिक कैरियर कार्यशाला" में भाग लिया।

डॉ. विजय के. वर्मा (2022) ने सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), मानव संसाधन विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित यूजीसी द्वारा प्रायोजित एक यूजीसी प्रायोजित अल्पकालिक पाठ्यक्रम "रिसर्च मेथडोलॉजी" पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया। (14-20 अक्तूबर 2022)।

डॉ. विजय के. वर्मा (2022) ने ला जोला इंस्टीट्यूट फॉर इम्यूनोलॉजी, सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, यूएसए (26-28 अक्तूबर 2022) द्वारा आयोजित "2022 आईईडीबी वर्चुअल यूजर वर्कशॉप" में भाग लिया। (ऑनलाइन मोड)

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

दो एम.एससी छात्रों ने औद्योगिक नौकरी का विकल्प चुना और 10 एम.एससी छात्रों ने उच्च शिक्षा (पीएच.डी.) की तैयारी की और 2 पीएच.डी. छात्रों ने औद्योगिक नौकरियों (पोस्ट-डॉक्टरेट, उद्योग नौकरी आदि) का विकल्प चुना।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विभाग ने कॉलेज के छात्रों के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं में छात्रों को बुनियादी आणविक जीव विज्ञान तकनीकों, पशु कोशिका संस्कृति तकनीकों, किण्वन प्रौद्योगिकी, और एचपीएलसी के उपयोग में प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। इन कार्यशालाओं के तहत कुल 70 छात्रों को प्रत्यक्ष व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

संकाय संख्या - 5
प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या - 3

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग बीआईआरएसी-वित्त पोषित बायोनेस्ट कार्यक्रम चलाता है और एक जैव-इनक्यूबेटर स्थापित किया है जहां स्टार्ट-अप अपनी किशोर प्रौद्योगिकियों को इनक्यूबेट कर सकते हैं।

***

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ:

विभिन्न विषयों और विषयों जैसे में परीक्षण और मापन, खेल में मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप, स्वास्थ्य संबंधी फिटनेस मूल्यांकन, शारीरिक शिक्षा में वर्णनात्मक अनुसंधान, योगिक प्रथाओं के फिजियोलॉजी और अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पर संगोष्ठी आयोजित किए गए।

प्रकाशन
शोध-लेख

प्रतिक्रिया समय पर योग के प्रभाव पर एक मेटा-विश्लेषण, *साउथ जर्नल ऑफ़ सोशल साइंसेज,* 1, 10, 6-14, 21

चंद, सी., कटियार, वीके, और शॉ, डी., (2022), पोस्ट ट्रेनिंग रिकवरी एंड योग: ए कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू, *जर्नल ऑफ द ओरिएंटल इंस्टीट्यूट*, 4, 71, 108-114, 20

गाजियाबाद जिले में कोविड-19 (लहर-III) महामारी के दौरान मास्क पहनने के प्रति कॉलेज के छात्रों के रवैये की स्थिति का विश्लेषण करने के लिए एक सर्वेक्षण अध्ययन, *जर्नल ऑफ हेल्थ एंड स्पोर्ट्स साइंसेज*, 1, 16, 8-16, 12

रावत, एस., चंद, सी., और शॉ, डी. , (2023), हार्मोनल कार्यों पर योग प्रथाओं का प्रभाव (एक मेटा-विश्लेषण), *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च*, 3, 15, 23979-23982, 18

पुस्तक-अध्याय

सह-लेखक, (2023), फिजिकल एजुकेशन कीय लर्निंग फॉर कॉम्पिटिटिव एक्साम्स, *कर्नाटक*, सेल्फ़पेज डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, 978-93-5747-058-2, 1-330

काइन्सियोलॉजी ऑफ़ एक्सरसाइजेज विथ एपरेटस, *दिल्ली*, खेल साहित्य केंद्र , 978-93-93393-23-4, 1-274

प्रथम लेखक, (2022), काइन्सियोलॉजी ऑफ फ्रीहैंड एक्सरसाइज, *नई दिल्ली*, खेल प्रकाशन, 978-93-93781-42-0, 1-20

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

प्रो. धनंजय शॉ, प्रमुख, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, एनए, टेस्ट और मेजरमेंट, 02-08-2023

प्रो. धनंजय शॉ, प्रमुख, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, एनए, खेल में मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप, 02-08-2023

प्रो. धनंजय शॉ, प्रमुख, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, एनए, युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी फिटनेस आकलन, 04-08-2023

प्रो. धनंजय शॉ, प्रमुख, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, एनए, शारीरिक शिक्षा में वर्णनात्मक अनुसंधान, 08-08-2023

प्रो. धनंजय शॉ, प्रमुख, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, एनए, योग प्रथाओं के फिजियोलॉजी, 11-08-2023

प्रो. धनंजय शॉ, प्रमुख, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, एनए, अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता, 27-08-2023

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

शारीरिक शिक्षा और व्यायाम विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-आईसीपीईएसएस 2023 22 से 24 मार्च 2023 तक आयोजित, प्रो. धनंजय शॉ ने एक संसाधन व्यक्ति और अध्यक्ष के रूप में कार्य किया

संकाय संख्या - 7

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या - 20

***

पादप आणविक जीव-विज्ञान विभाग

संक्षिप्त विवरण

पादप आणविक जीव-विज्ञान विभाग (पीएमबी) की स्थापना 1988 में अंतःविषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के संकाय के तहत की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य पादप जीव विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में छात्रों की जरूरतों को पूरा करना और पादप जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के आणविक पहलुओं में उन्नत अनुसंधान को प्रेरित करना था। उसी वर्ष, इसने यूनिट फॉर प्लांट सेल एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी को शामिल किया, जो मूल रूप से डीएसटी द्वारा स्थापित एक पहल थी।

विभाग की वृद्धि और विकास को विभिन्न अनुदानों के माध्यम से बहुत समर्थन दिया गया था। विशेष रूप से, 1990 और 1995 के बीच यूजीसी द्वारा कोसिस्ट अनुदान, इसके बाद 2002 से 2012 तक अपने DRS चरण I और चरण II कार्यक्रमों के तहत विशेष सहायता के लिए विभाग की मान्यता, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए।

वर्षों से, विभाग को सम्मानित शिक्षाविदों द्वारा संचालित किया गया है। विशेष रूप से, प्रोफेसर एससी माहेश्वरी (1988-1992), प्रोफेसर अखिलेश के. त्यागी, प्रोफेसर जितेंद्र पी. खुराना, प्रोफेसर परमजीत खुराना, प्रोफेसर अनिल ग्रोवर, प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता, प्रोफेसर मदन मोहन और प्रोफेसर संजय कपूर (2022 से प्रमुख के रूप में सेवारत) ने विभाग के प्रमुखों के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विभाग के अनुसंधान प्रयासों को डीबीटी द्वारा "सेंटर फॉर प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी" और "सीक्वेंसिंग, जीन डिस्कवरी एंड फंक्शन पर जीनोम इनिशिएटिव" जैसे प्रमुख अनुदानों द्वारा महत्वपूर्ण रूप से समर्थित किया गया है। इसके अलावा, कई अन्य उल्लेखनीय संगठनों जैसे डीएसटी, यूजीसी, यूरोपीय आयोग और रॉकफेलर फाउंडेशन से प्राप्त हुए हैं। अपनी स्थापना के बाद से, संकाय का काम लगभग 900 प्रकाशनों में समाप्त हुआ है, और कई पेटेंट दायर किए गए हैं। बहु-संस्थागत और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं में संकाय की भागीदारी ने लगातार इस विभाग की विशेषता बताई है, जो वैश्विक वैज्ञानिक विनिमय और अनुसंधान सहयोग के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर देती है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग ने पादप विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसने चावल, टमाटर और गेहूं पर वैश्विक जीनोम अनुक्रमण प्रयासों में भाग लिया और महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभाग अजैविक तनाव सहिष्णुता, विशेष रूप से गर्मी, आसमाटिक और सूखा सहिष्णुता पर अपने शोध के लिए जाना जाता है। इसने कई उम्मीदवार जीनों की खोज की है जो कई विकास चरणों में तनाव लचीलापन प्रदान कर सकते हैं। विभाग फसलों में खनिज पोषक तत्वों की कमी से निपटने के प्रयासों का नेतृत्व कर

रहा है, जिसका उद्देश्य तनाव-सहिष्णु फसलों को बनाने के लिए जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है। चावल के कार्यात्मक जीनोमिक्स पर पीएमबी के नेतृत्व वाले बहु-संस्थागत डीबीटी-वित्त पोषित कार्यक्रम ने पुष्प संक्रमण, गैमेटोफाइट विकास और बीज विकास में शामिल कई जीनों के कार्यों का खुलासा किया है। चावल के कार्यात्मक जीनोमिक्स पर पीएमबी के नेतृत्व वाले बहु-संस्थागत डीबीटी-वित्त पोषित कार्यक्रम ने पुष्प संक्रमण, गैमेटोफाइट विकास और बीज विकास में शामिल कई जीनों के कार्यों का खुलासा किया है। टमाटर पकने पर शोध ने उन जीनों को उजागर किया है जो इसके शेल्फ-जीवन का विस्तार कर सकते हैं। वर्तमान में, पीएमबी टीम जटिल जीनोमिक नेटवर्क में गहराई से उतर रही है, यह स्पष्ट करती है कि कैसे विविध जीनोमिक तत्व सिंक्रनाइज़ करते हैं और विकास और पर्यावरणीय उत्तेजनाओं के असंख्य का जवाब देते हैं।

सम्मान/गौरव

प्रो. गिरधर के. पांडे को वर्ष 2023 में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) द्वारा दिया गया प्रो. श्री रंजन मेमोरियल पुरस्कार मिला।

प्रो. इंद्रनील दासगुप्ता ने वर्ष 2023 में आईएनएसए द्वारा दी गई आईएनएसए वरिष्ठ वैज्ञानिक फैलोशिप प्राप्त की ।

प्रोफेसर परमजीत खुराना को सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ व्हीट एंड जौ रिसर्च (SAWBAR) द्वारा वर्ष 2022 में दिया गया डॉ. एस. राजाराम उत्कृष्ट महिला वैज्ञानिक पुरस्कार-2022 मिला।

प्रकाशन

शोध-लेख

पाहुजा, एस., भेरी, एम., बिष्ट, डी., और पांडे, जीके (2023)। "एनपीके होमियोस्टेसिस अंतर्निहित कैल्शियम सिग्नलिंग घटक: अन्वेषण के लिए संभावित रास्ते". बायोकेमिकल जर्नल, 4, 480, 1015-1034।

सैनी, एलके, शर्मा, एम., रवि, बी., घोष, एस., पाहूजा, एस., सिंह, एन., और पांडे, जीके (2023)। E3 लीगेज युक्त ARM रिपीट/U-बॉक्स की अतिअभिव्यक्ति, PUB2 अरबिडोप्सिस में विकास और ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिक्रिया को सकारात्मक रूप से नियंत्रित करता है। *बायोकेमिकल जर्नल*, 4, 480, 555-571

भट, ईए, अली, टी., सज्जाद, एन., कुमार, आर., और ब्रॉन, पी. (2023)। ZIKV की संरचना, कार्यात्मक परिप्रेक्ष्य और रोगजनन में अंतर्दृष्टि: एक अद्यतन समीक्षा। *बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी*, 165

महतो, ए., यादव, ए., अश्वती, पी.वी., परिदा, एस.के., त्यागी, ए.के., और अग्रवाल, पी. (2023)। साइटोलॉजिकल, ट्रांसक्रिप्टोम और मिरनोम टेम्पोरल लैंडस्केप चावल के दाने के आकार में वृद्धि को डिकोड करते हैं। *बीएमसी बायोलॉजी*, 1 , 21

भूषण एस, सिंह एके, ठाकुर वाई, भास्कर आर. (2023)। "अरबिडोप्सिस में पीढ़ियों में दैहिक उत्परिवर्तन दर पर माता-पिता की उम्र के प्रभाव की दृढ़ता"। *बीएमसी प्लांट बायोलॉजी*, 1 , 23

प्रुस्टी, ए., शर्मा, एस., मलिक, एन., कपूर, एस., त्यागी, ए.के., (2023)। "पौधे की वृद्धि और विकास में बहु-प्रोटीन मध्यस्थ परिसर की कार्यात्मक बहुमुखी प्रतिभा"। *क्रिटिकल रिव्यू इन प्लांट साइंसेज*, 5 , 42 , 138-176

वर्मा, वी.,बूरा,एन., नायर, एस., कुमार, जी., थपलियाल, एस., अंकुर, एस., खुराना, आर., गवांडे, जी., कपूर, एम., कपूर, एस., (2023)। सीए 2+- कालमोडुलिन चावल के बीज-विशिष्ट एमएडीएस -बॉक्स ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर ओसमाड्स29 के परमाणु अनुवाद को नियंत्रित करता है। *फेब्स जर्नल*

कुमार, आर., घटक, ए., गोयल, आई., सरकार, एनके, वेकवर्थ, डब्ल्यू., ग्रोवर, ए., चतुर्वेदी, पी., (2023)। "चर तनाव शासनों के तहत विपरीत चावल जीनोटाइप के परागकोश में गर्मी से प्रेरित प्रोटिओमिक परिवर्तन"। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, एनए, 13

कुमारी, ए., शर्मा, डी., शर्मा, पी., वांग, सी., वर्मा, वी., पाटिल, ए., इमरान, एम., सिंह, एमपी, कुमार, के., परितोष, के., कैराजिया, डी., कपूर, एस., चंदेल, जी., ग्रोवर, ए., जगदीश, वीके, अग्रवाल एसके, और अग्रवाल, एम. (2023)। मेटा-क्यूटीएल और हाप्लो-फेनो विश्लेषण चावल में उच्च तापमान के तहत कम अनाज चॉकलेट से जुड़े बेहतर हैप्लोटाइप संयोजनों को प्रकट करते हैं। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 14

बालियान, एस., कंसल, एस., जाजो, आर., बेहेरे, पीआर, चटर्जी, आर., रघुवंशी, एस. (2023)। ऊतक-मध्यस्थता वाले सूखे के तनाव को चित्रित करते हुए संरक्षित mi आर408 और चावल में इसके लक्ष्यों की ट्यूनिंग नियंत्रित होती है। *फंक्शनल एंड इंटीग्रेटिव जेनोमिक्स*, 3, 23

चिथुंग, टीए, कंसल, एस., जाजो, आर., बालियान, एस., रघुवंशी, एस. (2023)। चावल पर विशेष ध्यान देने के साथ पौधों में miRNA जैवजनन मशीनरी के विकास को समझना. *फंक्शनल एंड इंटीग्रेटिव जेनोमिक्स*, 3, 23

कलाधर, वीसी, सिंह, वाई., नायर, एएम, कुमार, के., सिंह, ए.के., वर्मा, पीके (2023)। एक छोटा सिस्टीन युक्त कवक प्रभावक, BsCE66 गेहूं के पौधों पर द्विध्रुवी सोरोकिनियाना के विषाणु के लिए आवश्यक है। *फंगल आनुवांशिकी एंड बायोलॉजी*, 166

शर्मा, के., सिज़ोवा, आई., सान्याल, एसके, पांडे, जीके, हेगेमैन, पी., कटेरिया, एस. (2023)। "क्लैमाइडोमोनास रेनहार्डटी के इंटरएक्टोम और सूमोयलोम के मॉड्यूलेशन में चैनलरोडोप्सिन के साइटोप्लाज्मिक डोमेन की भूमिका को समझना"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 243

शर्मा, ए., समतानी, एच., साहू, के., शर्मा, ए.के., खुराना, जे.पी., खुराना, पी. (2023)। "पौधों की वृद्धि और विकास के नियमन में फाइटोक्रोम-इंटरैक्टिंग फैक्टर्स (पीआईएफ) के कार्य: एक व्यापक समीक्षा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 244

अहमद, आई., कुमार, ए., भेरी, एम., श्रीवास्तव, ए.के., पांडे, जीके (2023)। चैनलों की तरह ग्लूटामेट रिसेप्टर: पौधों में कैल्शियम मध्यस्थता सिग्नलिंग में उभरते खिलाड़ी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 234

सान्याल, एसके, शर्मा, के., बिष्ट, डी., शर्मा, एस., सुष्मिता, के., कटेरिया, एस., पांडे, जीके (2023)। "हरे शैवाल में अजैविक तनाव और प्रकाश सिग्नलिंग प्रतिक्रियाओं में कैल्शियम सेंसर प्रोटीन मॉड्यूल *सीबीएल-सीआईपीके की भूमिका"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 237

सान्याल, एसके, अवस्थी, एम., रंजन, पी., शर्मा, एस., पांडे, जीके, कटेरिया, एस. (2023)। क्लैमाइडोमोनास वोल्टेज-गेटेड कैल्शियम चैनल की विशेषता और फोटोरिसेप्टर के साथ इसकी बातचीत हरे शैवाल में वीजीसीसी मॉड्यूलेटेड फोटोबिहेवियरल प्रतिक्रिया का समर्थन करती है। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 245

गंभीर, पी., सिंह, वी., रघुवंशी, यू., परिदा, एपी, पारीक, ए., रॉयचौधरी, ए., सोपोरी, एसके, कुमार, आर., शर्मा, एके (2023)। एक ग्लूटाथियोन-स्वतंत्र डीजे-1/पीएफपीआई डोमेन-युक्त टमाटर ग्लाइक्सालेस III2, SlGLYIII2, नमक और आसमाटिक तनाव के तहत बढ़ी हुई सहनशीलता प्रदान करता है। *प्लांट सेल एंड एनवायरनमेंट*, 2, 46, 518-548.

शर्मा, ई., भटनागर, ए., भास्कर, ए., माजी, एसएम, कीफर, एम., केपिंस्की, एस., खुराना, पी., खुराना, जेपी (2023)। तनाव-प्रेरित एफ-बॉक्स प्रोटीन-कोडिंग जीन ओएसएफबीएक्स 257 चावल में सूखे तनाव अनुकूलन और एबीए प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। *प्लांट सेल एंड एनवायरनमेंट*, 2, 46, 1207-1231।

रवि, बी., फ़ोयर, सीएच, और पांडे, जीके (2023)। "अजैविक तनाव प्रतिक्रियाओं में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों (आरओएस) और कैल्शियम सिग्नलिंग का एकीकरण"। *प्लांट सेल एंड एनवायरनमेंट*, 2, 46, 1985-2006.

जैन, एन., खुराना, और पी., खुराना, जेपी (2023)। एटीटीएलपी 2 ट्यूबबी जैसा प्रोटीन है जो अजैविक तनाव संबंधी संकेतों में जटिल भूमिका निभाता है. *प्लांट सेल रिपोर्ट*, 5, 42, 235-252.

सिंह, एस., शर्मा, पी., मिश्रा, एस., खुराना, पी., और खुराना, जेपी (2023)। चावल का क्राई2जीन (ओरीज़ा सत्वा subsp. इंडिका) एक नीले प्रकाश संवेदी रिसेप्टर को एन्कोड करता है जो अंधेरे में फूलों, पौधे की

ऊंचाई और आंशिक फोटोमोर्फोजेनेसिस को विनियमित करने में शामिल है। *प्लांट सेल रिपोर्ट*, 5, 42, 73-89.

डावरे, ए., मलिक, ए., श्रीवास्तव, आर., दास, डी., एलूर, आरके, सिंह, ए.के., त्यागी, ए.के., और परिदा, एसके (2023)। राइस पैंजीनोम जीनोटाइपिंग ऐरे: चावल में पैनजीनोम-आधारित त्वरित आनुवंशिक सुधार के लिए एक कुशल जीनोटाइपिंग समाधान, *प्लांट जर्नल*, 3, 113, 26-46.

गंभीर, पी., रघुवंशी, यू., परिदा, एपी, कुजुर, एस., शर्मा, एस., सोपोरी, एसके, कुमार, आर., और शर्मा, एके (2023)। ऊंचा मिथाइलग्लॉक्सल स्तर एथिलीन जैवसंश्लेषण को रोकने के द्वारा टमाटर फल को पकने से रोकना. *प्लांट फिजियोलॉजी*, 2, 192, 2161-218.

ठाकरो, वी., मलिक, एन., बसु, यू., श्रीवास्तव, आर., नारनोलिया, एल., डावरे, ए., वार्ष्णेय, एन., मोहंती, जेके, बजाज, डी., द्विवेदी, वी., उपाध्याय, एच.डी., और परिदा, एसके (2023)। एब्सिसिक एसिड सिग्नलिंग में शामिल एक बेहतर जीन एलील चने में सूखा सहिष्णुता और उपज को बढ़ाता है। *प्लांट फिजियोलॉजी*, 1, 191, 1884-1912.

बब्बर, आर., तिवारी, एल.डी., मिश्रा, आर.सी., शिम्फ्रुई, आर., सिंह, ए.ए., गोयल, आई., राणा, एस., कुमार, आर., शर्मा, वी., त्रिपाठी, जी., सरकार, एन.के., और ग्रोवर, ए. (2023)। अरबिडोप्सिस पौधों गर्मी सदमे प्रोटीन एचएसपी 101 की अतिरिक्त प्रतियों ओवरएक्सप्रेस उच्च गर्मी सहिष्णुता और एंडो-जीन मौन दिखाया. *प्लांट साइंस*, 330

सिंह, आर., कुमार, के., पुरायानूर, एस., वर्मा, पीके (2023)। "चना गुणसूत्र 4 से जटिल क्षेत्रों के जीनोमिक्स-सहायता प्राप्त आनुवांशिकी से एस्कोचिटा ब्लाइट प्रतिरोध के लिए दो उम्मीदवार जीन का पता चलता है".*प्लांट साइंस*, 334

सिंह, एस., वर्गिश, एस., जैन, एन., शर्मा, ए.के., खुराना, पी., और खुराना, जेपी (2023)। ऑसक्रा2 और ओएसएफबीओ10 इंडिका चावल में फोटोमोर्फोजेनेसिस और फोटोपेरियोडिक फूलों को सह-विनियमित करते हैं। *प्लांट साइंस*, 330.

कुमार, आर., त्रिपाठी, जी., गोयल, आई., शर्मा, जे., तिवारी, आर., शिम्फ्रुई, आर., सरकार, एनके, ग्रोवर, ए. (2023)। "विभिन्न चावल परिग्रहण में चावल एचएसपी 100 जीन में जीनोमिक विविधताओं में अंतर्दृष्टि"। *प्लांटा*, 2 , 257

पसरीचा, एसएल, श्री, केएस, बोका, के., केरेस्ज़ेट्स, ए., फुच्स, जे., त्यागी, एके, खुराना, जेपी, और एपेनरोथ, केजे (2023)। लेम्ना गिब्बा जी 3 (लेम्नेसी) के एक सहज उत्परिवर्ती की विशेषता। *प्लांट्स*, 12 , 2525

चौधरी, सी., शर्मा, एन., और खुराना, पी. (2023)। "ब्रेड गेहूं (ट्रिटिकम एस्टिवम एल) में ऑक्स/आईएए और एआरएफ जीन परिवारों की जीनोम-वाइड पहचान। *प्रोटोप्लाज्मा*, 2, 260, 257-270।

शर्मा, एन., श्री, बी., खुराना, पी. (2023)। मायो-इनोसिटोल फॉस्फेट सिंथेज़ क्लोरोफिल सामग्री और प्रकाश संश्लेषक दक्षता के एथिलीन-मध्यस्थता मॉड्यूलेशन द्वारा गर्मी तनाव सहिष्णुता में सुधार करता है। *प्रोटोप्लाज्मा*, 2, 260, 1097-1107.

जैन, एन., खुराना, पी., और खुराना, जेपी (2023)। एक चावल ट्यूबी की तरह प्रोटीन-एन्कोडिंग जीन, ओएसएफबीटी 4 की अतिअभिव्यक्ति, अजैविक तनावों के प्रति सहिष्णुता प्रदान करती है। *प्रोटोप्लाज्मा*, 2, 260, 1063-1079।

सिंह, एसके, श्री, ए., वर्मा, एस., सिंह, के., कुमार, के., श्रीवास्तव, वी., सिंह, आर., सक्सेना, एस., सिंह, एपी, पांडे, ए., पांडे, ए., वर्मा, पीके (2023)। नेक्रोट्रॉफिक कवक एस्कोचिटा रबीई से परमाणु प्रभावक ArPEC25 चने के प्रतिलेखन कारक Caî²LIM1a को लक्षित करता है और लिग्निन जैवसंश्लेषण को नकारात्मक रूप से नियंत्रित करता है, जिससे मेजबान संवेदनशीलता बढ़ जाती है। *द प्लांट सेल*, 1, 35, 1134-1159.

गंभीर, पी., शर्मा, ए.के., और कुमार, आर. (2023)। डीजे-1 डी प्रोटीन के दो चेहरे। *ट्रेंड्स इन प्लांट साइंस।*

कुमार, आर., दासगुप्ता, आई. (2023)। "जेमिनीवायरल सी 4/एसी 4 प्रोटीन: पौधे की रक्षा के खिलाफ वायरल शस्त्रागार का एक उभरता हुआ घटक"। *वायरोलॉजी*, 579, 156-168.

नरेश, एम., पुरकायस्थ, ए., और दासगुप्ता, आई. (2023)। चावल टुंग्रो बेसिलिफॉर्म वायरस के साइलेंसिंग सप्रेसर प्रोटीन पीआरटी पौधे आरएनए साइलेंसिंग से संबंधित प्रोटीन एसजीएस 3 के साथ बातचीत करता है। *वायरोलॉजी*, 581, 71-80.

जगराम, एन., दासगुप्ता, आई. (2023)। "पौधों में कार्यात्मक जीनोमिक्स के लिए वायरस प्रेरित जीन साइलेंसिंग के सिद्धांत और अभ्यास"। *वायरस जीन*, 59, 173-187.

दहल, एस., गौर, पी., रघुवंशी, एस., प्रसाद, वाईके, सैकिया, डी., और घटानी, एस. (2023)। उपेक्षित खाद्य-जनित इचिनोस्टोम की मल्टी-स्टेज ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग आर्टीफेचिनोस्टोमम सफर्टीफेक्स संभावित नैदानिक और दवा लक्ष्यों को प्रकट करती है। *एक्टा ट्रोपिका*, 233

समतानी, एच., शर्मा, ए., और खुराना, पी. (2023)। TaHsFA5 के सुधार एक्टो ट्रॉपिक ओवरएक्सप्रेशन ने अरबिडोप्सिस थालियाना में थर्मोमोर्फोजेनेसिस और ओरिज़ा सैटिवा में थर्मोटॉलरेंस को बढ़ावा दिया। *प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, 112, 245-246.

घोष, एस., भेरी, एम., बिष्ट, डी., पांडे, जीके (2022)। कैल्शियम सिग्नलिंग और परिवहन मशीनरी: पौधों में तनाव सहिष्णुता के विकास की संभावना। *करंट प्लांट बायोलॉजी*, 29, 28

समतानी, एच., शर्मा, ए., खुराना, जेपी, और खुराना, पी. (2022)। पौधों में थर्मोसेंसिंग: गर्मी संवेदन में शामिल तंत्र और थर्मोरिस्पोंस और थर्मोटॉलरेंस में उनकी भूमिका को समझना। *एनवायर्नमेंटल एंड एक्सपेरिमेंटल बॉटनी*, 203

अनवर, के., जोशी, आर., मोरालेस, ए., दास, जी., यिन, एक्स., एंटेन, एनपी, रघुवंशी, एस., बहुगुणा, आर.एन., सिंह, एमपी, सिंह, आरके, सिंगला-पारीक, एसएल., पारीक, ए. (2022)। आनुवंशिक विविधता से पता चलता है कि उपज घटकों के बीच सहक्रियात्मक बातचीत चावल में सिंक के आकार और उपज में सुधार कर सकती है। *फ़ूड एंड एनर्जी सिक्योरिटी*, 1, 11, 5

गहलौत, वी., समतानी, एच., गौतम, टी., और खुराना, पी. (2022)। डीएनए डेमिथाइलेज़ जीन की पहचान और लक्षण वर्णन और गेहूं में थर्मल तनाव के साथ उनका संबंध (ट्रिटिकम एस्टिवम एल *फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स*, 13

खुराना, आर., भीमराजका, एस., राव, जीएस, वर्मा, वी., बूरा, एन., गवांडे, जी., कपूर, एम., राव, केवी, और कपूर, एस. (2022)। ओसमाड्स 29 के प्रतिलेखन नियामक डोमेन की विशेषता: समीपस्थ ऑक्सिन-उत्तरदायी डोमेन और एक मजबूत डिस्टल नकारात्मक तत्व की पहचान। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 13

शसी, जेएम, विजयकुमार, सी., कुकरेजा, बी., बुधवार, आर., शुक्ला, आर.एन., अग्रवाल, एम., और कटियार-अग्रवाल, एस. (2022)। एकीकृत ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और miRNAomics चावल में कोलोप्टाइल जीर्णता से जुड़े जटिल बहु-स्तरीय नियामक नेटवर्क में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 13, 4

समतानी, एच., शर्मा, ए., और खुराना, पी. (2022)। गेहूं ocs-तत्व बाध्यकारी कारक 1 गर्मी तनाव प्रतिक्रिया मार्ग मॉडुलाटिंग द्वारा थेर्मोटोलेरंस बढ़ाता है. *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 13, 3

जैन, एम., बंसल, जे., राजकुमार, एमएस, शर्मा, एन., खुराना, जेपी, और खुराना, पी. (2022)। भारतीय शहतूत (मोरस इंडिका) का ड्राफ्ट जीनोम अनुक्रम कार्यात्मक और ट्रांसलेशनल जीनोमिक्स के लिए एक संसाधन प्रदान करता है। *जीनोमिक्स*, 3, 114, 10

समतानी, एच., उन्नी, जी., और खुराना, पी. (2022)। हीट सेंसिंग के माइक्रोबियल तंत्र। *इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी*, 1, 62, 175-186.

प्रसाद, के., गौर, पी., रघुवंशी, एस., कुमार, वी. (2022)। SARS-CoV-2 ने COVID-19 से जुड़ी अभिव्यक्तियों की जांच के लिए मानव RNA बाइंडिंग प्रोटीन नेटवर्क जीव विज्ञान को लक्षित किया। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स*, 217, 853-863.

खान, जेडए, कुमार, आर., दासगुप्ता, आई. (2022)। पौधों में वायरस के खिलाफ सीआरआईएसपीआर/कैस -मध्यस्थता प्रतिरोध। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर साइंसेज*, 4 , 23

सिंह, केएन, रावत, एस., कुमार, के., कटियार-अग्रवाल, एस., गोयल, एस., जगन्नाथ, ए., और अग्रवाल, एम. (2022)। "एएफएलपी और एसएसआर मार्करों का उपयोग करके कुसुम के आनुवंशिक रूप से विविध

कोर संग्रह में फ्यूजेरियम विल्ट प्रतिरोध के लिए महत्वपूर्ण मार्कर-विशेषता संघों की पहचान"। *जर्नल ऑफ एप्लाइड जेनेटिक्स*, 3, 63 (3), 447-462.

बोरा, पी., शर्मा, ए., शर्मा, ए.के., खुराना, पी., और खुराना, जेपी (2023)। एससीएफ ओएसएफबीके1 ई 3 लिगेज चावल के परागकोश और जड़ लिग्निफिकेशन को विनियमित करने के लिए ओएसएटीएल53 और ओएससीसीआर14के जैस्मोनिक एसिड प्रेरित टर्न-ओवर की मध्यस्थता करता है। *जर्नल ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल बॉटनी.*

महिवाल, एस., और पांडे, जीके (2022)। पोटेशियम: पौधों में तनाव सहिष्णुता की मध्यस्थता करने वाला एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व। *जर्नल ऑफ़ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी*, 31, 705-719.

शर्मा, एन., और खुराना, पी. (2022)। "रोटी गेहूं ट्रिटिकम एस्टिवम एल और चावल में TaSERK8 ओवरएक्सप्रेशन अध्ययन" में TaSERK जीन परिवार की जीनोम-वाइड पहचान और विश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन*

पांडे, ए., भट, बी., अग्रवाल, एमएल, पांडे, जीके (2022)। सी. एलिगेंस में उत्परिवर्ती जीनोटाइपिंग द्वारा आत्मसात किए गए पाठों से कोहोर्ट पासा दक्षता बढ़ाना। *मेथड्स इन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, 17-33.

कंवर, पी., घोष, एस., सान्याल, एस.के., और पांडे, जीके (2022)। मात्रात्मक पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (क्यूपीसीआर) द्वारा ट्रांसजेनिक पौधों में जीन कॉपी संख्या की पहचान। *मेथड्स इन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी: पीसीआर प्राइमर डिज़ाइन*, 161-171, 2

समतानी, एच., शर्मा, ए., खुराना, जेपी, और खुराना, पी. (2022)। "एगिलोप्स तौस्ची में गर्मी तनाव प्रतिलेखन कारक परिवार: विभिन्न अजैविक तनावों और प्रकाश स्थितियों के तहत जीनोम-व्यापी पहचान और अभिव्यक्ति विश्लेषण"। *मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड जेनोमिक्स*, 4, 297, 1689-1709.

सिंह, आर., कुमार, के., पुरायानूर, एस., चेन, डब्ल्यू., वर्मा, पीके (2022) एस्कोचिटा रबीई: वैश्विक चने उत्पादन के लिए खतरा। *मॉलिक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी*, 23, 1241-1261.

सिंह, आर., द्विवेदी, ए., सिंह, वाई., कुमार, के., रंजन. ए., वर्मा, पीके (2023)। एक वैश्विक प्रतिलेख और सह-अभिव्यक्ति विश्लेषण मजबूत मेजबान रक्षा मार्ग रीप्रोग्रामिंग का खुलासा करता है और सिसर-एस्कोचिटा इंटरैक्शन के शुरुआती चरणों के प्रमुख नियामकों की पहचान करता है। *मॉलिक्यूलर प्लांट-माइक्रोब इंटरेक्शन्स*, 35, 1034-1047.

पुस्तक-अध्याय

रवि, बी., सान्याल, एसके, और पांडे, जीके (2023)। कैल्शियम डिकोडर और उनके लक्ष्य: पवित्र गठबंधन जो तनाव सिग्नलिंग में सेलुलर प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है, (पृष्ठ 371-439)। नीदरलैंड: एल्सेवियर।

पांडे, जीके (2023)। प्रोटीन फॉस्फेटेस और उनके लक्ष्य: प्लांट सिग्नलिंग पाथवे में इंटरैक्शन को समझना बुक सीरीज़ एडवांस इन प्रोटीन केमिस्ट्री एंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी में, (पृष्ठ 307-370)। नीदरलैंड: एल्सेवियर।

पांडे, जीके (2022)। आणविक जीवविज्ञान में पुस्तक विधियों में सी एलिगेंस में उत्परिवर्ती जीनोटाइपिंग द्वारा आत्मसात किए गए पाठों से कोहोर्ट पासा दक्षता को बढ़ाना, (पृष्ठ 7-33)। न्यूयॉर्क: हुमाना प्रेस।

पांडे, जीके (2022)। आणविक जीवविज्ञान में पुस्तक विधियों में सी एलिगेंस में उत्परिवर्ती जीनोटाइपिंग द्वारा आत्मसात किए गए पाठों से कोहोर्ट पासा दक्षता को बढ़ाना, (पृष्ठ 7-33)। न्यूयॉर्क: हुमाना प्रेस।

दासगुप्ता, I. (2022)। चावल में कार्यात्मक जीनोमिक्स के लिए आरटीबीवी-आधारित वीआईजीएस वेक्टर: आणविक जीव विज्ञान में पुस्तक विधियों में कार्यप्रणाली, अग्रिम, चुनौतियां और भविष्य के निहितार्थ: प्लांट जीन साइलेंसिंग, (पृष्ठ 117-131)। न्यूयॉर्क: हुमाना प्रेस।

अनुसंधान परियोजनाएं

बीआरएनएस, डीएई, भारत, 2020 से 2023, फसल पौधों में अजैविक तनाव सहिष्णुता में सुधार के लिए हैलोफाइट विशिष्ट जीन का उपयोग, 31.58 लाख।

एसईआरबी, डीएसटी, 2021-2024, जेसी बोस नेशनल फेलोशिप (चरण-III), एनए।

एसईआरबी, डीएसटी, 2020 - 2023, तंबाकू द्वारा-2 कोशिकाओं में स्टार्च नियामक और बायोसिंथेटिक मशीनरी के घटकों में हेरफेर करके सेल-लाइन आधारित स्टार्च बायो-फैक्ट्री सिस्टम का विकास, 52.9 लाख।

एसईआरबी, डीएसटी, 2023-2026, अजैविक तनाव प्रतिक्रियाओं में डब्ल्यूआरकेवाई ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर को विनियमित करने में सीबीके-सीपीके की भूमिका का गूढ़वाचन, 38.5 लाख।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

पीएमबी वार्षिक संगोष्ठी, 24-02-2023

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. परमजीत खुराना-4 जून, 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस समारोह पर श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल एंड केमिकल रिसर्च, दिल्ली में "प्लांट जीनोमिक्स फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंट क्रॉप्स" पर आमंत्रित वार्ता।

प्रो. परमजीत खुराना-नासी-आईबीएसडी द्वारा आयोजित कार्यशाला के तहत 11 अक्तूबर, 2022 को इम्फाल में "बायोइकोनॉमी-आधारित उद्यमिता विकास के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप" पर आमंत्रित वार्ता।

प्रो. परमजीत खुराना-13 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह पर एनएबीआई, मोहाली में "प्लांट जीनोमिक्स के युग में जलवायु लचीला फसलें" पर आमंत्रित वार्ता।

प्रो. परमजीत खुराना-17 मार्च, 2023 को जीवाजी विश्वविद्यालय में "जलवायु अनुकूल फसलों के लिए प्लांट जीनोमिक्स" पर आरआर दास मेमोरियल लेक्चर के लिए आमंत्रित बातचीत।

प्रोफेसर अनिल ग्रोवर-प्रो. एसएन पटनायक मेमोरियल ट्रस्ट, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित "प्रो. एसएन पटनायक मेमोरियल लेक्चर" पर बात करें (26 सितंबर 2022)।

प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता-05.11.2022 और 06.11.2022 को शेर-ए-कश्मीर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयोजित इंडियन वायरोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन विरोकॉन 2022 में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर जी.के.पांडे-कैल्शियम सिग्नलिंग पौधे में ऑक्सीडेटिव तनाव को कैसे नियंत्रित करता है? माइटोकॉन्ड्रियल गेट-कीपर की एक कहानी, वोल्टेज निर्भर आयन चैनल, जैव प्रौद्योगिकी में नए क्षितिज की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईएनबी-2023), बीएचयू, 10-12 फरवरी, 2023

प्रोफेसर जी.के.पांडे-पौधों में तनाव की स्थिति में कैल्शियम सिग्नलिंग: ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस सिग्नलिंग को विनियमित करने में सीआईपीके 9- वीडीसीए3 की भूमिका, सेंटर ऑफ डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक, हैदराबाद, तेलंगाना, 20 जनवरी 2023.

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों की संख्या

बरखा रवि-न्यूटन भाभा एक्सचेंज प्रोग्राम

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

डॉक्टर हर्षा समतानी, रिसर्च एसोसिएट, एनआईपीजीआर, नई दिल्ली।

डॉक्टर ऐश्वर्य शर्मा, रिसर्च फेलो, एनआईपीजीआर, नई दिल्ली।

डॉक्टर सांची-एसोसिएट एडिटर, बुक्स, लाइफ साइंसेज स्प्रिंगर नेचर

डॉक्टर हंसराज कॉलेज में सहायक प्रोफेसर रिद्धि खुराना

डॉक्टर नीलिमा पोस्ट डॉक् सीईए कडाराचे में

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

डीपीएमबी के छात्रों ने 25.05.2023 को प्लांट फेनोमिक्स सुविधा, आईएआरआई का दौरा किया और 14 छात्रों ने भाग लिया

हंसराज कॉलेज (वनस्पति विज्ञान विभाग) के छात्रों ने 09.11.2022 को यूडीएससी यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली साउथ कैंपस के सीआईएफ का दौरा किया और 42 छात्रों ने भाग लिया।

शिवाजी कॉलेज के छात्रों ने 28.08.2022 को प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विभाग डीपीएमबी का दौरा किया और 14 छात्रों ने भाग लिया।

संकाय संख्या - 8
प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या - 5

***

विधि संकाय

संक्षिप्त इतिहास

दिल्ली विश्वविद्यालय में विधि संकाय कानूनी शिक्षा में समृद्ध विरासत के साथ एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में मौजूद है। वर्ष 1924 में स्थापित, इसने लगातार कानूनी अध्ययन के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र बिंदु के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखी है। इन वर्षों में विभाग सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, प्रमुख अधिवक्ताओं, प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं, नीति-निर्माताओं और विभिन्न क्षेत्रों में रुझान स्थापित करने वाले व्यक्तियों सहित विशिष्ट कानूनी आंकड़े तैयार करने में सबसे आगे रहा है। अपने प्रसिद्ध पूर्व विद्यार्थियों के बावजूद, विभाग एक समतावादी लोकाचार बनाए रखता है, जो मामूली लागत पर व्यावहारिक रूप से मुफ्त कानूनी शिक्षा प्रदान करता है।

विधि संकाय के पास अपने संकाय सदस्यों की अद्वितीय विशेषज्ञता और बहुसांस्कृतिक वातावरण है, जो इसके आकर्षण को बढ़ाता है। वर्तमान में एल.एल.बी, एल.एल.एम और पीएच.डी. प्रोग्राम सहित 10,000 से अधिक विद्यार्थियों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। संकाय सीमित संसाधनों के भीतर संचालित होता है। जबकि एक व्यापक तीन-वर्षीय एल.एल.बी डिग्री पाठ्यक्रम संकाय के अंतर्गत संचालित तीन केंद्रों द्वारा पेश किया जाता है (लॉ सेंटर - I, 1970 में, उसके बाद 1971 में लॉ सेंटर - II और 1975 में कैंपस लॉ सेंटर), एल.एल.एम और पीएच.डी. प्रोग्राम को डीन की प्रत्यक्ष देखरेख में प्रशासित किया जाता है। कानून पढ़ाने की केस पद्धति को अपनाते हुए, विभाग प्रकाशकों के नए संस्करणों पर भरोसा न करके खुद को अलग करता है। इसके बजाय, संकाय सदस्य सबसे अधिक प्रासंगिक और अद्यतित सामग्री सुनिश्चित करते हुए, प्रत्येक सेमेस्टर में एल.एल.बीऔर एल.एल.एम प्रोग्राम के लिए केस सामग्री को परिश्रमपूर्वक संशोधित करते हैं। फिर इन सामग्रियों की मुद्रित प्रतियां बिना किसी लाभ के सभी विद्यार्थियों को वितरित की जाती हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

सुलभ कानूनी शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अलावा, विधि संकाय ई-संसाधनों के साथ पूरक एक समृद्ध प्रिंट लाइब्रेरी का दावा करता है। संकाय में विविध ज्ञान और अनुभव वाले व्यक्ति शामिल हैं, विदेशी संस्थानों सहित अन्य विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, संस्थान के भीतर अनुसंधान में संलग्न होने के लिए विभिन्न फेलोशिप कार्यक्रमों के तहत आते हैं। विभाग सक्रिय रूप से अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा

देता है, विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिमंडल हमारे विद्यार्थियों के लिए ज्ञान साझा करने और सीखने के अनुभव को समृद्ध करने के लिए अक्सर आते रहते हैं।

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय में कानून संकाय सक्रिय रूप से पशु कानून सेल की सहायता से 4 अक्टूबर, 2022 को विश्व पशु दिवस सहित विभिन्न संगोष्ठी और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इसके अतिरिक्त, संकाय ने 29-30 सितंबर, 2022 को कानूनी प्रणाली और शिक्षा के भारतीयकरण पर एक कॉन्क्लेव, 19 जुलाई, 2022 को यूनाइटेड अगेंस्ट जेंडर-आधारित हिंसा पर एक कार्यशाला और 24-25 जून, 2022 को महिलाओं और प्रौद्योगिकी महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न को संबोधित करना, पर दो दिवसीय कार्यशाला।

इसके अलावा योगदान में 6 मई, 2022 को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की न्यायसंगतता पर एक विशेष व्याख्यान, 12 अप्रैल, 2022 को न्याय के सिद्धांतों पर एक वेबिनार और 9-10 अप्रैल, 2022 को मध्यस्थता पर आयोजित तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शामिल है। वक्ताओं और सत्रों की एक विस्तृत सूची।

***

कैम्पस विधि केंद्र

संक्षिप्त इतिहास

कैंपस लॉ सेंटर को सीएलसी के नाम से जाना जाता है, जो देश के प्रमुख कानूनी शिक्षा केंद्रों में से एक है। इसकी दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में अपने स्थापना वर्ष में वर्ष 1922 में स्थापना की गई थी। वर्ष 1975 में विधि संकाय की एल.एल.बी की दिन की कक्षाओं को कैंपस लॉ सेंटर का नाम दिया गया। कैंपस लॉ सेंटर अथवा सीएलसी, जो अपनी महान उपलब्धियों के लिए जाना जाता है, उसको सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक होने का गौरव प्राप्त है, जो अपनी 100 वर्षों की समृद्ध विरासत और प्रकांड वकील, शिक्षाविदों, केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों, मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों को देने की विरासत को संरक्षित करना जारी रखे हुए है।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

कैम्पस लॉ सेंटर (सीएलसी) ने 17-19 फरवरी, 2023 में 19वीं के.के लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस वर्ष की प्रतियोगिता में भारत और विदेश के 96 संस्थानों ने सहभागिता की।

सम्मान /विशिष्टता

प्रोफेसर (डॉ.) अलका चावला, (प्रभारी)

- वुमेन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा वुमेन ऑफ द डिकेड अवार्ड से सम्मानित (दिसंबर 2022)

प्रो. (डॉ.) गुंजन गुप्ता

राष्ट्रीय महिला आयोग (एन.सी.डब्ल्यू) द्वारा वित्त पोषित "महिला सशक्तिकरण के लिए एक उपकरण के रूप में खेल: भारत में खेलों में महिलाओं के संबंध में नीतियों, व्यवहारों और बाधाओं का एक अध्ययन" नामक एक प्रमुख परियोजना को परियोजना अन्वेषक के रूप में दिया /संस्वीकृत किया गया (अक्टूबर 2022).

डॉ. हरलीन कौर

मल्टीपर्पज हॉल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, मैक्स मुलर मार्ग और नई दिल्ली में 31 अक्टूबर, 2022 को महानगर ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड 2022 के छठे सीज़न में "महिला सशक्तिकरण" के महानगर ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

डॉ. अनिता यादव

आत्मनिर्भर भारत और मिशन एक्सपोर्ट के अभियान के तहत ग्लोबल प्राइड अवार्ड-2023 और बिजनेस कॉन्क्लेव से सम्मानित किया गया और "राष्ट्रीय महिला दिवस" के अवसर पर ग्रुप की 6वीं वर्षगांठ मनाई गई, जिसका डॉ. राकेश गोयल तिगरानिया के चेयरमैन और एडिटर इन चीफ ह्यूमन प्राइड ग्रुप ने 13 फरवरी, 2023 को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया नई दिल्ली में आयोजन किया।

प्रकाशन

शोध लेख

प्रो. रमन मित्तल, (2022), अन्य प्रोप्राइटर्स ट्रेड मार्क का उपयोग - भारत में ट्रेड मार्क कानून में उचित उपयोग के सिद्धांत का विश्लेषण, *जर्नल ऑफ इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट* , 3, 64, 261-280.

प्रो. रमन मित्तल (सीएलसी संकाय) और मृत्युंजय कुमार, (2023), तर्क, कानून और आध्यात्मिकता के अभ्यास(प्रैक्टिस) में सत्य के पहलू, *जर्नल ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल लॉ एंड ज्यूरिस्प्रुडेंश*, 1,6,16-31.

एंड्रिया मोरालेस कैसरेस, क्षितिज कुमार सिंह (सीएलसी फैकल्टी), टिमो मिनसेन, सुसान रोजर्स वान कैटविक, और स्टीवन जे. हॉफमैन, (2022), रोगाणुरोधी अनुसंधान और विकास के लिए नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र (इनोवेशन इकोसिस्टम) को पुनर्जीवित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महामारी उपकरण का उपयोग करना, *जर्नल ऑफ लॉ, मेडिसिन एंड एथिक्स*, एस2, 50, 47-54.

क्षितिज कुमार सिंह (सीएलसी संकाय) कुमारी एम.; क़ुरैशी के.ए.; जेरेम्को एम.; व्हाइट जे.; सिंह एस.के; शर्मा वी.के; सिंह के.के; सैंटोयो जी.; पुओपोलो जी.; कुमार ए.,(2022), फलों की कटाई के बाद की बीमारियों

के प्रबंधन में एंडोफाइटिक माइक्रोबायोम की भूमिका को समझना: व्यावसायिक उच्च पैमाने पर उत्पादन में अवसर क्षेत्र, *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 1, 2.

डॉ. हरलीन कौर (सीएलसी फैकल्टी) और श्री आयुष त्रिपाठी, (2022), भारत में मार्शल रेप का अपवाद : पीड़ितों के समानता और गोपनीयता के अधिकार में एक असंवैधानिक घुसपैठ, *आईएलआई लॉ जर्नल,* शीतकालीन अंक, 299-320.

डॉ. रोहित मूनका और डॉ. सिल्की मुखर्जी, (2022), आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध दवाओं सहित पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण : मुद्दे और चुनौतियाँ, *लीगल विजडम जर्नल*, 1,1,1-11.

डॉ. आशीष कुमार और डॉ. राहुल कुमार (सीएलसी संकाय), (2022), मध्यस्थता प्रक्रिया के संरचनात्मक चरणों की जांच, *एनयूएसआरएल जर्नल ऑफ लॉ एंड पॉलिसी*, IX, 114-138.

डॉ. अजय कुमार शर्मा, (2023), कर्तव्य अथवा अधिकार : क्या कर्तव्यों को अधिकारों से अधिक महत्व देना चाहिए?, *इंडियन जर्नल ऑफ लॉ एंड जस्टिस*, 1,14,131-146.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

रमन मित्तल और क्षितिज कुमार सिंह (संस्करण), (2022), पुस्तक-गांधीवादी विचार पर विशेष जोर के साथ समकालीन विश्व में कर्तव्यों की प्रासंगिकता, सिंगापुर, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 978-981-19-1835-3; 978-981-19-1838-4, 1-389.

रमन मित्तल, (2022), पुस्तक अध्याय-बौद्धिक संपदा कर्तव्य : उत्खनन, अन्वेषण और परीक्षा, *दिल्ली*, स्प्रिंगर, 978-981-19-1835-3, 327-342.

क्षितिज कुमार सिंह, (2022), पुस्तक अध्याय-पेटेंट और महामारी : कर्तव्यों, दायित्वों और जिम्मेदारियों की खोज, *सिंगापुर*, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 978-981-19-1835-3; 978-981-19-1838-4,367-389.

क्षितिज कुमार सिंह (सीएलसी संकाय) और शुभम के.जैन, (2022), पुस्तक अध्याय- गांधी और पूर्व-पश्चिम न्यायशास्त्र के नजरिये/लेंस के माध्यम से कर्तव्य की प्रासंगिकता, *सिंगापुर* , स्प्रिंगर, सिंगापुर, 978-981-19-1835-3; 978-981-19-1838-4,3-19.

हरलीन कौर (सीएलसी फैकल्टी) और आयुष्का शर्मा (लेखक), (2022), पुस्तक अध्याय – व्यावहारिक(प्रैग्मैटिक) गांधीवादी नजरिये/लेंस से देखे गए अपराध रोकथाम को मजबूत करने की दिशा में पुनर्स्थापनात्मक न्याय का सिद्धांत, *दिल्ली*, स्प्रिंगर, 978-981-19 -1835-3, 273-302.

नरेंद्र नागरवाल,(2022), धर्मनिरपेक्षता और राज्य का धर्मनिरपेक्षीकरण : समकालीन भारत में गांधीवादी दर्शन को डिकोड करना (पुस्तक अध्याय), *दिल्ली*, स्प्रिंगर, 978-981-19-1835-3, 227-242.

डॉ. अनीता यादव,(2022), पुस्तक अध्याय- अमरता की दृष्टि : गांधी कैसे भारत की शरणार्थी नीति के भविष्य का मार्गदर्शन कर सकते हैं", *दिल्ली*, स्प्रिंगर, 978-981-19-1835-3,121-138.

जय प्रकाश मीना,(2022), मौलिक कर्तव्य के रूप में पर्यावरण संरक्षण(पुस्तक अध्याय), *दिल्ली*, स्प्रिंगर, 978-981-19-1835-3,295-304.

(सी.) विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल(जर्नल्स)

प्रो.(डॉ.) गुंजन गुप्ता,(2022), जर्नल ऑफ कैंपस लॉ सेंटर, *कैंपस लॉ सेंटर (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिल्ली*, 9,133.

अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रीय महिला आयोग (एन.सी.डब्ल्यू) ने अक्टूबर, 2022 में "महिला सशक्तिकरण के लिए एक उपकरण के रूप में खेल : भारत में खेलों में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली नीतियों, व्यवहारों(प्रैक्टिस) और बाधाओं का एक अध्ययन" हेतु प्रोफेसर (डॉ.) गुंजन गुप्ता को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) योजना के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट तक पहुंच : एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन, 2 लाख; डॉ. हरलीन कौर को पुरस्कृत किया गया।

केंद्र सरकार के शहरी आवास और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत द्वारा नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) बैंगलोर, भारत में शहरी गरीब और कानून पर चेयर स्थापित की गई, 1 मार्च, 2022- दिसंबर 2022, "स्ट्रीट महिलाओं के लिए किफायती आश्रय और बच्चे: दिल्ली का एक केस स्टडी", 50 हजार; डॉ. अनिता यादव को पुरस्कृत किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

सीएलसी डिबेट एंड डिस्कशन सोसाइटी (डीडीएस) द्वारा आमंत्रित विशेषज्ञ। डॉ. आनंद रंगनाथन और श्री भरत चुघ, जेएनयू के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, और एक वकील और पूर्व न्यायाधीश, सीएलसी ओपिनियन प्रोजेक्ट 5.0- वार्षिक इंट्रा- कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता, 19-07-2022.

एससीसी और मनुपात्रा टीम से : सीएलसी डीडीएस, एससीसी और मनुपात्रा द्वारा आमंत्रित, एससीसी और मनुपात्रा द्वारा कानूनी अनुसंधान के बुनियादी सिद्धांतों पर कार्यशाला, 01-10-2022.

श्री सिद्धार्थ बत्रा, एओआर, भारत का सर्वोच्च न्यायालय। श्री सिद्धार्थ बत्रा, एओआर, भारत का सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मुकदमेबाजी पर परस्पर संवादात्मक(इंटरैक्टिव) सत्र। 07-02-2023.

माननीय श्री न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता, पूर्व न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्च न्यायालय, "अभिज्ञान व्याख्यान श्रृंखला" के एक भाग के रूप में माननीय न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता द्वारा "पीआईएल की उत्पत्ति(जेनेसिस) और इसकी यात्रा" पर व्याख्यान, बहस और चर्चा की एक पहल समाज।14-02-2023.

प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर वेद पी. नंदा और डेनवर विश्वविद्यालय में कानून के प्रोफेसर थॉम्पसन जी. मार्श, "अभिज्ञान व्याख्यान शृंखला" के एक भाग के रूप में प्रोफेसर पी. वेद नंदा द्वारा "यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता" पर व्याख्यान, एक पहल वाद-विवाद एवं चर्चा, 17-02-2023.

डॉ. के.एस. कर्दम, डॉ. मालथी लक्ष्मीकुमारन सहित कई गणमान्य व्यक्ति और विशेषज्ञ संसाधन व्यक्ति; डॉ. नमिता गुप्ता; और डॉ. पराग किंगे, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, पेटेंट और डिज़ाइन, भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली; कार्यकारी निदेशक और प्रैक्टिस प्रमुख, मेसर्स लक्ष्मीकुमारन और श्रीधरन, एन.डी; फिट-आईआईटी दिल्ली; जेनोवा बायोफार्मा लिमिटेड के कानूनी प्रमुख, आईपीआर सोसाइटी, कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से सेंटर फॉर इनोवेशन इन इंफेक्शियस डिजीज, रिसर्च एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईआईडीआरईटी) और दिल्ली स्कूल ऑफ स्किल एनहांसमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (डीएसएसईडी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "आईपीआर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण" पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसका आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में "100 दिवसीय कौशल महोत्सव" के तत्वावधान में किया गया था। 18-03-2023.

प्रतिष्ठित वक्ता: प्रो. बी. रमेश, प्रो. (डॉ.) अलका चावला, प्रो. हुसैन मोहम्मद, प्रो. (डॉ.) रमन मित्तल, प्रो. मोहम्मद तारिक, डॉ. क्षितिज कुमार सिंह, श्री. जी.डी बंसल, गोवा बिजनेस स्कूल; प्रभारी प्रोफेसर, कैंपस लॉ सेंटर (दिल्ली विश्वविद्यालय); कश्मीर विश्वविद्यालय; प्रोफेसर, कैंपस लॉ सेंटर (दिल्ली विश्वविद्यालय); अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय; सहायक प्रोफेसर (वरिष्ठ वेतनमान), कैंपस लॉ सेंटर (दिल्ली विश्वविद्यालय); एडवोकेट, राजस्थान उच्च न्यायालय, लाइफलॉन्ग लर्निंग विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय और आईपीआर सोसायटी, कैंपस लॉ सेंटर, डीयू द्वारा "आईपीआर संपादन: रचनात्मक और अभिनव भारत" पर राष्ट्रीय कार्यशाला। 31-01-2023.

प्रो. (डॉ.) अलका चावला, प्रो. (डॉ.) रमन मित्तल, डॉ. क्षितिज कुमार सिंह, प्रभारी प्रोफेसर, कैंपस लॉ सेंटर (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रोफेसर, कैंपस लॉ सेंटर (दिल्ली विश्वविद्यालय), सहायक प्रोफेसर (वरिष्ठ) स्केल), कैंपस लॉ सेंटर (दिल्ली विश्वविद्यालय), "फैकल्टी वॉयस : भारत में ट्रेड मार्क कानून": सीएलसी प्लेसमेंट असिस्टेंस काउंसिल (पीएसी)। 14-07-2022.

श्री सुमीर मलिक, ईस्टर्न बुक कंपनी (ईबीसी) के निदेशक, "कानूनी अनुसंधान की जटिलताओं" पर कार्यशाला: पीएसी 11-02-2023.

सुश्री अचिंत कौर, वकील, कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक प्रैक्टिस, खेतान एंड कंपनी, एन.ए, "एक सफल कॉर्पोरेट वकील के लिए रोडमैप, वाणिज्यिक लेनदेन, मसौदा तैयार करने की कला, बातचीत और प्रबंधन कौशल" पर मास्टरक्लास और वेबिनार : पीएसी, 25-02- 2023.

श्री तामीर क्रिएगेल, वाइस प्रेसिडेंट, कॉन्सिलियो एलएलसी, पीएसी में समीक्षा समाधान: "कानूनी समाधान उद्योग में उभरती प्रौद्योगिकियों और ईडिस्कवरी के साथ नए कैरियर के रास्ते तलाशना" पर सेमिनार, 21-03-2023.

श्री सौरभ किरपाल, वरिष्ठ अधिवक्ता, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, सीएलसी लीगल एड सोसाइटी (एलएएस): "क्वेरिंग जस्टिस: कोर्ट्स एंड द कॉन्स्टिट्यूशन" पर वेबिनार, 20-07-2022.

सुश्री ऋषिका श्रीवास्तव, सचिव सेंट्रल डीएलएसए, एलएएस : सीडीएलएसए के सहयोग से "न्याय तक पहुंच: कमजोर गवाह और पीड़ित मुआवजा योजनाएं" पर सेमिनार, 18-07-2022.

डॉ. जयश्री सूद, डॉ. बिमला शर्मा, डॉ. पुनीत राठौड़, सुश्री सुनीता शर्मा, प्रशामक मेडिसिन विभाग, सर गंगा राम चिकित्सालय, एलएएस: सर गंगा राम चिकित्सालय, नई दिल्ली के सहयोग से 'प्रशामक देखभाल में सिद्धांत और कानूनी पहलू' विषय पर वेबिनार 20-09-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)।

डॉ नरेंद्र नागरवाल : इंटरफेथ डायलॉग और सांप्रदायिक सद्भाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन-इस्लामिक अध्ययन विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर यू.टी कश्मीर-मार्च 8 और 9, 2023. पेपर प्रस्तुत : धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने के लिए अंतर-धार्मिक प्रवचन पर बातचीत।

श्री जय प्रकाश मीना: सेंटर फॉर वैदिक साइंसेस, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005 में 11-12 फरवरी, 2023 को आयोजित "वैदिक न्यायशास्त्र और समकालीन विश्व पर इसके प्रभाव" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वैदिक से आधुनिक न्यायशास्त्र में दत्तक (अपनाने) की अवधारणा में परिवर्तन" शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. राहुल कुमार: माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा(सिरोही) राजस्थान, भारत द्वारा 12 मई 2023 को "जन स्वास्थ्य का अधिकार: एक अंतरराष्ट्रीय दुनिया के युग में बदलते आयाम" विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्वास्थ्य कानूनों का उल्लंघन और धन-शोधन का अपराध" शीर्षक पर मुख्य वक्ता।

डॉ. हरलीन कौर: सेंटर फॉर इंटरनेशनल लॉ रिसर्च एंड पॉलिसी (सीआईएलआरएपी) ऑन 'रिलिजॅन, हेटफुल एक्सप्रेसन एंड वॉयलेंस' द्वारा फ्लोरेंस, इटली में 8-9 अप्रैल 2022 तक आयोजित सम्मेलन में दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय की डीन, प्रो. (डॉ.) उषा टंडन के साथ सह-लेखक के रूप में 'धर्म-आधारित घृणास्पद भाषण अथवा स्वतंत्र भाषण: एक विचित्र स्थिति में भारतीय न्यायालय' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हरलीन कौर: इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा 15 और 16 अप्रैल, 2023 को आयोजित इंटरनेशनल रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2023 में "वैश्विक दक्षिण में कानूनी और न्याय क्षेत्रों में क्षमता निर्माण के लिए सहयोग विकसित करना" विषय पर बोलने के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. अनिता यादव: महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर, कानून और प्रशासन संकाय, जगियेलोनियन विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ लॉ, टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय, कानून संकाय, कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका के सहयोग से 10 सितंबर, 2022 को लॉ मंत्रा ट्रस्ट द्वारा आयोजित "वैकल्पिक विवाद समाधान और बौद्धिक संपदा अधिकार" पर दो दिवसीय ई-अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता सहित 25 शैक्षणिक कार्यक्रमों में वक्ता/संसाधन व्यक्ति/न्यायाधीश इत्यादि।

डॉ. अनीता यादव: न्याय विभाग, कानून और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में न्याय बंधु योजना के हिस्से के रूप में प्रो बोनो क्लब, मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा 16 फरवरी 2023 को आयोजित "न्याय तक पहुंच पर राष्ट्रीय कॉन्क्लेव: 21वीं सदी में नवीन तंत्र की आवश्यकता" में संसाधन व्यक्ति (रिसोर्स पर्सन)।

डॉ. क्षितिज कुमार सिंह: 24 मई, 2022 मंगलवार (डेनिश समयानुसार शाम 5 बजे, भारतीय मानक समयानुसार रात 8:30 बजे; हाइब्रिड मोड में) को सीईबीआईएल, कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में "एलएमआईसी के दांव को पहचानकर सटीक चिकित्सा को वैश्विक वास्तविकता बनाना: भारत से प्रतिबिंब" सहित 5 शैक्षणिक कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में सहभागिता की और पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. क्षितिज कुमार सिंह: 1 मार्च, 2023 को ऑनलाइन मोड में 5वें आईपी एंड इनोवेशन रिसर्चर्स ऑफ एशिया (आईपीआईआरए) कॉन्फ्रेंस (सिंगापुर) में "आईपीआर एंड क्राइसिस इनोवेशन: एन इंक्वायरी इनटू द सीओवीआईडी-19 महामारी" पर प्रस्तुति दी गई।

डॉ. अजय कुमार शर्मा: टोक्यो विश्वविद्यालय, कानून और राजनीति के ग्रेजुएट स्कूल और एशियन लॉ इंस्टीट्यूट (एनयूएस, सिंगापुर) द्वारा 28-29 मई 2022 को सह-आयोजित 19वें एशियाई कानून संस्थान (एएसएलआई) सम्मेलन (एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) में "बहुराष्ट्रीय निगमों द्वारा बड़े पैमाने पर टॉर्ट्स: क्या भारतीय टॉर्ट कानून व्यवस्था पर्याप्त रूप से सुसज्जित है?" शीर्षक पर सहभागिता की और एक पेपर (ऑनलाइन) प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

अन्य निकायों/संस्थानों के सहयोग से कई शैक्षणिक कार्यक्रम/अनुसंधान परियोजनाएं आयोजित की जाती हैं। इस रिपोर्ट के अन्य कॉलमों में विवरण दिए गए हैं।

प्लेसमेंट विवरण (रखे गए विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

शैक्षणिक वर्ष 2022-2023

- कुल इंटर्नशिप: 114
- कुल भर्तियाँ: 21 (शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की कुल संख्या: 795)

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

सीएलसी लीगल एड सोसाइटी (एलएएस) द्वारा संचालित ऐसी गतिविधियाँ: डीएसएलएसए के सहयोग से ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए डीएसएलएसए का निमंत्रण; कानूनी सहायता सोसायटी कानूनी जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम डीएसएलएसए के साथ सहयोग; मलकागंज क्षेत्र में कानूनी जागरूकता अभियान ; विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर ओपन एयर समारोह का आयोजन ; एक सतर्कता जागरूकता अभियान;

एलएएस कैंपस लॉ सेंटर ने दिल्ली की विभिन्न जिला न्यायालयों में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में स्वेच्छा से भाग लिया;

संविधान दिवस के अवसर पर किंग्सवे कैंप से ढाका गांव तक जागरूकता अभियान चलाया गया;

प्रोजेक्ट सक्षम नेक मिशन फाउंडेशन और संख्यिकी के सहयोग से 'मानवाधिकार दिवस' पर 'सभी के लिए गरिमा, स्वतंत्रता और न्याय' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया;, 'नीव-फाउंडेशन फॉर लीगल एड' के सहयोग से 'लेबर कार्ड योजना' लीगल एड सोसाइटी पर कानूनी जागरूकता कार्यशाला; डीएसएलएसए और कानूनी सहायता सोसायटी के साथ पैरा लीगल वालंटियर प्रशिक्षण कार्यक्रम सहयोग; सीडीएलएसए प्रोजेक्ट "स्पर्श" के सहयोग से 'एसिड अटैक से संबंधित कानूनों' पर एक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम।

संकाय शक्ति

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में:

- स्थायी शिक्षकों की संख्या = 39
- अतिथि शिक्षकों की संख्या = 34

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ऑनलाइन शुल्क प्रणाली : हमारी डिजिटल पहल में सभी नियमित मुद्दों जैसे सेमेस्टर शुल्क जमा करना, परीक्षा फॉर्म भरना, वैकल्पिक विषयों का चयन और अन्य प्रश्नों के लिए विद्यार्थियों की न्यूनतम परस्पर बातचीत सुनिश्चित करना शामिल है। यह दृष्टिकोण न केवल अलग-अलग शेड्यूल वाले विद्यार्थियों को

लचीलापन प्रदान करता है, बल्कि अध्ययन और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए उनके कीमती समय का उपयोग करने के अवसर भी खोलता है।

ग्रीन प्रैक्टिसेस, अपशिष्ट प्रबंधन, आदि : वर्तमान व्यवस्था के तहत, जनवरी 2023 में सीएलसी के लिए विश्वविद्यालय अभियंता द्वारा ई-नीलामी के माध्यम से स्क्रैप/कचरे का निपटान/बट्टे खाते में डाल दिया गया था, जिसकी धनराशि रु.2,35,002 थी।

कोई अन्य : दिव्यांग (*पी.डब्ल्यू.डी)* विद्यार्थियों *के लिए उपाय* : सीएलसी के वी.एच. विद्यार्थियों को अंतिम सत्र परीक्षा में उत्तर लिखने सहित जारी करने के लिए लैपटॉप उपलब्ध हैं। उक्त विद्यार्थियों के लाभ के लिए इन लैपटॉप पर JAWS सहित नवीनतम सॉफ्टवेयर स्थापित किया गया है। ऐसे दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए लेक्चर आदि रिकॉर्ड करने के लिए किबो स्कैनर और डेज़ी प्लेयर भी उपलब्ध है। परीक्षा के दौरान ऐसे परीक्षार्थियों के लिए लिखनेवाले को अनुमति दी जाती है, और दिव्यांग परीक्षार्थियों को 3 घंटे की सत्रांत परीक्षा में 1 घंटे का अतिरिक्त समय दिया जाता है। दिव्यांग विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए कक्षाएं केवल भू-तल पर होंगी।

***

विधि केंद्र-I

संक्षिप्त इतिहास

लॉ सेंटर-I की स्थापना वर्ष 1970 में हुई थी और इसने शाम को पहाड़गंज स्थित डी.ए.वी स्कूल भवन में एल.एल.बीके लिए अपनी कक्षाएं शुरू कीं। । जल्द ही इसे मंदिर मार्ग स्थित एन.पी स्कूल भवन में स्थानांतरित कर दिया गया। वर्ष 1994 में, लॉ सेंटर-I को छात्रा मार्ग पर विधि संकाय के मुख्य परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया था। बाद में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने वर्ष 2015 में लॉ फैकल्टी को एक पांच मंजिला भवन- उमंग भवन आवंटित किया गया, जो छात्रा मार्ग पर पुराने परिसर के निकट स्थित है। उमंग भवन सभी आधुनिक सुविधाओं जैसे लिफ्ट, सीसीटीवी कैमरे, विशाल और आधुनिक कक्षाओं के साथ मल्टी-मीडिया सुविधाओं से सुसज्जित है।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

लॉ सेंटर-I ने सभी शिक्षण-लर्निंग गतिविधियों जैसे सेमिनार, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्लेसमेंट गतिविधियों सहित प्रत्यक्ष मोड में सभी संचालन फिर से शुरू कर दिए। लॉ सेंटर-I ने ऑनलाइन मोड में XVIIवीं एलसी-I ऑल दिल्ली एनसीआर मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के सभी प्रमुख लॉ स्कूलों के विद्यार्थियों की भारी भागीदारी देखी गई।

लॉ सेंटर-I ने स्टॉकहोम सम्मेलन के 50 वर्ष अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून के परीक्षणों पर एक समीक्षा(स्टॉक-टेकिंग) विषय पर पद्म भूषण प्रोफेसर वेद पी. नंदा द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया। संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र और प्रतिष्ठित प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों के अध्याय प्रकाशित किए हैं।

सम्मान /विशिष्टता

श्री पुष्कर आनंद, सहायक प्रोफेसर, लॉ सेंटर-I को दिल्ली विश्वविद्यालय (2023) द्वारा 45 वर्ष से कम आयु वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता से सम्मानित किया गया।

डॉ. कृष्ण मुरारी यादव को विधि संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (2022) द्वारा प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया।

लॉ सेंटर-I को दिल्ली विश्वविद्यालय (2023) द्वारा सर्वश्रेष्ठ वेबसाइट का पुरस्कार दिया गया।

इसके अतिरिक्त, लॉ सेंटर-I ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर की कानूनी सहायता एवं जागरूकता समिति द्वारा आयोजित "उत्तरी दिल्ली के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में आरटीई, अधिनियम 2009 के कार्यान्वयन पर फील्ड अध्ययन पर एक रिपोर्ट- 2022-23" शीर्षक वाले पेपर के लिए अनुसंधान सह पेपर प्रस्तुति में पहला स्थान हासिल किया।

लॉ सेंटर-I ने नेहरू युवा केंद्र, पूर्वी दिल्ली, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार(2023) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद में भी प्रथम पुरस्कार जीता।

प्रकाशनों

शोध लेख

कविता, (2023), भारत में कानूनी पहलुओं के साथ इंटरनेट बैंकिंग का विश्लेषण, *कुरूक्षेत्र लॉ जर्नल*, वॉल्युम XI, 113-129.

खौटे, मर्सी, (2022), दिल्ली में पूर्वोत्तर की महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षा- एक कानूनी जांच, *श्रम और विकास*, नंबर 1, वॉल्युम 29, 185-202.

मिश्रा, अर्चना, (2023), कृषि संपत्ति में हिंदू महिलाओं का विरासत अधिकार: अनिश्चित न्याय, *जर्नल ऑफ इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट*, 2, 65, 123-135.

सेन, अनिल, (2022), भूलने का अधिकार और भारत में व्यक्तिगत डेटा संरक्षण, *द लेक्स-वॉरियर:*

ऑनलाइन लॉ जर्नल, 1, 29-38.

सेन, अनिल, (2022), साइबरस्पेस में कर्मचारी की निजता का अधिकार, *एडी वैलोरेम,* IV, 9.

सैन, अनिल और चौहान, सुभम, (2022), भारत में माल और सेवा कर के तहत नि:शुल्क नमूनों पर आईटीसी का महत्वपूर्ण विश्लेषण, *एचपीएनएलयू जेटीएल,* आई, 138.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

कविता, (2022), अर्चना वशिष्ठ में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराध से संबंधित कानून (संस्करण) महिलाओं और बच्चों पर कानून से संबंधित एक गाइड, *भारत*, नोबल साइंस प्रेस, इंटरनेशनल पब्लिशिंग, 978-93-91842-68-0.

शर्मा, आलोक, (2023), कानूनी सहायता के अधिकार का एहसास : दिल्ली के एनसीटी के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। डॉ. वी.पी तिवारी (सं.) भारत में कानूनी पेशे के बदलते पहलू" स्वर्गीय प्रोफेसर (डॉ.) एन.आर माधव मेनन के सम्मान में एक फेस्टस्क्रिफ्ट, *दिल्ली*, मोहन लॉ हाउस, 978-81-956099-5-6.

***

विधि केंद्र-II

संक्षिप्त इतिहास

लॉ सेंटर-II ने वर्ष 1971 में एआरएसडी कॉलेज, धौला कुआं के परिसर में पूर्णकालिक एल.एल.बीप्रोग्राम की पेशकश करने के लिए एक अच्छी शुरुआत की। इसका 50 वर्षों का गौरवशाली अतीत है। एल.एल.बी. कक्षाएं शाम को आयोजित की गईं और लॉ सेंटर-II के पूर्व विद्यार्थियों में शीर्ष नौकरशाह, पुलिस अधिकारी, सैन्य अधिकारी, विभिन्न विभागों के शिक्षक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य पेशेवर शामिल थे। केंद्र को भारत के शीर्ष कानून विद्वानों, जैसे प्रसिद्ध न्यायविद् और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उपेन्द्र बक्सी के नेतृत्व का सौभाग्य प्राप्त हुआ; प्रो. ताहिर महमूद, जो बाद में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष बने, प्रो. ए.के. कौल, जिन्हें राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर और राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति के रूप में पदोन्नत किया गया, प्रो. गुरदीप सिंह, जो राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति बने, प्रो. पूनम सक्सेना, जो वर्तमान में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर की कुलपति हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

लॉ सेंटर II ने अपने स्वर्ण जयंती समारोह का जश्न जारी रखा। केंद्र ने संकाय-विद्यार्थी की भागीदारी के साथ केंद्र स्तर पर दो नई विशिष्ट शैक्षणिक सोसायटी/प्रकोष्ठ, अंतर्राष्ट्रीय कानून सेल और मध्यस्थता विधि प्रकोष्ठ की स्थापना की।

नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, लॉ सेंटर II ने अपना वार्षिक जस्टिफाइड मूट कोर्ट, 2022 आयोजित किया।

लॉ सेंटर-II ने पूरे भारत और विदेशों में प्रसिद्ध विशेषज्ञों/वक्ताओं के साथ आईपीआर पर 2022 के सबसे सफल सम्मेलनों में से एक, मानक आवश्यक पेटेंट और फ्रैंड लाइसेंसिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

एलसी-II को दिल्ली विश्वविद्यालय में कानून के मानद प्रोफेसर प्रो.वेद नंदा के साथ एक और संकाय को बातचीत करने का सौभाग्य मिला।

सम्मान /विशिष्टता

- प्रोफेसर वागेश्वरी देसवाल को दिसंबर, 2022 में महिला आर्थिक मंच द्वारा उत्कृष्ट महिला का पुरस्कार दिया गया।

प्रकाशन

शोध लेख

अंजय कुमार,(2022), वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम की आवश्यकता : एक महत्वपूर्ण अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज एंड रिसर्च*, 3,11,54-66.

जुपी गोगोई,(2022), अभिनेता और सम्मान : कॉपीराइट परिप्रेक्ष्य से भारत में फिल्मों में अभिनेताओं के अधिकारों की जांच, *इंडियन जर्नल ऑफ लॉ एंड जस्टिस*, 1,13, 228-252.

नितेश सारस्वत,(2022), न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत- कष्टप्रद आपराधिक मुकदमेबाजी के खिलाफ बचाव की पहली पंक्ति, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रांसपेरेंसी एंड अकाउंटेबिलिटी इन गर्वनेंस, 7,8,47-68.

नितेश सारस्वत,(2022), न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत- कष्टप्रद आपराधिक मुकदमेबाजी के खिलाफ बचाव की पहली पंक्ति, *देहरादून कानून समीक्षा*, 1,14, 93-102.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

डॉ. अंजय कुमार,(2022), संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम का परिचय, *दिल्ली,* सत्यम इंटरनेशनल प्रकाशन, 978-9391345242.

डॉ. जुपी गोगोई, (2023), उत्तर-पूर्व भारत के विशेष संदर्भ में पारंपरिक ज्ञान और भौगोलिक संकेतों का संरक्षण, *नई दिल्ली,* एनएलयूजेए, असम और सत्यम लॉ इंटरनेशनल, 978-81-19121-03-8.

किसलय सोनी,(2022), आपदा प्रबंधन प्रतिमान में मुख्यधारा लैंगिक : एक तुलनात्मक विश्लेषण, *नई दिल्ली,* थॉमसन रॉयटर्स, 978-93-91340-29-2.

किसलय सोनी,(2022), वीडियो गेम्स के दायरे में आईपीआर एनिग्मा, *नई दिल्ली,* थॉमसन रॉयटर्स, 978-93-92630-99-6.

सौरभ राणा,(2023), आईपीसी- केस और सामग्री, *नई दिल्ली,* यूनिवर्सिटी बुक पब्लिशर्स, 9789390672370.

डॉ. परीक्षित सिरोही,(2022), नव-उदारवादी शासन में संस्थागत गिरावट: भारत से नोट्स, *नई दिल्ली,* थॉमसन रॉयटर्स, 978-93-92630-23-1.

डॉ. ईशा वाधवा शर्मा,(2022), कॉपीराइट अपवाद और ऑनलाइन शिक्षा, *नई दिल्ली,* थॉमसन रॉयटर्स, 978-93-92630-99-6.

अनुपम झा,(2022), अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के अधिनियम: रोम संविधि में समावेशन की आवश्यकता, *नीदरलैंड,* ब्रिल/ निजॉफ, 978-900-444-7455.

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल(जर्नल्स)

प्रो. (डॉ.) किरण गुप्ता,(2020), नेशनल कैपिटल लॉ जर्नल, *लॉ सेंटर 2*, 18, 1-120.

डॉ. वागेश्वरी देसवाल,(2021), दिल्ली जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी लॉ, *लॉ सेंटर 2* , 4, 1-271

अनुसंधान परियोजनायें

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, अगस्त, 2022, फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम के तहत माइनर शोध अनुदान(रिसर्च ग्रांट), आईएनआर 3,00,000.

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

प्रोफेसर ए.के पांडे, प्रोफेसर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, यूपी, नारीवाद और नारीवादी न्याय, 27-05-2022.

न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन, न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय, तीन तलाक पर न्यायिक प्रतिक्रिया, 02-04-2022.

प्रोफेसर वेद नंदा, प्रोफेसर, फैकल्टी इंटरएक्टिव सत्र, 14-02-2023.

न्यायमूर्ति प्रथिब ए एम सिंह पाटिल डॉ. जय केसन और अन्य, न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय के प्रोफेसर, इलिनोइस विश्वविद्यालय, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्टैंडर्ड इसेंसियल पेटेंट एंड फ्रॉड लाइसेंसिंग, 28-07-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. इरविन लालमुआनपुई हनम्ते, सहायक प्रोफेसर, महिलाओं के समसामयिक मुद्दों और कानून हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : भारत में महिला सशक्तिकरण में चुनौतियां और समस्याएं कर्नाटक राज्य विधि विश्वविद्यालय हुबली और क्रिस्टु जयंती कॉलेज ऑफ लॉ, बेंगलुरु ऑनलाइन 16/08/2022.

डॉ. इरविन लालमुआनपुई हनम्ते, सहायक प्रोफेसर, पारंपरिक ज्ञान, भौगोलिक संकेतों और स्वदेशी लोगों के अधिकारों के संरक्षण, उत्तर पूर्व भारत के विशेष संदर्भ में पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पारंपरिक ज्ञान, भौगोलिक संकेतों और स्वदेशी लोगों के अधिकारों के संरक्षण पर ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑनलाइन 27/05/2022.

डॉ. इरविन लालमुआनपुई हनम्ते, सहायक प्रोफेसर, महिला व्यावसायिकता पर लैंगिक संवेदीकरण और राष्ट्रीय संगोष्ठी : मुद्दे और चुनौतियां महिला पेशेवर और कानून- एक सिंहावलोकन, टी. रोमाना कॉलेज, आइजोल, मिजोरम टी. रोमाना कॉलेज, रिपब्लिक वेंग, आइजोल, मिजोरम 17/03/2023.

डॉ. प्रमोद तिवारी, सहायक प्रोफेसर रीवा रिसर्च कॉन्क्लेव, 2022, अंतर्राष्ट्रीय ई कॉन्फ्रेंस दिल्ली में मौसम और अपराध, रीवा विश्वविद्यालय, रीवा। 16-17 दिसंबर, 2022.

शौरी आनंद सिंह, वैश्वीकरण के युग में राष्ट्रीय कानून के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के अभिसरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन । मानव अधिकारों और राजनयिक प्रतिरक्षा के बीच संघर्ष के लिए सामान्य आधार आवश्यकता है। वी.आई.टी स्कूल ऑफ लॉ वेल्लोर वी.आई.टी स्कूल ऑफ लॉ वेल्लोर। 22 और 23 अप्रैल, 2022.

किरण गुप्ता, प्रोफेसर "उपभोक्ता मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मेलन" सम्मानित अतिथि उपभोक्ता कानून, एनएलयू दिल्ली ऑनलाइन 11 मार्च, 2023.

किरण गुप्ता, प्रोफेसर रिसोर्स पर्सन "समान नागरिक संहिता और पारिवारिक कानून" जेईएमटीईसी स्कूल ऑफ लॉ, जेआईएमएस, ग्रेटर नोएडा जेईएमटीईसी स्कूल ऑफ लॉ, जेआईएमएस, ग्रेटर नोएडा, 13 जुलाई, 2022.

डॉ. जुपी गोगोई, सहायक प्रोफेसर, उद्यमिता और पेटेंट पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला अतिथि वक्ता "भारत में पेटेंट और पेटेंट पंजीकरण की मूल बातें" अनुसंधान, नवाचार और परामर्श बोर्ड (बीआरआईसी),

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी), और इनोवेशन एंड स्टार्टअप सेल, असम डॉन बॉस्को यूनिवर्सिटी ऑनलाइन 4 जून, 2022.

डॉ. जुपी गोगोई, सहायक प्रोफेसर, "बौद्धिक संपदा अधिकार: सृजन और नवाचार की रक्षा" पर कार्यशाला अतिथि वक्ता 'आईपीआर का परिचय' भौतिकी विभाग और कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, यूएसटीएम, मेघालय ब्रायनहाट, मेघालय 21 अक्टूबर, 2022.

डॉ. मोनिका चौधरी, सहायक प्रोफेसर, सरोगेसी पर राष्ट्रीय आभासी बहुविषयक सेमिनार सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) अधिनियम, 2021 और सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम, 2021 की कालानुक्रमिक विचारधारा: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, औरंगाबाद ऑनलाइन 2-3 मई, 2022.

डॉ. आशुतोष आचार्य, सहायक प्रोफेसर, नैदानिक कानूनी शिक्षा और मानव अधिकार शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 का कार्यान्वयन: भारत में कानून स्कूलों में कानूनी सहायता समितियों की भूमिका अखिल भारतीय कानून शिक्षक कांग्रेस, आईएसआईएल नई दिल्ली 19-20 नवंबर, 2022.

डॉ. आशुतोष आचार्य, सहायक प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय कानून और बदलती वैश्विक व्यवस्था पर नौवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएसआईएल गहरे समुद्र में खनन और समुद्री पर्यावरण पर इसका प्रभाव: अंतर्राष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण की भूमिका, इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, नई दिल्ली, 2 से 4 मार्च, 2023.

किरण गुप्ता, प्रोफेसर, विशेष वार्ता "समान नागरिक संहिता: भारत में व्यवहार्यता", सिटीजन फोरम इंडिया, नई दिल्ली, ऑनलाइन 16 अप्रैल, 2022.

प्लेसमेंट विवरण (पदस्थापित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत) : 5

संकाय संख्या: 42

***

प्रबंधन अध्ययन संकाय

संक्षिप्त विवरण

प्रबंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस, दिल्ली) देश के सबसे पुराने बिजनेस-स्कूलों में से एक है, जिसकी स्थापना 1954 में दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में की गई थी। यह संस्थान दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एक भाग के रूप में शुरू किया गया था और अब एक पूर्ण प्रबंधन संस्थान बन गया है। विश्वविद्यालय प्रणाली का एक हिस्सा होने के नाते, यह अग्रणी बिजनेस स्कूलों के बराबर उद्योग, व्यवसाय, सरकारी और सामाजिक क्षेत्र में योगदान दे रहा है। 1954 में प्रबंधन में एक सायंकालीन स्नातकोत्तर कार्यक्रम के साथ शुरुआत की। इसने 1967 में एमबीए (पूर्णकालिक) कार्यक्रम शुरू किया। एफएमएस ने वर्ष 1982 में भारत और विदेश के प्रबंधकों के अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय-साउथ कैंपस में शांति प्रसाद जैन एडवांस्ड मैनेजमेंट रिसर्च सेंटर की स्थापना की। इन वर्षों में इस संस्थान ने अपने विद्वान संकाय और छात्रों के संबंध में ख्याति हासित की है, जो आज भारत और विदेशों दोनों में कॉर्पोरेट जगत में प्रतिष्ठित पदों पर पदस्थ हैं। इसके सभी कार्यक्रम जैसे एमबीए (पूर्णकालिक), एमबीए कार्यकारी, एमबीए कार्यकारी (स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन), और प्रबंधन में पीएच.डी. की डिग्री को उद्योग द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार किया जाता है।

प्रमुख कार्यकलाप ओर उपलब्धियाँ

फैकल्टी ऑफ प्रबंधन अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय (एफएमएस) भारत के शीर्ष प्रबंधन स्कूलों में से एक है, जिसकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता के लिए ख्याति है। एफएमएस देश के सभी हिस्सों से इंजीनियरिंग से लेकर उदार कला तक विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करता है। छात्रों हेतु एफएमएस प्रवेश नीति सकारात्मक रूप से लैंगिक और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में विविधता को बढ़ावा देती है। सभी एमबीए छात्रों को भारत की सबसे प्रमुख कंपनियों के साथ इंटर्न करने का अवसर दिया जाता है। एफएमएस अपने शिक्षण की गुणवत्ता और अपने व्यवसाय और व्यवसायी उन्मुख अनुसंधान दोनों के लिए प्रसिद्ध है। एफएमएस में छात्र का नियोजन रिकॉर्ड बहुत अच्छा है। पूर्णकालिक एमबीए प्रोग्राम के अलावा, एफएमएस एमबीए कार्यकारी कार्यक्रम, एमबीए हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम और डॉक्टरेट कार्यक्रम आयोजित करता है। एफएमएस के पूर्व छात्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में व्यापार, शिक्षाविदों, प्रशासन, नीति निर्माण और सार्वजनिक जीवन सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में शीर्ष पदों पर पदस्थ हैं।

प्रकाशन

शोध-लेख

ास, डी., सरकार, ए. और देबरॉय, ए. (2022)। इंपेक्ट आफ कोविड-19 ऑन चेंजिंग कंज्युमर विहेवियर। *इंटरनेशनल जर्नल आफ कंज्युमर स्टडीज।*

शर्मा, सुनील और संजना, एनएम (2022)। लेसन्स फ्रॉम एन एमर्जिंग इकोनॉमी। *जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट।*

द्रास, ए.के., बर्धन, ए.के., और फागेदा। (2022)। इवोल्युशन आफ एक्टिविटी बेस्ड कॉस्टिंग टेक्नीक एस, *केस स्टडीज ऑन ट्रांसपोर्ट पॉलिसी।*

ल्होत्रा, पी., और सिन्हा, पी. (2022)। एडवांस्ड कॉस्टिंग टेकनीक- ए बिब्लियोमैट्रिक एनॉलिसिस, *आईआईएम रांची जर्नल ऑफ प्रबंधन अध्ययन।*

सिन्हा, पी., और ग्रोवर, एन. (2022)। ह्वाट इज ड्राइविंग द पैसेंजर डिमांड ऑन न्यू रिजनल एयर रूट, *फाइनेंस इंडिया।*

अग्रवाल, पी., और अग्रवाला, टी (2022)। रिलेसनशिप ऑफ ग्रीन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट विद एनवारामेंट परफॉर्मेंस: मेडियेटिंग इफेक्ट आफ ग्रीन ऑर्गेनाइजेशनल कल्चर, *पर्सनल रिव्यू।*

आचार्य, एम. और अग्रवाला, टी. (2022)। रिलेशनशिप विटमिन सीएसआर मोटिवेशंस एंड कॉर्पोरेट सोशल पर्फोर्मेंस: ए स्टडी इन द पॉवर इंडस्ट्री इन इंडिया, *पर्सनल रिव्यू।*

सिन्हा, पंकज, और शाह, पी. एट अल (2022)। प्रेडिक्शन फॉर द 2020 यूनाइटेड स्टेट्स प्रेसिडेंसियल इलेक्शन यूजिंग मशीन लर्निंग एल्गोरिथम: लेसो रिग्रेसन, *जर्नल आफ प्रेडिक्शन मार्केट्स।*

काल्सी ए., और सिंह, आई. (2022)। एनालिसिस ऑफ पोस्ट मर्जर पर्फोर्मेंस ऑफ मर्ज्ड एनटिटी: ए स्टडी ऑफ सेलेक्ट फाइनेंसियल सेक्टर डिल्स, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकाउंटिंग एंड फाइनेंस रिव्यू।*

काल्सी, ए. और कालरा, जे. के. (2022)। कैपिटल एकाउंट लिब्रलाइजेशन एंड क्राइसिस: ए मेटा-एनालिसिस। *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल।*

दूबे, पी. और डे, एस. (2022)। इंफ्लेशनरी इफेक्ट्स ऑफ एग्रीकल्चरल कोमोडिटी फ्यूचर मार्केट इन इंडिया: इज इट देयर एंड शुड वी केयर?, *विजन।*

गोयल, एन. और डे, एस. (2022)। अंडरस्टेंडिंग हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज इन इंडिया। *इम्पीरिकल इकोनॉमिक लेटर्स।*

गुप्ता, जी. और नागपाल, एस. (2022)। चेटबोट फॉर एजुकेशनल सर्विसेज: कंफर्मेंसन एंड एसेसमेंट आफ क्वालिटी डायमेंसंस। *आईआईटीएम जर्नल आफ बिजनेस स्टडीज।*

रानी, एस. और गुप्ता, जी. (2022)। पैनिक बाइंग इन स्टॉक मार्केट्स: इनसाइट्स फ्रॉम बिबलियोमेट्रिक एनॉलिसिस। *गीतम जर्नल आफ मैनेजमेंट।*

गुप्ता, जी. और नागपाल, एस. (2022)। ओम्नी-चैनल रिटेल: द नुआंसेज आफ चैनल च्वाइस एंड स्विच विहेविअर। *टेक्निया जर्नल ऑफ प्रबंधन अध्ययन।*

निझावन, जी., गुजराल, एच. के. और सिंह, के. (2022)। द इंपेक्ट ऑफ एम्प्लाइज डेमोग्राफिक प्रोफाइल ऑन देयर इमोशनल इंटेलिजेंस एंड ऑर्गेनाइजेशनल सिटिजनशिप विहेविअर, *वेबोलॉजी।*

सिंघानिया, एम. और सैनी, एन. (2022)। क्वांटिफिकेशन ऑफ ईएसजी रेगुलेशंस: ए क्रॉस कंट्री बेंचमार्किंग एनालिसिस। *विजन।*

सैनी, एन., सिंघानिया, एम., हसन, एम., यादव, एम. पी. और अबेदिन, एम. जेड (2022)। नॉन फाइनेंसियल डिस्क्लोजर्स एंड सस्टेनेबल डेबलपमेंट: ए साइंटोमेट्रिक एनॉलिसिस। *जर्नल आफ क्लीनर प्रॉडक्शन।*

सुनेजा, वी. (2022)। इंपेक्ट ऑफ सोशल एफीनिटी ऑन अल्ट्रुइज्म: एक्सपेरिमेंटल एविडेंस फ्रॉम द अल्टीमेंटम गेम, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल इकोनॉमिक्स।*

सुनेजा, वी. (2022)। माइंडफुलनेस एज एन एंटीडॉट टू कांस्प्युकश कंजम्पशन: द मेडियेटिंग रॉल ऑफ सेल्फ इस्टीम, सेल्फ कॉसेप्ट क्लेरिटी एंड नॉर्मेटिव इंफ्लुएंस, *पर्सनलिटी एंड इंडिविडुअल डिफरेंसेस।*

सुनेजा, वी. (2022)। कॉआपरेशन विदइन टीम्स: ए रिव्यू आफ सोशल प्रिफेरेंसेज इन वन-शॉट प्रिजनर्स डिलेमा गेम। *द इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस।*

सुनेजा, वी. (2022)। द रेशनल फॉर एथिक्स इन पब्लिक प्रॉक्योरमेंट: ए ट्रांजेक्शन कॉस्ट्स पर्सपेक्टिव। *एनआईएफएम जर्नल ऑफ पब्लिक फाइनेंसियल मैनेजमेंट।*

सुनेजा, वी. (2022)। स्टडी आफ स्ट्रेटजीज ऑन कोर कम्पिटेंसिज ऑफ आईटी एसएमईज इन इंडिया। *फोकस डब्लूटीओ।*

सुनेजा, वी. (2022)। ह्यूमन कैपिटल स्ट्रेटजिज आफ आईटी एसएमईज इन इंडिया। *अभिज्ञान।*

सुनेजा, वी. (2022)। मैनेजमेंट: ए प्रोफेशन ओर ए वोकेशन?, *इंटरनेशनल जर्नल ऑन स्प्रीचुअलिटी एंड ऑर्गेनाइजेशनल लीडरशिप।*

सुनेजा, वी. (2022)। फ्रॉम मास्टर्स इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) टू मास्टर्स इन बिजनेस क्रियेटिविटी (एमबीसी): रिजुवेनेटिंग द मैनेजमेंट डिसिप्लिन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑन वेदिक फाउंडेशंस ऑफ मैनेजमेंट।*

कुमार, वी., दास, डी., और बर्धन, ए. के. (2022)। कार्बन फुटप्रिंट इंप्लिकेंशंस ऑफ डिमांट एंड सप्लाई अनसर्टेंटीज इन सप्लाई चेन: ए सिमुलेशन स्टडी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑफ मॉडलिंग एंड सिमुलेशन।*

कौर, एच., और वर्मा, एच. वी. (2022)। द इमोशन ऑफ प्राइड इन कंज्युमर विहेवियर एंड मार्केटिंग: ए रिव्यू, क्लासिफिकेशन एंड फ्युचर रिसर्च एजेंड। *मैनेजमेंट रिसर्च रिव्य।*

दुग्गल, ई., और वर्मा, एच. वी. (2022)। ऑफलाइन टू ऑनलाइन शॉपिंग: शिफ्ट इन वोलिशन ओर स्केप फ्रॉम वायलेशन। *जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च।*

ठाकुर, एम., स्कोमेकर, आर. एम. और यादव, एम. (2022)। रिस्पॉडिंग टू द क्लेरियन कॉल ऑफ कोविड-19: द स्टडी ऑफ इंपेक्ट ऑफ एचआर फंक्शन एंड एंप्लाइ इंगेजेंट ऑन पोस्ट-क्राइसिस आर्गेनाइजेशन रिकॉवरिवलिटी। *रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च।*

मोकाशी, टी., पाणिग्रही, एस., रमन, ए. वी., मुरलीधरन, वी. आर. और चोक्सी, एम. (2022)। प्रायोरिटी सेटिंग फॉर कॉलेबोरेटिव हेल्थ सिस्टम रिसर्च इन इंडिया: ए मेथड एंड द वे फोर्वार्ड। *जर्नल ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट।*

गुप्ता, एन., और वर्मा, एच. वी. (2022)। अदर कस्टमर्स सर्विस फेल्युर एंड रिकवरी एंकाउंटर्स: ए क्वालिटेटिव एक्प्लोरेशन। *एशिया पैसेफिका जर्नल ऑफ बिजनेस एडमिनिट्रेशन।*

कुमार, आर. और दास, डी. (2022)। ए पर्फोमेंस इवेल्युएशन फ्रेमवर्क आफ पब्लिक हेल्थ डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क फॉर एशेनशियल मेडिसिंस: लेसंश फ्रॉम सिलेक्ट इंडियन स्टेस्ट्स। *इंटरनेशनल ट्राजेक्शंस इन ऑपरेशनल रिसर्च।*

शेखर एंड दास, डी. (2022)। एनबलर्स आफ 'क्रियेटिंग शेयर्ड वेल्यु': ए टोटल इंटप्रेटिव स्ट्रक्चरल मॉडलिंग पॉलेरिटी एप्रोच। *ग्लोबल जर्नल ऑफ फ्लेक्सिबल सिस्टम मैंनेजमेंट।*

दास, डी. और सिंह, ए. (2022)। ऑप्टिमाइजिंग द डिलिवरी सेड्यूल ऑफ इक्विपमेंट इन ए प्रोजेक्ट एनवारामेंट कंसिडरिंग रिसोर्स लेबलिंग ऑफ स्टोरेज स्पेस एंड इट्स कांस्ट्रेंट: ए केस स्टडी। *जर्नल ऑफ एडवांसेस इन मैनेजमेंट रिसर्च।*

सरकार, ए., दास, डी., और देवराय, ए. (2022)। पैनिक बाइंग, प्रॉडक्ट सब्सटीच्युशन एंड चैनल शिफ्टिंग बिहेवियर ड्यूरिंग पैनडेमिक। *आईआईएम कोझिकोड सोसाइटी एंड मैनेजमेंट रिव्यू।*

बर्धान, ए. के. और अशरफ, एस. (2022)। मोर बायर्स ओर मोर सेलर: ऑन मार्केटिंग रिसार्स एलोकेशन स्ट्रेटिजज ऑफ कंपिटिंग टू-साइडेड प्लेटफार्म्स। *इलेक्ट्रॉनिक कामर्स रिसर्च।*

सोनी, वी., डे, पी. शर्मा, एस. और दास, डी. (2022)। निगोशिएटिंग ऑयल एंड गैस रिसोर्स ऑनरशिप फॉर इक्विटेशबल शेयरिंग: ए प्रोबलमेटाइजेशन एप्रोच एंड एविडेंस फ्रॉम इंडिया। *रिसोर्सेज पॉलिसी।*

सिन्हा, पी. और वोडवॉल, एस. (2023)। इफेक्ट ऑफ सब्प्राइम क्राइसिस ऑन फाइनेंसिंग डिजिशन एंड कैपिटल स्ट्रक्चर ऑफ इंडियन फर्म्स: ए प्री एंड पोस्ट क्राइसिस स्टडी यूजिंग सिस्टम जीएमएम मेथोडोलॉजी। *जर्नल ऑफ एडवांसेस इन मैनेजमेंट रिसर्च,* 20(3), 329-352.

गोस्वामी, के. थापा, डी. बी., सांडिल्य, जे. एंड डेका, एन. (2023)। एन एसेसमेंट ऑफ इकॉनोमिक प्रोफिटेब्लिटी ऑफ ब्लेक राइस (ओरीजा सटिवा एल. इंडिका) प्रोडक्शन इन असम इंडिया। *जर्नल आफ एप्लाइड रिसर्च ऑन मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स, 34(3).*

ओक्टावियो, ए., कैहातु, टी. एस., कुमारी, डी., नुग्रोहो, ए. और आदित्यजी, आर. (2023)। आई स्लेप्ट वेल एंड आई विल बी बैक: एन इंपीरिकल स्टडी ऑन होटल गेस्ट्स इन इंडोनेशिया। *सेबोल्ड रिपोर्ट,* 18(3), 1371-1383.

कोहली, डी., और मेहरा, एम. के. (2023)। इंपेक्ट ऑफ इलेक्ट्रोरल कंपीटिशन, स्विंग वोटर्स एंड इंटेरेस्ट ग्रुप्स ऑन इक्विलिब्रियम पॉलिसी प्लेटफार्म्स: एक्सप्लोरिंग द स्ट्रेटेजिक फोर्सेज एट वर्क। *रिसर्च इन इकोनॉमिक्स*, 77(1), 60-75.

सोनी, वी., नेक्पे, सी., रॉक्स, एम., आनंद, आर., यारोसोन, ई.वी. और बेनवेट, डी. के. (2022)। एडॉप्टिव डिस्ट्रिब्यूटेड लीडरशिप एंड सर्कुलर इकॉनोमी एडॉप्शन वाय एमर्जिंग एसएमई। *जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च,* 156.

सोनी, वी., डे, पी. के. शर्मा, एस., और दास, डी. (2023)। निगोशिएटिंग ऑयल एंड गैस रिसार्स ऑनशिप फॉर इक्विटेबल शेयरिंग: ए प्रोबलमेटाइजेशन एप्रोच एंड एविडेंस फ्रॉम इंडिया। *रिसार्सेज पॉलिसी*, 85(3), 1-22.

गोस्वामी, एम., और गोस्वामी, ए. के. (2022)। ए कंप्रिहेंसिव एक्जामिनेशन ऑफ साइकोलॉजिकल कैपिटल रिसर्च यूजिंग बिबलियोमेट्रिक, टीसीसीएम एंड कंटेंट एनॉलिसिस। *बेंचमार्किंग: एन इंटनेशनल जर्नल*, 30(5), 1588-1622.

कनौजिया, एस., लक्ष्मी, वी., सचदेव, एस., और वर्मा, एम. (2023)। टेंसेग्रिटी ऑफ इंटरनल कंट्रोल सिस्टम, बोर्ड्स एबिलिटी, एंड कार्पोरेट गवर्नेंस प्रैक्टिस। *ग्लोबल बिजनेस रिब्यू।*

एंटिल, ए., सैनी, एन., सहगल, एस., अग्रवाल, एस., और शहजाद, यू. (2023)। इफेक्टिकवनेस ऑफ मेटाफोरिकल कंम्युनिकेशन इन द गवर्नेंट कैंपेंग ऑन डिजिटाइजेशन। *एफआईआईबी बिजनेस रिब्यू।*

ओलिवर, टी.एच., बैजानाह, पी., कोस्टा, जे. डी., डेका, एन., डोर्नेलेस, ए. जेड, एट एल. (2023)। एम्पॉवरिंग सिटिजन लेड एडॉप्शन टू सिस्टेमिक क्लामेट चेंज रिस्क। *नेचर क्लाइमेट चेंज,* 13(7), 1-8.

कुमार, वी., वर्मा, ए., कुमार, ए. (2023)। ह्वाट आर द बेस्ट प्रैक्टिसेस फॉर इंड ऑफ लाइफ ह्विकल मैनेजमेंट-ए प्रैक्टिकल एसेसमेंट आफ एस्टिमेंट्स, पर्सेप्शंस एंड पॉलिटिक्स। *मैनेजमेंट ऑफ एनवारामेंटल क्वालिटी*, 34(6).

श्री, सी., वर्मा, ए. गुप्ता, जी., और कुमरा, आर. (2023)। प्रायोरिटाइजिंग फैक्टर्स आफ पैनिक बाइंग बिहेवियर: ए न्यूट्रोसोफिक एनालिटिकल एप्रोच। *आईआईएम कोझिकोड सोसाइटी एंड मैनेजमेंट रिव्यू।*

वर्मा, ए., जोशी, जी., श्री, सी., चतुर्वेदी, ए., और गुप्ता, एस. (2023)। रोल ऑफ फियर ऑन कंस्युमर्स बाइंग टेंडेंसीज: मेडियेटिंग रोल ऑफ सोशल मीडिया यूसेज। *एफआईआईबी बिजनेस रिब्यू।*

निझावन, जी., गुजराल, एच. के. और सिंह, के. (2023)। पर्सिव्ड ऑर्गेनाइजेशनल सपोर्ट एंड जॉब पर्फोमेंस: मेडियेटिंग रोल ऑफ ऑर्गेनाइजेशनल सिटिजनशिप विहेवियर। *जर्नल फॉर री अटेल थैरेपी एंड डेवलपमेंटल डायवर्सिटीज*, 6(4), 139-151.

सुनेजा, वी., और दास, डी. (2023)। इंपेक्ट ऑफ सोशल प्रिफेरेंसेज, ट्रस्ट एंड विहेविरियल नॉर्म्स ऑन कॉपरेशन: एक्सपेरिमेंटल एविडेंस फ्रॉम प्रिजनर्स डिलेमा गेम। *स्टडीज इन माइक्रोइकोनॉमिक्स।*

बुधिराजा, एस., ठाकुर, एम. और यादव, एम. (2023)। लिवरेजिंग ह्युमन रिसोर्स मैनेजेंट प्रैक्टिसेस ड्यूरिंग मर्जर्स एंड एक्विजेशंस: ए बिबलियोमेट्रिक एनॉलिसिस एंड फ्यूचर रिसर्च एजेंडा। *बेंचमार्किंग: एन इंटरनेशनल जर्नल।*

सिद्दकी, एस., आफताब, डब्लू., और रमन, ए. वी., एट एल. (2023)। द रॉल आफ द प्राइवेट सेक्टर इन डेलिवरिंग एसंसियल पैकेजेज आफ हेल्थ सर्विसेज: लेसंश फ्रॉम कंट्री एक्सपेरियंसेज। *बीएमजे ग्लोबल हेल्थ,* 8(1).

बिगिओ, जे., हेन्ने, ई., पाई, एम., एलिसजाबाना, बी., दास, आर., हूनह: एच. बी., खान, यू., मोर्टेरा, एल., न्यूयेन, टी. ए., सफदर, एम. ए., श्रेष्ठा, एस., रमन, ए. वी., वर्मा, एस. सी., येल्लप्पा, वी., और श्रीवास्तव, दिव्या (2023)। द इंक्लूजन आफ डायग्नेटिक्स इन नेशनल हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम्स इन कंबोडिया, इंडिया, इंडोनेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिपिन्स और वियतनाम, *बीएमजे ग्लोबल हेल्थ।*

पुस्तक-अध्याय

ए. वेंकट रमन, (2022)। हारनेशिंग द कंट्रिव्यूशन ऑफ द प्राइवेट हेल्थ केयर सेक्टर टूवार्ड पब्लिक हेल्थ गोल, --, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 9781009211093, --

ए. वेंकट रमन, (2022)। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप इन हेल्थ केयर सर्विसेज, --, --, 9781009211093,

ंधान परियोजनाएं

--, 2022-2024, ई गवर्नेंस केसेज-डेवलेपमेंट आफ मल्टीमीडिया केसेज विद टीचिंग नोट्स इ गवर्नेंस इनिसिएटिव्स ऑफ गवर्मेंट आफ इंडिया, 1.15 करोड़

आईओई, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली, 2022, अंडरस्टैंडिंग ओमनीचैनल शॉपर्स: ए स्टडी आफ पर्चेज एंड चैनल स्वीचिंग बिहेवियर, 40,000 रूपए

आईसीएसएसआर, 2023, इंपेक्ट ऑफ डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम आफ गवर्मेंट आफ इंडिया ऑन फाइनेंसियल इंक्लूशन: एन एसेसमेंट, 1499000 रूपए

कस्माइज्ड एनर्जी सोल्युशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीईएस), 2023, इंडियन ईवीएस एंड बैट्री गीगा फैक्ट्रीज: इंपेरेटिव्स फॉर ए रोबस्ट सप्लाई चेन, 300000

इंस्टीच्युशन ऑफ एमीनेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, 2023, एक्सपेरिमेंटल इवेल्युएशन आफ इंपेक्ट आफ गेमिफिकेशन इन एजुकेशन, 300000

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

269 छात्र, 100% नियोजन

संकाय संख्या : इकतालीस (पद)

प्रदत्त पी.एचडी डिग्री की संख्या : 37

***

गणितीय विज्ञान संकाय

कंप्यूटर विज्ञान

संक्षिप्त विवरण

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1981 में कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। विभाग में शिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान के लिए आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर अनुसंधान के अवसर और अध्ययन कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। विभाग ने वर्ष 1982 में 3-वर्षीय मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) कार्यक्रम शुरू किया, जो भारत में इस प्रकार के पहले कार्यक्रमों में से एक था। विभाग ने 2-वर्षीय एम.एससी. कार्यक्रम आरंभ किया। वर्ष 2004 में कंप्यूटर विज्ञान कार्यक्रम का उद्देश्य कंप्यूटर विज्ञान में मुख्य क्षमता विकसित करना और छात्रों को विकास कार्य करने के साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना था। इनके अलावा, विभाग कंप्यूटर विज्ञान में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) संचालित करता है जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शोधकर्ता और उच्च प्रभाव वाले अंतर्विषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपने घटक कॉलेजों के माध्यम से स्नातक सीबीसीएस कार्यक्रम-बी.एससी. (एच) कंप्यूटर साइंस, बी.एससी. भौतिक/गणितीय विज्ञान और बी.ए. कार्यक्रम (कंप्यूटर अनुप्रयोगों में अनुशासन पाठ्यक्रम) संचालित किए जाते हैं। तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकी और नवाचार की निरंतर आवश्यकता के साथ, विभाग ने गुणवत्तापूर्ण पेशेवर तैयार किए हैं जो भारत और विदेशों में आईटी उद्योग में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

1. रुचि सिन्हा कोडकेज़ 17 जून 2023 व्यक्तिगत राष्ट्रीय द्वितीय स्थान कोडिंग निन्जा
2. रोहित कुमार कोडकेज़ 18 जून 2023 व्यक्तिगत राष्ट्रीय तृतीय स्थान कोडिंग निन्जा
3. 25 मार्च 2023 सांस्कृतिक कार्यक्रम पूर्व-छात्र मिलन समारोह https://alumni.cs.du.ac.in/
4. 29-30 अप्रैल 2023 तकनीकी समारोह संकलन https://ducs.in/sankalan/

सम्मान/गौरव

वरिष्ठ प्रो. पुनम बेदी का नाम स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विश्व के शीर्ष 2% शोधकर्ताओं की सूची में शामिल किया गया है, जिसे एल्सेवियर ने 10 अक्तूबर, 2022 को प्रकाशित किया था।

प्रकाशन

शोध-लेख

शर्मा, एन.के., कुमार, एस., राजपाल, ए., और कुमार, एन. (2022). मंता रे डब्ल्यू मार्क: एन इमेज एडाप्टिव मल्टीप्ल इम्बेडिंग स्ट्रेंथ ऑप्टिमाइजेशन बेस्ड वॉटरमार्किंग यूजिंग मंता रे फोरेजिंग एंड बाइ-डायरेक्शन ईएलएम. एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लीकेशन्स, 200, 116860.

राजपाल, ए., सेहरा, के., बागरी, आर., एवं सिक्का, पी. (2023)। एक्सएआई-एफआर: डीप न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके वर्णनयोग्य एआई-आधारित चेहरा पहचान। वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, 129(1), 663-680.

द्विवेदी, के., राजपाल, ए., राजपाल, एस., अग्रवाल, एम., कुमार, वी., एवं कुमार, एन. (2023). गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर वर्गीकरण के लिए वर्णनयोग्य एआई-संचालित बायोमार्कर अन्वेषण ढांचा। कंप्यूटर्स इन बायोलॉजी एंड मेडिसिन, 153, 106544.

राजपाल, ए., सेहरा, के., मिश्रा, ए., एवं चेट्टी, जी. (2023). चरम शिक्षण मशीन और उसके वेरिएंट का उपयोग करके कम-रिज़ॉल्यूशन वाली रीयल टाइम फेस रिकग्निशन, इमेजिंग साइंस जर्नल, 1-16.

कुमार, एस., राजपाल, ए., शर्मा, एन.के., राजपाल, एस., नैय्यर, ए., एवं कुमार, एन. (2022)। रोज़मार्क: एसडब्ल्यूटी-डीसीटी ढांचे का उपयोग कर मजबूत सेमी-ब्लाइंड ईसीजी वॉटरमार्किंग योजना। डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, 129, 103648.

ठुकराल, ए., धीमान, एस., मेहर, आर., एवं बेदी, पी. (2023)। स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों के लिए एनएलपी, एनईआर और बायोमेडिकल ऑन्टोलॉजी का उपयोग करके नैदानिक वर्णनों से ज्ञान ग्राफ संवर्धन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, 15(1), 53-65.

दुआ, ए., जिंदल, वी., एवं बेदी, पी. (2022), इंटरनेट प्रोटोकॉल संस्करण 6 में स्टोरेज-आधारित गुप्त चैनलों की पहचान और उनका पता लगाना। आईईईई एक्सेस, 10, 110661-110675.

कुमारी, टी., शर्मा, आर., एवं बेदी, पी. (2022), ऑनलाइन डेटिंग में बहुआयामी पारस्परिक अनुशंसाओं के लिए एक प्रासंगिक-बैंडिट दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ इंटेलिजेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, 59(3), 705-731.

बेदी, पी., एवं सिंघल, ए. (2022)। स्टेगो छवियों में सार्वभौमिक पेलोड क्षेत्र का पता लगाने के लिए कवर छवि का अनुमान लगाना। जर्नल ऑफ़ किंग सऊद यूनिवर्सिटी-कंप्यूटर और सूचना विज्ञान, 34(8), 5797-5809.

राणा, बी., एवं राठौड़, एस.एस. (2023)। उद्योग 4.0-उद्योगों और शिक्षा जगत में अनुप्रयोग, चुनौतियाँ और अवसर: एक समीक्षा। मैटीरियल्स टुडे: प्रोसीडिंग्स, 79, 389-394.

कुमार, एम., पटेल, ए.के., बिस्वास, एम., एवं शिथार्थ, एस. (2023)। असामान्य मानव गतिविधि का पता लगाने के लिए ध्यान-आधारित द्विदिश-दीर्घकालिक स्मृति। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 13(1), 14442.

सिंह, आर., बिस्वास, एम., एवं पाल, एम. (2023)। सैंटिनल 2 इमेजरी का उपयोग करके एक ट्रांसफार्मर-आधारित क्लाउड डिटेक्शन दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिमोट सेंसिंग, 44(10), 3194-3208.

शाक्य, ए., बिस्वास, एम., और पाल, एम. (2023)। डिफरेंशियल ग्रेडिएंट्स के साथ मल्टी-इमेज कलर घटकों का उपयोग करके एसएआर और ऑप्टिकल डेटा का संलयन और वर्गीकरण। रिमोट सेंसिंग, 15(1), 274.

बिस्वास, एम. (2023)। मेडियन फिल्टर और डीप लर्निंग का उपयोग करके रंगीन छवियों में आवेग शोर दमन। रीसेंट एडवांसेज इन कंप्यूटर साइंस एंड कम्न्युनिकेशन (पूर्व में: रीसेंट पेटेंट्स ऑन कंप्यूटर साइंस), 16(6), 56-68.

कगीता, वी.आर., पुजारी, ए.के., पद्मनाभन, वी., एवं कुमार, वी. (2022)। आगमनात्मक अनुरूप अनुशंसा प्रणाली। नॉलेज-बेस्ज्ञाड सिस्टम्स, 250, 109108.

वीरामचनेनी, एस.डी., पुजारी, ए.के., पद्मनाभन, वी., एवं कुमार, वी. (2022)। गैर-अतिव्यापी डेटा के साथ क्रॉस-डोमेन अनुशंसा के लिए हिंज-लॉस आधारित कोडबुक स्थानांतरण। इनफार्मेशन सिस्टम्स, 107, 102002.

कुमार, आर., एवं सिंह, के. (2022)। सॉफ्ट कंप्यूटिंग-आधारित उच्च-उपयोगिता आइटमसेट खनन पर एक सर्वेक्षण। सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 26(13), 6347-6392.

पुस्तक-अध्याय

शर्मा, एन.के., कुमार, एस., राजपाल, ए., और कुमार, एन. (2021, मार्च)। कर्नेल ओएस-ईएलएम का उपयोग करते हुए डीडब्ल्यूटी और क्वांटाइजेशन आधारित डिजिटल वॉटरमार्किंग योजना। *सॉफ्ट कंप्यूटिंग, अनुकूलन सिद्धांत और अनुप्रयोगों पर वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* में (पृष्ठ 313-328)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

दुआ, ए., जिंदल, वी., एवं बेदी, पी. (2022, जुलाई)। DICCh-D: DNN का उपयोग करके IPv6-आधारित गुप्त चैनलों का पता लगाना। *सूचना, संचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* में (पीपी. 42-53)। चाम: स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।

अनुसंधान परियोजनाएं

संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान के तहत, इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा चार परियोजनाओं को प्रत्येक को 3 लाख की राशि प्रदान की गई।

स्टार्ट-अप अनुदान के तहत एक परियोजना को डीएसटी-एसईआरबी द्वारा 32,75,221/- रुपये की राशि प्रदान की गई।

दो परियोजनाओं को प्रमुख अनुसंधान परियोजना योजना के तहत इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक को 15,90,000/- और 10,30,000/- रु. की राशि प्रदान की गई।

यूजीसी-बीएसआर रिसर्च स्टार्ट-अप अनुदान के तहत एक परियोजना को 10 लाख रुपये प्रदान किए गए।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. अंकित राजपाल ने 5-6 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल के सहयोग से सीएसई विभाग, ईईई के स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग विभाग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल, भरत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, चेन्नई द्वारा आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन एफडीपी में "पायथन का उपयोग करके डेटा हैंडलिंग" पर दो सत्र संचालित किए।

डॉ. अंकित राजपाल ने 27 अक्तूबर से 03 नवंबर 2022 तक शिक्षा मंत्रालय (पीएमएमएमएनटीटी योजना) के गुरु अंगद देवटीचिंग लर्निंग सेंटर के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो सप्ताह के एफडीपी पायथन: एसेंशियल, प्रोग्रामिंग और एनालिटिक्स में व्याख्यान दिया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

क. समझौता-ज्ञापन, एआईजेड, जापान, पांच वर्ष के लिए.

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

एम.एससी. कम्प्यूटर विज्ञान - 42

एमसीए - 54

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

डा. अंकित राजपाल-28 सितंबर 2022 को मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित ‘अवलोकन 2022’ में अनुसंधान परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के लिए एक विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डा. भारती-दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में अगस्त 2022 से सितंबर 2022 तक आयोजित '2-डी और 3-डी डेटा में हेरफेर' पर 15 घंटे की कार्यशाला के लिए एक विशेषज्ञ वक्ता।

संकाय सदस्य संख्या - 13

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या - 8

***

गणित

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय में गणित विभाग 1947 में स्थापित किया गया था, और अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने हमेशा देश के सर्वश्रेष्ठ गणित विभागों में से एक बनने का प्रयास किया है और बीजगणित,

विश्लेषण, टोपोलॉजी, विभेदक समीकरण, गणितीय प्रोग्रामिंग सहित गणित के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता का केंद्र बनने की दिशा में काम किया है। शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए विभाग की मजबूत प्रतिबद्धता ने पूरे देश से प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित किया है। विभाग वर्तमान में गणित में एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित करता है। यह छात्रों को ऐसा वातावरण और अवसरंचना प्रदान करता है जो उन्हें छात्रवृत्ति, रचनात्मक कार्य, पेशेवर अहसास और सेवा की क्षमता विकसित करने में मदद करता है। विभाग ऐसे व्यक्ति तैयार करता है जिनके पास विषय का एक सुदृढ़ आधार होता है और उनमें उत्कृष्ट व्यावहारिक गुण होते हैं। विभाग को यूजीसी के एसएपी-डीआरएस, एसएपी-डीएसए, डीएसटी-फिस्ट और डीएसटी-पर्स सहित विभिन्न समर्थन और अनुदान प्राप्त हो रहे हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

वर्ष 2023 में गणित विभाग की क्यूएस विश्व रैंकिंग 251-300 है, और एशिया के भीतर क्यूएस रैंकिंग 72 है, जो वर्ष 2022 की तुलना में बेहतर है। भारत के भीतर इसकी क्यूएस रैंकिंग 9वीं है। विभाग के संकाय सदस्यों के पास लगभग 122 लाख रु.की अनुसंधान परियोजनाएं हैं और इसने अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में लगभग 87 शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं। दो पोस्ट-डॉक्टरल फेलो ने प्रतिष्ठित एनबीएचएम और यूजीसी डॉ. डी.एस. कोठारी फेलोशिप का लाभ उठाते हुए विभाग में काम किया है। गणित विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय में 2021 में सर्वश्रेष्ठ वेबसाइट का पुरस्कार मिला। विभाग अवसरंचना में सुधार हुआ है तथा विभाग के अनुसंधान स्कॉलर कक्ष, सेमिनार कक्ष और कक्षाएँ लेजर प्रोजेक्टर, पीटीजेड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कैमरे आदि से सुसज्जित हैं। विभाग के नियोजन प्रकोष्ठ ने छात्रों के कौशल विकसित करने के लिए अनेक वेबिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन किया। लगभग 25 कंपनियों ने विभाग का दौरा किया और 45 छात्रों का चयन किया तथा वर्ष 2022-23 में प्रस्तावित उच्चतम पैकेज 19.5 लाख रु. प्रतिवर्ष है।

सम्मान/गौरव

रुचि दास ने 28 दिसंबर 2022 को हिमाचल गणित परिषद द्वारा गणितीय विज्ञान में हालिया रुझानों पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन किया।

रुचि दास ने शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27 से 28 फरवरी, 2023 तक विश्लेषण और उसके अनुप्रयोगों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएए-23) के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन किया।

तरुण दास अकादमिक परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, अकादमिक परिषद, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अकादमिक मामला परिषद, एनएसआईटी, गणित अध्ययन बोर्ड, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, गणित अध्ययन बोर्ड, लद्दाख विश्वविद्यालय और संकाय बोर्ड, एमडीयू,रोहतक के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

प्रकाशन

शोध-लेख

लूथरा पी. एवं कुमार ए., (2022), ऑपरेटर सिस्टम थ्योरी: एक सर्वेक्षण, मैथमेटिक्स, *इट्स एप्लीकेशंस एंड हिस्ट्री,* 8.1-8.20।

बेनीवाल, एस., कुमार, ए., एवं लूथरा, पी. (2022)। सन्निकटन प्रमेय और ऑपरेटर सिस्टम के λ-टेंसर उत्पाद का स्थानीय संस्करण। एडवांसेज इन ऑपरेटर्सस थ्योरी, 7(3), 35.

कुमार, ए., एवं शर्मा, जे. (2022)। निलपोटेंट लाई समूहों पर अनिश्चितता सिद्धांत। खय्याम जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 8(2), 143-162.

बंसल, पी., कुमार, ए., एवं बंसल, ए. (2022)। सतत संग्राहक शिरलेट रूपांतरण।

कंसल ए. कुमार ए. एवं राजपाल वी., (2023), सी∗-टर्नरी रिंग्स की श्रेणी में आगमनात्मक सीमा, बुल, कोरियन मैथ. सोसाइटी, 1, 60, 137-148, 0.

बेनीवाल, एस., एवं कुमार, ए. (2023)। अनबाउंड ऑपरेटरों के टर्नरी रिंग। बानाच जर्नल ऑफ़ मैथमेटिकल एनालिसिस, 17(1), 2.

अर्पित कंसल, अजय कुमार, एवं वंदना राजपाल (2023)। सी-टर्नरी रिंग्स का प्रतिनिधित्व। कम्युनिकेशन्स ऑफ़ कोरियन मैथमेटिकल सोसायटी, 38(1), 123-135.

बंसल, पी., कुमार, ए., एवं बंसल, ए. (2023)। कुछ जुड़े हुए झूठ समूहों के लिए अनिश्चितता असमानताएँ। एनाल्स ऑफ़ फंक्शनल एनालिसिस, 14(3), 1-27.

दत्ता, जे., चंद्रा, एस., रिंपी, एवं ललिता, सी.एस. (2023)। इसमें सुधार: उत्तल कारक, सामान्यीकृत उत्तलता, और इष्टतम स्थिति। जर्नल ऑफ़ ऑप्टिमाइज़ेशन थ्योरी एंड एप्लीकेशन, 197(1), 383-385.

आंचल, एवं ललिता, सी.एस. (2023)। स्थानीय लिप्सचिट्ज़ वेक्टर अनुकूलन समस्याओं के लिए दूसरे क्रम की इष्टतमता स्थितियाँ। ऑप्टिमाइजेशन, 1-20.

शर्मा, पी.के., और ललिता, सी.एस. (2023)। सामान्यीकृत अर्ध-अनंत सेट अनुकूलन में समाधान सेट की कनेक्टिविटी। ऑप्टिमाइजेशन लैटर्स, 17(7), 1575-1594.

करुणा, एवं ललिता, सी.एस. (2022)। सेट ऑप्टिमाइज़ेशन में न्यूनतम समाधानों का अभिसरण, स्केलरीकरण और निरंतरता। जर्नल ऑफ़ द ऑपरेशंस रिसर्च सोसाइटी ऑफ़ चाइना, 1-21.

खुशबू, एवं ललिता, सी.एस. (2023)। सेट ऑप्टिमाइज़ेशन में सामान्यीकृत उन्मुख दूरी फ़ंक्शन के माध्यम से सेट ऑर्डर संबंधों और नॉनलाइनियर स्केलेराइजेशन की विशेषताएं। जर्नल ऑफ़ ग्लोबल ऑप्टिमाइज़ेशन, 85(1), 235-249.

रिम्पी, एवं ललिता, सी.एस. (2023)। मिश्रित बाधाओं के साथ गैर-सुचारू प्रोग्रामिंग समस्याओं के लिए उत्तलकर्ताओं के संदर्भ में बाधा योग्यताएं। ऑप्टिमाइजेशन, 72(8), 2019-2038।

ललिता, सी. (2022)। नॉनस्मूथ ऑप्टिमाइज़ेशन में बाधा योग्यताएँ: वर्गीकरण और अंतर-संबंध। जर्नल ऑफ नॉनलीनियर एंड वेरिएशनल एनालिसिस, 6(2). 6(2).

कुमारा, डी., एवं दासा, आर. (2023)। गतिशील प्रणाली के लिए टोपोलॉजिकल समसामयिकता और टोपोलॉजिकल समान कठोरता। फिलोमैट, 37(20), 6813-6822.

महाजन, ए., ठाकुर, आर., एवं दास, आर. (2023, जनवरी)। हॉसडॉर्फ़ एकसमान स्थानों पर परिभाषित

सेमीफ्लो के लिए एक वेक्टर के संबंध में बहु-संवेदनशीलता। सेमीग्रुप फोरम में (पीपी. 1-16)। न्यूयॉर्क: स्प्रिंगर यूएस।

कुमार, डी., सलमान, एम., एवं दास, आर. (2022)। हाइपरस्पेस पर टोपोलॉजिकल संवेदनशीलता।

ठाकुर, आर., एवं दास, आर. (2022)। सेमीफ्लो में एन-संवेदनशीलता के वेरिएंट पर। जर्नल ऑफ डिफरेंस इक्वेशन एंड एप्लीकेशन, 28(8), 1039-1053.

वशिष्ठ, आर., एवं दास, आर. (2021)। गैर-स्वायत्त प्रणालियों के लिए विशिष्टता और छायांकन गुण। जर्नल ऑफ़ डायनामिकल एंड कंट्रोल सिस्टम्स, 1-12.

खान, ए.जी., एवं दास, टी. (2023)। समूह क्रियाओं के स्थलाकृतिक रूप से स्थिर और लगातार बिंदु। मैथमैटिका स्कैंडिनेविका, 129(1).

दास, पी.के., और दास, टी. (2023)। मीन एर्गोडिक शैडोइंग। ब्राज़ीलियाई गणितीय सोसायटी का बुलेटिन, नई श्रृंखला, 54(1), 12।

खान, ए.जी., और दास, टी. (2022)। बिंदुवार गतिशीलता में स्थिरता प्रमेय। टोपोलॉजी और उसके अनुप्रयोग, 320, 108218।

खान ए.जी. एवं दास पी., (2022), 4. अनुक्रमिक छायाकरण का तात्पर्य वर्णक्रमीय अपघटन से है, टोपोलॉजी प्रोसीडिंग्स, 60, 169-179, 0.

कुमार, डी., सिन्हा, के.बी., एवं श्रीवास्तव, एस. (2022)। क्वांटम गतिशील अर्धसमूह और स्थिरता। जर्नल ऑफ़ मैथेमैटिकल एनालिसिस एंड एप्लिकेशंस, 516(1), 126492.

आनंद, जे., एवं श्रीवास्तव, एस. (2022)। हार्डी-हिल्बर्ट स्पेस पर भारित संरचना ऑपरेटरों के अपरिवर्तनीय उप-स्थानों का एक वर्ग। एनालिसिस मैथेमैटिका, 48(4), 925-937.

जिंदल, डी., ज्योति, एवं वशिष्ठ, एल.के. (2023)। वेइल-हाइजेनबर्ग समूह और विस्तारित एफ़िन समूह से जुड़े मैट्रिक्स-मूल्यवान गैर-स्थिर फ़्रेम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ वेवलेट्स, मल्टीरिज़ॉल्यूशन एंड इनफार्मेमेशन प्रसेसिंग, 2350022.

वशिष्ठ, एल., एवं सिन्हा, यू. (2023)। मैट्रिक्स-मूल्यवान गैबर बेसेल अनुक्रमों और स्थानीय रूप से कॉम्पैक्ट एबेलियन समूहों पर दोहरे फ्रेम पर। खय्याम जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 9(1), 89-101.

वशिष्ठ, एल., एवं सिन्हा, यू. (2023)। मैट्रिक्स-मूल्यवान गैबर बेसेल अनुक्रमों और स्थानीय रूप से कॉम्पैक्ट एबेलियन समूहों पर दोहरे फ्रेम पर। खय्याम जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 9(1), 89-101.

गौर, ए., एवं कुमार, आर. (2023)। अधिकतम गैर $\phi $-जंजीरयुक्त सबरिंग्स के बारे में एक प्रश्न।

मिश्रा, पी.आर., गुप्ता, पी., एवं गौड़, ए. (2021)। पूर्णांक मॉड्यूलो एन की अंगूठी पर क्रम परिवर्तन की पूर्ण अंतर एकरूपता पर। एप्लीकेब्ल अलजेब्रा इन इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशन एंड कंप्यूटिंग, 1-19.

कुमार सिंह, एच., एवं सोमोरजीत सिंह, के. (2022)। बहुमूल्यवान मानचित्रों के लिए बोरसुक-उलम प्रकार के प्रमेय। हिरोशिमा मैथेमेटिकल जर्नल, 52(3), 321-331.

कुमारी ए. एवं सिंह एच.के., (2022), मुक्त एस1 और एस3-क्रियाओं के साथ रिक्त स्थान का कोहोमोलॉजी वर्गीकरण, फिलोमैट, 20, 36, 7021-7026.

तलवार, बी., एवं जैन, आर. (2022)। बानाच बीजगणित के केंद्र ने बर्लिंग बीजगणित को महत्व दिया। बुलेटिन ऑफ़ ऑस्ट्रेलियन मैथेमेटिकल सोसायटी, 105(3), 490-498.

मोहित एवं जैन आर., (2023), बनच स्पेस, कतिपय टेंसर उत्पादों में बिरखॉफ-जेम्स ऑर्थोगोनैलिटी, ऑपरेटर्स और मैट्रिसेस, 1, 17, 235-244।

मावी, एस., एवं बिश्नोई, ए. (2022)। मूल्यांकन-अनुवांशिक विस्तार और छद्म-मोनोटोन अनुक्रम। कम्युनिकेशंस इन अलजेब्रा, 50(10), 4288-4299.

मावी, एस., एवं बिश्नोई, ए. (2023)। सार कुंजी बहुपद और विशिष्ट जोड़े। जर्नल ऑफ़ एलजेबरा एंड इट्स एप्लीकेशंस, 22(09), 2350193.

मावी, एस., एवं बिश्नोई, ए. (2023)। मैकलेन-वैक्वी चेन और मूल्यांकन-ट्रान्सेंडैंटल एक्सटेंशन। जर्नल ऑफ़ कम्यूटेटिव अलजेब्रा, 15(2), 249-259.

मावी, एस., एवं बिश्नोई, ए. (2023)। सार कुंजी बहुपद और मैकलेन-वाक्वी श्रृंखला। इंटरनेशल जर्नल ऑफ़ अलजेब्रा एंड कम्प्यूटेशन, 33(01), 15-30.

शर्मा, ए., एवं राय, पी. (2023)। एकल रूप से विकृत परवलयिक विलंब समस्याओं के लिए उच्च क्रम की समान रूप से अभिसरण विधि का विश्लेषण। एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड कम्प्यूटेशन, 448, 127906.

यादव, आर.पी., राय, पी., एवं शर्मा, के.के. (2023)। असंतत डेटा के साथ संवहन-प्रधान प्रसार समस्याओं के लिए एनआईपीजी परिमित तत्व विधि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल मेथड्स, 20(05), 2350001.

कुमार, एस., एवं सेटिन्काया, ए. (2023)। लेम्निस्केट स्टारलाइक फ़ंक्शंस के लिए हैंकेल निर्धारक एच (2) 4 (एफ) और एच (3) 4 (एफ) पर बाउंड। 호남수학학술지, 45(1), 92-108.

राय, पी., सेटिन्काया, ए., एवं कुमार, एस. (2023)। $\tanh z $ और बर्नार्डी इंटीग्रल ऑपरेटर से सम्बद्ध स्टारलाइक कार्य। मैथेमेटिकल फाउंडेशन ऑफ़ कंप्यूटिंग, 6(3).

यादव, एस., एवं राय, पी. (2023)। टर्निंग पॉइंट के साथ 2डी विलक्षण रूप से परेशान परवलयिक संवहन-प्रसार समस्या के लिए एक पैरामीटर समान उच्च क्रम योजना। एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड कम्प्यूर्टस इन सिमुलेशन, 205, 507-531.

शर्मा, ए., एवं राय, पी. (2023)। विलंब के साथ एकल रूप से परेशान मोड़ वाली समस्याओं के लिए समान रूप से अभिसरण संकर संख्यात्मक योजना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर मैथेमेटिक्स, 100(5), 1052-1077.

यादव, एस., एवं राय, पी. (2022)। 2डी विलक्षण रूप से विकृत सीमा मोड़ बिंदु समस्या के लिए लगभग दूसरे क्रम की पैरामीटर समान योजना। कैल्कोलो, 59(4), 44.

यादव, आर.पी., राय, पी., एवं शर्मा, के.के. (2022)। असंतुलित डेटा के साथ विलक्षण रूप से विकृत प्रतिक्रिया प्रसार समस्याओं के एक वर्ग के लिए गैर-सममित आंतरिक दंड गैलेरकिन परिमित तत्व विधि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल मेथेमेटिक्स, 8(6), 272.

शर्मा, ए., एवं राय, पी. (2023)। एकल रूप से विकृत संवहन-प्रसार प्रकार विलंब समस्याओं के लिए एक हाइब्रिड संख्यात्मक योजना का विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल मेथड्स, 20(01), 2250032.

गेबर, ए.ए., अलशरारी, एफ., और कुमार, एस. (2022)। कुछ बंद-रूप समाधान, संरक्षण कानून, और लाई समरूपता दृष्टिकोण के माध्यम से (2+1)-डी संभावित बीके समीकरण के लिए विभिन्न एकान्त तरंगें। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स बी, 36(20), 2250117.

अब्दु, एम.ए., औआहिद, एल., अल शाहरानी, जे.एस., अलानाज़ी, एम.एम., एवं कुमार, एस. (2022)। गणितीय जीव विज्ञान में डीएनए (डबल-चेन मॉडल) के लिए नए विश्लेषणात्मक समाधान और कुशल तरीके। मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स बी, 36(24), 2250124.

कुमार, एस., मोहन, बी., एवं कुमार, आर. (2022)। प्लाज्मा भौतिकी में सामान्यीकृत दो-मोड उच्च-क्रम गैर-रेखीय विकास समीकरण के लिए गांठ, सॉलिटॉन और इंटरैक्शन समाधान। नॉनलीनियर डायनेमिक्स, 110(1), 693-704।

कुमार, एस., एवं रानी, एस. (2022)। समरूपता विश्लेषण का उपयोग करके एक नए विस्तारित (2+1)-आयामी बाउसिंस्क समीकरण के सटीक विश्लेषणात्मक समाधान और विभिन्न तरंग प्रोफाइल का अध्ययन। जर्नल ऑफ़ ओशन इंजीनियरिंग एंड साइंस, 7(5), 475-484.

उस्मान, एम.एस., अलमुसावा, एच., तारिक, के.यू., अनवर, एस., कुमार, एस., यूनिस, एम., एवं मा, डब्ल्यू.एक्स. (2022)। नॉनलाइनियर ऑप्टिकल फाइबर में विकृत नॉनलाइनियर श्रोडिंगर समीकरण के जटिल सॉलिटॉन समाधानों के लिए वैश्विक व्यवहार पर। जर्नल ऑफ़ ओशन इंजीनियरिंग एंड साइंस, 7(5), 431-443.

कुमार, एस., एवं कुमार, ए. (2022)। (3+1)-आयामों में गैर-रेखीय विस्तारित ज़खारोव-कुज़नेत्सोव गतिशील समीकरण का एक अध्ययन: प्रचुर मात्रा में बंद-रूप समाधान और सॉलिटॉन के विभिन्न गतिशील आकार। मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स बी, 36(25), 2250140.

कुमार, एस., एवं कुमार, ए. (2022)। दो अभिन्न योजनाओं का उपयोग करके ज़िग-ज़ैग ऑप्टिकल जाली मॉडल में ठंडे बोसोनिक परमाणुओं के गतिशील व्यवहार और प्रचुर मात्रा में ऑप्टिकल सॉलिटॉन समाधान। मेथेमेटिक्सि एंड कंप्यूटर्स इन सिमुलेशन,, 201, 254-274.

कुमार, एस., रानी, एस., एवं मान, एन. (2022)। द्रव गतिकी में उभर रहे नए (2+1)-आयामी साकोविच समीकरण के विविध विश्लेषणात्मक तरंग समाधान और गतिशील व्यवहार। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 137(11), 1226.

अब्दु, एम.ए., औआहिद, एल., अल शाहरानी, जे.एस., अलानाज़ी, एम.एम., अल-मनीफ, ए.ए., एवं कुमार,

एस. (2022)। डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (डीएनए) मॉडल के लिए प्रचुर मात्रा में सटीक समाधान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स बी, 36(28), 2250194.

कुमार, एस., निवास, एम., और धीमान, एस.के. (2022)। गणितीय भौतिकी में कुड्रियाशोव-सिनेलशिकोव समीकरण के लिए प्रचुर मात्रा में विश्लेषणात्मक सॉलिटॉन समाधान और विभिन्न तरंग प्रोफाइल। जर्नल ऑफ़ ओशन इंजीनियरिंग एंड साइंस, 7(6), 565-577.

59.कुमार, एस., और निवास, एम. (2022)। सामान्यीकृत घातीय तर्कसंगत फ़ंक्शन दृष्टिकोण और कुद्रीशोव के सरलतम समीकरण दृष्टिकोण का उपयोग करके बिस्वास-आर्शेड समीकरण के नए ऑप्टिकल सॉलिटॉन समाधान। प्रमाण, 96(4), 204.

कुमार, एस., कुमार, ए., इंक., एम., अलोताबी, एच., अब्दु, एम. ए., और अक्गुल, ए. (2022)। (2+1)-आयामी असममित निज़निक-नोविकोव-वेसेलोव प्रणाली की जांच: समरूपता में कमी, अपरिवर्तनीय समाधान, गतिशील व्यवहार और संरक्षण कानून। रिजल्ट्स इन फिजिक्स, 43, 106034.

कुमार, एस., एवं मोहन, बी. (2022)। एकाधिक सॉलिटॉन समाधानों के साथ एक सामान्यीकृत गैर-रेखीय पांचवें क्रम केडीवी-प्रकार समीकरण: पेनलेव विश्लेषण और हिरोटा बिलिनियर तकनीक। फिजिका स्क्रिप्टा, 97(12), 125214.

कुमार, एस., कुमार, ए., एवं मोहन, बी. (2021)। महासागर भौतिकी और हाइड्रोडायनामिक्स में एकान्त तरंग प्रोफाइल की विकासवादी गतिशीलता और (3+1)-आयामी बर्गर प्रणाली के प्रचुर विश्लेषणात्मक समाधान। जर्नल ऑफ़ ओसियन इंजीनियरिंग एंड साइंस।

कुमार, एस., हामिद, आई., एवं अब्दु, एम. ए. (2021)। हाइड्रोडायनामिक्स और तरल पदार्थों में गैस के बुलबुले के साथ (3+1)-आयामों में सामान्यीकृत गैर-रेखीय तरंग समीकरण के लिए विशिष्ट तरंग प्रोफाइल और बंद-फॉर्म सॉलिटॉन समाधान। जर्नल ऑफ़ ओसियन इंजीनियरिंग एंड साइंस.

कुमार, ए., और कुमार, एस. (2023)। दो कुशल अभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग करके (2+1)-आयामी असममित निज़निक-नोविकोव-वेसेलोव समीकरण के विभिन्न सटीक समाधानों के साथ गतिशील व्यवहार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स बी, 2450064.

रानी, एस., कुमार, एस., और कुमार, आर. (2021)। (2+1)-आयामी कमजोर युग्मित बी-प्रकार कदोमत्सेव-पेटविशविली समीकरणों के लिए बंद-फॉर्म समाधान, इष्टतम प्रणाली और विभिन्न तरंग प्रोफाइल निर्धारित करने के लिए अपरिवर्तनीय विश्लेषण। जर्नल ऑफ़ ओसियन इंजीनियरिंग एंड साइंस .

धीमन, एस.के., एवं कुमार, एस. (2023)। एक इष्टतम प्रणाली, अपरिवर्तनीय समाधान, संरक्षण कानून, और सीमित गहराई के पानी में तरंग प्रसार के लिए समीकरणों की एक सामान्यीकृत (2+1)-आयामी डेवी-स्टीवर्टसन प्रणाली के लिए लाई समूह समरूपता का पूरा वर्गीकरण। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 138(3), 1-16.

कुमार, एस., एवं निवास, एम. (2023)। ऑप्टिकल फाइबर में परेशान चेन-ली-लियू समीकरण के लिए नए ऑप्टिकल सॉलिटॉन समाधान और विभिन्न प्रकार की गतिशील तरंग प्रोफाइल। ऑप्टिकल एंड क्वांटम

इलेक्ट्रॉनिक्स, 55(5), 418.

कुमार, एस., निसार, के.एस., और निवास, एम. (2023)। उथली समुद्री लहरों में उभरने वाले (3+1)-आयामी वाईटीएसएफ समीकरण के सटीक समाधान की गतिशीलता पर: झूठ समरूपता विश्लेषण और सामान्यीकृत कुद्रीशोव विधि। रिजल्ट्स इन फिजिक्स, 48, 106432.

अलानाज़ी, एम.एम., औआहिद, एल., अल शाहरानी, जे.एस., अब्दु, एम.ए., एवं कुमार, एस. (2023)। आयन ध्वनि और लैंगमुइर तरंगों (आईएसएएलडब्ल्यू) समीकरणों के लिए अटंगाना बलेनु (एबी) भिन्नात्मक के लिए नवीन सॉलिटॉन समाधान। ऑप्टिकल एंड क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स, 55(5), 462.

एल-गनैनी, एस., एवं कुमार, एस. (2023)। नए बेहतर संशोधित सामान्यीकृत उप-ओडीई प्रस्तावित विधि का उपयोग करके दो अलग-अलग विस्तारित और सामान्यीकृत नॉनलाइनियर श्रोडिंगर समीकरणों के लिए नए सॉलिटॉन समाधान और विभिन्न तरंग संरचनाओं के गतिशील व्यवहार का निर्माण करने के लिए प्रतीकात्मक गणना। मेथेमेटिक्सि एंड कंप्यूटर्स इन सिमुलेशन, 208, 28-56.

कुमार, एस., एवं निवास, एम. (2023)। ऑप्टिकल फाइबर में एक नए (3+1)-आयामी श्रोडिंगर समीकरण के लिए प्रचुर सॉलिटॉन समाधान और विभिन्न तरंगों के विभिन्न गतिशील व्यवहार। ऑप्टिकल एंड क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स, 55(6), 531.

कुमार, एस., एवं शर्मा, पी. (2023)। गैर-स्वायत्त गैररेखीय विभेदक प्रणालियों के लिए फ़ेडो-गैलेर्किन विधि पर।रिजल्ट्स इन मेथेमेटिक्स , 78(3), 107.

कुमार, एस., एवं यादव, एस. (2023)। पॉइसन द्वारा संचालित स्टोकेस्टिक विलंब अंतर प्रणालियों की अनुमानित नियंत्रणीयता तात्कालिक और गैर-तात्कालिक आवेगों के साथ कूदती है। एशियन जर्नल ऑफ कंट्रोल.

कुमार, एस. (2023)। गैर-तात्कालिक आवेग के साथ गैर-स्वायत्त माप संचालित प्रणालियों की अनुमानित नियंत्रणीयता पर। एप्लाइड मेथेमेटिक्स एंड कम्प्यूटेशन, 441, 127695.

उपाध्याय, ए., एवं कुमार, एस. (2023)। क्लार्क के उपविभेदक के साथ स्टोकेस्टिक बहु-अवधि भिन्नात्मक अंतर समावेशन की घातांकीय प्रकृति और सॉल्वेबिलिटी। केआस, सोलिटॉन एंड फ्रैक्टल्स, 168, 113202.

कुमार, एस., एवं शर्मा, पी. (2022)। आवेगी दूसरे क्रम के स्टोचैस्टिक इंटीग्रो-डिफरेंशियल सिस्टम के लिए फेडो-गैलेर्किन विधि। केआस, सोलिटॉन एंड फ्रैक्टल्स, 158, 111946.

यादव, एस., एवं कुमार, एस. (2023)। आवेगी स्टोकेस्टिक विलंबित अंतर समावेशन के लिए अनुमानित नियंत्रणीयता। रेंडिकोंटी डेल सर्कोलो माटेमेटिको डि पलेर्मो सीरीज 2, 1-16.

कुमार, एस., एवं यादव, एस. (2022)। अनंत विलंब के साथ स्टोकेस्टिक कार्यात्मक अंतर समावेशन के एक नए वर्ग के लिए अनुमानित नियंत्रणीयता। रैंडम ऑपरेटर्स और स्टोकेस्टिक इक्वेशन, 30(3), 221-239.

चौधरी, बी.के., एवं सिंह, आर. (2022)। वैन डेर वाल्स में अभिसरित झटकों ने शिथिल गैसों को कठोर

कर दिया। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 137(3), 293.

किपगेन, एल., एवं सिंह, आर. (2022)। वैन डेर वाल्स में धूल भरी प्रतिक्रिया करने वाली गैसों में विस्फोट तरंग के साथ त्वरण तरंग का टकराव। फिजिक्स ऑफ़ लिक्विड्स, 34(5).

शाह, एस., सिंह, आर., एवं चौधरी, बी.के. (2023)। दो-चरण चैप्लगिन में रीमैन समाधान की एकाग्रता और गुहिकायन लुप्त दबाव और प्रवाह सन्निकटन के तहत प्रवाहित होता है। कॉम्युनिकेशन इन नॉनलाइनियर साइंस एंड न्यूमेरिकल सिमुलेशन, 118, 107065.

किपगेन, एल., एवं सिंह, आर. (2023)। - फ्लक्स सन्निकटन के तहत इज़ोटेर्मल वैन डेर वाल्स धूल भरी गैस के लिए रीमैन समस्या में झटके और वैक्यूम राज्य। फिजिक्स ऑफ़ फ्लुइड्स, 35(1).

शर्मा, डी., एवं सिंह, आर. (2023)। स्रोत शब्द से युक्त गैर-आदर्श दो-चरण संशोधित चैप्लगिन प्रवाह के लिए एकवचन सतह। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नॉन-लीनियर मैकेनिक्स, 149, 104312।

गांधी, एस., गुप्ता, पी., नागपाल, एस., एवं रविचंद्रन, वी. (2022)। एपिसाइक्लोइड से जुड़े तारे जैसे कार्य। हैसेटेपे जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स, 51(6), 1637-1660.

राज, ए., एवं नागपाल, एस. (2022)। संवेदना-संरक्षण हार्मोनिक मैपिंग के विश्लेषणात्मक भाग के लिए उत्तलता का त्रिज्या। बुलेटिन ऑफ़ मलेशियन मैथमेटिकल साइंस सोसायटी, 45(5), 2665-2679.

कुमार, वी., नागपाल, एस., एवं चो, एन.ई. (2022)। गैर-बैजीलेविक फ़ंक्शंस के लिए गुणांक फ़ंक्शनल्स। रिविजिटा डी ला रियल एकेडेमिया डी सिनसीएस एक्जेक्टाज़, फिसिकास वाई नेचुरेल्स सेरी ए. मैथमेटिक्स, 116(1), 44.

पुस्तक-अध्याय

कपूर, एस., एवं ललिता, सी.एस. (2022)। सेमी-इनफिनिट वेक्टर अनुकूलन में घनत्व पहलू। *कंटीन्यूअस ऑप्टिमाइजेशन एंड वेरिएशनल इन इक्वलिटीज़* में (पीपी. 55-70)। चैपमैन और हॉल/सीआरसी।

गौर, ए., एवं कुमार, आर. (2019, दिसंबर)। एफएमएस मॉड्यूल और एफसीपी एक्सटेंशन पर नोट। *अनुप्रयोगों के साथ बीजगणित और संबंधित विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* में (पृ. 143-147)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

अनुसंधान परियोजनाएं

संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान के अंतर्गत इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सात परियोजनाओं में से प्रत्येक को 3 लाख की राशि प्रदान की गई।

संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान के अंतर्गत इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दो परियोजनाओं को 2-2 लाख की राशि प्रदान की गई।

मैट्रिक्स योजना के तहत डीएसटी-एसईआरबी द्वारा दो परियोजनाओं में से प्रत्येक को 6.6 लाख की राशि प्रदान की गई।

एक परियोजना को कोर रिसर्च ग्रांट के तहत डीएसटी-एसईआरबी द्वारा 31.78 लाख की राशि प्रदान की

गई।

एक परियोजना को बिजली अनुदान के अंतर्गत डीएसटी-एसईआरबी द्वारा 22.5 लाख की राशि प्रदान की गई।

ईईक्यू योजना के अंतर्गत डीएसटी-एसईआरबी द्वारा एक परियोजना को 20.74 लाख की राशि प्रदान की गई।

विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठीयां/सम्मलेन

प्रो. के.बी. सिन्हा, प्रोफ़ेसर, जेएनसीएएसआर, बेंगलुरु, संकुचन के लिए फैलाव सिद्धांत और ट्रेस सूत्र, 27-04-2023

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

सी.एस. ललिता ने 2 फरवरी, 2023 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली केंद्र द्वारा निर्णय लेने के लिए एप्लाइड ऑप्टिमाइज़ेशन और गेम थियोरेटिक मॉडल पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "नॉनस्मूथ वेक्टर ऑप्टिमाइज़ेशन में जियोफ़ियन उचित कुशल समाधान के लिए दूसरे क्रम की इष्टतम स्थिति" शीर्षक पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सी.एस. ललिता ने 17 अक्तूबर, 2022 को मोतीलाल नेहरू कॉलेज में "गणित की कुछ सुलझी और अनसुलझी समस्याएं" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सी.एस. ललिता ने 5 अगस्त, 2022 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में बीजगणित, विश्लेषण और अनुप्रयोगों पर आयोजित तीसरे सम्मेलन में "उत्तल अनुकूलन और अनुप्रयोग, "शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सी.एस. ललिता ने 19 अप्रैल, 2022 को थिया-गराजर कॉलेज, मदुरै में एप्लाइड गणित पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "चिकित्सा में गणित" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

रुचि दास ने 15-17 दिसंबर,2022 तक गणितीय विश्लेषण और अनुप्रयोगों, एनआईटी तिरुचिरापल्ली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गैर-स्वायत्त गतिशील प्रणालियों में संवेदनशीलता और अराजकता" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

रुचि दास ने 20 अगस्त, 2022 को गणित विभाग, लद्दाख विश्वविद्यालय, लेह द्वारा डायनेमिक सिस्टम पर आयोजित संगोष्ठी में "गैर-स्वायत्त प्रणालियों के परिप्रेक्ष्य से अराजकता..." शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

रुचि दास ने 05 अगस्त, 2022 को स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित तीसरे सम्मेलन में "गैर स्वायत्त प्रणालियों में पर्यटन अराजकता, बीजगणित और अनुप्रयोग" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

तरुण दास ने 15-17 दिसंबर, 2022 को गणितीय विश्लेषण और अनुप्रयोग पर एनआईटी, तिरुचिरापल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "निरंतर और विस्तृत गतिशील प्रणाली.. एक प्रतिबिंब" शीर्षक से एक

आमंत्रित व्याख्यान दिया।

तरुण दास ने 14-15 दिसंबर, 2022 के दौरान पश्चिम बंगाल राज्य, विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'गणितीय सिद्धांत और अनुप्रयोग में हालिया रुझान' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन मोड) में "गतिशील प्रणालियों और उससे परे में पुनरावृत्ति" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

साची श्रीवास्तव ने 18 से 22 जुलाई 2022 तक सेंट जॉन्स कॉलेज ऑक्सफोर्ड, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में "ऑपरेटर सेमीग्रुप्स में नई चुनौतियाँ" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

साची श्रीवास्तव ने 27-28 फरवरी 2023 तक दिल्ली के शिवाजी कॉलेज विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'विश्लेषण और उसके अनुप्रयोग' विषय पर एक आमंत्रित भाषण दिया।

सचिन कुमार ने 27 सितंबर, 2022 को गणित विभाग, आईआईटी इंदौर में "उच्च-आयामी गैर-रेखीय विकासवादी समीकरणों के लिए तरंग प्रोफाइल के झूठ समरूपता कटौती, विश्लेषणात्मक समाधान और गतिशील व्यवहार" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सचिन कुमार ने 16-17 नवंबर 2022 के दौरान दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित एप्लाइड इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, भौतिकी और गणितीय विज्ञान-दुबई 2022 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अत्यंत गैर-रेखीय (3+1)-आयामी सामान्यीकृत बीकेपी-बौसिनेस समीकरण के सटीक समाधान और गतिशील व्यवहार के साथ समरूपता कटौती" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सचिन कुमार ने 19 नवंबर, 2022 को बेनेट यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज के भौतिकी विभाग में "ए (2+1)-आयामी गैर-रेखीय विकास समीकरण: झूठ समरूपता कटौती, सटीक समाधान, सॉलिटॉन की गतिशीलता" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सचिन कुमार ने चितकारा यूनिवर्सिटी, पंजाब में 13 दिसंबर, 2022 को विज्ञान और इंजीनियरिंग में संगणना के लिए 4 नवोन्वेषी उपकरण में "विज्ञान और इंजीनियरिंग में गणना के लिए नवोन्मेषी उपकरण" शीर्षक से एक आमंत्रित भाषण दिया तथा वे 13 दिसंबर, 2022 को एप्लाइड साइंसेज विभाग, सीयूआईईटी,पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार टॉक/संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ रहे।

सचिन कुमार ने 02 फरवरी 2023 को गणित विभाग, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान-डीटीबीयू, गांधीग्राम, तमिलनाडु में "लाई समरूपता विश्लेषण के माध्यम से अत्यधिक गैर-रेखीय आंशिक अंतर समीकरण के नवीन सटीक समाधान की जांच" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सचिन कुमार ने 23-24, 2023 फरवरी को एप्लाइड इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, भौतिकी और गणितीय विज्ञान-थाईलैंड, 2023 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " असत्य समरूपता विश्लेषण और दृढ़ता से गैर-रेखीय विकास समीकरणों के लिए सटीक बंद-फॉर्म समाधानों का एक अलग सेट" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सचिन कुमार ने 19 जनवरी, 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कॉलेज के गणित विभाग में "विभिन्न गणितीय दृष्टिकोणों का उपयोग करके अत्यंत चुनौतीपूर्ण गैर-रेखीय विकास समीकरणों के विश्लेषणात्मक सटीक समाधान और गतिशीलता" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सचिन कुमार ने 14 मार्च, 2023 को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग में " असत्य समरूपता विधि का उपयोग करके उच्च-आयामी नॉनलाइनियर पीडीई के समाधान" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सुरेंद्र कुमार ने 1-3 जुलाई, 2022 को आईआईटी रूड़की, उत्तराखंड, भारत में "डायनामिकल सिस्टम, नियंत्रण और उनके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर्संस्थानिक सहयोग

सी.एस. ललिता ने प्रोफेसर जे. दत्ता (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर), भारत, प्रोफेसर एस. चंद्रा (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली), भारत और प्रोफेसर राल्फ़ चिल, टीयू ड्रेसडेन, जर्मनी के साथ सहयोग किया।

साची श्रीवास्तव ने यूके के न्यूकैसल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर फ्रेंको फाग्नोला, पोलिटेक्निको मिलानो और डॉ. डेविड सीफर्ट के साथ सहयोग किया।

प्रतिमा राय ने दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कपिल शर्मा के साथ सहयोग किया।

सचिन कुमार ने प्रो. अब्दुल-माजिद वाजवाज़ (सेंट जेवियर यूनिवर्सिटी), यूएसए, प्रो. एम.ए. अब्दु (बिशा विश्वविद्यालय) सऊदी अरब, प्रो. शौकरी एल गनैनी (दमनहोर विश्वविद्यालय), मिस्र और प्रो. एम.एम. अलानाज़ी (प्रिंसेस नौरा बिन्त अब्दुल रहमान यूनिवर्सिटी, सऊदी अरब) के साथ सहयोग किया।

सुमित नागपाल ने प्रोफेसर नाक यून चो (पुकयोंग नेशनल यूनिवर्सिटी, कोरिया) के साथ सहयोग किया।

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

- परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या-25,
- उच्चतम पैक ऑफर-19.5 लाख प्रति वर्ष,
- उच्चतम पैकेज प्राप्त हुआ-16.75 लाख प्रति वर्ष,
- औसत पैकेज-6 लाख प्रति वर्ष, और
- नियोजन पाने वाले छात्रों का प्रतिशत-21.63 (208 में से 45)

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सी.एस. ललिता ने एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के विज्ञान संकाय में अध्ययन बोर्ड की बैठक में एक बाह्य सदस्य के रूप में कार्य किया।

सी.एस. ललिता ने दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गणित विभाग में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया।

तरुण दास ने 02-15 सितंबर, 2022 को सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में गणितीय विज्ञान में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

तरुण दास ने 16-18 दिसंबर, 2021 को इंडियन सोसाइटी ऑफ हिस्ट्री ऑफ मैथमैटिक्स, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में गणित के इतिहास (ऑनलाइन मोड) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

साची श्रीवास्तव ने उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों के लिए "टोपोलॉजी, विश्लेषण और अनुप्रयोगों पर बल दिए जाने के साथ गणित" विषय पर गणित में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया। सितंबर 2022.

साची श्रीवास्तव ने फरवरी 2023 में साउथ कैंपस के गणित विभाग में लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमेन की स्नातक छात्राओं के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

हेमंत सिंह ने 'सीपीडीएचई में आयोजित टोपोलॉजी, विश्लेषण और अनुप्रयोगों पर विशेष बल के साथ गणित' विषय पर गणित/संचालन, अनुसंधान/सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान (आईडीसी) पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "बीजगणितीय टोपोलॉजी के माध्यम से गणित की सुंदरता" शीर्षक पर 14 सितंबर 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान दिया।

हेमंत सिंह ने 12 फरवरी, 2023 को मानव संसाधन विकास केंद्र, दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी, नॉलेज पार्क V, ग्रेटर नोएडा, यूपी में कक्षा III-V में गणित का अध्ययन कराने डीपीएस शिक्षकों के लिए "ज्यामिति और गणित" पर एक सत्र संचालित किया।

आर. पांडा ने सितंबर 2022 में दिल्ली के सीपीडीएचई विश्वविद्यालय में "गणित/संचालन, अनुसंधान/सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान (आईडीसी) पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" में दो व्याख्यान दिए। इनके शीर्षक थे "बहुपरिवर्तनीय कार्यों का विभेदन और रोले के प्रमेय का एक संस्करण" और "अर्जेला-एस्कोली प्रमेय और इसके अनुप्रयोग"।

संकाय सदस्यों की संख्या

संकाय सदस्य-20, नासी वरिष्ठ वैज्ञानिक-1

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या - 21

प्रदत्त एम.फिल. डिग्रियों की संख्या - 5

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

रुचि दास गणितीय विज्ञान की विषय विशेषज्ञ हैं; इंस्पायर फ़ेलोशिप, डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार।

रुचि दास विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, महिला वैज्ञानिक योजना-ए (डब्ल्यूओएस-ए) के अंतर्गत भौतिक और गणितीय विज्ञान पर विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की सदस्य हैं।

रुचि दास विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के डब्ल्यूआईएसई-पीडीएफ कार्यक्रम के तहत भौतिक और गणितीय विज्ञान पर विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की सदस्य हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग में एसईआरबी-वज्र संकाय के प्रो. राल्फ चिल ने 5-26 मार्च, 2023 के दौरान एक ऑनलाइन "विश्लेषण पर कॉम्पैक्ट कोर्स" संचालित किया।

साची श्रीवास्तव ने दिसंबर 2022 में आईआईएसईआर पुणे में आयोजित में भारतीय महिला गणित वार्षिक सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

***

परिचालन अनुसंधान

संक्षिप्त विवरण

परिचालन अनुसंधान (ओआर) की एक विषय के रूप में शुरुआत दिल्ली विश्वविद्यालय में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के साथ वर्ष 1963 में की गई थी। एक दशक बाद वर्ष 1973 में, गणितीय विज्ञान संकाय के तहत परिचालन अनुसंधान विभाग स्वतंत्र रूप से स्थापित किया गया और वर्ष 1994 में साउथ कैंपस में स्नातकोत्तर कार्यक्रम आरंभ किया गया था।

सम्मान/गौरव

वरिष्ठ प्रोफ़ेसर चंद्र क. जग्गी

- भारतीय विज्ञान परिषद (सोसायटी फॉर एप्लीकेशन ऑफ़ मैथमेटिक्स) द्वारा विशिष्ट सेवा पुरस्कार, 16 जून, 2022.
- इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ सोशल रिफॉर्म्स रिसर्च द्वारा 14 अप्रैल, 2022 को प्रतिष्ठित प्रोफेसर पुरस्कार।

प्रकाशन

शोध-लेख

श्रीवास्तव, पी.डब्ल्यू., एवं रानी, एस. (2022). चरणबद्ध-मिशन प्रणालियों की विश्वसनीयता विश्लेषण के लिए कोपुला-आधारित दृष्टिकोण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिलायबिलिटी, रिस्क एंड सेफ्टी: थियोरी एंड एप्लीकेशन, 5(2),* 49-62.

यादव, एस., प्रियंवदा, पी., एवं खन्ना, ए. (2023)। वॉल्यूम चपलता और विज्ञापन पर निर्भर मांग के साथ एक सतत उत्पादन मॉडल पर कोविड-19 का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सप्लाई एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट*, *10(2),* 136-150.

माहेश्वरी, एस., गौतम, पी., कौसर, ए., एवं जग्गी, सी.के. (2023)। विज्ञापन और मूल्य-निर्भर मांग के प्रभाव में संरक्षण प्रौद्योगिकी के साथ बिगड़ती वस्तुओं के लिए इष्टतम इन्वेंट्री पुनःपूर्ति नीतियां। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम साइंस: ऑपरेशंस एंड लॉजिस्टिक्स, 10(1), 2186753.

गौतम, पी., माहेश्वरी, एस., कौसर, ए., एवं जग्गी, सी.के. (2023)। पर्यावरणीय विचार-विमर्श के साथ गिरावट को नियंत्रित करने के लिए संरक्षण प्रौद्योगिकी निवेश के साथ सतत खुदरा मॉडल। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 390, 136128.

गौतम, पी., माहेश्वरी, एस., एवं जग्गी, सी.के. (2022)। हरियाली की डिग्री और दोषपूर्ण वस्तुओं के दोहरे निर्धारकों के साथ स्थायी उत्पादन इन्वेंट्री मॉडल। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 367, 132879.

किशोर, ए., कर्डेनस-बैरोन, एल.ई., एवं जग्गी, सी.के. (2022)। ऑर्डर ओवरलैपिंग दृष्टिकोण के साथ दो-चरण क्रेडिट वित्तपोषण के तहत अपूर्ण गुणवत्ता और निरीक्षण परिदृश्य में रणनीतिक निर्णय। एक्सपर्ट सिस्टम्स विद एप्लीकेशन्स, 195, 116426.

अली, एच., नसरीन, आर., अरनेजा, एन., एवं जग्गी, सी.के. (2023)। खराब होने वाली वस्तुओं के लिए बैक ऑर्डर छूट के साथ एसएलसी के तहत प्रबंधनीय लीड समय के साथ समय-समय पर मूल्यांकन करने वाले मॉडल का अनुकूलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 14(1), 241-266.

माहेश्वरी, एस., कौसर, ए., हसन, ए., एवं जग्गी, सी.के. (2023)। इष्टतम अपशिष्ट प्रबंधन का उपयोग करके तीन-परत आपूर्ति श्रृंखला के लिए स्थायी इन्वेंट्री मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 1-20.

जग्गी, सी.के., प्रियंवदा, एवं कामना, के.एम. (2023)। विभिन्न कार्बन कर नीतियों के तहत संरक्षण रणनीति और नवीकरणीय ऊर्जा के साथ सतत उत्पादन प्रणाली। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मॉडलिंग एंड सिमुलेशन, 43(4), 523-532.

.चौधरी, एन., एवं खेतान नी गुप्ता, वी. (2023)। 5जी अल्ट्रा-डेंस सेल्युलर नेटवर्क में कॉल प्रवेश नियंत्रण नीति और हैंडओवर प्रबंधन का प्रदर्शन मॉडलिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ वायरलेस इनफार्मेशन नेटवर्क्स, 30(2), 143-162.

अग्रवाल, के.के., अहमद, एस., एवं मलिक, एफ. (2023)। मुद्रास्फीति की स्थिति में ऑर्डर रद्द करने के साथ एडवांस ऑर्डर बुकिंग इन्वेंटरी सिस्टम के लिए इष्टतम मूल्य निर्धारण और विज्ञापन नीति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेथेमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज़, 8(5).

कन्नन, डी., सोलंकी, आर., दरबारी, जे.डी., गोविंदन, के., एंड झा, पी.सी. (2023)। पर्यावरण-कुशल रिवर्स लॉजिस्टिक्स नेटवर्क डिज़ाइन कॉन्फ़िगरेशन के लिए एक उपन्यास द्वि-उद्देश्य अनुकूलन मॉडल। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 394, 136357.

गोविंदन, के., अदिति, कौल, ए., दरबारी, जे.डी., एवं झा, पी.सी. (2023)। टिकाऊ सहयोग के लिए आपूर्तिकर्ता मूल्यांकन और चयन रणनीतियों का विश्लेषण: सर्वोत्तम-सबसे खराब विधि और टोमाडा डे डेसिसाओ इंटरटिवा मल्टीक्रिटेरियो का एक संयुक्त दृष्टिकोण। बिजनेस स्ट्रेटेजी एंड दि एनवायरनमेंट।

अदिति, कन्नन, डी., दरबारी, जे.डी., एवं झा, पी.सी. (2022)। आपूर्तिकर्ता विकास और आपूर्तिकर्ता स्विचिंग के बीच व्यापार-बंद के साथ स्थायी आपूर्तिकर्ता चयन मॉडल। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 1-42.

जैन, ए., दरबारी, जे.डी., गोविंदन, के., रामनाथन, यू., एवं झा, पी.सी. (2022)। ओमनी-चैनल रिटेल चेन में बीओपीएस सेवा के लिए स्टोर चयन के लिए बायोबजेक्टिव ऑप्टिमाइज़ेशन मॉडल। आईईईई ट्रांस्जेक्शन्स ऑन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट।

पचार, एन., दरबारी, जे.डी., गोविंदन, के., और झा, पी.सी. (2022)। दो-चरणीय नेटवर्क डीईए का उपयोग करके भारतीय खुदरा श्रृंखला का सतत प्रदर्शन माप। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 315(2), 1477-1515.

कन्नन, डी., सोलंकी, आर., कौल, ए., एवं झा, पी. सी. (2022)। शून्य कार्बन प्राप्त करने के लिए विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखलाओं में कार्बन नियामक पर्यावरण नीतियों के कार्यान्वयन के लिए बाधा विश्लेषण। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 358, 131910.

शर्मा, आर., कन्नन, डी., दरबारी, जे.डी., एवं झा, पी.सी. (2022)। एकीकृत टीआईएसएम-फ़ज़ी एमआईसीएमएसी मॉडल का उपयोग करके बहु-स्तरीय खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में सहयोगात्मक सतत प्रथाओं का विश्लेषण: एक आपूर्ति श्रृंखला अभ्यास दृश्य। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 354, 131271.

शर्मा, पी., गुप्ता, ए., मलिक, एस.सी., झा, पी.सी., एवं पिंटो, एम.सी.बी. (2022)। सिक्स सिग्मा डीएमएआईआरसी मॉडल का एक अनुप्रयोग: एक विनिर्माण संगठन का मामला अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, 14(3), 280-311.

इरशाद, एम.एस., आनंद, ए., एवं रॉय, एस.के. (2023)। यू-ट्यूब वीडियो के लिए उच्च दृश्य-संख्या प्राप्त करने के लिए गतिशील प्रोग्रामिंग दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 46(4), 437-450.

कौर, जे., सिंह, ओ., आनंद, ए., एवं अग्रवाल, एम. (2023)। चुस्त-आधारित सॉफ़्टवेयर विकास संसाधन आवंटन के लिए एक लक्ष्य प्रोग्रामिंग दृष्टिकोण। डिसीजन एनालिटिक्स जर्नल, 6, 100146.

कुमार, एच., सिंह, ओ., आनंद, ए., एवं इरशाद, एम.एस. (2023)। महामारी मॉडलिंग फ्रेमवर्क का उपयोग करके मल्टी-स्टेज डिफ्यूजन डायनेमिक्स का अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेथेमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज़, 8(1), 105.

सिंह, जे.एन., आनंद, ए., एवं गुप्ता, पी. (2022)। विफलता का पता लगाने की दर के आधार पर मल्टी-रिलीज़ सॉफ़्टवेयर सिस्टम की मॉडलिंग और निगरानी: एक सामान्यीकृत दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 1-10.

अग्रवाल, डी., आनंद, ए., बंसल, जी., डेविस, जी.एच., मारौफखानी, पी., एवं द्विवेदी, वाई.के. (2022)। मॉडलिंग उत्पाद श्रृंखला प्रसार: टिकाऊ नवाचारों के लिए प्रतिस्पर्धी ब्रांडों को शामिल करने वाला एक ढांचा। ऑपरेशन्सं मैनेजमेंट रिसर्च, 15(3-4), 760-772.

आनंद, ए., इरशाद, एम.एस., एवं द्विवेदी, वाई.के. (2022)। यू-ट्यूब वीडियो के लिए मॉडलिंग दृश्य गणना गतिशीलता: एक मल्टीमॉडल परिप्रेक्ष्य। किबरनेट्स, 51(10), 2964-2986.

आनंद, ए., इरशाद, एम.एस., एवं अग्रवाल, डी. (2022)। सबसे पसंदीदा ओटीटी प्लेटफॉर्म के चयन में अंतर्ज्ञानवादी फ़ज़ी सेट टोप्सिस का अनुप्रयोग। नॉन-लीनियर स्टडीज, 29.

सिंह, जे., कुमार, एच., सिंह, ओ., आनंद, ए., एवं बिष्ट, एम. (2022)। बाज़ार विस्तार और परिवर्तन बिंदु विशेषता को शामिल करते हुए नवाचार अपनाने वाली मॉडलिंग। मैथेमेटिक्स इन इंजीनियरिंग, साइंस एंड एयरोस्पेस (एमईएसए), (2).

अग्रवाल, डी., अग्रवाल, एम., मित्तल, आर., एवं आनंद, ए. (2022)। प्रसार प्रक्रिया पर नकारात्मक डब्ल्यूओएम के प्रभाव का आकलन करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 13(अनु. 2), 820-827.

आनंद, ए., अग्रवाल, एम., अग्रवाल, डी., ह्यूजेस, एल., मारौफखानी, पी., एवं द्विवेदी, वाई.के. (2022)। उच्च तकनीकी उत्पादों के लिए क्रमिक पीढ़ी परिचय समय: विभिन्न बहु-विशेषता उपयोगिता कार्यों पर आधारित एक विश्लेषण। एनवायरनमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्पटेनेबिलिटी, 1-18.

अग्रवाल, डी., आनंद, ए., एवं शाहिद, जेड. (2022)। सुविधाओं में वृद्धि के कारण दोष गणना वृद्धि के आधार पर सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता विकास मॉडलिंग। जर्नल ऑफ़ ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, 27-40.

आनंद, ए., दास, एस., अग्रवाल, एम., एवं इनौए, एस. (2022)। अपडेट के साथ उन्नत सॉफ़्टवेयर के लिए एक इष्टतम शेड्यूलिंग नीति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट, 39(3), 704-715.

यानागिसावा, टी., तमुरा, वाई., आनंद, ए., एवं यमादा, एस. (2022)। ओएसएस के लिए एक सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता मॉडल जिसमें आनुपातिक खतरा-दर मॉडल पर आधारित विभिन्न दोष डेटा शामिल है। अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 12(1), 1-10.

भट्ट, एन., कौर, जे., आनंद, ए., एवं अल्हाज़मी, ओ. एच. (2022)। इंट्यूशनिस्टिक फ़ज़ी सेट टॉपसिस का उपयोग करके सर्वश्रेष्ठ सॉफ़्टवेयर भेद्यता स्कैनर का चयन करना। कंप्यूटर्स, मैटेरियल्स एंड कन्टिनुआ, 72(2).

आनंद, ए., अग्रवाल, एम., अग्रवाल, एन., एवं भट्ट, एन. (2022)। भारत के शीर्ष-4 कोविड-19 फैलाने वाले राज्यों में लॉक-डाउन के प्रभाव की मॉडलिंग करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटिंग साइंस एंड मैथेमेटिक्स, 15(4), 408-420.

आनंद, ए., दास, एस., सिंह, ओ., एवं कुमार, वी. (2022)। एकाधिक संस्करणों वाले सॉफ़्टवेयर के लिए संसाधन आवंटन का परीक्षण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड मैनेजमेंट साइंस, 14(1), 23-37.

कपूर, पी.के., पंवार, एस., सिंह, ओ., एवं कुमार, वी. (2022)। बहु-विशेषता उपयोगिता सिद्धांत का उपयोग करके सॉफ़्टवेयर समय-से-बाज़ार और परीक्षण अवधि का संयुक्त अनुकूलन। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 1-28.

पंवार, एस., कुमार, वी., कपूर, पी.के., एवं सिंह, ओ. (2022)। सॉफ़्टवेयर विश्वसनीयता भविष्यवाणी और कवरेज के साथ रिलीज़ समय प्रबंधन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट, 39(3), 741-761.

भट्टाचार्जी, एन., नाथ, बी.के., सेन, एन., मालाकार, एस., एवं जग्गी, सी.के. (2022)। समय पर निर्भर जनसंख्या के लिए कृषि-उत्पाद की आपूर्ति श्रृंखला का अध्ययन करने के लिए एक उत्पादन सूची मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड एंड कम्प्यूटेशनल *मैथेमेटिक्स, 8(3),* 97.

पुस्तक-अध्याय

अग्रवाल, एम., अग्रवाल, डी., दास, एस., आनंद, ए., एवं भट्ट, एन. (2022)। समय-विलंब और विकोर आधारित रैंकिंग को शामिल करते हुए मॉडलिंग सॉफ्टवेयर भेद्यता इंजेक्शन-अन्खोवेषण प्रक्रिया। *औद्योगिक प्रणालियों की विश्वसनीयता और रखरखाव मूल्यांकन: उन्नत इंजीनियरिंग समस्याओं का आकलन* में (पीपी. 239-256)। चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

अग्रवाल, डी., कौर, जे., एवं आनंद, ए. (2022)। मॉडलिंग सॉफ्टवेयर पैचिंग प्रक्रिया खोजी और प्रकट की गई कमजोरियों के प्रभाव को शामिल करती है। *सिस्टम एश्योरेंस* में (पृ. 143-153)। अकादमिक प्रेस.

अनुसंधान परियोजनाएं

संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान के अंतर्गत इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा तीन परियोजनाओं को 3-3 लाख की राशि प्रदान की गई।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठीयों/सम्मेलनों (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) में प्रस्तुतीकरण

डॉ. आनंद आदर्श ने ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, देहरादून द्वारा 9-10 दिसंबर 2022 को आयोजित इंजीनियरिंग और विज्ञान में गणितीय तरीकों और तकनीकों पर आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "सॉफ्टवेयर भेद्यता प्रबंधन के लिए मॉडलिंग और संसाधन आवंटन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या: 96

नियोजित किए गए छात्रों का प्रतिशत: 60%

संकाय सदस्य संख्या - 17

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियां - 11

प्रदत्त एम.फिल. डिग्रियां - 2

***

सांख्यिकी

संक्षिप्त विवरण

गणितीय सांख्यिकी विभाग की स्थापना अगस्त 1973 में की गई थी, हालांकि गणित विभाग द्वारा अपनाए गए एक विकास कार्यक्रम के भाग के रूप में प्रोफेसर राम बिहारी की पहल पर गणितीय सांख्यिकी में एम.ए. की शिक्षा जुलाई 1957 में ही शुरू की गई थी। प्रोफेसर एच.सी. गुप्ता विभाग के पहले प्रमुख थे और उन्हें स्टोकेस्टिक प्रक्रियाओं में एक उत्कृष्ट विद्यालय की स्थापना का श्रेय दिया जा सकता है। 1971 में, गणितीय सांख्यिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का दायरा बढ़ाया गया, जिससे एम.एससी. सांख्यिकी में डिग्री. 1987 में गणितीय सांख्यिकी विभाग का नाम बदलकर सांख्यिकी विभाग कर दिया गया।

विभाग छात्रों को सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए अत्याधुनिक प्रोग्रामिंग भाषा और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की शुरुआत करते हुए कंप्यूटर शिक्षा में छात्रों को कठोर प्रशिक्षण और अनुभव प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

सांख्यिकी विभाग सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण प्रदान करने में शामिल रहा है। इसने अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सांख्यिकी की शक्ति और कंप्यूटर के ज्ञान का उपयोग किया है। विभाग का मुख्य बल आधारभूत और व्यावहारिक अनुसंधान करना और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति विकसित करना है। विभाग दो डिग्री-उन्मुख कार्यक्रम प्रदान करता है, अर्थात् सांख्यिकी में एम.ए./एम.एस.सी. और पीएच.डी., जिसमें एक पाठ्यचर्या है, जिसके अंतर्गत सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते और मुख्य क्षेत्र शामिल हैं। विभाग भारत और विदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के माध्यम से विशेष आमंत्रित वार्ताएं भी आयोजित करता है। प्रतिष्ठित प्रोफेसरों ने शोध वार्ता संचालित करने तथा संकाय और छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए विभाग का दौरा किया। विभाग ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों/संगठनों में छात्रों के उपयुक्त नियोजन में बड़ी सफलता हासिल की है।

प्रकाशन

शोध-लेख

पांडेय, आर., श्रीवास्तव, पी., एवं अली, डी. (2022)। विभिन्न हानि कार्यों के अंतर्गत लंबाई पक्षपातपूर्ण लॉग लॉजिस्टिक वितरण के लिए बायेसियन जोखिम विश्लेषण। जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 66(3).

पांडेय, आर., एवं श्रीवास्तव, पी. (2022)। जॉइंट टाइप II सेंसरिंग योजनाओं के तहत दो लॉग-लॉजिस्टिक मॉडल के लिए बायेसियन अनुमान। जर्नल ऑफ़ रिलायबिलिटी एंड स्टैटिस्टिकल स्टडीज, 229-260.

आर. पांडे एवं पी. श्रीवास्तव, (2022), एस्टीमेशन फॉर द लेंथ बायस्ड लॉग लॉजिस्टिक मॉडल अंडर एडेप्टिव प्रोग्रेसिव टाइप II सेंसरिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 2, 1-11.

पांडेय, आर., और तोलानी, एच. (2022)। दिल्ली में अपराध पैटर्न: एक बायेसियन अनुपात-अस्थायी मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 13(6), 2971-2980.

पांडेय, आर., एवं तोलानी, एच. (2022)। भारत में कोविड-19 के लिए समय-भिन्न प्रजनन संख्या का अनुमान लगाने के लिए दंडित स्प्लिन मॉडल: एक बायेसियन अर्ध-पैरामीट्रिक दृष्टिकोण। क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ, 18, 101176.

पांडेय, आर., और तोलानी, एच. (2023)। एकदिवसीय क्रिकेट में मध्य-बल्लेबाजी की स्थिति का बायेसियन परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स एनालिटिक्स, (प्रीप्रिंट), 1-10.

पांडेय, आर., चंद, डी.बी., एवं तोलानी, एच. (2023)। भूटान में सकल घरेलू उत्पाद के लिए बायेसियन मल्टीपल लीनियर रिग्रेशन मॉडल। एडवांसेज एंड एप्लीकेशंस इन स्टेटिस्टिक्स, 87(2), 161-190.

पांडेय, आर., चंद, डी.बी., और तोलानी, एच., (2023), नेपाल में जीडीपी के लिए बायेसियन मल्टीपल लीनियर रिग्रेशन मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिकल डिस्ट्रीब्यूशन एंड एप्लीकेशंस, 1, 9, 9-23, 3.

किम, जे., दास, एम., साहा, आई., सिन्हा, पी., सिंह, पी., एवं दास, आर.एन. (2022)। इंसुलिन प्रतिरोध और स्तन कैंसर बायोमार्कर के होमोस्टैसिस मॉडल मूल्यांकन के बीच अंतर-संबंध। ओंकोलोजिया आई रेडियोटेरेपिया, 16(4).

सिंह, पी., और शर्मा, आर. (2022)। गैलोज़ फ़ील्ड का उपयोग करके संपूर्ण डायलेल क्रॉस योजनाओं का निर्माण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड स्टैटिस्टिकल साइंसेज, 18(2).

जॉर्जियोउ, एस.डी., एवं एफथिमिउ, आई. (2014)। ऑर्थोगोनल लैटिन हाइपरक्यूब डिज़ाइन के कुछ वर्ग। स्टेटिस्टिका सिनिका, 24(1), 101-120.

सिंह, पी., मजूमदार, एम.डी., एवं बाबू, एस. (2023)।स्ट्रेंथ टू एंड थ्री की पूरी तरह से ऑर्थोगोनल एरेज़ में मैप करने योग्य लगभग ऑर्थोगोनल एरेज़ का निर्माण।

बानिक, एस., दास, एम., साहा, आई., गोंग, आर., सिंह, पी., किम, जे., एवं दास, आर.एन. (2023)। प्रोस्टेट कैंसर और हृदय रोग: सहसंबद्ध ऑन्कोलॉजिया आई रेडियोथेरेपिया, 17(2).

अख्तर, जेड., अल्मेटवल्ली, ई.एम., एवं चेसन्यू, सी. (2022)। सामान्यीकृत बिलाल वितरण पर: रैंक सेट नमूने के तहत कुछ गुण और अनुमान। एक्सिओम्स, 11(4), 173.

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठीयों/सम्मेलनों (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) में प्रस्तुतीकरण

07-11 सितंबर 2022 के दौरान सांख्यिकी विभाग, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति के हीरक जयंती समारोह में "सतत विकास के लिए स्टोचैस्टिक मॉडलिंग और डेटा विज्ञान के एकीकृत दृष्टिकोण" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक आमंत्रित व्याख्यान, संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सांख्यिकी पूर्व छात्र, एसवी विश्वविद्यालय और इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स (आईएसपीएस) वार्ता का विषय था: बायोस्टैटिस्टिक्स-एक पद्धतिगत परिचय।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), सागर के अपराधविज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान विभाग में 1 जुलाई से 7 जुलाई 2022 तक अपराध विज्ञान और आपराधिक न्याय में अनुसंधान विधियों पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित अल्पकालिक पाठ्यक्रम में 05.07.2022 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। वार्ता का विषय था: डेटा विश्लेषण के लिए बहुभिन्नरूपी तरीके।

26.04.2022 को भारतीय जराचिकित्सा अकादमी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जैवसांख्यिकी कार्यशाला "ऑपरेशन सिग्मा" में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए, वार्ता के विषय थे: जैवसांख्यिकी का परिचय और स्टाटा का परिचय।

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या: 86

नियोजित किए गए छात्रों का प्रतिशत: 93.48%

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

16 अप्रैल 2022 को समावेशी विकास विषय के अंतर्गत क्यूस्पायर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

21 जून 2022 को स्वास्थ्य और कल्याण विषय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

26 नवंबर 2022 को स्वास्थ्य और कल्याण विषय के अंतर्गत खेल दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

फ्रेशर्सएक्सउल्हास कार्यक्रम 03 जनवरी 2023 को एकता और सांस्कृतिक गौरव विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम 12 जनवरी 2023 को सांस्कृतिक गौरव विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया।

सरस्वती पूजा कार्यक्रम 25 जनवरी 2023 को सांस्कृतिक गौरव विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कपड़ा संग्रह अभियान कार्यक्रम 20-22 मार्च 2023 को एकता विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया।

संकाय सदस्य संख्या

स्थायी: 03

तदर्थ: 03

अतिथि: 04

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या - 05

प्रदत्त एम.फिल. डिग्रियों की संख्या - 04

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग का अपना एक नियोजन प्रकोष्ठ है जिसे क्रेडेंस कहा जाता है। इसे वर्ष 2004 में बनाया गया था। इसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए/एम.एससी. सांख्यिकी करने वाले छात्रों को नियोजन प्रदान करने के लिए एक मंच की स्थापना करना था। नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्रों को कॉर्पोरेट जगत के संगठनों के साथ बातचीत करने का अवसर प्राप्त होता है। वर्ष 2021-22 में 79 (अब तक) छात्रों को नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से नियोजित किया गया। विभाग की अपनी वेबसाइट states.du.ac.in है। संकाय, अनुसंधान विद्वानों, विभाग के अन्य कर्मचारियों, विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, पाठ्यक्रम और अन्य प्रासंगिक जानकारी के बारे में जानकारी विभाग की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। विभाग के पास छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए नवीनतम कंप्यूटिंग सुविधाओं के साथ दो सुसज्जित, पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत प्रयोगशालाएँ हैं।

***

चिकित्सा-विज्ञान संकाय

एनेस्थिसियोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर: एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और संबंद्ध अस्पताल लोक नायक अस्पताल, सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर, गुरु नानक आई सेंटर और मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस को एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान करते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली ने 31 जनवरी से 3 फरवरी 2023 तक "एमएएमसी एनेस्थीसिया अपडेट" स्नातकोत्तर परीक्षा-उन्मुख पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया, जिसमें पूरे देश से लगभग 350 छात्रों ने भाग लिया।

एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली ने 18 फरवरी 2023 को "मैकेनिकल वेंटिलेशन" पर एक कार्यशाला आयोजित की, जिसमें विभिन्न विशेषज्ञताओं के 64 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सम्मान/गौरव

डॉ. मुनीषा अग्रवाल को 15 मई 22 को आईएमए पूर्वी दिल्ली शाखा द्वारा "कोरोना योद्धा पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। डॉ. अग्रवाल को 20 दिसंबर, 22 को संकाय के रूप में 25 वर्षों की सेवा की मान्यता के लिए "मैमकोज़अवार्ड" से भी सम्मानित किया गया।

डॉ. कीर्ति एन सक्सेना ने 3.3.22 को एनसीटी सरकार द्वारा पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रम के प्रशिक्षण पर आधार व्याख्यान दिया।

डॉ. कपिल चौधरी को आइसाकॉन दिल्ली 2022 (7-9 अक्तूबर 2022) में युवा शिक्षक पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया। डॉ. चौधरी को जनवरी 2022 में वर्ष 2021 के लिए 'इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया' की समीक्षा के लिए सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड भी प्राप्त हुआ।

डॉ. ललित गुप्ता को आईएमए ईडीबी द्वारा चिकित्सा समुदाय में प्रदान की गई महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए विशिष्ट सेवा पुरस्कार (फरवरी, 2022) और दिल्ली मेडिकल फोरम (फरवरी, 2022) द्वारा कोविड -19 महामारी मेंकी गई सेवाओं के लिए चिकित्सा उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. ललित गुप्ता को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार-आईएनएसओ (अक्तूबर 2022) में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. गुप्ता को 2022 के लिए इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया के लिए सराहनीय संपादक का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

डॉ. ललित गुप्ता को एनेस्थिसियोलॉजी और गहन देखभाल (अक्तूबर 2022) में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सर्वश्रेष्ठ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट पुरस्कार 2022 प्राप्त हुआ।

प्रकाशन

जार्डिन, एम.जे., श्रद्धा, एस., कोटवाल, एस., बस्सी, ए., हॉखम, सी., एट अल., (2022)। कोविड-19 के उपचार के लिए एंजियोटेंसिन रिसेप्टर ब्लॉकर्स: व्यावहारिक, अनुकूली, बहुकेंद्रीय, चरण 3, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, *बीएमजे,* (379), 16.

बुओवारी, डी.वाई.ओवू, सी. गुप्ता, एल.शेल, सी. ओ., बेकर, टी., ईईसीसी नेटवर्क ग्रुप। (2022)। आवश्यक आपातकालीन और गंभीर देखभाल: विश्व स्तर पर स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए एक प्राथमिकता, *क्रिटिकल केयर क्लीनिक्स, 04*(38), 639-56, 02.

भारती वाधवा, विकास मल्होत्रा, सुखयंती केराई, फराह हुसैन, नलिनी बाला पांडे, कीर्ति एन सक्सेना और अन्य (2023)। दिल्ली में अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में स्पिरोनोलैक्टोन और डेक्सामेथासोन बनाम डेक्सामेथासोन का चरण 2 यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, *1*(23), 326, 02

केराई, एस., भट्ट, जी., सक्सेना, के.एन., गाबा, पी., वाधवा, बी (2023)। एनेस्थेटाइज्ड और लकवाग्रस्त रोगियों में सिर और गर्दन की विभिन्न स्थितियों में एलएमए प्रोटेक्टर और एलएमए-प्रोसील के ऑरोफरीन्जियल रिसाव दबाव की तुलना; एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, *इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 02*(67), 201-06.

अवल, एस., भालोत्रा, ए.आर., शर्मा, एस., (2022)। स्त्री रोग संबंधी लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद के दर्द और रिकवरी की गुणवत्ता पर लिडोकेन के इंट्रा-ऑपरेटिव इंफ्यूजन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, *जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड इंटेंसिव केयर, 02* (38), 300-08.

गुप्ता, डी., केराई एस., सक्सेना के.एन., गौड़ एस. (2023)। सिजेरियन सेक्शन के बाद तीव्र दर्द की गंभीरता का अनुमान लगाने के लिए स्थानीय एनेस्थेटिक्स की घुसपैठ पर प्रीऑपरेटिव तीन-आइटम प्रश्नावली और दर्द का नैदानिक मूल्यांकन, *जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड इंटेंसिव केयर, 02*(39), 273-8.

वधावन एस., केराई एस., हुसैन एफ., लबानी पी., अग्रवाल एम., सक्सेना के.एन., (2023)। पोस्ट कोविड-19 म्यूकोर्मिकोसिस; सर्जिकल उपचार से गुजर रहे रोगियों में एक संभावित, अवलोकन संबंधी अध्ययन, *जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड इंटेंसिव केयर।*

केराई एस., डोडा पी., सक्सेना के.एन., (2022)। कोविड-19 महामारी के दौरान गहन देखभाल इकाई पेशेवरों

में जीवन की व्यावसायिक गुणवत्ता: एक संभावित अवलोकन संबंधी क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन, *इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, 05*(26), 604-12.

गुप्ता एल., अग्रवाल जे., सक्सेना के.एन., (2022)। ओपिओइड मुक्त एनेस्थीसिया: पहेली और समाधान, *इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, सप्लीमेंटरी* 66 (सप्ल. 2), एस 91-4, 04.

मगून आर., चौधरी एन., वधावन एस., (2022)। जन्मजात हृदय संबंधी विसंगतियों वाले सिंड्रोमिक बच्चों में एमआरआई सीडेशन की क्रिया के लिए केटोडेक्स- एक केस श्रृंखला, *इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 6*(66), 456-9.

शोध परियोजनाएं

2022-23, क्षेत्रीय एनेस्थीसिया के तहत सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में एक सहायक गैर-फार्माकोलॉजिकल चिंताजनक के रूप में आभासी वास्तविकता।

2022-23, सब राचोनोइड ब्लॉक और पोस्ट-ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए प्री-ऑपरेटिव पोजिशनिंग की सुविधा के लिए पेरिकैप्सुलर नर्व ग्रुप ब्लॉक बनाम सुप्रिंगुइनल फास्कियाइलिया का ब्लॉक का तुलनात्मक अध्ययन।

2022-23, स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सर्जरी के लिए हाइपरबेरिक 0.75% रोपाइवाकेन और हाइपरबेरिक 0.5% बुपीवाकेन के बीच ब्लॉक विशेषताओं की तुलना करना।

2022-23, सामान्य एनेस्थीसिया के तहत लेप्रोस्कोपिक पेट की सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एटेलेक्टैसिस पर अल्ट्रासाउंड-निर्देशित फेफड़े की भर्ती प्रक्रिया का मूल्यांकन।

2022-23, न्यूनतम प्रवाह से वोफ्लुरेन और डेसफ्लुरेन एनेस्थीसिया की शुरुआत और पुनर्प्राप्ति विशेषताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन।

आयोजित किए गए सम्मेलन

एमएएमसी एनेस्थिसिया अपडेट, 31-01-2023.

यांत्रिक वेंटिलेटर कार्यशाला, 18-02-2023.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. मुनीषा अग्रवाल ने 12 मार्च 22 को एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी, दिल्ली द्वारा आयोजित बाल चिकित्सा एयरवे सीड वायुमार्ग बीज कार्यशाला में "बाल रोगी में कठिन वायुमार्ग के लिए बेहोश करने की क्रिया और एनेस्थीसिया" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. कीर्ति एन.सक्सेना बुधवार, 12 जनवरी, 2022 को "इंट्राऑपरेटिव एनाल्जेसिया: नया क्या है**?"**विषय

पर आयोजित साप्ताहिक आईसीए वेबिनार की अध्यक्ष थीं तथा उन्होंने आईएसए दिल्ली शाखा द्वारा 31.1.22 को आयोजित 'मानसिक स्वास्थ्य और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट' पर आयोजित एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

डॉ. अंजू आर. भालोत्रा 07.10.2022 को आईएसए दिल्ली युवाकॉन 2022 में सत्र - स्नातकोत्तर रेजीडेंसी में शैक्षणिक रणनीति (उपयुक्त शिक्षण संसाधन सामग्री के चयन की विशेषताएं) की अध्यक्ष थीं।

डॉ. सोनिया वधावन ने एलएचएमसी 2022 में मिड-आईएसएकॉन में एक पैनल चर्चा का संचालन किया

डॉ. भारती वाधवा जून 2022 में आईएसए दिल्ली शाखा द्वारा आयोजित मिडकॉन में "ग्रीन हॉस्पिटल: पर्यावरण और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट" विषय पर पैनल चर्चा के लिए पैनलविद थीं।

डॉ. कपिल चौधरी ने आइसाकॉन दिल्ली 2022 (7-9 अक्तूबर 2022) में प्रतिभागिता की।

डॉ. ललित गुप्ता ने 07.12.2022 को एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल में एनेस्थीसिया स्नातकोत्तर प्री-एग्जामिनेशन कोर्स (एपीपीईसी-22) में ईआरएएस - एनेस्थीसिया के बाद संवर्धित स्वास्थ्य लाभ विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. ललित गुप्ता ने इंटरनेशनल कांग्रेस फॉर इनोवेशन इन ग्लोबल सर्जरी 2022 में मोस्ट वैल्यूएबल इनोवेशन अवार्ड के लिए जूरी सदस्य और फैकल्टी के रूप में भाग लिया।

डॉ. राहिल सिंह ने 2.02.202 को एमएएमसी स्नातकोत्तर अपडेट 2022 में लैरींगोस्कोप-डायरेक्ट और वीडियोलेरिंजोस्कोप विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. सुखयंती केराई ने 2.02.202 को एमएएमसी स्नातकोत्तर अपडेट 2022 में एनेस्थीसिया मशीन (इंटरमीडिएट सिस्टम) पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संकाय संख्या

23 (17 नियमित, 06 संविदा पर)

***

शरीर-रचना-विज्ञान विभाग:एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

कॉलेज की शुरुआत 1959 में हुई और प्रोफेसर बजाज इसके पहले विभागाध्यक्ष थे। कॉलेज की शुरुआत 100 छात्रों से हुई थी, बाद में यह संख्या बढ़कर 180 हो गई। वर्तमान में, वर्ष 2012 से एमबीबीएस छात्रों की संख्या 250 हो गई है।

प्रमुख **कार्यकलाप और उपलब्धियाँ**

शरीर-रचना-विज्ञान विभाग दिल्ली सरकार के अधीन एमबाल्मिंग के लिए एक केंद्रीकृत सुविधा है। विभाग स्वैच्छिक देहदान के लिए एक मान्यता प्राप्त केंद्र है। विभाग भ्रूण शव-परीक्षण के लिए संस्थागत केंद्र है।

प्रकाशन

मिश्रा, एस., रॉय, टी., सैनी, एस. (2022)। मानव कोकलीया की बाल कोशिकाओं का विकास: स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक अध्ययन, *जे माइक्रोस्क अल्ट्रास्ट्रक्चर,* 11(1), 17-22।

पूनिया डी., वाधवा एस., महाजन ए., मिश्रा एस. (2022)। जाइगोमैटिक रूट का उपयोग करके मध्य कपाल फोसा के आंतरिक स्थलों की स्थिति की भविष्यवाणी करना: इसकी जटिलता को सरल बनाने का एक प्रयास, *इंडियन जे न्यूरोसर्ज,* (2).

पूनिया डी., जयसवाल एम., सिंह एच., यासीन एस., मिश्रा एस. (2022)। मानव शरीररचना विज्ञान के ऑनलाइन शिक्षण के प्रति छात्रों की धारणा: एक व्यापक सर्वेक्षण, *जर्नल ऑफ एनाटोमिकल साइंसेज (एएसआई का यूपी चैप्टर), 30*(1), 1-7.

सलूजा एस., अग्रवाल एस., तुली ए., रहेजा एस., तिग्गा एस. आर. (2022)। वयस्क भारतीय आबादी में त्रिकास्थि की रूपात्मक विविधताएँ। *वी.इंट जे अनात रेस, 10*(1), 8230-37.

शोध परियोजनाएं

आईसीएमआर, 2022 से प्रगति पर, मानव कॉक्लियर तंत्रिका के रक्त तंत्रिका अवरोध का विकास आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित है। डॉ. सबिता मिश्रा और डॉ. सुरभि वाधवा, एक वर्ष के लिए 13,35,168 रुपये।

एनसीटी, दिल्ली सरकार, 2022 से प्रगति पर, ठोस ट्यूमर वाले बच्चों में पी53 उत्परिवर्तन और 1पी की क्रोमोसोमल विसंगतियों की घटना, डॉ. दिनेश कुमार, एनसीटी सरकार द्वारा "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना"योजना के अंतर्गत समर्थित, 2,77,200/- रुपये।

एनसीटी, दिल्ली सरकार, 2022 से प्रगति पर, भारत के उत्तरी क्षेत्र में एस्थेनोज़ोस्पर्मिया रोगियों में डीएनएएच6 और एटीपीस6 (माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए) जीन का इनसिलिको आणविक लक्षण वर्णन, डॉ दिनेश कुमार, एनसीटी सरकार की योजना "एमएएमसी में चिकित्सा शोध का सुदृढ़ीकरण" योजना के अंतर्गत समर्थित, 2 लाख रुपये।

एनसीटी, दिल्ली सरकार, 2018-19 से प्रगति पर, मानव भ्रूण की किडनी के विकास में एक्वापोरिन 1 और 2 की अभिव्यक्ति। डॉ. सुरभि वाधवा, एनसीटी सरकार द्वारा "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना" योजना के अंतर्गत समर्थित, 1,39,000 रुपये।

एनसीटी, दिल्ली सरकार, 2022 से प्रगति पर, मानव तंत्रिका ट्यूब दोषों में पैक्स 3 की अभिव्यक्ति, डॉ. स्वाति तिवारी को एनसीटी सरकार द्वारा "एमएएमसी में चिकित्सा अनुसंधान को मजबूत करना" योजना के तहत समर्थित, 1,40,000 रुपये।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

शरीरदाताओं के परिवार, शरीरदान, विश्व शरीररचना दिवस समारोह के भाग के रूप में, 15-10-2022

डॉ. फैयाज अहमद खुदसर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जैव विविधता पार्क कार्यक्रम, सीईएमडीई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली जैव विविधता पार्क: प्रदूषण के लिए समाधान, एमबीबीएस के लिए फाउंडेशन कोर्स, 17-11-2022.

डॉ. अनुज शर्मा, डब्ल्यूएचओ देश कार्यालय भारत, एएमआर, एक स्वास्थ्य और डब्ल्यूएचओ, फाउंडेशन कोर्स, 19-11-2022.

डॉ. पांडियन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय इंस्टीट्यूट फॉर फिजिकली हैंडीकैप्ड, नई दिल्ली, विकलांगता जागरूकता और विकलांगों के मानवाधिकार, फाउंडेशन कोर्स, 25-11-2022.

डॉ भावना भारमी, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, मानसिक स्वास्थ्य का महत्व, फाउंडेशन कोर्स, 02-12-2022.

आयोजित सम्मेलन

एम्बलमिंग और मॉर्फोमेट्री के सिद्धांत और प्रक्रियाएं-2023 (17 और 18 मार्च 2023), **17-03-2023**, **एनसीटी सरकार**, **दिल्ली**

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. अनीता महाजन और डॉ. सुरभि वाधवा ने मार्च 2023 में एम.ए.एम.सी. में बालरोग विभाग द्वारा सांख्यिकी पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. बबीता पांगटेई ने राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास अकादमी (एनएएचआरडी) द्वारा 19.05.2022 से 20.05.2022 तक "कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम" पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. दीपिका पूनिया ने "शिक्षा, निदान और अनुसंधान प्रगति में बुनियादी चिकित्साविज्ञान की भूमिका; विषय पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में भाग लिया।" **[बीएमईएसईसीओएन2022] 17-19** नवंबर **2022.**

अन्य अंतरसांस्थानिक सहयोग

मानव कर्णावर्ती तंत्रिका के रक्त तंत्रिका अवरोध का विकास आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित है। एम्स, नई दिल्ली के साथ डॉ. सबिता मिश्रा और डॉ. सुरभि वाधवा।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

देहदान जागरूकता अभियान।

पोलियो निवारण कार्यक्रम।

संकाय संख्या: 10

***

जैव-रसायन विभाग : (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

एलएचएमसी का जैव-रसायन विभाग एसएसकेएच और केएससीएच के रोगियों के साथ-साथ किसी भी संदर्भित रोगियों के लिए आवश्यक नैदानिक और स्क्रीनिंग परीक्षणों की पूर्ति कर रहा है। निदान-केंद्र की स्थापना बीटा थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया कैरियर स्क्रीनिंग, युगल स्क्रीनिंग और प्रसव पूर्व निदान, डीएमडी कैरियर स्क्रीनिंग के लिए की गई थी। एनएमसी अनुमोदित एमईयू कार्यशाला का आयोजन करके विभाग के संकाय सदस्यों को चिकित्सा शिक्षा में संशोधित आधारभूत पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।

अन्य क्रियाकलाप और उपलब्धियां

जैव-रसायन विभाग ने "एडवांस्ड बायोकैमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी लैब" की स्थापना की, जिसका उद्घाटन 23-11-2022 को ओल्ड कॉलेज ब्लॉक, एलएचएमसी में निदेशक डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा किया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. ऋतुसिंह, डॉ. पारिजात गोगोई, डॉ. राजीवगोयल, डॉ. मुकेश कुमार मीना एवं डॉ. अदिति सिंहको **20** सितंबर को ब्रम्हा कुमारी संगठन के मेडिकल विंग से कोविड योद्धा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

<u>प्रकाशन</u>

चंद्रा एस., थॉमस एस., नांगिया ए., सिंह आर., पठानिया ओ.पी. (2022)। भारत में स्थानिक विटामिन डी की कमी और खराब पूर्वानुमान वाले ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर के उच्च प्रसार के बीच संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी*, 84(3), 657-662.

खंडारे पी., सलूजा ए., सोलंकी आर.एस., सिंह आर., वाणी के., गर्ग डी., धमीजा आर.के. (2022)। सीरम एस100बी और एनएसई स्तर तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में रोधगलितांश के आकार और मूत्राशय-आंत की भागीदारी से संबंधित हैं।, *जे न्यूरोस्की रूरल प्रैक्टिस*, 13(2), 218-225.

कुमारी एस., सिंह आर., चंद्रा एस., मेहंदीरत्ता एम., देबनाथ, ई., धमीजा, आर.के. (2022)। इस्केमिक स्ट्रोक

के मरीजों में पैराऑक्सोनेज-2 जीन की अभिव्यक्ति के साथ पैराऑक्सोनेज-2 (सी1053जी) जीन पॉलीमोरफिसम - भारतीय जनसंख्या में एक पायलट अध्ययन, *न्यूरोल इंडिया*, 70(4), 1575-1579.

लालत्लानज़ोवी, सी., चौधरी, एम., सिंह, आर., शर्मा, एस., रघुनंदन, सी., हर्शेल, एल. (2022)। गर्भकालीन मधुमेह वाली महिलाओं में सीरम एडिपोनेक्शन और इंटरल्यूकिन 1बीटा का अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म*, 26(6), 581-588.

मैथ्यू, ए., देबनाथ, ई., चौहान, पी., नाइक, एस., सिंह, आर. (2022)। बायोरैडडी-10 में गुणवत्ता आश्वासन के मूल्यांकन के लिए सिग्मा मेट्रिक्स और विधि निर्णय चार्ट का अनुप्रयोग, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एण्ड करंट रिसर्च*, 5(2), 465-469.

जैन, पी., चौहान, पी., उप्पल, पी., देबनाथ, ई., गोगोई, एस., चटर्जी, पी.. (2022)। नैदानिक प्रयोगशाला में पूर्व विश्लेषणात्मक गुणवत्ता संकेतकों की मात्रा का निर्धारण और लीन सिक्स सिग्मा डीएमएआईसी रणनीति तैयार करना। *जे इंडियन मेड एसोसिएशन*, 120(2), 17-22.

मैथ्यू, ए., नाइक, एस., चौहान, पी., देबनाथ, ई. (2022)। सीएलआईए 88 और एनजीएसपी का उपयोग करते हुए कुल स्वीकार्य त्रुटि के प्रयोग से छह सिग्मा द्वारा आंतरिक क्यूसी और बाहरी क्यूसी के विश्लेषणात्मक प्रदर्शन का आकलन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड करंट रिसर्च,*5(5), 136-141।

गोयल, आर., सिंघई, एम., महमूद, टी., सक्सेना, वी. (2022)। भारत में फुट-हिल क्षेत्र के निवासियों में शारीरिक गतिविधि और चयापचय सिंड्रोम के बीच संबंध। *मधुमेह मेटाब सिन्ड्र.* , 16(4), 1-4.

मीना, एम.के., सिंह, ए., प्रिसी, एस., यादव, एन. (2022)। रुग्ण मोटापे से ग्रस्त मरीजों के लिपिड प्रोफाइल पर स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी का प्रभाव, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च*, 12(12), 66-70.

नीरज यादव, मुकेश कुमार मीना, शैलता प्रिसी, अदिति सिंह, रितु सिंह। (2023)। नैदानिक जैवरसायन प्रयोगशाला में रैंडॉक्स अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन योजना के लिए एक संकेतक के रूप में सिक्स सिग्मा मेट्रिक्स: तृतीयक देखभाल अस्पताल में थायराइड फ़ंक्शन परीक्षण के साथ एक प्रायोगिक अध्ययन।*एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज*, **9(1)**, **1.**

शोध परियोजनाएं

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2019-2022, बीटा थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया वाहक स्क्रीनिंग, युगल स्क्रीनिंग और प्रसव-पूर्व निदान, डीएमडी वाहक स्क्रीनिंग के लिए उम्मीद पहल के तहत आकांक्षी जिले के लिए डायग्नोस्टिक सेंटर डीबीटी-निदान-केंद्र की स्थापना और आउटरीच कार्यक्रम, 400 लाख।

एनसीडीसी, 2022, दिल्ली में उपचार और प्रबंधन के लिए तृतीयक देखभाल अस्पतालों में भर्ती किए गए कोविड -19 रोगियों के क्लिनिको-महामारी विज्ञान प्रोफाइल का अध्ययन, 25 लाख।

आईसीएमआर, 2022, उत्तर भारतीय आबादी में स्टैटिन के लिपिड कम करने वाले प्रभाव पर पीसीएसके9 जीन में सामान्य विविधता का प्रभाव, 9.8 लाख।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

जय कालरा, मेडिकल यूनिवर्सिटी कनाडा के प्रोफेसर, "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में नैतिकता", स्वास्थ्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, 05-12-2022

आयोजित सम्मेलन

एक्बिकॉन 22 प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप "जेनेटिक्स इन मेडिकल डायग्नोस्टिक्स एंड प्रोग्नॉस्टिक्स", 23-11-2022, एसीबीआई।

"चिकित्सा शिक्षा में संशोधित बुनियादी पाठ्यक्रम" पर एमईयू कार्यशाला, 27-02-2023, चिकित्सा शिक्षा इकाई, एलएचएमसी नई दिल्ली।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

48वें एसीबीआईसीओएन2022 सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीबीएमई के ऐच्छिक: उद्देश्य, संगठन, संभार-तंत्र : जैव-रसायन की भूमिका डॉ. रितु सिंह द्वारा।

48वें एसीबीआईसीओएन2022 सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में डॉ. प्रीति चौहान द्वारा सरकारी अस्पतालों में एचआईएमएस और एलआईएस के अवसर और चुनौतियाँ।

बायोमेडिकल टेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव-22, केरल में डॉ. प्रीति चौहान द्वारा आईटी और लैब सेवाओं का नवाचार।

बीटा थैलेसीमिया उन्मूलन के लिए डायग्नोस्टिक सेंटर डीबीटी-निदान-केंद्र की भूमिका, 29वें एंबीकॉन 2022 बेंगलुरु में डॉ. राजीव गोयल द्वारा।

अन्य अंतरसांस्थानिक सहयोग

जीबी पंत अस्पताल के साथ सहयोग: डॉ. रितु सिंह ने जीबी पंत अस्पताल के साथ सहयोग किया और **वे** जीबी पंत अस्पताल के दो डीएम कार्डियोलॉजी छात्रों (दिल्ली विश्वविद्यालय) के आनुवंशिक कार्य के लिए सह-पर्यवेक्षक थीं।

***

जैव-रसायन चिकित्सा विभाग : एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज का जैव-रसायन विभाग वर्ष 1968 में स्थापित किया गया था। यह शैक्षणिक, अनुसंधान और रोगी देखभाल क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। विभाग के शैक्षणिक क्रियाकलापोंमें एमबीबीएस, बीडीएस, एमडी और बीएससी नर्सिंग का अध्ययन शामिल है। क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री प्रयोगशाला लोक नायक अस्पताल और अन्य संबद्ध अस्पतालों के मरीजों को सेवा प्रादन करती है। जैव-रसायन विभाग 90 से अधिक मापदंडों के परीक्षणों के साथ 24**X**7 प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान करता है। इसके अलावा, कॉलेज में एक आणविक निदान प्रयोगशाला है जो एलएन अस्पताल में आने वाले मरीजों को आणविक निदान सेवा प्रदान करती है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

विभाग ने **24-26** मार्च, **2023** तक एमएएमसी बायोकैमिस्ट्री अपडेट का आयोजन किया जिसमें **200** से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विभाग द्वारा दो अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए (क) "स्वास्थ्य, राजनीति और कोक" शीर्षक पर जो डॉ. सिगल इलियट-अदार, पीएचडी, आरडी, क्लिनिकल डाइटिशियन एवं मास्टर्स प्रमुख, महामारीविज्ञानी, स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली शिक्षा, लेविंस्की-विंगेट एकेडमिक कॉलेज, नेतन्या, इज़राइल द्वारा **28** अगस्त, **2023** को सुबह 10:00 बजे से 11:30 बजे तक दिया गया था और (ख) "स्वास्थ्य और रोगों में आंत माइक्रोबायोम की भूमिका" पर, जो माइक्रोबायोलॉजी, आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी के प्रोफेसर डॉ. गोपाल नाथ द्वारा 24.04.2023 को दिया गया था।

शामिल की गईं नई सुविधाएं:

क. नैदानिक सेवाओं के लिए ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर (डीडीपीसीआर)।

ख. वेट रसायन विश्लेषक - टीबीए 120 एफआर।

ग. एबीजी विश्लेषक - कोबास बी 221 और एबीएल 800 फ्लेक्स।

घ. कोगुलेशन विश्लेषक - एसएल टॉप 350- 2 उपकरण।

ड. केशिका वैद्युतकण संचलन - मिनीकैप फ्लेक्स पियर्सिंग।

सम्मान/गौरव

जैव-रसायन विभाग को वर्ष 2016, 2018 और 2020 के लिए प्री और पैरा क्लिनिकल विभाग में सर्वश्रेष्ठ

शोध कार्य के लिए फ्लेमिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

कुमार, ए., पाराशर, आर., कुमार, एस., फैक, एम. ए., कुमारी, सी., कुलंधसामी, एम., नारायण, आर.के., झा, आर.के., सिंह, एच.एन., प्रसून, पी., पांडे, एस.एन. (2022). उभरते सार्स-कोव-**2** वेरिएंट संभावित रूप से कोविड-19 में निर्धारित महामारीविज्ञान बाधाओं को तोड़ सकते हैं, *जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी*, **94(4)**, 1300-1314.

नाग, एस., गोस्वामी, बी., मंडल, एस.डी., रे, पी.एस. (2022)। कैंसर में आरएनए-बाध्यकारी प्रोटीन द्वारा सहयोग और प्रतिस्पर्धा, कैंसर जीवविज्ञान में सेमिनार, 86(3), 286-297.

महिलकर, एस., अग्रवाल, एस., चौधरी, एस., पारिख, एस., सोनकर, एस.सी., एटअल। (2022)। सार्स-कोव-2 वेरिएंट: जैविक और नैदानिक परिणामों पर प्रभाव, फ्रंटियर्स इन मेडिसन, 9(10), 995960.

कुमार, डी., ओबेरॉय, एच.एस., सिंह, एच., श्रीवास्तव, टी.जी., भुक्या, पी.एल., एट अल। (2023). स्पेसर्स का उपयोग करके एंजाइम संयुग्मों में प्रेडनिसोलोन दवा का पता लगाने के लिए इन-हाउस हेटेरोलॉगस एलिसा का विकास और अनुकूलन, *फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी*, 14, 1200328.

खुराना. वी., गोस्वामी, बी., कौशिक, एस. (2022)। क्रोनिक किडनी रोग वाले कोविड-19 रोगियों में पोषण और सूजन वाले बायोमार्कर के बीच डब्ल्यू182 एसोसिएशन, क्लिनिका चिमिका एक्टा; *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल केमिस्ट्री*, 530, एस367.

इरुंगबम, एम., चितकारा, ए., सिंह, वी.के., सोनकर, एस.सी., दुबे, ए., एट अल। (2022)। रीयल टाइम अस्पताल सेटिंग में रैपिड किट द्वारा सार्स-कोव-2 के स्पाइक प्रोटीन के विरुद्ध इम्युनोग्लोबुलिन जी और इम्युनोग्लोबुलिन एम एंटीबॉडी का पता लगाने के प्रदर्शन का मूल्यांकन, *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, 13, 802292.

गोस्वामी, बी., आहूजा, डी., पास्ट्रे, डी., रे, पी.एस. (2023)। पी53 और एचयूआर जीनोटॉक्सिक तनाव के प्रत्युत्तर में माइक्रोआरएनए-125बी की द्विध्रुवीय गतिशीलता को संयुक्त रूप से नियंत्रित करते हैं, *कम्यूनिकेशन्स बायोलॉजी*, 6(1), 110.

महापात्रा एचएस, कुलश्रेष्ठ बी, गोयल पी, चितकारा ए, कुमारी ए, अरोड़ा ए, शेखर वी, गुप्ता वाईपी। (2022)। गैर-उच्च रक्तचाप टाइप 2 डायबिटिक नेफ्रोपैथी के प्री-एल्ब्यूमिन्यूरिक चरणों के दौरान विभिन्न मूत्र बायोमार्कर की तुलनात्मक नैदानिक उपयोगिता, *इंडियन जे मेड रेस*, 156(1), 46.

कुमार, ए., असगर, ए., सिंह, एच.एन., फैक, एम.ए., कुमार, एस., एट अल। (2022)। ओमिक्रॉन संस्करण,

महामारी के अंत की पटकथा: सायर्स-कोव-2 जीनोमिक अनुक्रमों और उनके महामारी विज्ञान सहसंबंधों का सिलिको विश्लेषण, जेएमआईआर बायोइन्फॉर्मैटिक्स एंड बायोटेक्नॉलजी।

शोध परियोजनाएं

आईएसबीएमआर, 2022-2024, पोषण संबंधी रिकेट्स वाले बच्चों में फॉस्फेट चयापचय: एक नैदानिक और चयापचय दृष्टिकोण, 2 लाख।

आईसीएमआर, 2022-2025, बच्चों में दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के बाद पिट्यूटरी फ़ंक्शन मूल्यांकन: एक संभावित समूह अध्ययन, 28 लाख।

जीएनसीटीडी, 1 वर्ष, प्री-एक्लेमप्सिया वाली गर्भवती उत्तर भारतीय महिलाओं में संवहनी एंडोथेलियल डिसफ़ंक्शन की आनुवंशिक संवेदनशीलता का विकास, 3 लाख।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

डॉ. सिगल इलियट-अदार, क्लिनिकल डायटिशियन और महामारी विशेषज्ञ, स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली शिक्षा में मास्टर्स के प्रमुख, अकादमिक कॉलेज, लेविंस्की-विंगेट, नेतन्या, इज़राइल।, स्वास्थ्य, राजनीति और कोक, जीवन शैली, 28-08-2023.

डॉ. गोपाल नाथ, माइक्रोबायोलॉजी के प्रोफेसर, आईएमएसबीएचयू, वाराणसी, स्वास्थ्य और रोगों में आंत माइक्रोबायोम की भूमिका, आंत-मस्तिष्क इंटरेक्शन, 24-04-2023।

आयोजित सम्मेलन

एमएएमसी बायोकैमिस्ट्री अपडेट, 24-03-2023, एमएएमसी

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. अनुभूति ने सोसाइटी फॉर इंडियन एकेडमी ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स के 7वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया, जिसका शीर्षक थाजीनोमिक डेटा फॉर प्रिसिजन मेडिसिन ग्लोबल तथा विल्म्सट्यूमर की जेनेटिक विविधता - प्रायोगिक अध्ययन विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. स्मिता कौशिक 23-26 नवंबर, 2022 तक गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एसीबीआई सम्मेलन में पोषण पर एक पैनल चर्चा में पैनलिस्ट थीं।

संकाय संख्या : 11

***

जैव-रसायन विभाग:यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइन्सेज)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एमबीबीएस और एमडी शिक्षण के अलावा, विभाग ने "चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में सेवाकालीन प्रशिक्षण" कार्यक्रम में भाग लिया। विभाग को एफआईएसटी कार्यक्रम के तहत अनुदान की मंजूरी के लिए डीएसटी द्वारा चुना गया है। विभाग को आईसीएमआर, सीपीसीबी और डीएसटी से परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायता प्राप्त हुई थी।

सम्मान/गौरव

डॉ. मोहित मेहंदीरत्ता-भारत में मधुमेह के अध्ययन के लिए रिसर्च सोसायटी के 18वें वार्षिक सम्मेलन-आरएसएसडीआई, 2022, दिल्ली में प्रथम उपविजेता रहे।

डॉ. अशोक कुमार अहिरवार 25 मई 2022 को डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सीएमई: थायराइड डिसफंक्शन: क्लिनिकल-बायोकेमिकल एप्रोच में सर्वश्रेष्ठ मौखिक शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कार के विजेता रहे।

डॉ. शीबा अंसारी- अप्रैल 2022 से एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल केमिस्ट्री एंड लैब मेडिसिन प्रैक्टिशनर्स (एसीसीएलएमपी) की केंद्रीय कार्यकारी समिति की सदस्य हैं।

प्रकाशन

अल्मेडा, ई.ए., मेहंदीरत्ता, एम., मधु, एस.वी., कर, आर., पुरी, डी. (2022)। टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाले दुबले और मोटे मरीजों में साइटोकाइन सिग्नलिंग और इंटरफेरॉन गामा के सप्रेसर की विभेदक अभिव्यक्ति, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म,* 20(3), 22-25.

अहिरवार, ए.के., सिंह, ए., भट्टाचार्जी, जे. एट अल। (2022)। स्वास्थ्य और रोग में नाइट्रिक ऑक्साइड का जैविक संदर्भ अंतराल, *हार्मोन मॉलेक्यूलर बाइलॉजी एंड क्लीनिकल इन्वेस्टिगेशन*, 43(3), 315-21.

चावला, डी., कर, आर., पुरी, डी., मधु, एस.वी. (2023)। ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड **1** (जीएलपी-**1**) की भूमिका और टाइप **2** डायबिटीज मेलिटस के रोगजनन में सूजन मार्करों के साथ इसका संबंध, *जीएससी बायोलॉजिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज*, 22(03), 99-106.

ग्रोवर, एस., जैन, एस., नारंग, एस., गुप्ता, आर., गर्ग, एस., शर्मा, डी. (2023)। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में संज्ञानात्मक कार्य, सीरम 25-हाइड्रॉक्सीविटामिन डी और विटामिन डी बाइंडिंग प्रोटीन स्तर का मूल्यांकन: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, *इंट जे नॉन-कम्यून डिस*, 8(1), 14-20.

मेहंदीरत्ता, एम., कर, आर., अल्मीडा, ई. ए., गोयल, ए., मेहंदीरत्ता, आर. (2022)। मेडिकल छात्रों के बीच

मानव इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस और हेपेटाइटिस बी संक्रमण के प्रति ज्ञान और जोखिम की धारणा, *श्रीलंकन जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीज*, 12(2), 12-14.

साहा, डी., मेहंदीरत्ता, एम., शाह, डी., गुप्ता, पी. (2022)। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में गंभीर तीव्र कुपोषण में ऑक्सीडेटिव तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और समय से पहले बुढ़ापा, *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स*, 89(6), 558-62.

झा, पी.के., अग्रवाल, आर. (2022)। रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण अलर्ट प्रक्रिया में सुधार के लिए गुणवत्ता उपकरण और रणनीति, *जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियन*, 14(4), 471.

खान, एम.ए., रब्बानी, जी., अग्रवाल, जे., अहमद, आर.एस. (2023)। डाइमिथाइल फ्यूमरेट, एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी, 1-19 द्वारा गठिया के उपचार में एनएफ-केबी और एनआरएफ-2/केईएपी1 मार्ग के बीच क्रॉसस्टॉक की जटिलताओं का खुलासा।*एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी,* 1-19.

पावनी, सी., अंसारी, एस., यादव, आर., दत्ता, एस.के. (2022)। हाइपरकैल्सीमिया के कारण का पता लगाना: एक केस रिपोर्ट, *जर्नल ऑफ एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन*, 3(1).

राव, आर.एस., सिंह, एम., शर्मा, आर., गुप्ता, आर., मेहंदीरत्ता, एम., कर, आर., शर्मा, पी., कुमार, पी. (2022)। प्रीक्लेम्पसिया में बढ़ते रक्तचाप के साथ परिसंचरण टेलोमेयर लंबाई, ऑक्सीडेटिव तनाव मार्कर और सूजन मार्करों की भूमिका-पश्चिमी उत्तर प्रदेश, भारत में एक अध्ययन, *जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल नेगेटिव रिजल्ट्स*, 2069-76.

शोध परियोजनाएं

डीएचआर-एमआरयू, अप्रैल 2022 - दिसंबर 2022, टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाले दुबले और मोटे रोगियों में सूजन के नियामकों की एमआरएनए अभिव्यक्ति, 200000/- रुपये।

डीएचआर-एमआरयू, 22 अप्रैल-23 मार्च, सूजन और ऑक्सीडेटिव मार्ग में एपीओए-वी प्रोटीन की भूमिका: इन विट्रो अध्ययन,178000/- रुपये।

एम्स नई दिल्ली, अक्तूबर 2021 से अक्तूबर 2023, कोवैक्सिन और कोविशील्ड के लिए अनुकूली प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएँ: एक तुलनात्मक अध्ययन, 1000000/- रुपये।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

पोस्टर प्रस्तुति-अहमद आरएस, मोनिका के, झा पीके, खान एमए, सैफी ए। संज्ञानात्मक हानि के चूहे के मॉडल में कुछ जैव रासायनिक मापदंडों पर एक पॉलीहर्बल यूनानी फॉर्मूलेशन का सुधार प्रभाव। वक्ता:

एसीबीआई का 48वां राष्ट्रीय सम्मेलन, एसीबीआईसीओएन 2022, 23-26 नवंबर 2022, नई दिल्ली।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध एमएलटी कॉलेजों के लिए बीएससी, एमएलटी प्रशिक्षण में भी प्रतिभागिता की।

बीएससी नर्सिंग की शिक्षण गतिविधियों में भाग लिया।

पल्स पोलियो कार्यक्रम में भागीदारी।

संकाय संख्या : 9

***

समुदायिक चिकित्सा विभाग : एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण और प्रमुख उपलब्धियां

सामुदायिक चिकित्सा विभाग के पास वर्तमान में 5 शहरी और ग्रामीण केंद्र हैं। विभाग के पास राव तुलाराम मेमोरियल अस्पताल और 4 अन्य केंद्रों - ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, बरवाला, शहरी स्वास्थ्य केंद्र, गोकलपुरी, शहरी स्वास्थ्य केंद्र दिल्ली गेट और शहरी स्वास्थ्य केंद्र बीवीके के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय तैनाती है। दैनिक बाह्य रोगी सेवाओं के साथ-साथ, ये केंद्र समुदाय को स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ एमडी और एमबीबीएस छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण बिंदु के रूप में भी काम करते हैं।

सम्मान/गौरव

विभाग को वर्ष 2021 में "फ्लेमिंग्स ट्रॉफी" से सम्मानित किया गया।

डॉ. एम.एम.सिंह को आईएमए, पूर्वी दिल्ली शाखा द्वारा कोविड-19 के दौरान उनके उत्कृष्ट कार्य और योगदान के लिए चिकित्सा रत्न से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

गर्ग, एस., भटनागर, एन., सिंह, एम.एम., बसु, एस., बोरले, ए., मारीमुथु वाई. (2022)। दिल्ली, भारत के कम आय वाले शहरी क्षेत्रों में किशोर लड़कियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और इसके निर्धारक: समुदाय-आधारित अध्ययन, *ओसॉन्ग पब्लिक हेल्थ एंड रिसर्च पर्सपेक्टिव्स*, 13(4), 273-281.

गंगाधरन, एन., बोर्ले, ए.एल., बसु, एस., नव्या, जी., बोर्ले ए.एल. (2022)। भारत में किशोरों के बीच मोबाइल फोन की लत एक उभरता हुआ व्यवहारिक रूप है, *क्यूरियस*,14(4).

शर्मा, एन., बसु, एस., मन्ना, एस., शर्मा, पी., राव, एस., दुग्गल, के., कौर, एच., कुमार, पी., मलिक, एस. एच. (2022)। दिल्ली, भारत में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की

देखभाल करने वालों में बचपन की बीमारियों के लिए स्वास्थ्य-संबंधी व्यवहार, क्यूरियस,14(4).

बसु, एस., शर्मा, पी., दुष्यन्त, के., शर्मा, एन. (2022)। एक संक्षिप्त व्यवहारिक हस्तक्षेप भारत के टीबी उन्मूलन कार्यक्रमके साथ एम-सेसेसन के एकीकरण को बढ़ावा देता है। *न्यूमोन*, 35(1), 5.

सोढ़ी, पी.के., गौतम, ए., शर्मा, एन., रुस्तगी, आर., जयसिंह, के., सोढ़ी, आर. (2022)। पीले-एम्बर नोआईआर चश्मे के उपयोग के साथ रेटिना रोगों में कंट्रास्ट संवेदनशीलता परिवर्तन का आकलन, *इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी*, 70(7), 1679.

शोध परियोजनाएं

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन, 2020/5 वर्ष, दिल्ली में शहरी पुनर्वास कॉलोनी और स्लम में डेंगू और चिकनगुनिया के महामारी विज्ञान सर्वेक्षण पर ध्यान देने के साथ एक स्वास्थ्य और जनसांख्यिकीय निगरानी साइट का विकास: एक संभावित प्रेक्षणात्मक अध्ययन, 570 लाख।

दिल्ली राज्य एनटीईपी, 2022, भारत में घरेलू तपेदिक संपर्कों में गुप्त तपेदिक संक्रमण के लिए आईएनएच-रिफापेंटाइन निवारक चिकित्सा का कार्यान्वयन: एक समुदाय-आधारित प्रायोगिक अध्ययन, 5 लाख।

आईसीएमआर, 2022, 1 वर्ष, ठीक हुए कोविड-19 रोगियों में रोग की अगली कड़ी: एक संभावित अध्ययन। [कोवी-फ्लू अध्ययन], 48 लाख।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

कृष्णा ए, लाल पी, कुमार आर, भानगर एन ने 10-12 नवंबर 2022को एम्स, भुवनेश्वर, ओडिशा में आईएपीएसएम द्वारा आयोजित तीसरे आईएपीएसएम यंग लीडर्स नेशनल कॉन्क्लेव में "दिल्ली में रहने वाले वयस्कों के बीच नींद की गुणवत्ता और मोटापे के साथ इसका संबंध" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

मिश्रा ए, लाल पी: आईएपीएसएम द्वारा 10-12 नवंबर, 2022 को एम्स, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित तीसरे आईएपीएसएम यंग लीडर्स नेशनल कॉन्क्लेव में"मानसिक स्वास्थ्य पर सपनों का प्रभाव: एक जनसंख्या आधारित अध्ययन" पर पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. आमोद बोरले द्वारा तम्बाकू नियंत्रण और एनसीडी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में प्रस्तुति।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय 8, 2 तदर्थ।

***

दंत-चिकित्सा विभाग : एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन फरवरी 1961 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा किया गया था। दिल्ली के लोगों की दंत-चिकित्सा संबंधी मांगों को ध्यान में रखते हुए,

एमएएमसी के अंतर्गत दंत-चिकित्सा के एक छोटे विभाग के रूप में मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज की शुरुआत हुई। 1983 एक ऐतिहासिक वर्ष था जिसमें एमएएमसी में बीडीएस छात्रों के पहले बैच को प्रवेश दिया गया और डॉ. पी.पी. ठुकराल को औपचारिक रूप से पहले एसोसिएट प्रोफेसर और डेंटल विंग के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। डॉ. ए.एन. श्रीवास्तव को 1984 में प्रमुख नियुक्त किया गया, जिनके बाद 1991 में डॉ. एन.सी. संगल प्रमुख नियुक्त हुए।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

2022-23 की अवधि संस्थान के लिए कोविड और गैर-कोविड अवधि का मिश्रण थी, जिसमें कोविड सैंपलिंग और टीकाकरण के साथ-साथ 2000 से अधिक रोगियों को सेवाएं प्रदान की गईं। संस्थान को एनआईआरएफ में चौथा स्थान मिला और उसने अपने एनएबीएच प्रमाणन को सफलतापूर्वक नवीनीकृत किया। संस्थान को एनओएचपी, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के तहत मौखिक स्वास्थ्य और तंबाकू समाप्ति के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में मंजूरी मिल गई। पत्रिका आउटलुक, इंडिया टुडे और द वीक के सर्वश्रेष्ठ डेंटल कॉलेज-2022 पर स्वतंत्र सर्वेक्षणों ने एमएआईडीएस को भारत के सर्वश्रेष्ठ डेंटल कॉलेज के रूप में नंबर 1 पर स्थान दिया है। संस्थान को 2022 में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल श्रेणी, जीएनसीटीडी के तहत "अस्पतालों के लिए कायाकल्प कार्यक्रम 2020-21" में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ था। संस्थान को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के बायो-मेडिकल डिवाइस एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट (बीडीटीडी) कार्यक्रम के तहत डेंटल टेक्नोलॉजी इनोवेशन (डेवलपमेंट) हब (डीटीआईएच) की अनुमति भी प्राप्त हो गई है।

सम्मान/गौरव

डॉ. अरुणदीप के. लांबा को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. श्रुति टंडन को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा सदस्यता से सम्मानित किया गया।

डॉ. रेखा गुप्ता को सीसीएचपीई (स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम) से सम्मानित किया गया।

डॉ. मृदुला गोस्वामी को स्पेशल ओलंपिक्स भारत के लिए क्लिनिकल निदेशक के रूप में नामित किया गया था।

डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार को बाल चिकित्सा दंत-चिकित्सा विभाग, स्कूल ऑफ डेंटिस्ट्री, सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया में टीसी व्हाइट ऑब्जर्वरशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार को टीसी व्हाइट वॉलंटियरिंग अवार्ड - आरसीपीएस, ग्लासगो से सम्मानित किया गया।

डॉ. विक्रांत मोहंती स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और डब्ल्यूएचओ भारत कार्यालय और पीएचएफआई द्वारा भारत में तंबाकू नियंत्रण पर रिपोर्ट में योगदान करने वालों मे शामिल थे।

प्रकाशन

नैय्यर, एन., त्रिपाठी, टी., गणेश, जी., राय, पी. (2022)। मनुष्यों में ऑर्थोडॉन्टिक दांतों की गति के दौरान बाहरी जड़ पुनर्जीवन पर फोटोबायोमॉड्यूलेशन का प्रभाव - एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, *जर्नल ऑफ ओरल बायोलॉजी एंड क्रैनियोफेशियल रिसर्च*, 12(3), 496-480.

त्रिपाठी, टी., गणेश, जी., सिंह, एन., राय, पी. (2022)। रेडियोग्राफिक कंकाल परिपक्वता संकेतकों से जुड़े सीरम बायोमार्कर: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, *जर्नल ऑफ ऑर्थोडॉन्टिक्स: सेज जर्नल्स,*50(2), 127-147.

दत्ता, ए., लांबा, ए.के., फ़राज़, एफ., टंडन, एस., पांडे, जे. (2022)। स्वदेशी रूप से तैयार डीएफडीबीए और एमनियोटिक मेम्ब्रेन का उपयोग करके व्हेल टेल फ्लैप डिजाइन द्वारा सौंदर्य क्षेत्र में निर्देशित ऊतक पुनर्जनन: एक केस रिपोर्ट, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च*, 11(7), 1606-1611.

भट्ट, जी., गुप्ता, एस., घोष, एस. (2022)। मौखिक लाइकेन प्लैनस के प्रबंधन में सामयिक एलोवेरा और निम्न-स्तरीय लेजर थेरेपी की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, *लेजर इन मेडिकल साइंस*, 37(9), 2063-2070.

चौधरी, जेड., कदनथोडे, एम., शर्मा, पी., मोहंती, एस., विजयराघवन, आर., भंडारी, पी.एस., मैनी, एल., और ग्रोवर, एस. (2022)। कोविड-19 महामारी से पहले और उसके दौरान मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा मामलों का एकल संस्थान ऑडिट, *क्रैनियोमैक्सिलोफेशियल रिसर्च एंड इनोवेशन*, 7(1), 102-111.

दीपिका, के., भटनागर, ए., बंसल, आर., वर्मा, ए. (2022)। कटे तालु वाले शिशुओं में दूध पिलाने की समस्याओं का प्रबंधन और पियरे-रॉबिन सिंड्रोम पर समीक्षा, *इंडियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी डेंटिस्ट्री*, 3(1), 33-37.

यादव, एस., नवल, आर.आर., तलवार एस. (2022)। एपिकल थर्ड से उपकरण पुनर्प्राप्ति के बाद एक बड़े पेरीएपिकल घाव का गैर-सर्जिकल प्रबंधन: तीन वर्ष के फॉलो-अप के साथ एक केस रिपोर्ट, *क्यूरियस,*14(5).

गर्ग, ए., कुमार, जी., गोस्वामी, एम., वर्मा, डी. (2022)। अंतर्गर्भाशयी विकास प्रतिबंध से पीड़ित शिशुओं की तुलना में कम जोखिम वाली गर्भावस्था के बाद पैदा हुए शिशुओं में पर्णपाती दांतों के निकलने पर सामाजिक आर्थिक कारकों का प्रभाव, *जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडॉन्टिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री*, 40(2), 118-123.

भाटिया, एस., मोहंती, वी., बलप्पनवर, ए. वाई., रिझवानी, के., चाहर, पी., गुप्ता, आर. (2022)। दिल्ली, भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान मास्क पहनने वाली आबादी के बीच स्व-कथित मुख दुर्गंध और संबंधित कारक: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, *क्यूरियस*, 14(12).

शोध परियोजनाएं

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान केंद्र, 2018-2022, विभिन्न पुनर्योजी प्रोटोकॉल के साथ उपचारित अपरिपक्व स्थायी दांतों का नैदानिक, सीबीसीटी आधारित रेडियोग्राफिक मूल्यांकन और बायोमैकेनिकल विश्लेषण: एक मल्टी आर्म यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, 6,65,000 रुपये।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च आईसीएमआर, 2019-2023, ट्विन ब्लॉक थेरेपी के साथ लार इंसुलिन जैसे वृद्धि कारक -1 और अस्थि क्षारीय फॉस्फेट स्तर का आकलन: एक अवलोकन अध्ययन, 13,06,745 रुपये।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान केंद्र, 2021-2024, गंभीर नैदानिक अनुप्रयोगों के लिए उन्नत दंत प्रत्यारोपण का विकास, 61,00,000 रुपये।

एसईआरबी, डीएसटी, 2019-2022, पर्णपाती दाढ़ के रूट कैनाल उपचार के परिणाम पर एंडोडोंटिक माइक्रोस्कोप का प्रभाव, 3,485,960 रुपये।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान केंद्र, 2019-2022, मौखिक कैंसर कोशिका रेखाओं पर करक्यूमिन/नैनो करक्यूमिन के साथ संयोजन में ज़ेरुम्बोन/नैनो ज़ेरुम्बोन का चिकित्सीय मूल्यांकन, 12,66, 667 रुपये।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

एक हर्बल डेन्चर एडहेसिव और इसकी तैयारी की प्रक्रिया।

रूट कैनाल थेरेपी के दौरान दांत में अलग उपकरणों का पता लगाने के लिए गैर-संपर्क प्रकार का अल्ट्रासाउंड दृष्टिकोण।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

जेम्स एल. गुटमैन, प्रोफेसर एमेरिटस, टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री, विशेषज्ञ से मुलाकात, दांत पुनर्जीवन और इसका ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, 12-10-2022

डॉ. शिबानी साहनी, निदेशक, सीई/सेंटर ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग एंड डिस्टेंस एजुकेशन, टीयूएफटीएस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डेंटल मेडिसिन, बोस्टन। दंत चिकित्सा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, दंत चिकित्सा में एआई की भूमिका - वर्तमान रुझान और भविष्य की दिशा, 24-02 -2023.

डॉ. पी. वी. सरवनराजा, अधिवक्ता, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, संवैधानिक अधिकार, संवैधानिक दिवस, 26-11-2022.

डॉ. रोली माथुर और डॉ. नंदिनी के कुमार, डॉ. सुचेता, आईसीएमआर एफईआरसीआई की वैज्ञानिक, क्लिनिकल रिसर्च और गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस में बायोएथिक्स, एथिक्स कमेटी वर्कशॉप, 05-11-2022.

डॉ. सुनील कुमार, वरिष्ठ सलाहकार और एनेस्थेटिस्ट, लोक नायक अस्पताल, दिल्ली जीएनसीटी, बीएलएस कोर्स, एनएबीएच प्रशिक्षण, 21-12-2022.

आयोजित सम्मेलन

50वां आईपीएस राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-11-2022, आईपीएस

भारतीय फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी बोर्ड का छठा वार्षिक दीक्षांत समारोह, 29-10-2022, आईबीएफओ

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. तूलिका त्रिपाठी ने 4 सितंबर 2022 को इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडॉन्टिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री में "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में ऑर्थोडॉन्टिक उपचार" पर आधार व्याख्यान दिया।

डॉ. प्रियांक राय ने 16 सितंबर 2022 को 56वें भारतीय ऑर्थोडॉन्टिक सम्मेलन में "स्केलेटली एंकर्ड फिक्स्ड फंकोनल एप्लायंसेज: इन लेट एडोलसेंस" विषय पर एक क्लिनिकल इनोवेशन पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रेखा गुप्ता और डॉ. शुभ्रा गिल ने 10 नवंबर 2022 को 50वें आईपीएस राष्ट्रीय सम्मेलन में "द्विपक्षीय मैक्सिल्लेक्टोमी मामलों में सर्जिकल ऑबट्यूरेटर्स: एक रूढ़िवादी और व्यावहारिक दृष्टिकोण" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुजाता मोहंती ने 12 सितंबर 2022 को एएओएमएस सम्मेलन में "सौम्य पैथोलॉजिकल घाव के उच्छेदन के बाद सुरक्षित मार्जिन निर्धारित करने में क्लिनिकल, रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिक सहसंबंध: क्या 1-1.5 सेमी के स्वस्थ मार्जिन के साथ उच्छेदन आवश्यक है**?"**विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने 24 मई 2022 को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में "दक्षिण एशियाई देशों में मौखिक स्वास्थ्य स्थिति" विषय पर आधार व्याख्यान दिया।

डॉ. विक्रांत मोहंती ने 17 फरवरी 2023 को इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल रिसर्च के 33वें वार्षिक सम्मेलन में "नेतृत्व पर दंत चिकित्सा छात्रों की धारणा" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. विक्रांत मोहंती ने 16 नवंबर 2022 को एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग में "उत्तर-पूर्वी राज्यों के

एनओएचपी की समीक्षा" के लिए एक विषय विशेषज्ञ के रूप में काम किया।

डॉ. अश्विनी वाई. बी ने 23 सितंबर 2022 को 26वें राष्ट्रीय आईएपीएचडी सम्मेलन में "ओन्टोलॉजिकल अप्रोच टू ओरल हेल्थ:ए स्कोपिंग रिव्यू" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जे. ऑगस्टीन, डॉ. प्रिया कुमार ने 28 अप्रैल 2022 को फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी और बाल उत्पीड़न पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डेंटल रेडियोग्राफिक आयु अनुमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: वर्तमान रुझान और भविष्य की दिशा" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रिया कुमार ने 11 जून 2022 को सुभारती डेंटल कॉलेज में "दंत चिकित्सा में हेमेटोलॉजिकल जांच" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

टफ्ट्स स्कूल ऑफ डेंटल मेडिसिन, यूएसए

इंटरनेशनल यूनियन अगैस्ट टूबर्क्यूलोसस एण्ड लंग डिजीज (दक्षिण पूर्व एशिया)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (राष्ट्रीय मुखीय स्वास्थ्य कार्यक्रम)।

केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, भारत सरकार

अन्य अंतरसांस्थानिक सहयोग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे

ए.बी. शेट्टी मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, मैंगलोर

सविता डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चेन्नई

गुरु गोबिंदसिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली

एम. ए. रंगूनवाला डेंटल कॉलेज और अस्पताल, पुणे

छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र (आने वाले/जाने वाले)

जराचिकित्सा चिकित्सा स्नातकोत्तर डिप्लोमा छात्र: 15

एमएएमसी के प्रथम वर्ष के मेडिकल छात्र: 200

नियोजित **किए गए छात्रों के संख्या और प्रतिशत**

स्नातक : कुल उत्तीर्ण - 30.

स्नातकोत्तर प्रवेश - 8 (26.66%) जेआर - 4 (13.33%) क्लिनिक या अस्पताल -4 (13.33%)

स्नातकोत्तर : कुलउत्तीर्ण - 20.

सीनियर रेजिडेंट - 6 (30%) क्लिनिक या अस्पताल - 24 (70%)

परिसर भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या

01 - **क्लोव डेंटल**

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

दंत चिकित्सा शिविरों की संख्या - **28** और **4258** रोगियों को सेवा प्रदान की गई।

बाल विकास केंद्र के दौरों की संख्या - **86** और जांचे गए बच्चों की संख्या - **344**

मोबाइल डेंटल क्लीनिक:जांच किये गये मरीजों की कुल संख्या- **13951**

संकाय संख्या **: 31**

***

दंत-चिकित्सा विभाग : यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज़)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

अस्पताल में दंत चिकित्सा विभाग वर्ष **1988** में शुरू हुआ जो परामर्शदाताओं और रेजीडेंट्स के साथ बुनियादी दंत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता था। वर्ष **2011** में रेजीडेंसी कार्यक्रम के साथ स्नातकोत्तर शिक्षण बाल चिकित्सा और निवारक दंत चिकित्सा केंद्र की स्थापना की गई। विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में नियमित दैनिक सेवाओं जैसे दांत निकालना, इंट्रा-ओरल रेडियोग्राफी, स्केलिंग और ओरल प्रोफिलैक्सिस के अलावा एंडोडॉन्टिक थेरेपी, अनियमित दांतों के ऑर्थोडॉन्टिक सुधार और प्रमुख मौखिक शल्य-चिकित्सा प्रक्रियाओं जैसे दंत उपचार की अनेक अन्य विधाएं भीशामिल हैं।

प्रकाशन

भूटियानी, एन., त्रिपाठी, टी., राय, पी. (2022)। द्विपक्षीय फांक होंठ और तालु में आर्च संरेखण के लिए 3 दिशात्मक विस्तार पेंच का उपयोग करके सक्रिय नासोएल्वियोलर मोल्डिंग (ए-एनएएम)। *एजेओ-डीओ क्लिनिकल कंपेनियन*, 2(1), 20-25.

त्रिपाठी, टी., श्रीवास्तव, डी., भूटियानी, एन., राय, पी. (2022)। क्राउज़ोन सिंड्रोम का व्यापक प्रबंधन: तीन वर्ष के अनुवर्ती के साथ एक केस रिपोर्ट, *जर्नल ऑफ़ ऑर्थोडॉन्टिक्स*, 49(1), 71-78.

भूटियानी, एन., त्रिपाठी, टी., राय, पी. (2022)। कटे होंठ और तालु के साथ जन्मे शिशुओं में प्री सर्जिकल शिशु ऑर्थोपेडिक्स के परिणाम की मनोसामाजिक मातृ धारणा, *जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल पीडियाट्रिक*

*डेंटिस्ट्री,*46(4), 299-306.

धमीजा, एम., त्यागी, आर., कालरा, एन., खत्री, ए. (2022)। बच्चों में गैर-गुहा सक्रिय सफेद धब्बे घावों पर राल घुसपैठ और फ्लोराइड कैसिइन फॉस्फोपेप्टाइड अनाकार कैल्शियम फॉस्फेट वार्निश की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। *पेस्क्वी ब्रास ओडोन्टोपेडियाट्रिया क्लिन इंटीग्र, पेस्क्वी ब्रास ओडोनटोपेडिएट्रिया क्लिन इंटीग्र*, ई210094(22), 1-10.

सिंह, एन., भूटियानी, एन., त्रिपाठी, टी., राय, पी. (2022)। हाइडिस-टीबी उपकरण द्वारा बड़े वायुकोशीय फांक दोष को बंद करने के बाद दंत प्रत्यारोपण का उपयोग करके पुनर्वास: एक वर्ष का फॉलो-अप।जर्नल ऑफ फांक लिप पैलेट और क्रैनियोफेशियल एनामोलीज, **(**9), 78-81.

तलवार, ए, ग्रेवाल, एच., दुग्गल, आर., दुग्गल, आर., दुग्गल, आई. (2022)। इलास्टिक्स और ट्विन फोर्स उपकरण के साथ इलाज किए गए क्लास **II** कुरूपता वाले रोगियों में अनिवार्य पूर्वकाल के दांतों में मसूड़ों की मंदी के बारे में प्रश्न, *अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स*, 162(6), 803-804.

ग्रेवाल, एच., भूटियानी, एन., बालाचंद्रन, आर. (2022)। भारत में ऑर्थोडॉन्टिक उपचार की मांग और इसकी डिलीवरी पर कोविड-19 का प्रभाव*, इंडियन जर्नल ऑफ डेंटल रिसर्च*, 33(4), 367-372.

त्यागी, आर., कालरा, एन., खत्री, ए., गोयल, टी., यांगडोल, पी., सभरवाल, पी. (2023)। ऑटोइम्यून पॉली एंडोक्रिनो पैथी-कैंडिडिआसिस-एक्टोडर्मल डिस्ट्रोफी सिंड्रोम का एक दुर्लभ मामला: निदान और प्रबंधन पर दंत परिप्रेक्ष्य, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लीनिकल पीडीऐट्रिक डेन्टिस्टर,*16(1), 139-146.

कुकरेजा, आर., सिंगला, एस., भदोरिया, एन., पवार, पी., गुप्ता, के. (2022)। ग्लास आयनोमर सीमेंट (फ़ूजी**IX)** और ज़िरकोनोमरसेफ्लोराइड के उन्मोचन की तुलना करने के लिए एक इन विट्रो अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लीनिकल पीडीऐट्रिक डेन्टिस्टर,*15(1), 35-37.

खत्री, ए., गोयल, टी., कालरा, एन., त्यागी, आर., कौशल, डी., सभरवाल, पी. (2022)।कोविड-19 महामारी: तृतीयक देखभाल अस्पताल सेटिंग में दंतचिकित्सा पेशेवरों की भूमिका, *कंटेंपररी पीडीऐट्रिक डेन्टिस्ट्री*, 3(1), 1-7.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. नेहा द्वारा 12 जुलाई, 2022 को इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी द्वारा आयोजित ऑर्थोडॉन्टिक्स इनोवेशन कॉन्क्लेव 2022 में "द्विपक्षीय कटे होंठ और तालु वाले नवजात शिशुओं में सक्रिय नासोएल्वियोलर मोल्डिंग (ए-एनएएम): प्रीसर्जिकल ऑर्थोपेडिक्स के लिए एक अभिनव उपकरण" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

डॉ. नेहा को 16 से 18 सितंबर, 2022 तक पुणे में 56वें भारतीय ऑर्थोडॉन्टिक सम्मेलन में राइजिंग स्टार स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया।

23-25 फरवरी, 2023 को आईएसपीपीडी-ऑन द्वारा आयोजित पीडोवर्स-19वें आईएसपीपीडी नेशनल स्नातकोत्तर कन्वेंशन में डॉ. दीपक खंडेलवाल द्वारा "पहले दंत दौरे पर दंत चिंता पर लिंग, आयु और सामाजिक आर्थिक स्थिति की भूमिका का तुलनात्मक मूल्यांकन" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

डॉ. अमित खत्री द्वारा आईएसपीपीडी-ऑन द्वारा 24-26नवंबर, 2022 को आयोजित आईएसपीपीडी राष्ट्रीय सम्मेलन में "1 वर्ष से अधिक उम्र के 305 वर्ष के बच्चों में स्ट्रिप क्राउन और पूर्वनिर्मित ज़िरकोनिया क्राउन के साथ माता-पिता की संतुष्टि की तुलना" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

डॉ. नमिता कालरा ने 17-19 फरवरी 2023 को नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च के 33वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. हरप्रीत ग्रेवाल ने 2-3 दिसंबर 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया, ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग, दंत चिकित्सा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया में "आर्ट एंड साइंस ऑफ क्राफ्टिंग स्टैंडआउट ऑर्थोडॉन्टिक रिसर्च" में भाग लिया।

डॉ. हरप्रीत ग्रेवाल ने 17-19 फरवरी 2023 को नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च के 33वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. नेहा ने 16 से 18 सितंबर, 2022 तक पुणे में 56वें भारतीय ऑर्थोडॉन्टिक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. अमित खत्री ने 24-26 नवंबर, 2022 को आईएसपीपीडी द्वारा आयोजित आईएसपीपीडी राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

***

त्वचाविज्ञान, वेनेरोलॉजी और कुष्ठरोग विभाग: एमएएमसी (मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

त्वचाविज्ञान विभाग सप्ताह के हर दिन चलने वाले विशेष क्लीनिकों (सीटीडी, वेसिको-बुलस, कुष्ठ रोग, एसटीआई, कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस, सोरायसिस, बाल चिकित्सा क्लिनिक, केमिकल पीलिंग और ओटी प्रक्रियाओं) के साथ दैनिक ओपीडी आधार पर 900-1600 रोगियों को सेवा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, इसमें आंतरिक रोगी देखभाल के लिए 40 बिस्तर उपलब्ध हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

जुलाई, **2022** में एलएनजेपी के इस रोग के लिए नोडल केंद्र बनने के बाद से विभाग मंकीपॉक्स सेवाओं का प्राथमिक प्रदाता रहा है। मार्च **2022** में, हमारे सम्मानित चिकित्सा निदेशक डॉ. (निदेशक प्रोफेसर) सुरेश कुमार ने "बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान" विशेष क्लिनिक का उद्घाटन किया। इस क्लिनिक को इचिथोसिस से लेकर एलोपेसिया एरीटा, एटोपिक डर्मेटाइटिस, हेमांगीओमा आदि त्वचा संबंधी समस्याओं से जूझ रहे बाल रोगियों को व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था।

प्रकाशन

शेटे, ए.एम., यादव, पी.डी., कुमार, ए., पाटिल, एस., पाटिल, डी.वाई., एट अल (2022)। भारत में पाए गए मंकीपॉक्स के मामलों का जीनोम लक्षण वर्णन: ए.2 वंशके बीच तीन उप समूहों की पहचान, *पी.जे. इंफेक्ट*, 1(86), 66-117.

रेल्हान, वी., सहाय, आर.आर., शेटे, ए.एम., यादव पी.डी., साहू, बी., एट अल (2022)। नई दिल्ली, भारत से नैदानिक प्रस्तुति, वायरल कैनेटीक्स, और मानव मंकीपॉक्स मामलों का प्रबंधन, *जे मेड विरोल*, 1(95), ई28249.

विकास, सी., सरकार, आर., रेल्हान, वी., सिंह, एस. (2022)। मेलास्मा के उपचार में सहायक के रूप में प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा थेरेपी की भूमिका, *डर्माटोल सर्ज*, 4(23), 429-34.

सोलंकी, बी., रेल्हान, वी., साहू, बी., सरकार, आर., चौधरी, पी. (2022)। मुँहासे के निशान के उपचार में 15% ट्राइक्लोरोएसेटिक एसिड पील बनाम 25% पाइरुविक एसिड पील के साथ संयोजन में माइक्रोनीडलिंग, *डर्माटोल सर्ज*, 2(49), 155-60.

हेगड़े, पी., चौबे, वी., साहू, बी. (2022)। लौंग सिंड्रोम: एक दुर्लभ इकाई की एक असामान्य प्रस्तुति, *इंडियन जे पेडियाट्र डर्माटोल*, 4(48), 306.

मित्तल, ए., सिंह, एम., सिंह, एस., जैन, ए., बर्मन, के.डी. (2022)। मोनिलेथ्रिक्स: एक साइटोलॉजिस्ट का दृष्टिकोण, *साइटोल. जे*, 4(39), 188-9.

रेल्हान, वी., बंसल, ए., **(**2022)। एक्यूट और क्रॉनिक पैरोनीचिया रिविज़िटेड: ए नैरेटिव रिव्यू, *जे क्यूटन एस्थेट सर्ज*, 1(15), 1-16.

मोनालिसा के, साहू बी. (2022)। पाल्मर केराटोडर्मा के साथ जन्मजात दांत और नाखून परिवर्तन: एक नई इकाई या एक दुर्लभ संघ**?**, *इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे*, 1(14), 115-7.

कौर ए, बर्मन केडी, साहू बी, चौधरी पी. (2022)। स्थिर विटिलिगो के रोगियों में माइक्रोनीडलिंग के संयोजन में अकेले नैरोबैंड पराबैंगनी बी और नैरोबैंड पराबैंगनी बी का एक तुलनात्मक पारंपरिक अध्ययन, *फोटोडर्मेटोल फोटोइम्यूनॉल फोटोमेड*, 4(39), 357-63.

शोध परियोजनाएं

एमआरयू, 2022-23/1 वर्ष, प्रणालीगत स्केलेरोसिस के रोगियों में त्वचा फाइब्रोसिस की सीमा के साथ त्वचा में सीरमआईएल-6, टीजीएफ-बीटा औ रएसटीएटी3 का सहसंबंध, 3 लाख रुपये।

दिल्ली सरकार, 2022-23/1 वर्ष, विटिलिगोसी के रोगजनन में एलआरपी1, एचएसपी70 और सीएक्ससीएल 10 की भूमिका, 2.4 लाख रुपये।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

डॉ. बिजय लक्ष्मी साहू, निदेशक प्रोफेसर और एचओडीएमडी, डीएनबी, एसटीआई और कुष्ठ रोग जागरूकता, कुष्ठ रोग औ रएसटीआई पर जागरूकता, 12-04-2023.

आयोजित सम्मेलन

संयोजी ऊतक रोग: एक बहुविषयक दृष्टिकोण, 25-03-2023, दिल्ली सरकार।

बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान पर कार्यशाला, 18-03-2023, दिल्ली सरकार।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. बिजय लक्ष्मी साहू, अतिथि वक्ता, क्यूटिकॉन, जम्मू-कश्मीर, सितंबर, 2023.

डॉ. बिजय लक्ष्मी साहू, अतिथि वक्ता, सीएमई-कनेक्टिव टिशूरोग, एमएएमसी,मार्च 2023.

अन्य अंतरसांस्थानिक सहयोग

स्नातकोत्तर डी.एच.आई.वी.एम फेलोशिप प्रोग्राम, एमएएमसीके तहत डॉक्टरों के लिए प्रशिक्षण।

एमएआईडीएस के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रशिक्षण।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

हमने पैच परीक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच आक्यूपेशनल डर्मटाइटिस के बारे मे जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने और उसका निदान करने का प्रयास किया। ताकि हम स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की सर्वोत्तम संभव तरीके से मदद कर सकें।

संकाय संख्या : **4**

***

फोरेंसिक मेडिसिन विभाग: एमएएमसी (मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

यह विभाग वर्षों से शैक्षणिक और मेडिकोलीगल कार्यों में शामिल रहा है। संकाय सदस्य मेडिकोलीगल कार्य में व्यक्तिगत रूप से और जीएनसीटीडी के आदेश पर गठित मेडिकल बोर्ड के भाग के रूप में, अंतरा और

अंतरसांस्थानिक, दोनों ही कार्यों में शामिल होते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

फोरेंसिक मेडिसिन विभाग में, इस विभाग से जुड़े शवगृह में 983 पोस्टमॉर्टम के मामले निपटाए गए थे। इसके अलावा, विभाग में 65 रेफरल मेडिकोलीगल केस रिपोर्ट पर राय ली गई थी या तैयार की गई थी।

प्रकाशन

प्रधान, एम., कौर, ए., श्रीनिवास, एम. (2022)। वर्तमान प्रवृत्तियों के विश्लेषण के साथ चिकित्सा लापरवाही के आरोपों में शव परीक्षण की भूमिका, *इंडियन जे मेड फोरेंसिक मेड टॉक्सिकोलॉजी*, 20(3 और 4).(2022), 84-90.

शोध परियोजनाएं

2022, 3 वर्ष, उत्तर भारतीय जनसंख्या में फोरामेन मैग्नम और लिंग भेदभाव का मॉर्फोमेट्री एसोसिएशन।

2022, 3 वर्ष, बीएमआई के साथ अंग वजन का संबंध।

2022, 3 वर्ष, फांसी और गला घोंटने के मामलों में क्रिकॉइड उपास्थि के फ्रैक्चर की आवृत्ति और पैटर्न।

2022, 3 वर्ष, उत्तर भारतीय आबादी के युवा वयस्कों में दो पूर्वकाल सुपीरियर इलियाक रीढ़ के बीच ऊंचाई और दूरी के बीच सहसंबंध का अध्ययन।

2022, 3 वर्ष, युवा वयस्कों में होठों के निशान के पैटर्न का वितरण।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. अमनदीप कौर ने कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज, करनाल, हरियाणा के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित पंजाब एकेडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी के मध्य वर्ष सीएमई-सह-सम्मेलन 2022 में 11 जून 2022 को अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया।

डॉ. उपेन्द्र किशोर और डॉ. धीरज डी बुचाडे ने 29 अप्रैल 2022 से 1 मई 2022 तक एसजी स्नातकोत्तर आई लखनऊ, यूपी में आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के 43वें वार्षिक सम्मेलन "फॉरेंसिक मेडिकॉन-2022" में भाग लिया।

डॉ. श्रीनिवास ने 11 नवंबर 2022 को एम्स बठिंडा के फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित पंजाब एकेडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी के 20वें वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

डॉ. धीरज डी बुचाडे ने 22 अगस्त से 24 अगस्त 2022 तक सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम), भारत सरकार नई दिल्लीद्वारा "सरकार में खरीद प्रबंधन" पर ऑनलाइन आयोजित प्रशिक्षण

में भाग लिया।

डॉ. अमनदीप कौर ने 10 सितंबर 2022 को फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली द्वारा आयोजित फोरेंसिक सीएमई-2022: एक्सप्लोरिंग फ्रंटियर्स इन फोरेंसिक मेडिसिन में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

डॉ. श्रीनिवास ने 31 अक्तूबर 2022 से 3 नवंबर 2022 तक एचआईएमएस, देहरादून में आयोजित सम्मेलन एनसीएचपीई 2022 में भाग लिया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल छात्र (आने वाले/जाने वाले)

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज नई दिल्ली के बीएचएमएस छात्रों को 31/10/2022 से 11/11/2022 तक फोरेंसिक मेडिसिन विभाग में प्रशिक्षण के लिए शवगृह में तैनात किया गया (116 छात्र)।

संकाय संख्या **- 04 (**दो निदेशक प्रोफेसर और दो प्रोफेसर**)**

***

मेडिसिन: यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) की स्थापना 1971 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक कॉलेज के रूप में की गई थी। यह विभिन्न मेडिकल और पैरामेडिकल पाठ्यक्रम संचालित करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों में, विभाग ने पूरी तरह कार्यात्मक कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) सफलतापूर्वक स्थापित की है, जो गंभीर रूप से बीमार हृदय रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने 2019 के बैच के लिए योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) को लागू करके चिकित्सा शिक्षा में यह सुनिश्चित करते हुए नवाचार को अपनाया हैकि हमारे मेडिकल छात्रों को एनएमसी पाठ्यक्रम के अनुसार एक आधुनिक और व्यापक प्रशिक्षण अनुभव प्राप्त हो। सहयोगात्मक शिक्षण और अनुसंधान की सुविधा के लिए, सेमिनार कक्ष और विभागीय पुस्तकालय को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करते हुए उन्नयित किया गया है।

सम्मान/गौरव

डॉ. अमितेश अग्रवाल को इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ न्यूट्रिशन की फेलोशिप प्राप्त हुई।

डॉ. शिवा नारंग, एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स।

डॉ. अमितेश अग्रवाल, सदस्य, कार्यकारी संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज़।

प्रकाशन

अग्रवाल, ए., गुप्ता, ए., अग्रवाल, एम.पी., कुशवाह, एस., शर्मा, आर., गुप्ता, ए.के. (2022)। स्पष्ट उपचार - उच्च रक्तचाप से ग्रस्त स्ट्रोक के रोगियों में प्रतिरोधी उच्च रक्तचाप, *जे इंट मेड साइंस अकैड*, 2(35), 109-115.

शोध परियोजनाएं

आईसीएमआर, 2023, इम्पेटस्ट्रोक: भारत में मेडिकल कॉलेज में यूनिफॉर्म स्ट्रोक देखभाल और परिणाम के लिए मूल्यांकन और उपचार पैकेज का कार्यान्वयन, 3.5 लाख रुपये।

आईसीएमआर, 2023, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में वृद्ध व्यक्तियों में टीके के प्रति झिझक और सी-19 के उचित व्यवहार पर महामारी का मनोसामाजिक प्रभाव: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, 8.5 लाख रुपये।

गैर-सरकारी, 2023, सरल प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम मलेरिया रोगियों में जैडवाई-19489 के विभिन्न मौखिक रूप से प्रशासित आहारों की प्रभावकारिता, सुरक्षा, सहनशीलता और फार्माकोकाइनेटिक्स निर्धारित करने के लिए चरण- **II**, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, मूल्यांकनकर्ता-ब्लाइन्ड, समानांतर-समूह, सक्रिय-तुलनित्र अध्ययन,10 लाख रुपये।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

डॉ. अल्पना रायज़ादा, प्रोफेसर, थीसिस प्रोटोकॉल लेखन, अनुसंधान, **04-03-2023.**

आयोजित सम्मेलन

यूपीडीए-जीबीएन मधुमेह का 7वां संस्करण, 17-07-2022.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. अमितेश अग्रवाल संकाय सदस्य, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया का 39वां वार्षिक सम्मेलन - यूपी चैप्टर (यूपीएपीकॉन 2022), नोएडा।

डॉ. अमितेश अग्रवाल 13वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डायबिटीज इंडिया, इंदौर में चेयरपर्सन।

डॉ. अमितेश अग्रवालइंडियन सोसाइटी ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च (आईएसएआर-डीसीसीओएन, 2022), फ़रीदाबाद के 7वें वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष।

डॉ. स्मिता नाथ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, नोएडा चैप्टर, नोएडा के 7वें वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष।

डॉ. शिव नारंग एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, नोएडा चैप्टर, नोएडा के 7वें वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष।

डॉ. अंशुमन श्रीवास्तवद एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के 77वें वार्षिक सम्मेलन एपीआईसीओएन 2022, जयपुर में वक्ता। मधुमेह पर 30वें वार्षिक सम्मेलन (डाइबकॉन2022), नई दिल्ली

में अध्यक्ष।

डॉ. आभा शर्मामधुमेह पर 30वें वार्षिक सम्मेलन (डाइबकॉन2022), नई दिल्ली में अध्यक्ष।

डॉ. अल्पना रायजादा द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के 77वें वार्षिक सम्मेलन एपीआईसीओएन 2022, जयपुर में संकाय सदस्य।

डॉ अल्पना रायज़ादा मधुमेह पर 30वें वार्षिक सम्मेलन (डाइबकॉन2022), नई दिल्ली में अध्यक्ष।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

डॉ. अमितेश अग्रवाल, संपादक, वेब मेड सेंट्रल, जनरल मेडिसिन संपादकीय बोर्ड।

डॉ. अल्पना रायजादा, एनएसीओ।

डॉ. शिवनारंग आईईसी।

संकाय संख्या : **9**

***

चिकित्सा सूक्ष्म जीवविज्ञान: वीपीसीआई (वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

सूक्ष्म जीवविज्ञान उन मूल विभागों में से एक है जिसे 1953 में स्थापित किया गया था। डॉ. डी मोंटे, डॉ. एन.पी. गुप्ता, प्रोफेसर चन्द्रशेखर, प्रोफेसर एच.एस. रंधावा, प्रो. एके प्रसाद, प्रो. एसएस ठुकराल, प्रो. मृदुला बोस कुछ उत्कृष्ट सूक्ष्म जीवविज्ञानी हैं जिन्होंने इस विभाग का नेतृत्व किया और श्वसन बैक्टीरिया, विशेष रूप से एम. ट्यूबरकुलोसिस, कवक और वायरस की रोगजनकता के क्षेत्र में भरपूर योगदान दिया। सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग में तीन प्रभाग शामिल हैं: सूक्ष्म जीवविज्ञान रेस्पिरेटरी वायरोलॉजी और मेडिकल माइकोलॉजी। सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग निदान, अनुसंधान और शिक्षण के कार्य में लगा हुआ है। इसमें एक नियमित एम.डी. और पीएचडी कार्यक्रम भी है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

विभाग में दिल्ली, भारत में सीओवीआईडी-**19** से संबंधित म्यूकोर्मिकोसिस प्रकोप के मल्टीमॉडल विश्लेषण सहित अनुसंधान क्रियाकलाप शुरू किए गए, जो नैदानिक और पर्यावरणीय जोखिम कारकों, कैंडिडा ऑरिस ऑन एप्पल के अभिसरण का संकेत देते हैं जिसमें शामिल हैं: विविधता और नैदानिक महत्व, इन्फ्लूएंजा संक्रमण से निपटने के लिए इंजीनियर वायरस की पीढ़ी, एक लिपोसोम-आधारित आरएनए वैक्सीन वितरण मंच को आगे बढ़ाना और इस प्रकार संरक्षित वायरल अनुक्रमों को अभिव्यक्त करने वाले क्लोन उत्पन्न किए गए हैं और अभिव्यक्ति को मान्य किया गया है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर मालिनी शरीफ़, आईएनएमएएस और एडवांस्ड जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट एंड लेबोरेटरी मेडिसिन प्राइवेट लिमिटेड के आईबीसीएस में डीबीटी प्रतिनिधि।

प्रोफेसर मंदिरा वर्मा बेसिल, कार्यकारी सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ माइकोप्लाज्मोलॉजिस्ट्स प्रोफेसर मंदिरा वर्मा बेसिल, इन विट्रो डायग्नोस्टिक्स पर विशेषज्ञों के डब्ल्यूएचओ रणनीतिक सलाहकार समूह की सदस्य।

प्रोफेसर अनुराधा चौधरी, सलाहकार, क्लिनिकल एंड लेबोरेटरी स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूट (सीएलएसआई) एंटीफंगल उपसमिति।

प्रो. अनुराधा चौधरी, आयोजन समिति सदस्य, माइको-क्लिनिक, द मेडिकल रिसर्च काउंसिल सेंटर फॉर मेडिकल माइकोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर, यूके, 2022.

प्रकाशन

गावडिया, आर., रसगनिया, जे., बेसिल, एम.वी., चौहान, वी., कुमार, एस., और जाखड़, के.. (2023)। आशाजनक एंटीट्यूबरकुलोसिस गतिविधि और जैवउपलब्धता के साथ आइसोनियाज़िड एनालॉग्स का संश्लेषण: जैविक मूल्यांकन और कम्प्यूटेशनल अध्ययन, *जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर,* 1283(0), 135325.

अभिमन्यु, बोस, एम., गिरी, ए., और वर्मा-बेसिल, एम. (2023)। पल्मोनरी और लिम्फ नोड तपेदिक के लिए मानव आनुवंशिक संवेदनशीलता का तुलनात्मक आनुवंशिक संघ विश्लेषण, *जीन*, 14(1), 207.

नारंग, ए., मार्रास, एस.ए.ई., कुरेपिना, एन., चौहान, वी., शश्किना, ई., एट अल.(2022)। सुपर सेलेक्टिव प्राइमर-आधारित रीयल-टाइम पीसीआर एसेज़ का उपयोग करके मल्टीड्रग-प्रतिरोधी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का अल्ट्रासेंसिटिव डिटेक्शन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर साइंसेज*, 23(2), 15752.

शर्मा, वी., सिंह, ए., गौड़, एम., रावत, डी., यादव, ए., एट अल. (2022)। एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ अल्ट्रा पर मल के नमूने की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना और टीबी निदान के लिए मेटा-विश्लेषण द्वारा अन्य नमूना प्रकारों के साथ इसकी तुलना करना, *यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शियस डिजीज*, 41(6), 893-906.

सलमानटन-गार्सिया, जे., एयू, डब्ल्यू.वाई., होनिग्ल, एम., चाई, एल.वाई.ए., बादाली, एच., एट अल. (2023)। एशिया/प्रशांत में प्रयोगशाला माइकोलॉजी की वर्तमान स्थिति: यूरोपियन कन्फेडरेशन ऑफ मेडिकल माइकोलॉजी (ईसीएमएम) और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनिमल माइकोलॉजी (आईएसएचएएम)

का एक सर्वेक्षण, *इंट जे एंटीमाइक्रोब एजेंट्स*, 61(3), 106718.

जमालियाँ. ए., फ्रीके, जे., चौधरी, ए., डी हूग, जी.एस., स्टिलो, जे.बी., मीस, जे.एफ. (2023)। उच्च रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा कैंडिडा ऑरिस की तेज़ और सटीक पहचान, *जे फंगी*, 9(2), 267.

चौधरी, ए., सिंह, ए., कौर, ए., खुराना, ए. (2022)। ट्राइकोफाइटन इंडोटिनी प्रजाति के उद्भव और विश्वव्यापी प्रसार से डर्माटोफाइटोसिस का इलाज करना मुश्किल हो गया है: डर्माटोफाइटोसिस के प्रबंधन में एक नई चुनौती, *पीएलओएस पैथोग*, 18(9), ई1010795.

शिवरात्रि, आर., जेनुल, एस., चौहान, एम., सिंह, ए., मजूमदार, आर., चौधरी, ए. (2022)। तुलनात्मक ट्रांसक्रिपटॉमिक्स एम्फोटेरिसिन के संभावित तंत्र को प्रकट करता है, बी, *एंटीमाइक्रोब एजेंट केमोदर*, 66(6), ई0227621.

<u>शोध परियोजनाएं</u>

आईसीएमआर**,** अगस्त **2019-जून 2023**, माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस और नॉनट्यूबर कुल समाइको बैक्टीरिया के बीच अंतर करने के लिए एक तीव्र फेनोटाइपिक परख का विकास, **52.**

आईसीएमआर, अप्रैल2022-मई 2024, चेस्ट एक्स-रे का उपयोग करके पल्मोनरी टीबी और अन्य फेफड़ों की बीमारियों की स्क्रीनिंग/पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का विकास और सत्यापन, 40.

आईसीएमआर, 2020-2023, कैंडिडा ट्रॉपिकलिस में एजोल प्रतिरोध की खोज: ईआरजी11 जीन उत्परिवर्तन और एजोल प्रतिरोधी जीनोटाइप का पता लगाना, 46.94.

डीएसटी, 2020-2023, क्लोनल ट्राइकोफाइटन मेंटाग्रोफाइट्स/इंटरडिजिटेल एसपीपी में एजोल और टेरबिनाफाइन प्रतिरोध की जीनोमिक अंतर्दृष्टि। “उत्तर भारत में डर्माटोफाइटोसिस का इलाज करना चिंताजनक रूप से जटिल है”, 56.89.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

मंदिरा वर्मा तुलसी. बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन. 13 अप्रैल**,** 2022 को वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर संकाय व्याख्यान।

मंदिरा वर्मा तुलसी. आमंत्रित वार्ता. दवा प्रतिरोधी टीबी का आणविक निदान: चुनौतियाँ और अवसर। टीके**,** निदान और उपचार विज्ञान के विकास के लिए तपेदिक के रोगजनन में नवीन अंतर्दृष्टि पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह सीएमई, 3 मई**,** 2023. मिरांडा हाउस**,** दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रोफेसर अनुराधा चौधरी**,** कैंडिडा ऑरिस महामारी विज्ञान और आईपीसी: दिशानिर्देश बनाम अभ्यास**,** 32वीं

अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ऑफ एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी (आईसीसी), पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में वक्ता; 27-30 नवंबर 2022, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी।

प्रो. अनुराधा चौधरी वक्ता: अवसरवादी प्रतिरोधी फिलामेंटस फंगी इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी 32वीं इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी (आईसीसी), पर्थ, ऑस्ट्रेलिया; 27- 30 नवंबर 2022.

प्रो. अनुराधा चौधरी वक्ता: कैंडिडा ऑरिस: नया क्या है**?** इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल माइकोलॉजिस्ट्स इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल माइकोलॉजिस्ट्स (आईएसएमएम) का 14वां राष्ट्रीय सम्मेलन; मणिपुर, भारत: 22 से 25 मार्च 2023.

चंचल कुमार, कमल श्रीवास्तव, अनुप्रिया सिंह, वर्षा चौहान, और मंदिरा वर्मा-बेसिल। मैक्रोफेज संक्रमण के दौरान माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस आक्रमण का एक अध्ययन। दिल्ली चैप्टर आईएएमएम 6 अगस्त, 2022। (द्वितीय पुरस्कार)।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र (आने वाले/जाने वाले) **- 5**

नियोजित की गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत: **2**

संकाय संख्या**: 4**

प्रदान की गईं पीएच.डी. और एम.फिल. डिग्रियाँ

पीएच.डी. **: 3**

***

ऑप्थल्मोलॉजी विभाग : एलएचएमसी (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

ऑप्थल्मोलॉजी विभाग 107 वर्ष पुराने लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नई दिल्ली का एक अभिन्न अंग है।इस विभाग में सभी प्रकार के नेत्रसंबंधी विकारों का निदान और उपचार किया जाता है। यह विभाग नेत्रविज्ञान के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहा है और नवीनतम विकास को शामिल कर रहा है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजी सोसायटी की मासिक बैठक 2 अप्रैल, 2023 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में 25 अगस्त से 8 सितंबर, 2022 तक राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा समारोह।

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में 6 मार्च से 12 मार्च 2022 तक ग्लूकोमा सप्ताह समारोह।

प्रकाशन

अग्रवाल, आर., राणा, एन., बेरी, एस., प्रकाश, ओ. (2022)। कीट विंग केस कॉर्नियल विदेशी निकाय: एएसओसीटी-आधारित निष्कर्ष, *बीएमजे*, 1(अगस्त 1;15(8)), ई251578.

चौधरी, जेड., रामावत, पी. (2022)। विल्स आई मैनुअल (दक्षिण एशियाई संस्करण), 1(प्रथम संस्करण), पुस्तक के संपादक।

चौधरी, जेड., डेमर, जे.एल. (2022)। स्ट्रैबिस्मू में इमेजिंग और जेनेटिक्स, इन: *स्ट्रैबिस्मस और एम्ब्लियोपिया*, 1 (अध्याय 2), पृष्ठ 4-18.

चौधरी, जेड., कटारिया, पी., गर्गा, यू.सी., सिंह, वाई. (2022)। वृद्ध भारतीय विषयों में आयु-संबंधित दूरी एसोट्रोपिया का चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग विश्लेषण, *इंवेस्टिगेटिव ऑप्थल्मोलॉजी एंड विजुआल साइंस*, 1(जून 1;63(7)), 1843.

मदन, एस., चौधरी, जेड. (2022)। बाल्यावस्था का उच्च रक्तचाप, छठी तंत्रिका पक्षाघात, और गुर्दे की धमनी स्टेनोसिस, *ओमान जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी*, 1(मई;15(2)), 222.

मदन, एस., चौधरी, जेड. (2022)। असंयमिता पिगमेंटी और शिशु ऐंठन वाले बच्चे में लगातार हाइपरप्लास्टिक प्राइमरी विटेरस, *ओमान जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी*, 1 (सितंबर 15 (3)), 363।

कार्तिकेय, आर., चौधरी, जेड., कटारिया, पी., गर्गा, यू.सी., सिंह वाई. (2022)। . सहवर्ती स्ट्रैबिस्मस में पेरीवेंट्रिकुलर श्वेत पदार्थ परिवर्तन: एक चुंबकीय अनुनाद न्यूरोइमेजिंग अध्ययन, *इंवेस्टिगेटिव ऑप्थल्मोलॉजी एंड विजुआल साइंस*, 1(जून 1;63(7)), 3269-ए0321.

कटारिया, पी., चौधरी, जेड., गर्गा, यू.सी., सिंह, वाई. (2022)। एनिसोमायोपिया में एक्स्ट्राओकुलर मांसपेशी और एडनेक्सल मूल्यांकन: एक उच्च रिज़ॉल्यूशन चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग अध्ययन, *इंवेस्टिगेटिव ऑप्थल्मोलॉजी एंड विजुआल साइंस*, 1(जून 1;63(7)), 3286-ए0338.

<u>आयोजित संगोष्ठीयाँ</u>

डॉ. राजीव गर्ग, प्रोफेसर ऑफ एक्सलेन्स, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, ग्लूकोमा (मूक दृष्टिहर्ता), ग्लूकोमा जागरूकता, 11-03-2022.

डॉ. सरिता बेरी, निदेशक प्रोफेसर, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, नेत्रदान का महत्व, नेत्रदान जागरूकता, 06-09-2022.

डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत, एसोसिएट प्रोफेसर, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, एलएचएमसी में कॉर्नियल प्रत्यारोपण: अब तक का सफर, नेत्रदान जागरूकता, 06-09-2022.

डॉ. रिंकी अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, एलएचएमसी में कॉर्नियल प्रत्यारोपण: केस सारांश, नेत्रदान जागरूकता, 06-09-2022.

डॉ. धीरल मोहनिया, वैज्ञानिक-**I**, नेशनल आई बैंक, एम्स, नई दिल्ली, भारत में नेत्रदान का वर्तमान परिदृश्य, नेत्रदान जागरूकता, 06-09-2022.

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी की मासिक बैठक, 02-04-2023.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. ओम प्रकाश, पत्र प्रस्तुति : 2-3 अप्रैल 2022 को नई दिल्ली के होटल अशोक में दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी मिडटर्म कॉन्फ्रेंस में 'राइट ऐन्टीरीअर ऑर्बिटल रेटेंड बुलेट फालोइंग नॉवेल सूइसाइडल अटेम्प्ट' विषय पर।

डॉ. ओम प्रकाश, मौखिक पत्र प्रस्तुएएकरण (ऑर्बिट और ऑकुलोप्लास्टिक) ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस, मुंबई, जून, 2022

डॉ. सरिता बेरी, सत्र की अध्यक्ष: सर्विस डॉक्टर्स एंड जनरल ऑप्थल्मोलॉजिकल जज: टीपी अग्रवाल ट्रॉफी सह-अध्यक्ष: रेटिनल सर्जरी, सत्र अध्यक्ष- 7-9 अक्तूबर, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी 73वां वार्षिक सम्मेलन के आरओपी सत्र में।

डॉ. जिया चौधरी, मौखिक प्रस्तुति- वृद्ध भारतीय जनता में उम्र से संबंधित दूरी एसोट्रोपिया का चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग विश्लेषण, एसोसिएशन फॉर रिसर्च इन विजन एंड ऑप्थल्मोलॉजी (एआरवीओ) एआरवीओ की वार्षिक बैठक डेनवर, कोलोराडो, यूएसए में 1 - 4 मई, 2022 तक आयोजित।

डॉ. जिया चौधरी वक्ता: उम्र से संबंधित एसोट्रोपिया का प्रबंधन, पैथोलॉजी, महामारी विज्ञान और सर्जरी सत्र में मॉडरेटर, मौखिक प्रस्तुति: प्राथमिक सहवर्ती क्षैतिज स्ट्रैबिस्मस के साथ दक्षिण एशियाई मूल के 81 वंशावली की नैदानिक रजिस्ट्री, 8-11 सितंबर, 2022 को इंटरनेशनल स्ट्रैबिस्मोलॉजिकल एसोसिएशन कैनकन, मैक्सिको की **XV** कांग्रेस में।

डॉ. जिया चौधरी वक्ता: प्राथमिक सहवर्ती स्ट्रैबिस्मस के साथ 85 जानकारीपूर्ण दक्षिण एशियाई वंशावली की रजिस्ट्री: 29 सितंबर, 2022 को शिकागो चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में एक मेटा-विश्लेषण 46वीं ऑप्थेलमिक जेनेटिक्स स्टडी क्लब मीटिंग।

हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

नेशनल आई बैंक एम्स, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

कल्याणपुरी, नई दिल्ली में बाह्य रोगी सेवाएं।

संकाय संख्या : **5**

***

नेत्र विज्ञान विभाग: एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल की स्थापना 1936 में हुई थी। इसके विभिन्न विभागों के मध्य ऑप्थल्मोलॉजीका एक छोटा विभाग भी था। 1 अगस्त, 1958 को दिल्ली मेडिकल कॉलेज, जिसे बाद में मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज नाम दिया गया, की स्थापना की गई। इरविन अस्पताल और इसके विभिन्न विभागों ने शिक्षण की जिम्मेदारियाँ संभाली और एम.बी.बी.एस. छात्रों का अध्ययन शुरू किया। स्नातकोत्तर शिक्षण को बाद में 1964 में जोड़ा गया। सरकार ने ऑप्थल्मोलॉजी विभाग को एक पूर्ण संस्थान के रूप में उन्नयित करने का निर्णय लिया और इस प्रकार 1971 में गुरु नानक नेत्र केंद्र की परिकल्पना की गई और रेटिना, कॉर्निया, ग्लूकोमा, स्ट्रैबिस्मस, न्यूरो-नेत्र विज्ञान, ओकुलोप्लास्टी, कॉन्टेक्ट लेंस और लो विजन जैसे विशेष क्लीनिक स्थापित किए गए। आज, अस्पताल में दाखिले की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए 5 सामान्य वार्ड और 1 निजी वार्ड हैं। जनरल वार्ड में 184 बेड के साथ कुल 212 बेड हैं। प्राइवेट वार्ड में कुल 28 कमरे उपलब्ध हैं, जिनमें से 21 वातानुकूलित और 7 गैर-एसी कमरे हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

स्वच्छता पखवाड़ा से संबंधित क्रियाकलाप 1 अप्रैल से 15 अप्रैल, 2022 तक आयोजित किए गए।

अस्पताल सेटिंग्स में स्टेराइल प्रैक्टिस के प्रशिक्षण पर ओरिएंटेशन सत्र 16 जून 2022 को आयोजित किया गया।

गुरु नानक आई सेंटर ने 2 अगस्त, 2022 को मंकी पॉक्स के बारे में डॉक्टरों के बीच जागरूकता अभ्यास का संचालन किया।

जीएनईसी का 37वां स्थापना दिवस 14 मार्च 2023 को विरासत पुस्तक के विमोचन के साथ मनाया गया।

25 अगस्त से 8 सितंबर, 2022 के बीच विभिन्न जागरूकता क्रियाकलापों के साथ नेत्रदान पखवाड़ा मनाया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. कीर्ति सिंह दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी की मुख्य संपादक हैं।

डॉ. कीर्ति सिंह को शिक्षक दिवस समारोह, दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन डीएमए में 4 सितंबर 2022 को प्रतिष्ठित शिक्षक पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. कीर्ति सिंह को उत्तराखंड सोसाइटी ऑफ ऑप्थेलमिक साइंसेज, देहरादून द्वारा 15 अक्तूबर 2022 को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।

प्रोफेसर सुभाष दादेया को एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा प्रोवोस्ट एमएएमसी, डे केयर कमेटी के सदस्य रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. पुनिता सोढ़ी- संबद्ध नेत्र विज्ञान और ऑप्टोमेट्री 73वें वार्षिक डीओएस में फ्री शोध-पत्र में प्रथम पुरस्कार।

प्रो. अन्नू जून-दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (डीजेओ) की एसोसिएट एडिटर।

प्रकाशन

गोयल आर., शाह, एस. (2022)। डिस्टाइरॉइड ऑप्टिक न्यूरोपैथी और बैरेट इंडेक्स - कटऑफ का पुनरीक्षण [पत्र], *क्लिन ओफ्थाल्मोल*, 14;(16), 3751-3752.

अरोड़ा, आर., गोयल, आर., मेहर, आर. (2022)। कोविड-19-एसोसिएटेड राइनो-ऑर्बिटल म्यूकोर्मिकोसिस का परिणाम, *जामा ओफ्थाल्मोल*, 1;140(5), 548.

गोयल, आर., शाह, एस. (2022)। गैंग्लियन कोशिका परत की मोटाई - प्रारंभिक डायथायरॉइड ऑप्टिक न्यूरोपैथी के लिए एक मार्कर, *आई (लंदन)*,36(11), 2224.

गोयल, आर., अरोड़ा, आर., शाह, एस., छाबड़ा, एम., कुमार, जे., एट अल। (2022)। कोविड-एसोसिएटेड राइनो-ऑर्बिटो-सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस में दृश्य हानि का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल-पैथोलॉजिकल सहसंबंध, *ऑप्थेलमिक प्लास्ट रिकंस्ट्र सर्जरी*, 01;38(3), 242-249.

सोढ़ी, पी.के., शॉ, ई., गौतम, ए., यादव, ए., एट अल। (2022)। एक स्वस्थ भारतीय जनसंख्या में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का उपयोग करके मात्रात्मक फोवियल एवस्कुलर जोन और रेटिनो-कोरॉइडल वेसल घनत्व का मूल्यांकन, *क्यूरियस*, 4;14(8), ई27669.

अरोड़ा, आर., गुप्ता, आई., साहू, जे., विश्वनाथ, एस., गुप्ता, पी., जैन, पी. (2022)। कॉर्नियल विपथन, स्कीम फ्लग इमेजिंग पर डेंसिटोमेट्री, और गहरी पूर्वकाल लैमेलर के राटोप्लास्टी के बाद दृश्यतीक्ष्णता, *यूर जे ओफ्थाल्मोल*, 28 (2022 सितंबर), 112067212211128863.

अरोड़ा, आर., गुप्ता, पी., साहू, जे., जैन, पी., विश्वनाथ, एस., श्रॉफ आर. (2022)। कॉर्नियल स्कीम फ्लगडेंसिटोमेट्री और ओकुलर वेव फ्रंट एबेरेशन्स का विश्लेषण, पोस्ट डेसिमेटस्ट्रिपिंग ऑटोमेटेड एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी, *आईकॉन्टैक्टलेंस*, 1;48(6)(2022 जून), 242-249.

रस्तोगी, ए., गांवकर, टी., धीमान, एस., सिंह, के.जे., आनंद, के., सुरेश, पी. (2022)। बड़े लेंस सब्लक्सेशन वाले बच्चों में रेट्रोपुपिलरी आईरिस क्लॉलेंस बनाम गोर-टेक्स असिस्टेड स्क्लेरल फिक्सेटेड इंट्राओकुलर लेंस, *इंडियन जे ओफ्थाल्मोल*, 70(6)(2022 जून), 2002-2009.

गोयल, आर., शाह एस. (2022)। थायराइड-एसोसिएटेड पेरी पैपिलरी वैस्कुलर रीमॉडलिंग - अनुसंधान के लिए एक नया क्षेत्र**? [**पत्र**]**, *क्लिन ओफ्थाल्मोल*, 12;16(2022 मई), 1475-1476.

राजुरकर के, ठाकर एम. (2022)। ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी एंजियोग्राफी डेंगू रेटिनोपैथी की विशेषताएं जो तीव्र मैक्यूलर न्यूरोरेटिनोपैथी, शाखा शिरा वास्कुलिटिस और न्यूरोसेंसरी डिटेचमेंट के रूप में प्रकट होती हैं, *ओमान जे ओफ्थाल्मोल*, 2;16(1)(2022 सितंबर), 177-179.

शोध परियोजनाएं

एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर के सहयोग से अनुसंधान परियोजना प्रगति पर भारतीय रोगियों के समूह में ओकुलर सेबेसियस कार्सिनोमा के लिए गहन अनुक्रमण।

पूर्ण, 2019-2023, भारतीय बाल्यावस्था ग्लूकोमा घटना अध्ययन। भारतीय उपमहाद्वीप का एक बहुकेन्द्रित सहयोगात्मक अध्ययन।

दायर/स्वीकृत पेटेंट

योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम शिक्षण सत्र और नेत्र विज्ञान के लिए मूल्यांकन लॉगबुक।

पोस्ट ग्रेजुएट लॉग बुक सीनियर रेजिडेंट लॉग बुक।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

विविध (डॉ. कीर्ति सिंह, डॉ. अंजू रस्तोगी, डॉ. रितु अरोड़ा, डॉ. सुभाष दादेया, डॉ. रुचि गोयल, डॉ. अन्नू जून, डॉ. पूजा बंसल, डॉ. अर्शी सिंह और डॉ. निखिल, प्रोफेसर और वरिष्ठ रेजिडेंट्स, जीएनईसी, एकाधिक नेत्रविज्ञान विषय, डॉस नेत्रविज्ञान सीएमई, 25-09-2022.

डॉ. अन्नू जून, सहायक प्रो. जीएनईसी, जीएनईसी में कम दृष्टि पुनर्वास सेवाओं का कार्यान्वयन, विश्व दृष्टि दिवस संगोष्ठी, 12-10-2022.

डॉ. रितु अरोड़ा और डॉ. पारुल जैन, निदेशक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर (जीएनईसी), नेत्रदान जागरूकता, नेत्रदान पखवाड़ा उत्सव, 25-08-2022.

डॉ. कीर्ति सिंह और डॉ. अन्नू जून, निदेशक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर (जीएनईसी), गोनियोस्कोपी और पेरीमेट्री, विश्व ग्लूकोमा सप्ताह संगोष्ठी, 04-03-2023.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. कीर्ति सिंह ने 1-5 जून 2022 को अखिल भारतीय नेत्रविज्ञान सोसायटी, मुंबई के 80वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और प्रस्तुति पेश किया और 8 व्याख्यान दिए।

डॉ. रुचि गोयल ने 11-13 नवंबर 2022, मुंबई में द ओकुलोप्लास्टिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 32वें वार्षिक सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर सुभाष दादेया को नियुक्त किया गया - डॉस मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस, उन्होंने लाइव सर्जरी मिड टर्म पर्फॉर्म की - एसएओ कॉन्फ्रेंस।

हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

एल्कोन फैको विकास कार्यक्रम

बच्चों के चश्मे के लिए जीव-दया फाउंडेशन का सहयोग

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर के सहयोग से चल रही अनुसंधान परियोजना, शीर्षक: भारतीय रोगियों के समूह में नेत्रसंबंधी वसामय कार्सिनोमा के लिए गहन अनुक्रमण, प्रमुख अन्वेषक : डॉ. रुचि गोयल, डॉ. बीता एस्मेली (एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, यूएसए)।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

निदेशक प्रोफेसर डॉ. कीर्ति सिंह ने वर्ष के दौरान विभिन्न सामुदायिक नेत्रविज्ञान परियोजनाओं में एनपीसीबी के राज्य कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य किया।

संकाय संख्या - 18

***

अस्थि-रोग विभाग: एलएचएमसी (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण तथा प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एलएचएमसी के अस्थि-रोग विभाग में 11 संकाय सदस्य और 13 वरिष्ठ रेजिडेंट हैं। विभाग हर वर्ष पांच स्नातकोत्तर छात्रों को प्रवेश देता है। प्रदान की जाने वाली 24 **x** 7 सेवाएँ हैं - आघात और आपातकालीन

सेवाएँ, बाह्य रोगी क्लीनिक तथा हाथ, रीढ़, खेल चोट, सीटीईवी और सेरेब्रल पाल्सी के लिए विशेष क्लीनिक हैं। वर्तमान में अस्थि-रोग विभाग में भर्ती मरीजों की देखभाल के लिए 135 बिस्तर हैं और सभी प्रकार की ऑर्थोपेडिक्स सर्जरी नियमित रूप से की जाती हैं। विभाग ने 11 मार्च 2023 को एलएचएमसी 'नी आर्थ्रोस्कोपिक कैडवेरिक कोर्स' का आयोजन किया।

प्रकाशन

गुप्ता, ए.के., नारंग, ए., गुप्ता, एस., कनौजिया, आर.के. (2022)। अंतर्निहित विटामिन डी की कमी वाले बच्चे में फीमर फ्रैक्चर की बाइलैटरल नेक: प्रबंधन और 10-वर्षीय फॉलोअप पर एक केस रिपोर्ट, *क्यूरियस.*, 3(14).

तिवारी, वी., शर्मा, पी.के., संपत कुमार, वी., पौडेल, आर.आर., मीना, एस., बंजारा, आर. (2022)। विकासशील देशों में कोविड-19 महामारी में घातक अस्थि ट्यूमर के प्रबंधन में परिवर्तन, *क्यूरियस.*, 5(14).

शर्मा, ए., कम्बोज, के., कुमार, आर., सूद, ए. (2022)। तपेदिक दुर्दमता के लिए लेसर ट्रोकेन्टर के एट्रूमैटिक एवल्शन की रोगजन्यता को चुनौती दे रहा है: एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट, *जेबीजेएस केस कनेक्टर,*3(12).

गुप्ता, एस., परिहार, ए., सिंह, एस., अग्रवाल, ए., अग्रवाल, एस. (2022)। बाल चिकित्सा ऑस्टियोआर्टिकुलर ट्यूबरकुलोसिस एक नैदानिक दुविधा और साहित्य की समीक्षा के रूप में, *क्यूरियस.*, 3(12).

शोध परियोजनाएं

2022, दीर्घकालिक घुटने के दर्द के रोगियों में पेटेलोफेमोरल मैललाइनमेंट का एक अवलोकन अध्ययन।

2022, एक्स्ट्रा आर्टिकुलर विस्थापित फ्रैक्चर डिस्टल एंड रेडियस में प्रारंभिक बंद कमी और स्थिरीकरण का परिणाम।

2022, ऊतक और आणविक निदान के साथ मस्कुलोस्केलेटल तपेदिक के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल रूप से संदिग्ध मामलों का सहसंबंध।

2022, कैडवेरिक एल्बो नमूने पर एंटेरोलेटरल और पोस्टेरोलेटरल पोर्टल्स के साथ रेडियल और इंटरोससियस तंत्रिका चोट के जोखिम का मूल्यांकन।

एक से पांच वर्ष की आयु के बच्चों में एकतरफा, उपेक्षित/पुनरावृत्त इडियोपैथिक जन्मजात टैलिपस इक्विनो वेरस पैरों में पोंसेटी कास्ट तकनीक द्वारा कैवस विकृति का परिणाम।

<u>आयोजित सम्मेलन</u>

एलएचएमसी नी आर्थ्रोस्कोपिक कैडवेरिक कोर्स", 11-03-2023, रिसर्च सोसाइटी ऑफ ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट एलएचएमसी।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत - 5, 100%

संकाय संख्या: 11

***

अस्थि-रोग विभाग: यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी ऑफ कॉलेज मेडिकल साइंसेज़)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

यूसीएमएस में अस्थि-रोग विभाग की स्थापना 1987 में हुई थी और यह ऑस्टियोआर्टिकुलर ट्यूबरकुलोसिस के प्रबंधन पर अनुकरणीय कार्य के लिए प्रसिद्ध है। इसने आघात के रोगियों को भी देखभाल प्रदान की और रीढ़ की बीमारियों, खेल चोटों (आर्थ्रोस्कोपिक सर्जरी आदि) बाल चिकित्सा समस्याओं और घातक और सौम्य अस्थि ट्यूमर के रोगियों को वैश्विक मानकों के अनुरूप साक्ष्य-समर्थित उपचार अपने अस्पताल परिसर में प्रदान किया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

विभाग विभिन्न विषयों पर काम कर रहा है, जैसे मल्टी-ड्रग प्रतिरोधी तपेदिक और इसके लिए नए एजेंटों की भूमिका, ऊतक बैंकिंग, जटिल आघात और नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा, आदि। विभाग वर्तमान में इंडियन स्पाइन जर्नल चलाता है और इसका लक्ष्य इसे बेहतर ऊंचाइयों तक ले जाना है। विभाग ने एक बोन बैंक स्थापित किया है, जिसे एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है।

सम्मान/गौरव

डॉ. ए.के. जैन को आईओएसीओएन 2022 के दौरान इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन की मानद फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अहमद, एस., अरोड़ा, आर., अग्रवाल, ए.एन., हक, आर.यू., खान, के., टंडन, ए. (2022)। शेट्ज़कर के वर्गीकरण की विश्वसनीयता और टिबिअल पठारी फ्रैक्चर के लिए सीटी आधारित चार चतुर्थांश वर्गीकरण के बीच तुलना, *जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा*, 10198(32).

अग्रवाल, एस., रजनीश, आर.के., कुमार, पी., श्रीवास्तव, ए., राठौड़, के., हक, आर.यू. (2022)। डिस्टल

फीमर फ्रैक्चर में रेट्रोग्रेड इंट्रामेडुलरी नेलिंग बनाम लॉकिंग प्लेट फिक्सेशन के परिणामों की तुलना: 16 अध्ययनों में 936 रोगियों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, *जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स,* 36(36), 36-48.

रजनीश, आर.के., श्रीवास्तव, ए., राठौड़, के., हक, आर.यू. अग्रवाल, एस., एट अल (2022)। क्या फेमरल नेक र्दन प्रणाली युवा वयस्कों में फेमरल नेक फ्रैक्चर के प्रबंधन के लिए कैनुलेटेड स्क्रू निर्धारण की तुलना में बेहतर परिणाम प्रदान करती है**?** साहित्य और मेटा-विश्लेषण की एक व्यवस्थित समीक्षा, *जर्नल ऑफ़ ऑर्थोपेडिक्स*, 32(32), 52-59**.**

तायल, ए., सिंह, एन.पी., राय, एस., गुप्ता, के., गुप्ता, ए., अग्रवाल, ए.एन., साहा, आर., कौर, आई.आर. (2022**)**। भारत से मेथिसिलिन प्रतिरोधी स्टैफिलोकोकस ऑरियस के क्लिनिकल आइसोलेट्स के बीच लाइनज़ोलिड के लिए गुप्त प्रतिरोध का पता लगाने पर पहला अध्ययन, *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल*, **40(3),** 384-388.

राज, वाई.आर., श्रीवास्तव, ए., अग्रवाल, ए., हक, आर.यू. (2022)। इंटरट्रोकैनेटरिक फ्रैक्चर के एओ वर्गीकरण में सीटी स्कैन की उपयोगिता का आकलन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स,* 56(56), 392-98.

गुप्ता, एस., मल्होत्रा, आर., श्रीवास्तव, ए., अरोड़ा, आर., अग्रवाल, ए.एन., मिश्रा, पी. (**2022)**। कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन पर टिबिअल पठारी फ्रैक्चर और प्रत्येक फ्रैक्चर उपप्रकार की रूपात्मक विशेषताओं के शेट्ज़कर वर्गीकरण की अंतर और इंट्रा-ऑब्जर्वर भिन्नता, *जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक ट्रॉमेटोलॉजी एंड रिहैबिलिटेशन,* 14(1), 18-23.

जाट, एस.के., श्रीवास्तव, ए., मल्होत्रा, आर., चड्ढा, एम., टंडन, ए., जैन, ए.के. (**2023)**। क्रोनिक कमर दर्द वाले रोगियों में लुंबोसैक्रल ट्रांजिशनल वर्टिब्रा की व्यापकता: एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, *अमेरिकन जर्नल ऑफ न्यूरोडीजेनरेटिव मेडिसिन्स*, 12(3), 89-96.

खान, ए.एम., पात्रा, एस., जैन, ए.के., मधु, एस.वी., सक्सेना, ए., अग्रवाल, ए., एट अल**. (**2022)। स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एक स्थायी COVID 19 प्रशिक्षण पैकेज का विकास और कार्यान्वयन: उत्तर भारत के एक शिक्षण अस्पताल से अनुभव, *जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिनएंड प्राइमरी केयर*, 11(11), 5345-50**.**

सौरव, एस., अग्रवाल, ए.एन., शाही, पी., कमल, एस., बंसल, के., सिंगला, एस. **(**2022)। शोल्डर इंपिंगमेंट सिंड्रोम में प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा के एकल इंजेक्शन की प्रभावकारिता, *क्यूरियस*, 14(6), ई25727.

शेखर, एच., श्रीवास्तव, ए., रजनीश, आर.के., भट्ट, एस., जैन, ए.के., हक, आर.यू. (**2022)**। गैर-एथलेटिक आबादी में आर्थोस्कोपिक एंटेरोमेडियल पोर्टल पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण के बाद नैदानिक

परिणाम और कंप्यूटर टोमोग्राफी आधारित टनल प्लेसमेंट मूल्यांकन, *इंट जे बर्न ट्रॉमा*, 12(6), 232-40.

आयोजित संगोष्ठीयाँ

अनेक प्रतिष्ठित संकाय सदस्य और विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों के प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जन, एमएस ऑर्थोपेडिक्स और उनसे वरिष्ठ चिकित्सक, घुटने के आसपास के आघात के विभिन्न पहलू, नई ट्रॉमा सिम्पोजियम, 19-03-2023.

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन के दौरान कंधे की आर्थ्रोस्कोपी पर कैडवेरिक कार्यशाला, 04-11-2022, दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. आदित्य एन. अग्रवाल को 4 नवंबर 2022 को यूसीएमएस और जीटीबीएच में डीओए के वार्षिक सम्मेलन के दौरान कंधे की आर्थ्रोस्कोपी पर कैडवेरिक कार्यशाला में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ अमित श्रीवास्तव को संकाय के रूप में और आयोजन टीम डीओएसीओएन 2022 के भाग के रूप में आमंत्रित किया गया।

4 नवंबर 2022 को यूसीएमएस और जीटीबीएच में डीओए के वार्षिक सम्मेलन के दौरान कंधे आर्थ्रोस्कोपी पर कैडवेरिक कार्यशाला में आयोजन सचिव और संकाय सदस्य थे।

डॉ. राजेश अरोड़ा को 4 नवंबर 2022 को यूसीएमएस और जीटीबीएच में डीओए के वार्षिक सम्मेलन के दौरान कंधे की आर्थ्रोस्कोपी पर कैडवेरिक कार्यशाला में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. राकेश मल्होत्रा को 4 नवंबर 2022 को यूसीएमएस और जीटीबीएच में डीओए के वार्षिक सम्मेलन के दौरान कंधे की आर्थ्रोस्कोपी पर कैडवेरिक कार्यशाला में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. राकेश सहरावत ने 15 सितंबर 2022 से 17 सितंबर 2022 तक कोयंबटूर में इंडियन आर्थ्रोस्कोपी सोसाइटी के 19वें वार्षिक सम्मेलन, आईएएससीओएन 2022 में भाग लिया।

डॉ. अब्दुल मजीद 19 मार्च 2023 को यूसीएमएस और जीटीबीएच में डीओए घुटने के आघात संगोष्ठी में संकाय सदस्य थे।

संकाय संख्या

3 निदेशक प्रोफेसर, **5** सहायक प्रोफेसर

***

बाल रोग विभाग: एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

सम्मान/गौरव

डॉ. अनुराग अग्रवाल (प्रोफेसर, पीडियाट्रिक्स) कोइंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की फेलोशिप प्रदान की गई।

प्रकाशन

जुनेजा, एम. (2022)। शहरी उत्तर भारत में ऑटिज़्म निदान के लिए सहायता प्राप्त करने के मार्ग को प्रभावित करने वाली बाधाएँ: एक मिश्रित विधि अध्ययन, *ऑटिज़्म देव डिसॉर्डर*, 4(52), 1778-1788.

झाम्ब, यू. (2023)। भारत में तृतीयक देखभाल केंद्रों में अस्पताल में भर्ती बच्चों में कोविड-19 से जुड़ी गंभीरता और मृत्यु दर: एक समूह अध्ययन, *लैंसेट,*13(13), 1-13.

राजेश्वरी, के (2022)। एचआईवी संक्रमण से पीड़ित बच्चों में संयोजन बायोमार्कर का उपयोग करके लिवर डिसफंक्शन का आकलन, *जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक रिसर्च*, 3(20), 218-223.

कपूर, एस. (2022)। म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस टाइप II वाले 130 असंबंधित भारतीय परिवारों का जीनोटाइप-फेनोटाइप स्पेक्ट्रम, *यूर जे मेड जेनेट*, (3)(65), 3.

मंटन, एम. (2022)। क्रोनिक किडनी रोग वाले बच्चों में सार्स-सीओवी-2 संक्रमण। बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, *पेडियट्रिक्स नेफ्रोलॉजी*, (1)(5), 849-5.

मिश्रा, डी. (2022)। बच्चों में कोविड-19 रोग पर सहवर्ती तपेदिक संक्रमण का प्रभाव, ट्रॉप पेडियाट्र, (4)(68), 4, अनेक।

डबास, ए. (2022)। बीमार बच्चों में आयनित रक्त मैग्नीशियम: एक अनदेखा इलेक्ट्रोलाइट, *ट्रॉप पेडियाट्र*, (2)(68), पीएमआईडी 35265997, अनेक।

शोध परियोजनाएं

एमएएमसी, 2022-23, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में भाषा विकास पर उच्च खुराक मौखिक फोलिनिक एसिड का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

जीएनटीसीडी "चिकित्सा अनुसंधान का सुदृढ़ीकरण", 2022-23 योजना के अंतर्गत, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में भाषा विकास पर उच्च खुराक फोलिनिक एसिड की प्रभावशीलता, एक डबल ब्लाइंडेड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।

आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद), 2022-23, "दुर्लभ और अन्य विरासत में मिले विकारों के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री"।

दिल्ली सरकार, 2022-23, गुर्दे संबंधी विकार वाले बच्चों और किशोरों में सार्सकोव**2** एंटीबॉडी का सीरोसर्वेक्षण।

आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद), 2022-23, मिर्गी से पीड़ित बच्चों में सोडियम वैल्प्रोएट मोनोथेरेपी प्राप्त करने वाले सीरम विटामिन डी और कैल्शियम के स्तर पर दैनिक विटामिन डी और कैल्शियम अनुपूरक का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

डॉ. एम. जुनेजा, निदेशक प्रोफेसर एवं प्रमुख, वैश्विक डेवलपमेंट डिले - बाल रोग विशेषज्ञों के लिए रहस्योद्घाटन, आईएपी-पेडिकॉन, 19-03-2022.

डॉ. ए. अग्रवाल, प्रोफेसर, क्षय रोग, एनटीईपी, 06-03-2022.

डॉ. ए. अग्रवाल, प्रोफेसर, पूरक आहार, शिशु आहार, 18-11-2022.

डॉ. पी.के. साही, एसोसिएट प्रोफेसर, इविंग्स सरकोरमा, आईएपी मासिक बैठक, 20-10-2022.

डॉ. पी.के. साही, एसोसिएट प्रोफेसर, एसएएएनएस (सांस) प्रशिक्षण, 16-09-2022.

आयोजित सम्मेलन

वैश्विक विकासात्मक विलंब-बालरोग विशेषज्ञों के लिए रहस्योद्घाटन - पेडिकॉन, 19-03-2022, आईएपी।

एनटीईपी, 16-03-2022, आईएपी।

पूरक आहार, 18-11-2022, आईएपी।

आईएपी मासिक बैठक, 20-10-2022, आईएपी।

एसएएएनएस (सांस) प्रशिक्षण, 16-09-2022, दिल्लीसरकार।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

दिनांक 19/3/2022 को पेडिकॉन 2022 में 'वैश्विक विकास विलंब- बाल रोग विशेषज्ञों के लिए रहस्योद्घाटन' विषय पर प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. मोनिका जुनेजा राष्ट्रीय संयोजक थीं।

दिनांक 6.3.22 को गंगाराम अस्पताल में एनटीईपी पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी जिसमें डॉ. अनुराग अग्रवाल संयोजक के रूप में आमंत्रित थे।

दिनांक 17.9.22 को एमएएमसी में एनटीईपी पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी जिसमें डॉ. मोनिका जूनेजा संयोजक के रूप आमंत्रित थीं।

पूरक आहार पर एक संगोष्ठी दिनांक 18.11.22 को एमएएमसी में आयोजित की गई थी जिसमें डॉ. मोनिका जूनेजा संयोजक के रूप आमंत्रित थीं।

डॉ. पी.के. साही ने डॉ. मोनिका जुनेजा के मार्गदर्शन में 20.10.2022 को एमएएमसी में इविंग्स सारकोमा पर आईएपी मासिक बैठक का आयोजन किया।

डॉ. पी.के. साही ने 16.09.2022 को एमएएमसी में एसएएएनएस (सांस) प्रशिक्षण आयोजित किया।

संकाय संख्या: 17

***

बाल रोग विभाग: यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज़)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

यूसीएमएस का बाल रोग विभाग वर्ष 1988 में शुरू किया गया था। वर्तमान में अत्याधुनिक बाल चिकित्सा और नवजात गहन देखभाल इकाई के साथ यह एक 200 बिस्तरों वाला विभाग है। यह विभाग विश्व स्तनपान सप्ताह, विश्व डायरिया नियंत्रण सप्ताह, जननी सुरक्षा योजना और एमआर अभियान सहित सभी सरकारी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

डॉ. पीयूष गुप्ता को जुलाई 2022 में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य के रूप में चयनित और नियुक्त किया गया था। डॉ. धीरज शाह को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक के रूप में चुना गया था जो देश में तकनीकी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए एक शीर्ष संस्थान और थिंक टैंक के रूप में कार्य कर रहा है। बाल रोग विभाग ने आपातकालीन चिकित्सा पर एक 5-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया; यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में 9वां एम्पार्ट और 5वां एपिकॉन 2023 । सितंबर 2022 में एक्स्ट्रामुरल नवजात शिशुओं के लिए बाह्य नवजात गहन देखभाल इकाई सेवाएं एमसीएच ब्लॉक में प्राइवेट साइड की ओर तीसरी मंजिल पर शुरू की गईं।

सम्मान/गौरव

डॉ. पीयूष गुप्ता को 2022 में एशिया पैसिफिक पीडियाट्रिक एसोसिएशन द्वारा "उत्कृष्ट एशियाई बाल रोग विशेषज्ञ पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

डॉ. पीयूष गुप्ता को 2023 में लंदन में "फेलोशिप ऑफ रॉयल कॉलेज ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ (एफआरसीपीसीएच)" से सम्मानित किया गया।

डॉ. अंजू अग्रवाल सदस्य, बहुविषयक विकलांगता प्रमाणन बोर्ड (उत्तर पूर्वी दिल्ली) की सदस्य बनीं; वे सदस्य, बहुविषयक विकलांगता प्रमाणन बोर्ड (आईबीएचएएस) भी हैं।

डॉ. धीरज शाह को वर्ष 2022 के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एफएएमएस) की प्रतिष्ठित फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. धीरज शाह को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक के रूप में चुना गया।

प्रकाशन

समोटा, पी., सिंह, ए., अग्रवाल, ए., मल्होत्रा, आर. (2022)। सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में नींद संबंधी विकार और जीवन की गुणवत्ता, *इंडियन जर्नल ऑफ पेडियट्रिक्स*, 6(90), 560-565.

अरुणकुमार, एम., अग्रवाल, ए., सिंह, ए., ठाकुर, आर., सिंह, एन.पी., बत्रा, पी., मल्होत्रा, आर. (2022)। उत्तर भारतीय बच्चों में तीव्र एन्सेफेलिटिक सिंड्रोम में वायरल एटियलजि, *जे क्लिन इम्यूनोल माइक्रोबायोल*, 2(3), 1-10.

वर्मा, एस.के., शाह, डी., सिंह, ए., सिंह, पी.के., दास, एस., गुप्ता, पी. (2023)। खसरा-रूबेला उन्मूलन लक्ष्य के संदर्भ में भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशासित खसरा-रूबेला टीके की प्रतिरक्षण क्षमता: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, *मेडिकल रिसर्च के इंड जे*, 4(157), 250-258.

नारंग, एम., शाह डी. (2022)। शिशु शूल के लिए मौखिक लैक्टेज़: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, *बीएमसी पेडियट्रिक्स*, 1(22), 1-8.

साहा, डी., मेहंदीरत्ता, एम., आराधना, शाह, डी., गुप्ता, पी. (2022)। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में गंभीर तीव्र कुपोषण में ऑक्सीडेटिव तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और समय से पहले बुढ़ापा, *इंडियन जर्नल ऑफ पेडियट्रिक्स*, 6(89), 558-562.

सिंह, एन., शाह, डी., सिंह, टी., साहा, आर., दास, एस., दत्त, एस., गुप्ता, पी. (2022)। पूर्वी दिल्ली, भारत के एक शहरी अस्पताल से पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में अस्पताल से प्राप्त डाइरिया एटियोलॉजी, *इंडियन जे. ऑफ मेडिकल रिसर्च*, 4-5(156), 624.

थुलुवा, एस., पराडकर, वी., गुनेरी, एस., येरोजू, वी., मोगुल्ला, आर. आर., एट अल. (2022)। बच्चों और किशोरों में बायोलॉजिकल ई के कॉरबेवैक्स™ वैक्सीन की सुरक्षा, सहनशीलता और प्रतिरक्षण क्षमता: एक संभावित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित, चरण-2/3 अध्ययन, *वैक्सीन*, 49(40), 7130-7140.

सलूजा, आर.के., दीवान, पी., गोम्बर, एस., मधु, एस.वी., भट, एस., गुप्ता, पी. (2022)। कम खुराक डिपो मौखिक विटामिन डी3वी। पोषण संबंधी रिकेट्स के इलाज के लिए दैनिक मौखिक विटामिन डी3: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, *ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन*, 12(127), 1778-1783.

खैरवा, ए., कोटरू, एम., दीवान, पी., नारंग, एस. (2022)। अस्थि मज्जा आकांक्षा में गुणसूत्र अस्थिरता के रूपात्मक मार्कर और तीव्र ल्यूकेमिया और मायलोइड्सप्लास्टिक सिंड्रोम की ट्रेफिन बायोप्सी, *एनवायरमेंटल एण्ड मोलेक्यूलर म्यूटेजिनेसिस*, 8-9(63), 418-422.

शोध परियोजनाएं

एमआरयू, 2023/3 वर्ष, एचआईवी संक्रमित बच्चों में प्रतिरक्षण क्षमता परएंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी का प्रभाव, 1,40,000/- रुपये।

आईसीएमआर, 2022/3 वर्ष, जटिल गंभीर तीव्र कुपोषण वाले बच्चों की रिकवरी में लेवोकार्निटाइन अनुपूरण की भूमिका: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित ट्रिया, 70,70,623/- रुपये।

एमआरयू, 2022/6 माह, बाल रोगियों में हृदय रोग के मार्कर के रूप में देखभाल बिंदु बीएनपी अनुमान, 1,20,000/- रुपये।

बायोलॉजिकल ई, 2022/6 माह, 6 महीने से 45 वर्ष के प्रतिभागियों में बायोलॉजिकल ई के टाइफाइड संयुग्म टीके की एकल इंट्रामस्क्युलर खुराक की सुरक्षा और लाइसेंस प्राप्त के साथ सह-प्रशासित होने पर खसरे की इम्यूनोजेनेसिटी पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित बहुकेंद्रीय चरण-**IV** नैदानिक अध्ययन, 9-12 महीने के शिशुओं के एक उपसमूह में खसरा-रूबेला (एमआर) टीका, 6,00,000/- रुपये।

बायोलॉजिकल ई, 2022/अब तक, उम्मीदवार की इम्युनोजेनेसिटी, सुरक्षा, सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक एकल ब्लाइन्ड यादृच्छिक सक्रिय-नियंत्रित चरण-**III** अध्ययन 14-वैलेंट न्यूमोकोकल पॉलीसेकेराइड संयुग्म टीका 6-8 सप्ताह के भारतीय शिशुओं को 6 सप्ताह, 14 में प्रशासित किया गया, सप्ताह और 9 महीने की आयु (2+1 वैकल्पिक खुराक अनुसूची), 3,50,000/- रुपये।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

डॉ. हरीश पेमडे, निदेशक प्रोफेसर, बाल रोग विभाग, एलएचएमसी और केएससीएच, नई दिल्ली, संदिग्ध यौन शोषण वाले बालक/किशोर का प्रबंधन, बाल दुर्व्यवहार, 06-12-2022.

डॉ. रश्मी गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, मरीजों के परिचारकों के बीच परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता, परिवार नियोजन, 07-10-2022.

आयोजित सम्मेलन

9वीं आपातकालीन बाल चिकित्सा प्रगति और हालिया रुझान (ईएमपीएआरटी) और 5वीं आपातकालीन बाल चिकित्सा और चोट कांग्रेस (एपिकॉन) 2023, 01-02-2023, इंडुसेम और ऐकडेमिक कॉलेज ऑफ इमरजेन्सी

एक्स्पर्ट्स इन इंडिया।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. पीयूष गुप्ता, आधार व्याख्यान। जंक फूड पर फ्रंट ऑफ पैक लेबल: एक नीति। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, साउथ पेडिकॉन, बेलगावी, कर्नाटक, 15 अक्तूबर 2022.

डॉ. अंजू अग्रवाल ने डबल्यूएचओ एवं भारत सरकार द्वारा 22/11/22 को आयोजित एम आर उन्मूलन हेतु राज्य कार्यशाला में भाग लिया, दिल्ली सचिवालय।

डॉ. धीरज शाह, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के जयपुर में 11-13 नवंबर 2022 को आयोजित 62वें वार्षिक सम्मेलन, नैमस्कॉम -2022, में प्रतिनिधि और फेलो पुरस्कार विजेता थे।

डॉ. आराधना फरवरी 2023 में गंगाराम अस्पताल के सहयोग से एएचए द्वारा बच्चों और किशोरों में लिंग डिस्फोरिया पर आयोजित वेबिनार में संकाय सदस्य थीं।

डॉ प्रेरणा बत्रा, 8 अक्तूबर 2022 को ईएम इंडिया, गोवा में आपातकालीन विशेषज्ञों के अकादमिक कॉलेज के दीक्षांत समारोह के लिए परिषद सदस्य थीं।

डॉ. पूजा दीवान को नेशनल हेमेटोलॉजी अपडेट, एम्स, दिल्ली में 3-5 मार्च 2023 को आमंत्रित किया गया था।

डॉ. पीयूष गुप्ता, एओसीएन ओरेशन। बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी में शिक्षा और अनुसंधान की स्थिति। बाल न्यूरोलॉजिस्ट एसोसिएशन। पुणे, महाराष्ट्र. 3 फरवरी 2023.

डॉ. दीपिका हरित ने 25/8/2022 को स्वामी दयानंद अस्पताल, दिल्ली में स्टैंड टाल मीटिंग में टी1डीएम में इंसुलिन थेरेपी पर व्याख्यान दिया।

डॉ. राजेश मीना ने दिल्ली के परिवार कल्याण निदेशालय, जीएनसीटी द्वारा "दिल्ली में प्रवेश और गैर-प्रवेश सुविधाओं में एसएएम बच्चों के प्रबंधन के लिए एसओपी के प्रसार" पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. सुमैरा खलील ने सितंबर 2022 में शिकागो में आयोजित पीयर रिव्यू और साइंटिफिक पब्लिकेशन पर 9वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में" बालचिकित्सा हस्तक्षेप परीक्षणों के प्रकाशन को प्रभावित करने वाले कारक" शीर्षक से पत्र पर ई-पोस्टर प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

डॉ. धीरज शाह को सामान्य बचपन की बीमारी के प्रबंधन हेतु समेकित अनुशंसाओं के लिए विश्व स्वास्थ्य

संगठन (डब्ल्यूएचओ) दिशानिर्देश विकास समूह के सदस्य के रूप में चुना गया था: पॉकेट बुक और आईएमसीआई के अद्यतन के लिए साक्ष्य।

डॉ. धीरज शाह भारतीय खाद्य मानक और सुरक्षा प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे।

डॉ. पी. दीवान को भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के बाल चिकित्सा हेमेटोलॉजी-ऑन्कोलॉजी चैप्टर और पोषण चैप्टर: एक बहु-संस्थागत राष्ट्रीय सहयोगात्मक प्रयास द्वारा "बच्चों में पोषण संबंधी एनीमिया के लिए दिशानिर्देश" के विकास में विशेषज्ञ और लेखन समूह के सदस्य के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. ए सिंह को 22 फरवरी 2022 को जिला मजिस्ट्रेट, शाहदरा की अध्यक्षता में गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएम) 4.0 के लिए तैयारी संबंधी गतिविधियों के संबंध में टीकाकरण पर जिला टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. एस खलील को प्रिंसिपल यूसीएमएस द्वारा 13 से **17** फरवरी 2023 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित "महिला स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए लिंग आधारित हिंसा और मानवाधिकार" पर **5** दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नामित किया गया था।

संकाय संख्या: 14

निदेशक प्रोफेसर: 3, प्रोफेसर: 5, एसोसिएट प्रोफेसर: 4, सहायक प्रोफेसर: 2

***

विकृति-विज्ञान विभाग : यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज़)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

विकृति-विज्ञान विभाग की शुरुआत 1970 के दशक के आरंभ में डॉ. डी.एन. गुप्ता, जो कॉलेज के प्रिंसिपल भी थे, के कुशल नेतृत्व में सफदरजंग अस्पताल के आपातकालीन ब्लॉक में की गई थी। कॉलेज विभाग की शुरुआत मामूली थी, जिसमें डॉ. इंदुमती और डॉ. दास सहित केवल कुछ ही संकाय सदस्य थे। एमडी पैथोलॉजी पाठ्यक्रम 1984 में शुरू किया गया था। विभाग में अब अच्छी तरह से विकसित अनुभाग हैं - हिस्टोपैथोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी, हेमेटोलॉजी, ब्लड बैंक, आणविक पैथोलॉजी और इम्यूनोलॉजी सहित क्लिनिकल पैथोलॉजी। यह प्रयोगशाला पूर्वी दिल्ली से शव परीक्षण करने के लिए एक नोडल केंद्र भी है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

विभाग एमबीबीएस और एमडी छात्रों, पैरामेडिकल-एमएलटी और बीएससी फिजियोथेरेपी के छात्रों के

अध्ययन में सक्रिय रूप से शामिल हैं; जिसके साथ-साथ यह नैदानिक सेवाएं और रोगी देखभाल प्रदान करने के अलावा अनुसंधान क्रियाकलाप भी संचालित करता है। हिस्टोपैथोलॉजी अनुभाग में उपलब्ध सुविधाओं में विशेष स्ट्रेनों के साथ नियमित हिस्टोपैथोलॉजी, इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री, फ्रोजन सेक्शन, त्वचा और गुर्दे के नमूनों के लिए इम्यूनोफ्लोरेसेंस और शव परीक्षण सेवाएं शामिल हैं। हेमेटोलॉजी प्रयोगशाला सेवाओं में पूर्ण हेमोग्राम और परिधीय स्मीयर, अस्थि मज्जा आकांक्षा और बायोप्सी, हेमोलिटिक एनीमिया, (एचबी इलेक्ट्रोफोरेसिस, एचपीएलसी आदि), पोषण संबंधी एनीमिया, जमावट विकार, ल्यूकेमिया और फ्लो साइटोमेट्री वाले रोगियों के कार्य के लिए विशेष जांच शामिल हैं। साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला में उपलब्ध सेवाओं में फाइन सुई एस्पिरेशन साइटोलॉजी (यूएसजी और सीटी निर्देशित सहित), स्त्री रोग संबंधी साइटोलॉजी, घातक कोशिकाओं के लिए द्रव कोशिका विज्ञान, थूक स्मीयर परीक्षा और इम्यूनोसाइटोकेमिस्ट्री शामिल हैं। ब्लड बैंक एनएबीएच से मान्यता प्राप्त है और दिल्ली के पूर्वी क्षेत्र में क्षेत्रीय रक्त आधान केंद्र (आरबीटीसी) के रूप में मान्यता प्राप्त है। ब्लड बैंक भी कम्प्यूटरीकृत केन्द्र है। ऑटोइम्यून और इम्यूनोडेफिशियेंसी वर्कअप प्रदान करने के लिए इम्यूनोलॉजी लैब की स्थापना की गई है।

सम्मान/गौरव

डॉ. एस शर्मा, सदस्य, सलाहकार समिति, नेशनल मेडिकल लाइब्रेरी।

डॉ. एस शर्मा, सदस्य, स्नातकोत्तर विशेषज्ञ समूह, चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग।

डॉ. एस शर्मा, सचिव, डर्मेटोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया।

<u>प्रकाशन</u>

सिंगल, ए., बिशेरवाल, के., अग्रवाल, एस., भट्ट, एस., एवं दिवाकर, पी. (2022)। क्लिनिको-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल और सबंगुअल डिजिटल ग्लोमस ट्यूमर का प्रबंधन परिणाम- भारतीय अनुभव, *डर्माटोलॉजिक थेरेपी*, 35(10), ई15745.

सिंह, ए., दिवाकर, पी., अग्रवाल, ए., अग्रवाल, ए., रोहतगी, जे., सिंह, आर., दास, जीके., साहू, पी.के., एवं अरोड़ा, वी.के. (2022)। स्पेक्ट्रल डोमेन ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी फाइंडिंग्स इन विजन-थ्रेटनिंग राइनो-ऑर्बिटल सेरेब्रल म्यूकर माइकोसिस - ए प्रॉस्पेक्टिव एनालिसिस, *डायग्नोस्टिक्स*, 12(12), 3098.

तनवीर, एन., दीक्षित, एस., जैन, पी., रानी, पी., गौतम, एचवी., और नस्कर, एस. (2022)। ब्रेस्ट टेलीपैथोलॉजीके लिए वीडियोकांफ्रेंसिंग द्वारा पूरक स्टेटिक स्मार्टफोन छवियां। *क्लिनिकल ब्रेस्ट कैंसर*, 22(5), 455-461.

खैरवा, ए., कोटरू, एम., दीवान, पी., एवं नारंग, एस. (2022)। अस्थि मज्जा आकांक्षा में क्रोमोसोमल अस्थिरता के रूपात्मक मार्कर और तीव्र ल्यूकेमिया और मायलोइड्सप्लास्टिक सिंड्रोम की ट्रेफिन बायोप्सी, *एंवायरंमेंटल एंड मोलीक्यूलर म्यूटेजिनेसिस,*63(8-9), 418-422.

दीक्षित, एस., झा, टी., गुप्ता, आर., शाह, डी., दयाल, एन., एवं कोटरू, एम. (2022)। संपूर्ण रक्त गणना रिपोर्ट और हिस्टोग्राम की व्याख्या के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण, *इंडियन पेडिएट्रिक्स*, 59(6), 485-491.

अग्रवाल, टी., दीवान, पी., गोम्बर, एस., अग्रवाल, आर., शर्मा, एस., एवं कोटरू, एम. (2022)। ट्रांसफ्यूजन-डिपेंडेंट थैलेसीमिया में ओरल फोलिक एसिड सप्लीमेंट की इष्टतम खुराक: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, *जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल पीडियाट्रिक्स*, 68(6), एफएमसी087.

अग्रवाल, ए., झा, टी., गोगोई, पी., दिवाकर, पी., गोयल, ए., खान, एएम., एवं सक्सेना, एके (2022)। मध्यम से गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों में मृत्यु दर पर कॉन्वलसेंट प्लाज्मा थेरेपी का प्रभाव, ट्रांसफ्यूजन एंड एफेरेसिस साइंस, 61(6), 103455.

सिंह, एल., कुमारी, के., एवं शर्मा, एस. (2023)। वुल्वर डर्माटोज़-क्या एक पैटर्न-आधारित दृष्टिकोण नैदानिक उपज में सुधार कर सकता है**?** *जर्नल ऑफ क्यूटेनियस पैथोलॉजी*, 50(4), 364-370.

दीक्षित, एस., जैन, पी., जैन, एस., गुप्ता, आर., ग्रोवर, सी., एवं शर्मा, एस. (2023)। त्वचीय लाइकेन प्लेनस में रोग गतिविधि और क्रोनिकिटी का आकलन करने के लिए एक नवीन हिस्टोपैथोलॉजिकल स्कोरिंग प्रणाली का परिचय: एक प्रस्ताव, *जर्नल ऑफ क्यूटेनियस पैथोलॉजी*, 50(10), 922-928.

जैन पी, वाधवा एन, दिवाकर पी, जोशी एमके, मिश्रा के. (2023)। गैस्ट्रिक एडेनोकार्सिनोमा में प्रमुख ऑन्कोप्रोटीन अभिव्यक्ति में परिवर्तन-एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन, *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 19(एस1), एस355-60.

<u>शोध परियोजनाएं</u>

एमआरयू, आईसीएमआर, अप्रैल 2022 से 2024, बार-बार गर्भावस्था के नुकसान के इतिहास वाली प्रसवपूर्व महिलाओं में परिधीय रक्त टी नियामक कोशिकाएं और टीएच 1 और टीएच2 और टीएच17 प्रतिरक्षा परिवेश, 2 लाख रुपये।

<u>आयोजित सम्मेलन</u>

हेमटोकॉन 2022 में हेमेटोलॉजी क्विज़ के क्वालीफाइंग राउंड आयोजित किए गए, 01-06-2022.

<u>संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति</u>

सोनल एस. हिस्टोपैथोलॉजी विभाग, स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा 18 से 20 नवंबर, 2022 तक

डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (डीएसआई) का 25वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। नेल पेथोलॉजी।

सोनल एस. सीएमई "गर्भाशय और गर्भाशय ग्रीवा नियोप्लाज्म: विकसित अवधारणाएं और चुनौतियां।" एपीसीओएन 2022। एंडोकर्विकल एडेनोकार्सिनोमा - विकसित अवधारणाएं और नैदानिक चुनौतियां। बेंगलुरु 30 नवंबर-4 दिसंबर 2022.

कोटरू एम. ने 3-6 नवंबर 2022 तक आयोजित हेमेटोकॉन 2022 के लिए संकाय को 'एचपीएलसी क्रोमैटोग्राम व्याख्या' पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।

कोटरू एम. 3 मार्च 2023 को नेशनल हेमेटोलॉजी अपडेट **XII** में वक्ता - "डिजिटल मॉर्फोलॉजी बनाम माइक्रोस्कोपी पर बहस।"

दिवाकर पी. ने 4 से 7 नवंबर 2022 तक नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में आयोजित साइटोकॉन 2022 में "द पेरिस सिस्टम फॉर रिपोर्टिंग यूरिन साइटोलॉजी रिविजिटेड इन इंडियन सिनेरियो: ए पायलट स्टडी" शीर्षक वाला पोस्टर (पीपी105) प्रस्तुत किया।

दिवाकर पी. ने "इनवेसिव डक्टल कार्सिनोमा ब्रेस्ट में इम्यून चेकपॉइंट रेगुलेटर साइटोटॉक्सिक टी लिम्फोसाइट एंटीजन 4 (सीटीएलए-4) की अभिव्यक्ति" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया।

कोरियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल ऑन्कोलॉजी और 2022 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (केएसएमओ 2022) की 15वीं वार्षिक बैठक (वर्चुअली अटेंडेड) आयोजित की गई। सियोल, कोरिया, 1-2 सितंबर 2022।

नाकरा टी. ने हिस्टोपैथोलॉजी विभाग, स्नातकोत्तरआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा 18 से 20 नवंबर, 2022 तक आयोजित डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (डीएसआई) के 25वें वार्षिक सम्मेलन में 'सोरायसिस के विभिन्न फेनोटाइप में हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन और स्कोरिंग: एक क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

जैन पी. ने 19-20 नवंबर 2022 को स्नातकोत्तरआईएमईआर चंडीगढ़ में आयोजित 25वें वार्षिक सम्मेलन डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया में "त्वचीय लाइकेन प्लेनस की बुलस प्रस्तुति की जटिलताओं के माध्यम से नेविगेट करना" शीर्षक से एक मुक्त मौखिक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कुमारी के. ने साइटोकॉन 2022 में 'सेरेब्रोस्पाइनल हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस: स्टॉकिंग द डायग्नोसिस' शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया; जिसे 4-7 नवंबर 2022 तक उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में आयोजित किया गया था।

सिंह के. ने 31 जुलाई 2022 को एम्स, नई दिल्ली में डेपकॉन 2022 के 35वें वार्षिक सम्मेलन में 'मेसोनेफ्रिक अवशेषों के साथ गुर्दे की जन्मजात एकतरफा हाइपोप्लासिया: एक अत्यंत दुर्लभ केस रिपोर्ट' शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

स्नातकोत्तर छात्रों को हर वर्ष 15 दिनों के लिए ऑटोप्सी प्रशिक्षण के लिए आरएंडआर अस्पताल, दिल्ली भेजा जाता है।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र (आने वाले/जाने वाले)

ईएएफओ हेमेटोलॉजी फोरम के तत्वावधान में हेमेटोलॉजी में ऑब्जर्वरशिप के लिए 10-24 दिसंबर, 2022 तक रूस से एक छात्र आया था।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

हर वर्ष लगभग 15 स्नातकोत्तर छात्र एमडी पैथोलॉजी उत्तीर्ण करते हैं और सभी को वरिष्ठ रेजीडेंट्स या अन्य उपयुक्त नौकरियों (100% नियोजन) पर नियुक्त किया जाता है।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विभाग ने लगभग 200 रक्तदान शिविर आयोजित किए और इस वर्ष शिविरों के माध्यम से 5000 रक्तदान एकत्र किए, जिससे आसपास के अस्पतालों को रक्त उपलब्ध कराया गया।

कोविड और डेंगू के प्रकोप के दौरान चौबीसों घंटे विशेष सेवाएं प्रदान की गईं।

संकाय संख्या: 13

निदेशक प्रोफेसर-2, प्रोफेसर-3, सहायक प्रोफेसर-8

***

औषध-विज्ञान विभाग: यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइन्सेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

औषध-विज्ञान विभाग की स्थापना यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली के एक भाग के रूप में की गई थी, जिसकी स्थापना 1971 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक कॉलेज के रूप में की गई थी। विभाग के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र तनाव, दर्द और ऐंठन विकार के न्यूरो-फार्माकोलॉजी हैं; जिनमें नशीली दवाओं के दुरुपयोग, ओपिओइड और स्वदेशी दवा फार्माकोलॉजी और क्लिनिकल फार्माकोलॉजी के न्यूरोबिहेवियरल पहलू भी शामिल हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

नैदानिक और प्रायोगिक औषध-विज्ञान में नवीन शिक्षण और अधिगम के क्रियाकलाप संचालित किए गए। एमबीबीएस छात्रों के बीच समस्या आधारित शिक्षा और प्रिस्क्राइबिंग कौशल विकसित करने पर जोर दिया गया। निर्धारित दवाओं के इष्टतम उपयोग के लिए एमबीबीएस छात्रों के संचार कौशल में सुधार लाने के

उद्देश्य से भूमिका निभाने के लिए नैदानिक परिदृश्य प्रदान किए गए। उच्च रक्तचाप, एनजाइना, मधुमेह मेलिटस, टाइफाइड, मलेरिया, तपेदिक आदि जैसी सामान्य बीमारियों के उपचार को समझने के लिए छोटे समूह में चर्चाएं आयोजित की गईं। संचार और बायोएथिक्स के बुनियादी सिद्धांतों पर एईटीकॉम सत्र स्वास्थ्य देखभाल निर्णय लेने में रोगी की स्वायत्तता के विशेष संदर्भ में डिजाइन किए गए थे।

प्रकाशन

गुप्ता, आर., घोष, आर., भाटिया, एम.एस., त्रिपाठी, ए.के., गुप्ता, एल.के. (2023)। प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार के रोगियों में मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक और ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्कर पर मिल्नासीप्रान का प्रभाव, *एक्टा न्यूरोबायोल एक्सप.*, 83(5), 57-62.

गुलफिशां, एस., हलदर, एस., कर, आर., श्रीवास्तव, एस., गुप्ता, आर. (2022)। प्रमुख अवसादग्रस्त विकारों वाले नव निदान रोगियों में एंटीडिप्रेसेंट दवाओं सेराट्रलाइन और मर्टाजापाइन की प्रभावकारिता के साथ सेरोटोनिनट्रांसपोर्टर जीन पॉलीमॉर्फिज्म का एसोसिएशन, *हम साइकोफार्माकोल*, 37(4), ई2833.

कुमार, एच., गुप्ता, आर. (2022)। उच्च जोखिम वाले न्यूरोब्लास्टोमा के उपचार में एक उभरते चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में एंटी-डिसियालोगैंग्लियोसाइड-2 मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज, *क्यूर फार्माकोल रेप.*, 8(5), 112-120.

गर्ग, वाई., कुमार, के., कुमार, ए., गुप्ता, ए., अग्निहोत्री, डी., कुमार, एस. (2023)। तृतीयक देखभाल केंद्र में मरीजों में स्व-दवा प्रथाओं की व्यापकता और पैटर्न: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन, *इंट जे टॉक्स फार्म रेस*, 13(1), 21-37.

गर्ग, वाई., कुमार, के., कुमार, ए. (2022)। शिक्षण अस्पताल में हृदय रोग में दवा उपयोग पैटर्न, *जे कार्डियो डिस रेस.*, 13(8), 882-886.

गौतम, एस. आर., जैन, एस., राणा, पी., बनर्जी, बी., कुमारी, पी. (2022)। चूहों में डिपेंटाइलफ़ेथलेट (डीपीईपी) प्रेरित संज्ञानात्मक शिथिलता और मस्तिष्क ऑक्सीडेटिव तनाव पर एन-एसिटाइलसिस्टीन का सुरक्षात्मक प्रभाव, *फार्मबायो मेड रेस.,*8(3), 179-188.

ग्रोवर, एस., जैन, एस. (2023)।नॉट्रोपिक एजेंटों की स्क्रीनिंग के लिए पशुमॉडल में वर्तमान रुझान: एसिस्टमेटिक रिव्यू, *क्यूररेवक्लिन एक्सपी फार्माकोल*, 18(3), 255-69.

ग्रोवर, एस., जैन, एस.. (2022)।एडुकानुमाब: अल्जाइमर रोग के लिए पहले अनुमोदित अमाइलॉइड-लक्षित एंटीबॉडी की समीक्षा, *ड्रगथेर पर्सपेक्ट.*, 38(10), 443-454.

गुप्ता आर, अरोकिया राज एन, भाटिया एम एस. (2022)। चिंता विकारों के उपचार के लिए एटिफ़ॉक्सिन, *डेलसाइक जे*, 25(2), 282-285.

हलदरएस, करआर, चक्रवर्ती एस, भट्टाचार्य एसके, बनर्जी बीडी.. (2022)।चूहों के मस्तिष्क के ऊतकों में कैडमियम के स्तर का एक तुलनात्मक अध्ययन, जो उनके प्रसवकालीन अवधि के दौरान दो पीढ़ियों से अधिक समय तक संपर्क में रहने के बाद देखा गया: क्वेरसेटिन द्वारा मॉड्यूलेशन, *जे बायोमेड रेस एनवायरन*, 3(4), 327-331.

संकाय संख्या: 7

***

औषध-विज्ञान विभाग: एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

औषध-विज्ञान विभाग की स्थापना **1959** में हुई थी और यह मेडिकल (एमबीबीएस), डेंटल (बीडीएस), और बी.एससी नर्सिंग छात्रों सहित स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा के साथ-साथ प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के उत्तरदायित्व में शामिल रहा है। विभाग दवाओं के तर्कसंगत उपयोग पर डॉक्टरों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करता है। शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अलावा, विभाग फार्माकोविजिलेंस के माध्यम से नैदानिक देखभाल में सक्रिय भूमिका निभाता है, जिससे दवाओं का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

औषध-विज्ञान विभाग ने एमबीबीएस, स्नातकोत्तर, डेंटल (बीडीएस), और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए विविध शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित किए, जिसमें दो एक महीने की वैकल्पिक पोस्टिंग की विशेषता वाले एक संशोधित एमबीबीएस पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई। सतत मूल्यांकन पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता सुनिश्चित करता है। डॉक्टरों और नर्सों को सुरक्षित दवा के उपयोग के बारे में शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। नर्सों के लिए तीसरे सीएनई सीएमई में 104 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया, जबकि डॉक्टरों के लिए 9वें सीएमई में रोगी सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं पर एक कार्यशाला में दिल्ली सरकार के अस्पतालों के 50 चिकित्सकों को शामिल किया गया।

सामुदायिक संपर्क प्रयासों में, विभाग ने दवा सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए सामुदायिक चिकित्सा विभाग के साथ सहयोग किया, परस्पर परिचर्चा, पोस्टर और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से 2240 व्यक्तियों तक पहुंच बनाई। इसके अलावा, प्रथम राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह में 700 प्रतिभागी शामिल हुए, जिससे दवा सुरक्षा जागरूकता में काफी वृद्धि हुई। भारत के राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत प्रतिकूल

दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त, विभाग ने 4057 मामले दर्ज किए।

सम्मान/गौरव

डॉ. वंदना रॉय को डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर 31 जुलाई 2022 को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, दक्षिण दिल्ली शाखा द्वारा चिकित्सक रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. वंदना रॉय को क्लासिक (संगीत, नृत्य और संस्कृति को बढ़ावा देने वाला एनजीओ), अगरतला, त्रिपुरा से दिसंबर 2023 में स्क्रॉल ऑफ ऑनर प्राप्त हुआ।

डॉ. वंदना रॉय को सोसाइटी ऑफ फार्माकोविजिलेंस ऑफ इंडिया का उपाध्यक्ष चुना गया।

प्रकाशन

आनंद, ए., कादियान, टी., शेट्टी, एम.के., गुप्ता, ए. (2022)। हृदय संबंधी विकारों के ईसीजी डेटा के लिए व्याख्या करने योग्य एआई निर्णय मॉडल, *बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग एंड कंट्रोल*, 10(75), 103584, 25.

अग्रवाल, ए., चौहान, ए., शेट्टी, एम.के., गुप्ता, एम. गुप्ता, ए. (2022)। ईसीजी-आईकोविडनेट: पोस्ट-कोविड विषयों के ईसीजी संकेतों में परिवर्तनों की पहचान करने के लिए व्याख्या योग्य एआई मॉडल, *कंप्यूटर्स इन बाइलॉजी एण्ड मेडिसन*, 1(146), 105540.

चंदेल, एस., राय, जी., तायल, वी., राय, एन., सिंघल, एस., शर्मा, पी. (2022)। बुनियादी क्लिनिकल मापदंडों का उपयोग करके कोविड-19 रोगियों के तेजी से परीक्षण के लिए एक प्रस्तावित स्कोरिंग प्रणाली: सरल क्लिनिकल पैरामीटर (एससीआईपी) स्कोर, *पर्सपेक्टिव इन मेडिकल रिसर्च,* 1(10), 54-57.

गहलोत, आर., कुमार, एस., गर्ग, एस., चावला, एस., कालरा, बी.एस. (2023)। डायबिटिक डिस्लिपिडेमिया के उपचार में सारोग्लिटाज़र और फेनोफाइब्रेट की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक प्रायोगिक अध्ययन, *इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी*, 1(67), 15-2.

माहेश्वरी, एन., रॉय, वी. (2022)। कोरोनावायरस रोग-19 के लिए रामबाण औषधि की खोज में: भारत में कोरोनावायरस रोग-19 महामारी के प्रबंधन के लिए चल रहे नैदानिक परीक्षणों का विश्लेषण, *इंडियन जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी*, 1(54), 258.

माहेश्वरी, एन., तायल वी. (2022)। सेंट्रल रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन सिस्टम इनहिबिटर का ओवल क्लास: फ़िरिबैस्टैट।, *पर्सपेक्टिव इन मेडिकल रिसर्च,* 1(10), 3-7.

शेट्टी, एम.के., कुणाल, एस., गिरीश, एम.पी., क़मर, ए., अरोड़ा, एस., हैंड्रिकसन, एम., एट अल। (2022)। एसटी-एलिवेशन मायोकार्डिअल इन्फ्रक्शन के बाद जोखिम पूर्वानुमान के लिए मशीन लर्निंग आधारित मॉडल:

उत्तर भारत एसटी एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन (एनओआरआईइन-एसटीईएमआई**)** रजिस्ट्री से अंतर्दृष्टि, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी*, 1(362), 6-13.

रॉय, वी., तायल वी., हक, आई., अहमद, जे., वर्मा, के., सिंह, वी. (2022)। मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पतालों में फार्माकोविजिलेंस गतिविधियाँ: रोगी सुरक्षा की ओर एक कदम, *एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज,*1(9), 64.

शाह, बी., कुणाल, एस., बंसल, ए., जैन, जे., पौंड्रिक, एस., शेट्टी, एम.के. और अन्य। (2022)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए पोस्ट-कोविड-19 सिंड्रोम में कार्डियोवस्कुलर डिसऑटोनोमिया के एक मार्कर के रूप में हृदय गति परिवर्तनशीलता, *इंडियन पेसिंग और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी जर्नल,*2(22), 70-76,

सिंघल, एस., बंसल, एस., नेगी, ए., कालरा, बी.एस., गुप्ता, एल., गर्ग, एस., सुराल, एस., कपूर, एस., चावला, एस. (2022)। समर्पित कोविड तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोनावायरस-2 (सायर्स कोव-2) रोगियों के उपचार में दवा उपयोग पैटर्न: एक अवलोकन अध्ययन, *एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज*, 3(8), 218.

शोध परियोजनाएं

एमएएमसी, 2022, एलएन अस्पताल के डॉट्स क्लिनिक में तपेदिक के नव निदान रोगियों में सह-रुग्ण अवसाद का मूल्यांकन करने के लिए, 5 लाख रुपये।

एमएएमसी, 2022, चूहे के मॉडल में एल्युमीनियम क्लोराइड से प्रेरित अल्जाइमर रोग में जिंजिबर ऑफिसिनेल (अदरक) के न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव का अध्ययन करने के लिए, 3 लाख रुपये।

एमएएमसी, 2022, टाइप 2 मधुमेह वाले रोगियों में अवसाद के लिए चयनित बायोमार्कर का मूल्यांकन।

एमएएमसी, 2022, चूहों में रासायनिक रूप से प्रेरित कोलन कैंसर पर अजाडिराक्टा इंडिका पत्ती के अर्क के सुरक्षात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, 3 लाख रुपये।

एमएएमसी, 2022, सीओवीआईडी 19 के रोगियों के परिणामों पर सहवर्ती दवा के सेवन का प्रभाव: नई दिल्ली के तृतीयक देखभाल अस्पताल में मृत्यु दर और आईसीयू प्रवेश की भविष्यवाणी करने के लिए जोखिम स्कोरिंग विधि।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं की उपलब्धता, तर्कसंगत और सुरक्षित उपयोग में सुधार पर कार्यशाला, 28-03-2023, एमएएमसी।

रोगी सुरक्षा नर्सों के लिए फार्मा को विजिलेंस पर तीसरी सीएनई कार्यशाला, **21-09-2022**, एमएएमसी।

डॉक्टरों के लिए 'रोगी सुरक्षा के लिए फार्माकोविजिलेंस' पर नौवीं कार्यशाला, **23-09-2022**, एमएएमसी।

राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह-**17** सितंबर से **26** सितंबर **2022**, **17-09-2022**, एमएएमसी और पीवीपीआई।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. वंदना रॉय को श्रेष्ठ नैदानिक प्रथाओं पर आयोजित कार्यशाला में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया जिसका आयोजन फार्माकोलॉजी विभाग, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा 1-2 दिसंबर 2022 को किया गया था।

डॉ. वंदना रॉय ने 'रोगाणुरोधी प्रबंधन: रोगाणुरोधी को बचाने की दिशा में एक मार्ग का संचालन' विषय पर एक विशिष्ट अतिथि व्याख्यान दिया जिसका आयोजन हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (हिमसार), जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा 23 नवंबर 2022 को किया गया था।

डॉ. वंदना रॉय सोसायटी फॉर फार्माकोविजिलेंस ऑफ इंडिया द्वारा 17-18 सितंबर 2022 को दवाओं की सुरक्षा के लिए फार्माकोविजिलेंस पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष थीं।

डॉ. मनु कुमार ने इंफोसिस सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईआईआईटी-दिल्ली द्वारा 6 से 10 जून 2022 तक आयोजित "हेल्थकेयर में एआई" कार्यशाला में भाग लिया और एक व्याख्यान (फार्माकोविजिलेंस के लिए एआई) दिया।

डॉ. मनु कुमार ने 23 नवंबर, 2022 को एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 48वें एसीबीआई सम्मेलन और कार्यशाला "एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्च" में भाग लिया और एक व्याख्यान (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जीवन-चक्र) दिया।

डॉ. वंदना रॉय 28 जुलाई 2022 को भारत सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन और राजस्थान राज्य स्वास्थ्य कृषि एवं प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेक्टर रोग नियंत्रण कार्यक्रम नामक संगोष्ठी में अध्यक्ष थीं।

डॉ. निकेत राय ने फार्माकोलॉजी विभाग, गडग इंस्टीट्यूट द्वारा 'मधुमेह मेलेटस के लिए वर्तमान चिकित्सीय दृष्टिकोण - एक व्यापक अपडेट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सीएमई (ऑनलाइन) में में भाग लिया और एक व्याख्यान दिया (**'मधुमेह का भविष्य - क्या हम इलाज के करीब हैं?')** जिसका आयोजन चिकित्सा विज्ञान, कर्नाटक, भारत द्वारा 9 जून, 2022 को किया गया था।

संकाय संख्या: 12

***

शरीर-विज्ञान विभाग : एलएचएमसी (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

शरीर-विज्ञान विभाग स्नातक (एमबीबीएस) और स्नातकोत्तर (एमडी) शरीर-विज्ञान के शिक्षण में शामिल है। विभाग कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एलएचएमसी और एसोसिएटेड हॉस्पिटल्स से बीएससी नर्सिंग करने वाले छात्रों और एलएचएमसी और एसोसिएटेड हॉस्पिटल्स द्वारा संचालित पोस्ट ट्रॉमा ट्रेनिंग कोर्स (पीटीटी) के अध्ययन में भी शामिल है। विभाग ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आयुष विभाग, सीसीआरवाईएन के सहयोग से योग और प्राकृतिक चिकित्सा ओपीडी और लाइफस्टाइल इंटरवेंशन सेंटर की स्थापना की है। विभाग के पास पल्मोनरी, ऑटोनोमिक, न्यूरोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला है और रोगी देखभाल के लिए अपेक्षित सेवाएं प्रदान करती है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

विभाग ने 20 और 22 सितंबर, 2022 को दूसरे ऑनलाइन अखिल भारतीय शरीर-विज्ञान महोत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन किया है जिसमें **45** मेडिकल कॉलेजों ने भाग लिया।

विभाग ने 27 अक्तूबर से 4 नवंबर 2022 तक पूरे भारत से 50 प्रतिभागी टीमों के साथ ऑनलाइन मोड के माध्यम से अखिल भारतीय स्तर पर **7**वीं इंटरकॉलेजिएट अंडरग्रेजुएट फिजियोलॉजी क्विज़ प्रतियोगिता भी आयोजित की।

प्रकाशन

जंगपांगी, डी., मंडल, एस., बंधु, आर., कटारिया, डी., भट्टाचार्जी, जे. (2022)। अवसाद के रोगियों में हृदय गति परिवर्तनशीलता और सूजन मार्करों का सहसंबंध: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन, *जेसीडीआर*, 16(8), 8-11.

सरोहा, आर., बंधु, आर., मंडल, एस., कटारिया, डी., मंडल, एस. (2022)। ध्यान आभाव सक्रियता विकार से पीड़ित बच्चे में श्रवण घटना संबंधी संभावनाओं की पी300 तरंग, *एससी रेस के इंट जे,* 11(7), 68-70.

सरोहा, आर., बंधु, आर., मोंगा, एम., मंडल, एस., कटारिया, डी., मंडल, एस. (2022)। बच्चे में बेमेल नकारात्मकता, ध्यान आभाव सक्रियता विकार का निदान, *ऐप रेस का आई जे*, 12(7), 21-23.

कपूर, एस., सलूजा, ए., मार्गेकर, एस.एल., अग्रवाल, एम., मंडल, एस., धमीजा, आर.के. (2023)। पार्किंसंस रोग के रोगियों में न्यूरोजेनिक सुपाइन उच्च रक्तचाप और कार्डियोवैस्कुलर ऑटोनोमिक डिसफंक्शन, *एन इंडियन एकेड न्यूरोल*, 26(1), 33-38.

शोध परियोजनाएं

2022, इडियोपैथिक पार्किंसंस रोग के रोगियों में कार्डियोवस्कुलर ऑटोनोमिक डिसफंक्शन (सीएडी) का अध्ययन।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. राघवेंद्र राव, सीसीआरवाईएन निदेशक, 'कैंसर के लक्षण प्रबंधन में योग की भूमिका', अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 16-06-2022.

डॉ. रीमा दादा, प्रोफेसर, एम्स, "जटिल रोगों में योग की भूमिका", अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 20-06-2022.

आयोजन अध्यक्ष: डॉ. सुनीता मंडल, आयोजन सचिव: डॉ. अनीता पवार और डॉ. मधुलिका मोंगा, "दूसरा अखिल भारतीय ऑनलाइन फिजियोलॉजी महोत्सव", फिजियोलॉजी में भौतिकी, 22-09-2022.

आयोजन अध्यक्ष: डॉ. सुनीता मंडल, आयोजन सचिव: डॉ. अनीता पवार और डॉ. मधुलिका मोंगा, ऑनलाइन मोड पर अखिल भारतीय स्तर पर 7वीं इंटरकॉलेजिएट फिजियोलॉजी अंडरग्रेजुएट क्विज, फिजियोलॉजी, 04-11-2022.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

शरीर-विज्ञान और फार्माकोलॉजी विभाग, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, फरीदाबाद द्वारा एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया एपिकोन 2021-22 (13 से 16 अप्रैल 2022) का 67वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। डॉ. सुनीता मंडल, डॉ. राजीव बंधु, चेयरपर्सन डॉ. सुजाता गौतम, डॉ. मैरी विभा लाकड़ा, निःशुल्क शोध-पत्र और पोस्टर प्रस्तुति के लिए निर्णायक, डॉ. मधुलिका मोंगा, डॉ. पुनीत कुमार, प्रतिनिधि।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, राजकोट, गुजरात में "नींद-स्वास्थ्य की बुनियाद" पर वेबिनार 19 अप्रैल 2022 को आयोजित किया गया। डॉ. सुजाता गौतम डॉ. पुनीत कुमार प्रतिनिधि।

एडवांस्ड सेंटर फॉर योग थेरेपी एजुकेशन एंड रिसर्च (एसीवाईटीईआर) शरीर-विज्ञान विभाग, जिपमर, पुडुचेरी द्वारा योग पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन 21 जून 2022 को "उत्तम स्वास्थ्य के लिए योग" शीर्षक से किया गया। डॉ. मधुलिका मोंगा प्रतिनिधि।

29 सितंबर 2022 को शरीर-विज्ञान विभाग, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, सनथनगर, हैदराबाद द्वारा आयोजित "फिजियोलॉजिकल फंडामेंटल्स ऑफ इवोक्ड पोटेंशियल्स" शीर्षक से सीएमई। डॉ. मधुलिका मोंगा डॉ. टी के किशोर डॉ. पुनीत कुमार प्रतिनिधि।

29 अप्रैल, 2022 को सीएमसीएल एफएआईएमईआर, क्षेत्रीय संस्थान, लुधियाना द्वारा एल्सेवियर डॉ. संदीप सिंह चौहान प्रतिनिधि के सहयोग से "प्रीक्लिनिकल वर्षों में केस आधारित शिक्षा" पर संकाय विकास कार्यशाला आयोजित की गई।

एम्स, नई दिल्ली और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग द्वारा 22 अगस्त से 27 अगस्त 2022 तक प्रकाशमय ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डॉ. पंकज केशरी प्रतिनिधि।

14 से 16 अक्तूबर 2022 तक इंडियन सोसाइटी फॉर स्लीप रिसर्च द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय नींद प्रौद्योगिकी कार्यशाला और राष्ट्रीय नींद चिकित्सा पाठ्यक्रम 2022" पर एक कार्यशाला में भाग लिया, डॉ. सुनीता मंडल, डॉ. सुजाता गौतम, डॉ. मैरी विभा लाकड़ा, डॉ. पंकज कुमार केशरी प्रतिनिधि।

7 नवंबर 2022 को "अच्छी नैदानिक प्रथाओं और अनुसंधान नैतिकता" पर कार्यशाला। डॉ. सुनीता मंडल, डॉ. अनीता पवार, डॉ. मधुलिका मोंगा प्रतिनिधि।

10 नवंबर 2022 को स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च शारदा यूनिवर्सिटी में "इलेक्ट्रोनूरोग्राफी" पर सीएमई और कार्यशाला आयोजित की गई, डॉ. मधुलिका मोंगा विशेषज्ञ वक्ता।

बेसिक लाइफ-सपोर्ट (बीएलएस) प्रशिक्षण 10 मार्च और 20 मार्च 2023 को एलएचएमसी, नई दिल्ली में डॉ. राजीव बंधु, डॉ. सुजाता गौतम, डॉ. अनीता पवार, डॉ. मधुलिका मोंगा, डॉ. मैरी विभा लाकड़ा, डॉ. धर्मेंद्र बसु, डॉ. पंकज कुमार केशरी, प्रतिभागी।

संकाय संख्या: 13

***

शरीर-विज्ञान विभाग: एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

शरीर-विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1959 में देश के सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में से एक अर्थात मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के आधार स्तंभों में से एक के रूप में की गई थी। शरीर-विज्ञान विभाग शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यों से संबंधित है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

अच्छी आदत अभियान 8 फरवरी 2023 को शरीर-विज्ञान विभाग और जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एसोसिएशन, जेआईसीए, जापान सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

प्रकाशन

महाजन, ए.एस., रखेजा, जी., कौशिक, एस., अरोड़ा, पी., चितकारा, ए., वर्मा, आर. (2022)। योग्यता आधारित शरीर-विज्ञान शिक्षा में क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर एकीकरण के साथ अनुभव। एमएएमसी जे मेड एस, एमएएमसी जे मेड साइंस., 8(*एमएएमसी जे मेड साइंस.* 2022 8:85- 91.), 85- 91.

चेलानी, जी., महाजन, ए.एस. (2022)। डंडी रेडी एजुकेशन एनवायरनमेंट मेज़रका उपयोग करके योग्यता आधारित और पारंपरिक शैक्षिक वातावरण का मेडिकल छात्र का मूल्यांकन। *रेस देव मेड एडुक*, 6(11), 10-

34.

जैन, पी. (2022)। न्यूट्रीजेनोमिक्स-व्यक्तिगत पोषण का भविष्य - "क्या पोषण को किसी के जीन के अनुरूप बनाया जा सकता है**?**, *इंड जे क्लिन बायोकेम*, 1(37), 32-33.

जैन, पी., जैन, पी. (2023)। स्नातक मेडिकल छात्रों में मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के भविष्यवक्ता के रूप में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की विशेषता: एक पदानुक्रमित एकाधिक प्रतिगमन दृष्टिकोण। *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल*, 21(67), 8, 1.

लापेलुसा, ए., कौशिक, आर. (2022)। फिजियोलॉजी, प्रोटीन, *स्टेटपर्ल्स [इंटरनेट]/ट्रेजर आइलैंड* (एफएल**)**, 1.

बर्धन, एम., कौशिक, आर. (2023)। फिजियोलॉजी, कॉम्प्लीमेंट कैस्केड, स्टेटपर्ल्स [इंटरनेट]। ट्रेजर आइलैंड (एफएल**)**, 1.

सिंह, एस.के., जैन, पी. (2023)। धूम्रपान की इच्छा, मनोदशा और शारीरिक निकासी के लक्षणों पर मध्यम व्यायाम का तीव्र प्रभाव: अस्थायी धूम्रपान संयम के साथ और बिना धूम्रपान करने वालों में एक तुलनात्मक अध्ययन, *एमएएमसी जे मेड साइंस*, 9(1), 131-138.

शोध परियोजनाएं

2022-23, मासिक धर्म चक्र के विभिन्न चरणों के दौरान मनोदशा और अनुभूति की गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए: युवा महिलाओं पर किया गया एक अवलोकन अध्ययन, 0.

2019-2022, एस्ट्रा - दक्षिण एशिया में धुआं रहित तंबाकू और भवन अनुसंधान क्षमता को संबोधित करना, 0.

2021-23, स्नातक चिकित्सा छात्रों में मानसिक तनाव के लिए हृदय गति परिवर्तनशीलता (एचआरवी) और हृदय प्रतिक्रियाशीलता (सीवीआर) पर माइंडफुलनेस मेडिटेशन के एकल मुकाबले का प्रभाव, 0.

2021-23, पार्किंसंस रोग के 6-हाइड्रॉक्सीडोपामाइन प्रेरित चूहा मॉडल में वैनिलिन और मिनोसाइक्लिन के न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव, 0.

2021-23, टाइप **II** डायबिटीज मेलिटस के रोगियों में हृदय, एड्रेनोकोर्टिकल और हृदय गति परिवर्तनशीलता (एचआरवी) प्रतिक्रियाशीलता पर तीव्र मनोवैज्ञानिक तनाव का प्रभाव, 0.

<u>आयोजित संगोष्ठीयाँ</u>

जेनेसिस, जापान के प्रतिनिधि, जेनेसिस जापान, अच्छी आदत अभियान, अच्छी आदतें, 08-02-2023.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. प्रीति जैन ने 14 से 16 अप्रैल, 2022 तक ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, फरीदाबाद में आयोजित एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के 67वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. प्रीति जैन ने 24 से 26 नवंबर 2022 तक आईसीएआर कन्वेंशन सेंटर, पूसा रोड, दिल्ली में आयोजित की गए एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया के 48वें राष्ट्रीय सम्मेलन एसीबीआईसीओएन 2022 के दौरान न्यूट्रीजेनोमिक्स-व्यक्तिगत पोषण का भविष्य पर संचालित संगोष्ठी में "क्या पोषण को किसी के जीन के अनुरूप बनाया जा सकता है**?"**विषय पर एक संकाय के रूप में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. रवि कौशिक ने 28 अप्रैल, 2022 को चिकित्सा शिक्षा विभाग, एमएएमसी में चौथी एथिक्स कमेटी प्रशिक्षण कार्यशाला में "नैदानिक अनुसंधान के लिए विशिष्ट विनियमन और दिशानिर्देश" पर एक आमंत्रित व्याख्यान (प्रशिक्षण) दिया।

डॉ. रवि कौशिक ने मार्च 2023 में जेनेसिस (सार्क)-जापान की ऑनलाइन बैठक में गैर-संचारी रोगों पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. रवि कौशिक ने 8 फरवरी 2023 को बाल रोग विभाग, एमएएमसी द्वारा आयोजित कार्यशाला "अनुसंधान के तरीके और सांख्यिकी: मूल बातें और परे" में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. आरती सूद महाजन - 27-सितंबर-2022 को एनएएमएस, नई दिल्ली में फिजियोलॉजी विजन 2047 में स्नातकोत्तर के लिए योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा के भविष्य को आकार देना विषय पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ता। शीर्षक-चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी भारत के प्रशिक्षित फिजियोलॉजिस्ट की मुख्य दक्षताओं में से एक है।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

डॉ. दयाराम हलद्वानी ने पीएसएम विभाग द्वारा सत्र जुलाई-अक्तूबर 2022 के लिए “डेंगू निगरानी एवं नियंत्रण उपाय” विषय पर आयोजित कार्यक्रम मे नोडल अधिकारी के रूप में भाग लिया।

डॉ. रवि कौशिक ने नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ)-एमएएमसी यूनिट के सचिव के रूप में कॉलेज के निवासियों और स्नातक छात्रों के साथ एमएएमसी के पास झुग्गी बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर और शैक्षिक अभियान चलाया।

संकाय संख्या: 11

***

शरीर-विज्ञान विभाग : यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण और उपलब्धियां

विभाग एक समृद्ध विरासत को आगे बढ़ा रहा है क्योंकि इसके पहले विभागीय अध्यक्ष प्रसिद्ध फिजियोलॉजिस्ट पद्म विभूषण डॉ. औतार सिंह पेंटल थे, जो संस्थान के प्रथम प्राचार्य भी थे। वह रॉयल सोसाइटी, लंदन के फेलो बनने वाले पहले भारतीय फिजियोलॉजिस्ट थे, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक थे और उन्होंने सोसाइटी ऑफ साइंटिफिक वैल्यूज़ की स्थापना की थी।

विभाग कार्डियोवास्कुलर, रेस्पिरेटरी, न्यूरोफिज़ियोलॉजी, क्लिनिकल इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी सहित इवोक्ड पोटेंशियल, योग अनुसंधान, अकादमिक चिकित्सा, क्लिनिकल चिकित्सा नैतिकता और स्वास्थ्य मानविकी के क्षेत्रों में आधारभूत और व्यावहारिक अनुसंधान में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विभाग द्वारा स्वास्थ्य व्यवसायों की शिक्षा में अनेक नवाचार पेश किए गए हैं, जिनमें वर्चुअल पेशेंट्स, ट्रिगर फिल्म्स, मूडल आधारित मिश्रित शिक्षा, समस्या-आधारित शिक्षा, उद्देश्यपूर्ण संरचित व्यावहारिक परीक्षा, स्वास्थ्य मानविकी, विकलांगता दक्षताएं और शिक्षण पद्धति में शरीर-विज्ञान नैतिकता शामिल हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. फराह खालिक ने फेमेर फेलोशिप का पहला वर्ष पूरा किया।

डॉ. सतेंद्र सिंह को डब्ल्यूएचओ द्वारा 25-27 अक्तूबर, 2022 को जिनेवा में डब्ल्यूएचओ व्हीलचेयर सेवा दिशानिर्देश विकास समूह की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. सतेंद्र सिंह को 01.07.22 को आईएमए रायबरेली द्वारा डॉक्टर्स डे समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और पुरस्कृत किया गया।

डॉ. सतेंद्र सिंह को शिक्षक दिवस 2022 पर डीएमए द्वारा प्रख्यात चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

गोयल, एस., खालिक, एफ., वेनी, एन. (2023)। ऑनलाइन शिक्षण के लिए एक मिश्रित दृष्टिकोण के रूप में ऑनलाइन शिक्षण प्रबंधन प्रणाली 'मूडल' का कार्यान्वयन, *इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी,*67(1), 64-72.

सिंह, एस., मीक्स, एल.एम. (2023)। चिकित्सा शिक्षा में विकलांगता समावेशन: गुणवत्ता सुधार दृष्टिकोण की ओर, *मेडिकल एजुकेशन*, 57(1), 102-7.

खालिक, एन., अहमद, एस.एफ., गिलानी, एस., खालिक, एफ. (2022)। कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण में परिवर्तन: भारत के उच्च शिक्षा शिक्षकों का परिप्रेक्ष्य, *इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी*, 67(2), 141-6.

रघुराम, एच., पारख, एस., चिदम्बरनाथन, एस., तुगनावत, डी., पिल्लई, वी., एट अल. (2023)। भारत में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव: एक खोजपूर्ण गुणात्मक अध्ययन से निष्कर्ष, *फ्रंटियर्स इन ग्लोबल विमेन हेल्थ*, 4.

फिलिप, एस., गंगवानी, एन., सिंह, एस.. (2022)। अवांछित और अवमूल्यन: बहिष्करण के प्रचारक समावेशन के दस्तावेजों से साहित्यिक चोरी करते हैं, *जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर*, 11(11), 6622-29.

गंगवानी, एन., सिंह, एस., खालिक, एफ. (2022)। प्रथम वर्ष के मेडिकल और नर्सिंग छात्रों को नैतिकता और व्यावसायिकता की मुख्य दक्षताओं को सिखाने के लिए ट्रिगर फिल्में, *एडवांसेज इन फिजियोलॉजी एजुकेशन*, 46(3), 491-97.

सेठी, ए., यादव, ए., शंकर, एन. (2022)। ऑटोमोबाइल उद्योग के बफ़िंग पॉलिशिंग श्रमिकों के बीच मूत्र मैलोन्डियलडिहाइड स्तर, स्वायत्त कार्यों और जीवन की गुणवत्ता पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव, *आईजेसीएचआर*, 5(3), 38-43.

सिंह, एस. (2022)। भारत में विकलांग व्यक्तियों के लिए विकलांगता-समावेशी वैक्सीन इक्विटी ढांचा: कार्रवाई का आह्वान, *रिसर्च एण्ड ह्यूमैनिटीज़ इन मेडिकल एजुकेशन,* 9, 10-18.

गोयल, एस., दीक्षित, ए., वेनी, एन., मधु, एस.वी. (2022)। लेवोथायरोक्सिन थेरेपी से पहले और बाद में नए निदान किए गए हाइपोथायराइड रोगियों में सूजन मार्करों का सीरम स्तर, *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च*, 16(9), 9-12.

विशाखा, गुप्ता, एम., सिंह, एस., अग्रवाल, ए. (2022)। सरल टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में सूजन संबंधी साइटोकिन मार्करों में 8 सप्ताह के योग का प्रभाव, *यूरोपियन जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर एंड क्लिनिकल मेडिसिन*, 9(6), 2623-30.

शोध परियोजनाएं

सबिन इंस्टीट्यूट, वाशिंगटन, यूएसए, 01.03.23-31.09.24, भारत में ट्रांसजेंडर, इंटरसेक्स और विकलांगता समुदायों के लिए डब्लयूएचओ बीएएएसडी फ्रेमवर्क और सर्वेक्षण टूल का विस्तार, **$**81,449.

आयोजित संगोष्ठीयाँ

डॉ. फराह खालिक, निदेशक प्रोफेसर, यूसीएमएस, दिल्ली, परिदृश्य आधारित एमसीक्यू का निर्धारण, परिदृश्य आधारित एमसीक्यू: निर्धारण और विश्लेषण (संकाय विकास कार्यशाला), 25-07-2023.

डॉ. अनुपिंदर थिंड, सहायक प्रोफेसर, जीएमसी पटियाला, परिदृश्य आधारित एमसीक्यू का विश्लेषण, परिदृश्य आधारित एमसीक्यू: फ्रेमिंग और विश्लेषण (संकाय विकास कार्यशाला), 25-07-2023.

पूजा प्रियंवदा, अकादमिक निदेशक, आईआईएमएम दिल्ली, 'विकलांगता दक्षताओं को सिखाने के लिए कविता का उपयोग', स्नातक प्रथम वर्ष के लिए विकलांगता दक्षताएं, 01-04-2022.

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 और विषय था "वसुदैव कुटुंबकम", 21-06-2023, आयुषविभाग।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. फराह खालिक ने 11 से 16 मई 2022 तक सीएमसीएल, लुधियाना में फेमेर कार्यशाला (ऑनसाइट सत्र) में भाग लिया।

डॉ. सतेंद्र सिंह 16.09.22 को मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन में 'कैंपस को विकलांगता को समावेशी बनाने' में वक्ता थीं।

डॉ. फराह खालिक 4 मार्च 2023 को यूसीएमएस में थीसिस प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला के लिए संसाधन संकाय थीं।

डॉ. सतेंद्र सिंह ने 31 अक्तूबर 2022 को 13वें एनसीएचपीई, हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, देहरादून में स्वास्थ्य देखभाल में एक सकारात्मक और प्रभावशाली उपकरण के रूप में कविता पर प्रीकांफ्रेंस कार्यशाला का आयोजन किया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

डॉ. सतेंद्र सिंह ने **25-27** अक्तूबर, **2022** को जिनेवा में डब्ल्यूएचओ व्हीलचेयर सेवा दिशानिर्देश विकास समूह की बैठक में भाग लिया।

डॉ. सतेंद्र सिंह वर्ष भर चली संगत भोपाल परियोजना में सहयोगी थे, जिसके "वॉयस फॉर वैक्सीन इक्विटी" के निष्कर्षों को **14** फरवरी, **2023** को दिल्ली में शिकागो विश्वविद्यालय केंद्र में प्रसारित किया गया था।

डॉ. सतेंद्र सिंह ने **02.02.2023** को डीसीपीसीआर कार्यक्रम में आईआईटी दिल्ली में पैनलिस्ट डॉ. रश्मि सिंह आईएएस, सुश्री गीता डांग, श्री प्रतीक माधव और श्री अमन अली के साथ पैनल चर्चा "सहायक

प्रौद्योगिकी के माध्यम से सभी के लिए पहुंच दायरा और चुनौतियां" का संचालन किया। डॉ. नोनीता गंगवानी ने उपरोक्त कार्यक्रम में भाग लिया और उनकी पेंटिंग्स गणमान्य व्यक्तियों को प्रदान की गईं।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

परिचर्चा कार्यक्रम पर संगत दिल्ली के साथ संपर्क,जिन्होंने 20.01.23 को मानसिक स्वास्थ्य पर प्रथम वर्ष के स्नातक छात्रों के साथ एक सत्र लिया।

25-26 सितंबर को आउटलाइव, संगत दिल्ली द्वारा स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों के लिए आत्महत्या रोकथाम जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

13 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की विकलांगता कोर ग्रुप की उद्घाटन बैठक में डॉ. सतेंद्र सिंह को कोर ग्रुप सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

संकाय संख्या: 07

***

शरीर-विज्ञान विभाग: **वीपीसीआई (वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट)**

विभाग का संक्षिप्त विवरण

विभाग की स्थापना 1964 में प्रोफेसर ए.एस. पेंटल द्वारा की गई थी जो भारतीय शरीर विज्ञानियों में अग्रणी थे। विभाग का उद्देश्य सामान्य रूप से आंत और विशेष रूप से हृदय और फेफड़ों का मौलिक और व्यावहारिक शारीरिक अनुसंधान करना, स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षित करना और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए नई प्रौद्योगिकी विकसित करना है। इन सभी शोध गतिविधियों के परिणामस्वरूप नेचर साइंस, जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल फिजियोलॉजी, रेस्पिरेशन फिजियोलॉजी जैसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में पत्र और लेख प्रकाशित की गए हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

विश्वनाथन चेस्ट हॉस्पिटल, वीपीसीआई में कार्डियो-पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन क्लिनिक ऐसे पुराने श्वसन रोगियों के रोग प्रबंधन में निरंतर कार्य कर रही है, जो इष्टतम औषधीय उपचार प्राप्त करने के बावजूद सांस की तकलीफ के कारण दैनिक जीवन की गतिविधियों में विकलांगता और व्यायाम की सीमा रखते हैं।

प्रकाशन

खत्री, आर., गुप्ता, आर., वत्स, पी., बंसल, वी. एट अल. (2023)। हाइपोक्सिक फुफ्फुसीय संवहनी प्रतिक्रिया

स्वस्थ आबादी में उपनैदानिक जीवनशैली रोग की जांच कर सकती है, *माइक्रोवास्कुलर रिसर्च,* 145 (जनवरी), 104454.

आयोजित सम्मेलन

प्लमोनरी पुनर्वास पर दूसरी कार्यशाला, 04-09-2022, वीपीसीआई.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर वी. बंसल ने तपेदिक और श्वसन रोग विभाग, एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगराद्वारा 27 फरवरी, 2023 को आयोजित तपेदिक और छाती रोगों के 77वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फुफ्फुसीय पुनर्वास में परिणाम मापदंडों के घटक और मूल्यांकन' पर कार्यशाला संचालित की।

प्रोफेसर वी. बंसल ने तपेदिक और श्वसन रोग विभाग, एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा द्वारा 27 फरवरी, 2023आयोजित तपेदिक और छाती रोगों के 77वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फुफ्फुसीय पुनर्वास में व्यायाम सलाह' पर व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर वी. बंसल ने नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (भारत) और इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) के तत्वाधान में आरएनटीमेडिकल कॉलेज, उदयपुर, राजस्थान में 10 नवंबर, 2022 को पल्मोनरी रोगों पर 24वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन 'नेपकॉन 2022' में 'फुफ्फुसीय पुनर्वास और धूम्रपान बंद करने पर व्यायाम सलाह' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. वी. बंसल को एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एंड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया के 67वें वार्षिक सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, और उन्होंने 14-16 अप्रैल, 2022 को फरीदाबाद में 'क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज के प्रबंधन में व्यायाम प्रशिक्षण की भूमिका' पर एक व्याख्यान दिया।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र (आने वाले/जाने वाले)

एमजीएम एलाइड हेल्थ साइंसेज इंस्टीट्यूट (एमएएचएसआई), इंदौर, एमपी के पांच अंतिम वर्ष के एमपीटी (कार्डियोथोरेसिक) छात्रों ने 1 से 31 मार्च, 2023 तक वीपीसीआई में 'पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' में भाग लिया।

संकाय संख्या: **1**

***

मनोरोग विभाग : एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

मनोरोग विभाग 1958 में स्थापित किया गया था, और अपनी स्थापना के बाद से ही यह मनोवैज्ञानिक विषयों और मानसिक रोग से जूझ रहे रोगियों को साक्ष्य-आधारित उपचार प्रदान कर रहा है। इस विभाग

को सामान्य और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों जैसे जिपमर, में अत्यंत महत्वपूर्ण मनोरोग सेवाएं प्रदान करने का श्रेय प्राप्त है। इसने हाल के दिनों में एलएनजेपी अस्पताल के कोविड-**19** रोगियों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (**10** अक्तूबर **2023)** के अवसर पर विभाग द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

<u>प्रकाशन</u>

बिस्वास, पी.एस. (2021)। 'अवसाद और मिर्गी स्पेक्ट्रम विकार वाले मरीजों में मात्रात्मक इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी और अवसाद की नैदानिक विशेषताओं के साथ इसका सहसंबंध', *ईस्टर्न एशियन आर्काइवस ऑफ साइकैट्री,*31(2), 43-46.

बिस्वास, पी.एस., कपूर, एम. (2021)। 'भारत में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों पर कोविड-19 महामारी के मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव का एक तुलनात्मक अध्ययन', *फ्यूचर मेडिसिन (माइक्रोबायोलॉजी),*16(16), 1267-76.

बिस्वास, पी.एस., कपूर, एम., गोयल, ए. (2020)। 'कोविड-19 रोगियों के परिणामों के साथ जनसांख्यिकीय, नैदानिक, प्रयोगशाला और रेडियोलॉजिकल विशेषताओं का एसोसिएशन: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण', *जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज*, 10(03), 121-135.

बिस्वास, पी.एस. (2020)। 'कोविड-19 के लिए हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और क्लोरोक्वीन: रोगी सुरक्षा विचारों के मनोवैज्ञानिक पहलू',*थेराप्यूटिक एडवाँसेस इन ड्रग सेफ्टी*, 11(1), 1-3.

बिस्वास, पी.एस. (2021)। "भारत में हेल्थकेयर वर्कर्स के बीच कोविड 19 से संबंधित बर्नआउट और ईसीजी आधारित प्रेडिक्टिव मशीन लर्निंग मॉडल: ब्रूसी-ली स्टडी से अंतर्दृष्टि", *इंडियन हार्ट जर्नल,*18(एस0019-4832), 221-222.

बिस्वास, पी.एस. (2022)। 'सार्स-कोव-2 के लिए थेरेपी के रूप में कॉन्वलसेंट प्लाज्मा की सुरक्षा और प्रभावकारिता: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण', *जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी*, 38(1), एस22-एस33.

बिस्वास, पी.एस. (2021)। 'कोविड-19 के उपचार में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण', *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी*, 39(2), 159-170.

जाखड़, जे., कपूर, एम., बिस्वास, पी.एस. (2023)। भारत में निम्न और मध्यम आय पृष्ठभूमि की प्रसवोत्तर महिलाओं पर कोविड-19 संक्रमण का मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव और प्रारंभिक माँ-शिशु संबंधों पर इसका प्रभाव: एक अवलोकन अध्ययन, साईकैट्रिक क्वार्टर्ली वॉल्यूम, 94(3), 385-398.

शोध परियोजनाएं

2020-2023, 'अस्पताल में देखभाल करने वाले रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों और कोविड -19

वार्ड में भर्ती स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों पर कोविड-19 संक्रमण के मनोवैज्ञानिक प्रभाव का एक अध्ययन' (जी एंड ओ विभाग, एमएएमसी के सहयोग से)।

2023-2025, 'सिज़ोफ्रेनिया, भ्रम संबंधी विकार, मानसिक उन्माद और मानसिक अवसाद के अनुवर्ती रोगियों के बीच भ्रम के समाधान पर एक तुलनात्मक अध्ययन'।

'कोविड-19 निमोनिया की तीव्र जटिलताओं की व्यापकता: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण'।

2021-2026, 'तृतीयक देखभाल सामान्य अस्पताल मनोचिकित्सा इकाई में मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम पर संशोधित इलेक्ट्रो-कन्वल्सिव (एमईसीटी) उपचार के प्रभाव का अध्ययन'।

2022-2023, 'पुरुष और महिला मनोरोग रोगियों में साइकोट्रोपिक के उपयोग का एक अध्ययन'।

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

35 विभागीय संगोष्ठीयाँ आयोजित की गईं।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

इग्नू-स्नातकोत्तर डीजीएम कोर्स के साथ।

अहिल्याबाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग (बीसीओएन), नई दिल्ली के साथ - बी.एससी. नर्सिंग।

सेंट स्टीफंस हॉस्पिटल कॉलेज ऑफ नर्सिंग-बी.एससी. नर्सिंग।

राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग - बी.एससी. नर्सिंग

इहबास- एमडी (मनोरोग) स्नातकोत्तर।

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत

100%

संकाय संख्या : 6

***

फेफड़ा-संबंधी चिकित्सा विभाग: वीपीसीआई (वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट की स्थापना स्वतंत्र भारत में चेस्ट मेडिसिन की विशेषज्ञता में प्रशिक्षित कर्मियों की कमी को दूर करने के लिए की गई थी, जिसमें फेफड़ा-संबंधी चिकित्सा विभाग प्रारंभिक मुख्य विभागों में से एक था। क्लिनिकल रिसर्च विभाग (अब इसका नाम बदलकर फेफड़ा-संबंधी चिकित्सा विभाग

कर दिया गया है) की शुरुआत 1956 के आसपास प्रो. आर. विश्वनाथन द्वारा की गई थी। अस्पताल एक तृतीयक रेफरल केंद्र के रूप में कार्य करता है और विशेष रूप से श्वसन रोगों के लिए विशेष नैदानिक और प्रयोगशाला निदान जांच की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। विभाग के प्रमुख घटकों में बाह्य रोगी विभाग, 128 बिस्तरों वाली 3 इकाइयों वाला आंतरिक रोगी विभाग, श्वसन गहन देखभाल इकाई, 24 घंटे श्वसन आपातकाल शामिल हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्वसन रोगों में एमएससी नामक एक नया पाठ्यक्रम 02 छात्रों के प्रारंभिक प्रवेश के साथ शुरू हुआ। अस्पताल विंग में, बाह्य रोगी विभाग ने 11,538 नए मरीज़ और 48,211 अनुवर्ती मरीज़ पंजीकृत किए। नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर (एनएबीएच) ने मई 2023 में अस्पताल को मान्यता प्रदान की।

सम्मान/विशिष्टियां

डॉ. राज कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (एनसीडी अनुभाग) द्वारा भारत में बच्चों में एनसीडी पर रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के सदस्य थे।

डॉ. राज कुमार को 04.09.2022 को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य मुद्दों पर जन जागरूकता की शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान, कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए प्रख्यात चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक पुरस्कार -2022 से सम्मानित किया गया।

डॉ. राज कुमार को 06.10.2022 को नेशनल बोर्ड फॉर क्वालिटी प्रमोशन क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा गुणवत्ता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण और समग्र योगदान के लिए क्यूसीआई क्वालिटी चैंपियन अवार्ड - 2021-22 प्राप्त हुआ।

डॉ. पारुल मृगपुरी को दिसंबर 2022 में इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी के 56वें वार्षिक सम्मेलन में वॉन-पिर्केट यंग साइंटिस्ट पुरस्कार मिला।

प्रकाशन

कुमार, आर., मृगपुरी, पी., दुबे, एस.एम. एट अल. (2022)। टेलीफ़ोनिक परामर्श के माध्यम से धूम्रपान बंद करने के लिए एक वर्ष की निरंतर संयम दर: भारतीय परिदृश्य, *मोनाल्दी आर्काइव्ज फॉर चेस्ट डिजीजेज़*, 93(2), 10.4081.

गोयल, एन., गोयल, एन., स्पालगाइस, एस., मृगपुरी, पी. एट अल. (2023)। प्रारंभिक कोविड-19 गंभीरता और लंबी-कोविड अभिव्यक्तियाँ: एक अवलोकन विश्लेषण , *थोरैक रेस प्रैक्टिस*, 24(1), 22-28.

स्पालगैस, एस., मृगपुरी, पी., कुलश्रेष्ठ, आर., गुप्ता, वी., कुमार, आर. (2022)। पल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा रुमेटीइड फेफड़े का अनुकरण करता है और 8 महीने तक निदान में देरी करता है, *इजिप्ट जे चेस्ट डिस ट्यूबर,* 71(1), 405-408.

कुलश्रेष्ठ, आर., नेगी, ए., भूटानी, आई., सक्सेना, एच., रानी, एम. एट अल. (2023)। फेफड़ों के कैंसर में ट्यूमर सेल फागोसाइटोसिस (नरभक्षण): ट्यूमर प्रतिरक्षा से बचने और पूर्वानुमान के लिए संभावित बायोमार्कर, *एम जे ट्रांसल रेस,* 3(15), 1935-40.

कुमार, आर., मृगपुरी, पी., सरीन, आर., एट अल. (2023)। वायु प्रदूषण और दिल्ली, भारत में तृतीयक श्वसन देखभाल केंद्रों में आपातकालीन कक्ष के दौरे पर इसका प्रभाव। , *छाती रोगों के लिए मोनाल्डी अभिलेखागार, ऑनलाइन अहेड ऑफ़ प्रिंट* (2023), डीओआई: 10.4081/मोनाल्दी2023.2511.

कुमार, आर., कुमार, डी., कुमार, एम., मावी, ए.के., मृगपुरी, पी., सिंह, के. (2022)। उत्तरी दिल्ली क्षेत्र में श्वसन संबंधी बीमारियों के लिए अस्पताल जाने पर पराग गणना और वायु प्रदूषण का प्रभाव, *इंडियन जे चेस्ट डिस एलाइड साइंस,* 64(1), 13-18.

मृगपुरी, पी., मेनन, बी., स्पालगैस, एस., कुलश्रेष्ठ, आर., सैनी, एच., गुप्ता, ए. (2022)। फुफ्फुसीय अभिव्यक्तियों, लिम्फैडेनोपैथी और स्वर रज्जु की गतिहीनता के साथ पेश होने वाला आईजीजी4 संबंधित रोग: एक दुर्लभ बीमारी की असामान्य प्रस्तुति, *इजिप्ट जे चेस्ट डिस ट्यूबर,* 10.4103(71), 135-8।

यादव, आर., नागोरी, ए., मुखर्जी, ए., सिंह, वी., लोढ़ा, आर., एट अल. (2022)। दिल्ली, भारत में वायु प्रदूषण और तीव्र श्वसन लक्षणों के लिए रोगियों के आपातकालीन कक्ष दौरे की भौगोलिक सूचना प्रणाली-आधारित मैपिंग (मार्च 2018-फरवरी 2019), *इंडियन जे मेड रेस.* , 156(4&5), 648-658.

सिंह, के., मावी, ए.के., नागर, जे.के., कुमार, एम., स्पालगैस, एस., एट अल। (2022)। दिल्ली-एनसीआर के ग्रामीण बच्चों में इनडोर रेस्पिरेबल सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर्स (आरएसपीएम) और अस्थमा की मात्रा का निर्धारण , *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स,* 1007/एस12098(10), 022-04355-1.

मृगपुरी, पी., स्पालगैस, एस., गोयल, एन., मेहता, आर., कुमार, एस., कुमार, आर. (2022)। कोविड-19 के दौरान संक्रमण नियंत्रण के लिए एक कम लागत वाली फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण प्रयोगशाला सेटअप, *लंग इंडिया,* 1(39), 93-94.

शोध परियोजनाएं

स्वास्थ और परिवार कल्याण मंत्रालय, 2022-2023, नेशनल टोबैको क्विटलाइन सर्विसेज (एनटीक्यूएलएस) (परियोजना अवधि 2016-24), 159.93 ..

डीएचआर-आईसीएमआर-एमओएचएफडब्ल्यू, 2022-2023, बहुविषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू) (परियोजना अवधि 2014-26), 10 लाख रुपये।

आयोजित संगोष्ठीयाँ

विभिन्न आंतरिक और बाह्य प्रशिक्षक/वक्ता, वीपीसीआई, इन तारीखों पर विभिन्न विषय: 06.06.2022 से 10.06.2022, श्वसन एलर्जी पर 45वीं कार्यशाला: निदान और प्रबंधन, 08-06-2023.

विभिन्न आंतरिक और बाह्य प्रशिक्षक/वक्ता, वीपीसीआई, विभिन्न विषय, एलर्जी और इम्यूनोथेरेपी संवेदीकरण, 15-03-2023.

आयोजित सम्मलेन

विश्व तंबाकू निषेध दिवस, 31-05-2022, वीपीसीआई

16वां प्रो. औतार सिंह पेंटल मेमोरियल ओरेशन, 26-09-2022, वीपीसीआई

छठा डॉ. वी के विजयन व्याख्यान, 26-10-2022, वीपीसीआई

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. राज कुमार 11 से 13 अप्रैल, 2022 तक अंबाला के मुलाना में ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में टीबी और छाती रोगों के 76वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'धूम्रपान समाप्ति' विषय पर आयोजित कार्यशाला में संकाय सदस्य थे।

एनसीआरएएआई, वीपीसीआई, दिल्ली द्वारा 06 से 10 जून, 2022 तक श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर 45वीं कार्यशाला के दौरान डॉ. राज कुमार और अन्य संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने स्किन प्रिक टेस्ट - प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का आयोजन किया।

डॉ. राज कुमार ने एनसीआरएएआई, वीपीसीआई, दिल्ली द्वारा 06 से 10 जून, 2022 तक श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर आयोजित 45वीं कार्यशाला के दौरान 'एलर्जी क्लिनिक की स्थापना' पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. राज कुमार नैटकोन 2022, आगरा, उत्तर प्रदेश में वैज्ञानिक कार्यक्रम के दौरान संयुक्त टीबी-तंबाकू सहयोग गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय फ्रेमवर्क में मॉडरेटर थे। 28 फरवरी, 2023.

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
2. डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली।
3. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)।
4. परमाणु औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, डीआरडीओ, दिल्ली।
5. लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली।
6. राजन बाबू इंस्टीट्यूट फॉर पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस (आरबीआईपीएमटी), नई दिल्ली।
7. एसआरएम यूनिवर्सिटी।

8. वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।

9. हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

100%

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

तम्बाकू निदान क्लिनिक ने लाभार्थियों को नैदानिक और परामर्श सेवाएँ प्रदान कीं।

अस्पताल परिसर में रोगी शिक्षा केंद्र ने रोगियों और आगंतुकों को श्वसन रोगों और उनके प्रभावी प्रबंधन के क्षेत्र में ऑडियो-विजुअल और मुद्रित शैक्षिक सामग्री तक पहुंच प्रदान की।

500 से अधिक रोगियों को टेलीमेडिसिन सेवाएँ प्रदान की गईं।

संकाय संख्या: 6

निदेशक 01, निदेशक प्रोफ़ेसर 01, सहायक प्रोफ़ेसर 04

***

रेडियोलोजी, रेडियोथेरेपी, रेडियोडायग्नोसिस एवं रेडिएशन विभाग : एलएचएमसी

(लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण तथा क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग ओपीडी और आईपीडी रोगियों के साथ-साथ श्रीमती सुचेता कृपलानी हॉस्पिटल. विभाग की कैजुअल्टी से अस्पताल में आने वाले रोगियों के लिए एक्स-रे, विशेष जांच (जैसे आईवीपी, आदि), अल्ट्रासाउंड, कलर डॉपलर, मैमोग्राफी, सीटी स्कैन, एमआरआई जैसी विभिन्न रेडियोलॉजिकल जांच करता है। विभाग में एक नई अल्ट्रासाउंड मशीन (जीई वोलुसोन ई8) स्थापित की गई। इससे हमें अपनी रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार करने और रेजिडेंट शिक्षा को संवर्धित करने में भी मदद मिली है।

सम्मान/विशिष्टियां

मौखिक पत्र (प्रथम पुरस्कार) डॉ. नेहा सिंघल डॉ. शैली तोमर, पेल्विक पोस्टपार्टम जटिलताओं वाले रोगियों में इमेजिंग निष्कर्षों का स्पेक्ट्रम, फ्रंटियर्स इन वीमेन इमेजिंग, 16 अक्तूबर-2022.

मौखिक पत्र (तृतीय पुरस्कार) डॉ.प्रिया चौधरी, डॉ.भावना सतीजा, डॉ.आर.एस.सोलंकी सतही कोमल ऊतक द्रव्यमान के मूल्यांकन में अल्ट्रासाउंड और डॉपलर की भूमिका। अल्ट्राविजन दिल्ली आईआरआईए दिसंबर

2022.

ई-पोस्टर (प्रथम पुरस्कार) डॉ.चेतना मिश्रा, डॉ. रमा आनंद, डॉ.विकास यादव दाहिनी महाधमनी चाप, कोमेरेल के डायवर्टीकुलम के कारण दाहिनी वोकल कॉर्ड पाल्सी: आवाज की कर्कशता का असामान्य और दुर्लभ मामला एससीआईआईसीओएन नवंबर 2022, एम्स, पटना।

प्रकाशन

पवन, बी.एस., अमीना, एन., आनंद, आर., पठानिया, ओ.पी. (2022)। प्राथमिक हेपेटिक लिंफोमा की एक असामान्य प्रस्तुति। *जर्नल ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एब्डोमिनल रेडियोलॉजी,* 05.10.1055/एस-0042-1749673.

अग्रवाल, एस., पुरी, वी., अग्रवाल, के., सिंह, एस., गुप्ता, ए., सतीजा, बी. (2022) सर्वाइकल नेक्रोसिस एंड डिटैचमेंट: ए रेयर कॉम्प्लीकेशन ऑफ लेबर। *जे ओब्स्टेट गाइनकोल इंडिया* 72(सप्ल 2):385-386.

वर्मा, ए., तोमर, एस., सोलंकी, आर.एस., सतीजा, बी., सिंह, ए. (2022)। प्रारंभिक शुरुआत प्री-एक्लेमप्सिया में भ्रूण-मातृ धमनी डॉपलर मापदंडों का अध्ययन और प्रसवकालीन परिणामों के साथ इसका संबंध। *इंट जे रिप्रोड कोंट्रासेप्ट गाइनकोल* , 11:2741-7.

गर्ग, डी., कक्कड़, वी., कुमार, ए., कपूर, डी., एबी, पी., पेमडे, एच., मुखर्जी, एस.बी., शर्मा, एस. (2022) सबस्यूट स्केलेरोजिंग वाले बच्चों में मूवमेंट डिसऑर्डर का स्पेक्ट्रम पैनेंसेफलाइटिस: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *जे चाइल्ड न्यूरोल.* 37(6):491-496.

कपूर, आर., गुप्ता, ए., एबी, पी., सेठी, आर.एस., यादव, पी.एस., चौधरी, एस.सी., चड्ढा, आर. (2022) एकतरफा यूरेटेरोपेल्विक के कारण खराब कार्यशील किडनी वाले बच्चों में पाइलोप्लास्टी के परिणाम का मूल्यांकन जंक्शन अवरोध. *जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्र सर्जन*, 27:544-52.

संकाय संख्या: 10

***

शल्य-चिकित्सा विभाग: एमएएमसी (मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण

मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज की शुरुआत फरवरी 1958 में इरविन अस्पताल (जिसे अब लोक नायक अस्पताल के नाम से जाना जाता है) के एनाटॉमी ब्लॉक में की गई थी। स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री पंडित गोबिंद बल्लभ पंत ने 24 अक्तूबर 1959 को एमएएमसी की मुख्य इमारत की आधारशिला रखी। मुगल काल के दौरान यह स्थल एक "सराय" था। ब्रिटिश शासन के दौरान सराय पर अंग्रेजों ने कब्ज़ा कर

लिया और इसे पुरानी दिल्ली जेल के रूप में बदल दिया, जहाँ हज़ारों स्वतंत्रता सेनानियों को कैद किया गया था। उसी जेल में लोगों को फाँसी देने का स्थान (फाँसी घर) भी था जहाँ 1915 और 1945 के बीच 14 देशभक्तों को फाँसी दी गई थी। यहाँ उस स्थान पर देशभक्तों का एक बहुत ही शांत स्मारक भी स्थित है जहाँ पुरानी दिल्ली जेल में उन्हें फाँसी दी गई थी। यह स्मारक मोटे तौर पर एमएएमसी और एसोसिएटेड हॉस्पिटल कॉम्प्लेक्स के भौगोलिक केंद्र में स्थित है, जो एमएएमसी की मुख्य इमारत के निकट है। सर्जरी विभाग वर्तमान में बी.एल.तनेजा ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर स्थित है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

जनता के लिए एंडोस्कोपी सेवाएं शुरू कीं।

मेटाबॉलिक क्लिनिक संचालित किया जा रहा है।

सर्जरी अपडेट संचालित किया जा रहा है जो पिछले 41 वर्षों से एक प्रसिद्ध कार्यक्रम है।

सम्मान/विशिष्टियां

विभाग के पूर्व छात्र डॉ. रवि कानन को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनुराग मिश्रा को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज द्वारा यंग रिसर्चर ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

<u>प्रकाशन</u>

गुप्ता, पी., लाल, पी., मनचंदा, वी. (2022)। पेर्फोरेशन पेरिटोनिटिस वाले रोगियों में पेरिटोनियल द्रव और सर्जिकल घावों से माइक्रोबियल प्रोफाइल-नई दिल्ली से एक क्रॉससेक्शनल अध्ययन, *ट्रॉपिकल डॉक्टर,* 4(17),1.

बर्ग, जे., अल्वेसन, एच.एम., रॉय, एन., एकेलुंड, यू., बेन्स, एल. एट अल। (2022)। शहरी भारत में ट्रॉमा ऑडिट फिल्टर की अनुमानित उपयोगिता: डब्ल्यूएचओ और निम्न और मध्यम आय वाले देशों के फिल्टर की तुलना करने वाला एक मिश्रित-विधि बहुकेंद्रीय डेल्फ़ी अध्ययन, *बीएमजे ओपन*, 6(12),1.

विंदल, ए., गुप्ता, ए., याशिका., लाल, पी. (2022).लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बाद वजन घटाने के साथ दीर्घकालिक गैस्ट्रिक स्लीव वॉल्यूम का सहसंबंध, *जर्नल ऑफ़ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ सर्जन्स*, 5(233),1.

वार्नबर्ग, एम.जी., बर्ग, जे., भंडारकर, पी., चटर्जी, ए., चटर्जी, एस. एट अल. (2022)। रोगी और प्रदाता परिणामों पर आघात जीवन समर्थन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक पायलट मल्टीसेंटर क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण, *बीएमजे ओपन*, 4(12),1.

विंदल, ए., लाल, पी. (2022)। न्यूनतम पहुंच सर्जिकल कौशल का मापन और प्रत्यायन: चुनौतियां और समाधान, *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी*, 1(2022),1.

लाल, पी. (2022)। कोविड-19 महामारी के समय में चिकित्सा शिक्षा में एनबीईएमएस की भूमिका: चुनौती को नवाचार के अवसर में बदलना , *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी*, 1(2022),1.

वेब, एम.एम., ब्रिजेज, पी., अरुपरायिल, एन., चुग, सी., बीकन, टी. एट अल। (2022)। ग्लोबल सर्जरी के लिए आरएआईएस डिवाइस: क्लिनिकल उपयोग के लिए ट्रांसलेशनल पाथवे को नेविगेट करने के लिए एक भागीदारी डिजाइन दृष्टिकोण का उपयोग करना, *आईईईई जर्नल ऑफ ट्रांसलेशनल इंजीनियरिंग इन हेल्थ एंड मेडिसिन*, 4(10),1.

बोल्टन, डब्ल्यू.एस., अरुपरायिल, एन., प्लीज़, एच., पटेल, आर., डाल्टन, जे., एट अल। (2022)। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सर्जनों, एनेस्थेटिस्ट और प्रसूति विशेषज्ञों के लिए एक आभासी वास्तविकता प्रशिक्षण मंच, *ब्रिटिश जर्नल ऑफ सर्जरी*, 4(109),1.

अरुपरायिल, एन., ज्ञानराज, जे., मिश्रा, ए., बैंस, एल., कुंडिल, बी. एट अल। (2022)। ग्रामीण उत्तर-पूर्व भारत में गैस रहित अपर्याप्त लेप्रोस्कोपिक सर्जरी पर रजिस्ट्री परिणाम, *ब्रिटिश जर्नल ऑफ सर्जरी*, 109(2022),1.

मिश्रा, ए. (2022)। त्रिपक्षीय गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रिकवरी एसबीओ समूह। आंतों की सर्जरी के बाद पोस्टऑपरेटिव इलियस के नैदानिक अध्ययन के लिए मुख्य परिणाम निर्धारित, *ब्रिटिश जर्नल ऑफ सर्जरी*, 6(109),1.

<u>शोध परियोजनाएं</u>

2022-23, राइट कोलेक्टॉमी और इलियोसेकल रिसेक्शन (ईएजीएलई) के बाद एनास्टोमोटिक रिसाव को कम करने के लिए 'सुरक्षित-एनास्टोमोसिस' गुणवत्ता सुधार हस्तक्षेप का एक अंतरराष्ट्रीय, क्लस्टर यादृच्छिक-अनुक्रम अध्ययन, अकादमिक अध्ययन।

2022-23, वैश्विक रोगी ने इंगुइनल हर्निया सर्जरी (जेनेसिस) में परिणामों की सूचना दी।

2018-23, बहुकेंद्रीय अवलोकन अध्ययन- "भारत में ट्रॉमा ट्राइएज अध्ययन (टीटीआरआईएस) - अस्पतालों में आने वाले वयस्क आघात रोगियों में ट्राइएज के लिए भविष्यवाणी मॉडल की तुलना"।

2021-23, रक्तस्राव की समाप्ति और बवासीर से जुड़े लक्षणों में 100% शुद्ध और माइक्रोनाइज्ड ओरल डायोसमिन, वीनसमिन 900 मिलीग्राम की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित अध्ययन।

2022, भारत में वंक्षण हर्निया सर्जरी के बाद के परिणाम- एक संभावित बहुकेंद्रीय आईएजीईएस सहयोगात्मक अध्ययन।

<u>आयोजित सम्मलेन</u>

सर्जरी अपडेट 2022, 19-09-2022.

वैश्विक सर्जरी में नवाचारों पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (आईसीआईजीएस), 20-04-2022.

संकाय संख्या: 15

डायरेक्टर प्रोफ़ेसर 5, प्रोफ़ेसर 3, एसोसिएट प्रोफ़ेसर 4, सहायक प्रोफ़ेसर 3

***

शल्य-चिकित्सा विभाग : यूसीएमएस (युनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ मेडिकल साइंसेज)

विभाग का संक्षिप्त विवरण और क्रियाकलाप

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना 1971 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक कॉलेज के रूप में की गई थी। शल्यचिकित्सा विभाग अपनी स्थापना के बाद से यूसीएमएस का एक अभिन्न अंग है। विभाग अल्ट्रासोनिक वेसल सीलिंग डिवाइस और यूजीआई और एलजीआई एंडोस्कोपी सेट और यूरोडायनामिक सिस्टम और सर्जिकल मॉड्यूलर ओटी स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

प्रकाशन

कुमार, डी. *(2023)*। संसाधन की कमी वाली सेटिंग में एनल मेलेनोमा की वास्तविकताओं का खुलासा*:* एक सम्मोहक केस रिपोर्ट, *जे मेड साइंस।*

अग्रवाल, एच. *(2023)*। डॉ. लेस्ली एच ब्लमगार्ट - एक जीवित किंवदंती और प्रोफेसर, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ शुगरी।*

प्रसाद, ए., अग्रवाल, एच. *(2023)*। कार्सिनोमा स्तन के रोगियों में ट्यूमर विशेषताओं और उपचार प्रतिक्रिया के साथ सीडी*10* और वीईजीएफ अभिव्यक्ति का संबंध-एक संभावित समूह अध्ययन, जे *क्लिन डायग रेस।*

कौर, एन. *(2023)*। भारतीय स्तन कैंसर से बचे लोगों में थकान की व्यापकता, विशेषताएं और सहसंबंध। एक सीएस अध्ययन, *साउथ एशियन जे कैंसर।*

शर्मा, एस., कौर, एन. *(2023)*। ट्रांसथायरेटिन और एंडो सुल्तान II और स्तन कैंसर में इसकी प्रासंगिकता के बीच अनुमानित परिचर्चा, *नॉट जे बुक मैक्रोमोल।*

आयोजित सम्मलेन

स्तन कैंसर में देखभाल के मानक: प्रत्येक सर्जन को क्या पता होना चाहिए, 12-02-2023.

संगोष्ठीयों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. इकबाल सिंह, मॉडरेटर, स्कोप कोर्स 2023

डॉ. इकबाल सिंह, अध्यक्ष, कैंसर अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

डॉ. नवनीत कौर, फैकल्टी, सर्जिकॉन 2022

डॉ. नवनीत कौर, फैकल्टी, यूपीएएसआई 2023 बीएचयू

संकाय संख्या: 6

***

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज

संक्षिप्त विवरण

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस), दिल्ली विश्वविद्यालय का एक एनएएसी मान्यता प्राप्त घटक महाविद्यालय, वर्ष 1971 में स्थापित किया गया था। यह महाविद्यालय देश के शीर्ष महाविद्यालयों में शुमार है। महाविद्यालय 20 व्यापक और सुपर-स्पेशियलिटी में एम.बी.बी.एस., एम.डी., एम.एस., एम.डी.एस. और डी.एम. पाठ्यक्रम सहित अनेक शैक्षणिक कार्यक्रम चला रहा है। महाविद्यालय में हर वर्ष एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में 170 छात्र और प्री-क्लिनिकल, पैरा क्लिनिकल और क्लिनिकल विषयों में विभिन्न डी.एम./एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों में 190 से अधिक छात्र प्रवेश लेते हैं। हर वर्ष अनेक छात्र विभिन्न विभागों में पीएच.डी. पाठ्यक्रम में भी प्रवेश चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रम जैसे बी.एससी. (मेडिकल टेक्नोलॉजी), एम.एससी. (रेडियोग्राफी और मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी) और मेडिकल प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। यह महाविद्यालय उत्कृष्ट अनुसंधान आउटपुट और अपने विशिष्ट संकाय के लिए जाना जाता है, जिन्होंने खुद को प्रख्यात शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के रूप में स्थापित किया है। महाविद्यालय ने अनुसंधान के माहौल को प्रोत्साहित करने और सुदृढ़ करने के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के सहयोग से एक बहु-विषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू) की स्थापना की है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

यूसीएमएस को भारत के शीर्ष मेडिकल महाविद्यालयों में स्थान दिया गया है। छात्रों ने शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त की है, अनेक विशिष्टताएं प्राप्त की हैं और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में शीर्ष रैंक प्राप्त की है। शैक्षणिक अनुसंधान और प्रकाशन के अलावा हमेशा यूसीएमएस का मजबूत पक्ष रहा है। यूसीएमएस के

संकाय ने पांच सौ से अधिक लेख प्रकाशित किए हैं। महाविद्यालय के आईटी बुनियादी ढांचे का विस्तार 187 कंप्यूटर, यूपीएस इत्यादि की खरीद के संदर्भ में किया गया है और इन कंप्यूटरों की स्थापना और नेटवर्किंग में सहायता की गई है। यूसीएमएस पुस्तकालय संसाधनों तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम है और 24 की सुविधा भी प्रदान करती है।

सम्मान/गौरव

डॉ. पीयूष गुप्ता को 2022 में एशिया पैसिफिक पीडियाट्रिक एसोसिएशन द्वारा 'उत्कृष्ट एशियाई बाल रोग विशेषज्ञ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

डॉ. पीयूष गुप्ता को 2023 में लंदन के 'रॉयल महाविद्यालय ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ (FRCPCH) की फेलोशिप' से सम्मानित किया गया।

डॉ. धीरज शाह को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा देश में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए एक शीर्ष तकनीकी संस्थान और थिंक टैंक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक के रूप में चुना गया था।

डॉ. आर.एस. रौतेला को 2022 में चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा में अपार योगदान के लिए 'प्रख्यात चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

डॉ. ए. के. सक्सेना को 21 सितंबर 2022 को टोरंटो कन्वेंशन सेंटर, टोरंटो, कनाडा में 'दर्द अनुसंधान और प्रबंधन में उत्कृष्टता' के लिए प्रतिष्ठित आईएएसपी (इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन, यूएसए पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. अमितेश अग्रवाल को 2022 में इंटरनेशनल महाविद्यालय ऑफ न्यूट्रिशन द्वारा 'क्लिनिकल न्यूट्रिशन के मानद प्रोफेसर' से सम्मानित किया गया।

डॉ. ए.के. जैन को आयोकॉन 2022 के दौरान इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन की मानद फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित छात्र मेधावी हैं:

आयुष जैन, इशिता अग्रवाल और तुषार यादव प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे।

चेतन मेहरा और प्रांजलि गर्ग क्रमशः व्यावसायिक अध्ययन भाग I और 2 में तृतीय रैंक धारक थे।

प्रकाशन

अहमद, एस., अरोड़ा, आर., अग्रवाल, ए.एन., खान, के., टंडन, ए. (2022)। टिबियल पठारी फ्रैक्चर के लिए शेट्ज़कर वर्गीकरण और सीटी आधारित चार चतुर्थांश वर्गीकरण की विश्वसनीयता के बीच तुलना। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा, 1;32, 1019-86.

अग्रवाल, एच., गुप्ता, एन. (2023)। डॉ. लेस्ली एच. ब्लमगार्ट-एक 'लिविंग लेजेंड' और 'द प्रोफेसर'। सर्जरी

के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. (लंदन, इंग्लैंड)। 3:109(3), 502.

बंसल, एस.सी., गुप्ता, पी. (2022)। नवजात शिशु के हेमोलिटिक रोग के लिए अंतर्गर्भाशयी आधान और विनिमय आधान। जे बाल रोग विशेषज्ञ, 245, 71.

चाचाम, एस., गुप्ता, पी. (2022)। फ़ॉन्टनेल: विंडोज़ से मस्तिष्क विकास। जे पेडियाट्र, 244, 78.

चौधरी, पी., कुमारी, एस., दीवान, पी., गोम्बर, एस., अहमद, रुपया, कोटरू, एम. (2023)। बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में कीमोथेरेपी-प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव। क्यूरियस, 3(15), ई35968।

दुग्गल, एस., त्यागी, ए. (2022)। सह-अस्तित्ववादी पेरिपार्टम कार्डियोमायोपैथी और प्रीक्लेम्पसिया: एक नैदानिक दुविधा। जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल, 38(3), 498-499।

खोबरागड़े, ए., भाटे, एस., रमैया, वी., देशपांडे, एस., गिरी, के. (2022)। जायकोव -डी चरण 3 अध्ययन अन्वेषक समूह (नारंग एस शामिल हैं) डीएनए एसएआरएस- सीओवी -2 वैक्सीन (जायकोव-डी) की प्रभावकारिता, सुरक्षा और प्रतिरक्षाजन्यता: चरण 3 के अंतरिम प्रभावकारिता परिणाम, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो -भारत में नियंत्रित अध्ययन। लांसेट, 399: 1313-21.

रायज़ादा, एन., मधु, एस.वी. (2022)। लीवर दीर्घायु हो! इंट जे डायबिटीज डेव सीट्रीज़, 42(3), 377-379।

सिंगला, आर., गुप्ता, जी., दत्ता, डी., रायज़ादा, एन., अग्रवाल, एस. (2022)। मधुमेह उत्क्रमण: वर्तमान ज्ञान पर अद्यतन और मधुमेह निवारण के लिए भविष्यवाणी स्कोर मापदंडों का प्रस्ताव। मधुमेह मेटाब सिंड्रोम, 16(4), 1024-52।

जर्नल

यूजेएमएस यूसीएमएस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज। त्रैमासिक, 1(1), 1-50.

शोध-परियोजनाएं

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "जटिल गंभीर कुपोषण वाले बच्चों की रिकवरी में लेवोकार्निटाइन अनुपूरण की भूमिका: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण" और 70 लाख रुपये की स्वीकृत राशि।

स्वास्थ्य अनुसंधान/बहु-अनुशासनात्मक अनुसंधान इकाइयों (डीएचयू/एमआरयू) विभाग द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाले दुबले और मोटे रोगियों में सूजन के नियामकों की एमआरएनए अभिव्यक्ति" और 2 लाख रुपये की स्वीकृत राशि।

दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन 'दिल्ली राज्य राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम' के तहत वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "बुजुर्ग क्षय रोग रोगियों के बीच आरएनटीसीपी के तहत डॉट्स थेरेपी के लिए बाधाएं और सुविधाएं: एक गुणात्मक अध्ययन"। 4 लाख रूपये की स्वीकृत राशि।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "फुफ्फुसीय टीबी और अन्य फेफड़ों के रोगों की जांच/पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण का

विकास और सत्यापन" और 36 लाख रुपये की स्वीकृत राशि।

आयोजित संगोष्ठी

माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा 25 मई 2022 को "डिकोडिंग सीएलएसआई एम100 दिशानिर्देश, एएमएसपी जागरूकता श्रृंखला: सत्र1.0, स्टॉप एएमआर: अभी या कभी नहीं" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई था।

आयोजित सम्मेलन

बाल रोग विभाग द्वारा **1** फरवरी **2023** को **'9**वें ईएमपार्ट और **5**वें एपिकॉन ' पर सम्मेलन आयोजित किया गया था।

6 जुलाई **2022** को मेडिसिन विभाग द्वारा **'**मधुमेह में संवाद**'** पर छठा सम्मेलन आयोजित किया गया।

26 अगस्त **2022** को ईएनटी विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया का **44**वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. पीयूष गुप्ता ने **3** फरवरी **2023** को एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजिस्ट (एओसीएन), पुणे, महाराष्ट्र में **'**बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी में शिक्षा और अनुसंधान की स्थिति**'** नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. पीयूष और डॉ. अच्युत कलंतरे ने **6** नवंबर **2022** को इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, पुणे, महाराष्ट्र में **'**विटामिन डी: बेसिक्स एंड एडवांस्ड**'** शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मेधा मोहता ने **8-9** अक्तूबर **2022** तक आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, दिल्ली शाखा के **61**वें वार्षिक सम्मेलन, इस्कॉन दिल्ली **2022** में **'**पेरीऑपरेटिव मल्टीऑर्गन डिसफंक्शन की रोकथाम**'** शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. दिनेश पुरी ने **'**नॉन-इनवेसिव प्रीनेटल टेस्टिंग एंड न्यूबॉर्न स्क्रीनिंग**'** पर केंद्रित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) सत्र में अतिथि वक्ता के रूप में कार्य किया, जो **10** अप्रैल **2022** को उदयपुर के आरएनटी मेडिकल महाविद्यालय में हुआ।

डॉ. ग्रोवर चंदर को दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में **21-23** अक्तूबर **2022** तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय त्वचाविज्ञान सम्मेलन और प्रदर्शनी में डर्मा मीडेकॉन **2022** की कार्यवाही के दौरान **'**सामान्य नाखून विकारों पर अपडेट**'** पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. सिंगल अर्चना को **'**एक अच्छा समीक्षक कैसे बनें**;"** विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। **51**वें डर्माकॉन इंटरनेशनल **2023** के दौरान लाभ और जिम्मेदारियां: **23-26** फरवरी **2023** को आईएडीवीएल, मुंबई का **51**वां राष्ट्रीय सम्मेलन।

डॉ. अनुपमा टंडन ने मार्च **2023** में ऑस्ट्रिया के विएना में आयोजित रेडियोलॉजी ईसीआर **2023** की यूरोपीय कांग्रेस में **'**बी-मोड और डॉपलर अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके मधुमेह के पैर के रोगियों का व्यापक

मूल्यांकन: एक सचित्र समीक्षा' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के साथ राष्ट्रीय कैंडिडिमिया नेटवर्क

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विभागों के स्नातकोत्तर छात्रों और प्रशिक्षुओं को महाविद्यालय के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में रोटेशन के आधार पर तैनात किया जाता है, जिसमें माध्यमिक स्तर के अस्पताल में आवासीय पोस्टिंग भी शामिल है। दिल्ली के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य को अध्ययन और अभ्यास करने के लिए उत्तरी दिल्ली में सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल (एसआरएचसी) नरेला में तैनात किया जाता है ।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2022-2023 के दौरान, पुस्तकालय ने 11,48,938/- रुपये के परिव्यय के लिए 235 पाठ्य-पुस्तकें और संदर्भ पुस्तकें खरीदीं और 34,40,412.24/- रुपये के लिए 74 वर्तमान जर्नल (25 विदेशी जर्नल और 49 भारतीय जर्नल) की सदस्यता ली। पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 20983 है, इसके अलावा पुस्तकालय में 25585 जिल्द वाली पत्रिकाएँ, 1534 डब्ल्यूएचओ प्रकाशन, 1148 शोध और 416 सीडी हैं।

पुस्तकालय एनएमएल-ईआरएमईडी कंसोर्टियम का सदस्य है जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता पांच प्रकाशकों ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे), कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस (सीयूपी), लिपिंकॉट विलियम्स एंड विल्किंस (एलडब्ल्यूडब्ल्यू), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) और विली से 235+ ई-जर्नल्स तक पहुंच सकते हैं।

इसके अलावा, ईआरएमईडी कंसोर्टियम के माध्यम से हमारे उपयोगकर्ताओं के पास मैकग्रा हिल के एक्सेस मेडिसिन डेटाबेस तक भी पहुंच है जिसमें 160 ई-बुक शीर्षक, लगभग 3000 वीडियो, ऑडियो और मल्टीमीडिया संसाधन, 259,000 छवियां, 2000 नैदानिक मामले, 600 इन्फोग्राफिक्स, 130 ऑडियो पॉडकास्ट, मूल्यांकन प्रश्न, बोर्ड और यूएसएमएलई समीक्षाएँ, 7000 रोगी शिक्षा मार्गदर्शिकाएँ, आदि शामिल हैं।

विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट) सुविधा भी सभी उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाती है। इस वर्ष पुस्तकालय ने "UpToDate" की सदस्यता नवीनीकृत की, जो एक साक्ष्य-आधारित नैदानिक निर्णय समर्थन संसाधन है जो 25 चिकित्सा विशिष्टताओं में व्यापक, सहकर्मी-समीक्षित सामग्री प्रदान करता है और मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है।

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के पास रीफ्रेड द्वारा संचालित यूसीएमएस ई-पुस्तकालय मोबाइल ऐप के माध्यम से सभी पुस्तकालय संसाधनों तक दूरस्थ रूप से पहुंचने की सुविधा है। संसाधनों तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए पुस्तकालय पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम है और इसके उपयोग के लिए 24 घंटे पढ़ने के

कमरे की सुविधा भी प्रदान की जाती है। पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली अन्य सेवाओं में ऑरिजिनल (साहित्यिक चोरी की जांच), संदर्भ सेवा, लेख पुनर्प्राप्ति सेवा, वर्तमान जागरूकता तक पहुंच सेवा, संचलन, अंतर-पुस्तकालय ऋण/दस्तावेज़ वितरण, नए अधिग्रहणों का प्रदर्शन, पुराने प्रश्न पत्रों तक पहुंच, ई-मेल अलर्ट शामिल है। उपयोगकर्ताओं को इन प्रावधानों से सर्वोत्तम लाभ उठाने के लिए समय-समय पर उपयोगकर्ता शिक्षा कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या	:	134
निदेशक प्रोफेसर/प्रोफेसर	:	76
एसोसिएट प्रोफेसर	:	02
सहायक प्रोफेसर	:	56

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान	: रुपए 20447.00 लाख
उपयोगित अनुदान	: रुपए 20444.21 लाख

***

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट

संक्षिप्त विवरण

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट दिल्ली विश्वविद्यालय का एक अनुरक्षित संस्थान है, जो विश्वविद्यालय अधिनियम के अध्यादेश XX (2) के तहत गठित अपने स्वयं के शासी निकाय द्वारा शासित और प्रशासित है और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई सहायता अनुदान द्वारा पूरी तरह से वित्त-पोषित है। यह संस्थान तब अस्तित्व में आया जब यह महसूस किया गया कि स्वतंत्र भारत में वक्ष चिकित्सा की विशेषज्ञता में प्रशिक्षित कर्मियों की कमी थी। भारत के पहले गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 06 अप्रैल 1949 को संस्थान की आधारशिला रखी और श्रीमती राज कुमारी अमृत कौर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 12 जनवरी 1953 को संस्थान का औपचारिक उद्घाटन किया गया। क्लिनिकल रिसर्च सेंटर का नाम बदलकर अब विश्वनाथन चेस्ट हॉस्पिटल कर दिया गया है, जिसका उद्घाटन 24 अक्तूबर 1957 को भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था। संस्थान के जनादेश वक्ष चिकित्सा के बुनियादी और नैदानिक पहलुओं पर अनुसंधान करना, पल्मोनरी मेडिसिन और संबद्ध विषयों में स्नातकोत्तरों को प्रशिक्षित करना, नई नैदानिक तकनीक विकसित करना और इसे देश के अन्य संस्थानों में प्रसारित करना और रोगियों को विशेष नैदानिक जांच सेवाएं प्रदान करना हैं। संस्थान ने अब तक वक्ष चिकित्सा और संबद्ध विषयों में अनुसंधान को आगे बढ़ाने, प्रशिक्षण देने और रोगी देखभाल प्रदान करने के संबंध में उल्लेखनीय प्रगति की है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

वीपीसीआई ने अपनी 'शिक्षा', 'अनुसंधान' और 'रोगी देखभाल' कार्यकलाप वक्ष चिकित्सा और अन्य पूर्व और पैरा-मेडिकल विषयों में स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रम अर्थात एम.डी., डी.एम. और पीएच.डी. का संचालन, प्रतिष्ठित संस्थानों के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण जारी रखे। संस्थान के अंतर्गत सरकारी एजेंसियों, एमओएचएफडब्ल्यू, एनसीडीसी-एनआरएल, डीएचआर, आईसीएमआर, डीएसटी, आयुष द्वारा 14 शोध-परियोजनाएं चल रही थीं, जिन्हें वर्ष के दौरान 3.42 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान प्राप्त हुआ। वीपीसीआई को मई 2023 में एनएबीएच ईएल मान्यता से सम्मानित किया गया है। अस्पताल विंग ने 11,538 नए मरीज़ और 48,211 अनुवर्ती मरीज़ पंजीकृत किए। इनडोर जनरल वार्ड में 14,494 मरीजों को भर्ती किया गया और आपातकालीन वार्ड में 2,154 से अधिक मरीजों को भर्ती किया गया और 21,792 मरीजों को आपातकालीन उपचार प्रदान किया गया। आरआईसीयू ने गहन देखभाल के लिए 1,840 रोगियों को भर्ती किया। किए गए नैदानिक परीक्षणों की संख्या इस प्रकार थी: 7,617 पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, 1,341 सीटी स्कैन, 30,489 एक्स रे, 5,418 ईसीजी, 28,238 धमनी रक्त गैसें, 347 ब्रोंकोस्कोपी, 14,330 त्वचा परीक्षण, 89,161 क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 40,477 पैथोलॉजी, 8,716 इम्यूनोलॉजी लैब, 12 ,345 माइक्रोबायोलॉजी। कार्डियो-पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन क्लिनिक ने 167 रोगियों को सेवाएँ प्रदान कीं। नेशनल टोबैको क्विट लाइन सर्विस ने इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस (आईवीआर) पर परामर्श के लिए 1,13,085 से अधिक कॉलर्स को पंजीकृत किया। 500 से अधिक रोगियों ने वीपीसीआई द्वारा दी गई टेलीमेडिसिन सेवाओं का लाभ उठाया। पोलेन काउंट स्टेशन पर, कुल 724 स्लाइडें लगाई गईं और उनका विश्लेषण किया गया। चिकित्सा माइकोलॉजी प्रयोगशाला को रोगाणुरोधी प्रतिरोध की राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी-एएमआर), एमओएच एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार के तहत फंगल रोगजनकों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध के लिए राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला के रूप में नामित किया गया था। बहुविषयक अनुसंधान इकाई में 9 परियोजनाएँ चल रही थीं। संस्थान ने एनसीसीपी (आई) के सहयोग से प्रतिष्ठित और अनुक्रमित त्रैमासिक प्रकाशन "द इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड अलाइड साइंसेज" प्रकाशित करना जारी रखा।

सम्मान/गौरव

डॉ. राज कुमार 20 फरवरी 2022 को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (एनसीडी अनुभाग), निर्माण भवन, नई दिल्ली द्वारा भारत में बच्चों में एनसीडी पर रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के सदस्य थे; सदस्य, चयन समिति, डीन कार्यालय, प्रशासनिक ब्लॉक, एमएएमसी, नई दिल्ली में एनसीटी दिल्ली सरकार के तहत विभिन्न चिकित्सा संस्थानों/अस्पतालों में अनुबंध के आधार पर सहायक प्रोफेसर के पद के लिए साक्षात्कार, 22 अप्रैल 2022; सदस्य, सीनियर रेजिडेंट (ओबीसी-2) और जूनियर रेजिडेंट (नॉन-पीजी) (यूआर-4, एससी-1, एसटी-2, ओबीसी-1 और ईडब्ल्यूएस-1) के पदों के लिए वीपीसीआई में दिनांक 18 मई 2022 को वॉक-इन-इंटरव्यू चयन समिति का सदस्य; दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XX-X के तहत स्थापित नैनो मेडिकल साइंस संस्थान (आईएनएमएस) ने 14 मई 2022 को चिकित्सा विज्ञान संकाय, दिल्ली में संस्थान का रखरखाव किया; 04 सितंबर 2022 को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा

चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य मुद्दों पर बड़े पैमाने पर जनता की शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान, कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए प्रख्यात चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक पुरस्कार-2022; 8-9 सितंबर 2022 को बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, धरान, नेपाल की डीएम (पल्मोने, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन प्रैक्टिकल परीक्षा) के लिए बाहरी परीक्षक।

डॉ. मालिनी शरीफ आईएनएएस और एडवांस्ड जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट एंड लेबोरेटरी मेडिसिन प्राइवेट लिमिटेड के आईबी.एससी. में डीबीटी प्रतिनिधि थीं; संस्थागत पशु आचार समिति के अध्यक्ष।
डॉ. मंदिरा वर्मा बेसिल, राजनबाबू इंस्टीट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस की एथिक्स कमेटी की सदस्य थीं। कार्यकारी सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ माइकोप्लाज्मोलॉजिस्ट; विशेषज्ञ समिति सदस्य (आईसीएमआर): एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लो के विकास के लिए; इन विट्रो डायग्नोस्टिक्स पर विशेषज्ञों के डब्ल्यूएचओ रणनीतिक सलाहकार समूह की सदस्य थीं।
डॉ. अनुराधा चौधरी क्लिनिकल एंड लेबोरेटरी स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूट (सीएलएसआई) एंटीफंगल उपसमिति की सलाहकार थीं। माइको-क्लिनिक, द मेडिकल रिसर्च काउंसिल सेंटर फॉर मेडिकल माइकोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर, यूके 2022 आयोजन समिति की सदस्य; सलाहकार, क्लिनिकल और प्रयोगशाला मानक संस्थान (सीएलएसआई) एंटीफंगल उपसमिति।

डॉ. जयिता भद्रा को बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया; समन्वयक, एनएबीएच ईएल प्रत्यायन, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट; शासी निकाय के सदस्य, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट; "कार्य सलाहकार समिति (सिविल और इलेक्ट्रिकल)", वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट में सदस्य; "गुणवत्ता प्रबंधन समिति", वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट में नोडल व्यक्ति।

24 फरवरी 2023 को मैसूर में इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान डॉ. कविता गुलाटी को इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसायटी (एफआईपीएस) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया; 17-18 नवंबर, 2022 को पणजी, गोवा में "पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा" पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ महिला वैज्ञानिक का पुरस्कार; इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसायटी की कार्यकारी सदस्य; 14.02.2023, 13.12.2022, 28.10.2022, 07.11.2022, 18.08.2022 को पीजीआईएमईआर, आरएमएल अस्पताल की संस्थागत मानव नैतिक समिति (आईएचईसी) की बैठकों में सदस्य विशेषज्ञ (फार्माकोलॉजी); भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम, भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी-सीडीएससीओ) के तहत प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र (एएमसी) की समन्वयक।
डॉ. पारुल मृगपुरी को दिसंबर 2022 में इंडियन महाविद्यालय ऑफ एलर्जी, अस्थमा और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी के 56वें वार्षिक सम्मेलन में वॉन-पिर्केट युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिला।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ 16 मार्च 2023 से स्कूल ऑफ एलाइड मेडिकल साइंसेज (एसएएमएस), दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डीईएसयू) के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की सदस्य थीं। डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ पाठ्यक्रम प्रारूपण समिति की सदस्य थीं। 26 जून 2022 से इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो मेडिकल

साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का एम.एससी. और एम.एससी.-पीएच.डी.-नैनो मेडिकल साइंसेज पाठ्यक्रम; सैनिक स्वास्थ्य और औषधि विकास (एसएच एंड डीडी) पर विशेषज्ञ पैनल की बाह्य सदस्य थी, न्यूक्लियर मेड एंड एलाइड एससी (आईएनएमएएस), दिल्ली परियोजना समीक्षा बैठक 03 जनवरी 2023 को ऑनलाइन आयोजित की गई; सदस्य, अध्ययन बोर्ड, पैरामेडिकल विज्ञान विभाग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव 1 नवंबर, 2022 को आयोजित; एमआरएचआरयू के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समूह के बाह्य सदस्य ने कल्पना चावला सरकारी मेडिकल महाविद्यालय, करनाल के सहयोग से खोतपुरा, पानीपत, हरियाणा में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू) की स्थापना की।

डॉ. विश्वजीत रोहिल को 29 अगस्त 2022 को बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के सचिव के रूप में चुना गया; 4 सितंबर 2022 को एमएएमसी ऑडिटोरियम, दिल्ली में दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा में अपार योगदान के लिए प्रख्यात चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक पुरस्कार के प्राप्तकर्ता; डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसेज, डीआरडीओ में संस्थागत जैव सुरक्षा समिति के लिए डीबीटी नामांकित; एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआई) द्वारा आयोजित संगोष्ठी के संयोजक, 48वें एसीबीआईसीओएन 2022, संगोष्ठी का शीर्षक-"हाल की प्रगति: पल्मोनरी स्वास्थ्य और प्रयोगशाला चिकित्सा" अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, आईसीएआर, नई दिल्ली में 25 नवंबर, 2022 को आयोजित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

क्र.सं.	विद्यार्थियों का नाम	कक्षा
1	डॉ. ढिलनाज़ एएस	एमडी (पल्मोनरी मेडिसिन) (2019-22)
2	डॉ. नितेश गोयल	एमडी (पल्मोनरी मेडिसिन) (2019-22)
3	डॉ. अरविंद कुमार वर्मा	डीएम (पल्मोनरी मेडिसिन) (2019-22)
4	डॉ. सोनल	डीएम (पल्मोनरी मेडिसिन) (2019-22)
5	श्री पंकज वर्मा	पीएच.डी. (फार्माकोलॉजी)

प्रकाशन

भद्रा जे, बर्डे के.. (2023)। बाइकोनल गैमोपैथी: एक केस रिपोर्ट। *आईओएसआर जेडीएमएस,* 22(1), 07-09.

एम.आर. रेशी, के गुलाटी, एम नकवी, एन हसन, ए रे। (2022)। दावा-उल-कुर्कम के हेपेटोप्रोटेक्टिव प्रभाव, एक यूनानी पॉलीहर्बल तैयारी और चूहों में इथेनॉल प्रेरित लिवर क्षति के प्रायोगिक मॉडल में संभावित तंत्र। *जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्माकोलॉजी रिसर्च,* 6(3), 122-130.

राहुल खत्री, राजिंदर गुप्ता, प्रवीण वत्स, विशाल बंसल और अन्य। (2023)। हाइपोक्सिक फुफ्फुसीय संवहनी प्रतिक्रिया स्वस्थ आबादी में उपनैदानिक जीवनशैली रोग की जांच कर सकती है। *माइक्रोवास्कुलररिसर्च, 104454 (जनवरी),* 104454.

कुमार आर, मृगपुरी पी, दुबे एसएम, एट अल.. (2022)। टेलीफोनिक परामर्श के माध्यम से धूम्रपान बंद करने के लिए एक वर्ष की निरंतर संयम दर: भारतीय परिदृश्य। *वक्ष के रोगों के लिए मोनाल्डी अभिलेखागार,* 93(2), 10.4081.

गोयल एन, गोयल एन, स्पालगैस एस, मृगपुरी पी एट अल.. (2023)। प्रारंभिक कोविड-19 गंभीरता और लंबी-कोविड अभिव्यक्तियाँ: एक अवलोकन विश्लेषण। *थोरैक रेस प्रैक्टिस,* 24(1), 22-28.

स्पालगैस एस, मृगपुरी पी, कुलश्रेष्ठ आर, गुप्ता वी, कुमार आर.. (2022)। पल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा रुमेटीइड फेफड़े की नकल करता है और 8 महीने तक निदान में देरी करता है। *इजिप्ट जे चेस्ट डिस ट्यूबरक.,* 71(1), 405-408.

कुलश्रेष्ठ आर, सक्सेना एच, कुमार आर, स्पालगैस एस, मृगपुरी पी, गोयल एन, मेनन बी, रानी एम, माहोर पी, भूटानी आई.. (2023)। पीडी-एल1 अभिव्यक्ति, ट्यूमर हिस्टोपैथोलॉजी और उत्परिवर्तन बोझ (ईजीएफआर और केआरएएस) के आधार पर उन्नत फेफड़ों के कैंसर का उपप्रकार: उत्तर भारत से एक अध्ययन। *मोनाल्डी आर्क चेस्ट डिस.,* 0(2449), 10.4081.

शर्मा, वी., सिंह, ए., गौड़, एम., रावत, डी., यादव, ए., राजन, कुमार, सी., वर्मा-बेसिल, एम., लोहिया, एस., खन्ना, वी., खन्ना , ए., चौधरी, ए., सिंह, वाई., और मिश्रा, आर. (2022)। एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ अल्ट्रा पर मल के नमूने की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना और टीबी निदान के लिए मेटा-विश्लेषण द्वारा अन्य नमूना प्रकारों के साथ इसकी तुलना करना। *क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोगों के यूरोपीय जर्नल*, 41(6), 893-906.

कुलश्रेष्ठ आर, नेगी ए, भूटानी आई, सक्सेना एच, रानी एम, मेनन बी, कौशिक आर, पंडिता एस, कुमार आर. (2023)। कुलश्रेष्ठ आर, नेगी ए, भूटानी आई, सक्सेना एच, रानी एम, मेनन बी, कौशिक आर, पंडिता एस, कुमार आर। *एम जे ट्रांसल रेस,* 3(15), 1935-40.

जर्नल

इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड अलाइड साइंसेज (आईजेसीडीएएस)। त्रैमासिक, 65(1), 120.

डॉ. राजकुमार 2. डॉ. ऋतु कुलश्रेषा (2021)। वीपीसीआई समाचार पत्र। *द्विवार्षिक*, 9(1), 16.

प्रकाशन प्रभाग (2021-22)। वार्षिक रिपोर्ट। *वार्षिक,* 0(0), 122.

शोध-परियोजनाएं

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2022-2023, राष्ट्रीय तंबाकू छोड़ो लाइन सेवाएँ (NTQLS) (परियोजना अवधि 2016-24), 159.93.

एनसीडीसी-एनआरएल, 2022-2023, फंगल रोगजनकों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध के लिए राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला (परियोजना अवधि 2021-26), 77.21.

आईसीएमआर, 2022-2023, चयनित राज्यों और विशिष्ट आबादी/समुदायों में प्रोग्रामर के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए नई रणनीतियों का उपयोग करके टीबी के लिए प्रोग्रामर दिशानिर्देशों को लागू करके राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन प्रोग्रामर (एनटीईपी) को मजबूत करने के लिए एक शोध सह मध्यवर्तन बहु-केंद्रित अध्ययन। भारत (परियोजना अवधि 2022-24), 41.71.

सीएमआर, 2022-2023, माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के क्लिनिकल आइसोलेट्स में बेडाक्विलिन और लाइनज़ोलिड प्रतिरोध के फेनोटाइपिक और आणविक निर्धारकों की विशेषता (परियोजना अवधि 2023-26), 21.16.

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2022-2023, डीएचआर-आईसीएमआर-एमओएचएफडब्ल्यू, 2022-2023, बहुविषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू) (परियोजना अवधि 2014-26), 10.00.

आयोजित संगोष्ठी

विभिन्न आंतरिक और बाह्य प्रशिक्षक/वक्ता, वीपीसीआई, विभिन्न विषय, श्वसन एलर्जी पर 45वीं कार्यशाला: निदान और प्रबंधन, 06 जून 2022.

विभिन्न आंतरिक और बाह्य प्रशिक्षक/वक्ता, वीपीसीआई, विभिन्न विषय, बुनियादी और आणविक विषाणु विज्ञान पर लघु अवधि पाठ्यक्रम, 05 जून 2022.

विभिन्न आंतरिक और बाह्य प्रशिक्षक/वक्ता, वीपीसीआई, विभिन्न विषय, क्लिनिकल पैथोलॉजी में शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, 04 अप्रैल 2022.

विभिन्न आंतरिक और बाह्य प्रशिक्षक/वक्ता, वीपीसीआई, विभिन्न विषय, पल्मोनरी पुनर्वास पर दूसरी कार्यशाला, 04 सितंबर 2023.

विभिन्न आंतरिक और बाह्य प्रशिक्षक/वक्ता, वीपीसीआई, विभिन्न विषय, मरीजों द्वारा प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करना, 22 सितंबर 2023.

आयोजित सम्मेलन

विश्व तंबाकू निषेध दिवस, 31 मई 2022, वीपीसीआई

I8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का पालन, 21 जून 2022, वीपीसीआई.

16वां प्रोफेसर औतार सिंह पेंटल ओरेशन, 22 सितंबर 2022, वीपीसीआई

अस्थमा-कारण, निदान, उपचार और मिथकों और तथ्यों पर सार्वजनिक व्याख्यान, 21 फरवरी 2023, वीपीसीआई.

तपेदिक पर सार्वजनिक व्याख्यान जो अनंत काल से एक बीमारी है: कारण, प्रकार, लक्षण, निदान, उपचार और मिथक और तथ्य, 27 मार्च 2023, वीपीसीआई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. राज कुमार 11-13 अप्रैल, 2022 तक अंबाला के मुलाना में ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में टीबी और वक्ष रोगों के 76वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'धूम्रपान समाप्ति' पर कार्यशाला में संकाय थे; 28 अप्रैल 2022 को द यूनियन, नई दिल्ली (ऑनलाइन) द्वारा आयोजित 'लाखों लोगों तक पहुंचना-भारत में तंबाकू समाप्ति समर्थन में तेजी लाना' विषय पर वेबिनार के दौरान सत्र अध्यक्ष; एनसीआरएएआई, वीपीसीआई, दिल्ली द्वारा 06 से 10 जून, 2022 तक श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर 45वीं कार्यशाला के दौरान 'नैदानिक अभ्यास में खाद्य एलर्जी' पर अतिथि व्याख्यान; एनसीआरएएआई, वीपीसीआई, दिल्ली द्वारा 06 से 10 जून, 2022 तक श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर 45वीं कार्यशाला के दौरान 'श्वसन एलर्जी के निदान के लिए भारतीय दिशानिर्देश' पर अतिथि व्याख्यान और ऐसी अनेक अन्य गतिविधियों में भी भाग लिया।

कुलश्रेष्ठ आर, सक्सेना एच, राज कुमार, स्पालगियास एस, मृगपुरी पी, गोयल एन, मेनन बी.के., मीनू आर, पवन एम, इशिता बी, दिव्या एन, शुक्ला आर, सिंह. ए. पीडीएल1 अभिव्यक्ति के आधार पर उन्नत फेफड़ों के कैंसर का उपप्रकार, ट्यूमर हिस्टोपैथोलॉजी और उत्परिवर्तन (ईजीएफआर और केआरएएस): उत्तर भारत से एक अध्ययन। डॉ. बी.आर. अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फ्रंटियर्स इन बायोमेडिकल रिसर्च पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 2-4 नवंबर 2022 को शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया।

डॉ. कविता गुलाटी ने "श्वसन विकारों के प्रबंधन के दौरान दवा सुरक्षा: मिथाइलक्सैन्थिन पर ध्यान दें" मैग्नस ग्रुप, यूएसएइंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो ऑन टॉक्सिकोलॉजी एंड एप्लाइड फार्माकोलॉजी, 13-14 जून, 2022 (ऑनलाइन) पर आमंत्रित व्याख्यान दिया; डॉ. कविता गुलाटी ने "वायुमार्ग की सूजन, ब्रोन्कियल हाइपर-रेस्पॉन्सिबिलिटी और ब्रोन्कियल अस्थमा में ऑक्सीडेटिव तनाव में एनओ मॉड्यूलेटर की भूमिका" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसायटी इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसायटी कॉन्फ्रेंस, मैसूर, 22 फरवरी, 2023.

डॉ. मंदिरा वर्मा तुलसी. बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन. 13 अप्रैल, 2022 को वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर संकाय व्याख्यान; मंदिरा वर्मा तुलसी. आमंत्रित वार्ता; दवा प्रतिरोधी टीबी का आणविक निदान: चुनौतियाँ और अवसर; टीके, निदान और उपचार विज्ञान के विकास के लिए तपेदिक के रोगजनन में नवीन अंतर्दृष्टि पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह सीएमई। 3 मई, 2023. मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. विशाल बंसल. नाटकोन 2022, आगरा में 'फुफ्फुसीय पुनर्वास और धूम्रपान समाप्ति' पर 'फुफ्फुसीय पुनर्वास में परिणाम मापदंडों के घटक और मूल्यांकन' कार्यशाला 27 फरवरी, 2023; डॉ. विशाल बंसल. पल्मोनरी पुनर्वास में व्यायाम सलाह; श्वास पुनर्प्रशिक्षण/हाथ और पैर व्यायाम/प्रेरणात्मक मांसपेशी प्रशिक्षण; पल्मोनरी पुनर्वास में परिणाम मापदंडों के घटक और आकलन; पल्मोनरी पुनर्वास में व्यायाम सलाह; नाटकोन 2022, आगरा में, 27 फरवरी, 2023; डॉ. विशाल बंसल. पल्मोनरी पुनर्वास में परिणाम मापदंडों

के घटक और आकलन; पल्मोनरी पुनर्वास में व्यायाम सलाह; ऑनलाइन मोड के माध्यम से फिजियोथेरेपिस्टों के लिए पल्मोनरी पुनर्वास कार्यक्रम पर वेबिनार में छह मिनट के वॉक टेस्ट, व्यायाम और उपकरणों का वीडियो प्रदर्शन 22-23 फरवरी, 2023.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली।
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)
इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली।
लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय, नई दिल्ली।
राजन बाबू इंस्टीट्यूट फॉर पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस (आरबीआईपीएमटी), नई दिल्ली।
एसआरएम यूनिवर्सिटी
वर्धमान महावीर मेडिकल महाविद्यालय और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।
हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

100%

पुस्तकालय विकास

संस्थान के पास पल्मोनरी रोग और संबद्ध विज्ञान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक है, जिसमें 10136 पुस्तकें, 25026 जर्नल, 178 सीडी, 588 शोध और 32 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट हैं। संस्थान के जर्नल के साथ विनिमय प्रोग्राम पर कुल 16 जर्नल (05 अंतर्राष्ट्रीय और 11 राष्ट्रीय) प्राप्त हो रहे हैं और 01 जर्नल मानार्थ आधार पर प्राप्त होते हैं। चिकित्सा क्षेत्र से संबंधित समाचारों की दैनिक कवरेज की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, पुस्तकालय चार अंग्रेजी और चार हिंदी समाचार-पत्रों की भी सदस्यता ले रही है, इससे सभी में समान रूप से पढ़ने की आदत विकसित करने को बढ़ावा मिला है। वीपीसीआई वर्ष 2018 से कैलेंडर के लिए राष्ट्रीय स्तर के ईआरएमईडी कंसोर्टियम (ई-जर्नल्स) का सदस्य है। सभी ई-जर्नल्स और अन्य संसाधन हमारे संस्थान के स्टेटिक आईपी/आईपी पर कॉन्फ़िगर किए गए हैं। अनुकूलित ई-जर्नल्स गेटवे http://www.ermed.in के माध्यम से ई-जर्नल्स के अधिकतम उपयोग को बढ़ाने और एक्सेस/डाउनलोड का लाभ उठाने के लिए पुस्तकालय समय-समय पर कर्मचारियों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों आदि के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उचित प्रयास शुरू करता है। 'कोक्रेन पुस्तकालय' से लेख, 'नेशनल मेडिकल पुस्तकालय' की एक पहल है जो छह डेटाबेस का एक संग्रह है जिसमें स्वास्थ्य सेवा निर्णय लेने की जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रकार के उच्च गुणवत्ता वाले, स्वतंत्र साक्ष्य शामिल हैं, और सातवां डेटाबेस जो एकल गेटवे http के माध्यम से कोक्रेन समूहों के बारे में जानकारी प्रदान करता है: //www.cochranelibrary.com. पुस्तकालय "LibSys 4.0" पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है, जो एक एकीकृत बहु-उपयोगकर्ता पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली है जो पुस्तकालय के सभी इन-हाउस संचालन का समर्थन करती है। 'LibSys' में अधिग्रहण, कैटलॉगिंग, सर्कुलेशन, सीरियल, आर्टिकल इंडेक्सिंग

और OPAC पर मॉड्यूल शामिल हैं।

संकाय संख्या

पदनाम	स्वीकृत	भरा हुआ	रिक्त
निदेशक	01	01	00
प्रोफेसर	08	00	08
एसोसिएट प्रोफेसर	18	04	14
सहायक प्रोफेसर	17	13	04
कुल	44	18	26

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

स्वीकृत अनुदान: 70.09 करोड़

उपयोगित अनुदान: 67.69 करोड़

***

संगीत और ललित कला संकाय

संगीत विभाग

संक्षिप्त इतिहास

दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग, संगीत और ललित कला संकाय में हमें अपने शास्त्रीय संगीत को पारंपरिक गुरुकुल प्रणाली से विश्वविद्यालय प्रणाली में अपनाने की रणनीतियों को लागू करने के साठ वर्षों को देखकर गर्व होता है। इसकी वैचारिक नींव प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. वी.के.आर.वी राव द्वारा रखी गई थी, जो इसकी स्थापना के समय इस विश्वविद्यालय के कुलपति भी थे। सर शंकर लाल फाउंडेशन के अक्षयनिधि की सहायता से संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की वर्ष 1960 में स्थापना की गई थी। इस अवधारणा को वास्तविकता में बदलने की शुरुआत स्टाफ कलाकारों - श्री छम्मा खान, श्री फकीर चंद और श्री राम स्वरूप के साथ प्रोफेसर आर.एल. रॉय, श्री सी.एस. पंत, श्री प्राण नाथ, प्रोफेसर वी.वी. सदगोपन, श्रीमती अंबुजम, श्री देबू चौधरी और श्री वी.के. अग्रवाल जैसे अग्रदूतों द्वारा की गई थी। उनके बाद उस्ताद यूनुस हुसैन खान और उसके बाद विदुषी प्रोफेसर सुमति मुताटकर को दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत और ललित कला संकाय के डीन और प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया। प्रो. मुताटकर की प्रेरणा से और पहले गायक मंडली निदेशक यूनुस खान जी की मौजूदगी में विभाग ने वर्ष 1971 में गायन और वाद्ययंत्र समूह 'सरगम गायक मंडली' की शुरुआत की।

हिंदुस्तानी संगीत (गायन और वाद्य दोनों) और कर्नाटक संगीत (केवल गायन) के बारह विद्यार्थियों के एक मामूली बैच के साथ शुरू हुआ, विभाग शुरू में मिरांडा हाउस के पीछे बैरक में स्थित था। तब से, विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में सर शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल, यूनिवर्सिटी रोड और मॉल रोड के चौराहे के निकट अपने वर्तमान स्थान पर इसका विस्तार चार सौ पचास से अधिक विद्यार्थियों तक हो गया है। इस अवधि के दौरान, भारत में संगीत के दो मुख्य डिस्प्लीन, अर्थात, हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत, इस विभाग में एक दूसरे के समानांतर विकसित हुए हैं। समय बीतने के साथ नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये। वर्ष 2013-14 में, हिंदुस्तानी संगीत-परकशन (तबला /पखावज) में बी.ए.(ऑनर्स) की शुरुआत की गई, इसके बाद वर्ष 2016-17 में एम.ए. और फिर वर्ष 2018-19 से एम.फिल. शुरू किया गया था।

विभाग लगातार हमारे विद्यार्थियों के कौशल को बढ़ाने की प्रक्रिया में है, जिससे उनकी उत्पादकता और आउटपुट में वृद्धि होती है। इन्हें ध्यान में रखते हुए, विभाग समय-समय पर नवाचार करने और नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहा है। वर्ष 2008-09 से विभाग ने विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जो विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए रोजगार उन्मुख हैं। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए कई डिप्लोमा और अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। हारमोनियम में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम वर्ष 2015-16 में शुरू किया गया था। वर्ष 2017-18 में, उक्त पाठ्यक्रम और दो वर्ष की अवधि के दशकों पुराने संगीत शिरोमणि डिप्लोमा पाठ्यक्रम को मुख्य स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अनुरूप वार्षिक से सेमेस्टर मोड में पुनर्गठित किया गया था ।

विभाग ने कई विधाओं जैसे तबला, हारमोनियम, संतूर, ठुमरी-दादरा, कर्नाटक संगीत में पल्लवी के बाद की रचनाएँ, वीणा, वायलिन और मृदंगम, साथ ही पत्रकारिता और ध्वनि इंजीनियरिंग तकनीक और उपकरण में अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं। इस प्रकार वर्तमान में विभाग हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत दोनों में बी.ए.(ऑनर्स), एम.ए, एम.फिल. और पीएच.डी. प्रोग्राम आयोजित करता है, उपर्युक्त और अन्य विधाओं में छह महीने (एडवांस) और चार महीने (प्रमाणपत्र) अवधि के डिप्लोमा और अल्पकालिक पाठ्यक्रम; साथ ही विदेशी नागरिकों के लिए हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत दोनों में एक वर्ष का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम(सर्टिफिकेट कोर्स) कराता है।

शिक्षकों के संस्वीकृत इकतालीस पद और प्रसिद्ध हस्तियों, कलाकारों और संगीत प्रेमियों के योगदान के साथ विभाग ने तेजी से विकास के साथ कई उपयोगी और समृद्ध वर्ष देखे हैं। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अभिविन्यास दोनों पर समान जोर दिया जा रहा है। संगीत एक प्रदर्शन कला है, इसलिए कक्षा शिक्षण में मौखिक परंपरा पर जोर दिया जाता है। विद्यार्थियों के साथ अपना ज्ञान साझा करने के लिए प्रसिद्ध विशेषज्ञों को नियमित रूप से आमंत्रित किया जा रहा है। हमें अपने शिक्षण संकाय में अतीत और वर्तमान में कई प्रतिष्ठित कलाकारों को शामिल करने का गौरव प्राप्त है, जो हमारे विद्यार्थियों के लिए एक मार्गदर्शक व्यक्ति रहे हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, हमारे कई पूर्व विद्यार्थी रेडियो और टी.वी ग्रेडिंग वाले कलाकार हैं, जबकि अन्य विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और कई सरकारी और निजी संगठनों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं।

इस विभाग के बुनियादी ढांचे की एक प्रमुख विशेषता इसकी कई शाखाओं वाला विशाल और सुसज्जित पुस्तकालय है। इसे हाल ही में आंशिक रूप से स्वचालित होने के लिए अपग्रेड किया गया है। पुस्तकालय के पढ़ने और उधार देने वाले अनुभाग में लगभग 16,000 पुस्तकें हैं, उनमें से कुछ पुस्तकें बहुत पुरानी और दुर्लभ हैं, और नियमित और शोध-उन्मुख अध्ययन के लिए मूल्यवान स्रोत सामग्री प्रदान करती हैं। दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल अनुभाग में 304 ब्रेल पुस्तकों और टॉकिंग बुक्स में लिखित प्रासंगिक सामग्री का एक बड़ा संग्रह है, जो विद्यार्थियों को सीडी के रूप में उपलब्ध कराया जाता है। ऑडियो अनुभाग में एक श्रवण कक्ष और 2,200 से अधिक कैसेट और सीडी देने की सुविधा है। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि इस महान कला की बारीकियों को आत्मसात किया जा सके।

इसके अलावा, शिक्षकों और अनुसंधान विद्वानों के लाभ के लिए इंटरनेट कनेक्शन, प्रिंटर और ई-सामग्री सुविधाओं सहित एक अलग कंप्यूटर अनुभाग स्थापित किया गया है। दिव्यांग दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए JAWS सॉफ्टवेयर से सुसज्जित दो कंप्यूटर आवंटित किए गए हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत के लिए गहरी जड़ें विकसित करते हुए, इस अनुभाग का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में संगीत के विकास, विकास और अनुसंधान से परिचित होने के लिए सभी को प्रोत्साहित करना है।

विभाग के पास एक संग्रहालय भी है, जिसमें पुराने और दुर्लभ उपकरणों को उनके इतिहास के साथ प्रदर्शित किया गया है ताकि शोधकर्ताओं के लिए डेटा का एक मूल्यवान स्रोत प्रदान किया जा सके। वर्तमान में, स्टूडियो को एक अभिलेखीय अनुभाग के साथ उन्नत किया गया है, जहां विभाग में पहले रिकॉर्ड किए गए

दिग्गजों और संगीत के पारखी लोगों के अमूल्य अभिलेखीय संगीत को विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

पुस्तकालय(लाइब्रेरी) के उधार और संदर्भ अनुभाग , साथ ही संग्रहालय, सीसीटीवी कैमरों से सुसज्जित और निगरानी किए गए हैं। सभी 16,200 पुस्तकें और 2,300 पीएच.डी. थीसिस और एम.फिल. शोध प्रबंधों को डीयूएलएस द्वारा सदस्यता प्राप्त 'ड्रडॉन' ई-संसाधन में दर्ज किया गया है और इसे ड्रडॉन लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर (संस्करण - 4.0) लिंक-http://dulsopac.du.ac.in/catalogue.aspx के माध्यम से ऑनलाइन एक्सेसे किया जा सकता है।

विभाग को इस बात पर गर्व है कि उसके यहां न केवल भारत, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, चीन, मॉरीशस, थाईलैंड, ईरान, नीदरलैंड, कुवैत, दक्षिण कोरिया और फिजी जैसे देशों और नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों से भी विदेशी विद्यार्थी आए हैं। विभाग को सोका विश्वविद्यालय (जापान) और यूसीएलए (यू.एस.ए) के विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से लघु अवधि पाठ्यक्रम संचालित करने की विशिष्ट उपलब्धि भी प्राप्त है क्योंकि उनके और दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। थुम्मासैट यूनिवर्सिटी (थाईलैंड) के साथ एक एक्सचेंज प्रोग्राम भी किया गया है। इस अर्थ में, विभाग हमारी सीमाओं के बाहर भी भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षितिज का विस्तार करते हुए एक अद्वितीय स्थिति प्राप्त करने का दावा कर सकता है। जैसा कि कहा जाता है, संगीत की कोई सीमा नहीं होती!

संगीत सर्वोपरि है, एक व्यावहारिक कला है, प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करने पर न केवल विद्यार्थियों के बीच बल्कि शिक्षकों पर भी विशेष ध्यान और निरंतर जोर दिया जाता है। उन्हें उत्कृष्ट कला और प्रदर्शन की बारीकियों से परिचित कराने के लिए, विभाग समय-समय पर संगीत कार्यक्रम आयोजित करता है, जहां शिक्षकों और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की लीग और कंपनी में अपनी प्रतिभा की समृद्धि प्रदर्शित करने के लिए एक मंच दिया जाता है। जिन्हें प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया है। मल्हार रागों के विभिन्न प्रकारों के साथ वर्षा ऋतु की भावना का जश्न मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले प्रमुख संगीत समारोहों में से एक मल्हार उत्सव है। एक और उल्लेखनीय संगीत कार्यक्रम श्रृंखला 'साध्यायन' है, जो समय-समय पर विभाग द्वारा आयोजित एक बैठक (फर्श पर बैठकर) है। विभाग व्याख्यान-सह-प्रदर्शनों और कार्यशालाओं के लिए एक नियमित मंच भी प्रदान करता है, जिसमें हिंदुस्तानी संगीत और कर्नाटक संगीत दोनों के गायन, वाद्य और ताल क्षेत्रों में विविध प्रकार के कार्यक्रम शामिल हैं। सहायक शिक्षण और विशेषज्ञों के साथ बातचीत नियमित कक्षा शिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाती है ।

विभाग वसंतोत्सव (सरस्वती पूजा) का वार्षिक उत्सव उत्साह और जोश के साथ मनाता है, जिसमें प्रसिद्ध कलाकार, विद्वान और विश्वविद्यालय समुदाय शामिल होते हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

योग दिवस : 21 जून, 2022 को विभाग ने योग पर एक कार्यशाला आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

मल्हार उत्सव : मल्हार उत्सव भारतीय शास्त्रीय संगीत का दो दिवसीय वार्षिक उत्सव है, जो संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया जाता है, जो प्रत्येक वर्ष सितंबर के महीने में आयोजित किया जाता है। जैसा कि नाम से पता चलता है, यह त्यौहार वर्षा ऋतु की अनुभूति का जश्न मनाता है। राग मल्हार के कई प्रकार राष्ट्रीय ख्याति के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जाती हैं। ऐसे उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को मौसमी रागों के महत्व और विभिन्न परंपराओं (घरानों) में उनके व्यवहार को समझने का अवसर मिलता है।

1 सितंबर, 2022 को मंगल धावनी के साथ महोत्सव की शुरुआत हुई । कार्यक्रम में प्रोफेसर अलका नागपाल, डीन और प्रमुख, संगीत और ललित कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया स्वागत भाषण शामिल था। इसके बाद विदुषी सुधा रघुरामन गायन, विदवान जी रघुरामन बांसुरी, विदवान वी.एस.के अन्नादुरई वायलिन, विदवान एन. पद्मनाभन मृदंगम और उस्ताद अकरम खान द्वारा तबला, डॉ. विनय मिश्रा हारमोनियम द्वारा कर्नाटक गायन युगल गायन प्रस्तुत किया गया।

2 सितंबर 2022 को 'महोत्सव की शुरुआत 'मंगल धावनी ' के साथ हुई । कार्यक्रम में पंडित अभय रुस्तम सोपोरी, तबला उस्ताद रफीउद्दीन साबरी, पखावज श्री ऋषि शंकर उपाध्याय, घाटम श्री. वरुण राजस्वखरन द्वारा संतूर वादन शामिल था। इसके बाद विदुषी मीता पंडित ने हिंदुस्तानी गायन प्रस्तुत किया, उनके साथ तबले पर पंडित आशीष सेनगुप्ता और हारमोनियम पर डॉ. विनय मिश्रा ने साथ दिया था।

वसंत पंचमी उत्सव : संगीत एवं ललित कला संकाय द्वारा 26 जनवरी, 2023 को वसंत पंचमी उत्सव मनाया गया।

सम्मान /विशिष्टता

प्रो. टी.वी मणिकंदन - दिनांक 17/09/2022 को एआईएमए चेन्नई द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार "आचार्य रत्न"।

प्रकाशन

(सी.) विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

वागीश्वरी, (दिसम्बर 2022), *संगीत विभाग*, वॉल्युम 36

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय, 11 और 12 जनवरी, 2023 को तबले पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, विशेषज्ञ पंडित स्वपन चौधरी हैं, 12-01-2023.

दिल्ली विश्वविद्यालय, 23-24 फरवरी, 2022 को "भारतीय संगीत के बहुआयामी पहलू" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।", 24-02-2023.

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. ओजेश प्रताप सिंह - 01 सेमिनार

प्रो. शैलेन्द्र कुमार गोस्वामी - 05 अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन।

प्रो. ओजेश प्रताप सिंह -08 (एक ओरिएंटेशन एवं एक कार्यशाला)

प्रो. टी. वी. मणिकंदन - 01 (कर्नाटक संगीत के विशेषज्ञ के रूप में आई.के.एस विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के संगीत विभाग में अध्ययन बोर्ड की बैठक में भाग लिया, सीबीएसई पाठ्यक्रम समिति की बैठक में भाग लिया)

प्रो. शैलेन्द्र कुमार गोस्वामी - 01 (कार्यशाला) और छत्तरपुर मंदिर, दिल्ली में भक्ति प्रस्तुतियाँ।

डॉ. विनीत गोस्वामी - 01 (कार्यशाला)

डॉ. दीपक दाभाड़े - 01

संकाय संख्या

संस्वीकृत संख्या : 41
कुल कार्यरत शिक्षक : 27
प्रोफेसर : 07
एसोसिएट प्रोफेसर : 03
सहायक प्रोफेसर : 14
अतिथि लेक्चरर : 03
प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या : 12
प्रदत्त एम.फिल उपाधियों की संख्या : 14

***

विज्ञान संकाय

मानव विज्ञान(एंथ्रोपोलॉजी)

संक्षिप्त इतिहास

मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की वर्ष 1947 में मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं में समग्र अनुसंधान और शिक्षण करने के एकमात्र उद्देश्य से स्थापना की गई थी। एक वर्ष के बाद प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के पहले बैच ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कुछ बेहतरीन मानवविज्ञानी तैयार किए, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और कॉर्पोरेट जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हमारे विभाग में प्रशिक्षित विद्यार्थी अन्य विश्वविद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, उन्होंने शैक्षणिक विभागों और केंद्रों की स्थापना की और दिल्ली विश्वविद्यालय की अनुकरणीय परंपरा को आगे बढ़ाया। विभाग एक सफलता से दूसरी सफलता की ओर बढ़ते हुए फला-फूला और देश के अन्य हिस्सों में मानव विज्ञान के प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारा विभाग अनुसंधान और शिक्षण में हमेशा अग्रणी रहा है और शिक्षण संकाय के प्रयासों से विभाग की गौरवशाली स्थिति कायम है और भविष्य में भी बनी रहेगी।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

इंटरनेशनल यूनियन ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल एंड एथ्नोलॉजिकल साइंसेज (आईयूएईएस) द्वारा 19वीं आईयूएईएस-डब्ल्युएयू वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजी कांग्रेस 2023 की मेजबानी के लिए मानव विज्ञान विभाग को चुना गया था। कांग्रेस 14-20 अक्टूबर, 2023 को 'सीमांतताएं, अनिश्चितताएं और विश्व मानव विज्ञान: अतीत को जीवंत बनाना और भविष्य की कल्पना करना' विषय पर आयोजित की गई थी। इसके अलावा, विभाग के संकायों को पुरस्कार, फ़ेलोशिप और अनुसंधान परियोजनाओं के संदर्भ में अकादमिक मान्यता प्राप्त हुई।

सम्मान/विशिष्टताएँ

यन सोशियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा डॉ. चक्रवर्ती महाजन को प्रोफेसर एम.एन श्रीनिवास मेमोरियल क्कार 2022।

प्रकाशन

शोध लेख

एडम, जी.बी, सुप्रीत, के., और राव, पी.डी (2022), लैंगिक और यौन हिंसा: मैदुगुरी आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के शिविरों में महिला शिक्षा की चुनौतियां, पूर्वोत्तर नाइजीरिया, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्पेशलएजुकेशन*, 37(13एस), 1181-1195.

एडम, जी.बी, सुप्रीत, के., और राव, पी.डी (2022), मैदुगुरी आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के शिविर, पूर्वोत्तर नाइजीरिया में लैंगिक और यौन हिंसा पर अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, 11(6), 88-100.

लार, ए.के, एडो, पी., आर्येते, आर., अग्येमांग, सी., ज़ोटोर, एफ., असिकी, जी., रामपल्ली, के.के, अमेविन्या, जी.एस, तंदोह, ए., ननेमा, एस., एडजेई , लार, एम.ई, मेन्सा, के., लारिया, डी., सेलेन, डी., वांडेविजवेरे, एस., टर्नर, सी., ओसेई-क्वासी, एच., स्पियर्स, एम., ब्लेक, सी., रोलैंड, डी. ., कादियाला, एस., मैडज़ोरेरा, आई., डियॉफ़, ए., कोविक, एन., डज़ुडज़ोर, आई.एम, अन्नान, आर., मिलानी, पी., नॉर्टे, जे., ब्रिकस, एन., एम्फ़ुमुज़ी, एस., अनचांग, के.वाई, जाफरी, ए., ढल्ल, एम., ली, ए., मैके, एस., ओटी, एस.ओ, हॉफमैन, के., फ्रोंगिलो, ई.ए, और होल्ड्सवर्थ एम. (2022), परिप्रेक्ष्य: अफ्रीका के लिए खाद्य पर्यावरण अनुसंधान प्राथमिकताएँ-अफ्रीका खाद्य पर्यावरण अनुसंधान नेटवर्क से सबक, पोषण में प्रगति , 13(3), 739-747.

अंसारी, एस.एन, राजकुमारी, एस., रावत, एस., चंदेल, एस., देवी, एन.के, सरस्वती, के.एन, और जोशी, पी.सी, (2022), भारत की भील मूल आबादी के बीच अवसाद और चिंता विकार के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक संबंध, मानसिक स्वास्थ्य में प्रगति, 21(3), 103-114.

चौधरी, वी., सरस्वती, के.एन., और सरवाल, आर., (2022), भारत में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के प्रति एक स्थायी दृष्टिकोण के रूप में आहार विविधता, द इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 156(1), 31-45.

देवी, टी.सी, सिंह, एच.एस, और गुप्ता, वी. (2022), उदयपुर, राजस्थान की पुरुष और महिला आबादी के बीच फेनिलथियोकार्बामाइड (पीटीसी) की स्वाद संवेदनशीलता और मोटापे के बीच संबंध, एप्लाइड बायोलॉजिकल रिसर्च, 24(2), 168-174.

ढल, एम., त्यागी, आर., तुंगडिम, एम.जी, निलुफर, गुप्ता, यू., देवी, के.एस, कौर, जे., कपूर, ए.पी, सैनी, एम., ढल, पी., रुलु, पी. , भसीन, पी., और कपूर, एस., (2022), कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के दौरान पोषण, शारीरिक गतिविधि और मनोवैज्ञानिक स्थिति, एक्टा साइंटियारम। स्वास्थ्य विज्ञान, 44, ई57231.

गोस्वामी, वी., और गुप्ता, वी. (2022), भारत में उत्तराखंड की भोक्सा जनजाति के बीच बाल अल्पपोषण, ऑनलाइन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड एलाइड साइंसेस, 21(4), 10.

गुप्ता, ए., सलूजा, ए., सरस्वती, के.एन, इम्नामेरन, एल., यादव, एस., और धमीजा, आर.के (2022), उत्तर भारतीय जनसंख्या के बीच इस्केमिक स्ट्रोक में PON1 (पैराओक्सोनेस 1) Q192R जीन बहुरूपता, एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, 25(1), 100-105.

कंबोज, एन., सरस्वती, के.एन., बाबू, एन., पुरी, एम., सचदेवा, एम.पी, और महाजन, सी. (2022), इनफर्टिलिटी एंड ओबेसिटी: ए क्रॉस-सेक्शनल स्टडी इन नॉर्थ इंडियन वीमेन, *कोलेजियम एंट्रोपोलॉजिकम*, 46(2), 97-103.

कटारिया, एस., डबास, पी., सरस्वती, के.एन, सचदेवा, एम.पी, और जैन, एस. (2022), फेनोटाइप भविष्यवाणी के लिए खोपड़ी और चेहरे के बालों की विशेषताओं की आकृति विज्ञान और आनुवांशिकी की जांच, *विज्ञान और न्याय*, 63(1), 135-148.

कौर जे., और ढल्ल एम. (2022), फिंगरप्रिंट माइक्रोफीचर्स की प्रतिलिपि प्रस्तुत करने योग्यता और विश्वसनीयता: विभिन्न तापमानों पर पानी में हाथ डुबाने का प्रभाव, *जर्नल ऑफ फोरेंसिक एंड लीगल मेडिसिन*, 91, 102424.

कौर, जी., गौर, आर., और सरस्वती, के.एन (2022), उत्तर भारत की मेंडेलियन जनसंख्या के सोमाटोटाइप लक्षण और संज्ञानात्मक हानि और अवसाद के साथ इसका संबंध, *द ओरिएंटल एंथ्रोपोलॉजिस्ट* , 22(2), 278-292

कौर, जे., और ढल्ल, एम. (2022), फिंगरप्रिंट माइक्रोफीचर्स की पुनरुत्पादन क्षमता, *इजिप्टियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंस*, 12, 7.

कोन्याक, ई.डब्ल्यू, और झिमो, ए.जी (2022), बॉडी एस्थेटिक्स: कोन्याक नागा की टैटू संस्कृति का संदर्भ, *जर्नल ऑफ इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी*, 57(1), 61-77.

कुलश्रेष्ठ, एम., मलिक, एस.एल, और चंदेल, एस, (2022), शारीरिक फिटनेस और वसा संकेतक के स्वास्थ्य संबंधी घटक: उत्तर भारत के कथक नर्तकियों और गैर-नर्तकियों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन, *नृत्य शिक्षा में अनुसंधान*, 2159357.

मिश्रा, डी., लोंगकुमेर, आई., सरस्वती, रूपालिका, के.एन., और देवी, एन.के. (2022), भील आदिवासी आबादी के बीच मोटापा और डिस्लिपिडेमिया: भारत से एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायबिटीज *इन डेवलपिंग देश*, 42(1), 116-25.

राजकुमारी, एस., चौधरी, वी., कसौधन, एस., और सरस्वती, के.एन., (2022), उत्तर भारतीय महिलाओं के बीच हिस्टेरेक्टॉमी की घटनाएं और निर्धारक: 8 वर्ष का अनुवर्ती अध्ययन, *फ्रंटियर्स इन पब्लिक स्वास्थ्य*, 10, 1065081.

राजकुमारी, एस., निंगोम्बम, एस.एस, चुंगी, वी., न्यूमेई, एम.के, देवी, एन.के, मोंडल, पी.आर, और सरस्वती, के.एन, (2022), एसीई आई/डी जीन बहुरूपता और बिगड़ा हुआ उपवास ग्लूकोज और टाइप 2 मधुमेह में संबंधित जोखिम कारकों का संघ: उत्तर-पूर्व भारत की दो आदिवासी आबादी के बीच एक अध्ययन, *मॉलिकुलर बॉयलोजी रिपोर्ट*, 49, 1037-44.

शर्मा, ए., कंबोज, एन., सरस्वती, के.एन., पुरी, एम., बाबू, एन., और महाजन, सी., (2022), बांझपन का ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रैक्टिसेस : बांझ और फर्टिलिटी भारतीय महिलाओं में एक तुलनात्मक अध्ययन, *जर्नल ऑफ बायोसोशल साइंस*, 55(5), 947-959.

शर्मा, ए., महाजन, सी., सरस्वती, के.एन., पुरी, एम., और बाबू, एन., (2022), प्राथमिक बांझपन से संघर्ष: उत्तर भारतीय महिलाओं में मनोवैज्ञानिक कल्याण और संबद्ध कारक, जर्नल *ऑफ भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण*, 71(1), 68-83.

सिन्हा, एस., मंडल, पी.आर, और गुप्ता, वी. (2022), भारत में मृत जन्म के बोझ पर सामाजिक आर्थिक कारकों और निवास स्थान की भूमिका का आकलन: एक व्यापक समीक्षा, *द ओपन पब्लिक हेल्थ जर्नल*, 15, 1-13.

श्रीवास्तव, एम. (2022), बौद्ध धर्म में महिला सशक्तिकरण; तीन बौद्ध भिक्षुणियों के साथ एक मानवशास्त्रीय आमना-सामना, *सीरियल प्रकाशन*, 22, 2.

तलवार, एस., प्रसाद, एस., कौर, एल., मिश्रा, जे., पुरी, एम., सचदेवा, एम.पी, और सरस्वती, के.एन, (2022), एमटीआर, एमटीआरआर और सीबीएस जीन बहुरूपता बार-बार गर्भपात: उत्तर भारत से एक केस नियंत्रण अध्ययन, *जर्नल ऑफ ह्यूमन रिप्रोडक्टिव साइंसेज*, 15(2), 191-1962.

गुप्ता, यू., देवी, एन.के.एस, कौर, के., और ढल्ल, एम. (2022), दिल्ली की किशोर लड़कियों के बीच मासिक धर्म की आधारभूत विशेषताएं, *एंट्रोकॉम जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी*, 18(1), 299-312.

वत्स, एच., सक्सेना, आर., सचदेवा, एम.पी, वालिया, जी.के और गुप्ता, वी. (2022), भारत में कम जन्म वजन के साथ जुड़े मातृ जोखिम कारक, *एंथ्रोपोलॉजिकल रिव्यू*, 85(4), 61- 81.

यादव, एन., चौधरी, वी., सरस्वती, के.एन., और देवी, एन.के., (2022), मोटापे और उच्च रक्तचाप में विटामिन का सेवन: हरियाणा, उत्तर भारत, *क्लिनिकल महामारी विज्ञान और वैश्विक स्वास्थ्य से जनसंख्या-आधारित अध्ययन*, 18, 101178.

यादव, एस.के, हड्डा, वी., और सरस्वती, के.एन (2022), वन कार्बन मेटाबॉलिक पाथवे और धूम्रपान मध्यस्थता ने क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में वैश्विक डीएनए मिथाइलेशन को बदल दिया: ग्रामीण भारत से एक शाकाहारी समुदाय-आधारित अध्ययन, यूरोपीय *श्वसन जर्नल*, 60, 4151.

बिंधानी, बी., देवी, एन.के, और नायक, जे.के (2023), भारत में विटामिन डी की कमी: एक अवलोकन, *दक्षिण एशियाई मानवविज्ञानी*, 23(1), 29-35.

डबास, पी., खजुरिया, एच., जैन, एस., दत्त, एस., सरस्वती, के.एन, नायक, बी.पी (2023), उत्तर भारतीयों के बीच मात्रात्मक एपिडर्मल मेलेनिन और एरिथेमा सूचकांकों का एक क्रॉस-सेक्शनल मूल्यांकन, *भारतीय त्वचाविज्ञान ऑनलाइन जर्नल*, 14(3), 366-370.

दहल, एस., लोंगकुमेर, आई., भट्टाचार्जी, डी., और देवी, एन.के (2023), एसोसिएशन ऑफ सीबीएस 844ins68, एमटीआर ए2756जी और एमटीआरआर ए66जी जीन पॉलीमोर्फिज्म विद डिप्रेशन: ए पॉपुलेशन-बेस्ड स्टडी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया, *जीन रिपोर्ट*, 30, 101714.

देवी, एन.के, मरी, बी., बिंधानी, बी.के, और सरस्वती, के.एन (2023), इंसान मोटा कैसे हुआ? मनुष्यों में मोटापे के विकास के लिए एक एंथ्रोपोलॉजिकल दृष्टिकोण, *द ओरिएंटल एंथ्रोपोलॉजिस्ट*, 23(1), 216-224.

कंबोज, एन., सरस्वती, के.एन., प्रसाद, एस., बाबू, एन., पुरी, एम., शर्मा, ए., ... और महाजन, सी., (2023), महिलाओं में बांझपन और सामान्य मानसिक विकार : उत्तर भारत से एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, *प्लोसवन*, 18(1):e0280054.

खटे, के., चौधरी, वी., लोंगकुमेर, आई., सरस्वती, के.एन, और देवी, एन.के (2023), संज्ञानात्मक हानि के साथ रक्त लिपिड और प्रजनन प्रक्षेपवक्र का लैंगिक-विशिष्ट एसोसिएशन: भारत से एक समुदाय आधारित क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन, *फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी*, 14, 736.

लालनुनेंग, ए. (2023), पीएस-पी11-5: पूर्वोत्तर भारत के स्वदेशी जनसंख्या में उच्च रक्तचाप के बायोसोशल सहसंबंध, *जर्नल ऑफ हाइपरटेंशन*, 41(1), ई489-490.

मिश्रा, डी., लोंगकुमेर, आई., खटे, के., सरस्वती, के.एन, और देवी, एन.के (2023), eNOS Glu298Asp (rs1799983) और Met235Thr (rs699) प्रतिकूल कार्डियोमेटाबोलिक फेनोटाइप्स में बहुरूपता: भारत की भील आदिवासी आबादी के बीच एक अध्ययन, मानव जीन, 35, 201152.

त्यागी, आर., ढल्ल, एम., जैन, एस., और कपूर, ए.के (2023), आदिवासी आबादी की आयु बढ़ने और स्वास्थ्य चुनौतियां: भारत के निकोबार द्वीप समूह के कार निकोबारियों के बीच एक अनुभवजन्य अध्ययन, *द ओरिएंटल एंथ्रोपोलॉजिस्ट*, 23 (1), 225-35.

सिंह, एन., चौधरी, वी., खाते, के., भट्टाचार्जी, डी., लोंगकुमेर, आई., कटारिया, एस., कौर, जी., देवी, एन.के., बाबू, एन. और सरस्वती, के.एन (2023), संज्ञानात्मक हानि अर्थात एक कार्बन चयापचय मार्ग में आनुवंशिक और जैव रासायनिक विविधताएं: उत्तर भारत से जनसंख्या-आधारित अध्ययन, *जीन रिपोर्ट*, 30, 101720.

सिन्हा, एस., मंडल, पी.आर और गुप्ता, वी. (2023), भारत में प्रजनन आयु की महिलाओं के बीच पोषण स्थिति पर सामाजिक आर्थिक कारकों का प्रभाव: एक समीक्षा, *जर्नल ऑफ इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसाइटी*, 58(1), 69-88.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

जैन, एस. और ढल्ल, एम. (2022), कोविड-19 में सामाजिक अलगाव: वृद्ध वयस्कों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अकेलेपन और एनसीडी का प्रभाव, *सिंगापुर*, स्प्रिंगर, 978-981-16-1914-4,1-18.

गुप्ता, वी., और सचदेवा, एम.पी (2022), भारत में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सामाजिक महामारी विज्ञान, *दिल्ली*, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राइवेट। लिमिटेड, 9789354390869, 9354390862, 340-351.

सचदेवा, एम.पी, कुमार, एन., टंडन, ए., और गुप्ता, वी. (2022), रोगों की जैव-सामाजिक समझ का निर्माण: एक अनदेखी अनिवार्य शर्त, *दिल्ली*, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राइवेट, 9789354390869, 9354390862, 111-126.

सचदेवा, एम.पी, कुमार, एन., टंडन, ए., और गुप्ता, वी., (2022), मेडिकलाइजेशन ऑफ हेल्थ सिस्टम्स: एंथ्रोपोलॉजी ऑन विजिल, *दिल्ली*, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राइवेट., 9789354390869, 9354390862, 180-194.

झिमो, ए.जी (2022), लैंगिक आधारित शरीर, प्रदर्शन और शिलालेख: नागालैंड के सुमी नागा के बीच व्यक्तिगत अलंकरणों के शिफ्टिड अर्थ, *नागालैंड की सांस्कृतिक विरासत*, प्रकाशक: मनोहर/रूटलेज, 227-238.

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

भारतीय मानवविज्ञानी, (1971 से अब तक), *भारतीय मानवविज्ञान संघ।*

अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), यूएसए, 2022-27, जिओहेल्थ जीवन भर में चयनित पर्यावरणीय एक्सपोज़ोम्स के स्वास्थ्य प्रभाव (एचईएएलएस), 5.00 करोड़.

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-23, नवजात शिशु के जन्म के समय वजन निर्धारित करने में लिपिड की भूमिका, 5.00 लाख.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), 2022-24, जम्मू और कश्मीर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर रहने वाले समुदायों के सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य का आकलन, 10.00 लाख.

बुले होरा विश्वविद्यालय, बुले होरा, इथियोपिया, 2022-24, दक्षिणी इथियोपिया में गुजी के बीच बीमारी और जातीय चिकित्सा पर परिप्रेक्ष्य, 10.00 लाख.

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2022-25, दिल्ली और एनसीआर (भारत) के युवा वयस्कों के बीच थैलेसीमिया जागरूकता, स्क्रीनिंग और परामर्श पर एक अध्ययन, 1.00 करोड़.

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2023-26, गर्भावस्था में फोलेट चयापचय की प्रगति और उसका परिणाम: एक अनुवर्ती अवलोकन आनुवंशिक और एपिजेनेटिक अध्ययन, 90.00 लाख.

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-23, एपिजेनेटिक्स, प्रारंभिक रजोनिवृत्ति, और कार्डियो-मेटाबोलिक स्वास्थ्य: मनसा जिले (पंजाब) से एक अध्ययन, 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-23, संज्ञानात्मक हानि में एमटीएचएफआर जीन बहुरूपता: पंजाब की आबादी के बीच एक बायोसोशल अध्ययन, 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, लॉन्ग कोविड में हृदय संबंधी असामान्यताओं के पहचान हस्ताक्षर, 5.00 लाख.

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

प्रो. पी.सी जोशी, प्रो. फ्रेडरिक एल कूलिज, प्रो. डैनियल नेगर्स, डॉ. अनुप अधिकारी, प्रो. सुभो रे, प्रो. अरूप आर बंद्योपाध्याय, डॉ. थिंगगनिंग लोंगवाह, डॉ. थिंगगनिंग लोंगवाह, प्रो. अभिक घोष, प्रो. रूमी देब, प्रो. अलाहारी पपाराव, प्रो. एस. सुमति राजेश, प्रो. सोनिया सूरी, एन.एम रबीउल अवल चौधरी, डॉ. संजेनबाम याइफाबा मैतेई, डॉ. हुइड्रोम सूरज सिंह, डॉ. रतिका समतानी, डॉ. युमनाम लक्ष्मी देवी, डॉ. हरविंदर कौर, डॉ. अभिशिक्ता घोष रॉय, डॉ. गगनदीप कौर वालिया, डॉ. कोयल मुखर्जी, डॉ. केश बेलिया लक्ष्मी देवी, प्रो. सुपर्णा सान्याल मुखर्जी, डॉ. उरफत अंजेम मीर, डॉ. उरफत अंजेम मीर, डॉ. प्रशांत खत्री, डॉ. लोविटोली जिमो, डॉ. प्रियाशा कौल, डॉ. प्रियंका जैन, डॉ. अहनथेम रोमिता देवी, डॉ. स्निग्धा विश्नोई, डॉ. कुमारी विभूति नायक, डॉ. देबाश्री सिन्हा, डॉ. उज्ज्वला गुप्ता, डॉ. गीतांजलि पांडा, डॉ. द्रबिता दत्ता, निवेदिता सिंह, प्रो. सूर्य प्रकाश, डॉ. डॉली फ्लोरेंस मुर्मू, डॉ. ओइनम हेमलता देवी, डॉ. नोंगथोम्बम अचौबी, डॉ. प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. रोंगसेंज़ुलु जमीर, डॉ. कोकिला खन्ना, डॉ. प्रांजल बरुआ, प्रो. स्वपन कुमार कोले, प्रो.

मोहन कुमार के.पी, डॉ. मिथुन सिकदर, डॉ. रूपक मुखोपाध्याय, डॉ. दीपक वी., डॉ. भुबन मोहन दास, प्रो. विजय एस सहाय, प्रो. एस जिबोनकुमार सिंह, प्रो. एस.पी सिंह, डॉ. आशीष जोशी, प्रो. केवल कृष्ण, डॉ. सरबजीत मस्ताना, प्रो. के.एम वेंकट नारायण, प्रो. पी. विजया प्रकाश, प्रो. एलेना गोडिना, डॉ. एंटोनेट ई. डेनापोली, प्रो. बैरी बोगिन, प्रो. विभा जोशी पार्किन, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, डीयू, कोलोराडो विश्वविद्यालय, कोलोराडो स्प्रिंग्स, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंस्टीट्यूट नेशनल डेस लैंग्वेज एंड सिविलाइजेशन ओरिएंटेल्स (इनाल्को), पेरिस, फ्रांस, कैनेडियन रेड क्रॉस ट्रेनिंग पार्टनर टोरंटो, ओंटारियो, कनाडा, मानव विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, मानव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, मानव विज्ञान केंद्र, एमिटी विश्वविद्यालय, मानव विज्ञान विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति, मानव विज्ञान विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, विलियम जेम्स कॉलेज, मैसाचुसेट्स, यूएसए, मानव विज्ञान विभाग, कोमिला विश्वविद्यालय, मानव विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, मानव विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, भारतीय स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, मानव विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य फाउंडेशन ऑफ इंडिया, एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, नॉर्थ ईस्ट रीजनल सेंटर, शिलांग, मेघालय, प्रवाबती कॉलेज, मणिपुर, भारतीय सामाजिक विज्ञान विभाग, सीकॉन स्किल्स यूनिवर्सिटी, केंद्रदंजल, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, डॉ. बी.आर अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली, विभाग मानव विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, समाजशास्त्र विभाग, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मणिपुर विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, डॉ. बी.आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र , कोलकाता, मानविकी सामाजिक विज्ञान और शिक्षा स्कूल, जी.डी गोयनका विश्वविद्यालय, दिल्ली, येनेपोया डीम्ड विश्वविद्यालय, बीजेबी स्वायत्त कॉलेज, भुवनेश्वर, ओडिशा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, मानव विकास और बचपन विभाग अध्ययन, लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. बी.आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, मानव विज्ञान विभाग, मैंगोलंगनबी कॉलेज, निंगथौखोंग, मणिपुर, दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी और गवर्नेंस, इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी और आईआईटी गांधीनगर, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, डॉ. बी.आर अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली, एंथ्रोपोलॉजी विभाग, डिब्रू कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम, स्कूल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी एंड ट्राइबल स्टडीज, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर, प्रोफेसर, ओरल पैथोलॉजी विभाग, कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, दावणगेरे, एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, मैसूर, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एमआर अंबेडकर डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज, कर्नाटक, मानव विज्ञान विभाग, हल्दिया सरकारी कॉलेज, पश्चिम बंगाल शिक्षा सेवा, सांस्कृतिक अनुसंधान अधिकारी (सीआरओ), सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान, अंबेडकर भवन, कोलकाता, मानव विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, भारत, मानव विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय दिल्ली, मानव आनुवांशिकी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, सार्वजनिक स्वास्थ्य स्कूल, मेम्फिस विश्वविद्यालय, मेम्फिस, टेनेसी, यूएसए, मानव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, खेल, व्यायाम

और स्वास्थ्य विज्ञान स्कूल, लॉफबोरो, एमोरी यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, एमोरी विश्वविद्यालय, यूएसए, मानव विज्ञान विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, अनुचिन अनुसंधान संस्थान और मानव विज्ञान संग्रहालय, लोमोनोसोव मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस, टेक्सास क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका, लॉफबोरो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम, ईके यूनिवर्सिटी ऑफ ट्युबिंगन, डीबीटी, डीएसटी-एसईआरबी, आईसीएसएसआर, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, एंथ्रोपोसीन की पुनर्लेखन: स्वास्थ्य, खुशी और आशा, 13-01-2023.

डॉ. सीमा, प्रो. रेनू, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, एम्स, थैलेसीमिया निदान, उपचार और रोकथाम: व्यक्तिगत से समुदाय, 08-05-2022.

जुआन फ्रांसिसो कुयास, बार्सिलोना विश्वविद्यालय, नृवंशविज्ञान फोटोग्राफी', 07-02-2022.

प्रो. मारुस्का स्वेसेक, क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफ़ास्ट, भावनाएँ, रचनात्मकता और नृवंशविज्ञान कार्य, 28-11-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

झिमो, ए.जी, 2022. 17वें ईएएसए द्विवार्षिक सम्मेलन ईएएसए2022 में "वैकल्पिक बौद्धिकता की सह-कल्पना: एक ओपेन स्पेस": क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट में परिवर्तन, आशा और कॉमन्स स्कूल ऑफ हिस्ट्री, एंथ्रोपोलॉजी, फिलॉसफी एंड पॉलिटिक्स, 26-29 जुलाई, 2022.

श्रीवास्तव, एम., 2023. “बोधगया में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धर्म; अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्री-कांग्रेस, विश्व मानवविज्ञान कांग्रेस (डब्ल्यूएसी-2023) में एक फौकॉल्डियन परिप्रेक्ष्य"। एंथ्रोपोसीन की पुनर्लेखन: स्वास्थ्य, खुशी और आशा। 11-13 जनवरी, 2023. मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय। (पेपर प्रस्तुति).

यादव एस, हड्डा वी, सरस्वती के.एन, 2022. यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी कॉन्फ्रेंस, बार्सिलोना, स्पेन में "एक कार्बन चयापचय मार्ग और धूम्रपान की मध्यस्थता ने क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में वैश्विक डीएनए मिथाइलेशन को बदल दिया: ग्रामीण भारत से एक शाकाहारी समुदाय-आधारित अध्ययन"।

यादव, एस. 2023. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्री-कांग्रेस, वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजी कांग्रेस (डब्ल्यूएसी-2023) में "उच्च रक्तचाप देखभाल कैस्केड - राष्ट्रीय कार्यक्रम और इसके लाभार्थियों के बीच अंतर को पाटने में मानव विज्ञान की भूमिका"। एंथ्रोपोसीन की पुनर्लेखन: स्वास्थ्य, खुशी और आशा। 11-13 जनवरी, 2023. मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय। (पेपर प्रेजेंटेशन).

पी. दुर्गा राव, 2022. गवर्नमेंट कॉलेज ऊना द्वारा 22-23 अप्रैल 2022 के दौरान गवर्नमेंट कॉलेज ऊना, हिमाचल प्रदेश, भारत में आयोजित प्रवासी साहित्य में बदलते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दक्षिणी इथियोपिया में गदा प्रणाली: एक मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य"। (पेपर प्रस्तुति ऑनलाइन)। (पेपर प्रस्तुति ऑनलाइन).

पी. दुर्गा राव, 2022. इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में एडम गण बावा के सहयोग से "लैंगिक और यौन हिंसा: मैदुगुरी आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के शिविरों, पूर्वोत्तर नाइजीरिया में महिला शिक्षा की चुनौतियां"। 26-27 मई, 2022 के दौरान

एस.एन.डी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर, येओला, नासिक, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित किया गया। (पेपर प्रस्तुति ऑनलाइन).

लालनुनेंग, ए. 2022. इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हाइपरटेंशन, क्योटो, जापान की 29वीं वैज्ञानिक बैठक में, 12 से 16 अक्टूबर, 2022 को "पूर्वोत्तर भारत की स्वदेशी आबादी में उच्च रक्तचाप के बायोसोशल सहसंबंध" ।

लालनुनेंग, ए. 2022. "उच्च रक्तचाप और मोटापा: मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य" अंतर्दृष्टि, रॉयल थिम्पू कॉलेज अकादमिक सेमिनार शृंखला, 12वीं शृंखला, रॉयल थिम्पू कॉलेज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ़ भूटान, थिम्पू, भूटान, 1 सितंबर, 2022।

झिमो, ए.जी 2022. "सांस्कृतिक विनियोग और भारत की अनुसूचित जनजातियाँ" जनजातीय मानवविज्ञान संगोष्ठी, झारखंड जनजाति महोत्सव, 9 - 10 अगस्त, 2022 (पेपर प्रस्तुति)।

लालनुनेंग, ए. 2022. "मानव विज्ञान में जनसांख्यिकी अध्ययन"। नर्सिंग और मिडवाइफरी विभाग, रॉयल थिम्पू कॉलेज, खेसर ग्यालपो यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज ऑफ भूटान, थिम्पू, भूटान, 12 सितंबर, 2022। (आमंत्रित व्याख्यान).

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सहयोग -

एम्स, नई दिल्ली

आईजीआईबी, नई दिल्ली

पीएचएफआई, गुड़गांव

एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़

थैलेसीमिया सोसाइटी, दिल्ली

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों की संख्या - 6

प्लेसमेंट विवरण

डॉ. इम्नामेरन - वैज्ञानिक-सी, एम्स, नई दिल्ली

डॉ. नूपुर महाजन - डब्ल्यूएचओ, भारत कार्यालय, दिल्ली

डॉ. केविनगु खाते - रॉयल कॉलेज, थिम्पू, भूटान

डॉ. सुनंदा राजकुमारी - रिसर्च एसोसिएट, आईसीएमआर-एनआईओपी, दिल्ली

डॉ. वरहलुंचुंगी वार्टे - रिसर्च एसोसिएट, एम्स, नई दिल्ली

डॉ. रूपालिका - वैज्ञानिक सी, एम्स, नई दिल्ली

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

डॉ. एन. किरणमाला देवी, 2023. दिनांक 22 मार्च, 2023 को जूलॉजी विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में "आहार और मोटापा: एक जैव सांस्कृतिक संदर्भ" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एन. किरणमाला देवी, 2023. दिनांक 21 फरवरी, 2023 को जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "थैलेसीमिया जागरूकता और परामर्श" पर व्याख्यान दिया।

झिमो, ए.जी 2023. 28 फरवरी, 2023 को हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वोत्तर सेल के सहयोग से महिला विकास सेल द्वारा आयोजित "महिलाओं का चित्रण और उसके द्वारा देखी जाने वाली निगाहें: पूर्वोत्तर भारत में जनजातियों के औपनिवेशिक मोनोग्राफ पर विचार" पर व्याख्यान दिया।

झिमो, ए.जी 2022. डोमेन विशिष्ट - मानव विज्ञान। 27 जून से 7 जुलाई, 2022 तक इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग (आईएलएलएल), दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से डीन स्टूडेंट वेलफेयर के तत्वावधान में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) 2022 के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन कम गाइडेंस प्रोग्राम।

पी. दुर्गा राव, 2022, ने 26 मई, 2022 को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा आयोजित ओसबोर्न सेलिब्रेटिंग बायोडायवर्सिटी के तहत "जैव विविधता और संस्कृति: एक मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य" पर व्याख्यान दिया।

मीनल ढल, 2023. बायोकैमिस्ट्री विभाग, दौलत राम कॉलेज और दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 17-18 जनवरी, 2023 को आयोजित सार्वजनिक स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति(रिसोर्स पर्सन)।

सुनीति यादव - वर्ष 2022-23 के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित आईआरआईएस राष्ट्रीय मेले और रीजेनरॉन अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेले के लिए संरक्षक और न्यायाधीश।

सुनीति यादव - लीड एसटीईएम नागरिकता के लिए संसाधन व्यक्ति - 07 फरवरी, 2023 को सीबीएसई, नई दिल्ली द्वारा समर्थित क्रिएटिव एसटीईएम सॉल्यूशंस शिक्षक कार्यशाला आयोजित की गई।

लालनुनेंग, ए. 2022. "मानव विज्ञान में जनसांख्यिकी अध्ययन" पर व्याख्यान दिया। नर्सिंग और मिडवाइफरी विभाग, रॉयल थिम्पू कॉलेज, खेसर ग्यालपो यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज ऑफ भूटान, थिम्पू, भूटान, 12 सितंबर, 2022.

संकाय शक्ति - 19

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या - 12

प्रदत्त एम.फिल उपाधियों की संख्या - 7

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मानव विज्ञान विभाग ने मंडी, हिमाचल प्रदेश और जैसलमेर, राजस्थान में बी.एससी. सेमेस्टर-VI और एम.एससी. भाग-II सेमेस्टर-IV के लिए वार्षिक फील्डवर्क भी सफलतापूर्वक पूरा किया।

***

वनस्पति विज्ञान

संक्षिप्त इतिहास

वनस्पति विज्ञान विभाग की वर्ष 1947 में तत्कालीन प्रमुख डॉ. जे.जे. चिनॉय सहित लगभग 50 विद्यार्थियों और कुछ संकाय सदस्यों के साथ स्थापना की गई थी। तब से, विभाग का विस्तार 300 से अधिक स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और अनुसंधान विद्वानों तक हो गया है। गतिशील और दूरदर्शी प्रोफेसर पंचानन माहेश्वरी 1949 में विभाग में शामिल हुए और वर्ष 1950-1966 तक विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जिसके कारण इसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली और यू.जी.सी द्वारा वनस्पति विज्ञान में उन्नत अध्ययन केंद्र (सीएएस) के रूप में और वर्ष 1963 में आकृति विज्ञान(मार्फोलॉजी) और भ्रूणविज्ञान(इम्ब्रोलॉजी) का क्षेत्र विशेष रूप से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता मिली। स्वर्गीय प्रोफेसर पी. माहेश्वरी द्वारा वर्ष 1950 में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्लांट मॉर्फोलॉजिस्ट (आईएसपीएम) की स्थापना की गई थी, जो एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल - फाइटोमॉर्फोलॉजी प्रकाशित करती है। दिल्ली यूनिवर्सिटी बॉटनिकल सोसाइटी (डीयूबीएस) की वर्ष 1950 में स्थापना भी की गई थी, जो आज तक प्रख्यात वैज्ञानिकों के व्याख्यानों की व्यवस्था करने, संगोष्ठीयों, प्रकृति फोटोग्राफी, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं और विद्यार्थियों के बीच डाक टिकट प्रतियोगिताओं का आयोजन करने में सक्रिय है और एक वार्षिक पत्रिका- द बोटैनिका भी निकालती है। पादप विज्ञान के विविध क्षेत्रों पर लोकप्रिय/अर्ध-तकनीकी लेख प्रकाशित करता है।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

वनस्पति विज्ञान विभाग ने 9 नवंबर, 2022 को प्रोफेसर पंचानन माहेश्वरी स्मृति व्याख्यान-2022 का आयोजन किया है।

वनस्पति विज्ञान विभाग ने एच.वाई. मोहन राम मेमोरियल लेक्चर 2022 (हाइब्रिड मोड) का आयोजन किया। प्रोफेसर डगलस ई. सोल्टिस, प्रतिष्ठित प्रोफेसर, फ्लोरिडा म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री और जीव विज्ञान विभाग, फ्लोरिडा विश्वविद्यालय ने 26 सितंबर, 2022 को "बिल्डिंग, यूजिंग एंड एक्सप्लोरिंग द ग्रीन प्लांट ट्री ऑफ लाइफ" विषय पर व्याख्यान दिया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

श्रुति कसाना को इंडियन फर्न सोसाइटी से मेरिट सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ (25-27 नवंबर, 2022).

प्रकाशन

शोध लेख

अंबरीन, एच., ओरांव, पी.के., वाहलांग, डी.आर, सत्यवाड़ा, आर.आर, कटियार-अग्रवाल, एस., अग्रवाल, एम., जगन्नाथ, ए., कुमार, ए., बुधवार, आर., शुक्ला, आर.एन. और गोयल, एस., (2022), भारतीय काले चने (विग्ना मुंगो एल.) किस्म 'आईपीयू-94-1 (उत्तरा)' का लॉग-रीड आधारित ड्राफ्ट जीनोम अनुक्रम : रोग प्रतिरोध और बीज भंडारण प्रोटीन जीन में अंतर्दृष्टि, *द प्लांट जीनोम*, 03, 15:e20234

ध्यानी, ए., बैश्या, आर., उनियाल, पी.एल, और राव, के.एस, (2023), कनासर वन रेंज, उत्तराखंड, भारत में ब्रायोफाइट्स के कवरेज प्रतिशत, बायोमास और प्रकाश संश्लेषक रंगद्रव्य का आकलन, *प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल एकाडमी ऑफ साइंस, भारत। सेक. बी. बॉयलॉजिकल साइंस*, 93, 189-194.

पटेल, के., चौरसिया, एम., और राव, के.एस., (2023), दिल्ली के शहरी क्षेत्रों में चयनित पौधों की प्रजातियों की पत्तियों में भारी धातु का संचय, *पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान*, 30, 27622-27637.

पटेल, के., चौरसिया, एम., और राव, के.एस., (2023), दिल्ली में शहरी हरियाली के विकास के लिए चयनित पौधों की प्रजातियों के शहरी धूल प्रदूषण सहिष्णुता सूचकांक, *पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन*, 195, 6.

नौटियाल, एस., गोस्वामी, एम., प्रकाश, एस., राव, के.एस, मैखुरी, आर.के, सक्सेना, के.जी, बक्सी, एस., और बनर्जी, एस., (2022), मध्य हिमालय के उच्च-ऊंचाई वाले परिदृश्य में भू-जलवायु पर्यावरण की स्थानिक-लौकिक विविधताएं: हिमनद झीलों की भेद्यता के परिप्रेक्ष्य से एक आकलन, नेचुरल हेजार्डस, 2, 343-362.

पटेल, के., चौरसिया, एम., और राव, के.एस, (2022), वृक्ष प्रजातियों के मार्फोलॉजिकल, फिजियोलॉजिकल और जैव रासायनिक गुणों पर पीबी-प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव के प्रभाव, *पर्यावरणीय प्रक्रियाएं*, 9, 60.

चौरसिया, एम., पटेल, के., त्रिपाठी, आई., और राव, के.एस, (2022), दिल्ली, भारत के चयनित जड़ी-बूटियों के पौधों के फिजियोलॉजिकल फंक्शन पर धूल संचय का प्रभाव, *पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान*, 29 , 80739-80754.

यमल, जी., सिंह, एम., पारधा-सारधी, पी., और राव, के.एस, (2022), रूट्स ऑफ पेनिसेटम एसपी. उत्कृष्ट धातुओं के नैनोकण उत्पन्न करने की क्षमता रखते हैं, *इंडियन जर्नल ऑफ बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिज़िक्स*, 59(4), 461-467.

पटेल, के., बिदालिया, ए., त्रिपाठी, आई., यमल, जी., अरोड़ा, पी., और राव, के.एस, (2022), जंगली प्रकार और A7a नॉकआउट उत्परिवर्ती अरेबिडोप्सिस थालियाना पौधों पर गर्मी के तनाव का प्रभाव, *सब्जियां*, 35, 168-178.

विक्रम, के., चौधरी, एच., नटुप, टी., दिनाकरन, जे. और राव, के.एस, (2022), मध्य हिमालय, भारत के कुमाऊं क्षेत्र में विभिन्न भूमि उपयोग प्रणालियों के तहत मृदा श्वसन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ *इकोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान*, 48, 649-661.

शुक्ला, वी., और राव, के.एस (2022), इंडो-गैंगेटिक मैदान, भारत से शहद का मिलिसोपालिनोलॉजिकल अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज*, 48, 21-37.

राव, के.एस, और सक्सेना, के.जी (2022), सेक्रेड - भारत में प्राकृतिक वन प्रबंधन की अवधारणा, *मैन इन इंडिया*, 102, 41-64.

शुक्ला, वी., राव, के.एस और त्रिपाठी, डी. (2022), उत्तरी और दक्षिणी प्रयागराज जिले उत्तर प्रदेश, भारत से शहद की पराग विविधता, *ग्राना*, 61, 148-160.

राव, के.एस, सेमवाल, आर.एल, घोषाल, एस., मैखुरी, आर.के, नौटियाल, एस. और सक्सेना, के.जी, (2022), समशीतोष्ण हिमालय, भारत में सहभागी सक्रिय बहाली, *रेस्टोरेशन इकोलॉजी*, 30, 13486.

राम्या, पी., नाइक, के.बी, सुस्मिता, सी., गिरीमल्ला, वी., उदय भास्कर, के., श्रीपति, के.वी शांतराज, सी.एस अरविंदन, एस., कुमार, एस., लखनपॉल, एस., और भट्ट, के.वी, (2022), इवोल्यूशन एंड को-इवोल्यूशन: इनसाइट्स इन डाइवर्जेंस ऑफ प्लांट हीट शॉक फैक्टर जीन्स, *फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स*, 28, 1029-1047.

लखनपॉल, एस., सिंह वी., कुमार एस., सिंह ए., वर्मा, पी., और कल्ला, एस. (2022), फाइटोप्लाज्मा संबंधित रोगों में लक्षण विकास अंतर्निहित आणविक तंत्र : प्रमुख प्लेयर्स और उनकी भूमिका, *भारतीय जर्नल ऑफ़ एंटोमोलॉजी*, e22037.

वर्मा, पी., सिंह ए., सुप्रिया, पी., भट, के.वी, और लखनपॉल, एस., (2022), तिल में फाइटोप्लाज्मा एसोसिएटेड रेट्रोग्रेड मेटामोर्फोसिस का तुलनात्मक डीएनए मिथाइलोम (सीसमम इंडिकम एल.), *जीव विज्ञान (बेसल)*, 11(7), 954.

कुमार, डी., अग्रवाल, एस., कुमार, एम., और साहू, डी. (2023), पांच ग्रेसिलेरिया प्रजातियों के पोषण घटक सामग्री और बायोमेडिकल पहलुओं का आकलन: एक बहुभिन्नरूपी विश्लेषण, *जलीय खाद्य उत्पाद प्रौद्योगिकी जर्नल*, 32, 570 - 584.

शर्मा, एस., पाधी, एस., चौरसिया, आर., डे, एस., पटनायक, एस., और साहू, डी. (2023), सिक्किम हिमालय के अर्टिका डियोइका (स्टिंगिंग नेटल) से फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स और उनके आणविक डॉकिंग इंटरैक्शन से α-एमाइलेज़ और α-ग्लूकोसिडेज़ अवरोधकों के रूप में उनकी न्यूट्रास्युटिकल क्षमता का पता चला, *जर्नल ऑफ़ फ़ूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 60, 2649 - 2658.

कुमार, डी., अग्रवाल, एस., और साहू, डी. (2023), भारत की जटिल रूप से दूषित यमुना नदी की आंतरिक बायोरेमेडिएशन क्षमता का आकलन: एक शैवाल-विशिष्ट दृष्टिकोण, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोरेमेडिएशन*, 25, 1844 -1858.

शर्मा, एम., चौधरी, एम., रैना, एस.एन, और साहू, डी. (2023), स्वदेशी मणिपुर काले चावल की किस्मों के बीच आनुवंशिक भिन्नता और जनसंख्या संरचना का आकलन करने में बीज प्रोटीन प्रोफाइल की दक्षता का तुलनात्मक विश्लेषण, *आणविक जीवविज्ञान रिपोर्ट*, 50, 3365-3378.

चौरसिया, आर., फुकोन, एल.सी, अबेदीन, एम.एम, साहू, डी., और राय, ए.के (2022), लैक्टोबैसिलस डेलब्रुइकी डब्लूएस4 का उपयोग करके उत्पादित नवीन कार्यात्मक सोयाबीन छुरपी में बायोएक्टिव पेप्टाइड्स का उत्पादन और लक्षण वर्णन, *खाद्य रसायन विज्ञान*, 387, 132889.

बिस्वास, बी., साहू, डी., सुकुमारन, आर.के, कृष्णा, बी.बी, कुमार, जे., रेड्डी वाई.एस, ..., (2022), जलीय बायोमास फुमदी और पैराग्रास का सह-हाइड्रोथर्मल द्रवीकरण: जैव-तेल, जलीय अंश और ठोस अवशेषों की विशेषता, *जर्नल ऑफ़ द एनर्जी इंस्टीट्यूट*, 102, 247-255.

एस शर्मा, एस पाधी, एम कुमारी, एस पटनायक, डी साहू, (2022), सिक्किम हिमालयी क्षेत्र की चयनित जंगली खाद्य पत्तेदार सब्जियों की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता: खाना पकाने के तरीकों के प्रभाव और गतिविध पर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल पाचन, *फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशियन*, 9, 861347.

एन शर्मा, डी साहू, ए.के राय, एस.पी सिंह, (2022), हिमालयन हॉट स्प्रिंग मेटाजेनोम और इसके बायोस्कोरिंग अनुप्रयोगों से एक अत्यधिक क्षारीय पेक्टेट लाइसेज़, *प्रोसेस बायोकैमिस्ट्री*, 115, 100-109.

यादव, के., आर्य, एम., प्रकाश, एस., झा, बी.एस, मनचंदा, पी., कुमार, ए., और देसवाल, आर. (2023), ब्रैसिका जंसिया लीफ क्यूटिकल में ज़ाइलोज़ और मैनोज़ (ज़ाइलोमैनन) होते हैं) जो पत्ती की सतह पर बर्फ के पुनः क्रिस्टलीकरण को रोकता है, *प्लांटा*, 258(2), 44.

बाबूता, पी., परितोष, के., और देसवाल, आर. (2023), ब्रैसिका जंसिया में डेनिट्रोसिलेजेस (एस-नाइट्रोसोग्लूटाथियोन रिडक्टेस और एनएडीपीएच-डिपेंडेंट थिओरेडॉक्सिन रिडक्टेस) की जीनोम-वाइड पहचान और कार्यात्मक विश्लेषण, *प्लांट बायोटेक्नोलॉजी रिपोर्ट*, 17, 01-19.

शर्मा, एस. और देसवाल, आर. (2023), डायोसोरिया अलाटा कंद का एन-लिंक्ड ग्लाइकोप्रोटीम विश्लेषण एटिपिकल ग्लाइकोसिलेशन दिखाता है और कंद परिपक्वता में ग्लाइकोसिलेटेड प्रोटीन की केंद्रीय भूमिका का इंगित करता है, *प्रोटीन जर्नल*, 42, 78-93.

राजपाल, वी.आर, प्रकाश, एस., मेहता, एस., मिंकिना, टी., राजपूत वी.डी, और देसवाल, आर. (2023), धात्विक नैनोमटेरियल्स द्वारा पौधों में अजैविक तनाव को कम करने पर एक व्यापक समीक्षा: संभावनाएं और चिंताएं, *स्वच्छ प्रौद्योगिकी और पर्यावरण नीति*, 25, 01-39.

बबूटा, पी. और देसवाल, आर. (2022), ब्रैसिका जंसिया में एस-नाइट्रोसोग्लूटाथियोन रिडक्टेस (जीएसएनओआर) के कई रूपों की उपस्थिति के लिए जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स साक्ष्य, *फाइटोमॉर्फोलॉजी*, 72, 41-54.

प्रकाश, एस., गुप्ता, आर., और देसवाल, आर. (2022), नैनोपार्टिकल प्रोटीन कोरोना : पौधों में तनाव उन्मूलन सहित सुरक्षित और सूचित नैनोटेक्नोलॉजिकल अनुप्रयोगों के लिए एन.पी बायोमोलेक्यूल इंटरैक्शन को समझना, *जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन*, 42, 6377 -6396.

सोरोखैबम, एस., टंडन, आर., अग्रवाल, ए., और शिवन्ना, के.आर (2023), क्रायोबैंकिंग के 23 वर्षों के बाद तेल पाम पराग का मात्रात्मक मूल्यांकन, *क्रायोलेटर्स*, 44, 20-25.

मान, एन., उपाध्याय, पी., विष्णुप्रिया, पी., प्रभाकर, एस., उनियाल, पी.एल, लखनपॉल, एस., सहल, डी., और सबरीश, वी. (2023), हिमालयी वियोला कैनेसेंस दीवार से पत्तियों के पेप्टाइड-समृद्ध मेथनॉल/जल निकालने की एंटी-प्लाज्मोडियल गतिविधि और मास स्पेक्ट्रोमेट्रिक प्रोफाइलिंग, *फार्माकोग्नॉसी पत्रिका*, 19, 1-13

कौशल, एस., राव, के.एस, उनियाल, पी.एल और बैश्य, आर. (2023), मध्य हिमालय, भारत के प्रमुख वन प्रकारों में मृदा CO2 प्रवाह के पैटर्न और निर्धारक, *पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन*, 195, 876.

मोसांग, पी., चिम्यांग, एन., शंकर, वी., उनियाल, पी.एल, मंगंगचा, आई.आर, और हेखम, ई. (2023), डिक्रानेला स्यूडोसुबुलाटा म्यूल से पहचाने गए बायोएक्टिव यौगिकों की दवा जैसी विशेषताओं का अध्ययन। हाल. पूर्व गांगुली, *इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स एंड रिसोर्सेज*, 13(4), 56-66.

अरन, के., गिरी, पी., रॉय, एच., और उनियाल, पी.एल (2023), अरुणाचल प्रदेश, भारत से सेलाजिनेलसी परिवार की कुछ चयनित प्रजातियों में माइक्रोस्पोर्स का वर्गीकरण महत्व, *पेलिनोलॉजी*, 47(2), 2156632.

यादव, एच., ध्यानी, ए., और उनियाल, पी.एल, (2022), उत्तरी सिक्किम, भारत के मॉस वनस्पतियों में योगदान, *जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा*, 14 (10), 22008-22015.

त्रिपाठी, एस., सेतिया, आर., घोष, टी., उनियाल, पी.एल, और कुमार, ए. (2022), रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके ओरछा वन्यजीव अभयारण्य में प्रमुख प्रजातियों के मूल्यांकन के लिए स्पेक्ट्रल सूचकांक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ *इकोलॉजी एंड एनवायरमेंटल साइंसेस*, 48(3), 357-365.

गिरी, पी., और उनियाल, पी.एल (2022), उत्तराखंड, भारत से दो इक्विसेटम प्रजातियों का फाइटोकेमिकल विश्लेषण, *इंडियन फ़र्न जर्नल*, 39, 52-59.

राजपाल, वी.आर, राठौड़, पी., मेहता, एस., वाधवा, एन., यादव, पी., बेरी, ई., गोयल, एस., भट, वी., और रैना, एस.एन (2022), एपिजेनेटिक भिन्नता: बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों में पौधों की फिटनेस को सुविधाजनक बनाने में एक प्रमुख प्लेयर्स, *फ्रंटियर्स इन सेल एंड डेवलपमेंटल बायोलॉजी*, 10, 1020958.

भाटला, आर., गोगना, एम., अग्रवाल, आर., और भट्ट, वी. (2022), नाइट्रिक ऑक्साइड के साथ पानी में घुलनशील विटामिन की संभावित अंतःक्रिया और इसका महत्व - रिवर्सड चरण-उच्च दबाव तरल क्रोमैटोग्राफी से साक्ष्य (आरपी-एचपीएलसी), *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी*, 9(3), 547-557.

राठौड़, पी., श्वार्ज़कर, टी., हेसलोप-हैरिसन, जे.एस, भट, वी., और टोमास्ज़ेवस्का, पी. (2022), द रिपिटिटिव डीएनए सीक्वेंस लैंडस्केप एंड डीएनए मिथाइलेशन इन क्रोमोसोम्स ऑफ एन एपोमिक्टिक ट्रॉपिकल फोरेज ग्रास, सेन्क्रस सिलियारिस, *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 13, 952-968.

जांगिड़, पी., सिंह, एन., शैलेन्द्र, जी., और कपूर, आर. (2023), भारत में कुसुम उगाने वाले क्षेत्रों में फ्यूजेरियम प्रोलिफेरटम के कारण होने वाले विल्ट रोग का उद्भव, *जर्नल ऑफ प्लांट पैथोलॉजी*, 105, 1103 -1108.

सोलंकी, एस.एस, गुप्ता, एस.एस, कपूर, आर., और वर्मा, ए.,(2023), रासायनिक रूप से संश्लेषित AgNPs और पिरिफोर्मोस्पोरा इंडिका सहक्रियात्मक रूप से काले चावल में पोषण गुणवत्ता बढ़ाते हैं, *जर्नल ऑफ फंगी*, 9(6), 611.

थोकचोम, एस.डी, गुप्ता, एस., और कपूर, आर. (2023), चार अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल फंगल प्रजातियों के टीकाकरण के लिए ओसीमम टेनुइफ्लोरम एल. (होली बेसिल) की प्रतिक्रिया उनके फाइलोजेनी के संबंध में कार्यात्मक सुसंगतता दिखाती है, *जर्नल ऑफ सॉइल विज्ञान और पादप पोषण*, 23, 3407-3420.

गुप्ता, एस., थोकचोम, एस.डी, और कपूर, आर.(2023), अर्बुस्कुलर माइकोराइजा फंगस ट्रिटिकम एस्टिवम एल., प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री में ट्राईकार्बोक्सिलिक एसिड चक्र और नाइट्रोजन चयापचय में आर्सेनिक की मध्यस्थता वाली गड़बड़ी को कम करता है, प्लांट *फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री*, 197, 107631.

शर्मा, के., और कपूर, आर. (2023), अर्बुस्कुलर माइकोराइजा डिफ्रेंशियली एडस्ट्स सेंट्रल कॉर्बन मेटाबोलिज्म इन टू कॉन्ट्रास्टिंग जीनोटाइप्स ऑफ विग्ना रेडिएटा(एल.) *विल्ज़ेक इन रेस्पॉन्स टू साल्ट स्ट्रेस, प्लांट साइंस*, 332, 111706.

फाल्को, ई.एल, मुनिज़, बी.सी, फिल्हो, बी., जोस.अल्बनेज़, सी., कपूर, आर., डा सिल्वा, और फ़ा.से. बारबोसा, (2023), अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल कवक द्वारा नियंत्रित मृदा माइक्रोबियल श्वसन और pH एनाडेनेंथेरा कोलुब्रिना (वेल।) ब्रेनन में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले यौगिकों के जैवसंश्लेषण को प्रभावित करते हैं, *राइजोस्फीयर*, 26, 100685.

वू, क्यू.एस., सिल्वा, एफ., हिजरी, एम., और कपूर, आर., (2023), संपादकीय: पौधों में द्वितीयक मेटाबोलाइट उत्पादन पर अर्बुस्कुलर माइकोराइजा का प्रभाव, *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 14, 1150900.

सोलंकी, एस., सुब्बा-लक्ष्मी जी.बी.वी, धीमान, टी., गुप्ता, एस., सोलंकी, पी.आर, कपूर, आर., और वर्मा, ए., (2023), सिल्वर नैनोकणों और सहजीवी कवक का सह-अनुप्रयोग पिरिफोर्मोस्पोरा इंडिका काले चावल में द्वितीयक मेटाबोलाइट उत्पादन में सुधार करता है, *जर्नल ऑफ फंगी*, 9, 260.

अहमद, एम., सिंह, एस., मयिरनाओ, एच.एस., महमूद, टी., वर्मा, के., कपूर, आर., और शर्मा, वाई.पी (2023), उत्तर -पश्चिमी हिमालय, भारत, फोलियोटा की दो प्रजातियों का रूपात्मक और आणविक लक्षण वर्णन, *इंडियन फाइटोपैथोलॉजी*, 76, 273-280.

महमूद, टी., वर्मा, के., सिंह, यू., कपूर, आर., और शर्मा, वाई.पी (2023), प्लुरोटस शेंटेली (प्लुरोटासी): भारत के लद्दाख के ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र से एक नया खाद्य मशरूम। *ताइवानिया इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोडायवर्सिटि*, 68, 90–96.

सक्सेना, बी., शर्मा, के., कपूर, आर., वू, क्यू-एस., और गिरी, बी. (2022), माइकोरिज़ल पौधों में नमक तनाव सहिष्णुता के आणविक पहलुओं में अंतर्दृष्टि, वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, 38(12), 253.

अदित, ए., कौल, एम., कपूर, आर., और टंडन, आर. (2022), ऑर्किड-फंगल एंडोफाइट इंटरेक्शन का टोपोलॉजिकल विश्लेषण फ़ाइलोजेनेटिक वरीयता की कमी को दर्शाता है, *साउथ अफ्रीकन जर्नल ऑफ बॉटनी*, 149, 339- 346.

परवीन, एस., कौर, एस., बैश्या, आर., और गोयल, एस. (2022), मैक्सएंट मॉडलिंग का उपयोग करके भारत में जीनस निम्फिया के संभावित उपयुक्त आवासों की भविष्यवाणी करना, पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 194(12), 853.

कुमार, पी., ओरांव, पी.के., यादव, पी., रॉय, ए., गोयल, एस., रेड्डी, एम.के, मुखर्जी, एस.के., और मंडल, वी. (2022), भारत में होने वाली टमाटर-संक्रमित बेगोमोवायरस प्रजातियों के जीनोम में न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता का यादृच्छिक वितरण: पीसीआर आधारित निदान में निहितार्थ, *वायरस रोग*, 33(3), 270 - 283.

राजपाल, वी.आर, राठौड़, पी., मेहता, एस., वाधवा, एन., यादव, पी., बेरी, ई., गोयल, एस., भट वी., और रैना, एस.एन (2022), एपिजेनेटिक वेरिएशन : बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों में पौधों की फिटनेस को सुविधाजनक बनाने में एक प्रमुख प्लेयर्स, *फ्रंटियर्स इन सेल एंड डेवलपमेंटल बायोलॉजी*, 10, 1020958.

राजपाल, वी.आर, शर्मा, एस., सहगल, डी., सिंह, ए., कुमार, ए., वैष्णवी, एस., तिवारी, एम., भल्ला, एच., गोयल, एस., और रैना, एस.एन. (2022), SARS-CoV-2 जीनोम संरचना, उत्पन्न उत्परिवर्तन, वंशावली और कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम का एक व्यापक विवरण, *फ्यूचर वायरोलॉजी*, 16 जून.

राजपाल, वी.आर, शर्मा, एस., कुमार, ए., वैष्णवी, एस., सिंह, ए., सहगल, डी., तिवारी, एम., गोयल एस., और रैना, एस.एन (2022), मैपिंग ऑफ कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान SARS-CoV-2 स्पाइक प्रोटीन विकास, *फ्यूचर वायरोलॉजी*, 3 जून.

विजय ए., झा, पी.के., परवीन, एस., गोयल, एस., प्रभाकर, ए., शर्मा, एस., कुमार, बी., चटर्जी, टी., बजाज, एन., नायर, वी., शर्मा, एम., और अशरफ, एम.जेड (2022), एबरैंट प्रमोटर हाइपरमेथिलेशन हाई एल्टीट्यूट से प्रेरित गहरी शिरा थ्रोम्बोसिस में थ्रोम्बोमोडुलिन को नियंत्रित करता है, *थ्रोम्बोसिस रिसर्च*, 215, 5-13.

राजपाल, वी.आर, शर्मा, एस., कुमार, ए., चांद, एस., जोशी, एल., चंद्रा, ए., बब्बर, एस., गोयल, एस., रैना, एस.एन., और शिरन, बी. (2022), 'क्या ओमीक्रॉन हल्का है'? इस नरेटिव का इसके तीन वंशों के उत्परिवर्तन परिदृश्य और मौजूदा टीकों और चिकित्सीय एंटीबॉडी की प्रतिक्रिया के साथ परीक्षण करना, *जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी*, 94(8), 3521-3539.

कुमारी, ए., शर्मा, डी., शर्मा, पी., वांग, सी., वर्मा, वी., पाटिल, ए., इमरान, एम., सिंह, एम.पी, कुमार, के., परितोष, के., कैरेजिया, डी., संजय, के., चंदेल, जी., ग्रोवर, ए., जगदीश, एस.वी.के, कटियार-अग्रवाल, एस., अग्रवाल, एम., (2023), मेटा-क्यूटीएल और हैप्लो-फेनो विश्लेषण से चावल में उच्च तापमान के तहत कम अनाज के चाकपन से जुड़े बेहतर हैप्लोटाइप संयोजन का पता चलता है, *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 14, 733.

ससि, जे.एम, विजयकुमार, सी., कुकरेजा, बी., बुधवार, आर., शुक्ला, आर.एन, अग्रवाल, एम., और कटियार-अग्रवाल, एस.(2022), इंटीग्रेटेड ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और miRNAomics चावल में कोलोप्टाइल सेनेसेंस से जुड़े जटिल बहु-स्तरीय नियामक नेटवर्क में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 13, 985402.

रक्सवाल, वी.के, सिंह, एस., अग्रवाल, एम., और रिहा, के. (2022), पौधों में युवा जीन का ट्रांसक्रिप्शनल और पोस्ट-ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन, *बीएमसी बायोलॉजी*, 20(1), 134.

परवीन, एस., सिंह, एन., अदित, ए., कुमारिया, एस., टंडन, आर., अग्रवाल, एम., जगन्नाथ, ए., और गोयल, एस., (2022), दो निम्फिया प्रजातियों की विरोधाभासी प्रजनन रणनीतियाँ मौजूदा प्राकृतिक आनुवंशिक विविधता को प्रभावित करती हैं जैसा कि माइक्रोसैटेलाइट मार्करों द्वारा मूल्यांकन किया गया है: संरक्षण और आर्द्रभूमि बहाली के लिए निहितार्थ, *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 13, 773572.*

चाहर, एन., डंगवाल, एम., और दास, एस. (2023), एम्ब्रियोफाइटा में गैर-विहित रूप से संगठित ओवेट-ओएफपी और ओवेट-लाइक ओएफपी जीन जोड़ी की जटिल उत्पत्ति, विकास और विविधीकरण, *जीन*, 883, 147685.

सिंह, एस., गीता आर., और दास, एस. (2023), एराबिडोप्सिस थालियाना और ब्रैसिका जंसिया से KCS6 और KCS5 का तुलनात्मक अनुक्रम और कार्यात्मक विश्लेषण तनाव प्रबंधन में कार्यात्मक समानता और भूमिका स्थापित करता है, *प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर*, 41, 645-674.

यादव, एस., चाहर, एन., लाल, एम., और दास, एस. (2023), फ़ाइलोजेनेटिक और तुलनात्मक जीनोमिक्स खंडीय दोहराव के माध्यम से ब्रैसिसेकी के अंतिम सामान्य पूर्वज में MYB42 और MYB85 के पैरालॉजी की उत्पत्ति स्थापित करता है, प्लांट जीन,35, 100424.

दास, एस. (2022), राय: आकृति विज्ञान(मोरफोनोलॉजी), मोरफोजेनेसिस और पादप विकास: बाउप्लान को समझने के लिए जीनोमिक्स का लाभ उठाना, *फाइटोमोर्फोलॉजी*, 72, 31-36.

पुरी, आर., चौधरी, ए.के., बर्मन, पी., मिश्रा जी., और गीता आर, (2022), दो असामान्य संयुग्मित फैटी एसिड, पैरिनारिक एसिड और α-एलियोस्टेरिक एसिड, कई इम्पेतिन्स प्रजातियों में मौजूद हैं, लेकिन जन्मजात(कॉनजेनर) हाइड्रोसेरा ट्राइफ्लोरा में नहीं, *फिजियोलॉजी एंड मॉलीकुलर बॉयोलॉजी ऑफ प्लांट*, 28, 1109-1118.

पंडित, एस., गोयल आर., और मिश्रा, जी. (2022), फॉस्फेटिडिक एसिड एराबिडोप्सिस से ARGAH2 की गतिविधि को बांधता है और उत्तेजित करता है,*प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, 185, 344-355.*

शाह, एस., साहू डी., और मिश्रा, जी. (2023), मिक्सोट्रोफिक खेती डेस्मोडेसमस sp. से माइक्रोएल्गे-आधारित जैव ईंधन के कुशल उत्पादन की दिशा में लिपिड उत्पादकता और फैटी एसिड प्रोफाइल को बढ़ाती है। *जैव ईंधन*, 14(2), 211-222.

तनाका, के., मुदगिल, वाई., और टुनक-ओज़डेमिर, एम. (2023), संपादकीय: अजैविक तनाव और पौधों की प्रतिरक्षा - जलवायु परिवर्तन में एक चुनौती, *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 14, 1197435.

सिवाच, ए., कौशल., एस. सरमा, के. और बैश्य, आर, (2023), काई आवरण(मॉस कवर) और मौसमी बदलाव की परस्पर क्रिया मध्य हिमालय, भारत में मिट्टी के भौतिक रासायनिक गुणों और शुद्ध नाइट्रोजन खनिजकरण दरों को नियंत्रित करती है। *जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल प्रबंधन*, 345, 118839.

मंगराल, जेड.ए, उल इस्लाम, एस., तारिक, एल., कौर, एस., खुरू, आर.ए, मलिक, ए.एच, गोयल, एस., बैश्या, आर., बारिक एस.के, और उल हसन डार, टी. (2023), ऊंचाई का ढाल रोडोडेंड्रोन एंथोपोगोन के मिट्टी के भौतिक-रासायनिक और इकोफिजियोलॉजिकल गुणों में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाता है: हिमालय से एक केस अध्ययन, *फ्रंटियर्स इन फॉरेस्ट्स एंड ग्लोबल चेंज से एक केस स्टडी*, 6, 1181299.

शर्मा, पी., कौशल, एस. और बैश्य, आर, (2023), औषधीय रूप से महत्वपूर्ण पौधे में जैवउर्वरक - कैथरैन्थस रोजियस (एल.) जी. डॉन रूपात्मक और प्रकाश संश्लेषक गुणों को बढ़ाकर लवणता के तनाव को कम करते हैं। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड पर्यावरण विज्ञान*, 49, 387-397.

एकता और बैश्या, आर, (2023), दिल्ली के अर्ध-शुष्क रिज वन पारिस्थितिकी तंत्र में मिट्टी के पोषक तत्वों पर मौसम और भूमि उपयोग का प्रभाव, *पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण, ईएम इंटरनेशनल*, 35, 219-227.

एकता, बैश्या, आर. और हसन, ए, (2022), रिज वन पारिस्थितिकी तंत्र के प्राकृतिक और प्रबंधित स्थल में वृक्ष विविधता और बायोमास का अध्ययन, दिल्ली वन, भारत, *भारतीय वनपाल*, 148(9), 905-910.

कुमार, आर, बैश्य, आर. गावड़िया, एस. और वर्मा, ए, (2022), उत्तरी दिल्ली रिज वन की वृक्ष प्रजातियों का पादप समाजशास्त्र और विविधता मूल्यांकन, *पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण,* 28, 198-201.

प्रसाद, एस., और बैश्य, आर. (2022), दिल्ली, भारत के अर्ध-शुष्क वनों में मृदा नाइट्रोजन परिवर्तन दर पर वृक्ष प्रजातियों और मौसमों का प्रभाव, *वनस्पति*, 35, 219-227.

विनोग्रादोवा, एन., विनोग्रादोवा, ई., चैपलीगिन, वी., मांडज़ीवा, एस., कुमार, पी., राजपूत, वी.डी., मिंकिना, टी., सेठ, सी.एस, बुराचेव्स्काया, एम., लिसेंको, डी., और सिंह, आर.के (2023), मानवजनित रूप से परिवर्तित पर्यावरण में औषधीय पौधों के फेनोलिक यौगिक, *अणु*, 28(17), 6322.

मरियम, एस., भारद्वाज, आर., खान, एन.ए, साही, एस.वी, सेठ, सी.एस (2023), पौधों में लवणता तनाव के शमन में तीव्र प्रणालीगत सिग्नलिंग में सबसे आगे नाइट्रिक ऑक्साइड पर समीक्षा: कैल्शियम और हाइड्रोजन पेरोक्साइड के साथ क्रॉसस्टॉक, *पादप विज्ञान*, 336, 111835.

कुमार, डी., धनखेर, ओ.पी, त्रिपाठी, आर.डी, और सेठ, सी.एस (2023), टाइटेनियम डाइऑक्साइड नैनोकण संभावित रूप से हेलियनथस एनुअस एल में हेक्सावलेंट क्रोमियम विषाक्तता के संबंध में प्रकाश संश्लेषक गुणों, जीनोटॉक्सिसिटी, एंटीऑक्सिडेंट रक्षा मशीनरी और फाइटोकेलेटिन संश्लेषण के लिए तंत्र को नियंत्रित करते हैं। जर्नल ऑफ हेजार्डस मेटेरियल्स, 454, 001-016.

प्रजापति, पी., गुप्ता, पी., खरवार, आर.एन, और सेठ, सी.एस (2023), एस्कॉर्बेट-ग्लूटाथियोन मार्ग का नाइट्रिक ऑक्साइड मध्यस्थता विनियमन, लवणता तनाव के तहत एलियम सेपा एल में माइटोटिक

विपथन और डीएनए क्षति को कम करता है, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोरेमीडिएशन, 25(4), 403-414.*

गुप्ता, पी., और सेठ, सी.एस (2022), 24-एपिब्रैसिनोलाइड, ब्रैसिका जंसिया एल. सीवी वरुणा में लवणता तनाव को कम करने के लिए नाइट्रिक ऑक्साइड सिग्नलिंग और एंटीऑक्सीडेंट रक्षा मार्गों के कार्यात्मक घटकों को नियंत्रित करता है। *जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन*, 42, 4207-4222.

यादव, एम., गुप्ता, पी., और सेठ, सी.एस (2022), α-लिपोइक एसिड का पत्तियों पर अनुप्रयोग सोलनम लाइकोपर्सिकम एल में प्रकाश संश्लेषक वर्णक और नाइट्रोजन चयापचय पर कैडमियम विषाक्तता को कम करता है। एक्टा फिजियोलॉजी प्लांटारम, 44, 112.

जिंदल, ए., और सेठ, सी.एस (2022), औषधीय पौधे: आधुनिक चिकित्सा के संश्लेषण के लिए बढ़ती रणनीति, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एनवायरनमेंट*, 8(1), 76-80.

कसाना एस., और पांडे, ए.के (2022), जीनस जुरिनिया (कार्डुए, एस्टेरेसी) पर लागू चार नामों की टाइपिफिकेशन, *जर्नल ऑफ जापानी बॉटनी*, 97(4), 197-202.

मैती, डी., अर्नब, द्विवेदी, एम.डी, कसाना एस., और पांडे, ए.के (2022), रूपात्मक और आणविक डेटा के आधार पर भारतीय डैफने (थाइमेलिएसी) में फ़ाइलोजेनेटिक संबंध, *बायोलोजिया*, 77, 3071-3086.

मेहरोत्रा, आर., सिंह, ए., इंदवार, ए.एम, दास, आर., रॉय, एस., कुमारी, एस., अग्रवाल, वाई., वर्मा, पी., यादव, ए., और कुमार, डी. (2023), मेथनोगेंस : सतत विकास के लिए आगे का रास्ता, *एक्टा साइंटिफिक माइक्रोबायोलॉजी*, 6, 39-51.

यादव, ए., खेड़ा, के., मेहरोत्रा, आर., कौर, के., अग्रवाल, वाई., श्रीवास्तव, पी., और ठाकुर, एस. (2022), अननैचुरल न्यूक्लियोटाइड्स: एक्सप्लोरिंग द इंफॉर्मेशन स्टोरेज सिस्टम ऑफ डीएनए, *क्लिनिकल और बायोमेडिकल रिसर्च के अभिलेखागार*, 6, 916-932.

गोला, डी., सिंह, एम., मलिक, ए., चौहान, एन., और अग्रवाल, वाई. (2022), ब्यूवेरिया बेसियाना का उपयोग करके धातु-डाई मिश्रण को हटाने की प्रक्रिया, *जल संरक्षण विज्ञान और इंजीनियरिंग*, 7 , 613-621.

माथुर, आर., गनवाल, आई., चौहान, एन., और अग्रवाल, वाई. (2022), प्रजातियों की पहचान और जांच के लिए डीएनए बारकोडिंग, *लेटर्स इन एप्लाइड नैनोबायोसाइंस*, 11, 3542-3548.

कौर, एस., कौशल, एस. अधिकारी, डी., राज, के., राव, के.एस., टंडन, आर., गोयल, एस., बारिक, एस.के. और बैश्य, आर., (2023), विभिन्न जीसीएम फिर भी समान परिणाम: शोरिया रोबस्टा सीएफ गार्टन के हैबिटेट वितरण की भविष्यवाणी करना। भारतीय हिमालय में सीएमआईपी5 और सीएमआईपी6 जलवायु मॉडल का उपयोग करते हुए, *पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन*, 195(6), 715.

चौरसिया, एम., पटेल, के. और राव, के.एस, (2023), पेरी-अर्बन लैंडस्केप में मृदा कार्बनिक कार्बन और नाइट्रोजन की स्थिति, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज*, 49, 435-441.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

चौरसिया, एम., पटेल, के., सिंह, आर. और राव, के.एस, (2022), जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण: कुछ शहरी प्रणालियों से केस अध्ययन, विली, 9781119807216, 297-320.

गुप्ता, आर., शर्मा बी., और देसवाल, आर. (2022), एक अज्ञात पौधे सीबकथॉर्न के प्रोटीन और नैनोटेक्नोलॉजिकल क्षमता का निर्णय, स्प्रिंगर, चाम, 9783031112768, 159-172.

कसाना, एस., उनियाल, पी.एल, और पांडे ए.के, (2022), सिस्टेमैटिक्स ऑफ द जीनस सॉसुरिया डीसी। एस्टेरसिया: एक सिंहावलोकन, बिसेन सिंह, महेंद्र पाल सिंह, देहरादून, 9789393628213, 81-89.

भाटिया, एम., और उनियाल, पी.एल, (2022), इन विट्रो गैमेटोफाइट डेवलपमेंट, रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, और नाइट्रिक ऑक्साइड सिग्नलिंग इन फर्न्स, स्प्रिंगर, आईएसबीएन 9789811661693, 261-283.

कुमार, ए., गिरी, पी., और उनियाल, पी.एल, (2022), फर्न्स में जीनोम इवोल्यूशन: आणविक फाइलोजेनोमिक्स - एक समीक्षा, स्प्रिंगर, 978-981-16-6169-3, 13-38.

कुमार, ए., गिरी, पी., और उनियाल, पी.एल, (2022), प्लास्टोजेनोमिक्स मोनिलोफाइट्स के फ़ाइलोजेनेटिक अंतर्संबंधों का अध्ययन करने के लिए एक उपकरण प्रदान करता है: एक समीक्षा, स्प्रिंगर, 978-981-16-6169-3, 59-98.

शर्मा, के., गुप्ता, एस., थॉकचोम, एस.डी, और कपूर, आर.,(2023), अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल फंगी: बायोफर्टिलाइजर्स के रूप में भूमिका, प्रौद्योगिकी विकास और इसका अर्थशास्त्र, स्प्रिंगर, सिंगापुर, आईएसबीएन: 978-981-19-8853-0, 3-30.

माथुर, पी., कपूर, आर., और रॉय, एस.,(2023), माइक्रोबियल सहजीवन और पौधों का स्वास्थ्य: बदलती जलवायु परिवर्तन के लिए रुझान और अनुप्रयोग, स्प्रिंगर, सिंगापुर, ईआईएसबीएन- 978-981-99-0030-5.

गिरी, बी., कपूर, आर., वू, क्यूएस., वर्मा, ए., (2022), पेडोस्फीयर की संरचना और कार्य, स्प्रिंगर, सिंगापुर, आईएसबीएन-13:978-9811687693

शर्मा, एम., भारद्वाज, वी., गोस्वामी, पी., कालरा, ए., पालचामी, के., जगन्नाथ, ए., और गोयल, एस. (2023), इनक्रिजिंग न्यूट्रास्युटिकल एंड फार्मास्युटिकल एप्लीकेशन्स ऑफ सैफ्लावर : आनुवंशिक और जीनोमिक दृष्टिकोण।

दास एस. और सिंह, ए. (2022), विकास और अनुकूलन में नियामक जीन, और लक्षण सुधार में उनका उपयोग: ब्रैसिका जंसिया में चुनौतियां और अवसर, स्प्रिंगर, चैम, 365-398.

राजकुमार, बी., गरिमा और पंजाबी, पी. (2022), ऑयलसीड ब्रैसिका में जीनोमिक चयन: क्षमता, संभावनाएं और चुनौतियां, सीआरसी प्रेस, 132-152.

प्रसाद, एस. और बैश्या, आर. (2023), चयनित वृक्ष प्रजातियों के तहत मृदा पोषक तत्व गतिशीलता, अरावली पर्वत शृंखला के अर्ध-शुष्क जंगल में मिट्टी की उर्वरता और पुनर्स्थापन क्षमता की व्याख्या करती है, एल्सेवियर, यूएसए, 978-0-323 -95925-4, 116-129.

कौशल, एस., कौर, एस., सिवाच, ए., शर्मा, पी., उनियाल, पी.एल, टंडन, आर., गोयल, आर., राव, के.एस और बैश्य, आर., (2023), भारतीय मध्य हिमालय में स्थानिक हिमालय निकट-संकटग्रस्त ट्रेलाइन कॉनिफ़र एबिस स्पेक्टाबिलिस (डी. डॉन) मिर्ब की पारिस्थितिक आला मॉडलिंग। स्प्रिंगर, सिंगापुर, 978-981-99-0131-9, 181-212.

मरियम, एस., और सेठ, सी.एस (2023), नाइट्रिक ऑक्साइड: अजैविक तनाव के तहत प्रकाश संश्लेषक दक्षता के सुदृढीकरण में एक प्रमुख प्लेयर्स, अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर, यूएसए, 978-0-323-91209-9, 157-171.

शिवा पी.के., छेत्री, अग्रवाल, एल.के., वशिष्ठ, ए., सिंह, वी., लाल, आर., गुप्ता, ए.के., और शर्मा, के. (2023), ट्रांसलेशनल रिसर्च फॉर मेडिसिनल प्लांट्स, सीआरसी प्रेस, ईबुक- आईएसबीएन 9781003179139, 25-43.

गुप्ता, पी., कुमार, डी., और सेठ, सी.एस (2022), पौधों में नाइट्रिक ऑक्साइड मध्यस्थ लवणता तनाव सहनशीलता: सिग्नलिंग और शारीरिक परिप्रेक्ष्य, सीआरसी प्रेस (टेलर और फ्रांसिस ग्रुप), 978-0-36-774804 -3, 45-64.

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

फाइटोमॉर्फोलॉजी (1951 से आज तक), *इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्लांट मॉर्फोलॉजिस्ट*

द बोटेनिका (1950 से आज तक), *दिल्ली यूनिवर्सिटी बॉटनिकल सोसायटी*

अनुसंधान परियोजनायें

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, कृषि संबंधी लक्षणों के मानचित्रण के लिए तिलहन फसल, कार्थमस टिनक्टोरियस की दो मैपिंग आबादी (डी और ई) की अनुक्रमण द्वारा जीनोटाइपिंग,(सैफ्लावर), रु. 5.00 लाख.

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2020-2023, रोग विकास के दौरान मेजबान विशिष्टता और मेजबान प्रतिक्रिया प्रदान करने वाले रूट-नॉट नेमाटोड प्रभावकों के ट्रांस्क्रिप्टोम, प्रोटीओम और मेटाबोलोम का वैश्विक परिप्रेक्ष्य, 1.64 करोड़.

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2020-2023, भारत में As -दूषित भूजल से सिंचित गेहूं के लिए शमन रणनीतियों को विकसित करने के लिए अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल कवक द्वारा अनाज में आर्सेनिक (एएस) के कम अवशोषण और संचय के तंत्र को समझना, 36.33 लाख.

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2020-2025, एग्रोनोमिकट्रेट्स से जुड़े क्यूटीएल/जीन की जीनोमिक्स-सहायता प्राप्त खोज के माध्यम से कुसुम के सुधार के लिए आनुवंशिक विविधता का दोहन, 4.81 करोड़.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, क्रोमियम (VI) संचय के खिलाफ मॉर्फोफिजियोलॉजिकल, बायोकेमिकल और सेलुलर विशेषताओं पर हेलियनथस एनुअस एल में टाइटेनियम डाइऑक्साइड नैनोकणों की मध्यस्थता वाले सुरक्षात्मक तंत्र पर जांच, रु. 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021-2022, एलियम सेपा एल में लवणता तनाव के तहत माइटोटिक विपथन, डीएनए क्षति और एस्कॉर्बेट-चक्र के नाइट्रिक ऑक्साइड मध्यस्थता नियम। रु. 3.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, भारतीय मध्य हिमालय के समशीतोष्ण वनों में मिट्टी की एंजाइमिक गतिविधि और माइक्रोबियल बायोमास कार्बन और नाइट्रोजन पर मौसमी परिवर्तनशीलता और काई के आवरण का प्रभाव, रु. 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, रोडोडेंड्रोन अर्बोरियम के कार्यात्मक पुष्प पारिस्थितिकी पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, रु. 5.00 लाख.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2019-2022, कार्थेमस की विपरीत रेखाओं से miRNAs की पहचान और फ्यूजेरियम विल्ट के खिलाफ सहिष्णुता में उनका योगदान, रु.40.35 लाख.

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2021-2026, फ्यूसेरियम ऑक्सीस्पोरम एफ एसपी कार्थामी की विषाणुता और मेजबान-विशिष्टता में छह जीनों की भूमिका को समझना, रु.73.49 लाख.

राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (एनएमएचएस), 2020-23, कारगिल के ट्रांस हिमालयन जिले में मैक्रोफुंगी पर विविधता और स्वदेशी ज्ञान, रु.56.46 लाख.

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2020-2023, आणविक और साइटोजेनेटिक उपकरणों का उपयोग करके हिमालयी सीबकथॉर्न में डायोसी और लैंगिक निर्धारण तंत्र के विकास को समझना, रु.23.87 लाख.

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2023-2026, टिनोस्पोरा कॉर्डिफ़ोलिया में सेक्स-अभिव्यक्ति पैटर्न की आणविक यांत्रिकी, एक पोषण और औषधीय रूप से महत्वपूर्ण डायोसियस लियाना, रु. 32.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, आणविक और जैव रासायनिक दृष्टिकोण का उपयोग करके हिमालयी सीबकथॉर्न आबादी का आकलन, रु. 5.00 लाख.

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2022-2025, सल्फेट और फॉस्फेट अवशोषण को समझने के लिए ब्रैसिका जंसिया के द्विदिश प्रमोटर द्वारा विनियमित MIR395 और MIR399 की विशेषता, और फसल सुधार के लिए नए प्रमोटरों को डिजाइन करना, रु.65.00 लाख.

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2019-2023, ब्रैसिका जंसिया और अरेबिडोप्सिस थालियाना में पुरुष-अर्धसूत्रीविभाजन और फिलामेंट बढ़ाव में miR159 की भूमिका की विशेषता: फसल सुधार के लिए रणनीतियाँ, रु. 67.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-23, एराबिडोप्सिस से एस्कॉर्बेट पेरोक्सीडेज 1 (एपीएक्स1) के साथ फॉस्फेटिडिक एसिड इंटरैक्शन पर अध्ययन, रु. 5.00 लाख.

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2019-2023, बदलती जलवायु के रेस्पॉन्स में हिमालय में संकेतक समशीतोष्ण अल्पाइन पौधों के अनुकूलन तंत्र, प्रवासन पैटर्न और प्रजनन जीव विज्ञान को स्पष्ट करने के लिए एक जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण, रु. 89.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, अरेबिडोप्सिस थालियाना में CcKIP1 प्रमोटर का आणविक लक्षण वर्णन, रु. 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, पिटोस्पोरम एरीओकार्पम (रॉयल) में आनुवंशिक भिन्नता का आकलन करने के लिए अगली पीढ़ी अनुक्रमण का उपयोग करके सरल अनुक्रम दोहराव/माइक्रोसैटेलाइट्स मार्करों का विकास: एक लुप्तप्राय औषधीय टैक्सोन, रु. 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, नैनो-प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण के बाद भारतीय सरसों (ब्रैसिका जंसिया) में नैनो-जैव इंटरैक्शन को समझना, रु.5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-23, जीनस जुरिनिया कैस की टैक्सोनॉमी और आणविक फाइलोजेनी(एस्टेरेसी) भारत में, रु. 5.00 लाख.

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष, आईसीएआर, 2018-2023, तिल (एस. इंडिकम एल.) पर विशेष जोर देते हुए भारत में चयनित फसल टैक्सा को प्रभावित करने वाले फाइटोप्लाज्मा के प्रभावकारी जीवविज्ञान का चित्रण। 90.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, तिल में पत्तेदार फूल संक्रमण से जुड़े विकास संबंधी परिवर्तनों का विश्लेषण, रु। 5.00 लाख

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021-2023, चयनित प्लांट टैक्सा में फाइटोप्लाज्मा संक्रमण से जुड़े एपिजेनेटिक परिवर्तनों का अध्ययन, रु. 3.00 लाख.

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

डॉ. रतुल बैश्य और एसपीए, दिल्ली ने एसपीए, दिल्ली द्वारा आयोजित "उद्योगों के लिए ग्रीन बेल्ट विकास" पर जीएसडीपी पाठ्यक्रम के लिए "पौधों की वृद्धि और प्रदूषण शमन क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक" पर दो दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में 7 और 8 अप्रैल, 2022 को हैंड्स-ऑन आयोजित किया गया।

वनस्पति विज्ञान और डीयूबीएस विभाग की प्रोफेसर रेनू देसवाल ने 9-10 नवंबर, 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग, डीयूबीएस द्वारा "लचीले भविष्य के लिए पादप विज्ञान में हालिया विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" का आयोजन किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर रेनू देसवाल ने दिनांक 02-12-2022 को दिल्ली पब्लिक स्कूल में जीव विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए "ऑस्मोलिसिस, प्लास्मोलिसिस, प्लांट टिश्यूज़" पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर पंचानन माहेश्वरी मेमोरियल लेक्चर-2022, दिनांक 09-11- 2022 का आयोजन किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिनांक 26-09-2022 को एचवाई मोहन राम मेमोरियल लेक्चर 2022 का आयोजन किया।

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

सिंह, वी., 2022. प्राकृतिक उत्पादों और मानव स्वास्थ्य पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, देशबंधु कॉलेज, डीयू, ऑनलाइन मोड।

बैश्या, आर., 2023. पूर्वोत्तर भारत में समुदाय के नेतृत्व वाले REDD+ तंत्र के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्थिरता और आजीविका विकल्प। "पर्यावरण संरक्षण, संरक्षण और स्थिरता" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी जेबी कॉलेज (ए), जोरहाट.

बैश्या, आर., 2022. पारंपरिक ज्ञान प्रणाली के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं और जलवायु शमन। "सतत पर्यावरण परिप्रेक्ष्य: प्राचीन भारत से एक यात्रा" पर दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

बैश्य, आर., 2022. जलवायु परिवर्तन अनुसंधान के लिए नई अंतर्दृष्टि: कार्बन एंगल" का वसुंधरा, बॉटनिकल सोसायटी, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपने वार्षिक उत्सव "ऑर्किड्ज़" 22 के अवसर पर आयोजन किया गया।

कपूर, आर., 2023. वनस्पति विज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में 'औषधीय पौधों पर विशेष जोर के साथ पादप विज्ञान अनुसंधान में उभरते रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "माइकोराइज़ल टेक्नोलॉजी: औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने में एक संभावित और टिकाऊ उपकरण" और औषधीय पौधों पर एक दिवसीय कार्यशाला सह खरीदार-विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया।

कपूर, आर., 2023. के.बी.पी महाविद्यालय, पंढरपुर सोलापुर, एम.एस, भारत द्वारा आयोजित "स्थायी कृषि, पशुपालन और पर्यावरण के लिए सूक्ष्मजीव" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "औषधीय पौधों की टिकाऊ खेती में अर्बुस्कुलर माइकोराइजा"

कपूर, आर., 2023. इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी के दिल्ली चैप्टर में "बोट्रीटिस सिनेरिया में विषाणु के नए कारकों को डिक्रिप्ट करें", "फसल रोग प्रबंधन के संबंध में रोगज़नक़ प्रोफाइल और रोगजनन" पर ई-संगोष्ठी।

कपूर, आर., 2023. राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में पादप विज्ञान अनुभाग में "औषधीय पौधों की उपज बढ़ाने में अर्बुस्कुलर माइकोराइजा: तंत्र की जड़ों में गहराई तक जाना"।

कपूर, आर., 2022. पतंजलि अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "पारंपरिक भारतीय चिकित्सा के आधुनिकीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: औद्योगिक परिप्रेक्ष्य" में "औषधीय पौधों की उत्पादकता और उनकी सतत खेती को बढ़ाने में अर्बुस्कुलर माइकोराइजा की क्षमता की खोज" .

कपूर, आर., 2022. गोवा विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित होने जा रहे "पादप विज्ञान में प्रगति" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में "औषधीय पौधों की सतत खेती में अर्बुस्कुलर माइकोराइजा के अधिकतम लाभ के लिए फिजियोलॉजी और जैव रासायनिक तंत्र को समझना"।

कपूर, आर., 2022. हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी में "प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं की बारीकियों को समझना"।

कपूर, आर., 2022. एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित फासिनेशन प्लांट डे पर "कवक के साथ पौधों की लंबे समय से चली आ रही दोस्ती"।

टंडन, आर., 2023. मुख्य वक्ता, औषधीय पौधों पर विशेष जोर के साथ पादप विज्ञान अनुसंधान में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन और औषधीय पौधों पर एक दिवसीय कार्यशाला सह क्रेताओं और विक्रेताओं की बैठक, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय।

टंडन, आर., 2023. आमंत्रित व्याख्यान, भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 108वां सत्र आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर (महाराष्ट्र) में आयोजित किया जाएगा।

दास, एस., 2022. "प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और पोषण सुरक्षा में प्रगति-एपीबीएनएस-2022" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और "प्लांट टिश्यू कल्चर एसोसिएशन (भारत) की 43वीं वार्षिक बैठक" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी; आईसीएआर-राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली।

दास, एस., 2022. प्रोटिओमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और आणविक औषधि डिजाइन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला में "ओमिक्स संचालित डेटाबेस संचालित ओमिक्स का पूरा चक्र: जलवायु लचीलेपन के लिए लक्षण संशोधन और फसल सुधार की दिशा में एक एकीकृत दृष्टिकोण": जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज; दिल्ली विश्वविद्यालय में एक एकीकृत ओमिक्स दृष्टिकोण।

मुदगिल, वाई., 2023. "अरेबिडोप्सिस थालियाना से NDL-AGB1 मॉड्यूल का उपयोग करके पादप तनाव तंत्र के आणविक आधार को समझना"। चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, हरियाणा में 'जैव प्रौद्योगिकी और मानव कल्याण: विजन 2030 और परे (ICBHW-23)' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

मुदगिल, वाई., 2023. डीएनए, डाउनस्ट्रीम और डाउन द मेमोरी लेन। इंडियन सोसाइटी फॉर प्लांट फिजियोलॉजी (आईएसपीपी) की वार्षिक बैठक का उपग्रह कार्यक्रम 7 जनवरी को आईसीजीईबी, नई दिल्ली में होगा।

भट्ट, वी., 2022. एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा विज्ञान में नवाचारों और उद्यमशीलता का उपयोग करने पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एचआईईएस 2022) के दौरान "हार्नेसिंग एपोमिक्सिस फॉर कैप्चरिंग हेटेरोसिस"

देसवाल, आर., 23 मार्च, 2022 को डॉ. रैन ड्रोरी द्वारा 9वीं आईबीपी वर्चुअल सेमिनार जिसका शीर्षक था- "बायोमोलेक्यूलर और सुपरमॉलेक्यूलर एजेंटों द्वारा क्रिस्टल विकास का निषेध और त्वरण"।

देसवाल, आर., 2022. जीनोम बायोलॉजी (आईसीजीबी-3) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, मधुराई कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु, भारत में 53वें एक्वा टेरर डे पर "ब्रैसिका लीफ क्यूटिकल प्रोटीन- ए ट्रेजर ट्रोव"।

कसाना, एस., उनियाल, पीएल और पांडे, ए.के, (2022). जीनस जुरिनिया कैस की विविधता। (एस्टेरेसी) भारत में, कर्नाटक विश्वविद्यालय के कर्नाटक साइंस कॉलेज, धारवाड़, कर्नाटक द्वारा "मानव कल्याण के लिए एंजियोस्पर्म विविधता का योगदान और इसके गिरावट से जुड़े जोखिम" विषय पर इंडियन एसोसिएशन फॉर एंजियोस्पर्म टैक्सोनॉमी एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम के XXVIII वार्षिक सम्मेलन में आयोजित किया गया।

कसाना, एस., उनियाल, पीएल और पांडे, ए.के, (2022). राजीव गांधी विश्वविद्यालय और भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा हिमालय और पूर्वोत्तर भारत में पादप वर्गीकरण और पारंपरिक ज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रूपात्मक और आणविक डेटा का उपयोग करके भारत में उप-जनजाति सॉसुरिना (एस्टेरेसी: कार्डुएई) का फाइलोजेनेटिक विश्लेषण"।

कसाना, एस., 2023. किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "पादप वर्गीकरण में आणविक डेटा की भूमिका"।

कसाना, एस., 2023. गोखले एजुकेशन सोसाइटी के एचपीटी आर्ट्स और आरवाईके साइंस कॉलेज, नासिक, महाराष्ट्र में "प्लांट सिस्टमैटिक्स में आणविक डेटा की क्षमता"।

कसाना, एस., 2022. मिरांडा हाउस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में "अपना भविष्य संवारें: एक करियर परामर्श सत्र"।

कसाना, एस., 2022. साउथ कोंकण एजुकेशन सोसाइटी के गोविंदराम सेकसरिया साइंस कॉलेज, तिलकवाड़ी, बेलगावी, कर्नाटक में "शक्तिशाली हिमालय का एक वनस्पति परिप्रेक्ष्य"।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर अरुण जगन्नाथ: जेनेटिक्स विभाग और सीजीएमसीपी, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस के साथ सहयोगात्मक शोध कार्य।

प्रोफेसर डी.बी साहू: जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के साथ सहयोगात्मक शोध कार्य।
प्रो. डी.बी साहू: उत्तर पूर्वी परिषद, उत्तर पूर्व क्षेत्र विभाग मंत्रालय के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य।
प्रो. रूपम कपूर: राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (एनएमएचएस) के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य।
प्रो. रूपम कपूर: फैबियो सर्जियो बारबोसा दा सिल्वा, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, पर्नामबुको विश्वविद्यालय, ब्राज़ील के साथ सहयोगात्मक शोध कार्य।
वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली यूनिवर्सिटी बॉटनिकल सोसाइटी के सहयोग से 15 सितंबर, 2022 से विभाग के अनुसंधान विद्वानों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रोफेसर टी.आर राव द्वारा संचालित "बायोस्टैटिस्टिक्स: द बेयर एसेंशियल्स" नामक एक परिचयात्मक पाठ्यक्रम की पेशकश कर रहा है।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों की संख्या

अंशू सिवाच, पीएच.डी. एक वर्ष की अवधि के लिए पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, यूएसए में साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) ओवरसीज विजिटिंग डॉक्टरल फेलोशिप प्रोग्राम (ओवीडीएफ) के लिए जनवरी, 2023 में विद्वान का चयन किया गया।

प्लेसमेंट विवरण (रखे गए विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत) - 3

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

रतुल बैश्य ने "सतत पर्यावरण परिप्रेक्ष्य: प्राचीन भारत से एक यात्रा" दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5 और 6 जून, 2022 दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारंपरिक ज्ञान प्रणाली के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और जलवायु शमन" पर आमंत्रित भाषण दिया।
वनस्पति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने 31 अक्टूबर, 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (एकता दौड़) राष्ट्रीय एकता दिवस में सहभागिता की।
वनस्पति विज्ञान विभाग और दिल्ली यूनिवर्सिटी बॉटनिकल सोसाइटी (डीयूबीएस) ने 23 सितंबर, 2022 को क्विज़ प्रतियोगिता 'ओफ़िएस्टा' का आयोजन किया है।
17 अगस्त, 2022 को: पूर्वी दिल्ली के एक विद्यालय में बारहवीं कक्षा के जीव विज्ञान के विद्यार्थियों को सरल जैव प्रौद्योगिकी तकनीकों के एक दिन के व्यावहारिक अनुभव के लिए आमंत्रित किया गया।
वनस्पति विज्ञान विभाग और दिल्ली यूनिवर्सिटी बॉटनिकल सोसाइटी (डीयूबीएस) ने 12 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस और "हर घर तिरंगा" मनाया।
डॉ. विभूति सिंह: विभाग के लैब स्टाफ और सफाई कर्मचारियों के लिए 'हर्बल इंडिया, स्वस्थ भारत' जागरूकता अभियान चलाया: 14 फरवरी, 2023.
मुदगिल, वाई., शक्ति - महिलाओं के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 25-26 नवंबर, 2022 के सहयोग से "आत्मनिर्भर भारत के सतत विकास के लिए विज्ञान

और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका" विषय पर स्त्री, (विज्ञान प्रौद्योगिकी अनुसंधान और उद्यमिता संवर्धन), राष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो की शुरुआत की"।

संकाय संख्या - 21

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या - 17

***

रसायन विज्ञान

संक्षिप्त इतिहास

रसायन विज्ञान शिक्षण की वर्ष 1922 में तीन घटक महाविद्यालयों (कॉलेजों) सेंट स्टीफंस, हिंदू और रामजस से शुरुआत हुई। रसायन विज्ञान विभाग ने अक्टूबर, 1933 में वाइसरीगल किचन में एक अगोचर शुरुआत की। जून-1949 में, प्रोफेसर टी.आर शेषाद्रि ने विभाग के प्रमुख के रूप में पदभार संभाला और विभाग को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने खुद को शिक्षण और अत्याधुनिक अग्रणी-अनुसंधान में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित किया है। कई संकाय सदस्य विभाग में शामिल हुए हैं और नैनोकैमिस्ट्री - इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री-बायोफिजिकल केमिस्ट्री-सुप्रामोलेक्यूलर केमिस्ट्री-ऑर्गेनोमेटेलिक-कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री - कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री-क्रिस्टल इंजीनियरिंग-ड्रग डिस्कवरी-मेडिसिनल केमिस्ट्री-सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री-सेंसर-स्ट्रक्चरल रसायन विज्ञान-कैटलिसिस-पॉलीऑक्सोमेटालेट्स इत्यादि से संबंधित विभिन्न अंतःविषय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है अनुसंधान उपलब्धियों की मान्यता में, इसे यू.जी.सी सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी- 1963/1965 और डीएसटी-एफआईएसटी प्रायोजित विभाग-1982 का दर्जा प्राप्त हुआ है। विभाग को वर्ष 2011 में डीएसटी द्वारा देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले रसायन विज्ञान विभाग के रूप में मान्यता दी गई थी। संकाय सदस्य अत्याधुनिक शोध के साथ-साथ पीएचडी-एमएससी और पोस्ट-डॉक्टरल विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने में लगे हुए हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

रसायन विज्ञान विभाग देश के प्रमुख शिक्षण और अनुसंधान विभागों में से एक है। यहां अपनाए गए अनुसंधान क्षेत्रों का स्पेक्ट्रम व्यापक है, जिसमें रासायनिक जीव विज्ञान, सिंथेटिक पद्धति विकास, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, पॉलिमर, जैव-कार्बनिक, समन्वय, हरित सामग्री, औषधीय, प्राकृतिक उत्पाद, नैनो- और सिंथेटिक रसायन विज्ञान पर प्रयोगात्मक से सैद्धांतिक अध्ययन शामिल हैं। पिछले एक वर्ष में संकाय सदस्यों ने उच्च प्रभाव वाली सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में 200 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए और 74 पीएच.डी. की उपाधियाँ प्रदान की गईं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करने के अलावा, संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और विभिन्न संस्थानों में मुख्य भाषण, पूर्ण और आमंत्रित व्याख्यान के माध्यम से अपना काम साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। संकाय द्वारा सुरक्षित एक्स्ट्रामुरल अनुसंधान परियोजनाओं ने अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं को विकसित करने और उन्नत करने और

युवा अनुसंधान विद्वानों को प्रशिक्षित करने में सहायता की। कई संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित पदक, सम्मान और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विभाग से स्नातक करने वाले कई एम.एससी विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों में रसायन विज्ञान में पीएच.डी करने का विकल्प चुना।

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रोफेसर रमा कांत: विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक रमा कांत: इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री में वर्तमान राय के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के लिए एक उपकरण के रूप में मौलिक और सैद्धांतिक इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, 36,101162.

प्रो. राम कांत: क्षेत्र के सीआरएसआई स्थानीय चैप्टर, के निर्वाचित संयोजक, सीआरएसआई (2020-2023).

प्रो. राज के. शर्मा: प्रोफेसर एस.टी. नंदीबेवूर पुरस्कार, भारतीय रसायनज्ञ परिषद के XXXXI वार्षिक सम्मेलन के दौरान, भारतीय रसायनज्ञ परिषद।

प्रो. दीवान एस. रावत: वासविक अनुसंधान पुरस्कार, विविधाक्सी औद्योगिक समशोधन विकास केंद्र।

सह-संपादक(एसोसिएट एडिटर), वैज्ञानिक रिपोर्ट

सदस्य अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड: एसीएस बायोकॉन्जुगेट केमिस्ट्री (अमेरिकन केमिकल सोसाइटी); जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी (विली); औषधीय रसायन विज्ञान में कैंसर रोधी एजेंट (बेंथम); इंडियन जर्नल ऑफ हेटरोसाइक्लिक केमिस्ट्री; जर्नल ऑफ इंडियन केमिकल सोसायटी.

प्रो. आर. नागराजन: एसएमसी सिल्वर मेडल/सोसाइटी फॉर मैटेरियल्स केमिस्ट्री/इंडियन एकेडमी ऑफ साइंस, बैंगलोर की इनोवेशन फेलोशिप।

प्रो. पी. विश्वास: भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर की फैलोशिप।

प्रो. राजीव गुप्ता:

परिषद सदस्य, केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई) (2020-2023).

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज, भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर और स्प्रिंगर द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित (2017-2022).

प्रो. एस. डेका: संपादकीय बोर्ड सदस्य, पियर जे मैटेरियल्स साइंस।

प्रकाशन

शोध लेख

राणा, पी., दीक्षित, आर., शर्मा, एस., दत्ता, एस., यादव, एस., अरोड़ा, बी., कौशिक, बी., राणा, पी., और शर्मा, आर.के (2022). 3,4-डायहाइड्रोपाइरीमिडिन-2(1H)-ऑन/थियोन के संश्लेषण के लिए उत्प्रेरक के

रूप में कोबाल्ट नैनोकणों से सजाए गए चुंबकीय बोरान नाइट्राइड नैनोशीट। *एसीएस एप्लाइड नैनोमटेरियल्स*, 5(4), 4875-4886.

कौशिक, बी., राणा, पी., रावत, डी., सोलंकी, के., यादव, एस., राणा, पी., और शर्मा, आर.के (2022)। चुंबकीय रूप से अलग करने योग्य प्रकार- II अर्धचालक आधारित ZnO/MoO_3 फोटोकैटलिस्ट: दृश्य प्रकाश के तहत हेटेरोएरेन्स एरिलेशन और रोडामाइन बी क्षरण के लिए एक कुशल प्रणाली। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, 46(18), 8478-8488.

कौशिक, बी., यादव, एस., राणा, पी., राणा, पी., सोलंकी, के., रावत, डी., और शर्मा, आर.के (2022)। सटीक रूप से इंजीनियर प्रकार II ZnO-CuS आधारित हेटरोस्ट्रक्चर: कार्बनिक रंगों के कुशल खनिजकरण के लिए एक दृश्यमान प्रकाश चालित फोटोकैटलिस्ट। *अनुप्रयुक्त भू-तल विज्ञान*, 590, 153053.

कुमार, वी., सिंह, डी., कुमार, पी., चौधरी, जी., सिंह, ए.पी, और गुप्ता, आर. (2022). नेफ्थालिमाइड रिंग युक्त दो संबंधित केमोसेंसरों द्वारा निकल और जिंक आयनों का फ्लोरोसेंट पता लगाना। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1261,132901.

यादव, पी., पांडे, जे., और नागराजन, आर. (2022). कुशल सोखना विशेषताओं को जोड़ने के लिए Pb-प्रतिस्थापन के माध्यम से Pr6O11 (PrO1.833) की थियोफिलिसिटी को ट्यूनिंग करना। *अनुप्रयुक्त भू-तल विज्ञान*, 591,153111.

श्रीवास्तव, वी., और नागराजन, आर. (2022). PrAlO3 का रासायनिक दबाव-प्रेरित संरचनात्मक, ऑप्टिकल और चुंबकीय गुण परिवर्तन। *सेरामिक्स इंटरनेशनल*, 48(15), 22105-22112.

कुमार, एन., और कौर-घुमान, एस. (2022). [FeFe] हाइड्रोजनेज़ के 2-मर्कैप्टोबेंज़िमिडाज़ोल लिगैंड-आधारित मॉडल: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और इलेक्ट्रोकेमिकल अध्ययन। *जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज* , 134(2), 53.

बावा, आर., देसवाल, एन., नेगी, एस., दलेला, एम., कुमार, ए., और कुमार, आर. (2022). जलीय और वास्तविक नमूनों में आर्गिनिन के तेजी से वर्णमिति का पता लगाने के लिए पायरानोपाइराज़ोल आधारित शिफ बेस, *आरएससी एडवांस*, 12(19), 11942-11952.

सेठी, ए., उमा, एस., और नागराजन, आर. (2022). Th4+-स्टेब्लाइज्ड δ-Bi2O3 के ऑप्टिकल, टेक्सचरल, कैटेलिटिक और फोटोकैटलिटिक गुणों को तैयार करने के लिए द्विसंयोजक आयन प्रतिस्थापन के माध्यम से दोषों को बढ़ावा देना। *सेमीकंडक्टर प्रसंस्करण में सामग्री विज्ञान*, 141,106441.

पचीसिया, एस., और गुप्ता, आर. (2022). मेटलोलिगैंड्स के माध्यम से अनुकूलित अकार्बनिक-कार्बनिक वास्तुकला। *रासायनिक रिकॉर्ड*, 22(11), e202200121.

गुप्ता, आर., कुमार, जी., और गुप्ता, आर. (2022). लैंथेनाइड-आधारित मैक्रोसायकल द्वारा तटस्थ रंगों का एनकैप्सुलेशन-एलईडी सोखना और धनायनित रंगों और एंटीसाइकोटिक दवाओं का पूर्ण फोटोडिग्रेडेशन। *अकार्बनिक रसायन विज्ञान*, 61(20), 7682-7699.

गोयल, एच., और गुप्ता, आर. (2022). कम आणविक-भार-जेलेटर द्वारा पिक्रिक एसिड की उपस्थिति में एक स्थिर जेल का संवेदन और निर्माण। *जर्नल ऑफ़ द इंडियन केमिकल सोसाइटी*, 99(7), 100521.

बावा, आर., देसवाल, एन., कुमार, ए., और कुमार, आर. (2022). स्पेक्ट्रोस्कोपिक और इन-सिलिको दृष्टिकोण के माध्यम से इसाटिन-ट्रायज़ोल कार्यात्मक रोडामाइन के साथ बोवाइन सीरम एल्बुमिन और मानव हीमोग्लोबिन की परस्पर क्रिया की जांच करना। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, 360,119558.

कुमार, आर., यादव, एन., जैन, एच., देसवाल, एन., उपाध्याय, आर.के, लीखा, ए., वर्मा, ए.के, करीम, ए., चिकाती, आर., और कुमार, एल.एस (2022). शक्तिशाली एंटीकैंसर एजेंट के रूप में 4-एरिल-1, 4-डायहाइड्रोपाइरीडीन का माइक्रोवेव-सहायता संश्लेषण और उनका इन-सिलिको अध्ययन। *केमिस्ट्री* सेलेक्ट, 7(19), ई202104129.

रावत, एम., और रावत, डी.एस (2022). Cu_2O ने एमएचएएम (मैरीगोल्ड हॉलो एल्युमिना माइक्रोस्फेयर) नैनोकणों को आइसोक्विनोलोन के संश्लेषण के लिए मजबूत और कुशल उत्प्रेरक के रूप में सजाया। *एसीएस सस्टेनेबल केमिकल इंजीनियरिंग*, 10(30),10014-10023.

गगनदीप, खोलिया, किदवई, एस., सिंह, पी., सिंह, आर., और रावत, डी.एस (2022). एंटी-माइकोबैक्टीरियल एजेंटों के रूप में बेंज़िमिडाज़ोल डेरिवेटिव का डिज़ाइन और संश्लेषण। *जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी*, 36(9), ई23123.

चंदेल, एस., ज़ुल्किफ़ली, किम, जे., और राय, ए.के (2022). सोडियम आयन बैटरी अनुप्रयोग के लिए सोडियम टाइटेनेट एनोड के विद्युत रासायनिक प्रदर्शन पर वैनेडियम डोपिंग का प्रभाव। *डाल्टन लेनदेन*, 51(31),11797-11805.

चंदेल, एस., ज़ुल्किफ़ली, सिंह, जे., किम, जे., और राय, ए.के (2022). सोडियम आयन बैटरी अनुप्रयोग के लिए उच्च दर क्षमता के साथ पूर्ण कार्बन नेटवर्क के भीतर लिपटे Na0.23TiO2 नैनोकण एनोड का आसान संश्लेषण। *सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी*, 290,126600.

अंतिल, बी., कुमार, एल., दास, एम.आर, डेका, एस. (2022). एन-डोप्ड ग्राफीन मॉड्यूलेटेड एन-रिच कार्बन नाइट्राइड एक आशाजनक ऑल-सॉलिड-स्टेट लचीले सुपरकैपेसिटर को साकार करता है। *जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज*, 52, (भाग ए), 104731.

सिंह, ए., सिंह, पी., और नाथ, एम. (2022). ब्रोंस्टेड अम्लीय सर्फैक्टेंट: विविध कार्बनिक परिवर्तनों के लिए कुशल ऑर्गेनोकैटलिस्ट। *भौतिक विज्ञान समीक्षाएँ*, 7(4-5), 469-506.

चौहान, डी., कुमार, वाई., चंद्रा, आर., और कुमार, एस. (2022). अभूतपूर्व अल्ट्रालो ANXA2 कैंसर बायोमार्कर का पता लगाने के लिए 2डी पारदर्शी कुछ स्तरित हाइड्रोजन प्रतिस्थापित ग्राफडाइन नैनो-इंटरफ़ेस। *बायोसेंसर और बायोइलेक्ट्रॉनिक्स*, 213,114433.

कैम, वी., जोशी, एम., स्टीन, एम., और कौर-घुमान, एस. (2022). हाइड्रोजन विकसित करने वाले उत्प्रेरक के रूप में मोनोन्यूक्लियर मैंगनीज कॉम्प्लेक्स। *फ्रंटियर्स इन केमिस्ट्री*, 10, 1-13.

गोपालैया, के., चौधरी, आर., और संबाशिव राव, के.आर.एस (2022). बुचवाल्ड-हार्टविग एमिनेशन और साइक्लोएरोमैटाइजेशन के माध्यम से 9-अमीनोएक्रिडीन की स्थापना के लिए पीडी-उत्प्रेरित एक-पॉट दृष्टिकोण। *आर्किवोक*, 2022(6), 24-37.

उपाध्याय, आ.रके, सैनी, के.के, देसवाल, एन., सिंह, टी., त्रिपाठी, के.पी, कौशिक, पी., शकील, ए.ए, भारती, ए.सी, और कुमार, आर. (2022). राइजोक्टोनिया सोलानी के खिलाफ आशाजनक एंटीफंगल गतिविधि के साथ बेंज़ोथियाज़ोल-संलग्न बीआईएस-ट्रायज़ोल-आधारित संरचनात्मक आइसोमर्स का संश्लेषण। *आरएससी एडवांसेस*, 12(37), 24412-24426.

सिंह, डी., इब्राहिम, ए., कुमार, पी., और गुप्ता, आर. (2022). मेथिलीन स्पेसर ने दो कूमारिन-पाइरीन आधारित केमोसेंसरों द्वारा तांबे और जस्ता आयनों के बीच मध्यस्थता का पता लगाने वाला स्विच किया। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट*, 7(22), ई202202574.

यादव, एस., और गुप्ता, आर. (2022). रूथेनियम कॉम्प्लेक्स द्वारा उत्प्रेरित नाइट्राइल का जलयोजन: बेस-मुक्त कटैलिसीस को बढ़ावा देने में डाइहाइड्रोजन बॉन्डिंग इंटरैक्शन की भूमिका। *अकार्बनिक रसायन विज्ञान*, 61(39), 15463-15474.

सिंह, डी., तोमर, एस., सिंह, एस., चौधरी, जी., सिंह, ए.पी, और गुप्ता, आर. (2023). मैग्नीशियम और जिंक आयनों के 'टर्न-ऑन' दोहरे चैनल भेदभावपूर्ण पता लगाने के लिए एक फ्लोरोसेंट pH स्विच जांच। *जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए: केमिस्ट्री*, 435, 114334.

कुमार, एन., और कौर-घुमान, एस. (2022). बीआईएस (मोनोथियोलाटो) {FeFe} कॉम्प्लेक्स [Fe2(μ-SC6H4-OMe-m)2(CO)5L] (L = CO, PCy3, PPh3) का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और इलेक्ट्रोकेमिकल अध्ययन। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट*, 7 (44), ई202203392.

कुमार, ए., पुरकायस्थ, एस.के, गुहा, ए.के, दास, एम.आर, और डेका, एस. (2022). एक नैनोसंरचित द्विकार्यात्मक FeCoPd मिश्र धातु इलेक्ट्रोकैटलिस्ट द्वारा मजबूत और आशाजनक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रियाएं। *जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए*, 10(44), 23731-23743.

कुमार, ए., मुहम्मद, जे., पुरकायस्थ, एस.के, गुहा, ए.के, दास, एम.आर, और डेका, एस. (2022). सक्रिय Cu-Co-B अनाकार नैनोशीट्स द्वारा मजबूत और आशाजनक इलेक्ट्रोकैटलिटिक ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया। *एसीएस सस्टेनेबल केमिकल इंजीनियरिंग*, 11(6), 2541-2553.

डेका, एस. (2022). सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए नैनोस्ट्रक्चर्ड मिश्रित संक्रमण धातु ऑक्साइड स्पिनेल। *डाल्टन ट्रांजेक्शन्स*, 52(4), 839-856.

सिंह, डी., इब्राहिम, ए., और गुप्ता, आर. (2022). कॉपर और साइट्रेट आयनों का अनुक्रमिक पता लगाने के लिए कूमारिन-आधारित प्रतिवर्ती फ्लोरोसेंट केमोसेंसर। *केमिस्ट्रीसेलेक्ट*, 7 (45), ई202203326.

यादव, एस., प्रभा, डी., अहलूवालिया, डी., बैग, ए., और गुप्ता, आर. (2022). स्थानांतरण हाइड्रोजनीकरण के लिए कुशल सहकारी उत्प्रेरक के रूप में कोबाल्ट कॉम्प्लेक्स। *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 2022(46), e202201059.

गोयल, एच., कुमार, वी., सैनी, ए.के, केदावत, जी., गुप्ता, बी.के, और गुप्ता, आर. (2023). काउंटरफिट-रोधी अनुप्रयोगों के लिए एकत्रीकरण-प्रेरित संवर्धित उत्सर्जन, जेलेशन और मैकेनोक्रोमिक गुणों वाला एक बहुक्रियाशील शिफ़ बेस। *मैटेरियल्स टुडे केमिस्ट्री*, 27, 101306.

बंसल, डी., यादव, एस., और गुप्ता, आर. (2023). ऑक्सो-ब्रिज्ड ट्राई- और टेट्रा-न्यूक्लियर कोबाल्ट कॉम्प्लेक्स एमाइड-आधारित नाइट्रोजन डोनर लिगैंड्स के साथ समर्थित हैं। *यूरोपियन जर्नल ऑफ इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 26(4), e202200601.

गोयल, एच., अन्नान, आई., अहलूवालिया, डी., बैग, ए., और गुप्ता, आर. (2023). दो फ्लोरोसेंट केमोसेंसरों द्वारा Al3+ और Ga3+ आयनों के साथ-साथ एसपारटिक एसिड का भेदभावपूर्ण 'टर्न-ऑन' पता लगाना। *सेंसर*, 23(4), 1798.

कुशवाह, एस., और नागराजन, आर. (2023). स्पिन-ग्लास व्यवहार और कमरे के तापमान के रेडॉक्स उत्प्रेरक गुणों ने ZnCrMnO4 का उत्पादन किया। सेरामिक्स इंटरनेशनल, 49(1), 683-690.

गुप्ता, एम., देव, आई.एस, नागराजन, आर., और प्रकाश, जी.वी (2022). तरल लेजर के लिए अत्यधिक कुशल हेक्सागोनल-चरण Nd3+ डोप्ड KLaF4 नैनोकण कोलाइडल निलंबन। *ऑप्टिकल सामग्री*, 133,113045.

पाल, एस., नागराजन, आर., और उमा, एस. (2023). ध्रुवीय A′SmNb2O7 (A′ = Rb, Cs) डायोन-जैकबसन स्तरित पेरोव्स्काइट्स में दूसरी हार्मोनिक पीढ़ी। केमेस्ट्री ऑफ मेटेरियल्स, 35(3), 1249-1258.

सिंह, जे., ली, एस., तोमर, ए., ज़ुल्किफली, किम, जे., और राय, ए.के (2023). लिथियम-आयन बैटरी अनुप्रयोग के लिए एनोड सामग्री के रूप में नवीन मेसोपोरस खोखले CuO नैनोट्यूब का सर्फैक्टेंट-मध्यस्थ संश्लेषण। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 8(1), ई202203755.

यादव, पी., कुमारी, एन., और राय, ए.के (2023). जलीय रिचार्जेबल जिंक आयन बैटरियों के लिए मैंगनीज डाइऑक्साइड-आधारित कैथोड के संरचनात्मक परिवर्तन को दूर करने के समाधान पर एक समीक्षा। *जर्नल ऑफ़ पॉवर सोर्सेज*, 555, 232385.

सिंह, जे., ली, एस., ज़ुल्किफ़ली, किम, जे., और राय, ए.के (2022). CoMoO4 एनोड का रूपात्मक निर्भर व्यवहार: लिथियम बनाम सोडियम आयन बैटरी। जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 920, 165925.

चंदेल, एस., वांग, सी., सिंह, एस.पी, वांग, एन., और राय, ए.के (2022). सोडियम-आयन बैटरियों के रूप में अनुप्रयोगों के लिए मोलिब्डेनम डोपिंग द्वारा नैनोस्ट्रक्चर्ड सोडियम टाइटेनेट एनोड के इलेक्ट्रोकेमिकल प्रदर्शन में महत्वपूर्ण वृद्धि। *एसीएस एप्लाइड नैनो मटेरियल्स*, 5(12), 18591-18602.

तोमर, ए., अधितामा, ई., विंटर, एम., प्लैक, टी., और राय, ए.के (2022). ली-आयन बैटरियों में एनोड सामग्री के रूप में NiCo2O4/Co3O4 नैनोवायरों के उपयोग में अंतर्दृष्टि। *बैटरी और सुपरकैप्स*, 6(3), ई202200465.

मोहन, टी., कुमार, जे., और रॉय, आई. (2023). प्रकाश-सक्रिय एंटीकैंसर और उत्प्रेरक अनुप्रयोगों के लिए आयरन सेलेनाइड नैनोरोड्स। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, 47(5), 2527-2535.

सिंह, पी., शर्मा, सी., शर्मा, बी., मिश्रा, ए., अग्रवाल, डी., कन्नन, डी., हेल्ड, जे., सिंह, एस., और अवस्थी, एस.के (2022). एन-सल्फोनिलपाइपरिडीन डिस्पिरो-1,2,4,5-टेट्राओक्सेन पी. बर्घेई एएनकेए पैरासिटिमिया से संक्रमित चूहों में इन विट्रो एंटीप्लास्मोडियल गतिविधि और विवो प्रभावकारिता में शक्तिशाली प्रदर्शन करते हैं। *यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री*, 244,114774.

यादव, डी.के, उमा, एस., और नागराजन, आर. (2023). माइक्रोवेव-असिस्टेड रैपिड आयन-एक्सचेंज प्रक्रिया द्वारा Li-Al आधारित बाइनरी और टर्नरी स्तरित डबल हाइड्रॉक्साइड में सर्फैक्टेंट इंटरकलेशन और आयोडीन सोखना में इसका अनुप्रयोग। *खनिज*, 3(13), 303.

पैन, जे., एक्सयू, एस., सीएआई., टी., एसयू, एल., सीएचई, एक्स., डोंग, डब्ल्यू., एसएचआई., जेड., राय, ए.के, वांग, हुआंग, एफ., और डीओयू, एस.एक्स (2023). "कठोर-लचीला" युग्मित इंटरफेशियल तनाव मॉड्यूलेशन द्वारा पॉलिमर सोडियम बैटरी की साइक्लिंग स्थिरता को बढ़ावा देना। *नैनो लेटर्स*, 23(8), 3630-3636.

यादव, पी., पुत्रो, डी., किम, जे., और राय, ए.के (2023). रिचार्जेबल जलीय जिंक आयन बैटरियों के लिए बेहतर इलेक्ट्रोकेमिकल प्रदर्शन के साथ δ-MnO_2 की पोम-पोम फूल जैसी आकृति विज्ञान। *बैटरियां*, 9(2),133.

अग्रवाल, टी., और कौर-घुमान, एस. (2023). [FeFe] हाइड्रोजनेज़: एसिटोनिट्राइल-पानी में हाइड्रोजन उत्पादन के लिए इलेक्ट्रोकैटलिस्ट के रूप में 2-प्रोपेनेथियोलाटो-ब्रिज्ड {FeFe} सिस्टम। *यूरोपियन जर्नल ऑफ इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 26(11), ई202200623.

यादव, एन., गोपालैया, के., पांडे, जे., और नागराजन, आर. (2023). जिरकोन PrVO4: 2,3-विस्थापित क्विनोलिन डेरिवेटिव के अग्रानुक्रम ऑक्सीडेटिव संश्लेषण के लिए एक कुशल विषम उत्प्रेरक। डाल्टन ट्रांजेक्शन्स, 52(18), 5969-5975.

कुकल, एस., बोरा, एस., कनौजिया, एन., सिंह, पी., पॉल, पी.आर, रावत, सी., सागर, एस., भत्राजू, एन.के, ग्रेवाल, जी.के, सिंह, ए., कुकरेती, एस., सत्यमूर्ति, के., और कुकरेती, आर. (2023). मानव मस्तिष्क एंडोथेलियल कोशिकाओं में PPARα-निर्भर तंत्र के माध्यम से मल्टीड्रग इफ्लक्स ट्रांसपोर्टर ABCG2/BCRP का वैल्प्रोइक एसिड-प्रेरित अपग्रेडेशन। *आणविक औषध विज्ञान*, 103(3), 145-157.

कौशिक, आर., खान, आई., दास, वी., हुसैन एफ., मनाबे जे., निशिहारा एस., टिलआउट ए.-एल., एमबोमेकेले आई.-एम., और डी ओलिवेरा पी. (2022). एक टेट्रामेरिक प्रेज़ियोडिमियम प्रतिस्थापित आर्सेनोटुंगस्टेट (III) - संश्लेषण और लक्षण वर्णन, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, उत्प्रेरक और इसके चुंबकीय अनुप्रयोग। *पॉलीहेड्रॉन*, 216, 115698.

हुसैन, एफ., खान, आई., और दास, वी. (2022). अल्कोहल के ऑक्सीकरण के लिए टेट्रामेरिक लैंथेनाइड-प्रतिस्थापित पॉलीऑक्सोटुंगस्टेट्स [(Ln2XW10O38)4(W3O8)(OH) 4(H2O)2]n- (X = SiIV, GeIV

और PV और n = 26 या 25) की उत्प्रेरक गतिविधि का तुलनात्मक अध्ययन। *इनऑर्गेनिका चिमिका एक्टा*, 536, 120893.

दास, वी., और हुसैन, एफ. (2023). हेप्टा-न्यूक्लियर जिंक टंगस्टोफॉस्फेट नैनो-क्लस्टर [Zn7(H2O)2(OH)2P2W25O94]16−: अल्कोहल ऑक्सीकरण में संश्लेषण, लक्षण वर्णन और इसका उत्प्रेरक अनुप्रयोग। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 8(3), ई202204001.

सिंह, जे., होंग, के., चो, अख्तर, एम.एस, कांग, जे., और राय, एके (2022). उच्च प्रदर्शन लिथियम-आयन बैटरियों के लिए धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क निर्मित V2O5 कैथोड सामग्री। *कोटिंग्स*, 12(6), 844.

चौके, पी.बी, दादुरे, के.एम, पोटभारे, ए.के, भुसारी, जी.एस, मंडल, ए., चौधरी, के., सिंह, वी., डेसिमोन, एम.एफ, चौधरी, आर.जी, और मसराम, डी.टी (2022). फोटोकैटलिटिक डाई डिग्रेडेशन और आणविक डॉकिंग के लिए क्रिनम विविपेरम फूल के अर्क से जैवसंश्लेषित δ-Bi2O3नैनोकण। *एसीएस ओमेगा*, 7(24), 20983-20993.

यादव, डी.के, पाल, एस., और उमा, एस. (2022). मधुकोश क्रमित संरचनाओं, Li3Mn2SbO6 और Li4CoSbO6 के निर्माण में ऑक्सीकरण अवस्था और आयनिक आकार का प्रभाव। *जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स*, 163, 110559.

पाल, एस., यादव, डी.के, और उमा, एस. (2022). इनसाइट इनटू हॉनिकॉम्ब आर्डर्ड Li3(MnM)SbO6 (M(II) = Co, Ni, Zn, Mg) और Li3(CoM′)SbO6 (M′(II) = Ni, Zn, Mg) ऑक्साइड। सॉलिड स्टेट साइंसेस, 128, 106894.

पाल, एस., दास, एस., नागराजन, आर., और उमा, एस. (2022). डायोन-जैकबसन A′ MIIINaNb3O10 (A′= Rb, Cs; M(III) = sm, Bi) और RbSmNa2Nb4O13 स्तरित पेरोव्स्काइट और उनके ल्यूमिनसेंट फ़ंक्शन। जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स केमिस्ट्री सी, 10(39), 14675-14685.

सेठी, ए., यादव, डी.के, और उमा, एस. (2022). क्यूप्रस डेलाफॉसाइट्स, Cu3(MFeSb)O6 (M= Na, Li) हॉनिकॉम्ब सरणियों के साथ, टॉपोकेमिकल आयन-विनिमय प्रतिक्रियाओं द्वारा महसूस किया गया। *सेरामिक्स इंटरनेशनल*, 48(10), 13833-13841.

कुशवाह, एस., और नागराजन, आर. (2022). एकल-चरण कैल्सीनेशन से Sn- और Mn-शामिल Co2TiO4 के चुंबकीय गुण। *डाल्टन ट्रांसजेक्शन्स*, 51(34), 13022-13031.

अहमद, एस., और नागराजन, आर. (2022). ऑक्सीडेटिव सम्मिलन विधि द्वारा प्राप्त फ्लोराइड-डोप्ड CeO2 के ऑप्टिकल और चुंबकीय गुण। *अकार्बनिक रसायन विज्ञान कम्यूनिकेशन*, 138, 109290.

यादव, डी.के, उमा, एस., और नागराजन, आर. (2022). टर्नरी Li-M-Al LDHs (M = Mg, Co, Ni, Cu, Zn, एंड Cd) का माइक्रोवेव-सहायता संश्लेषण और फिनोल ऑक्सीकरण में उनके उपयोग की जांच करना। *एप्लाइड क्ले साइंस*, 228, 106655.

एंटिल बी., कुमार एल., दास एम.आर, और डेका एस. (2022). दृश्यमान प्रकाश(विजिबल लाइट) संचालित हाइड्रोजन विकास गतिविधि की तरह पीटी कोकैटलिस्ट प्रदान करने के लिए ZnCo-मेटल-ऑर्गेनिक

फ्रेमवर्क के खोखले रिंगों में NiCoP कोकैटलिस्ट को शामिल करना। *एसीएस एप्लाइड एनर्जी मटेरियल्स*, 5(9), 11113-11121.

सिन्हा, एन.के, और तिरुपति, एन. (2022). पैलेडियम (II) पिंसर कॉम्प्लेक्स N, N', N''-Tris (2-थियोनिसिल) गुआनिडाइन से व्युत्पन्न। संश्लेषण, संरचनात्मक पहलू, समाधान व्यवहार और सुजुकी-मियाउरा युग्मन प्रतिक्रियाएं। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 7(40), ई202202778.

परिहार, एच., और तिरुपति, एन. (2022). कोबाल्ट (II)-उत्प्रेरित निर्देशित C-H क्रियाशीलता/[3+2] अल्काइनेस के साथ N-एरिलगुआनिडाइन का एनुलेशन। *ऑर्गेनिक लेटर्स*, 24(44), 8098-8103.

कपिल, बी., शर्मा, एस., अग्रवाल, पी., और हाजरा, आर.के (2022). मोनोलेयर ट्रांज़िशन मेटल डाइक्लोजेनाइड्स के हेवी-होल ट्रियोन की बाइंडिंग ऊर्जा और वर्तमान घनत्व : 2D H-जैसे आधार सेट के साथ कूलम्ब इंटरैक्शन का विश्लेषणात्मक गड़बड़ी उपचार। *द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस*, 137, 809.

शर्मा, एस., कपिल, बी., अग्रवाल, पी., और हाजरा, आर.के (2022. कूलम्ब इंटरेक्शन के ग्रीन के फ़ंक्शन विस्तार के द्विध्रुवीय कारक तक He-आइसोइलेक्ट्रॉनिक आयनों को मॉडल करने के लिए विश्लेषणात्मक उपचार द्वारा ट्रांजिशन धातु डाइक्लोजेनाइड्स के हेवी-होल बाइलेयर ट्रियोन। *फिजिक्स ओपन*, 11, 100107.

कपिल, बी., और हाजरा, आर.के (2023). 1Σ1Σ के लिए विश्लेषणात्मक दो-केंद्र एक-इलेक्ट्रॉन ओवरलैप और एक्सचेंज इंटीग्रल्स बताता है: लाह संख्या ने H-जैसे s-ऑर्बिटल्स के कूलम्ब ग्रीन फ़ंक्शन को निर्देशित किया। *जर्नल ऑफ केमिकल साइंसेज*, 135, 54.

कौशिक, बी., राणा, पी., रावत, डी., सोलंकी, के., राणा, पी., सचदेवा, एस., नाइकवाडी, डी.आर, बिरादर, ए.वी, और शर्मा, आर.के (2023). बिस्फेनॉल ए और मिथाइल वायलेट के दृश्य प्रकाश-संचालित क्षरण के लिए टाइप II ZnO/BiVO4 चुंबकीय हेटरोस्ट्रक्चर का सहक्रियात्मक प्रभाव। *एप्लाइड ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री*, 37(1), ई6936.

राणा, पी., कौशिक, बी., सोलंकी, के., सैनी, के.एम., और शर्मा, आर.के. (2022)। डेवेलपमेंट ऑफ हेट्रोजेनिअॅस फोटोकैटलिस्ट वाया कोवेलेंट ग्राफटिंग ऑफ मेटल कॉम्पलेक्सेस ऑन वेरियॅस सॉलिड सपोर्ट। केमिकल कम्यूनिकेशन, 58(81), 11354-11377.

यादव, एस., दीक्षित, आर., शर्मा, एस., दत्ता, एस., अरोड़ा, बी., राणा, पी., कौशिक, बी., सोलंकी, के., और शर्मा, आर.के (2022)। 2H-इंडैज़ोल रूपांकनों के स्थायी संश्लेषण में चुंबकीय CoFe2O4/Cu-ABDC MOF समग्र की उत्प्रेरक क्षमता को उजागर करना। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, 46(22), 10829-10843.

अरोड़ा, बी., शर्मा, एस., दत्ता, एस., यादव, एस., राणा, पी., प्रियंका, एन., और शर्मा, आर.के (2022). बिस्फेनॉल ए और मैलाकाइट ग्रीन के कुशल क्षरण के लिए एक पुनर्चक्रण योग्य चुंबकीय हेलोसाइट-आधारित कोबाल्ट नैनोकैटलिस्ट का निर्माण। मेटेरियल एडवांसेस, 3(15), 6373-6384.

दत्ता, एस., कुमार, पी., यादव, एस., दीक्षित, आर., और शर्मा, आर.के (2022). सी-हेटरोएटम बांड निर्माण प्रतिक्रियाओं के लिए पुनर्चक्रण योग्य चुंबकीय रूप से पुनर्प्राप्ति योग्य नैनोकैटलिस्ट। फिजिकल साइंसेस रिव्युज, 8(11), 4325-4359.

राणा, पी., दीक्षित, आर., शर्मा, एस., दत्ता, एस., यादव, एस., अरोड़ा, बी., प्रियंका, एन., कौशिक, बी., गावंडे, एम.बी, और शर्मा, आर.के (2022). 1,4-डायहाइड्रोपाइरीडीन के कुशल संश्लेषण के लिए तर्कसंगत रूप से डिजाइन किए गए चुंबकीय बोरॉन नाइट्राइड नैनोशीट समर्थित निकल उत्प्रेरक की उत्प्रेरक क्षमता में अंतर्दृष्टि। *रिएक्शन रसायन विज्ञान और इंजीनियरिंग* , 8(1), 244-253.

यादव, पी., गुप्ता, आर., अरोड़ा, जी., श्रीवास्तव, ए., और शर्मा, आर.के (2022). एक कुशल निकेल-आधारित सिलिका-लेपित चुंबकीय नैनोकैटलिस्ट के माध्यम से एल्डिहाइड-अमाइन-एसिटिलीन का उपयोग करके प्रोपरगिलामाइन का एक-पॉट संश्लेषण। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 7(33), ई202200875.

अरोड़ा, बी., शर्मा, एस., दत्ता, एस., शर्मा, ए., यादव, एस., राणा, पी., मेहता, एस., और शर्मा, आर.के (2022). मिथाइलवायलेट 6B और एसिड ऑरेंज 7 के कुशल क्षरण के लिए एक पुनर्प्राप्ति योग्य चुंबकीय हेलोसाइट नैनोट्यूब समर्थित निकेल उत्प्रेरक का डिजाइन और निर्माण। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 7(47), ई202202751.

मान, जी., चौहान, के., कुमार, वी., दक्ष, एस., कुमार, एन., थिरुमल, एम., और दत्ता, ए. (2022). अमाइलॉइड-β-टारगेटिंग जांच के रूप में 99mTc-लेबल वाले होमोडिमेरिक चाल्कोन व्युत्पन्न का जैव-मूल्यांकन। *फ्रंटियर्स इन मेडिसिन*, 9, 813465.

कृतिका, एन., और रॉय, आई. (2022). चुंबकीय नैनोकणों के चिकित्सीय अनुप्रयोग: हालिया प्रगति। मेटेरियल्स एडवांसेस, 3(20), 7425-7444.

कुमार, जे., और रॉय, आई. (2022). एनआईआर-एक्साइटेड रोडामाइन-बी-लिंक्ड अपकन्वर्ज़न नैनोफॉस्फोरस का उपयोग करके Sn2+Ions का अत्यधिक चयनात्मक और संवेदनशील अनुपातमितीय पता लगाना। *एसीएस ओमेगा*, 7(34), 29840-29849.

मित्तल, ए., रॉय, आई., और गांधी, एस. (2022)। चुंबकीय नैनोकण: बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए एक सिंहावलोकन। *मैग्नेटोकैमिस्ट्री*, 8(9), 107.

गुप्ता, ए., कुमार, वी., मित्तल, एस., और शर्मा, आर.के (2023). Pb(II) के पृथक्करण और पूर्वसंकेंद्रण के लिए रासायनिक रूप से संशोधित एम्बरलाइट XAD-2 का डिज़ाइन, संश्लेषण और अनुप्रयोग। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 8(1), ई202202966.

चटर्जी, के., अलका, कुमार, एस., शर्मा, आर.के., और कुमारी, पी. (2023). कार्यात्मक कैलिक्स [4] एरेन-डेकोरेटेड मैग्नेटाइट नैनोकणों का उपयोग करके पानी से नाइट्रोजनयुक्त कीटनाशकों को प्रभावी ढंग से हटाना। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 8(3), ई202203426.

सिंगल, एस., यादव, ए., शर्मा, के., शर्मा, एम., और शर्मा, आर.के (2023). प्लेटलेट-व्युत्पन्न वृद्धि कारक-बीबी के लिए सेलेनोमोलिब्डेट नैनोडॉट/एंटीमोनेन हाइब्रिड पर आधारित एक इलेक्ट्रोकेमिकल प्रतिबाधा एप्टासेंसर। *जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स केमिस्ट्री बी*, 11(9), 1958-1970.

सिंह, वी., और बिस्वास, पी. (2022). प्रेटिक्टिंग प्रोटीन शेल्फ लाइव्ज फ्रॉम मीन फर्स्ट पैसेज टाइम्स। केमिकल फिजिक्स लेटर्स, 792, 139426.

शर्मा, एस., सिंह, वी., और बिस्वास, पी. (2022). एडेनिन राइबोस्विच एप्टामर को खोलने/फोल्ड करने के लिए पैसेज टाइम्स का विश्लेषण। *एसीएस फिजिकल केमिस्ट्री एयू*, 2(4), 353-363.

डे, पी., और बिस्वास, पी. (2023). विश्राम गतिशीलता अमाइलॉइड- β और इसके उत्परिवर्ती की एकत्रीकरण प्रवृत्ति को मापती है। *जर्नल ऑफ केमिकल फिजिक्स*, 158, 105101.

यादव, पी., पार्षद, बी., कृष्णा, शर्मा, ए., कक्कड़, आर., और शर्मा, एस.के (2023). Cu(II) आयन सेंसर के रूप में ट्राईज़ोल-आधारित C3-सममित बहुसंयोजक डेंड्राइटिक आर्किटेक्चर। *इंडियन जर्नल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी*, 30(1), 111-116.

कुमार, के., उमापति, आर., और वेंकटसु, पी. (2023). प्लूरोनिक कॉपोलिमर का आयनिक तरल पदार्थ मध्यस्थ सूक्ष्मकरण: एम्फीफिलिक ट्राइब्लॉक कॉपोलिमर का एकत्रीकरण व्यवहार। *जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री बी*, 127(10), 2107-2120.

यादव, आर., कुमार, के., कुमार, एस., मोर, एस., और वेंकटसु, पी. (2023). स्मार्ट अनिसोट्रोपिक कोलाइडल कंपोजिट : गोल्ड नैनोकणों द्वारा डिब्लॉक कॉपोलिमर के चरण संक्रमण को संशोधित करने के लिए एक उपयुक्त मंच। *लैंगमुइर*, 39(13), 4809-4818.

यादव, एन., और वेंकटसु, पी. (2022). सॅसटेनेबल विलायक मीडिया के रूप में गहरे यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स में प्रोटीन स्थिरीकरण और सक्रियण की वर्तमान समझ और अंतर्दृष्टि। *फिजिकल केमिस्ट्री केमिकल फिजिक्स,* 24(22), 13474-13509.

धीमान, डी., बिष्ट, एम., तवारेस, ए.पी.एम, फ्रेयर, एम.जी, और वेंकटसु, पी. (2022). इम्युनोग्लोबुलिन जी एंटीबॉडी की संरचनात्मक और थर्मल स्थिरता में सुधार के लिए कुशल मीडिया के रूप में कोलिनियम-आधारित आयनिक तरल पदार्थ। *एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग*, 10(17), 5404-5420.

अरोड़ा, एच., धीमान, डी., कुमार, के., और वेंकटसु, पी. (2022). कोलीन क्लोराइड-आधारित गहरे यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स का उपयोग करके हीमोग्लोबिन की थर्मल और संरचनात्मक स्थिरता को मजबूत करना। *फिजिकल केमिस्ट्री केमिकल फिजिक्स*, 24(48), 29683-29672.

कुमार, एस., सिंधु, ए., और वेंकटसु, पी. (2022). तापमान और समय के तनाव को कम करके आयनिक तरल-संशोधित सोने के नैनोकणों के साथ पैक किए गए साइटोक्रोम-सी की पेरोक्सीडेज गतिविधि में अभूतपूर्व वृद्धि और संरक्षण। *फिजिकल केमिस्ट्री केमिकल फिजिक्स*, 24(38), 23460-23471.

यादव, आर., कुमार, एस., कुमार, के., और वेंकटसु, पी. (2022). पॉली (N-विनाइलकैप्रोलैक्टम) के हाइड्रोफिलिक/हाइड्रोफोबिक संतुलन के लिए अत्यधिक प्रॉमिशिंग कंडिडेट्स के रूप में गोल्ड

नैनोस्फेयर/नैनोरोड्स: नैनोकम्पोजिट का एक विचारशील डिजाइन। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, 46(25), 12381-12393.

उमापति, आर., कुमार, के., घोरीशियान, एस.एम, रानी, जी.एम, हुह, वाई.एस, और वेंकटसु, पी. (2022). बायोमेडिकल थर्मोरेस्पॉन्सिव पॉलिमर और इमिडाज़ोलियम-आधारित आयनिक तरल पदार्थों के बीच परस्पर क्रिया : एक व्यापक बायोफिजिकल जांच। *कोलाइड्स एंड सरफेसेस ए : फिजिकोकेमिकल एंड इंजीनियरिंग एस्पेक्ट्स*, 641, 128619.

उमापति, आर., कुमार, के., माजिद, जी.एस, मोहना, आर.जी, यंग, पी.एस, सुक, एच.वाई, और वेंकटसु, पी. (2022). टॅनलिंग द स्ट्रकचरल इनसाइट्स बिटवीन पॉली (N-आइसोप्रोपाइलैक्रिलामाइड) एंड इमिडाज़ोलियम सल्फेट आयनिक लिक्विड्स। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, 360, 119404.

कुमार, के., बिष्ट, एम., अरोड़ा, एच., घोरीशियान, एस.एम, उमापति, आर., हुह, वाई.एस, और वेंकटसु, पी. (2022). तापमान-स्विच करने योग्य पॉलिमर : पॉली (N-आइसोप्रोपाइलैक्रिलामाइड) और पॉली (N-विनाइल कैप्रोलैक्टम) के साथ डीप यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स को जोड़ना। *एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग*, 10(30), 9991-10002.

सिंधु, ए., वर्मा, आर.एस, और वेंकटसु, पी. (2022). कोलिनियम-आधारित आयनिक तरल पदार्थ लाइसोजाइम के अमाइलॉइड फाइब्रिल गठन को कम करते हैं: एंटीमाइलॉइडोजेनिक आयनिक तरल पदार्थों की एक हरित अवधारणा। *एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग*, 10(28), 9242-9253.

चौधरी, के., धीमान, डी., वेंकटसु, पी., और मसराम, डी.टी (2022). हीमोग्लोबिन के साथ जैव अनुकूलता मूल्यांकन के लिए क्लासिकली संश्लेषित ZIF-8 और Au/ZIF-8। *एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग*, 10(39), 12962-12967.

उमापति, आर., कुमार, के., घोरीशियान, एस.एम, रानी, जी.एम, पार्क, एस.वाई, हुह, वाई.एस, और वेंकटसु, पी. (2022). पॉली (N-विनाइलकैप्रोलैक्टम) के गठनात्मक परिवर्तनों पर इमिडाज़ोलियम नाइट्रेट आयनिक तरल पदार्थों का प्रभाव। *एसीएस ओमेगा*, 7(44), 39742-39749.

साह, डी., सुरभि, एन., गुप्ता, पी., शब्बीर, जे., धामा, एम., और मोजुमदार, एस. (2022). एल्डिहाइड के ऑक्सीडेटिव संशोधन के लिए पैलेडियम ऑक्साइड नैनोकणों से सजाए गए डायमाइन-फंक्शनल झरझरा ग्राफीन ऑक्साइड शीट। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, 46(43), 20828-20843.

शॉ, आर., और प्रताप, आर. (2022). पानी में लिबेसकाइंड-सरोग्ल कपलिंग के माध्यम से थायोमेथिलेटेड 2-पाइरानोन और केटीन डाइथियोएसिटल्स का एक हरा और बेस-मुक्त एरिलेशन। *एशियाई जे. ऑर्ग. केमि.*, 11(6), ई202200078.

एलागामी, ए., एल्गोनिमी, एल.के, अराफा, आर.के, और प्रताप, आर. (2022). 3-हेलो-2-(मिथाइलथियो)-4H-क्रोमेन-4-वन से कार्यात्मक फ्लेवोन का संश्लेषण। टेट्राहेड्रॉन लेटर्स, 100, 153882.

घटक, टी., अल्थगाफी, आई., चहल, एम., नाथ, एम., और प्रताप, आर. (2023). 1-टेट्रालोन से क्रियाशील 2-Oxo-2H--बेंजो[h]क्रोमीन-3-कार्बोनाइट्राइल का संश्लेषण। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 8(2), ई202204175.

राणा, एस., अल्थगाफी, आई., चहल, एम., और प्रताप, आर. (2023). 2H-पाइरान-2-ओन्स/2-oxo-बेंजो[h]क्रोमेन के आर्यलैसेटोनिट्राइल्स मध्यस्थ रिंग परिवर्तन के माध्यम से मल्टीफंक्शनल एरिलेटेड एनिलिन और अमीनो-डायहाइड्रोफेनेंथ्रेन का संश्लेषण। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 8(6), ई202204905.

कुमार, एस., प्रिंस, एन., गुप्ता, एम., लालजी, आर.एस.के, और सिंह, बी.के (2023). sp2 C-H क्रियाशीलता के माध्यम से benzo[b][1,4]oxazin-2-ओन्स का माइक्रोवेव सहायता प्राप्त रीजियोसेलेक्टिव हैलोजनेशन। *आरएससी एडवांसेस*, 13(4), 2365-2371.

दीपा, और सिंह, एस. (2023). प्रोलिनमाइड और प्रोलिनमाइड को बेंटोनाइट क्ले में मिश्रित आयनिक तरल के साथ टैग किया गया है, जो असममित एल्डोल प्रतिक्रियाओं के लिए एक पुन: प्रयोज्य उत्प्रेरक है। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 8(1), ई202202379.

शर्मा, एच., कक्कड़, आर., बिश्नोई, एस., और मिल्टन, एम.डी (2022). स्वीकर्ता-दाता-स्वीकर्ता आधारित फेनोथियाज़िन-5-ऑक्साइड एल्डिहाइड का संश्लेषण बड़े स्टोक्स शिफ्ट- "ऑन-ऑफ-ऑन" एसिडोफ्लोरोक्रोमिक स्विच और मॉलिकुलर लॉजिक गेट ऑपरेशन को प्रदर्शित करता है। *जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए: केमिस्ट्री*, 430, 113944.

उनियाल, एस., यादव, एन., उमा, एस., और नागराजन, आर. (2022). पॉलियामिनोकार्बोक्सिलेट ने हाफ़नियम/ज़िरकोनियम प्रतिस्थापित आयन अतिरिक्त In2O3 के संश्लेषण को बढ़ावा दिया: संरचना, ऑप्टिकल और विद्युत चालकता गुण। *सेरामिक्स इंटरनेशनल*, 48(5), 6707-6715.

यादव, डी.के, उनियाल, एस., और उमा, एस. (2023). नई लिथियम समृद्ध Li 4.50 M 0.50 TeO_6 (M(III)= Co, Ni, In) सिरीज में उच्च आयनिक प्रवाहकीय सदस्यों (M(III) = Co, Ni) की पहचान। *डाल्टन ट्रांजेक्शन्स*, 52(29), 10126-10135.

कुमारी, आर., और मिल्टन, एम.डी (2022). बहु-उत्तेजना प्रतिक्रियाशील π-विस्तारित फेनोथियाज़िन एल्डिहाइड का डिजाइन और संश्लेषण: सॉल्वैटोक्रोमिज्म, एसिडोक्रोमिज्म, नमी का पता लगाना और अमीन वाष्पों का फ्लोरोक्रोमिक सेंसिंग। डायज एंड पिगमेंट्स, 205, 110474.

गुप्ता, एस., और मिल्टन, एम.डी (2022). एआईईई-टीआईसीटी क्वाड्रुपोलर पुश-पुल क्विनोक्सलाइन डेरिवेटिव्स सॉल्वैटोक्रोमिज्म, एसिडोफ्लोरोक्रोमिज्म और लॉजिक गेट ऑपरेशन प्रदर्शित करता है। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1264, 133275.

कुमारी, आर., और मिल्टन, एम.डी (2022). मल्टी स्टिमुली रिस्पॉन्सिव नॉन-डोप्ड रेड एमिटिंग एआईईई एक्टिव फेनोथियाज़िन-आधारित चाल्कोन: क्रिस्टल संरचना, सॉल्वैटोक्रोमिज्म, टर्न-ऑन मैकेनोफ्लोरोक्रोमिज्म और एसिडोक्रोमिज्म। *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 2022 (46), ई202201024.

शर्मा, एच., चौधरी, एस., निर्वान, एस., कक्कड़, आर., ल्यू, एच.एस, लो, एम.एल, माई, सी.-डब्ल्यू., एचआइआई, एल.-डब्ल्यू., लिओंग, सी.-ओ., और मिल्टन, एम.डी (2022). N, N'--विस्थापित बेंज़िमिडाज़ोलियम लवण: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, जलीय प्रणाली में Fe(III) आयनों का माइक्रोमोलर पता लगाना, जैविक मूल्यांकन और आणविक डॉकिंग अध्ययन। *केमिस्ट्री सेलेक्ट,* 7(48), ई202203239.

चौधरी, पी., यादव, जी.डी, और सिंह, एस. (2022). 1 H-- और 19 F-NMR स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण के माध्यम से चिरल सॉल्वेटिंग एजेंटों के रूप में बिनोल डेरिवेटिव का उपयोग करके एमाइन की एनेंटियोप्योरिटी के निर्धारण के लिए एक सरल प्रोटोकॉल। *आरएससी एडवांसेस,* 12(39), 25457-25464.

मीना, डी.आर, आलम, एम.जे, चौधरी, पी., यादव, जी.डी, और सिंह, एस. (2022). मिज़ोरोकी-हेक प्रतिक्रिया में पूर्व-उत्प्रेरक के रूप में बिडेंटेट शिफ़ आधारों के पीडी (II) कॉम्प्लेक्सेस और उनकी उत्प्रेरक गतिविधियों का संश्लेषण और संरचनात्मक अध्ययन। *पॉलीहेड्रॉन*, 222, 115931.

आलम, एम.जे, कुमार, पी., और सिंह, एस.(2023). इंडोल्स और α, β-असंतृप्त एल्डिहाइड के बीच एनेंटियोसेलेक्टिव फ़्रीडेल-क्राफ्ट्स अभिक्रिया, जो पुनर्नवीनीकरण योग्य α, α-डायरिलप्रोलिनोल व्युत्पन्न चिरल आयनिक तरल पदार्थों द्वारा उत्प्रेरित होती है। टेट्राहेड्रोन लेटर्स, 116, 154343.

शॉ, आर., प्रकाश, पी., अल्थागाफी, आई., गिरी, एन.जी, और प्रताप, आर. (2023). 1, केटीन डाइथियोएसिटल के साथ कीटोन्स का 3-डायनियोनिक एनाल्यूशन: 3-एरिल/साइक्लोप्रोपाइल-5-थियोमिथाइल-फिनोल्स और 1-(मिथाइलथियो)-9, 10-डायहाइड्रोफेनेंथ्रेन-3-ओल्स के लिए एक मोडिफाइट रूल। आरएससी एडवांसेस 13(48), 34299-34307.

कुमार, ए., मिश्रा, पी.के, और वर्मा, ए.के (2023). बेस-मीडियेटेड योनोन-आइसोसायनाइड [3+2] साइक्लोडडिशन: 2,3,5-त्रि-प्रतिस्थापित 1-H-पाइरोल्स और बीआईएस-पाइरोल्स के लिए एक सामान्य विधि। केमिकल कम्युनिकेशन्स, 59(47), 7263-7266.

मीना, एस.ए, शर्मा, पी., और वर्मा, ए.के (2023). रैडिकल कैस्केड अभिक्रिया द्वारा एज़ा-1,6-एनाइनेस से डिफ़ंक्शनलाइज्ड सक्सिनिमाइड्स का स्टीरियोसेलेक्टिव संश्लेषण। केमिकल कम्युनिकेशन्स, 59(47), 7271-7274.

वर्मा, एस., कुमार, एम., और वर्मा, ए.के (2023). 2-अल्काइनिल/एल्केनिलबेंजोनिट्राइल्स के कैस्केड डुअल एनाल्यूशन/फॉर्माइलेशन के माध्यम से बेंजो[c]फेनेंथ्रिडिन्स के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण। केमिकल कम्युनिकेशन्स, 59(25), 3723-3726.

सुष्मिता, पटेल, एम., ठाकुर, डी., और वर्मा, ए.के (2023). कॉपर आयोडाइड नैनोकण (CuI NPs): एल्काइनिल एस्टर के संश्लेषण के लिए एक कुशल उत्प्रेरक। ऑर्गेनिक एंड बायोमोलेकुलर केमिस्ट्री, 21(11), 2301-2306.

ठाकुर, डी., अग्रवाल, टी., मुस्कान, सुष्मिता, और वर्मा, ए.के (2023)। एल्कीनायलडिहाइड पर तीन-घटक फॉस्फोनाइलेशन का अनावरण: फ्लोरोसेंट अणुओं की ओर टूलबॉक्स। *जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 88(4), 2474-2486.

सौंथवाल, आर.के, सैनी, के.एम, ग्रिमब्लाट, एन., दानोदिया, ए.के, कुमार, एस., गैंडन, वी., और वर्मा, ए.के (2022). एल्काइनिलथियोफिनेस के अपरंपरागत Ag-उत्प्रेरित साइक्लोएरोमेटाइजेशन और Au-उत्प्रेरित डबल C-H सक्रियण द्वारा पॉलीएरोमैटिक बायरिल्स तक समीचीन पहुंच। *ऑर्गेनिक लेटर्स*, 24(28), 5018-5022.

मीना, पी., आयुषी, पटेल, एम., और वर्मा, ए.के (2022). अमीनो-हेटरोएरेन्स के साथ स्टाइरीन का संक्रमण-धातु-मुक्त रीजियोसेलेक्टिव हाइड्रोएमिनेशन। केमिकल कम्युनिकेशन्स, 58(60), 8424-8427.

कुमार, एम., वर्मा, एस., मिश्रा, वी., रेसर, ओ., और वर्मा, ए.के (2022). विजिबल-लाइट -त्वरित तांबा-उत्प्रेरित [3 + 2] एल्केनीज़/एल्केन्स के साथ एन-टॉसिलसाइक्लोप्रोपाइलैमाइन का साइक्लोडिशन। *जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 87(9), 6263-6272.

मुस्कान, गंगाधरन, ए., गोयल, आर., पटेल, एम., और वर्मा, ए.के (2022). जैविक परिवर्तनों में नैनोकणों का हालिया अनुप्रयोग। ऑर्गेनिक एंड बायोमोलेकुलर केमिस्ट्री, 20, 6979-6993.

बंसल, ए., फोगट, पी., और कुकरेती, एस. (2022). क्लैमाइडोमोनस टेलोमेरिक डीएनए के दोहरे दोहराव अनुक्रम द्वारा निर्मित एक नवीन G•G•T गैर-पारंपरिक इंट्रामोल्युलर ट्रिपलक्स। *आरएससी अग्रिम*, 12(25), 15918-15924.

बंसल, ए., कौशिक, एस., और कुकरेती, एस. (2022). नॉन-केनोनिकल डीएनए संरचनाएं: विविधता और रोग संबंध। *फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स*, 13, 959258.

मेहरा, के., कुकराना, एस., कुकरेती, एस., और कौशिक, एम. (2022). नैनोमटेरियल्स और डीएनए मल्टीस्ट्रैंडेड संरचनाएं: विशिष्ट बायोमेडिकल अनुप्रयोगों को लक्षित करने के लिए एक आकर(ट्रेजर) की खोज। *जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स*, 20(41), 11324-11340.

मितल, आर., और अवस्थी, एस.के (2022). उत्प्रेरक ऑक्सीकरण प्रतिक्रियाओं के लिए धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क व्युत्पन्न Mn3O4-Co3O4/C@SiO2 नैनोरिएक्टर : उच्च मूल्य वाले रसायनों के संश्लेषण में व्यावहारिक उपयोगिता। *एसीएस एप्लाइड नैनो सामग्री*, 5(6), 7831-7840.

पांडे, एस., अग्रवाल, एस., चौधरी, आर., और अवस्थी, एस.के (2022). थिएनोइंडोल एनालॉग्स के संश्लेषण और उनके विविध अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति। *आरएससी एडवांस* , 12(25), 15787-15813.

मिश्रा, जी.के, और कांत, आर. (2023). नैनोगैप आणविक उपकरणों में वर्तमान सुधार घटना के लिए अर्ध-सूक्ष्म सिद्धांत। *द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री ए*, 127(13), 3048-3062.

कांत, आर., और प्रेरणा, (2022). प्रसार के लिए सिद्धांत: प्रवासन युग्मन-प्रेरित कैथोडिक और एनोडिक वर्तमान विसंगति। *द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री सी,* 126(45), 19035-19046.

कुमार, आर., गोयल, एच., झा, एस.के, और कांत, आर. (2022). रफ इलेक्ट्रोड पर ईसी' अभिक्रिया के लिए एकल संभावित चरण क्रोनोएम्परोमेट्री: सिद्धांत और प्रयोग। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोएनालिटिकल केमिस्ट्री*, 905, 115899.

सीनिवासन, के., ट्रान, टी.पी.एन, मोहन, पी., टन, एन.एन.टी, ठाकुर, ए., चामिंगक्वान, पी., रावत, डी.एस, और तानिके, टी. (2022). *जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस*, 57, 11714-11724.

सिंह, पी., रावत, एस., अग्रहरि, ए.के., सिंह, एम., चुग, एस., गुर्चा, एस., सिंह, ए., अब्राहम्स, के., बेसरा, जी.एस, अस्थाना, एस., रावत, डी.एस, और सिंह, आर. (2022). NSC19723, थियासेटाज़ोन जैसा

बेंजाल्डिहाइड थियोसेमीकार्बाज़ोन *इन विट्रो* और *इन विवो में टीबी दवाओं की प्रभावकारिता में सुधार करता है* । *माइक्रोबायोलॉजी स्पेक्ट्रम*, 10(6).

मित्तल, ए., ज़बीही, एफ., रैनकन, एफ., अचाज़ी, के., नी, सी., वोग्ट, ए., हाग, आर., और शर्मा, एस.के (2022). त्वचीय दवा वितरण अनुप्रयोगों के लिए हाइड्रॉलेज़ रेस्पॉन्सिव डाइग्लिसरॉल आधारित जेमिनी एम्फ़िफाइल्स का निर्माण। *आरएससी एडवांसेस,* 12(36), 23566-23577.

कुमार ए., सरवर आलम, एम., हामिद, एच., चुघ, वी., टिकला, टी., कौल, आर., धुलप ए., शर्मा, एस.के (2023). एंटी-इंफ्लेमेटरी 1,2,3-ट्रायज़ोलिलपाइरोलोबेंजोडायजेपिनोन डेरिवेटिव का डिज़ाइन और संश्लेषण एवं COX-2 चयनात्मक लक्ष्यीकरण पर आणविक संरचना का प्रभाव। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1272, 134151.

वर्मा, डी., रश्मी, अचाज़ी, ए., सिंह, ए.के, शाडे, बी., हाग, आर., और शर्मा, एस.के (2022). डी-ग्लुसिटोल आधारित जेमिनी एम्फीफिलिक नैनोट्रांसपोर्टर्स का संश्लेषण।*पॉलिमर्स फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज,* 33(8), 2601-2609.

वर्मा, डी., रश्मी, राठौड़, डी., अचाज़ी, के., शाडे, बी., हाग, आर., और शर्मा, एस.के (2022). अल्काइलेटेड और फ्लोरोएल्काइलेटेड एम्फीफिलिक हाइब्रिड नैनोआर्किटेक्चर की परिवहन क्षमता का मूल्यांकन। *एसीएस एप्लाइड पॉलिमर सामग्री,* 4(11), 8269-8276.

रश्मी, हाशेमिनेजाद, एच., हर्ज़िगर, एस., मिर्ज़ालीपुर, ए., सिंह, ए.के, नेट्ज़, आर.आर, बॉटचर, सी., मक्की, एच., शर्मा, एस.के, और हाग, आर. (2022). अल्काइलेटेड, फ्लोरिनेटेड और मिश्रित एम्फीफाइल्स की सुपरमॉलेक्यूलर इंजीनियरिंग। *मैक्रोमोलेक्यूलर रैपिड कम्युनिकेशंस* , 43(8), ई2100914.

सिंह, पी., और नाथ, एम. (2022). टैंडेम C-S युग्मन और डीब्रोमिनेटिव चक्रीकरण β-थियाज़ोल-फ्यूज्ड पोर्फिरिन तक आसान पहुंच को सक्षम बनाता है। *ऑर्गेनिक लेटर्स*, 24(47), 8586-8591.

सिंह, ए., सिंह, जे., और नाथ, एम. (2023). अमोनिया के साथ चक्रीकरण अभिक्रिया के माध्यम से 2-एरिलपाइरिमिडो [4,5-b] पोर्फिरिन का संश्लेषण। *यूरोपियन जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री*, 26(4), e202201319.

बत्रा, एन., अग्रवाल, डी. वाडी, आई., टेकुरी, सी.एस, गुप्ता, आर.डी, और नाथ, एम. (2022). 7-क्लोरोक्विनोलिन-टेथर्ड सल्फोनामाइड्स और उनके [1,2,3]-ट्रायज़ोल संकर का संश्लेषण और मलेरिया-रोधी गतिविधि। फ्यूचर मेडिसिनल केमिस्ट्री, 14(23), 1725-1739.

सुरभि, साह, डी., शब्बीर, जे., गुप्ता, पी., और मोजुमदार, एस. (2022). एल्डिहाइड के ऑक्सीडेटिव अमिडेशन के लिए पैलेडियम नैनोकणों से भरी हुई इमिडाज़ोल-फंक्शनल पोरस ग्राफीन ऑक्साइड नैनोशीट। *एसीएस एप्लाइड नैनो सामग्री,* 5(4), 5776-5792.

गुप्ता, पी., रानी, एस., साह, डी., शब्बीर, जे., सिंह, बी., पानी, बी., और मोजुमदार, एस. (2023). चुंबकीय नैनोकणों पर ग्राफ्ट किया गया मूल आयनिक तरल : β-नाइट्रोअल्कोहल और 4H-बेंजो [b]

पायरान के संश्लेषण के लिए एक कुशल और अत्यधिक सक्रिय पुनर्चक्रण योग्य उत्प्रेरक। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1274, 134351.

डे, पी., और बिस्वास, पी. (2023). विकार की अलग-अलग डिग्री के साथ प्रोटीन की एकत्रीकरण प्रवृत्ति। *जर्नल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री,* 44(8), 874-886.

चक्रवर्ती, एन., गांधी, एस., वर्मा, आर., और रॉय, आई. (2022). जीवाणुरोधी और कैंसररोधी अनुप्रयोगों के लिए नैनोजाइम की उभरती संभावनाएं। *बायोमेडिसिन्स*, 10(6), 1378.

मित्तल, ए., गांधी, एस., और रॉय, आई. (2022). स्पेक्ट्रोस्कोपिक और आणविक डॉकिंग दृष्टिकोण का उपयोग करके गोजातीय सीरम एल्ब्यूमिन के साथ संश्लेषित ZIF-8 नैनोकणों का यंत्रवत अंतःक्रिया अध्ययन। *वैज्ञानिक रिपोर्ट*, 12, 10331.

चक्रवर्ती, एन., झा, डी., रॉय, आई., कुमार, पी., गौरव, एस.एस, मारीमुथु, के., एनजी, ओ.-टी., लक्ष्मीनारायणन, आर., वर्मा, एन.के, और गौतम , एच.के (2022). रोगाणुरोधी प्रतिरोध के खिलाफ नैनोबायोटिक्स : नैनोस्केल सामग्री और प्रौद्योगिकियों की शक्ति का उपयोग करना। *जर्नल ऑफ़ नैनोबायोटेक्नोलॉजी*, 20, 375.

कुमार, पी.के, कबांडा, एम.एम, बहादुर, आई., वेंकटसु, पी., और एबेन्सो, ई.ई (2022). पानी और अल्कोहल के साथ पाइरोलिडिनियम-आधारित आयनिक तरल की आणविक अभिक्रिया पर तापमान और एकाग्रता का प्रभाव : एक प्रयोगात्मक और डीएफटी अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, 360, 119554.

रानी, ए., सिंधु, ए., याओ, टी.जे, हॉर्नग, जे.सी., और वेंकटसु, पी. (2022). कोलेजन मिमेटिक पेप्टाइड (प्रो-हाइप-ग्लाइ) 10 की स्व-संयोजन पर कोलीन क्लोराइड के प्रभाव की रूपरेखा। प्रोसेस बायोकेमिस्ट्री*,* 121, 26-34.

कुमार, एस., सिंधु, ए., वसंता, टी., खोइरोह, आई., देवुनुरी, एन., और वेंकटसु, पी. (2022). पपेन स्थिरीकरण के लिए अमीनो एसिड-आधारित ILs की मात्रा निर्धारित करने वाले हाइड्रोफिलिक/हाइड्रोफोबिक इंटरैक्शन की अधिमान्य और प्रतिस्पर्धी भूमिका। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स,* 363, 119920.

धीमान, डी., मार्क्स, ए.एस.सी, बिष्ट, एम., तवारेस, एपी.पी.एम, फ़्रेयर, एम.जी, और वेंकटसु, पी.(2023). इम्युनोग्लोबुलिन जी. एंटीबॉडी की गठनात्मक और कोलाइडल स्थिरता में सुधार करने के लिए गहरे यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स की क्षमता का खुलासा करना। ग्रीन केमिस्ट्री, 25(2), 650-660.

सिंगल, एस., यादव, ए., सिंह, जी., और शर्मा, राज के., (2022). हाइब्रिड सुपरकैपेसिटर के लिए एक नवीन इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में मोलिब्डेनम-वैनेडियम डाइबोराइड कोर @ अनाकार नैनोपोरस कार्बन शेल मिश्रित(कम्पोजिट)। *जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज*, 54, 105380.

स्वर्णलता, वी., पुरोहित, एस., पाल, पी., और शर्मा, राज के. (2022). NaOH-आधारित दो-घटक विलयन में Si{100} की उन्नत निक्षारण विशेषताएँ। *माइक्रो और नैनो सिस्टम लेटर्स,* 10, 10.

यादव, ए., सिंगल, एस., सोनी, पी., सिंह, जी., और शर्मा, राज के. (2023). V2CTx MXene में संरचनात्मक इंजीनियरिंग और कार्बन संवर्धन : उन्नत सुपरकैपेसिटिव चार्ज भंडारण के लिए एक दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स,* 934, 167859.

कुमार, डी., जोशी, ए., मारीची, आर.बी., सिंह, जी., और शर्मा, राज के. (2023). 10-मोलिब्डो-2-वैनाडोफॉस्फोरिक एसिड व्युत्पन्न (V) MoS2 माइक्रोफ्लावर @ V2CTx MXene ने उच्च प्रदर्शन वाले जलीय सुपरकैपेसिटर के लिए 3D@2D नैनोआर्किटेक्चर डिज़ाइन किया है। *जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज,* 59, 106447.

कुमार, एस., अरोड़ा, ए., कुमार, एस., कुमार, आर., मैती, जे., और सिंह, बी.के (2023). पसेरिनी अभिक्रिया: बहुलक रसायन विज्ञान में संश्लेषण और अनुप्रयोग। *यूरोपियन पॉलिमर जर्नल*, 190, 112004.

प्रिंस, कुमार, एस., लालजी, आर.एस.के, गुप्ता, एम., कुमार, पी., कुमार, आर., और सिंह, बी.के (2022). पानी में 1-मिथाइल-3-फिनाइल क्विनॉक्सालिन-2(1H)-ऑन के पैलेडियम-उत्प्रेरित, रीजियोसेलेक्टिव फंक्शनलाइजेशन के लिए स्थायी सी-एच सक्रियण दृष्टिकोण। ऑर्गेनिक एवं बायोमोलिकुलर केमिस्ट्री, 20(45), 8944-8951.

रहमान, ए. जे, ओझा, एच., पांडे, ए., कुमार, एस., सिंघल, आर., दत्ता, ए., और सिंह, बी.के (2022). कम ग्राफीन ऑक्साइड पर ऑर्गनोफॉस्फोरस यौगिक (फॉस्फेट) का काइनेटिक, इज़ोटेर्म और थर्मोडायनामिक सोखना अध्ययन। *हीरा और संबंधित सामग्री*, 127, 109191.

कुमार, एस., प्रिंस, मोनिका, कुमार, पी., लेन, सी., और सिंह, बी.के (2023). 1-अल्काइल/बेंजाइल-3-फेनिलक्विनॉक्सालिन-2(1H)-ओन्स का एक एकीकृत, माइक्रोवेव-असिस्टेड, पैलेडियम-उत्प्रेरित रेजियोसेलेक्टिव ऑर्थो-मोनोहैलोजनेशन। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 8(3), ई202204821.

लालजी, आर.एस.के, प्रिंस, गुप्ता, एम., कुमार, एस., कुमार, ए., और सिंह, बी.के (2023). रोडियम-उत्प्रेरित सेलेनाइलेशन और 'पानी पर' क्विनॉक्सैलिनोन का सल्फेनाइलेशन। *आरएससी एडवांसेस*, 13(9), 6191-6198.

कुमार, एम., सिंह, एम., कैस्वर, जी., लालजी, आर.एस.के, सिंह, बी.के, शर्मा, ए., खानम, जी., फातिमा, ए., कुमार, ए., जयपाल, सिद्दीकी, एन., और जावेद, एस. (2022). 2-एमिनोबेंजोथियाज़ोल पर क्वांटम रसायन, स्पेक्ट्रोस्कोपिक, हिर्शफेल्ड सतह और आणविक डॉकिंग अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1253, 132254.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

देवी, राय, ए.के, और सिंह, आर.के (2022). अध्याय 13: उन्नत इलेक्ट्रोकेमिकल गुणों के लिए 2डी सामग्रियों के नैनोकम्पोजिट, *बोका रैटन, फ्लोरिडा* : सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), 223-244.

एंटिल, बी., और डेका, एस. (2022). अध्याय5: पोरस ग्रेफाइटिक कार्बन नाइट्राइड नैनोस्ट्रक्चर और फोटोकैटलिटिक हाइड्रोजन इवोल्यूशन रिएक्शन में उनका अनुप्रयोग, न्यू जर्सी, यूएसए: जॉन विले एंड संस लिमिटेड, 133-163।

नाथ, एम., सिंह, ए., घटक, टी., अग्रवाल, एस., और प्रताप, आर. (2022). कार्बनिक संश्लेषण में CuFe2O4 चुंबकीय नैनोकणों के अनुप्रयोग, *बर्लिन/बोस्टन* : डी ग्रुइटर, 157-190.

सिंह, जे., सिंह, आर.के, और राय, ए.के (2022). बैटरियों के लिए मेटल फॉस्फाइड आधारित 2डी नैनोमटेरियल। *बोका रैटन, फ्लोरिडा* : सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), 233-249.

तोमर, ए.के, कुमार, डी., जोशी, ए., सिंह, जी., और शर्मा, राज के. (2023). *उन्नत कार्बन नैनोस्ट्रक्चर का संश्लेषण और निर्माण* । इन : ग्रेस, ए.एन, सोनार, पी., भारद्वाज, पी., चक्रवर्ती, ए. (संस्करण) पोरस कार्बन सामग्री की हैंडबुक। मेटेरियल्स होरिजोन्स : फ्रॉम नेचर टू नैनोमेटेरियल्स, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 3-19.

गुप्ता, आर., पचीसिया, एस., और गुप्ता, आर. (2023). *अध्याय 3 - मेटालोलिगैंड्स से सुपरमॉलेक्यूलर समन्वय कॉम्प्लेक्स: हेटेरोन्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स और समन्वय पॉलिमर और उत्प्रेरक में उनके अनुप्रयोग* , संपादक: शनमुगाराजू, एस. सुपरमॉलेक्यूलर समन्वय कॉम्प्लेक्स-डिज़ाइन, संश्लेषण और अनुप्रयोग, एल्सेवियर, 43-68.

गुप्ता, आर., पचीसिया, एस., और गुप्ता, आर. (2023). *अध्याय 2 - मेटालोलिगैंड्स से सुपरमॉलेक्यूलर समन्वय कॉम्प्लेक्स: हाइड्रोजन बॉन्डिंग-आधारित स्व-असेंबली*, संपादक: शनमुगाराजू, एस. सुपरमॉलेक्यूलर समन्वय कॉम्प्लेक्स-डिज़ाइन, संश्लेषण और अनुप्रयोग, एल्सेवियर, 25-42.

सिंह, ए., खान, एस., नैन, एन., और कुकरेती, एस. (2023). *7 - दवा वितरण में डीएनए नैनोस्ट्रक्चर की संभावित भूमिका को समझना*, संपादक: शर्मा, एन., और बुटोला, बी.पी इन: द टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट बुक सीरीज़, ड्रग डिलीवरी सिस्टम में फाइबर और टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, वुडहेड प्रकाशन, 215-251.

मित्तल, ए., रॉय, आई., और गांधी, एस. (2022). मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (एमओएफ) के दवा वितरण अनुप्रयोग। इंटेकओपन। डीओआई: 10.5772/intechopen.103684.

अनुसंधान परियोजनायें

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय (पीआई-राकेश कुमार), 2022/6 महीने, नैनोपार्टिकल उत्प्रेरित संश्लेषण और 1,4-डायहाइड्रोपाइरीडीन आधारित एंटीहाइपरटेंसिव और रोगाणुरोधी कंडिडेट्स का मूल्यांकन, 5,00,000.

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय (पीआई-एमडी मिल्टन), 2022/6 महीने, क्विनॉक्सालीन और पाइरिडोपाइराज़िन-आधारित दाता-स्वीकर्ता अणु और उनके अनुप्रयोग, 5,00,000.

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय (पीआई-एफ. हुसैन), 2022/6 महीने, संश्लेषण, YIII-प्रतिस्थापित आर्सेनोटुंगस्टेट का लक्षण वर्णन और थायोथर ऑक्सीकरण में इसका उत्प्रेरक अनुप्रयोग, 5,00,000.

एसईआरबी (पीआई-एस. उमा), 2022/3 वर्ष, ऑक्सीएनियन द्वारा आयोजित संरचनाओं के साथ कार्यात्मक सामग्री विकसित करने के लिए एक व्यवस्थित जांच, 46,42,906.

एसईआरबी (पीआई-पी. वेंकटसु), 2022/3 वर्ष, उत्तेजना प्रतिक्रियाशील पॉलिमरिक सामग्रियों का नैनोमटेरियल-प्रेरित गठनात्मक संक्रमण, 44,00,000.

एसईआरबी (पीआई-एस. डेका), 2022/3 वर्ष, बेहतर और मजबूत फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए एकल परमाणु उत्प्रेरक (एसएसी) का विकास, 60,06,000.

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय (पीआई-एस कौर), 2022/6 महीने, हाइड्रोजन इवोल्यूशन रिएक्शन (एचईआर) उत्प्रेरक के रूप में बहुमुखी हाइड्रोफिलिक लिगैंड-आधारित आयरन कॉम्प्लेक्स का डिजाइन और विकास, 5,00,000.

एसईआरबी (पीआई-आर. गुप्ता), 2022/3 वर्ष, हाइड्रोफिलिक और हाइड्रोफोबिक कार्यात्मक समूहों के विवेकपूर्ण परिचय द्वारा डिजाइनर आर्किटेक्चर के ट्यूनिंग कैटेलिटिक और सेंसिंग एप्लिकेशन, 37,25,056.

सीएसआईआर (पीआई-पी. वेंकटसु), 2021/3 वर्ष, प्रोटीन की संरचनात्मक स्थिरता और गतिविधि के लिए गहरे यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स की जैव-संगत वैधता, 13,00,000.

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

प्रो. गोविंद गुप्ता, प्रो. एम.डी मिल्टन, प्रो. सैबल सरकार, डॉ. आर.एच नरूला, डॉ. एस.डी महाजन, प्रो. डी.एस नेगी, प्रो. एम.टी स्विहार्ट, डॉ. एस. कौशिक, एनपीएल-दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, सीसीआरएच, बफ़ेलो यूनिवर्सिटी, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, सनी बफ़ेलो विश्वविद्यालय, महानिदेशक आयुष मंत्रालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय विज्ञान कांग्रेस दिल्ली चैप्टर के सहयोग से स्मार्ट सामग्री-परिप्रेक्ष्य और संभावनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसएमपीपी-2023), 28-03-2023.

प्रोफेसर एस.ए श्वार्ट्ज, डॉ. आर. आलिन्कील, डॉ. पी.पी हजारी, डॉ. एस.पी सिंह, डॉ. एस.डी महाजन, प्रोफेसर डी.जी श्वार्ट्ज, डॉ. एस.एन शर्मा, बफ़ेलो यूनिवर्सिटी, सीएसआईआर-एनपीएल दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, नैनोमेडिसिन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: रसायन चिकित्सा इंटरफ़ेस (एनसीएमआई-2022), 06-12-2022.

प्रो. जी. बसु, प्रो. पी.के. चौधरी, डॉ. एस.वी. ईश्वरन, प्रो. जी. रामनाथन, प्रो. एस. सेन, बोस इंस्टीट्यूट कोलकाता, आईआईटी दिल्ली, सेंट स्टीफंस कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, आईआईटी कानपुर, जेएनयू, एनए, रसायन विज्ञान और नैनो-जैव प्रौद्योगिकी में हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (आरटीसीएन-2022), 13-12-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)।

दीवान एस. रावत, "एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी: संरचना निर्धारण का मूल परिचय" सीपीडीएचई रिफ्रेशर कोर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12 जुलाई, 2022 और सीपीडीएचई रिफ्रेशर कोर्स, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, 9 जुलाई, 2022."

दीवान एस. रावत, "रिसर्च मेथडोलॉजी एंड रिसर्च एथिक्स" सीपीडीएचई रिफ्रेशर कोर्स, कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल, 8 जुलाई, 2022.

दीवान एस. रावत, "स्नातकोत्तर के दौरान अनुसंधान प्रकाशन" राष्ट्रमंडल स्नातकोत्तर फोरम "स्नातकोत्तर प्रकाशन - अवसर या आवश्यकता" राष्ट्रमंडल तृतीयक शिक्षा सुविधा (सीटीईएफ), मलेशिया, 30 जून, 2022.

दीवान एस. रावत, "साइंस ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री इन द डिस्कवरी ऑफ मेडिसिन : फ्रॉम आइडियाज टू-ट्रेंचज-टू-द बेड" 15वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान कांग्रेस, 23-25 जून, 2022 (मुख्य वक्ता)।

एम. नाथ, सीपीडीएचई और रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "कार्बनिक संश्लेषण में विच्छेदन दृष्टिकोण की भूमिका" (दिनांक: 15 जुलाई 2022)।

आर. कांत, "नैनो-संरचित और परमाणु रूप से चरणबद्ध इलेक्ट्रोड में इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण: सैद्धांतिक पहलू (आमंत्रित वार्ता), इलेक्ट्रो-कैटलिसिस प्रौद्योगिकी के लिए नैनोमटेरियल्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20 -22 मार्च 2023, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली।"

आर. कांत, "26 अगस्त, 2022 को इलेक्ट्रोकेमिस्ट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन, एसएईएसटी, कोयंबटूर में प्रोफेसर एस.के रंगराजन मेमोरियल अवार्ड व्याख्यान।"

आर. कांत, "नैनो-संरचित और परमाणु रूप से चरणबद्ध इलेक्ट्रोड में इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण: सैद्धांतिक पहलू (आमंत्रित वार्ता), इंटरफ़ेस पर रसायन विज्ञान पर विचार-मंथन बैठक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (बीएससीआई-2022), रसायन विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 26-27 दिसंबर, 2022।"

नैनो-संरचित और परमाणु रूप से चरणबद्ध इलेक्ट्रोड में इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण: सैद्धांतिक पहलू (आमंत्रित वार्ता), इलेक्ट्रो-कैटलिसिस प्रौद्योगिकी के लिए नैनोमटेरियल्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20-22 मार्च, 2023, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली।

आर. कांत, "नैनो-संरचित और परमाणु रूप से चरणबद्ध इलेक्ट्रोड में इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण: सैद्धांतिक पहलू (आमंत्रित वार्ता), उद्योग, स्वास्थ्य और पर्यावरण में इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री पर सम्मेलन (ईआईएचई-2023), आईएसईएसी और विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान प्रभाग, बीएआरसी, 7-11 फरवरी, 2023।"

एस डेका:

अंतर्राष्ट्रीय "नैनोस्ट्रक्चर्ड इलेक्ट्रोकैटलिस्ट द्वारा उल्लेखनीय रूप से उन्नत हाइड्रोजन और ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया" "रासायनिक विज्ञान और सतत ऊर्जा में हालिया रुझान" पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 24-25 मार्च, 2023, एप्लाइड साइंसेज विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) दिल्ली, दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय "इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा रूपांतरण और ऊर्जा भंडारण के लिए उन्नत नैनोमटेरियल्स" 1-3 मार्च, 2023 के दौरान "मेटेरियल्स रसायन विज्ञान और कैटलिसिस में हालिया प्रगति, (RAMCC-2023)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रसायन विज्ञान विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, भारत।

अंतर्राष्ट्रीय "नैनोस्ट्रक्चर्ड इलेक्ट्रोकैटलिस्ट द्वारा उल्लेखनीय रूप से उन्नत हाइड्रोजन और ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया" 08-10 फरवरी, 2023 के दौरान इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसाइटी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई-2023) की XLI वार्षिक बैठक, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

आमंत्रित वार्ता: "इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण उपकरणों के लिए नैनोसंरचित सामग्रियों का विकास" भौतिकी के संघनित पदार्थ पर राष्ट्रीय सम्मेलन का 30वां संस्करण "संघनित पदार्थ दिवस (CMDAYS 2022), 14-16 दिसंबर, 2022। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान नागालैंड, चुमुकेदिमा-797103, नागालैंड।

आमंत्रित वार्ता: "नैनोस्ट्रक्चर्ड इलेक्ट्रोकैटलिस्ट द्वारा मजबूत और आशाजनक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया" "समाज, पर्यावरण और स्थिरता के लिए विज्ञान (एसएसईएस-2022)" पर राष्ट्रीय सम्मेलन सीएसआईआर-पूर्वोत्तर विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-एनईआईएसटी), जोरहाट, नवंबर 24-26, 2022।

संसाधन व्यक्ति "नैनोकैमिस्ट्री और उपयोगी उपकरण: ट्रांसमिशन और स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी" प्रायोगिक उपकरणों और सैद्धांतिक तकनीकों में हालिया प्रगति पर एफडीपी RAETTT-2022। 10 नवंबर-16 नवंबर, 2022 मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273010.

संसाधन व्यक्ति "स्थायी और स्वच्छ ऊर्जा: नैनोमटेरियल्स पर इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री का अनुप्रयोग" प्रायोगिक उपकरणों और सैद्धांतिक तकनीकों में हालिया प्रगति पर एफडीपी RAETTT-2022। 10 नवंबर-16 नवंबर, 2022 मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273010.

संसाधन व्यक्ति "रासायनिक सुरक्षा और रसायनों की नैतिक हैंडलिंग: रसायन विज्ञान में अनुसंधान पद्धति के कुछ चयनित विषय" रसायन विज्ञान पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 21 जुलाई, 2022, सीपीडीएचई, यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, दिल्ली।

एस्टर्न कार्बी आंगलोंग कॉलेज और असम साइंस सोसाइटी, असम द्वारा 'पर्यावरण स्थिरता, औद्योगीकरण और स्वास्थ्य मुद्दों' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 5 जून, 2022 को "टिकाऊ और स्वच्छ ऊर्जा: नैनोमटेरियल्स का अनुप्रयोग" विषय पर मुख्य व्याख्यान ।

लोकप्रिय व्याख्यान "नैनोविज्ञान: छोटी चीज़ों की बड़ी दुनिया" 26 अप्रैल, 2022, प्रागज्योतिष कॉलेज, गुवाहाटी, असम।

एमडी मिल्टन, "द इंडियन केमिकल सोसाइटी द्वारा 30-31 जुलाई, 2022 को आयोजित यंग साइंटिस्ट कॉन्क्लेव (ऑनलाइन) में फेनोथियाज़िन डेरिवेटिव में मल्टी-स्टिमुली रिस्पॉन्सिव फ्लोरोक्रोमिक स्विचिंग"।

आलोक के राय:

आमंत्रित वक्ता:

इलेक्ट्रोकैटलिसिस टेक्नोलॉजीज (I-CONECT-2023) के लिए नैनोमटेरियल्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 20-22 मार्च, 2023, आईआईटी दिल्ली।

मेटेरियल्स इंजीनियरिंग (ICFME-2022) में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 14-16 दिसंबर, 2022, आईआईटी इंदौर ।

सॉफ्ट मैटेरियल्स पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएम 2022) 11-16 दिसंबर, 2022, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर।

सॉफ्ट मैटेरियल्स पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएम 2018) 09-14 दिसंबर, 2018, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर।

पी. वेंकटसु:

"रासायनिक विज्ञान (आरएसीएस-2022) में हालिया प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 10-11 नवंबर, 2022, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत (आमंत्रित व्याख्यान)।

"विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ ऊर्जा का भविष्य" (FEST-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, "एंजाइमों की संरचनात्मक और थर्मल स्थिरता को सुविधाजनक बनाने के लिए डीप यूटेक्टिक सॉल्वैंट्स की संभावित भूमिका का विस्तार" पर वार्ता, 29-30 नवंबर, 2022, ITEx, नई दिल्ली (आमंत्रित वार्ता)।

प्रो. राकेश कुमार:

नैनोमेडिसिन पर विशेषज्ञ समूह की बैठक। (प्रस्तुति) होम्योपैथी में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय। नेहरू भारतीय चिकित्सा एवं होमियोपर्व अनुसंधान भवन जनकपुरी दिल्ली। 2 फरवरी, 2023.

नैनोमेडिसिन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: केमिस्ट्री मेडिसिन इंटरफ़ेस (एनसीएमआई-2022) संयोजक- रसायन विज्ञान विभाग। दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7 भारत। 6 दिसंबर, 2022.

हरित प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: मुद्दे और चुनौतियाँ (आईसीजीटी 2022) नैनोस्केल सामग्री के कुछ संभावित अनुप्रयोगों पर आमंत्रित वार्ता। रसायन विज्ञान विभाग, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ। 23 सितंबर, 2022.

ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम। (संसाधन व्यक्ति)। नैनोमटेरियल्स: छोटे आकार-बेहतर गुण। रसायन विज्ञान विभाग, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा।17 अक्टूबर से 22 अक्टूबर, 2022 तक।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

एनए

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

हरिकृष्णन एस. नायर, भौतिकी विभाग, टेक्सास विश्वविद्यालय, एल पासो, यूएसए और प्रो. एस. उमा।

प्रोफेसर ससांका डेका-डॉ. मानस आर. दास, प्रधान वैज्ञानिक और एसोसिएट प्रोफेसर (एसीएसआईआर), सीएसआईआर-नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जोरहाट, असम।

प्रोफेसर ससांका डेका-डॉ. अंकुर कांति गुहा, एडवांस्ड कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री सेंटर, कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी 781001, असम।

प्रोफेसर ससांका डेका-डॉ. चिन्नाकोंडा एस. गोपीनाथ, मुख्य वैज्ञानिक और अध्यक्ष, कैटलिसिस और अकार्बनिक रसायन प्रभाग, सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे 411 008, भारत।

प्रो. संदीप कौर - प्रो. डॉ. मैथियास स्टीन, ग्रुप लीडर मॉलिक्यूलर सिमुलेशन एंड डिजाइन, मैक्स-प्लैंक-इंस्टीट्यूट फॉर डायनेमिक्स ऑफ कॉम्प्लेक्स टेक्निकल सिस्टम्स, सैंडटोरस्ट्र. 1, 39106 मैगडेबर्ग, जर्मनी।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों की संख्या एनए

प्लेसमेंट विवरण (रखे गए विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत) एनए

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ - एनए

संकाय संख्या - 38

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या-75

***

पर्यावरण अध्ययन

संक्षिप्त इतिहास

पर्यावरण अध्ययन विभाग (डीईएस) का इतिहास वर्ष 1972 से शुरू होता है जब इसके पहले अवतार - पर्यावरण जीव विज्ञान विभाग (डीईबी) की स्थापना की गई थी, लेकिन पर्यावरण जीव विज्ञान के क्षेत्र में स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षा प्रदान करने के लिए यह वर्ष 1990 में ही चालू हुआ। बाद में, स्कूल ऑफ एनवायर्नमेंटल स्टडीज (एसईएस) की स्थापना वर्ष 2000 में की गई, जो वर्ष 2009 तक एम.ए, एमएस.सी और पीएच.डी डिग्री की पेशकश करने वाले अंतःविषय फोकस के साथ कार्य करता रहा। एक प्रमुख शैक्षणिक पुनर्गठन एक्सरसाइज में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने, स्कूल और उसके शैक्षणिक कार्यक्रमों की अंतःविषय प्रकृति को बनाए रखते हुए, वर्ष 2010 में डीईबी और एसईएस को वर्तमान पर्यावरण अध्ययन विभाग में विलय कर दिया। वर्ष 2009-10 में पुनर्गठन प्रयास का उद्देश्य एक उपलब्धि हासिल करना था। संकाय संख्या के संदर्भ में महत्वपूर्ण जनसमूह प्राप्त करना था जो पर्यावरण अध्ययन में लगी विश्वविद्यालय की विभिन्न शिक्षण और अनुसंधान इकाइयों में फैला हुआ था। विश्वविद्यालय ने विभिन्न इकाइयों के संकाय सदस्यों, अर्थात् सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट ऑफ डिग्रेडेड इकोसिस्टम (सीईएमडीई), सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज ऑफ माउंटेन एंड हिल एनवायरनमेंट (सीआईएसएमएचई), डीईबी और एसईएस को नव स्थापित डीईएस में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। सूत्रीकरण कार्यक्रम और संकाय के संदर्भ में इन कई इकाइयों से 'पर्यावरण' की ताकत खींचने की सिंथेटिक प्रकृति को दर्शाता है। आज, पर्यावरण अध्ययन विभाग अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए सबसे अधिक संख्या में आवेदकों को आकर्षित करता है और उपलब्ध सीटों के अनुसार आवेदकों की अस्वीकृति दर सबसे अधिक है और प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के बाद विश्वविद्यालय में दूसरी सबसे अधिक है। विभाग के पास नेचर, साइंस, पीएनएएस इत्यादि जैसी उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में कई शोध प्रकाशन हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

विभाग पर्यावरण अध्ययन में अपने दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (पर्यावरण अध्ययन में एम.ए और पर्यावरण अध्ययन में एमएस.सी) और पीएच.डी. प्रोग्राम के माध्यम से शिक्षण और अनुसंधान में लगा हुआ है। प्रत्येक वर्ष, हम राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से

विभिन्न विषयों में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से 68 विद्यार्थियों (एम.एससी. 39 और एम.ए 29) को प्रवेश देते हैं। विभाग में पंद्रह नियमित संकाय सदस्य हैं जो पारिस्थितिकी और पर्यावरण के मौलिक और व्यावहारिक पहलुओं में शिक्षण और अनुसंधान में शामिल हैं। विभाग राष्ट्रीय विकास और पर्यावरणीय स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है, जिससे पर्यावरणीय गिरावट से उत्पन्न होने वाले मुद्दों को कम किया जा सके। संकाय ने वर्षों से बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं को सफलतापूर्वक हासिल किया है, जिससे अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं को विकसित करने और अनुसंधान विद्वानों को प्रशिक्षित करने में मदद मिली है, जिससे नेचर, साइंस और अन्य उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं जैसे शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशन हो सके। संकाय सदस्यों को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है, वे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ व्यापक रूप से सहयोग करते हैं, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/सम्मेलनों में अपने शोध निष्कर्षों पर मुख्य और पूर्ण व्याख्यान देते हैं।

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रोफेसर इंद्रजीत को वर्ष 2022-23 के लिए हम्बोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी द्वारा हम्बोल्ट रिसर्च अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

प्रोफेसर इंद्रजीत को विश्वविद्यालय में इंद्रजीत की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट सेवा और योगदान को मान्यता देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2023 में दिए गए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

प्रोफेसर एस.डी बीजू को 01 जनवरी, 2023 से प्रभावी भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफएनए, आईएनएसए), नई दिल्ली भारत का फेलो चुना गया है।

प्रोफेसर एस.डी बीजू को हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित रेडक्लिफ फेलोशिप वर्ष 2023-24 से सम्मानित किया गया है।

प्रकाशनों

शोध आलेख

लुओ, वाई., अमांडा, टी., वीगेल्ट, पी., गुएनार्ड, बी., इकोनोमो, ई., नोवाक, ए., इंद्रजीत, और क्रेफ्ट, एच. (2023)। जलवायु और चींटी विविधता, चींटी-पौधे पारस्परिकता के वैश्विक वितरण की व्याख्या करती है। *इकोग्राफी* , 2023(11), e0684.

मजूमदार, एस., कौर, एच., रिनेला, एम.जे., कुंडू, ए., वडासेरी, जे., एर्बिलगिन, एन., कैलावे, आरएम, कैडोटे, एम., और इंद्रजीत (2023)। एक वैश्विक इनवेंडर पर कैनोपी रसायन विज्ञान और ऑटोजेनिक मृदा बायोटा का सहक्रियात्मक प्रभाव। *जर्नल ऑफ इकोलॉजी*, 111(7), 1497-1513.

कै, एल., क्रेफ्ट, एच., टेलर, ए., डेनेले, पी., श्रेडर, जे., एस्सल, एफ., वान क्लुनेन एम., पेर्गल, जे., पाइसेक, पी., स्टीन, ए., विंटर, एम., बार्सिलोना, जे., फ़्यूएंटेस, एन., इंदरजीत, कार्गर, डी., कार्तेज़, जे., कुप्रीजानोव, ए., और निशिनो, एम. (2023)। उन्नत मशीन लर्निंग तकनीकों पर आधारित पौधों की विविधता के वैश्विक मॉडल और पूर्वानुमान। *न्यू फाइटोलॉजिस्ट*, 237(4), 1432-1445.

ल्यूडटके, जे, ए., होबिन, एल., बीजू, एस.डी, लैंगहैमर, पी. और स्टुअर्ट, एस.एन (2023)। उभरते खतरों के सामने दुनिया के उभयचरों की लगातार गिरावट हो रही है। प्रकृति, 622, 308-314.

गोपिका, सी., गर्ग, एस., शिवपेरुमन, सी., गोकुलकृष्णन, जी. और बीजू, एसडी (2023)। अंडमान द्वीप समूह से दो मिनरवेरिया प्रजातियों में लार्वा आकारिकी और प्राकृतिक इतिहास, जीनस के लिए एक नए फाइटोटेलमोनस लार्वा आकार पर टिप्पणियों के साथ। ज़ूटाक्सा, 5353(6), 567-581।

शर्मा, एस., मल्होत्रा, एल., मुखर्जी, पी., कौर, एन., कृष्णलता, टी., श्रीकांत, सी.वी, मिश्रा, वी., बनर्जी, बी.डी, एथायथुल्ला, ए.एस, और शर्मा, आर.एस (2023)। ट्रांसथायरेटिन और एंडोसल्फान II और स्तन कैंसर में इसकी प्रासंगिकता के बीच कल्पति अंत:क्रियाएं, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्युलस, 235, 123670.

गर्ग, एस., मिश्रा, वी., वेगा, एल.एफ, शर्मा, आर.एस, और डुमी, एल.एफ (2023)। हाइड्रोजन बायोसेंसिंग: संभावनाएँ, समानताएँ और चुनौतियाँ। औद्योगिक और इंजीनियरिंग रसायन विज्ञान अनुसंधान, 62(11), 4676-4693.

शर्मा, यू., रावत, डी., मुखर्जी, पी., फारूकी, एफ., मिश्रा, वी., और शर्मा, आर.एस (2023)। मिट्टी में प्रेरक कारक के रूप में एंटीबायोटिक दवाओं की अनुक्रिया में रोगाणुओं की पारिस्थितिक जीवन रणनीतियाँ। संपूर्ण पर्यावरण का विज्ञान, 854, 158791.

मिश्रा, वी., मुद्गल, एन., रावत, डी., पोरिया, पी., मुखर्जी, पी., शर्मा, यू., कुमरिया, पी., पानी, बी., सिंह, एम., यादव, ए., फारूकी, एफ., और शर्मा, आर.एस (2023)। कपड़ा अपशिष्ट जल उपचार प्रक्रियाओं में सूक्ष्म शैवाल को एकीकृत करना: प्रगति और अवसर। जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 55(3), 104128.

रावत, डी., शर्मा, यू., यादव, ए., पोरिया, पी., फारूकी, एफ., पानी, बी., मुखर्जी, पी., सिंह, एम., शर्मा, आर.एस, और मिश्रा, वी.(2023)। एक ही चरण में सुगंधित अमीन और एज़ो डाई के विषहरण के लिए कपड़ा अपशिष्ट जल से रोगाणुओं का चयन करने के लिए ऊर्ध्वगामी प्रक्रम दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 53, 103668.

कुमारी, आर., सुमन, के., कर्माकर, एस., मिश्रा, वी. लाकड़ा, एस.जी, सौरव, जी.के, और महतो, बी.के (2023)। नैनो-प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि-उत्पादों के लिए विनियमन और सुरक्षा उपाय। जीनोम संपादन में फ्रंटियर्स, 5, 1-12.

गोयल, एन., त्रिपाठी, एम., सिंह, वी., और शर्मा, जी.पी (2023)। भारत में सतत विकास को बढ़ावा देने में उच्च शिक्षा संस्थानों की परिवर्तनकारी क्षमता, एंथ्रोपोसीन विज्ञान, 2(2), 112-122.

सनी, ए., सिंह, पी., दिवाकर, एस., और शर्मा, जी.पी (2023)। देशी और गैर-देशी पौधों की प्रजातियों से ओकेन्थस इंडिकस के कॉलिंग पैटर्न को चित्रित करते हुए, पियर जे, 11, ई16153.

सिंह, एस., सरोज, पी., घोष, सी., और सिन्हा, पी. (2023)। डब्लूएमओ डॉब्सन इंटरकंपेरिसन अभियानों के दौरान भारतीय डॉब्सन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर संख्या डी112 और डी036 का अंशांकन। मौसम, 74(1), 73-82.

बरहादिया, जी. और घोष, सी. (2023)। शहरी जैव विविधता संरक्षण टिकाऊ शहरीकरण की एक बुनियादी अवधारणा: एक व्यवस्थित समीक्षा। स्थिरता, कृषि, खाद्य और पर्यावरण अनुसंधान, 11(एक्स), 1-20.

मिश्रा, एस., त्रिपाठी, एस.एन., कानावाडे, वी.पी, हैसलेट, एस.पी, दादा, एल., सियारेली, जी., कुमार, वी., सिंह, ए., एट अल. (2023)। बायोमास-जलने वाले उत्सर्जन द्वारा दिल्ली में रात के समय नैनोकणों की तीव्र वृद्धि। प्रकृति भू-विज्ञान, 16(3), 224-230.

देवप्रसाद, एम., रस्तोगी, एन., सतीश, आर., पटेल, ए., सिंह, ए., एट अल. (2023)। दोहरे कार्बन आइसोटोप का उपयोग करके धान-अवशेषों को जलाने से प्राप्त कार्बनयुक्त एरोसोल की विशेषता। साइंस ऑफ टोटल एनवायरमेंट, 864, 161044.

गुप्ता, जे., मलिक, एम.जेड, चतुर्वेदी, एम., मिश्रा, एम., मिश्रा, एस.के., ग्रोवर, ए., रे, ए.के., और चतुर्वेदी, आर. (2023)। SARS CoV-2 स्पाइक प्रोटीन वेरिएंट विकास और गंभीरता के लिए DC-SIGN/DC-SIGNR रिसेप्टर का शोषण करते हैं: एक इन-सिलिको अंतर्दृष्टि। वायरस डिसीज, 34(2), 278-296.

दीक्षित, एच., उपाध्याय, वी., कुल्हारिया, एम., और वर्मा, एस.के (2023)। कोरोनाविरिडे परिवार का कल्पित धातु-बाध्यकारी प्रोटिओम। मेटालोमिक्स, 15(1), 1-14.

इंद्रजीत, कैलावे, आर.एम, और मेरोन, ई. (2022)। वनस्पति पैटर्निंग और पादप समुदायों की जैव विविधता: "स्थानिक स्व-संगठन और सामुदायिक संयोजन के चालकों के रूप में बिलोग्राउंड प्रतिक्रियाएँ" पर टिप्पणियों का उत्तर दें। फिजिक्स ऑफ लाइफ रिव्यूज, 42, 29-32.

गर्ग, एस., चंद्रकासन, एस., गोकुलकृष्णन, जी., गोपिका, सी., दास, आई., और बीजू, एस.डी (2022)। चार्ल्स डार्विन के मेंढक का जिज्ञासु मामला, राणा चार्ल्सडार्विनी दास, 1998: अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में अन्य मिनरवेरियन मेंढकों (डिक्रोग्लोसिडे: मिनरवेरिया) पर टैक्सोनोमिक अंतर्दृष्टि के साथ फ़ाइलोजेनेटिक स्थिति और सामान्य प्लेसमेंट। कशेरुक प्राणीशास्त्र, 72, 169-199.

कुमार, पी., मिश्रा, वी., यादव, एस., यादव, ए., गर्ग, एस., पोरिया, पी., फारूकी, एफ., डुमी, एल.एफ, और शर्मा, आर.एस (2022)। सिस्टम अप्रोच का उपयोग करके अत्यधिक प्रदूषित और आबादी वाले

भारतीय नदी-शहर पेयर में भारी धातु प्रदूषण और जोखिम। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 29(40), 60212-60231.

कौर, एच., रावत, डी., पोरिया, पी., शर्मा, यू., गिबर्ट, वाई., एथायाथुल्ला, ए.एस, डुमी, एल.एफ, शर्मा, आर.एस, और मिश्रा, वी. (2022)। माइक्रोप्लास्टिक्स और दूषित माइक्रोप्लास्टिक्स के इकोटॉक्सिक प्रभाव-उभरते साक्ष्य और परिप्रेक्ष्य। साइंस ऑफ टोटल एनवायरमेंट, 841, 156593.

रावत, डी., शर्मा, यू., पोरिया, पी., फिनलान, ए., पार्कर, बी., शर्मा, आर.एस, और मिश्रा, वी. (2022)। क्लोरेला सोरोकिनियाना और राल्स्टोनिया पिकेटी के बीच लौह-निर्भर पारस्परिकता एक स्थायी बायोरेमेडिएशन प्रणाली का आधार बनाती है।आईएसएमई कम्यूनिकेशन, 2, 83(1-14)

कुमार, पी., मिश्रा, वी., भारद्वाज, एस., गर्ग, एस., डुमी, एल.एफ, और शर्मा, आर.एस (2022)। नदियों में भारी धातु प्रदूषण की प्रणाली आधारित निगरानी के लिए पांच पहिया ढांचा(फाइव-व्हील फ्रेमवर्क)। पर्यावरण गुणवत्ता प्रबंधन, 32(4), 9-17.

यादव, ए., कुमार, पी., रावत, डी., गर्ग, एस., मुखर्जी, पी., फारूकी, एफ., रॉय, ए., सुंदरम, एस., शर्मा, आर.एस, और मिश्रा, वी. (2022)। एज़ो रंगों के खनिजीकरण और रंगहीनता के लिए माइक्रोबियल ईंधन सेल: डिज़ाइन और सामग्रियों में हालिया प्रगति। साइंस ऑफ टोटल एनवायरमेंट, 826, 154038.

मिश्रा, वी., मिश्रा, आर., और शर्मा, आर.एस (2022)। राइबोसोम निष्क्रिय करने वाले प्रोटीन- बहु-तनाव सहिष्णु ट्रांसजेनिक पौधों को विकसित करने के लिए एक अथाह जैव अणु। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्युलस, 210, 107-122.

शर्मा, एस., मल्होत्रा, एल., यादव, पी., मिश्रा, वी., शर्मा, आर.एस, और समथ, ई.ए (2022)। जेनिस्टिन: कार्सिनोजेनेसिस के इंटरल्यूकिन-6-मध्यस्थता STAT3 आश्रित मार्ग के IL-6/IL-6R इंटरफ़ेस का एक नया अवरोधक। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1258, 132668.

गर्ग, एस., कुमार, पी., ग्रीन, जी.डब्ल्यू, मिश्रा, वी., अविसार, डी., शर्मा, आर.एस, और डुमी, एल.एफ (2022)। जलीय प्रणालियों से प्रति-/पॉली-फ्लोरोएल्काइल पदार्थों(पीएफएएस) की नैनो-सक्षम सेंसिंग-एक समीक्षा। पर्यावरण प्रबंधन जर्नल, 308, 114655.

यादव, ए.के, और घोष, सी. (2022)। इनडोर-आउटडोर आवासीय वातावरण में पार्टिकुलेट मैटर और एक्सपोज़र के जोखिम की स्पेटियोटेम्पोरल भिन्नता: शहरी शहर दिल्ली, भारत से एक केस अध्ययन। प्रदूषण, 8(3), 860-874.

तिवारी, सी., और दिवाकर, एस. (2022)। कैटीडिड देश: भारतीय उपमहाद्वीप से टेटिगोनिड समुदायों की जैव ध्वनिकी और पारिस्थितिकी। जैवध्वनिकी, 32(1), 48-72.

सनी, ए., दिवाकर, एस., और शर्मा, जी.पी (2022)। आर्थ्रोपॉड असेंबलेज, बायोमास और देशी और गैर-देशी पौधों की प्रजातियों पर क्षति का उभरता हुआ पैटर्न। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरमेंटल साइंस, 48(3), 303-316.

पुथुस्सेरी, जे., डेव, जे., शुक्ला, ए., गद्दामिडी, एस., सिंह, ए., एट अल. (2022)। दिल्ली, भारत में सूक्ष्म परिवेशीय कणों की ऑक्सीडेटिव क्षमता पर बायोमास जलाने, दिवाली आतिशबाजी और प्रदूषित कोहरे की घटनाओं का प्रभाव। पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी , 56(20), 14605-14616.

कुमार, वी., गियानौकोस, एस., हैसलेट, एस.एल, टोंग, वाई., सिंह, ए., एट अल. (2022)। एक्सट्रैक्टिव इलेक्ट्रोस्प्रे आयनीकरण मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके दिल्ली, भारत में कार्बनिक एयरोसोल घटकों का अत्यधिक समय-समाधान रासायनिक विशिष्टता और स्रोत विभाजन। एटमॉस्फेरिक केमिस्ट्री एंड फिजिक्स्स, 22(11), 7739-7761.

अमर डबरोविन, आई., औआकिन हिर्श, एल., रोज़ेनफेल्ड, एस., गांडू, बी., मेनाशे, ओ., शेचटर, ए., और काहन, आर. (2022)। एक छोटे बायोरिएक्टर प्लेटफॉर्म में संपुटित बैक्टीरियल एनोड पर आधारित माइक्रोबियल इलेक्ट्रोलिसिस कोशिकाओं में हाइड्रोजन का उत्पादन। माइक्रोऑर्गेनिज्म्ज, 10(5), 1007.

भट्टाचार्य, एन., गुप्ता, एस., शर्मा, एस., सोनी, ए., बागबीर, एस.ए, भट्टाचार्य, एम., रे, ए.के एट अल. (2022)। CDK1 और HSP90AA1 गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर में नवीन नियामक जीन के रूप में प्रकट होते हैं: एक जैव सूचना विज्ञान दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ पर्सनलाइज्ड मेडिसिन, 12(3), 393.

कुमार, एम., दशोरा, एम., कुमार, आर., दुबे, एस.के, गुप्ता, पी.के, और कुमार, ए. (2022)। भारत के राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्र में अनाज के आकार के मापदंडों का उपयोग करके प्लाया झीलों के निक्षेपण पर्यावरण को समझना। कृषि, 12(12), 2043.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

मिश्रा, वी. (सं.). (2022). अपशिष्ट जल उपचार में हालिया रुझान। स्विट्ज़रलैंड : स्प्रिंगर नेचर।

उर्फी, ए.जे. (2023). कलात्मक एवं साहित्यिक संदर्भ. भारत में पक्षीविज्ञान और प्राकृतिक इतिहास अध्ययन-मुगल और प्रारंभिक ब्रिटिश काल में: महिलाएं, पर्यावरण और साम्राज्य के नेटवर्क। कनाडा : मैकगिल-क्वींस यूनिवर्सिटी प्रेस, 159-178.

सिंह, ए. और रस्तोगी, एन. (2022). विभिन्न ओजोन एक्सपोजर मैट्रिक्स का उपयोग करके दिल्ली एनसीआर और इंडो गंगा के मैदानी क्षेत्र में सतही ओजोन प्रदूषण के कारण फसल की उपज के नुकसान का आकलन। सिंगापुर : स्प्रिंगर, 47-73.

गांडू, बी. (2022). भारत में अपशिष्ट उत्पादन और जैव ईंधन अनुप्रयोगों की एक संक्षिप्त समीक्षा। सिंगापुर : स्प्रिंगर, 119.

रे, ए.के (2022)। इनब्रीडिंग और आनुवंशिक भार आनुवंशिक पुनर्स्थापन। यूएसए : एप्पल एकेडमिक प्रेस, 15.

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल(जर्नल्स)

अनुसंधान परियोजनायें

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय (पीआई: राधे श्याम शर्मा), 2022/1 वर्ष, संकाय अनुसंधान कार्यक्रम, 5.0

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय (पीआई: वंदना मिश्रा), 2022/1 वर्ष, संकाय अनुसंधान कार्यक्रम, 5.0

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार) (पीआई: चिराश्री घोष), 2021-23/ 2 वर्ष, "विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित, चिकित्सा (एसटीईएमएम) -भारत पहल" (भारत विज्ञान दर्शन)" के तहत शहरी वायु गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और ई-लचीलापन (50894) पर जागरूकता बढ़ाना, 29.23.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय (पीआई: चिराश्री घोष), 2022-23/1 वर्ष, कचरे का उपयोग करके अपशिष्ट का उपचार: संभावित विषाक्त तत्वों को हटाने के लिए ग्रीन नैनोटेक्नोलॉजी, 5.0

आईसीएमआर (सह-पीआई: चिराश्री घोष), 2023-25/ 2 वर्ष, एक पशु मॉडल के रूप में... हृदय विफलता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझने के लिए एक बहु-ओमिक्स दृष्टिकोण, 39.68

एसईआरबी (पीआई: स्वाति दिवाकर), 2020-23/3 वर्ष, देशी आर्थ्रोपोड बहुतायत पर आक्रामक प्रजातियों का प्रभाव, और भारत में पर्यावरण और भौगोलिक ढालों में विविधता, 16.0

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (पीआई: अतिंदरपाल सिंह), 2022-25/ 3 वर्ष, लेंसिंग प्रभाव के कारण ब्लैक कार्बन अवशोषण में वृद्धि, 25.4

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (पीआई: भरत जी), 2022-23/1 वर्ष, प्रत्यक्ष अंतरजातीय इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण तंत्र के माध्यम से अवायवीय पाचन में नैनोकणों का उपयोग करके बायोमेथेन वृद्धि, 5.0

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (पीआई: अश्विनी कुमार रे), 2022-23/ 1 वर्ष, संकाय अनुसंधान कार्यक्रम, 5.0

डीएचआर-आईसीएमआर (पीआई: अश्विनी कुमार रे), 2023-25/ 2 वर्ष, एक पशु मॉडल के रूप में... हृदय विफलता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझने के लिए एक बहु-ओमिक्स दृष्टिकोण, 39.68

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (पीआई: शैलेन्द्र कुमार वर्मा), 2022-23/1 वर्ष, जैव सूचना विज्ञान, हिस्टोलॉजिकल और जैव रासायनिक तकनीकों का उपयोग करके प्लांट मेटालोम की जांच के लिए एक नए दृष्टिकोण का विकास, 5.0

एसईआरबी, भारत सरकार (पीआई: शैलेन्द्र कुमार वर्मा), 2023-26/ 3 वर्ष, जलवायु-लचीला बायोफोर्टिफाइड फसलों का विकास और लक्षण वर्णन: जलवायु-स्मार्ट कृषि के प्रति एक दृष्टिकोण, 36.88

एसईआरबी, भारत सरकार (पीआई: आलोक कुमार), 2023-26/3 वर्ष, राजस्थान के अर्ध-शुष्क क्षेत्र के जलीय पारिस्थितिक तंत्र में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन प्रजातियों का जैव-भू-रासायनिक परिवर्तन और फेट, 44.56

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

भारत और विदेश से पर्यावरण अध्ययन और विज्ञान क्षेत्र के प्रख्यात वक्ता, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, निदेशक आदि, यूजीसी और सीपीडीएचई, डीयू, पर्यावरण अध्ययन और आपदा प्रबंधन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी), 03-12-2022.

प्रोफेसर जेम्स हैंकेन, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, प्रोफेसर, जैव विविधता पार्क, दिल्ली, स्थलीय कशेरुकी जंतुओं में फेफड़ों के नुकसान के विकास पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 06-07-2022.

प्रोफेसर चिराश्री घोष, प्रोफेसर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, "शहरी वायु गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और ई-लचीलापन पर जागरूकता बढ़ाना" विषय के तहत राष्ट्रीय कार्यशाला, 18-04-2023.

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)।

प्रोफेसर इंद्रजीत:

मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर केमिकल इकोलॉजी, जेना, जर्मनी के बायोकैमिस्ट्री विभाग में 7 फरवरी, 2023 को "एलेलोपैथी" पर एक व्याख्यान दिया।

17 दिसंबर 2022 को शेनयांग कृषि विश्वविद्यालय, शेनयांग, लियाओनिंग प्रांत, चीन में "जैविक आक्रमण और वैश्विक परिवर्तन" पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आक्रमण प्रभावों के चालक" व्याख्यान (ऑनलाइन) दिया गया।

पॉलीफेनोल अनुसंधान, यूएसए में वेबिनार में सेमिनार (ऑनलाइन), "कूड़े के रसायन वनस्पति परिवर्तन के अंतर्निहित तंत्र को जन्म देते हैं" आयोजित किया गया। प्राकृतिक मृदा प्रणालियों में, 28 अप्रैल 2022.

प्रोफेसर वंदना मिश्रा : वंदना मिश्रा (2023) माइक्रोप्लास्टिक्स और उसके निवारण पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में माइक्रोप्लास्टिक्स की इकोटॉक्सिक क्षमता और उनके प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के समाधान। 14 जून 2023 दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

वंदना मिश्रा (2023) हिमालय और पश्चिमी घाट से भारतीय मिस्टलेटो: औषधीय पौधों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में कैंसर रोधी दवा विकास की संभावना : अनुसंधान और विकास के अग्रणी क्षेत्र। 16-17 मार्च 2023, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

वंदना मिश्रा (2023) फास्ट फैशन: पर्यावरणीय न्याय और औद्योगिक स्थिरता के तरीके प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सेमिनार में: वर्तमान समझ और भविष्य की दिशाएँ। 24 जनवरी 2023, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, नई दिल्ली।

प्रो. चिराश्री घोष:

अनीता दुबे, शैलेन्द्र कुमार, रीना जैन और चिराश्री घोष, डाई क्षरण के लिए पत्ती कूड़े के अर्क से नैनोकणों का संश्लेषण, पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में प्रस्तुत सार (ईवॉश-2022), 12-13 जनवरी, 2023 को, सीएसआईआर-एनईईआरआई, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री-नॉर्थ इंडिया सेक्शन, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और सेव द एनवायरनमेंट ए सोसाइटी फॉर रिसर्च अवेयरनेस एंड सोशल डिपेलोपमेंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

अंकिता शैली, रेखा कुमारी और चिराश्री घोष, "जकरेम, मेघालय, भारत से एक थर्मोफाइल का अलगाव और लक्षण वर्णन" पोस्टर 08-11 नवंबर, 2022 को भारतीय मृदा संदूषण अनुसंधान नेटवर्क (आईएनएससीआर) के 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

डॉ. कल्याण यक्कला :1. दिनांक 01-04-2022 को एनविस सेंटर, स्कूल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली द्वारा आयोजित हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) में आमंत्रित वार्ता।

डॉ. अश्विनी कुमार रे:

कोटा तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा 9-10 अक्टूबर, 2023 को आयोजित पर्यावरणीय स्थिरता: प्रौद्योगिकी और स्वदेशी ज्ञान प्रणाली के माध्यम से समाधान पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय संस्कृति और पर्यावरणीय स्थिरता के अंतर्निहित संबंध को समझना" शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत किया।

02-04 दिसंबर, 2022 के दौरान भुवनेश्वर में शिक्षा 'ओ' अनुसंधान विश्वविद्यालय में आयोजित 'वायु: द वाइटल लाइफ फोर्स' पर सुमंगलम पंचमहाभूत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शृंखला में "वायुमंडलीय स्वास्थ्य को समझने के लिए एक व्यापक अध्ययन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन:

आईआईटीएम, पुणे के सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) कार्यक्रम के सहयोगात्मक परियोजना समन्वयक; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित। 2010 से अब तक।

सहयोगात्मक अनुसंधान- "एन1: बायोस्काइनेट, बायोएरोसोल अनुसंधान का वैश्विक नेटवर्क" एसेक्स विश्वविद्यालय, यूके के सहयोग से एनईआरसी जीपीएसएफ द्वारा वित्त पोषित। 2020 से अब तक।
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के साथ अनुसंधान सहयोग।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

पीएचडी स्कॉलर सुश्री गुंचा शर्मा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), पूसा, नई दिल्ली के साथ संस्थागत सहयोग में अपनी पीएच.डी थीसिस पर काम कर रही हैं।
पीएचडी स्कॉलर सुश्री पूजा सरोज भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भारत सरकार के साथ संस्थागत सहयोग में काम कर रही हैं।

प्लेसमेंट विवरण (रखे गए विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

एम.ए. और एम.एससी 2021-23 बैच के दस छात्रों को श्नाइडर इलेक्ट्रिक, एसएंडपी ग्लोबल और यूनिकस कंसल्टेक आदि जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी मिली।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

प्रो.वंदना मिश्रा: पर्यावरण अध्ययन के संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ संयुक्त रूप से भारत के मिशन जीवन कार्यक्रम के तहत प्रश्नोत्तरी, नुक्कड़ नाटक, गीत, कविता और जागरूकता मार्च का आयोजन किया गया।
डॉ. अश्विनी कुमार रे: विभाग में राष्ट्रीय विद्यार्थी पर्यावरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पर्यावरण अध्ययन और पर्यावरण मंत्रालय और यूजीसी द्वारा समर्थित दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में समन्वय, 2023

संकाय संख्या - 15

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियों की संख्या - 4

***

भू-विज्ञान

संक्षिप्त विवरण

विभाग प्रो. ए. जी. झिंगरन के दिमाग की उपज था। उन्होंने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक के रूप में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद वर्ष 1966 में विभाग की स्थापना की। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, विभाग की स्थापना शिक्षण, अनुसंधान और सहयोग के माध्यम से भू-विज्ञान का विस्तार और प्रसार करने के लिए की गई थी ताकि विशेष रूप से भू-विज्ञान के क्षेत्र में अत्यधिक कुशल व्यवसायियों और शिक्षाविदों

को तैयार किया जा सके। अब हमारा विभाग सीएसएल से सटे तीन छोटे भवनों से कार्यालयों, क्लास रूम, प्रयोगशालाओं, लघु कार्यशालाओं और एक संग्रहालय के साथ काम कर रहा है। इसके संकायों को विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जैसे शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (2), तृतीय विश्व विज्ञान अकादमी पुरस्कार (3), राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी फेलो (5), राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी फेलो (5), विज्ञान अकादमी फेलो (5) और राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार (9)। विभाग को फोर्ड फाउंडेशन पुरस्कार, यूजीसी-विशेष सहायता कार्यक्रम, सीओएसएसआईएसटी, डीएसटी-एफआईएसटी, सेंटर ऑफ एडवांस स्टडीज I, II, और III, और डीएसटी पर्स अनुदान से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रो. पंकज श्रीवास्तव: सेम I से VI के लिए बी.एससी. ऑनर्स भू-विज्ञान के लिए एनईपी पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देना। भू-विज्ञान के प्रमुख मुद्दों पर बी.एससी. और एम.एससी. और अनुसंधान गतिविधियों के लिए शिक्षण। अनुसंधान विशिष्टताएं (पीएस): लोअर और मिडिल शिवालिक उप-समूहों, कांगड़ा उप-बेसिन, एनडब्ल्यू हिमालय के ओवरबैंक तलछट में पेलियोपेडोजेनेसिस: मध्य-लेट मियोसीन के दौरान जलवायु परिवर्तन और टेक्टोनिक्स की प्रतिक्रिया।

प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय: (i) राजस्थान में सरवर-जूनिया फॉल्ट जोन के बेसमेंट कॉम्प्लेक्स (बीजीसी-I) से एकत्र किए गए पेलिटिक और ग्रेनाइटिक गनीस के मेसोस्कोपिक और माइक्रोस्कोपिक स्केल संरचनात्मक विश्लेषण और मेटामॉर्फिक अध्ययन; (ii) राजस्थान में पुर-बनेरा मेटालोटेक्ट की जीआईएस आधारित डिजिटल मैपिंग और विकृत अयस्क भंडारों के लिए इसका अनुप्रयोग; और (iii) रणकपुर अपरूपण क्षेत्र और दक्षिण दिल्ली फोल्ड बेल्ट के अन्य ट्रांसप्रेशन-संबंधित संरचनाओं का काइनेमेटिक विश्लेषण, इसके मेटामॉर्फिक लक्षण वर्णन के साथ।

प्रोफेसर आशुतोष के सिंह और प्रोफेसर देवेश के सिन्हा:पैलियोसेनोग्राफिक घटनाओं को बढ़ाने के लिए एक समय ढांचा प्रदान करने के लिए इंडो-पैसिफिक से गहरे समुद्र के वर्गों की समुद्री बायोस्ट्रेटिग्राफी। देर से नियोजीन-क्वाटरनरी के लिए भारत-प्रशांत में महासागर परिसंचरण में परिवर्तनशीलता को समझना। वेस्टर्न पैसिफिक वार्म पूल के बीच टेलीकनेक्टिविटी को समझना। इंडोनेशियाई थ्रूफ्लो, लीउविन आईटीएफ की वर्तमान ताकत और वैश्विक कनेक्शन और भारतीय मानसून की परिवर्तनशीलता।

डॉ. साकिब अब्दुल्ला: स्टार्टअप अनुदान के तहत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) के माध्यम से 30 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ।

प्रो. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती: प्रस्तावित समय अवधि में अधोहस्ताक्षरी पेलियोप्रोटेरोज़ोइक से नियोप्रोटेरोज़ोइक के बीच की उम्र में फैले प्रोटेरोज़ोइक बेसिन में अनुसंधान कार्य में संलग्न थे।

प्रकाशन

शोध लेख

अग्रवाल, एन., गोविल, एच., मिश्रा, जी., गुप्ता, एम., और श्रीवास्तव, पीके, (2023), मशीन लर्निंग प्रतिमान का उपयोग करके हाइड्रोथर्मली परिवर्तित और अपक्षयित खनिजों के मानचित्रण के लिए प्रिज्मा शॉर्टवेव इन्फ्रारेड इमेजिंग सेंसर के प्रदर्शन का मूल्यांकन, *रिमोट सेंसिंग,* 15 (12), 3133.

अली, एस., शेखर, एस., कुमार, आर., बृंधा, के., और ली, पी. (2023), जेनेसिस एंड मोबिलाइजेशन, ऑफ फ्लोराइड इन ग्राउंडवाटर ऑफ इंडिया: स्टैटिस्टिकल इवैल्यूएशन, हेल्थ इम्पैक्ट्स एंड पोटेंशियल रेमेडीज, *जर्नल ऑफ हैजर्डस मैटेरियल्स एडवांसेज,* 11, 100352.

चक्रवर्ती, ए., कर्मकार, एस., मुखर्जी एस., रॉय चौधरी, एस., मैती, पी., सान्याल, एस., और सेनगुप्ता, पी., (2022), मध्य भारतीय टेक्टोनिक क्षेत्र के उत्तर-पूर्वी भाग से मेसोप्रोटेरोज़ोइक मैग्मैटिक आर्क का नियोप्रोटेरोज़ोइक पुनर्निर्माण: प्रोटेरोज़ोइक सुपरकांटिनेंटल चक्रों में भारतीय ढाल के विकास और विघटन के लिए निहितार्थ, *प्रीकैम्ब्रियन रिसर्च,* 378, 106758.

चक्रवर्ती, ए., मुखर्जी, एस., कर्मकार, एस., सान्याल, एस., और सेनगुप्ता, पी., (2023), पेट्रोजेनेसिस और मध्य भारतीय टेक्टोनिक क्षेत्र के उत्तरी भाग में ग्रेनाइटोइड के एक सूट की सीटू यू-पीबी जिक्रोन तिथियां: कोलंबिया सुपरकॉन्टिनेंट के गठन के दौरान लंबे समय तक चाप मैग्मेटिज्म के लिए निहितार्थ, *प्रीकैम्ब्रियन रिसर्च,* 387, 106990.

चक्रवर्ती बी., पी.पी., बेलवाल, आर., पॉल, पीपी और शर्मा, ए., (2022), भारतीय प्रीकैम्ब्रियन बेसिन में जलोढ़ तलछटी रिकॉर्ड: अद्वितीय प्रीकैम्ब्रियन तलछटी पर्यावरण की ओर निहितार्थ?, *फ्रंटियर्स इन अर्थ साइंस,* 10, 892717.

चटर्जी, एस., कर्मकार, एस., मुखर्जी, एस., सान्याल, एस., और सेनगुप्ता, एस., (2022), छोटानागपुर ग्रेनाइट ग्नीसिक कॉम्प्लेक्स के पूर्वी हिस्सों से माफिक ग्रैन्यूलाइट्स में क्लिनोपाइरोक्सीन-इल्मेनाइट सिम्प्लेक्टाइट्स की उत्पत्ति, ईस्ट इंडियन शील्ड, *अमेरिकन मिनरलॉजिस्ट,* 108(12), 2308-2322.

देवरानी आर., सिंह, वी., सैनी, एच.एस., और मुजतबा, एआई, (2023), विस्तृत पर्वत घाटियों में तलछट भंडारण पर नियंत्रण - श्रीनगर (गढ़वाल) घाटी, एनडब्ल्यू हिमालय से एक केस स्टडी, *भू-विज्ञान जर्नल,* 27, 23-43.

धीमान, एच., वर्मा, वी. एंड प्रसाद, जीवीआर, (2022), पहला ओवम-इन-ओवो पैथोलॉजिकल टाइटेनोसॉरिड अंडा सॉरोपॉड डायनासोर के प्रजनन जीव-विज्ञान पर प्रकाश डालता है, *वैज्ञानिक रिपोर्ट (प्रकृति समूह),* 12, 9362.

धीमान, एच., वर्मा, वी., लौरेम्बम, आर.एस., मिगलानी, वी., झा, डीके, सान्याल, पी., टंडन, एसके और प्रसाद, जीवीआर, (2023), निचली नर्मदा घाटी, भारत से न्यू लेट क्रेटेशियस टाइटानोसॉर सॉरोपॉड डायनासोर के अंडे के चंगुल: पैलियोबायोलॉजी और टैफोनॉमी, *पीएलओएस वन,* 18(1), ई0278242.

घोष, टी, चट्टोपाध्याय, ए., वर्मा, जी., श्रीवास्तव, एस., सरकार, ए., और भट्टाचार्जी, डी., (2023), राजस्थान, भारत में पुर-बनेरा समूह का डिजिटल मैपिंग और जीआईएस-आधारित स्थानिक विश्लेषण, आधार-धातु खनिज पर संरचनात्मक नियंत्रण के विशेष संदर्भ के साथ, *जर्नल ऑफ स्ट्रक्चरल जियोलॉजी,* 166, 104762.

गुप्ता, ए., गुप्ता, एम., श्रीवास्तव, पीके, पेट्रोपोलोस, जीपी, और सिंह, आरके, (2023), बोरो चावल की खेती, स्थिरता, 15(3), 2147 के तहत उपग्रह-व्युत्पन्न मौसम संबंधी डेटा के साथ हाइड्रस-1डी का उपयोग करके पोटेशियम सिमुलेशन, 15(3), 2147.

जैन, वी., कर्नाटक, एन., राज, ए., शेखर, शशांक., बज्राचार्य, पी., और जैन, एस. (2022), भारत में जल सुरक्षा के लिए नदी विज्ञान में हाइड्रोजियोमॉर्फिक प्रगति, *जल सुरक्षा,* 16, 100118.

कोटलिया, बी. एस., कुकरेती, एम., बिष्ट, एच., सिंह, एके., शर्मा, ए., कोठियारी, जी. सी., पोरिंचू, डेविड एफ., चंद, पी., कश्यप, आर., और शर्मा, जीके (2023), भिकियासैंण में एक पैलियोलेक डिपॉजिट के ग्रैनुलोमेट्रिक विश्लेषण के माध्यम से पुरापर्यावरणीय पुनर्निर्माण, कुमाऊं लेसर हिमालय, *हिमालय जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज,* 9(1), 25-37.

कुमार आर., अहमद टी. और सैकिया ए. (2022), डेक्कन फ्लड बेसाल्ट, मध्य प्रदेश (भारत) के मुल्ताई क्षेत्र से थोलेइटिक डाइक के आंशिक और प्राथमिक पिघलने के लिए पी-टी अनुमान, *जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस,* 131(2), 104.

कुमार, पी., क्षेत्रीमयुम, एलडीए, चक्रवर्ती, पीपी, और राजकुमार, एचएस (2022), ज्वार-प्रभुत्व वाले डेल्टा के उप-जलीय भाग की निक्षेपण वास्तुकला और इसके पुराभौगोलिक निहितार्थ: लाइसोंग फॉर्मेशन (बरेल समूह), इंडो-म्यांमार रेंज, पश्चिमी मणिपुर, *जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस,* 131, 103.

लौरेम्बम, आर.एस., धीमान, एच. & प्रसाद, जीवीआर (2022), मध्य भारत के ऊपरी क्रेटेशियस डेक्कन ज्वालामुखी-तलछटी स्तर से टाइटनोसॉरिड डायनासोर के अंडे के छिलकों में मेम्ब्राना टेस्टेसिया का संरक्षण, *भूवैज्ञानिक पत्रिका,* 160(2), 361-371.

मुखर्जी, एस., डे, ए., चौधरी, एसआर, और मेने, एमजे (2022), छोटानागपुर ग्रेनाइट ग्नीसिक कॉम्प्लेक्स (सीजीजीसी), भारत, *लिथोस,* 430-431, 106875 के कुछ हिस्सों से फेरोन (ए-टाइप) ग्रेनाइट के एक सूट की संरचना पर स्रोत विषमता, पिघल निष्कर्षण और क्रिस्टल पृथक्करण का प्रभाव।

नेगी, पी., सैकिया, ए., अहमद, एम., उपाध्याय, डी., और अख्तर, एस, (2022), पूर्वी भारत के छोटानागपुर ग्रेनाइट गनीस कॉम्प्लेक्स के प्रोटेरोज़ोइक ग्रेनाइट के भीतर एनोर्थोसाइट एन्क्लेव की प्रकृति और उत्पत्ति, *फ्रंटियर्स इन अर्थ साइंस,* 10, 952554.

क्षेत्रीमयुम, डी. एस., परमार, वी., लूरेम्बम, आर. एस. और प्रसाद, जीवीआर (2022), लोअर नर्मदा बेसिन, मालवा पठार, भारत, *पैलियोवर्ल्ड* के मास्ट्रिचियन इंटरट्रैपियन बेड के गैर-समुद्री ओस्ट्राकोड जीवों के वर्गीकरण, बायोस्ट्रेटिग्राफी और पुरा-पारिस्थितिक पहलू।

प्रसाद, जीवीआर और परमार, वी. (2022), क्रेटेशियस इंसुलर इंडिया-जैविक विकास और जीव इंटरचेंज के परिणाम, *जर्नल ऑफ द पैलियोनटोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया,* 67(1):656-671.

चौधरी, एसआर, डे, ए., मुखर्जी, एस., सान्याल, एस., कर्मकार, एस. और सेनगुप्ता, पी., (2023), टाइटनाइट्स के भीतर एल्यूमीनियम के समावेश को नियंत्रित करने वाले कारकों पर: ईस्ट इंडियन शील्ड, *मिनरलॉजी और पेट्रोलॉजी* के कुछ हिस्सों में मध्यम दबाव कैल्क-सिलिकेट ग्रैन्यूलाइट्स से एक केस स्टडी, https://doi.org/10.1007/s00710-023-00826-1.

चौधरी, एसआर, डे, ए., मुखर्जी, एस., सेनगुप्ता, एस., सान्याल, एस., कर्मकार, एस., सेनगुप्ता, पी. (2023), छोटानागपुर ग्रेनाइट गनीस कॉम्प्लेक्स, ईस्ट इंडियन शील्ड, *लिथोस,* 442, 107058 से क्षेत्रीय रूप से रूपांतरित कैल्क-सिलिकेट ग्रेन्युलाइट में एल्यूमिनस क्लिनोपाइरोक्सीन-इल्मेनाइट-स्पिनल सिम्प्लेक्टिक असेंबल का गठन।

सरकार, ए., और सिंह, वी. (2022), हिमालय में फ्लैश फ्लड का लक्षण वर्णन और आकलन: तलछट जुटाने में उच्च परिमाण की घटनाओं के महत्व को समझना, *जर्नल जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया,* 98, 678-686.

सरवरी, एम., अलामी, सी., रहीमी, एम. एंड कुमार, पी. (2022), बोलुला और खाजा घर फॉर्मेशन के फुसुलिनिड असर मिडिल पर्मियन उत्तराधिकार के निक्षेपण पर्यावरण की व्याख्या, बामियान क्षेत्र, मध्य अफगानिस्तान, इंटरनेशनल *जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज,* 13, 499-530.

शर्मा, जेजे, पंत, एनसी, सिंह, पी., और सैकिया, ए., (2022), स्टॉरोलाइट से फाइब्रोलाइट परिवर्तन पर क्रिस्टलोग्राफिक नियंत्रण: पूर्वी काराकोरम, लद्दाख, भारत में पैंगोंग मेटामॉर्फिक कॉम्प्लेक्स से पेट्रोग्राफिक साक्ष्य, *जर्नल ऑफ जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया,* 98, 749-752.

शर्मा, ए., दास, के., चक्रवर्ती, पी. पी., शिराइशी, एफ., और कायमा, एम. (2022), यू-पीबी जिक्रोन जियोक्रोनोलॉजी, पारसोई फॉर्मेशन से एक पायरोक्लास्टिक चट्टान का, महाकोशल समूह: मध्य भारतीय टेक्टोनिक क्षेत्र में बेसिन की आयु और विवर्तनिकी के प्रति निहितार्थ, *भूवैज्ञानिक जर्नल,* 57, 4122-4138.

सिंह, एके, और सिन्हा, डीके (2022), ओडीपी साइट 762 बी के प्लियो-प्लीस्टोसिन प्लैंकटिक फोरामिनिफेरल बायोक्रोनोलॉजी, एक्समाउथ पठार, दक्षिण पूर्व हिंद महासागर, *जर्नल ऑफ फोरामिनिफेरल रिसर्च, यूएसए,* 52 (4), 248-263.

सिंह, वी. पी., श्रीवास्तव जे.पी., और कुमार पी. (2022), विशाल प्लाजियोक्लेज़ बेसाल्ट का खनिज रसायन विज्ञान: पेट्रोजेनेटिक अनुमान, *जर्नल ऑफ़ अर्थ सिस्टम साइंस,* 131, 172.

श्रीवास्तव, पी. (2022), होलोसीन के दौरान जलवायु परिवर्तन और नियोटेक्टोनिक्स के जवाब में भारत-गंगा के मैदानों (आईजीपी) में कृषि गतिविधियों की उत्पत्ति और फैलाव, *क्ले रिसर्च,* 41(1), 60-68.

श्रीवास्तव, पी. (2022), वर्तमान अतीत की कुंजी है: पेलियोसोल के लिए मिट्टी और माइक्रोमोर्फोलॉजी और क्ले मिनरलॉजी के आधार पर लैंडस्केप स्थिरता (टेक्टोनिज्म) और जलवायु परिवर्तन के लिए उनके निहितार्थ, *क्ले रिसर्च,* 41 (1), 1-17.

थॉमस, जे., गुप्ता, एम., श्रीवास्तव, पीके, पांडे, डीके, और बिंदलिश, आर. (2023), रूट ज़ोन मृदा नमी उत्पाद को बढ़ाने के लिए पृथ्वी टिप्पणियों के उपयोग के साथ उच्च-रिज़ॉल्यूशन मृदा हाइड्रोलिक मापदंडों का विकास, *रिमोट सेंसिंग,* 15(3), 706.

थॉमस, जे., गुप्ता, एम., श्रीवास्तव, पीके (2023), पेट्रोपाउलोस जीपी। वर्षा से प्रेरित उथले भूस्खलन के समय और वितरण का मूल्यांकन करने के लिए एक गतिशील शारीरिक रूप से आधारित ढलान स्थिरता मॉडल का आकलन, *आईएसपीआरएस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियो-इंफॉर्मेशन,* 12 (3), 105.

थॉमस, जे., गुप्ता, एम., और प्रुस्टी, जी. (2023), वर्षा से प्रेरित उथले भूस्खलन के पूर्वानुमान के लिए पृथ्वी डेटा टिप्पणियों का उपयोग करके ढलान स्थिरता मॉडल के वैश्विक मापदंडों का आकलन, *जर्नल ऑफ एप्लाइड जियोफिजिक्स,* 212, 104994.

उमामहेश्वरन, आर., दत्ता, एस., प्रसाद, जीवीआर, खान, एमए, कुमार, एस., बेरा, एस. और पटनायक, आर. (2022), कोलेजन का डायजेनेटिक भाग्य जैसा कि गहरे समय से जीवाश्म मछली के तराजू के विश्लेषणात्मक पायरोलिसिस द्वारा प्रकट किया गया है, *जियोबायोलॉजी,* 21(3), 378-389.

यादव, एके, यादव, एचके, नाज़, ए., कौल, एम., चौधरी, ए., और शेखर, एस. (**2022),** एसडीजी-**3** और एसडीजी-**6** लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मध्यम और निम्न आय वाले देशों के लिए आर्सेनिक हटाने की प्रौद्योगिकियां: एक समीक्षा। *पर्यावरण प्रगति,* **9, 100262.**

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

अली, एस., शेखर, एस. और चंद्रशेखर, टी. (**2022),** यमुना नदी बाढ़ के मैदान, दिल्ली, भारत के भूजल में फ्लोराइड का गैर-कार्सिनोजेनिक स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन। पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान में कंप्यूटर, भारत, एल्सेवियर। पेपरबैक, आईएसबीएन: **9780323886154, 455-466.**

सिंह, एके, सिन्हा डीके, श्रीवास्तव, ए., सिंह वीपी, मलिक के., और कौशिक, टी. (**2022),** अंटार्कटिक जलवायु इतिहास और वैश्विक जलवायु परिवर्तन के साथ इसका संबंध: आइस कोर रिकॉर्ड से साक्ष्य: इन: ध्रुवीय क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन और भूगतिकी, टेलर और फ्रांसिस सीआरसी प्रेस, यूएसए, डीओआई: **10.1201/9781003284413-3, 45-88.**

सिंह, एके, सिन्हा, डीके, मलिक, के., सिंह, वीपी, श्रीवास्तव, ए., और कौशिक, टी. (**2022),** अंटार्कटिक आइस शीट का सेनोज़ोइक इवोल्यूशन, सर्कम अंटार्कटिक सर्कुलेशन और अंटार्कटिक क्लाइमेट: मरीन सेडिमेंटरी रिकॉर्ड्स से साक्ष्य: जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य से अंटार्कटिक पर्यावरण का आकलन करने में: एक एकीकृत दृष्टिकोण, स्प्रिंगर नेचर, **47-71.**

अनुसंधान परियोजनाएं

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी भारत सरकार, **2019-2023,** डीएसटी - आरएफबीआर हिमालय और रूसी मैदानों के चतुर्धातुक पेलियोसोल पर संयुक्त शोध, **20.00** लाख।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), **2019-2023,** शिवालिक उत्तराधिकार के विकास के दौरान जलवायु परिवर्तन और टेक्टोनिक्स के पैलियोपेडोलॉजिकल, तलछट विज्ञान और थर्मोक्रोनोलॉजिकल रिकॉर्ड, पंजाब पुनः प्रवेशी, **34.00** लाख।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), नई दिल्ली भारत सरकार, फरवरी 2020-मार्च 2024, एल नीनो परिवर्तनशीलता के लेट नियोजीन-क्वाटरनरी मल्टी-प्रॉक्सी रिकॉर्ड: उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर पेलियोक्लाइमेट और पैलियोसेनोग्राफी, 38.00 लाख।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नवी मुंबई, 2022, CITZ के कुछ हिस्सों से ग्रेनाइटिक चट्टानों का संरचनात्मक और पेट्रोग्राफिक अध्ययन उनकी भूतापीय क्षमता का आकलन करने के लिए', 12.15 लाख रुपये (जीएसटी को छोड़कर)।

वैप्कॉस लिमिटेड (भारत सरकार का एक उपक्रम-जल शक्ति मंत्रालय), 2022-23, नांगलोई डब्ल्यूटीपी और आसपास के क्षेत्रों में भूजल की निकासी द्वारा पीने योग्य पानी की आपूर्ति में वृद्धि, 5.00 लाख।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार, 2018-2022, सतत नदी प्रबंधन के लिए एक उपकरण के रूप में एक भविष्य कहनेवाला भू-आकृतिक मॉडल का विकास, 25.36 लाख रुपये।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार, 2021-24, प्राणमती बेसिन, हिमालय क्रिटिकल ज़ोन ऑब्जर्वेटरी, 2.42 करोड़।

डीएसटी- विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2023-सतही और उप-सतह मिट्टी की नमी की स्थिति के बेहतर पूर्वानुमान के लिए गहन शिक्षण के माध्यम से मौसम अनुसंधान और पूर्वानुमान मॉडल में माइक्रोवेव उपग्रह डेटा आत्मसात चल रहा है, 25.41 लाख।

डीएसटी- विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2021-2023, दक्षिणी ग्रेन्युलाइट टेरेन, भारत में संरक्षित गहरे क्रस्टल मेटासोमैटिज्म के दबाव-तापमान-द्रव संरचना और समय को बाधित करना, 25.50 लाख।

डीएसटी-इंस्पायर, 2020-2025, जिक्रोन और मोनाजाइट क्रस्टल इवोल्यूशन के लिए प्रॉक्सी के रूप में: भारत के प्रोटेरोज़ोइक मोबाइल बेल्ट के कुछ हिस्सों के लिए अनुप्रयोग, 35.00 लाख।

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) स्टार्टअप रिसर्च ग्रांट, 2022-2024, नागालैंड मणिपुर ओफियोलाइट की पेट्रोलॉजिकल, जियोकेमिकल और टेक्सचरल विशेषताएं उत्तर-पूर्व भारत: नव-टेथियन टेक्टोनिक्स और इंडो-म्यांमार रेंज के विकास के लिए निहितार्थ, 30.25 लाख।

डीएसटी-विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2023-2026, ललाट जोर के साथ सक्रिय दोषों की भू-आकृतिक अभिव्यक्ति की विशेषता, पूर्वोत्तर हिमालय, 47.99 लाख।

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, असम पूर्वोत्तर भारत के मिकिर हिल्स ग्रेनाइट का पेट्रोजेनेसिस और जियोक्रोनोलॉजी: मैग्मैटिक इवोल्यूशन के लिए निहितार्थ, 5.00 लाख।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. प्रमोद कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, फंडिंग सपोर्ट: ओएनजीसी, ओआईएल, सीएसआईआर, डीयू से शताब्दी अनुदान, नेशनल कॉन्फ्रेंस: इंडियन एसोसिएशन ऑफ सेडिमेंटोलॉजिस्ट, 11-12-2022 के सहयोग से "भारतीय तलछटी बेसिन और आगे की सड़क" से वित्त-पोषण सहायता।

प्रोफेसर जीके शर्मा, प्रोफेसर, एनआईडीएम, नई दिल्ली और हंसराज कॉलेज, राष्ट्रीय संगोष्ठी: "आपदा और जलवायु परिवर्तन पर संवेदीकरण कार्यक्रम, 16-07-2023.

प्रोफेसर जी.के. शर्मा, प्रोफेसर, एनआईडीएम, हैदराबाद और हंसराज कॉलेज, आपदा जोखिम प्रबंधन (डीआरएम) और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में युवाओं और किशोरों को शामिल करना, 28-07-2023.

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अख्तर एस., सैकिया ए. 2022. दक्षिण अंडमान ओफियोलाइट्स के कोडिया घाट खंड से गैब्रोइक चट्टानों का टेक्टोनो-मैग्मैटिक महत्व। 36वीं अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस के सार खंड में।
बेलवाल बी., आर. चक्रवर्ती, पीपी, और लारिसा, एनएम, 2022. एक उच्च-ऊर्जा बजरी लट में फ्लुवियल सिस्टम की निक्षेपण वास्तुकला: पेलियोप्रोटेरोज़ोइक दमदमा फॉर्मेशन, बायना बेसिन, भारत। तलछटी घाटियों की संसाधन क्षमता पर राष्ट्रीय सम्मेलन और भारतीय अवसादविदों के संघ का 37वां सम्मेलन (आईएएस-2022)।
गुप्ता, एम. ने 23-27 अगस्त 2022 तक आईएसएआरसी, वाराणसी में जीआईएस पर 5-दिवसीय प्रशिक्षण के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में योगदान दिया।
गुप्ता, एम. 2022. कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, आरएलबीसीएयू में आयोजित "भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्राकृतिक संसाधनों के पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन" पर डीएसटी-वित्त पोषित दो सप्ताह की कार्यशाला में व्याख्यान और प्रशिक्षण।
गुप्ता, एम. 2022. एसईआरबी में आर पर आमंत्रित व्याख्यान और प्रशिक्षण ने सेंटर फॉर क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स एंड डेटा साइंस, बीआईटी मेसरा में आयोजित हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा एनालिटिक्स की तकनीकों और अनुप्रयोगों पर उच्च अंत कार्यशाला प्रायोजित की।
गुप्ता, एम., श्रीवास्तव, पीके, आर्सेनॉल्ट, केआर, और सहाय, एके 2022. भारत में नासा-भूमि सूचना प्रणाली फ्रेमवर्क (एलआईएसएफ) के साथ सिंचाई योजना के एकीकरण के माध्यम से सिंचाई जल की मांग का मॉडलिंग।

क्षेत्रीमयुम, एल. डी., कुमार, पी., राजकुमार, एचएस 2022. प्रक्रिया-आधारित फेसेस और इचनोफेशियस विश्लेषण के माध्यम से दिसांग-बरेल सीमा का सीमांकन, भारत-म्यांमार रेंज, पूर्वोत्तर भारत। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सेडिमेंटोलॉजिस्ट का 38वां अधिवेशन। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
कुमार वी., शेखर एस. और अरोड़ा एन.के. 2022. "हाइड्रो-जियोकेमिकल विशेषताओं और बहुभिन्नरूपी सांख्यिकीय विश्लेषण का उपयोग करके बूढ़ी गंडक बेसिन, बिहार, भारत में भूजल के आर्सेनिक संदूषण में अंतर्दृष्टि"। 9वां अंतर्राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन (आईजीडब्ल्यूसी-2022)-शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में (उप)-सतही जल संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन, रुड़की, उत्तराखंड, भारत।

कुमार, पी., क्षेत्रीमयुम, एल.डी., 2022. ज्वार-प्रधान डेल्टा का निक्षेपण मूल भाव और इसके पुराभौगोलिक निहितार्थ: लाइसोंग फॉर्मेशन (बरेल समूह), भारत-म्यांमार पर्वतमाला, पश्चिमी मणिपुर। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सेडिमेंटोलॉजिस्ट का 37वां सम्मेलन। जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू।

मौर्य, वी., गुप्ता, एम., पंत, एनसी, और सहाय, ए.के. उच्च पर्वतीय क्षेत्र में निर्वहन के लिए हिमपात के योगदान की गणना करने के लिए एलएसएम में ईओ आधारित डेटा को आत्मसात करना। ईजीयू महासभा सम्मेलन में।

मेहरा, ए., कोटलिया और शर्मा, जी.के., 2022. 38वें आईएएस सम्मेलन में "हाइड्रोकेमिकल अध्ययन-उत्तराखंड", भू-विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

नेगी पी., अहमद एम. और सैकिया ए., 2022. "पेट्रोकेमिस्ट्री ऑफ एनोर्थोसाइट-गैब्रोनोराइटसुइट ऑफ द बाराबर हिल, छोटानागपुर ग्रेनाइट गनीस कॉम्प्लेक्स (सीजीजीसी), पूर्वी भारत" भू-विज्ञान विभाग, दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन ऑफ सेडिमेंटोलॉजिस्ट (आईएएस-2022) के 38 सम्मेलनों में।
नेगी पी., सैकिया ए., अहमद एम., 2022. "पूर्वी भारत के छोटानागपुर ग्रेनाइट गनीस कॉम्प्लेक्स (सीजीजीसी) के बाराबर हिल में गैब्रो-एनोर्थोसाइट सूट का भू-रासायनिक लक्षण वर्णन', 36वीं अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस में।

शर्मा, डी., गुप्ता, एम., थॉमस, जे., और श्रीवास्तव, पी., 2022. "कई पृथ्वी अवलोकन डेटासेट से निर्धारित मिट्टी हाइड्रोलिक गुणों की तुलना" ईजीयू महासभा सम्मेलन में।

शर्मा ए., ए. और चक्रवर्ती, पीपी, 2022. "एक विषम दरार सेटिंग में एक पेलियोप्रोटेरोज़ोइक कार्बोनेट प्लेटफॉर्म की वास्तुकला: स्लीमनाबाद फॉर्मेशन, महाकोशल बेसिन" तलछटी घाटियों की संसाधन क्षमता पर राष्ट्रीय सम्मेलन और भारतीय अवसादविज्ञानी संघ (आईएएस-2022) के 37वें सम्मेलन में।
शर्मा जेजे, सिंह पी., पंत एनसी, सैकिया ए. 2022. "पूर्वी काराकोरम कॉम्प्लेक्स, काराकोरम रेंज, लद्दाख के टेक्टोनो-मेटामॉर्फिक इतिहास की पुष्टि", 36वीं अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (2022) में।
सिंह एके., 2022. माइक्रोपेलियोन्टोलॉजी और स्ट्रैटिग्राफी, पुणे पर भारतीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण।
सिंह एके., 2022. एफआरजीसी सम्मेलन, पीआरएल अहमदाबाद में प्रस्तुति।
सिंह पी., सैकिया ए., चलपति राव एनवी, 2022. 36वीं अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (2022) में "वज्रकरूर क्षेत्र, पूर्वी धारवाड़ क्रेटन, दक्षिणी भारत के किम्बरलाइट्स से क्यानाइट असर वाले इकोलोगाइट ज़ेनोलिथ का पेट्रोग्राफिक महत्व" शीर्षक से सार।

सिन्हा डीके 2022. माइक्रोपेलियोन्टोलॉजी और स्ट्रैटिग्राफी, पुणे पर भारतीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण।
थॉमस, जे., और गुप्ता, एम., 2022. ईजीयू महासभा सम्मेलन में "ढलान स्थिरता मॉडल के साथ हाइड्रोलॉजिकल मॉडल के एकीकरण के माध्यम से वर्षा से प्रेरित उथले भूस्खलन की भविष्यवाणी"।
यादव ए.के., शेखर एस. और अरोड़ा एन.के., 2022. "भूजल में आर्सेनिक के उच्च स्तर की उपस्थिति, मानव स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव और एनसीआर दिल्ली, भारत के शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्र में संबंधित

जोखिम मूल्यांकन" 9वें अंतर्राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन (आईजीडब्ल्यूसी-2022) में-शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में (उप)-सतही जल संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन, रुड़की, उत्तराखंड, भारत।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रो. पंकज श्रीवास्तव ने प्रोफेसर इसाबेल मोंटेनेज, यूसी देवीस, पेलियो-सीओ 2 पुनर्निर्माण और अगली पीढ़ी के फेनरोज़ोइक रिकॉर्ड पर सहयोगात्मक प्रस्ताव के साथ सहयोग किया है।

डीके सिन्हा ने डीप ओशन कोर के एनडी आइसोटोप अध्ययन पर राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान के साथ सहयोग किया है।

पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती ने जादवपुर विश्वविद्यालय (कोलकाता), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर और हिरोशिमा विश्वविद्यालय (जापान) के साथ सहयोग किया है।

डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने डीप ओशन कोर के एनडी आइसोटोप अध्ययन पर राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान के साथ सहयोग किया है।

डॉ. आशिमा सैकिया का जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, झारखंड यूनिट और कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम के साथ सहयोग है।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों की संख्या

प्रोफेसर पंकज श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित दो वरिष्ठ शोध विद्वानों को छह सप्ताह के लिए पूर्ण वित्त-पोषण के साथ अमेरिका में पेलियो-सीओ 2 पुनर्निर्माण और अगली पीढ़ी के फैनरोज़ोइक रिकॉर्ड पर सहयोगात्मक प्रस्ताव के लिए चुना गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

डॉ. प्रमोद कुमार ने 12-13 दिसंबर 2022 को बयाना प्रोटेरोज़ोइक बेसिन में आईएएस राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों के लिए भूवैज्ञानिक फील्डवर्क का आयोजन किया।

संकाय संकाय

प्रोफेसर : 9

एसोसिएट प्रोफेसर: 3

सहायक प्रोफेसर: 8

कुल संकाय संख्या: 20

प्रदत्त पीएचडी डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 07

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या

एम.फिल. : 02

***

भौतिकी और खगोल भौतिकी

संक्षिप्त इतिहास

दिल्ली विश्वविद्यालय का भौतिकी विभाग (बाद में इसका नाम बदलकर भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग रखा गया) वर्ष 1922 में स्थापित किया गया था। अपने शुरुआती वर्षों में विभाग एम.एन. साहा से प्रभावित था और जब विश्वविद्यालय अपने वर्तमान परिसर में स्थानांतरित हुआ, तो भौतिक विभाग को रसायन विज्ञान विभाग के साथ पूर्व वायसराय के परिसर में एक इमारत में आवंटित किया गया था, जो पुराने ब्लॉक के रूप में साझा कार्य करना जारी रखता है। विभाग के शुरुआती दिनों में संकाय सदस्यों में प्रोफेसर डी.एस कोठारी, आर.सी मजूमदार, एफ.सी औलक, एन.के साहा और पी.के किचलू शामिल थे। स्नातकोत्तर प्रोग्राम वर्ष 1942 में शुरू हुआ। इसके बाद प्रकाशिकी, परमाणु भौतिकी और उच्च ऊर्जा भौतिकी में कुछ प्रायोगिक समूह स्थापित किए गए, जबकि एक हीलियम संयंत्र और एक सौर वेधशाला के लिए एक दूरबीन टॉवर स्थापित किया गया। विभाग के संकाय सदस्यों ने पिछले कुछ वर्षों में कई सम्मान और पुरस्कार जीते हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग ने भारत में सर्वोच्च क्यूएस रैंक वाले विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। यह देश के सबसे बड़े भौतिकी विभागों में से एक है, जिसमें वर्तमान में उपलब्ध 37 नियमित संकाय सदस्यों के अलावा, लगभग 730 एमएस.सी विद्यार्थी और 180 से अधिक पीएच.डी विद्यार्थी हैं। इसने अनुसंधान में अपनी उच्च गुणवत्ता बरकरार रखी है, जो कि वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय रेफरीड पत्रिकाओं में इसके विद्यार्थियों के अलावा केवल नियमित संकाय सदस्यों द्वारा लगभग 300 शोध प्रकाशनों (किताबों/अध्यायों और सम्मेलन की कार्यवाही सहित) से स्पष्ट है। इसके संकाय को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुए और दुनिया भर में कई सहयोगी परियोजनाओं में सहभागिता की। इसने विभिन्न प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं की भी मेजबानी की थी जिन्होंने युवा विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए प्रेरक व्याख्यान दिए थे। विभाग का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अपने विद्यार्थियों को अंतर-विषयक विषयों सहित ऐच्छिक का व्यापक विकल्प प्रदान करता है। इसके अलावा, सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए समय-समय पर लागू की जाने वाली विभिन्न प्रकार की

कार्यप्रणाली को तब और अधिक रणनीतिक बनाया गया है जब विभाग हाल के दिनों में ऑफ़लाइन से ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण मोड में चला गया है। ऐसी रणनीतियों में शामिल हैं:

ऑनलाइन संसाधन, उदाहरण के लिए व्याख्यान नोट्स, वीडियो व्याख्यान अथवा प्रयोगात्मक प्रदर्शन के लिंक, और अन्य अध्ययन सामग्री ऑनलाइन कक्षाओं में विद्यार्थियों को या तो Google क्लासरूम प्लेटफ़ॉर्म या Microsoft Teams प्लेटफ़ॉर्म में प्रदान की जा रही है।

इंटरैक्टिव कक्षा सत्र, त्वरित प्रश्नोत्तरी, समूह चर्चा के साथ-साथ समयबद्ध असाइनमेंट के साथ, विद्यार्थियों के आत्म-मूल्यांकन के प्रावधान पर जोर दिया जाता है।

विभाग, एक जीवंत पीएच.डी. प्रोग्राम के तहत हाल के दिनों में, अत्याधुनिक शोध विषयों की भी पेशकश की है, जिससे उपर्युक्त रणनीतियाँ पीएच.डी पाठ्यक्रम-कार्य के लिए अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। इसके अलावा, एक विशेष विभागीय पोर्टल http://physics.du.ac.in, जो अपनी शैक्षणिक और अन्य गतिविधियों पर नियमित अपडेट प्रदर्शित करता है, वर्ष के दौरान सफलतापूर्वक ऑनलाइन चला है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रो. ब्रजेश चंद्र चौधरी: (ए) प्रवक्ता, भारतीय संस्थान: न्यूट्रिनो भौतिकी में फर्मिलैब सहयोग - 2022-23 में वर्ष 2026 तक जारी रहेगा, (बी) सह-अध्यक्ष, सीएमएस विविधता कार्यालय - 2022 तक जारी रहेगा।

प्रो. देबज्योति चौधरी: (ए) उच्च ऊर्जा भौतिकी, परमाणु भौतिकी, खगोल भौतिकी, प्लाज्मा भौतिकी और नॉनलाइनियर डायनेमिक्स के लिए सदस्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के पीएसी- 2022-23 में जारी, (बी) टीएचईपी में एसईआरसी स्कूल के लिए सदस्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार की विशेषज्ञ समिति - 2022-23 में जारी, (सी) सदस्य, इंस्पायर संकाय पुरस्कारों के लिए चयन समिति - 2022-23 में जारी।

प्रो. पैट्रिक दास गुप्ता: (ए) अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशन (आईएजीआरजी) - 2020 से जारी, (बी) सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, भौतिकी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, छत्तीसगढ़ - 2020 से जारी।

प्रो. अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम: सदस्य, अकादमिक परिषद, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी - 2022-23 में जारी।

प्रो. अमिता चंद्रा: (ए) सदस्य, अध्ययन बोर्ड, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय - 2022-23 तक जारी रहेगा, (बी) अनुसंधान राजदूत, डीएएडी - 2022-23 तक जारी रहेगा।

प्रो. निवेदिता देव: सदस्य, कॉम्प्लेक्स सिस्टम्स सोसाइटी (सीसीएस), इंक - 2022-23 में जारी रहेगी।

प्रो.अवधेश प्रसाद: उच्च ऊर्जा भौतिकी, परमाणु भौतिकी, खगोल भौतिकी, प्लाज्मा भौतिकी और नॉनलाइनियर डायनेमिक्स के लिए सदस्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के पीएसी- 2022-23 में जारी रहेगा।

प्रो. श्यामा रथ: (ए) समन्वयक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी), दिल्ली विश्वविद्यालय - 2022-23 में जारी, (बी) उच्च ऊर्जा भौतिकी, परमाणु भौतिकी, खगोल भौतिकी, प्लाज्मा भौतिकी और नॉनलाइनियर डायनेमिक्स के लिए सदस्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के पीएसी- 2022-23 में जारी रहेगा।

प्रो. समित कुमार मंडल: (ए) सदस्य, विशेष समिति, विशेष नैनोसाइंस केंद्र (एससीएनएस), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय - 2022-23 में जारी रहेगा, (बी) सदस्य, जेआरएफ/रिसर्च एसोसिएट/वैज्ञानिक के लिए चयन समितियां, इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर - 2022-23 में जारी रहेगा, (सी) सदस्य, जेआरएफ से एसआरएफ के लिए मूल्यांकन समिति, इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर - 2022-23 में जारी रहेगा।

डॉ. सौरव सूर: **(ए)** विजिटिंग एसोसिएट, इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए) - 2022-23 में 2025 तक जारी रहेगा, **(बी)** सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशन (आईएजीआरजी) - 2022-23 में जारी।

प्रकाशन

शोध आलेख

कुमार, पी., कुमार, ए., धवन, टी., और वेदेश्वर, ए.जी (2023). समूह IIA धातु आयोडाइड के संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक, ऑप्टिकल, लोचदार और थर्मोडायनामिक गुणों की पहली सिद्धांत गणना: संरचना-गुण सहसंबंध। *जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स*, 175, 111195.

यादव, एन., और देव, एन. (2023). वेइल सेमीमेटल में मैग्नेटोट्रांसपोर्ट विकार के साथ और बिना और झुके हुए चुंबकीय क्षेत्र के प्रभाव के साथ। *फिजिका ई: लो-डायमेंशनल सिस्टम और नैनोस्ट्रक्चर*, 148, 115601.

खरनगढ़, पी.आर, रवींद्र, एन.एम, सिंह, जी., और उमापति, एस. (2023). ऊर्जा-संबंधित अनुप्रयोगों के लिए बायोमास अपशिष्ट पदार्थों से ल्यूमिनसेंट ग्राफीन क्वांटम डॉट्स का संश्लेषण-एक सिंहावलोकन। *ऊर्जा भंडारण*, 5(3), ई390.

एसेरो, एम.ए, एडमसन, पी., अलीगा, एल., ..., चौधरी, बी.सी, ... (2023). डिटेक्टर के पास NOvA में डबल-डिफरेंशियल म्यूऑन-न्यूट्रिनो चार्ज-करंट समावेशी क्रॉस सेक्शन का मापन। *भौतिक समीक्षा* डी, 107(5), 052011.

चौधरी, वी., अवान, एच.टी.ए, खालिद, एम., (...), टंडन, आर., और खोसला, ए. (2023). इंजीनियरिंग इंटरलेयर स्पेस में प्रगति ने एमएक्सईएन को अगली पीढ़ी के वायुजनित प्रदूषक सेंसरों को आर्किटेक्ट करने के लिए संशोधित किया। *सेंसर्स और एक्चुएटर्स बी: केमिकल*, 379, 133225.

तुमासियन, ए., एडम, डब्लू., आंद्रेजकोविक, जे.डब्ल्यू, ... भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन एम., ...रंजन के., ... (2023). प्रकाशक सुधार: प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में ट्रिपल J/ψ मेसन उत्पादन का अवलोकन (नेचर फिजिक्स, 2023, 19(3), 338-350, 10.1038/ s41567-022-01838- y)। नेचर फिजिक्स, 19(3), 461.

तुमास्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., आंद्रेजकोविक, जे.डब्ल्यू, ...भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन एम., ...रंजन के., ...(2023). प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में ट्रिपल J/ψ मेसन उत्पादन का अवलोकन। नेचर फिजिक्स,19(3), 338-350.

बिस्वास, आर., नाथ, एस., गहलोत, जे., (...), शेरपा, पी., और सेकिज़ावा, के. (2023). रिकॉइल मास स्पेक्ट्रोमीटर का उपयोग करके 16 O+ 142 Ce के लिए 1p- और 2p-स्ट्रिपिंग उत्तेजना फ़ंक्शन का निर्धारण। *यूरोपियन फिजिकल जर्नल* ए, 59(3), 60.

प्रशांत, ए., लूथरा, एम., गोस्वामी, के., भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2023). पाइरीमिडीन से पॉज़िट्रॉन का प्रकीर्णन। *परमाणु*, 11(3), 55.

खरनगढ़, पीआर, और सिंह, जी. (2023). सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों में बेहतर इलेक्ट्रोड बनाने के लिए ग्राफीन नैनोशीट्स पर मो-डोपेड स्ट्रोंटियम कोबाल्टाइट का प्रभाव। *ईसीएस जर्नल ऑफ सॉलिड स्टेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 12(3), 031006.

गुप्ता, आर.के, कर, एस., नितीश, आर., और वर्मा, एम. (2023). सीमा(बाउंड्री) गुरुत्वाकर्षण से सटीक ज्यामिति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थ्योरेटिकल फिजिक्स, 62(3), 61.

खान, ए.के, वानी, एस.एस, शेख, ए., (...), फैज़ल, एम., और लोन, एस. (2023)। नैनोवायरों और नैनोट्यूब का विरूपण। *यूरोफ़िस लेटर्स*, 141(5), 52001.

पांडे, वी., अदीबा, ए., नेहला, पी., मुंजाल, एस., और अहमद, टी. (2023). Mn_3O_4 पतली फिल्म में कई मध्यवर्ती प्रतिरोध स्थितियों के साथ द्विध्रुवी प्रतिरोधी स्विचिंग। *मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस*, 34, 105484.

असीर, एम.पी, थमिलमारन, के., प्रसाद, ए., (...), कुज़नेत्सोव, एन.वी, और श्रीमाली, एम.डी (2023). एक गैर-स्वायत्त मॉडल में छिपी हुई अजीब गैर-अराजक गतिशीलता। केऑस, *सोलिटॉन एंड फ्रैक्टल्स*, 168, 113101.

राव, ए.के, कुमार, ए., जैन, के., और कौर, ए. (2023). हरे इलेक्ट्रोल्यूमिनसेंस को प्रदर्शित करने वाले एक अभूतपूर्व फॉस्फोरसेंट बिडेंटेट इरिडियम (III) कॉम्प्लेक्स का डिजाइन और विकास। *मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस*, 34, 104973.

कुमार, ए., मुखर्जी, एस., शर्मा, एच., (...), कुमार, आर., और चौबे, आर.के (2023). ZnS:Mn/p-Si हेटेरोजंक्शन पर आधारित कम लागत और तेजी से प्रतिक्रिया करने वाले दृश्यमान(विजिबल) फोटोडिटेक्टर का निर्माण। मेटेरियल साइंस इन *सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग*, 155, 107226.

लामिछाने, एस., शर्मा, एस., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2023). BFO/WO3 बाइलेयर पतली फिल्म संधारित्र के ऊर्जा भंडारण गुणों पर अध्ययन। *ऊर्जा भंडारण* , 5(2), ई342.

बस्सी, एम., और बलूजा, के.एल (2023)। एक पिंजरे में हाइड्रोजन परमाणु की संभाव्यता घनत्व के क्षण। *इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स* , 97(3), 719-725।

सहरावत, पी., परवीन, एस., और हाशमी, एस.ए (2023). बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर पॉलीकैप्रोलैक्टोन पर आधारित उच्च प्रदर्शन सोडियम आयन कंडक्टिंग जेल पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट। *ऊर्जा भंडारण* , 5(2), ई375.

यादव, जे., सफवान, सी.पी, भट्ट, पी., (...), सिंह, जे., और राजपूत, जे. (2023). एसिटिलीन ट्राइकेशन के थ्री-बॉडी विखंडन की खोज। *द जर्नल ऑफ केमिकल फिजिक्स*, 158(7), 074302.

मोहित, और हाशमी, एस.ए (2023). कार्बन इलेक्ट्रोड के साथ उच्च प्रदर्शन सुपरकैपेसिटर के लिए बायोडिग्रेडेबल पॉली-ε-कैप्रोलैक्टोन आधारित झरझरा पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स। *जर्नल ऑफ पावर सोर्सेज*, 557, 232548.

बालेंद्र, सिंह, बी., बंदे, ए., मुरुगावेल, एस., और रामानन, ए. (2023). Mn(II)-4,4′-सल्फोनाइलडिबेंजोएट-सहायक लिगैंड सिस्टम-आधारित समन्वय पॉलिमर (सीपी) का संश्लेषण, संरचना और डाईइलेक्ट्रिक व्यवहार अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर*, 1274, 134389.

एसेरो, एम.ए, एडमसन, पी., अलीगा, एल., ..., चौधरी, बी.सी, ... (2023). NovA का उपयोग करके «eν »=2.4 GeV पर νe-न्यूक्लियस चार्ज-करंट डबल-डिफरेंशियल क्रॉस सेक्शन का मापन। *फिजिकल रिव्यु लेटर्स*, 130(5), 051802.

वेंकटरमन, एम., कादियान, ए., चौधरी, एस., अन्नपूर्णी, एस., सिंह, ए., और सिकरवार, एस. (2023). कोबाल्ट-डॉप्ड एल्यूमीनियम ऑक्साइड सेंसर की अल्ट्रा-फास्ट बेंजीन गैस (C6H6) पहचान विशेषताएं। *केमिस्ट्री सेलेक्ट*, 8(5), ई(2022).04531.

सिरुनियन, ए.एम, तुमस्यान, ए., एडम, डब्लू., ...भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन एम., ...रंजन के., ...(2023). इरेटम: 5.02 TeV (*द यूरोपियन फिजिकल जर्नल* सी, 2018, 78(6), 509. 10.1140/epjc/s10052-018-5950-6) पर PbPb टकरावों में त्वरित और गैर-प्रॉम्प्ट चार्मोनियम दमन का मापन। *यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी,* 83(2),145.

चटर्जी, एस., मंडल, बी., सामंता, एस., (...), नीलम, (...), सिंह, पी., और पालित, आर. (2023)। Cu63 में निम्न और मध्यम-स्पिन अवस्थाओं का एकल-कण विन्यास। *फिजिकल रिव्यु सी*, 107(2),024312.

भारद्वाज, ए., मार्कोनी, एम., रेजकुबा, एम., (...), सिंह, एच.पी, (...), डी सोम्मा, जी., और डेल'ओरा, एम. (2023). RR Lyrae वैरियेबल्स के लिए निकट-अवरक्त अवधि-चमकदार संबंधों की धात्विकता निर्भरता का सटीक अनुभवजन्य निर्धारण। *एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स*, 944(2), एल51.

पांडे, जी.एन, कुमार, एन., सिंह, पी., और थापा, के.बी (2023). मेटामटेरियल और डाईइलेक्ट्रिक आधारित एक-आयामी टर्नरी आवधिक संरचना के संप्रेषण गुण। *मैक्रोमोलेक्यूलर सिम्पोजिया*, 407(1), 2200016.

पांडे, जी.एन, कुमार, एन., सिंह, पी., थापा, के.बी, और शुक्ला, ए.के (2023). दोष के रूप में लिक्विड क्रिस्टल परत के साथ सुपरकंडक्टर और डाईइलेक्ट्रिक लेयर्स से बने एक आयामी फोटोनिक क्रिस्टल के ऑप्टिकल गुण। *मैक्रोमोलेक्यूलर सिम्पोजिया*, 407(1), 2200015.

गोयल, ए., कुमार, एम., कुमार, एस., और रहमान, आर. (2023). भविष्य के बड़े हैड्रॉन-इलेक्ट्रॉन कोलाइडर में डार्क जेडडी-बोसोन की खोज। *यूरोपियन फिजिकल जर्नल* सी 83(2), 132.

अंजना, और चंद्रा, ए. (2023)। P(VDF-TrFE) और f-MWCNTs के पॉलिमर कंपोजिट को अवशोषित करने वाले ईएमआई में चुंबकीय आयनिक तरल की दोहरी भूमिका। *जर्नल ऑफ पॉलिमर रिसर्च*, 30(2), 78.

अरोड़ा, एम., गिरी, आर., वर्षा, कुमार, के., यादव, सी., विधानी, बी., गंभीर, एम., और प्रसाद, वी. (2023). द्वि-आयामी हार्मोनिक ऑसिलेटॅर के थर्मल गुण पर विद्युत और चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव। *रिजल्ट्स इन फिजिक्स*, 45, 106225.

भट्ट, वी., यादव, एस., झा, पी.के., और भट्टाचार्जी, ए.बी (2023). कई क्वांटम डॉट्स वाले हाइब्रिड ऑप्टोमैकेनिकल सिस्टम की ऑप्टिकल प्रतिक्रिया निर्धारित करने के लिए होलस्टीन-प्राइमाकॉफ़ (एच-पी) दृष्टिकोण। *एनालेन डेर फिजिक* , 535(2), 2200484.

भट, एम.वाई, हाशमी, एस.ए, खान, एम., चोई, डी., और क़ुरैशी, ए. (2023). सुपरकैपेसिटर की सामग्री, डिज़ाइन और अनुप्रयोगों पर सीमांत और हालिया विकास: परिवहन और बिजली प्रणाली अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज*, 58, 106104.

बालेंद्र, संयुक्ता, अली, एम., और मुरुगावेल, एस.(2023). कैडमियम-आधारित समन्वय पॉलिमर (सीपी) दो अलग-अलग वी-आकार के डाइकारबॉक्साइलेट लिगैंड्स से निर्मित होते हैं: संश्लेषण, संरचना और डाईइलेक्ट्रिक गुण। *इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशन*, 148, 110280.

अहमद, टी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के (2023). BiFeO3 के टेट्रागोनल और रॉम्बोहेड्रल चरणों में रशबा-ड्रेसेलहॉस प्रभाव की उत्पत्ति की सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि। फिजिकल केमिस्ट्री केमिकल फिजिक्स 25(7), 5857-5868.

सिंह, वी., साठे, वी.जी., और रथ, एस. (2023). परत-निर्भर डेविडोव विभाजन और रासायनिक रूप से जमा दो-आयामी MoSe2 की तापीय चालकता का रमन स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन। *एप्लाइड फिजिक्स लेटर्स*, 122(4), 042201.

जीनकोलास, सी., सिंह, ए.वाई, जैन, एस., कृष्णा, एस., और न्घे, पी. (2023). जीवन के मूल में रासायनिक संगठनों को समझने का एक अंतःविषय प्रयास। *आईसाइंस*, 26(1), 105834.

अली, एम., और मुरुगावेल, एस. (2023). ओलिवाइन फॉस्फेट में पोलरोनिक चालन का तंत्र: क्रिस्टलीय आकार का प्रभाव। *जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री* सी, 127(1), 585-591.

कावोंडेरा, आर., बोनेची, एम., मैकसिओनी, आई., (...), मिश्रा, डी., (...), मेहलाना, जी., और माउंटांगी, डब्ल्यू. (2023). चिरल "डोप्ड" MOFs: एक इलेक्ट्रोकेमिकल और सैद्धांतिक एकीकृत अध्ययन। *फ्रंटियर्स इन केमिस्ट्री*, 11, 1215619.

जोशी, आर., कुमार, पी., कुमार सिंह झा, ए., और मोहन, एम. (2023). फेमटोसेकंड लेजर पल्स के साथ इंटरैक्ट करने वाले डेबी प्लाज्मा एम्बेडेड परमाणु के लिए थ्रेसहोल्ड आयनीकरण स्पेक्ट्रा के ऊपर। *स्पेक्ट्रोस्कोपी लेटर्स*, 56(4), 194-203.

बंद्योपाध्याय, पी., चौधरी, डी., और सचदेवा, डी. (2023). सेमी एनिहिलेशन ऑफ फर्मिओनिक डार्क मैटर। *फिजिकल रिव्यु डी*, 107(1), 015020.

आशानुज्जमन, एस., घोष, के., और साहू, आर. (2023). एलएचसी पर कम द्रव्यमान वाले दोगुने आवेशित हिग्स बोसॉन। *फिजिकल रिव्यु डी*, 107(1), 015018.

कुशवाह, ए., नस्कर, ए., नंदी, डी., और शंकरनारायणन, एस. (2023). मैग्नेटोजेनेसिस का प्रभावी क्षेत्र सिद्धांत आवश्यक और पर्याप्त स्थितियों की पहचान करता है। *जर्नल ऑफ कॉस्मोलॉजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स*, 1, 045.

दहिया, ए., जालेंद्र, जी., तमता, एस., और सेंथिल कुमार, पी. (2023). ईजेनमोड विस्तार और इसके संवेदन अनुप्रयोगों का उपयोग करके प्लास्मोन युग्मन। मेटेरियल्स टुडे*: प्रोसीडिंग्स*, 78, 858-863.

प्रियंका, शर्मा, आर., कुमार, एम., और कुमार, पी. (2023). टेराहर्ट्ज़ क्षेत्र के अंतर्गत Ga1-xAlxAs क्वांटम तार के ऑप्टिकल गुणों पर हाइड्रोजेनिक अशुद्धता प्रभाव। *माइक्रो और नैनोस्ट्रक्चर* 173, 207451.

शांडिल्य, ए., और श्रीनिवास, के. (2023). (Er3+, Yb3+, और Mo6+) त्रि-डोप्ड SrWO4 सिरेमिक में अपरूपांतरण ल्यूमिनेसेंस अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ ल्यूमिनसेंस*, 253, 119438.

लामिछाने, एस., शर्मा, एस., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2023). $BiFeO_3$ पतली फिल्मों के प्रतिरोधक स्विचिंग गुणों पर लेजर ऊर्जा का प्रभाव। *मेटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स*, 293, 126824.

यादव, जी., जिंदल, के., और तोमर, एम. (2023). Al0.1Ga0.9N/GaN MOS-HEMT के निर्माण पर गेट डाईइलेक्ट्रिक के रूप में स्पंदित लेजर जमा हेफ़नियम ऑक्साइड पतली फिल्म का प्रभाव। *मेटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर*, 153,107136.

जीनगर, सी., तोमर, एम., जिंदल, के., शर्मा, ए., और झा, पी.के (2023). In2Se3 पतली फिल्मों के थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों पर पोस्ट डिपोजिशन एनीलिंग का प्रभाव। *मेटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर*, 153,107127.

कुमार, एस., श्रीवास्तव, वी., ठाकुर, ओ.पी, और लूथरा, वी.(2023). सोल-जेल व्युत्पन्न बेरियम टाइटेनेट के संरचनात्मक और फेरोइलेक्ट्रिक गुणों पर येट्रियम और टिन सह-डोपिंग का संचयी प्रभाव। *जर्नल ऑफ सोल-जेल साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 105(1), 304-314.

सुदीप्त, मिश्रा एस., और मुरुगावेल, एस. (2022). इथेनॉल निष्कर्षण प्रक्रिया के माध्यम से टर्नरी मेसोपोरस बायोएक्टिव ग्लास के बायोमिनरलाइजेशन व्यवहार को स्थिर किया गया। *जर्नल ऑफ़ नॉन-क्रिस्टलीय सॉलिड्स,* 589, 121630.

तुमास्यान, ए., एडम, डब्लू., ..., भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन एम., ...रंजन के., ... (2022). हिग्स बोसोन की चौड़ाई का मापन और ZZ उत्पादन में इसके ऑफ-शेल योगदान का प्रमाण। नेचर फिजिक्स, 18(11), 1329.

मोहित, यादव एन., और हाशमी, एस.ए (2022). पूर्व-उपचारित जैव-अपशिष्ट अग्रगामी गन्ने की खोई से प्राप्त झरझरा कार्बन इलेक्ट्रोड पर आधारित उच्च ऊर्जा घनत्व वाले ठोस-अवस्था वाले सुपरकैपेसिटर। *जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज*, 55, 105421.

तुमास्यान, ए., एडम, डब्लू., ..., भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन एम., ...रंजन

के., ... (2022). sNN =5.02 TeV पर Pb-Pb टकरावों में मल्टीपार्टिकल सहसंबंधों के माध्यम से चार्म क्वार्क डायनेमिक्स की जांच। *फिजिकल रिव्यु लेटर्स*, 129(2), 22001.

शर्मा, ए.के, कुमार, पी., कुमार, ए., जंगबोग, के., और वेदेश्वर, ए.जी (2022). InI3 के ऑप्टिकल गुण : घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत गणना और प्रयोगात्मक परिणाम। *सॉलिड स्टेट कम्युनिकेशंस*, 358, 115014.

खत्री, आई., और गोयल, ए. (2022). C-जैसे आयनों की उत्तेजना ऊर्जा और संक्रमण मापदंडों का सैद्धांतिक विश्लेषण। *यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी*, 76(11), 206.

मेहतो, एन.के, शर्मा, पी., कुमार, एस., खनूजा, एम., रावल, आर., और नारंग, जे. (2022). पीत ज्वर वायरस कॉनसेन्सॅस अनुक्रम का पता लगाने के लिए जिंक ऑक्साइड नैनोकणों से सजाए गए पेपरट्रॉनिक्स आधारित इलेक्ट्रोड की ओर। *प्रोसेस बायोकेमिस्ट्री*, 123, 36.

बत्रा, के., सिन्हा, एन., और कुमार, बी. (2022). 0.95(K0.6Na0.4)NbO3-0.05(Bi0.5Na0.5)ZrO3 सिरेमिक पर एनडी-डोपिंग का प्रभाव: उन्नत विद्युत गुण और पीजोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयन क्षमता। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 170, 110953.

तुमस्यान, ए., एडम, डब्लू., ..., भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन, एम., ...रंजन, के., ... (2022). क्षय चैनल $\ell\nu qq$ में WW/WZ वेक्टर बोसोन प्रकीर्णन के लिए साक्ष्य s=13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दो जेट के सहयोग से निर्मित हुआ। *फिजिक्स लेटर्स, सेक्शन बी: न्यूक्लियर, इलेमेंट्री पार्टिकल एंड हाई-एनर्जी फिजिक्स,* 834, 137438.

बंगरूवा, एन., श्रीवास्तव, एम., और मिश्रा, डी. (2022). UVC-प्रेरित DNA क्षति का CISS-आधारित लेबल-मुक्त नये इलेक्ट्रोकेमिकल बाधा का पता लगाना। एसीएस ओमेगा, 7(42), 37705.

तुमस्यान, ए., एडम, डब्लू., ..., भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन, एम., ...रंजन, के., ... (2022)। $\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में उच्च डिलेप्टन द्रव्यमान पर ड्रेल-यान फारवर्ड-बैकवर्ड की विषमता का मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, (2022)8, 63.

लूथरा, एम., गारकोटी, पी., गोस्वामी, के., भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2022). टेट्राएथिल सिलिकेट का इलेक्ट्रॉन प्रभाव क्रॉस-सेक्शन। प्लाज्मा सोर्सेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 31(9), 95013.

कुमार, एस., कुमार, पी., सिंह, एन., कंसल, एम.के, कुमार, ए., और वर्मा, वी. (2022). X-बैंड आवृत्ति क्षेत्र में विकिरण हस्तक्षेप को कम करने के लिए फेराइट्स और MWCNT से भरे अत्यधिक कुशल और टिकाऊ MXene आधारित हेटरोस्ट्रक्चर कंपोजिट। मेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग: बी , 282, 115798.

तुमस्यान, ए., एडम, डब्लू., ..., भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन, एम., ...रंजन के., ... (2022). s=13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में फोर बी क्वार्क फ़ाइनल स्टेट में हिग्स बोसोन

पेयर उत्पादन की खोज करें। फिजिकल रिव्यु लेटर्स, 129(8), 81802.

चौधरी, ए., और दास, जे. (2022). मानक मॉडल के Z2 सममित विस्तार में इलेक्ट्रोवीक चरण ट्रांजिशन के कारण एन्ट्रापी उत्पादन का अध्ययन। फिजिकल रिव्यु डी, 106(9), 95016.

भुक्कल, एस., और कुमार, बी. (2022). संशोधित Czochralski द्वारा उगाए गए कार्बनिक 4-नाइट्रोबेंज़ाल्डिहाइड सिंगल क्रिस्टल के विद्युत, ऑप्टिकल और यांत्रिक गुण। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स 169, 110839.

सिंह, एम., और गुप्ता, डी.एन (2022). लेजर-निर्मित प्लाज्मा में ऑप्टिकल दूसरी और तीसरी हार्मोनिक विकिरण जेनरेशन। लेजर फिजिक्स, 32(8), 85001.

चौधरी, डी., और महाराणा एस. (2022). एक क्लोज्ड क्लॉकवर्क सिद्धांत: $\mathbb{Z}2$ समता और अधिक। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, (2022)12, 71.

सनीला, एस., विनोदकुमार, ए.एम, बाबू, बी.आर.एस, माधवन, एन., नाथ एस., गहलोत जे., बिस्वास, आर., कुमार, सी., गोनिका, रानी, ए., परिहारी, ए., विश्वकर्मा, डी., नूर, एस., और प्रसाद, ई(2022). कूलम्ब बाधा के नीचे और निकट ऊर्जा पर C12 + डब्ल्यू 182,184,186 अभिक्रियाओं में संलयन अध्ययन। फिजिकल रिव्यु, 106(2), 24614.

लामिछाने, एस., शर्मा, एस., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2022). RRAM उपकरणों के लिए WO_3 पतली फिल्मों की प्रतिरोधी स्विचिंग संपत्ति पर ग्लांसिंग कोण जमाव में भिन्नता का प्रभाव। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 132(13), 134102.

वर्मा, एम., तंवर, ए., हरिदास, डी., महाजन, एस., मेनन, आर., कुमार, एस., और श्रीनिवास, के. (2022). स्ट्रोंटियम बिस्मथ नाइओबेट सिरेमिक के संरचनात्मक, डाईइलेक्ट्रिक और पीज़ोइलेक्ट्रिक गुणों पर कैल्सीनेशन तापमान का प्रभाव। एप्लाइड फिजिक्स ए : मेटेरियल्स साइंस एंड प्रोसेसिंग, 128(9), 793.

दीक्षित, ए., त्रिपाठी, आर.पी, कुमार, एस., अंसारी, एम.ए, और श्रीनिवास, के. (2022). ATR-FTIR और TGA का उपयोग करके मुकुंदपुरा CM चोंड्राइट गिरावट के एक ताजा नमूने में जलीय परिवर्तन की डिग्री की विशेषता। मेट्रोरिटिक्स एंड प्लेनेटेरी साइंस, 57(9), 1628.

गुप्ता, वी., श्रीवास्तव, ए., जैन, आर., शर्मा, वी.के., और कुमार, एल. (2022). ITO-मुक्त प्लास्मोनिक गोल्ड नैनोकणों की सहायता से इनवर्टेड कार्बनिक सौर सेल्स का अनुकूलन और विकास। ऑप्टिकल मेटेरियल्स, 131, 112747.

चटर्जी, एस., मंडल, बी., ..., नीलम, ... (2022). Po 203 की उत्तेजित अवस्थाओं का एकल-कण विन्यास। फिजिकल रिव्यू सी. 106(4), 44329.

वंदना, गुप्ता, आर., टंडन, आर.पी, और तोमर, एम. (2022). सोल-जेल व्युत्पन्न लैंथेनम डोप्ड PZT

मोटी फिल्मों के इलेक्ट्रोकैलोरिक और ऊर्जा भंडारण गुण। मेटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग, 150, 106970.

तुमास्यान, ए., एडम, डब्लू., ..., भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन, एम., ...रंजन, के., ... (2022)। √s=8TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में W बोसोन और एक चार्म क्वार्क के संबंधित उत्पादन का मापन। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 82(12), 1094.

केडिया, ए., सिंघल, आर., और सेंथिल कुमार, पी. (2022). कोलाइडल गोल्ड नैनोस्टार की शेप ट्रिमिंग और एलएसपीआर ट्यूनिंग। केमिकल फिजिक्स लेटर्स, 807, 140101.

अहमद, सी.वी, गुप्ता, आर., चक्रवर्ती, के., स्वामी, डी.के, और वर्मा, पी. (2022). Xeq+-Au और Pb टकराव प्रणालियों का आंतरिक-शेल आयनीकरण: MO चित्र। न्यूक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स एंड मैथेड इन फिजिक्स, सेक्शन बी : बीम इंटरैक्शन्स विथ मेटेरिल्स एंड एटॅम्स, 531, 9.

ज़ागो, एल., गोटार्डो, ए., ..., सिवाल, डी., ... (2022). α-क्षयकारी (18+) आइसोमर के ऊपर 212Po में उच्च-स्पिन स्थिति। फिजिक्स लेटर्स, सेक्शन बी : न्यूक्लियर, इलेमेंटरी पार्टिकल एंड हाई-एनर्जी फिजिक्स, 834, 137457.

दहिया, ए., गुप्ता, के.के, और सिंह एस.एस (2022). गैर-शून्य रासायनिक क्षमता में चुंबकीय PNJL मॉडल की थर्मोडायनामिक मात्रा। प्रमाण- जर्नल ऑफ फिजिक्स, 96(4), 220.

जोशी, आर., गोयल, ए., कुमार, पी., और मोहन, एम. (2022). गोलाकार रूप से सीमित हाइड्रोजन परमाणु के सापेक्ष ऊर्जा सुधार, विभाजन फ़ंक्शन और थर्मोडायनामिक गुणों का सैद्धांतिक विश्लेषण। यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 76(8), 149.

अंजार, एन., सुलेमान, एस., कुमार, आर., रावल, आर., पुंडीर सी.एस, पिलोटन, आर., और नारंग जे. (2022). सिल्वर नैनोकणों के साथ क्रियाशील पेपर-आधारित स्क्रीन-प्रिंटेड इलेक्ट्रोड का उपयोग करके बिलीरुबिन का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर। माइक्रोमशीनें 13(11), 1845.

मोदित्मा, मलिक, आर., रेड्डी, वी.आर, वास, जे.वी, मेडवाल, आर., और अन्नपूर्णी, एस. (2022). पॉलीओल रिडक्शन द्वारा FexCo100-xAloy नैनोकणों का डिज़ाइन किया गया संश्लेषण: संरचनात्मक, रूपात्मक और चुंबकीय गुणों का विकास । आईईईईई ट्रांजेक्शन ऑन मैग्नेटिक्स, 58(8), 2301206.

कुमार, पी., गोयल, ए., और मोहन, एम. (2022). Li-जैसे आयनों के लिए SXR और EUV वर्णक्रमीय रेखाओं की पहचान के साथ विक्षोभ ऊर्जा और विकिरण संबंधी डेटा का सैद्धांतिक अध्ययन। यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 137(11), 1253.

कौशल, एस., चौधरी, ए., और धकाते, एस.आर (2022). अपशिष्ट रबर पाउडर-आधारित लचीले कंपोजिट के विद्युत चुम्बकीय परिरक्षण प्रदर्शन का विश्लेषण। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 33(32), 24434.

कुंडू, आर., नवरेटे, सी., सबोर्डोन, एल., कारबालो-बेल्लो, जेए, फर्नांडीज-ट्रिनकाडो, जे.जी, मिन्निटी, डी., और सिंह, एच.पी (2022). सेजिट्टेरियॅस डॉर्फ गोलाकार आकाशगंगा के गोलाकार समूहों में अतिरिक्त ज्वारीय तारा कंडिडेट्स। एट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, 665, ए8.

शर्मा, ई., गोपीनाथन, एम., सोम, ए., ली, सी.डब्ल्यू, और शेषाद्रि, टी.आर (2022). पृथक आणविक बादलों में कोर अभिविन्यास और चुंबकीय क्षेत्र। मॅन्थली नोटसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 517(1), 1138.

अंसारी, एम.ए, जेम्स, ए.आर, ज़िमिक, के., बोकोलिया, आर., कुंडू, आर.एस, और श्रीनिवास, के. (2022). Sn^{4+} संशोधित $Ba_{1-y}Er_ySn_{0.06}Ti_{0.94}O_3$ बहुकार्यात्मक सिरेमिक के बहुरूपी चरण सीमाओं और विद्युत गुणों पर Er^{3+} डोपेंट का प्रभाव। एप्लाइड फिजिक्स ए : मेटेरियल्स साइंस एंड प्रोसेसिंग, 128(11), 1000.

चौहान, एन., पीटर, ए., सोनी, एस., रावल, आर., और जैन, यू. (2022). पॉली सिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) उपचार में पुनर्योजी दवा के रूप में बायोमटेरियल्स। बायोकेमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 187, 108649.

राव, ए.के, वार्ष्णेय, डी., श्रीवास्तव, आर., और कौर, ए. (2022). इरिडियम धातु आधारित कुशल नवीन त्रिक उत्सर्जक से कमरे का तापमान इलेक्ट्रो-फॉस्फोरेसेंस का एहसास। एप्लाइड फिजिक्स ए : मेटेरियल्स साइंस एंड प्रोसेसिंग, 128(9), 766.

यादव, आई., जैन, एस., जोशी, एस.आर, गोयल, ए., तोमर, एम., गुप्ता, एस., दत्ता, एस., और चटर्जी, आर. (2022). एमईएमएस बोलोमीटर अनुप्रयोगों के लिए नॉनस्टोइकोमेट्रिक टाइटेनियम ऑक्साइड पतली फिल्मों के संरचनात्मक, विद्युत और थर्मल गुण। मेटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर, 148, 106779.

अलनजर, एम.एच, सिन्हा, एन., और कुमार, बी. (2022). ग्राफीन संयोजन के माध्यम से थ्यूलियम डोप्ड ZnO की ऊर्जा संचयन और फेरोइलेक्ट्रिक विशेषता का विकास। मेटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 292, 126848.

तुमास्यान, ए., एडम, डब्लू., ..., भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन एम., ...रंजन के., ... (2022). s=13TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एक जेट और लोरेंत्ज़-बढ़े हुए अनुनाद में क्षय होने वाले उच्च-द्रव्यमान प्रतिध्वनि की खोज करें। फिजिक्स लेटर्स, सेक्शन बी: न्यूक्लियर, इलेमेंट्री पार्टिकल एंड हाई-एनर्जी फिजिक्स, 832, 137263.

सिंह, ए., और गुप्ता, वी. (2022). Li और Nb संशोधित बीएनटी पतली फिल्म के संरचनात्मक और विद्युत गुणों का अध्ययन और कमरे के तापमान के निकट बढ़े हुए इलेक्ट्रोकैलोरिक प्रभाव का अवलोकन। ईसीएस जर्नल ऑफ सॉलिड स्टेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 11(8), 83006.

शर्मा, एम.के, पैसिफ, एस.के.जे, मिरज़ाकुल, एस., और शनीना, जेड. (2022). विशाल न्यूट्रिनो पर अवलोकन संबंधी बाधाओं ने देर से ब्रह्मांडीय त्वरण को प्रेरित किया। फिजिका स्क्रिप्टा, 97(8), 85010.

वर्षा, लाकाल, के., क्रिया, एम., हमदौई, जे.ई, प्रसाद, वी., फेड्डी, ई., लारोज़, डी., पेरेज़, एल.एम, और रामोस, एमईएम (2022). Si मैट्रिक्स में संपुटित डोप्ड SiGe क्वांटम डॉट के रैखिक और गैर-रेखीय ऑप्टिकल गुणों पर जाली विरूपण और संभावित प्रभाव। यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 137(12), 1340.

दास, एस., और सु, आर एस. (2022). सभी पैमानों पर उभरता गुरुत्वाकर्षण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स डी, 31(16), 2250118.

यादव, जी., गुप्ता, आर., शर्मा, ए., और तोमर, एम. (2022). सरफेस प्लास्मोन रेज़ोनेंस तकनीक का उपयोग करके LMBE विकसित c-अक्ष उन्मुख GaN पतली फिल्मों के ऑप्टिकल गुण। ऑप्टिकल मेटेरियल्स, 131, 112603.

ढुल, एन., कौर, जी., जिंदल, के., वर्मा, एम., और तोमर, एम. (2022). माइक्रोफ्लुइडिक्स ने कोर्टिसोल का पता लगाने के लिए NiO आधारित इलेक्ट्रोलाइट-गेटेड FETs को एकीकृत किया। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री बी, 10(44), 9226.

कौर, एस., भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2022)। AlF के साथ इलेक्ट्रॉन की अन्योन्यक्रिया। यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 76(9), 176.

जीनगर, सी., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के (2022). एक कुशल UV फोटोडिटेक्टर की प्राप्ति के लिए पहले सिद्धांतों की गणना के आधार पर γ-In_2Se_3 में आंतरिक बिंदु दोषों का अध्ययन।जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 912, 165197.

राव, ए.के, वार्ष्णेय, डी., और कौर ए. (2022). OLED अनुप्रयोगों के लिए कुशल त्रिक उत्सर्जक के रूप में भारी धातु कॉम्प्लेक्सेस की भूमिका की जांच करना। ऑप्टिकल मेटेरियल्स, 134, 113107.

भारद्वाज, ए., कंबुर, एस.एम, रेजकुबा, एम., मार्कोनी, एम., कैटलन, एम., रिपेपी, वी., और सिंह, एच.पी (2022). धातु-समृद्ध उभार गोलाकार क्लस्टर NGC 6441 में RR Lyrae और टाइप II सेफिड चर के निकट-अवरक्त अवलोकन। एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, 668, ए59.

क्रिया, एम., नौटियाल, वी.वी., लाकाल, के., ईएल हमदौई, जे., पेरेज़, एल.एम, वर्षा, लारोज़, डी., प्रसाद, वी., लॉन्ग, जी., और फेड्डी, ई. (2022). एक बेलनाकार कोर/शेल हेटेरोजंक्शन क्वांटम डॉट के रैखिक और गैर-रेखीय ऑप्टिकल गुणों पर रशबा प्रभाव। फ्रंटियर्स इन फिजिक्स, 10, 942758.

यादव, एस., भट्ट, वी., भट्टाचार्जी, ए.बी, झा, पी.के, और रॉय एस. (2022). डबल क्वांटम डॉट और नॉनलीनियर माध्यम के साथ एम्बेडेड एक ऑप्टोमैकेनिकल सिस्टम की ऑप्टिकल बिस्टैबिलिटी और अवशोषण विशेषता। ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स, 54(12), 781.

देव, के., कौर, आर., वशिष्ठ, जी., सुलानिया, आई., और अन्नपूर्णी, एस. (2022). इलेक्ट्रोडेपोसिटेड Fe-Co-Ni थिन फिल्म्स में मैग्नेटाइजेशन रिवर्सल व्यवहार। आईईईई ट्रांजेक्शन्स ऑन मैग्नेटिक्स, 58(8), 6501207.

काकड़े, पी.एम, कचेरे, ए.आर, सहारे, पी.डी, देशमुख, ए.वी, ढोले, एस.डी, जडकर, एस.आर, और मांडलिक, एन.टी (2022). सोल-जेल विधि द्वारा संश्लेषित Y_2O_3:Eu^{3+} नैनोफॉस्फोर का संरचनात्मक, संरचनागत और ल्यूमिनसेंस अध्ययन। जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 928, 167106.

तुमस्यान, ए., एडम, डब्लू., ..., भारद्वाज, ए., चौधरी, बीसी, ...कुमार, ए., नईमुद्दीन, एम., ...रंजन के., ... (2022). sNN=5.02TeV पर pPb टकरावों में Y अवस्थाओं का परमाणु संशोधन। फिजिक्स लेटर्स, सेक्शन बी: न्यूक्लियर, इलेमेंट्री पार्टिकल एंड हाई-एनर्जी फिजिक्स, 835, 137397.

खरनगढ़, पी.आर, रवींद्र, एन.एम, सिंह, जी., और उमापति, एस. (2022). उच्च प्रदर्शन सुपरकैपेसिटर के लिए Nb-डॉप्ड स्ट्रोंटियम कोबाल्टाइट@ GQD इलेक्ट्रोड का संश्लेषण और लक्षण वर्णन। *जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज*, 55, 105388.

जैन, आर., शर्मा, जे., तिवारी, आई., गद्रे, एस.डी, कुमारसामी, एस., परमानंद, पी., और प्रसाद, ए. (2022). कपूर रिबन के छिटपुट टकराव के कारण एपेरियोडिक गति का उत्पन्न होना। फिजिकल रिव्यू ई, 106(2), 24201.

टम्टा, एस., दहिया, ए., और कुमार, पी.एस (2022). SiO_2@Ag नैनोकम्पोजिट का संशोधित स्टोबर संश्लेषण और उनके संवर्धित अपवर्तक सूचकांक संवेदन अनुप्रयोग। फिजिका बी: कन्डेंस्ड मैटर, 638, 413971.

गुप्ता, डी.एन, योफ़े, एस.आर, जैन, ए., एर्सफ़ेल्ड, बी., और जारोज़िंस्की, डी.ए (2022). तैयार फेज-स्पेस वितरण के साथ प्लाज्मा में तीव्र लेजर दालों का प्रसार। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 12(1), 20368.

अहमद, टी., तोमर, एम., जिंदल, के., और झा, पी.के (2022). Ca-डॉप्ड स्ट्रोंटियम बेरियम नाइओबेट के संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल गुणों को नियंत्रित करने में समन्वय स्थल की भूमिका। फिजिका स्क्रिप्टा, 97(9), 95814.

भारतीय, पी.के, बंगरूवा, एन., और मिश्रा, डी. (2022). एफिसिएंट समग्र जल विभाजन के लिए कम ग्राफीन ऑक्साइड/ Ni फोम पर प्रकाश और चुंबकीय क्षेत्र का सहक्रियात्मक प्रभाव। एमआरएस कम्युनिकेशंस, 12(5), 745.

दास, एस., और सूर, एस. (2022). डार्क मैटर या मजबूत गुरुत्वाकर्षण? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स डी, 31(14), 2242020.

गुप्ता, वी., सिंह, पी., थापा, के.बी, और कुमार, एल. (2022). तरल क्रिस्टल और कोर-शेल नैनोकणों के नैनोकम्पोजिट

के दोष के साथ SiO2 और TiO2 की एक-आयामी आवधिक संरचना में सतह प्लास्मों के युग्मन की सैद्धांतिक जांच। प्लास्मोनिक्स, 17(4), 1791.

भारतीय, पी.के, श्रीवास्तव, एम., और मिश्रा, डी.(2022). जल विभाजन अनुप्रयोग के लिए सिस्टीन लेपित द्वि-कार्यात्मक Au-Ni बाइलेयर पतली फिल्म डिवाइस का चिरल-प्रेरित संवर्धित इलेक्ट्रोकैटलिटिक व्यवहार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 47(100), 42160.

चौधरी, वी., गौतम, ए., सिलोटिया, पी., मलिक, एस., डी ओलिवेरा हैनसेन आर., खालिद, एम., खोसला, ए., कौशिक, ए., और मिश्रा वाई.के (2022). हवाई स्वास्थ्य संबंधी खतरों से निपटने के लिए इंटरनेट-ऑफ-नैनो-थिंग्स (IoNT) संचालित इंटेलिजेंट फेस मास्क। मेटेरियल्स टुडे, 60, 201.

शर्मा, पी., जैन सी., और दत्ता, ए. (2022). सुजाकु के साथ LMXB 2S 0921-63 का ब्रॉड-बैंड स्पेक्ट्रल विश्लेषण। *मॅथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी*, 517(1), 825.

अहमद, ए., कुमार, ए., नईमुद्दीन, एमडी., बबिज, एम., और बिलोव्का, पी. (2022). GEM डिटेक्टर की योग्यता और इमेजिंग के लिए इसका अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन, 17* (4), पी04002.

तुमास्यान, ए., एडम, डब्ल्यू...., भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी,... कुमार, ए., नईमुद्दीन, एम., रंजन, के., और... (2022). s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में डब्ल्यू बोसोन क्षय शाखा अंशों का सटीक माप। *फिजिकल रिव्यु डी*, 105(7), 72008.

होर, ए.ए, यादव, एन., और हाशमी, एस.ए (2022). उच्च-ऊर्जा-घनत्व 3.5 v कार्बन सुपरकैपेसिटर आयनिक-लिक्विड-इनकॉर्पोरेटेड रेडॉक्स-एक्टिव जेल पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट के साथ निर्मित। *एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स*, 5(6), 7627.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... . (2022). एक वेक्टर-जैसे T क्वार्क के एकल उत्पादन की खोज करें जो जेट के साथ अंतिम अवस्था में एक शीर्ष क्वार्क और एक Z बोसॉन में क्षय हो रहा है और √s = 13 TeV पर अनुप्रस्थ गति गायब है। *जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स*, 2022(5), 93.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बीसी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). s =13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में Z+b जेट के लिए उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन। *फिजिकल रिव्यू डी*, 105(9), 92014.

कुमार, ए., जमदेग्नि, एम., और कौर, ए. (2022). ऊर्जा-बचत स्मार्ट विंडो एप्लिकेशन के लिए ग्राफीन क्वांटम डॉट्स कार्यात्मक वायोलोजेन के आधार पर सहायक इलेक्ट्रोलाइट मुक्त इलेक्ट्रोक्रोमिक उपकरणों के इलेक्ट्रोक्रोमिक व्यवहार का अध्ययन। *सिंथेटिक मेटल्स*, 287, 117084.

आशानुज्जमन, एस., चौधरी, डी., और घोष, के. (2022). 13 TeV LHC पर दो या तीन लेप्टान और फैट-जेट्स के साथ अंतिम अवस्था में इतर(एक्सॉटिक) लेप्टान की खोज करें। *जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स*, 2022(4), 150.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s=13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में Z($\nu\bar{\nu}$)V($q\bar{q}'$) तक घटने वाली भारी अनुनादों की खोज करें। *फिजिकल रिव्यू डी*, 106(1), 12004.

जोशी, ए., पांडे, जे.सी., रावत, एन., राज, ए., वांग, डब्ल्यू., और सिंह, एच.पी (2022). दो प्रलयकारी(केटेक्लायस्मिक) चरों का ऑप्टिकल लक्षण वर्णन: RBS 0490 और SDSS J075939.79+191417.3. *एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल*, 163(5), 221.

यादव, जी., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी., और तोमर, एम. (2022). सरफेस प्लास्मोन रेजोनेंस तकनीक का उपयोग करके लेजर MBE विकसित InGaN/GaN क्वांटम वेल संरचना का ऑप्टिकल परिरोध(कॅनफाइनमेंट) अध्ययन। *प्लास्मोनिक्स*, 17(2), 869.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). ZZ या ZW में विघटित होने वाले भारी अनुनादों और √s = 13 TeV पर गैर-अनुनाद ZZ या ZH उत्पादन में मध्यस्थता करने वाले अक्षीय कणों की खोज करें। *जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स*, 2022(4), 87.

सिरुनियन, ए.एम; तुमास्यान, ए.; ...; भारद्वाज, ए.; चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...; रंजन के.; ... (2022). इरेटॅम टू : s NN = 5.02 TeV पर pPb टकराव में प्रोटॉन से विशेष Υ फोटोप्रोडक्शन का मापन। *यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी*, 82(4), 343.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s=13TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में हिग्स बोसोन क्षय में चार-लेप्टान अंतिम अवस्था में कम द्रव्यमान वाले डिलेप्टन अनुनादों की खोज करें। *यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी*, 82(4), 290.

यादव, जी., दीवान, एस., और तोमर, एम. (2022). लेजर MBE तकनीक का उपयोग करके InGaN/GaN QW आधारित पिन और इनवर्टेड p-i-n जंक्शन आधारित लघु-तरंग दैर्ध्य एलईडी डिवाइस का इलेक्ट्रोल्यूमिनेशन अध्ययन। *ऑप्टिकल मेटेरियल्स*, 126, 112149.

गंभीर, एम., यादव, वी., और प्रसाद वी. (2022). एक स्थैतिक चुंबकीय क्षेत्र में एक्सिटोनिक प्रभावों के साथ मिलकर एक परवलयिक क्वांटम डॉट में दबाव और तापमान पर निर्भर ईआईटी अध्ययन। *प्रमाण - जर्नल ऑफ फिजिक्स*, 96(2), 81.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में तीन डब्ल्यू बोसॉन में क्षय होने वाली अनुनादों की खोज करें। *फिजिकल रिव्यू*, 129(2), 21802.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). शीर्ष क्वार्क उत्पादन में चार्ज-लेप्टन स्वाद उल्लंघन और √s = 13 TeV पर pp टकराव में क्षय की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(6), 82.

शर्मा, पी., जैन, सी., और दत्ता, ए. (2022). HMXB GRO J1750-27 में साइक्लोट्रॉन और संकीर्ण Fe Kαलाइनों की खोज। मॅथली नोटिसेस ऑफ रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी: लेटर्स, 513(1), एल94.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). [प्रस्तुत सूत्र] TeV पर PbPb टकरावों में Bs0 मेसॉन का अवलोकन और Bs0/B+ उपज अनुपात का माप। फिजिक्स लेटर्स, सेक्शन बी : न्यूक्लियर, इलेमेंट्री पार्टिकल एंड हाई एनर्जी फिजिक्स, 829, 137062.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). दो या तीन सॉफ्ट लेप्टान और √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटॅम के साथ अंतिम अवस्था में सुपरसिमेट्री की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(4), 91.

कुमार, पी., सिंह, एन., कुमार, पी., और वर्मा, वी. (2022)। नैनोकम्पोजिट आधारित जलविद्युत सेल: कार्य सिद्धांत और हरित विद्युत ऊर्जा का उत्पादन। अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार , 141, 109515।

लकाल, के., क्रिया, एम., ईएल हमदौई जे., वर्षा., प्रसाद, वी., नौटियाल, वी.वी., वी.वी., एल-याद्री एम., पेरेज़, एल.एम, लारोज़, डी., और फ़ेड्डी, ई. (2022). रशबा स्पिन-ऑर्बिट युग्मन के साथ 2डी सिस्टम में इलेक्ट्रॉन-इलेक्ट्रॉन के चुंबकीयकरण और थर्मोडायनामिक गुणों पर पोलरोनिक सुधार। जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 551, 169042.

यादव, जे., सफ़वान, सी.पी, भट्ट, पी., कुमारी, पी., कुमार, ए., और राजपूत, जे. (2022). त्रिगुणित एसिटिलीन में हाइड्रोजन का माइग्रेन। जर्नल ऑफ केमिकल फिजिक्स, 156(14), 141101.

कुमारसामी, एस., श्रीनिवासन, एस., गोगोई, पी.बी., और प्रसाद, ए. (2022). टाइम-डिपेंडट अंतःक्रियाओं के साथ युग्मित प्रणालियों में चरम घटनाओं का उद्भव। नॉनलीनियर साइंस और न्यूमेरिकल सिमुलेशन में संचार, 107, 106170.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). डिलेप्टन चैनल में समावेशी और विभेदक $t\bar{t}\gamma$ क्रॉस सेक्शन का मापन और $\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में प्रभावी क्षेत्र सिद्धांत की व्याख्या। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2022(5), 91.

गुप्ता जी.; और रथ एस. (2022). हरित-संश्लेषित वर्टज़ाइट-चरण ZnMgO नैनोपाउडर और उनके दोष-मध्यस्थ लौहचुंबकत्व की सूक्ष्म संरचनात्मक जांच। मेटेरियल्स रिसर्ज बुलेटिन , 148, 111671।

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). $\sqrt{s}$ = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दाएं हाथ के डब्ल्यू बोसोन और भारी न्यूट्रिनो की खोज करना। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(4), 47.

भट, एम.वाय, और हाशमी, एस.ए (2022). पॉली (विनाइलिडीन फ्लोराइड-सह-हेक्साफ्लोरोप्रोपाइलीन) में स्थिर गैर-आयनिक और कार्बनिक आयनिक प्लास्टिक क्रिस्टल का मिश्रण: उच्च प्रदर्शन कार्बन सुपरकैपेसिटर के लिए एक लचीली जेल पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट संरचना। जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज, 51, 104514.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). एक गहरे तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके हैड्रोनिक ताऊ लेप्टान क्षय की पहचान, जर्नल ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन, 17(7), पी07023.

गारकोटी, पी., लूथरा, एम., गोस्वामी, के., भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2022). इलेक्ट्रॉन-प्रभाव आयनीकरण के कारण एकल विभेदक क्रॉस सेक्शन की गणना के लिए बाइनरी-एनकाउंटर-बेथे मॉडल। एटॅम्स, 10(2), 60.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; .... (2022). s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में वेक्टर बोसॉन संलयन के माध्यम से उत्पादित हिग्स बोसोन के अदृश्य क्षय की खोज करें। फिजिकल रिव्यू, 105(9), 92007.

दहिया, ए., और कुमार, पी.एस (2022). PVP और ऑक्सीकरण के साथ सतह कोटिंग के एक कार्य के रूप में अल नैनोस्ट्रक्चर में बहुध्रुवीय व्यवहार की इलेक्ट्रॉन ऊर्जा-हानि स्पेक्ट्रोस्कोपी जांच। मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस, 31, 103668.

शंकरन, एस.एस, धनसेकरन, आर., कुमार, बी., दुरईराजन, ए., वैलेंटे, एम.ए, और देवराज, स्टीफन एल. (2022). 'Nd' DOPED NBT-BT (0.94(Na0.5Bi0.5tio3)-0.06batio3) रिलैक्सर फेरोइलेक्ट्रिक सिंगल क्रिस्टल के विकास, ऑप्टिकल और ढांकता हुआ गुणों पर अध्ययन। *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोसेरामिक्स*, 48(3), 143.

कुमार, एस., शुक्ला, ए.के., और श्रीनिवास, के. (2022). मैग्नीशियम फेराइट (MgFe2O4) सिरेमिक में ओवरलैपिंग लार्ज पोलारोन टनलिंग (ओएलपीटी) प्रकार का चालन तंत्र। एप्लाइड फिजिक्स ए : मेटेरियल्स साइंस एंड प्रोसेसिंग, 128(5), 381.

पांडे, वी., अदीबा, ए., अहमद, टी., नेहला, पी., और मुंजाल, एस. (2022). Al/Mn3O4/FTO RRAM डिवाइस में फॉर्मिंग-मुक्त द्विध्रुवी प्रतिरोधक स्विचिंग विशेषताएँ। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 165, 110689.

आरती., गुप्ता, आर., सिंह, एस.पी, वालिया, आर., कुमार, वी., और वर्मा, वी. (2022). बैंड-गैप और फेरोइलेक्ट्रिक गुणों को समायोजित करके बिस्मथ फेराइट्स के फोटोवोल्टिक और फोटोकैटलिटिक गुणों में संशोधन। जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 908, 164602.

डे पी.; नेगी डी.; ...; कुमार एस.; ...; नीलम; .... (2022). Zr 90 में हाई-स्पिन राज्यों की प्रायोगिक जांच। फिजिकल रिव्यू सी , 105(4), 44307.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). B0 → ψ(2S)K0Sπ+π− और B0S → ψ(2S)K0S के क्षय का अवलोकन। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 82(5), 499.

नूर, एस., कलकल, एस., गुरोन, बी.के., माधवन, एन., नाथ, एस., गहलोत, जे., गोनिका., बिस्वास, आर., कुमार, सी., रानी, ए., और परिहारी, ए. (2022)। कूलम्ब बाधा के आसपास ऊर्जा पर 64, 68 Zn के साथ 19 एफ की अभिक्रिया में चैनल युग्मन प्रभाव। यूरोपियन फिजिकल जर्नल ए, 58(7), 129.

कुमार, एन., नोमुरा, टी., और ओकाडा, एच. (2022). म्यूऑन जी-2, स्वाद भौतिकी और संभावित कोलाइडर सिंगनेचर को समझाने के लिए स्थानीय यू(1)μ-τ के साथ एक बहु-आवेशित कण मॉडल** इस शोध को विज्ञान और प्रौद्योगिकी कोरियाई सरकार का प्रमोशन फंड और लॉटरी फंडके माध्यम से

एपीसीटीपी में जेआरजी कार्यक्रम में नियुक्ति द्वारा समर्थित किया गया था। । चाइनीज फिजिक्स, 46(4), 43106.

अलनजर, एम.एच, और कुमार, बी. (2022). विभिन्न अभिक्रिया तंत्रों में तैयार किए गए Ce/Nd दोहरे डोप्ड ZnO नैनोस्ट्रक्चर के Di-/फेरो-इलेक्ट्रिक और ऑप्टिकल गुणों पर तुलनात्मक जांच। फिजिका ई: लो-डायमेंशनल सिस्टम और नैनोस्ट्रक्चर, 139, 115110.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). लेप्टान और √s = 13 TeV पर बॉटम क्वार्क जोड़ी के साथ अंतिम अवस्था में लोरेंत्ज़-बूस्टेड हिग्स बोसोन की एक जोड़ी में क्षय होने वाली भारी अनुनादों की खोज करना। *जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स*, 2022(5), 5.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s = 13 TeV पर pp टकरावों में समावेशी और विभेदक WZ उत्पादन क्रॉस सेक्शन, ध्रुवीकरण कोण और ट्रिपल गेज कपलिंग का मापन। *जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स*, 2022(7), 32.

देब, एन.के; कलिता, के.; ...; परिहारी, ए.; .... (2022)। बैरियर ऊर्जाओं के निकट O + Ni संलयन क्रॉस सेक्शन पर समस्थानिक निर्भरता की जांच। *फिजिकल रिव्यू* सी, 105(5), 54608.

परवीन, एस., सहरावत, पी., और हाशमी, एस.ए (2022). ट्राइग्लिम-आधारित सॉल्वेट आयनिक तरल को एक पॉलिमर में मिलाया जाता है: सोडियम आयन बैटरी के लिए एक नवीन इलेक्ट्रोलाइट संरचना। मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशंस, 31, 103392.

चक्रवर्ती, आई., रॉय, एच., और श्रीवास्तव, टी. (2022). (2,2) व्युत्क्रम सी-सॉ अहसास में गुंजयमान लेप्टोजेनेसिस। न्यूक्लियर फिजिक्स बी, 979, 115780.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). लेप्टान में नई भौतिकी की खोज करें और √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में ट्रांजवर्स मोमेंटम की अंतिम स्थिति मिसिंग है। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2022(7), 67.

दत्ता, एस., गोयल, ए., कुमार, एम., और स्वैन, ए.के (2022). ई-पी कोलाइडर पर $h\tau\tau^{-}$ कपलिंग की सी.पी प्रकृति को मापना। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 82(6), 530.

गोस्वामी, के., लूथरा, एम., अरोड़ा, ए.के, भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल (2022). इलेक्ट्रॉन 1-ब्यूटेनॉल के आंशिक आयनीकरण क्रॉस सेक्शन को प्रभावित करता है। यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 76(5), 97.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). sNN =5.02 TeV पर Pb-Pb और pp टकराव में Bc+ मेसन का अवलोकन और इसके परमाणु संशोधन कारक का मापन। फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 128(25), 252301.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बीसी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में हैड्रोनिक अंतिम अवस्था में तीन W बोसॉन में क्षय होने वाली प्रतिध्वनि की खोज करें। *फिजिकल रिव्यू लेटर्स डी*, 106(1), 12002.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s = 5.02 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में समावेशी $t\bar{t}$ उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स , 2022(4), 144. रॉय, आई., कृष्णन, एस., काबाशिन, ए.वी, ज़ेवेस्टोव्स्काया, आई.एन, और प्रसाद, पी.एन (2022). नैनोरेडियोफार्मास्यूटिकल्स के साथ न्यूक्लियर मेडिसिन को बदलना। एसीएस नैनो, 16(4), 5036.

सिरुनियन, ए.एम; तुमास्यान, ए.; ...; भारद्वाज, ए.; चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...; रंजन के.; ... (2022). इर्रेटम टू: s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव और डार्क मैटर और अन्य मॉडलों पर बाधाओं का उपयोग करके डिजेट कोणीय वितरण में नई भौतिकी की खोज करना। यूरोपियन फिजिकल जर्नल, 82(4), 379.

दहिया, ए., गुप्ता, के.के, और सिंह, एस.एस (2022). परिमित रासायनिक क्षमता में चुंबकीय PNJL मॉडल की स्थिति का समीकरण। फिजिक्स ऑफ पार्टिकल्स एंड न्यूक्लि, 53(2), 354.

कुमारी, एम., जिंदल, के., तोमर, एम., और झा, पी.के (2022). BiCoO3 के इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय गुणों को ट्यून करने में रिक्तियों की भूमिका। फिजिका स्क्रिप्टा, 97(7), 75819.

डावरा, डी., डिमरी, एम., सिंह, ए.के, झा, ए.के.एस, पांडे, आर.के, और मोहन, एम. (2022). पब्लिशर्स कोरेक्शन टू : Ni XVIII आयन की ग्राउंड और निम्नतम दो उत्तेजित अवस्थाओं के लिए फोटोआयनीकरण क्रॉस सेक्शन की सैद्धांतिक गणना। यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 76(5), 74.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में हिग्स बोसोन और τ लेप्टान के बीच युकावा युग्मन की सीपी संरचना का विश्लेषण। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2022(6), 12.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दृढ़ता से युग्मित डार्क मैटर के गुंजयमान(रेजोनेंट) उत्पादन की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(6), 156.

कक्कड़, ए., और सरकार, एस. (2022). AdS में स्केलर के विभाजन कार्यों और चरणों पर। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(7), 89.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). s =13 TeV पर नई परिघटनाओं की समावेशी गैर-गुंजयमान(नॉनरेजोनेंट) मल्टीलेप्टन जांच। शारीरिक समीक्षा डी, 105(11), 112007.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दो हिग्स बोसॉन में क्षय होने वाले हिग्सिनो और गायब अनुप्रस्थ(ट्रांजवर्स) गति की खोज करें। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2022(5), 14.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s = 13 TeV पर लेप्टान+जेट्स की अंतिम अवस्था में एक शीर्ष क्वार्क और एक W बोसोन में विघटित होने वाली भारी अनुनाद(रेजोनेंस) की खोज करना। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(4), 48.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में टैग किए गए प्रोटॉन के साथ उच्च द्रव्यमान पर विशेष डिफोटॉन उत्पादन के लिए पहली खोज। फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 129(1), 11801.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s =13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में विस्थापित शीर्षों वाले लंबे समय तक जीवित रहने वाले भारी तटस्थ लेप्टान की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(7), 81.

बोरकर, एच., गायकवाड़, वी.एम, चौधरी, आर.जे, तोमर, एम., गुप्ता, वी., और कुमार, ए. (2022). अमानवीय रूप से तनावग्रस्त मल्टीफ़ेरिक्स कंपोजिट पर फ्लेक्सोमैग्नेटिक प्रभाव। जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स, 553, 169274.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में चारगिनो और न्यूट्रलिनो के इलेक्ट्रोवीक उत्पादन की खोज करना। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(4), 147.

प्रकाश, एस., कुमार, आर., गुप्ता, ए., चौधरी, ए., चंडालिया, वी.के, डैश, पी.एस, गुरुनाथन, पी., रमेशा, के., कुमारी, एस., और धकाते, एस.आर (2022). ली-आयन बैटरियों के लिए उच्च प्रदर्शन वाले कार्बन एनोड के रूप में कोयला टार से गोलाकार ग्रेफाइट विकसित करने की एक प्रक्रिया। मेटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 281, 125836.

जोशी, एच., नाजा, एम., श्रीवास्तव, पी., गुप्ता, टी., गोगोई, एम.एम, और सुरेश, बाबू एस. (2022). मध्य हिमालय पर ब्लैक कार्बन और एयरोसोल ऑप्टिकल गहराई में दीर्घकालिक रुझान: संभावित कारण और प्रभाव। फ्रंटियर्स इन अर्थ साइंस, 10, 851444.

जैन, एस., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी., और तोमर, एम. (2022). ट्यून करने योग्य SiO2 सेंसिंग मैट्रिक्स के साथ स्मार्टफोन एकीकृत हैंडहेल्ड लॉन्ग रेंज सरफेस प्लास्मोन रेजोनेंस आधारित फाइबर-ऑप्टिक बायोसेंसर। बायोसेंसर और बायोइलेक्ट्रॉनिक्स, 201, 113919.

गोस्वामी, के., लूथरा, एम., अरोड़ा, ए.के, भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल (2022). 5 के.वी तक एसिटिलीन के इलेक्ट्रॉन-प्रभाव क्रॉस सेक्शन। यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 76(5), 94.

दत्ता, एस., और सैनी, एल.के (2022). हेवी-क्वार्क और ग्लूओनफिलिक वास्तविक डार्क मैटर को सीमित करना। फिजिकल रिव्यू डी, 106(1), 15026.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022). एक समर्पित उच्च दर डेटा स्ट्रीम के साथ एकत्र किए गए √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में म्यूऑन जोड़े में क्षय होने वाले लंबे समय तक जीवित रहने वाले कणों की खोज करना। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स , 2022(4), 62.

ठाकुर, एस., दास, सी., और चंद्रा, एस. (2022). पार्श्व गड़बड़ी के साथ चार घटक घने मैग्नेटोप्लाज्मा में स्थिर संरचनाएं। आईईईई ट्रांजेक्शन्स ऑन प्लाज्मा विज्ञान पर, 50(6), 1545.

सिरुनियन, ए.एम; तुमास्यान, ए.; ...; भारद्वाज, ए.; चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...; रंजन के.; ... (2022)। इरेटम टू: s = 13 टीवी पर pp टकराव का उपयोग करके लेप्टान+जेट अंतिम अवस्था के साथ शीर्ष क्वार्क द्रव्यमान का मापन। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 82(4), 323.

लियू, एक्स., पंगुलुरी, आर.पी, मुखर्जी, आर., मिश्रा, डी., पोखरेल, एस., शूमेकर, डी.पी, हुआंग जेड.एफ, और नाडगॉर्नी, बी. (2022)। फेरोमैग्नेट-सुपरकंडक्टर-इंसुलेटर नैनोकम्पोजिट में अंतःस्राव, पैकिंग घनत्व और मैग्नेटोरेसिस्टिव गुणों पर नैनोकणों का ज्यामितीय प्रभाव। फिजिकल रिव्यू बी, 106(22), 224417.

बोस, एस., सिन्हा, ए., मुंजाल, एस., कुमार, वाई., और घोष, एस. (2022)। चुंबकीय क्षेत्र ने अल्ट्राफाइन गोलाकार CoFe2O4 नैनोकणों के डोप्ड 7CB मीडिया की एक प्रणाली में फ्रेडरिक्सज़ संक्रमण को प्रेरित किया। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, 368, 120688.

लूथरा, एम., गोस्वामी, के., अरोड़ा, ए.के, भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल (2022)। थ्रेसहोल्ड से 5 केवी तक मीथेन, पानी और नाइट्रोमेथेन के इलेक्ट्रॉन-प्रभाव आंशिक आयनीकरण क्रॉस-सेक्शन की गणना करने के लिए मास स्पेक्ट्रोमेट्री-आधारित दृष्टिकोण। एटॅम्स, 10(3), 74.

एसेरो, एम.ए, एडमसन, पी., और चौधरी बी.सी (2022)। नोवा प्रयोग द्वारा न्यूट्रिनो दोलन मापदंडों का बेहतर माप। फिजिकल रिव्यू डी, 106(3), 32004.

भट्ट, वी., यादव, एस., झा, पी.के., और भट्टाचार्जी, ए.बी (2022)। एक नॉनलाइनियर फोटोनिक क्रिस्टल कैविटी के अंदर एक डबल क्वांटम डॉट अणु में ऑप्टिकल अभिक्रिया। फोटोनिक्स और नैनोस्ट्रक्चर - फंडामेंटल्स एंड एप्लीकेशन्स, 51, 101043.

भट्टाचार्य, एस., त्रिवेदी, टी., और कुमार, एस. (2022)। विषम- A Br38 3573 नाभिक में प्रोलेट-ओब्लेट आकार के सह-अस्तित्व के लिए साक्ष्य। फिजिकल रिव्यू सी, 106(4), 44312.

मलिक, जी.पी, और वर्मा, वी.एस (2022)। संपीड़ित हाइड्रोजन सल्फाइड के तापमान और चुंबकीय क्षेत्र-निर्भर महत्वपूर्ण वर्तमान घनत्व पर। जर्नल ऑफ सुपरकंडक्टिविटी एंड नॉवेल मैग्नेटिज्म, 35(11), 3119.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022)। s =13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दो फोटॉनों के साथ फाइनल स्टेट्स राज्यों में शीर्ष क्वार्क और हिग्स बोसोन के स्वाद-परिवर्तनशील तटस्थ वर्तमान इंटरैक्शन की खोज करना। फिजिकल रिव्यू सी, 129(3), 32001.

कुमार, पी., कुमार, एस., आरती, सिंह, ए., सिंह, एन., और वर्मा, वी. (2022)। क्षार (Na, K) डोप्ड SnO2: ऑक्साइड आधारित सिरेमिक जलविद्युत कोशिकाओं के बिजली उत्पादन पर सूक्ष्म संरचना की भूमिका पर एक जांच। इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्यूनिकेशन्स, 146, 110115.

जैन, एस., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी., और तोमर, एम. (2022)। GLAD सहायता प्राप्त RF स्पटरिंग तकनीक का उपयोग करके विकसित नैनोसंरचित SiO2 फिल्मों का SPR आधारित अपवर्तक सूचकांक मॉड्यूलेशन। सर्फेस एंड इंटरफेसस, 34, 102355.

कुमार, के., और प्रसाद, वी. (2022)। रिडबर्ग परमाणुओं से संबंधित कुछ सामान्यीकृत एंट्रोपिक संबंध। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 12(1), 7496.

तरफ़दार, पी., नोबल्सन, के., और बत्रा, एन.डी (2022)। भारतीय पल्सर टाइमिंग ऐरे: पहला डेटा रिलीज़। पब्लिकेशन ऑफ द एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया, 39, ई053.

गोयल, ए., खोजली, एम.ओ, कुमार, एम., और कॉर्नेल, ए.एस (2022)। न्यूट्रिनो विशिष्ट स्पिन-3/2 डार्क मैटर। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 82(11), 1002.

गोस्वामी, के., लूथरा, एम., भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2022)। इलेक्ट्रॉन प्रभाव के कारण टंगस्टन हेक्साफ्लोराइड का आंशिक आयनीकरण क्रॉस सेक्शन। एटॅम्स, 10(4), 101.

अरुण, एम.टी, और चौधरी, डी. (2022)। छह आयामों से न्यूट्रॉन दोलन और बैरियोजेनेसिस। फिजिकल रिव्यू डी, 106(3), 42003.

तिवारी, एस.पी, और बेदी, पी.के.जी (2022)। रोडियम में अतिचालकता का अध्ययन, प्रमाण - जर्नल ऑफ फिजिक्स, 96(3), 143.

चौधरी, डी., डेका, के., महाराणा, एस., और सैनी, एल.के (2022)। (जी-2)μ और फ्लेवर ऑब्जर्वेबल्स की तुलना में असामान्य गेज कपलिंग। फिजिकल रिव्यू डी, 106(11), 115026.

वर्षा, गिरी, आर., अरोड़ा, एम., और प्रसाद, वी. (2022)। चुंबकीय क्षेत्र के तहत क्रैटज़र क्षमता के साथ एक गोलाकार क्वांटम डॉट में सीमित वानियर-मॉट एक्सिटॉन के ऑप्टिकल गुणों पर हाइड्रोजेनिक अशुद्धता प्रभाव। रेविस्टा मेक्सिकाना डे फिसिका, 68(5), 50504.

भुइयां, गोगोई, पी., कुमारसामी, एस., प्रसाद, ए., और रामास्वामी, आर. (2022)। समानता-निर्भर युग्मन के साथ गैर-रेखीय ऑसिलेटर्स में अमानवीय सीमा चक्रों से दोलन डेथ तक संक्रमण। केऍस, 32(11), 113138.

जोशी, बी.सी, गोपाकुमार, ए., और बत्रा, एन.डी (2022)। SKA युग के दौरान नैनोहर्ट्ज़ गुरुत्वाकर्षण तरंग खगोल विज्ञान: एक InPTA परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी , 43(2), 98।

सिंह, आर., अलशाघदाली, के., सईद, ए., कौसर, एम.ए, अल्दखिल, एफ.एम, अनवर, एस., मिश्रा, डी., और श्रीवास्तव, एम. (2022)। ग्राफीन और उसके डेरिवेटिव के उत्पादन के लिए माइक्रोबियल-इंजीनियरिंग की संभावनाएं: कैंसर थेरानोस्टिक्स के लिए नैनोसिस्टम डिजाइन करने के लिए आवेदन। *सेमीनार इन कैंसर कैंसर बॉयोलॉजी*, 86, 885.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022)। √s = 13 TeV पर ऑल-जेट्स फाइनल अवस्था में एक वेक्टर-जैसे क्वार्क और एक शीर्ष या बॉटम क्वार्क में क्षय होने वाले W' बोसोन की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फ़िज़िक्स, 2022(9), 88.

दहिया, ए., वर्मा, एम., और कुमार, पी.एस (2022)। गोल्ड-कॉपर बाईमेटेलिक मिश्र धातु नैनोकणों के प्लास्मोनिक अनुप्रयोग। प्लास्मोनिक्स, 17(5), 2173.

चंचल, जिंदल, के., पांडे, ए., तोमर, एम., और झा, पी.के (2022)। उच्च प्रदर्शन स्व-संचालित UV फोटोडिटेक्टर के लिए PLD तकनीक का उपयोग करके In2Se3 पतली फिल्मों का चरण-परिभाषित विकास। एप्लाइड सर्फेस साइंस, 595, 153505.

रानी, ए., मंडल, एस., चक्रवर्ती, के., गुप्ता, आर., अहमद, सी.वी., परिहारी, ए., विश्वकर्मा, डी., खंडेलवाल, पी., रावत, पी.एस, शेरपा, पी., और कुमार, एस. (2022)। उप-अवरोध संलयन वृद्धि में बहु-न्यूट्रॉन स्थानांतरण और अकुशल उत्तेजनाओं के बीच सहसंबंध की जांच करना। फिजिकल रिव्यू सी, 106(6), 64606.

भट्ट, वी., यादव, एस., झा, पी.के., और भट्टाचार्जी, ए.बी (2022)। युग्मित डबल क्वांटम डॉट युक्त केर-नॉनलाइनियर ऑप्टिकल सिस्टम में सामान्य मोड विभाजन और चार-तरंग मिश्रण। जर्नल ऑफ ऑप्टिक्स (यूनाइटेड किंगडम), 24(9), 95501.

रॉय, एम., मंडल, एस., हेन्स, सी., प्रसाद, ए., कुज़नेत्सोव, एन.वी, और श्रीमाली, एम.डी (2022)। इको स्टेट नेटवर्क का उपयोग करके बहुस्थिरता की मॉडल-मुक्त भविष्यवाणी। केऑस, 32(10), 101104.

कुमार, आर., सिन्हा, एन., यादव, एच., और कुमार, बी. (2022)। ट्राइग्लिसिन सल्फेट एकल क्रिस्टल में ज़ाइलेनॉल ऑरेंज डाई के पिरामिड पैटर्न का हिर्शफेल्ड सतह, नक़्क़ाशी, यांत्रिक और विद्युत वृद्धि विश्लेषण। जर्नल ऑफ सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री, 315, 123498.

तुमास्यान, ए.; एडम, डब्ल्यू.; ...; भारद्वाज, ए., चौधरी, बी.सी; ...कुमार, ए.; नईमुद्दीन एम.; ...रंजन के.; ... (2022)। s=13TeV पर फाइनल स्टेट में चार b क्वार्क के साथ विस्तारित हिग्स सेक्टर में नए कणों की खोज करें। फिजिक्स लेटर्स, सेक्शन बी: इलेमेंट्री पार्टिकल एंड हाई एनर्जी फिजिक्स, 835, 137566.

खुराना, एस., और चंद्रा, ए. (2022)। लचीले ठोस इलेक्ट्रोलाइट्स के गुणों को बढ़ाने में संशोधित सिलिका नैनोकणों की भूमिका। *इलेक्ट्रोचिमिका एक्टा*, 432, 141197.

सम्मेलन की कार्यवाही/पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

मिश्रा, डी. (2023). पेरोव्स्काइट-आधारित सामग्रियों के बायोमेडिकल अनुप्रयोग, पेरोव्स्काइट धातु ऑक्साइड: संश्लेषण, गुण और अनुप्रयोग । एल्सेवियर, 367-393.

चौहान, वी., वशिष्ठ, जी., गुप्ता, डी., कुमार, एस., और कुमार, आर. (2023). फेराइट पतली फिल्मों का एटॉमिक परत जमाव, फेराइट नैनोसंरचित चुंबकीय सामग्री: प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग । एल्सेवियर, 267-292.

नाथावत, आर., राठौड़, एस.एस, खरनगढ़, पी.आर, देवी, आर., और कुमारी, ए. (2023). कार्बन-आधारित नैनोकम्पोजिट, कार्बन नैनोमटेरियल्स और उनके नैनोकम्पोजिट-आधारित केमिरेसिस्टिव गैस सेंसर का संश्लेषण और अनुप्रयोग : अनुप्रयोग, संविरचन और व्यावसायीकरण। एल्सेवियर, 169-203.

चौहान, वी., सरन, एम., यादव, जे., और कुमार, आर. (2023). उच्च-प्रदर्शन धातु नैनोकम्पोजिट, नैनोकण प्रबलित धातु नैनोकम्पोजिट के विकास के तरीके : यांत्रिक प्रदर्शन और स्थायित्व। स्प्रिंगर नेचर, 89-126.

कुमार, टी., रथ, एस., और भट्टाचार्जी, ए.बी (2023). एक फोटोनिक क्रिस्टल नैनोकैविटी में डबल नाइट्रोजन-रिक्ति केंद्र की गतिशीलता: ऑप्टिकल बिस्टेबिलिटी और फोर-वेव मिक्सिंग। इन: खान, जेड.एच, जैक्सन, एम., सलाह, एन.ए (संस्करण)। नैनोटेक्नोलॉजी में हालिया प्रगति। ICNOC 2022. स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन मैटेरियल्स, वॉल्यूम 28, 439-449, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

शर्मा, एस., पालीवाल, ए., कुमार, पी., और सक्सेना, एन. (2023). II-VI सेमीकंडक्टर-आधारित ऑप्टिकल गैस सेंसर। इन: कोरोटसेनकोव, जी. (संस्करण) II-VI सेमीकंडक्टर-आधारित सेंसर और विकिरण डिटेक्टरों की हैंडबुक। स्प्रिंगर, चाम, 307-333.

खरनगढ़, पीआर, रावल, आर., सिंह, एस., और भारद्वाज, पी. (2023). *ऊर्जा-संबंधित अनुप्रयोगों के लिए ल्यूमिनसेंट ग्राफीन क्वांटम डॉट्स की हालिया प्रगति।* इन: ग्रेस, ए.एन, सोनार, पी., भारद्वाज, पी., चक्रवर्ती, ए. (संस्करण) पोरस कार्बन सामग्री की हैंडबुक। मेटेरियल्स होरिजोन्स : फ्रॉम नेचर टू नैनोमेटेरियल्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर, 147-164.

तेवतिया, एस., और चौधरी, ए. (2023). *उच्च ऊर्जा घनत्व Li-Ion के लिए इलेक्ट्रोड सामग्री* । इन: एज़ेमा, एफ.आई, लोखंडे, सीडी, लोखंडे, ए.सी (संस्करण) बहुमुखी अनुप्रयोगों के लिए रासायनिक रूप से जमा धातु चाल्कोजेनाइड-आधारित कार्बन कंपोजिट। स्प्रिंगर, चाम, 215-243.

वार्ष्णेय, वी., सिंह, ए., कुमारसामी, एस., मिश्रा, ए., और श्रीनिवासन एस. (2023). भारतीय कोविड-19 टीकाकरण डेटा सेट में कृत्रिम चरम घटना का प्रभाव और महत्व। कम्प्यूटेशनल एप्लाइड साइंसेज और इसके अनुप्रयोगों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 2768, 020037.

डेका, के., और महराना, एस., और सैनी, एल.के (2023). म्यूऑन (जी-2) और अन्य फ्लेवर अवलोकनों के हालिया परिणामों के आलोक में असामान्य ट्रिपल गेज कपलिंग की स्थिति। *उच्च ऊर्जा भौतिकी पर 41वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ICHEP2022 की कार्यवाही*), 414, 1211.

यादव, एफ., भौमिक, पी.सी, और सिंह, एन. (2022). *खगोलभौतिकी प्लाज्मा में उपयोगी cr जैसे सल्फर की ऊर्जा का स्तर और ऑसिलेटॅर स्ट्रेंथ* । इन: सिंह, वी., शर्मा, आर., मोहन, एम., मेहता, एम.एस, राजदान, ए.के (संस्करण) अनुप्रयोगों के साथ एटॉमिक, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, 271, 497-509। स्प्रिंगर, सिंगापुर.

वंदना, गुप्ता, आर., टंडन, आर.पी, तोमर, एम., और गुप्ता, वी. (2022). कूलिंग डिवाइस अनुप्रयोगों के लिए PZT मोटी फिल्म में इलेक्ट्रोकैलोरिक प्रभाव। इन: कृपानिधि, एस.बी, गुप्ता, वी., शर्मा कौशिक, ए., सिंह, ए.के (संस्करण) उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग इन मेटेरियल्स*, 14, 71-79. स्प्रिंगर, सिंगापुर.

गहलोत, एपीएस, पालीवाल, ए., और कपूर, ए. (2022)। ZnO और पॉलीपाइरोले नैनोकम्पोजिट की गैस सेंसिंग गुण पर अध्ययन। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की फ्रॉटियर्स पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2021। *एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही*, 259, 070005.

अहमद, ए., कुमार, ए., और नईमुद्दीन, एम. (2022). लागत प्रभावी और कुशल तरीके से GEM फ़ॉइल का लक्षण वर्णन और इसे इमेजिंग डिटेक्टर के रूप में उपयोग करने का प्रयास किया गया। आधुनिक भौतिकी में सीमाओं पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन, *जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स: कॉन्फ़्रेंस सीरीज़*, 2374(1), 012158.

वशिष्ठ, ए., चन्नी, के.एस., आहूजा, जी., और गुप्ता, एम. (2022). फ्लेवर के आधार पर क्वार्क मास मैट्रिसेस की संरचनात्मक विशेषताओं की खोज। इन: मोहंती, बी., स्वैन, एस.के, सिंह, आर., कश्यप, वी.के.एस (संस्करण) XXIV डीएई-बीआरएनएस उच्च ऊर्जा भौतिकी संगोष्ठी की कार्यवाही, जटनी, भारत। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, 277, 55-59. स्प्रिंगर, सिंगापुर.

सहदेव, वी., महाराणा, एस., और सचदेवा, डी. (2022). तीन स्केलर्स के साथ XENON1T अतिरिक्त और डार्क मैटर की व्याख्या करना। इन: मोहंती, बी., स्वैन, एस.के, सिंह, आर., कश्यप, वी.के.एस (संस्करण) XXIV डीएई-बीआरएनएस उच्च ऊर्जा भौतिकी संगोष्ठी की कार्यवाही, जटनी, भारत। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, खंड 277, 287-291, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

भट्ट, वी., यादव, एस., झा, पी.के., और भट्टाचार्जी, ए. (2022). युग्मित डबल क्वांटम डॉट वाले केर-नॉनलाइनियर ऑप्टिकल सिस्टम में चार-तरंग मिश्रण और सामान्य मोड विभाजन का अध्ययन। *फोटोनिक्स में हालिया प्रगति पर कार्यशाला* (डब्ल्यूआरएपी), मुंबई, भारत, पृष्ठ 1-2.

आरती, अनाहत, कुमार, एस., कुमार, पी., और वर्मा, वी. (2022)। ट्रांजिशन तत्व डोप्ड बिस्मथ फेराइट का संरचनात्मक, चुंबकीय और ऑप्टिकल अध्ययन। इन : सिंह, वी., शर्मा, आर., मोहन, एम., मेहता, एम.एस, राजदान, ए.के (संस्करण) अनुप्रयोगों के साथ परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, 271, 243-251, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

गुप्ता, वी., और कुमार, एल. (2022). कार्बनिक सौर कोशिकाओं में कैथोड सामग्री के लिए ITO के विकल्प के रूप में AZO की जांच। इन: सिंह, वी., शर्मा, आर., मोहन, एम., मेहता, एम.एस, राजदान, ए.के (संस्करण) अनुप्रयोगों के साथ परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, 271, 609-615, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

दहिया, ए., और सोमोरेंड्रो सिंह, एस. (2022). ब्रह्मांड विज्ञान के PNJL मॉडल में संशोधित और चुंबकीय द्रव्यमान के साथ थर्मोडायनामिक संबंधों की गणना। इन: सिंह, वी., शर्मा, आर., मोहन, एम., मेहता, एम.एस, राजदान, ए.के (संस्करण) अनुप्रयोगों के साथ परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, 271, 639-644, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

गुप्ता, आर., त्यागी, एम., दीपक, और सिंह, ए. (2022). ऑप्टिकल साधनों का उपयोग करके शुद्धता आश्वासन के लिए पानी की गुणवत्ता का पता लगाना। इन: सिंह, वी., शर्मा, आर., मोहन, एम., मेहता, एम.एस, राजदान, ए.के (संस्करण) अनुप्रयोगों के साथ परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, 271, 585-591, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

डावरा, डी., डिमरी, एम., सिंह, ए.के, पांडे, आर.के, झा, ए.के.एस, और मोहन, एम. (2022). Cl15+ आयन के He-α और He-β संक्रमण पर सघन प्लाज्मा पर्यावरण का प्रभाव। इन: सिंह, वी., शर्मा, आर., मोहन, एम., मेहता, एम.एस, राजदान, ए.के (संस्करण) अनुप्रयोगों के साथ परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, 271, 85-104, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

कुमार, पी., कुमार, एस., आरती, और वर्मा, वी. (2022). जल विभाजन द्वारा ऑक्साइड आधारित जलविद्युत कोशिकाओं में सुरक्षित, कुशल और पोर्टेबल बिजली उत्पादन। इन: सिंह, वी., शर्मा, आर., मोहन, एम., मेहता, एम.एस, राजदान, ए.के (संस्करण) अनुप्रयोगों के साथ एटॉमिक, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। *स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स*, 271, 401-406, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

भारती, एम., राणा, एल., गुप्ता, आर., तोमर, एम., और गुप्ता, वी. (2022). मास्क-कम लेजर लिथोग्राफी का अनुकूलन। इन: कृपानिधि, एस.बी, गुप्ता, वी., शर्मा कौशिक, ए., सिंह, ए.के (संस्करण) उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन मेटेरियल्स*, 14, 263-269, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

जिंदल, के., गुप्ता, वी., और तोमर, एम. (2022). यूरिक एसिड का पता लगाने के लिए ZnO पतली फिल्म आधारित बायोसेंसर के इलेक्ट्रोकैटलिटिक गुण। इन: कृपानिधि, एस.बी, गुप्ता, वी., शर्मा कौशिक,

ए., सिंह, ए.के (संस्करण) उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन मेटेरियल्स*, 14, 1-16, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

उपाध्याय, एम., और मुरुगावेल, एस. (2022). Ge-Sb-Te-आधारित चरण परिवर्तन मेमोरी सामग्री में दोषपूर्ण संरचनात्मक साइटों की जांच करना। इन: कृपानिधि, एस.बी, गुप्ता, वी., शर्मा कौशिक, ए., सिंह, ए.के (संस्करण) उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन मेटेरियल्स*, 14, 51-58, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

खरनगढ़, पी.आर (2022). सुपरकैपेसिटर इलेक्ट्रोड के लिए MnCo2O4-GQDs नैनो-कम्पोजिट का संश्लेषण और लक्षण वर्णन। इन: टीएमएस 2022 151वीं वार्षिक बैठक एवं प्रदर्शनी पूरक कार्यवाही। द मिनरल्स, मेटेल्स एंड मेटेरियल्स सिरीज*, 129-137,* स्प्रिंगर, चाम.

कुमारी, आर., भदोला, पी., और देव, एन. (2022). प्रोटीन परिवारों का यादृच्छिक मैट्रिक्स विश्लेषण। स्मार्ट ग्रीन कनेक्टेड सोसाइटी 2021 के लिए प्रौद्योगिकियों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, *इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी ट्रांजेक्शन्स*, 107 18877.

भटनागर, ए., त्रिपाठी, एम., शालू, और प्रजापति, ए. (2022). *बैटरियों के लिए नैनोटेक्नोलॉजी* । इन: मुबारक, एन.एम, गोपी, एस., बालाकृष्णन, पी. (संस्करण) इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए नैनोटेक्नोलॉजी। मेटेरियल्स होरिजोन्स : फ्रॉम नेचर टू नैनोमेटेरियल्स, 29-48, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

अहमद, सी.वी, गुप्ता, आर., चक्रवर्ती, के., उमापति, जी.आर, और वर्मा, पी. (2022). *टकराव-प्रेरित परमाणु प्रक्रियाओं की खोज के लिए मौलिक पतली फ़ॉइल की तैयारी*। इन: कृपानिधि, एस.बी, गुप्ता, वी., शर्मा कौशिक, ए., सिंह, ए.के (संस्करण) उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन मेटेरियल्स*, 14, 163-170, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

साओ, ए.के, सिंह, जे.पी, शर्मा, बी., मुंजाल, एस., शर्म, ए., तोमर, एम., और चौधरी, ए. (2022). NO2 गैस के कमरे के तापमान का पता लगाने के लिए CdS-SnO2 नैनोकम्पोजिट सेंसर। इन: सूर्यदेवरा, एन.के., जॉर्ज, बी., जयसुंदरा, के.पी., रॉय, जे.के., मुखोपाध्याय, एस.सी. (संस्करण) सेंसिंग टेक्नोलॉजी। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, 886, 283-289, स्प्रिंगर, चाम.

गर्ग, ए., तोमर, एम., और गुप्ता, वी. (2022). *एक्स-रे डिटेक्टरों और फोटोवोल्टिक सेल में संभावित अनुप्रयोगों के साथ BiI3 पॉलीक्रिस्टलाइन पतली फिल्मों के ऑप्टिकल स्थिरांक।* इन: कृपानिधि, एस.बी, गुप्ता, वी., शर्मा कौशिक, ए., सिंह, ए.के (संस्करण) उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन मेटेरियल्स*, 14, 115-122, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

कुमार, आर., गौतम, जी., यादव, एन., शर्मा, एस., और कुमार, एम. (2022). ग्राफीन: ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए एक प्रमुख नैनोमटेरियल। *नैनोटेक्नोलॉजी में प्रगति, वॉल्यूम। 27*, नोवा साइंस पब्लिशर्स, 83-101.

सादिक, एम., रज़ा, एम.एम.एच, जुल्फेक्वार, एम., अली, एम., और अली, जे. (2022). मैग्नीशियम आयन और सेलूलोज़ एसीटेट-आधारित संचालन बायोपॉलिमर की जांच: विद्युत और आयन परिवहन गुण। इन: कृपानिधि, एस.बी., गुप्ता, वी., शर्मा कौशिक, ए., सिंह, ए.के. (संस्करण) उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन मेटेरियल्स*, 14, 17-26, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

मोटला, ए., शर्मा कौशिक, ए., तोमर, एम., और गुप्ता, वी. (2022*). RGO पाउडर और पतली फिल्म के निर्माण के लिए एसीटोन में GO के सोनिकेशन का प्रभाव* । इन: कृपानिधि, एस.बी, गुप्ता, वी., शर्मा कौशिक, ए., सिंह, ए.के (संस्करण) उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण। *स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन मेटेरियल्स*, 14, 97-103, स्प्रिंगर, सिंगापुर.

राव, ए.के, शर्मा, एच., श्रीवास्तव, आर., और कौर, ए. (2022). ऊर्जा-कुशल OLED अनुप्रयोगों के लिए अत्यधिक फॉस्फोरसेंट इरिडियम मेटल कॉम्प्लेक्स। *स्मार्ट ग्रीन कनेक्टेड सोसाइटी* 2021 के लिए प्रौद्योगिकियों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, *इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी ट्रांजेक्शन*, 107(1), 7965.

अनुसंधान परियोजनायें

एसईआरबी - डीएसटी [प्रो. बी.सी चौधरी], 2022 (2027 तक), सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है " CERN में CMS प्रयोग में भारतीय भागीदारी: रखरखाव, संचालन और उन्नयन", 346.00 लाख।

एसईआरबी - डीएसटी [प्रो. कीर्ति रंजन, प्रो. एम. नईमुद्दीन], 2022 (2027 तक), सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है " CERN में CMS प्रयोग में भारतीय भागीदारी: रखरखाव, संचालन और उन्नयन", 1505.00 लाख।

डीएसटी [प्रो. बी.सी चौधरी, प्रो. देबज्योति चौधरी, और प्रो. समित के. मंडल], 2019 (2024 तक), "भारतीय संस्थान - न्यूट्रिनो भौतिकी में फर्मिलैब सहयोग" पर अनुसंधान परियोजना अनुदान, 280.00 लाख।

डीएसटी और रूसी फाउंडेशन ऑफ बेसिक रिसर्च [प्रोफेसर डी.एन गुप्ता], 2019 (2022 तक), "लेजर-मैटर इंटरैक्शन और कुछ अनुप्रयोगों द्वारा कॉम्पैक्ट 'टेबल-टॉप' शक्तिशाली टेराहर्ट्ज स्रोत" शीर्षक वाला अनुसंधान परियोजना, 26.00 लाख।

डीएसटी [प्रो. डी.एन गुप्ता], 2022 (2025 तक), WOSA प्रोजेक्ट मेंटरशिप जिसका शीर्षक है "कोल्ड प्लाज्मा पीवीडी तकनीक के साथ एंटी-माइक्रोबियल टेक्सटाइल कपड़ों का निर्माण", 36.00 लाख।

एसईआरबी-डीएसटी (सीआरजी) [प्रो. डी.एन गुप्ता], 2023 (2026 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "नई लेजर तीव्रता सीमा पर क्वांटम इलेक्ट्रोडायनामिक्स प्लाज्मा की खोज", 30.00 लाख।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय [प्रो. डी.एन गुप्ता], 2022 (2023 तक), संकाय अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "लेजर-प्लाज्मा इंटरैक्शन से कॉम्पैक्ट विद्युत चुम्बकीय विकिरण स्रोत", 5.00 लाख।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय [प्रो. अमिता चंद्रा], 2022 (2023 तक), संकाय अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "ईएमआई परिरक्षण और ऊर्जा उपकरणों के लिए पॉलिमर कंपोजिट", 5.00 लाख।

एसईआरबी - डीएसटी [प्रो. एस. अन्नपूर्णी], 2023 (2028 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "एक्सचेंज-युग्मित द्वि-चरण चुंबकीय मल्टीलेयर और नैनो-कंपोजिट में स्पेसर परत की भूमिका", 20.81 लाख।

इंडो-जापान डीएसटी-जेएसपीएस [प्रो. श्यामा रथ], 2021 (2023 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "क्वांटम प्रौद्योगिकियों में उनकी प्रासंगिकता के लिए ऊर्जावान कणों द्वारा निर्मित सिलिकॉन कार्बाइड में बिंदु दोषों की फ़िंगरप्रिंटिंग", 6.86 लाख।

एसईआरबी - डीएसटी [प्रो. श्यामा रथ], 2021 (2024 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "नई क्वांटम प्रौद्योगिकियों के लिए सिलिकॉन कार्बाइड में ऑप्टिकली एड्रेसेबल प्वाइंट दोषों का निर्माण और आकलन", 42.46 लाख।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय [प्रो. श्यामा रथ], 2022 (2023 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "ट्रेस-लेवल जैविक और रासायनिक सेंसिंग के लिए सतह-संवर्धित रमन स्कैटरिंग", 5.00 लाख।

एसईआरबी - डीएसटी [प्रो. समित के मंडल], 2019 (2022 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "मल्टी-न्यूक्लियॉन स्थानांतरण प्रतिक्रिया गतिशीलता और मध्यम द्रव्यमान नाभिक के लिए कूलम्ब बाधा के पास संलयन पर इसका प्रभाव", 41.75 लाख।

एसईआरबी - डीएसटी [प्रो. देबज्योति चौधरी], 2019 (2022 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "प्रोबिंग न्यू फिजिक्स इंटरेक्शन", 75.00 लाख।

यूजीसी-डीएई सीएसआर [प्रो. सेवी मुरुगावेल], 2022 (2025 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "अत्यधिक दोषपूर्ण पॉलीएनियोनिक ठोस के एकल संरचनात्मक और चार्ज परिवहन गुण", 1.35 लाख।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय [डॉ. सौरव सुर], 2022 (2023 तक), संकाय अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "स्केलर युग्मित मीट्रिक-टोरसन ग्रेविटी के परिप्रेक्ष्य से एकीकृत ब्रह्मांडीय डार्क सेक्टर", 3.20 लाख।

एसईआरबी - डीएसटी (सीआरजी) [डॉ. देबब्रत मिश्रा], 2019 (2022 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "एक नवीन स्पिन नियंत्रित चिरल क्वांटम डॉट डीएनए बायो-सेंसर को डिजाइन और विकसित करना", 17.71 लाख।

एमएचआरडी-डीएसटी (इमप्रिंट 2) [डॉ. देबब्रत मिश्रा], 2019 (2022 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "डीएनए बायो-सेंसर के लिए स्पिन निर्भर स्मार्ट इलेक्ट्रोड का विकास", 32.45 लाख।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय [डॉ. देबब्रत मिश्रा], 2022 (2023 तक), संकाय अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "फ्लोरोसेंट स्पेक्ट्रोस्कोपी और ऑप्टिकल तकनीक द्वारा स्पिन-आधारित डीएनए संकरण बायोसेंसर का डिजाइन और विकास", 5.00 लाख।

एसईआरबी - डीएसटी [डॉ. सुमलय रॉय], 2019 (2022 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "तीन आयामी टोपोलॉजिकल इंसुलेटर की सतह पर उच्च जेड धातुओं की आवधिक बहु-द्वि-परत संरचनाओं का विकास", 29.15 लाख।

यूजीसी-डीएई सीएसआर और आरआरसीएटी, इंदौर, भारत [डॉ. सुमलय रॉय], 2022 (2025 तक), अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक "मैग्नेटो-टोपोलॉजिकल इंसुलेटर इंटरफ़ेस: संश्लेषण और संरचना-संपत्ति सहसंबंध अध्ययन" है, 1.35 लाख।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय [प्रो. एस.ए हाशमी], 2022 (2025 तक), "सस्टेनेबल कार्बन इलेक्ट्रोड और बायो-डिग्रेडेबल पॉलिमर-आधारित इलेक्ट्रोलाइट्स के साथ पर्यावरण-अनुकूल सोडियम-आयन भंडारण उपकरणों का विकास" नामक अनुसंधान परियोजना, 27.00 लाख।

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

अजीत के. महपात्रो, प्रोफेसर, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, डीएसटी, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसायटी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई - 2023) की XLI वार्षिक बैठक, 10-02-2023.

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

"बाउंड्री क्वांटम ग्रेविटी", 10 जून, 2023 को साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता में सुप्रिया कर द्वारा आमंत्रित व्याख्यान।

"उच्च रूप सिद्धांतों में ब्रह्माण्ड संबंधी युग्म", 29 दिसंबर, 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में सुप्रिया कर द्वारा आमंत्रित वार्ता।

"बाउंड्री क्वांटम ग्रेविटी", 5 जनवरी, 2023 को, सुप्रिया कर द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, भुवनेश्वर में आमंत्रित व्याख्यान।

"क्वांटम ग्रेविटी के परिप्रेक्ष्य", 6 जनवरी, 2023 को शिक्षा ओ अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में सुप्रिया कर द्वारा आमंत्रित व्याख्यान।

"भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2020: बड़े और छोटे ब्लैक होल", 28 फरवरी, 2023 को (ऑनलाइन), एस.बी.आर गवर्नमेंट स्वायत्त महिला महाविद्यालय, बेरहामपुर, सुप्रिया कर द्वारा आमंत्रित वार्ता। ।

7 दिसंबर, 2022 को डीआईपीएएस, डीआरडीओ, दिल्ली में सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) में "स्क्रीनिंग और डायग्नोस्टिक अनुप्रयोगों के लिए बायोसेंसिंग दृष्टिकोण में हालिया प्रगति", देबब्रत मिश्रा द्वारा।

"सीआईएसएस प्रभाव का उपयोग करके स्पिन-आधारित बायोसेंसर का विकास", 12 जनवरी, 2023 को "सेंसर्स फॉर सोसाइटी, इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी, इंडिया चैप्टर, जेएनयू, दिल्ली" विषय पर देबब्रत मिश्रा द्वारा सेमिनार में वार्ता।

"स्पिन-आधारित बायो सेंसिंग में हालिया प्रगति", 8 फरवरी, 2023 को देबब्रत मिश्रा द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आमंत्रित व्याख्यान।

"प्रीबायोटिक ऑटोकैटलिटिक सेट: विकास की संभावित संरचना और तंत्र", 7 जुलाई, 2022 को सांता फ़े इंस्टीट्यूट में; व्यवहार्य लेकिन अनदेखे चयापचय पर कार्य समूह, सांता फ़े संस्थान, सांता फ़े, न्यू मैक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका, संजय जैन द्वारा।

"माइक्रोस्ट्रक्चरल जांच और द्वि-आयामी MoSe2 और MoS2 (आमंत्रित) का प्रकाश-उत्सर्जक व्यवहार", 8 फरवरी, 2023 को, श्यामा रथ द्वारा इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वार्ता।

"द्वि-आयामी संक्रमणकालीन धातु डाइक्लोजेनाइड्स का ऑप्टिकल स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन", 12 दिसंबर, 2022 को श्यामा रथ द्वारा चुंगनाम नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया में आमंत्रित व्याख्यान।

11 सितंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु भौतिकी सम्मेलन (आईएनपीसी 2022), केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में, संजय कुमार चमोली द्वारा "जीवनकाल माप के साथ द्रव्यमान ए <190 नाभिक में आकार सह-अस्तित्व की खोज"।

"आरडीएम लाइफटाइम मेजरमेंट्स @ आईयूएसी, दिल्ली, भारत" पर 15 जुलाई, 2022 को हेवी आयन लेबोरेटरी (एचआईएल), वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड में संजय कुमार चमोली द्वारा आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

"रैंडम मैट्रिक्स और प्रोटीन परिवारों का नेटवर्क विश्लेषण", 2 फरवरी, 2023 को निवेदिता देव द्वारा रामानुजन व्याख्यान हॉल, आईसीटीएस बेंगलुरु में आमंत्रित व्याख्यान।

'मैग्नेटिक मिश्र धातु फिल्मों में टेलरिंग मैजेटाइजेशन स्विचिंग: माइक्रोस्कोपिक इन्वेस्टिगेशन', 08 फरवरी, 2023 को, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई-2023) की इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और एक्सएलआई वार्षिक बैठक पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, एस. अन्नपूर्णी द्वारा।

2 मार्च, 2023 को "प्राकृतिक पर्यावरण में विकिरण जागरूकता और जांच" (रेडनेट-IV), डॉल्फिन, (पीजी) पर "चुंबकीय मल्टीलेयर में आयन बीम के थर्मल एनीलिंग और क्षणिक इलेक्ट्रॉनिक उत्तेजना से प्रेरित चुंबकीय स्विचिंग व्यवहार की मॉडलिंग"। इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज, देहरादून, भारत, एस. अन्नपूर्णी द्वारा।

"आधुनिक खगोल विज्ञान - बड़े डेटा के युग में अवसर", 16 मार्च, 2023 को एच.पी सिंह द्वारा डीआईटी विश्वविद्यालय, देहरादून में आमंत्रित व्याख्यान।

"लूप करेक्शन के तहत फ्री एनर्जी इवोल्यूशन", 16 जनवरी, 2023 को, हैड्रॉन फिजिक्स 2023 पर डीएई-बीआरएनएस कार्यशाला में, एनआईटी, जालंधर, पंजाब, भारत, एस. सोमोरेंड्रो सिंह द्वारा।

"कण भौतिकी और गुरुत्वाकर्षण में मानक मॉडल से परे", 22 दिसंबर, 2022 को IACS, कोलकाता, भारत, सौरव सूर द्वारा सम्मेलन में "मिमेटिक-मीट्रिक-टोरसन परिप्रेक्ष्य से एकीकृत ब्रह्मांडीय डार्क सेक्टर"।

"मिमेटिक-मीट्रिक-टोरसन ग्रेविटी: प्रशंसनीय विस्तार और ब्रह्माण्ड संबंधी निहितार्थ", 27 दिसंबर, 2022 को IACS, कोलकाता, भारत में सौरव सूर द्वारा आमंत्रित वार्ता।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सहयोग करने वाले संकाय सदस्य:

प्रो. बी.सी चौधरी - (ए) सीईआरएन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में भारत-सीएमएस सहयोग, (बी) नोवा सहयोग, फर्मिलैब, यूएसए।

प्रो. कीर्ति रंजन - (ए) डिटेक्टरों पर भारत-इटली सहयोग, (बी) सीईआरएन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में भारत-सीएमएस सहयोग।

प्रो. निवेदिता देव - मौलिक अध्ययन संस्थान, नारेसुआन विश्वविद्यालय, थाईलैंड।

प्रो. श्यामा रथ - (ए) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), भारत, (बी) डिपार्टमेंटो डी फिसिका एटोमिका, आणविक, परमाणु, फैकल्टाड डी फिसिका, सेविला विश्वविद्यालय, स्पेन, (सी) भौतिकी विभाग, टोरिनो विश्वविद्यालय और INFN, टोरिनो, इटली, (डी) भौतिकी विभाग, सरे विश्वविद्यालय, गिल्डफोर्ड, सरे, यूनाइटेड किंगडम, (ई) एक्सेलेरेटर साइंस सेंटर, एएनएसटीओ, ऑस्ट्रेलिया, (एफ) सैंडिया नेशनल

लेबोरेटरीज, रेडिएशन-सॉलिड इंटरैक्शन, अल्बुकर्क, एनएम, यूएसए, (जी) अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियना, ऑस्ट्रिया, (एच) सॉलिड स्टेट फिजिक्स लैब, डीआरडीओ, नई दिल्ली, भारत, (आई) एनपीएल, नई दिल्ली, भारत, (जे) इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली, भारत, (के) राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे, भारत, (एल) भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर, भारत।

प्रो. एच.पी सिंह - नोडल संस्थान के साथ भारत-अमेरिका सहयोग: दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत।

प्रो. समित कुमार मंडल - (ए) फेयर सहयोग, जीएसआई, जर्मनी, (बी) परमाणु भौतिकी अनुसंधान एजीएटीए सहयोग, (सी) प्रीस्पेक सहयोग, जीएसआई, जर्मनी, (डी) आईएनओ सहयोग, भारत, (ई) आईएनजीए सहयोग, भारत।

प्रो. डी.एन गुप्ता - स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो।

प्रो. ज्योति राजपूत - (ए) इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली, भारत।

प्रो. अजीत कुमार महापात्रो - (ए) प्रो. वाई.आर मा और प्रो. वाई-के कुओ, भौतिकी विभाग, नेशनल डोंग ह्वा यूनिवर्सिटी, हुलिएन, ताइवान, (बी) डॉ. एस.पी सिंह, एनपीएल, नई दिल्ली, भारत, (सी) प्रो. एस. घोष, जेएनयू, नई दिल्ली, भारत, (डी) प्रो. टी. बसु, एमिटी, नोएडा, भारत, (ई) डॉ. पी. पोद्दार, एनसीएल, पुणे, भारत।

प्रो. आशुतोष भारद्वाज - सीएमएस प्रयोग आरडी50 सहयोग।

डॉ. अशोक कुमार--सीएमएस सहयोग।

प्रो. एम. नईमुद्दीन - सीएमएस सहयोग।

डॉ. सौरव सूर - प्रो. सौर्य दास, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, लेथब्रिज विश्वविद्यालय, अल्बर्टा, कनाडा।

डॉ. सुमलय रॉय - यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर, भारत।

डॉ. संजीव कुमार वर्मा -- आईएनओ सहयोग, भारत

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

13 मार्च 2023 को विजिटर-कार्यक्रम - प्रात: 9 बजे से शाम 6 बजे तक। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन जैसी अन्य विस्तार गतिविधियों के लिए कृपया https://physics.du.ac.in/outreach-extension.php पर जाएं।

संकाय संख्या : 37 + 2 (यूजीसी-एफआरपी) + 2 (इंस्पायर फैकल्टी) [2022-23 में]

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियाँ की संख्या : 27

***

प्राणीशास्त्र (जूलॉजी)

संक्षिप्त इतिहास

प्राणीशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की एक घटक इकाई है। वर्ष 1947 में अपनी स्थापना के बाद से, यह भारत में पशु विज्ञान के सभी पहलुओं में सीखने का सबसे प्रमुख केंद्र रहा है। विभाग में प्रारंभिक शिक्षण प्रयास विद्यार्थियों को बी.एससी. डिग्री तक प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया था। और उसके बाद वर्ष 951 में परास्नातक और पीएच.डी कार्यक्रम शुरू किया गया। विभाग का वर्तमान परिसर वर्ष 1959 में बनाया गया था, जिसके परिणामस्वरूप विभाग में काम करने के लिए प्रतिष्ठित संकायों के आकर्षण के साथ-साथ अनुसंधान गतिविधियों (पशु विज्ञान में विषयों की एक विस्तृत शृंखला का प्रतिनिधित्व) का विस्तार हुआ। हालांकि सबसे युवा विभागों में से एक होने के बावजूद, वर्ष 1963 में यू.जी.सी द्वारा इसकी उत्कृष्ट शोध प्रोफ़ाइल को मान्यता देते हुए इसे जूलॉजी में उन्नत अध्ययन के लिए पहले केंद्र के रूप में चुना गया था और यह सम्मान आज तक कायम है।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

प्राणीशास्त्र विभाग देश के प्रमुख अनुसंधान-गहन विभागों में से एक है। सूक्ष्मजीवों से लेकर मानव तक विविध क्षेत्रों में अनुसंधान किया जाता है। पिछले एक वर्ष में संकाय सदस्यों ने उच्च प्रभाव वाली सहकर्मी समीक्षा वाली पत्रिकाओं में 20 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। उनमें से कई को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह की विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से पर्याप्त धन प्राप्त हुआ है। प्राणीशास्त्र विभाग को डीएसटी-एफआईएसटी, यूजीसी-एसएपी/सीएएस योजनाओं के लिए मान्यता दी गई है। विभाग प्राणीशास्त्र के उन्नत क्षेत्रों में एम.एससी. शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है। 129 अभ्यर्थियों को जूलॉजी में एम.एससी प्रदान की गई। विभाग पीएच.डी कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध में प्रशिक्षित भी करता है। 52 पीएच.डी. पिछले एक वर्ष में विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गई हैं, और 32 उम्मीदवारों को पीएच.डी. प्रोग्राम में प्रवेश दिया गया है।

प्रकाशन

शोध लेख

कुमार, एन., शर्मा, जे., मित्तल, पी., और चक्रवर्ती, आर. (2023), एशियाई कैटफ़िश के प्रतिरक्षाविज्ञानी और तनाव मापदंडों और संबंधित जीन अभिव्यक्तियों पर फ़ीड सप्लीमेंट के रूप में अचिरांथेस एस्पेरा की पत्तियों और बीजों का प्रभाव (क्लैरियास बत्राचस), *पशुचिकित्सक। रेस. कम्यून.*, 47, 99-109.

यादव, के., राणा, वी.एस., अंजलि, सौरव, जी.के., रावत, एन., कुमार, ए., सुनील, एस., सिंह, ओ.पी, और राजगोपाल, आर. (2023), एडीज एजिप्टी का म्यूसिन प्रोटीन डेंगू वायरस 2 और वायरल संक्रमण के साथ परस्पर क्रिया करता है और *माइक्रोबायोल को प्रभावित करता है। स्पेक्ट्रम.* 11, 1-14.

जैन, एस., चुफाल, बी., और शकराड, एम.एन (2023), भारतीय महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता का उनके विवाह निर्णयों पर प्रभाव, *सोशल इवोल हिस्ट्री.*, 22, 12-144.

गुप्ता, एन., शर्मा, आर.के, मैत्रा, ए., और श्रीवास्तव, ए. (2023), इन-विट्रो और इन-विवो प्रभावकारिता ऑफ़ होलो गोल्ड नैनोपार्टिकल्स एनकैप्सुलेटिंग हॉर्सरैडिश पेरोक्सीडेज़: ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस-मीडिएटेड ट्यूमर सेल किलिंग, *जे . ड्रग डिलिव. साइंस. टेक्नॉल.*, 79, 103979.

रावत, के., सैयदा, एस., और श्रीवास्तव, ए. (2023), न्यूट्रोफिल इनफिल्ट्रेशन और हाइपरएक्टिवेशन को नियंत्रित करके कैंसर से प्रेरित प्रणालीगत गिरावट के सुधार में टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया की एक नई भूमिका, *फाइटोमेड। इंट. जे फाइटोथेर. फाइटोफार्माकोल*, 108, 154488.

सिंह, टी., अग्रवाल, एन., ठाकुर, के., छोकर, ए., यादव, जे., त्रिपाठी, टी., जडली, एम., भट्ट, ए., कुमार, ए., नरूला, आर.एच , गुप्ता, पी., खुराना, ए., और भारती, ए.सी, (2023), सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ कार्रवाई के लिए चयनित पौधों से प्राप्त होम्योपैथिक दवाओं की चिकित्सीय क्षमता का मूल्यांकन, *होम्योपैथी*, 112(4), 262-274.

रावत, एन., अंजलि, श्रेयता, साबू, बी., जम्वाल, आर., देवी, पी.पी, यादव, के., रैना, एच.एस, और राजगोपाल, आर., (2023), अंडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ़ कीड़ों एंटीबायोटिक प्रतिरोध का अधिग्रहण और संचरण। *साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंट*, 858(1), 159805.

वेंकटेश्वरन, के., श्रीवास्तव, ए., अग्रवाला, पी.के., प्रसाद, ए.के., मंदा, के., परमार, वी.एस., और द्वारकानाथ, बी.एस., (2022), कुल शरीर-विकिरणित चूहों में 7, 8-डायसेटॉक्सी-4-मिथाइलथियोकौमरिन द्वारा प्रतिरक्षा-मॉड्यूलेशन: विकिरण-प्रेरित हेमटोपोइएटिक चोट के शमन के लिए निहितार्थ, जीवन विज्ञान, 311(ए), 121140.

सैयदा, एस., रावत, के., और श्रीवास्तव, ए. (2022), फार्माकोलॉजिकल इनहिबिशन ऑफ एक्सोसोम मशीनरी: एन इमर्जिंग प्रॉस्पेक्ट इन कैंसर थेरेप्यूटिक्स, *क्यूर। कैंसर ड्रग टारगेट लक्ष्य.*, 22(7), 560-576.

रानी, एन., रावत, के., सैनी, एम., यादव, एस., श्रीवास्तव, ए., सैनी, के., और मैती डी, (2022), एज़ाडिरेक्टा इंडिका लीफ एक्सट्रेक्ट मीडिएटेड बायोसिंथेसाइज्ड रॉड-शेप्ड जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स इन विट्रो फेफड़ों के कैंसर उपचार के लिए, मेटेरियल्स एससी. इंजी. बी, 284, 115881.

रानी, एन., रावत, के., सैनी, एम., श्रीवास्तव, ए., कंडासामी, जी., सैनी, के., और मैती, डी. (2022), रॉड के आकार के ZnO नैनोकण: संश्लेषण, तुलना और फेफड़ों के कैंसर कोशिकाओं में उनकी एपोप्टोटिक गतिविधि का इन विट्रो मूल्यांकन, *रसायन। पैप.*, 76, 1225-1238.

कुमार, ए., कृष्णा, शर्मा, ए., धनखड़, जे., सैयदा, एस., श्रीवास्तव, ए., और शर्मा, एस.के (2022), दवा वितरण के लिए गैर-आयनिक फ्लोरिनेटेड और अल्काइलेटेड एम्फीफाइल्स का स्व-संयोजन और परिवहन व्यवहार, रसायन विज्ञान चयन, 7(35), ई202203274.

श्रीवास्तव, एन.के, चौहान, एन., और शकराड, एम.एन (2022), तेजी से विकास और विस्तारित दीर्घायु के लिए चयनित ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर आबादी में बढ़ी हुई प्रतिरक्षा निगरानी, *हेलियॉन*, 8(12), ई12090.

श्रीवास्तव, एन.के, फरंद, ए.के और शकराड, एमएन (2022), तेजी से विकास और शीघ्र प्रजनन के लिए दीर्घकालिक चयन से रेडॉक्स होमियोस्टैसिस में शामिल जीनों का विनियमन होता है, *रेडॉक्स रिसर्च में प्रगति*, 6, 100045.

नागर, एस., तलवार, सी., मोटेलिका-हेनो, एम., रिचनो, एच.एच., शकराड, एम., लाल, आर., और नेगी, आर.के (2022), माइक्रोबियल इकोलॉजी ऑफ सल्फर बायोजियोकेमिकल साइक्लिंग एट ए मेसोथर्मल हॉट स्प्रिंग एटॉप नार्दन हिमानयाज, भारत, फ्रॉन्ट.*माइक्रोबायोल.*, 13, 848010.

भारती, एम., खुराना, एच., शर्मा, एम., चॉकस्केट, एस., नागर, एस., यादव, एस. मॉडल, एस. कोरपोल, एस., नेगी, आर.के (2022), स्पोरोसार्सिना साइप्रिनी एसपी का वर्गीकरण और जीनोमिक लक्षण वर्णन। नवंबर, आक्रामक मछली साइप्रिनस कार्पियो संस्करण की आंत से पृथक Cr+6 और Cd+2 के प्रति मध्यम रूप से सहिष्णु। कम्युनिस (लिनन.,1758), एंटोनी वैन लीउवेनहॉक, 116(3), 193-206.

ठाकुर, के., जंजुआ, डी., शिशोदिया, जी., छोकर, ए., अग्रवाल, एन., यादव, जोनी., त्रिपाठी, टी., चौधरी, ए., सेनरुंग, ए., और भारती, ए.सी (2022), 'ओमिक्स' दृष्टिकोण का उपयोग करके एचपीवी-प्रेरित सरवाइकल कार्सिनोजेनेसिस में जेएके/एसटीएटी सिग्नलिंग मार्ग के अंतर्निहित आणविक तंत्र की जांच, *मेडिकल ऑन्कोलॉजी*, 39(12), 255.

कश्यप, ए., त्रिपाठी, जी., त्रिपाठी, ए., राव, आर., कश्यप, एम., भट्ट, ए., कुमार, डी., राजहंस, कुमार, पी., चन्द्रशेखर, डी.एस, महमूद, आर., हुसैन, ए., जायद, एच., भारती ए.सी, कश्यप, एम.के (2022), आरएनए स्प्लिसिंग: हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के लिए एक दोधारी तलवार, *मेडिकल ऑन्कोलॉजी*, 39(11), 173.

भारती, एम., नागर, एस., खुराना, एच., और नेगी, आर.के (2022), दो आक्रामक मछली प्रजातियों के आंत माइक्रोबियल कम्यूनिटी को आकार देने में प्रदूषित नदी यमुना की भूमिका को समझने के लिए मेटाजेनोमिक अंतर्दृष्टि, *माइक्रोबायोलॉजी के अभिलेखागार*, 204(8), 509.

धनखड़, जे., अग्रवाल, एन., और श्रीवास्तव, ए., (2022), ड्रोसोफिला में मानव उत्परिवर्ती हंटिंग्टिन प्रोटीन की पैन-न्यूरोनल अभिव्यक्ति हेमोसाइट्स की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बाधित करती है, *जर्नल ऑफ न्यूरोइम्यूनोलॉजी*, 363, 577801.

अदिति, के., सिंह, ए., शकराड, एम.एन, और अग्रवाल, एन. (2022), करक्यूमिन द्वारा हंटिंगटन रोग के ड्रोसोफिला मॉडल में परिवर्तित चयापचय गतिविधि का प्रबंधन, *प्रायोगिक जीवविज्ञान और चिकित्सा*, 247(2), 152 -164.

देसाई, ए.एस, सिंह, ए., एडिस, जेड., ब्लोख, एस.एच, शाह, पी., पांडे, बी., अग्रवाल, एन., और भगत, एन. (2022), पौधे से निकाले गए चांदी के नैनोकणों की प्रभावकारिता और विषाक्तता का एक इन विट्रो और इन विवो अध्ययन, *जर्नल ऑफ फंक्शनल बायोमटेरियल्स*, 13(2), 54.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

शर्मा, एम., भारती, एम., मॉडल, एस., खुराना, एच., नेगी, टी., और नेगी, आर.के (2023), सार्वजनिक स्वास्थ्य पर मल्टीड्रग-प्रतिरोधी सूक्ष्मजीवों की चुनौतियां, *ईबुक*, सीआरसी प्रेस, 9781003220404, 363-376.

शर्मा, एम., शर्मा, एस. मजूमदार, एस. और नेगी, आर.के (2022), बायोरेमेडिएशन में ओमिक्स दृष्टिकोण का अनुप्रयोग। इन: बायोरेमेडिएशन चुनौतियाँ और प्रगति, *ईबुक*, बेंथम साइंस प्रकाशक, 9789815036039, 191-223

अनुसंधान परियोजनायें

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2022-23, क्या ड्रोसोफिला में प्रतिरक्षा समारोह का रचनात्मक उन्नयन संक्रमण के तहत चयनात्मक लाभ प्रदान करता है?, 5.00 लाख.

सीसीआरएच, 2021-2024, 2. जटिलताओं के साथ या बिना टाइप-2 मधुमेह के उपचार में ऐड-ऑन होम्योपैथी की प्रभावशीलता: एक बहुकेंद्रित व्यावहारिक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, 18.00 लाख.

आईसीएमआर-आईसीआरसी, 2022-2025, 1. एसटीएटी3 - एचपीवी फ्लो-फिश: ट्रांसक्रिप्शनल रूप से सक्रिय उच्च जोखिम-एचपीवी संक्रमण का पता लगाने के लिए अभिनव एकल अणु आरएनए

(एसएमआरएनए) का पता लगाने, फ्लोसाइटोमेट्री-आधारित मात्रात्मक और नैदानिक परख का विकास, 220.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, खेती और जंगली पकड़ी गई साइप्रिनिडे मछली में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट माइक्रोबियल विविधता का आणविक लक्षण वर्णन और मूल्यांकन, 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, कीटों और पौधों में जेमिनीवायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए इम्यूनोडायग्नोस्टिक विधि का विकास, 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, दिल्ली में भारी धातु से दूषित यमुना जल और पेरी-यमुना मिट्टी के कृषि उत्पादों की जीनोटॉक्सिक क्षमता का आकलन, 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, ड्रोसोफिला का उपयोग करके प्रजनन और प्रतिरक्षा के बीच अस्थायी परस्पर क्रिया के परिणामस्वरूप प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के आणविक तंत्र की जांच, 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, न्यूरोइन्फ्लेमेशन में ओएलएफएमएल3 और इसके इंटरैक्टिंग प्रोटीन के अभिव्यक्ति पैटर्न का अध्ययन करने के लिए, 5.00 लाख.

इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022-2023, परियोजना का शीर्षक- कैनोर्हाडाइटिस एलिगेंस में घाव भरने का स्पेक्ट्रिन आधारित विनियमन, 5.00 लाख.

10. विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2023-2026, *कैनोर्हाडाइटिस एलिगेंस की घाव प्रतिक्रिया और मरम्मत में बाह्य कोशिकीय पुटिकाओं की भूमिका*, 44.38 लाख.

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

प्रोफेसर आलोक चंद्र भारती, प्रोफेसर, जूलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, "कैंसर और अन्य पुरानी बीमारियों के लिए फार्मास्यूटिकल्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स" विषय पर न्यूट्रास्यूटिकल्स और क्रोनिक रोगों पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनसीडी-2022), जूलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय दिल्ली, 09-10-2022.

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

चक्रवर्ती, आर. 2023. दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज में सिनैप्स के उद्घाटन व्याख्यान में "सतत मीठे पानी की जलकृषि: फ़ीड निर्माण और जल गुणवत्ता प्रबंधन"।

चक्रवर्ती, आर. 2023. रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान द्वारा मानव कल्याण के लिए वैज्ञानिक नवाचार पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "मानव उपभोग के लिए पौष्टिक

मछली के उत्पादन में गैर-पारंपरिक पौधों की सामग्री की भूमिका" कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में दिल्ली चैप्टर।

सिंह, आर. 2022. जैव प्रौद्योगिकी में श्री शंकर कला और विज्ञान महाविद्यालय (मद्रास विश्वविद्यालय), एनाथुर, कांची संसाधन वक्ता, विज्ञान अकादमियों के वर्चुअल में सिद्धांत और प्रैक्टिसेस में "पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी- चिकित्सीय प्रोटीन"।

सिंह, आर. "तेलंगाना विश्वविद्यालय, डिचपल्ली-निजामाबाद में प्रोटीन-संरचना, कार्य और विकास में ग्लाइकोप्रोटीन हार्मोन, फॉलिकल स्टिमुलेटिंग हार्मोन (एफएसएच)-कॉग्नेट रिसेप्टर इंटरेक्शन के उदाहरण के साथ सिग्नल ट्रांसडक्शन में आणविक पहचान।

भारती, ए.सी 2022. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में पशु कोशिका संस्कृति: तकनीक और अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "कैंसर अनुसंधान में पशु संस्कृति तकनीकों के अनुप्रयोग"।

भारती, ए.सी 2022. भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में बायो-साइंसेज (अंतःविषय) में यूजीसी-प्रायोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में "वायरली-प्रेरित घातकताओं में ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन: अवसर और चुनौतियां- गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर, और मानव पैपिलोमावायरस के संक्रमण से जुड़े सिर और गर्दन की घातकता"

भारती, ए.सी 2022. जूलॉजी विभाग और यूजीसी-एचआरडीसी, नेहु, शिलांग द्वारा आयोजित जूलॉजी में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "कार्सिनोजेनेसिस की आणविक जीवविज्ञान: अवसर और चुनौतियाँ- गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर, और मानव पैपिलोमावायरस के संक्रमण से जुड़े सिर और गर्दन की घातकता"।

भारती, ए.सी 2022. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "कैंसर की रोकथाम और अवरोधन में हालिया रुझान- बेंच टू बेडसाइड"।

भारती, ए.सी 2022. एआईएमएमएससीआर, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, यूपी में स्टेम सेल और कैंसर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कैंसर से मुकाबला: दवा प्रतिरोध के लिए थेरेपी से जीवविज्ञान"।

भारती, ए.सी 2022. जूलॉजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, यू.पी में अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में "पशु विज्ञान में हालिया रुझान (आरटीएएस)"।

भारती, ए.सी 2022. सी.एम साइंस कॉलेज, एलएनएमयू, दरभंगा, बिहार में कैंसर अनुसंधान और इसके प्रबंधन में हालिया रुझान।

भारती, एसी 2022। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली में 16वें अंतर्राष्ट्रीय कैंसर संगोष्ठी में "अनुवादात्मक रसायन निवारण और विचार-मंथन"।

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 12

सहायक प्रोफेसर : 10

कुल संकाय संख्या : 22

प्रदत्त पीएच.डी. उपाधियाँ की संख्या : 59

***

सामाजिक विज्ञान संकाय

वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार

संक्षिप्त विवरण

वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत एक प्रकोष्ठ केंद्र से शुरुआत करके 1984 से अब पूर्ण विभाग बन गया है। विभाग आजीवन अध्ययन और विस्तार परामर्श और मार्गदर्शन में एम.ए. और पीएच.डी. प्रदान करता है। वयस्क और सतत शिक्षा विभाग व्यावसायिक क्षेत्र, स्वैच्छिक संगठनों, स्वयंसेवी प्रबंधन, अंग्रेजी भाषा प्रवीणता पाठ्यक्रमों और विश्वविद्यालय प्रणाली में अंतरराष्ट्रीय यात्राओं और रोजगार की परिधि सहित दो वर्ष के बहु-विषयक इंटर्नशिप-आधारित रोजगार-उन्मुख पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने मार्च 2018 में ट्रांसजेंडर संसाधन केंद्र (टीआरसी) की स्थापना की और उच्च शिक्षा और समाज में तीसरे लैंगिकता को मुख्यधारा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फरवरी 2022 में पद्मश्री पुरस्कार विजेता माथा बी मंजम्मा जोगाथी के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र ने नुक्कड़ कैफे के साथ साझेदारी में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए आजीविका के अवसरों पर चर्चा को बढ़ावा दिया। विभाग ने 2015 में जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे छात्र लाभान्वित हुए। 2022 में, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के साथ एक इरास्मस+अंतर-संस्थागत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे दो छात्रों ने अक्तूबर 2022 से मार्च 2023 तक छह माह के यूरोपीय विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।

वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग ने जनवरी 2023 में भारतीय विश्वविद्यालयों में वयस्क शिक्षा और आजीवन अध्ययन के व्यावसायीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी हुई और विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के दौरान इसका महत्व रहा। . वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग ने वयस्क और आजीवन अध्ययन में रोजगार पर चर्चा करने के लिए औद्योगिक विकास संस्थान के साथ 2022 में एक उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किया।

शोध-लेख

गोस्वामी, डी., और नारायण, पी. (2023)। भारत में शिक्षा, कौशल विकास और आजीवन शिक्षा: एक सिंहावलोकन। *इंडियन जर्नल ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग एंड एजुकेशनल गाइडेंस, 4 (1), 47-54।*

पांडे ए., और दीक्षित वी.के. (2023)। *सपनों को सशक्त बनाना: सूक्ष्म-उद्यमिता और वित्तीय समावेशन पर पीएमएमवाई के प्रभाव का विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नॉवेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 8 (7), 721-726। यादव, आर. (2023)। भारत में पंचायती राज: सशक्तिकरण और, विकास और चुनौती। इंटरनेशनल जर्नल*

ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी, 9 (4), 162-165।

जर्नल

इंडियन जर्नल ऑफ़ लाइफलॉन्ग लर्निंग एंड एजुकेशनल गाइडेंस।

शोध-परियोजनाएं

दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, 2022-23, दिल्ली में नेटवर्क आधारित यौनकर्मियों द्वारा सेवा में बाधाएं, 2,40,000 रुपए।

दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, दिल्ली सरकार, जून 2023-नवंबर 2023, "महिला यौनकर्मियों और उनके एसपीए प्रबंधकों का संबंध और एचआईवी/एसटीआई की रोकथाम के लिए इसके निहितार्थ", 2,40,000 रुपए।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

शाह वाई.एस. और कुमार वी. मोहन और चड्ढा एन. के., विश्वविद्यालय-सामुदायिक इंटरफ़ेस (ऑनलाइन) प्लान इंडिया, प्रो. राजेश, प्रौढ़ शिक्षा विभाग और श्री सत्यजीत घोष, 12-08-0022।

शाह वाई.एस. और कुमार वी. मोहन और चड्ढा, एनके, दिल्ली विश्वविद्यालय, न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के तहत भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रौढ़ शिक्षा के व्यावसायीकरण, आजीवन अध्ययन पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 06-01-2023।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

जी-20 इंडीज अध्यक्षता के तहत वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय जर्मनी के तहत शताब्दी वर्ष समझौता-ज्ञापन (2022-2025)।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों की संख्या: 5

नियोजन विवरण: 13

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विभाग ने उन्नत भारत अभियान के तहत सामाजिक कार्य के साथ जगपुर और मुकुंदपुर समुदाय को अपनाया।

संकाय संख्या: 9

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 7

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या: 10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

इस शैक्षणिक वर्ष में, 3 एसोसिएट प्रोफेसरों को बहु-विषयक विभाग से चुना गया है।

***

अफ्रीकी अध्ययन विभाग

संक्षिप्त विवरण

दिसंबर 1954 में स्थापित अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान संकाय का एक विशिष्ट हिस्सा है। जवाहरलाल नेहरू ने अफ्रीका की समृद्ध विरासत और समसामयिक विकास के बारे में जागरूकता बढ़ने के लिए इसका 6 अगस्त, 1955 को औपचारिक उद्घाटन किया। यह पहल एम.ए., एम.फिल. (2022 तक) एवं पीएच.डी. डिग्री, साथ ही स्वाहिली भाषा में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पेशकश करते हुए अंतःविषय शिक्षण और शोध का प्रतिनिधित्व करती है। भारत और अफ्रीका के बीच साझा समझ, मित्रता और सहयोग को बढ़ावा देने की महान दृष्टि से स्थापित, विभाग राजनयिक और सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए एक चैनल के रूप में कार्य करता है। यह भारत-अफ्रीका संबंधों के लिए उत्प्रेरक बनने, संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अपनी मूलभूत शैक्षिक और शोध भूमिकाओं का निर्वहन करता है जिससे दोनों क्षेत्रों को लाभ होता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय में अफ्रीकी अध्ययन विभाग महत्वपूर्ण शैक्षणिक और राजनयिक गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। एक महत्वपूर्ण क्षण 14 मार्च 2023 को "भारत-अफ्रीका संबंध: बदलती वैश्विक गतिशीलता और आगे की राह" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन था, जिसमें उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्यों पर संवाद को बढ़ावा दिया गया था। 21 जून 2022 को कल्याण और अध्ययन को एकीकृत करते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाना। इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज का विशेष शताब्दी अंक विभाग के विद्वतापूर्ण योगदान का प्रमाण है। भारत और अफ्रीका के बीच शोध सहयोग को सुदृढ़ करते हुए एनसीएचएचडी के साथ एक समझौता किया गया। आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने वाले अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान ने दक्षिण सूडान के विकास में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की।

शोध-लेख

दास एस. (2022)। भारत-नाइजीरिया तेल साझेदारी। *इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज, 24, 84-101।*
अफ्रीका में राजनीतिक विकास की वैचारिक अनिवार्यताएं: भारत और अन्य उत्तर-औपनिवेशिक समाजों के लिए सबक। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज, 2, 27-33।*

पथरकुआं (अहमदाबाद) के सिद्दी: अफ्रीका से एक प्रवासी जुड़ाव। *इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज,* 24, 136-148।

सिंह जीएस (2022)। गैर-लड़ाकों पर माजी माजी युद्ध के दौरान सैन्य रणनीतियों का प्रभाव: सोंगिया जिले में महिलाएं और बच्चे। *इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज*, 25 (1 और 2), 1-21।

यारुइंगम ए.एस. और शर्मा एस. (2022)। हिंद महासागर में भू-रणनीतिक मंथन: भारत और वेनिला द्वीपों की स्थिति। *जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज*, 8 (12), 1-10।

यारुइंगम ए.एस. और गुप्ता, जे. (2023), नाइजीरिया और भारत का मानव विकास सूचकांक: एक सिंहावलोकन, *जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज*, 9 , 21-32।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

दास, एस. (2023)। गैर-पश्चिमी दुनिया में उदारवादी-आदर्शवादी चिंतन: अफ्रीका में उबंटू का एक अध्ययन। पेंटागन प्रेस।

प्रकाशित जर्नल

अफ्रीकी अध्ययन के भारतीय जर्नल

शोध-परियोजनाएं

आईसीएसएसआर, 10 मार्च 2023, "तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में कश्मीर और अबेई: प्रादेशिक प्रतियोगिता की एक उत्तर-औपनिवेशिक समझ"।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

अफ्रीकी अध्ययन विभाग, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत-अफ्रीका संबंध: वैश्विक गतिशीलता और आगे की राह को बदलना, 14 मार्च, 2023।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

दास, संदीपनि। (2023, 30-31 मार्च)। शोध-पत्र "कश्मीर में आत्मनिर्णय का अधिकार: एक भू-रणनीतिक परिप्रेक्ष्य", भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जम्मू और कश्मीर की भूमिका शीर्षक से राष्ट्रीय सम्मेलन, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया गया।

"भारत-अफ्रीका संबंध: शिफ्टिंग ग्लोबल डायनेमिक्स एंड रोड अहेड," अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एफ्रो-इंडियन आइडिया ऑफ डिकोलोनियलिटी" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया।

दाश संदीपनि। (2022, 20 जुलाई)। शोध-पत्र भारत-अफ्रीका समुद्री सीमा और भू-सांस्कृतिक कनेक्ट में "भारत की सीमाओं को समझना" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया, द इंडियन फ्यूचर्स, नई दिल्ली, (ऑनलाइन)।

"अफ्रीका में भारत की विदेश नीति और स्वास्थ्य कूटनीति", भारत की @75 विदेश नीति पर दो दिवसीय (ऑनलाइन) राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध-पत्र: मुद्दे और चुनौतियां, राजनीति विज्ञान विभाग, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

कपूर रश्मि (2022, 14 जुलाई)। "प्रजनन दर पर वित्तीय विकास का प्रभाव: युगांडा का एक मामला"। एसआरएम कला और विज्ञान महाविद्यालय, (मद्रास विश्वविद्यालय से संबद्ध), कट्टनकुलथुर, चेंगलपट्टू द्वारा आयोजित 13-14 जुलाई 2022 को आयोजित दो दिवसीय 'इंटरनेशनल ई-कॉन्फ्रेंस ऑन साइंटिफिक रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच (आईसीएसआरएमए-2022)' में प्रस्तुत शोध-पत्र।

कर्मवर मनीष। (2023, 25 मार्च)। केएमसी, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित आईसीएचआर और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित "स्वामी विवेकानंद" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्वामी विवेकानंद: एक सच्चा यात्रा वृतांत" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया।

कुमार सुरेश (2022, 19-20 मई)। स्वराज से न्यू इंडिया तक भारत के विचारों पर पुनरीक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लोकतंत्र का अतीत और भविष्य" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया।

सिंह गजेंद्र। (2022, अगस्त)। "एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) इम्पैक्ट ऑन एशियन स्टेट्स", अन्तर्विषयक वैज्ञानिक शोध पर VI-अन्तर्राष्ट्रीय यूरोपीय कॉन्फ्रेंस, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक रिसर्च" कॉस्टिन सी। (ऑनलाइन)।

सिंह गजेंद्र। (2022, अक्तूबर)। "भारत में जाति-विरोधी आंदोलन" पर व्याख्यान, वैज्ञानिक शोध पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, किरसेहिर अही एवरान विश्वविद्यालय, किरसीर, तुर्की।

यारुइंगम एएस और भारती, प्रेम के. (2022, 12-13 अक्तूबर)। "उत्तर-औपनिवेशिक काल में भारत-अफ्रीका संबंध: नेहरूवादी परिप्रेक्ष्य का एक अध्ययन" एशियाई एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड हिस्टोरियंस, पांचवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईआईसी दिल्ली।

नियोजन विवरण - 6

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

पिछले वर्ष में, अफ्रीकी अध्ययन विभाग ने अपनी ऐतिहासिक जड़ों और भारत-अफ्रीका संबंधों के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरणा लेते हुए, विविध गतिविधियों के माध्यम से अपनी पहुंच को सफलतापूर्वक सुदृढ़ किया है। हमने गर्व से वार्षिक अफ्रीकी सांस्कृतिक महोत्सव की मेजबानी की, प्रतिष्ठित विद्वानों की एक सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला शुरू की, अफ्रीकी मुद्दों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया और अफ्रीकी संस्थानों के साथ हमारे शोध संबंधों को प्रोत्साहित किया।

संकाय संख्या : 6

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या : 14

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या : 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अफ्रीकी अध्ययन विभाग ने एक मासिक अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है, जिसमें विशेषज्ञों को अफ्रीकी अध्ययन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह पहल एक निरंतर बौद्धिक आदान-प्रदान को बढ़ाती है, अकादमिक समुदायों को जोड़ती है और अफ्रीका के महत्व पर गहन चर्चा को प्रोत्साहित करती है।

***

पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग

संक्षिप्त विवरण

पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग ने 1964 में चीनी अध्ययन केंद्र के रूप में शुरुआत की। जापानी अध्ययन 1969 में पेश किया गया था और विभाग का नाम बदलकर चीनी और जापानी अध्ययन विभाग कर दिया गया था। 2001 में कोरियाई अध्ययन की शुरुआत के बाद, विभाग को पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के रूप में फिर से नामित किया गया था। यह विभाग सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय का हिस्सा है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग पूर्व एशियाई अध्ययन में एम.ए., जापानी में एम.ए. और पूर्व एशियाई अध्ययन में पीएच.डी. में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम क्षेत्र के अध्ययन के लिए एक अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भाषा इस कार्यक्रम का एक अनिवार्य घटक है और छात्र तीन पूर्वी एशियाई भाषाओं अर्थात चीनी, जापानी या कोरियाई में से एक सीखते हैं। यह कार्यक्रम छात्रों को विषय और संबंधित भाषा का व्यापक और एकीकृत ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। इसका उद्देश्य पूर्वी एशिया पर विशेषज्ञों का निर्माण करना है जो थिंक टैंक, गैर सरकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, समाचार पत्र एजेंसियों आदि में काम करते हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाओं में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा और उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने वाले छात्रों को भारत में और बाहर की कंपनियों में नियोजन प्राप्त हो जाता है। इस वर्ष का मुख्य आकर्षण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना रहा है। हस्ताक्षर किए गए एमओयू के तहत ताइवान से विजिटिंग फैकल्टी प्रोफेसर इकेदा इसामू और सुश्री गेंगयानक्सिया को विभाग में भेजा गया था। सोमवार को सेमिनार और सम्मेलनों के लिए प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। कई संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध-पत्र प्रस्तुत किए। मेधावी छात्रों को उच्च अध्ययन के लिए चीन, ताइवान और जापान जाने के लिए छात्रवृत्ति मिली। विभाग के प्लेसमेंट सेल के माध्यम से बड़ी संख्या में छात्रों को नियोजन मिला।

सम्मान/गौरव

ओमोरोइ पुरस्कार निबंध प्रतियोगिता, ओमोरोइ पुरस्कार निबंध प्रतियोगिता में विश्व प्रथम पुरस्कार के जापानी शिक्षार्थी, विश्व के जापानी शिक्षार्थी ओमोरोइ, जापान 2022।

जापानी में अखिल भारतीय उत्तर क्षेत्र भाषण प्रतियोगिता (जूनियर श्रेणी) जापानी (जूनियर श्रेणी) में अखिल भारतीय उत्तर क्षेत्र भाषण प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार मोसाई, भारत 2022।

प्रकाशन

डॉ. प्राची अग्रवाल, (2022), 15वीं ब्रिक्स ताइवान की ऊर्जा (इन) सुरक्षा का मूल्यांकन: विकास और विकास के लिए चुनौतियां, *जादवपुर जर्नल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस*, 01 , 26 , 110-126 , 02।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

रवनी ठाकुर, (2023), 21वीं सदी में चीन: प्रमुख मुद्दे और चुनौतियां, दिल्ली, कल्पाज़ प्रकाशन, ज्ञान पुस्तकें, आईएसबीएन 978-93-958-8(पीबी), 1-200।

रंजना मुखोपाध्याय, (2022), रीता बनर्जी (सं.) इंडियन एंड द ट्रैवलर: एस्पेक्ट्स ऑफ ट्रैवलिंग आइडेंटिटी, नई दिल्ली, ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग, आईएसबीएन: 9789354355158, 127-145।

राजीव रंजन, (2023), सांस्कृतिक क्रांति की समाप्ति के बाद चीन अध्ययन, दिल्ली, विश्व वैज्ञानिक, आईएसबीएन 9789811260896, 1-19।

अवयवी डी. (2022), कोविड-19 जटिलताओं और परिणाम, नई दिल्ली, टीआरएसीआई, नई दिल्ली, आईएसबीएन 978-93-94507-18-0., 97-111।

प्राची अग्रवाल, (2022), चीन की ऊर्जा सुरक्षा: आत्मनिर्भरता से वैश्विक निवेशक तक की यात्रा, सिंगापुर, पालग्रेव मैकमिलन सिंगापुर, आईएसबीएन 978-981-19-2191-9 आईएसबीएन 978-981-19-2192-6 (ईबुक), XIV -217।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

प्रोफेसर रंजना मुखोपाध्याय, प्रोफेसर, एनए रिसर्च मेथड्स लैब-ए प्रैक्टिकल सेशन ऑन एसटीएटीए, 15-06-2023।

प्रोफेसर रंजना मुखोपाध्याय, प्रोफेसर, एनए, सीपीडीएचई, एमईए और जापान फाउंडेशन के सहयोग से जापानी भाषा पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 04-03-2023।

प्रोफेसर रंजना मुखोपाध्याय, प्रोफेसर, एनए, रिसर्च मेथड्स लैब-आर्काइवल रिसर्च: मेकिंग सेंस ऑफ पास्ट, 26-06-2023।

रंजना मुखोपाध्याय, प्रोफेसर, एनए, दो दिवसीय जापानी साहित्य कार्यशाला जापान फाउंडेशन के सहयोग

से आओयामा गाकुइन दैगाकू के प्रो यासुहिको कोमात्सु, 22-08-2023।

प्रोफेसर रंजना मुखोपाध्याय, प्रोफेसर, एनए, जापानी भाषा के छात्रों और साइतामा कोग्यो डाइगाकू के आने वाले छात्रों को शामिल करने वाला 7 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम, 31-08-2023।

डॉ. धारित्री नारजारी, डॉक्टर, एनए, असम की बुरंजी परंपरा पर पूर्वी एशियाई ऐतिहासिक परंपरा का प्रभाव, 19-06-2023।

श्री पीटर चैन, एनए, एनए, ताइवान में अवसर, 26-06-2023।

जिया-फेंग जिओ, एनए, एनए, आईआईटी रोपड़ में लर्निंग मैंड्रिन, 26-06-2023।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

कोरिया फाउंडेशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

टोक्यो विश्वविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सीपीडीएचई, विदेश मंत्रालय और जापान फाउंडेशन के सहयोग से जापानी भाषा पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम। सी.पी.डी.एच.ई., डी.यू. विदेश मंत्रालय, भारत सरकार। और जापान फाउंडेशन, ग्रीन पार्क। फरवरी 20- मार्च 4, 2023 दो सप्ताह जापानी भाषा शिक्षक प्रशिक्षण https://drive.google.com/drive/folders/1XxFKyhfxiGqlA7TKbBPgEL3KoxvcZPWF

जापानी भाषा के छात्रों और सैतमा कोग्यो डैगाकु सैतमा कोग्यो विश्वविद्यालय के आने वाले छात्रों को शामिल करने वाला 7 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम 23 अगस्त -31 अगस्त सात दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम जिसमें जापानी भाषा के छात्र और आने वाले छात्र शामिल हैं https://drive.google.com/drive/folders/1XxFKyhfxiGqlA7TKbBPgEL3KoxvcZPWF

जी20 विश्वविद्यालय कनेक्ट के तहत के-ड्रीम अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय, 500 लोग मई-23 ग्येओंगसांगबुक-डो प्रांत के गवर्नर महामहिम श्री ली चेओल वू द्वारा एक दिवसीय व्याख्यान। मिरांडा हाउस में सांस्कृतिक कार्यक्रम मिरांडा हाउस, डीयू 500 व्यक्ति, 24 फरवरी 2023 एक दिवसीय अंबास्डोर, कोरिया गणराज्य।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों की संख्या : 10

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

संख्या - 18

संकाय संख्या - 15

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या - 04

***

अर्थशास्त्र विभाग

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स भारत के उच्च शिक्षा के प्रमुख संस्थानों में से एक है। स्कूल की शुरुआत 1949 में वी.के.आर.वी. राव द्वारा प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के सहयोग से की गई थी। यह इस दृष्टिकोण से विकसित हुआ कि एक नव स्वतंत्र राष्ट्र, जो सामाजिक और आर्थिक प्रगति की आकांक्षा रखता है, को सामाजिक विज्ञान में उन्नत अध्ययन के लिए एक जीवंत केंद्र की आवश्यकता है। अर्थशास्त्र विभाग ने, भूगोल और समाजशास्त्र के अपने सहयोगी विभागों के साथ, देश के कई प्रमुख शिक्षाविदों, शिक्षकों, प्रशासकों, नीति निर्माताओं, कॉर्पोरेट नेताओं और पत्रकारों को तैयार किया है। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन, प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह, और भारत की पंचवर्षीय योजनाओं के वास्तुकारों में से एक, दिवंगत सुखमय चक्रवर्ती, सभी ने यहां पढ़ाया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अप्रैल 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान, विभाग के सदस्यों ने महत्वपूर्ण तरीकों से अर्थशास्त्र के क्षेत्र में योगदान देना जारी रखा। यह विभाग 1965 से यूजीसी का उन्नत अध्ययन केंद्र बना हुआ है, जो इसे गौरव प्रदान करता है। लगातार दसवें वर्ष के लिए, अर्थशास्त्र में (http://ideas.repec.org/top/top.india.html) वर्किंग पेपर्स और प्रकाशनों के वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक संग्रह, रेपेक द्वारा इसे भारत में विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागों में सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

विभाग 1952 से प्रोफेसर वी. के. आर. वी. राव द्वारा स्थापित इंडियन इकोनॉमिक रिव्यू पत्रिका प्रकाशित करता है।

शोध-लेख

बंसल, एस., विश्वनाथन, बी., और मीनाक्षी, जेवी (2023)। क्या शोध प्रदर्शन भारतीय शिक्षा जगत में "लिकी पाइपलाइन" की व्याख्या करता है? कृषि और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र का एक अध्ययन। *एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स*, 54 (2), 274-288।

भट्टाचार्जी, ए. (2022)। प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत प्रभुत्व का दुरुपयोग: प्रतिस्पर्धी प्रभाव परीक्षण की आवश्यकता। *इंडियन कम्पटीशन लॉ रिव्यू*, 7 (2), 36-43।

भट्टाचार्जी, ए. (2022)। स्वतंत्रता के बाद से भारत में औद्योगिक नीति। *" इंडियन इकनोमिक रिव्यू,* 57 (2), 565-598। doi.org/10.1007/s41775-022-00154-9

दास वीके और कुमार, एजी (2022)। भारत में किसानों की आय का व्यावसायीकरण, विविधीकरण और संरचनात्मक निर्धारक। *इंडिया एनवायरनमेंट पोर्टल,* 112-133।

दत्ता एस. और किंग्डन जीजी (2022)। कक्षा का आकार और अध्ययन: क्या भारत ने वर्ग के आकार को कम करने पर बहुत अधिक खर्च किया है? *द वर्ल्ड बैंक इकनोमिक रिव्यु,* 37 (1), 24-48।

दुआ पी. और टुटेजा डी. (2023)। हाल के संकटों के दौरान चीन और भारत के चक्रों में सिंक्रनाइज़ेशन: एक मार्कोव स्विचिंग विश्लेषण। *जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स,* 21 (2), 317-337।

दुआ पी., गोयल डी. और कुमार एन. (2023)। केंद्रीय बजट के वित्तीय समावेशन एजेंडा को डिकोड करना: भारत की प्रगति की समीक्षा, *इकनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 58 (13), 1-22।

दुआ पी. और कुमार एस. (2023)। बड़ी सूचीबद्ध भारतीय फर्मों में कॉर्पोरेट पर्यावरणवाद की प्रकृति: भारतीय कंपनियों से अनुभवजन्य साक्ष्य। *जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल स्टडीज एंड साइंसेज,* 13, 602-613।

फ्रेडरिकसन पीजी और गुप्ता एसके (2022)। भूमि उत्पादकता और उपनिवेशीकरण। इकनोमिक मॉडलिंग, 113, 105890। doi.org/10.1016/j.econmod.2022.105890

फ्रेडरिकसन पीजी गुप्ता एसके, झाओ, डब्ल्यू, और वोल्शेड, जेआर (2023)। लीगल हेरिटेज एंड अर्बन स्लम्स। जर्नल ऑफ रीजनल साइंस, 63 (1), 236-252। doi.org/10.1111/jors.12622

घोष पी. और रे डी. (2023)। संबंधपरक व्यवस्था का सामाजिक संतुलन। *जर्नल ऑफ़ इंस्टीट्यूशनल एंड थियोरेटिकल इकोनॉमिक्स,* 1-34।

कुमार ए. और कुमार एम. (2022)। 'मुफ्तखोरी' के राजनीतिक पहलू। *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली,* 57 (52)।

कुमार एम. (2022)। पावर एसिमेट्री एंड अनइक्वल एक्सचेंज इन द ऐग्रीकल्चरल वैल्यू सीस्टमस: केस स्टडी ऑफ पैडी। एग्रेरियन साउथ: जर्नल ऑफ़ पॉलिटिकल इकोनॉमी: ए ट्राइएनुअल जर्नल ऑफ़ एग्रेरियन साउथ नेटवर्क एंड केयर्स, 11 (3), 308-332। doi.org/10.1177/22779760221133968।

कुमार एस. और खन्ना एम. (2023)। जलवायु परिवर्तन प्रभावों और अनुकूलन में वितरण संबंधी विविधता: भारतीय कृषि से साक्ष्य। *एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स,* 54 (2), 147-160।

कुमार एस. (2023)। क्या वित्तीय समावेशन से कर राजस्व बढ़ता है: भारतीय अनुभव। *सेंटर फॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स,* 335, 1-240।

कृष्णा केएल और मीनाक्षी, जेवी (2022)। ग्रामीण भारत में कृषि उत्पादकता वृद्धि और संरचनात्मक परिवर्तन: कुछ हालिया साक्ष्य। *जर्नल ऑफ़ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स*, 20, 270-302।.

कृष्णा केएल और मीनाक्षी जेवी (2022)। ग्रामीण भारत में कृषि उत्पादकता वृद्धि और संरचनात्मक परिवर्तन: कुछ हालिया साक्ष्य। *जर्नल ऑफ़ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स,* 20, 270-302.

मैती डी. और सिंह पी. (2023)। विदेशी पूंजी प्रवाह, निर्यात योग्यता और भारतीय अर्थव्यवस्था। "*द इंडियन*

इकोनॉमिक जर्नल, 71 (3), 581-597। doi.org/10.1177/00194662221137838

मैती डी., और खारी बी. (2013)। डिजिटलीकरण, शासन और अनौपचारिक क्षेत्र। *रिसर्च*।

रिंगलर सी., एग्बोनलाहोर एम., बैरन जे., बेय के., मीनाक्षी जेवी, मेकोनेन डीके, और उहलेनब्रुक एस. (2022)। खाद्य प्रणालियों को बदलने में पानी की भूमिका। वैश्विक खाद्य सुरक्षा, 33, 100639। doi.org/10.1016/j.gfs.2022.100639।

सरकार एस., और गुप्ता डी. (2023)। बारगेनिंग फॉर असेम्ब्ली। थ्योरी एंड डिसिज़न, 95 (2), 229-254। doi.org/10.1007/s11238-022-09917-5

पेरिसी एफ. और सिंह आर. (2022)। क्या प्रतिस्पर्धा सोशल मीडिया में ध्यान लागत को कम करेगी? एसएसआरएन इलेक्ट्रॉनिक जर्नल। doi.org/10.2139/ssrn.4069468

शेफर एचबी और सिंह आर. (2023)। प्रॉपर्टी ऑफ़ द सोशल मीडिया डेटा। इन लॉ एंड इकोनॉमिक डेवेलपमेंट (पीपी। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। doi.org/10.1007/978-3-031-24938-9_2

सिंह आर. (2023)। क्या भारत में बुनियादी आय सहायता का कोई मामला है? सत्यापन योग्य मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन। *(सं.), द इंडियन इयरबुक ऑफ लॉ एंड इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज। रूटलेज इंडिया*। doi.org/10.4324/9781003150565

सिंह, आर., और रे, एस. (2023)। अंडर-रिपोर्टिंग ऑफ़ इनकम बाए वैल्थी इंडियंस। *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 58 (20)।

सेन एन. और सिन्हा यूबी (2022)। कम गुणवत्ता वाले निर्माता के साथ विलय कब करें? *जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक्स*, 138 (2), 165-188।

सोमनाथन आर., कुमार एच. और वशिष्ठ एम. (2022)। जातीय रूप से मिश्रित समुदायों में भाषा और अध्ययन। *रिव्यु ऑफ़ डेवेलपमेंट इकोनॉमिक्स,* 26 (2), 835-846।

सोमनाथन आर. और सेठी आर. (2023)। बुद्धिजीवियों का राज्य और प्रतिनिधित्व। *जर्नल ऑफ इकोनॉमिक लिटरेचर*, 51 (3), 941-957।

वार्ष्णेय डी. और मीनाक्षी जेवी (2022)। भारत में कोविड-19 से विस्थापित प्रवासियों के लिए आपातकालीन सहायता पैकेज के रोजगार प्रभाव। *एप्लाइड इकोनॉमिक पर्सपेक्टिव्स एंड पॉलिसी* doi.org/10.1038/s41598-022-21334-w

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

दुआ पी। मैक्रोअर्थमितीय तरीके: भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अनुप्रयोग। स्प्रिंगर।

घोष पी. और ओझा वी. (2022)। समन्वय के बिना एकीकरण: महामारी के प्रकाश में वैश्वीकरण पर फिर से विचार करना। *एम. दत्ता जेड. हुसैन और ए. के. सिन्हा (सं.) में, द इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड-19 ऑन इंडिया*

एंड द ग्लोबल आर्डर। सिंगापुर: स्प्रिंगर, 2022। https://doi.org/10.1007/978-981-16-8472-2_14।

मार एम. (2022)। कृषि बाजार: बाधाएं और अवसर। एस.के. भौमिक (एड) में, बिहार में कृषि उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि। *सेज.*

मूर्ति एमएन और कुमार एस. (2023)। पर्यावरण मूल्यांकन और लेखा: भारतीय परिप्रेक्ष्य, अकादमिक नींव। एल्सेवियर।

मूर्ति एमएन और कुमार एस. (2023)। थ्री पीलरस ऑफ गवर्नमेंट, मार्केट एंड कम्यूनिटिज़ फॉर एनवायरमेंट मैनेजमेंट, ऐकेडमिक फाउंडेशन। एल्सेवियर।

प्रकाशित जर्नल

इंडियन इकोनॉमिक रिव्यु, *स्प्रिंगर।*

शोध-परियोजनाएं

IoE-DU, 3 वर्ष, डिजिटलीकरण, भारत और विकासशील देशों का अनौपचारिक क्षेत्र और आर्थिक विकास: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की भूमिका (फ़ाइल संख्या: IoE-DU/MRP/2022/056 दिनांक: 01.08.2022) दिब्येंदु मैती (पीआई) और उदय भानु सिन्हा (सह-पीआई), 1514000

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

विंटर स्कूल 2022, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई), सेंटर फॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स (सीडीई) और इकोनोमेट्रिक सोसाइटी, विंटर स्कूल 2022/, 17-12-2022 में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

भट्टाचार्जी आदित्य (2022, नवंबर)। "कार्टेल मामलों में भारतीय फर्मों के शेयर की कीमतों पर एंटीट्रस्ट पेनल्टी का प्रभाव, 2011-21", (ओइंड्रिला डे के साथ), कानून और अर्थशास्त्र पर 8 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली।

दास वरुण कुमार (2022, नवंबर)। "क्या विनिर्माण भारत में एक ग्रामीण घटना बन रहा है? भारतीय विनिर्माण क्षेत्र से साक्ष्य", भारतीय अर्थव्यवस्था पर सम्मेलन, विकास अध्ययन केंद्र, तिरुवनंतपुरम में।

दास वरुण कुमार (2022, सितंबर)। "भारत में किसानों की आय के व्यावसायीकरण, विविधीकरण और संरचनात्मक निर्धारक", अर्थशास्त्र विभाग, शहीद भगत सिंह ईवनिंग कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आमंत्रित संगोष्ठी में।

दास वरुण कुमार (2022, अगस्त)। क्या विनिर्माण भारत में एक ग्रामीण परिघटना बन रहा है? रोजगार पर सीडीएस-फोर्ड फाउंडेशन कार्यशाला, नई दिल्ली में भारतीय विनिर्माण क्षेत्र से साक्ष्य"।

दत्ता संदीप (2022, 24 सितंबर)। "उत्तराखंड के विकास के अनुभवों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: उपलब्धि, चुनौतियां और आगे का रास्ता। दून विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र विभाग, देहरादून, उत्तराखंड, भारत द्वारा आयोजित, 24

सितंबर, 2022।

दुआ पम्मी (2022, मई)। "व्यापार, निवेश और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध," पैनलिस्ट, एडीबी इवेंट इन टी 20/जी 20 मिड-ईयर कॉन्फ्रेंस, मुंबई।

दुआ पम्मी (2022, दिसंबर)। "शिक्षा, रोजगार और कौशल," अध्यक्ष, कई वैश्विक झटकों के बीच सतत विकास लक्ष्यों पर सम्मेलन में पैनल चर्चा, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च (आईजीआईडीआर), मुंबई।

दुआ पम्मी (2022, सितंबर)। "भारत में मौद्रिक नीति", 11वां एनजे यासास्वी मेमोरियल व्याख्यान (आईसीएफएआई समूह के संस्थापक के सम्मान में), आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, गुड़गांव, दिसंबर 2022, "टैमिंग इन्फ्लेशन - ग्लोबल इन्फ्लेशन सिनेरियो: लेसन्स फॉर इंडिया," पैनलिस्ट, आईसीआरआईईआर सम्मेलन।

दुआ पम्मी (2022, अगस्त)। " हारनेसिंग ओपन साइंस एंड एसडीजीस टू एड्रेस ग्लोबल इशूज," पैनलिस्ट, ओपन रिसर्च एंड स्कॉलरली कम्युनिकेशन फोरम 2022, स्प्रिंगर नेचर, इंडिया, नई दिल्ली।

दुआ पम्मी (2022, मई)। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च (आईजीआईडीआर), मुंबई के सत्रहवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि का संबोधन (मुख्य अतिथि)।

आ पम्मी (2022, अप्रैल)। "भारत में मौद्रिक नीति ढांचा," भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली।

कुमार मनीष (2023, 8 फरवरी)। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मुफ्त उपहारों के राजनीतिक पहलू: केंद्रीय बजट 2023-24 के संदर्भ में' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

कुमार मनीष (2023, 25 फरवरी) अर्थशास्त्र विभाग, दून विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड द्वारा आयोजित 'केंद्रीय बजट 2023-24 का संदर्भ'।

कुमार एस. (2023, 10 फरवरी)। 'जलवायु परिवर्तन और सार्वजनिक नीति', प्रथम वार्षिक प्रोफेसर पी.सी. जैन मेमोरियल व्याख्यान, अर्थशास्त्र विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

कुमार एस. (10 जनवरी, 2023)। हिंदी दिवस, भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली पर 'जलवायु परिवर्तन और हरित वित्तपोषण' विशेष व्याख्यान दिया गया।

कुमार एस. (10 जनवरी, 2023)। जलवायु परिवर्तन और हरित वित्तपोषण' हिंदी दिवस पर विशेष व्याख्यान, भारतीय रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली।

कुमार एस. (27-29 दिसंबर, 2022)। 'भारत के लिए आर्थिक विकास की संभावनाएं: एक क्षेत्रीय विश्लेषण' बैंगलोर में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के 105वें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य भाषण।

कुमार एस. (2022, 5 नवंबर)। 'जलवायु परिवर्तन प्रभावों और अनुकूलन में वितरणात्मक विविधता: भारतीय कृषि से साक्ष्य' वार्षिक अर्थशास्त्र सम्मेलन, आईआईएसईआर भोपाल।

कुमार एस. (2022, नवंबर। 4). 'तकनीकी परिवर्तन को मापना', उत्पादकता और दक्षता विश्लेषण पर राष्ट्रीय

कार्यशाला, अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली के उद्घाटन में मुख्य वक्ता।

कुमार एस (2022, 15 अक्तूबर)। 'सामाजिक विज्ञान का विऔपनिवेशीकरण: एनईपी 2020 के अनुसार संभावनाएं', पैनल चर्चाकार, राष्ट्रीय समाज विज्ञान परिषद (आरएसवीपी) 5 वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

मैती दिब्येंदु (2023, फरवरी 5-7)। "ट्रेड, स्ट्रेटेजिक कॉम्पिटिशन एंड ग्रोथ इन ए जनरलाइज्ड ओलिगोपॉली इक्विलिब्रियम मॉडल", एक बदलती दुनिया में अपूर्ण संसाधन गतिशीलता और आर्थिक समायोजन पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में- विशिष्ट कारक मॉडल के 50 वर्षों का जश्न मनाते हुए, जेवियर्स यूनिवर्सिटी, कोलकाता।

मैती दिब्येंदु (2022, 13 अप्रैल)।"आईसीटी फॉर वैलबिंग एंड सोशल कनेक्टिविटी", सूचना समाज फोरम 2022 पर विश्व शिखर सम्मेलन।

मैती दिब्येंदु (2022, 9 अप्रैल)। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय (यूके) द्वारा आयोजित "भारत में श्रम संबंधों के लिए समकालीन चुनौतियां।"

मैती दिब्येंदु (2022, 21-22 दिसंबर)। कार्बन टैरिफ, व्यापार और कल्याण: कुछ मुद्दे ', हेरिटेज कॉलेज, कोलकाता। मैती, दिब्येंदु (2022, 21-22 दिसंबर)। कार्बन टैरिफ, व्यापार और कल्याण: कुछ मुद्दे ', हेरिटेज कॉलेज, कोलकाता।

मैती दिब्येंदु (2022, 1-3 अगस्त)। "आईसीटी-एक्सपोजर, गवर्नेंस एंड द इनफॉर्मल सेक्टर: ए क्रॉस कंट्री स्टडी" (भावना खारी के साथ), प्रशांत सम्मेलन, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान में प्रस्तुत किया गया।

मैती, दिब्येंदु (2022, 13 अप्रैल)। "आईसीटी फॉर वेल्बींग एंड सोशल कनेक्टिविटी ", सूचना समाज फोरम 13 अप्रैल 2022 पर विश्व शिखर सम्मेलन।

मैती दिब्येंदु (2022, 16-17 सितंबर)।"एंडोजेनेटी करेक्टेड स्टोकेस्टिक फ्रंटियर विद मार्केट इम्परफेक्शन्स" (चिरंजीब निओगी, आईएसआई, कोलकाता के साथ), केएलईएम इंडियन प्रोडक्टिविटी वर्कशॉप ट्रेड एंड डेवलपमेंट वर्कशॉप, डीएसई में प्रस्तुत किया गया।

मैती दिब्येंदु (2023, 24-25 फरवरी)। "व्यापार, सामरिक प्रतिस्पर्धा और एक सामान्यीकृत ओलिगोपॉली संतुलन मॉडल में विकास", व्यापार और विकास कार्यशाला, डीएसई में प्रस्तुत किया गया।

सैनी स्वाति (15-16 दिसंबर, 2022,). "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दे", आईआईएफटी, दिल्ली पर 8 वें सम्मेलन में "पर्यावरण की दृष्टि से सतत और निष्पक्ष व्यापार समझौतों की ओर: विकासशील देशों के लिए एक मामले पर बहस करना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह राम (2023, फरवरी 16-17)। मुख्य भाषण, जी-20 बैठक, भोपाल में एलआईएफई के साथ ग्लोबल गवर्नेंस' पर 'स्पेशल थिंक 20' कार्यक्रम।

सिंह राम (2023, 21 मार्च)। प्रोफेसर एस. के. रंगराजन स्मृति व्याख्यान। 'आयकर किसे देना चाहिए और कितना? एक राजनीतिक अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण', भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर।

सिंह राम (2023, 10 जनवरी)। 'पब्लिक पुलिस एंड द इक्वल सिक्योरिटी पैराडॉक्स', इकोनोमेट्रिक सोसाइटी की एशियाई बैठक, आईआईटी मुंबई।

सिंह राम (2022, दिसंबर, 27-29). सम्मेलन व्याख्यान. 'विजन India@2047'। भारतीय आर्थिक संघ, बैंगलोर का 105वां वार्षिक सम्मेलन।

सिंह राम (2023, 17 मार्च) मुख्य भाषण। 'क्या कर कानून अमीर समूहों को अपनी आय को कम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं? गांधीनगर के जीएनएलयू में कानून, अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

सार्वजनिक नीति शोध और प्रशिक्षण के एक कार्यक्रम के लिए एक समझौता-ज्ञापन ("एमओयू") पर हस्ताक्षर किए गए: नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च, एक आर्थिक नीति शोध संस्थान जो सोसायटी के पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत शामिल है, और एनसीएईआर इंडिया सेंटर, 11, इंद्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली -110002 में इसके पंजीकृत कार्यालय हैं।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 223 (87.34%)

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप: ज़रूरतमंद लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए, अर्थशास्त्र विभाग के छात्रों ने 2005 में एक सामाजिक संगठन प्रयास-डीएसई का गठन किया। प्रयास-डीएसई ने खुद को एक आत्मनिर्भर और प्रगतिशील संगठन के रूप में विकसित किया है।

संकाय संख्या: 27

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 3

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या: 2

***

भूगोल विभाग

संक्षिप्त विवरण

भूगोल विभाग की स्थापना अक्तूबर 1959 में तीन युवा संकाय सदस्यों - डॉ. एस.एस. भाटिया, डॉ. एस.जी.

बर्मन और श्रीमती रुक्मणी श्रीनिवास के साथ "मानव भूगोल विभाग" के रूप में की गई थी। विभाग ने प्रो. जॉर्ज कुरियन (1959-62) और उसके बाद प्रो. वी.एल.एस. प्रकाश राव (1965-73) के नेतृत्व में काम शुरू किया। उनके गतिशील नेतृत्व में, विभाग ने भारत और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बीच अकादमिक ख्याति और एक विशिष्ट पहचान अर्जित की। प्रो. आर. रामचन्द्रन के कुशल मार्गदर्शन में विभाग का 1973 के बाद धीरे-धीरे विकास हुआ; और शिक्षण और शोध के व्यापक दायरे के साथ, 1976 में इसका नाम बदलकर "भूगोल विभाग" कर दिया गया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के अनुसार, भूगोल विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय को 2019 में रैंकिंग समूह 151-200 में रखा गया है। 2019 में विभाग भारत में दूसरे स्थान पर था।

शोध-लेख

चंदेल पी., आनंद एस., सिंह डी., (2022)। भारत में भू-विरासत पर वैज्ञानिक शोध का अवलोकन, जियोहेरिटेज, 14 (4), 131। doi.org/10.1007/s12371-022-00762-0।

गाओ डब्ल्यू., हुआंग जे., किउ क्यू., श्रेष्ठ ए., युआन सी., आनंद एस., वांग जी., वांग जी., वांग जी., (2023), चीन और भारत में संरक्षित क्षेत्रों का संरक्षण और प्रबंधन: एक साहित्य समीक्षा (1990-2021)। *क्लाइमेट*, 11 (1), 22. doi.org/10.3390/cli11010022.

जमाल एस., घोष ए., हजारिका आर., और सेन ए. (2022)। आजीविका, संघर्ष और पर्यटन: सुंदरबन, पश्चिम बंगाल में आजीविका प्रभाव का आकलन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोहेरिटेज एंड पार्क्स*, 10 (3), 383-399. /doi.org/10.1016/j.ijgeop.2022.07.004

के.एस.सजिन कुमार, एम. संतोष, रानी, वी.आर., आनंद, एस., ए.पी. रामचंद्रन, पीवी (2022)। वर्कला तटीय चट्टानों का तृतीयक अनुक्रम, दक्षिण-पश्चिमी भारत: ग्लोबल जियोपार्क के लिए एक आदर्श स्थल। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोहेरिटेज एंड पार्क्स*, 10 (2), 308-321. doi.org/10.1016/j.ijgeop.2022.05.003.

मोहम्मद आरिफ हुसैन, कुमार, पी., और बारब्रोस गोनेंकगिल। (2023). स्थानिक-अस्थायी भूमि उपयोग/आवरण परिवर्तन और लाहौल और स्पीति, भारत में भूमि की सतह के तापमान पर इसके प्रभाव का आकलन। *लैंड*, 12 (7), 1294-1294। doi.org/10.3390/land12071294

मिश्रा, एच., पांडे, बीडब्ल्यू, मुकवाडा, जी., डी लॉस रियोस, पी., निगम, एन., और साहू, एन. (2023)। प्रकृति के भीतर फंसा: जलवायु परिवर्तनशीलता और भारतीय हिमालय के गद्दी ट्रांसह्यूमन्स की पारंपरिक आजीविका पर इसका प्रभाव। *लोकल एनवारमेंट*, 28(12), 1–17. doi.org/10.1080/13549839.2022.2162025.

मिश्रा एमएम, साहू एन., मल्लिक जी., और पाणि बी. (2023)। "भारत के ओडिशा के कालाहांडी जिले में मलेरिया की घटनाओं की प्रवृत्ति और वर्षा के साथ इसका संबंध"। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 67 (1), 166-169।doi.org/10.4103/ijph.ijph_916_22.

मिश्रा एम.एम., साहू एन, पाणि बी, चक्रवर्ती ए, मल्लिक जी. (2023). ओडिशा, भारत के कालाहांडी-बलांगीर-कोरापुट क्षेत्र में मानव स्वास्थ्य भेद्यता का आकलन। *द जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल डिज़िज़िज़*, 55 (02), 1-

8। doi.org/10.24321/0019.5138.202318।

मंडल बी., रॉय, ए., और साहा एके (2022)। तटीय पश्चिम बंगाल, भारत में मैंग्रोव क्षेत्रों की संवेदनशीलता का आकलन। *रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन: सोसाइटी एंड एनवायरमेंट,* 25, 100680। doi.org/10.1016/j.rsase.2021.100680

पांडे बीडब्ल्यू, नेगी वीएस, रंजन ओजे, यादव जी., और प्रकाश पी. (2022)। उत्तरकाशी, उत्तराखंड के क्रायोस्फीयर जिले में जलवायु विविधताएं और आजीविका अनुकूलन: एक स्थानीय सार्वजनिक धारणा दृष्टिकोण। *ट्रांसेक्शन्स ऑफ़ द इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडियन जियोग्राफर्स*, 44 (1) 93-110।

पंडित पी., सैनी ए., साहू एन., और मेहरा आर. (2023)। भारी धातुओं का भू-रासायनिक मूल्यांकन और पर्यावरणीय जोखिम मूल्यांकन: टेलस स्ट्रीम तलछट डेटा (2011-2017) का उपयोग करके आयरलैंड से एक केस स्टडी। *ग्राउंडवॉटर फॉर सस्टेनेबल डेवेलपमेंट*, 23 (23), 100974। doi.org/10.1016/j.gsd.2023.100974

रहमान एस., जहांगीर एस., चेन आर., और कुमार पी. (2022)। चीन में प्रतिबंधित मानवजनित गतिविधियां और बेहतर शहरी वायु गुणवत्ता: वायु गुणवत्ता जोनल मॉडलिंग का उपयोग करके वास्तविक समय और दूरस्थ रूप से संवेदी डेटासेट से साक्ष्य। *एटमोस्फेयर,* 13 (6), 961-961। doi.org/10.3390/atmos13060961।

रज़वी एनएस, अदेनियी-ओगुनयानकिन, जी., बसु, एस., दत्ता, ए., डी सूजा, के., टिंग आईपी पीटी, कोलेथ ई., मार्कस जे., मिराफ्ताब एफ., मुलिंग्स बी., नमोरमाह एस., ओडुनोला बी. (2023)। महामारी शहर में हर रोज शहरीकरण: दक्षिणी शहरों में कोविद -19 के लेंगिकता अनुभवों का एक नारीवादी तुलनात्मक अध्ययन। सोशल एंड कल्चरल जियोग्राफी, 24 (3-4), 582-599। doi.org/10.1080/14649365.2022.2104355.

साहू एन., दास पी., सैनी ए., आयुष वरुण, सूरज कुमार मलिक, राजीव नयन, कुमार, ए. (2023)। भू-सांख्यिकीय और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके चाय बागान उपयुक्तता का विश्लेषण: दार्जलिंग हिमालय, भारत का एक मामला। *सस्टेनेबिलिटी (स्विट्जरलैंड),* 15 (13), 10101-10101। doi.org/10.3390/su151310101

सलूजा वी., आनंद एस., पेंग जे., और कुमार, एच. (2022)। दक्षिण भारत के वर्कला के निवासियों के लिए पर्यटन विकास और टिकाऊ रणनीतियों का कथित प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोहेरिटेज एंड पार्क्स*, 10 (2)। doi.org/10.1016/j.ijgeop.2022.03.003.

सेन ए., और राय एएन (2022)। मंदिर की अपवित्रता का भौगोलिक अध्ययन: भारत में सम्राट औरंगजेब का शासनकाल। *इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यू,* 49(2), 198-214. doi.org/10.1177/03769836221136277

सिंह बीवीआर, सेन ए., मिश्रा आर., और प्रसाद आर (2023)। वन पारिस्थितिकी तंत्र पर मानवजनित प्रभाव का आकलन: कुंभलगढ़ वन्यजीव अभ्यारण, भारत का एक केस स्टडी। *जियोग्राफी, एनवायरमेंट, सस्टेनेबिलिटी*, 16 (1) 189-199। doi.org/10.24057/2071-9388-2022-047.

यादव जी., सिंह आर. बी. आनंद, एस. पांडे, बीडब्ल्यू मोहंती ए., और दाश एसएस (2021)। भारत के उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में परिवेशी वायु प्रदूषण द्वारा श्वसन स्वास्थ्य जोखिम कारकों का पारिस्थितिक मॉडल विश्लेषण। *जियोजर्नल,* 87 (सप्ल 4), 469-483 doi.org/10.1007/s10708-021-10490-7.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

भैरन्नावर के. (2023)। कर्नाटक में क्वीर: गैर-महानगरीय में पुरुष समान-लेंगिकता कामुकता की खोज।

चक्रवर्ती और एएस चक्रवर्ती (एड्स) में, द क्वीर एंड द वर्नाकुलर लैंग्वेजिज़ इन इंडिया: स्टडीज़ इन कंटेम्पररी टेक्स्ट्स एंड कल्चर्स (1 संस्करण) रूटलेज इंडिया। https://doi.org/10.4324/9781003440536। भारत: रूटलेज से लिया गया https://www.taylorfrancis.com/books/edit/10.4324/9781003440536/queer-vernacular-languages-india-kaustav-chakraborty-anup-shekhar-chakraborty?refId=77c47e54-3451-401a-81e6-80c4aca612b6&context=ubx

दिल्ली और कोलकाता में वृद्ध पुरुषों की देखभाल के परिदृश्य की व्याख्या करना: देखभाल रिसीवर और देखभाल करने वालों के दृष्टिकोण। *इन केयर फॉर ओल्डर एडल्ट्स इन इंडिया। ब्रिस्टल, यूके: पॉलिसी प्रेस.* doi.org/10.51952/9781447357414.ch008.

कपूर ए. (2022)। कन्नबीरन (एड) में, *रूटलेज रीडिंगस ऑन लॉ एंड सोशल जस्टिस।* भारत: रूटलेज । doi.org/10.4324/9781003299554

संकाय संख्या: 10

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या:10

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या:15

***

इतिहास विभाग

संक्षिप्त विवरण

1922 में स्थापित, इतिहास विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक विभागों में से एक था। यह दक्षिण एशियाई और विश्व इतिहास में एम.ए. पाठ्यक्रमों के सबसे समृद्ध प्रसार के साथ पाठ्यक्रम भारत का सबसे बड़ा इतिहास विभाग है। हमारे एम.फिल. और पीएच.डी. छात्रों को उनकी अद्वितीय छात्रवृत्ति के लिए विश्व स्तर पर सम्मानित किया जाता है और उन्होंने व्यापक रूप से प्रकाशित किया है। वह विभाग लंबे समय से वैश्विक और राष्ट्रीय अकादमी में सबसे आगे रहा है। इसके संकाय प्रमुख पत्रिकाओं और भारतीय इतिहास कांग्रेस जैसे संस्थानों के पोषण और संचालन में शामिल रहे हैं, जो दुनिया में इतिहासकारों के सबसे बड़े समुदाय में से एक है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ:

विभाग में लघुचित्रों, पांडुलिपियों और कलाकृतियों के दुर्लभ संग्रह और एक कंप्यूटर केंद्र, विभाग पुस्तकालय और विभाग संग्रहालय है। हमारे एम.ए. और पीएच.डी. कार्यक्रम भारत में सबसे कठोर कार्यक्रमों में से एक हैं और प्रतिवर्ष तीन-पांच छात्र शीर्ष रैंक वाले अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में पूर्ण फेलोशिप प्राप्त करते हैं। वर्ष 2022-23 में, हमारे संकाय ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और पुस्तक प्रकाशकों के साथ प्रकाशन किया, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रतिष्ठित मुख्य भाषण दिए; और कई राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में शोध-पत्र प्रस्तुत किये। हमारी शिक्षण, पर्यवेक्षण और शोध प्रतिबद्धताएं सभी समय-सीमाओं को पूरा कर चुकी हैं।

शोध-लेख

बालचंद्रन ए. (2022)। दस्तावेज़, डिजिटलीकरण और इतिहास। *साउथ एशिया: जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज*, 45 (2), 339-349. https://doi.org/10.1080/00856401.2022.2037301

चौधरी, एम. (2021)। बादशाह बेगम: अवध केसाही महल के राजनीतिक एवं धार्मिक गतिविधि-एक इतिहासिक विश्लेशन। *तिहास दृष्टि,* 82-101.

चौधरी एम. (2022)। खानाबदोशी: राजस्थान में गतिशीलता का एक सामाजिक-आर्थिक इतिहास। *स्टडीज़ इन ह्युमैनिटिज़ एंड सोशल साइंसिज़,* (2), 75-106।

चौधरी एम. (2023)। थार रेगिस्तान के शाही कनेक्शन: पर्यावरण, शक्ति और राजनीतिक गठबंधन। *हिस्ट्री एंड सोशियोलॉजी ऑफ साउथ एशिया*, 17 (2), 170-189।

धार पीपी (2022)। शब्द, छवि, प्रदर्शन: प्रारंभिक मध्ययुगीन पश्चिमी दक्कन में कलाकारों की दुनिया। *आर्ट्स एशियाटिक्स,* 77 (1), 21-42. doi.org/10.3406/arasi.2022.2151

गुप्ता सी. (2022)। भारत में लैंगिकता और वर्नाक्यूलाइजिंग रूपांतरण: ईसाई धर्म, वस्त्र और कार्टून। अमेरिकन रिलिजन, 3 (2), 32-50. doi.org/10.2979/amerreli.3.2.03

जैन एस. (2023)। मुगल साम्राज्य में अंतर्देशीय व्यापार। *ऑक्सफोर्ड रिसर्च इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एशियन हिस्ट्री।* doi.org/10.1093/acrefore/9780190277727.013.601

राय एस के (2022)। औपनिवेशिक ज्ञान अर्थव्यवस्था: बीसवीं सदी के प्रारंभ में संयुक्त प्रांत, भारत में हथकरघा बुनकर। *इंटरनेशनल रिव्यु ऑफ सोशल हिस्ट्री,* 67 (3), 435-465. doi.org/10.1017/s0020859022000086

राय एसके (2022)। गांधी और इतिहास लेखन। *मधुमती*, 62(10), 69-80।

राय एसके (2022)। औपनिवेशिक संयुक्त प्रांत में हथकरघा कपड़ा उत्पादन: औद्योगिक प्रतिस्पर्धा की प्रतिक्रिया। *स्टडीज़ इन पीपल्स हिस्ट्री*, 9 (1), 46-58. doi.org/10.1177/23484489221080908

शालिनी एस. (2023)। पूर्व-आधुनिक भारतीय परंपरा में अधिकार की प्रशंसा और निंदा। *सोशल साइंटिस्ट*, 51 (3-4)।

सिंह वी. (2022)। नरसंहार, विद्रोह और ब्रिटिश चिंता: पटना का निर्मित वातावरण, 1763-1900। *जूनी ख्यात*, 12(1), 83-97।

सिंह वी. (2023)। 19 वीं शताब्दी में स्थिरता के लिए डेटा का उपयोग करना। *जियोस्पेटियल वर्ल्ड,* 13 (1), 96-98।

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

अराफत वाई., और जी ए (एड्स)। (2022). *द हिजाब: इस्लाम, वीमेन एंड द पोलिटिक्स ऑफ क्लोथिंग। नई दिल्ली: साइमन और शूस्टर।*

अक्विल आर. (2023)। *हिस्ट्री इन द पब्लिक डोमेन।* (1 संस्करण, पृष्ठ 260)। *नई दिल्ली: मनोहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।*

अक्विल, आर. (2022)। भगवान के मित्र: इतिहास और वर्तमान में सूफी परंपराएं - भारतीय उपमहाद्वीप

से कुछ विचार और उपाख्यान। रहमान में, केएस (एड)। *डाइमेन्शंस ऑफ इस्लामिक स्प्रिच्युअलिटी इन साउथ एशिया एंड बियोन्ड।* (पृष्ठ 95-109)। *कोलकाता: कलकत्ता यूनिवर्सिटी प्रेस।*

अक्विल आर. (2023)। मध्यकालीन भारत में नरसंहार । किरनान, बी, लेमोस, टीएम, और टेलर, टीएस (एड्स) में। *कैम्ब्रिज वर्ल्ड हिस्ट्री ऑफ़ जेनोसाइड: खंड 1, प्राचीन, मध्ययुगीन और पूर्व-आधुनिक दुनिया में नरसंहार (पीपी। कैम्ब्रिज*: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

अक्विल आर. (2023)। मध्यकालीन भारतीय वातावरण में सूफियों की परिवर्तनकारी उपस्थिति: दिल्ली सल्तनत से चिश्ती साहित्य में चमत्कारी रूपांतरण और इस्लामीकरण के उपाख्यान। मुखर्जी, टी., और दासगुप्ता, एन. (सं.) में। *पूर्व-आधुनिक दक्षिण एशिया में धर्म, परिदृश्य और भौतिक संस्कृति (पीपी.124-47)*। लंदन: रूटलेज।

अक्विल आर. (2022)। हजरत-ए-देहली: चिश्ती सूफीवाद और द मेकिंग ऑफ द कॉस्मोपॉलिटन कैरेक्टर ऑफ द सिटी ऑफ देल्ह। चौधरी में, एस। *रिलिजन एंड द सिटी इन इंडिया(पीपी 48-61)। लंदन: रूटलेज।*

देशपांडे, ए. (2022)। *ऐतिहासिक नौसैनिक विद्रोह और भारतीय जन आंदोलन, 1946.* (पृष्ठ 168)। दिल्ली: आकार बुक्स।

देशपांडे, ए. (सं.) (2023). *क्रिटिकल सोशल साइंस पर्सपैक्टिव्स ऑन इंडियन सिनेमा।* नई दिल्ली: आकार बुक्स।

धर पी. पी. (सं.) *कनेक्टीड हिस्ट्रीज़ ऑफ इंडिया एंड साउथइस्ट एशिया: आकन्स, नरेटिव्स, मोन्युमेंट्स। नई दिल्ली: सेज*

धर पीपी, (2023)। टेराकोटा, पत्थर और प्लास्टर में महाकाव्य दर्शन: भारतीय मूर्तिकला में रामायण (8 वीं शताब्दी सीई की शुरुआत)। धार में, पी। *कनेक्टीड हिस्ट्रीज़ ऑफ इंडिया एंड साउथइस्ट एशिया: आकन्स, नरेटिव्स, मोन्युमेंट्स (पीपी.131-158)।* नई दिल्ली: *सेज.*

फारूकी ए. (2022)। *द कोलोनियल सब्जुगेशन ऑफ इंडिया।* (पृष्ठ 95-109)। *नई दिल्ली: एलेफ बुक कंपनी।*

गोविंद आर. (2022)। विधि ऑब्जेक्ट प्रैक्सिस। चड्ढा में, जी एंड थॉमस, टी। *मैपिंग साइंटिफिक मैथड डिसीप्लेनरी नरेशन्स (पीपी 241*-261)। भारत: रूटलेज।

गुप्ता सी. (2023)। *जाति और लिंग: दलित, सवर्ण और हिंदी प्रिंट संस्कृति* (*कास्ट एंड जेंडर: दलित्स, अपर-कास्ट्स एंड हिंदी प्रिंट कल्चर)।* नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-93-5518-467-2

गुप्ता सी., ब्रूक, एल., हार्डर, एच., और निझावन, एस. (सं.)। (2021). *लिटरेरी सेंटीमेंट्स इन द वर्नेक्युलर: जेंडर एंड जॉनरा इन मोडर्न साउथ एशिया।* न्यूयॉर्क: रूटलेज।

गुप्ता सी. (2022)। गुप्ता सी., ब्रूक एल., हार्डर एच., और निझावन, एस.(सं.)। *लिटरेरी सेंटीमेंट्स इन द वर्नेक्युलर: जेंडर एंड जॉनरा इन मोडर्न साउथ एशिया। (पीपी.1-14)।* न्यूयॉर्क: रूटलेज।

गुप्ता सी. (2022)। औपनिवेशिक भारत में यात्रा के पुरुषोचित स्थानीय इतिहास: सत्यदेव 'परिव्राजक' का लेखन। गुप्ता *सी ब्रूक एल हार्डर एच, और निझावन एस. (सं.) में। लिटरेरी सेंटीमेंट्स इन द वर्नेक्युलर: जेंडर*

एंड जॉनरा इन मोडर्न साउथ एशिया। (पृ.33-54). न्यूयॉर्क: रूटलेज.

जैन एस. (2021)। सुखद और अप्रिय क्षण: प्रारंभिक आधुनिक उत्तर भारत में एक जैन व्यापारी का जीवन और समय। *लोकेटिंग प्लेजर इन इंडियन हिस्ट्री: प्रिस्क्राइब्ड एंड प्रोस्क्राइब्ड डिज़ार्यस इन विजुअल एंड लिटररी कल्चर्स (पीपी.129-149)। नई दिल्ली: ब्लूम्सबरी।*

जैन एस. (2022)। प्रतियोगिता और बातचीत: जैन हेटेरोडॉक्सी में प्रारंभिक आधुनिकव्यक्तिवाद, सी। नाथ में, एम.पी. *द अर्ली मॉडर्न इन साउथ एशिया: क्वेयरिंग मॉडर्निटी पीरियडाइज़ेशन एंड हिस्ट्री (पीपी.83-99)।* कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

कपूर ए. (2022)। *कन्नबीरन (एड) में, रूटलेज रीडिंगस ऑन लॉ एंड सोशल जस्टिस। भारत: रूटलेज* । doi.org/10.4324/9781003299554।

कुमार एस., सिंह ए., और लता. (2022). 14वीं सदी से 18वीं सदी तक कारण, भावना और दुनिया: कोट्सकल्ली, भारतीय और यूरोसेंट्रिक पर्सपेक्टिव। *इंफ्रास्ट्रक्चर, इंफॉर्मेशन एंड इनोवेशन इन बिल्डिंग न्यू भारत।* नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय।

शाह एस. (2023)। *लव, इरोटिसिज़म एंड फिमेल सेक्शूऐलिटी इन क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर:सेवन्थ- थर्टीन्थ सेन्चुरी।* नई दिल्ली: मनोहर बुक्स।

शाह एस. (2023)। *द मेकिंग ऑफ वुमनहुड: महाभारत में लैंगिकता संबंध।* नई दिल्ली: मनोहर बुक्स।

सिंह, वीएल (2022)। *काशी बनारस- सेक्रेड एंड प्रोफेन।* गुरुग्राम: एचपी हैमिल्टन।

ज़ू, डीवी (2022)। युन्नान-बंगाल कॉरिडोर को पीपलैंगिकता: कुकी-चिन-मिज़ो लोगों का एक नृवंशविज्ञान इतिहास। *वाउटर्स में, जेजेपी, और हेनीज़, एमटी (एड। हाइलैंड एशिया की रूटलेज हैंडबुक (पीपी।* लंदन: रूटलेज।

शोध-परियोजनाएं

गुप्ता चारु। 2022-25. तीन साल के लिए प्रमुख शोध परियोजना, आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित। विषय: सार्वजनिक स्वास्थ्य, रोग और छूत: औपनिवेशिक और समकालीन इतिहास से समावेश / बहिष्करण के स्नैपशॉट।

जायसवाल रितेश कुमार। शोध परियोजना, 'एशिया में महामंदी और द्वितीय विश्व युद्ध के नतीजे' स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन के तहत प्रायोजित। जून - दिसंबर 2022।

महापात्र प्रभु, **2022.** "इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एडवांस स्टडीज: मेटामोर्फोसस ऑफ द पॉलिटिकल" सीआईएमआईएस, गोटिंगेन, जर्मनी द्वारा प्रायोजित। (**3** माह)।

राय संतोष। 2022-23. शोध परियोजना, 'बीसवीं सदी के उत्तर प्रदेश में पारंपरिक शिल्प और आधुनिक शिक्षुता' संकाय शोध कार्यक्रम अनुदान के तहत प्रायोजित - आईओई (इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस) दिल्ली

विश्वविद्यालय: 2022-23, 3,00,000/- रुपये के लिए।

सिंह विपुल पीआई **2022-23**। "शहीद भगत सिंह में विशेष संदर्भ के साथ क्रांतिकारी आंदोलन के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय का इंटरफेस"**,** डीयू शताब्दी समारोह परियोजना नं। एकेड.**I**/शताब्दी/2022/89 (2022-23)**।**

आयोजित सम्मेलन

समुदायों, संस्कृतियों और पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के रूप में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24-25 फरवरी 2023।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अहमद सैफुद्दीन, (2023, 13-15 मार्च)। मुगल साम्राज्य: कला, वास्तुकला और इतिहासलेखन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एक अभिनव शैली की खेती करना: खान-ए आरज़ू और देर से मुगल काल में भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र का विकास" विषय पर व्याख्यान दिया

अकील रजीउद्दीन। (2022, 1 दिसंबर)। करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर (ऑनलाइन) में सूफी साहित्य और भारत के सांस्कृतिक बहुलवाद पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सूफी साहित्य को समझना" विषय पर व्याख्यान दिया।

अराफथ यासर (2022, 25 नवंबर)। 'महासागर से दंतकथाएं: टिड्डियां, गोलियत और लंबे विकार के युग में लचीला चमत्कार (c.1500-1900)। इंटर-एशियन रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय और अफ्रीका में भारतीय अध्ययन केंद्र (विटवाटरसैंड विश्वविद्यालय, जोहान्सबर्ग) द्वारा आयोजित।

बालचंद्रन अपर्णा (2022, नवंबर)। "धर्म और हर रोज़: प्रारंभिक औपनिवेशिक मद्रास के प्रोटेस्टेंट साउंडस्केप**,** संगोष्ठी**,** इतिहास विभाग**,** शिव नादर विश्वविद्यालय विषय पर व्याख्यान दिया।

बालचंद्रन अपर्णा (2022, अप्रैल)।"धर्म और हर रोज़: प्रारंभिक औपनिवेशिक मद्रास के प्रोटेस्टेंट साउंडस्केप," इतिहास संगोष्ठी श्रृंखला विभाग विषय पर व्याख्यान दिया।

चौधरी मनीषा। (2022, 25-26 जुलाई)। व्याख्यान का शीर्षक: 'क्या जानवर बोल सकते हैं**?** पी. जी. महिला महाविद्यालय**,** जोधपुर द्वारा 'इतिहास को आकार देने में सेना की भूमिका' शीर्षक से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान आमंत्रित करते हुए।

धार पारुल पांड्या, (2022, 19 नवंबर)। "रहमान के लिए एक मंदिर: मध्यकालीन पश्चिमी भारत में समग्र संरचनाओं और भवन प्रथाओं की व्याख्या," भारत में धार्मिक संरचनाओं और धार्मिक परंपराओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: वास्तुकला, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास में नई दिशाएं, सीएसएसएससी, कोलकाता।

धार पारुल पांड्या (2023, 30 जनवरी)। "टुवर्ड्स ए कनेक्टेड हिस्ट्री ऑफ आर्ट: ट्रांसोसेनिक एक्सचेंज अक्रॉस द ईस्टर्न हिंद ओशन,**"** इतिहास विभाग**,** एमएएनयू**,** हैदराबाद (ऑनलाइन) के सहयोग से एचआरडीसी**,** मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय**,** हैदराबाद द्वारा आयोजित इतिहास में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

धार पारुल पांड्या, (2023, 5 जनवरी)। "कला और इतिहास लेखन," इतिहास विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों और शोध विद्वानों के लिए आमंत्रित वार्ता।

धार पारुल पांड्या। (2023, 10 मार्च)। प्राइमस बुक्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वर्चुअल बुक लॉन्च में

"रियाज लतीफ और पुष्कर सोहोनी द्वारा सल्तनत अहमदाबाद और उसके स्मारक: एक मूल्यांकन।"

धार पारुल पांड्या। (2023, फरवरी 23-मार्च 1)। "कला इतिहास और भारत के अतीत की व्याख्या," इतिहास कार्यशाला, ऑनलाइन: "इतिहास का अध्ययन: परिप्रेक्ष्य और स्रोत" इतिहास विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता।

धार पारुल पांड्या। (2023, 24 मार्च)। मार्ग प्रकाशन, मुंबई के सहयोग से इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में "ए गेटवे टू फणीगिरी: रीडिंग आर्किटेक्चर कंस्ट्रक्शन नैरेटिव"।

धार पारुल पांड्या। (2023, 28 मार्च)। दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट एंड कॉमर्स (डीसीएसी), दिल्ली विश्वविद्यालय में धरोहर: द हिस्ट्री डिपार्टमेंट फेस्टिवल के लिए "सिटीज, पैलेस, हट्स एंड श्राइन: आनंद कुमारस्वामी एंड द स्टडी ऑफ एंशिएंट इंडियन आर्किटेक्चर"।

गुप्ता विकास। (25-26 मार्च, 2023)। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, चिंतन शिविर "देश में विशेष रूप से लक्षित उपायों और शिक्षा की सामान्य दिशा के बीच तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता" विषय पर व्याख्यान दिया।

गुप्ता विकास। (**2023,** जनवरी **27-31),** भारतीदासन विश्वविद्यालय में "स्वतंत्रता के बाद से भारत में दिव्यांग बच्चों की प्राथमिक शिक्षा" विषय पर व्याख्यान दिया।

गुप्ता विकास। (**2022, 5-7** दिसंबर)। "प्रायोजित शोध परियोजनाओं की बारीकियों को समझना" पंडित मदन मोहन मालवीय मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग हंसराज कॉलेज, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र विषय पर व्याख्यान दिया।

गुप्ता चारू (***19*** अक्तूबर***2022***)। एक राजनीतिक संन्यासी की शारीरिक रचना: सत्यदेव परिवराजक के लेखन में स्वतंत्रता, फिटनेस और वित्त। 'हिंदू इकोनॉमिकस' पर एक संगोष्ठी में आमंत्रित शोध-पत्र प्रस्तुति, दक्षिण एशिया पर ***50*** वां वार्षिक सम्मेलन, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, यूएसए।

गुप्ता चारू (*19-20* अक्तूबर*2022*)। 'दक्षिण एशिया में धर्म और वाम राजनीति' पर एक पैनल के अध्यक्ष और चर्चाकार, दक्षिण एशिया पर ***50*** वां वार्षिक सम्मेलन, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, यूएसए।

गुप्ता चारु (*2022, 14-15* अप्रैल)। क्रिटिकल कास्ट स्टडीज: टीचिंग एंड रिसर्च से स्नैपशॉट। न्यूबॉयर कॉलेजियम फॉर कल्चर एंड सोसाइटी, शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा आयोजित 'दलित अध्ययन और जाति का अध्ययन: द स्टेट ऑफ द फील्ड' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान (हाइब्रिड)।

गुप्ता, चारु। (*7* नवंबर, *2022,*)। जाति के रजिस्टर: शिक्षण और शोध से विचार। सार्वजनिक व्याख्यान, दक्षिण एशियाई अध्ययन में कार्यक्रम, रटगर्स विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, यूएसए द्वारा आयोजित किया गया।

गुप्ता, चारु। (*11* अक्तूबर *2022*)। शोध जाति: संतराम बीए की अज्ञात दुनिया। चारू गुप्ता, संस्कृति और समाज के लिए न्यूबॉयर कॉलेजियम, शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए के साथ एक कार्यशाला।

गुप्ता, चारु। (*29* अगस्त *2022*)। भारत में लैंगिकता-जाति का शिक्षण: संकट और सुख। 'टीचिंग कास्ट इन इंडिया एंड द यूएसए', *2022* एच-नेट इंटरनेशनल जूम कॉन्फ्रेंस ऑन 'अनचार्टर्ड टेरिटरीज: टीचिंग हिस्ट्री, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज इन इनोवेटिव वेज' पर एक पैनल में प्रस्तुति।

गुप्ता चारु। (*27 मई 2022*)। एक हिंदू राजनीतिक संन्यासी की यात्रा ट्रेल्स: सत्यदेव परिव्राजक का हिंदी लेखन। दक्षिण एशियाई, तिब्बती और बौद्ध अध्ययन विभाग, वियना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'प्रवासन, यात्रा और विषाद: हिंदी साहित्य में यात्रा कथाएं' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य व्याख्यान।

गुप्ता, चारु। (19-21 मई 2022)। आईसीसी सेल, मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएएनआईटी) भोपाल द्वारा आयोजित 'कार्यस्थल पर लैंगिकता संवेदीकरण' पर एक कार्यशाला में 'विश्वविद्यालय स्थान यौन उत्पीड़न और विरोध' विषय पर व्याख्यान दिया।

जैन शालिन। (2022, 9 नवंबर)। सत्यवती कॉलेज (सांध्य) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में "प्रतिरोध के रूप और मुगल राज्य" विषय पर व्याख्यान दिया।

जैन शालिन। (2023, 3-4 जनवरी)। आईसीएचआर और बीएपीएस, अहमदाबाद द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *"भारत के इतिहास में संतों और संतों की भूमिका और योगदान"* में मध्यकालीन ऋषि का जीवन: हीराविजय सूरी और जैन समुदाय, ईस्वी सन् 1527- 1595" विषय पर व्याख्यान दिया।

जैन शालिन। (2022, 6 अगस्त)। यू.जी.सी.-मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर 01-08- 2022 से 13-08-2022 तक जेंडर में रिफ्रेशर कोर्स इन जेंडर में 'जेंडर इन इंडियन हिस्ट्री' विषय पर व्याख्यान दिया।

जैन शालिन। (2023, 9 जनवरी)। *श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा* के लिए सिख इतिहास को समझने पर "आधुनिक पंजाब में धार्मिक पहचान" एक सप्ताह का राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम/प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बहु-अनुशासनात्मक) विषय पर व्याख्यान दिया।

जैन शालिन। (14 जुलाई, 2022)। यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी)-जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ऑनलाइन मोड के माध्यम से इतिहास में 39 वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "मुगल राज्य और जैन समुदाय: एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण" विषय पर 11-07-2022 से 23-07-2022 तक व्याख्यान दिया।

जैन, शालिन। *(2023, 9-10 फरवरी) कला और दर्शनशास्त्र संकाय, गेन्ट विश्वविद्यालय,* बेल्जियम द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मुगलों की सेवा में: अहमदाबाद के शेठ शांतिदास झावेरी" विषय पर व्याख्यान दिया

जैन, शालिन। (2022, 20-21 जुलाई) श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, संरचना फाउंडेशन और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, एनएमएमएल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "गांधी की शिक्षा की अवधारणा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी 2020: विचार, अवसर और कार्यान्वयन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, "जैन धर्म, महात्मा गांधी और भारतीय शिक्षा की नैतिकता" विषय पर व्याख्यान दिया।

जैन, शालिन। (2022, जून 27-जुलाई 1)। 'जैन परंपरा में स्वतंत्रता का तनाव', ईएएसआर 2022: धर्मों के अध्ययन के लिए यूरोपीय संघ का 19वां वार्षिक सम्मेलन, पैनल में "आत्मकथा में समुदाय, व्यक्तिगत और 'स्वतंत्रता' में समुदाय, व्यक्तिगत और 'स्वतंत्रता': बनारसीदास की अर्धकथानक (17वीं सी)" विषय पर व्याख्यान दिया। धर्म विभाग के अध्ययन में, यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क, आयरलैंड (ऑनलाइन)।

कुमार, सुरेंद्र, (2022, 3 अगस्त)। राजस्थान विश्वविद्यालय के अम्बेडकर अध्ययन केंद्र में अकादमिक न्याय के लिए संवाद द्वारा आयोजित "दिनांक 17/4/2018 के संशोधन के प्रभाव को समझना, छात्रवृत्ति के लिए नए दिशानिर्देश और संस्थानों में विविधता के लिए चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान दिया।

कुमार सुरेंद्र, (10-12 नवंबर 2022)। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "इंफ्रास्ट्रक्चर, इंफॉर्मेशन एंड इनोवेशन इन बिल्डिंग न्यू भारत" में "आत्मनिर्भर भारत: शोध और नवाचार की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया।

कुमार सुरेंद्र, (2022 18 अप्रैल)। पंचायत सहावा, जिला- चुरू, राजस्थान द्वारा आयोजित डॉ अम्बेडकर की जयंती पर "अम्बेडकर-शिक्षा और सशक्तिकरण" विषय पर व्याख्यान दिया।

कुमार सुरेंद्र, (1 जनवरी 2023)। राष्ट्रीय युवा दिवस, एमजेआरपी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के माध्यम से राजस्थान अधिवक्ता परिषद द्वारा आयोजित "स्वामी विवेकानंद- सर्वश्रेष्ठ अधिवक्ता" विषय पर व्याख्यान दिया।

कुमार सुरेंद्र, (2022, 1 अगस्त)। यूजीसी-एचआरडीसी डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा "डेटा विश्लेषण विधि" विषय पर व्याख्यान दिया।

कुमार सुरेंद्र, (26 नवंबर 2022)। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति शिक्षक संघ, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "समाज और संविधान" विषय पर व्याख्यान दिया।

महापात्र प्रभु, पी. (14 मार्च, 2023)। हम्बोल्ट-यूनिवर्सिटैट ज़ू बर्लिन में "वैश्विक इतिहास में कार्य और मानव जीवनचक्र" विषय पर व्याख्यान दिया।

महापात्र प्रभु पी. (2022, 20 दिसंबर)। सेंट लुइस, सेनेगल में सीआरडीएस में "वैश्विक श्रम: अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की चुनौती के लिए प्रतिक्रियाओं का विकास-स्थानिक पुनर्विन्यास और सामाजिक परिवर्तन" विषय पर व्याख्यान दिया। 20 दिसम्बर 2022।

राय संतोष कुमार। (2022, 6 अप्रैल)। 'औपचारिकता और अनौपचारिकीकरण: औपनिवेशिक उत्तर भारत में जुलाहा हथकरघा बुनकर', शिल्प ज्ञान की गतिशीलता, *ऑनलाइन शिल्प इतिहास कार्यशाला, क्वीन्स यूनिवर्सिटी, ओंटारियो,* कनाडा विषय पर व्याख्यान दिया।

राय संतोष कुमार। (2022, जुलाई 20-21)। "महात्मा गांधी: आधुनिकता का एक महानगरीय शिक्षार्थी" विषय पर 20 जुलाई 2022। श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, संरचना फाउंडेशन और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, एनएमएमएल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "गांधी की शिक्षा की अवधारणा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी 2020: विचार, अवसर और कार्यान्वयन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

राय संतोष कुमार। (2023, 3 फरवरी)। फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित इतिहास में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में "महात्मा गांधी और इतिहासलेखन और अध्ययन गांधी और उनके समय" विषय पर 27.01.2023 से 09.02.2023 तक व्याख्यान दिया।

राय, संतोष कुमार। (10 जनवरी 2023)। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, *दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली*

द्वारा 5-11 जनवरी, 2023 को आयोजित उच्च शिक्षा के लिए सिख इतिहास को समझने पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम/प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बहु - अनुशासनात्मक) में "जलियांवाला बाग नरसंहार: ऐतिहासिक प्रलेखन और साहित्यिक कल्पना" पर ऑनलाइन व्याख्यान के लिए संसाधन व्यक्ति।

राय संतोष कुमार। (2022, 20 अक्तूबर)। भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) समूह-ए और आईआरआरएस समूह-'ए' भारत सरकार, हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए) गुरुग्राम, हरियाणा, 01-08-2022 से 11-11-2022 के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए फाउंडेशन कोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'भारतीय राष्ट्रवाद और गांधी' विषय पर व्याख्यान दिया।

राय संतोष कुमार। (21 जुलाई, 2022)। यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी)-जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ऑनलाइन मोड के माध्यम से इतिहास में 39 वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "बुनाई और बुनकरों का इतिहास: एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण" विषय पर 11-07-2022 से 23-07-2022 तक व्याख्यान दिया।

शाह शालिनी, (2022, 28 दिसंबर)। भारतीय इतिहास कांग्रेस, चेन्नई के 81 वें सत्र में "भारत में सामाजिक पदानुक्रमों का विकास: प्राचीन पूर्ववृत्त" संगोष्ठी शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

शाह, शालिनी, (2022, 30 अप्रैल)। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैन डिएगो में प्राचीन इतिहासकारों के संघ (एएएच) के एक सम्मेलन में 'शिक्षण और शोध नारीवादी इतिहास: एक तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर व्याख्यान दिया।

सिंह विपुल, (2022, 3 नवंबर)। प्रारंभिक आधुनिक और आधुनिक समय में भारत और हिंद महासागर के शोध अभियानों पर ड्यूश शिफहर्ट्स संग्रहालय, लाइबनिज़ इंस्टीट्यूट फॉर मैरीटाइम हिस्ट्री, ब्रेमेरहेवन, जर्मनी द्वारा आयोजित कार्यशाला "द रोड टू हिंद महासागर एम्पायर: सर्वेक्षण, विज्ञान और मौसम विज्ञान" विषय पर व्याख्यान दिया।

सिंह विपुल (2023, फरवरी 24-25)। शताब्दी वर्ष समारोह, दिल्ली विश्वविद्यालय के भाग के रूप में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित समुदायों, संस्कृतियों और पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, "उष्णकटिबंधीय चक्रवात, मौसम पूर्वानुमान और पूर्वी भारत के तटीय समुदाय" विषय पर व्याख्यान दिया।

सिंह वीएल (2023, फरवरी 27-मार्च 1)। "बनारस: पवित्र शहर की पुनर्अवधारणा, 'वाराणसी की धर्म-सांस्कृतिक और कला विरासत के साथ मार्क ट्वेन की मुठभेड़ के पुनर्मूल्यांकन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी' (आईएसआरएमटीएचवी -2023) शीर्षक से प्रस्तुत शोध-पत्र।

सिंह विपुल (2023, 25 जनवरी)। अरबिंदो कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, 25 जनवरी 2023 द्वारा आयोजित संगोष्ठी "जलवायु परिवर्तन और वैश्विक संकट" विषय पर व्याख्यान दिया।

संकाय संख्या : 27

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 26

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या:28

***

राजनीति विज्ञान विभाग

संक्षिप्त विवरण

राजनीति विज्ञान विभाग ने सफलतापूर्वक 70 वर्ष पूरे कर लिए हैं और भारत में अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक के रूप में विकसित हुआ है जो पूरे देश और दुनिया के छात्रों को आकर्षित करता है। 1952 में अपनी स्थापना के समय लगभग 40 स्नातकोत्तर छात्रों के साथ, विभाग में अब कुल मिलाकर लगभग 1000 छात्र नामांकित हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग प्रमुखतः राजनीति विज्ञान विमर्श में भारतीय परिप्रेक्ष्य को एकीकृत करने और इस बात पर जोर देने के लिए समर्पित है कि कैसे विभिन्न सिद्धांतों की भारतीय अवधारणाएं किसी भी राजनीति विज्ञान विषय पर परिप्रेक्ष्य को व्यापक बना सकती हैं और लोकतंत्र, एकीकरण और मुक्ति के बुनियादी सिद्धांतों को भी सुदृढ़ कर सकती हैं। विभाग द्वारा मई 2022 में "भारत के विचार का पुनरावलोकन: 'स्वराज' से 'नए भारत' तक" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ने स्वराज की पहचान, अस्तित्व और नए भारत की यात्रा को उजागर करने के लिए एक मिसाल कायम की है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय अमित शाह जी थे।

शोध-लेख

बागई एम. (2022)। बुर्के के पीछे वीरता: अफगान महिलाओं का केस स्टडी, *एशियन जर्नल ऑफ कम्पेरेटिव पॉलिटिक्स*, 7 (3), 482-494।

चौधरी ए. (2022)। भारत की सुरक्षा रणनीति का उद्देश्य: रक्षा, निवारण और वै*श्विक भागीदारी, पसिफिक अफेयर्स,* 95 (4), 866-888।

चौधरी एन. और मोहंती बी. (2023)। दक्षिण एशिया में बेदखली, सीमा और अपवाद: एक परिचय। जर्नल ऑफ़ बॉर्डरलैंड्स स्टडीज, 38 (4), 537-547। doi.org/10.1080/08865655.2023.2226404

चौधरी एन. और पोयिल एसटी (2023)। बेदखली और विस्थापन: दक्षिण एशिया से नोट्स। जर्नल ऑफ़ बॉर्डरलैंड्स स्टडीज, 38 (4), 549-562। doi.org/10.1080/08865655.2022.2151032.

चौधरी एन. सबुर अली एम. कौर, आर. काजला एम. कुमारी एन. तिवारी, बी. और इशाक, एस. (2022)। लैंगिकता प्रवासन: एकल प्रवासी महिलाओं के सशक्तिकरण का मूल्यांकन। सामाजिक परिवर्तन, 52 (1), 24-39। doi.org/10.1177/00490857211068569.

चौधरी एन., और पोयिल, एसटी (2021)। 'अन्य' की भाषा बोलना: भारत-बांग्लादेश सीमाओं में चितमहल में भाषा के माध्यम से सांस्कृतिक सीमाओं पर बातचीत करना। नागरिकता अध्ययन, 25 (6), 791-807। https://doi.org/10.1080/13621025.2021.1968716.

चौधरी एन. (2023)। (पुनः) जबरन प्रवास अध्ययन में शिविर और शरणार्थियों से पूछताछ करना। *रिफ्यूजी वॉच -ए साउथ एशिया जर्नल ऑन फोर्स्ड माइग्रेशन*, 61-62, 4-13.

गिरी एस. (2022)। आज की राजनीति: 'केवल एक पीड़ित भगवान' हमारी मदद कर सकता है". *क्राइसिस*

एंड क्रिटिक, 9 (2), 103-125।

कुमार एस., और रघुवंशी वी. (2023)। महत्वपूर्ण भू-राजनीति पर एक प्रवचन के रूप में सिनेमा: बॉलीवुड फिल्मों के आख्यानों में भारत-पाकिस्तान सीमाओं की कल्पना। जर्नल ऑफ़ बॉर्डरलैंड्स स्टडीज, 38 (4), 623-636। https://doi.org/10.1080/08865655.2022.2129425

कुमार एच. एम, एस (2023)। औपनिवेशिक सरकार और देशी बौद्धिक प्रतिक्रिया: सांस्कृतिक बहुलता, शाही शिक्षा और आधुनिक दक्षिण एशिया में लोकतांत्रिक शासन की नींव। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 69 (2), 289-302। doi.org/10.1177/00195561221136257.

कुमार एचएम, एस (2022)। प्रादेशिक राष्ट्रवाद, इकबालिया इस्लाम और प्रारंभिक उत्तर-औपनिवेशिक पाकिस्तान में राज्य-निर्माण की पहेली। सामाजिक परिवर्तन, 52 (4), 520-540। doi.org/10.1177/00490857221110524.

कुमार एचएम एस (2023)। भारत की सार्वजनिक संस्कृति की उदार स्थानिकताओं को सांप्रदायिक बनाना: बॉलीवुड सिनेमा में इस्लाम की आवश्यक इमेजरीज का विनिर्माण। फिल्म और वीडियो की त्रैमासिक समीक्षा, 40 (7), 874-896। doi.org/10.1080/10509208.2022.2054917.

रॉय, ए., और सिंह, यूके (2023)। अयोग्यता बहस: कानून और राजनीति। *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, 58 (20)।

सक्सेना आर. (2023)। दिल्ली की पहेली और सहयोगात्मक संघवाद की आवश्यकता। *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली*, 58 (30)।

सक्सेना आर. (2023)। भारत में केंद्र प्रायोजित योजनाएं और सहकारी संघवाद: एकीकृत बाल विकास योजना का एक केस स्टडी। *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन*, 69 (2), 261-274।

सक्सेना आर. (2022)। अखिल भारतीय सेवाएं और कैडर प्रतिनियुक्ति। *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, 57 (5)।

शनि जी. और बेहरा एनसी (2022)। धर्म के पठन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का प्रांतीयकरण। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन की समीक्षा, 48 (5), 837-856। doi.org/10.1017/S026021052100053X.

स्वेनडेन डब्ल्यू., सक्सेना आर., और शर्मा सीके (2022)। भारत में बहुस्तरीय गतिशीलता को समझना: घटक शक्ति और बहुस्तरीय शासन। क्षेत्र, राजनीति, शासन, 10 (1), 1–11। doi.org/10.1080/21622671.2021.1972830

ट्रॉनसेल टी., बेहरा एनसी, और शनि जी. (2022)। विशेषांक का परिचय: प्लूरिवरल रिलेशनलिटी। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन की समीक्षा, 48 (5), 787-800। doi.org/10.1017/S0260210522000389.

तिवारी बीके और रॉय ए. (2022)। 'बांग्लादेश की सहायता में': पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति की दिशा में मुंबई के नागरिक समाज द्वारा नरम शक्ति का धक्का। इंडिया क्वार्टरली: ए जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स, 78 (3), 476-490। doi.org/10.1177/09749284221108318.

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

आचार्य ए. (2022)। कोविड-19, वैश्विक दक्षिण और महामारी का विकास प्रभाव। ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी प्रेस।

आचार्य ए. (2022)। अधिकारों का संवैधानिक गठन, अंतर पर बातचीत: भारतीय प्रयोग। आचार्य (सं.), एक वैश्वीकरण की दुनिया में नागरिकता (दूसरा संस्करण। पियर्सन।)

बनर्जी पी., चौधरी एन. (2022)। लैंगिकता, पहचान और प्रवास: समापन टिप्पणी। पी. बनर्जी और एन. चौधरी (सं.) में, भारत में लैंगिकता, पहचान और प्रवासन। पालग्रेव मैकमिलन। doi.org/10.1007/978-981-16-5598-2_

बेहरा नवनीता चड्ढा, (2022)। अध्ययन और सीखना आईआर। हेलमैन (एड) टीचिंग आईआर ग्लोबली, रियो डी जनेरियो: पीयूसी-रियो।

कैनेफ एन. बनर्जी, पी. चौधरी, एन. (2022)। लैंगिकता, पहचान और विस्थापन: एक महत्वपूर्ण महामारी विज्ञान के लिए नेक्सस आवश्यकताएं। पी. बनर्जी और एन. चौधरी (सं.) में, भारत में लैंगिकता, पहचान और प्रवासन। पालग्रेव मैकमिलन। doi.org/10.1007/978-981-16-5598-2_1

चौधरी एन., और पोयिल एसटी (2022)। भारत में 'अभयारण्य' और शरणार्थी संरक्षण की प्रथा। पोस्टकोलोनियलिटी एंड फोर्स्ड माइग्रेशन में (पीपी। प्रेस पॉलिसी। doi.org/10.1332/policypress/9781529218190.003.0010

चौधरी एन., और शर्मा, टीपी (2022)। उत्तर बंगाल, भारत में पूर्व एन्क्लेव या नए नागरिकों का चिंतित एकीकरण। ट्रान (एड्स), विस्थापन, संबंधित, और शक्ति के चेहरे में प्रवासी एजेंसी (1 संस्करण)। रूटलेज। doi.org/10.4324/9781003170686.

चौधरी एन., और शर्मा, टीपी (2022)। हाशिये पर: तमिलनाडु के शिविरों में श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी महिलाएं। एस.आई. राजन (ईडीएस), भारत में शरणार्थियों की रूटलेज हैंडबुक (1 संस्करण)। रूटलेज इंडिया। doi.org/10.4324/9781003246800.

चौधरी एन., और पोयिल एसटी (2022)। जबरन प्रवासन अध्ययन में पूछताछ शिविर: दक्षिण एशिया की असाधारणता। पी. बनर्जी और एन. चौधरी (सं.) में, भारत में लैंगिकता, पहचान और प्रवासन (पीपी 53-79)। स्प्रिंगर। doi.org/10.1007/978-981-16-5598-2_4

चौधरी एन., और पोयिल एसटी (2021)। मोबाइल आबादी, 'महामारी नागरिकता। में ए. हंस के. कन्नाबीरन, एम. मोहंती, और पुष्पेंद्र (सं.), प्रवासन, श्रमिक और मौलिक स्वतंत्रता (पीपी 24-37)। रूटलेज इंडिया। doi.org/10.4324/9781003145509-3.

चौधरी ए. (2023)। वैश्वीकरण की दुनिया में गरीबी और असमानता। एन जिंदल और के कुमार (एडीएस) *में, अंडरस्टैंडिंग ग्लोबलाइज़ेशन: चैलेंजिस एंड प्रोस्पैक्ट्स।* लंदन: रूटलेज। doi.org/10.4324/9781003434504.

कुमार एचएम, एस (2022)। भारत पाकिस्तान उप-पारंपरिक युद्ध: दक्षिण एशिया में लोकतंत्र और शांति। *सेज.*

कुमारी आर. (2022)। दादा भाई नौरोजी। आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारों का पुनरावलोकन: विषय-वस्तु और परिप्रेक्ष्य। ए. तोमर और एस. के. मलिक (सं.) भारत: रूटलेज। doi.org/10.4324/9781003118770.

मित्रा एस.के., सक्सेना, आर., और मुखर्जी, पी. (2022)। भारत में 2019 के संसदीय चुनाव। रूटलेज इंडिया। doi.org/10.4324/9781003261063

रागी एसके (2022), आरएसएस और गांधी: द आइडिया ऑफ इंडिया। *भारत*, ऋषि , 9789354792533

रागी एस.के. (2023)। शुद्धतावादी राजनीतिक है: इस्लामी कट्टरपंथ का मानचित्रण। वितस्ता पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड।

रॉय ए. और सिंह, यूके (2022)। पत्थलगड़ी आंदोलन, स्वशासन और 'कमजोर राज्य' का सवाल. देउ न्यूबर्ट एट में। स्थानीय स्वशासन और राज्य की विविधताएं: तनाव और सहयोग। न्यूजीलैंड: स्प्रिंगर, 117-137। doi.org/10.1007/978-3-031-14996-2_6.

भारत-म्यांमार सीमापार आधारभूत संरचनाओं का विकास एवं उर्जा सहयोग: कलादान परियोजना का अध्ययन. आईसीडब्ल्यूए/हिंदी पुस्तक केंद्र।

सिंह, कोइरेम्बा सिंह, (2022)। म्यांमार के माध्यम से भारत में अवैध ड्रग तस्करी और चीनी सामानों की डंपिंग: मणिपुर का एक केस स्टडी। अंशुमान बेहरा और सीताकांत मिश्रा (सं.) में: *भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के अलग-अलग आयाम: उभरते परिप्रेक्ष्य*। *भारत: स्प्रिंगर*, 121-135। doi.org/10.1007/978-981-16-7593-5_9

सिंह, एन.के. (2022)। म्यांमार के माध्यम से भारत में अवैध ड्रग तस्करी और चीनी सामानों की डंपिंग: मणिपुर का एक केस स्टडी। ए. बेहरा और एस. मिश्रा (सं.) में, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न आयाम: उभरते परिप्रेक्ष्य। स्प्रिंगर इंडिया। doi.org/10.1007/978-981-16-7593-5_9.

सिंह एसपी (2022)। प्राचीन भारत में ज्ञान परंपराएं। *रॉय (एड) में, भारतीय सभ्यता में सामाजिक विचार। भारत: सेज.*

सिंह एसपी (2022)। परिचय। एसके सिंह और एसपी सिंह (एडीएस) में, भारत में गैर-पारंपरिक सुरक्षा चिंताएं: मुद्दे और चुनौतियां। पालग्रेव मैकमिलन। doi.org/10.1007/978-981-16-3735-3.

सिंह एसपी (2022)। लोक आस्था में स्व तत्व। लोक परंपरा में स्व का बोध: लोक केशवा पर आधार भारत के पुनारुथन की संकल्प, *भारत* , किताबवाले , 978-93-90702-76-3.

सिंह, यू.के. (2022)। लोकतांत्रिक अनिश्चितताओं को संस्थागत बनाना: भारतीय लोकतंत्र के जीवन में 'चुनाव का समय'। गोस्वामी और श्री सिन्हा (सं.) में, बीसवीं सदी के भारत में राजनीतिक कल्पनाएँ। नई दिल्ली: ब्लूम्सबरी प्रकाशन।

शोध-परियोजनाएं

आईसीएसएसआर, 2023/2 वर्ष, प्रमुख शोध परियोजना आईसीएसएसआर, 1350000.

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19-21 मई 2022 तक "भारत के विचार का पुनरीक्षण: 'स्वराज' से 'न्यू इंडिया' तक" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 5 मार्च 2023 को त्रिवेदी, सुधांशु त्रिवेदी, *सदस्य राज्य सभा का विशेष व्याख्यान "भारत के विचारों का पुनरीक्षण: स्वराज से नए भारत तक"* विषय पर आयोजित किया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 04 मई 2022 को *'क्यों राष्ट्र शांतिपूर्ण भव्य रणनीतियों*

का त्याग करते हैं: ऐतिहासिक संदर्भ में यूक्रेन युद्ध' विषय पर प्रोफेसर टी.वी. पॉल, जेम्स मैकगिल प्रोफेसर ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, मैकगिल विश्वविद्यालय के विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर क्लिफोर्ड बॉब, ड्यूक्सने विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग, पेंसिल्वेनिया का विशेष व्याख्यान *'फाइटिंग लॉकडाउन: प्रिलिमिनरी ऑब्जर्वेशन ऑन मोबिलाइजेशन इन मल्टीपल सोसाइटीज'* विषय पर 11 मई 2022 का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 06 जुलाई 2022 को *'अंडरस्टैंडिंग चाइना टुडे' विषय पर सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली में प्रतिष्ठित* प्रोफेसर मनोरंजन मोहंती का विशेष व्याख्यान आयोजित किया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने *20 जुलाई 2022 को 'फाइंडिंग गांधी टुडे'* विषय पर सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर आशीष नंदी सीनियर ऑनरेरी फेलो के विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 16 नवंबर 2022 को *'भारत में अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था का मानचित्रण'* विषय पर प्रोफेसर राहुल त्रिपाठी, डीडी कोसंबी स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड बिहेवियरल स्टडीज, गोवा विश्वविद्यालय के विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने ऑगस्टो लोपेज-क्लारोस, कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष, ग्लोबल गवर्नेंस फोरम का विशेष व्याख्यान *'ग्लोबल गवर्नेंस एंड द इमर्जेंस ऑफ ग्लोबल इंस्टीट्यूशंस फॉर द 21वीं सेंचुरी' विषय पर आयोजित किया 24 नवंबर 2022*

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

बेहरा नवदीता सी. (2022, 11 नवंबर)। दिल्ली विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "एक विश्व, अनेक दुनिया: वैश्वीकरण, वि-वैश्वीकरण और ज्ञान उत्पादन" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

कुमार, संजीव एचएम (2022, 27 जुलाई)। राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "भारत-पाकिस्तान उप पारंपरिक युद्ध: दक्षिण एशिया में लोकतंत्र और शांति" शीर्षक से व्याख्यान दिया

सुकुमार एन. (2022, 14 सितंबर)। राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "भारतीय विश्वविद्यालयों में जाति भेदभाव और बहिष्करण: एक महत्वपूर्ण प्रतिबिंब" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

संकाय संख्या; 27

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 28

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या: 4

***

समाजशास्त्र विभाग

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एक घटक के रूप में 1959 में स्थापित समाजशास्त्र विभाग, 2023 में क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 91 वें स्थान पर रहने वाला एक प्रमुख संस्थान है। भारत में समाजशास्त्र के कुछ अग्रदूतों जैसे प्रोफेसर एम.एन. श्रीनिवास, एम.एस.ए. राव, ए.एम. शाह, जे.पी.एस. ओबेरॉय, (पद्म भूषण) आंद्रे बेटेइले, बी.एस. बाविस्कर, आनंद चक्रवर्ती और वीणा दास के नेतृत्व में, विभाग को 1968 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा समाजशास्त्र में उन्नत अध्ययन केंद्र के रूप में मान्यता दी गई थी। इसके प्रतिष्ठित संकाय के अलावा जिनके प्रकाशन दुनिया भर के पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं, छात्र और पूर्व छात्र विभाग शोध, शिक्षण, मीडिया, कला, सामाजिक और सिविल सेवाओं में दिग्गजों के रूप में पहचाना जाने लगा है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

इस वर्ष विभाग की एक बड़ी उपलब्धि मार्च 2023 में जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में समाजशास्त्र के शीर्ष 100 विभागों में मान्यता प्राप्त है। रिकॉर्ड 97 एम.ए. छात्रों ने स्नातक किया; लक्ष्य तलवार को श्रीमती कुंदा दातार स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया; अमलान सरकार और अनीशा मैनी ने शोध विधियों के पाठ्यक्रमों में उत्कृष्टता के लिए एम.एस.ए. राव गोल्ड मेडल साझा किया। इस वर्ष विभाग के इतिहास में सबसे अधिक संख्या में पीएच.डी. थीसिस (16) और एम.फिल. शोध प्रबंध (23) प्रस्तुत किए गए थे, जिनमें से सभी को अब डिग्री प्रदान की गई हैं। फ्राइडे रिसर्च कोलोक्वियम, जो भारत में सबसे लंबे समय तक चलने वाले शोध कोलोक्विया में से एक है, इस वर्ष विभाग में 20 से अधिक सेमिनारों के साथ जारी रहा। इसके अलावा, हमारे शोध विद्वानों ने 10 जून, 2022 को आयोजित एक शोध विद्वान संगोष्ठी में अपना शोध-कार्य प्रस्तुत किया। प्रोफेसर अनुजा अग्रवाल द्वारा नवंबर-दिसंबर 2022 में पारिवारिक अध्ययन पर एक संपादित पुस्तक के लिए तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

शोध-लेख

अब्राहम जे. (2023)। 'संस्कृतीकरण' जो वंचित किया गया था, उसके विनियोग के रूप में: केरल में श्री नारायण गुरु आंदोलन का एक दृश्य। समाजशास्त्रीय बुलेटिन, 72 (1), 18-37। doi.org/10.1177/00380229221139527

सिंह एसबी (2022)। एकजुटता और विद्वता: बिहार के पिछड़े वर्गों के संचलन पर एक अध्ययन। विकास और परिवर्तन की समीक्षा, 27 (1), 83-101। doi.org/10.1177/09722661221099639

सुनील बीसीटी (2022)। मलयाली सार्वजनिक क्षेत्र का निर्माण और मप्पिला महिलाओं का बहिष्कार: औपनिवेशिक मालाबार में भाषा और सांप्रदायिक राजनीति। भारतीय समाजशास्त्र में योगदान, 56 (2), 133-155। doi.org/10.1177/00699667221132585

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

कामेई ए. (2022)। आदिवासी पहचान और परिवर्तन: काबुई/रोंगमेई का मामला। अंश बुक इंटरनेशनल।

कुमार वी. (2022)। आधुनिक दुनिया में धर्म और राजनीति। ग्लोबल विजन पब्लिशिंग हाउस।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अब्राहम जानकी (2023, 17 जनवरी)। *द जॉयस ऑफ़ डूइंग सोशियोलॉजी पर व्याख्यान, इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज,* दिल्ली विश्वविद्यालय

अब्राहम जानकी (**2023,** जनवरी **11)**। गुणात्मक शोध पद्धति कार्यशाला में व्याख्यान कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

वासन सुधा (2023, 26 मार्च)। अंतःविषय समस्याएं, अनुशासनात्मक तरीके। संक्रमण *में एक दुनिया के लिए महामारी विज्ञान की चुनौतियां।* फर्स्ट ग्रेजुएट रिसर्च मीट 2023 में "इमर्जेंट ट्रेंड्स फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशन" शीर्षक से मुख्य भाषण। स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स, आईआईटी जोधपुर, राजस्थान।

वासन, सुधा (2023, 25 मार्च)। पर्यावरण अपराध और पर्यावरण न्याय। *पर्यावरण अपराध पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान: कार्यकर्ताओं और कानून प्रवर्तन के लिए रणनीतियाँ*जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी। सोनीपत, हरियाणा।

वासन सुधा (2023, 8 मार्च)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस**;** कट्टरपंथी विरासत। भारतीय वन प्रबंधन संस्थान**,** भोपाल द्वारा आमंत्रित व्याख्यान (ऑनलाइन) का आयोजन।

वासन सुधा (2023, 24 फरवरी)। फील्ड वर्क आधारित प्रकाशनों पर काम करना। *ग्रामीण कृषि भारत नेटवर्क और ईआरपीआई दक्षिण एशिया सामूहिक द्वारा आयोजित क्षमता विकास कार्यक्रम पर संसाधन व्यक्ति।* जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली।

वासन सुधा। (2023, 12 फरवरी)। आधुनिकीकरण और लेंगिकता। लेंगिकता पर आधुनिकीकरण के प्रभाव की समीक्षा के अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण। एसजीजीएस कॉलेज, सेक्टर 26, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित।

वासन सुधा (2023, 21 फरवरी)। *आधुनिकीकरण और लेंगिकता।* लेंगिकता पर आधुनिकीकरण के प्रभाव की समीक्षा के अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण। एसजीजीएस कॉलेज, एससी 26, चंडीगढ़ द्वारा 21 फरवरी, 2023 को आयोजित।

वासन सुधा (2022, 22 अप्रैल)। *ग्रीन कोर्ट और हिमालयन संसाधन संघर्ष में स्वदेशी स्लॉट: एक मेटानैरेटिव के रूप में पर्यावरण।* आमंत्रित वार्ता (ऑनलाइन) स्वदेशी एशिया पहल, एशियाई अध्ययन विभाग, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों की संख्या: 2

संकाय संख्या:14

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 7

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या: 15

***

सामाजिक कार्य विभाग

संक्षिप्त विवरण

सामाजिक कार्य विभाग 1946 से व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाला सामाजिक कार्य शिक्षा में एक अग्रणी संस्थान है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग ने वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास के एक प्रमुख संस्थान के रूप में अपनी भूमिका जारी रखी है। विभाग तीन स्तरों पर शिक्षा प्रदान करता है अर्थात् पीएच.डी. और सामाजिक कार्य में एम.ए.।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग उन्नत अध्ययन के लिए यूजीसी केंद्र रहा है, और सामाजिक कार्य के अनुशासन के भीतर शिक्षण, शोध और अभ्यास भारत की सामाजिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। विभाग में संकाय सदस्यों का एक विविध समूह है, जो कई तरीकों से शैक्षणिक और कॉर्पोरेट जीवन को समृद्ध करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय की एनएएसी रिपोर्ट, **2019-20** में सामाजिक कार्य विभाग को विश्वविद्यालय के नवीन सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों में सर्वोत्तम अभ्यास दिखाने वाले विभागों में से एक के रूप में स्वीकार किया गया था। विभाग का लक्ष्य उदारवाद, सर्वोत्तम प्रथाओं में नवाचार और समावेशिता पर जोर देकर भारत में सामाजिक कार्य के अनुशासन और पेशे को सुदृढ़ करना है।

शोध-लेख

अग्निमित्र एन., और शर्मा एस. (2023)। सामाजिक कार्य में व्यावसायिक प्रतिज्ञा: पेशेवर पहचान और मूल्य एकीकरण के लिए निहितार्थ। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल वर्क वैल्यूज एंड एथिक्स,* 20 (1), 98-128। doi.org/10.55521/10-020-110

अग्निमित्र एन., और शर्मा एस. (2023)। कठिन समय में सामाजिक कार्य: भारत में उभरते मूल्य फ्रेम। *सोशल वर्क एजुकेशन,* 42 (5), 710-727। doi.org/10.1080/02615479.2022.2088726

आनंद एम. **(2023)**। नारीवादी सिद्धांत और सामाजिक कार्य का संयोजन: भारत में अभ्यास का एक स्वदेशी मॉडल विकसित करने की ओर। *प्रैक्टिस,* 35 (3), 201-217। doi.org/10.1080/09503153.2022.2029835

आनंद एम. **(2021)**। मानसिक स्वास्थ्य और मानवाधिकार: एक भारतीय जांच। *इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री,* 37 (2), 235। doi.org/10.4103/ijsp.ijsp_187_20

आनंद एम. (2023)। भारत में नारीवादी सामाजिक कार्य: अभ्यास का एक स्वदेशी मॉडल प्राप्त करना *बुलेटिन ऑफ़ द सोशल वर्क हिस्ट्री नेटवर्क,* 9 (1), 22-31।

आनंद एम. (2023)। शहरी जीवन का मानसिक स्वास्थ्य शैतानी: चुनौतियां और रणनीतियाँ-शहरी दुनिया। *द अर्बन वर्ल्ड,* 16 (1), 14-22

आनंद एम. (2023)। लैंगिकता और मानसिक स्वास्थ्य: सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव। *सोशन एक्शन 73* (1)।

आनंद एम. (2022)। मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वाले सामाजिक कार्य छात्रों का समर्थन करना: दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय द्वारा चिंतनशील अनुभव। *सोशल वर्क एजुकेशन,* 1–17। doi.org/10.1080/02615479.2022.2098943

कोविड-19 महामारी से जुड़ी हिंसा का लैंगिक प्रभाव और इसके मानसिक स्वास्थ्य परिणाम। *दिल्ली साइकाइट्री जर्नल,* 25 (1), 7-15।

आनंद एम. (2022)। जेंडरिंग कोविड-19: लेंगिकता समावेशी वसूली के प्रति प्रभाव और रणनीतियाँ। *जर्नल ऑफ़ डेवलपमेंट पॉलिसी रिव्यू,* 1 (2), 50.62।

आनंद एम. (2022)। लैंगिकता और मानसिक स्वास्थ्य: ट्रैवर्सिंग ग्रंथ। *इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री*, 38 (2), 108-113।

17, 179-187. आनंद, एम. (2022)। गर्भवती महिलाओं पर कोविड-19 का मनोसामाजिक प्रभाव: चुनौतियां और रणनीतियाँ। *जर्नल ऑफ़ साइकोसोशल रिसर्च*, 17, 179-187.

भट्ट एस. (2022)। गनगड़ाद, केशरीचंद दशरथ। सामाजिक कार्य के विश्वकोश में। *एनएएसडब्ल्यू प्रेस और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।* doi.org/10.1093/acrefore/ 9780199975839.013.1560

भट्ट एस. (2021)। सामाजिक विकास के लिए सुदृढ़ और जीवंत सामाजिक क्षेत्र अनिवार्य है। अंतरिक्ष और संस्कृति, भारत, 9 (3), 1–5। doi.org/10.20896/saci.v9i3.1237

कौशिक ए. और गोविंद (2022)। हिंसा से बचे लोगों पर गवाही चिकित्सा के आवेदन, उपयोग और प्रभावशीलता। *सोशल वर्क क्रॉनिकल*, 11 (1), 27-46।

गुप्ता पी. और पांडे एन. (2022)। गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा और सामाजिक कार्य जुड़ाव: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 विजन। *जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन, 8 (01 और* 02)।

फारूकी जेएफ और कौशिक ए. (2022)। इस्लामोफोबिया के युग में एक मुस्लिम युवा के रूप में बढ़ रहा है: साहित्य की एक व्यवस्थित समीक्षा। समकालीन इस्लाम, 16 (1), 65-88। doi.org/10.1007/s11562-022-00482-w

कौशिक ए., सिन्हा ए. गोविंद और शर्मा ए. (2022)। आध्यात्मिकता के लेंस के माध्यम से क्षमा को देखना, *स्काईलाइन ऑफ़ एंथ्रोपोलॉजी*, 2 (1), 59-77।

खान ए. और बहारुल इस्लाम केएम (2022)। असम में राभा समुदाय के बीच जादू टोना मान्यताओं और-शिकार प्रथा पर विचार करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, 11 (8), 60-67।

खान ए., बहारुल इस्लाम, केएम., अख्तर एस., और शुक्ला पी. (2022)। स्कूल बदमाशी और बाल व्यवहार समस्याओं के सहसंबंधों को डिक्रिप्ट करना। *जर्नल ऑफ़ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी*, 6 (7), 2039-2047।

खान, ए. (2022) डिक्रिप्टिंग विमुद्रीकरण और भारत में सतत आर्थिक विकास पर इसका प्रभाव। *रेविस्टा रिव्यू इंडेक्स जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी*, 2 (2), 1-8।

मास्के एस. (2023)। सामाजिक कार्य शिक्षा में दलित आत्मकथात्मक आख्यान: *विरोधी जाति और उबंटू अभ्यास के लिए वैचारिक अनिवार्यता।* दलित की समकालीन आवाज, 2455328X2311605। doi.org/10.1177/2455328X231160598

मास्के एस., और भट आई. (2022)। जाति-विरोधी विमर्श के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को प्रासंगिक बनाना। *जर्नल ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट*, 13 (14)।

मिश्रा वी. बोचा, आर. और रॉय एस. (2022)। भारत में कोरोनावायरस रोग 2019 महामारी के दौरान सामाजिक कार्य शिक्षा में फील्डवर्क: व्यवधान और खोज। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड सोशल डेवलपमेंट*, 4 (4), 442-463। doi.org/10.1177/25166026221123488

पांडे एन. और पांडे वीके (2022)। बॉलीवुड आइटम गीतों में बोलचाल और व्यावसायिक के रूप में 'डब्ल्यू' की अपमानजनक छवियां। *पंजाब यूनिवर्सिटी रिसर्च जर्नल, एक्सएलआईएक्स* (1), 95-112।

फुकन डी. और कौशिक ए. (2022)। केसवर्क अभ्यास में योग के ज्ञान को एकीकृत करना: क्षेत्र से साक्ष्य। मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 27 (1), 13-28।

फुकन डी. और कौशिक ए. (2022) वायरस, भय और प्रार्थना: कोविड-19 महामारी के दौरान वृद्ध वयस्कों के जीवन में एक अन्वेषण। नेशनल जर्नल ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क, 23 (1), 71-80। https://doi.org/10.51333/njpsw.2022.v22.i1.468

रॉय संजय (2022)। भारत में बुजुर्ग अधिकार और समस्याएं*: स्मार्ट प्रैक्टिस* परिप्रेक्ष्य के माध्यम से विश्लेषण। शंकरदास (एड) में, भारत में उम्र बढ़ने के मुद्दे: अभ्यास, परिप्रेक्ष्य और नीतियां। स्प्रिंगर। doi.org/10.1007/978-981-16-5827-3

रॉय एस. (2022)। मानवाधिकार और प्रवचन: क्या यह अंततः निश्चित है? *पोलिटेकनिक इंटरनेशनल।*

सिंह, एस., और पांडे, एन. (2022)। लैंगिक समानता पर कोविड 19 का आर्थिक प्रभाव। जर्नल ऑफ एक्सक्लूजन स्टडीज, 12 (2)।

थॉमस एनटी (2022)। मणिपुर पहाड़ी क्षेत्रों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के संबंध में, *एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स,* 9।

थॉमस एनटी (2022)। कोविड-19: भारतीय प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा। एस. साहा (सं.) में, महामारी के पाथोस: कोविड-19. नई दिल्ली प्रकाशक।

थॉमस एनटी (2022)। विवादित स्वदेशी कानून: पौमई नागा समाज का *एक केस स्टडी, वेस्लेयन जर्नल ऑफ रिसर्च,* 15 (08)।

थॉमस एनटी (2022)। मणिपुर पहाड़ी क्षेत्रों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के संबंध में, *एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स, 9।*

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

हरिकारी टी., अडुसुमल्ली एम., मैकफैडेन पी., मूनी जे., और लेपियाहो, टी. (2023)। कोविद -19 के दौरान सामाजिक कार्य: सामाजिक कार्य के भविष्य के लिए वैश्विक दृष्टिकोण और निहितार्थ। रूटलेज। doi.org/10.4324/9781003374374

लेंगिकतादोह जे. और अदुसुमल्ली एम. (2023)। भारत में एजिंग का पता लगाना: खासियों और जद भोटिया के स्वदेशी परिप्रेक्ष्य। स्वदेशी समुदायों में उम्र बढ़ने के सामाजिक पहलुओं में (पीपी 76-सी 3 पी 12 9)। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेसन्यूयॉर्क। doi.org/10.1093/oso/9780197677216.003.0004

कौशिक ए. (2022)। श्रम बंधन से मुक्ति - वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत से दलित सशक्तिकरण का मामला। आर. के. काले और एस. एस. आचार्य (सं.) में, भारत में पहचान-प्रेरित हाशियाकरण का मानचित्रण (पृ.

249-260)। स्प्रिंगर। doi.org/10.1007/978-981-19-3128-4_14

कौशिक ए. (2022)। समाज कल्याण। *बीएम डैश (एड) में, सामाजिक कार्य का परिचय। सेज।*

कौशिक ए. (2022)। कोरोना महामारी के बीच वृद्ध व्यक्तियों के बीच चुनौतियों, मुकाबला और लचीलापन का पता लगाना: शहरी भारत का मामला। *सीके शर्मा और आर बनर्जी (सं.) में, कोरोनास्फीयर: नरेटिव्स ऑन कोविद -19फ्रोम इंडिया एंड इट्स नेबरस।* रूटलेज।

कौशिक ए. **(2022)**। परिवार और बाल विकास: सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास में विशेषज्ञता **(2022)**। *रॉय (एड) में, भारतीय सामाजिक कार्य में विशेषज्ञता: एक अकादमिक और स्वदेशी अभ्यास पेशा।* नई दिल्ली: अटलांटिक प्रकाशन।

रानी एस. (2022)। औद्योगिक श्रमिकों के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा - भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम का मामला। विनशील्ड प्रेस।

रानी एस. (2022)। सामाजिक कार्य और उभरते क्षेत्रों के क्षेत्र और क्षेत्र। *बीएम डैश (एड) में, इंट्रोडक्शन टू सोशल वर्क। सेज.*

संकाय द्वारा किए गए शोध-परियोजनाएं /

अदुसुमल्ली एम, खुर्जा सुपर थर्मल पावर कारपोरेशन (अरनिया, तहसील खुर्जा, जिला खुर्जा) के परियोजना प्रभावित गांवों का बेसलाइन सर्वेक्षण और आवश्यकता मूल्यांकन। बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश); अवधि: 2021-22, फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: सेवा-टीएचडीसी; जून 2022 में प्रस्तुत रिपोर्ट। प्रक्रिया में वित्तीय समापन; स्वीकृत राशि: 6,08,850 रुपये।

रॉय एस., इम्पैक्ट असेसमेंट स्टडी और जेके टायर, सीएसआर गतिविधियों के भविष्य के रोड मैप पर काम करना; अवधि: 4 माह; फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: जे के टायर, सीएसआर गतिविधियां (5,55,500.00 रुपये (पांच लाख पचपन हजार पांच सौ मात्र); जुलाई 2022 में पूरा हुआ।

शर्मा एस, विश्वविद्यालय प्रणाली में सामाजिक कार्य शिक्षा के मूल्य आधार को सुदृढ़ करना: एक एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट; अवधि: 12 माह; वर्ष 2022। फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय; स्वीकृत राशि: 2,65,000 रुपए।

शर्मा एस., पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन; अवधि: 45 दिन; वर्ष 2022 फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड; सतत; स्वीकृत राशि: 398,250 रुपए।

शर्मा एस., पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन; अवधि: 45 दिन; वर्ष 2022। फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड; सतत; स्वीकृत राशि: 5,57,934 रुपए।

युमनाम वेद, भारत में इंटेल® डिजिटल तैयारी कार्यक्रम का आकलन-2020-21; अवधि: 2 माह; फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: इंटेल इंडिया; पूर्ण; स्वीकृत राशि: 5,29,100 रुपए।

युमनाम वेद, भारत में नागरिकों के लिए इंटेल एआई का सामाजिक प्रभाव आकलन 2021-22; अवधि: 2 माह;

फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: इंटेल इंडिया; सतत; स्वीकृत राशि: 5,29,100 रुपए।

युमनाम वेद, भारत में युवा कार्यक्रम के लिए इंटेल एआई का सामाजिक प्रभाव आकलन 2021-22; अवधि: 2 माह; फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: इंटेल इंडिया; सतत; स्वीकृत राशि: 5,29,100 रुपए।

युमनाम, वेद, एनएसीपी राष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा संगोष्ठी (डीएलएस) श्रृंखला का मूल्यांकन; अवधि 6 माह; वर्ष 2022. फंडिंग एजेंसी/प्रायोजक: वाशिंगटन विश्वविद्यालय आई-टेक इंडिया; सतत; स्वीकृत राशि: 2,40,000 रुपए, 6 माह; वर्ष 2022।

संकाय सदस्यों द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

महामारी *संदर्भ में: संकट, जटिलताएं और संभावनाएं" कोविद-19* के दौरान सामाजिक कार्य पर एक संगोष्ठी में: ग्लोकल परिप्रेक्ष्य, द्वारा आयोजित, यूनिवर्सिटी ऑफ लैपलैंड, रोवानीमी, फिनलैंड

अग्निमित्र एन. (2022, 20 अगस्त)। ग्रीन सोशल वर्क पर वेबिनार में ग्रीन सोशल वर्क पर व्याख्यान (तीसरे राष्ट्रीय सामाजिक कार्य सप्ताह 2022: सामाजिक कार्य शिक्षा और पेशा @2030 के भाग के रूप में सामाजिक कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

अग्निमित्र एन. (2022, 17 अगस्त)। बी.आर. अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में तीसरे राष्ट्रीय सामाजिक कार्य सप्ताह के तहत नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) के सहयोग से "India@2030 में सामाजिक कार्य व्यवसाय" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में "भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा और पेशा @2030: अनिवार्यताएं" पर व्याख्यान।

अग्निमित्र एन. (2022, 6 जुलाई)। मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में पहले 2-सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन" पर व्याख्यान।

अग्निमित्र एन. (2022, 12 नवंबर) 'शिक्षकों में अंतर्राष्ट्रीय क्षमता के गुण और आयाम' पर व्याख्यान, दिल्ली विश्वविद्यालय के 'पाठ्यचर्या का अंतर्राष्ट्रीयकरण-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुक्त शिक्षण और अध्ययन' पर ऑनलाइन कार्यशाला, ट्यूनिंग आरआईएसआई (इरास्मस+यूरोपीय संघ के कार्यक्रम द्वारा सह-वित्त पोषित) के सहयोग से आयोजित की गई।

अग्निमित्र एन. (2022, 11 अप्रैल)। सामाजिक कार्य विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में "सामाजिक कार्य में शोध पद्धतियां" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम-सह-कार्यशाला के दौरान "शोधकर्ता की नैतिक जिम्मेदारी" पर व्याख्यान।

अग्निमित्र एन. (2023, 16 फरवरी)। "सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक जुड़ाव का पोषण", एनआईईपीए पर व्याख्यान-आंध्र प्रदेश, एनआईईपीए, नई दिल्ली के सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्रधानाचार्यों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम।

अग्निमित्र एन. (2022, 22 नवंबर)। फील्डवर्क पर राष्ट्रीय सम्मेलन: योजना, मूल्यांकन और अच्छे व्यवहार, सामाजिक कार्य कॉलेज- निर्मला निकेतन, मुंबई के समापन समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में समापन संबोधन।

अग्निमित्र एन. (2023, 21 मार्च)। विश्व सामाजिक कार्य दिवस के अवसर पर सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-110025, 21 मार्च, 2023 को "सामाजिक कार्य और पर्यावरण-सामाजिक दुनिया की उन्नति" पर व्याख्यान।

आनंद, एम. (2023, 5 जनवरी)। 29 दिसंबर 2022 से 11 जनवरी 2023 तक आयोजित 'जेंडर स्टडीज' (इंटरडिसिप्लिनरी) पर ऑनलाइन दो सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स में "लैंगिकता और मानसिक स्वास्थ्य" पर व्याख्यान। मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित।

आनंद एम. (2022, 15 नवंबर) 1 से 29 नवंबर 2022 तक आयोजित 11वें ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में "इमोशनल इंटेलिजेंस" पर व्याख्यान। मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित।

आनंद एम. (2022, 4 नवंबर)। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और यौन विकास के विकार वाले बच्चों के लिए सोसायटी द्वारा आयोजित 'यौन भेदभाव के विकारों के तीसरे अद्यतन' में "सामाजिक समायोजन" पर व्याख्यान।

आनंद एम. (2022, 10 अक्तूबर)। जोसेफ स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज एंड कॉमर्स, सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, प्रयागराज, इलाहाबाद द्वारा आयोजित "प्रैक्टिसिंग सेल्फ केयर: एनरिचिंग मेंटल हेल्थ" पर व्याख्यान।

आनंद एम. (2022, 20-21 सितंबर)। जिला समाज कल्याण कार्यालय, इरोड जिला, तमिलनाडु के सहयोग से वीईटी इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स एंड साइंस को-एजुकेशन कॉलेज, इरोड, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 'मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता: मासिक धर्म अपशिष्ट प्रबंधन' पर दक्षिण एशियाई सम्मेलन में "स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन: चुनौतियां और अवसर" पर व्याख्यान।

आनंद एम. (2022, 16 सितंबर)। "महिला और आपदाएं: मानसिक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य" पर व्याख्यान, 14 से 16 सितंबर 2022 तक आयोजित "आपदा जोखिम न्यूनीकरण और लचीलापन निर्माण के लिए परिवर्तन के एजेंट के रूप में महिलाएं" पर प्रशिक्षण कार्यशाला-सह-क्षमता निर्माण कार्यक्रम। बी.एल.अमलानी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मुंबई और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार (ऑनलाइन) द्वारा आयोजित।

आनंद एम. (2022, 14 सितंबर)। 1 से 28 सितंबर 2022 तक आयोजित 10वें ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में "इमोशनल इंटेलिजेंस" पर व्याख्यान। मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित।

आनंद एम. (2022, 2 सितंबर)। 'जेंडर सेंसिटाइजेशन' पर ऑनलाइन अल्पकालिक कार्यक्रम में "छात्रों की विविधता को समझना" पर व्याख्यान दिया। एचआरडीसी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र.।

आनंद एम. (2022, 8 सितंबर)। 'जेंडर सेंसिटाइजेशन' पर ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म प्रोग्राम में 'जेंडर एंड मेंटल हेल्थ' पर व्याख्यान दिया। एचआरडीसी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र.।

आनंद एम. (2022, 30 जून)। 23 जून से 6 जुलाई 2022 तक आयोजित सामाजिक विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "लैंगिकता और विकास" शीर्षक से व्याख्यान दिया। मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया

मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित।

आनंद एम. (2022, 27 जून). 27 से 28 जून 2022 तक सीबीआईसी के अधिकारियों के लिए जेंडर सेंसिटाइजेशन ट्रेनिंग में "जेंडर एट प्ले इन सोसाइटी एंड एट वर्कप्लेस" शीर्षक से व्याख्यान दिया। सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स के लिए राष्ट्रीय अकादमी, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित।

आनंद एम. (2022, 22 जून)। 8 जून 2022 से 5 जुलाई 2022 तक आयोजित 9वें ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में "इमोशनल इंटेलिजेंस" शीर्षक से व्याख्यान दिया। मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित।

अशोकन ए. और अदुसुमल्ली, एम. (2023, 11-13 जनवरी)। 'गवर्नमेंट इंटरवेंशन थ्रू हेल्थ इंटरवेंशन: ए स्टडी अमंग इरुला अमंग इरुल्लास इन अट्टाप्पडी' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जो यूनाइटेड एंड ट्रांसफॉर्म्ड इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन हेल्थ प्रोमोशन: ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स एंड पर्सपेक्टिव्स, राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज, कोच्चि में डेवलपमेंटल ईयरनिंग फॉर ए यूनाइटेड एंड ट्रांसफॉर्म्ड इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस है।

भट्ट एस. (2022, 15-17 दिसंबर)। बीपीएचई के सीएसआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क एंड रिसर्च, अहमदनगर और नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) द्वारा आईएनपीएसडब्ल्यूए, एमएएसडब्लयूई और आईसीएसडब्ल्यू (एशिया पैसिफिक) के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित "ग्रीन सोशल वर्क: रिस्पांस टू क्लाइमेट चेंज एंड एनवायरनमेंटल इश्यूज" पर 10वीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस, 2022 के अध्यक्ष के रूप में व्याख्यान दिया।

भट्ट एस. (2022, 12 अगस्त)। आजादी का अमृत महोत्सव-वाणी व्याख्यान श्रृंखला-1 में "अकादमिक लेंस के माध्यम से नागरिक समाज के योगदान का विश्लेषण" शीर्षक से व्याख्यान दिया; वाणी द्वारा आयोजित।

भट्ट एस. (2023, 10-11 मार्च)। मुख्य भाषण 'सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास के लिए साझा दृष्टि के माध्यम से एकजुटता का निर्माण, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टीआईएसएस, मुंबई द्वारा आयोजित।

भट्ट एस. (2023, 21 मार्च)। स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली द्वारा आयोजित विश्व सामाजिक कार्य दिवस 2023 के उपलक्ष्य में सामाजिक कार्य के भविष्य पर व्याख्यान।(ऑनलाइन)

भट्ट एस. (2023, फरवरी 24-25)। उद्घाटन भाषण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: स्कूल परिसर और पेशेवर प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका, सामाजिक कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित।

झा एमके (2022, 15 अप्रैल)। ग्वायर हॉल फैमिली का आयोजन "रीथिंकिंग डॉ. बी. आर. अम्बेडकर: ए न्यू फ्रेमवर्क फॉर ग्लोबल जस्टिस" विषय पर व्याख्यान हुआ।

झा एमके (2022, जून 10)। संसदीय लोकतंत्र शोध और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित "संसदीय विशेषाधिकार-संसद और उसके सदस्यों की सर्वोच्चता को बनाए रखना" पर आईएएस के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करना।

झा एमके (2022, 17 जून)। टीआईएसएस द्वारा आयोजित सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास पर प्रोफेसर

एमएस गोर शताब्दी समारोह पर व्याख्यान: बदलती वास्तविकताओं का उत्तर देना।

झा एमके (2022, 22 जुलाई)। "भारतीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियां" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। मातृभूमि समूह द्वारा स्वर्गीय श्री एम पी वीरेन्द्र कुमार की 86 वीं जयंती के संबंध में आयोजित किया गया।

झा एमके (2022, 1 अक्तूबर)। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च द्वारा आयोजित "आंतरिक प्रवासन और शासन के लिए नीति ढांचे का विकास" पर संगोष्ठी सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च डायलॉग्स 2022 में व्याख्यान।.

झा एमके (2022, 24 नवंबर)। लोकतंत्र के लिए संसदीय शोध और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित "भारतीय संसद में दूसरा चैंबर: राज्य सभा की भूमिका और स्थिति" पर व्याख्यान दिया।

झा, पुष्पांजलि (2022, 11 अगस्त)। आवास विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली में "समावेशी योजना की अवधारणा और दृष्टिकोण" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

पुष्पांजलि (2022, 18 अगस्त)। आवास विभाग, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में "समावेशी योजना: मॉडल और केस स्टडीज" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

झा पुष्पांजलि (2022, 8 सितंबर) ने आवास विभाग, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में "सामुदायिक भागीदारी के तरीके" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

झा पुष्पांजलि (2022, 15 सितंबर)। आवास विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली में "शहरी नियोजन में लोगों की भागीदारी और लोगों की भागीदारी की अवधारणा और दृष्टिकोण" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

झा पुष्पांजलि (2022, 6 अक्तूबर)। आवास विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली में "शहर के स्थानिक नियोजन के संदर्भ में हाशियाकरण को समझना" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

झा पुष्पांजलि (2022, 17 अक्तूबर)। "शहरी गरीबों के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार को समझना और शहरी नियोजन के माध्यम से बहिष्करण को संबोधित करना" शीर्षक से आवास विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

कौशिक ए. (2022, 15 नवंबर)। राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला में 'एजिंग के सैद्धांतिक मॉडल: व्यावहारिक अंतर्दृष्टि' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया

कौशिक ए. (2022, 24 नवंबर)। राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला में 'परिवार, समुदाय और समाज में बुजुर्गों का योगदान' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कौशिक ए. (2022, जून 10)। राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला में 'सिल्वर इयर्स में जीवन के कैनवास में रंग जोड़ना' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कौशिक ए. (2022, जून 11)। पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली में रोटरी कॉन्क्लेव ऑन

ह्यूमन राइट्स-2022 में 'मानव अधिकारों के माध्यम से शांति निर्माण' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कौशिक ए. (2022, 10 दिसंबर)। निर्मला निकेतन कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, मुंबई (ऑनलाइन मोड) द्वारा आयोजित फील्डवर्क संगोष्ठी में 'फील्डवर्क प्रैक्टिस में स्वयं की भूमिका' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कौशिक ए. (2022, 12 जुलाई)। वाईएमसीए, नई दिल्ली में सेकेंड चांस फेलोशिप, टीवाईसीआईए [टर्न योर कंसर्न इनटू एक्शन] द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में 'रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड एथिक्स' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कौशिक ए. (2022, 14 सितंबर)। जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के सामाजिक कार्य विभाग के पब्लिक हेल्थ में एडवांस्ड डिप्लोमा के छात्रों के ओरिएंटेशन प्रोग्राम में "पॉपुलेशन एजिंग: ए 21 सेंचुरी पब्लिक हेल्थ चैलेंज" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कौशिक ए. (2022, 27 जुलाई)। एसजेई और हेल्पेज इंडिया, नई दिल्ली मंत्रालय की एक पहल, एल्डर-लाइन में क्षमता निर्माण और पुरस्कार और मान्यता कार्यशाला में "वृद्धावस्था के डोमेन और जराचिकित्सा परामर्श की बारीकियों को समझना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कौशिक ए. (2023, 18-19 जनवरी)। प्लास्टिक, पुनर्निर्माण और बर्न्स सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "बर्न मरीजों के प्रबंधन में मानव सेवा पेशेवरों की भूमिका को सुदृढ़ करना" एनएबीआई मिड टर्म सीएमई थीम "पॉलिसी एंड इनोवेशन इन बर्न केयर" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कौशिक ए. (2023, 5-7 जनवरी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम में कौशल निर्माण, मल्टीपल एक्जिट और मल्टीपल एंट्री का राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा, 2022" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

मास्के एस. (2023, 9-10 फरवरी)। सत्र की अध्यक्षता की और लेफ्टिनेंट प्रोफेसर चंद्रकांत पुरी *मेमोरियल सत्र में सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "पारिस्थितिक व्यवधान और पशुचारण पर राष्ट्रीय सम्मेलन: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान"* पर एक व्याख्यान दिया।

मास्के, एस. (2023, 17 मार्च)। सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूआरएजे) और राजस्थान महिला कल्याण मंडल (आरएमकेएम), अजमेर द्वारा आयोजित "दिव्यांगता और समावेशन" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

मास्के एस. (2022, 25-26 जुलाई)। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (डीओएसजेई) द्वारा कार्यान्वित सामाजिक लेखा परीक्षा योजनाओं के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने पर कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया सामाजिक लेखा परीक्षा के लिए राष्ट्रीय संसाधन प्रकोष्ठ (एनआरसीएसए)-डीओएसजेई और एनआईआरडी-पीआर, हैदराबाद द्वारा आयोजित।

मास्के एस. (2022, 8-9 अगस्त)। नागरिक समाज संगठनों से प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया और सामाजिक न्याय के सदस्यों, योजनाओं की सामाजिक लेखापरीक्षा की सभा। *भारतीय समाज और सामाजिक बहिष्कार: आरक्षण और समर्थन के लिए हाशिए पर और तर्क (8 अगस्त) और सामाजिक बहिष्कार और अत्याचार:* फॉर्म और प्रकृति (9 अगस्त) पर आयोजित सत्र

सामाजिक लेखा परीक्षा के लिए राष्ट्रीय संसाधन प्रकोष्ठ (एनआरसीएसए) -डीओएसजेई, एनआईआरडी-पीआर, हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया।

मास्के एस. (2022, 13 अक्तूबर), एसआईआरडी, रुद्रपुर में उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश राज्य के सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ के सदस्यों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में *"भारतीय समाज और सामाजिक बहिष्करण"* पर सत्र लेने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। उत्तराखंड सामाजिक लेखा परीक्षा के लिए संसाधन प्रकोष्ठ (एनआरसीएसए) -डीओएसजेई और एनआईआरडी-पीआर, हैदराबाद और एसआईआरडी, उत्तराखंड द्वारा आयोजित किया गया।

मास्के एस. (2022, 18 नवंबर)। हिमाचल ग्रामीण विकास संस्थान (एचआईआरडी) नीलोखेड़ी, जिला-करनाल, हरियाणा में सामाजिक लेखा परीक्षा के लिए संसाधन प्रकोष्ठ (एनआरसीएसए)-डीओएसजेई और एनआईआरडी-पीआर, हैदराबाद और एचआईआरडी नीलोखेड़ी द्वारा आयोजित पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ के सदस्यों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम *में "भारतीय समाज और सामाजिक बहिष्कार"* पर सत्र लेने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। *जिला करनाल, हरियाणा* |

पांडे एन. (2023, 23 फरवरी)। "स्वास्थ्य असमानता और स्वास्थ्य असमानता के सामाजिक निर्धारक: कोविड-19 का प्रभाव; भविष्य के लिए रणनीतियाँ", अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीसस एंड मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

पांडे एन. (2023, 20 फरवरी)। भारतीय विधि संस्थान, दिल्ली में संभवन-सीआरएसीआर और पीडी द्वारा आयोजित "संकट में बच्चों से निपटने के दौरान मनोवैज्ञानिक-सामाजिक कारकों और पूर्वाग्रहों की प्रासंगिकता का मुद्दा, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 में मनोवैज्ञानिक-सामाजिक पहलू" शीर्षक व्याख्यान दिया।

पांडे एन. (2022, 19 अगस्त)। तीसरे राष्ट्रीय सामाजिक कार्य सप्ताह 2022 के अवसर पर नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) के सहयोग से एमएएनयूयू में सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "सोशल वर्क एजुकेशन एंड प्रोफेशन इन सोशल वर्क @2030" विषय पर व्याख्यान दिया।

पांडे एन. (2022, 14 अगस्त)। अदिति महाविद्यालय में सामाजिक कार्य और शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित स्वतंत्रता से समकालीन समय वेबिनार तक भारत में महिलाओं पर एक प्रमुख वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

पांडे एन. (2022, 29 जुलाई), "एथिक्स इन फील्ड वर्क प्रैक्टिस" शीर्षक से व्याख्यान दिया, सेंटर फॉर सोशल वर्क, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।

पांडे एन. (2022, 25 जुलाई)। यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित "अकादमिक मूल्यों का अभ्यास और शिक्षाशास्त्र" विषय पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (20 जुलाई से 26 जुलाई 2022 तक) में "अकादमिक वृद्धि के लिए सामुदायिक सेवा की प्रासंगिकता" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

पांडे एन. (2022, 13 मई)। राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "समाज में लैंगिकता भूमिकाओं को परिभाषित करने में सामाजिक कार्य योगदान" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

पांडे एन. (2022, 11 अप्रैल)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित "सामाजिक कार्य में शोध पद्धतियां" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सह कार्यशाला में "शोध में नैतिकता" व्याख्यान दिया।

प्रणॉय ए. और अदुसुमल्ली, एम. (2023, 23-24 फरवरी), ने भारतीय सामाजिक संस्थान और स्कूल ऑफ सोशल वर्क, सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय बैंगलोर द्वारा आयोजित सामाजिक समावेश, लोकतंत्र और मानवाधिकार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी *'डिफेंडिंग देयर राइट्स: द कुरीचिया स्टोरी ऑफ स्ट्रगल्स अगेंस्ट इंजस्टिस, लैंड रिफॉर्मस एंड डिस्प्लेस्मेन्ट'* शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

रानी शशि (2022, 14 जुलाई)। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य और कल्याण नीतियां: अभिनव समुदाय आधारित हस्तक्षेप के महत्वपूर्ण पहलू" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।(ऑनलाइन)।

रॉय एस. (2023, 20-22 मार्च)। वियतनाम महिला अकादमी, रूस के *सामाजिक कार्यकर्ताओं और सामाजिक शिक्षाशास्त्रों के संघ, हनोई में कोरिया एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्कर्स, रूम 305,* वियतनाम महिला और अकादमी, डोंग दा द्वारा आयोजित सामाजिक कार्यकर्ताओं के 14 वें यूरेशिया फोरम में 'सोशल वर्क एजुकेशन: स्कोप, चैलेंजेज एंड फ्यूचर इन इंडिया' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

रॉय एस. (13-15 अक्तूबर, 2022)। तुर्की के काराबुक विश्वविद्यालय में तुर्की एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्कर्स के साथ साझेदारी में आयोजित 24वें राष्ट्रीय सामाजिक कार्य संगोष्ठी में 'सतत विकास और सामाजिक कार्य' (ऑनलाइन) विषय पर आयोजित 24वें राष्ट्रीय सामाजिक कार्य संगोष्ठी में "मैं आहत नहीं थी लेकिन गुस्से में थी": भारत में ट्रांसवुमन के स्वास्थ्य देखभाल अनुभव" *शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।*

रॉय, एस. (2023, 13-14 मार्च) ने सेल फॉर नेशनल सेंटर फॉर लिटरेसी (सीएनसीएल), एनसीईआरटी द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यशाला *पर "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत भारत में उच्च शिक्षा संस्थान" शीर्षक से व्याख्यान दिया।*

शर्मा एस. (2022, 23 अगस्त)। संकाय विकास कार्यक्रम, सुरेंद्रनाथ लॉ कॉलेज, पश्चिम बंगाल (आभासी) में "गुणात्मक शोध के दार्शनिक प्रतिमान" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

शर्मा एस. (2022, 7 दिसंबर), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), गाजियाबाद के लिए "कार्यान्वयन एजेंसियों की भूमिका, उचित परिश्रम और हितधारक जुड़ाव" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

सिंगला पी.(2022, 4 जुलाई)। जामिया मिलिया इस्लामिया, एचडीआरसी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, (ऑनलाइन) द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन शिक्षण अध्यापन और चुनौतियां' शीर्षक से व्याख्यान दिया।

सिंगला, पी.(2022, 14 जून)। हेल्पेज इंडिया, आईआईसी मुख्य सभागार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संयुक्त राष्ट्र विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस को चिह्नित करने के लिए हेल्पेज रिपोर्ट लॉन्च कार्यक्रम पर

व्याख्यान दिया।

सिंगला पी. (2022, 1-5 अगस्त), पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस (गवर्नमेंट एडेड ऑटोनॉमस इंस्टीट्यूशन), कोयंबटूर द्वारा आयोजित 'क्रिटिकल, रेडिकल पेडागॉजी एंड प्रैक्टिस: पर्सपेक्टिव्स इन सोशल वर्क' पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी संकाय विकास कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण दिया।

सिंगला पी.(2022, 2 अगस्त)। कौशल विकास/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम, (ऑनलाइन) में व्याख्यान श्रृंखला के तहत सेंटर फॉर सोशल वर्क, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 'फील्ड वर्क प्रैक्टिस के घटक' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित वक्ता।

सिंगला पी.(2022, 12 नवंबर)। डीयू- आरआईआरआईआई (भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए संसाधन) परियोजना के तत्वावधान में आयोजित 'पाठ्यक्रम के अंतर्राष्ट्रीयकरण' पर ऑनलाइन कार्यशाला में "आरआईएसएचआईआई का परिचय और पाठ्यक्रम के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए तर्क" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जो इरास्मस और यूरोपीय संघ के कार्यक्रम (ओलाइन) द्वारा सह-वित्त पोषित है।

ठाकुर ए. (2023, 30 जनवरी)। सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की सक्षम इकाई में "सशक्तिकरण के लिए विश्वविद्यालय स्थानों में दिव्यांगता" शीर्षक से व्याख्यान दिया।

ठाकुर ए. (2022, 18 अक्तूबर)। सेंटर फॉर वेज एम्प्लॉयमेंट एंड लाइवलीहुडेंट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज, हैदराबाद द्वारा आयोजित कार्यशाला "कोविड-19 के कारण गरीबी और मुकाबला रणनीतियों" में कोविड-19 महामारी और दिव्यांग लोगों पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

ठाकुर ए. (2022, 30 दिसंबर)। वीवाईके, नई दिल्ली में आरएमकेएम के वार्षिक कार्यक्रम "अमृत" में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सतत आजीविका फ्रेमवर्क दृष्टिकोण पर कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

थॉमस एनटी (2023, 9-10 फरवरी)। *राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित पारिस्थितिक व्यवधान* और पशुचारण पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "*पायेंग, मणिपुर में भारत के पहले मॉडल कार्बन पॉजिटिव इको-विलेज का अध्ययन: पशुपालकों के लिए निहितार्थ*" एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

तीसरा प्लेटिनम जुबली व्याख्यान: इको-सोशल वर्क: सामाजिक कार्य के लिए विकास या क्रांति: प्रोफेसर करेन हीली, प्रमुख, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, *21* अप्रैल, *2022.*

दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग ने *25* मार्च *2023* को 'सोशल वर्क ब्रेक बैरियर' विषय पर एक संगोष्ठी का *आयोजन किया।*

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

दिल्ली विश्वविद्यालय का सामाजिक कार्य विभाग आरआईएसएचआईआई (भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए संसाधन) परियोजना में भागीदारों में से एक है, जिसे यूरोपीय संघ के इरास्मस+

कार्यक्रम द्वारा सह-वित्त पोषित किया गया है। आरआईएसएचआईआई उन प्रबंधन दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करता है जो पाठ्यक्रम अंतर्राष्ट्रीयकरण की योजना बनाने और लागू करने के लिए आवश्यक हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के तीन विभाग, अर्थात। भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, सामाजिक कार्य विभाग और विधि संकाय आरआईएसएचआईआई के तहत विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों की संख्या: 7

नियोजन विवरण : 65

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने दो क्षेत्रीय कार्रवाई कार्यक्रम स्थापित और जारी रखे हैं, जो सामाजिक मुद्दों और समस्याओं से निपटने में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप की प्रासंगिकता को प्रदर्शित करने के लिए वर्षों से स्थापित किए गए हैं। बाल मार्गदर्शन केंद्र, जिसकी स्थापना वर्ष 1971 में की गई थी और जिसे बाद में बाल और किशोर कल्याण केंद्र के रूप में जाना जाने लगा। अपने कामकाज के कई वर्षों में, केंद्र लगातार सुदृढ़ होता गया है। सेंटर फॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट वेलबीइंग (सीसीएडब्ल्यू) ने सीआईई एक्सपेरिमेंटल बेसिक स्कूल, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और इंदिरा बस्ती तिमारपुर, दिल्ली, भारत के बच्चों के सहयोग से बच्चों के प्रतिभा शो का आयोजन किया। कार्यक्रम 24 फरवरी, 2023 को समाज कार्य विभाग में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

संकाय संख्या: 17 **और** 6 (**अतिथि)**

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 14

प्रदत्त एम.फिल. डिग्री की संख्या: 15

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

इंडिया टुडे-सर्वे ऑफ प्रोफेशनल कॉलेजों इन इंडिया द्वारा 2022-2023 में भारत में सामाजिक कार्य विभाग को तीसरे नंबर पर रैंक किया गया।

***

अकादमिक केंद्र

कृषि आर्थिकी अनुसंधान केंद्र

संक्षिप्त विवरण

इस केंद्र की स्थापना 8 फरवरी, 1954 को डीओ संख्या एफ 2-3/52-पीसी 11 के तहत अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के एक अनुभाग के रूप में की गई थी। एईआरसी 1960 से एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है और 1961 में अपने वर्तमान भवन में स्थानांतरित हो गया। इस केन्द्र को दिल्ली विश्वविद्यालय के XX-G अध्यादेश के तहत वर्ष 1987 में दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एकीकृत किया गया था और तब से यह विश्वविद्यालय की अनुरक्षित संस्था के रूप में कार्य कर रहा है।

केंद्र की अध्यक्षता करने वाले प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों की सूची में प्रोफेसर अमर्त्य सेन, प्रोफेसर बीएन गांगुली और प्रोफेसर राज कृष्णा शामिल हैं। यह केंद्र पूरी तरह से कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त-पोषित है। यह केंद्र कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर अनुसंधान करता है। इसने स्थापना के बाद से दो सौ से अधिक शोध अध्ययन पूरे किए गए हैं जिन्होंने नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एईआरसी, दिल्ली ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान अनुसंधान और नीतिगत गतिविधियों को जारी रखा। अनुसंधान रिपोर्टों, पत्रिका प्रकाशनों और सम्मेलनों और कार्यशालाओं में प्रस्तुतियों के रूप में योगदान दिया गया। केंद्र के अध्यक्ष प्रोफेसर राम सिंह और निदेशक (कार्यवाहक) प्रोफेसर परमजीत के सक्षम मार्गदर्शन में केंद्र सतत प्रगति कर रहा है। प्रो परमजीत फरवरी, 2022 में केंद्र में शामिल हुए हैं।

प्रकाशन

भट्ट, वाई., विनीत, पी., जैन, वी., यादव, यू., सैन, आर. और जित, पी. , (2023), गन्ने की परिवहन और कटाई लागत का अनुमान, *एग्रीकल्चरल सिचुएशन इन इंडिया*, 10 , LXXIX , 26-38 , एनए

शेखर, सी. एस. सी., थापा, एन. और भट्ट, वाई., (2022) , जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतों की निगरानी के लिए नोडल बाजारों की पहचान, एग्रीकल्चरल सिचुएशन इन इंडिया, 7 , LXXIX , 33-46, एनए

राव, सीएसएन, भट्ट, वाई और बीरो, एसके, (2022), क्या इलेक्ट्रॉनिक बाजार कृषि में बाजार की विफलताओं को दूर करने का रास्ता है? , इकनोमिक *एंड पोलिटिकल वीकली*, 41 , LVII , 52-60, एनए

भट्ट**,** वाई**.,** यादव**,** यू**.,** सैन**,** आर**.,** जैन**,** वी. और विनीत**,** पी**., (2022) ,** हरियाणा राज्य में पशुधन चारा और चारे का आकलन**,** एग्रीकल्चरल सिचुएशन इन इंडिया**, 5 , LXXIX , 47-54 ,** एनए

शोध परियोजनाएं

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2022 द्वारा स्वीकृत परियोजना, "आत्मनिर्भर भारत

के लिए तिलहन में उपज अंतराल का अनुमान लगाना और पाटना"। डॉ. योगेश चंद्र भट्ट

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2022 द्वारा स्वीकृत परियोजना, "हरियाणा में धान की पराली प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव मूल्यांकन"। डॉ. योगेश चंद्र भट्ट

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2022 द्वारा स्वीकृत "दिल्ली में धान की पराली प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव मूल्यांकन" नामक परियोजना। डॉ. योगेश चंद्र भट्ट

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2022 द्वारा स्वीकृत परियोजना, "हरियाणा में दूध उत्पादन की लागत और दूध उत्पादकों को सकल लाभ"। डॉ. योगेश चंद्र भट्ट

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2022 द्वारा स्वीकृत परियोजना, "किसान आत्महत्या: हरियाणा में कारण और नीति"। डॉ. योगेश चंद्र भट्ट

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. परमीत कुमार विनीत, सहायक प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, पटना विश्वविद्यालय द्वारा 01 मार्च 2023 को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित संगोष्ठी, "डेटा संग्रह के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रश्नावली विकास"।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

डॉ. योगेश चंद्र भट्ट ने 12-13 जनवरी 2023 को इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड सोशल चैंजेज (आईएसईसी), बेंगलुरु में "भारत की तिलहन स्थिति और मौजूदा उपज अंतराल" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत कृषि और ग्रामीण विकास के लिए विकसित मार्ग" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. योगेश चंद्र भट्ट ने 5 सितंबर 2022 को कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली में वरिष्ठ ईएसए, ईएसए और संयुक्त निदेशक, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू) को "आत्मनिर्भर भारत के लिए तिलहन में उपज अंतराल का अनुमान लगाना और ब्रिजिंग करना" शीर्षक वाले अध्ययन के निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

संकाय संख्या - 1

***

संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र

संक्षिप्त विवरण

संसूचक एवं संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केन्द्र 27 जनवरी, 1989 को अपनी स्थापना के समय से ही प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है केंद्र सक्रिय रूप से विभिन्न पहलों के माध्यम से उच्च ऊर्जा भौतिकी में अत्याधुनिक अनुसंधान में कार्यरत है। इसमें उच्च ऊर्जा भौतिकी प्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं, जैसे कि एलएचसी, सर्न, स्विट्जरलैंड में कॉम्पैक्ट म्यूऑन सोलनॉइड (सीएमएस) प्रयोग और फर्मिलाब, यूएसए में यह मेगा परियोजनाओं और अंतर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय परियोजनाओं में शामिल संकाय सदस्यों के लिए अतिरिक्त मुरल अनुसंधान अनुदान के माध्यम से

अनुसंधान की सुविधा प्रदान करता है।

यह केंद्र विभिन्न उच्च ऊर्जा भौतिकी परियोजनाओं पर टीआईएफआर, बीएआरसी, एसआईएनपी, आईआईएससी, आईआईटी-मद्रास, पंजाब विश्वविद्यालय सहित राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के साथ सहयोग करता है। यह डिटेक्टर डिजाइन, निर्माण, लक्षण वर्णन और संबंधित इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सुविधाओं की स्थापना और समर्थन करता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र भविष्य के परमाणु, कण, खगोल भौतिकी और चिकित्सा क्षेत्रों के लिए उन्नत डिटेक्टरों आर एंड डी में सक्रिय रूप से भाग लेता है। यह पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर्स, एमएससी और बीएससी शोध प्रबंध छात्रों, इंटर्नशिप के लिए सुविधाएं प्रदान करके और अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जेआरएफ/एसआरएफ/आरए को काम पर रखने के लिए मानव संसाधन विकसित करने पर केंद्रित है। यह केंद्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के सम्मेलनों का भी आयोजन करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

केंद्र ने एक परियोजना के लिए डीएसटी से कुल 15.05 करोड़ रुपये की धनराशि के लिए मंजूरी प्राप्त की। 26.74 लाख रुपए की राशि की प्रारंभिक अनुदान राशि भी पूरी कर ली गई है।

प्रकाशन

ए.तुमस्यान, के.रंजन एट अल, (2022), LHC Run2 के दौरान सिलिकॉन ट्रैकर संरेखण की रणनीतियाँ और प्रदर्शन, *नुक्लेअर इंस्ट्रूमेंट्स एंड मेथड्स* A, 1037, 1037, 166795, 10

ए.तुमस्यान, के. रंजन एट अल , (2022) , दो या तीन नरम लेप्टन के साथ अंतिम राज्यों में सुपरसिमेट्री की खोज करें और √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में अनुप्रस्थ गति गायब है, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 4 , 2022 , 36 , 8

ए.तुमस्यान, के. रंजन एट अल, (2022), प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में Z + b जेट के लिए उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन √s = 13 TeV , फिजिकल रिव्यु D , 9 , 105 , 092014 , 2

ए.तुमस्यान, के.रंजन एट अल, (2022) , प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में तीन W बोसॉन के क्षय होने वाले अनुनादों की खोज √s = 13 तेव , फिजिकल रिव्यु लेटर्स, 2 , 129 , 021802 , 10

ए.तुमस्यान, के. रंजन एट अल, (2022), लेप्टन में नई भौतिकी की खोज और √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में लापता अनुप्रस्थ गति अंतिम अवस्था, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स , 7 , 2022 , 56 , 6

ए.तुमस्यान, के.रंजन एट अल, (2022), एक गहरे तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके हैड्रोनिक ताऊ लेप्टन क्षय की पहचान, जर्नल ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, 07, 17, पी 07023, 10

ए.तुमस्यान, के.रंजन एट अल, (2022), √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में चार b क्वार्क अंतिम अवस्था में हिग्स बोसोन जोड़ी उत्पादन की खोज , फिजिकल रिव्यु लेटर्स, 8 , 129 , 081802 , 3

ए.तुमस्यान, के.रंजन एट अल, (2022), √s = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दो जेट के सहयोग से उत्पादित क्षय चैनल lνqq में WW/WZ वेक्टर बोसोन प्रकीर्णन के लिए साक्ष्य , फिजिकल लेटर्स बी,

834, 834 , 137438 , 5

ए.तुमस्यान, के.रंजन एट अल, (2022), √s = 8TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में डब्ल्यू बोसोन और एक आकर्षण क्वार्क के संबंधित उत्पादन का मापन, थे यूरोपियन फिजिक्स जर्नल सी, 12 , 82 , 37 , 4

ए.तुमस्यान, के.रंजन एट अल, (2022), पीबीबी टकराव में य राज्यों का परमाणु संशोधन √ एसएनएन = 5.02 टीईवी, फिजिकल लेटर्स बी, 835, 835, 137397, 10

शोध परियोजनाएं

केंद्र के निदेशक ने "सीईआरएन में सीएमएस प्रयोग में भारतीय भागीदारी: रखरखाव, संचालन और उन्नयन" नामक परियोजना के लिए डीएसटी से कुल 15.05 करोड़ रुपये की धनराशि के लिए अनुमोदन प्राप्त किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

स्विट्जरलैंड और टीआईएफआर, एसआईएनपी, एनआईएसईआर, आईआईएसईआर, पीयू जैसे भारतीय संस्थानों के साथ सहयोग किया।

संकाय संख्या

केंद्र की सुविधाओं का उपयोग प्रयोगात्मक उच्च ऊर्जा भौतिकी में विशेषज्ञता वाले सभी 5 संकाय सदस्यों द्वारा उनके संबंधित पीएच.डी.छात्रों के साथ किया जाता है।

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या - 1

***

उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय ने वर्ष 2000 में, विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति के भीतर व्यापक चर्चा के परिणामस्वरूप उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र की स्थापना की। राजीव गांधी फाउंडेशन के अध्यक्ष स्वर्गीय श्री आबिद हुसैन के नेतृत्व में इस समिति का उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों और स्नातकों को कौशल प्रदान करने की आवश्यकता को संबोधित करना था, जिससे वे विभिन्न उद्योगों में रोजगार सुरक्षित कर सकें या अपने स्वयं के उद्यम स्थापित कर सकें। प्रोफेसर नीलमेघम ने केंद्र के लिए मानद अध्यक्ष की भूमिका अदा की।

शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय से संचालित इस केंद्र ने विविध कौशल विकास पाठ्यक्रम संचालित किए। अपनी पहल के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने ह्यूस्टन कम्युनिटी कॉलेज सिस्टम्स का दौरा किया और समुदाय की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने में उनके दृष्टिकोण का पता लगाया और उनसे सीख ली।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय में उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में फैले कौशल विकास पाठ्यक्रमों की एक विविध सरणी के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल है। इन पाठ्यक्रमों में "पुस्तकालय और सूचना केंद्रों में सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग" पर दो सप्ताह का कार्यक्रम शामिल है, जो तीन महीने की पहल है जो "उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को, विशेष रूप से खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सशक्त बनाने" पर केंद्रित है । अन्य प्रस्तावित में "भोजन में गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली" पर तीन सप्ताह का पाठ्यक्रम शामिल है, साथ ही साथ "कंप्यूटर हार्डवेयर और रखरखाव," "संभावित लेखाकार," "स्पेक्ट्रोस्कोपिक और क्रोमैटोग्राफिक तकनीक," और "उद्योगों में गणितीय उपकरण और तकनीकों का उपयोग" जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, केंद्र ने वीएलएसआई और वीएचडीएल की शुरूआत जैसे विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की हैं, और उपकरणों की मरम्मत पर शिक्षकों और प्रयोगशाला कर्मचारियों को मूल्यवान प्रशिक्षण प्रदान किया है। विशेष रूप से, विभिन्न कॉलेजों के छात्रों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें उद्यमियों के साथ चर्चा की सुविधा प्रदान की गई थी और अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करने के लिए विचारों की पीढ़ी को बढ़ावा दिया गया था।

सम्मान/गौरव

उद्यमिता और कैरियर उन्मुख कार्यक्रम लिए केंद्र को मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से उत्कृष्ट ए+ ग्रेड मान्यता प्राप्त हुई है।

प्रकाशन

पालीवाल ए, शर्मा एन, सिंह आर, (2022) , बाजरे के आटे की भौतिक रासायनिक और कार्यात्मक विशेषताओं पर गीले प्रसंस्करण के प्रभाव। *करर रेस नुतर फ़ूड* साइंस, 3, 10, 680-699, एनए

साधना एट अल, (2023) , मेथी की अल्फा एमाइलेज निरोधात्मक गतिविधि पर अंकुरित समय का प्रभाव (ट्राइगोनेला फोनम ग्रेकम एल। बीज", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, , 3, 2, 35-38, एनए

जर्नल

प्रोफेसर पायल मागो, प्रोफेसर प्रोजेस रॉय और डॉ. ट्विंकल सचचान, (2022), *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, ऑनलाइन* आईएसएसएन 2583-4452, 1,2,3, 3, 189

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

श्री ऋतुराज आनंद, (2022), स्ट्रित्व: भारतीय नारीत्व की कहानियां, दिल्ली, माई बुक पब्लिशर, 978-9394176089, 98

शोध परियोजनाएं

सर्ब, डीएसटी, सिस्को, डीबीटी और आईसीएसएसआर, 2014 -2021 परियोजना के लिए, "नैदानिक अनुसंधान के लिए आइगन / जीएएन एचईएमटी आधारित लैक्टिक एसिड और यूरिक एसिड बायोसेंसर का मॉडलिंग सिमुलेशन और विकास"। स्वीकृत राशि: रु. 2860990.

आयोजित संगोष्ठी

आईसीएसएसआर के तत्वावधान में 22 से 23 अक्टूबर 2023 तक प्रोफेसर वी.के. मल्होत्रा, सदस्य सचिव आईसीएसएसआर और श्री एम. डॉ शोवना नारायण, समाज सुधारक और शिक्षाविद, भारतीय कथक नृत्यांगना द्वारा "विश्व गुरु भारत" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या - 3

***

अवक्रमित पारिस्थितिक तंत्र पर्यावरण प्रबंधन केंद्र (सीईएमडीई)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अवक्रमित पारिस्थितिक तंत्र पर्यावरण प्रबंधन केंद्र (सीईएमडीई) विश्वविद्यालय का एक प्रमुख केंद्र है और आक्रामक विदेशी प्रजातियों और समकालीन पर्यावरणीय समस्याओं की पारिस्थितिकी के क्षेत्रों में शोध और क्षमता निर्माण पर काम कर रहा है।

केंद्र ने प्रतिकूल पारिस्थितिकी के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्दृष्टि प्रदान की है और सीवेज के समाधान के लिए बायोरेमेडिएशन प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहा है और डिस्टिलरियों से स्पेंट वॉश के साथ दूषित मिट्टी और सतह और भूजल के परिशोधन के लिए भी समाधान किया गया है। केंद्र दिल्ली विकास प्राधिकरण के 7 जैव विविधता पार्कों के एक नेटवर्क का विकास और प्रबंधन कर रहा है और ये अपनी तरह के पहले हैं और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के अलावा दिल्ली की पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान दे रहे हैं।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह, निदेशक को विश्वविद्यालय, 2023 में इंद्रजीत की अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट सेवा और योगदान को मान्यता देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह ने हम्बोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी द्वारा अप्रैल 2022 में संस्थान, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट

ऑफ केमिकल इकोलॉजी, जेना, जर्मनी द्वारा आयोजित हम्बोल्ट रिसर्च अवार्ड प्राप्त किया।

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफएनए आईएनएसए), दिल्ली, भारत, 2022 का फेलो चुना गया।

प्रकाशन

गोस्वामी, वी., दीपिका, एस., चंद्रा, आर., बाबू, सीआर, और कोथामासी, डी. (2023)। आर्बुस्कुलर माइकोराइजा डिस्टिलरी में मौजूद कार्बनिक प्रदूषकों से युक्त रंग के क्षरण को तेज करता है। जर्नल ऑफ़ हजारडस मैटेरियल्स, 452, 131291.

चौधरी, वीके, भारद्वाज, पी., कार, पीके, मजूमदार-लीटन, एस., और बाबू, सीआर (2023)। पूर्णापानी, ओडिशा के अवक्रमित खनित क्षेत्रों के भीतर पारिस्थितिकीय रूप से पुनरूद्धार स्थलों में नवीन तसर कृषि क्षेत्रों का विकास और वान्या रेशमकीटों का संरक्षण। जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, 44, 505-512।

भारद्वाज, पी., चौधरी, वीके, आलम, एम. एस., आचार्य, एस., मजूमदार-लीटन, एस., और बाबू, सीआर (2023)। "उष्णकटिबंधीय तसर रेशमकीट के दो मेजबान पेड़ों में पर्ण प्रोटीन सामग्री और ट्रिप्सिन निरोधात्मक स्तर में अस्थायी परिवर्तनशीलता एंथेरिया माइलिटा, ड्रयूरी"। जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, 44, 415-424।

लुओ वाई, अमांडा टी, वीगेल्ट पी, गुएनर्ड बी, इकोनोमो ई, नोवाक ए, इंद्रजीत, और क्रेफ्ट एच. 2023।. जलवायु और चींटी विविधता चींटी-पौधे पारस्परिकता के वैश्विक वितरण की व्याख्या करती है। इकोग्राफी, e06841।

मजूमदार एस, कौर एच, रिनेला एमजे, कुंडू ए, वडसेरी जे, एरबिलगिन एन, कैलावे आरएम, कैडोट एम, इंद्रजीत*। 2023. एक वैश्विक आक्रमणकारी पर चंदवा रसायन विज्ञान और ऑटोजेनिक मिट्टी बायोटा के सहक्रियात्मक प्रभाव। जर्नल ऑफ इकोलॉजी, 111: 1497-1513।

कै एल, क्रेफ्ट एच, टेलर ए, डेनेल पी, श्रेडर जे, एस्सल एफ, वैन क्लेनन एम, पेर्गल जे, पाइसेक पी, स्टीन ए, विंटर एम, बार्सिलोना जे, फ्यूएंटेस एन, इंद्रजीत, करगर डी, कार्टेज़ जे, कुप्रिजानोव ए, निशिनो एम, निकरेंट डी, नोवाक ए, पैटज़ेल्ट ए, पेलसर पी, सिंह पी, विरिंगा जे, वीगेल्ट पी. 2023। उन्नत मशीन लर्निंग तकनीकों के आधार पर पौधों की विविधता के वैश्विक मॉडल और भविष्यवाणियां। न्यू फाइटोलॉजिस्ट, 237: 1432-1445।

वनस्पति पैटर्न और पौधों के समुदायों की जैव विविधता: "स्थानिक स्व-संगठन और सामुदायिक विधानसभा के चालकों के रूप में जमीन के नीचे की प्रतिक्रिया" पर टिप्पणियों का उत्तर दें। फिजिक्स ऑफ़ लाइफ

रेविएवस, 42: 29-32

शोध परियोजनाएं

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी), उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तपोषित सिंभावली क्षेत्र (यूपीपीसीबी), उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अवक्रमित भू-दृश्यों और जलदृश्यों के पुनरूद्धार और पुनर्स्थापन पर एकीकृत परियोजना तथा सिंभावली क्षेत्र (फुलडेरा नाला और स्याना पलायन नहर सहित) के आस-पास प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए भी परियोजना को प्रोफेसर राधेश्याम शर्मा के सह-पीआई के रूप में स्वीकृत किया गया है।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह ने 13-14 फरवरी, 2023 को कोलकाता में आयोजित प्लांट टैक्सोनॉमी, एथनो-बॉटनी एंड बोटेनिक गार्डन (बीएसआई आईएसपीटीईबीजी-2023) पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जैव विविधता पार्क: पारंपरिक दवाओं का उत्पादन करने वाले जीवित पौधों के वर्गीकरण और पूर्व-सीटू संरक्षण के लिए एक जीवित संग्रहालय-सह-प्रयोगशाला" पर एक आमंत्रित मुख्य व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह ने कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में 25-27 नवंबर 2023 को आयोजित "एडवांस इन प्लांट टैक्सोनॉमी, बायोजियोग्राफी एंड बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "प्लांट टैक्सोनॉमी एंड एप्लाइड साइंसेज" पर एक आमंत्रित मुख्य व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

केंद्र जैव विविधता पार्कों के विकास और सीवेज के उपचार के लिए निर्मित आर्द्रभूमि के विकास के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और बिहार के राज्य सरकार के विभागों को तकनीकी सलाह प्रदान कर रहा है।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

डीडीए जैव विविधता पार्क कार्यक्रम पूरी तरह से डीडीए द्वारा लगभग 12 करोड़ रुपये के वार्षिक अनुदान से वित्त-पोषित है। यह विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा आउटरीच कार्यक्रम है और हर वर्ष डीयू छात्रों सहित 0.2 मिलियन छात्रों के लिए व्यावहारिक पर्यावरण शिक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है।

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या - 1

***

फसल पादप आनुवंशिक परिवर्तन केंद्र

संक्षिप्त अध्ययन

दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस में फसल पादप आनुवंशिक परिवर्तन केंद्र की स्थापना 1996 में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) से वित्तीय सहायता के साथ की गई थी। अनुदान का मुख्य उद्देश्य उपज के लिए तिलहन सरसों और तेल और भोजन की गुणवत्ता में सुधार था। सीजीएमसीपी को 1996 में अपनी स्थापना से 2016 तक, पांच वर्ष की अवधि के चार चरणों में एनडीडीबी से लगभग 50 करोड़ रुपये का वित्त-पोषण प्राप्त हुआ।

वर्तमान में, सीजीएमसीपी में सरसों पर अनुसंधान एवं विकास कार्य को 'डीबीटी-यूडीएससी पार्टनरशिप सेंटर ऑन जेनेटिक मैनिपुलेशन ऑफ ब्रासिकास' द्वारा वित्त-पोषित किया जा रहा है। सीजीएमसीपी में अनुसंधान एवं विकास कार्य ने फसल के आनुवांशिकी और जीनोमिक्स के क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं, और मूर्त उत्पादों के विकास-उत्पादक संकर, प्रजनन लाइनों/किस्मों में सफेद जंग के प्रतिरोध और तेल और भोजन की गुणवत्ता के लक्षण।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

केंद्र की प्रमुख गतिविधि पारंपरिक और आणविक प्रजनन के माध्यम से तिलहन सरसों (ब्रैसिका जंसिया) के आनुवंशिक सुधार पर रही है। हेटरोसिस प्रजनन, जीनोमिक्स-सहायता प्राप्त प्रजनन, गुणवत्ता प्रजनन और रोगों और कीटों के प्रतिरोध के लिए प्रजनन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसमें फील्ड ब्रीडिंग, प्रजनन, ट्रांसजेनिक विकास में माइक्रोस्पोर-व्युत्पन्न डबल हैप्लॉइड (डीएच) के अनुप्रयोग, और मार्कर-असिस्टेड ब्रीडिंग में आणविक मानचित्रण और जीनोम अनुक्रमण के अनुप्रयोग पर व्यापक काम शामिल है।

केंद्र के काम ने कुछ सीएमएस-आधारित और जीएम-आधारित उत्पादक संकरों के विकास, बेहतर गुणवत्ता और सफेद जंग प्रतिरोध लाइनों के साथ कई शुद्ध लाइनें, और हेटरोसिस प्रजनन के लिए कुछ आशाजनक संयोजनों की पहचान का नेतृत्व किया है। प्रयोगशाला ने सात महत्वपूर्ण तिलहन सरसों लाइनों के जीनोम का अनुक्रम किया है जो महत्व के कुछ लक्षणों के लिए उम्मीदवार जीन की पहचान में मदद करेगा और महत्वपूर्ण क्यूटीएल और जीन के विविधीकरण में भी मदद करेगा।

शोध परियोजनाएं

एमएचआरडी, 2020-2024, स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियम के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ाने के लिए मेजबान मध्यस्थता रोगज़नक़ जीन साइलेंसिंग (एचआईजीएस) की तैनाती का अनुकूलन, पौधों में स्टेम सड़ांध के कारक।

एसईआरबी, 2021-2023, फाइटोपैथोजेनिक फफूंद अल्टरनेरिया ब्रैसिसेसी के खिलाफ प्रतिरोध में अंतर्निहित आनुवंशिक घटकों को उजागर करना, 41,24,376.00 रुपये

रॉयल सोसाइटी, 2020-2024, भारत में प्रतिरोधी तिलहन सरसों की किस्मों के लिए सफेद रतुआ रोगज़नक़ और सटीक प्रजनन पर नज़र रखने के लिए एक प्रभावी निगरानी प्रणाली की स्थापना, 31805 जीबीपी

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

एफएस-बायो 2023 का आयोजन आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम द्वारा 15 मार्च 2023 को किया गया। जनवरी 2023 में विकास और रोग के जीव विज्ञान पर 45वें अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

मार्कर-सहायता प्राप्त बैकक्रॉस प्रजनन के माध्यम से विकसित चार सफेद जंग प्रतिरोधी सरसों लाइनों का मूल्यांकन रेपसीड और सरसों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा किया जा रहा है।

***

वैश्विक अध्ययन केंद्र

संक्षिप्त विवरण

वैश्विक अध्ययन केंद्र, जिसे पहले विकासशील देश शोध केंद्र (डीसीआरसी) के रूप में जाना जाता था, की स्थापना 20 अप्रैल 1993 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अध्यादेश XV-A के माध्यम से अंतःविषयक कार्यक्रम बोर्ड के तहत की गई थी। इस प्रकार सृजित शैक्षणिक स्थान शीघ्र ही एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील समाजों पर शोध करने में लगे शिक्षकों, छात्रों और अनुसंधानकर्ताओं का केन्द्र बन गया। 14 सितंबर 2021 से विश्वविद्यालय ने केंद्र का नाम बदलकर वैश्विक अध्ययन केंद्र [CGS] कर दिया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

केंद्र ने शैक्षणिक सत्र, 2022-23 के दौरान कार्यशालाओं, वेबिनार, सम्मेलनों और इंटरैक्टिव प्रवचनों सहित कई शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। केंद्र ने शैक्षणिक सत्र, 2022-23 के दौरान कार्यशालाओं, वेबिनार, सम्मेलनों और इंटरैक्टिव प्रवचनों सहित कई शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं में 2 मई 2022 को 'सबाल्टर्न का पुनरीक्षण', 31 मई 2022 को 'रूस यूक्रेन नाटो युद्ध: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य', 23 मई 2022 को 'अंडरस्टैंडिंग इंडियन पॉलिटिकल थॉट', 12 अगस्त 2022 को 'चीन-ताइवान: भारत के लिए टकराव और निहितार्थ',

25-26 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 'मानवतावाद एक अभिन्न परिप्रेक्ष्य से मानवता: पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का निष्पादन' शीर्षक से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शामिल है। 2022 और 25 दिसंबर 2022 को 'अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल लेक्चर' श्रृंखला का चौथा व्याख्यान।

प्रकाशन

भुवन के झा , (2022) , महात्मा और महामना: मतभेदों के भीतर समझौता, इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यु, 1 , 49 , 143-165 , एनए

जर्नल

सुनील के चौधरी, (2022), संश्लेशन, सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज, 12, वी, एनए
सुनील के चौधरी, (2023), संश्लेशन, सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज, 1, VI, एनए

पुस्तकें

भुवन के झा, (2022), 'पॉलिटिकल वॉयसेस, कोलोनियल स्टेट एंड पार्टिशन ऑफ इंडिया', दिल्ली, रूटलेज, 978-1- 032-30734-3, 221-249

आयोजित संगोष्ठी

आईसीएसएसआर द्वारा 25-26 सितंबर, 2022 को "मानवतावाद एक अभिन्न परिप्रेक्ष्य से मानवता: पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का निष्पादन, राज्यों, प्रोफेसरों और सामाजिक वैज्ञानिकों" शीर्षक से संगोष्ठी।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

30 मार्च 2023 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जम्मू और कश्मीर की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लेंसिंग जम्मू एंड कश्मीर फ्रॉम सी पर्सपेक्टिव' शीर्षक से मुख्य भाषण दिया।

राजस्थान के जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय ने वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से जी-20 और तकनीकी शब्दावली की भारतीय अध्यक्षता पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। 'एग्जीक्यूटिंग जी-20: जे-20 पर्सपेक्टिव' शीर्षक से मुख्य व्याख्यान 14 मार्च 2023 को प्रस्तुत किया गया था।

8 जनवरी 2023 को संवैधानिक और संसदीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित संवैधानिक कानून में प्रमाणपत्र कार्यक्रम में 'वोकल फॉर द लोकल: द लोकल बॉडीज' विषय पर दिया गया एक ऑनलाइन व्याख्यान।

.'राष्ट्रीय समाज विज्ञान परिषद और हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत की

ज्ञान परंपराओं में सामाजिक विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सामाजिक विज्ञान: तब और अब' शीर्षक से एक व्याख्यान और 'सामाजिक विज्ञान: पुनरावलोकन और संभावनाएं' पर एक पैनल चर्चा हुई। यह आयोजन 16 अक्टूबर 2022 को हुआ था।

26 जून 2022 को संवैधानिक और संसदीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित संवैधानिक कानून में प्रमाणपत्र कार्यक्रम में 'स्थानीय निकाय: बदलते परिप्रेक्ष्य' विषय पर दिया गया एक ऑनलाइन व्याख्यान।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सीजीएस समीक्षा चुनाव सर्वेक्षण उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल, गुजरात, दिल्ली, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड जैसे विभिन्न चुनावी राज्यों में किया गया।

संकाय संख्या - 12

***

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र (सीआईआईडीआरईटी)

संक्षिप्त विवरण

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र (सीआईआईडीआरईटी) की स्थापना अक्टूबर 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-A के तहत की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से आठ वर्षों में, अपने अधिदेश के अनुसार, सीआईआईडीआरईटी ने मानव स्वास्थ्य में सुधार के लिए संक्रामक रोगों में पथ-प्रवर्तक नवाचार-संचालित ट्रांसलेशनल अनुसंधान किया है।

सीआईआईडीआरईटी विज्ञान के कॉलेज के छात्रों के साथ परिचर्चा करके जुड़ी आउटरीच गतिविधियों को अंजाम दे रहा है ताकि उन्हें शोध आजीविका अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। इसने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय वैज्ञानिकों द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान, 'उद्यमिता अतिथि सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला' के माध्यम से उद्योग-अकादमिक बातचीत और उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं।

केंद्र वैज्ञानिकों को विशेषज्ञ सलाह के साथ-साथ अत्याधुनिक प्रोटिओमिक और जीनोमिक सेवाएं प्रदान करता है, और बायोटेक उद्योग को परामर्श प्रदान करता है। प्रोफेसर विजय चौधरी संस्थापक निदेशक थे और उसके बाद प्रोफेसर योगेंद्र सिंह थे। प्रोफेसर अमिता गुप्ता वर्तमान निदेशक हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के साथ-साथ सीआईआईडीआरईटी ने 'प्रशिक्षण और कौशल संवर्धन के 100 दिनों के उत्सव' का आयोजन किया। यह कौशल महोत्सव 17 दिसंबर 2022 से शुरू हुआ और 9 मई 2023 को अपने समापन समारोह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 100 दिनों के उत्सव

में, एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सहित 13 प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गईं। देश भर के 90 विभिन्न संस्थानों और पाठ्यक्रमों के 400 प्रतिभागियों को विज्ञान में विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षित किया गया, जिसमें शिक्षा और उद्योग से 50 संसाधन व्यक्तियों का योगदान था। यह विशाल कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कॉलेजों सहित 9 शैक्षणिक संस्थानों और 9 उद्योग भागीदारों से पूरे दिल से बौद्धिक और रसद योगदान के कारण सफल रहा। इसके अलावा, सीआईआईडीआरईटी ने जीनोमिक्स और प्रतिरक्षा तकनीकों पर अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

सम्मान/गौरव

डॉ. अमिता गुप्ता, निदेशक सीआईआईडीआरईटी, को बैक्टीरियोफेज अनुसंधान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सोसाइटी फॉर बैक्टीरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी द्वारा नवंबर 2022 में उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार मिला।

डॉ. विजय चौधरी को माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सितंबर 2022 में एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं (नई/चल रही)

डीबीटी-वित्त पोषित परियोजना: "सहयोगी के रूप में एसवीसी के साथ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन लोकी के विनियमन में सेर/प्रोटीन किनेस की भूमिका को समझना"। फंडिंग राशि: रु. 123 लाख, अवधि: जुलाई 2021- जुलाई 2024.

जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के सहयोग से "कोविड-19 के लिए चिकित्सीय एंटीबॉडी" पर डीबीटी-बीआईआरएसी-वित्त पोषित परियोजना, 16.5 लाख रुपये के अनुदान के साथ, अवधि: दिसंबर 2020 से नवंबर 2023।

डीबीटी-वित्त पोषित परियोजना, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जिसका शीर्षक है "एंटीबॉडी टेक्नोलॉजी: रिसर्च फॉर थेराप्यूटिक एंड डायग्नोस्टिक एप्लिकेशन" फंडिंग राशि: रु. 608 लाख, अवधि: दिसंबर 2017- दिसंबर 2023.

प्रकाशन

वर्षा द्विवेदी, राकेश कुमार गुप्ता, अमिता गुप्ता, विजय के चौधरी, संजय गुप्ता और वंदना गुप्ता। सिलिको दृष्टिकोण में एचसीवी के पी 7 वायरोपोरिन को लक्षित करने के लिए नोवल विरोधियों को फिर से तैयार करना। *ड्रग डिजाइन और डिस्कवरी* 2022 में शोध-पत्र; 19(11) 969-981. https://dx.doi.org/10.2174/1570180819666220124112150

मंजूर/प्रकाशित पेटेंट

ओआरएफ-समृद्ध फेज डिस्प्ले लाइब्रेरी के उत्पादन की एक प्रक्रिया और उसके उपयोग। (भारतीय पेटेंट संख्या 418973)। 23 जनवरी 2023 को सम्मानित किया गया।

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

प्रो. अमिता गुप्ता ने 18 अप्रैल 2022 को SYNAPSE, जूलॉजी विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी 'इंपल्स '22' में "टीबी कन्फर्म: ए बेंच टू बेडसाइड सक्सेस स्टोरी" पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. अमिता गुप्ता ने कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ में बैक्टीरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फेज डिस्प्ले टेक्नोलॉजी" पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय चौधरी ने कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ में बैक्टीरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फेज डिस्प्ले लाइब्रेरी का उपयोग करके मानव एंटीबॉडी प्रौद्योगिकी" पर एक व्याख्यान दिया।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

20 अप्रैल 2022 को "बैक्टीरियल जीनोम पहचान, अनुक्रमण और लक्षण वर्णन" पर एक छात्र कौशल संवर्धन कार्यशाला आयोजित की। इसमें 20 पीजी छात्रों और रिसर्च स्कॉलर्स को बैक्टीरियल जीनोम सीक्वेंसिंग और डेटा एनालिसिस में ज्ञान और हैंड्स-ऑन लर्निंग अनुभव प्रदान करने के लिए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

14 से 21 जून 2022 तक "एलिसा (एंजाइम-लिंक्ड इम्युनोसॉरबेंट परख) और इसके अनुप्रयोग" पर एक छात्र कौशल संवर्धन कार्यशाला आयोजित की। इसमें 20 यूजी और पीजी छात्रों को डायग्नोस्टिक्स में नियोजित इम्यूनोलॉजिकल तकनीकों के उपयोग के तरीकों के बारे में हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

***

पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतर-अनुशासनात्मक अध्ययन केंद्र

संक्षिप्त विवरण

पहाड़ और पार्वतीय पर्यावरण अंतर-अनुशासनात्मक अध्ययन केंद्र को बिजली क्षेत्र में पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन के मुद्दों से संबंधित अध्ययन करने के लिए अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था। विद्युत परियोजनाओं के पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और नदी घाटियों के पर्यावरणीय संवेदनशीलता अध्ययन के क्षेत्र में केंद्र के महत्वपूर्ण योगदान को महसूस करते हुए, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने इसे 2001-2002 में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी।

केंद्र ने पूरे भारत में पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और जैव विविधता संरक्षण से संबंधित कई अध्ययन किए हैं। केंद्र पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और सतत विकास के क्षेत्र में भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों, इसके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी क्षेत्र को विशेषज्ञ सलाह और परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है।

प्रकाशन

मिश्रा, वी., मुद्गल, एन., रावत, डी., पोरिया, पी., मुखर्जी, पी., शर्मा, यू., कुमरिया, पी., पानी, बी., सिंह, एम., यादव, ए., फारूकी, एफ., और शर्मा, आरएस, (2023), कपड़ा अपशिष्ट जल उपचार प्रक्रियाओं में सूक्ष्म शैवाल को एकीकृत करना: प्रगति और अवसर, *जर्नल ऑफ* वाटर *प्रोसेस इंजीनियरिंग*, 0, 55,104128,0

रावत, डी., शर्मा, यू., यादव, ए., पोरिया, पी., फारूकी, एफ., पानी, बी., मुखर्जी, पी., सिंह, एम., शर्मा, आरएस, और मिश्रा, वी., (2023), एक ही चरण में सुगंधित अमाइन और एज़ो डाई के विषहरण के लिए कपड़ा अपशिष्ट जल से रोगाणुओं का चयन करने के लिए एक बॉटम-अप दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ़ वाटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 0, 53,103668,0

शर्मा, एस., मल्होत्रा, एल., मुखर्जी, पी., कौर, एन., कृष्णलता, टी., श्रीकांत, सीवी, मिश्रा, वी., बनर्जी, बी.डी., एथायथुल्ला, एएस, और शर्मा, आरएस, (2023), ट्रांसथायरेटिन और एंडोसल्फान II के बीच ख्यात बातचीत और स्तन कैंसर में इसकी प्रासंगिकता, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 0, 235 , 123670, 0

गर्ग, एस., मिश्रा, वी., वेगा, एल.एफ., शर्मा, आर.एस., और डुमी, एल.एफ., (2023), हाइड्रोजन बायोसेंसिंग: संभावनाएं, समानताएं और चुनौतियां, इंडस्ट्रियल और इंजीनियरिंग केमिस्ट्री रिसर्च, 11, 62, 4676-4693, 0

शर्मा, यू., रावत, डी., मुखर्जी, पी., फारूकी, एफ., मिश्रा, वी., और शर्मा, आरएस, (2023), मिट्टी में ड्राइविंग कारक के रूप में एंटीबायोटिक दवाओं के जवाब में रोगाणुओं की पारिस्थितिक जीवन रणनीतियाँ, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 0 , 854, 158791, 0

रावत, डी., शर्मा, यू., पोरिया, पी., फिनलान, ए., पार्कर, बी., शर्मा, आर.एस., मिश्रा, वी, (2022), क्लोरेला सोरोकिनियाना और राल्स्टोनिया पिकेटी के बीच लौह-निर्भर पारस्परिकता एक स्थायी बायोरेमेडिएशन सिस्टम का आधार बनती है, आईएसएमई कम्युनिकेशंस, 1, 2, 1-14, 0

कुमार, पी., मिश्रा, वी., भारद्वाज, एस., गर्ग, एस., डुमी, एल.एफ., और शर्मा, आरएस, (2022), नदियों में भारी धातु प्रदूषण की प्रणाली-आधारित निगरानी के लिए पांच-पहिया ढांचा, एनवायर्नमेंटल क्वालिटी मैनेजमेंट, 0 , 0 , https://doi.org/10.1002/tqem.21918, 0

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

वंदना मिश्रा ने 2023 में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए। दिल्ली विश्वविद्यालय में 14 जून 2023 को माइक्रोप्लास्टिक्स पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, उन्होंने "माइक्रोप्लास्टिक्स की इकोटॉक्सिक क्षमता" और उनके प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए प्रस्तावित समाधानों के बारे में चर्चा की।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने 16-17 मार्च 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'औषधीय पौधे: अनुसंधान और

विकास के सीमांत क्षेत्र' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "हिमालय और पश्चिमी घाट से भारतीय मिस्टलेटो में एंटीकैंसर ड्रग डेवलपमेंट की संभावना" पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

इसके अलावा, उन्होंने फास्ट फैशन के पर्यावरणीय प्रभावों को संबोधित किया और 24 जनवरी 2023 को जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित 'प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य: वर्तमान समझ और भविष्य की दिशाएं' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में औद्योगिक स्थिरता के तरीकों की खोज की।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

चल रहे सहयोग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी दोनों में फैले हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, सहयोगी प्रयासों में संयुक्त अरब अमीरात में विरुद्ध विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूके में एक्सेटर विश्वविद्यालय और संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्तरी कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी (एनसीएसयू) जैसे सम्मानित संस्थान शामिल हैं।

घरेलू स्तर पर, सहयोग नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में डीआरडीओ के तहत सेंटर फॉर फायर एक्सप्लोसिव एंड एनवायरनमेंट सेफ्टी (सीएफईईएस) और दिल्ली विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान विभाग जैसे संस्थानों तक विस्तारित है। ये सहयोगी पहल अनुसंधान और अकादमिक सहयोग के एक विविध और समृद्ध नेटवर्क में योगदान करती हैं।

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या - 02

***

उच्च शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र

संक्षिप्त विवरण

उच्च शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी) भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षकों को व्यावसायिक और आजीविका विकास के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीपीडीएचई की स्थापना 21 नवंबर 1987 को हुई थी। इसका शिक्षण व्यावसाय में 35 वर्षों की सेवा का शानदार रिकॉर्ड है। राष्ट्रीय विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका को ध्यान में रखते हुए सीपीडीएचई अनुसंधान पद्धतियों और शिक्षाशास्त्र, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों के विस्तार के क्षेत्रों में सक्षमता निर्माण में मदद करता है। उच्च शिक्षा केंद्र को अकादमिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए, सीपीडीएचई ने शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की पुनर्रचना के माध्यम से नई बहुआयामी और एकीकृत भूमिका की परिकल्पना की है।

सीपीडीएचई समाज, संस्कृति, भाषा विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, शिक्षा और विकास, प्रबंधन, आईटी/कम्प्यूटर जागरूकता, लिंग मुद्दों और ऐसे कई क्षेत्रों के बीच संबंधों के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से

विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्रशासन और शिक्षकों के लिए उन्मुखीमकरण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में शामिल संकायों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है। सीपीडीएचई का लक्ष्य उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

सीपीडीएचई देश के सर्वश्रेष्ठ एचआरडीसी में से एक है और वर्ष भर अपने गतिशील और अंतःविषय कार्यक्रमों के लिए प्रतिष्ठित है। इस प्रकार, यह अपनी अभिनव प्रथाओं के माध्यम से अन्य एचआरडीसी के लिए एक उदाहरण का नेतृत्व करता है और काम के किसी भी दोहराव की तुलना में देश में अपने लिए एक जगह बनाई है। यह प्रति वर्ष प्रति पाठ्यक्रम प्राप्त होने वाले आवेदनों की संख्या से बहुत अधिक परिलक्षित होता है। इस प्रकार, सीपीडीएचई सबसे नवीन और जीवंत पाठ्यक्रम और प्रथाओं (संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया के अनुसार) रखने की कोशिश करता है। यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को भारतीय शैक्षिक दर्शन और राष्ट्रीय एकता के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। शिक्षकों के समग्र व्यावसायिक विकास और बौद्धिक विकास में योगदान देने के उद्देश्य से, ये पाठ्यक्रम बदले में अपने शिक्षकों के विकास के माध्यम से छात्रों के विकास में भी मदद करते हैं।

सम्मान/गौरव

केंद्र को 19 मई 2022 को मंधवी प्रकाशन, दिल्ली द्वारा "साहित्य गरिमा" से सम्मानित किया गया।

पुस्तकें/ पुस्तकों में अध्याय

सिंह, गीता, (2020), नागरिकता संशोधन अधिनियम तथ्य एवं सत्य: एक बौद्धिक विमर्श, नई दिल्ली, प्रभात प्रकाशन, 978-93-90378-16-6,

संगोष्ठी का आयोजन

समन्वयक के रूप में प्रो. गीता सिंह के नेतृत्व में "मूल्यवर्धित शिक्षा के माध्यम से मूल्य-सृजन" शीर्षक से संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी-3) में 63 संसाधन व्यक्तियों के साथ सहयोग किया गया और निदेशक सीपीडीएचई (यूजीसी-एचआरडीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया गया। यह कार्यक्रम 1 जून 2022 से 2 जुलाई 2022 तक चला और यूजीसी द्वारा इसका समर्थन किया गया।

प्रोफेसर गीता सिंह के समन्वय में "भारत बोध से शिक्षा" विषय पर संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी-4) आयोजित किया गया था। निदेशक सीपीडीएचई (यूजीसी-एचआरडीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 18 जनवरी 2023 से 20 फरवरी 2023 तक हुआ और इसमें 88 संसाधन व्यक्तियों की भागीदारी हुई। इस पहल को यूजीसी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

प्रोफेसर अशोक के. प्रसाद द्वारा समन्वित "एनईपी 2020 में रसायन विज्ञान की भूमिका" शीर्षक से रसायन विज्ञान पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 44 संसाधन व्यक्तियों के साथ, यूजीसी द्वारा समर्थित, 12 से 25 जुलाई 2022 तक दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित किया गया।

प्रोफेसर उषा टंडन द्वारा समन्वित संविधान, कानून और आध्यात्मिकता पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी), 39 संसाधन व्यक्तियों की भागीदारी के साथ, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया और 16 अगस्त 2022 से 30 अगस्त 2022 तक हुआ, और यूजीसी द्वारा इसका समर्थन किया गया।

डॉ. सौरभ के नेतृत्व में समन्वयक के रूप में "संस्कृत से संस्कृति पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी)" शीर्षक से संगोष्ठी संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के 55 संसाधन व्यक्तियों की भागीदारी के साथ समन्वयक के रूप में 16 अगस्त 2022 से 30 अगस्त 2022 तक हुई। संगोष्ठी को यूजीसी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

प्रोफेसर तरुण कुमार दास द्वारा समन्वित गणित/परिचालन अनुसंधान/सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान (आईडीसी) पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम "टोपोलॉजी, विश्लेषण और अनुप्रयोगों पर जोर देने के साथ गणित," प्रोफेसर तरुण कुमार दास द्वारा गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के 30 संसाधन व्यक्तियों के साथ समन्वित, 2 से 9 सितंबर 2022 तक आयोजित किया गया और यूजीसी द्वारा अनुमोदित किया गया।

प्रोफेसर अजय कुमार सिंह के समन्वय में अर्थशास्त्र, वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन (आईडीसी) पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें 37 संसाधन व्यक्तियों की भागीदारी थी। दिल्ली विश्वविद्यालय में वाणिज्य विभाग के नेतृत्व में, पाठ्यक्रम 17 से 30 नवंबर 2022 तक फैला और यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त था।

भारत की ज्ञान परंपराओं में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विशेष संदर्भ के साथ "बौद्ध आत्मानिरभरता: भारत की ज्ञान परंपराएं: भारत की ज्ञान-परम्पराएँ (भारत की ज्ञान परंपराएं) वसूली, स्थिति और मुख्यधारा के रूप में डॉ. ऋचा चोपड़ा द्वारा समन्वयक के रूप में 62 संसाधन व्यक्तियों और कोर संकाय सदस्यों के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणालियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर, पश्चिम बंगाल में 22 नवंबर से 9 दिसंबर 2022 तक चला। संगोष्ठी को यूजीसी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

अकादमिक नेतृत्व और संसाधन प्रबंधन पर लघु अवधि पाठ्यक्रम, प्रोफेसर गीता सिंह द्वारा समन्वित और 13 संसाधन व्यक्तियों की विशेषता, दिल्ली विश्वविद्यालय में सीपीडीएचई (यूजीसी-एचआरडीसी) के निदेशक द्वारा आयोजित किया गया, जो 16 जून से 22 जून 2022 तक आयोजित किया गया, जिसे यूजीसी द्वारा अनुमोदित किया गया।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. गीता सिंह ने 13 सितंबर 2023 को इंटरनेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आईसीईआरटी) और पीजीडीएवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "चैंजिंग ग्लोबल डायनेमिक्स इन लॉ, सोशल साइंस, साइंस एंड इंजीनियरिंग" पर एक दिवसीय बहु-विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. गीता सिंह ने यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा 10 अक्टूबर 2023 को आयोजित एनईपी कार्यान्वयन 2020 पर अल्पावधि पाठ्यक्रम में वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. गीता सिंह ने 7 अगस्त 2023 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 10वीं और 11वीं फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में उद्घाटन व्याख्यान दिया।

प्रो. गीता सिंह ने 9-12 जून 2023 को विवेकानंद केंद्र संस्कृति संस्थान (वीकेआईसी) द्वारा आयोजित "अरुणाचल प्रदेश में विविधता, समावेश, आपसी सम्मान" पर सी-20 नमसाई कॉन्क्लेव में एक वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. गीता सिंह ने 9-10 जून 2023 को संस्कृत संस्कृति विकास संसथान, दिल्ली प्रान्त और लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मलेन 2023 में विशेष अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. गीता सिंह ने 27 अप्रैल 2023 को विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, दिल्ली शाखा द्वारा आयोजित 'विविधता, समावेश और आपसी सम्मान' विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया

प्रो. गीता सिंह ने 29 अप्रैल 2023 को वैदेही फाउंडेशन कर आथम द्वारा आयोजित 'जानकी प्रकटयोत्सव समारोह 2023' में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. गीता सिंह ने 19 अप्रैल 2023 को अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'भारतीय ज्ञान परंपरा और गुरुकुल शिक्षा' शीर्षक से आनंदशाला में विशेष अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. गीता सिंह ने 23 जनवरी 2023 को यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इतिहास के तीसरे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में उद्घाटन व्याख्यान दिया।

प्रो. गीता सिंह ने 16-17 जनवरी 2023 को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश द्वारा संस्थागत नेताओं के 2 दिवसीय राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन 2023 में भाग लिया।

संकाय संख्या - एक स्थायी निदेशक

***

क्लस्टर नवाचार केंद्र (सीआईसी)

संक्षिप्त विवरण

क्लस्टर नवाचार केंद्र (सीआईसी), दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 2011 में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार की संस्कृति को विकसित करने के लिए एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में की गई थी। केंद्र ने तीन बहु-विषयक कार्यक्रम शुरू किए जो सीधे उद्योग, शिक्षा और सामाजिक समूहों से जुड़े हुए हैं, जिससे कक्षा सीखने को यथार्थवादी और व्यावहारिक बनाया गया है।

सीआईसी पारिस्थितिकी तंत्र समावेशिता के सिद्धांतों का पालन करता है, आवश्यक कौशल प्रदान करता है और व्यावहारिक गतिविधि दृष्टिकोण का पालन करके छात्रों के ज्ञान के आधार को बढ़ाता है। चूंकि, केंद्र ने एक दशक पहले इन परिवर्तनों की शुरुआत की थी, इसलिए अब केंद्र के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के दृष्टिकोण को अपनाना आसान हो गया है। सीआईसी में अभिनव कार्यक्रम छात्रों की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाते हैं, एक अभिनव पाठ्यक्रम रखते हैं, और अधिक परियोजना-उन्मुख होते हैं और समाज और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप होते हैं

विशिष्टता वाले छात्र

बी.टेक. छात्रों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं काव्या जायसवाल ने आउटरीच इंटर्नशिप प्रोग्राम में एक स्थान हासिल किया, अर्पिता केशरवानी ने इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज से समर रिसर्च फेलोशिप अर्जित की, और सौरभ कुमार और सारांश चोपड़ा को एमआईटीएसीएस ग्लोबल इंक इंटर्नशिप के लिए चुना गया।

प्रकाशन

शोभा बगई, (2022), गणितीय लेंस के माध्यम से स्ट्रिंग आर्ट की जांच, प्राइमस, 3,33,314-327, एनए

एस. चौधरी, पंकज कुमार, एम. कौशिक*, (2022), Na+/H+ एक्सचेंजर्स (NHEs) के अवरोधक के रूप में उनकी भूमिका को समझने के लिए डीएनए के साथ गुआनिडीन लिगैंड एमिलोराइड, रिमेपोराइड और कैरिपोराइड की बातचीत की खोज: एक स्पेक्ट्रोस्कोपिक और आणविक डॉकिंग जांच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 3 , 21 , 834-844 , एनए

पी. कुमार, एन. सरकार, ए. सिंह, एम. कौशिक*, (2022), प्वाइंट ऑफ केयर में नैनोपेपर बायोसेंसर, बायोकॉन्जुगेट केमिस्ट्री , 6 , 33 , 1114-1130 , एनए

मेहरा, के., खुराना, एस., कुकरेती, एस., कौशिक, (2022), नैनोमैटेरियल्स और डीएनए मल्टीस्ट्रैंडेड स्ट्रक्चर्स: विशिष्ट बायोमेडिकल अनुप्रयोगों को लक्षित करने के लिए एक खजाने की खोज, जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, एनए, एनए, 1-17, एनए

सिंह, ए., कुमार, पी., सरकार, एन., और कौशिक, एम., (2022), आणविक बातचीत पर ग्रीन संश्लेषित जिंक ऑक्साइड नैनोकणों का प्रभाव और काइमोट्रिप्सिन के साथ एज़्योर डाई का तुलनात्मक बंधन: कैंसर फोटोथेरेपी के लिए नोवल नैनो-संयुग्म, फार्मास्यूटिक्स, 1, 15, 74,एनए

कौशिक, एम., सरकार, एन., सिंह, ए., और कुमार, पी., (2023), एस्चेरिचिया कोलाई में एंटीबायोटिक

प्रतिरोध की उत्पत्ति को संबोधित करने के लिए नैनोमैटेरियल्स, फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी, 12, 1919, एनए, एनए

वर्मा, एके, और दीक्षित, वीएस, (2023), कण झुंड इष्टतम और एन्ट्रापी-आधारित माध्य क्लस्टरिंग के साथ शिलिंग हमलों के खिलाफ सहयोगात्मक फ़िल्टरिंग-आधारित सिफारिशें, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कंप्यूटर सिक्योरिटी, (1-2),20,133-144,1

सोनम तंवर, लालमिंगसंगी फैमहवाइट, पूजा राज वर्मा, (2023) , मल्टीप्रोब्स का उपयोग करके यकृत ऊतक में नियमित रूप से आकार के ट्यूमर के क्रायोएब्लेशन के लिए जैव-ताप हस्तांतरण का संख्यात्मक सिमुलेशन, जर्नल ऑफ थर्मल बायोलॉजी, 1,13, एनए,एनए

अंजुमन अंतिल, नेहा सैनी, संजीवनी सहगल, शालिनी अग्रवाल, उमर शहजाद, (2023), डिजिटलीकरण पर सरकारी अभियान में रूपक संचार की प्रभावशीलता, एफआईआईबी रिव्यु, एनए, एनए, 1-14 , एनए

ए सिंह, एसबी मोडक, एमएम चतुर्वेदी, जेएस पुरोहित, (2023), एसडब्ल्यूआई/एसएनएफ क्रोमैटिन रीमॉडेलर:संरचनात्मक, कार्यात्मक और यांत्रिक निहितार्थ, सेल बायोकैमिस्ट्री और बायोफिजिक्स, एनए, एनए, 1-21, एनए

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

ब्राउन, एस., भाटिया, एस., सरकार, एन., और कौशिक, एम., (2023), कृषि में एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया और एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी जीन: भविष्य के लिए एक बढ़ता अलार्म, में, डिग्रडेशन ऑफ़ एंटीबायोटिक्स एंड एंटीबायोटिक-रेसिस्टेंट बैक्टीरिया फ्रॉम वेरियस सोर्सेज, अकादमिक प्रेस, एनए, 247-274

आयोजित संगोष्ठी

"पीपीपी मॉडल के माध्यम से उच्च शिक्षा में नवाचार" शीर्षक से संगोष्ठी जिसमें डॉ. जितेंद्र सिंह, राज्य मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी; योगेश सिंह, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रो दिनेश सिंह, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय; और सोनम वांगचुक, इनोवेटर, का आयोजन 13-15 मार्च 2023 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में किया गया था।

श्री ललित कुमार के साथ 1 नवंबर 2022 को "दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आवश्यक नवाचार और समाधान में अंतःविषय दृष्टिकोण" पर चर्चा करते हुए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

4 नवंबर 2022 को "इनोवेशन इन इंजीनियरिंग" पर एक सेमिनार, जिसमें लॉफबोरो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बाला वैद्यनाथ और कीर्ति रुइकर वक्ता के रूप में थे।

दूरदर्शन के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक श्री बृज बख्शी ने 17 जनवरी 2023 को "क्रिएटिविटी हैज़ नो फिनिश लाइन" शीर्षक से अपनी बात के साथ रचनात्मकता पर अंतर्दृष्टि साझा की।

महत्वपूर्ण कार्यशालाओं की एक श्रृंखला को सावधानीपूर्वक व्यवस्थित किया गया था, जिसकी शुरुआत 10 से 12 नवंबर 2022 तक आयोजित "सामाजिक नवाचार, उद्यमिता और स्टार्ट-अप" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम से हुई थी। इसके बाद, विविध गणित स्कूल के शिक्षकों के लिए आईसीटी एम्बेडेड

शिक्षाशास्त्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक व्यावहारिक कार्यशाला 13-14 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई थी।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

21 मई 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया में 'डायनामिक सिस्टम एंड न्यूमेरिकल मेथड्स' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेसर शोभा बगई द्वारा "द्रव प्रवाह और गर्मी हस्तांतरण के लिए केलर बॉक्स विधि का अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया गया।

23 दिसंबर 2022 को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रियल एंड फाइनेंशियल मैथमेटिक्स' पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेसर शोभा बगई द्वारा "केलर बॉक्स विधि और नैनोफ्लुइड फ्लो के लिए इसके अनुप्रयोग" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. अंजनी कुमार द्वारा 24-25 फरवरी 2023 को लखनऊ में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (आरएआईईटी-2023) में हालिया उन्नति और नवाचार पर आईईईई के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बीएनएन के माध्यम से भूकंप की भविष्यवाणी" विषय पर प्रस्तुत शोध-पत्र।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

इस्लामिया विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 8 छात्र अपनी इंटर्नशिप करने के लिए केंद्र में आए।

छात्रों की संख्या और प्रतिशत

एमएमई कार्यक्रम में, 14 में से 12 छात्रों ने नियोजन हासिल किया, 85% नियोजन दर हासिल की। बी.टेक. कार्यक्रम में, 40 में से 25 छात्रों ने नौकरियों का विकल्प चुना, जबकि अतिरिक्त 5 छात्रों ने अपने उद्यमशीलता के उपक्रमों को अपनाने का विकल्प चुना।

संकाय संख्या - 22

***

दिल्ली पत्रकारिता विद्यालय (डीएसजे)

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली पत्रकारिता विद्यालय (डीएसजे) की स्थापना वर्ष 2017 में वयस्क सतत शिक्षा और विस्तार विभाग के प्रस्ताव पर, इच्छुक पत्रकारों की पहचान करने और उनका पोषण करने, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और प्रशिक्षण के माध्यम से सक्षम बनाने, एक आकर्षक और उत्तरदायी सार्वजनिक क्षेत्र के लिए एक प्रेरक शक्ति बनने और सूचना अर्थव्यवस्था में एक साधन बनने और इस तरह लोकतंत्र और विकास को सही मायने में बढ़ावा देने के लिए की गई थी। यह विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के स्टेडियम में स्थित है, जो छात्रों के लिए अधिकांश आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

डीएसजे ने मल्टी-कैमरा सेटअप और टेलीप्रॉम्प्टर के साथ अपना मीडिया प्रोडक्शन लैब स्थापित किया है। डीएसजे एक मासिक ई-न्यूज़लेटर: द फ्लक्स-प्रवाह और छात्रों और संकाय सदस्यों के योगदान के आधार पर वार्षिक पत्रिका सृजन प्रकाशित करता है।

डीएसजे के दो छात्रों ने अप्रैल-मई 2022 में डीयू शताब्दी विवरणिका की टीम के सदस्य के रूप में भाग लिया।

डीएसजे को अक्टूबर 2022 में केंद्रीय तिब्बत प्रशासन, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश द्वारा तिब्बत सरकार के प्रधान कार्यालय का दौरा करने और परम पावन दलाई लामा के साथ परिचर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें दो संकाय और 25 छात्रों ने यात्रा को पूरा करने के लिए प्रतिनिधिमंडल का गठन किया था।

डीएसजे के छात्रों और संकाय सदस्य ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स 2022-23 की एक स्व-लेखापरीक्षा और स्व-प्रयोगात्मक पर्यावरण लेखापरीक्षा रिपोर्ट 2022-23 भी प्रकाशित की।

एफवाईपीजे के अंतिम वर्ष के छात्रों ने पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में शोध प्रबंध पर काम किया, जहां संकाय की देखरेख में छात्रों द्वारा 55 शोध-कार्य किए गए।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर जे. पी. दुबे को पत्रकारिता और अकादमिक शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की मान्यता में ईएफई डिप्लोमा प्रदान किया गया।

प्रकाशन

जे. पी. दुबे और सुश्री स्नेहा भाटी, (2022), भारत में छात्रों के बीच मीडिया साक्षरता, जर्नल ऑफ़ पॉजिटिव स्कूल साइ जानकारी उपलब्ध नहीं है कोलॉजी, 6, 4, 12021-12031, 1

शिप्रा राज , (2023) , डिजिटल मीडिया और भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी , सेज जर्नल्स, 3, 14, 366-385, एनए

नमीरा आरिफ, (2022), पौधे के पर्यावरणीय तनाव प्रतिक्रियाओं और सहिष्णुता में फ्लेवोनोइड्स की विविध शारीरिक भूमिकाएं,पौधे, प्लांट्स, 11, 22, 3158, एनए

प्लांट एबोटिक स्ट्रेस टॉलरेंस के लिए मेटल/मेटलॉइड-आधारित नैनोमैटेरियल्स: एन ओवरव्यू ऑफ द मैकेनिज्म, प्लांट्स, 11, 3,316, एनए

हारिस हसन, (2022) , खेल में महिलाओं के मीडिया प्रतिनिधित्व का एक महत्वपूर्ण अध्ययन: कामुकता, पुरुष टकटकी और लिंगवाद के आसपास कथाओं का निर्माण, जर्नल ऑफ वुमन एम्पावरमेंट एंड स्टडीज

(जेडब्ल्यूईएस), 2, 2,1-4, 2

विकास सिंह, (2023), दिल्ली विश्वविद्यालय में मीडिया शिक्षा में 2017 से लेंगिकता का विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, मॉडर्न मैनेजमेंट, एप्लाइड साइंस एंड सोशल साइंस (आईजेईएममास), 1, 5, 165-172, एनए

प्रवीण झा, (2022), चंपारण जिले के स्थानीय कृषि आधार उद्योगो पर वैश्विकरण का प्रभाव, गगनांचल, 4, 45, 84-87, एनए

गरिमा दत्त, (2023) , भारत में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका, आईजेसीआरटी, 6, 11,808-812, एनए

प्रवीण झा, (2022) , स्वतंत्रता समर में महिलाओं का योगदान, बोहल शोधमंजुषा, 15, 5, 107-112, एनए

सुरेश चंद्र, (2022) , भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके जयपुर शहर में भूमि उपयोग और गर्मी तनाव सूचकांकों में स्थानिक-अस्थायी परिवर्तनों की जांच, सस्टेनेबिलिटी, 15, 14, 1-30, एनए

सौरभ, (2022) , वैदकवाङगम्ये पर्यायवरणं, पुराणम् 1, एलएक्सवी, 12-19 , एनए

कमल बेनीवाल, (2022) , सीमा पार दिवाला में सहयोग और समन्वय प्रोटोकॉल, जर्नल ऑफ़ एजुकेशन, 6,25, 25-35, एनए

कमल बेनीवाल, (2022) , कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत भारत में कॉर्पोरेट धोखाधड़ी का नियंत्रण, रोकथाम और जांच: प्रासंगिक कानूनों और विनियमों के महत्वपूर्ण अध्ययन के साथ, जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई, एनए,96, 45-51, एनए

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

शिप्रा राज, (2023), लेंगिकता, मीडिया और कोविड-19 महामारी भारतीय समाचार मीडिया में लापता लेंगिकता कथाओं की जांच, न्यूयॉर्क, रूटलेज, 978-10-3252-415-3 , 28-40

विकास सिंह, (2022), एनईपी 2020 के बाद दिल्ली एनसीआर के मीडिया संस्थानों की उच्च शिक्षा का पुनर्गठन, केरल, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और यूजीसी-एचआरडीसी, केरल विश्वविद्यालय। केरल, भारत , 978-93-5768-134-6 , 225-227

प्रवीण झा, (2022) , संचार मध्यम: अतीत और वार्ता भाग 1, दिल्ली, के एल पचौरी, 978-93-91318-21-5 , पूरी किताब

प्रवीण झा, (2022), संचार मध्ययम: अतीत और वार्ता भाग 2 , दिल्ली, के एल पचौरी, 978-93-91318-21-6 , पूरी किताब

आयोजित सेमिनार

"मीडिया और जवाबदेही" पर संगोष्ठी का आयोजन 09 नवंबर 2022 को किया गया, जिसमें श्री राज कुमार

भाटिया, सदस्य कार्यकारी परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय; श्री अशोक कुमार टंडन, सदस्य, प्रसार भारती बोर्ड; और श्री महेश चंद्र शर्मा, अध्यक्ष, आर एंड डी फाउंडेशन फॉर इंटीग्रल ह्यूमनिज्म वक्ता थे।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

ईएफई स्पेनिश समाचार एजेंसी के साथ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों की संख्या

विनिमय कार्यक्रम के तहत जापान से 1 छात्र शामिल हुआ।

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

15 छात्रों (25%) को सीएनबीसी आवाज न्यूज 18 डिजिटल, न्यूजेरा, अमर उजाला और विजडन सहित मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में नियोजित किया गया है। ।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

19-21 अक्टूबर 2022 तक दिल्ली पत्रकारिता विद्यालय के सहयोग से भारत-तिब्बत समन्वय कार्यालय द्वारा आयोजित धर्मशाला में केंद्रीय तिब्बत प्रशासन का शैक्षिक दौरा। साथ ही चौथे वर्ष के छात्रों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया और तीसरे और पांचवें वर्ष के छात्रों के लिए 18 नवंबर 2022 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का दौरा आयोजित किया गया।

प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2022 के अवसर पर दो संकायों के नेतृत्व में डीएसजे के 15 छात्रों को आमंत्रित किया।

8 जुलाई 2022 को, IX सेमेस्टर के स्पेनिश छात्रों ने संकाय सुश्री दिमिता मेहता के साथ उरुग्वे दूतावास का दौरा किया और उरुग्वे के राजदूत, एचई अल्बर्टो ए. गुआनी से मुलाकात की। ईएफई न्यूज़ ने 15 फरवरी 2023 को पत्रकारिता और स्पेनिश भाषा पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें निदेशक के साथ छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

संकाय संख्या - 91

***

दिल्ली कौशल संवर्धन और उद्यमिता विकास विद्यालय (डीएसएसईईडी)

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय में दिल्ली कौशल संवर्धन और उद्यमिता विकास विद्यालय (डीएसएसईईडी) की स्थापना विश्वविद्यालय के अध्यादेश XX-U के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रदान किए गए इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस टैग के एक भाग के रूप में की गई थी। डीएसएसईईडी को कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अनुसंधान और शिक्षण उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और विभिन्न पाठ्यक्रमों और प्रेरणादायक

परिचर्चा के माध्यम से सभी हितधारकों के बीच उद्यमशीलता की भावना पैदा करने के लिए प्रमुख मंच के रूप में सेवा करने का जनादेश दिया गया है। डीएसएसईईडी का उद्देश्य विज्ञान (जैविक, रासायनिक और भौतिक, गणितीय और सूचना विज्ञान), मानविकी, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य और अर्थशास्त्र, वित्त और प्रबंधन सहित संकायों में प्रशिक्षण के साथ शिक्षा की सभी धाराओं को शामिल करते हुए शिक्षा की सभी धाराओं को शामिल करने वाले कार्यक्रमों के साथ तत्काल और भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए डीयू में वर्तमान ज्ञान वितरण में अंतर को पाटना है।

डीएसएसईईडी शासी निकाय द्वारा निर्देशित कार्य करता है जिसमें प्रोफेसर एन. के. गांगुली (पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर) की अध्यक्षता में प्रसिद्ध हस्तियां शामिल हैं। शासी निकाय ने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए गतिविधियों को शुरू करने के लिए कई प्रस्तावों को मंजूरी दी है। शासी निकाय ने विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों के साथ सहयोग को मंजूरी दी, जिसमें संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार केंद्र (सीआईआईडीआरईटी), अध्यादेश XV-A के तहत स्थापित एक विश्वविद्यालय केंद्र शामिल है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ:

उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने के लिए, डीएसएसईईडी ने शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय (एसएससीबीएस), दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ हाथ मिलाया, ताकि जेनेरिक इलेक्टिव के पूल में 7 पेपरों के एक सेट के माध्यम से अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क-2022 योजना के आधार पर जेनेरिक इलेक्टिव (एंटरप्रेन्योरशिप) कोर्स को डिजाइन और पेश किया जा सके।

आईओई अध्येताओं द्वारा प्रकाशन:

वांग एन., मेई एच., धवन जी.*, झांग डब्ल्यू.*, हान जे.*, सोलोशोनोक वी.* (2023) 2022 में दवा बाजार में दिखाई देने वाली नई स्वीकृत दवाएं दर्जी अमीनो एसिड और फ्लोरीन के टुकड़ों की विशेषता हैं, अणु, 28(9), 3651 डीओआई: lhttps://doi.org/10.3390/molecules28093651 [अगर: 4.927]

अग्रवाल एन., खन्ना एम.*, धवन जी.*(2023) चिकनगुनिया वायरस संक्रमण के दौरान उपयुक्त हाउसकीपिंग जीन की पहचान। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, 42, 49-52 डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.ijmmb.2023.01.007 [आईएफ: 1.347]

अग्रवाल एन., सैनी एस., खन्ना एम.*, धवन जी.*, धवन यू.* (2022)। "यूपीआर का औषधीय हेरफेर: चिकनगुनिया वायरस के खिलाफ संभावित एंटीवायरल रणनीति"। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 62, 634-640 डीओआई: https://doi.org/10.1007/s12088-022-01046-5 [आईएफ: 3.73]

एच जेना, जेड अहमदी, पी कुमार*, जी धवन* (2022) कुशल और गैर विषैले जीन और दवा वितरण वैक्टर के रूप में बायोरेड्यूसिबल पॉलीथाइलेनिमाइन कोर-शेल नैनोस्ट्रक्चर। बायोऑर्गेनिक एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री, 69, 116886 डीओआई: https://doi.org/10.1016/ जे.बीएमसी.2022.116886 [आईएफ: 3.461]

जींगर सी., तोमर एम., जिंदल के., शर्मा ए., झा पीके (2023) In2Se3 पतली फिल्मों के थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों पर पोस्ट डिपोजिशन एनीलिंग का प्रभाव। मैटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग, 153, 107127

[आईएफ: 4.644]।

यादव जी., जिंदल के., तोमर एम. (2023) स्पंदित लेजर जमा हेफ़नियम ऑक्साइड पतली फिल्म का प्रभाव अल0.1जीए0.9एन/जीएएन एमओएस- एचईएमटी के निर्माण पर गेट ढांकता हुआ के रूप में। मैटेरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग, 153, 107136 [आईएफ: 4.644]।

यादव जी., जिंदल के., तोमर एम. (2023) फोटोवोल्टिक और ट्राइबोइलेक्ट्रिक प्रभाव के संयोजन द्वारा GaN-आधारित MSM छोटी बूंद ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर का निर्माण। जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 153, 169178 [आईएफ: 6.37]।

भारती एम., राणा एल., जिंदल के., गुप्ता आर., शर्मा ए., तोमर एम. (2023) यूवी फोटोडिटेक्शन के लिए लैम्ब वेव रेज़ोनेटर और बढ़ी हुई संवेदनशीलता की ओर शॉटकी बैरियर ऊंचाई पर प्रेरित पीजोपोटेंशियल का प्रभाव। आईईईई सेंसर जर्नल, 23(10), 10568-10576 [आईएफ: 4.325]।

कुमार ए., चौधरी ए., तोमर एम., सिंह एम. (2023) कार्बन नैनोफाइबर को जोड़कर पॉलीस्टाइनिन-पॉलीनिलिन कंपोजिट की विद्युत चुम्बकीय परिरक्षण प्रभावशीलता में वृद्धि। अरेबियन जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग, 48 (1), 1009-1019 [आईएफ: 2.807]।

भारती एम., राणा एल., गुप्ता आर., शर्मा ए., झा पी.के., तोमर एम. (2023) ZnO/SiO2/Si/ZnO झिल्ली पर आधारित उल्टे लैम्ब वेव MEMS रेज़ोनेटर का उपयोग करके डीएनए बायोसेंसर का एहसास। एनालिटिका चिमिका एक्टा, 1249, 340929 [आईएफ: 6.911]।

लामिछाने एस., शर्मा एस., तोमर एम., चौधरी ए., लामिछाने एस., शर्मा एस., तोमर एम., चौधरी ए. (2022) ZnO/SiO2/Si/ZnO झिल्ली पर आधारित उल्टे लैम्ब वेव MEMS रेज़ोनेटर का उपयोग करके डीएनए बायोसेंसर की प्राप्ति। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 132 (13), 134102 [आईएफ: 2.877]।

सम्मेलनों में प्रस्तुति:

प्रो. विजय के. चौधरी ने 18 मार्च 2023 को आईपीआर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर में 100 दिवसीय कौशल उत्सव कार्यशाला में "पेटेंट, ट्रेड मार्क और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बारे में अध्ययन की हमारी गाथा" व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय के. चौधरी ने 2 से 4 फरवरी 2023 तक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा में एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) माइक्रोबियल टेक्नोलॉजीज फॉर सस्टेनेबल बायोस्फीयर के 63वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंटीबॉडी का विज्ञान-लैब टू मार्केट" पर व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय के. चौधरी ने 21 से 23 सितंबर 2022 तक मैसूर विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) माइक्रोब्स एंड सोसाइटी: करंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स के

62वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इनोवेशन से प्रोडक्ट्स तक: ट्रांसलेटिंग साइंस फॉर सोसाइटी" व्याख्यान दिया।

कौशल संवर्धन कार्यशालाओं के माध्यम से विस्तार और आउटरीच गतिविधियां:

डीएसएसईईडी ने सीआईआईडीआरईटी के सहयोग से पूरे वर्ष कई कौशल संवर्धन कार्यशालाओं का आयोजन किया।

***

दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स (डीएसटीए)

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स का उद्देश्य दुनिया भर के राजनीतिक वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों, पर्यावरणविदों, दार्शनिकों, समाजशास्त्रियों, वकीलों, विकास पेशेवरों, विद्वानों के साथ-साथ नीति चिकित्सकों को अपने शोध को साझा करने और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सहयोग करने के लिए विषयों में संवाद के लिए एक मंच प्रदान करना है। यह महत्व के विभिन्न विषयों पर काम करने और समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ जुड़ाव और नेटवर्किंग के अवसरों का पता लगाने के लिए दुनिया भर के विद्वानों और छात्रों को एक साथ लाने का प्रयास करता है। स्कूल छात्रों और विद्वानों के लिए दोहरी डिग्री और विनिमय कार्यक्रमों के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने की भी आशा करता है।

दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स का उद्देश्य वैश्विक अंतर-राज्यीय पदानुक्रम में भारत के उदय के पीछे की शक्ति और उद्देश्य का अध्ययन और विश्लेषण करना है। इसके फोकस क्षेत्रों में कूटनीति और विदेश नीति, रक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद, मानवाधिकार और पर्यावरण और वैश्विक न्याय शामिल हैं।

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन:

12 अप्रैल 2022 को, डीएसटीए ने "रूस-यूक्रेन संकट पर विचार" पर एक ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन किया। विशिष्ट अतिथियों और पैनलिस्टों में रूस के पूर्व राजदूत और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष, पीएस राघवन, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के डिस्टिंग्विश्ड फेलो नंदन उन्नीकृष्णन और एनडीटीवी की कंसल्टिंग एडिटर निधि राजदान शामिल थे।

4 मई 2022 को प्रोफेसर टी.वी. पॉल, जेम्स मैकगिल प्रोफेसर ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, राजनीति विज्ञान विभाग, मैकगिल विश्वविद्यालय द्वारा राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित "क्यों राष्ट्र शांतिपूर्ण भव्य रणनीतियों को छोड़ देते हैं: ऐतिहासिक संदर्भ में यूक्रेन युद्ध" नामक संगोष्ठी।

राजनीति विज्ञान विभाग, मैत्रेयी कॉलेज ने दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स के सहयोग से 29-30 सितंबर 2022 को "वैश्विक राजनीति पर भारतीय परिप्रेक्ष्य: 21वीं सदी के पहले दो दशकों का विश्लेषण" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

24 नवंबर 2022 को सत्यकाम भवन में "ग्लोबल गवर्नेंस एंड द इमर्जेंस ऑफ ग्लोबल इंस्टीट्यूशंस फॉर द 21वीं सेंचुरी" नामक संगोष्ठी में विजिटिंग फैकल्टी ऑगस्टो लोपेज़ क्लारोस, कार्यकारी निदेशक और ग्लोबल गवर्नेंस फोरम के अध्यक्ष द्वारा एक वार्ता शामिल है।

आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र, शहीद भगत सिंह कॉलेज ने दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स के सहयोग से 26 नवंबर 2022 को "आपदा प्रेरित कमजोरियां और सीमा पार मानव तस्करी: गैर सरकारी संगठनों की भूमिका" पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया।

***

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव-चिकित्सा अनुसंधान केंद्र

संक्षिप्त विवरण

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव-चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जैवचिकित्सा विज्ञान में शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों की पूर्ति के लिए स्थापित संस्थान है। एसीबीआर की स्थापना 1991 में की गई थी लेकिन एमएससी जैवचिकित्सा विज्ञान का पहला बैच 1998 में शुरू हुआ। एमएस.सी. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश हर वर्ष अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। वर्तमान में पाठ्यक्रम जैव चिकित्सा विज्ञान के विभिन्न विषयों में 13 संकाय सदस्यों और विशेषज्ञों द्वारा चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा, एसीबीआर 3 महाविद्यालयों के लिए एक परामर्श संस्थान भी है जहां बीएससी जैवचिकित्सा विज्ञान कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव-चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, जैवचिकित्सा विज्ञान में शिक्षण/अनुसंधान का भारत का पहला संस्थान है। एमएससी एसीबीआर द्वारा प्रस्तावित जैवचिकित्सा विज्ञान वास्तव में एक अंतःविषयक पाठ्यक्रम है, जहां सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यावहारिक के साथ अच्छी तरह से एकीकृत किया जाता है। व्यावहारिक शिक्षा आगे अच्छी तरह से अंतिम सेमेस्टर अनुसंधान परियोजनाओं के दौरान परियोजना आधारित अध्ययन के साथ एकीकृत है। एसीबीआर ने 2022-23 में जैव सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी स्थापित किया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एसीबीआर सार्वजनिक स्वास्थ्य, चिकित्सीय, निदान के साथ-साथ बुनियादी विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में गुणवत्ता अनुसंधान करना जारी रखता है। इसमें 57 प्रकाशित शोध-पत्र/पुस्तक अध्याय हैं और 2 पेटेंट के लिए आवेदन किया है। मेंटर महाविद्यालयों और डीएसपीएच के सहयोग से ऑनलाइन कार्यशालाएं और

इंटरैक्टिव वेबिनार भी आयोजित किए गए।

प्रकाशन

जेटली एस.#, प्रियाभारद्वाज#, गीतिका अरोड़ा, दमन सलूजा, सुनीता के. यादव, कुमार पी नायडू और ज्योति तनेजा, (2022) , भारत में महामारी की दूसरी लहर के बीच कोविड-19 टीकाकरण की हिचकिचाहट और स्वीकृति: एक सामान्य जनसंख्या अध्ययन, एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 4 , 34 , 446 - 449.

गीतिका अरोड़ा, ज्योति तनेजा, प्रिया भारद्वाज, शौर्य गोयल, कुमार नायडू, सुनीता। के. यादव, दमन सलूजा, सुनीता जेटली, (2022) , भारतीय जनसंख्या में कोविड-19 टीकाकरण से जुड़ी प्रतिकूल घटनाएं और सफलता संक्रमण, जे मेडिकल वायरोलॉजी , 9 , 7 , 31473154 , 12

यादव, एसके, भारद्वाज, पी., गुप्ता, पी., सलूजा, डी., जेटली, एस. और तनेजा, जे., (2022), भारत में कोविड-19 संक्रमण के साथ लेंगिकता, आयु और सहरुग्णता, जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 10,2, 61, 66.

भारद्वाज, पी., यादव, एस.के, सलूजा, डी. और तनेजा, जे., (2022), भारतीय जनसंख्या में कोविड-19 संक्रमण की संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ एबीओ रक्त समूह और एंटीबॉडी वर्ग संघ, जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 10,1,एनए, एनए.

कोंवर, सी., मैनी, जे., कोहली, एस., ब्रह्मचारी, वी. और सलूजा, डी.,(2022), सिन-3 कैनोरहैब्डाइटिस एलिगेंस में एपोप्टोसिस, ऑटोफैगी और दीर्घायु को विनियमित करने के लिए मल्टी-प्रोटीन इंटरैक्शन के माध्यम से कार्य करता है, साइंटिफिक रिपोर्ट्स,12,1, 10560,1

सोनकर, एससी, अरोड़ा, जी., वासनिक, के., अली, एम., मित्तल, पी. और सलूजा, डी., (2022), कम-संसाधन सेटिंग्स पर गैर-वायरल यौन संचारित संक्रमणों के सिंड्रोमिक निदान में अतिरिक्त मापदंडों को पेश करके बेहतर प्रबंधन प्राप्त किया जा सकता है, अजोग ग्लोबल रिपोर्ट्स,2,1,100037,NA

दिनेश कुमार 1, राजीव नारंग 2, दमन सलूजा13, कामना श्रीवास्तव 4, (2022), कोरोनरी धमनी रोग में नोवल जीन लक्ष्य एटीजी 5, एलआरपी 6 और एसजीपीपी 1 के माध्यम से मीर-33बी और मीर-21 का कार्यात्मक संघ, आणविक निदान और चिकित्सा, 26, 6, 655-664,na

वासनिक, के., मित्तल, पी., घोप, पी., सोनकर, एससी, अरोड़ा, जी. और सलूजा, डी., (2022), कई यौन संचारित सह-संक्रमण स्पर्शोन्मुख किशोर गर्भवती महिलाओं में प्रतिकूल प्रजनन परिणाम से जुड़े हैं; एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन। फ्रंटियर्स इन मेडिसिन,ना,9.

कांट, आर., झा, पी., सलूजा, डी. और चोपड़ा, एम., (2022), होमोलॉजी मॉडलिंग, संरचना-आधारित फार्माकोफोर, आणविक डॉकिंग, और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके निस्सरिआ गोनोर्ह्होईऐमुरि के नोवल अवरोधकों की पहचान, जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स,41,15,7433-7446.

झा, पी., सलूजा, डी. और चोपड़ा, एम., (2022), संरचना-निर्देशित फार्माकोफोर आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग, डॉकिंग, और आणविक गतिशीलता सरस- सीओवी -2 के एंडोरिबोन्यूक्लिएज एनएसपी 15 के खिलाफ नोवल अवरोधक के रूप में पुनर्निर्मित दवाओं की खोज करने के लिए, जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स,41,11, 5096-5106.

उबोवेजा, ए., सतीजा, वाई.के., सिराज, एफ. और सलूजा, डी., , (2022), पी73-विनियमित एफईआर1एल4 एलएनसीआरएनए मीर -1273जी-3पी को ऑन्कोजेनिक क्षमता स्पंज कोलोरेक्टल क्यान्सर मेटास्टेसिसको आई साइंस, 25,2,103811.

सवेताजी, जिंदल, एस., कांट, आर., सलूजा, डी. और अग्रवाल, केके, (2023), सिलिको दृष्टिकोण में उपयोग करके पुनिका ग्रेनाटम से एंटीथ्रोम्बिन-III जैसे प्रोटीन को रोकने वाले थ्रोम्बिन की पहचान और कच्चे प्रोटीन में थ्रोम्बिन निषेध गतिविधि के इन विट्रो सत्यापन, नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च,113,1.

फैक, एम.ए., सेनगुप्ता, टी., नाथ, एम., वेलपांडियन, टी., सलूजा, डी., दादा, आर., दादा, टी. और चान, के.सी.,(2023), केंद्रीय इंसुलिन प्रतिरोध की नेत्र संबंधी अभिव्यक्तियाँ। न्यूरल रेगेनेरशन रिसर्च, 18,15,1139-1146.

माथुर, ए., गंगवार, ए. और सलूजा, डी., (2023), एस्कुलेटिन परिपक्वता गिरफ्तारी जारी करता है और डब्ल्यूएनटी सिग्नलिंग अक्षों को बदलकर ल्यूकेमिक ब्लास्ट कोशिकाओं में टर्मिनल भेदभाव को प्रेरित करता है। बीएमसी कैंसर, 23,386,1-16.

शकुंतला एसकेएस, ए क्राना, ए सिंह, वी अनंग, असिंघ, के नटराजन। (2023), एचएसपी-7 और एचएसपी-70 माइकोबैक्टीरियल संक्रमण के दौरान मैक्रोफेज से सुरक्षात्मक रक्षा प्रतिक्रियाओं को नकारात्मक रूप से विनियमित करते हैं। माइक्रोब्स एंड इन्फेक्शन, 25,6,105126.

अनंग, ए, ए सिंह, एके राणा, एसकेएस सरस्वती, सी वर्मा, ए चड्ढा, यू बंद्योपाध्याय और के नटराजन। (2023), माइकोबैक्टीरिया डेंड्राइटिक कोशिकाओं में सुरक्षात्मक प्रतिक्रियाओं को दबाने के लिए सुमोइलेशन को नियंत्रित करता है। प्लस वन,एनए, एनए, एनए, एनए, एनए

पांडे एस, वी अनंग, एस सिंह, एस सेठ, एएन भट्ट, एन कालरा, के मंदा, आर सोनी, बी जी रॉय, के नटराजन और बीएस द्वारकानाथ। (2023), ग्लाइकोलाइटिक अवरोधक 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज का आहार प्रशासन एंडोटॉक्सिमिया-प्रेरित सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है: पीएएमपी से जुड़े तीव्र और पुरानी विकृति में निहितार्थ। फ्रंटियर्स फार्माकोलॉजी,एनए,14,एनए, एनए

एस. बरोडिया, टी सोफोरोनिया, पीएम लूथरा, (2022), ए2एआर ने सीएएमपी-निर्भर पीकेए सिग्नलिंग मार्ग के माध्यम से [सीए2+]आई को बदलने वाले आईपी3 स्तरों में ए2एआर मध्यस्थता मॉड्यूलेशन, बिओचिमिका एट बिओफीसिक्याक्ता. जनरल सब्जेक्ट्स, 1866,12, 130242,एनए

एस अग्रवाल, रीता कुमारी, तुइथुंगसोफ्रोनिया, 1नम्रता कुमारी, प्रतिभा मेहता लूथरा, (2022), बेंजो [डी] थियाज़ोल-2-वाईएल-मिथाइल-4- (प्रतिस्थापित) पाइपरज़ीन-1-कार्बोथियोमाइड का डिजाइन और संश्लेषण नोवल न्यूरोनल नाइट्रिक ऑक्साइड अवरोधकों के रूप में और पार्किंसंस रोग के 6-ओएचडीए-प्रेरित एकतरफा

घाव वाले चूहे मॉडल में उनके न्यूरोप्रोटेक्टिंग प्रभाव का मूल्यांकन, बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी,एनए,156,113838,1

चौधरी आर, कुमार एम, कात्याल ए., (2022), 12/15-लिपोक्सीजिनेज आंतरायिक हाइपोबैरिक हाइपोक्सिया प्रेरित न्यूरोनल क्षति में माइटोकॉन्ड्रियल स्वास्थ्य को कमजोर करता है: एन इन विवो स्टडी, रेडॉक्स बायोलॉजी, एनए, 49,एनए,

पसरीजा पी, गिरधर एम, कुमार एम, अरोड़ा एस, कात्याल ए., (2022), एंडोफाइट्स: मल्टीड्रग प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए एक बेरोज़गार खजाना, फाइटोमेडिसिन प्लस, 2,2,100249,10

दीक्षा ए वर्मा 1, मृत्युंजय सिंह 2 3, शरद वाकोड 3, एनई दिनेश 1, सिमरन विनायक 1, शैलेंद्र अस्थाना 2, मनीषा तिवारी 1, (2023), संरचना-आधारित फार्माकोफोर मैपिंग और सी-मेट/ईजीएफआर/वीईजीएफआर-2 के खिलाफ पॉलीफार्माकोलॉजिकल अवरोधक की पहचान करने के लिए प्राकृतिक उत्पादों की आभासी स्क्रीनिंग, जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन, 41,7,2956-2970,एन

दिनेश कुमार, राजीव नारंग, दमन सलूजा और कामना श्रीवास्तव, (2022), कोरोनरी धमनी रोग में नोवल जीन लक्ष्य एटीजी 133, एलआरपी 6 और एसजीपीपी 1 के माध्यम से मीर-133बी और मीर-1 का कार्यात्मक संघ।

पोटशांगबम एएम, नंदीबम ए, अमोम टी, पोटशांगबम एन, रहमान एच, राठौड़ आरएस, सिंह एलआर और खान ए, (2022), अल्जाइमर रोग के इलाज के लिए संभावित औषधीय पौधों की पहचान करने के लिए सिलिको दृष्टिकोण में: एसिटाइलकोलिनेस्टरेज़ के साथ एक केस स्टडी, जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन, 40,4,1521-1533,एन

भट एमवाई, मीर आईए, उलहुसैन एम, सिंह एलआर और डार टीए।, (2022), यूरिया आंतरिक रूप से अव्यवस्थित α-कैसिइन प्रोटीन के ट्राइमेथिलैमाइन एन-ऑक्साइड-प्रेरित एकत्रीकरण को बेहतर बनाता है: यूरिया-मिथाइलमाइन प्रतिकार का दूसरा पक्ष, जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन.,41,8,3659-3666, एनए

फासिल अली 1, उस्मा मंजूर 2, रेशमी भट्टाचार्य 3, अनिकेत कुमार बंसल 3, केम्पोहल्ली सयन्ना चंद्रशेखर 1, लैशराम राजेंद्र कुमार सिंह 3, सुमा मोहन सरस्वती 4, व्लादिमीर उवर्स्की 5 6, तनवीर अली डार 2, (2022), ब्रेन मेटाबोलाइट, मायो-इनोसिटोल, कैटालेस गतिविधि को रोकता है: अल्जाइमर रोग में एंटीऑक्सिडेंट रक्षा प्रणाली के विरूपण का एक तंत्र, एसीएस ओमेगा., 7,15,12690-12700,एनए

अली एफ, मंजूर यू, खान एफआई, लाई डी, खान एमकेए, चंद्रशेखर केएस, सिंह एलआर और डार टीए., (2022), उत्प्रेरक की संरचना-कार्य अखंडता और एकत्रीकरण प्रवृत्ति पर पॉलीओलोस्मोलाइट्स का प्रभाव: स्पेक्ट्रोस्कोपिक और आणविक गतिशील सिमुलेशन माप पर आधारित एक व्यापक अध्ययन, इंट जे बायोलमैक्रोमोल, 1,209,198-210,एनए

कुमारी के, सिंह केएस, सिंह के, बख्शी आर और सिंह एलआर, (2022), रोगजनक प्रोटीन वेरिएंट के बचाव के लिए टीएमएओ, बायोचिम बायोफिस एक्टा जनरल सुब्ज.,1866,11, 130214,एनए

इलियास ए, विजय सिंघे वाई एस, खान I, एल समलोटी एनएम, अदनान एम, डार टीए, पोद्दार एनके,

सिंह एलआर, शर्मा एच और खान एस., (2022), मानव स्वास्थ्य में ट्राइमिथाइलमाइन एन-ऑक्साइड (टीएमएओ) और बीटानि के निहितार्थ: ओस्मोप्रोटेक्टिव यौगिकों से परे, फ्रंट. मोल.बीऑस्की, 9:,एन, 964624,एनए

सचदेवा एन, गूमर एस, सिंह एलआर, पाठक वीएम, अग्रवाल डी और चौहान आरके, (2023), बाजरा बीज प्रोटीन और इसके अनुप्रयोगों की वर्तमान स्थिति: एक व्यापक समीक्षा, एप्लाइड फूड रिसर्च,एनए,एनए,एनए,एनए

कुमारी, के., शर्मा, जी.एस., गुप्ता, ए और सिंह एलआर., (2023), होमोसिस्टीन थियोलैक्टोन द्वारा गठित कार्यात्मक रूप से सक्रिय क्रॉस-लिंक्ड प्रोटीन ओलिगोमर्स, साइंटिफिक रिपोर्ट्स,13,एनए,5620,एनए

कृष्ण कुमार 1, विवेक दुबे 2, सैयदा एस जैदी 2, मंजरी त्रिपाठी 1, फौजिया सिराज 3, मेहर चंद शर्मा 4, पी शरत चंद्र 5, रमेश डोड्डामणि 5, अपर्णा बनर्जी दीक्षित 6, ज्योतिर्मय बनर्जी 7, (2023), इंट्राऑपरेटिव पेरिट्यूमरल ऊतकों की आरएनए अनुक्रमण से ग्लियोमा से संबंधित दौरे में शामिल संभावित मार्गों का पता चलता है, जे मोल न्यूरोसी ।,73,6,437-447, एनए

एफ़्रोडाइट चक्रवर्ती 1, सौमिल डे 1, कृष्ण कुमार 2, अपर्णा बी दीक्षित 3, मंजरी त्रिपाठी 1, मेहर सी शर्मा 4, पी शरत चंद्र 5, ज्योतिर्मय बनर्जी 6, (2023), गाबा रिसेप्टर सबयूनिट्स में नोवल वेरिएंट: दवा प्रतिरोधी मिर्गी के रोगियों में बेंजोडायजेपाइन प्रतिरोध के साथ एक संभावित संबंध, एपिलेप्सी रेस.,189:,एनए,107056,एनए

देविना शर्मा, मंजरी त्रिपाठी, रमेश डोड्डामणि, एमसी शर्मा, संजीव लालवानी, पी. शरत चंद्र, अपर्णा बनर्जी दीक्षित, ज्योतिरमय बनर्जी, (2023), फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया (एफसीडी) में गाबा रिसेप्टर सबयूनिट और क्लोराइड को-ट्रांसपोर्टर कॉन्फ़िगरेशन के साथ जब्ती की शुरुआत में उम्र का सहसंबंध, न्यूरोसाइंस लेटर्स, एनए,796,137065, एनए

देबस्मिता पॉल, अपर्णा बनर्जी दीक्षित, अर्पणा श्रीवास्तव, ज्योतिर्मय बनर्जी, मंजरी त्रिपाठी, प्रियासुमन, रमेश डोड्डामणि, संजीव लालवानी, फौजिया सिराज, मेहर चंद शर्मा, पी. शरत चंद्र और राजेश कुमार सिंह, (2022), मेसियल टेम्पोरल लोबीपिलेप्सी- हिप्पोकैम्पस स्केलेरोसिस (एमटीएलई-एचएस) के रोगियों के हिप्पोकैम्पस में सक्रिय ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर 3 की परिवर्तित अभिव्यक्ति, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस, 21,एनए,1-7,एनए

कुमार के, बनर्जी दीक्षित ए, त्रिपाठी एम, दुबे वी, सिराज एफ, शर्मा एमसी, लालवानी एस, चंद्र पीएस, बनर्जी जे, (2022), नॉननियोप्लास्टिक कॉर्टिकल ऊतकों की ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग से डिस्भ्रूप्लास्टिकन्यूरोपीथेलियल ट्यूमर में एपिलेप्टोजेनिक तंत्र का पता चलता है। फंक्टइंटीग्र जीनोमिक्स, फंक्ट इंटीग्र जीनोमिक्स, 22,5,905-917,एनए

सिंह, पी., मोहसिन, एमडी., सुल्तान, ए., झा, पी., खान, एम.एम., सैयद, एमए, चोपड़ा, एम., सेराजुद्दीन, एम., रहमानी, एएच, अल्माडूडी, एसए, अलरुमैही, एफ. और दोहरे, आर., (2023), संयुक्त मल्टीओमिक्स और सिलिको दृष्टिकोण में मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम में एक ख्यात चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में

PRKAR1A को उजागर करता है, एसीएस ओमेगा, 8, एनए, 9555-9568, एनए

पूनिया, पी., शर्मा, एम., झा, पी., चोपड़ा, एम.*, (2022), जिंक डेटाबेस की फार्माकोफोर-आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग, आणविक मॉडलिंग और संभावित एचडीएसी 6 अवरोधक के रूप में नए डेरिवेटिव डिजाइन करना। मॉलिक्यूलर डाइवर्सिटी ,एनए,एनए,एनए,एनए

कौर एस, राजोरिया पी, चोपड़ा एम.*, (2022), रिकोलिनोस्टैट प्रसार को दबाता है, एपोप्टोसिस को बढ़ावा देता है, और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कोशिकाओं में टोपोइज़ोमेरेज़ इनहिबिटर की एंटीप्रोलिफेरेटिव गतिविधि को बढ़ाता है। ड्रग डेवलपमेंट रिसर्च,8,83,1822-1830,एनए

बावेजा, एस., राजोरिया, पी., चोपड़ा, एम.*, (2022), एचडीएसी6:कैंन्सर लक्ष्यासाठी अद्‌वितीय एचडीएसी कुटुंचा सदस्य, सेल्युलर ऑन्कोलॉजी, 45,5,779-829,एनए

कांट, आर., झा, पी., सलूजा, डी., चोपड़ा, एम.*, (2022), होमोलॉजी मॉडलिंग, संरचना-आधारित फार्माकोफोर, आणविक डॉकिंग, और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके नीसेरिया गोनोरहोई मुरी के नोवल अवरोधकों की पहचान, जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 15,41,7433-7446,1

झा, पी., सलूजा, डी., चोपड़ा, एम.*, (2022), SARS-CoV-15 के एंडोरिबोन्यूक्लिएज Nsp2 के खिलाफ नोवल अवरोधक के रूप में पुनर्निर्मित दवाओं की खोज के लिए संरचना-निर्देशित फार्माकोफोर आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग, डॉकिंग और आणविक गतिशीलता, जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 11,41,5096,5106

पसरीजा, पी., झा, पी., उपाध्याय, पी., खान, एमएस, चोपड़ा, एम.*, (2022), मशीन लर्निंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: बिग डेटा-ड्रिवेन ड्रग डिजाइन और डिस्कवरी में एक प्रतिमान बदलाव, करंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री, 20, 22,1692-1727, एनए

झा, पी., सिंह, पी., अरोड़ा, एस., सुल्तान, ए., नायक, ए., पोन्नुसामी, के., सैयद, एमए, दोहरे, आर., चोपड़ा, एम. , (2022) , इंटीग्रेटिव मल्टी-ओमिक्स और सिलिको विश्लेषण में हल्के और गंभीर COVID-19 रोगियों में ARHGEF1 और इसके जांचे गए प्रतिपक्षी की भूमिका का पता चलता है, जर्नल ऑफ सेल्युलर बायोकैमिस्ट्री, एनए, 123,673- 690,2

विधि वशिष्ठ, सचिन भारद्वाज, बीरेंद्र यादव, अजय यादव, (2022), HnRNPA1 आइसोफॉर्म ग्लियोमा सेल उत्तरजीविता में विविधता लाता है, ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस, 4,10,एनए,एनए

दिनेश कुमार, राजीव नारंग, दमन सलूजा और कामना श्रीवास्तव, (2022), कोरोनरी धमनी रोग में नोवल जीन लक्ष्य ATG5, LRP6 और SGPP1 के माध्यम से miR-133b और miR-21 का कार्यात्मक संघ, मोल डायग्न थेर ।,26,6,655-664,एनए

मोनिका समरा, कामना श्रीवास्तव*, (2023), गैर-कोडिंग आरएनए और हृदय रोगों में उनकी संभावित भूमिका, जीन, एन, 851,एनए,147011

सुदूर बीएफ, बोकोव डी, विदजाजा जी, बुडी एचएस, अब्देलबासेट डब्ल्यूके, जावांशिर एस, सीफ एफ,

पाज़ोकी-टोरौडी एच, और डे एसके, (2022), मेट्रोनिडाजोल, एसाइक्लोविर और टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन इंटरल्यूकिन-19 के साथ बातचीत के माध्यम से COVID-12 रोगियों का इलाज करने का वादा कर सकते हैं, जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, एन,एन,4253-4271,4

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

स्वपन के. रे स्प्रिंगर नेचर, (2023), पार्किंसंस रोग के 6-ओएचडीए एकतरफा घाव पुरुष विस्टार चूहा मॉडल की स्थापना, एनए, न्यूरोप्रोटेक्शन, संपादक, एनए,एनए

सोनाली कुमार 1, ओजस्वी आर शंकर 1, ज्योतिर्मय बनर्जी 2, मंजरी त्रिपाठी 3, पी शरत चंद्र 4, अपर्णा बनर्जी दीक्षित 5, (2023), एपिजेनेटिक्स इन एपिलेप्सी, एनए, प्रोग मोल बायोल ट्रांसल साइंस ।, 1877-1173, 249-269

ओज़स्वी आर. शंकर, सोनाली कुमार, अपर्णा बनर्जी दीक्षित, ज्योतिर्मय बनर्जी, मंजरी त्रिपाठी, पी. शरतचंद्र, (2023), एपिजेनेटिक्स ऑफ़ न्यूरोलॉजिकल डिसीसेस, एनए, प्रोग मोल बायोल ट्रांसल साइंस.,1877-1173, 65-184

धीर, ए., दीक्षित, एबी, त्रिपाठी, एम., चंद्रा, पी.एस., बनर्जी, जे., (2022), ग्लिया इन एपिलेप्सी: एनए ओवरव्यू, एनए, स्प्रिंगर, सिंगापुर , एनए, 323-351

मीनाक्षी शर्मा, प्रगति यादव और दीपिका त्रिपाठी, (2022), बैक्टीरियल बायोफिल्म: कंट्रीब्यूशन ट एएमआर एंड अप्प्रोचेस ट टैकल,एनए, फोकस ऑन बैक्टीरियल बायोफिल्म, एनए, 1-24

शोध परियोजनाएं

आईओई, डीयू, 2022-23 वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "माइकोबैक्टीरियल संक्रमण पर प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं की मध्यस्थता में पोटेशियम आयन चैनल की भूमिका की जांच"। स्वीकृत राशि: 5 लाख रुपये। पीआई: प्रो. के नटराजन।

आईओई, डीयू, 2022-23 ने वित्त पोषित परियोजना का शीर्षक है, "माइकोबैक्टीरियल संक्रमण पर प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं की मध्यस्थता में टोल-लाइक रिसेप्टर्स और सी-टाइप लेक्टिन रिसेप्टर्स के बीच क्रॉस-टॉक का गूढ़वाचन"। स्वीकृत राशि: 12.5 लाख रुपये। पीआई: प्रो. के नटराजन।

डीबीटी, 2023-28 वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "राष्ट्रीय नेटवर्क परियोजना, स्वीकृत राशि: 104 लाख रुपये। पीआई: प्रो. मधु चोपड़ा।

डीबीटी, 2020-25 वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "ड्रग डेवलपमेंट: फ्रॉम टारगेट आइडेंटिफिकेशन, वैलिडेशन टू ड्रग डिस्कवरी"। स्वीकृत राशि: 189.36 लाख रुपये। पीआई: प्रो. मधु चोपड़ा।

आईओई, डीयू, 2022-23ने "स्टैटिन्स एंड एचडीएसी का निषेध: सर्वाइकल कैंसर थेरेपी के लिए एक नई संयोजन रणनीति: एक मेटा-विश्लेषण, ट्रांसक्रिप्टोमिक और इन विट्रो अध्ययन" शीर्षक से वित्त पोषित परियोजना। स्वीकृत राशि: 5 लाख रुपये। पीआई: प्रो. मधु चोपड़ा।

दायर पेटेंट

2022 पेटेंट संख्या 2021/09489 और बहुक्रियाशील एजेंटों को एंटी एडी एजेंटों के रूप में डिजाइन करने की विधि दक्षिण अफ्रीकी पेटेंट प्रदान की गई

2022 पेटेंट संख्या C07D 241/04 और 2. नए एंटीकॉन्वेलेंट्स और एंटीडिप्रेसन्ट विकसित करने के लिए एक प्रणाली जर्मन पेटेंट प्रदान की गई

आयोजित संगोष्ठी

शोध परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय, डीबीटी, डीएसटी-एसईआरबी और सीएसआईआर के सहयोग से 02 से 04 नवंबर 2022 तक "फ्रंटियर्स इन बायोमेडिकल रिसर्च 2022 (एफबीआर-2022): संचारी और गैर-संचारी रोग: रोकथाम, इलाज और भविष्य की तैयारी" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संकाय संख्या - 13

प्रदत्त पीएच.डी डिग्री की संख्या - 11

***

साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान

संक्षिप्त विवरण

साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान की स्थापना 2017 में दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर योगेश के त्यागी, प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत सरकार में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक, डॉ गुलशन राय, पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री एन. आर. वासन, विशेष आयुक्त साइबर अपराध, डॉ. मदन ओबेरॉय, साइबर अपराध विशेष आयुक्त द्वारा की गई थी। दिल्ली पुलिस और प्रोफेसर सुनैना कनौजिया, वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय इसके सह-संस्थापक हैं। आईसीएसएल को आधुनिक अध्ययन के विशिष्ट विषयों में से एक के रूप में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में मांग को पूरा करने के लिए साइबर सुरक्षा और कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के एक अनूठे पाठ्यक्रम के साथ शुरु किया गया था।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

साइबर सुरक्षा और विधि में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीसीएसएल) ने साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान (आईसीएसएल), दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शैक्षणिक सत्र 2018-19 से अपना पहला बैच शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय के साथ एक स्व-वित्तपोषण पाठ्यक्रम के रूप में शुरू किया। 2022-23 बैच में 36 छात्रों का नामांकन हुआ।

आयोजित संगोष्ठी

29 अप्रैल 2023 को श्री जितेंद्र सिंह, एसीपी द्वारा "मैलवेयर विश्लेषण और क्रिप्टो मुद्रा रुझान" नामक संगोष्ठी।

31 मई 2023 को प्रो. एच.एस. शर्मा द्वारा "पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण" नामक संगोष्ठी।

16 मई 2023 को प्रो. एच.एस. शर्मा द्वारा "एससीएडीए में नेटवर्क सेगमेंटेशन एंड सेग्रीगेशन" नामक संगोष्ठी।

श्री नमित गुप्ता, एफआईएस ग्लोबल द्वारा 17 जून 2023 को वीएपीटी पर संगोष्ठी।

20 जून 2023 को श्री अभिजीत सिंह द्वारा "वीएपीटी और अन्य सुरक्षा खतरे" नामक संगोष्ठी।

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत) - 56%

***

सूचना विज्ञान और संचार संस्थान

संक्षिप्त विवरण

सूचना विज्ञान और संचार संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1997 से देश के प्रमुख संस्थानों में से एक के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्योग में प्रशिक्षित पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने का लक्ष्य है। यह कंप्यूटिंग के साथ-साथ संचार की दुनिया में अग्रणी शिक्षाविदों द्वारा डिजाइन किया गया है। आज, उद्योग और कॉर्पोरेट वातावरण की दुनिया में सबसे अधिक मान्यताप्राप्त आवश्यकता एक सूचना विज्ञान पेशेवर के लिए है जो न केवल कंप्यूटिंग और दूरसंचार प्रौद्योगिकी बल्कि संबंधित सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों को भी समझता है। संस्थान, अपने पोषण वातावरण में, मन को जन्म देता है और उसका पोषण करता है जो संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार करने के लिए आगे बढ़ता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

छात्रों द्वारा एआईओएसपी हैकथॉन में 2022 में आईईईई सिग्नल प्रोसेसिंग सोसाइटी, दिल्ली चैप्टर द्वारा और 2022 में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में शिक्षा मंत्रालय और एमओई के इनोवेशन सेल द्वारा प्राप्त पुरस्कार।

प्रकाशन

अमित बिरवाल, कमलेश पटेल, संजीव सिंह, (2022), इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए एक दिशात्मक वाइड-बैंड एंटीपोडल विवाल्डी एंटीना, प्रोग्रेस इन एलेक्ट्रोमग्नेटिक्स रिसर्च सी, 10, 127, 227-237, 1

"संचित गांधी, आशीष भूषण, उन्मेष शुक्ला, अमित पुंडीर, संजीव सिंह, तपस्या श्रीवास्तव", (2023), "हाइपोक्सिया और स्टेम सेल में एलएनसीआरएनए एसएनएचजी1का डाउनरेगुलेशन ग्लियोमास में खराब रोग के पूर्वानुमान से जुड़ा है", कोशिका चक्र, 9,22, 1135-1153, 0

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

नितिशा अग्रवाल, उन्मेष शुक्ला, गीतिका जैन सक्सेना, मनीष कुमार, अनिल सिंह बाफिला, संजीव सिंह और अमित पुंडीर, (2023), फीचर चयन और मशीन लर्निंग का उपयोग करके पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के जोखिम पूर्वानुमान के लिए एक बेहतर तकनीक, लेक्चर नोट्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (एलएनईई, वॉल्यूम 968), स्प्रिंगर सिंगापुर, 978-981-19-7346-8, 597-606

शोध परियोजनाएं

शिक्षा मंत्रालय, 2019-2026, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित " समर्थ ', एक खुला स्रोत, खुला मानक सक्षम मजबूत, सुरक्षित स्केलेबल और विकासवादी प्रक्रिया स्वचालन इंजन विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए"। स्वीकृत राशि: 12.49 करोड़।

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत) - 8

संकाय संख्या - 01

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या - 01

***

आजीवन अध्ययन संस्थान (आईएलएलएल)

संक्षिप्त विवरण

आजीवन अध्ययन संस्थान (आईएलएलएल) उनके लिए समर्पित है, जो मानते हैं कि अध्ययन न तो आयु-बद्ध है और न ही कक्षा-बद्ध है; बल्कि यह जीवन भर सभी प्रकार की स्थितियों में चलता रहता है। संस्थान आईसीटी कौशल के लिए क्षमता निर्माण में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षण संकाय, प्रशासनिक कर्मचारियों और छात्रों की मदद करने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे को विकसित करने का प्रयास कर रहा है। आईएलएलएल उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में अपने क्षितिज का लगातार विस्तार कर रहा है। आजीवन अध्ययन संस्थान दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों (यूजी) के लिए ई-सामग्री के निर्माण और अपलोड करने के लिए एक नोडल एजेंसी है। यह प्रयास यूजी पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए ई-पाठ, ई-व्याख्यान वीडियो, ई-लैब और ई-क्विज़ के रूप में छात्रों के लिए अतिरिक्त गुणवत्ता वाले ई-लर्निंग संसाधन प्रदान करने का एक प्रयास है।

केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 27 जून 2022 और 07 जुलाई 2022 को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 2023 के लिए सीयूईटी /ओरिएंटेशन कम गाइडेंस प्रोग्राम पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रो. ए.डी.एन. बाजपेयी, प्रो. अजय कुमार सिंह और प्रो. सिमरित कौर द्वारा 16 से 22 जनवरी 2023 तक वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और व्यवसाय संकाय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के सहयोग से "भारतीय ज्ञान प्रणाली (शॉर्ट टर्म कोर्स)" पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रो. के.पी. सिंह, प्रो. अजय कुमार सिंह, प्रो. अमित कुमार सिंह, डॉ. प्रतिभा मौर्य और श्री सूर्य कांत शर्मा द्वारा 30 जनवरी से 03 फरवरी 2023 तक "वित्तीय साक्षरता (लघु अवधि पाठ्यक्रम)" पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

ओएनजीसीएफ के सहयोग से 06 फरवरी से 31 मार्च 2023 तक अकादमिक अध्येताओं द्वारा "अकादमिक लेखन: अंग्रेजी" पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

ओएनजीसीएफ के सहयोग से 13 फरवरी से 07 अप्रैल 2023 तक अकादमिक अध्येताओं द्वारा अकादमिक लेखन: हिंदी का आयोजन किया गया।

संकाय संख्या - 5 अकादमिक अध्येता

***

पादप जीनोमिक्स अंतर-विषयक केन्द्र

संक्षिप्त विवरण

पादप जीनोमिक्स अंतर-विषयक केन्द्र की स्थापना 2005 में जीनोमिक्स पर ज्ञान प्राप्त करने और प्रदान करने, पादप जीनोमिक्स के क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान करने, पादप जीनोमिक्स में प्रगति की गति में तेजी लाने के लिए नए विचार उत्पन्न करने, फसल सुधार के लिए संरचनात्मक और कार्यात्मक जीनोमिक्स में बुनियादी अवधारणाओं से प्राप्त ज्ञान को लागू करने के लिए की गई थी। जीनोमिक्स के क्षेत्र में मानव संसाधनों को प्रशिक्षित और समृद्ध करने और जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित, भौतिकी और संबद्ध विज्ञानों में विशेषज्ञता वाले वैज्ञानिकों के बीच संस्थागत और अंतर-संस्थागत स्तर पर बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए, जीनोमिक्स और उनके अनुप्रयोग में सक्षम प्रौद्योगिकियों/सूचना के बातचीत और आवश्यकता आधारित विकास के लिए नीति निर्माताओं, नागरिक समाज और शोधकर्ताओं को एक साथ लाने के लिए की गई थी। यह केंद्र वर्तमान में विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर में जैवप्रौद्योगिकी केंद्र की तीसरी मंजिल पर स्थित है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

आईसीपीजी सदस्य पौधों के प्रजनन विकास और पर्यावरणीय तनाव के प्रति प्रतिक्रियाओं से संबंधित आनुवंशिक और जैव सूचना संबंधी संसाधनों की खोज और विशेषता में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्होंने चावल, टमाटर और गेहूं के लिए वैश्विक जीनोम अनुक्रमण परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डीबीटी द्वारा वित्त-पोषित एक आईसीपीजी-पीएमबी के नेतृत्व वाले कार्यक्रम ने चावल के पुष्प संक्रमण, गैमेटोफाइट विकास और बीज विकास में जीन के कार्यों को उजागर किया। केंद्र का एक समूह 'भारतीय जैविक डेटा सेंटर (आईबीडीसी)' की स्थापना में महत्वपूर्ण रहा है, जो भारत का पहला राष्ट्रीय जीवन विज्ञान डेटा भंडार है। बीज-विशिष्ट एमएडीएस-बॉक्स ट्रांसक्रिप्शनल नियामक, ओएसएमएडीएस 29 पर शोध ने विकासात्मक संक्रमण के दौरान नियामक तंत्र का अनावरण किया। चावल में अनाज की चालकता, अनाज भरने के दौरान बढ़ते तापमान से जुड़ी एक नकारात्मक कृषि संबंधी विशेषता, ने एक अन्य समूह को एक

आनुवंशिक तकनीक विकसित करने के लिए प्रेरित किया जो चाकलेटनेस (पेटेंट दायर) को कम करता है। समूह सेलुलर कृषि विधियों का उपयोग करके स्टार्च उत्पादन के लिए सेल-लाइन-आधारित बायोफैक्टरीज विकसित करने के लिए बीज विकास और स्टार्च संचय से अंतर्दृष्टि का भी उपयोग करता है।

प्रकाशन

महतो ए, यादव ए, अश्वथी पीवी, परिदा एसके, त्यागी एके, अग्रवाल पी, (2023), साइटोलॉजिकल, ट्रांसक्रिप्टोम और मिरनोम टेम्पोरल लैंडस्केप्स चावल के दाने के आकार में वृद्धि को डिकोड करते हैं, बीएमसी बायोलॉजी, एनए, 1, 21, एनए

प्रुस्टी ए, शर्मा एस, मलिक एन, कपूर एस, त्यागी एके, (2023) , प्लांट ग्रोथ एंड डेवलपमेंट में मल्टी-प्रोटीन मध्यस्थ कॉम्प्लेक्स की कार्यात्मक बहुमुखी प्रतिभा , क्रिटिकल रेविएवस इन प्लांट साइंसेज, 3, 42, 138-176, एनए

वर्मा वी, बूरा एन, नायर एस, कुमार जी, थपलियाल एस, अंकुर एस, खुराना आर, गवांडे जी, कपूर एम, कपूर एस, (2023), सीए2+-कैलमोडुलिन चावल के बीज-विशिष्ट एमएडीएस-बॉक्स ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर के परमाणु अनुवाद को नियंत्रित करता है ओसमाड्स29, फेब्स जर्नल, एनए, एनए, एनए, एनए

संरक्षित मीर 408 की ऊतक-मध्यस्थता वाले सूखे के तनाव को नियंत्रित करने और चावल में इसके लक्ष्यों, फंक्शनल एंड इंटिग्रेटिव जीनोमिक्स, 3, 23, एनए, 2 को चित्रित करना

चिथुंग टीए, कंसल एस, जाजो आर, बालियान एस, रघुवंशी एस, (2023), चावल पर विशेष ध्यान देने के साथ पौधों में एमआईआरएनए बायोजेनेसिस मशीनरी के विकास को समझना, फंक्शनल एंड इंटिग्रेटिव जीनोमिक्स, 3, 23, एनए, एनए

शर्मा ए, समतानी एच, साहू के, शर्मा एके, खुराना जेपी, खुराना पी, (2023) , पौधों की वृद्धि और विकास के नियमन में फाइटोक्रोम-इंटरैक्टिंग फैक्टर्स (पीआईएफ) के कार्य: एक व्यापक समीक्षा, , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, एनए, 244, 125234, एनए

शर्मा ई, भटनागर ए, भास्कर ए, माजी एसएम, कीफर एम, केपिंस्की एस, खुराना पी, खुराना जेपी, , (2023) , तनाव-प्रेरित एफ-बॉक्स प्रोटीन-कोडिंग जीन OsFBX257 चावल में सूखा तनाव अनुकूलन और एबीए प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है, प्लांट सेल एंड एनवायरनमेंट, 2 , 46 , 1207-1231 , 7

जैन एन, खुराना पी, खुराना जेपी, (2023), एटीटीएलपी2, एक ट्यूबबी जैसा प्रोटीन, अजैविक तनाव संकेतन में जटिल भूमिका निभाता है, प्लांट सेल रिपोर्ट, 5, 42, 235-252, एनए

सिंह एस, शर्मा पी, मिश्रा एस, खुराना पी, खुराना जेपी, (2023), चावल का क्राई2 जीन (ओरिजा सैटिवा सबस्प इंडिका) अंधेरे में फूल, पौधे की ऊंचाई और आंशिक फोटोमोर्फोजेनेसिस को विनियमित करने में शामिल एक नीले प्रकाश संवेदी रिसेप्टर को एन्कोड करता है, प्लांट सेल रिपोर्ट, 5, 42, 73-89, एनए

डावरे ए, मलिक ए, श्रीवास्तव आर, दास डी, एलूर आरके, सिंह एके, त्यागी एके, परिदा एसके, (2023), राइस पैनजीनोम जीनोटाइपिंग ऐरे: चावल में पैनजीनोम-आधारित त्वरित आनुवंशिक सुधार के लिए एक

कुशल जीनोटाइपिंग समाधान, प्लांट जर्नल, 3, 113, 26-46, एनए

गंभीर पी, रघुवंशी यू, परिदा एपी, कुजुर एस, शर्मा एस, सोपोरी एसके, कुमार आर, शर्मा एके, (2023), ऊंचा मिथाइलग्लॉक्सल स्तर एथिलीन बायोसिंथेसिस को रोककर टमाटर के फल पकने को रोकता है, प्लांट फिजियोलॉजी, 2, 192, 2161-2184, एनए

सिंह एस, वर्गिश एस, जैन एन, शर्मा एके, खुराना पी, खुराना जेपी, (2023), ओएससीवाई2 और ओएसएफबीओ 10 इंडिका चावल, प्लांट साइंस, एनए, 330, एनए, एनए, एनए में फोटोमोर्फोजेनेसिस और फोटोपेरियोडिक फूलों को सह-विनियमित करते हैं

पसरीचा सरीन एल, श्री के.एस, बोका के, केरेस्ज़ेट्स ए, फुच्स जे, त्यागी ए.के., खुराना जे.पी., परिशिष्ट के.जे., (2023), लेम्ना गिब्बा जी3 (लेम्नेसी) के एक सहज उत्परिवर्ती की विशेषता, प्लांट्स, एनए, 12, 2525, एनए

चौधरी सी, शर्मा एन, खुराना पी, (2023), ब्रेड गेहूं में औक्स/आईएए और एआरएफ जीन परिवारों की जीनोम-वाइड पहचान (ट्रिटिकम एस्टिवम एल), प्रोटोप्लाज्मा, 2, 260, 257-270, 4

शर्मा एन, श्री बी, खुराना पी, (2023), मायो-इनोसिटोल फॉस्फेट सिंथेज़ क्लोरोफिल सामग्री और प्रकाश संश्लेषक दक्षता के एथिलीन-मध्यस्थता मॉड्यूलेशन द्वारा गर्मी तनाव सहिष्णुता में सुधार करता है, प्रोटोप्लाज्मा, 2, 260, 1097-1107, 1

जैन एन, खुराना पी, खुराना जेपी, (2023) , चावल के टब्बी जैसे प्रोटीन-एन्कोडिंग जीन की अतिअभिव्यक्ति, ओएसएफबीटी 4, अजैविक तनावों के प्रति सहिष्णुता प्रदान करता है , प्रोटोप्लाज्मा, 2, 260, 1063-1079, एनए

समतानी एच, शर्मा ए, खुराना पी, (2023), ताहसएफए5 के सुधार एक्टो ट्रॉपिक ओवरएक्सप्रेशन ने अरबिडोप्सिस थालियाना में थर्मोमोर्फोजेनेसिस और ओरिज़ा सैटिवा में थर्मोटॉलरेंस को बढ़ावा दिया, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, 4-5, 112, 245-246, 1

समतानी एच, शर्मा ए, खुराना जेपी, खुराना पी, (2022), पौधों में थर्मोसेंसिंग: गर्मी संवेदन में शामिल तंत्र और थर्मोरिस्पोंस और थर्मोटॉलरेंस में उनकी भूमिका का गूढ़वाचन, एनवायर्नमेंटल एंड एक्सपेरिमेंटल बॉटनी, एनए, 203, एनए, एनए

गहलौत वी, समतानी एच, गौतम टी, खुराना पी, (2022), डीएनए डेमिथाइलेज़ जीन की पहचान और लक्षण वर्णन और गेहूं में थर्मल तनाव के साथ उनका संबंध (ट्रिटिकम एस्टिवम एल), फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स, एनए, 13, एनए, एनए

खुराना आर, भीमराजका एस, राव जीएस, वर्मा वी, बूरा एन, गवांडे जी, कपूर एम, राव केवी, कपूर एस, (2022), ओएसएमएडीएस 29 के ट्रांसक्रिप्शन नियामक डोमेन की विशेषता: समीपस्थ ऑक्सिन-उत्तरदायी डोमेन की पहचान और एक मजबूत डिस्टल नकारात्मक तत्व, पादप विज्ञान में फ्रंटियर्स, एनए, 13, 850956, 1

***

विश्वविद्यालय विज्ञान उपकरण केंद्र (यूएसआईसी)

संक्षिप्त विवरण

विश्वविद्यालय विज्ञान उपकरण केंद्र (यूएसआईसी) की स्थापना 1984 में यूजीसी और इंडो-जापानी अनुदान सहायता से प्राप्त धन के साथ की गई थी और इसे एक अलग भवन में रखा गया था। तत्पश्चात्, वर्ष 2006 में इसकी पुनर्संरचना की गई और ग्यारहवीं योजना में विशेष अनुदान के अंतर्गत प्राप्त निधियों के माध्यम से अधिकांश पुराने उपकरणों के स्थान पर अत्याधुनिक उपकरणों को स्थापित किया गया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान विभागों और घटक कॉलेजों के सभी शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर द्वारा परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ एक केंद्रीकृत सुविधा का रखरखाव किया जाता है। यूएसआईसी के पास भौतिक और जीवन विज्ञान के उभरते क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान कार्य की सुविधा के लिए अत्याधुनिक परिष्कृत वैज्ञानिक उपकरण प्रदान करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एक परिसर में अनुसंधान सुविधा केंद्र है। विज्ञान संकाय के तहत विश्वविद्यालय विभाग शिक्षण के अलावा, विभिन्न विषयों में अनुसंधान करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। प्रयोगात्मक अनुसंधान कार्य करने के लिए, शोधकर्ताओं को विभिन्न वैज्ञानिक परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधाओं की आवश्यकता होती है। ये सुविधाएं मुख्य रूप से यूएसआईसी द्वारा विभिन्न विभागों, केंद्रों और कॉलेजों को समर्थित हैं। यह वर्षों से अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में लगातार प्रदर्शित होने वाले प्रकाशनों की बड़ी संख्या से परिलक्षित होता है। आंतरिक उपयोगकर्ताओं के अलावा, यह सुविधा भुगतान के आधार पर बाहरी उपयोगकर्ताओं (शैक्षणिक और उद्योग) तक विस्तारित है। आधुनिक अनुसंधान सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करने के अलावा, केंद्र शोधकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से मेंटरशिप भी प्रदान करता है।

केंद्र द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम:

पीएच.डी. छात्रों के लिए स्तुति कार्यक्रम 14 -20 दिसंबर 2022 से आयोजित किया गया।
प्रयोगशाला कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम 5-9 दिसंबर 2022 तक आयोजित किया गया।
प्रयोगशाला कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम 19-23 दिसंबर 2022 तक आयोजित किया गया।
प्रयोगशाला कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम 16-20 जनवरी 2023 तक आयोजित किया गया।

***

महिला उन्नत अध्ययन और विकास केंद्र (डब्ल्यूएसडीसी)

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला उन्नत अध्ययन और विकास केंद्र (डब्ल्यूएसडीसी) की स्थापना 1987 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और विश्वविद्यालय की उच्च शिक्षा संस्थानों में महिलाओं के अध्ययन को बढ़ावा देने, विकसित करने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता के लिए की गई थी, जबकि समाज में महिलाओं के मुद्दों से संबंधित कई चिंताओं को संबोधित किया गया था। यह भारत में महिलाओं के अध्ययन और लैंगिक अनुसंधान के क्षेत्र में एक अग्रणी शक्ति रही है। पिछले तीन दशकों में, डब्ल्यूएसडीसी ने अपने कार्यक्रमों और गतिविधियों का विस्तार किया है, 2016 में यूजीसी द्वारा अध्ययन के उन्नत केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त की है। अपने पूरे अस्तित्व के दौरान, डब्ल्यूएसडीसी को विभिन्न विषयों की प्रमुख महिला प्रोफेसरों द्वारा पोषित और निर्देशित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक निदेशक के रूप में सेवारत हैं और महिलाओं के अध्ययन के दायरे में अपनी अनूठी विशेषज्ञता ला रही हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

जून - अगस्त 2022 से हाइब्रिड मोड (दिल्ली के प्रतिभागियों के लिए ऑफलाइन और बाहरी प्रतिभागियों के लिए ऑनलाइन) में जेंडर एंड सोसाइटी पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया, जिसमें देश से नामांकित कुल 29 पुरुष और महिला प्रतिभागी शामिल थे। इस पाठ्यक्रम का समापन कार्यक्रम 17 सितंबर 2022 को किया गया था।

केंद्र ने 12 अगस्त 2022 को 'सेक्स वर्क में महिलाएं' पर एक वृत्तचित्र स्क्रीनिंग का आयोजन किया। डॉक्यूमेंट्री का शीर्षक 'टेल्स ऑफ द नाइट फेयरीज' था।

केंद्र ने 29 नवंबर, 2022 को 'भारतीय महिला, नारीवाद और महिला मुक्ति' पर डब्ल्यूएसडीसी, डीयू के निदेशक प्रोफेसर पायल मागो द्वारा एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया।

आयोजित संगोष्ठी

26 अगस्त 2022 को आयोजित डॉ. पांचाली रे, एसोसिएट प्रोफेसर, केआरईए विश्वविद्यालय द्वारा "अनिश्चितता की राजनीति: लैंगिक विषय और समकालीन कोलकाता में स्वास्थ्य सेवा उद्योग" नामक संगोष्ठी।

डॉ. महुआ बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली द्वारा 2 सितंबर 2022 को आयोजित संगोष्ठी, "कार्सरल फेमिनिज्म एंड कार्सरल स्पिलओवर्स: रिफ्लेक्शंस ऑन नैरेटिव्स ऑफ वुमन प्रिजनर्स इन इंडिया"

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

केंद्र ने डब्ल्यूएसडीसी फोरम की स्थापना के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों की महिला विकास प्रकोष्ठों और संवेदीकरण इकाइयों के साथ सहयोग किया है।

संकाय संख्या - 1 निदेशक

***

महाविद्यालय

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय की स्थापना 1991 में हुई थी और इसका नाम महान शिक्षाविद् और समाज सुधारक श्री आचार्य नरेंद्र देव जी के नाम पर रखा गया था। 1991 में एसपीएस संरचना में 4 कमरों से शुरू होकर, एएनडीसी 1992 में अपने वर्तमान कैंपस में चला गया। 32 वर्षों की अल्पावधि में, एएनडीसी ने काफी प्रगति की है। दो स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ शुरू, महाविद्यालय वर्तमान में 13 स्नातक ऑनर्स पाठ्यक्रम, 2 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है। महाविद्यालय का विदेशी भाषा केंद्र फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और रूसी में अंशकालिक प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। 13 स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रमों में प्रथम वर्ष में छात्रों की कुल प्रवेश क्षमता 863 है। वर्तमान में, महाविद्यालय में 116 शिक्षण संकाय और 117 गैर-शिक्षण कर्मचारी हैं। इस संस्थान के निर्माण में संस्थापक प्राचार्य स्वर्गीय डॉ. ए. एस. कुकला, ओएसडी/कार्यवाहक प्राचार्य, डॉ. नजमा सिद्दीकी, डॉ. भारती सरकार, डॉ. ममता भाटिया, डॉ. प्रतिभा जॉली और डॉ. सावित्री सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और महाविद्यालय उनके द्वारा स्थापित मजबूत नींव से लाभान्वित हो रहा है। 2018 के बाद महाविद्यालय का नेतृत्व प्रोफेसर रवि टोटेजा कर रहे हैं और यूजी अनुसंधान और सामाजिक समावेशिता के लिए उनके जुनून के परिणामस्वरूप महाविद्यालय को डीबीटी स्टार का दर्जा मिला और यूजीसी की परामर्श योजना, स्किल हब सेंटर और उन्नत भारत अभियान जैसी प्रमुख योजनाओं को हासिल किया। महाविद्यालय अब कौशल और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए वर्चुअल लैब विकास, कौशल विकास केंद्रों, भाषा प्रयोगशाला और केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाओं को बढ़ावा दे रहा है। एएनडीसी में 2017 से एक पूर्ण व्यवसाय इनक्यूबेटर, एएनडीसी-इनस्टार्ट स्थापना है। एएनडीसी-इनस्टार्ट स्थापना रचनात्मकता की भावना का पोषण करता है, छात्रों को मेंटरशिप, संसाधनों और नेटवर्किंग के अवसरों के साथ अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय अपनी सुदृढ़ शैक्षणिक नींव के लिए मान्यता प्राप्त है और मान्यता के पहले चक्र में एनएएसी द्वारा 3.31 और ग्रेड 'ए' के स्कोर के साथ मान्यता प्राप्त है। महाविद्यालय को इस वर्ष इंडिया टुडे सर्वेक्षण आधारित अध्ययन द्वारा भारत में 19$^{वें}$ सर्वश्रेष्ठ विज्ञान महाविद्यालय के रूप में भी स्थान दिया गया है, इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के तहत 21$^{वां}$ स्थान हासिल किया गया है। महाविद्यालय को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा स्टार स्टेटस से भी सम्मानित किया गया है। इन योजनाओं से प्राप्त धन का उपयोग महाविद्यालय में निम्नलिखित कौशल केंद्रों को विकसित करने के लिए किया गया है : मशरूम अनुसंधान और कौशल विकास केंद्र, जेब्राफिश कल्चर सुविधा, रेशम उत्पादन कौशल संवर्धन केंद्र, केंद्रीय उपकरण सुविधा (भौतिक

विज्ञान और जीवन विज्ञान) और भाषा प्रयोगशाला। इस योजना के तहत, महाविद्यालय ने कौशल वृद्धि के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं भी स्थापित की हैं, जिनमें पीसीबी डिजाइन और फैब्रिकेशन लैब, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) लैब शामिल हैं।

इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय में नौ छात्रों ने मेरिट स्थान हासिल किए हैं और आईआईटी छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस (यूडीएससी) में मेरिट स्थान मिले हैं। उच्च शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा दस विद्यार्थियों को मेधावी छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया है और विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सात विद्यार्थियों को अध्येतावृत्ति प्रदान की गई है।

एएनडीसी (वी-Lab@ANDC) में वर्चुअल लैब जैसी कई नई डिजिटल पहल भी महाविद्यालय द्वारा इंटरनेट के माध्यम से स्नातक विज्ञान के छात्रों को विभिन्न प्रयोगशालाओं की दूरस्थ पहुंच प्रदान करने के लिए वर्चुअल लैब के विचार की अवधारणा के लिए की गई हैं, और इस प्रकार यह दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय बन गया है जिसने अपने कैंपस में वी-लैब शुरू किया है। वी-Lab@ANDC पर उपलब्ध विभिन्न प्रयोगशालाओं और प्रयोगों की पाठ्यक्रम संरचना ई-सामग्री के लिए चार चतुर्थांश मॉडल के बाद भविष्यवादी है, और इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। वी-Lab@ANDC वेबसाइट हमारे अपने छात्रों द्वारा चार डोमेन अर्थात जैविक विज्ञान, रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और भौतिक विज्ञान के लिए बनाई और बनाए रखी जाती है जिसमें सात विभाग अर्थात जैवचिकित्सा विज्ञान, वनस्पति-विज्ञान, रसायन विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, भौतिकी और प्राणी-विज्ञान शामिल हैं। अब तक, **37** वी-लैब बनाए गए हैं और महाविद्यालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक पहुंच के लिए उपलब्ध हैं।

महाविद्यालय ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना 3.0 (पीएमकेवीवाई 3.0) के केंद्रीय घटक के तहत आचार्य नरेंद्र देव कौशल केंद्र, स्किल हब @ एएनडीसी की स्थापना की है। इसका उद्देश्य स्कूल छोड़ने वालों और शिक्षा से बाहर के उम्मीदवारों से जनसंख्या क्षेत्रों को लक्षित करने के लिए कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। आचार्य नरेंद्र देव कौशल केंद्र, स्किल हब @ एएनडीसी को वेब डेवलपर पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में चुना गया है, और 19 छात्रों के एक बैच ने 2022 में सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है। महाविद्यालय ने 3 मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम भी आयोजित किए हैं, अर्थात् अनुसंधान पद्धति, जैविक विज्ञान में उपकरण और तकनीक और अनुसंधान पद्धति में मूल बातें। पाठ्यक्रम का उद्देश्य कक्षा के बाहर छात्रों को पढ़ाना था और उपयोगी शोध करने की उनकी क्षमता विकसित करने में उनकी सहायता करना था। पाठ्यक्रम ने उन्हें अनुसंधान में करियर पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। ये पाठ्यक्रम जीवन-विज्ञान और भौतिक-विज्ञान दोनों के छात्रों के लिए आयोजित किए गए थे, और 16 प्रधानमंत्री अध्येता (पीएमआरएफ), आईआईटी दिल्ली द्वारा डिजाइन और पढ़ाए गए थे।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर उर्मी बाजपेयी, विज्ञान प्रसार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा फ्यूचर होप्स 2023 के रूप में देश के 35 विज्ञान विदुषियों में शामिल हुईं। उन्हें 27 नवंबर 2022 को बैक्टीरियोफेज साइंस कम्युनिकेशन में प्रतिष्ठित और निरंतर योगदान के लिए इंडियन बैक्टीरियोफेज सोसाइटी द्वारा भी सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर गगन धवन को 16 दिसंबर 2022 को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा 'आईएनएसए शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर शालू सचदेवा को 31 जुलाई 2022 को एमकेएसईएस एजुकेशनल सोसाइटी, लखनऊ द्वारा रासायनिक विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ संकाय के वैश्विक अकादमिक अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुनीता जेटली को लायंस इंटरनेशनल द्वारा 12 सितंबर 2022 को शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर शालू सचदेवा को 26 जनवरी 2023 को रत्ना प्रसाद मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा प्राउड इंडियन आइकॉनिक रीडर एंड रिसर्चर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान के तृतीय वर्ष के ऋषि सर्बोभूम क्लास टॉपर थे।

महाविद्यालय क्लास में बी.एससी (ऑनर्स) रसायन-विज्ञान की तृतीय वर्ष की मोहिनी शर्मा क्लास टॉपर रहीं।

बी.एससी (ऑनर्स) वनस्पति-विज्ञान का द्वितीय वर्ष की वृद्धि सिंह क्लास टॉपर रहीं।

बी.एससी (ऑनर्स) भौतिकी के द्वितीय वर्ष के वैभव थपलियाल क्लास टॉपर थे।

बी.एससी भौतिक-विज्ञान के प्रथम वर्ष के अंशुमान पाणिग्रही महाविद्यालय क्लास टॉपर थे।

शोध प्रकाशन

सिन्हा, एसएन, उंगारला, आर., कुमार, डी., संगराजू, आर., कुमार, एस. (2022)। "मानव रक्त में चोलिनेस्टरेज़ गतिविधि की मात्रा का ठहराव के लिए एक आदर्श आरपी-एचपीएलसी विधि: ऑर्गनोफॉस्फेट और कार्बामेट कीटनाशक जोखिम का आकलन करने के लिए अनुप्रयोग"। *प्लोस वन,* 17(12), e0279287।

देब, एस., बरुआ, ए., कुमार, एस.(2022)। महालनोबिस दूरी का उपयोग करके खुले समूहों की सदस्यता निर्धारण के लिए पहनावा-आधारित अपर्यवेक्षित मशीन सीखने की विधि। *मंथली नोटिसस ऑफ़ रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी,* 515 (4), 4685-4701।

लामिछाने, एस., शर्मा, एस., तोमर, एम., चौधरी, ए. (2022)। आरआरएएम उपकरणों के लिए डब्ल्यूओ3 पतली फिल्मों की प्रतिरोधक स्विचिंग संपत्ति पर चमक कोण जमाव में भिन्नता का प्रभाव। *जे. एप्पल. फिज.,* 132 (13), 134102।

कोहली, एस., राठी, जी., हुड्डा, एस., चंद्रा, आर. (2023)। जैविक रूप से सक्रिय 2,3-डायहाइड्रोक्विनाज़ोलिन-4 (1 एच) के हरे संश्लेषण के लिए एक कुशल दृष्टिकोण-एक चुंबकीय ईडीटीए लेपित तांबा आधारित नैनोकम्पोजिट का उपयोग करना। *आरएससी एडवांसेज,* 13 (3), 1923-1932।

दास, आर., बाजपेयी, यू. (2023)। "एफ-क्लस्टर माइकोबैक्टीरियोफेज में डीएनए-निर्भर एएए एटीपीस का कार्यात्मक लक्षण वर्णन"। *वायरस रिसर्च,* 323, 198957।

बदावी, एम.एन., भाटिया, एम., रमेश, एस., रमेश, के., कुनियिल, एम., शेक, एमआर, खान, एम., शेक, बी., आदिल, एसएफ (2023)। स्व-उपचार, लचीला और स्मार्ट 3 डी हाइड्रोगेल इलेक्ट्रोलाइट्स एल्गिनेट/पीईडीओटी पर आधारित है: सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए पीएसएस। *पॉलिमर*, 15 (3), 571।

जोशी, आर., गोयल, ए., कुमार, पी., मोहन, एम. (2022)। "गोलाकार रूप से सीमित हाइड्रोजन परमाणु के सापेक्षतावादी ऊर्जा सुधार, विभाजन और थर्मोडायनामिक गुणों का सैद्धांतिक विश्लेषण"। *यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी,* 76 (8), 149।

जौहरी, आर., सोनकर, आरके., विक्टर, ओ., खान, जेडएच, अग्रवाल, डी., गुप्ता, एस., कुमार, एस. (2023)। पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट शामिल पेरोव्स्काइट संवेदी सौर सेल का ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अध्ययन। *मैक्रोमोल सीम्प.,* 407 (1), 2200126।

अंतल, एस., अब्राहम, जेएस., श्रीपूर्णा, एस., मौर्य एस., डागर, जे., मखीजा, एस., भगत, पी., गुप्ता, आर., सूद, यू., लाल, आर., टोटेजा, आर. (2022)। डीएनए बारकोडिंग, प्रजातियों की पहचान के लिए एक प्रभावी उपकरण: एक समीक्षा। *मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स,* 50, 761-775।

पोसवाल, पी., चौहान, ए., आर्य, डी.डी., बोध, आर., राजोरिया, वाईके, गैयोला, एसयू (2022)। अनिश्चित परिदृश्य के तहत व्यापार ऋण के साथ टिकाऊ उत्पादों की पुन: विनिर्माण प्रणाली के लिए इष्टतम रणनीति। *मैटेरियल्स टुडे: प्रोसीडिंग्स*, 69 (2), 165-173।

शोध परियोजनाएं

अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक सर्ब-डीएसटी (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना। परियोजना का शीर्षक-दिल्ली की सिलिएट प्रजाति पहचान के लिए डीएनए बारकोडिंग 41.97 लाख रुपये।

अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना। परियोजना का शीर्षक-मेरा इंडिया प्रोजेक्ट: मेरा/3/2020-ईसीडी-II जिसका शीर्षक "दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों में मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए आकर्षक विषाक्त चीनी चारा (एटीएसबी) के तरीके"। 39.34 लाख रुपये।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के दौरान सक्रिय था, "तपेदिक के इलाज के लिए नई दवाओं (इन्ड) के रूप में माइकोबैक्टीरियोफेज और उनके एंजाइमों पर एक जांच अध्ययन"।

अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा वित्त-पोषित निम्नलिखित चार परियोजनाएं:

प्रयुक्त ग्रिड पर इलेक्ट्रॉन दमन कोटिंग की प्रक्रिया और मूल्यांकन का विकास [एमटीआरडीसी/एमएमजी/20206/कार्स/एलपीओ /125/2021- 22/बीयूपी]

दिए गए विनिर्देश के पैकेज्ड उच्च आवृत्ति सां उपकरणों का निर्माण [1115/टीएस/एसपीएल/कार्स-98/2022]

इंडियम सेलेनाइड पतली फिल्मों का उपयोग करके थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा हारवेस्टर का विकास [सीआरजी/2022/005474]

टीडब्ल्यूटी में प्रयुक्त ग्रिड पर इलेक्ट्रॉन दमन कोटिंग की प्रक्रिया और मूल्यांकन का विकास[एमटीआरडीसी/एमएमजी/20206/कार्स/एलपीओ/125/2021-22/बीयूपी]115.45 लाख रुपये

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद), अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के दौरान सक्रिय था, ई-लर्निंग के माध्यम से कैंसर के प्रबंधन के लिए चिकित्सा जागरूकता, क्षमता, रोगी सशक्तिकरण और साझेदारी, 19.63।

संगोष्ठी का आयोजन

8 नवंबर 2022 को प्रोफेसर गायथा लैंग्लोइस, पर्यावरण नीति के प्रोफेसर, ब्रायंट विश्वविद्यालय, रोड आइलैंड, यूएसए द्वारा प्रस्तुत सेमिनार, 'चरम वातावरण में सिलिएट्स, (सिलिएट बायोलॉजी)' शीर्षक वाली संगोष्ठी।

4 फरवरी 2023 को प्रोफेसर बृजेश सिंह, निदेशक-ग्लोबल सेंटर फॉर लैंड-बेस्ड इनोवेशन और प्रतिष्ठित प्रोफेसर, ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रस्तुत 'एनवायरनमेंटल माइक्रोबायोम टू एडवांस इकोसिस्टम सर्विसेज (माइक्रोबियल इकोलॉजी)' नामक संगोष्ठी।

डॉ. आर. के. कोटनाला, पूर्व मुख्य वैज्ञानिक और प्रमुख पर्यावरण विज्ञान और बायोमेडिकल मेट्रोलॉजी, सीएसआईआर-एनपीएल द्वारा 21 मार्च 2023 को प्रस्तुत 'हाइड्रोइलेक्ट्रिक सेल द बेस्ट ऑप्शन टू डू अवे ग्लोबल वार्मिंग एंड ग्रीन हाइड्रोजन जेनरेशन बाय वाटर स्प्लिटिंग' नामक संगोष्ठी।

डॉ. सुमेर पाल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक आनुवंशिकी प्रभाग, भाकृअनुप-आईएआरआई द्वारा 23 मार्च 2023 को प्रस्तुत संगोष्ठी, 'बाजरा: हमारा राष्ट्रीय गौरव'।

1 फरवरी 2023 को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के पूर्व निदेशक सीए डॉ. पीसी तुलसियान द्वारा प्रस्तुत 'लेखा मानक' नामक संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन

राष्ट्रीय मृदा संदूषण और अनुसंधान का 7$^{वां}$ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनएससीआर 2022) आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय द्वारा दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, गार्गी महाविद्यालय, किरोड़ीमल महाविद्यालय, प्राणि-विज्ञान विभाग, मगध विश्वविद्यालय, रामजस महाविद्यालय, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, सीएमपी महाविद्यालय, भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से सूक्ष्मजीवों के साथ पर्यावरण को संशोधित करना शिवाजी महाविद्यालय, मिरांडा हाउस, केआईआईटी भुवनेश्वर, देवभूमि उत्तराखंड, कोल्हान विश्वविद्यालय, झारखंड, फीक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम और महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना 7 नवंबर 2022 को।

8 नवंबर 2022 को इंडियन नेटवर्क फॉर सॉइल कंटेमिनेशन रिसर्च (आईएनएससीआर) के सहयोग से आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय और मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा सिलिएट बायोलॉजी पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएससीबी 2022) का आयोजन किया गया था।

3 अप्रैल 2023 को महाविद्यालय और वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय वाणिज्य संघ (आईसीए) द्वारा "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

प्रोफेसर उर्मी बाजपेयी ने 23-25 मार्च 2023 को डीबीटी-टीएचएसटीआई, फरीदाबाद में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'माइकोबैक्टीरियोफेज: पोटेंशियल थेराप्यूटिक एजेंट्स अगेंस्ट ड्रग-रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलर एंड नॉन-ट्यूबरकुलर माइकोबैक्टीरियल (एनटीएम) इन्फेक्शन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर सरिता कुमार ने 4-6 नवंबर 2022 को देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राकृतिक उत्पादों और मानव स्वास्थ्य-2022 पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आईजीआर-डिफ्लुबेनज़ुरॉन का उपयोग करके वेक्टर प्रबंधन के माध्यम से एडीज जनित रोगों का प्रबंधन' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर सीमा मखीजा ने 8 नवंबर 2022 को आईएनएससीआर के सहयोग से आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय और मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आयोजित सिलिएट बायोलॉजी (आईएससीबी) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टेटमेमेना एसपी एसईजे-2015 में भारी धातु (कैडमियम और तांबा) बाध्यकारी प्रोटीन और सिस्टीन युक्त प्रोटीन का जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया

प्रोफेसर अंजू अग्रवाल ने 3 अप्रैल 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित "एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चैट जीपीटी का अकादमिक उपयोग' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर अरिजीत चौधरी ने 13-15 मार्च 2023 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय द्वारा आयोजित "उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण" (एएफएमडी) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उच्च दक्षता के साथ कम तापमान नाइट्रोजन ऑक्साइड गैस सेंसर' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर गीतू गंभीर ने दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय, गोरखपुर, यूपी और सकी.टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एडवांस इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईसीएआईआर -2023) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए स्टडी ऑफ थर्मल स्टेबिलिटी ऑफ मल्टी कंपोनेंट फंक्शनलाइज्ड बायो कम्पोजिट मैटेरियल्स' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर चारू खोसला गुप्ता ने 16-17 मार्च 2023 को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित शिक्षा पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द न्यू फेस ऑफ एजुकेशन बियॉन्ड द रियलम्स ऑफ द रेगुलर क्लासरूम: इनोवेशन इन प्रैक्टिस' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर पूजा भगत ने 2-3 सितंबर 2022 को कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 44$^{वें}$ अखिल भारतीय कोशिका जीव विज्ञान सम्मेलन और मानव रोगों के आणविक और सेलुलर अंतर्दृष्टि पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय कैंपस की मिट्टी की विशेषता: मिट्टी की गुणवत्ता तक पहुंचने के लिए एक पायलट परियोजना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर रचना जोशी ने 8-11 नवंबर 2022 को मृदा संदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर) के लिए भारतीय नेटवर्क के 7$^{वें}$ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हाइड्रोजन ईंधन के विकास की ओर: स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण के लिए (दबाव के तहत ऑक्सीजन परमाणु के गुणों का अध्ययन)' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, "सूक्ष्मजीवों के साथ पर्यावरण को संशोधित करना"।

डॉ. शालू महाजन ने 3 अप्रैल 2023 को इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन, दिल्ली एनसीआर चैप्टर के सहयोग से आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय और वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "वन अर्थ•वन फैमिली•वन फ्यूचर" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंपैक्ट ऑफ इकोनॉमिक्स' नामक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर: नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी और आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय ने एनआईआई-आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय साइंस सेतु कार्यक्रम शुरू करने के लिए एक साथ मिलकर काम किया। इस तरह के प्रयास की तत्काल आवश्यकता है क्योंकि यह विज्ञान के मूल्य की सार्वजनिक समझ को बढ़ाता है। इसका मुख्य उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशा चुनने के लिए अधिक से अधिक प्रतिभाशाली युवा दिमागों को लुभाने के लिए राष्ट्रीय पहल का समर्थन करना है।

ऑबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ मोंटगोमरी, अलबामा, यूएसए (इंटरनेशनल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए: कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट हस्तांतरण और प्रगति व्यवस्था, विभिन्न कार्यक्रमों के लिए अकादमिक अभिव्यक्ति समझौतों, पारस्परिक हित के अनुसंधान और शैक्षणिक सामग्रियों के आदान-प्रदान, सहयोगी और पालक अनुसंधान गतिविधियों और परियोजनाओं को प्रोत्साहित करेगा।

संयुक्त राज्य अमेरिका में कैलिफोर्निया राज्य के कानूनों के तहत स्थापित एक सामाजिक लाभ निगम, इंटरनेशनल बैक्टीरियोफेज रिसर्च कंसोटयम (इंटरनेशनल), एक ओपन हेल्थ सिस्टम लेबोरेटरी (ओएचएसएल) के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में अंतर्राष्ट्रीय बैक्टीरियोफेज रिसर्च कंसोटयम (आईबीआरसी) की स्थापना करने और आगे अनुसंधान करने के लिए सहयोग शामिल है। एएनडीसी - डीयू और ओएचएसएल ने पहले ही यूआरएल के साथ 1बीआरसी के लिए एक वेब पोर्टल https://ohsl.us/bacteriophage/international-bacteriophage-research-consortium, बनाया है।

ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान प्रौद्योगिकी संस्थान टीएचएसटीआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर: विज्ञान-सेतु कार्यक्रम के तहत समझौता ज्ञापन ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से है। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय के स्नातक छात्रों के साथ अपने शोध हितों को साझा करते हैं।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आईआईटी, दिल्ली के साथ सहयोग: एनएमईआईसीटी के तहत एमओई की एक पहल, वर्चुअल लैब के

निर्माण के लिए महाविद्यालय को नोडल केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। सैद्धांतिक अवधारणाओं को छात्रों को ऑनलाइन वितरित किया जा सकता है लेकिन विभिन्न अवधारणाओं की बेहतर समझ के लिए, एक व्यावहारिक होना आवश्यक है। एएनडीसी ने इंटरनेट के माध्यम से स्नातक विज्ञान के छात्रों को विभिन्न प्रयोगशालाओं की दूरस्थ पहुंच प्रदान करने के लिए वर्चुअल लैब (वी-लैब) के विचार की अवधारणा की है।

थिंक लैब-क्यूब के साथ सहयोग: थिंक लैब छात्रों की एक स्वायत्त प्रयोगशाला है, जो क्यूब (सहयोगात्मक समझ जीवविज्ञान शिक्षा) नेटवर्क के सहयोग से शिक्षकों की किसी भी देखरेख के बिना काम करती है, जो होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, टीआईएफआर, मुंबई की एक पहल है। नेटवर्क के तहत छात्र देश-विदेश के छात्रों, शिक्षकों और शोध वैज्ञानिकों के साथ जुड़े हुए हैं और विभिन्न शोध प्रश्नों पर चर्चा करते हैं और उनके उत्तर मांगते हैं।

एनपीटीईएल-स्वयं स्थानीय अध्याय @ एएनडीसी: प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीटीईएल) 2003 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर (ऑनलाइन वेब पोर्टल http://nptel.ac.in) के साथ सात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (बॉम्बे, दिल्ली, कानपुर, खड़गपुर, मद्रास, गुवाहाटी और रुड़की) द्वारा शुरू किया गया था। एनपीटीईएल ने मार्च 2014 में सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा करने वालों के लिए आईआईटी/आईआईएससी से प्रमाणपत्र के साथ खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम की पेशकश शुरू की। हमारे महाविद्यालय के अधिक छात्रों को इस पहल में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, हमारे महाविद्यालय में एक स्वयं एनपीटीईएल लोकल चैप्टर की स्थापना की गई है।

ओपन इनिशिएटिव-क्रिएटिव कॉमन्स नेटवर्क @ एएनडीसी: आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) में अग्रणी होने के लिए जाना जाता है। ओईआर के लिए प्रतिबद्ध होने के नाते, महाविद्यालय मई, 2018 में क्रिएटिव कॉमन्स नेटवर्क का एक संस्थागत सदस्य बन गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय @ एएनडीसी एसपीआईई छात्र अध्याय: फोटो-ऑप्टिकल इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियर्स (एसपीआईई), एक अंतरराष्ट्रीय समाज जो विज्ञान और प्रकाश के अनुप्रयोग के लिए एक अंतःविषय दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है, औपचारिक रूप से आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय एसपीआईई छात्र अध्याय में दिल्ली विश्वविद्यालय को अगस्त 2010 में अनुमोदित किया गया था। यह चैप्टर आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय दोनों के छात्रों के लिए खुला है। अपनी स्थापना के साथ, महाविद्यालय आईआईटी, आईआईएससी, एनआईआईटी और डीटीयू के भारत के सर्वोत्कृष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां यह अध्याय संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, चीन, रूसी संघ और कनाडा आदि जैसे अन्य देशों में 150 से अधिक अच्छी तरह से स्थापित अध्यायों के अलावा वर्षों से सफलतापूर्वक चल रहा

है।

छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की कुल संख्या=22

इंटर्नशिप के लिए रखे गए छात्रों की कुल संख्या=31

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

इस वर्ष एएनडीसी कैंपस का दौरा करने वाली कंपनियों में एक्सेंचर, विप्रो लिमिटेड, डेल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड, अनअकादमी, बायजू, Monster.com, मॉर्गन स्टेनली, स्विगी, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, नेटवेस्ट (आरबीएस), द लीडिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, कॉन्सेंट्रिक्स, विंसपार्क इनोवेशन लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, डेल्टा एक्स, डब्ल्यूएनएस ग्लोबल सर्विसेज (पी) लिमिटेड, राइजिंग एड टेक कंपनी, महिलाओं के लिए वेदिका स्कॉलर्स प्रोग्राम, ग्लोबलफाउंड्रीज इंक, अपना कैंपस, रुहवेनाइल, स्किलेंज़ा, फिनएक्स, ईडीयू-स्टेशन, एन्सवी, स्कूल 2 कैंपस, टाटा, लर्निंग लिंक फाउंडेशन, ज़ूनो, टीवीएस यूरोग्रिप, टाटा स्ट्राइव, कनेक्शन मीडिया, टीम लीज डिजिटल, इंटेलीपाट, आरएसएम डिलीवरी सेंटर प्राइवेट लिमिटेड, एक्सक्रिनो बिजनेस सॉल्यूशन, चार्टर्ड फाइनेंशियल एक्सपर्ट, बीएसआर एंड कंपनी एलएलपी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स हैं।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में, आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय ने 12-13 अक्टूबर 2022 तक सेल और आणविक जीव विज्ञान तकनीकों पर एक आउटरीच कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में पचास उम्मीदवारों ने भाग लिया, जिनमें जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, दिल्ली के चौबीस बी.एसएसी. छात्र और 26 एम.एससी. छात्र शामिल थे। छात्रों को सेल और आणविक जैविक तकनीकों जैसे सक्षम कोशिकाओं की तैयारी और परिवर्तन प्रयोग, माइटोसिस स्लाइड बनाने, प्लास्मिड डीएनए अलगाव, पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन, अगारोज जेल वैद्युतकणसंचलन और प्रतिबंध मानचित्रण पर पूर्ण व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया था।

संगठित **माइक्रोस्फीयर 2.0**, माइक्रोबियल साक्षरता को बढ़ावा देने और 17 सितंबर 2022 को रोगाणुओं की विविधता और व्यापक अनुप्रयोगों का जश्न मनाने के लिए एक पहल के रूप में एक अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रम। एनएसएस@एएनडीसी यूबीए@एएनडीसी के सहयोग से स्टेशनरी कलेक्शन ड्राइव का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हमारे प्रोजेक्ट विदिप्सा के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। इसके बाद एकत्रित स्टेशनरी जरूरतमंद बच्चों को वितरित की गई। यह आयोजन 11-27 जुलाई 2022 तक हुआ।

दौलत राम महाविद्यालय में कैंसर स्क्रीनिंग कैंप और जागरूकता वार्ता: दौलत राम महाविद्यालय के प्रांगण

में कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें हमारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता जेटली ने हमारे स्वयंसेवकों के साथ भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित प्रख्यात क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा एक जागरूकता व्याख्यान भी दिया गया। यह आयोजन 27 जुलाई 2022 को हुआ था।

गोविंदपुरी में स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान: पेड़ पर्यावरण में ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं, वे सीओ2 के स्तर को कम करने में मदद करते हैं। हम पेड़ों के मूल्य को समझते हैं और एक वर्ष में कई बार वृक्षारोपण अभियान चलाते हैं। 2 अक्टूबर 2022 को, एनएसएस@एएनडीसी मीराबाई पार्क, गोविंदपुरी में वृक्षारोपण के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। स्वयंसेवकों ने पार्क की सफाई भी की। एनएसएस@एएनडीसी ने 18 मार्च 2023 को सुश्री आतिशी सिंह, विधायक (कालकाजी) और शिक्षा मंत्री, दिल्ली की उपस्थिति में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। वृक्षारोपण अभियान का मुख्य उद्देश्य पार्क के हरित आवरण और सुंदरता को बढ़ाना था। यह कार्यक्रम इको क्लब परितंत्र और UBA@ANDC के सहयोग से आयोजित किया गया था। स्वयंसेवकों ने कई पौधे लगाए और नियमित रूप से उनकी देखभाल करने का निर्णय किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 34242

पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की कुल संख्या: 19

वर्ष 2022-23 के दौरान जोड़ी गई नई पुस्तकें: 653

पुस्तकालय से संबंधित जानकारी प्रदर्शित करने के लिए पुस्तकालय के ऊपरी और निचले रीडिंग हॉल में डिजिटल नोटिस बोर्ड स्थापित किए गए हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के ई-संसाधन तक पहुंचने के लिए लॉगिन आईडी और एन-सूची उन छात्रों के लिए बनाई गई है जिन्होंने अनुरोध किया है।

पुस्तकालय द्वारा दिनांक 29 सितंबर 2022 को "क्विल बॉट, वन स्टॉप प्लेस फॉर मेकिंग राइटिंग पेनलेस के लिए जागरूकता कार्यक्रम" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों, पुस्तकालय और प्रशासनिक कर्मचारियों और कई अन्य पुस्तकालयों के पेशेवरों सहित लगभग 50 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। क्विल बॉट के श्री अमन जैन ने लेखन उपकरणों की अनूठी विशेषताओं जैसे पैराफ्रेशिंग, संक्षेपण, साहित्यिक चोरी की जांच आदि का वर्णन किया।

पुस्तकालय ने संकाय और छात्रों के लिए पुस्तकालय में 11-12 अक्टूबर 2022 तक दो दिवसीय वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है। कई प्रसिद्ध प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं जैसे प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया, यूनिलिब बुक डिस्ट्रिक्ट प्राइवेट लिमिटेड, एशियन बुक सेंटर, नरोसा पब्लिशिंग हाउस, एनआरबुक डिस्ट्रीब्यूटर, पियर्सन एजुकेशन, एस. चांद एंड कंपनी, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, ऑरेंज बुक्स इंटरनेशनल, विवा बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, पनिमा एजुकेशनल एजेंसी ने प्रदर्शनी में

भाग लिया और पुस्तकालय में अपनी पुस्तकें प्रदर्शित कीं। संकाय और छात्रों ने पुस्तकालय के साथ-साथ अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए पुस्तकों का चयन किया।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या=116

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान=रुपए 47,70,00,000/-

उपयोगित अनुदान=रुपए 47,70,00,000/-

***

अदिति महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली के बवाना के बाहरी इलाके में स्थित, अदिति महाविद्यालय-52 गांवों के समूह के लिए उच्च शिक्षा का एकमात्र संस्थान, शिक्षा के अपरिहार्य उपकरण के साथ महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण और मिशन के साथ 1994 में संकल्पित किया गया था। इसलिए, 'अदिति' में हमारा उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके सशक्त बनाना है। 200 छात्रों और मुट्ठी भर पाठ्यक्रमों की एक साधारण शुरुआत के साथ, महाविद्यालय पिछले तीन दशकों में बदल गया है और गर्व से बी.एल.एड, सामाजिक कार्य, भूगोल, हिंदी पत्रकारिता, बी.कॉम में ऑनर्स पाठ्यक्रम जैसे प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम प्रदान करता है। एक शानदार और गतिशील स्टाफ के साथ-शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों-अदिति नए पाठ्यक्रमों के प्रसार और छात्रों की संख्या में सहवर्ती वृद्धि के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके उत्कृष्टता के पथ पर निरंतर और निश्चित रूप से आगे बढ़ रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय के नेतृत्व में, अदिति महाविद्यालय नए क्षितिजों को जीतने और सफलता के आसमान में ऊंची उड़ान भरने के लिए दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ काम कर रहा है। हमारे मिशन के मूल में अनुसंधान उत्कृष्टता के प्रति समर्पण है। हम एक ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास करते हैं जो सभी विषयों में अत्याधुनिक अनुसंधान को प्रोत्साहित और समर्थन करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

यह शैक्षणिक वर्ष महाविद्यालय के आसपास के गांवों में पारिस्थितिक पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के माध्यम से सामुदायिक संवर्धन के माध्यम से हमारे छात्रों की वृद्धि और उपलब्धि के लिए एक गतिशील वर्ष रहा है। अनेक रैंप, ग्रिल, टिकाऊ शौचालयों के निर्माण से महाविद्यालय में सुधार हुआ है। महाविद्यालय पहुंच के मामले में समावेशी है और इसने स्वर्ण पदक जीता है। सुश्री मंजू बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष ने कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता। महाविद्यालय के महिला विकास सेल ने कानूनी साक्षरता पाठ्यक्रम संचालित किया और महाविद्यालय में लीगल सेल भी स्थापित किया है। महाविद्यालय में आपदा

प्रबंधन प्रशिक्षण दिया गया है और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) और जोन 4 सॉल्यूशंस के साथ लगभग 300 प्रतिभागियों के लिए आपदा प्रबंधन पर ऑनलाइन सम्मेलन आयोजित किया गया था। महाविद्यालय ने एसईएस आरईसी (सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण सहभागिता सेल) को सफलतापूर्वक तैयार किया है और महात्मा गांधी ग्रामीण शिक्षा परिषद, डी.एच.ई., एम.ओ.ई. के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, हरियाली पोस्ट कोविड-19 में सुधार के लिए 10 कार्य समूहों का गठन किया है। जी.ओ.आई. वॉयस सोसाइटी के माध्यम से, महाविद्यालय ने बवाना में समुदायों में महिलाओं को मनोवैज्ञानिक और कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए एक सामुदायिक मध्यवर्तन केंद्र (सीआईसी) शुरू किया है।

सम्मान/गौरव

डॉ. ममता शर्मा, प्रधानाचार्य को शिक्षा के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए सराहना मिली है, उन्होंने 19 अक्तूबर 2022 को ज़ी हिंदुस्तान से प्रशंसा प्रमाणपत्र अर्जित किया है। "डेटा में महिलाएं" विषय पर 30 घंटे का ई-पाठ्यक्रम आयोजित करने में उनका समर्थन "लर्निंग लिंक फाउंडेशन द्वारा 17 सितंबर 2022 से 16 अक्तूबर 2022 तक, उन्हें मान्यता का एक और प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्हें 20 नवंबर 2022 को जीनियस ब्रेन और एचआरडी मिशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य के रूप में प्रतिष्ठित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सामाजिक कारणों के प्रति उनके समर्पण को साक्षी द्वारा रक्षिण परियोजना के तहत बाल यौन शोषण को रोकने के लिए स्वीकार किया गया था, जिसे युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत एन.एस.एस. द्वारा 9 नवंबर 2022 को एक वेबिनार के दौरान मान्यता मिली थी। इसके अलावा, उन्हें 10 जुलाई 2022 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, संसद मार्ग में भारत विकास परिषद द्वारा "सशक्त महिला सम्मान" से सम्मानित किया गया।

डॉ. सीमा रानी को 2023 में एक पूर्व छात्रा के रूप में उनके विशिष्ट समर्थन और योगदान के लिए उनके अल्मा मेटर, अदिति महाविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.कॉम की स्वाति सैनी (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष को 10 फरवरी 2022 को दिल्ली स्टेट पावरलिफ्टिंग में बेंचप्रेस और डेडलिफ्ट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें 5-8 जनवरी 2023 को रायगढ़ में नेशनल पावरलिफ्टिंग ऑल इंडिया ओपन डेडलिफ्ट और बेंच प्रेस चैंपियनशिप के लिए भी स्वर्ण पदक मिला।

बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क तृतीय वर्ष की राधिका को 30 अक्तूबर 2022 को बेंचप्रेस और डेडलिफ्ट चैम्पियनशिप में रजत पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें 8 जनवरी 2023 को राजगढ़ में सुब्रत क्लासिक राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग और बेंचप्रेस प्रतियोगिता में भी रजत पदक मिला। उन्हें 7 अप्रैल 2022 को मुरादनगर में ऑल इंडिया ओपन डेडलिफ्ट और बेंचप्रेस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष की खुशी को प्रथम डब्ल्यूएफआई ग्रैंड प्रिक्स कुश्ती टूर्नामेंट 2023 में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उन्होंने 26-29 मई 2022 को प्रथम अंडर 20 राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती

टूर्नामेंट में रजत पदक भी प्राप्त किया।

बी.कॉम की पलक (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष 27-29 जनवरी 2023 को 12वीं राष्ट्रीय जूनियर और सब जूनियर पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप, गुजरात में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

बी.ई.एल.ईडी तृतीय वर्ष की राधिका शर्मा को 12 फरवरी 2022 को दिल्ली स्टेट पावरलिफ्टिंग, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट चैम्पियनशिप, दिल्ली में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

शर्मा, एम., शर्मा, बी., शुक्ला, एस., रतन, आर., फातिमा, एम., गोयल, एम., भट, एम., दत्ता, एस., रंजन, आर.के., (2022)। धातु परिसरों पर आधारित रोगाणुरोधी एजेंट: वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमटेरियल्स*, 2022 (आईडी 6819080), 21.

शर्मा, एम., बहमनी, एस., सांवरिया, एम.डी. (2023)। मीडिया प्रैक्टिस में सभी लिंगों के लिए कानूनी वकालत: भविष्य के सामाजिक कार्य पेशे के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण। *रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी वॉल्यूम*, 8 (3) (2455-3085), 266-272.

शर्मा, एम., बहमनी, एस., स्वारिया, एम.डी. (2022)। स्वयंसेवा, संकट प्रबंधन, और कोविड-19 महामारी में मध्यवर्तन: जीवन रक्षिका पहल का एक केस अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च एंड सोशल एक्शन*, 18(1) (0973-3116), 45-56.

रानी, एस., नीरज., अंजलि. (2022)। नशीली दवाओं की लत की पुनरावृत्ति: एलएनजेपी अस्पताल में नशीली दवाओं के पुनर्वास केंद्र का अध्ययन। *जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज*, 10.

राणा, एन., कौर, आर. (2022)। क्या किसी फर्म के वित्तीय प्रदर्शन को प्रभावित करने में लिंग विविधता महत्वपूर्ण है? भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर का मामला. *जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड ट्रेड*, 17(0973-4503 अंक 1), 8.

कुमार, एन. (2022)। जूली और जूलिया में भोजन के वर्णन के माध्यम से पहचान का प्रतिनिधित्व। *लिटिनफिनिट जर्नल*, IV (2582-0400), 71-82.

आयोजित संगोष्ठी

17 सितंबर 2023 को डॉ. शिखा गुप्ता, पाठ्यक्रम समन्वयक, सीडीएसएल द्वारा 'निवेश और डिपॉजिटरी (इंटरएक्टिव और जागरूकता सत्र)' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

06 अक्तूबर 2022 को गृह मंत्रालय के सस्त्र राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के परियोजना निदेशक श्री अजय सिंह राजावत द्वारा 'बौद्धिक संपदा की संभावनाओं को अनलॉक करना (पैनल चर्चा)' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

'व्याख्यान श्रृंखला, उद्यमिता मानसिकता और क्रियाएँ' शीर्षक से संगोष्ठी, श्री पीयूष सिंघल, सीईओ और निदेशक, जगन्नाथ पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 08 अक्तूबर 2022 को प्रस्तुत की गई।

टाइम एजुकेशन की एचआर विशेषज्ञ सुश्री प्रेरणा चौहान द्वारा 21 जनवरी 2023 को इंटरैक्टिव लाइव सत्र में 'सरकारी परीक्षा में सफलता कैसे प्राप्त करें' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित 'लचीलेपन का पुनर्जागरण, पुनरुद्धार और राष्ट्र का पुनर्निर्माण' विषय पर सम्मेलन 19 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रो. ममता शर्मा ने सेंटर फॉर द स्टडी द्वारा आयोजित भारत में स्थानीय प्रशासन पर राष्ट्रीय सम्मेलन @75: मुद्दे, चुनौतियाँ और समसामयिक विकास में 'कोविड-19 और उससे आगे के दौरान नवीन और प्रभावी उपकरणों के रूप में हेल्पलाइन का उद्भव' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। कानून और शासन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय 25-26 मार्च 2023.

प्रोफेसर ममता शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर नवाचार केंद्र द्वारा सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से उच्च शिक्षा में नवाचार पर राष्ट्रीय सेमिनार में 'उच्च शिक्षा में एक अभिनव उद्यम के रूप में पीपीपी का उद्भव' शीर्षक से एक शोध-पत्र 13 से 15 मार्च 2023 को प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर ममता शर्मा ने 19-20 जनवरी 2023 तक आयोजित आईसीएसएसआर वित्त-पोषित सम्मेलन 'लचीलापन, पुन: उद्भव, सुदृढ़ीकरण, राष्ट्र का पुनर्निर्माण' पर आयोजित सम्मेलन में 'किशोर मानसिक स्वास्थ्य: मुद्दे और मुकाबला रणनीतियाँ' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

7-8 अक्तूबर 2022 को चैतन्य प्रेम संस्थान व्यंजना आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी द्वारा आयोजित वृन्दावन ई-सम्मेलन में प्रोफेसर सुनीति दत्ता ने 'संत मीराबाई व्यक्तित्व और कृतित्व' पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर नीनू कुमार ने अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और मीडिया अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा शांति निर्माण में वैश्विक नेता के रूप में भारत पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मदद के लिए उधार देना: भारत और शांति निर्माण की परियोजना' पर एक शोध-पत्र 27 जून 2022 को भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली में प्रस्तुत किया।

मीडिया अध्ययन केंद्र (नई दिल्ली) और 27 जून 2022 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित।

डॉ. सीमा रानी ने नवंबर 2022 में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय गीता सेमिनार में 'भगवद गीता और सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास में इसके निहितार्थ: एक विश्लेषण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

वाणिज्य विभाग ने सेबी और सीडीएसएल के सहयोग से रविवार, 20 नवंबर 2022 को सेबी, एनएसई और सीडीएसएल द्वारा निवेशक जागरूकता कार्यक्रम के लिए व्यापार मेले, प्रगति मैदान का दौरा आयोजित किया। फाउंडेशन" ने जनवरी 2023 के महीने में छात्रों के लिए ऑनलाइन मोड में "साइबर सुरक्षा अनिवार्यताएं" नामक 30 घंटे का लघु अवधि पाठ्यक्रम शुरू किया। श्री कार्तिक भारद्वाज, मास्टर ट्रेनर-एनआईआईटी फाउंडेशन के सहयोग से उसी विभाग द्वारा "साइबर सुरक्षा" पर 16-17 जनवरी 2023 को एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया गया।

11 जनवरी 2023 को महाविद्यालय के रीडिंग हॉल में दिल्ली इफेक्टिव एजुकेशन एंड पेडागॉजी क्लस्टर के तत्वावधान में लंग केयर फाउंडेशन के सहयोग से वायु गुणवत्ता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सामाजिक कार्य विभाग ने 24 जनवरी 2023 को सामाजिक कार्य छात्रों के लिए इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसाइटी के सहयोग से स्वास्थ्य और कल्याण पर एक युवा वार्ता का आयोजन किया। सुश्री ज्योति (परियोजना समन्वयक, इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसायटी)।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 8

इंटर्नशिप के लिए नियोजित छात्रों की संख्या: 19

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 19

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

"उन्नत भारत अभियान" के तहत गोद लेने वाले गाँव-औचनदी गाँव, हरेवली गाँव, दरियापुर कलां, सुल्तानपुर डबास, सन्नोथ गाँव। सभी पाँच गाँवों में 85 छात्रों और 10 शिक्षकों के साथ नुक्कड़ नाटक, रैलियाँ (स्वच्छता, प्लास्टिक का एकल उपयोग, एचआईवी एड्स, दिव्यांगों के प्रति संवेदनशीलता), बाल दिवस समारोह, सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पीआरए) जैसी अनेक कार्यकलाप किए गए।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय विकास: इस शैक्षणिक सत्र में एक सौ बहत्तर (172) नई पुस्तकें जोड़ी गई। कम्प्यूटर भी लगाये गये। पुस्तकालय का स्वचालन प्रक्रियाधीन है।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 89

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 35,59,00,000/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 31,46,00,000/-

***

अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

अहिल्या बाई महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग की स्कूल ऑफ नर्सिंग से महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग तक की शानदार यात्रा है। नर्सिंग स्कूल लोक नायक अस्पताल का एक अभिन्न अंग है और अस्पताल में नर्सों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 15 छात्रों के प्रवेश के साथ वर्ष 1936 में इसकी स्थापना की गई थी।

स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में सुधार और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की बदलती मांग के साथ, स्कूल ऑफ नर्सिंग, प्रतिवर्ष 100 छात्रों के प्रवेश के साथ दिल्ली प्रशासन के तहत दिल्ली में नर्सिंग के सबसे बड़े स्कूलों में से एक बन गया है। वर्ष 1993 में 30 मई 1994 को श्री मदन लाल खुराना द्वारा स्कूल को महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग में अपग्रेड किया गया और इसका नाम लोक नायक जय प्रकाश नारायण नर्सिंग महाविद्यालय रखा गया और बाद में इसका नाम बदलकर मराठा मालवा साम्राज्य की होलकर रानी "राजमाता अहिल्याबाई" के नाम पर अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय कर दिया गया। वर्ष 1996 में नए नामकरण समारोह की शोभा डॉ. हर्ष वर्धन ने बढ़ाई।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक सत्र 2022-23 के दौरान अहिल्या बाई महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग में सतत नर्सिंग शिक्षा विभाग डॉ. सुरेश कुमार (एमडी एलएनएच) और एमलुए एलेन बेक (सीएनई कॉर्डिनेटर, वाइस-प्रधानाचार्य एबीसीओएन) की अध्यक्षता में शुरू हुआ।

गौरव प्राप्त छात्र

रुपए तनिष्का कंडारी और अंजलि चौधरी सेमेस्टर VIII की टॉपर रहीं।

प्रकाशन

कश्योति, यू. (2022)। स्तनपान-प्रतिरक्षा प्रणाली के प्रारंभिक विकास में महत्त्व। *संचारी रोग जर्नल, 54(2), 1-3.*

आयोजित संगोष्ठी

15 दिसंबर 2022 को डॉ. सुरेश कुमार द्वारा 'न्यूरोफिजियोलॉजी एंड एपिडेमियोलॉजी ऑफ पेन' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

'मानसिक बीमारी, महामारी विज्ञान' नामक संगोष्ठी 7 अक्तूबर 2022 को उप-प्रधानाचार्य सुश्री एलेन बेक

द्वारा की गई।

'रोकथाम के स्तर' नामक संगोष्ठी 8 अक्तूबर 2022 को एसोसिएट प्रोफेसर सुश्री आर.बी. रोजा द्वारा की गई।

'दर्द का आकलन' शीर्षक संगोष्ठी 16 दिसंबर 2022 को असेसमेंट ऑफ पेन की सिस्टर ट्यूटर डॉ. शोभा गुसाईं द्वारा की गई।

24 फरवरी 2023 को सिस्टर ट्यूटर सुश्री रितु सिंह द्वारा 'संकाय सशक्तिकरण रणनीतियाँ' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

7 अक्तूबर 2022 को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और 'निवारक मनोरोग' पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया था।

15 दिसंबर 2022 को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और 'दर्द प्रबंधन' पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया था।

24 फरवरी 2023 को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 'नर्सिंग संस्थानों की एनएएसी मान्यता' पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया था।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय को पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग कार्यक्रम संचालित करने के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली के अध्ययन केंद्र (29006पी) के रूप में नामित किया गया है।

अहिल्या बाई नर्सिंग महाविद्यालय भारत में नर्सिंग सेवाओं के विकास के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सहयोग कर रहा है।

महाविद्यालय ने मौलाना आज़ाद मेडिकल महाविद्यालय के सहयोग से सितंबर 2022 के महीने में फार्माकोविजिलेंस सप्ताह मनाया।

***

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी (एजेआईपीटी) अपने छात्रों को नैदानिक और शैक्षणिक दोनों कौशल और दक्षताओं के विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण और सुविधाएं प्रदान करने के लिए जाना जाता है। हमारा शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र समर्पित और प्रतिभाशाली

संकाय की एक टीम द्वारा संचालित होता है जो स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के शैक्षणिक मानकों को बढ़ाने के लिए सहयोगात्मक, संसाधनपूर्ण और रचनात्मक रूप से काम करता है। हमें अपने सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों और अनुसंधान प्रयासों पर गर्व है। संस्थान ने 22 वर्षों की सफल यात्रा पूरी की है और उत्कृष्टता प्राप्त करने की हमारी खोज जारी रहेगी।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी को 13 नवंबर 2022 को यशोदा हाफ मैराथन, कौशांबी, गाजियाबाद द्वितीय संस्करण के दौरान स्वयंसेवा और सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी ने 12 मार्च 2023 को कला के लिए सावरा फाउंडेशन द्वारा आयोजित फिजियो टैलेंट शो और फिएस्टा के दौरान गायन/नृत्य/अभिनय/रैप/कॉमेडी/फिटनेस चैलेंज/फैशन शो में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

ब्रेन टीज़र: 13 और 14 मार्च 2023 को एक इंटर हाउस क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

जेनिथ: 5 नवंबर 2023 को फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया था।

रिपल्स: 9-11 मार्च 2023 को एक खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आत्मरक्षा कार्यशाला: महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष पुलिस इकाई (एसपीयूडब्ल्यूएसी) के अधिकारियों की एक टीम द्वारा 31 जनवरी 2023 को "आत्मरक्षा" पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। उन्होंने हमलों, अवरोधों की विभिन्न तकनीकों और कुछ परेशानी वाली स्थितियों से निपटने के तरीकों का प्रदर्शन किया, जिसके बाद तकनीकों के प्रदर्शन और अभ्यास में छात्रों की भागीदारी हुई।

सम्मान/गौरव

डॉ. जयंती. एस ने एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया और इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा 6 नवंबर 2022 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "विशेष रूप से विकासशील बच्चों की तुलना में एडीएचडी वाले बच्चों की मांसपेशियों की सहनशक्ति, लचीलेपन और एरोबिक क्षमता पर स्कूल आधारित व्यायाम की प्रभावशीलता" विषय के लिए व्यावसायिक श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

डॉ. जयंती. एस को "डायाफ्रामिक श्वास, पेल्विक फ्लोर नियंत्रण और पीठ दर्द-क्या हमने इसके पुनर्वास में महत्त्वपूर्ण योगदानकर्ताओं को नजरअंदाज कर दिया है?" शीर्षक पर एक व्याख्यान देने के लिए 30 अप्रैल 2022 को चेन्नई में आयोजित सिप्कॉन पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया गया।

डॉ. जयंती. एस को 11 सितंबर 2022 को ज्योति नगर पुलिस वेलफेयर एसोसिएशन में इंडियन एसोसिएशन

ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा आयोजित "पुलिस अधिकारियों के लिए एर्गोनोमिक सलाह और रणनीतियों" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

30 अप्रैल 2022 को चेन्नई में आयोजित सोसायटी ऑफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट के छठे वार्षिक सम्मेलन के दौरान डॉ. मानसी मित्तल ने "भारतीय छात्र जीवन के सामाजिक और शैक्षिक पहलुओं पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. निधि सिंह (आर्मस्कॉनऋत्र) ने 14 अक्तूबर 2022 को रोहतक में आयोजित 8वें वार्षिक रोहतक मेडिकल छात्र सम्मेलन के दौरान 'असेसमेंट ऑफ गैट' पर एक दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया। उन्हें मई 2022 में चेन्नई में आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन, सिप्कॉन में "क्लिनिकल गैट विश्लेषण: कम तकनीक और उच्च तकनीक रणनीतियाँ" शीर्षक से व्याख्यान देने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

24 मार्च 2023 को ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित सोसायटी ऑफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट के 7वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ. संपदा जहागीरदार को "गिरने के डर में शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारकों का महत्त्वपूर्ण योगदान" शीर्षक पर एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

मार्च 2023 में ओडिशा में आयोजित सोसाइटी ऑफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट के 7वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान डॉ. प्रेरणा मोहन सक्सेना को "पुरानी मधुमेह रोगियों में वेस्टिबुलोपैथी से जुड़ी संतुलन समस्याओं का प्रबंधन" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

सबसे मेधावी छात्र का 'पीयूष त्रिवेदी' पुरस्कार बीपीटी चतुर्थ वर्ष की सुश्री आयुषी गोयल को प्रदान किया गया।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की मेधावी छात्रा के लिए 'कौशल्या मेहता' पुरस्कार बीपीटी द्वितीय वर्ष की सुश्री इशिता को प्रदान किया गया।

'डॉ. कमला और जी.एच. एमपीटी-मस्कुलोस्केलेटल और न्यूरोलॉजी में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए गिडवानी पुरस्कार क्रमशः सुश्री सोनाली तुषारमेर और सुश्री स्नेह को प्रदान किया गया।

एमपीटी (मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी) की सुश्री शिवानी आहूजा और बीपीटी की सुश्री मृदुला दुआ को 4 सितंबर 2022 को महाराजा हॉल, संतोष डीम्ड यूनिवर्सिटी, प्रताप विहार, गाजियाबाद में फिजियोथेरेपी सम्मेलन में मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी छात्र के रूप में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक कलाकार का पुरस्कार मिला।

प्रकाशन

मीना, आर.एल., कुमार, टी., सिंह, एस. (2022)। हेमिप्लेजिक कंधे के दर्द में शारीरिक थेरेपी:एक व्यवस्थित समीक्षा। *जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च*, 16(4):1-5.

जहांगीरदार, एस., बंसल, के., पाराशर, आर.के. (2022)। भारतीय प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में आत्म-सम्मान, आत्म-अवधारणा और दिव्यांगता के प्रति दृष्टिकोण पर समग्र दृष्टिकोण के साथ समावेशी शिक्षा का प्रभाव। शैक्षिक विकास उन्नत अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(5), 14-24.

गुप्ता, एस., बंसल, के., सक्सेना, पी. (2022)। नींद की गड़बड़ी वाले वृद्ध वयस्कों में नींद की गुणवत्ता और जीवन की गुणवत्ता पर एरोबिक प्रशिक्षण और प्रतिरोध प्रशिक्षण के प्रभावों की तुलना करने के लिए एक नैदानिक परीक्षण। निद्रा विज्ञान, 15(2), 188-195.

सिंह, एन., गुगनानी, ए., पाराशर, आर.के. (2022)। संज्ञानात्मक घाटे की रिपोर्टिंग करने वाले कैंसर उत्तरजीवी के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास के लिए एक रूपरेखा: एक व्यवस्थित समीक्षा। *न्यूरोक्वांटोलॉजी*, 20(10), 9432-9442.

सिंह, एन., गुगनानी, ए., पाराशर, आर.के. (2023)। भारतीय कैंसर सर्वाइवोरुपए न्यूरोक्वांटोलॉजी में पोस्ट-कीमोथेरेपी से जुड़े जीवन की गुणवत्ता में कमी का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, 21(1), 626-632.

सेठी, पी, देश, डी., छाबड़ा, एम., सम्पदा, एस. जे., नंदिनी, डी.। (2023)। तृतीयक देखभाल अस्पताल में SARS-CoV-2 से संक्रमित स्वास्थ्य कर्मियों के बीच संक्रमण संचरण कारक और उनकी धारणा। *इंडियन एकेडमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन*, 24(1), 6-11.

सिंह, एन., गुगनानी, ए., पाराशर, आर.के., मेहता, पी., शंकर सूद, एस. (2022)। कैंसर से बचे लोगों में कीमोथेरेपी प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी के व्यक्तिपरक और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के बीच तुलना: एक केस स्टडी। *जर्नल ऑफ़ फार्मास्युटिकल नेगेटिव रिजल्ट्स*, 15(5), 2503-2505.

बंसल, के., सक्सेना, पी.एम. (2022)। एक प्रश्नावली का विकास और सत्यापन-दिल्ली एनसीआर में फिजियोथेरेपिस्टों के बीच चिकित्सीय अल्ट्रासाउंड के बारे में उपयोग पैटर्न और मान्यताओं का पता लगाना। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च आर्काइव*, 10(2), 321-325.

जयंती, एस., पाराशर, आर.के. (2022)। पॉली सिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से ग्रस्त शहरी महिलाओं की व्यापकता निर्धारित करने के लिए एक स्क्रीनिंग टूल का विकास और सत्यापन। *जर्नल ऑफ़ सोसाइटी ऑफ़ इंडियन फिजियोथेरेपिस*, 6(2), 77-78.

शोध-परियोजनाएं

2021-2023 में "युवा वयस्कों में स्थिर और गतिशील संतुलन के साथ मुख्य मांसपेशियों के प्रदर्शन का संबंध" शीर्षक वाली परियोजना। प्रमुख जांचकर्ता डॉ. तरूण कुमार, डॉ. जयंती एस, और डॉ. निधि सिंह हैं।

2022-2023 में "समीपस्थ शक्ति की कमी की व्यापकता और घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस पर संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकारिता" शीर्षक वाली परियोजना। प्रमुख जांचकर्ता डॉ. तरूण कुमार, डॉ. संदीप सिंह, डॉ. राजू के पाराशर हैं।

2022-2023 में "स्कैपुलर डिस्केनेसिया वाले और बिना व्यक्तियों में हाथ पकड़ने की गतिविधि के दौरान स्कैपुलर मांसपेशियों का ईएमजी विश्लेषण: एक तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक वाला परियोजना। प्रमुख जांचकर्ता डॉ. जयंती एस, डॉ. आशीष यादव और डॉ. अवनी जोशी हैं।

2022-2023 में "एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया और एलोपेसिया एरीटा वाले व्यक्तियों के बीच बाल विकास पर निम्न स्तर की लेजर थेरेपी की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" शीर्षक वाली परियोजना। प्रमुख जांचकर्ता डॉ. आशीष यादव, डॉ. संजीब कुमार दास, डॉ. राजू के पाराशर हैं।

2022-2023 में "वेस्टिबुलर डिसफंक्शन वाले मधुमेह रोगियों में संतुलन पर गैल्वेनिक वेस्टिबुलर उत्तेजना (जीवीएस) और वेस्टिबुलर पुनर्वास अभ्यास की प्रभावकारिता" नामक परियोजना। प्रमुख जांचकर्ता डॉ. प्रेरणा मोहन सक्सेना हैं।

आयोजित संगोष्ठी

16 मार्च 2023 को पं. दीनदयाल उपाध्याय के सहायक प्रोफेसर डॉ. के. रामप्रभु द्वारा 'साइरैक्स दृष्टिकोण की मूल अवधारणा, मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

16 मार्च 2023 को स्कूल ऑफ फिजियोथेरेपी, डीपीएसआरयू की एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. शिल्पा जैन द्वारा 'खेल चोटों में उपचार' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

'सेंसरी इंटीग्रेशन, न्यूरोलॉजिकल फिजियोथेरेपी' शीर्षक पर डॉ. नलिना गुप्ता, प्रोफेसर, महाविद्यालय ऑफ फिजियोथेरेपी, सुमनदीप विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा 17 मार्च 2023 को संगोष्ठी आयोजित की गई।

1 अप्रैल 2022 को डॉ. गौतम पिडापार्थ द्वारा 'कनाडा में आप्रवासन के विभिन्न तरीके' शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

9 अप्रैल 2022 को 'न्यूरोडेवलपमेंट डिसएबिलिटीज में वेस्टिबुलर और विजुअल सिस्टम की भूमिका को समझना' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका संचालन डॉ. आशा चिटनिस ने किया।

13 मई 2022 को डॉ. अमित शर्मा द्वारा 'मल्टीपल इंटेलिजेंस का उपयोग करके प्रभावी शिक्षण वातावरण बनाना' विषय पर सिप्टाल्क का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. जयंती. एस ने 6 नवंबर 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में "सर्विकोजेनिक वर्टिगो के इलाज के लिए मैटलैंड और मुलिगन की मैनुअल थेरेपी तकनीक की तुलना-एक कथात्मक समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जयंती. एस ने 6 नवंबर 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में "कोविड-19 महामारी में महाविद्यालय के छात्रों की शारीरिक फिटनेस का मूल्यांकन करने के लिए" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जयंती. एस ने 6 नवंबर 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में "बुजुर्गों में संतुलन पर डब्ल्यूबीवीटी का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जयंती. एस ने 6 नवंबर 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में "सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में शारीरिक गतिविधि और फिटनेस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जयंती. एस ने 6 नवंबर 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में "भौतिक चिकित्सा के साथ स्तन कैंसर से आगे बढ़ना: एक कथात्मक समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जयंती. एस ने 6 नवंबर 2022 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में "फिजियोथेरेपी में ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस का महत्त्व-एक कथात्मक समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 70%

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

इंटर्नशिप छात्रों के साथ समुदाय आधारित फिजियोथेरेपी शिविर आयोजित किए गए। शिविर पूर्वी दिल्ली के विभिन्न आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर इलाकों में आयोजित किए गए और प्रतिक्रिया उत्कृष्ट रही। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल चार शिविर आयोजित किये गये। वहाँ पचास से अधिक मरीज़ थे जिनका मूल्यांकन किया गया और उपचारात्मक घरेलू व्यायाम निर्धारित किए गए।

इस शैक्षणिक सत्र 2022-23 में निम्नलिखित शिविर आयोजित किए गए।

21 मई 2022 को विश्वास नगर, दिल्ली में निःशुल्क हड्डी एवं जोड़ जागरूकता शिविर।

30 जुलाई 2022 को नंद नगरी, दिल्ली में अस्थि स्वास्थ्य जागरूकता शिविर।

3 सितंबर 2022 को नाथू कॉलोनी, शाहदरा, दिल्ली में महिला स्वास्थ्य जागरूकता शिविर।

10 सितंबर 2022 को जगतपुरी, दिल्ली में फिजियोथेरेपी जागरूकता शिविर।

महाविद्यालय ने 8 सितंबर 2022 को अमर ज्योति स्कूल, दिल्ली में शारीरिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

किया और 17 सितंबर 2022 को दिल्ली के विवेकानंद स्कूल में भी एक शारीरिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 4554

बीपीटी अतिरिक्त पुस्तकें: 41

जर्नल की संख्या: 6

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 14

***

आर्यभट्ट महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

शैक्षणिक वर्ष 2014-15 में स्थापित, आर्यभट्ट महाविद्यालय भारत में उच्च शिक्षा का एक उदियमान संस्थान है। दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय, इसका नाम सबसे पहले भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर उनके अद्वितीय गणितीय और खगोलीय योगदान के साथ-साथ उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण के सम्मान में रखा गया है।

अपने बहुमूल्य आदर्श वाक्य पर खरा उतरते हुए, महाविद्यालय समर्पित रूप से एक ऐसे शैक्षिक स्थान के निर्माण की दिशा में काम कर रहा है जो अनुभवजन्य ज्ञान के संपूर्ण प्रसार में विश्वास करता है। सुरम्य अरावली पर्वतमाला के बीच स्थित, आर्यभट्ट महाविद्यालय को अपने शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों में अपनी उपलब्धियों के लिए विशिष्ट रूप से पहचाना जा रहा है। पूरे वर्ष आयोजित होने वाले असंख्य सांस्कृतिक और खेल आयोजनों में छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से उनका समग्र विकास होता है। महाविद्यालय के बढ़ते संकाय सदस्यों में से अनेक प्रतिष्ठित लेखक और प्रमुख शोधकर्ता हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

वर्ष 2022-23 के दौरान महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर सुधार देखा गया। निर्माणाधीन स्थायी शैक्षणिक और कार्यालय भवनों पर तीन अतिरिक्त मंजिलें बनाई गईं। आंतरिक कार्य चल रहे हैं, और ये भवन अगले शैक्षणिक सत्र के दौरान उपयोग में आएगें। कुछ अतिरिक्त कार्यों में शामिल हैं: 180 किलोवाट बिजली पैदा करने की क्षमता वाला सौर ऊर्जा संयंत्र, दोनों भवनों के लिए एक-एक एलिवेटर, खेल मैदान की रीमॉडलिंग, कैंटीन भोजन क्षेत्र पर एक छत और डिजाइनिंग और छात्र गतिविधि कक्ष का निर्माण. अन्य संवर्धन में एक इन्क्यूबेशन सेंटर, एक भाषा प्रयोगशाला-सह-रिकॉर्डिंग कक्ष और एन.सी.सी. और

एन.एस.एस. के लिए नामित एक कमरे का निर्माण शामिल है।

एनएएसी मूल्यांकन के पहले चक्र में महाविद्यालय को चार-बिंदु पैमाने पर 3.38 के सीजीपीए के साथ ए+ क्रेडिट दिया गया था।

इंडिया टुडे रैंकिंग 2022 के अनुसार महाविद्यालय को भारत के शीर्ष 100 महाविद्यालयों में स्थान दिया गया है: बी.एससी. के लिए 77वां कार्यक्रम, कला कार्यक्रम के लिए 78वां और वाणिज्य कार्यक्रम के लिए 82वां।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की प्रतिष्ठित पहल के तहत महाविद्यालय को दो वर्ष के लिए भारतीय भाषाओं के केंद्रों में से एक - 'सिंधी भाषा केंद्र' के रूप में चुना गया है।

सात दिल्ली बीएन एन.सी.सी. की दो प्लाटून (108 सीटें) आर्यभट्ट महाविद्यालय को प्रदान की गईं।

आईजीएनसीए और उसके साझेदारों ने आजादी का अमृत महोत्सव परियोजना के लिए आईजीएनसीए और आर्यभट्ट महाविद्यालय के बीच अनुसंधान साझेदारी के बदले में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, आर्यभट्ट महाविद्यालय को एक 'छात्र गतिविधि केंद्र' उपहार में दिया। की।

महाविद्यालय को अनस्टॉप अवार्ड्स द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय जागरूकता के लिए 10वें सर्वश्रेष्ठ महोत्सव का दर्जा दिया गया है।

आर्यभट्ट महाविद्यालय एक प्रकाशन गृह के रूप में मान्यता प्राप्त है।

सम्मान/गौरव

गौरव प्राप्त छात्र

छात्रों का नाम	**कक्षा**
वैभव महेश्वर कंप्यूटर साइंस	बी.एससी. (ऑनर्स)
गायत्री वेमुरी	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
शुभम सहगल	बी.कॉम.(ऑनर्स
खुशी सिंघल	बीएमएस (प्रबंधन अध्ययन स्नातक)
तान्या यादव	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित

डॉ. देवेन्द्र सिंह को महाविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया और बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में भी चुना गया।

डॉ. विभूति गौड़ का चयन इग्नू में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर हुआ।

डॉ. शिव पूजन पाठक प्रतिनियुक्ति के आधार पर डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार में शामिल हुए।

सुश्री आकांक्षा सिंह को वर्ष 2022 में एक जर्नल प्रकाशन के लिए 15 मार्च 2023 को इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 50,000/- रुपये के सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. संगीता कुमारी को उनके शोध "दिल्ली में महिला शिक्षा का विकास 1911-47" के लिए जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू द्वारा शारदा पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

डॉ. शिवानी रहेजा को जुलाई 2022 में दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2022 के लिए अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए मानद स्टार पूर्व छात्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. रुचि शर्मा को नीति आयोग के साथ पंजीकृत रत्नाकर प्रसाद एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा 'कॉमर्स में इंजिनियस रिसर्च स्कॉलर' का पुरस्कार मिला।

डॉ. रुचि जैन को स्कॉलर्स एकेडमिक एंड साइंटिफिक सोसाइटी (एसएएस), गुवाहाटी द्वारा वर्ष 2022 की सर्वश्रेष्ठ महिला संकाय से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट प्राप्त छात्र

छात्रों के नाम	**कक्षा**
तान्या यादव	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित
वैभव महेश्वर कंप्यूटर साइंस	बी.एससी. (ऑनर्स)
गायत्री वेमुरी बी	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
शुभम सहगल	बी.कॉम.(ऑनर्स)
खुशी सिंघल	बीएमएस (प्रबंधन अध्ययन स्नातक)

प्रकाशन

'डॉ बी आर अंबेडकर पर दक्षिण पंथी इक्षिहासलेखन : अरुण शौरी का एक आलोचनात्मक अध्ययन. *शोध डीआर इशि*।

आहूजा, ओ., सेटिन्काया, ए., जैन, एन.के. (2022) मित्तग-लेफ़लर ऑपरेटर बाज़िलेविक फ़ंक्शंस के कुछ

उपवर्गों से जुड़ा हुआ है। गणित का जर्नल. 1-7.

कुमार, एस., प्रसाद, आर.पी., निशाद, सी., तिवारी, ए. (2023)। स्लाइडिंग मोड नियंत्रण तकनीकों को लागू करने वाले जेनेसियो-टेसी सिस्टम का विश्लेषण और कैओस सिंक्रोनाइज़ेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डायनेमिक्स एंड कंट्रोल, 11, 656-665.

खान, आई., कुमार, एन. (2023)। रिग्रेट थ्योरी के साथ हेसिटेंट फ़ज़ी लिंग्विस्टिक मैट्रिक्स गेम को हल करना। दानेदार कंप्यूटिंग. 8(6):1-16.

कुमारी, एस. (2023)। उन्नीसवीं सदी में ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से औपनिवेशिक शिक्षा को प्रासंगिक बनाना: संस्थाएँ और नीतियाँ। दक्षिण एशिया का इतिहास और समाजशास्त्र। 15(1-2).

कुमार, पी. (2023)। 'डॉ. बी.आर. कॉमरेड साउथ पंथी इशिहासलेखन पर: अरुण शौरी का एक आलोचनात्मक अध्ययन। शोध दृष्टि.

सिंह, वी., प्रसाद, आर.बी. (2022)। सोशल मीडिया की लत, आत्मसम्मान और खोने के डर के बीच संबंध। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 2(10)।

सिन्हा, एम., सांगवान, टी. (2022)। भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम का तुलनात्मक विश्लेषण: जलवायु परिवर्तन में भारत का बढ़ता नेतृत्व (1750 - 2020)। प्रबंधन: इंडियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 15(9)।

शर्मा, एम., कुमार, एस., जैन, एन.के. (2022)। स्वीकार्यता शर्तों का उपयोग करते हुए सकारात्मक वास्तविक भाग वाले कार्यों के लिए विभेदक अधीनता। एशियाई-Eur. जे. गणित, 15 (04), 2250066.

थांगबियाकचिंग. (2022)। वजन घटाने के लिए माइंडफुलनेस-आधारित मध्यवर्तन: साहित्य की समीक्षा। *जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिसर्च,* 17(2), 359-370.

जर्नल

माइंड ओवर मैटर - जर्नल प्रतिवर्ष प्रकाशित होता है।

शोध-परियोजनाएं

मंजूर/दायर पेटेंट

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस स्कीम के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2,00,000/- रुपये की लागत से स्वीकृत परियोजना।

'वित्तीय धोखाधड़ी पूर्वानुमान के लिए एक मशीन लर्निंग फ्रेमवर्क' नामक परियोजना को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा 2022 में 5,00,000/- रुपये में मंजूरी दी गई थी।

मंजूर/दायर पेटेंट

बुद्धिमान वित्तीय जोखिम: वर्ष 2022-23 के दौरान कर्नेल फ़ंक्शन समायोजन एल्गोरिदम और डेटा डिजिटलीकरण का उपयोग करके प्रारंभिक चेतावनी मॉडल विकास।

आयोजित संगोष्ठी

14 मार्च 2023 को बी-आर्टसी की संस्थापक सुश्री शिखा मित्तल द्वारा 'वित्तीय साक्षरता' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

'केंद्रीय बजट: एक अर्थशास्त्री परिप्रेक्ष्य' नामक संगोष्ठी का आयोजन 16 फरवरी 2023 को क्वांटइको रिसर्च की अर्थशास्त्री सुश्री युविका सिंघल द्वारा किया गया।

'मीडिया की विकसित भूमिका: अवसर और मशीन लर्निंग की चुनौतियाँ' नामक संगोष्ठी का आयोजन 15 जून 2022 को शहरी अपडेट की पत्रकार सुश्री पूजा उपाध्याय द्वारा किया गया।

'परिमित से अनंत क्षितिज तक असतत समय में इष्टतम नियंत्रण समस्याएं, असतत समय में इष्टतम नियंत्रण समस्याएं और विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग' शीर्षक वाला संगोष्ठी का आयोजन 20 फरवरी 2023 को पोलैंड विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त गणित और यांत्रिकी संस्थान के प्रो. अग्निज़्का विस्ज़्निवस्का द्वारा किया गया।

13 दिसंबर 2022 को श्री मुकुल कानिटकर द्वारा 'विश्व गुरु भारत-समकालीन भारत के लिए मध्यवर्तन और नवाचार विकसित करने में भारतीय ज्ञान का उपयोग' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

सुश्री आकांशा सिंह ने गणित विभाग, हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता, भारत और ऑपरेशनल द्वारा 'ऑप्टिमाइजेशन, लर्निंग एंड एनालिटिक्स इन बिजनेस' विषय पर रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (कोलकाता चैप्टर) द्वारा 15-17 दिसंबर 2022 तक आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फर्मेशियन फजी नंबरों के साथ परिवहन समस्या को हल करने पर' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

श्री बिनॉय भूषण अग्रवाल ने 7-8 जुलाई, 2022 को जर्मनी के ट्रायर विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर पोस्टकोलोनियल एंड जेंडर स्टडीज में आयोजित इंटरडिसिप्लिनरी कोलोक्वियम के दौरान 'टॉक्सिक सेल्फ: रेस, जेंडर एंड वायलेंस इन विलियम फॉल्कनर ड्राई सितंबर' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कृष्ण मुरारी ने 13-14 दिसंबर 2022 के दौरान महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'विश्व गुरु भारत: समकालीन दुनिया के लिए मध्यवर्तन और नवाचारों के विकास में भारतीय ज्ञान का उपयोग' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बौद्ध धर्म' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

27-28 फरवरी, 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा 'विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग आईसीएए 2023' पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. गुफरान

मलिक ने 'बीटा प्रकार स्ज़ाज़ मिराकियन ऑपरेटर्स पर कुछ प्रत्यक्ष प्रमेय' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. राजेंद्र दयाल ने 'विभाजन के बाद का भारत: अंबेडकर की राष्ट्र की कल्पना और सावरकर का स्वराज' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 22 फरवरी 2023 को डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र द्वारा आयोजित बी.आर.अम्बेडकर: विभाजन के संदर्भ, कारण, परिणाम और समकालीन भारत के लिए चुनौतियाँ'।

डॉ. सतीश कुमार झा ने 29 अगस्त 2022 को सीपीआर-सीएसएच सीएसडीएस द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में 'फेडरल प्रेडिकेमेंट या कंसोसिएशनल होप: डिकोडिंग नेशन-डेमोक्रेसी डायलॉग इन इंडिया' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. थांगबियाकचिंग ने महाविद्यालय द्वारा आयोजित विश्व गुरु भारत- समकालीन विश्व के लिए मध्यवर्तन और नवाचार के विकास में भारतीय ज्ञान का उपयोग' विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्वास्थ्य संवर्धन और मध्यवर्तन में योग और ध्यान: एक साहित्य समीक्षा' शीर्षक से 13 दिसंबर 2022 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. वर्षा सिंह ने महाविद्यालय द्वारा 13 दिसंबर 2022 को आयोजित विश्व गुरु भारत- समकालीन विश्व के लिए मध्यवर्तन और नवाचार के विकास में भारतीय ज्ञान का उपयोग विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अविद्या से मोक्ष-यौगिक और वेदांतिक दृष्टिकोण से सीखना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शिवानी रहेजा ने 'उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यवसाय, सतत नवीन व्यावसायिक प्रथाओं और सामाजिक कल्याण' विषय पर दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन के दौरान 'दिल्ली विश्वविद्यालय के चुनिंदा उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों की आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता, खुशी और सफलता' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। कॉन्फैब 360 डिग्री और स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा सह-संगठित और 10-11 दिसंबर 2022 को आयोजित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

आजादी का अमृत महोत्सव परियोजना के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के बीच अनुसंधान साझेदारी के लिए भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आर्यभट्ट महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 5-10 दिसंबर 2022 तक 'आधुनिक युग में वैदिक गणित का महत्त्व' पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित

किया।

रोटारैक्ट क्लब ऑफ दिल्ली, पेगासस के सहयोग से निब्स एंड ब्रशेज ने एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसने एक गैर-लाभकारी संगठन 'सर्वहिताय' के साथ भी हाथ मिलाया, जो वंचित बच्चों के कल्याण के लिए काम करता है और बच्चों के लिए एक सुंदर और आकर्षक वातावरण बनाने में मदद करने के लिए एनपीओ में बच्चों के पुस्तकालय की दीवारों को पेंट करने में मदद की। सोसायटी ने एक बड़ा योगदान दिया और आईजीएनसीए द्वारा 'दीपोत्सव' नामक तीन दिवसीय उत्सव के लिए आमंत्रित किया गया।

ए.पी.जे. इंस्टीट्यूशन ऑफ मास कम्युनिकेशन (एआईएमसी) के सहयोग से फोटोग्राफी सोसायटी पिकविक द्वारा फिल्म निर्माण पर एक कार्यशाला आयोजित की गई और आईजीएनसीए के तत्वावधान में तीन दिवसीय महोत्सव आयोजित किया गया, जिसके तहत सोसायटी को दीपोत्सव आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

नियोजन के लिए आने वाली कंपनियों की कुल संख्या: 40

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय ने मनोविज्ञान विभाग के तहत सहकर्मी-सहायता कार्यक्रम - सहायताना शुरू किया है जहां छात्रों को सहकर्मी समर्थक बनने और महाविद्यालय में संकटग्रस्त छात्रों की मदद करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है।

महाविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में कैंपस में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की विधिवत स्थापना की है और कैंपस में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को तैयार करने और चलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देवेन्द्र सिंह ने एक श्रीमती पिस्ता देवी मेमोरियल फ़ेलोशिप की स्थापना की। और आर्यभट्ट महाविद्यालय के एंडोमेंट फंड में तीन लाख रुपये की राशि का योगदान दिया, जो सभी के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 84

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

कुल स्वीकृत अनुदान रूपये 44,49,21,000/-

कुल उपयोग रुपये में 31,03,90,117/-

***

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

आत्मा राम सनातन धर्म (एआरएसडी) महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक सह-शैक्षणिक घटक महाविद्यालय, 3 अगस्त 1959 को दिल्ली स्थित सनातन धर्म सभा द्वारा स्थापित किया गया था। दूरदर्शी श्री मेला राम जग्गी, श्री गंगा राम गुजराल श्री लाला देवी दित्ता शाह तलवार और श्री आत्मा राम चड्ढा वर्ष 1968 में महाविद्यालय शासी निकाय के सदस्य थे। एआरएसडी महाविद्यालय एक प्रतिष्ठित संस्थान है जिसने शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मान्यता अर्जित की है। उत्कृष्टता, समानता और समावेशिता महाविद्यालय के संस्थापक सिद्धांत हैं। अपनी स्थापना के बाद से साठ वर्षों के दौरान, एआरएसडी ने एक प्रगतिशील और समतावादी समुदाय के निर्माण पर जोर दिया है जो निरंतर सुधार पर केंद्रित है। पिछले कुछ वर्षों में महाविद्यालय की तेजी से वृद्धि टिकाऊ और आत्मनिर्भर प्रणालियों की सुविधा की दिशा में हुई है। इसलिए, महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना और महाविद्यालय के सभी सदस्यों के लिए बाधा मुक्त, गैर-भेदभावपूर्ण और सहायक पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करना एआरएसडी महाविद्यालय की प्राथमिकता है। महाविद्यालय का आदर्श वाक्य, तेजस्वी-नाव-अधितम-अस्तु, तैत्तिरीय उपनिषद से लिया गया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय A++ से मान्यता प्राप्त है और एनएएसी द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में उच्चतम स्कोर 3.77 है। महाविद्यालय हमारे शिक्षाविदों के सभी पहलुओं में कठोर गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में बहुत गर्व महसूस करता है।

एआरएसडी ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा एनआईआरएफ 2023 में भी अखिल भारतीय 6वीं रैंक प्राप्त की है। हमारी मान्यता और एनआईआरएफ रैंकिंग में निरंतर वृद्धि एक बेहतर शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए हमारे अटूट समर्पण के प्रमाण के रूप में काम करती है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर सुनीता भगत को मार्च 2023 में दिल्ली विश्वविद्यालय से 'शिक्षण और अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। उन्हें 2022 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस के फेलो के रूप में भी चुना गया है।

डॉ. अंजलि शर्मा कौशिक को दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022 द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस के फेलो के रूप में चुना गया।

डॉ. अचिंगलिउ कामेई पूरे 2023 में अनेक मैराथन और दौड़ों में एक चैंपियन धावक और समर्पित सलाहकार

रहे हैं। इफको टोकियो में शीर्ष तीन स्थानों के साथ-साथ सनडाउन रन, द्वारका हाफ मैराथन में अपने आयु वर्ग में दो बार प्रथम पुरस्कार विजेता रहे हैं। स्टारी नाइट्स मैराथन और न्यू गुरुग्राम हाफ मैराथन। दौड़ से परे, डॉ. कामेई को 2022 में डॉ. सर्वपाली राधाकृष्णन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

डॉ. अशोक को एक वर्ष की अवधि के लिए एनसीटी दिल्ली सरकार के ओबीसी आयोग की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। वह पीएच.डी. के दौरान । वर्ष 2022 के लिए अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली में सराहनीय अनुसंधान के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं।

15 अक्तूबर 2022 को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्मदिन के अवसर पर श्री दिलीप कुमार गुप्ता को थमित्ज़ अमुथु ट्रस्ट द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2022' से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. के हिमांशु नडाल (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष के पैरा एथलीट को महाविद्यालय द्वारा 10,000/- रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उन्हें वर्ष के 'सर्वश्रेष्ठ खेल व्यक्ति' के रूप में मान्यता दी गई।

बी.एससी. के सुदीप्तो घोष, कंप्यूटर विज्ञान (ऑनर्स) तृतीय वर्ष को विश्वविद्यालय सेमेस्टर परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए 99वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. के हर्ष दहिया, रसायन विज्ञान (ऑनर्स) के साथ भौतिक विज्ञान को भारतीय सेना में कमीशन अधिकारी के रूप में चुना गया है, 2023 में पहली रैंक प्राप्त की।

बी.एससी. के लकी शर्मा। (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस को 2022-23 में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में चुना गया।

प्रकाशन

विश्वकर्मा, वी.के., सिंह, एम.बी., जैन, पी., कुमारी, के., सिंह पी. (2022)। प्लिटाइडेप्सिन द्वारा सारस-कोव-2 के मुख्य प्रोटीज पर आघात: आणविक डॉकिंग और तापमान पर निर्भर आणविक गतिशीलता सिमुलेशन। अमीनो एसिड, 54(2), 205-213.

कुमार, ए., कुमार, डी., कुमार, आर., सिंह पी., चंद्रा, आर., कुमारी, के. (2022)। नोस्कैपिन और पुनर्उपयोगी दवाओं के डिज़ाइन किए गए संयुग्मों का डीएफटी और डॉकिंग अध्ययन: SARS-CoV-2 और फाल्सीपन-2 के मुख्य प्रोटीज के आशाजनक अवरोधक। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 40(6), 2600-2620.

यादव, एस., रमन, ए.पी.एस., मीना, एच., गोस्वामी, ए.जी., भावना, कुमार, वी., जैन पी., कुमार, जी., सागर एम., राणा, डी.के., बहादुर आई., सिंह पी. (2022). ग्राफीन ऑक्साइड पर एक अद्यतन: अनुप्रयोग और विषाक्तता। एसीएस ओमेगा, 7(40), 35387-35445.

शिवेश, के., आलम, आई., कुशवाह, ए.के., कुमार, एम., सिंह, एस.वी. (2022)। चार्ज ट्रांसपोर्ट लेयर के रूप में ला-डोप्ड बसनो3 और क्यूएसबी2 के साथ सीएस2 तिब्र 6-आधारित पेरोव्स्काइट सौर सेल के सैद्धांतिक प्रदर्शन की जांच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनर्जी रिसर्च, 46(5), 6045-6064.

राज, ए., कुमार, एम., कुमार, ए., लारेफ ए., अंशुल ए. (2022)। सौर सेल अनुप्रयोगों के लिए सीसा रहित डबल पेरोव्स्काइट सीएस2अगबिब्र6 सामग्री की क्षमता की जांच: एक सैद्धांतिक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनर्जी रिसर्च, 46(10), 13801-13819.

भावना, कुमार, एस., शर्मा, आर., गुप्ता, ए., त्यागी, ए., सिंह, पी., कुमार, ए., कुमार, वी. (2022)। टिकाऊ एच2जनरेस्नोशन और कीटनाशकों के उपचार के लिए स्नो2-आधारित इंजीनियर्ड नैनोकणों में हालिया अंतर्दृष्टि। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 46(9), 4014-4048.

चांदेकर, के.वी., शकीर, एम., यादव, एस.पी., बेहेरा, पी.के., अलफैफी, एस. (2022)। फ्लैश दहन मार्ग द्वारा एमएन-डोप्ड जेएनओ नैनोकणों का आसान संश्लेषण और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए उनके लक्षण वर्णन। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 33(7), 3849-3869.

सादिक, एम., खान, एम.ए., हसन रज़ा, एम.एम., आलम, एस.एम., जुल्फेक्वार, एम., अली जे. (2022)। सीएनटी-आधारित पीवीए-पीईजी पॉलिमर ब्लेंड कंपोजिट के इलेक्ट्रोकेमिकल स्थिरता विंडो और विद्युत गुणों में वृद्धि। एसीएस ओमेगा, 7(44), 40116-40131.

भारती, कुमार, वाई., गुप्ता, एम., शर्मा, एस. (2022)। सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए शुद्ध और कार्यात्मक एनवी2C और टी2सी एमसीन्स की क्वांटम कैपेसिटेंस का अध्ययन। ईसीएस लेनदेन, 107(1), 1751-1760.

पतंजलि, पी., मंडल, ए., चोपड़ा, आई., सिंह आर. (2022)। बायोपॉलिमर-बेंटोनाइट कंपोजिट पर धनायनित रंगों का अवशोषण: कैनेटीक्स और इज़ोटेर्म अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एनालिटिकल केमिस्ट्री, 102(19), 8467-8489।

शोध-परियोजनाएं

परियोजना का शीर्षक 'भविष्यवाणी ऑनलाइन उत्तल अनुकूलन' है और 2022-25 के लिए एसईआरबी-विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त-पोषित और 22.70 लाख रुपये की स्वीकृत राशि।

परियोजना का शीर्षक है 'एरोमैटिक और हेटरोमेट्रिक प्रीकर्सर्स के रेजियोसेलेक्टिव सी-एच फंक्शनलाइजेशन के लिए नई रणनीतियाँ' और 2021-24 के लिए एसईआरबी-डीएसटी द्वारा वित्त-पोषित और 42.44 लाख रुपये की स्वीकृत राशि।

परियोजना का शीर्षक 'गांधी के बुनियादी स्कूल को संग्रहित करना: एक समावेशी और टिकाऊ स्कूल प्रणाली की ओर' है और इसे वर्ष 2022 के दौरान स्टार इनोवेशन परियोजना, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त-पोषित किया गया और 18.25 लाख रुपये की स्वीकृत राशि दी गई।

'सेंसर अनुप्रयोगों के लिए मैंगनीज-फेराइट नैनोकम्पोजिट की तैयारी' शीर्षक वाली परियोजना और 2019-22 की अवधि के लिए सीएसआईआर-एचआरडीजी द्वारा वित्त-पोषित और 16.6 लाख रुपये की स्वीकृत राशि।

आयोजित संगोष्ठी

'भारत की धारणा: इतिहास, राजनीति और साहित्य' शीर्षक वाले अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का व्याख्यान प्रोफेसर दिनेश सिंह, चांसलर, के.आर. द्वारा किया गया। 23-24 फरवरी 2023 को अन्य प्रोफेसरों के साथ मंगलम विश्वविद्यालय।

आयोजित सम्मेलन

10 दिसंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के तुलनात्मक संघवादी अनुसंधान समूह, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, भारती महाविद्यालय और सत्यवती महाविद्यालय के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'संघवाद में रुझान: क्षितिज का विस्तार, नए इलाकों की खोज' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

15 मार्च 2023 को 'उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण' (ऑफ-2023) पर एक ऑनलाइन दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. अंजलि शर्मा कौशिक को 6 फरवरी 2023 को फिजिक्स सोसाइटी फेस्टिवल, कलिनिडी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के दौरान 'नैनोटेक्नोलॉजी पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण' शीर्षक से अपना काम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था

डॉ. अंजलि शर्मा कौशिक को इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसाइटी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई-) की एक्सएलआई वार्षिक बैठक में 'स्वयं-शक्ति उपकरणों के लिए इन2सी3 और बी2टी3 पतली फिल्मों पर आधारित कमरे के तापमान थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेटर' शीर्षक से

अपना काम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। 2023) भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 8-10 फरवरी 2023 तक आयोजित किया गया।

डॉ. प्रशांत सिंह ने 28-29 अप्रैल 2022 को इंजीनियरिंग में एडवांस कंप्यूटिंग और इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आइकेसिट 2022 में 'एक्स-रे छवियों के माध्यम से कोविड भविष्यवाणी और कोविड का पता लगाना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

समावेशी दिव्यांगजन उद्यमी संघ (आईडीईए) के साथ समझौता-ज्ञापन: दिव्यांग छात्रों के लिए नियोजन कार्यशाला, परामर्श कार्यक्रमों और नौकरी मेलों में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय और समावेशी दिव्यांगजन उद्यमी संघ (आईडीईए), द्वारका के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

उपर्युक्त समझौता-ज्ञापन के अलावा, महाविद्यालय के अनेक सहयोग हैं।

डीबीटी विज्ञान केंद्र

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के साथ साझेदारी में नवाचार और उद्यमिता ल लीडरशिप केंद्र (सीआईईएल) ।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्टार महाविद्यालय योजना।

क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए एनपीसी, भारत सरकार।

बेकार कागजों के पुनर्चक्रण के लिए एनजीओ जागृति।

दिव्यांग छात्रों की बेहतरी के लिए सोसायटी फॉर डिसएबिलिटी एंड रिहैबिलिटेशन स्टडीज।

नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, बाराबंकी छात्रों और शिक्षकों को उनके तकनीकी कौशल और अनुसंधान स्वभाव को बढ़ाने के लिए अधिक अवसर प्रदान करेंगे।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 250

इंटर्नशिप के लिए नियोजित छात्रों की संख्या: 191

छात्रों का प्रतिशत: 9.86%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस नियोजन के लिए 97 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया।

कैंपस इंटर्नशिप के लिए 48 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया।

एक अलग नियोजन मेला आयोजित किया गया और 95 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

एन.एस.एस. नियमित रूप से स्वीप, एन.एस.एस. सप्ताह, स्वच्छता पखवाड़ा आदि जैसी सरकारी पहलों में भाग लेने के अलावा, राष्ट्रीय आपात स्थितियों के दौरान संवेदीकरण कार्यक्रम, दान अभियान, मुफ्त स्वास्थ्य जांच, जागरूकता कार्यक्रम, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, आपदा राहत गतिविधियों का आयोजन करता है। एन.एस.एस. ने कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन के सहयोग से "सेवादीप" पहल के तहत श्रीराम जेजे क्लस्टर को अपनाया है। स्वयंसेवकों ने उस झुग्गी बस्ती के पानी और स्वच्छता संबंधी मुद्दों पर एसडीएमसी अधिकारियों के साथ चर्चा की।

एक्टस एआरएसडी ने अपनी परियोजनाओं के माध्यम से 1500 से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित किया है और 8 उद्यमियों को तैयार किया है।

महिला विकास सेल ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से वार्षिक आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशालाओं, लिंग संवेदीकरण कार्यशालाओं और प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक-राजनीतिक, सांस्कृतिक और कानूनी मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करके छात्रों को सशक्त बनाया।

समान अवसर सेल (ईओसी) सभी के लिए बाधा मुक्त पहुंच सुनिश्चित करके कैंपस में समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन, हांगकांग के सहयोग से ईओसी छह दृष्टिबाधित छात्रों में से प्रत्येक को 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय ने एसडीरुपए के साथ अपने समझौता-ज्ञापन के हिस्से के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के दिव्यांग छात्रों को मोटर चालित व्हीलचेयर, स्कूटी और ऐप्पल मैकबुक एयर लैपटॉप वितरित किए।

ड्रामेटिक्स सोसाइटी ने नाटकों और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक मुद्दों का प्रदर्शन किया। रंगायन ने मलिन बस्तियों के बच्चों के लिए नुक्कड़ नाटक और थिएटर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

महाविद्यालय ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग आदि जैसे मुद्दों के समाधान के लिए उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के तहत दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पांच गांवों को गोद लिया है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक दोनों संसाधनों के लिए संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है। पाठ्य-पुस्तकों और अन्य पठन सामग्री के अलावा, पुस्तकालय में विश्वकोश, शब्दकोश, एटलस, वार्षिक पुस्तकें, हैंडबुक जैसे संदर्भ स्रोतों का एक बड़ा संग्रह भी है।

पुस्तकालय ने उपयोगकर्ता समुदाय की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष 2022-23 में विभिन्न विषयों में 1,617 पुस्तकें, 21 पत्रिकाएँ और 30 पत्रिकाएँ खरीदीं। पुस्तकालय में 1,23,590 (लगभग) पुस्तकों का विशाल संग्रह है। पुस्तकालय को विभिन्न संगठनों और संकाय सदस्यों आदि से उपहार में पुस्तकें भी प्राप्त हुईं।

प्रसार: लगभग 27,343 संपूर्ण छात्रों और संकाय सदस्यों ने पुस्तकालय का दौरा किया। पुस्तकालय में लगभग रिकॉर्ड किया गया। 2022-23 की अवधि के दौरान 18,879 पुस्तकें जारी की गईं और 17,947 पुस्तकें वापस आईं। इसमें छात्र सहायता कोष अनुभाग के अलावा एक अद्यतन पाठ्यपुस्तक अनुभाग भी है।

ऑनलाइन संसाधन: पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता प्राप्त विभिन्न ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। इसने इन्फ्लिबनेट के नेशनल पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन सर्विस अवसंरचना फॉर स्कॉलरली कंटेंट (एनलिस्ट) परियोजना की भी सदस्यता ली है। यह विभिन्न ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय ने ऑनलाइन संसाधनों के साथ-साथ संकाय और छात्रों को ऋण पर पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए डेवलपिंग पुस्तकालय नेटवर्क (डेलीनेट) के साथ भी पंजीकरण कराया है।

स्वचालन: पुस्तकालय हाउसकीपिंग संचालन को स्वचालित करने के लिए सोल 3.0 एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करती है। पुस्तकालय सॉफ़्टवेयर ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) मॉड्यूल की सुविधा प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने आवश्यक दस्तावेज़ों तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तकालय ने रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) नामक इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणाली स्थापित की है।

अवसंरचना: पुस्तकालय डीयूएलएस संसाधनों, एनलीस्ट संसाधनों, डीलीस्ट, अन्य ओपन एक्सेस संसाधनों के ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए 35 कंप्यूटरों से सुसज्जित है। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के लिए दो कंप्यूटर अलग से उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में उपयोगी और प्रासंगिक उपकरणों (जेएडब्ल्यूएस सॉफ्टवेयर, इंडो-एनवीडीए सॉफ्टवेयर, सीडी, डेज़ी रीडर आदि) वाले कंप्यूटर वाले दिव्यांग छात्रों के लिए एक अलग अनुभाग है। पुस्तकालय की बैठने की क्षमता 130 छात्रों और 30 संकाय सदस्यों के लिए है

इंटर्नशिप: पुस्तकालय हर वर्ष पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पुस्तकालय एसोसिएशन और इग्नू के छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करती है जहां वे पुस्तकालय के विभिन्न वर्गों में काम करते हैं।

व्यावसायिक विकास: पुस्तकालय स्टाफ ने ऑनलाइन सम्मेलनों, कार्यशालाओं, सेमिनारों और व्याख्यानों में भाग लिया। स्टाफ शोध-पत्र लिखने में भी लगा हुआ है और इस अवधि के दौरान जर्नल, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या:186

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 67,61,61,546/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 72,82,48,000/-

***

भगिनी निवेदिता महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

भगिनी निवेदिता महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है। इसकी स्थापना शैक्षणिक सत्र 1993-94 के दौरान की गई थी और इसका नाम दक्षिण पश्चिम दिल्ली के ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाके में स्वामी विवेकानन्द की प्रसिद्ध शिष्या सिस्टर निवेदिता के नाम पर रखा गया था। 1993 में केवल बी.ए. (पास) और बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी से शुरू होकर, अब यह (1) बी.ए. ऑनर्स (हिंदी) (2) बी.ए. ऑनर्स (इतिहास) (3) बी.ए. ऑनर्स (राजनीति विज्ञान) (4) बी.एससी. ऑनर्स (गृह-विज्ञान) (5) बी.एससी. ऑनर्स (भौतिकी) (6) बी.ए. प्रोग्राम (7) बी.कॉम प्रोग्राम (8) बी.एससी. रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान (9) बी.एससी. कंप्यूटर विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता हैं। महाविद्यालय ने अपनी स्थापना के 30वें वर्ष में सभी क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

भगिनी निवेदिता महाविद्यालय की विभिन्न समितियों, विभागों, समाजों और प्रकोष्ठों द्वारा विविध कार्यकलाप आयोजित किए गए। महाविद्यालय को एंटीबायोटिक दुरुपयोग की समस्या के समाधान के लिए बायोसेंसर डिजाइन और विकसित करने के लिए स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ अल्स्टर, यूनाइटेड किंगडम और उद्योग भागीदार नैनोलैटिसेक्स एलएलपी के सहयोग से उद्योग-अकादमिक सहयोगात्मक अनुदान 2022-23 (GBP 40,000) से सम्मानित किया गया। भारत। सुश्री नितिका, बी. ए

प्रोग्राम, ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतने के अलावा, अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती चैम्पियनशिप और खेलो इंडिया राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते।

सम्मान/गौरव

प्रो. आलोकका दत्ता 24 नवंबर से 3 दिसंबर 2022 तक सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "सीजीएस समीक्षा: गुजरात विधानसभा चुनाव" नामक परियोजना के समन्वयक थे।

प्रो. आलोकका दत्ता 29 दिसंबर 2022 को सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "समीक्षा: दिल्ली नगर निगम चुनाव" नामक एक परियोजना के समन्वयक थे।

डॉ. विशाल चौधरी सह-लेखक- एक्सपैंडेड यूनिवर्सल साइंस: फिजिक्स- ग्रेड 11, वॉल्यूम। 1 और ग्रेड 12, वॉल्यूम। 1(पियर्सन 2022)।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) की साक्षी इस पाठ्यक्रम में फिजिक्स तृतीय वर्ष टॉपर रही।

इस पाठ्यक्रम में बी.कॉम. तृतीय वर्ष की दिव्या कुमारी टॉपर रही।

बी.एससी. की शियावी झा (ऑनर्स) होम साइंस तृतीय वर्ष इस पाठ्यक्रम में टॉपर रही।

बी.एससी. की आंचल फिजिकल साइंस केमिस्ट्री तृतीय वर्ष इस पाठ्यक्रम में टॉपर रही।

बी.एससी. फिजिकल साइंस कंप्यूटर साइंस तृतीय वर्ष की स्नेहा इस पाठ्यक्रम में टॉपर रही।

प्रकाशन

गुप्ता, एस. (2022)। वेट मॉडलिंग के साथ विंडो विश्लेषण दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए गतिशील डीईए मॉडल। *वैज्ञानिक अनुसंधान जर्नल.* 4 (66): 100-106.

परमार, एस. (2022)। झाँसी की रानी लक्ष्मी बाई: समकालीन भारत के लिए एक आदर्श। *अकादमिक जगत.* 36: 104-107.

परमार, एस. (2022)। भारतीय नारी की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका। *राष्ट्र धर्म पत्रिका.* 6:49-50.

चौधरी, वी. (2022)। न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के कुशल प्रबंधन के लिए हरित नैनो प्रौद्योगिकी की संभावनाएं। नैनोटेक्नोलॉजी में फ्रंटियर्स. https://doi.org/10.3389/fnano. 2022.1055708. 4:1-6.

चौधरी, वी., गौतम, ए., सिलोटिया, पी., मलिक एस., हैनसेन, आर.ओ., खालिद एम., खोसला, ए., कौशिक, ए., मिश्रा, वाई. (2022)। हवाई स्वास्थ्य खतरों से निपटने के लिए इंटरनेट-ऑफ-नैनो-थिंग्स (IoNT) संचालित बुद्धिमान फेस मास्क। सामग्री आज. http://dx.doi.org/10.1016/j.mattod.2022.08.019.(एल्सेवियर, आईएफ: 26.943, आईएसएसएन:

1369-7021)। 60: 201-226.

चौधरी, वी., मुस्तफ़ावी, ई., कौशिक, ए. (2022)। सेलुलर/जैविक कार्यों को नियंत्रित करने के लिए एक कुशल रोगाणुरोधी नैनो-प्रणाली के रूप में एजी को डी-कोड करना। मामला। https://doi.org/10.1016/j.matt.2022.06.024 (सेल प्रेस, आईएफ: 19.967, *आईएसएसएन:* 2590-2385)। 7(5):1995-1998.

चौधरी, वी., अशरफ, एन., खालिद, एम., वाल्वेकर, आर., कौशिक, ए., यान, वाई., मिश्रा, वाई.के. (2022)। कुशल वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए उच्च प्रदर्शन वाले अगली पीढ़ी के केमिरेसिस्टर्स के रूप में एमएक्सईएन-पॉलीमर हाइब्रिड नैनोकम्पोजिट्स का उद्भव। *उन्नत कार्यात्मक सामग्री।* https://doi.org/10.1002/adfm.202112913, 33(32):1-44.

चौधरी, वी., खन्ना, वी., तैमूर, एच., खालिद, एम., मिश्रा, वाई., कौशिक, ए. (2023)। हॉस्पिटल-ऑन-चिप की ओर 2डी एमसीन्स-आधारित 5वीं पीढ़ी के बुद्धिमान बायोसेंसर बायोसेंसर और बायोइलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा समर्थित। https://doi.org/10.1016/j.bios.2022.114847। एनए (220): 1-25।

चौधरी, वी., तैमूर, एच.ए., बडोला, पी., खालिद, एम., खोसला, ए. (2023)। इंजीनियरिंग इंटरलेयर स्पेस में प्रगति ने अगली पीढ़ी के वायुजनित प्रदूषक सेंसोरूपे सेंसर और एक्चुएटर्स बी: केमिकल को आर्किटेक्ट करने के लिए एमएक्सईएन को संशोधित किया। https://doi.org/10.1016/j.snb.2022.133225, NA, 379, NA।

शोध-परियोजनाएं

नैनोलैटिसेक्स एलएलपी (उद्योग भागीदार), 2022-23, भारत में एंटीबायोटिक दुरुपयोग की समस्या का समाधान करने के लिए बायोसेंसर को डिजाइन और विकसित करने के लिए स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, अल्स्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से उद्योग-अकादमिक सहयोगात्मक अनुदान। 40 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: अल्स्टर यूनिवर्सिटी की डॉ. मनीषा भूटानी और डॉ. निखिल भल्ला।

आयोजित संगोष्ठी

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 1 जनवरी 2023 को ओपी जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल के प्रोफेसर और कार्यकारी निदेशक, क्लिनिकल प्रोग्राम्स, अजय कुमार पांडे द्वारा 'शैक्षिक उद्देश्यों में जनता का समावेश' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ओपी जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल की एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट डीन नेहा मिश्रा द्वारा 1 जनवरी 2023 को 'कानून और आर्थिक सशक्तिकरण' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड द्वारा 28 सितंबर 2022 को आयोजित "गांधी दर्शन एवं विचार" नामक

सेमिनार में प्रोफेसर अलोकका दत्ता ने व्याख्यान दिया।

प्रो. आलोकका दत्ता ने 11-12 नवंबर 2022 के दौरान जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत-दक्षिण कोरियाई संबंध: इतिहास, मूल्यों और रुचि के माध्यम से संबंधों की खोज" नामक एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान दिया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 33519
अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 44

महाविद्यालय पुस्तकालय छात्रों को संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है - 33,519 पुस्तकें, 44 पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ, और 14 समाचार पत्र। इसके अलावा, 1,00,000 ई-पुस्तकें और 6000 ई-जर्नल भी यूजीसी के एन-लिस्ट कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 33519

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 44

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 67

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 22 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 29.21 करोड़

***

भारती महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

भारती महाविद्यालय, महिलाओं के लिए एक प्रमुख और प्रतिष्ठित महाविद्यालय, 20 सितंबर 1971 को दिल्ली प्रशासन द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय से स्थायी संबद्धता के साथ भारती महिला महाविद्यालय के रूप में एक घटक महाविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया था। महाविद्यालय ने करोल बाग में लिंक रोड पर स्थित लड़कों के लिए एक सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के कैंपस से काम करना शुरू किया। दो सौ इकतालीस छात्रों की एक मामूली संख्या और छह विषयों में फैले तेरह शिक्षण कर्मचारियों की एक टीम ने बिल्डिंग ब्लॉक का गठन किया। 1998 में, महाविद्यालय ने अपने नए स्थान से संचालन शुरू किया। पर्यावरण-अनुकूल वातावरण में स्थित, इसमें 23 कक्षाएँ, 46 ट्यूटोरियल कक्ष, एक सेमिनार

और सम्मेलन कक्ष, एक स्टूडियो थिएटर और 120 से अधिक कंप्यूटरों के साथ 3 कंप्यूटर लैब और अब एक अत्याधुनिक सभागार है।

कैंपस के नए भवन में 26 कमरों, 2 प्रयोगशालाओं और एक स्टाफ रूम है। महाविद्यालय एक सफल पूर्व छात्र प्रोफ़ाइल का दावा करता है, जिसके छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रोफेसर, कॉरपोरेट्स और यहां तक कि मिस अर्थ के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन

खेल में उत्कृष्टता

नए ईआरपी सॉफ्टवेयर की ऑनबोर्डिंग

उद्यमिता को प्रोत्साहन

एनएएसी मान्यता का दूसरा चक्र सफलतापूर्वक पूर्ण

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर माला रानी को 4 मार्च 2023 को आईआईटी बॉम्बे में आयोजित समारोह में स्पोकन ट्यूटोरियल्स, आईआईटी बॉम्बे से "मास्टर पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान तृतीय वर्ष की रिया मनोचा ने 9.014 का सीजीपीए स्कोर किया और उन्हें महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

बी.कॉम. की आरती कुमारी. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष में 8.973 का सीजीपीए प्राप्त हुआ और महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. की शालिनी शर्मा। (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष ने 8.946 का सीजीपीए स्कोर किया और महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

बी.कॉम तृतीय वर्ष की सिमरजीत कौर ने 8.667 का सीजीपीए स्कोर किया और उन्हें महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

बी.ए. तृतीय वर्ष की शालिनी शर्मा ने 8.545 का सीजीपीए स्कोर किया और उन्हें महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

रजनी. (2023)। क्रिप्टो पहेली: प्रतिबंध या सीमित मंजूरी। प्रबंधन खाता. 58(4): 53-56.

गुप्ता, ए. (2023)। सामान्यीकृत टोपोलॉजिकल स्पेस में बंद सेट पर। टोपोलॉजी में उन्नत अध्ययन जर्नल. 13(1-2): 7-13.

बंसल, वी. (2023)। भारतीय संदर्भ में सतत विकास के लिए हरित वित्त। साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, XXI(20): 145-155.

कौशिक, एस., मूर्ति, के.वी.बी., सिंह, ए.के., जौहरी, आर. (2022)। भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बैंकिंग बाजार के विकास के माध्यम से आत्मनिर्भरता। अर्थवान. 5(विशेष अंक): 37-50.

जौहरी, आर., मूर्ति, के.वी.बी., गुप्ता, एस., कौशिक, एस. (2022)। आत्मनिर्भर भारत के लिए सतत लेखा नियंत्रण प्रणाली। अर्थवान. 5(विशेष अंक): 91-104.

कटारिया, के. (2022)। एनसीआर में दैनिक उपभोग्य सामग्रियों की कीमत और मात्रा के संबंध में उपभोक्ताओं की जागरूकता के स्तर का विश्लेषण। साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज। XX(4): 15-24.

श्रीवास्तव, डी. (2022)। मध्य एशिया में व्याप्त अस्थिरता: कजाकिस्तान की 2022 की अशांति में आंतरिक और बाहरी कारकों की परस्पर क्रिया की जांच। द कलकत्ता जर्नल ऑफ़ ग्लोबल अफेयरए 6(3): 307-322.

गुप्ता, एल. (2022)। भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषण। इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन का जर्नल। एनए(विशेष अंक): 23-28.

द्विवेदी, एस.एस. (2022)। अफ़्रीका में भारतीय सिनेमा एक सॉफ्ट-पावर टूल के रूप में। विश्व फोकस. 43(511): 18-23.

सेन, एन. (2022)। मंटो की कहानियों में लिंग आधारित शरीर। क्रिटिकल इनसाइट्स: ए जर्नल ऑफ़ द इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर। 1(1): 57-67.

जर्नल

संपादक: प्रधान संपादक: गुप्ता, एस. (भारती महाविद्यालय), और प्रबंध संपादक: जौहरी, एस. (भारती महाविद्यालय).(2022)। अर्थवान. द्विवार्षिक. 5(विशेष अंक): 112.

संपादक: प्रधान संपादक: सुथार, एस.के., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और संपादक: सप्रा, आर. (भारती महाविद्यालय), सेन, एन.सी., (भारती महाविद्यालय)।(2022)। शोध पोस्ट: सामाजिक विज्ञान और मानविकी का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। द्विवार्षिक, 5(2): 116.

आयोजित संगोष्ठी

27 मार्च 2023 को इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सलाहकार और सभ्यता

अध्ययन केंद्र के निदेशक श्री रविशंकर द्वारा 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों का योगदान' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सेमिनार का शीर्षक है, 'मीडिया वस्तुनिष्ठता: मिथक या वास्तविकता' श्रीमान द्वारा। अशोक श्रीवास्तव, संपादक, एंकर, सार्वजनिक प्रसारक डीडी न्यूज़ और 28 सितंबर 2022 को पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित एक टैक्स वक्ता।

2 अगस्त 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा गुजरात विद्यापीठ के इतिहास और संस्कृति विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विक्रम सिंह अमरावत द्वारा 'गांधी और युवा' शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

21 फरवरी 2023 को पत्रकारिता विभाग द्वारा श्री दिग्विजय सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष भाजयुमो और राष्ट्रीय प्रभारी एनईसी भाजयुमो द्वारा 'टेलीविजन, टीआरपी और इसके बीच में सब कुछ' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

एजीओपीओएल की शोधकर्ता डॉ. शिवांगी नारायण द्वारा 'निगरानी द्वारा शासन: एक परिचय' नामक सेमिनार, ओस्लो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, नॉर्वे और नॉर्वेजियन रिसर्च काउंसिल द्वारा वित्त-पोषित परियोजना, 1 नवंबर 2022 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

आयोजित सम्मेलन

21-22 नवंबर 2022 को 'आत्मनिर्भर भारत के लिए सतत व्यवसाय मॉडल' पर आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

10 दिसंबर 2022 को 'संघवाद में रुझान: क्षितिज का विस्तार, नए इलाकों की खोज' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रो. माला रानी ने 8-10 अगस्त 2022 तक जीजीएसआईपीयू और जेएनयू द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पति/पत्नी की पसंद और बड़े पैमाने पर समाज की सामाजिक-आर्थिक संरचना पर विश्वविद्यालयों का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. रजनी ने 4 फरवरी 2023 को आईपीईएम, गाजियाबाद द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एचआरएम: स्थिरता के पथ पर चलना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में 22-23 फरवरी 2023 तक प्रोफेसर संगीत सरिता द्विवेदी ने "भारत और उनकी विरासत पर अंबेडकर के विचार का पुनरावलोकन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. कामिनी भूटानी ने 3 अप्रैल 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय में एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "लाइव स्ट्रीमिंग ऑनलाइन शॉपिंग" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया (सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार दिया गया)।

डॉ. सोनिया कौशिक ने 3 अप्रैल 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय में एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा: 1992 से 2017 तक एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया (सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार दिया गया)।

डॉ. जसपाल सिंह ने "डॉ." शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। बी.आर. अम्बेडकर और विभाजन का इतिहास" डॉ. बी.आर. द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में। अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार 22-23 फरवरी 2023 तक।

डॉ. अनाविशा बनर्जी ने 19-20 अप्रैल 2023 तक आईसीएसएसआर के सहयोग से एआरएसडी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईक्यूएसी (और अंग्रेजी विभाग) द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "बंगाल के बाउल गायक" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुरंजिता वाधवा ने 27-21 जनवरी 2023 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में "एक सतत समाज के निर्माण में पानी की गंभीरता को देखना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नंदिनी सेन ने 25 अप्रैल 2023 को मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में "लैंगिकता और माउ माउ महिलाएं" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री शोभना सिन्हा ने 23 फरवरी 2023 को आईजीएनसीए के सहयोग से एसपीएम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में "वृंदावनी भक्ति के स्वाद: भक्तिरसमृतसिंधु और अन्य ग्रंथों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

कनेक्टिंग ड्रीम फाउंडेशन (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: कनेक्टिंग ड्रीम फाउंडेशन के सहयोग से, महाविद्यालय ने हमारे युवाओं को चेंजमेकर बनने की दिशा में उन्मुख करने के लिए निरंतर काम किया है। हमारे युवा छात्र राजदूतों ने अनेक सामाजिक न्याय पहलों का आयोजन और नेतृत्व किया है। चालू परियोजनाओं में शामिल हैं: परियोजना संभव और बॉटल फॉर चेंज परियोजना- बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से चलाया जा रहा है। इन प्रयासों को तीन प्रतिष्ठित पुरस्कारों के रूप में भी मान्यता दी गई है - आगामी ड्रीम टीम पुरस्कार, परियोजना संभव को ड्रीम परियोजना पुरस्कार और कोविड रिस्पांस टीम पुरस्कार

डेल्टा राइट्स एडवाइजर्स (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: छात्रों के बीच क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए डेल्टा राइट्स एडवाइजर्स और भारती महाविद्यालय के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

संस्कृत भारती (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: भारतीय ज्ञान परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध, भारती महाविद्यालय ने संस्कृत भारती के साथ एक समझौता-ज्ञापन में प्रवेश किया है। इस सहयोग के कार्यान्वयन में, महाविद्यालय भाषा का ज्ञान प्रदान करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।

स्पोकन ट्यूटोरियल, आईआईटी बॉम्बे (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: भारती महाविद्यालय ने अपनी प्रमुख स्पोकन ट्यूटोरियल पहल के तहत आईआईटी बॉम्बे के साथ एक समझौता-ज्ञापन में प्रवेश किया है। सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत विविधता की पेशकश की जाती है - जिसका ज्ञान नौकरी बाजार में प्रवेश करने वाले छात्रों और यहां तक कि अपने कौशल को उन्नत करने के इच्छुक संकाय के लिए आवश्यक है।

सीडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन।

गीला कचरा प्रबंधन के लिए **आईपीसीए** के साथ समझौता-ज्ञापन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय छात्रों को अनेक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम निःशुल्क प्रदान करने के लिए स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोग्राम के तहत आईआईटी बॉम्बे के साथ सहयोग कर रहा है।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

भारती महाविद्यालय बड़े पैमाने पर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पहचानता है। भारती महाविद्यालय के एन.एस.एस. विंग ने विशेष रूप से बड़े समुदाय के साथ आउटरीच की दिशा में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। डीयू के अन्य महाविद्यालयों और एनजीओ उड़ानकर के सहयोग से महिलाओं के लिए एक आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। एन.एस.एस. के छात्र सिल्वर लाइनिंग ओल्ड एज होम के निवासियों के साथ समय बिताने के लिए उनके पास भी पहुंचे। जनवरी 2023 में मकर सक्रांति के अवसर पर उन्होंने पोशांगीपुर सेवा बस्ती के साथ काम किया। एन.एस.एस. ने प्रश्रय वेलफेयर फाउंडेशन के साथ मिलकर परियोजना परिधान भी शुरू किया है, जो कपड़ा दान अभियान आयोजित करता है। रक्तदान और पुस्तक दान अभियान भी आयोजित किए गए हैं।

सभी के लिए खुले ज्ञान-गहन और आजीविका-उन्मुख अतिरिक्त पाठ्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रदान करके, महाविद्यालय बड़े समुदाय तक पहुंचता है और अध्ययन का केंद्र होने के अपने प्राथमिक मिशन को पूरा करता है। समाज के सभी क्षेत्रों के छात्र इन कार्यक्रमों में दाखिला लेते हैं, और उन्हें एक सुरक्षित और

समृद्ध अध्ययन के माहौल का आश्वासन दिया जाता है। निम्नलिखित ऐड-ऑन पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं:

मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया विज्ञापन।

वित्तीय बाज़ारों पर उन्नत कौशल कार्यक्रम।

वित्तीय लेखांकन में उन्नत डिप्लोमा।

व्यवसाय में बौद्धिक संपदा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

डिज़ाइन थिंकिंग में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

जीवन और नेतृत्व कोचिंग में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

क्लिनिकल न्यूरोसाइंस के रूप में मनोचिकित्सा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 55046
अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 20

भारती महाविद्यालय पुस्तकालय संग्रह में कला और वाणिज्य विषयों अर्थात वाणिज्य, राजनीति विज्ञान इतिहास, पंजाबी, ई.वी.एस., अर्थशास्त्र, पत्रकारिता, गणित कंप्यूटर विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, संस्कृत आदि शामिल हैं।

इन-हाउस संग्रह का एक हिस्सा, पुस्तकालय में डल्स के माध्यम से हजारों जर्नल तक ऑनलाइन पहुंच है।

एन-लिस्ट और डेलनेट के माध्यम से ऑनलाइन संग्रह अर्थात ई-जर्नल्स, शोध, ई-बुक आदि तक पहुंच।

पुस्तकालय में छात्रों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पाठ्य, सामान्य और संदर्भ पुस्तकों का उत्कृष्ट संग्रह है।

पुस्तकालय महाविद्यालय के पूर्व छात्रों को नाममात्र शुल्क पर सदस्यता भी देता है।

हमारी महाविद्यालय पुस्तकालय उरकुंड सॉफ्टवेयर के माध्यम से संकाय अनुसंधान कार्य के लिए साहित्यिक चोरी की सुविधा प्रदान करती है।

हमारे महाविद्यालय की पुस्तकालय एमजीआरएम सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अपना नियमित काम कर रही है।

पुस्तकालय जरूरतमंद छात्रों को बुक बैंक की सुविधा भी प्रदान करता है।

महाविद्यालय की पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं अर्थात कैट, मैट, क्लैट, यूपीएससी आदि की तैयारी के लिए विशेष संग्रह है।

हर वर्ष महाविद्यालय पुस्तकालय पुस्तकालय पेशे के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित करता है। पुस्तकालय इंटर्नशिप भी प्रदान करें।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 55046

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 20

संकाय संख्या

संकाय संख्या: 85

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 44 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 40.51 करोड़

***

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय (बीसीएएस) 1995 से स्थापित दिल्ली विश्वविद्यालय का एक सुस्थापित और प्रतिष्ठित विज्ञान महाविद्यालय है। बीसीएएस दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है और एनसीटी, दिल्ली सरकार द्वारा पूरी तरह से समर्थित और वित्त-पोषित है। महाविद्यालय का विशाल कैंपस उत्कृष्ट भूदृश्य और मनोरम वास्तुकला के साथ लगभग आठ एकड़ भूमि में फैला है। महाविद्यालय में अत्याधुनिक हवादार प्रयोगशालाएँ, व्यापक पुस्तकालय सुविधा, एलसीडी परियोजनार के साथ कक्षाएँ, सभागार, ओपन एयर थिएटर और एक विशाल खेल मैदान है। महाविद्यालय का कैंपस वाई-फाई युक्त है। नामांकित छात्रों को शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाता है। प्रत्येक वर्ष छात्र विभिन्न विषयों में विश्वविद्यालय पद प्राप्त करते हैं। इसके अलावा, छात्रों और संकायों के बीच अनुसंधान योग्यता, कौशल और तालमेल विकसित करने के लिए, महाविद्यालय में विभिन्न अनुसंधान और नवाचार परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। महाविद्यालय भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्टार महाविद्यालय योजना का सदस्य है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को हाल ही में एनएएसी द्वारा A++ ग्रेड से मान्यता मिली है और वर्ष 2023 के लिए NIRF महाविद्यालय रैंकिंग 22 प्राप्त की है।

सम्मान/गौरव

डॉ. भव्य दीप को महाविद्यालय के लिए 'थिंकर्स ऑफ़ टुमारो' ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, जिसे 10 मार्च 2023 को सीएनबीसी न्यूज़ 18 नेटवर्क, भारत के साथ साझेदारी में सिम्फनी द्वारा प्रदान किया गया था।

डॉ. शालिनी सहगल को सेंटर फॉर क्वालिटी एंड फूड सेफ्टी, नई दिल्ली द्वारा 'फूड सेफ्टी मेंटर पुरस्कार-2022' से सम्मानित किया गया।

डॉ. पवन कुमार को उनके शोध कार्य के लिए दूसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने आईईईई ईडीएस- दिल्ली चैप्टर और इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक रिसर्च कॉन्क्लेव में "सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी" विषय के चौथे सत्र में 15 अक्तूबर 2022 को साउथ कैमस में प्रस्तुत किया था।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. की मेघा सपरा। (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी ने 31 मार्च 2023 को स्वच्छता और ई-कचरा प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. की लविका पिपलानी। (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी तृतीय वर्ष को 15 मार्च 2023 को वर्ष 2022 के लिए ऑल इंडिया फूड प्रोसेसर्स एसोसिएशन द्वारा पाठ्यक्रम अध्ययन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इतालवी तकनीकी सेवा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

बी.एससी. की अश्मिता तंवर। (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी को 18 मार्च 2023 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग, दिल्ली द्वारा आयोजित एशियन पैकेजिंग कांग्रेस में 'पैकेजिंग 3एस- सेफ, सिक्योर, सस्टेनेबल' पर मौखिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार मिला।

बी.एससी. की कुमारी ख़ुशी। (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस द्वितीय वर्ष ने 6 फरवरी 2023 को आयोजित माइक्रोबायोलॉजी विभाग के वार्षिक अंतर-महाविद्यालय विभागीय महोत्सव, माइक्रोक्वेस्ट 2023 के दौरान माइक्रो-डूडल प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

बी.एससी. की सांध्य आर्य और वंशिका शर्मा। (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस द्वितीय वर्ष ने 2 फरवरी 2023 को आयोजित माइक्रोबायोलॉजी विभाग के वार्षिक अंतर-महाविद्यालय विभागीय महोत्सव, माइक्रोक्वेस्ट 2023 के दौरान स्ट्रीक आर्ट प्रतियोगिता में क्रमशः पहला और दूसरा पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

सिंह, आर., झा, डी., धवन, यू., गौतम, एच.के., कुमार, पी. (2022)। सेल्फ-असेंबल इंडोल-3-ब्यूटेनॉयल-पॉलीएथिलीनिमाइन नैनोस्ट्रक्चर के चिकित्सीय अनुप्रयोग। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 3(62), पृष्ठ 411-418.

श्रीवास्तव, एस., नल्ला, वी.के., सिंह, वी.पी., प्रसाद, आर. (2022)। लुप्तप्राय प्रजातियों डेकालेपिस अरयालपथरा केएमए 05 क्लोनों में द्वितीयक मेटाबोलाइट्स के उन्नत उत्पादन के लिए संयोजन दृष्टिकोण के माध्यम से इन विट्रो माइक्रोप्रॉपैगेशन और रूट स्थापना का अनुकूलन। ब्राज़ीलियन जर्नल ऑफ़ बॉटनी, 3(45), 869-881.

कौर, एस., भारद्वाज, ए., बलुजा, के.एल. (2022)। एएलएफ के साथ इलेक्ट्रॉन की अन्योन्यक्रिया। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 9(76), 176.

गोस्वामी, के., लूथरा, एम., भारद्वाज, ए., बलुजा, के.एल. (2022)। इलेक्ट्रॉन प्रभाव के कारण टंगस्टन हेक्साफ्लोराइड का आंशिक आयनीकरण क्रॉस सेक्शन। परमाणु, 10 (4), 101.

लूथरा, एम., गोस्वामी, के., अरोड़ा, ए.के., भारद्वाज, ए., बलूजा, के.एल. (2022)। थ्रेसहोल्ड से 5 केवी तक मीथेन, पानी और नाइट्रोमेथेन के इलेक्ट्रॉन-प्रभाव आंशिक आयनीकरण क्रॉस-सेक्शन की गणना करने के लिए मास स्पेक्ट्रोमेट्री-आधारित दृष्टिकोण। परमाणु, 10(3), 74.

गरकोटी, पी., लूथरा, एम., गोस्वामी, के., भारद्वाज, ए., बलुजा, के.एल. (2022)। इलेक्ट्रॉन-प्रभाव आयनीकरण के कारण एकल विभेदक क्रॉस सेक्शन की गणना के लिए बाइनरी-एनकाउंटर-बेथ मॉडल। परमाणु, 10(2), 60.

कुमार, एस., शुक्ला, एस.के. (2023)। लकड़ी के सब्सट्रेट पर कोटिंग के लिए पॉली विनाइल अल्कोहल, स्टार्च और काओलिन की ज्वाला-मंदक संकर संरचना का सहक्रियात्मक विकास। जर्नल ऑफ पॉलिमर रिसर्च, 30(2), 71.

कुशवाह, सी.एस., सिंह, पी., शुक्ला, एस.के., चेहिमी, एम.एम. (2022)। पॉलिमर नैनोकम्पोजिट आधारित रासायनिक सेंसर के संचालन में प्रगति: एक सिंहावलोकन। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: बी, 284(-),115856.

सूद, यू., ढींगरा, जी.जी., आनंद, एस., हीरा, पी., कुमार, आर., कौर, जे., सक्सेना, ए., लाल, आर. (2022)। माइक्रोबियल जर्नी: *माउंट एवरेस्ट से मारुपे तक इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी*, 3(62), 323-337.

शोध-परियोजनाएं

2022-24 तक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना। परियोजना का शीर्षक- 9.13 लाख रुपये के लिए सारस-कोव और संबंधित म्यूकोर्मिकोसिस के प्रति संवेदनशीलता को समझने के लिए फुफ्फुसीय माइक्रोबायोम का मेटागेनोमिक विश्लेषण।

2022-24 तक एमओई @ एआईसीटीई के भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग द्वारा वित्त-पोषित परियोजना। परियोजना का शीर्षक- 8.26 लाख रुपये में पौधों के अर्क से पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ प्राकृतिक रंगों का विकास।

2022-23 तक एसईआरबी-डीएसटी (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना। परियोजना का शीर्षक- आरएनए की भूमिका- तीव्र नेत्र गति में बाइंडिंग प्रोटीन, नींद की हानि से संबंधित न्यूरोडीजेनेरेशन, रु 28.54 लाख।

मंजूर/दायर पेटेंट

मंजूर/दायर पेटेंट

पेटेंट आवेदन संख्या 471/डीईएल/2013, जिसका शीर्षक है 'समान निर्माण के लिए पोषण संबंधी संरचनाएं

और तरीके'

पेटेंट आवेदन संख्या 473/डीईएल/2013, जिसका शीर्षक है 'कोटिंग संरचनाएं और उसकी तैयारी के तरीके' भारत

पेटेंट प्रदान किया गया: यूके डिज़ाइन पेटेंट संख्या: 6268246, जिसका शीर्षक 'इंटेलिजेंट सेंसर आधारित बायोडिग्रेडेबल वेस्ट कलेक्शन यूनिट' है।

पेटेंट डीई फ़ाइल संख्या 20 2022 104 822.3 शीर्षक 'कोनो3 के पत्तेदार अनुप्रयोग द्वारा नमी तनाव की स्थिति के तहत दालों में नाइट्रोजन निर्धारण वृद्धि'

आयोजित संगोष्ठी

'वित्तीय साक्षरता, बुनियादी बातें, मुद्दे और चुनौतियाँ' विषय पर सेमिनार श्री वेदप्रकाश, डीजीएम, भारतीय स्टेट बैंक; श। आर.के. जगलान, जीएम, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया; श। आर. ढींगरा, एजीएम, भारतीय स्टेट बैंक; और श्री ओ.पी. सिंह, उप निदेशक, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 21 अप्रैल 2022 को प्रस्तुत किया गया।

12 अप्रैल 2022 को प्रोफेसर राजकुमार फलवारिया द्वारा प्रस्तुत 'अम्बेडकर के सपनों का भारत' नामक सेमिनार।

27 जनवरी 2023 को डॉ. हरिसिंह पाल द्वारा हिंदी के महत्त्व और राजभाषा के रूप में इसकी संवैधानिक स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 'राजभाषा नीति' नामक संगोष्ठी प्रस्तुत की गई।

'जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि पद्धतियाँ: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक सेमिनार प्रोफेसर पी.वी. द्वारा वारा प्रसाद, विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, सस्टेनेबल क्रॉप इकोफिजियोलॉजी, निदेशक सस्टेनेबल इंटेंसिफिकेशन इनोवेशन लैब, क्रॉप साइंस सोसाइटी ऑफ अमेरिका के अध्यक्ष, कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी, मैनहट्टन, कैनसस, यूएसए 11 अप्रैल 2022 को प्रस्तुत किया गया।

28 नवंबर 2022 को सहायक प्रोफेसर डॉ. इंदरबीर कौर और डॉ. मनोज तिवारी द्वारा 'दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों और चार्जिंग अवसंरचना का विकास, दिल्ली एसएलडीसी के माध्यम से रियल टाइम लोड ट्रांसफर' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

6 अक्तूबर 2022 को 'सर्दियों के दौरान दिल्ली एनसीआर और उत्तर भारत में वायु प्रदूषण: कारण और उपचार' शीर्षक से सम्मेलन आयोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. इंदरबीर कौर ने वीके-3, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय में पर्यावरणीय स्थिरता और ग्रहों के स्वास्थ्य

के लिए उद्यमिता, अनुसंधान और नवाचार पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक चेतावनी प्रणाली के साथ एक दहनशील गैस सेंसर का डिजाइन: एक पर्यावरण सुरक्षा पहल" शीर्षक से 7-8 अप्रैल 2022 तक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. इंदरबीर कौर ने तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मैन्युअल स्विचिंग सिस्टम को ऊर्जा कुशल स्मार्ट स्विचिंग सिस्टम में परिवर्तित करना: एक पर्यावरण पहल" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

7-8 अप्रैल 2022 तक वीके-3, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय में पर्यावरणीय स्थिरता और ग्रहीय स्वास्थ्य के लिए उद्यमिता, अनुसंधान और नवाचार।

पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए), दिल्ली द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के वल्लभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट में आयोजित विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2022 में डॉ. जितेंद्र कुमार ने "समाज और भविष्य की जरूरतों पर वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. अमित कुमार ने आंतरिक गुणवत्ता द्वारा आयोजित उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता वृद्धि: एनईपी 2020 की परिवर्तनकारी भूमिका पर एनएएसी प्रायोजित दो दिवसीय आभासी सम्मेलन में "संभावित बाइनरी एनएएसी मान्यता के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता के लिए नया रोड मैप" शीर्षक से एक सम्मेलन पत्र प्रस्तुत किया। एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी)। सेंट अलॉयसियस महाविद्यालय, एल्थुरुथ, त्रिशूर, केरल 28-29 नवंबर 2022 तक।

डॉ. अमित कुमार ने 29 अगस्त, 2022 को आईक्यूएसी और एमपीएचईक्यूआईपी की अकादमिक पहल की छत्रछाया में 'एसएसआर पर विशेष जोर के साथ हालिया एनएएसी मान्यता प्रक्रिया' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (वर्चुअल) "भारत में शिकारी जर्नल में प्रकाशन पर एक स्थिति समीक्षा" शीर्षक से एक सम्मेलन पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अमित कुमार ने 28-29 अगस्त 2022 तक महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 'उद्योग 4.0 और समाज 5.0' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में 'यूजीसी के मेंटरशिप कार्यक्रम: अवलोकन और धारणा' शीर्षक से एक सम्मेलन पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ अमनदीप कौर ने 27-28 अगस्त 2022 तक प्रबंधन विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा उद्योग 4.0 और सोसायटी 5.0 पर आयोजित राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "कोविड महामारी पर काबू पाने में स्वास्थ्य देखभाल उपकरणों की भूमिका" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

5 जनवरी 2023 को सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को निष्पादित करने और छात्रों को तकनीकी प्रशिक्षण और नियोजन प्रदान करने के लिए 21 सेंटॉरी पॉलिमर के साथ समझौता-ज्ञापन पर

हस्ताक्षर किए गए (पांच वर्ष की अवधि के लिए वैध)।

29 नवंबर 2022 को सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करने और पारस्परिक हित के विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में संयुक्त रूप से सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च, दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए (पांच वर्ष की अवधि के लिए वैध)।

24 अगस्त 2022 को शहरी सेटिंग में पोषण किचन गार्डन को डिजाइन और विकसित करने के लिए फूड सेफ्टी फाउंडेशन इंडिया (इंडिया फूड बैंकिंग नेटवर्क) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए (एक वर्ष की अवधि के लिए वैध)।

सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए सर विट्ठलदास थैकर्सी महाविद्यालय ऑफ होम साइंस, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई के साथ 28 जून 2022 को संयुक्त रूप से सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाएं और छात्रों की इंटर्नशिप आयोजित करने के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए (तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध)।

संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों और परियोजनाओं के साथ-साथ छात्रों और संकाय सदस्यों के आपसी आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए 27 जून 2022 को छोटी अवधि के लिए (दो वर्ष की अवधि के लिए वैध) कैथोलिकेट महाविद्यालय, पथानामथिट्टा, केरल के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

1 जून 2022 को शैक्षिक, अनुसंधान और संबंधित गतिविधियों और परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने और समर्थन करने के लिए येओंगुनम विश्वविद्यालय, ग्योंगसन, कोरिया गणराज्य के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए (पांच वर्ष की अवधि के लिए वैध)।

5 मई 2022 को अनुसंधान सहयोग और छात्रों, प्रोफेसरों के आदान-प्रदान और विद्वानों को निमंत्रण के लिए कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए (एक वर्ष की अवधि के लिए वैध)।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को शीघ्रता से निष्पादित करने और आपसी हित के विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में संयुक्त रूप से सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च, दिल्ली के साथ सहयोग।

शहरी परिवेश में पोषण रसोई उद्यान को डिजाइन और विकसित करने के लिए फूड सेफ्टी फाउंडेशन इंडिया (इंडिया फूड बैंकिंग नेटवर्क) के साथ सहयोग।

सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए सर विट्ठलदास थैकर्सी महाविद्यालय ऑफ होम साइंस, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई के साथ सहयोग, संयुक्त रूप से सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाएं और छात्रों की इंटर्नशिप आयोजित करना।

शैक्षिक, अनुसंधान और संबंधित गतिविधियों और परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने और समर्थन करने के लिए युंगुनम विश्वविद्यालय, ग्योंगसन, कोरिया गणराज्य के साथ सहयोग

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत
नियोजित छात्रों की संख्या: 21

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या
कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 1

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप
महाविद्यालय ने 16 सितंबर 2022 को 'विश्व ओजोन दिवस' मनाने के लिए एक आउटरीच गतिविधि का आयोजन किया। प्रो. एन.एस. अब्बास और डॉ. सुजाता भारद्वाज इस कार्यक्रम के संयोजक थे।

योग क्लब ने 21 जून 2022 को महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग और एन.एस.एस. के सहयोग से 'युवाओं के लिए योग' नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया।

इको क्लब जनवरी-फरवरी 2023 तक कार्यक्रम लाइफ के तहत आसपास के निवासियों को महाविद्यालय हर्बल गार्डन में आने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई ने जनवरी-फरवरी 2023 तक महाविद्यालय में युवा मतदाताओं के नामांकन की सुविधा प्रदान की। एन.एस.एस. ने 4-5 फरवरी 2023 तक आत्महत्या रोकथाम युवा भारत पर राष्ट्रीय परामर्श में स्वेच्छा से भाग लिया। एन.एस.एस. छात्रों ने 23-25 जनवरी तक युवा संसद महोत्सव में भाग लिया। 2023. एन.एस.एस. इकाई ने 12-16 जनवरी 2023 के दौरान '25वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव', 'आजादी का अमृत महोत्सवइंडिया@75' के एक भाग के रूप में निबंध लेखन की सुविधा प्रदान की। एन.एस.एस. इकाई ने 28 अक्तूबर 2022 को एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष कुछ समाचार-पत्रों और जर्नल की नियमित सदस्यता के अलावा। पुस्तकालय है

संकाय संख्या
संकाय की कुल संख्या: 91
स्थायी संकाय की कुल संख्या: 43

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 48

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 32,04,59,218/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 31,85,96,837/-

***

कला महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

कला महाविद्यालय वर्ष 1942 में स्थापित एक संस्थान है जो दिल्ली विश्वविद्यालय के ललित कला में स्नातक की डिग्री के लिए दृश्य कला (रचनात्मक और अनुप्रयुक्त) में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए और स्टूडियो प्रैक्टिकल और चयनित क्षेत्रों में निर्धारित सिद्धांत और अनुसंधान पर जोर देने के साथ ललित कला, दृश्य संचार में स्नातकोत्तर डिग्री के लिए अग्रिम प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। महाविद्यालय को अपने शैक्षणिक मुद्दों के लिए संगीत और ललित कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों के तहत कवर किया गया है और पूरी तरह से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा प्रशासित है।

गौरव प्राप्त छात्र

वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित छात्र महाविद्यालय के टॉपर थे
अनन्या कुमार लकित कला स्नातक (एप्लाइड आर्ट)
अनन्या शर्मा लकित कला स्नातक (अनुप्रयुक्त कला)
अंशिका आनंद, लकित कला स्नातक (पेंटिंग)
यतिका रानी, ललित कला स्नातक (प्रिंटमेकिंग)
शिवम कुमार ऑफ बैचलर्स ऑफ फाइन आर्ट्स (मूर्तिकला)

प्रकाशन

बेग, एफ., मिश्रा, ए. (2022)। नजीबाबाद के दरवाज़. *आईएसएसएन-0973-0087, XXIII* (दर्शनशास्त्र विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय), 04, 2022.

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. रिम्सी चोपड़ा ने 18-19 नवंबर 2022 को पंडित लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स, रोहतक द्वारा आयोजित समकालीन धारणा में चित्रित कला और संदर्भ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'ए पैराडाइम शिफ्ट इन टीचिंग आर्ट' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय का नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (एनजीएमए) और इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स

(आईजीएनसीए) के साथ अकादमिक सहयोग है

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 55

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 50%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

महाविद्यालय में आने वाली कंपनियों की संख्या: 15

विस्तार और आउटरीच गतिविधियाँ

डॉक्टर रिम्सी चोपड़ा ने 30 अप्रैल 2022 को केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान एनसीईआरटी द्वारा आयोजित 'पहाड़ी स्कूल ऑफ पेंटिंग' पर एक सत्र प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष के लिए कुल पुस्तकालय बजट: 4.6 लाख रुपये

वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की संख्या: 94

महाविद्यालय ने 11 पत्रिकाओं की सदस्यता ली

संकाय संख्या

प्रोफेसरों की संख्या: 1.

एसोसिएट प्रोफेसरों की संख्या: 3.

सहायक प्रोफेसरों की संख्या: 16.

अंशकालिक संकाय (सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त): 29.

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: 154900000/- रुपये

उपयोगित अनुदान: 61158226/- रुपये

***

नर्सिंग महाविद्यालय आर्मी अस्पताल (आर एंड आर)

संक्षिप्त विवरण

आर्मी अस्पताल नर्सिंग महाविद्यालय, दिल्ली कैंट की स्थापना 15 जून 1950 को हुई थी और 12 मार्च 2004 को इसे आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) के लेवल III में वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया

गया। महाविद्यालय का 2015 से सीटीवीएस भवन में विस्तार है। 2014 में नर्सिंग स्कूल को अपग्रेड किया गया था। नर्सिंग महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है। बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग का पहला बैच 14 जुलाई 2014 से शुरू हुआ। आज तक जीएनएम पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद 1125 छात्रों और बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद 116 छात्रों को सैन्य नर्सिंग सेवा में नियुक्त किया गया है। वर्तमान में आर्मी अस्पताल नर्सिंग महाविद्यालय (आर एंड आर) एएफएमएस में बी.एससी. नर्सिंग (ऑनर्स) डिग्री प्रदान करने वाला एकमात्र संस्थान है। नर्सिंग महाविद्यालय ऑफिस के लिए आठ विशिष्टताओं में पीबी डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चलाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

मई 2022: नर्स दिवस समारोह-"नर्स-नेतृत्व करने की आवाज" विषय पर एक नर्सिंग संगोष्ठी आयोजित की गई-नर्सिंग में रुचि और वैश्विक स्वास्थ्य को सुरक्षित करने के अधिकारों का सम्मान।

संबद्धता जारी रखने के लिए डीएनसी निरीक्षण 17-18 मई 2022 को आयोजित किया गया था।

द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के लिए विश्वविद्यालय की अंतिम व्यावहारिक परीक्षा मई 2022 में आयोजित की गई थी और प्रथम वर्ष के लिए अंतिम सिद्धांत परीक्षा आयोजित की गई थी।

प्रथम वर्ष के लिए विश्वविद्यालय की अंतिम सैद्धांतिक परीक्षा जून 2022 में आयोजित की गई।

अगस्त 2022 में स्तनपान सप्ताह मनाया गया और स्तनपान के लाभों पर पोस्टर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और कार्यशाला जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

निम्नलिखित विषयों पर नर्सिंग संगोष्ठी अगस्त 2022 में आयोजित की गई थी।

हृदय रोगियों की पूर्व एवं पश्चात देखभाल।

वृक्क प्रत्यारोपण में नर्सिंग परिप्रेक्ष्य।

हाथ धोने पर नर्सिंग लेखापरीक्षा।

राष्ट्रीय गान, देशभक्ति नृत्य नाटिका के बाद ध्वजारोहण समारोह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। खेल समिति की ओर से वॉक मैराथन भी आयोजित की गई।

एसएनए समिति प्रतियोगिताएं (इंटर हाउस) - हिंदी निबंध, अंग्रेजी निबंध, हिंदी कविता और अंग्रेजी कविता लेखन सहित वाद-विवाद समिति प्रतियोगिताएं अगस्त 2022 में आयोजित की गईं।

हॉबी समिति द्वारा गीत प्रतियोगिता और कार्ड मेकिंग सहित मनोरंजन समिति प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

वार्षिक सामान्य निकाय बैठक-एसएनए अगस्त 2022 में आयोजित की गई थी।

न्यूट्रीफेस्ट - संतुलित पोषण पर कार्यशाला अगस्त में "सेहत मंद गाजा" विषय पर आयोजित की गई थी।

सितंबर 2022 में आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया - कार्यक्रम के दौरान आत्महत्या रोकथाम पर मनोनाटक का आयोजन किया गया।

बी.एससी. के पांचवें बैच के 25 छात्रों का कमीशनिंग समारोह (ऑनर्स) नर्सिंग 22 सितंबर 2022 को आयोजित की गई थी।

18 सितंबर 2022 को पीएचसी पालम में "प्रसवपूर्व देखभाल" विषय पर सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा आयोजित की गई।

विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर 2022 को “हर दिल के लिए दिल का उपयोग करें” थीम पर मनाया गया।

जीवन शैली विकार एवं उनकी रोकथाम विषय पर जन स्वास्थ्य शिक्षा 7 अक्तूबर 2022 को की गई।

23-24 अक्तूबर 2022 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया और कार्यक्रम के दौरान साइकोड्रामा सहित विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए गए।

बाल रोग विभाग के सहयोग से 17 नवंबर 2022 को एनआरपी कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

छात्रों ने 3 नवंबर 2022 को ऑन्कोविज़न पर सीएमई, 11 नवंबर 2022 को उन्नत चिकित्सीय एंडोस्कोपी और नवंबर 2022 में नवजात शिशु वकालत में भाग लिया।

छात्रों ने परफेक्ट हेल्थ मेले में भाग लिया और कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पुरस्कार जीते।

25 दिसंबर 2022 को कैडेट मेस में क्रिसमस मनाया गया।

नौवें बैच का लैंप लाइटिंग समारोह 16 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया था।

22 फरवरी 2022 को मॉडल पब्लिक स्कूल पालम में तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता “उमंग” 4 मार्च 2023 को आयोजित की गई।

सम्मान/गौरव

राष्ट्रीय स्तर-छह एएफएमएस नर्सिंग महाविद्यालयों के बीच सर्वश्रेष्ठ यूजी अनुसंधान के लिए डीजीएएफएमएस को ट्रॉफी प्रदान की गई। 04 अप्रैल 2023 को नर्सिंग छात्रों के लिए एएनईआई द्वारा आयोजित वर्चुअल भाषण प्रतियोगिताओं में एन/ कैडेट श्रेया कुशवाह ने दूसरा और एन/कैडेट कविया एन पणिक्कर ने तीसरा पुरस्कार जीता-बी) राज्य स्तर-शून्य सी) एमटीएनएल परफेक्ट हेल्थ मेला (इंटर महाविद्यालय एसएनए प्रतियोगिताएं)) योग एन/कैडेट भूमिका और टीम-तृतीय पुरस्कार-पेंटिंग एन/कैडेट दिव्यांशी-द्वितीय पुरस्कार-रील मेकिंग एन/कैडेट दिव्यांशी और ज्योतिस्मिता-द्वितीय पुरस्कार।

गौरव प्राप्त छात्र

मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग 3, सेमेस्टर IV की अंजलि अशोक को विशिष्टता से सम्मानित किया गया।

मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग 3, सेमेस्टर IV की अंशू को विशिष्टता से सम्मानित किया गया।

कंप्यूटर और संचार, सेमेस्टर IV की भूमिका दलाल को विशिष्टता से सम्मानित किया गया।

मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग 3, सेमेस्टर IV की जैस्मीन को विशिष्टता से सम्मानित किया गया।

मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग 3, सेमेस्टर IV की नैन्सी को विशिष्टता से सम्मानित किया गया।

शोध-परियोजनाएं

स्व-वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "शैक्षिक पुस्तिका बनाने की दृष्टि से दक्षिण दिल्ली के क्वाटरनरी केयर हॉस्पिटल के पास रहने वाले परिवारों के बीच डेंगू की रोकथाम के ज्ञान और अभ्यास का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल महामारी विज्ञान अध्ययन"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल सुनीता।

स्व-वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "एचएआई पर चयनित प्रथाओं की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए अध्ययन"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल बिंदू।

स्व-वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "दिल्ली में चयनित कार्डियोथोरेसिक केंद्र में हृदय संबंधी मध्यवर्तन से गुजरने वाले रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच चिंता के स्तर का आकलन करने के लिए अध्ययन। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल मंजुलेक्ष्मी।

स्व-वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "बीएसई के ज्ञान और अभ्यास पर एसटीपी की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल सजिला।

स्व-वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "चयनित तृतीयक देखभाल अस्पताल में श्वसन पथ संक्रमण के घरेलू प्रबंधन के संबंध में पांच बच्चों से कम उम्र के बच्चों की मां के ज्ञान और रिपोर्ट की गई प्रथाओं पर संरचना शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए अध्ययन"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल मीना के.के.।

आयोजित संगोष्ठी

17 सितंबर 2022 को विश्व हृदय दिवस पर लेफ्टिनेंट कर्नल बिंदू सारा मैथ्यू द्वारा 'हृदय रोगियों की पूर्व और बाद की देखभाल' शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

08 अगस्त 2022 को लेफ्टिनेंट कर्नल मंजूलेक्ष्मी द्वारा 'रीनल ट्रांसप्लांट, अंग दान में नर्सिंग परिप्रेक्ष्य' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

23 अगस्त 2022 को लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकला द्वारा 'हाथ धोने पर नर्सिंग लेखापरीक्षा, एसेप्सिस प्रोटोकॉल' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

12 नवंबर 2022 को मेजर पोर्सेलवी द्वारा 'कीमोथेरेपी, ऑन्कोविज़न में चुनौतियां' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

लेफ्टिनेंट कर्नल प्रीति भट्ट, ट्यूटर द्वारा 'पुनर्जीवन - नर्स की भूमिका, बीएलएस-एसीएलएस' शीर्षक सेमिनार 23 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया।

आयोजित सम्मेलन

20 अगस्त 2022 को एएच (आर एंड आर) में 'स्तनपान' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

17 अगस्त 2022 को एएच (आर एंड आर) में 'न्यूट्रिफेस्ट' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

10 सितंबर 2022 को एएच (आर एंड आर) में 'विश्व हृदय दिवस' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

22 नवंबर 2022 को एएच (आर एंड आर) में 'नर्स रोगी संबंध' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

10 अक्तूबर 2022 को एएच (आर एंड आर) में 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

5 एन/कैडेट नयनतारा बिरजानिया और एन/कैडेट मनीषा रौतेला ने लेफ्टिनेंट कर्नल रामहलुनमावी (संकाय) के साथ 30-31 जनवरी 2023 को गुवाहाटी में आयोजित 77वें टीएनएआई राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

बीएचडीसी और एसीएमएस शैक्षणिक और नैदानिक अनुभव के लिए संबद्ध संस्थान हैं

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड / आउटबाउंड)

लागू नहीं

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 25 छात्रों का नियोजन हुआ।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

18 सितंबर को पीएचसी पालम में प्रसवपूर्व देखभाल विषय पर सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा आयोजित की गई।

7 अक्तूबर 22 को जीवन शैली विकार एवं उनकी रोकथाम विषय पर जन स्वास्थ्य शिक्षा दी गई।

22 फरवरी 2022 को मॉडल पब्लिक स्कूल पालम में तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सितंबर 2022 में चतुर्थ वर्ष के नर्सिंग छात्रों द्वारा आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया और मनोविज्ञान वार्ड में भर्ती मरीजों के लिए कार्यक्रम के दौरान आत्महत्या रोकथाम पर मनोनाटक का आयोजन किया गया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बीएचडीसी के परिवारों और रोगियों के लिए एक साइकोड्रामा का आयोजन किया गया।

बीएचडीसी के रोगियों और परिवारों के लिए तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित की गई।

बीएचडीसी के मरीजों के लिए व्यसन निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्तनपान सप्ताह के अवसर पर चतुर्थ वर्ष के बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों द्वारा स्तनपान पर एक स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया और एनआईसीयू और ओबीजी वार्ड में भर्ती माताओं को केएमसी प्रक्रिया सिखाई गई।

विश्व हृदय दिवस के अवसर पर तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा ओपीडी रोगियों के लिए एक स्वास्थ्य चर्चा का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय में पुस्तकों की कुल संख्या : 5050

आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 10100

संकाय संख्या

कुल संकाय - 25

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 0.70 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 0.7077 करोड़

***

व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर जोर देने के साथ 1972 में व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय की स्थापना की गई थी। यह एक सह-शिक्षा महाविद्यालय है जो एक ही छत के नीचे पारंपरिक पाठ्यक्रम और

व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय, जिसे सीवीएस के नाम से जाना जाता है, में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में एमएमआई-प्रबंधन और बीमा का विपणन, एमएमआरबी-विपणन प्रबंधन और खुदरा व्यापार, पर्यटन प्रबंधन, ओएमएसपी-कार्यालय प्रबंधन और सचिवीय अभ्यास, एसएमई-लघु और मध्यम जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम उद्यम, एचआरएम-मानव संसाधन प्रबंधन और एमएम-सामग्री प्रबंधन शामिल हैं।

इसके साथ ही, महाविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पारंपरिक पाठ्यक्रम बी.कॉम (ऑनर्स), बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस, बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी हैं। बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी और प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस), साथ ही फ्रेंच और जर्मन भाषा में पाठ्यक्रम और पर्यटन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और पुस्तक प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को 17 सितंबर 2022 को कुतुब मीनार में भारतीय स्वच्छता लीग के आयोजन के लिए डिप्टी आयुक्त, एमसीडी, दक्षिण क्षेत्र, डॉ. अंकिता चक्रवर्ती से प्रशंसा-पत्र प्राप्त हुआ है।

स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह के शुभ अवसर पर, 17 नवंबर 2023 को एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जेस्ट स्ट्रीट्स: वेस्टर्न एंड स्ट्रीट डांस सोसाइटी ने आईआईटी बीएचयू और आईआईएम कलकत्ता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

ग्रीन ब्रिगेड ने अरावली बचाओ कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए, ग्रीन ब्रिगेड के सदस्य अरावली बचाओ पहल के हिस्से के रूप में चल रहे मौन विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। उनका समर्पण विकास की आड़ में विनाश के खतरे में पड़ी 74,000 एकड़ वन भूमि की सुरक्षा पर केंद्रित है। पर्यावरणीय प्रयासों से परे, समाज ने खुशियां फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वच्छ यमुना अभियान को भी अपना समर्थन दिया। इस उद्देश्य के साथ जुड़ते हुए, समाज के सदस्यों ने यमुना नदी के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और अभियान चलाने में अपने प्रयासों में योगदान दिया।

प्रकाशन

डॉ गौरी मिश्रा. (2023)। एक क्लासिक का ट्रांसक्रिएशन: सत्यजीत रे द्वारा चारुलता का एक वाचन। एपिटोम: *इंटरनेशनल* जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 9(2), 16-26.

डॉ अनु सत्याल. (दिसंबर 2022)। भारत के संदर्भ में विकासशील देशों में नवोन्मेष एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र। ए *जर्नल* ऑफ कोलकाता सेंटर फॉर कंटेम्परेरी स्टडीज, 2(22), 18-31.

आयोजित सेमिनार

नीति आयोग के सहायक निदेशक श्री भास्कर जे. कश्यप द्वारा 13 अक्तूबर 2022 को आयोजित सेमिनार, जिसका शीर्षक था, "वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें प्रभाव और नीति"।

14 अक्तूबर 2022 को नीति आयोग के एम एंड एम विशेषज्ञ (निदेशक समकक्ष) श्री परमज्योति चट्टोपाध्याय द्वारा "साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

महाविद्यालय की कॉमर्स सोसायटी ने 05 जनवरी, 2023 को "जोखिम प्रबंधन सम्मेलन" का आयोजन किया। ग्लोबल रिस्क मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (जीआरएमआई) के सह-संस्थापक और निदेशक श्री पुनीत मल्होत्रा को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

8 अक्तूबर 2023 को "लीडिंग विद इमोशनल इंटेलिजेंस" शीर्षक से एक वेबिनार आयोजित किया गया था।

सुश्री अदिति पांडे को सम्मानित वक्ता के रूप में प्रस्तुत किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

उज़्बेकिस्तान गणराज्य के पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत मंत्रालय के तहत सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन विकास की समस्याओं के अध्ययन के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पर्यटन विभाग ने मैकेराटा विश्वविद्यालय, मैकेराटा इटली के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य यूनीएमसी और सीवीएस के बीच शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग विकसित करना है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 600 छात्रों का नियोजन हुआ।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

वर्ष 2022-23 में वित्त, विपणन, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल आदि के क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों का

प्रतिनिधित्व करने वाली 400 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ने वर्ष के दौरान अनेक आउटरीच कार्यकलाप किए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, हर घर तिरंगा, स्वच्छ अमृत महोत्सव जैसे विभिन्न दिनों को मनाने और छात्रों को जागरूक करने के अलावा, 11 जुलाई 2022 को एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध के लिए एक जागरूकता अभियान भी चलाया गया। एन.एस.एस. दिवस के उपलक्ष्य में 29 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

कोहा, पूर्ण-विशेषताओं वाला आईएलएस इस वर्ष पुस्तकालय संचालन को स्वचालित करता है। पुस्तकालय में कुल 61168 पुस्तकें और 36 पत्रिकाएँ हैं।

संकाय संख्या

स्थायी शिक्षक: **33,** तदर्थ: **66,** अतिथि: **30**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: रुपए 434074288

उपयोगित अनुदान: रुपए 422971896

***

दौलत राम महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

वर्ष 1960 में श्री दौलत राम गुप्ता द्वारा "ऋते ज्ञानान्त मुक्ति" के आदर्श वाक्य के साथ युवा महिलाओं को समग्र शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि से स्थापित महाविद्यालय, जिसका अर्थ है "ज्ञान के माध्यम से मुक्ति" आज तक मार्गदर्शन कर रहा है। महाविद्यालय में विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी में 26 स्नातक कार्यक्रमों के लिए दुनिया भर से आने वाले 46 विदेशी छात्रों सहित लगभग 5000 लड़कियां हैं। इसके अलावा, हमारे पास विदेशी भाषा के लिए एक केंद्र है जिसमें 800 छात्रों को छह विदेशी भाषाएं सिखाई जाती हैं। राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद (एनएएसी) ने 2017 में 'ए' ग्रेड (3.36) से सम्मानित किया है, एनआईआरएफ, भारत सरकार ने हमें भारत में 29वां स्थान दिया है और डीबीटी ने महाविद्यालय को 'स्टार स्टेटस' दिया है। 188 शिक्षण संकाय और 150 गैर-शिक्षण कर्मचारी इस संस्थान की रीढ़ हैं। महाविद्यालय में सुंदर हरा-भरा कैंपस, खेल, कला और संस्कृति केंद्र (सद्भावना भवन), अत्याधुनिक

कॉन्फ्रेंस हॉल, ओपन-एयर एम्फीथिएटर (रंगशाला), 200 लड़कियों की क्षमता वाला छात्रावास, बहुउद्देशीय खेल कैंपस सह फिटनेस सेंटर है। ब्रेल अनुभाग के साथ कम्प्यूटरीकृत और अच्छी तरह से भंडारित पुस्तकालय, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं और कंप्यूटर प्रयोगशालाएं हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

माननीय कुलपति, प्रोफेसर योगेश सिंह ने 29 अगस्त 2022 को ब्लॉक पर तीन मंजिला शताब्दी शैक्षणिक ब्लॉक की नींव रखी। डीआरसी विश्वविद्यालय के उत्तरी क्लस्टर महाविद्यालयों के ज्ञान नेटवर्क के लिए नोडल महाविद्यालय बन गया है। विद्या विस्तार योजना के तहत राजस्थान में क्रमशः बाड़मेर और जोधपुर में चौहटन और मगरा पुंजला के सरकारी महाविद्यालयों के साथ सहयोग पारस्परिक लाभ के लिए जारी रहा। इन-हाउस कौशल विकास कार्यक्रम ने महाविद्यालय में अपने छठे वर्ष में प्रवेश किया। छात्रों को शैक्षणिक और मनोवैज्ञानिक-सामाजिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया गया। मनोविज्ञान संसाधन केंद्र ने अपने वैल्यू एंगेजमेंट सेंटर द्वारा मार्च 2023 में एक सप्ताह के लिए 25 गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए "खुशी और उत्पादकता बढ़ाने के मूल्य" पर दूसरा क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया। स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, बढ़ाने और बनाए रखने के लिए ए (जागरूकता) डी (डी-स्टिग्मेटाइजेशन) और एस (सीकिंग-हेल्प) III कार्यक्रम लगभग 150 छात्रों के लिए 7, 8 और 9 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया था। सकारात्मक वार्तालाप 3.0: भीतर के एच.ई.आर.ओ. को प्रज्वलित करना' का आयोजन इसके सेंटर फॉर वेल-बीइंग एंड फ्लोरिशिंग द्वारा किया गया था। कानूनी साक्षरता, जागरूकता और सहायता केंद्र का उद्घाटन 17 अक्तूबर 2022 को किया गया था। जेब्राफिश लैब सुविधा और ड्रोसोफिला संसाधन केंद्र अन्य विश्वविद्यालयों से भी प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के लिए छात्रों और शिक्षकों को आकर्षित करते रहे।

सम्मान/गौरव

मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर प्रो मीतू खोसला को दिल्ली विश्वविद्यालय से महाविद्यालयों में सेवा में शिक्षकों के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर प्रोफेसर प्रीति मल्होत्रा को दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा 'इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) फेलो' के रूप में सम्मानित किया गया।

डॉ. अनीता गर्ग मंगला, डॉ. नीरू धमीजा, डॉ. मीनाक्षी शर्मा को एनटीपीसी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज और यूके अवार्ड्स, यूनाइटेड किंगडम और गुरु अंगद देव शिक्षण शिक्षण द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "उच्च शिक्षा में उभरते रुझान" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तीसरी सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति से सम्मानित किया गया। केंद्र, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत। पं. मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षण और प्रशिक्षण मिशन, शिक्षा मंत्रालय, सरकार। भारत की 28-29 मार्च 2023.

डॉ. मीनम भाटिया (वनस्पति विज्ञान विभाग) को 27 नवंबर 2022 को इंडियन फर्न सोसाइटी फॉर टेरिडोलॉजिकल रिसर्च द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

डॉ. दीपशिखा महंत बोर्तमुली (अंग्रेजी विभाग) को 5 सितंबर 2022 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल एडवांसमेंट से अंग्रेजी भाषा और साहित्य में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. कुसुम लता (हिन्दी विभाग) को 19 मई 2022 को उत्कृष्ट नवोन्मेषी शिक्षा कार्य के लिए बाल रक्षक प्रतिष्ठान, महाराष्ट्र की ओर से राष्ट्रीय नवोन्वेषी शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. के श्रमण गुच्छैत, लाइफ साइंस तृतीय वर्ष के छात्रों को भारत की ओर से क्वाड फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

तृतीय वर्ष के कैडेट एलसीपीएल सेजर को पीएम रैली में अतिरिक्त महानिदेशक प्रशस्ति कार्ड से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. ऑनर्स (गणित) की कंचन भारती को एनसीडब्ल्यूईबी कार्यालय को सौंपे गए अंशकालिक इंटर्न के रूप में कुलपति इंटर्नशिप योजना से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. प्रथम वर्ष बायोकेमेस्ट्री की छात्रा शिवांगी उपाध्याय यूनिवर्सिटी टॉपर रहीं।

प्रकाशन

मीटू के. एट. अल. (2023)। मनोवैज्ञानिक विज्ञान त्वरक का कोविड-19 तीव्र-प्रतिक्रिया डेटासेट। *स्प्रिंगर प्रकृति, वैज्ञानिक डेटा।* 1(10):87.

मिनाक्षी पी. एट. अल. (2023)। कोविड-19 संकट के दौरान और उसके बाद एक उभरती व्यावसायिक रणनीति के रूप में आईसीटी को अपनाना: भारतीय एमएसएमई से साक्ष्य। बेंचमार्किंग: *एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* 30(6): 1850-1883.

शगुन डी.एस. एवं पांडे, ए.के. (2022)। भारतीय क्रोटेलारिया एल. (लेगुमिनोसे) में पॉड रूपात्मक और शारीरिक विविधताओं का व्यवस्थित महत्त्व। *फ्लोरा,* 2090 (152029): 1-2.

दीपक एन. (2022)। (पुनः)चिवु स्टोन शिलालेख पढ़ना: उत्तर-पूर्वी भारत में औपनिवेशिक अभिलेखागार, राष्ट्रीय इतिहास और स्मरणोत्सव। इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यू (आईएचआर*), द सेज जर्नल्स,* 49(2): 249-272.

मीनाक्षी शर्म, एट. अल. (2023)। स्ट्रेप्टोमाइसेस एसपी में विकास चक्र के दौरान श्वसन क्विनोन मेनाक्विनोन से पॉलीकेटाइड क्विनोन में बदल जाता है। तनाव एमएनयू77. *माइक्रोबायोलॉजी स्पेक्ट्रम एएसएम,* 1(11): 1-14.

दर्शन एस एट. अल. (2022)। खीरे के रस का उपयोग करके जैविक रूप से संश्लेषित अनकोटेड और कैल्शियम लेपित जेएनओह नैनोकणों के फोटोकैटलिटिक गुण। *रसायन विज्ञान जर्नल, 1 (विशेष अंक)*: 95-102.

दर्शन एस एट. अल. . (2022)। फोटोडायनामिक थैरेपी में फोटोसेंसिटाइज़र-निगमित इंडियम ऑक्साइड नैनोकणों का अनुप्रयोग। *रसायन विज्ञान जर्नल,* 15(4): 3806-3813.

ज्योति टी. एट. अल. (2022)। युवा लड़कियों में मासिक धर्म अनियमितता की व्यापकता और संबंधित कारक: भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जर्नल ऑफ़ फ़ैमिली, *मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर*, 11(12): 7769-7775.

शोध-परियोजनाएं

कोरोना महामारी के दौरान संज्ञानात्मक, प्रभावशाली और मनो-सामाजिक सूचकांकों की खोज: मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे, मध्यवर्तन, और भलाई के लिए निहितार्थ, परियोजना के लिए कोई अनुदान प्राप्त नहीं हुआ था। पीआई: प्रो. मीतू खोसला (मनोविज्ञान विभाग)।

टिलबर्ग विश्वविद्यालय, नीदरलैंड के साथ क्रॉस सांस्कृतिक अनुसंधान। परियोजना के लिए कोई अनुदान नहीं मिला. सहयोगी: प्रो. मीतू खोसला (मनोविज्ञान विभाग) एशलैंड यूनिवर्सिटी, ओहियो, यूएसए के साथ क्रॉस सांस्कृतिक अनुसंधान। परियोजना के लिए कोई अनुदान नहीं मिला. सहयोगी: प्रो. मीतू खोसला (मनोविज्ञान विभाग) बहुआयामी और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में युवा लोगों के बीच कोविड-19 का प्रभाव, धारणाएं और नुभव, यूनिवर्सिटी ऑफ स्टॉकहोम स्ट्रैक्यू रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रेनोबल एपल्स, फ्रांस के साथ। परियोजना के लिए कोई अनुदान नहीं मिला. सहयोगी: प्रो. मीतू खोसला (मनोविज्ञान विभाग) इंस्टीट्यूट ऑफ एथ्नोलॉजी, एकेडेमिया सिनिका, नानकांग, चीन गणराज्य और आईपी, यूएसए के साथ क्रॉस सांस्कृतिक अनुसंधान। परियोजना के लिए कोई अनुदान नहीं मिला. सहयोगी: प्रो. मीतू खोसला (मनोविज्ञान विभाग)।

मंजूर/दायर पेटेंट

पेटेंट धारक: डॉ. मीनाक्षी शर्मा (वनस्पति विज्ञान विभाग); पेटेंट आवेदन किया गया और अभी भी प्रतीक्षित है। (राष्ट्रीय एवं सहयोगात्मक पेटेंट, पंजीकरण 202321002960, यू/एस 11 ए) शीर्षक: "माइक्रोस्कोपी से ट्रांसक्रिप्टोमिक तक प्रकाश अनुक्रम तैयार करने की एक विधि"।

आयोजित संगोष्ठी

सेमिनार का शीर्षक है, 'यूपीएससी कैसे पास करें और बेहतर जीवन कैसे जिएं, यूपीएससी कैसे पास करें और बेहतर जीवन कैसे जिएं', श्री सुरेंद्र भगत द्वारा डॉ. विवेक दीक्षित, आईपीएस पूर्व महानिदेशक,

आरपीएफ के वरिष्ठ वैज्ञानिक आर्थोपेडिक विभाग, एम्स - 20 मार्च 2023 को भौतिकी विभाग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित।

19 अक्तूबर 2022 को दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा न्यूयॉर्क वेदांत सोसाइटी यूएसए के प्रोफेसर प्रोफेसर स्वामी सर्वप्रियानंद द्वारा 'अद्वैत वेदांत का दर्शन, छात्रों को वेदांत दर्शन के बारे में जागरूक करने के लिए' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

20 मार्च 2023 को गणित विभाग द्वारा प्रोफेसर अजय कुमार द्वारा 'वास्तविक संख्या के गुणों की संपूर्णता' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

4 अक्तूबर 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग, रिपब्लिका-द पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन के अतिरिक्त सचिव श्री अजय कनौजिया द्वारा 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत-एक विकसित भारत' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

22 जुलाई 2022 को भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से बी.ए. (पी) द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त डीन (महाविद्यालय) प्रो. रंजन त्रिपाठी द्वारा 'भारतीय शिक्षा व्यवस्था में गुरु-शिष्य परंपरा' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

24 मार्च 2023 को प्रगति महिला विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'डिजिट ऑल: इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फॉर जेंडर इक्वेलिटी' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

7 जुलाई 2022 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति: बहुविषयक कौशल की आधारशिला' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. शगुन डांडा ने 6 सितंबर 2022 को बॉटनी बायोडायवर्सिटी नेशनल, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शशि शर्मा ने 16 मई 2022 को इंटरनेशनल ग्लोबल संस्कृत फोरम दिल्ली में "संस्कृत वाल्मीके रामायण से इतर रामायणों का परिचय" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. दीप्ति बंसल ने 27 अक्तूबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय संगीत शरणम व्यास समारोह, संस्कृत विभाग, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. ऋचा डावर ने 24-29 जुलाई 2022 को त्बिलसी, जॉर्जिया त्बिलसी राज्य विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ में "सुल्तान सामजी की बीड बाई में अंतरराष्ट्रीय उपनिवेशवाद विरोधी सांस्कृतिक राजनीति को पढ़ना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शिखा सिंह ने 12 अगस्त 2022 को आईआईटी तिरूपति और इंस्टीट्यूट फॉर न्यू इकोनॉमिक थिंकिंग में "ए थ्योरेटिकल मॉडल ऑफ डायरेक्टेड लेंडिंग पॉलिसी नेशनल" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

4 दिसंबर 2022 को भारती महाविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. शारदा गौतम ने "जातक माला में पारस्थितिक चिंतन की वर्तमान में प्रसंगिकता" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर पद्मश्री मुद्गल ने 17 जनवरी 2023 को दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से जैव रसायन विभाग, डीआरसी द्वारा आयोजित "जल प्रदूषण और इसका राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर मीतू खोसला ने क्राइस्ट यूनिवर्सिटी में 3-7 जनवरी 2023 को आयोजित परामर्श, मनोचिकित्सा और कल्याण पर 5वें आईसीसीपी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दुनिया भर में स्वास्थ्य में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का योगदान" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शिखा सिंह ने 12 अगस्त 2023 को आईआईटी तिरूपति और इंस्टीट्यूट फॉर न्यू इकोनॉमिक थिंकिंग में "ए थ्योरेटिकल मॉडल ऑफ डायरेक्टेड लेंडिंग पॉलिसी नेशनल" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीतू गुप्ता ने 21 जनवरी 2023 को विश्व हिंदी साहित्य परिषद में "भाषा का प्रश्न और सिनेमा इंटरनेशनल" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

राजकीय महाविद्यालय, चौहटन, जोधपुर (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर से संबद्ध राजकीय महाविद्यालय, चौहटन और दौलत राम महाविद्यालय 2021 में विद्या विस्तार योजना के तहत एक साथ शामिल हुए, जो 3 वर्षों के लिए वैध है।

राजकीय कन्या महाविद्यालय, मगरा पुंजला, जोधपुर (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर से संबद्ध राजकीय कन्या महाविद्यालय, मगरा पुंजला, जोधपुर और दौलत राम महाविद्यालय 2021 में एक साथ शामिल हुए, जो 3 वर्षों के लिए वैध है।

समावेशी दिव्यांगजन उद्यमी संघ (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: (समावेशी दिव्यांगजन उद्यमी संघ) आइडिया-सक्षम के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर अगस्त 2022 में हस्ताक्षर किए गए थे।

संस्कृति फाउंडेशन (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: संस्कृति फाउंडेशन, दिल्ली और दौलत राम महाविद्यालय के बीच अप्रैल 2022 में एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मुक्त शिक्षा विद्यालय और भौराओस देवरस सेवा न्यास (समर्थ भारत) के साथ समझौता-ज्ञापन: मुक्त शिक्षा विद्यालय (कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग), भौराओस देवरस सेवा न्यास (समर्थ भारत) और दौलत राम

महाविद्यालय फरवरी 2023 में एक साथ शामिल हुए।

लक्ष्य (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: लक्ष्य, सामाजिक और पर्यावरण विकास सोसायटी, दिल्ली और दौलत राम महाविद्यालय ने 15 जुलाई 2022 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

सहायता (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और अनुसंधान फाउंडेशन, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल और दौलत राम महाविद्यालय ने जनवरी 2022 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जो 2027 तक वैध है।

सतरंगा के साथ समझौता-ज्ञापन: दौलत राम महाविद्यालय और सतरंगा सितंबर 2022 में उत्सव रस कीर्ति 2022 के सहयोग और आयोजन के लिए एक साथ शामिल हुए।

कोरियोग्राफर के साथ समझौता-ज्ञापन: जेनिथ, दौलत राम महाविद्यालय की वेस्टर्न डांस सोसायटी ने 12 अक्तूबर 2022 को श्री कुणाल श्रीवास्तव के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

विद्या विस्तार योजना (V2 योजना): दिल्ली विश्वविद्यालय ने देश के दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित विश्वविद्यालयों के महाविद्यालयों और विभागों के साथ साझेदारी करने के लिए विद्या विस्तार योजना (V2 योजना) शुरू की है ताकि विश्वविद्यालय के महाविद्यालय और विभाग सहयोग कर सकें। विशेष रूप से इन संस्थानों और सामान्य रूप से देश की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ उनका विकास करना। विद्या विस्तार योजना दो महाविद्यालयों/विभागों के बीच समान भागीदार के रूप में आपसी सम्मान, सहयोग और साझेदारी के सिद्धांत पर आधारित है। विद्या विस्तार योजना के उद्देश्यों के आलोक में, दौलत राम महाविद्यालय ने एक अकादमिक सहयोग में प्रवेश किया है। राजकीय महाविद्यालय, चौहटन और राजकीय कन्या महाविद्यालय, मगरा पुंजला, जोधपुर, राजस्थान। साझेदारी का उद्देश्य छात्रों और संकाय की शैक्षणिक पूंजी को बढ़ाने के लिए भागीदार संस्थानों के बीच संसाधनों और विशेषज्ञता को साझा करने की सुविधा प्रदान करना है।

भूविज्ञान और पेडोलॉजी विभाग: वानिकी और लकड़ी प्रौद्योगिकी, ब्रनो में मेंडल विश्वविद्यालय, ब्रनो चेक गणराज्य। 2017-अब तक।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

नीदरलैंड की सुश्री लिसा एर्ट्स ने पोषण संबंधी जैव रसायन का अध्ययन किया; हार्मोन जैव रसायन और कार्य; दौलत राम महाविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर के लिए पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी और नृवंशविज्ञान।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 123 छात्रों का नियोजन हुआ।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

2022-23 के दौरान 100 से अधिक कंपनियों ने महाविद्यालय का दौरा किया।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

आजीविका अवसर कार्यशाला: दिव्यांग छात्राओं को रोजगार संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए 12 सितंबर 2022 को "आजीविका अवसर" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में दिव्यांग छात्रों के लिए आजीविका की विभिन्न संभावनाओं को शामिल किया गया।

इसके अतिरिक्त, 13 जुलाई 2022 को, "दिव्यांग व्यक्तियों के लिए मसौदा राष्ट्रीय नीति" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था जिसमें दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और सशक्तिकरण के संबंध में अतीत, वर्तमान और भविष्य की नीतियों पर चर्चा की गई थी।

राष्ट्रीय सामाजिक सेवा परियोजनाएं: एक सक्रिय एन.एस.एस. टीम द्वारा शुरू की गई अनेक परियोजनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा: परियोजना इत्मिनान परियोजना इत्मिनान, एक भूख उन्मूलन कार्यक्रम, का आदर्श वाक्य 'हर सांस के लिए रोटी' है जो अथक प्रयास करने के उद्देश्य के प्रति इकाई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक ऐसी दुनिया का सपना साकार हो गया है जहां कोई भी खाली पेट नहीं सोएगा। इसके तत्वावधान में आयोजित गतिविधियों में अनेक खाद्य संग्रह और दान अभियान और दैनिक आवारा भोजन कार्यक्रम के साथ-साथ नए स्वयंसेवकों को परियोजना के कामकाज से परिचित कराने के लिए एक ओरिएंटेशन सत्र शामिल है।

परियोजना अवनी: परियोजना अवनी एक स्थिरता पहल है जो जीवन जीने के वैकल्पिक और पर्यावरण-अनुकूल तरीकों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है जो ग्रह को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं और आने वाले युगों तक इसे बनाए रखते हैं। इस परियोजना के माध्यम से, इकाई का लक्ष्य स्वयंसेवकों को पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है, चाहे वह पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों, वृक्षारोपण अभियान, पुराने कपड़ों के पुनर्चक्रण या संसाधनों के संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना हो। परियोजना अवनि के तहत आयोजित गतिविधियों में क्लॉथ डोनेशन ड्राइव, व्यावहारिक वेबिनार, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और टोट बैग मेकिंग गतिविधि के साथ-साथ नए स्वयंसेवकों को परियोजना के कामकाज से परिचित कराने के लिए एक ओरिएंटेशन सत्र शामिल है। 23 सितंबर 2022 को परियोजना अवनी के तत्वावधान में 'प्रौद्योगिकी और पर्यावरण न्याय' विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था, जिसमें वक्ता सुश्री हीता लखानी थीं, जो क्लाइम एक्ट पहल की संस्थापक और यूथ नेगोशिएटर्स अकादमी की सह-संस्थापक हैं।

सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह: दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह मनाने के लिए 14 जनवरी 2023 को दिल्ली यातायात पुलिस के साथ सहयोग किया, जो दिशानिर्देशों के अनुसार 11-17 जनवरी 2023 तक मनाया गया। परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के. युवा वयस्कों को सड़क पर सुरक्षित रहने के बारे में शिक्षित करने के लिए दिल्ली पुलिस में सड़क और सुरक्षा सेल की प्रभारी सुश्री सीमा शर्मा सहित दिल्ली यातायात पुलिस के 10 अधिकारी, साथ ही हीरो मोटोकॉर्प के कर्मचारी भी मौजूद थे। इसके बाद अश्मिता थिएटर ग्रुप द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। एक हल्के-फुल्के व्यंग्य के माध्यम से, इस कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा के आसपास विभिन्न विषयों की खोज की गई, जिसमें सड़क पर क्रोध, यातायात नियमों के उल्लंघन में आम लोगों की सहभागिता और वे कैसे सड़कों को सभी के लिए असुरक्षित बनाते हैं।

बच्चों के प्रति यौन शोषण पर वेबिनार: दौलत राम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने 22 अगस्त 2022 को 'बच्चों के प्रति यौन दुर्व्यवहार: हम उनकी रक्षा कैसे कर सकते हैं?' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। यह एक गैर सरकारी संगठन साक्षी एनजीओ के सहयोग से आयोजित किया गया। द रक्षिन परियोजना नामक अपनी पहल के तहत, 1992 से लैंगिक समानता प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं। रक्षिन परियोजना यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम के बारे में जागरूकता फैलाने और बाल यौन शोषण को कैसे रोका जा सकता है, इस पर केंद्रित है। दिन की वक्ता द रक्षिन परियोजना की टीम लीड डॉ. राम्या निसल थीं।

एन.एस.एस. दिवस समारोह: दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने 24 सितंबर 2022 को 53वां एन.एस.एस. दिवस मनाया, जो 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के शुभारंभ के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इसे महाविद्यालय के संपूर्ण सफाई और रखरखाव स्टाफ को समर्पित करना, जो पर्याप्त महाविद्यालय वातावरण प्रदान करने के लिए अथक प्रयास करते हैं। कार्यक्रम में स्टाफ के कुल 37 सदस्यों ने भाग लिया।

74वां गणतंत्र दिवस समारोह: दौलत राम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने 24 जनवरी 2023 को महाविद्यालय कैंपस में 74वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया। उस दिन का विषय था, उर्वरता का प्रतिनिधित्व करने के लिए, "हरित रंगों में देशभक्ति", हमारी मातृ प्रकृति की वृद्धि और शुभता। समारोह में वृक्षारोपण अभियान सहित अनेक आनंददायक, समृद्ध और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे, जिसके बाद फेस पेंटिंग प्रतियोगिता, मोनोलॉग प्रतियोगिता और कविता प्रतियोगिता सहित अनेक प्रतियोगिताएं हुईं।

"ब्रेल लिपि के साथ एड-टेक मॉडल कैसे फिट होगा" विषय पर वेबिनार: 13 जनवरी 2023 को डॉ. शक्ति अग्रवाल के सहयोग से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। दृष्टिबाधित डॉ. अग्रवाल न केवल वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय में व्याख्याता के रूप में कार्यरत हैं, बल्कि स्वयं भी इसके

उल्लेखनीय पूर्व छात्रों में से एक हैं।

वायु प्रदूषण पर समूह चर्चा: 16 जनवरी, 2023 को दौलत राम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने अपनी स्थिरता पहल, परियोजना अवनि के तत्वावधान में वायु प्रदूषण पर एक ऑनलाइन समूह चर्चा सत्र का आयोजन किया।

परियोजना पाखी: परियोजना पाखी दौलत राम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शुरू की गई एक नई बाल कल्याण पहल है। यह परियोजना महाविद्यालय के निर्माण श्रमिकों के बच्चों, नेहा और शिवम जैसे बच्चों की मासूमियत से उपजा है, जिन्हें यूनिट के सदस्यों द्वारा एक वर्ष से अधिक समय से पढ़ाया और पोषित किया जा रहा है। यह परियोजना अपने तत्वावधान में इकाई द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में अपने प्रयासों के माध्यम से एक ठोस बदलाव लाने में सफल रही है। इनमें एक स्टेशनरी और खिलौना दान अभियान और विरमानी स्कूल के सहयोग से आयोजित एक छात्र मेला शामिल है। प्राप्त खिलौनों और स्टेशनरी को बाद में आशा भवन ट्रस्ट ऑफ इंडिया और नोस्ट्रो डेस्टिनो फाउंडेशन नामक एक गैर सरकारी संगठन को दान कर दिया गया, जो दिल्ली में कैदियों के साथ-साथ उनके बच्चों के कल्याण और सम्मानजनक जीवन के लिए काम करने वाला संगठन है।

कपड़ा दान अभियान: अक्तूबर 2022 कपड़ा दान अभियान कम विशेषाधिकार प्राप्त व्यक्तियों को पर्याप्त कपड़े वितरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, और इसलिए, यूनिट के अंतिम आदर्श वाक्य 'मैं नहीं, बल्कि आप' को बरकरार रखा गया था। इस अभियान ने अपना पहला दान 25 नवंबर 2022 को चिह्नित किया जब एकत्रित कपड़ों की पूरी वस्तुएं आशा भवन ट्रस्ट ऑफ इंडिया नामक एक गैर सरकारी संगठन को दान कर दी गई।

फिट इंडिया और क्लीन इंडिया ड्राइव 2022: दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने एन.एस.एस. डीआरसी वेलनेस मंथ के तत्वावधान में फिट इंडिया ड्राइव और क्लीन इंडिया ड्राइव के दो एक साथ अभियान आयोजित किए। अभियान की टैगलाइन, 'चारों ओर साफ़, अंदर से बाहर साफ़', इन संयुक्त मूल्यों पर ज़ोर देने की कोशिश करती है। एक महीने तक चले अभियान में स्वयंसेवकों ने अपने घरों, पड़ोस के क्षेत्रों और आसपास के पार्कों सहित अपने आस-पास के वातावरण की सफाई की जिम्मेदारी लेते हुए कल को स्वच्छ बनाने में योगदान दिया। स्वयंसेवकों ने नियमित रूप से दैनिक अपडेट, चित्रों और वीडियो के माध्यम से इन पहलों में अपनी भागीदारी प्रदर्शित की।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 101741

अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 22

महाविद्यालय पुस्तकालय में दुर्लभ पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों सहित पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है।

पुस्तकालय एक बढ़ती हुई संस्था है और समय के साथ इसमें विभिन्न विकास हुए हैं और यह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में लगा हुआ है। पुस्तकालय को उपयोगकर्ता केंद्रित तरीके से डिजाइन किया गया है जहां उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और प्राथमिकताओं को समझा जाता है और तदनुसार सेवाएं प्रदान की जाती हैं। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों, छात्रों और विशेष छात्रों की सभी आवश्यकताओं और आवश्यकताओं को समझकर पुस्तकालय का विकास किया जा रहा है। पुस्तकालय में लगभग 1 लाख पुस्तकें, 20 जर्नल और 11 समाचारपत्रों की सदस्यता है।

प्रौद्योगिकी एकीकरण: महाविद्यालय पुस्तकालय कंप्यूटर और हाई स्पीड इंटरनेट सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा, पुस्तकालय सबसे उन्नत पुस्तकालय प्रबंधन और स्वचालन सॉफ्टवेयर कोहा का उपयोग कर रही है। वेब ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक सर्विस कैटलॉग) जिसके माध्यम से छात्र कहीं से भी और किसी भी समय पुस्तकों से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अभिगम्यता और समावेशिता: महाविद्यालय पुस्तकालय समावेशिता और पहुंच में विश्वास रखता है। पुस्तकालय दिव्यांग छात्रों के लिए सहायक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है। इसके अलावा, पुस्तकालय अपने दिव्यांग पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन ब्रेल पुस्तकालय तक पहुंच प्रदान करती है, जहां दिव्यांग छात्रों के लिए हजारों पुस्तकें और अन्य पठन सामग्री उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। रिकॉर्डिंग के उद्देश्य से दिव्यांग छात्रों को डेज़ी प्लेयर उपलब्ध कराए जाते हैं।

संग्रह विकास: पुस्तकालय का संग्रह समग्र दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है जहाँ सभी प्रकार के साहित्य को खरीदा हुआ माना जाता है। वर्तमान में पुस्तकालय में विभिन्न विषयों, संस्कृति, भाषाओं की 1 लाख पुस्तकें रखी हुई हैं।

डिजिटल संसाधन: पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय सिस्टम के माध्यम से विभिन्न डिजिटल संसाधनों तक पहुंच प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय के पास नेशनल पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज अवसंरचना फॉर स्कॉलरली कंटेंट (एन-लिस्ट), इनफ्लिबनेट और डेवलपिंग पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट) की सदस्यता है। पुस्तकालय विभिन्न ओपन एक्सेस डिजिटल संसाधन भी प्रदान करती है जिनकी अनुसंधान विद्वानों के बीच महत्वपूर्ण पहुंच है।

संस्थागत भंडार (कोश): पुस्तकालय अनुसंधान कार्यों का एक संस्थागत भंडार तैयार कर रहा है। KOSH तक रिमोट पहुंच उपलब्ध है।

पुस्तकालय ने अपना वेबपेज बनाया है जो इसके उपयोगकर्ताओं को सभी नियमों और विनियमों, सेवाओं, डिजिटल संसाधनों तक पहुंच, सरकार द्वारा दी गई सेवाओं के विभिन्न लिंक की पेशकश करता है। वेबपेज पर भारत के साइबर अपराध की जानकारी और उपकरण, अनुसंधान उपकरण आदि दिए गए हैं।

पुस्तकालय का सबसे महत्त्वपूर्ण विकास यह है कि पुस्तकालय सप्ताह के सभी दिनों (सोमवार से रविवार)

तक चालू रहता है। पुस्तकालय के सामान्य कामकाजी घंटों में भी बढ़ोतरी की गई है। पुस्तकालय का कार्य समय प्रातः 8.30 बजे से सायं 6.30 बजे तक है। पहले यह समय सुबह 8.30 बजे से सांध्य 5 बजे तक था।

पुस्तकालय ने महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों के लिए श्रीमद्भागवत गीता का ब्रेल लिपि में अनुवाद किया है। महाविद्यालय का पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों में श्रीमद्भागवत गीता को ब्रेल लिपि में रखने वाला एकमात्र पुस्तकालय है।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 101741

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 22

संकाय संख्या

संकाय संख्या:188

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 63.95 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 57.4 करोड़

***

दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

डीसीएसी दक्षिण दिल्ली में नेताजी नगर के शांत और शांत इलाके में स्थित है। हम छह स्नातक पाठ्यक्रमों की पेशकश करते हैं जो बैचलर के साथ बी.कॉम प्रोग्राम और बी.ए. तक ले जाते हैं। एनईपी और सीबीसीएस-एलओसीएफ मोड और विभिन्न ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों के तहत बारह अनुशासन संयोजनों वाला कार्यक्रम। हम अपने छात्रों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को एक रोमांचक अध्ययन का अनुभव प्रदान करते हैं। अध्ययन की प्रक्रिया में व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशालाएं, पावर-पॉइंट प्रस्तुतियां और सम्मेलन शामिल हैं जो छात्रों को विचार की नई धाराओं से परिचित कराते हैं और उन्हें मूल्यवान जीवन-कौशल प्रदान करते हैं जो उन्हें पारंपरिक मूल्यों और समकालीन दुनिया द्वारा पेश की गई संभावनाओं के बीच रचनात्मक रूप से चर्चा करने में सक्षम बनाता है। महाविद्यालय एक अत्याधुनिक बहुउद्देश्यीय हॉल का दावा करता है। हमारे पास एक गतिशील नियोजन सेल है जो अग्रणी बहुराष्ट्रीय निगमों में उत्कृष्ट पद और आकर्षक पैकेज सुरक्षित करता है। शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के अलावा, हम छात्रों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते हैं। परियोजना टैनज़ील के माध्यम से, वे पड़ोस के वंचित बच्चों को समग्र शिक्षा प्रदान करते हैं। महाविद्यालय वाई-फाई सक्षम है, इसमें 120 से अधिक कंप्यूटरों के साथ एक पूरी तरह सुसज्जित कंप्यूटर लैब है, एक ई-संसाधन केंद्र के साथ सुभंडारित पुस्तकालय है। हमारी खेल, एन.एस.एस. और एन.सी.सी. इकाइयों ने हमें अनेक सम्मान दिलाए हैं। हमारे पास जीवंत छात्र

समाज हैं- फोटोग्राफी, वाद-विवाद, फैशन, नुक्कड़ नाटक, नृत्य और संगीत, ईएनक्टस, प्रकृति।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने विभिन्न विभागों में 58 स्थायी संकाय नियुक्तियाँ कीं। पुस्तकालयाध्यक्ष का स्थाई पद भरा गया। आईक्यूएसी और जी20 समिति ने भारत की जी20 अध्यक्षता पर जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए। महाविद्यालय ने मार्च 2023 में क्रोएशिया गणराज्य के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री, श्री गॉर्डन ग्रलिक रैडमैन की मेजबानी की। महाविद्यालय ने छात्रों के बीच उद्यमशीलता मूल्यों को विकसित करने के लिए एक आजीविका विकास केंद्र स्थापित करने के लिए डीयू के साथ एक समझौता-ज्ञापन में प्रवेश किया। महाविद्यालय ने स्मार्ट प्रोजेक्शन सुविधा के साथ अत्याधुनिक सेमिनार हॉल बनाए हैं। वाणिज्य विभाग ने जुलाई 2022 में यूपीएससी सीएसई को आजीविका और रणनीति के रूप में क्यों चुनें विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। अर्थशास्त्र विभाग ने जनवरी 2023 को खुश रहने की कला: नए परिप्रेक्ष्य का निर्माण विषय पर डॉ. सीमा गुप्ता के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया। कैंपस में आरओ मशीनों से पानी बचाने के लिए भंडारण पानी की टंकियों की खरीद शुरू की। अंग्रेजी विभाग ने अप्रैल 2023 में सुश्री जेनिस पारिएट के साथ उनके उपन्यास, एवरीथिंग द लाइट टच पर एक बुक टॉक सत्र का आयोजन किया। पत्रकारिता विभाग ने फरवरी 2023 में श्री निमिष कपूर द्वारा "तथ्य सत्यापन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। एन.एस.एस. ने असंख्य प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए। एन.सी.सी. ने महाविद्यालय को अनेक सम्मान दिलाए हैं और हमारे 4 कैडेटों को रक्षा बलों के लिए अनुशंसित किया गया था।

सम्मान/गौरव

पांच संकाय सदस्यों को उनके पीएच.डी. से सम्मानित किया गया: राजनीति विज्ञान विभाग से प्रो. श्रीकांत पांडे, अर्थशास्त्र विभाग से डॉ. मीरा मल्हान, पत्रकारिता विभाग से डॉ. आकृति कोहली, वाणिज्य विभाग से डॉ. चंदन कुमार सिंह, अंग्रेजी विभाग, अंग्रेजी विभाग से डॉ. इनामी चोपड़ा ने प्रोफेसरशिप प्राप्त की।

प्रशासन में गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की पांच पदोन्नतियां हुईं।

पांच संकाय सदस्यों को उनकी पीएच.डी. से सम्मानित किया गया: राजनीति विज्ञान विभाग से प्रोफेसर श्रीकांत पांडे, अर्थशास्त्र विभाग से डॉ मीरा मल्हान, पत्रकारिता विभाग से डॉ आकृति कोहली, वाणिज्य विभाग से डॉ चंदन कुमार सिंह और डॉ अंग्रेजी विभाग से एनामी चोपड़ा।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष की देवांशी अनेजा ने 9.27 का सीजीपीए स्कोर किया और उन्हें महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की निष्ठा लड्ढा ने 9.041 का सीजीपीए स्कोर किया और उन्हें महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के राम पाट सिंघानिया ने 8.939 का सीजीपीए स्कोर किया और उन्हें

महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता तृतीय वर्ष की हिमांशी अग्रवाल ने 8.284 का सीजीपीए स्कोर किया और उन्हें महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष की जानवी सचदेवा ने 8.176 का सीजीपीए स्कोर किया और उन्हें महाविद्यालय में रैंक 1 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

चंद्रा के.के., ओमेश वी., भदौरिया आर. (2022)। कार्बन डाइऑक्साइड की भरपाई और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कैंपस में हरियाली। वर्तमान विश्व पर्यावरण. 1(17): 213-225.

शोम, ए., फर्त्याल, एस.एस., महाराणा, पी., और वर्मा, ए. (2023)। पारिस्थितिक तंत्रों में पादप लक्षण-सेवा संबंधों पर सहकर्मी-समीक्षित वैज्ञानिक अध्ययन का मानचित्रण: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण। एंथ्रोपोसीन विज्ञान. 4(2): 1-12.

बनर्जी, एस. (2022)। इतिहास का पुनर्निर्माण-कार्लोस फ़्यूएंट्स के टेरा नोस्ट्रा (1975) और द कैंपेन (1990) का एक अध्ययन। आईआईएस यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ आर्ट्स। 1(12): एन.ए.

ऐलावाडी, एन. (2022)। महिला कलाकारों के जीवन को पढ़ना गौहर जान और जद्दन बाई: उनकी छवि और व्यक्तित्व के पुनर्निमाण की भावना में। बुद्धि बोलती है. 1(7): 37-43.

कोहली, ए. (2022)। मीडियम है सेंसेशन: स्मार्टफोन स्क्रीन पर ओटीटी प्लेटफॉर्म। अकादमियाँ। एनए(16): 17-46.

जिंगाला, एन. और भारद्वाज, डी. (2022)। जलवायु परिवर्तन जागरूकता और सोशल मीडिया पर चिंतन: भारत में युवाओं के बीच एक अध्ययन। भाव वीणा, जर्नल ऑफ आर्ट्स, लिटरेरी, कल्चर एंड लैंग्वेज सोसाइटी। 12(19): 122-132.

गुप्ता ए. (2022)। भारित हार्डी स्पेस पर जटिल सममित भारित संरचना ऑपरेटर। शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में प्रगति. 1(13): 39-49.

डॉ. अनुराधा गुप्ता. (2022)। हार्डी स्पेस पर टोप्लिट्ज़ रचना ऑपरेटरों की जटिल समरूपता और सामान्यता। फ़िलोमैट। 7(36): 2281-2291.

शर्मा, ए., महराना, पी., साहू, एस और शर्मा, पी. (2022)। दक्षिण बिहार, भारत में पर्यावरण परिवर्तन और भूजल परिवर्तनशीलता। सतत विकास के लिए भूजल। एनए(19): 1-13.

डॉ. भूपिंदर, एल., और सिंह, आर.. (2022)। व्यक्तिगत स्तर के प्रदर्शन के आधार पर संगठनात्मक प्रदर्शन पर आध्यात्मिक नेतृत्व शैली के प्रभावों की जांच करने के लिए अध्ययन: एक मेटा-विश्लेषण। सचेतस. 2(1): 22-35.

जर्नल

प्रो. राजीव चोपड़ा (प्रधान संपादक), प्रो. स्मिता बनर्जी।(2022)। बौद्धिक अनुनाद डीसीएसी जर्नल ऑफ

इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज। वार्षिक। एनए(5): 01-179.

आयोजित संगोष्ठी

31 मार्च 2023 को वाणिज्य विभाग द्वारा तथागत के सह-संस्थापक, विशेषज्ञ सलाहकार कुमार अभिषेक द्वारा 'नियोजन के लिए साक्षात्कार कैसे संभालें' शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. इंद्राणी रॉय चौधरी, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ रीजनल डेवलपमेंट, जेएनयू द्वारा 5 सितंबर 2022 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार, जिसका शीर्षक है, 'व्यवहारिक स्वास्थ्य अर्थशास्त्र- संभावना सिद्धांत से अंतर्दृष्टि'।

23 सितंबर 2022 को अंग्रेजी विभाग द्वारा आईआईटी मद्रास के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. ज्योतिर्मय त्रिपाठी द्वारा 'आईआईटी मद्रास में स्नातकोत्तर शैक्षणिक अवसर' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

2 फरवरी 2023 को इतिहास विभाग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर दिनेश कटारिया द्वारा 'दिल्ली से दिल्ली: शहरी परिवर्तन की एक सदी' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

प्रोफेसर के.एस. दक्षिणा मूर्ति और प्रोफेसर कंचन कौर, प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ न्यू मीडिया एंड जर्नलिज्म, बेंगलुरु द्वारा 'एक अच्छी तरह से सूचित प्रत्यक्षदर्शी की महत्त्वपूर्ण भूमिका (युद्ध रिपोर्टर की भूमिका) और पत्रकारिता में आजीविका' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। पत्रकारिता विभाग द्वारा 10 नवंबर 2022 को।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

अनीता ने 10-11 नवंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा व्यापार और प्रबंधन में प्रगति पर आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विलय और अधिग्रहण का प्रभाव: साहित्य की एक महत्त्वपूर्ण समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

किशोर कुमार ने 4-5 जून 2022 को दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च (डीएसपीएसआर) द्वारा संस्थानों, शासन और न्याय विषय पर आयोजित XXIV वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "लघु उद्योगों (एसएसआई) पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बीर सिंह ने 1-3 मार्च 2023 के दौरान राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, भारत में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स के 63वें वार्षिक सम्मेलन में "औद्योगिक संरचना, स्वामित्व पैटर्न, और संगठित विनिर्माण क्षेत्र में अनुबंध: एक फर्म स्तर का विश्लेषण" शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आकांक्षा अग्रवाल ने 6-7 जनवरी 2023 के दौरान अहमदाबाद विश्वविद्यालय के चौथे वार्षिक अर्थशास्त्र और वित्त सम्मेलन में "छात्रों के अध्ययन पर शिक्षक स्थानांतरण नीति का प्रभाव: भारत से साक्ष्य" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

विनीता गुप्ता चतुर्वेदी ने 26 फरवरी 2023 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा द वेस्टलैंड, यूलिसिस और जैकब रूम के 100 वर्षों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "राजनीतिक से अधिक व्यक्तिगत विशेषाधिकार: वर्जीनिया वुल्फ का रणनीतिक नारीवादी प्रतिरोध म्युपे डैलोवे में विशेषाधिकार" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

स्मिता बनर्जी वाउंडेड ने "इमेजिनेशन: प्रथम विश्व युद्ध और हेमिंग्वे के हीरो का गुस्सा, प्रथम विश्व युद्ध" शीर्षक से 27-28 जनवरी 2023 तक राजस्थान विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग और एफसीटी बड़ौदा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया; आधुनिकतावाद(ओं); और टाइम बाइंडिंग"।

अनिमेष महापात्र ने 12 जनवरी 2023 को केंद्रीय साहित्य अकादमी द्वारा "अनुवाद के रूप में अनुवाद" विषय पर आयोजित एक ऑनलाइन संगोष्ठी में "उड़िया साहित्य के इतिहास में परिवर्तन के एक एजेंट के रूप में अनुवाद" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर अमृत कौर बसरा ने 1-2 दिसंबर 2022 को एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "भाई वीर सिंह: टाइम्स, राइटिंग्स एंड लिगेसी" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पंजाब आफ्टर एनेक्सेशन: पॉलिटी एंड सोसाइटी" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नेहा जिंगाला ने मीडिया अध्ययन केंद्र के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय द्वारा आयोजित शांति निर्माण में वैश्विक नेता के रूप में भारत पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मीडिया शांति निर्माण और संघर्ष परिवर्तन के एक उपकरण के रूप में: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" शीर्षक से 27 जून 2022 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आकृति कोहली ने 17-18 नवंबर 2022 को मिजोरम विश्वविद्यालय, भारत में बॉर्डरलेस कम्युनिकेशन: रीइमेजिनिंग ग्लोबल मीडियास्केप्स पर राष्ट्रीय हाइब्रिड सेमिनार में "भारत में ट्रांसनेशनल टेलीविजन रीरन्स और फैन प्रैक्टिसेज की ओटीटी खपत: एक केस स्टडी" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

दिल्ली विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: आजीविका विकास केंद्र, डीसीएसी और दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रों के उद्यमिता प्रयासों को सहायता प्रदान करने के लिए एक साथ शामिल हुए

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 175 छात्रों का नियोजन हुआ।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

वर्ष 2022-23 में 60 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया। कैंपस में आने वाली कंपनियों में केपीएमजी, ईवाई जीडीएस, विप्रो, बेचटेल, लॉयड, लार्सन एंड टुब्रो, इनफिनिट लोकस समेत अनेक जॉब प्रोफाइल शामिल थे: वित्त, अकाउंटिंग, सेल्स, कंटेंट राइटिंग, रिसर्च, एनालिस्ट, कंसल्टिंग और लेखापरीक्षा समेत अन्य कंपनियां।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सामाजिक उद्यमिता की शक्ति के माध्यम से हाशिए पर रहने वाले समुदायों के उत्थान के मूल दर्शन पर खरा उतरते हुए, एनेक्टस डीसीएसी ने पिछले वर्ष 2 परियोजनाओं पर काम किया, जिनके नाम हैं परियोजना तालीम और परियोजना ज़राअत.01। परियोजना तालीम का उद्देश्य समुदाय संचालित मॉडल के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा प्रदान करके शरणार्थी बच्चों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाना है, जहां शिक्षकों की पहचान समुदाय के भीतर से ही की जाती है।

परियोजना जराट: 83 सदस्यों की एक सक्रिय टीम का लक्ष्य छोटे और सीमांत किसानों को किफायती, पोर्टेबल और पर्यावरण-अनुकूल भंडारण समाधान प्रदान करके फसल के बाद के नुकसान को कम करना है। फसल के बाद प्रतिवर्ष 93,000 करोड़ रुपये का नुकसान होता है, नुकसान का संदर्भ लें कटाई के बाद लेकिन अंतिम उपभोग से पहले हो रहा है, जिसका प्राथमिक कारण उचित भंडारण और परिवहन सुविधाओं का अभाव है। इससे किसानों को मजबूरी में फसल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है और सौदेबाजी की शक्ति खत्म हो जाती है। छोटे और सीमांत किसान, जो किसान आधार का लगभग 86% हिस्सा हैं, इस समस्या का खामियाजा भुगतते हैं। हमने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्यों में अपने कृषक समुदायों में 6 भंडारण समाधान स्थापित किए हैं। हमारा लक्ष्य अपने स्थायी व्यवसाय मॉडल द्वारा कृषक समुदायों का उत्थान करना है और हमने फसल के बाद के नुकसान को 60% तक कम कर दिया है, और ऊर्जा की खपत को 20% तक कम कर दिया है। 2 लाख से अधिक का राजस्व उत्पन्न करने और 250 से अधिक किसानों के जीवन पर सीधे प्रभाव डालने वाला, ज़राट अब 3 राज्यों में कृषक समुदायों के लिए आशा का अग्रदूत बन गया है।

हमने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के कृषि विभाग के साथ सहयोग किया है; वे हमारे शैक्षिक भागीदार हैं।

मीडिया प्रकाशन: महाविद्यालय को विभिन्न सोशल मीडिया प्रकाशनों जैसे हिंदुस्तान टाइम्स, कृषि जागरण, द मॉर्निंग स्टैंडर्ड, द लॉजिकल इंडियन इत्यादि में दिखाया गया है और हमें सिविल सेवकों और राजनीतिक हस्तियों से प्रशंसा-पत्र प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया है।

प्रतिभा: एक सामाजिक पहल के रूप में, एक्टस डीसीएसी ने 'प्रतिभा: शिक्षा के माध्यम से जीवन बदलना' लॉन्च किया, जिसमें हमने दीपालय और गूंज जैसे गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से पुस्तक दान अभियान चलाया और दिल्ली भर के शिक्षा केंद्रों में 1500 से अधिक प्राथमिक स्तर की पुस्तकें दान कीं।

स्माइल्स परियोजना: आईक्यूएसी के तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य समिति ने अपने स्माइल्स परियोजना (एक मिलियन स्वास्थ्य शिक्षित छात्रों के माध्यम से मजबूत भारत) के हिस्से के रूप में लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान के सहयोग से फैटी लीवर पर एक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया। 29 मार्च, 2023। डॉ. पूर्णिमा सिंह, परियोजना अधिकारी, स्माइल्स, ने सत्र की अध्यक्षता की और उनकी टीम ने छात्रों और संकाय के बीच सिरोसिस और हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा जैसी पुरानी जिगर की बीमारियों के शीघ्र मध्यवर्तन और प्राथमिक रोकथाम पर जागरूकता पैदा की। हृदय, मधुमेह, स्ट्रोक और क्रोनिक किडनी रोगों के कारक।

डिजिटल सुरक्षा: आईसीसी और जीएसई महाविद्यालय के महिला विकास सेल के सहयोग से कार्य करते

हैं। डिजिटल सुरक्षा: इंटरनेट से मुकाबला - सक्षम बाल यौन शोषण और तस्करी पर एक वार्ता 19 सितंबर 2022 को आयोजित की गई थी। वक्ता ब्रुक इस्तुक, एक डिजिटल सुरक्षा विशेषज्ञ थे।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 61,819

अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 23

महाविद्यालय पुस्तकालय में 61,819 से अधिक पुस्तकों, 13 समाचार-पत्रों, 23 जर्नल और जर्नल और लगभग 529 सीडी का समृद्ध संग्रह है जो विभिन्न विषयों की नवीनतम जानकारी और ज्ञान प्रदान करते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के दौरान, पुस्तकालय संग्रह को मजबूत करने के लिए लगभग 1133 पुस्तकें जोड़ी गईं। पुस्तकालय सभी सुविधाओं और संसाधनों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) से सुसज्जित है, जैसे पुस्तकें, जर्नल, समाचार पत्र, ऑनलाइन डेटाबेस, प्रश्न पत्र, एक पाठ्यक्रम, एक पत्रकारिता परियोजना, यूपीएससी सेवा सामग्री और पुस्तक बैंक संग्रह।

ई-संसाधन सुविधा: यह अपने उपयोगकर्ताओं को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस, ई-जर्नल्स, ई-पुस्तकें आदि तक पहुंचने के लिए डीयूएलएस और ऐलिस्ट के माध्यम से प्रदान की जाती है। डीयूएलएस के ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच लाखों ई-पुस्तकों तक पहुंच प्रदान करती है। ई-जर्नल्स, और ई-लेख।

महाविद्यालय पुस्तकालय ने 6,000+ ई-जर्नल्स और 164300+ ई-पुस्तकों तक पहुंचने के लिए एन-लिस्ट कार्यक्रम में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण किया है। पुस्तकालय एन-लिस्ट डेटाबेस तक पहुंच के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों को ऑनलाइन उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड भी प्रदान करती है।

कोहा सॉफ्टवेयर: पुस्तकालय ने वर्ष 2022-2023 में निम्नलिखित नई सुविधाएं/सुविधाएं जोड़ी हैं। पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और क्लाउड सर्वर पर पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर कोहा का उपयोग करती है। पुस्तकालय हाउसकीपिंग संचालन, अधिग्रहण, संचलन, स्टॉक सत्यापन इत्यादि का प्रबंधन करने के लिए कोहा सॉफ्टवेयर पेश कर रही है। यह एक वेब-आधारित ओपेक सुविधा भी प्रदान करता है जो दूर से 24 घंटे उपलब्ध है और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को वस्तुओं को खोजने और आरक्षित करने और नई वस्तुओं का सुझाव देने जैसे कार्य करने के लिए एक सरल और स्पष्ट इंटरफ़ेस प्रदान करता है। कोहा कोहा सॉफ़्टवेयर महाविद्यालय पुस्तकालय होल्डिंग्स से संबंधित डेटा तक दूरस्थ पहुंच की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें उनके स्थान, पुस्तक की स्थिति और उपयोगकर्ता सदस्यता लेनदेन शामिल हैं। पूरी पुस्तकालय सीसीटीवी की निगरानी में है।

पुस्तकालय में रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) का काम अंतिम चरण में है और जल्द ही आरएफआईडी के जरिए सेल्फ-सर्कुलेशन सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी। आरएफआईडी-आधारित पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली शेल्फ प्रबंधन को स्वचालित कर सकती है। यह स्टॉक में गुम हुई पुस्तकों की पहचान करने का एक अधिक प्रभावी तरीका है। यह स्टॉक सत्यापन प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने में मदद करता है और इन्वेंट्री की लागत को भी कम करता है। यह बारकोड से तेज़ है, और एक समय में अनेक पुस्तकें जारी की जा सकती हैं। सेल्फ-चेक-इन और चेक-आउट सिस्टम की मदद से पुस्तकें उधार लेना

और लौटाना पूरी तरह से स्वचालित किया जा सकता है।

महाविद्यालय पुस्तकालय को डीएसपेस (ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर) से परिचित कराया गया है, जिसका उपयोग संस्थागत भंडार के रूप में किया जाता है। डीएसपेस समय के साथ उन्हें अधिक दृश्यता और पहुंच प्रदान करने के लिए पेशेवर रूप से बनाए गए भंडार में अनुसंधान सामग्री और प्रकाशन को प्रबंधित करने का एक तरीका प्रदान करता है। डीस्पेस एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म है जो आपको टेक्स्ट, वीडियो, ऑडियो और डेटा सहित किसी भी प्रारूप में आइटम कैप्चर करने की अनुमति देता है।

क्यूआर कोड सुविधा: पुस्तकालय ने अपने संरक्षकों/उपयोगकर्ताओं के लिए अतिदेय पुस्तकों के लिए ऑनलाइन जुर्माना भरने के लिए एक क्यूआर कोड सुविधा लागू की है।

पुस्तकालय में बैठने की क्षमता बढ़ाने के लिए छात्रों के लिए पुस्तकालय में 24 कुर्सियाँ और चार लंबी अध्ययन मेजें जोड़ी गईं। पुस्तकालय ने ई-संसाधन कक्ष के लिए पांच नए कंप्यूटर सिस्टम (एसीईआर) और एक प्रिंटर भी जोड़ा। पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए एक फोटोकॉपी मशीन और दो अलमीरा भी जोड़े गए हैं।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 61,819

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 23

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 102

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 31.91 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 34.18 करोड़

***

दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है, जिसकी स्थापना वर्ष 1990 में हुई थी और यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा 100% वित्त-पोषित है। जुलाई, 2016 में महाविद्यालय सेक्टर 3, द्वारका में स्थानांतरित हो गया। नए कैंपस में 7.7 एकड़ में एक बहुमंजिला हरित भवन है जो पूरी तरह से सौर ऊर्जा उत्पादन, जल पुनर्चक्रण संयंत्र, पूर्ण बिजली बैकअप, लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए छात्रावास से सुसज्जित है। एक वातानुकूलित गेस्ट हाउस है। कैंपस केंद्रीय रूप से वातानुकूलित है और एक सभागार से परिपूर्ण है जो एक समय में 330 प्रतिभागियों की मेजबानी कर सकता है। एक विशाल आईसीटी केंद्र, लगभग 48,000 पुस्तकों के शीर्षक वाली 3 मंजिला

पुस्तकालय और अनेक विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र, गणित, अंग्रेजी, वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन स्नातक सहित नौ स्नातक ऑनर्स पाठ्यक्रम संचालित करता है। इसके अलावा भौतिक विज्ञान (कंप्यूटर), भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान), जीवन विज्ञान, गणितीय विज्ञान और बी.ए. में बी.एससी. कार्यक्रम संचालित करता है। जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, कोरियाई, जापानी और रूसी में विदेशी भाषा पाठ्यक्रम भी प्रदान किया जाता है। हम आत्मविश्वासी, समर्पित, और ईमानदार व्यक्तियों का पोषण करके जीवन को बदलने और दुनिया को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं जो समाज के लिए संपत्ति बन जाते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने इंडिया टुडे-एमडीआरए बेस्ट महाविद्यालय रैंकिंग 2023 द्वारा भारत में विज्ञान महाविद्यालयों में 11वां, वाणिज्य महाविद्यालयों में 17वां, प्रबंधन महाविद्यालयों में 17वां और कला महाविद्यालयों में 41वां स्थान पाने का गौरव प्राप्त किया।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग 2023 में भाग लेने वाले 2,746 महाविद्यालयों में से महाविद्यालय को 24वां स्थान दिया गया है।

महाविद्यालय को डीबीटी स्टार महाविद्यालय स्टेटस प्रोग्राम (तीन वर्ष की अवधि अर्थात 2022-2025 के लिए) के तहत चुना गया है और रुपए 1,61,87,340/- स्वीकृत किए गए है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर मनोज सक्सेना को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 मार्च 2023 को आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर 'महाविद्यालयों में सेवारत शिक्षकों (आयु 45 वर्ष और उससे कम) के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार' प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है।

डॉ. सुधीर वर्मा को XXV द्विवार्षिक बैठक में "माउस और ह्यूमन कॉर्निया में लेबल-रिटेनिंग सेल्स और हायल्यूरोनन की मैपिंग" नामक शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर आई रिसर्च (आईएसईआर) और नाइट टेम्पलर फाउंडेशन ट्रैवल फ़ेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ। फरवरी 2023 में गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर आई रिसर्च पुरस्कार प्राप्त हुआ।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. के तालिब हुसैन (कार्यक्रम), मैं वर्ष 30वीं जूनियर नेशनल बेसबॉल चैंपियनशिप में प्रथम पुरस्कार का विजेता था।

सात्विक श्रीवास्तव (बीएमएस तृतीय वर्ष), अर्चिता जैन (बीएमएस तृतीय वर्ष), आकांशी शर्मा (बी.कॉम

(ऑनर्स) तृतीय वर्ष एमडीआई गुड़गांव द्वारा आयोजित सार्वजनिक नीति प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार के विजेता थे।

ग्लोबल ट्रेड ऑब्जर्वर इम्पैक्ट द्वारा आयोजित मेगा पब्लिक पॉलिसी केस चैलेंज में सात्विक श्रीवास्तव (बीएमएस तृतीय वर्ष), अर्चिता जैन (बीएमएस तृतीय वर्ष), बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की आकांशी शर्मा संयुक्त रूप से दूसरे पुरस्कार के विजेता रहे और उन्हें 75,000/- रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

सात्विक श्रीवास्तव (बीएमएस तृतीय वर्ष), अर्चिता जैन (बीएमएस तृतीय वर्ष), बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की आकांशी शर्मा कंसल्टिंग एंड एनालिटिक्स क्लब, आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित 'स्ट्रैटेजी स्टॉर्म-ए ग्लोबल केस कॉम्पिटिशन' में तीसरे स्थान पर रहीं।

देव शौकीन बी.ए. (कार्यक्रम), दिल्ली राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप में तीरंदाजी में दूसरे पुरस्कार का विजेता था।

बी कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के रॉबिन आहूजा और बीएमएस तृतीय वर्ष की लावण्या पुरी को एसआरसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अरुण जेटली मेमोरियल डिबेट में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा 1.5 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

मिश्रा, आर., कविता, राजपाल, ए., भाटिया, वी., राजपाल, एस., अग्रवाल, एम., कुमार, एन. (2023)। *आई-एलडीडी: एक व्याख्यायोग्य पत्ती रोग डिटेक्टर। सॉफ्ट कंप्यूटिंग.*

सिंह, जे., डावरा, डी., वर्मा, एन., झा, के.एस., कुमार, पी., डिमरी, एम., मोहन, एम. (2023)। घने प्लाज्मा वातावरण में एच-जैसे सी13+ आयन के इलेक्ट्रॉन प्रभाव उत्तेजना का अध्ययन। *न्यू एस्ट्रोनॉमी*, 101(102001)।

जेम्स, ए., यादव, डी. (2022)। बायोएरोजेल, स्वच्छ, टिकाऊ अपशिष्ट जल उपचार के लिए उभरती हुई तकनीक: संश्लेषण, गुणों और अनुप्रयोगों पर एक व्यापक समीक्षा। *पर्यावरण अनुसंधान*, 112963(210)।

सोलंकी, आर., आनंद, एस., आनंद, एम., कुमार, पी., कुमार, एम., खन्ना, कपूर, एम.(2022)। एंटीबायोटिक प्रतिरोध: एक वैश्विक स्वास्थ्य *संकट*/ सूक्ष्ममंडल।

अरोड़ा, वी., मेहरा, वाई.एस., टंडन, डी. (2023)। स्टार्ट-अप फाइनेंसिंग: वेंचर कैपिटल, एंजेल इन्वेस्टिंग और इक्विटी क्राउडफंडिंग का बहु-दशक ग्रंथ सूची विश्लेषण। दक्षिण एशियाई जर्नल प्रबंधन।

अगस्ती, एन., गौतम, वी., प्रियंका., मंजू., पांडे, एन., जेनवा, एम., मीना, पी.एल., टंडन, एस., सामंतराय, आर., (2022)। पानी में कार्बनिक रासायनिक प्रदूषकों के परिशोधन के लिए कार्बन नैनोट्यूब आधारित

चुंबकीय कंपोजिट: एक समीक्षा। एप्लाइड सरफेस साइंस एडवांस, 100270(10)।

भारत-चीन: द्विपक्षीय व्यापार में बदलाव और आर्थिक विकास पर इसका प्रभाव। सिंगापुर आर्थिक समीक्षा (विश्व वैज्ञानिक प्रकाशन, सिंगापुर), 2(67), 567-586। पुरी, एस., मोरेनो, आई.वाई., सन, एम., वर्मा, एस., लिन, एक्स., गेस्टेरा, टी.एफ., थॉमस, सी.वी.जे. (2022)। हयालूरोनन पूर्व विवो संस्कृति के दौरान लिम्बल स्टेम सेल फेनोटाइप का समर्थन करता है। स्टेम सेल रेस थेर., 13(1)(30), 384.

कुमार, आर. (2022)। कुमार., वी., सूरी, आर., मित्तल, एस.(2023)। झिल्ली आयन चयनात्मक इलेक्ट्रोड के लिए नई आयनोफोर प्रजातियों पर समीक्षा। जर्नल ऑफ़ द ईरानी केमिकल सोसाइटी, 20(3), 509-540।

कुमारी, एन., गुप्ता, वी., सक्सेना, एम. (2022)। उच्च कट-ऑफ फ्रीक्वेंसी और ब्रेकडाउन वोल्टेज के लिए अलगन/गण हेमट की फील्ड प्लेट लंबाई और पैसिवेशन परत का टीसीएडी टीसीएडी-आधारित अनुकूलन। *आईईटीई तकनीकी समीक्षा (इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियर संस्थान, भारत),* 1(39), 63-71।

शोध-परियोजनाएं

आर्किटेक्चर के लिए डिवाइस सिमुलेशन' नामक परियोजना और वर्ष 2022-23 के लिए सॉलिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेटरी (एसएसपीएल) रक्षा अनुसंधान विकास संगठन द्वारा वित्त-पोषित और 30.48 लाख रुपये की स्वीकृत राशि।

परियोजना का शीर्षक 'इंडियम सेलेनाइड पतली फिल्मों का उपयोग करके थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा हार्वेस्टर का विकास' है और इसे एसईआरबी- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त-पोषित किया गया है और 31.84 लाख रुपये की स्वीकृत राशि दी गई है।

'केयू बैंड एप्लिकेशन के लिए उप-माइक्रोन डिजाइन, अनुकूलन और विकिरण कठोर उप 0.15-माइक्रोन गेट लंबाई इनऐन/गान हेम का ई-V और सी-V लक्षण वर्णन' शीर्षक वाली परियोजना और विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (सर्व) के सर्व-पावर अनुदान द्वारा वित्त-पोषित है। स्वीकृत राशि 58.83 लाख रुपये।

परियोजना का शीर्षक है 'कॉर्नियल स्टेम सेल गुणवत्ता और प्रत्यारोपण सफलता में सुधार के लिए संरक्षण माध्यम पूरक के लिए संभावित डायग्नोस्टिक मार्कर के रूप में हयालूरोनन' और लायंस फाउंडेशन फॉर साइट, टेक्सास, यूएसए द्वारा 12 महीने के लिए वित्त-पोषित और 10,000 अमेरिकी डॉलर की स्वीकृत राशि।

परियोजना जिसका शीर्षक है 'आदिवासियों में निरक्षरता की भूमिका और विभिन्न सरकारी नीतियों पर इसका प्रभाव' और आईसीएसएसआर द्वारा 24 महीने के लिए वित्त-पोषित और 5 लाख रुपये की स्वीकृत राशि।

आयोजित संगोष्ठी

15 फरवरी 2023 को 'उत्तर-पूर्व की राजनीति में उभरते रुझान' शीर्षक सेमिनार में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और आंध्र प्रदेश के सह-प्रभारी, उत्तर-पूर्व में राज्य विधानसभा चुनाव-2023 के सह-प्रभारी श्री सुनील देवधर ने भाषण दिया।

22 जुलाई 2022 को 'मोदी@20 पर चर्चा: सपनों की पूर्ति, पुस्तक समीक्षा' शीर्षक सेमिनार भारत सरकार के सूचना आयुक्त श्री उदय माहुरकर द्वारा प्रस्तुत किया गया और इसकी अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने की।

23 फरवरी 2023 को सेल फॉर आईपीआर प्रमोशन (सीआईपीएएम) की सहायक प्रबंधक सुश्री नीतू द्वारा 'बौद्धिक संपदा अधिकार, आईपीआर' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

राष्ट्रीय मृदा संदूषण और अनुसंधान (आईएनएससीआर 2022) का 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सूक्ष्म जीवों के साथ पर्यावरण को संशोधित करना, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय द्वारा आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, गार्गी महाविद्यालय, किरोड़ीमल महाविद्यालय, प्राणीशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, रामजस महाविद्यालय, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, सी.एम.पी. महाविद्यालय, भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, शिवाजी महाविद्यालय, मिरांडा हाउस, KIIT भुवनेश्वर, देवभूमि उत्तराखंड, कोल्हान विश्वविद्यालय, झारखंड, PhiXgen प्राइवेट। लिमिटेड, गुरुग्राम और वाणिज्य, कला और विज्ञान महाविद्यालय, के सहयोग से 7 नवंबर 2022 को पटना में आयोजित किया गया था।

07 जनवरी 2023 को दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च के सहयोग से महाविद्यालय द्वारा 'राष्ट्रवाद, वैश्वीकरण और विकास' पर 24वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

07 आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'भारत@2047: वाणिज्य और व्यवसाय की भूमिका' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 11 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ वर्णिका भाटिया ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'पर्यावरण स्थिरता, सामाजिक-आर्थिक जिम्मेदारी और समाज और ग्रामीण पर्यावरण में संबद्ध उद्यमशीलता के अवसरों के लिए प्रौद्योगिकी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एनईपी 2020 और विज्ञान शिक्षा-एक समीक्षा सह सर्वेक्षण-आधारित अध्ययन' शीर्षक से 16-17 मार्च 2023 को श्री अरबिंदो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

19 फरवरी 2023 को गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर आई रिसर्च की XXV द्विवार्षिक बैठक में डॉ. सुधीर वर्मा ने 'माउस और मानव कॉर्निया में लेबल-रिटेनिंग सेल्स और हाइलूरोनन की मैपिंग' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. पूनम गर्ग ने 27-28 फरवरी 2023 को शिवाजी महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा 'विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग' ICAA-23 पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'विभिन्न उप-ब्लॉकों में बार-बार फटने वाली त्रुटि सुधार के लिए रैखिक कोड' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईवाश-2022): सेव द द्वारा आयोजित एक हरित भविष्य की रणनीति में डॉ. प्रिया गोयल ने 'कीटनाशक प्रदूषण की निगरानी- हमने क्या प्राप्त किया है और आगे क्या है' शीर्षक से पर्यावरण (एसटीई), हिंदू महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) सीएसआईआर, दिल्ली और द रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, उत्तर भारत के सहयोग से 13 जनवरी 2023 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. राकेश कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आईओटी में प्रगति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ सुरक्षा 2023 पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कोविड-19 व्यवधान के बीच डिजिटल पहचान और लक्ष्य सामाजिक कल्याण वितरण' शीर्षक से नई दिल्ली में, 24-25 मार्च 2023 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. राकेश कुमार ने 11-12 जनवरी 2023 को वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन में 'भारत-आसियान जुड़ाव: आर्थिक सहयोग के लिए चुनौतियाँ और अवसर' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) और सीएसआईआर-सेंट्रल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर-सीईईआरआई) के बीच संस्थागत सहयोग के लिए समझौता-ज्ञापन (समझौता-ज्ञापन) पर 8 सितंबर 2020 को हस्ताक्षर किए गए ताकि उनके संबंधित शैक्षणिक एवं शैक्षिक आवश्यकताएँ विनिमय कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित किया जा सके।

फ़िक्सजेन प्रा. लिमिटेड ने जैव सूचना विज्ञान कौशल को मजबूत करने के लिए 3 मई 2019 को महाविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

कुल नियोजित छात्रों की संख्या: 58

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 38.18%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 29

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सामाजिक विज्ञान और मानविकी विभाग ने 1 अक्तूबर 2022 को लाल किले के लिए एक हेरिटेज वॉक का आयोजन किया। 30 छात्रों के एक समूह ने दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, रंग महल और सहित किले के विभिन्न हिस्सों का पता लगाया। एक संग्रहालय। फ़ारसी, हिंदू और मुग़ल शैलियों का स्थापत्य मिश्रण हर जगह स्पष्ट था।

कंप्यूटर साइंस सोसाइटी, संगनिका ने 29 नवंबर 2022 को राज घाट पर "गांधी दर्शन और स्मृति संग्रहालय" के लिए एक दिवसीय भ्रमण का आयोजन किया। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के 160 से अधिक छात्रों ने गांधी के जीवन और भारत के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए संग्रहालय का भ्रमण किया।

सामाजिक विज्ञान और मानविकी विभाग ने बी.ए. के लिए एक यादगार हेरिटेज वॉक का 14 जनवरी 2023 को महरौली, नई दिल्ली में आयोजन किया। यात्रा श्री आर्यन शर्मा के नेतृत्व में, ऐतिहासिक कुतुब कैंपस में शुरू हुई, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है।

एनेक्टस डीडीयूसी के परियोजना मेहसूस के तहत नोएडा स्थित निवेदा फाउंडेशन के सहयोग से एक मानसिक स्वास्थ्य गतिविधि का आयोजन किया गया, जहां 13 मई 2022 को 4-9 वर्ष की आयु के बच्चों के साथ गतिविधियां आयोजित की गईं। विकास और सुरक्षा में स्कूलों की भूमिका बच्चों से नई चीजें अध्ययन पर फोकस कर चर्चा की गई।

भूमि एनजीओ और कुछ अन्य डीयू महाविद्यालय सेल के सहयोग से प्रबंधन अध्ययन विभाग में सामाजिक उत्तरदायित्व सेल ने 29 जनवरी 2023 को एक नदी सफाई अभियान का आयोजन किया। इसमें लगभग 30 स्वयंसेवक शामिल हुए। इस अभियान ने स्वयंसेवकों को पर्यावरण के खतरों के बारे में जानने में मदद की। कैसे छोटे प्रयास बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने 16 फरवरी 2023 को रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए ब्लड कनेक्ट के साथ भी सहयोग किया। शिविर महाविद्यालय कैंपस में आयोजित किया गया और 100 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया गया।

पर्यावरण के प्रति छात्रों में संवेदनशीलता पैदा करने के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए पूरे वर्ष सिटी फॉरेस्ट संजय वन, साउथ-सेंट्रल रिज, नई दिल्ली में दिन भर भ्रमण का आयोजन किया गया। यह विरासत और प्रकृति का उत्कृष्ट मिश्रण है। यह विशाल चट्टानों और पहाड़ी इलाकों से भरी अरावली श्रृंखला का एक हिस्सा है। सोनीपत स्टार्ट-अप समिट और इनक्यूबेशन सेंटर का दौरा आयोजित किया गया, जहां छात्रों ने

उभरते उद्यमियों के साथ चर्चा की और उनके नवीन विचारों से प्रोत्साहित हुए।

व्यावहारिक कार्यशाला का संचालन सुश्री श्वेता दुआ, तकनीकी सलाहकार, जर्मन इंटरनेशनल कोऑपरेशन और सुश्री प्रियंका परवाल, परियोजना हेड, फ्रेमेट्रिक्स कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा "ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और खाद" विषय पर किया गया। आईआईसी-डीडीयूसी चैप्टर के तत्वावधान में प्रोफेसर रविंदर कौर द्वारा डिजाइन थिंकिंग-समस्या समाधान के लिए एक नया प्रतिमान विषय पर एक गतिविधि-आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कोवैलेंस सोसाइटी के उद्घाटन समारोह में 5 अगस्त 2022 को अतिथियों, प्रोफेसर एस. "प्राकृतिक अणुओं के डिजाइन, संश्लेषण और अनुप्रयोग" और "हरित रसायन विज्ञान के माध्यम से बेहतर जीवन" विषयों पर उनके प्रवचन को खूब सराहा गया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय में एक उत्कृष्ट पूरी तरह से वातानुकूलित केंद्रीय पुस्तकालय सुविधा है जो तीन मंजिलों में फैली हुई है, जिसका कुल क्षेत्रफल 2,550 वर्ग मीटर है। इसमें संकाय के लिए एक अलग पढ़ने और 300 लोगों के बैठने की कुल क्षमता वाले छात्रों को समायोजित करने के लिए विशाल रीडिंग हॉल का प्रावधान है।

ई-अध्ययन की सुविधा के लिए, इसमें एक समर्पित कंप्यूटर हब है जिसमें इंटरनेट और अन्य संसाधन साझाकरण नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए एक नेटवर्क प्रिंटर सहित 20 कंप्यूटर सिस्टम हैं।

क्लाइंट-सर्वर सिस्टम के नेटवर्क के माध्यम से पेशेवर डेटाबेस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके पुस्तकालय पिछले 20 वर्षों से सफलतापूर्वक स्वचालित संचालन कर रही है। पुस्तकालय ने हाल ही में वेब-आधारित ओपन-सोर्स एप्लिकेशन सॉफ़्टवेयर कोहा को चुना है। इसमें पुस्तकों और जर्नल का अद्यतन ग्रंथ सूची डेटाबेस है।

पुस्तकालय ने इस वर्ष पुस्तकों की 440 पुस्तकें जोड़ी हैं, जिससे इसका कुल संग्रह 49,589 पुस्तकों का हो गया है। पुस्तकालय प्रासंगिक विषय क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की 63 जर्नल और जर्नल की सदस्यता लेता है। इसके अलावा, पुस्तकालय ने 15 राष्ट्रीय समाचारपत्रों की सदस्यता ली है। इसके संग्रह में जर्नल/जर्नल के 613 बाउंड वॉल्यूम और 850 सीडी हैं। पूरे संग्रह का उपयोग छात्रों और संकाय द्वारा भारी मात्रा में किया जाता है, जिसमें लगभग 60,000 आगंतुक आते हैं, जिसके परिणामस्वरूप 60,000 लेनदेन हो जाते हैं।

कमजोर वर्ग के इच्छुक छात्रों को बुक-बैंक सुविधा के तहत पुस्तकें भी जारी की जाती हैं, जिसमें 1287

पुस्तकें शामिल हैं, जिससे पिछले वर्ष लगभग 82 छात्रों को लाभ हुआ। मुद्रित पुस्तकों के अलावा, पुस्तकालय ई-संसाधनों और प्रिंट-आउट सेवाओं तक इंटरनेट-आधारित पहुंच भी प्रदान करता है।

विभिन्न संसाधन साझाकरण नेटवर्क जैसे डीयूएलएस, ई-शोध सिंधु और एन-लिस्ट के माध्यम से 53 डेटाबेस, 30,000 ई-जर्नल और 1 लाख से अधिक ई-पुस्तकें इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त की जा सकती हैं। पुस्तकालय ने 21 नवंबर 2022 को ऑडिटोरियम में आयोजित महाविद्यालय के कॉमन ओरिएंटेशन प्रोग्राम के साथ-साथ दो सत्रों में नए बैचों के लिए अपना यूजर ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया।

पुस्तकालय ने वित्त वर्ष अप्रैल 2022-मार्च 2023 के दौरान प्राप्त नए शीर्षकों को शामिल करते हुए ग्रंथ सूची का एक व्यापक अंक संकलित किया। इसने सामग्री तालिका के तीन मुद्दों को भी संकलित किया, जिसमें पुस्तकालय में जुलाई, 2022-जून, 2023 में सदस्यता प्राप्त जर्नल और जर्नल के सभी मुद्दों के सामग्री पृष्ठ शामिल हैं। पुस्तकालय ने जी20 और समान नागरिक संहिता नामक दो दस्तावेज़ सूचियाँ तैयार और संकलित कीं। इसने संसाधन साझाकरण नेटवर्क डेलनेट की संस्थागत सदस्यता जोड़ी जो इसके प्रिंट और ई-संग्रह के साथ-साथ सेवाओं को भी बढ़ाती है।

पुस्तकालय सुगम्य पुस्तकालय का भी सदस्य है, जिसके तहत ऑडियो पुस्तकों आदि के रूप में पठन सामग्री को दिव्यांग श्रेणी के छात्रों के लिए सुलभ बनाया जाता है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या: 85

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 16

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान : रुपए 43,91,67,579.99/-

उपयोगित अनुदान : रुपए 43,91,67,376.12/-

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

इंडक्शन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, दिल्ली में राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र और सुंदर नर्सरी की यात्रा 4 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य छात्रों को विज्ञान प्रकृति का एक अद्भुत चित्रमाला प्रदान करना था।

साइंटिफिक सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सेल (डीबीटी स्टार महाविद्यालय प्रोग्राम और साइंस फाउंडेशन के तत्वावधान में, आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी (ईडीएस)-दिल्ली चैप्टर, द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत (एनएएसआई)-दिल्ली चैप्टर ने संयुक्त रूप से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए 17 मार्च

2023 को बाल भारती पब्लिक स्कूल, सेक्टर-12, द्वारका, दिल्ली में स्कूल आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

24 मार्च 2023 को ब्लॉक लोनी, गाजियाबाद में स्थित सकलपुरा तालाब और महमूदपुर तालाब में श्री रामवीर तंवर: द पॉन्ड-मैन ऑफ इंडिया, के सहयोग से तालाब पुनरुद्धार कार्यक्रम के साथ एक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य मॉडल का समर्थन करना था, जहां स्थानीय लोगों को जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने और पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

29 सितंबर 2022 को भारत फिल्म निर्माण पर एक कार्यशाला श्री उत्कर्ष चतुर्वेदी, एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता और पुरस्कार विजेता वृत्तचित्र पत्रकार द्वारा आयोजित की गई थी, जिनकी फिल्में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में जीती थीं। इसका उद्देश्य छात्रों को एक अनुभवी फिल्म निर्माता के साथ चर्चा करने और उनके प्रश्नों को स्पष्ट करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

रसायन विज्ञान विभाग ने 2 मार्च 2023 को याकुल्ट (सोनीपत), हरियाणा के लिए एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा से विषय के सैद्धांतिक ज्ञान की अभिव्यक्ति प्राप्त हुई।

***

देशबंधु महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

देशबंधु महाविद्यालय का उद्घाटन 3 अगस्त 1952 को भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद द्वारा किया गया था। महाविद्यालय की स्थापना शुरुआत में अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी और सांसद लाला देशबंधु गुप्ता की याद में पुनर्वास मंत्रालय द्वारा की गई थी, और यह विश्वविद्यालय कैंपस के बाहर पहला महाविद्यालय था। संस्थापक प्राचार्य डॉ. हरीश चंद्र कठपालिया और महाविद्यालय के प्रशासन बोर्ड के पहले अध्यक्ष डॉ. शांति स्वरूप भटनागर के नेतृत्व में महाविद्यालय का उदय शुरू हुआ। 1955 में, शिक्षा मंत्रालय ने महाविद्यालय का अधिग्रहण कर लिया और बाद में वर्ष 1958 में, महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालय के रूप में एक अभिन्न अंग बन गया। महाविद्यालय ने केवल 72 छात्रों और प्री-(कला), प्री (विज्ञान) और प्री-मेडिकल जैसे पाठ्यक्रमों के साथ शुरुआत की। महाविद्यालय में नामांकन की बढ़ती मांग के कारण देशबंधु महाविद्यालय में सांध्य की पाली खोली गई। 2010 में, देशबंधु (सांध्य) को एक अलग महाविद्यालय में बदल दिया गया। 1952 में 72 छात्रों से लेकर 1958 में 600 तक, अब हमारे पास 5500 से अधिक छात्र हैं। शिक्षण संकाय की संख्या 1979 में प्रारंभिक 18 से 104 से बढ़कर 2023 में 225 शिक्षकों तक पहुंच गई।

सम्मान/गौरव

प्रो. (डॉ.) महेश चंद्र को ग्लोबल एजुकेटर एक्सीलेंस पुरस्कार 2022 के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. सुरभि ढींगरा को लॉ कोलोक्वी और वुमेन इम्प्रेसारियो द्वारा "वीमेन विद सब्सटेंस" से सम्मानित किया गया।

डॉ. बजरंग बिहारी तिवारी को उनकी पुस्तक 'केरल में सामाजिक आंदोलन और दलित साहित्य' के लिए संभावना संस्थान, चित्तौड़गढ़, राजस्थान द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता सेनानी रामचन्द्र नंदवाना स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ. जितेंद्र कुमार को 31 जनवरी-3 फरवरी 2023, पुणे, भारत में 'पूरक और किडनी रोग' पर भारत ईएमबीओ व्याख्यान पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए ईएमबीओ (यूरोपीय आणविक जीवविज्ञान संगठन) के एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए यात्रा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. जिज्ञासा एच सोंधी को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा फेलोशिप के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. नवीता नेगी को आईएनएससी यंग रिसर्चर पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. के चेतन गणित (ऑनर्स) वर्ष 19 अप्रैल 2023 मैं श्याम लाल महाविद्यालय की फिल्म निर्माण सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम "फाल्कन फिल्म्स" में दूसरे नकद पुरस्कार का विजेता था।

बी.ए. की हिमानी सिसौदिया ठेला. (पोल विज्ञान और इतिहास) 17 फरवरी 2023 को शारीरिक शिक्षा विभाग, आर्यभट्ट महाविद्यालय और एन.सी.सी. द्वारा आयोजित "3 किमी रन फॉर सेल्फ" प्रतियोगिता में कांस्य पदक के साथ तीसरे पुरस्कार के विजेता रहे।

बी.ए. के दिव्यांशु उइके (ऑनर्स) इतिहास द्वितीय वर्ष 28 मार्च 2023 को आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय की फोटोग्राफी सोसायटी पिकफी द्वारा आयोजित कार्यक्रम "पिक्चर ओ मेनिया" में द्वितीय पुरस्कार का विजेता रहा।

बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के योगेश्वर बुधवार 14 फरवरी 2023 को आईआरआईएस: फोटोग्राफी क्लब ऑफ पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम "एबुलियंस: ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता-डार्क रूम" में प्रथम पुरस्कार के विजेता रहे।

बी.ए. की सानिया तारिक़ (ऑनर्स) अंग्रेजी द्वितीय वर्ष 28 मार्च 2023 को इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय फॉर विमेन द्वारा आयोजित "द मिनट" कार्यक्रम में तीसरे नकद पुरस्कार का विजेता था।

प्रकाशन

असिक, एम.सी., अल्होवेटी, ए., अग्रवाल, आर., सूरज, एम.एस., हमाम, एच. (2022)। स्थानिक कोलिनियर प्रतिबंधित चार-शरीर समस्या में गैर-गोलाकार परीक्षण कण की गतिशीलता पर। *सॉलिटॉन और फ्रैक्टल्स*। पी.आई-xiv.

तीन-द्विध्रुवीय समस्या में अभिसरण के न्यूटन-रैपसन बेसिन का अध्ययन। *नॉन-लीनियर डायनेमिक्स*, 107, 829-854.

गंगवार, एल.के., शर्मा, वी., चौधरी, ए., सुमन, जी., पांडे, एस.एस., तनाका, एच., बिरादर, ए.एम., राजेश (2023)। लिक्विड क्रिस्टल के साथ सोने के नैनोकणों के जैव-संयुग्म का उपयोग करके जैव-आणविक पहचान का ऑप्टिकल और ढांकता हुआ अहसास। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, 380 (121754)।

गंगवार, एल.के., चौधरी, ए., रेवरी, एस., सिंह, जी., बिरादर, ए.एम., सुमन, जी., राजेश (2023)। फेरोइलेक्ट्रिक लिक्विड क्रिस्टल में स्मेक्टिक परतों के साथ कोलेस्ट्रॉल क्रिस्टलीकरण के साक्ष्य। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, 369 (120830)।

कुमार, एस., अहमदी, एन., रस्तोगी, आर. (2023)। लेबल-विशिष्ट सुविधाओं के लिए विरल वैश्विक संरचना का उपयोग करके लापता लेबल के साथ बहु-लेबल सीखना। *एप्लाइड इंटेलिजेंस*, 53, 18155-18170.

कुमार, एस., रस्तोगी, आर. (2022)। लापता लेबल के साथ मल्टी-लेबल अध्ययन के लिए निम्न रैंक लेबल उप-स्थान परिवर्तन। सूचना विज्ञान, 596, 53-72.

लांबा, पी., सिंह, पी., सिंह, पी., सिंह, पी., भारती., कुमार, ए., गुप्ता, एम., कुमार, वाई. (2022)। विभिन्न इलेक्ट्रोड सामग्रियों के आधार पर सुपरकैपेसिटर में हालिया प्रगति: वर्गीकरण, संश्लेषण विधियां और तुलनात्मक प्रदर्शन। *जर्नल ऑफ़ एनर्जी स्टोरेज*, 48(103871)।

संकर, टी.वी., सहारे, एम., संतोष, डी., विश्वकर्मा, ए., पद्मश्री, के. (2022)। शुद्ध पुनः संयोजक अरेबिडोप्सिस थालियाना वैकल्पिक ऑक्सीडेज 1A (रटॉक्स1ऐ) का संरचनात्मक और बायोफिजिकल लक्षण वर्णन: अवरोधक और उत्प्रेरक के साथ चर्चा। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, 13.

शर्मा, एम. (2022)। सीआरएफईओ3 मल्टीफेरोइक नैनोकणों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल, चुंबकीय और विद्युत गुणों पर एनीलिंग तापमान का प्रभाव: प्रथम-सिद्धांत गणना के लिए एक सत्यापन। *जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स*, 929 (167338)।

जर्नल

देशबंधु जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज। द्विवार्षिक, 1(1), 159.

शोध-परियोजनाएं

परियोजना शीर्षक, 'जल विभाजन और ऑक्सीजन कमी प्रतिक्रियाओं के लिए इलेक्ट्रोकैटलिस्ट के रूप में पृथ्वी पर प्रचुर मात्रा में धातु (नी, सह और फ़े) आधारित एमओएफ की खोज (# टीएआर/2020/000232)' एसईआरबी- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 3 वर्ष के लिए वित्त-पोषित और रुपये 8.5 लाख.

परियोजना, शीर्षक 'स्तन कैंसर के इलाज के लिए हिप्पो पाथवे के अपस्ट्रीम पर कार्य करने वाले मैकेनो-ट्रांसडक्शन पथों के आणविक तंत्र की पहचान' को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा 3 वर्षों के लिए वित्त-पोषित किया गया और 41.26 लाख रुपये का अनुदान दिया गया।

परियोजना शीर्षक, 'फाइब्रोडिस्प्लासिया ओस्सिफिकन्स प्रोग्रेसिवा (एफओपी) के उपचार के लिए नवीन सीसा यौगिकों का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन' को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा 3 वर्षों के लिए वित्त-पोषित किया गया और 53 लाख रुपये का अनुदान दिया गया।

परियोजना शीर्षक, 'डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना' चौथे वर्ष के लिए भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त-पोषित और 104 लाख रुपये।

मंजूर/दायर पेटेंट

राष्ट्रीय पेटेंट का शीर्षक है, 'नवीकरणीय ऊर्जा सौर ऊर्जा संचालित वायु प्रदूषण संकेतक के लिए बिजली की खपत का पता लगाने वाला उपकरण'।

आयोजित संगोष्ठी

2 जुलाई 2022 को आंतरिक शिकायत सेल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरभि ढींगरा द्वारा 'लिंग संवेदनशीलता भूमिकाएं और जिम्मेदारियां' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

30 जुलाई 2022 को श्री वरुण कुमार अंगुरालिया, डेटा विश्लेषक द्वारा 'टैब्लू के साथ डेटा विज़ुअलाइज़ेशन' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. पुनीत जैन, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, नई दिल्ली द्वारा 4 अगस्त 2022 को 'हमारे तनाव और भावनाओं को समझना और उस पर काबू पाना' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

12 सितंबर 2022 को भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्री श्री किरण रिजिजू द्वारा 'मोड@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी' शीर्षक वाला राष्ट्रीय सेमिनार।

19 सितंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के प्रोफेसर आलोक भारती द्वारा 'कार्सिनोजेनेसिस चुनौतियों और अवसरों की आणविक जीवविज्ञान' शीर्षक वाली संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन

'प्राकृतिक उत्पाद और मानव स्वास्थ्य' पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यूजीसी, आईएनएसए, डीबीटी और सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित और 4 जून 2022 को आयोजित किया गया था।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति: स्वास्थ्य, पर्यावरण और समाज' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन 8 अप्रैल 2022 को आयोजित किया गया था।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति: कार्यान्वयन, चुनौतियां, अवसर और संभावित परिणाम' पर राष्ट्रीय सम्मेलन 14 मई 2022 को आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

प्रोफेसर इंद्रकांत कुमार सिंह ने 4-6 नवंबर 2022 को महाविद्यालय द्वारा आयोजित "प्राकृतिक उत्पाद और मानव स्वास्थ्य -2022" पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'न्यूरोब्लास्टोमा ट्यूमर के खिलाफ उपचार के विकल्प के रूप में पौधों से प्राप्त यौगिकों का आकलन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर इंद्रकांत कुमार सिंह ने 4-6 नवंबर 2022 को महाविद्यालय द्वारा आयोजित "प्राकृतिक उत्पाद और मानव स्वास्थ्य -2022" पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बीसीएल2ए1/बीएफएल1: लक्ष्यीकरण द अनटार्गेटेड' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. उमेश कुमार ने इंडियन सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित '27वें आईएससीबीसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी-2022)' के दौरान 'ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया के लिए कुशल उत्प्रेरक उत्प्रेरक के रूप में कार्यात्मक कार्बन नैनोट्यूब के साथ थियोसाइनेट कॉम्प्लेक्स' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। केमिस्ट्स एंड बायोलॉजिस्ट (आईएससीबीसी) और रसायन विज्ञान विभाग, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची 16 से 19 नवंबर 2022 तक।

डॉ. काकोली बेरा ने अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा नैनोटेक्नोलॉजी: अवसर और चुनौतियां (आईसीएनओसी-2022) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संरचनात्मक, ऑप्टिकल और चुंबकीय गुणों पर नी-फे सह-डोप्ड जेएनओ नैनोकणों का प्रभाव' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। मानविकी, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली 28-30 नवंबर 2022।

जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 28 से आयोजित नैनोटेक्नोलॉजी अवसरों और चुनौतियों (आईसीएनओसी 2022) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. रीता ने 'डिवाइस सिमुलेशन के माध्यम से कम लागत वाले अनुप्रयोगों के लिए कुशल पेरोव्स्काइट सीक्यूडी टैंडेम सौर सेल की जांच' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 30 नवंबर 2022.

हंसराज महाविद्यालय, विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटीग्रेटिव केमिस्ट्री, बायोलॉजी और

ट्रांसलेशनल मेडिसिन (आईसीबीटीएम-2022) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डॉ. उमेश कुमार ने 'निकेल कॉम्प्लेक्स जो ओएनएस डोनर लिगेंड और उनकी कैंसर विरोधी गतिविधियों को प्रभावित करते हैं' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली का; इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली; मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय; मेयो क्लिनिक, जैक्सनविले फ्लोरिडा, यूएसए, डेब्रेसेन विश्वविद्यालय, हंगरी; एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम 6 से 8 दिसंबर 2022 तक।

डॉ. उमेश कुमार ने हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एकीकृत रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और ट्रांसलेशनल मेडिसिन (आईसीबीटीएम-2022) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, 'Nickel (II) कॉम्प्लेक्स असर ओएनएस दाता लिगैंड और उनकी कैंसर रोधी गतिविधियां' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया; इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली; मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय; मेयो क्लिनिक, जैक्सनविले फ्लोरिडा, यूएसए, डेब्रेसेन विश्वविद्यालय, हंगरी; एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम 6 से 8 दिसंबर 2022 तक। डॉ. उमेश कुमार ने हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एकीकृत रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और ट्रांसलेशनल मेडिसिन (आईसीबीटीएम-2022) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, 'निकेल (II) कॉम्प्लेक्स असर ओएनसी दाता लिगैंड और उनकी कैंसर रोधी गतिविधियां' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया; इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली; मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय; मेयो क्लिनिक, जैक्सनविले फ्लोरिडा, यूएसए, डेब्रेसेन विश्वविद्यालय, हंगरी; एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम 6 से 8 दिसंबर 2022 तक।

डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में 20 से 22 मार्च 2023 तक द्वारा आयोजित इलेक्ट्रो-कैटेलिटिक टेक्नोलॉजीज (आइसिनेक्ट 2023) के लिए नैनोमटेरियल्स पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उच्च-प्रदर्शन हाइड्रोजन विकास प्रतिक्रिया के लिए कम ग्राफीन ऑक्साइड पर वैनेडियम डोप्ड कुछ-परत अल्ट्राथिन MoS2 नैनोशीट्स' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

एरोनटियर कंपनी सियोल कोरिया के साथ अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सेंट्रो एस्कोलर यूनिवर्सिटी, मनीला, फिलीपींस के साथ अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पलाकी यूनिवर्सिटी ओलोमौक, चेक गणराज्य के साथ अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मणिपुर विश्वविद्यालय के पेटीग्रेव महाविद्यालय के साथ राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

दिल्ली विश्वविद्यालय और मुक्त शिक्षा विद्यालय और भाऊराव देवरस सेवा न्यास के साथ राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पर्यटन एवं आतिथ्य कौशल परिषद (थक) के साथ राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मूवी एंड एंटरटेनमेंट स्किल काउंसिल (एमईएससी) के साथ राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल (एचएसएससी) के साथ राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

रिटेलर्स एसोसिएशन के स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (रस्सी) के साथ राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

जागृति वेस्ट शोध-पत्र रीसाइक्लिंग सर्विसेज के साथ राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए किए गए।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 30

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 65

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित आउटरीच कार्यकलाप आयोजित किए गए। महाविद्यालय के छात्र इन गतिविधियों से भी लाभान्वित हुए: नुक्कड़ नाटक, द ड्रीम ऑफ आवर चिल्ड्रन, चाहत, मैगजीन लॉन्च इवेंट, मोबाइल बुक प्रदर्शनी, यंग इंडिया यूनिटी रन एंड प्लेज, डोनेशन ड्राइव और द आर्ट ऑफ बीइंग हैप्पी।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने वर्ष 2022-2023 में निम्नलिखित नई सुविधाएँ/सुविधाएँ जोड़ी हैं:

पुस्तकालय संग्रह को मजबूत करने के लिए पुस्तकालय ने 2022-2023 के दौरान 2497 पुस्तकें जोड़ीं।

पुस्तकालय ने 18 जनवरी 2022 से 17 जनवरी 2023 की अवधि के लिए डेलनेट डेलनेट वार्षिक संस्थागत सदस्यता की सदस्यता ली।

एनएलआईएसटी: पुस्तकालय ने ई-जर्नल्स और ई-पुस्तकों तक पहुंच के लिए शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के लिए एनएलआईएसटी की भी सदस्यता ली है।

एसएमएस सुविधा: पुस्तकालय ने महाविद्यालय के पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए एसएमएस सेवाएं शुरू कीं।

इस सेवा के साथ, पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय पुस्तकों के लेनदेन लॉग (चेकआउट/चेक-इन) के बारे में जान सकते हैं

नया फर्नीचर: पुस्तकालय में नए लकड़ी के स्टैक और लकड़ी के आवधिक प्रदर्शन रैक जोड़े गए।

उपयोगकर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम: महाविद्यालय पुस्तकालय ने शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 220

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित निधि: रुपए 79,65,44,000/-

उपयोगित निधि: रुपए 79,09,76,424/-

***

डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय वर्ष 1991 में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव रामजी अम्बेडकर के जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान अस्तित्व में आया और वर्ष 2016 में अपनी रजत जयंती मनाई। यह विश्वविद्यालय का एक घटक सह-शिक्षा महाविद्यालय है। दिल्ली का और 100% दिल्ली सरकार द्वारा वित्त-पोषित है। अपनी स्थापना के बाद से, इसने शैक्षणिक और पाठ्येतर दोनों क्षेत्रों में प्रगति के पथ पर अपनी निरंतर गति बनाए रखी है। प्रधानाचार्य, शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ ने युवाओं को एक उपयोगी और जिम्मेदार भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करते हुए, समग्र और समावेशी शिक्षा का माहौल बनाने के लिए खुद को समर्पित किया है। महाविद्यालय का आदर्श वाक्य, 'अत्तो दीपो भव' जिसका अर्थ है 'अपनी रोशनी खुद बनें', सभी को समर्पण और निष्ठा के साथ कड़ी मेहनत करने, खुद को प्रबुद्ध करने और बाबा साहेब की शिक्षाओं से शक्ति प्राप्त करते हुए समाज के कल्याण में योगदान करने के लिए प्रेरित करता है, जिन्होंने शिक्षा को शिक्षा के रूप में देखा था। एक शक्तिशाली उपकरण जो प्रत्येक नागरिक को समान रूप से सशक्त बना सकता है। प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रमों में बी.कॉम और बी.कॉम (ऑनर्स), बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास और बी.ए. (कार्यक्रम). महाविद्यालय को विश्वविद्यालय के चार व्यावसायिक पाठ्यक्रम अर्थात् बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार, बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क, बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स और बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान शुरू करने में अग्रणी होने का अनूठा गौरव प्राप्त है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन केंद्र 2022 की स्थापना की। अध्ययन केंद्र डॉ. अम्बेडकर के विचारों को बढ़ावा देने के लिए व्याख्यान और सेमिनार आयोजित करता है। ताकि अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके। महाविद्यालय ने एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 'एकेडेमिया' शुरू किया और मोनोग्राफ प्रकाशित किया। इसके अलावा, महाविद्यालय ने संकाय और छात्रों के लिए नवाचार, कौशल और बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए विभिन्न केंद्रों का गठन किया है, जैसे कौशल विकास और नवाचार केंद्र", "छात्रों के आदान-प्रदान और संकाय विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन केंद्र" "प्रकाशन और दस्तावेज़ीकरण केंद्र" और "बहु-अनुशासनात्मक अनुसंधान केंद्र"। महाविद्यालय ने 1.5 लाख रुपये के अनुदान के साथ महाविद्यालय के छात्रों के लिए तीन इंटर्नशिप शुरू की हैं (i) प्रशासनिक कार्य-आधारित; (ii) लेखा कार्य-आधारित और (iii) महाविद्यालय कैंपस का प्रबंधन। दस छात्रों को अधिकतम छह माह की अवधि तक प्रतिमाह 1,000 रुपये का मानदेय दिया जाएगा।

महाविद्यालय ने चार समझौता-ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

गौरव प्राप्त छात्र

निम्नलिखित छात्रों ने नीचे उल्लिखित पाठ्यक्रमों में महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया

सात्विक सेठी	बी.ए. (ऑनर्स) व्यापार आर्थिकी तृतीय वर्ष
मनु खोकर	बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल तृतीय वर्ष
सेरेना गोगोई भाटिया	बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान तृतीय वर्ष
मो. हमज़ा बरकती	बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य तृतीय वर्ष
तनु मिश्रा	बी.ए. (ऑनर्स एचजे एवं एमसी) तृतीय वर्ष

प्रकाशन

डॉ. अवतार सिंह. (2022)। समावेशी और सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन (IJIRI)*", 10: 17-26।

डॉ. दीपाली जैन. (2022)। शैक्षिक संस्थानों के लिए निर्णय वृक्ष मॉडल के मूल्यांकन पर एक अध्ययन (डिजिटल मार्केटिंग रणनीति-कृत्रिम बुद्धिमत्ता)। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट (आईजेआरसीएम)।* 13:25-35.

डॉ. दीपशिखा चौधरी। (2022)। आईसीडीएस पोषण कार्यक्रम और दिल्ली-एनसीआर में स्वयं सहायता समूहों की जिम्मेदारियां। *द सोशल आयन, एक इंटरनेशनल रेफरीड पीयर रिव्यूड इंडेक्स्ड जर्नल।* 11:4-26.

प्रोफेसर ऋचा चौधरी और डॉ. दीपशिखा चौधरी। (2022)। नशीली दवाओं के उल्लंघन की प्रतिक्रियाओं की स्थितियाँ: एक झलक। *सामाजिक और जीवन विज्ञान अनुसंधान जर्नल.* 36:16-21.

डॉ. आर.पी.द्विवेदी। (2022)। 'उत्तर-उत्तर आधुनिकता वादः संस्कृत नाटक पार्रदर्शक, तकिकी एवं ज्यसंचारकीं। *ग्लोबल कल्चरज़इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कल्चर एंड ग्लोबल स्टडीज़,* 03 (मई-अगस्त 2022), 12-23.

डॉ नवीन कुमार (2022). नेतृत्व और संगठनात्मक संस्कृति को सशक्त बनाना: कर्मचारी उत्कर्ष पर सामूहिक प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंस, 1:2983-2993.

प्रोफेसर तुष्टी भारद्वाज. (2022)। भारत में जीवनशैली कैंसर से जुड़े जोखिम कारक: विभिन्न भौगोलिक स्थानों से मौजूदा साक्ष्यों की एक व्यवस्थित समीक्षा। *क्लिनिकल केस रिपोर्ट्स इंटरनेशनल*। 6: 1378.

आयोजित संगोष्ठी

17 अगस्त 2022 को तीसरे राष्ट्रीय सामाजिक कार्य सप्ताह कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर संजय भट्ट,

प्रोफेसर संजय रॉय, प्रोफेसर नीरा अग्निमित्र, प्रोफेसर नीना पांडे और प्रोफेसर सुषमा बत्रा द्वारा 'भारत में सामाजिक कार्य पेशे@2030' शीर्षक सेमिनार।

आयोजित सम्मेलन

18-19 अप्रैल 2022 को मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'मानव और सामाजिक विकास में मनोविज्ञान और इसकी भूमिका' शीर्षक से राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

'तीसरा विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2022' नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) दिल्ली द्वारा क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली सहित प्रतिष्ठित संस्थानों के एक समूह के सहयोग से आयोजित किया गया। डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, एमिटी यूनिवर्सिटी हरियाणा, जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी गुरुग्राम, जीआरसी इंडिया, ग्लोबल फाउंडेशन, आरसीसीजीवी महाविद्यालय गाजियाबाद और विला महाविद्यालय मालदीव और त्रिभुवन यूनिवर्सिटी, काठमांडू, नेपाल की विदेशी साझेदारी में 15-16 अक्तूबर 2022 को आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

आंदोलि में जिजानतयों का नवनिष्ट योगदा: झारखंड के सांदर्भ में' डॉ. अनिल कुमार ने 22-24 दिसंबर 2022 तक औरंगाबाद में आयोजित ऑल इंडिया कॉमर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 73वें आईसीए सम्मेलन में 'घर से काम करने वाले कर्मचारियों के लिए व्यक्तिगत वित्तीय पेशेवरों का एक व्यापक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया है।

डॉ. दीपाली जैन ने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'विघटनकारी' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय और जी.एल. इंस्टीट्यूट द्वारा 'इनोवेशन एंड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इन बिजनेस एंड मैनेजमेंट' का आयोजन किया गया।

5-6 मई 2022 को प्रबंधन और अनुसंधान पीजीडीएम संस्थान का और सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला

श्री कुमार सत्यम ने इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र, दिल्ली, स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज, जेएनयू और चौधरी चरण सिंह द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्वराज एवं स्वतंत्रता आंदोली में लोकतंत्र का नवनिश्चित योगदाय: झारखंड विश्वविद्यालय के संदर्भ में' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया है।

डॉ. निशि शर्मा ने सतत युग में व्यवसाय प्रथाओं पर व्यवसाय और प्रबंधन में प्रगति पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वैश्विक बाजारों के साथ भारतीय क्षेत्रीय सूचकांकों के अंतर-संबंध: कोविड-19 और रूसी यूक्रेन संघर्ष के दौरान एक अनुभवजन्य अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2030 और नए युग की तकनीकें 10-11 नवंबर 2022 को आयोजित की गईं और सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का

पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. पूनम मित्तल ने 'ग्राहक व्यवहार का विश्लेषण' विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पारंपरिक बनाम. ऑनलाइन शॉपिंग' एक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च में और मई 2022 में विश्लेषणात्मक समीक्षाएँ।

डॉ. राकेश साहनी ने 15-16 दिसंबर 2022 को तीसरे पूंजी बाजार सम्मेलन एनआईएसएम महाराष्ट्र में "भारत में खाद्य और ईंधन बाजारों के बीच गतिशील चर्चा: क्या भारत वैश्विक दौड़ में शामिल हो गया है" विषय पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

छात्रों के लिए एक स्मार्ट पहचान पत्र के लिए हॉल पार्टी के साथ समझौता-ज्ञापन, जिसका उपयोग महाविद्यालय के पहचान पत्र के साथ एटीएम, मेट्रो/डीटीसी कार्ड के रूप में किया जा सकता है।

कैंपस में बीआईओ अपशिष्ट प्रबंधन के लिए भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

22 दिसंबर 2022 को तीन संस्थानों में अनुसंधान के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए किंग्स महाविद्यालय, लंदन सिसली सॉन्डर्स इंस्टीट्यूट और कैन सपोर्ट एनजीओ के साथ समझौता-ज्ञापन महाविद्यालय में दिव्यांग छात्रों को नौकरी से संबंधित अवसरों और कौशल-आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए आइडिया सक्षम एनजीओ के साथ समझौता-ज्ञापन।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

52 छात्र; 56%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

महाविद्यालय ने अपने 46 छात्रों को 4.3 लाख (न्यूनतम 2.5 लाख, अधिकतम 6.4 लाख) के औसत वेतन पैकेज के साथ प्रसिद्ध कंपनियों में सफलतापूर्वक नियुक्त किया। जिन प्रतिष्ठित कंपनियों ने हमारे छात्रों को नियुक्तियां दी, वे हैं-आदित्य बिड़ला सनलाइफ इंश्योरेंस, बोनामी सॉफ्टवेयर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, आईआईएफएम, आईएसए ग्लोबल, नेटवेस्ट, टॉपहायर, टीपीएम कंसल्टेंट्स, ट्रैवक्लान, प्लैनेटस्पार्क आदि। 25 अगस्त 2022 को नियोजन सेल ने समान अवसर के साथ समन्वय किया। महाविद्यालय के सेल ने समर्थन ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड और बी के वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से महाविद्यालय कैंपस में समावेशी मेगा नियोजन मेला का आयोजन किया। कैंपस में कुल 40 कंपनियां मौजूद थीं जिनमें कॉन्सेंट्रिक्स, माई मनी मंत्रा, ग्लोबल टैलेंट ट्रेनिंग, देवअर्थात इंटरनेशनल, आरएपी इंफो सिस्टम, मुथूट फिनकॉर्प, एसबीआई क्रेडिट कार्ड, मैकडॉनल्ड्स, आईसीसीएस कॉलिंग्स, बायजस और अनेक अन्य कंपनियां शामिल थीं। इस कार्यक्रम में लगभग 500 उम्मीदवारों ने प्रभावशाली पंजीकरण किया। कुल 238 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया, 11 उम्मीदवारों को मौके पर ही नियुक्ति-पत्र दिए गए। कंपनियों के साथ एक महीने

की अनुवर्ती प्रक्रिया के दौरान अन्य 114 उम्मीदवारों को नियुक्ति-पत्र दिए गए।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

एन.एस.एस. बीआरएसी के स्वयंसेवकों ने आयोजित स्वच्छता अभियान में 9-15 सितंबर 2022 को भाग लिया

(युवा मामले और खेल मंत्रालय) । 25 सितंबर 2022 को आसपास की कॉलोनियों में एक वितरण अभियान चलाया गया जिसमें पुस्तकें और जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। सुश्री अनुभा कुमारी, एन.एस.एस. स्वयंसेवक ने युवा मामले और खेल मंत्रालय, हिमाचल प्रदेश में एन.एस.एस. के क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा एबीवीआईएमएएस, मनाली में 12-21 सितंबर 2022 तक आयोजित राष्ट्रीय साहसिक शिविर में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय कंप्यूटरीकृत है और लिबसिस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करती है और अब दिसंबर 2022 के महीने में कोहा सॉफ़्टवेयर में स्थानांतरित हो गई है। प्रत्येक पाठक को ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) सुविधा प्रदान की जाती है।

3 फरवरी 2023 तक कुल उपलब्ध पुस्तकें: 45565

18 जनवरी 2021 से 3 फरवरी 2023 तक खरीदी गई पुस्तकें: 4190

पुस्तकालय में उपलब्ध पत्रिकाएँ: 54

अंग्रेजी भाषा में पत्रिकाएँ: 17

हिन्दी भाषा में पत्रिकाएँ: 14

अंग्रेजी भाषा में समाचार-पत्र: 08

हिंदी भाषा में समाचार-पत्र: 14

उर्दू में समाचार-पत्र: 01

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 103

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 44.52 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 40.42 करोड़

***

दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय (दृश्य बाधित)

संक्षिप्त विवरण

महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से विकासात्मक अनुदान के साथ-साथ भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत दृश्य दिव्यांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान से आंशिक धन प्राप्त होता है। शैक्षणिक वर्ष 2015-2016 से, बी.एड. विशेष शिक्षा कार्यक्रम को दो वर्ष की अवधि तक बढ़ा दिया गया है। महाविद्यालय ने अब सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

29 अप्रैल, 2022 को महाविद्यालय द्वारा एक समावेशी फुटबॉल खेल का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के दृष्टिबाधित और नेत्रहीन छात्रों ने आंखों पर पट्टी बांधकर एक साथ खेला।

लेडी इरविन महाविद्यालय के बी.एड प्रथम वर्ष विशेष शिक्षा (आईडी) पाठ्यक्रम के तीन संकाय सदस्य और 37 प्रशिक्षु ने 6 जून 2022 को महाविद्यालय का दौरा किया और हमारे प्रशिक्षुओं से अंग्रेजी ब्रेल सीखी।

महाविद्यालय ने 27 जून, 2022 को हेलेन केलर दिवस मनाने में हेलेन केलर ट्रस्ट और द रिलीफ एसोसिएशन को विशेष सहायता प्रदान की। महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के शिक्षक प्रशिक्षुओं ने हेलेन केलर के जीवन को चित्रित करने वाली एक नाटिका प्रस्तुत करके और सिमुलेशन गतिविधियों में भाग लेकर सक्रिय रूप से भाग लिया।

6 जुलाई 2022 को छात्रों के एक समूह ने जनपथ रोड पर स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण किया। विशेष रूप से, दृष्टिबाधित छात्रों को सिंधु घाटी सभ्यता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विशेष रूप से तैयार और डिज़ाइन की गई एक समर्पित स्पर्श गैलरी का दौरा करने का अनूठा अवसर मिला।

महाविद्यालय ने 15 अक्तूबर 2022 को 'विश्व सफेद छड़ी दिवस' के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम की व्यवस्था की। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय ने 21 मार्च 2023 को सेमिनार हॉल में 'विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस' के लिए एक समारोह की मेजबानी की।

गौरव प्राप्त छात्र

सुश्री अंजलि विश्वविद्यालय बी.एड विशेष शिक्षा (2020-22) में परीक्षा में प्रथम स्थान पर रहीं। उन्होंने 2000 में से 1520 अंक प्राप्त किए।

द्वितीय वर्ष के श्री आकाशदीप भंडारी को राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय, राउज़ एवेन्यू, डीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली द्वारा स्कूल जर्नल के प्रारूपण और संपादन में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा

प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

एक प्रशिक्षु अंकिता सहदेव को अक्तूबर 2022 के महीने में विश्व शांति बनाए रखने में दिव्यांग व्यक्तियों की भूमिका के बारे में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के अवर महासचिव श्री लैक्रोइक्स के साथ चर्चा करने का मौका मिला। 01 सितंबर 2022 को आयोजित स्मार्ट सॉल्यूशंस चैलेंज और इनक्लूसिव सिटीज अवॉर्ड समारोह और 11 अक्तूबर 2022 को एसआरएफ कैपजेमिनी द्वारा डेमोक्रेटाइजिंग डिजिटल पर आयोजित एक सम्मेलन, वॉयस ऑफ यूथ पैनल में पैनलिस्टों में से एक थे।

प्रकाशन

झा, एन., और सान्याल, एस. (2022). समावेशी शिक्षा में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए बाधाएं और अवसर-लाभार्थी दृष्टिकोण। एडुट्रैक, 21(9), 25-38. आयोजित संगोष्ठी।

21 मार्च 2023 को डाउन सिंड्रोम दिवस पर पूर्व पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. स्वाति सान्याल द्वारा "डाउन सिंड्रोम पर जागरूकता" शीर्षक सेमिनार।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. स्वाति सान्याल ने 10-11 फरवरी, 2023 को साइट सेवर्स द्वारा आयोजित राजस्थान के प्रतापराह में 'दृश्य हानि वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षाशास्त्र' पर 3 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

आयोजित कार्यक्रम

डॉ. स्वाति सान्याल ने 10-11 फरवरी, 2023 को साइट सेवर्स द्वारा राजस्थान के प्रतापढ़ में 'दृष्टि बाधित बच्चों के लिए समावेशी शिक्षाशास्त्र' पर आयोजित 3 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया।

डॉ. स्वाति सान्याल 18 मार्च 2023 को ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित 'संचार विकार श्रृंखला' में मुख्य वक्ता थी।

डॉ. सुदीप कुमार दुबे ने सीआरसी गोरखपुर (यूपी) द्वारा 5 सितंबर 2022 को आयोजित "कम दृष्टि के बीच दृश्य दक्षता बढ़ाना" पर सीआरई वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

झा, एन., और सान्याल, एस. (2022)। डॉ. सुदीप कुमार दुबे ने 28 जून 2022 को मेधा विशेष शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, खुशी नगर (यूपी) द्वारा समुदाय आधारित पुनर्वास पर आयोजित सीआरई वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

डॉ. सुदीप कुमार दुबे ने 30 जून 2022 को के एस मेमोरियल इंस्टीट्यूट रायबरेली (यूपी) द्वारा ब्रेल टीएलएम पर आयोजित सीआरई वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

डॉ. सुदीप कुमार दुबे ने 27 सितंबर 2022 को सृजन विशेष शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान, खुशी नगर (यूपी) द्वारा पाठ्यक्रम अनुकूलन प्रक्रिया पर आयोजित सीआरई वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

डॉ. सुदीप कुमार दुबे को बिहार राज्य शिक्षा परियोजना (एसएसए) के तहत रिसोर्स शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए 1-2 मार्च 2023 को सीआरसी पटना में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।

नरेंद्र कुमार झा ने भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) के तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) वेबिनार (ऑनलाइन) में श्रवण बाधित बच्चों के लिए भाषा और संचार (साक्षरता कौशल के अर्थ और प्रकार (पढ़ना, लेखन, संख्यात्मकता, डिजिटल, वित्तीय, स्वास्थ्य और नागरिक) विषय पर 29 अक्तूबर 2022 को विजय सिंह पाल बालिका डिग्री महाविद्यालय, मोहान रोड, पोस्ट-काकोरी, लखनऊ (यूपी) में संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया।

नरेंद्र कुमार झा ने 'मोटर, संज्ञानात्मक भाषा और सामाजिक भावनात्मक पर जन्मजात और साहसी अंधापन और कम दृष्टि का प्रभाव' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) मेधा विशेष शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, गौरी बाजार, देवरिया (उ.प्र.)के तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 19 अक्तूबर 2022 को संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

नरेंद्र कुमार झा ने 17 अक्तूबर 2022 को मेधा विशेष शिक्षक प्रशिक्षण में 'शैक्षिक उद्देश्यों के लिए अवशिष्ट दृष्टि का उपयोग' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) संस्थान, गौरी बाज़ार, देवरिया (उ.प्र.) के तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम (ऑनलाइन) में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।
सृजन विशेष शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा 28 सितंबर 2022 को 'सीडब्ल्यूवीआई के लिए पाठ्यचर्या अनुकूलन की रणनीतियाँ' विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई), खलीलाबाद, जिला-संत कबीर नगर (उ.प्र.) के तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम (ऑनलाइन) में नरेंद्र कुमार झा ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

नरेंद्र कुमार झा ने 28 जून को भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) मेधा स्पेशल टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशंस (यूपी106), पुराना फाजिलनगर रोड, कसया, कुशीनगर (यूपी) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'समुदाय आधारित पुनर्वास के लिए हितधारक कौन हैं और सीबीआर के लिए हितधारकों की भूमिकाओं का वर्णन करें' विषय पर व्याख्यान दिया।

नरेंद्र कुमार झा ने 24 मई, 2022 को कल्याणम करोति, मथुरा (यूपी) द्वारा आयोजित भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) के सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम में 'सामाजिक सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की अवधारणा' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

संस्थान का जामिया मिलिया इस्लामिया के साथ एक सक्रिय संकाय विनिमय कार्यक्रम है। हम लेडी इरविन महाविद्यालय के साथ विशेष शिक्षा में अपने संबंधित क्षेत्रों में कार्यशाला के रूप में विभिन्न विनिमय

कार्यक्रम भी साझा करते हैं।

महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग (सीआईई) की देखरेख और नियंत्रण में प्रवेश प्रक्रिया, वार्षिक परीक्षा (प्रश्न-पत्र सेटिंग और मूल्यांकन) साझा करता है। हम अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ नियमित स्कूल विजिट कार्यक्रम साझा करते हैं।

भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) की विशेष शिक्षा और पुनर्वास के क्षेत्र में निगरानी निकाय है। इसलिए, हम आरसीआई के दिशानिर्देशों का भी पालन करते हैं और सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम का संचालन करते हैं और हमारे संकाय सदस्य आरसीआई के विजिटिंग विशेषज्ञों और आरसीआई विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में कार्य करते हैं।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

बी.एड. के 37 छात्रों ने लेडी इरविन महाविद्यालय की स्पेशल एजुकेशन-आईडी ने ब्रेल लर्निंग इंटरेक्शन प्रोग्राम में हिस्सा लिया। कार्यशाला 07-08 जून 2022 को महाविद्यालय कैंपस के गांधी हॉल में आयोजित हुई।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 22 छात्रों का नियोजन हुआ।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

18 मार्च 2023 को आईजीएनसीए, जनपथ, नई दिल्ली में "प्रिंट दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सांस्कृतिक विरासत तक पहुंच में सुधार" कार्यक्रम का आयोजन आईजीएनसीए ने प्रिंट दिव्यांग व्यक्तियों के लिए पुस्तकालयों पर आईएफएलए समिति और सक्षम ट्रस्ट, नई दिल्ली के सहयोग से संयुक्त रूप से किया था।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में प्रिंट और ब्रेल दोनों प्रारूपों में 4599 पुस्तकों का संग्रह है, जिसमें 2344 शीर्षकों की विविध श्रृंखला शामिल है। इनमें विशेष शिक्षा एवं शिक्षा को समर्पित 11 मुद्रित पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। पूरे शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 में, सूची में 38 नई पुस्तकें जोड़ी गईं।

इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय में डेस्क और एमपी3 दोनों प्रारूपों में 134 टॉकिंग पुस्तकें हैं, जो सुलभ शिक्षण संसाधनों में योगदान करती हैं। संग्रह में 396 ब्रेल पुस्तकों और 5 ब्रेल जर्नल के साथ समावेशिता पर विशेष ध्यान स्पष्ट है, जो छात्रों के लिए उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों को और समृद्ध करता है।

संकाय संख्या : 04

***

दयाल सिंह महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

दयाल सिंह महाविद्यालय (प्रातः) की शुरुआत सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने की थी, जो 'द ट्रिब्यून' और 'पंजाब नेशनल बैंक' के संस्थापक हैं, और जिन्होंने 1895 में एक धर्मनिरपेक्ष महाविद्यालय के लिए एक एजुकेशन ट्रस्ट की स्थापना के लिए अपनी विशाल संपत्ति हस्तांतरित की थी। परिणामस्वरूप, 1910 में लाहौर में दयाल सिंह महाविद्यालय की स्थापना की गई। विभाजन के बाद एजुकेशनल ट्रस्ट की शुरुआत दिल्ली में एक कैंप महाविद्यालय से हुई, जिसे बाद में 31 मार्च 1959 को दयाल सिंह महाविद्यालय ट्रस्ट को सौंप दिया गया। महाविद्यालय ने 5 अगस्त 1959 से राजधानी में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक महाविद्यालय के रूप में राउज़ एवेन्यू में काम करना शुरू कर दिया। यह महाविद्यालय अपनी स्थापना से ही राष्ट्र निर्माण के महत्त्वपूर्ण कार्य में योगदान दे रहा है। वर्तमान महाविद्यालय कैंपस दक्षिणी दिल्ली में लोधी रोड पर स्थित है और 11 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। वर्तमान में महाविद्यालय 19 विभागों (कला, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान, गणितीय विज्ञान, कंप्यूटर और विज्ञान) के माध्यम से 24 कार्यक्रमों (17 ऑनर्स, 5 कार्यक्रम और 2 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों सहित) में 6379 से अधिक छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिसमें विदेशी देशों अफगानिस्तान, मंगोलिया और अमेरिका के छात्र भी शामिल हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

दयाल सिंह महाविद्यालय (प्रातः) को 2022 में महाविद्यालय श्रेणी के तहत एनआईआरएफ रैंकिंग में 35वां स्थान दिया गया था। महाविद्यालय ने चार-बिंदु पैमाने पर 3.15 का सीजीपीए और ग्रेड ए की एनएएसी मान्यता प्राप्त की। सभी संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों, छात्रों ने एनएएसी पीयर टीम के दौरे के लिए अपना योगदान दिया।

सम्मान/गौरव

डॉ. पी. चित्रलेखा को विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और विज्ञान की पहुंच में योगदान के लिए होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, टीआईएफआर, मुंबई, 2022 द्वारा 'अनिल सदगोपाल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर जसलीन कौर कालिया को 16-17 मार्च 2022 को औषधीय पौधों पर अनुसंधान और विकास के सीमांत क्षेत्रों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "पौधों के लिए आसन्न खतरा जो ठीक हो जाते हैं" शीर्षक वाली उनकी प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर अनिल कुमार नैन को केमिकल इंजीनियरिंग श्रेणी में 53,348 शोधकर्ताओं में से 203 की वैश्विक रैंक के साथ स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा अनुसंधान विश्लेषण के स्कोपस डेटा के आधार पर जारी

2022 में दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया और 22 विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं में से दूसरा स्थान प्राप्त किया।

एसडीआरएफ के सहयोग से सीटीईएफ, दिल्ली-एनसीआर चैप्टर द्वारा शोध प्रकाशन में उत्कृष्टता के लिए डॉ. श्वेता रानी को "जीसी मेमोरियल बेस्ट रिसर्च ऑथर पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

डॉ. राजेश कुमार अभय को यूजीसी इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज के तहत इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला में एसोसिएटशिप से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. (पास) द्वितीय वर्ष की मुस्कान ने ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियनशिप (जनवरी 2023) में कांस्य पदक जीता और यूपी राज्य प्रतियोगिता (दिसंबर 2022) में स्वर्ण पदक जीता।

बी.ए. (पास) के चांस तुशीर ने इंटर-यूनिवर्सिटी सेलेक्शन ट्रायल (2022) में स्वर्ण पदक जीता, नॉर्थ वेस्ट जोन बॉक्सिंग टूर्नामेंट (मार्च 2023) में रजत पदक जीता और दिल्ली स्टेट बॉक्सिंग टूर्नामेंट (दिसंबर 2022) में कांस्य पदक जीता।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस प्रथम वर्ष के विभोर रंजन ने इंटर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता (2023) में कांस्य पदक जीता, नॉर्थ जोन शतरंज प्रतियोगिता (2023) में स्वर्ण पदक जीता और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट (2023) में 5वां स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष के लक्ष्य ने वार्षिक दिल्ली राज्य एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (2022) में भाला फेंक में रजत पदक जीता, राष्ट्रीय भाला दिवस कार्यक्रम (अगस्त 2022) में स्वर्ण पदक जीता, उत्तरी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (सितंबर) में कांस्य पदक जीता 2022), ओपन दिल्ली स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

बी.कॉम (पास) के पुष्पेंद्र राठी ने 36वें राष्ट्रीय खेलों (2022) में कांस्य पदक जीता और 6वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप (2022) में भाग लिया।

प्रकाशन

चिक्कारा, ए., रोयापल्ली, पी.के., सकागामी, एच., अमानो, एस., सातोह, के., यूसावा, वाई., दास, यू., दास, एस. (2022)। उपन्यास अनसिमेट्रिक 3,5-बीआईएस(बेंज़िलिडीन)-4-पाइपरिडोन्स जो ट्यूमर-चयनात्मक विषाक्तता प्रदर्शित करते हैं। अणु, 9(27), 6718.

गर्ग, एम., गोयल, ए. (2023)। फीचर इंजीनियरिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके ऑनलाइन मूल्यांकन में अखंडता को बनाए रखना। अनुप्रयोगों के साथ विशेषज्ञ प्रणालियाँ, (225)

गुप्ता, एस., सूद, एन., रथ आर., सक्सेना, आर. (2022)। उत्तरी भारत में फसल अवशेष जलाना: बायोमास

जलाने के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पर्यावरणीय चुनौतियाँ और रणनीतियाँ। जर्नल ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी, 2(25), 2047-2057।

लैसराम, एन., रहमान, जेड., सिंह, वी.पी. (2023)। विभिन्न फ्यूसेरिया के खिलाफ स्यूडोमोनस फ्लोरेसेंस स्ट्रेन एक्स1 की विरोधी गतिविधि और फ्यूसेरियम यूडम संक्रमित अरहर के खिलाफ इसका विवो विश्लेषण। करंट माइक्रोबायोलॉजी, 98(80), 0343-8651.

मेहन, एन. (2023)। नेमैटिक लिक्विड क्रिस्टल आधारित सतह प्लास्मोन अनुनाद (एसपीआर) सेंसर के संवेदी गुणों पर ऑप्टिक अक्ष रोटेशन का प्रभाव। ऑप्टिकल सामग्री, 113472(136), 1873-1252.

प्रसाद, ए.एस., पांडे, बी.डब्ल्यू., ठाकुर, एस., ओझा, ए., चौधरी, एस. (2022)। स्थिरता के लिए औद्योगिक खतरे, लचीलेपन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण का जोखिम मूल्यांकन: गाजियाबाद जिले, एनसीआर दिल्ली में औद्योगिक क्षेत्रों का एक केस अध्ययन। आपदा एवं विकास, 2(11), 125-146.

राजपाल, एस., राजपाल, ए., कुमार, एस. (2022)। रोज़मार्क: एसडब्ल्यूटी-डीसीटी फ्रेमवर्क का उपयोग कर मजबूत अर्ध-अंधा ईसीजी वॉटरमार्किंग योजना। डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, 103648(129), 1051-2004.

रियाजुद्दीन, आर, सिंह, के., इकबाल, एन, रानी, ए., कुमार, एम., खत्री, एन., सिद्दीकी, एम.एच., यशेश्वर, किम, एस.टी., अत्तिला, एफ., गुप्ता, आर. (2022). आयोडीन: पौधों में वृद्धि और तनाव प्रतिक्रियाओं का एक उभरता हुआ बायोस्टिमुलेंट। पौधा और मिट्टी, 655 (486), 119-133.

सैनी, कुमार, के., रानी, आर., मुस्कान, खन्ना, एन., मेहता, बी., कुमार, आर. (2023)। हंट्ज़स्च के 1,4-डायहाइड्रोपाइरीडीन के बहुघटक संश्लेषण में हाल की प्रगति का अवलोकन: प्रमुख कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स का एक वर्ग। वर्तमान कार्बनिक रसायन विज्ञान, 2(27), 119-129.

उपाध्याय, आर.के., साइन, के.के., देसवाल, एन., सिंह, टी., त्रिपाठी, के.पी., कौशिक, पी., शकील, एन.ए., भारती, ए.सी., कुमार, आर. (2022)। राइजोक्टोनिया सोलानी के खिलाफ आशाजनक एंटीफंगल गतिविधि के साथ बेंज़ोथियाज़ोल-संलग्न बीआईएस-ट्रायज़ोल-आधारित संरचनात्मक आइसोमर्स का संश्लेषण। आरएससी अग्रिम, 12: 24412-24426.

शोध-परियोजनाएं

परियोजना का शीर्षक है, 'वॉल्यूमेट्रिक, एकॉस्टिक, विस्कोमेट्रिक, ऑप्टिकल और कंडक्टोमेट्रिक माप का उपयोग करके होम्योपैथिक ड्रग फॉर्मूलेशन का भौतिक रासायनिक अध्ययन' और वर्ष 2022 के लिए सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी द्वारा वित्त-पोषित और स्वीकृत राशि 44.768 लाख रुपये।

परियोजना का शीर्षक है, 'भोजपुरी लोकगीत' और वर्ष 2022 के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा वित्त-पोषित और स्वीकृत राशि 8 लाख रुपये।

परियोजना का शीर्षक है, 'आत्मनिर्भर उड़ीसा और झारखंड' और वर्ष 2022 के लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त-पोषित और स्वीकृत राशि 7 लाख रुपये।

परियोजना का शीर्षक है, 'एक्सट्रपलेशन इन सम लेब्सग टाइप स्पेस' और वर्ष 2023 के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)-डीएसटी द्वारा वित्त-पोषित और स्वीकृत राशि 6.6 लाख रुपये।

पेटेंट दायर/स्वीकृत

राष्ट्रीय पेटेंट हकदार:

कुल गुणवत्ता प्रबंधन कार्यान्वयन पर मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव।

मशीन लर्निंग का उपयोग करके साइबर खतरों की ओटी और क्लाउड कंप्यूटिंग-आधारित पहचान।

भूकंप की घटना की भविष्यवाणी करने और इमारतों को इसके विनाशकारी प्रभावों से बचाने के लिए IoT अलर्ट तंत्र के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली।

भारत में आर्थिक विकास को समर्थन देने में पर्यटन निवेश की भूमिका।

किसी देश की भौगोलिक स्थिति से प्रभावित कोविड-19 पर महामारी विज्ञान अध्ययन करने के लिए गहन शिक्षण आधारित दृष्टिकोण।

आयोजित संगोष्ठी

16 जुलाई 2022 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वकील, श्री करुणा नंदी द्वारा 'अपने अधिकारों को जानें, सशक्तिकरण' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

18 फरवरी 2023 को जल दिवस पर डॉ. भक्ति, जलस्मृति द्वारा 'हम अपनी दुनिया को सुजलाम् सुफलाम कैसे बना सकते हैं' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

11 फरवरी 2023 को नीति आयोग की शोभना झा द्वारा 'शोध लेखन की कला' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

5 जनवरी 2023 को ब्रह्मा कुमार पीयूष, ब्रह्मा कुमारिस द्वारा 'प्रतिकूल परिस्थितियों में आशा की तलाश, कल्याण' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

24 सितंबर 2022 को 'पॉस्को एक्ट' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया।

09 सितंबर 2022 को 'व्यवसाय और प्रबंधन में विकास का प्रबंधन: सतत विकास लक्ष्यों का युग' विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर अलका गुप्ता ने सामग्री, विनिर्माण और मॉडलिंग (आईसीएमएमएम2023) पर आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'सिट्रोनेला आवश्यक तेल-आधारित नैनोमल्शन का विकास और स्पोडोप्टेरा लिटुरा (फैब) (लेपिडोप्टेरा: नोक्टुइडे) के खिलाफ इसके लार्विसाइडल प्रभावों का विकास' शीर्षक से 10-12 मार्च 2023 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

द टॉवर होटल, सेंट कैथरीन वे, लंदन में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय ई-असेसमेंट एसोसिएशन सम्मेलन और पुरस्कार के दौरान प्रोफेसर अनीता गोयल ने 'ई-मूल्यांकन में ईमानदारी को संरक्षित करने के लिए वर्तमान चुनौतियां और रणनीतियाँ' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

14 अक्तूबर 2022 को जैव विविधता संरक्षण योजना के लिए भू-सूचना विज्ञान पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डॉ. राजेश कुमार अभय ने 'एनसीटी-दिल्ली में शहरी विकास और आवास गुणवत्ता की स्थिति का मूल्यांकन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

श्री शांतनु कुमार दास ने 23-24 सितंबर 2022 को दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति: अतीत और वर्तमान पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अकाल जीवन रक्षा रणनीति और प्रवासन: औपनिवेशिक उड़ीसा का एक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

11-12 नवंबर 2022 को भारतीय राष्ट्रवाद का उदय और तिलक की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान डॉ. उमा शंकर सिंह ने 'लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक: भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के अग्रदूत' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर अरुण पाल सिंह ने 2 दिसंबर 2022 को आयोजित हार्मोनिक विश्लेषण और अनुप्रयोगों (एनसीएचएए) पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'रूबियो डी फ्रांसिया थ्योरी ऑफ एक्सट्रपलेशन' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. राजीव कुमार ने 10-12 जनवरी 2023 को ग्राफ़, नेटवर्क और कॉम्बिनेटरिक्स (आईसीजीएनसी 2023) पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्वांटम हमलों के प्रतिरोधी कुशल कोड-आधारित क्रिप्टोग्राफ़िक योजनाओं का डिज़ाइन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर रीता रथ ने 12 अगस्त 2022 को आयोजित इक्विनॉक्स-2022: वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य- पारिस्थितिक बहाली का एक केस अध्ययन: इसकी सफलता और वर्तमान स्थिति' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर नीरजा सूद ने 11 नवंबर 2022 को आयोजित मृदा प्रदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर) पर भारतीय नेटवर्क के 7वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एचपीवी वैक्सीन- सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ योद्धा' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

विज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी के साथ समझौता-ज्ञापन।

श्री राम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल रिसर्च, दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सीसीआरएच, आयुष मंत्रालय

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 210

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 35%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या:**112**

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

दयाल सिंह महाविद्यालय में अनेक ऐसे कार्य हैं जो छात्रों के समग्र विकास और सामाजिक मुद्दों के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए किए जाते हैं। वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत अभियान, रक्तदान शिविर, योग दिवस समारोह, जलवायु कार्रवाई, रीथिंक प्लास्टिक, कपड़ा दान अभियान, साइबर अपराध और सुरक्षा, लिंग तटस्थता, तिरंगा यात्रा, स्वच्छता अभियान, पर सामाजिक कार्यकलाप, वार्ता, चर्चा और वेबिनार आयोजित किए गए। जल संरक्षण, संवैधानिक दिवस, फिट इंडिया 3.0, स्वच्छ भारत 2.0, आजादी का अमृत महोत्सव, पशु आहार, ई-कचरा प्रबंधन, वन महोत्सव और भी बहुत कुछ।

मिशन जीवन "जन आंदोलन" के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और पीएम-कुसुम योजना के बारे में जानकारी देने के लिए राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, गुरुग्राम की एक जागरूकता यात्रा का आयोजन किया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस), मध्य दिल्ली के सहयोग से 16 फरवरी 2023 को "अग्नि खतरा और जीवन सुरक्षा उपाय" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। एन.एस.एस. के छात्रों ने शिक्षा, शक्ति, मिशन लाइफ आदि जैसे विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम किया है। एन.सी.सी. के छात्रों ने अनेक शिविरों और रैलियों में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने पुस्तकों की खरीद पर 8,37,761/- रुपये और जर्नल/जर्नल/समाचार-पत्रों की सदस्यता पर 121326/- रुपये खर्च किए हैं।

2022-2023 में जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या:

शीर्षकों की संख्या: 937

पुस्तकों की कुल संख्या: 1282

महाविद्यालय पुस्तकालय ने दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए 4 जर्नल की सदस्यता ली है। पुस्तकालय

ने 6000+ जर्नल और 1,99,500+ ई-पुस्तकों तक पहुंच के लिए वर्ष 2022-23 के लिए एन-लिस्ट कार्यक्रम की अपनी सदस्यता को नवीनीकृत किया है। महाविद्यालय पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क सिस्टम के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 246

स्थायी संकाय की कुल संख्या: 178

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 68

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 87,33,02,000/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 84,52,59,070/-

***

दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

शहर के मध्य में एक प्रकाश स्तंभ की तरह खड़ा, दयाल सिंह (सांध्य) महाविद्यालय परंपरा और आधुनिकता के संश्लेषण का प्रतिनिधित्व करता है और यह महाविद्यालय की यही विशेषता है जो इसके आदर्श वाक्य में भी समाहित है। संस्था की समृद्ध विरासत का पता इसके संस्थापक सरदार दयाल सिंह मजीठिया की दूरदृष्टि से लगाया जा सकता है, जिन्हें 'द ट्रिब्यून' और 'पंजाब नेशनल बैंक' के संस्थापक के रूप में याद किया जाता है। पंजाब के रहने वाले, भारत के महान सपूतों में से एक है। वह अंध विश्वास और अंधविश्वास से ग्रस्त लोगों के मन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करना चाहते थे। इस उद्देश्य के लिए सरदार दयाल सिंह ने एक धर्मनिरपेक्ष महाविद्यालय के लिए एक शैक्षिक ट्रस्ट की स्थापना के लिए अपनी संपत्ति की वसीयत की और वर्ष 1910 में दयाल सिंह महाविद्यालय लाहौर की स्थापना की गई।

विभाजन के बाद उनके द्वारा स्थापित ट्रस्ट ने उनके दृष्टिकोण को भारत में भी जीवित रखा। एक प्रख्यात शिक्षाविद्, पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, स्वर्गीय दीवान आनंद कुमार ने दयाल सिंह मजीठिया के नाम पर दो अकादमिक महाविद्यालय स्थापित करके उन्हें अमर बना दिया: एक करनाल में और दूसरा दिल्ली में। दिल्ली महाविद्यालय ने वर्ष 1958 में दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालय के रूप में राजधानी में काम करना शुरू किया और 1978 में खुद को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित संस्थान के रूप में स्थापित किया।

बढ़ती छात्र संख्या के कारण बुनियादी ढांचे में विस्तार देखा गया है। एक नए शैक्षणिक ब्लॉक के निर्माण के अलावा, जिसमें अनेक क्लास रूम हैं, एक नई कंप्यूटर लैब, एक अत्याधुनिक सेमिनार हॉल और एक सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किया गया सभागार भी बनाया गया है। महाविद्यालय भाषा, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य से लेकर कला और वाणिज्य की सभी प्रमुख शाखाओं तक छह स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। वर्तमान में महाविद्यालय में लगभग 3000 छात्र नामांकित हैं। महाविद्यालय छात्रों को सार्थक, मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नल में शिक्षकों द्वारा 100 से अधिक लेख और पुस्तकें प्रकाशित और प्रस्तुत की गईं।

वर्ष 2022-23 में नियोजन सेल ने 309 कंपनियों की मेजबानी की, जिनमें से 176 इंटर्नशिप अवसरों के लिए और 133 नियोजन अवसरों के लिए थीं। सेल ने पिछले वर्ष की तुलना में होस्ट की गई कंपनियों की कुल संख्या में 300% की आश्चर्यजनक वृद्धि प्राप्त की। इसके अलावा, 153 छात्रों को विभिन्न इंटर्नशिप और नियोजन अवसरों के लिए चुना गया। कंपनी के लिए उच्चतम प्रस्तावित लागत (सीटीसी) डी.ई. द्वारा 23 एलपीए थी। शॉ और द लीडिंग सॉल्यूशंस द्वारा प्रति माह 30,000 रुपये की उच्चतम वजीफे की पेशकश की गई थी।

दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई ने आजादी का अमृत महोत्सव, हर घर तिरंगा, स्वच्छ भारत आदि जैसे शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन और भाग लिया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग ने वृक्षारोपण अभियान, यमुना जैव विविधता पार्क के क्षेत्र दौरे का आयोजन किया। वाणिज्य सोसायटी कॉमहब ने भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, एनसीयूआई: सहकारी मेला 22, और भारतीय संवैधानिक क्लब नामक 3 क्षेत्रीय दौरे आयोजित किए।

स्पंदन, आर्ट्स एंड कल्चर एसोसिएशन का वार्षिक उत्सव, कॉमर्स सोसायटी का कॉम्फिएस्टा, अंग्रेजी विभाग का लिटफेस्ट और नियोजन सेल द्वारा आयोजित इंटर्नशिप मेले में 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। अन्य महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर महाविद्यालय की टीमों को 50 से अधिक पुरस्कार प्राप्त हुए।

प्रकाशन

धर्मेंद्र कुमार जिज्ञासु, अमित कुमार, आफताब ए शबनम, रईसा बेगम, सुबदास सिंह, संदीप कुमार माल्यान, कार्तिक नियोग, केएम विजयकुमारी। (2023)। पर्सिया बोम्बाइसीना का वायु प्रदूषण सहनशीलता सूचकांक: स्थानिक मुगा रेशमकीट (एंथेरिया असामेन्सिस) का प्राथमिक खाद्य पौधा। हेलियॉन, 9(11), ई21184.

कुमार, एस पोनमानी, जीके शर्मा, पी सांगवी, एके चतुर्वेदी, ए सिंह, एसके माल्यान, एसए खान, आफताब ए शबनम, डीके जिज्ञासु, ए गुल। (2023)। फ़ाइकोरमीडिएशन के माध्यम से पानी से विषाक्त पदार्थों को कम करना: जीवित और निर्जीव शैवाल की क्षमता बढ़ाने के लिए तंत्र, प्रभावित करने वाले कारक और भविष्य का दृष्टिकोण। पर्यावरण अनुसंधान, 239 (2), 117381.

संदीप सिंह, संदीप के माल्यान, चिन्मय मैथानी, सुजाता कश्यप, विनय कुमार त्यागी, राजेश सिंह, सार्थक मल्होत्रा, मनीष शर्मा, अमित कुमार, बिजय के पांडे, आरपी पांडे। (2023)। लैंडफिल लीचेट में माइक्रोप्लास्टिक्स: घटना, स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ, और हटाने की रणनीतियाँ। पर्यावरण प्रबंधन जर्नल, 342 (-), 118220.

संदीप सिंह, संदीप के माल्यान, राजेश सिंह, विनय कुमार त्यागी, सुजाता कश्यप। (2023)। लैंडफिल लीचेट उपचार के एरोबिक और एनारोबिक तरीके: सीमाएं और फायदे। लैंडफिल लीचेट प्रबंधन.

संदीप सिंह, संदीप के माल्यान, चिन्मय मैथानी, सुजाता कश्यप, विनय कुमार त्यागी, राजेश सिंह, सार्थक मल्होत्रा, मनीष शर्मा, अमित कुमार, बिजय के पांडे, आरपी पांडे। (2023)। लैंडफिल लीचेट में माइक्रोप्लास्टिक्स: घटना, स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ, और हटाने की रणनीतियाँ। पर्यावरण प्रबंधन जर्नल, 342 (1), 411.

श्वेता यादव, झलेश कुमार, संदीप कुमार माल्याण, राजेश सिंह, ओंकार सिंह, विकास चंद्र गोयल, ज्योति सिंह, रितिका नेगी। (2023)। पौधों की प्रजातियों के रूप में कैना इंडिका और फ्रैगमाइट्स ऑस्ट्रेलिस का उपयोग करके नगरपालिका अपशिष्ट जल उपचार के लिए पायलट-स्केल फ्लोटिंग वेटलैंड का मूल्यांकन। स्थिरता, 15(18), 13601.

सौरभ सिंह, चिन्मय मैथानी, संदीप के माल्याण, अभिषेक सोती, निहा मोहन कुलश्रेष्ठ, राजेश सिंह, उर्मीला ब्रिघु, अखिलेंद्र भूषण गुप्ता, झलेश कुमार, श्वेता यादव, ओंकार सिंह, वीसी गोयल। (2023)। क्रमिक रूप से घटती गहराई वाले पूर्ण पैमाने के एचएफसीडब्ल्यू की गहरी और उथली कोशिकाओं के तुलनात्मक प्रदर्शन और 16एस एम्प्लिकॉन अनुक्रमण विश्लेषण से विशाल वृद्धि क्षमता का पता चलता है। बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट, 22(-), 101404.

संदीप सिंह, मीनाक्षी रावत, संदीप के माल्यान, राजेश सिंह, विनय कुमार त्यागी, कप्तान सिंह, सुजाता कश्यप, सुमंत कुमार, मनीष शर्मा, बीके पांडे, आरपी पांडे। (2023)। मीठे पानी के संसाधनों में कीटनाशकों का वैश्विक वितरण और उनके निवारण के दृष्टिकोण। पर्यावरण अनुसंधान, 255 (-), 115605.

जलविद्युत जलाशयों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन: प्रभावित करने वाले कारकों और भविष्य की संभावनाओं की यंत्रवत समझ। (2023)। जलविद्युत जलाशयों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन: प्रभावित करने वाले कारकों और भविष्य की संभावनाओं की यंत्रवत समझ। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, प्रेस में।

डॉ. सुकृति देसवाल। (2022)। राष्ट्र की पुनर्कल्पना: आनंदमठ का एक महत्त्वपूर्ण अध्ययन। *आईआईएस यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ आर्ट्स,* 11(1), 69-79.

आयोजित संगोष्ठी

24 फरवरी 2023 को वरिष्ठ प्रबंधक श्री मुकेश चौहान द्वारा "पूंजी बाजार में हालिया रुझान" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

27 अक्तूबर 2022 को स्वेच्छा की वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री दीप्ति द्विवेदी द्वारा "सामाजिक क्षेत्र में अवसर" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

24 फरवरी 2023 को शिक्षाविद और उत्कृष्ट प्रबंधन गुरु प्रोफेसर डॉ. सुभाष कक्कड़ द्वारा "लक्ष्य निर्धारण और नेतृत्व उत्कृष्टता" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

18 जनवरी 2023 को अमित कल्ला, कलाकार और कवि, डॉ. रीला होता, ओडिसी नृत्यांगना और विद्वान, डॉ. अजीत कुमार, संस्कृत विभाग के साथ "कला और संस्कृति के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

8 अक्तूबर 2022 को राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ श्री अमित दुबे द्वारा "डिजिटल युग में राष्ट्रीय सुरक्षा: साइबर अपराध और सुरक्षा" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय के आईक्यूएसी और आईऐईईआर के पुणे इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (पीआईबीएम) ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सहयोग से चार दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया। यह पहल "एसपीएसएस का उपयोग करके डेटा विश्लेषण" के क्षेत्र में संकाय सदस्यों के कौशल को बढ़ाने पर केंद्रित है। कार्यक्रम के सफल समापन और साथ में ऑनलाइन परीक्षण पर, प्रतिभागियों को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) से प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय के नियोजन सेल और आईक्यूएसी ने तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम (सीडीपी) आयोजित करने के लिए आईऐईईआर के पुणे इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (पीआईबीएम) और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनसीडीसी) के साथ सहयोग किया। डिजिटल मार्केटिंग पर केंद्रित, एसडीपी में व्यक्तित्व विकास, सॉफ्ट स्किल्स, तार्किक तर्क, सोशल मीडिया मार्केटिंग और कंटेंट मार्केटिंग जैसे विभिन्न पहलू शामिल हैं। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्रों को प्रशिक्षण में उनकी भागीदारी और उपलब्धि को स्वीकार करते हुए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) से प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान 161 छात्रों का नियोजन हुआ।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

वर्ष 2022-23 में 102 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय ने विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में निरंतर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के दौरान 1204 अतिरिक्त सहित 72,142 पुस्तकों के विशाल संग्रह के साथ, पुस्तकालय एक मूल्यवान संसाधन केंद्र बना हुआ है।

इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ताओं को 13 समाचार-पत्रों और 22 जर्नल तक पहुंच का लाभ मिलता है। अध्ययन के अनुभव को और बढ़ाते हुए, पुस्तकालय एन-लिस्ट, इनफ्लिबनेट, यूजीसी और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के साथ संबद्धता के आधार पर शिक्षकों और छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रदान करती है।

संकाय संख्या : 112

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 2939 लाख

उपयोगित अनुदान : रुपए 2730 लाख

***

फ्लोरेंस नाइटिंगेल नर्सिंग महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

फ्लोरेंस नाइटिंगेल नर्सिंग महाविद्यालय (जीटीबीएच के तहत) की स्थापना वर्ष 2019 में बी.एससी. नर्सिंग प्रोग्राम प्रदान करने के लिए की गई थी जो भारतीय नर्सिंग काउंसिल, दिल्ली नर्सिंग काउंसिल और दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है। बी.एससी. नर्सिंग डिग्री कार्यक्रम का मूल उद्देश्य नर्सों को नर्सिंग में मानकीकृत शैक्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ तैयार करना है ताकि वे सभी प्रकार की स्वास्थ्य देखभाल में प्रथम स्तर की स्थिति के रूप में नर्स के कार्य करने में सक्षम हो सकें।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय इग्नू से पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग प्रोग्राम के लिए एक अध्ययन केंद्र शुरू करने की प्रक्रिया में है।

महाविद्यालय ने सभी विषयों के शिक्षाविदों को लागू किया और निगरानी की और बाद में संस्थान और संबद्ध विश्वविद्यालय के उपनियमों के अनुरूप परीक्षाएं आयोजित कीं।

महाविद्यालय लगातार छात्र के प्रदर्शन की निगरानी करता है और नियमित संकाय विकास कार्यक्रमों की व्यवस्था करता है। नर्सिंग संकाय के प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए एक प्रारूप विकसित किया गया।

महाविद्यालय ने पूरे वर्ष खेल और विभिन्न अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया और छात्रों को पदक और

पुरस्कार वितरित किए।

गौरव प्राप्त छात्र

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित महाविद्यालय स्तरीय सेमेस्टर परीक्षा में निम्नलिखित छात्र टॉपर रहे: आठवें सेमेस्टर की सुश्री हिमांशी माथुर, आठवें सेमेस्टर की सुश्री कनिष्का पुरोहित, आठवें सेमेस्टर की सुश्री कोमल कुमारी, आठवें सेमेस्टर की सुश्री मानसी, आठवें सेमेस्टर की सुश्री मेघा, आठवें सेमेस्टर की सुश्री मुस्कान खान, आठवें सेमेस्टर की सुश्री मुस्कान, आठवें सेमेस्टर की सुश्री नीथू रोज लॉरेंस, आठवें सेमेस्टर की सुश्री निधि, आठवें सेमेस्टर की सुश्री प्रेरणा, आठवें सेमेस्टर की सुश्री रितिका शर्मा, आठवें सेमेस्टर की सुश्री आठवें सेमेस्टर की सोनाक्षी, पांचवें और छठे सेमेस्टर की सुश्री कनिका सोलंकी, पांचवें और छठे सेमेस्टर की सुश्री माही तोमर, पांचवें और छठे सेमेस्टर की सुश्री मेघा, पांचवें और छठे सेमेस्टर की सुश्री संजू और पांचवें और छठे सेमेस्टर की सुश्री विदुषी।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

शहरी समुदाय में स्वास्थ्य शिविरों में सहायता की।

आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य मेले में भाग लिया।

सितंबर 2023 के महीने में राष्ट्रीय पोषण माह में भाग लिया।

छात्रों और शिक्षकों ने गहन इंद्रधनुष कार्यक्रम में भाग लिया

स्तनपान सप्ताह में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान दो सौ छह नई पुस्तकें और नौ पत्रिकाएँ खरीदी गईं।

संकाय संख्या

संकाय संख्या: 23

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

सभी वित्तीय आवश्यकताओं को जीटीबी अस्पताल, सरकार द्वारा पूरा किया जाता है।

आवश्यकता के अनुसार

***

गार्गी महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

गार्गी महाविद्यालय 1967 से महिलाओं को असाधारण शिक्षा प्रदान कर रहा है। बृहदारण्यक उपनिषद की एक प्रसिद्ध शख्सियत विदुषी गार्गी के नाम पर, जो अपनी निडरता के लिए जानी जाती हैं, महाविद्यालय की शुरुआत 200 छात्रों, दो पाठ्यक्रमों और 16 संकाय सदस्यों के साथ हुई थी, लेकिन तब से यह फल-

फूल रहा है। आज, इसमें 5,000 से अधिक छात्र और 200 से अधिक संकाय सदस्य हैं, और यह 21 स्नातक और तीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें उदार कला, विज्ञान और वाणिज्य विषय शामिल हैं-जो दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के बीच एक अनूठी विशेषता है।

गार्गी महाविद्यालय अकादमिक उत्कृष्टता और जीवंत कैंपस जीवन, एक संपत्ति के रूप में विविधता का पोषण करने के लिए प्रसिद्ध है। समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध, इसे अपने समग्र शिक्षण दृष्टिकोण और मजबूत समग्र प्रदर्शन के लिए 2004-2005 में 'उत्कृष्टता की संभावना वाला महाविद्यालय' अनुदान प्राप्त हुआ, जो ऐसा करने वाले दिल्ली के केवल दो महाविद्यालयों में से एक था। इसने 2022 में एनएएसी मूल्यांकन के अपने दूसरे चक्र में 'ए+' ग्रेड भी अर्जित किया।

समग्र विकास के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता उसकी पाठ्येतर गतिविधियों और समाजों के माध्यम से चमकती है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। गार्गी महिला सशक्तिकरण, आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने पर ज़ोर देती हैं। इसके स्नातकों ने विविध क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है, जो महिलाओं को शिक्षित करने और सशक्त बनाने की इसकी विरासत को दर्शाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

गार्गी महाविद्यालय ने हाल ही में "कल्याण के पुनरीक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय बहुआयामी सम्मेलन: परिप्रेक्ष्य, चुनौतियाँ और आगे की राह" की मेजबानी की, जिसमें 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

छात्र कल्याण पर बढ़ते जोर के जवाब में महाविद्यालय ने सक्रिय कदम उठाए हैं, एक समर्पित वेलबीइंग सेंटर की स्थापना की है और गार्गी बिरादरी के लिए एक समर्पित परामर्शदाता नियुक्त किया है। इसके अलावा, गार्गी महाविद्यालय ने आईसीटी अकादमी, डीईईपी-सी, आईबीएचएएस, के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, सरकारी मॉडल महाविद्यालय, और ज़ांस्कर जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के साथ बहु-विषयक साझेदारी और समझौता-ज्ञापन (समझौता-ज्ञापन) के माध्यम से अकादमिक और सहयोगात्मक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

महाविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रशंसा अर्जित की है, जिसमें इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेशन फॉर वर्ल्ड पीस और अन्य सम्मानित संघों से 2023 के लिए प्रतिष्ठित आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा पुरस्कार भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, गार्गी महाविद्यालय ने ग्रेड ए+ अर्जित करते हुए 3.43 सीजीपीए के साथ सराहनीय एनएएसी मान्यता प्राप्त की है।

खेलों में अपने कौशल को उजागर करते हुए, महाविद्यालय उपलब्धियों की एक प्रभावशाली सूची का दावा करता है, जिसमें क्रमशः 29 और 19 खिलाड़ी राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर गार्गी महाविद्यालय का

प्रतिनिधित्व करते हैं। विशेष रूप से, सुश्री ज्योति टोकस ने महिला जूडो नेशनल लीग (जूनियर और सीनियर वर्ग) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि सुश्री आकांक्षा चौधरी ने खेलो इंडिया महिला जूडो नॉर्थ जोन लीग में स्वर्ण पदक जीता।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर शशि चावला को सेंटर फॉर प्रोफेशनल एडवांसमेंट कंटीन्यूअस एजुकेशन (सीपीएसीई), भारत सरकार, नीति आयोग, एनजीओ दर्पण, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश के साथ पंजीकृत आईएमआरएफ की एक इकाई द्वारा "डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्रेरणादायक प्रोफेसर और शोधकर्ता पुरस्कार 2022" से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर वंदना लूथरा ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स द्वारा आयोजित शिक्षक श्रेणी के तहत "जलवायु परिवर्तन की भौतिकी" (एनईडब्ल्यूपी) 2022 विषय पर भौतिकी में राष्ट्रीय निबंध लेखन में दूसरा पुरस्कार जीता।

डॉ. सबीन एच. रिज़वी ने भारत में कट्टरपंथ और आतंकवाद को रोकने और प्रबंधित करने के लिए राष्ट्रीय नीति सिफारिशों के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार को एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना रिपोर्ट सौंपी (वर्गीकृत परियोजना, 2021-2023)।

एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम "21 दिन 21 योगासन" में डॉ. नेहा शर्मा को सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार मिला।

डॉ. तृप्ति कुमारी को "एक रसायनज्ञ और स्वतंत्रता सेनानी के रूप में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे का योगदान" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तीसरा पुरस्कार मिला। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "आचार्य जगदीश चंद्र बोस के योगदान-एक सत्याग्रही वैज्ञानिक" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

श्री अमित रोहिल्ला को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा द्वारा बिजनेस इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंड सोशल साइंसेज (आईसीबीआईटीएसएस 2-2022) में समकालीन मुद्दों पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. की सिमरन कटोच (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान बैच 2019-2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उत्कृष्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की शिवानी यादव, बी.एससी. लाइफ साइंस (कार्यक्रम) बैच 2019-2022 में 9.591 का उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए श्रीमती शांति मुखर्जी मेमोरियल पुरस्कार

से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित बैच 2019-2022 की पायल मखीजा को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय में 9.649 का उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए उत्कृष्टता के लिए गार्गी महाविद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बीएससी (ऑनर्स) गणित बैच 2019-2022 की पायल मखीजा को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 9.649 का उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए गार्गी महाविद्यालय पुरस्कार फॉर एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. की अदिति शर्मा। (कार्यक्रम) फिजिकल साइंस बैच 2019-2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय में 6वां और साउथ कैंपस में दूसरा स्थान मिला।

प्रकाशन

शेखर, एस., महाजन, ए., पांडे, पी. रैना एम., रुस्तगी ए., प्रसाद, आर., और कुमार, डी. (2023)। सैलिसिलिक एसिड और मिथाइल जैस्मोनेट आलू में रेडॉक्स संतुलन और स्टोमेटल मूवमेंट को बनाए रखते हुए सहक्रियात्मक रूप से लवणता प्रेरित क्षति को कम करते हैं। जर्नल ऑफ़ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, 42(एनए), 4652-4672.

पवार, आर., चौधरी, बी., कुमार, डी., प्रकाश, जी., खान, एम., पांडे, ए., हमुरकु, एम., और रुस्तगी, ए.। (2022)। फसल सुधार के लिए तनाव-सहिष्णु जंगली केले का उपयोग। फसल और चारागाह विज्ञान, ऑनलाइन(ऑनलाइन), https://doi.org/10.1071/CP22294.

श्रीवास्तव, एस., मिश्रा, ए., मिश्रा, आर., और मोहंती, ए.। (2022)। साइक्लोटाइड्स की जैव कीटनाशक क्षमता: एक अंतर्दृष्टि। फाइटोकेमिस्ट्री समीक्षाएँ। फाइटोकेमिस्ट्री समीक्षाएं, 21(6), 2027-2047.

धनखड़, आर., कवात्रा, ए., गुप्ता, वी., मोहंती, ए., और गुलाटी, पी. (2022)। एक संभावित कैंसर रोधी एंजाइम के रूप में स्यूडोमोनास फुरुकावई से आर्जिनिन डेमिनेज का सिलिको और इन विट्रो विश्लेषण। 3 बायोटेक, 12(9), 220-233.

अग्रवाल, पी., सोनी, आर., कौर, पी., मदन, ए., मिश्रा, आर., पांडे, जे., और सिंह, जी.। (2022)। टिकाऊ पर्यावरण के लिए एक आशाजनक विकल्प के रूप में सायनोबैक्टीरिया: जैव ईंधन और बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक का संश्लेषण। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, 13(एनए), 939347.

कुमार, एस., श्रीवास्तव, वी., ठाकुर, 0. पी., और लूथरा, वी.। (2022)। येट्रियम का संचयी प्रभाव. और सोल-जेल व्युत्पन्न बेरियम के संरचनात्मक और फेरोइलेक्ट्रिक गुणों पर टिन सह-डोपिंग। टाइटैनेट। जर्नल ऑफ सोल-जेल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 105(1), 304-314.

लुइसा कैंपोस, पेड्रो डायस, मारिसा कोस्टा, लौरा राबिन, रोना माइल्स, सुमी लेस्टारी, रानिया फेरिहान, नीरा पंत, नत्थाफांसन श्रीविचाई, वारपोर्न बूनचिएंग और लक्सी यू। (2022)। वयस्कों के लिए मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता प्रश्नावली-लघु संस्करण (एमएचएलक्यू-एसवीए): चीन, भारत, इंडोनेशिया, पुर्तगाल, थाईलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका में सत्यापन अध्ययन। बीएमसी मनोचिकित्सा, 22(एनए),

अरोड़ा, एस., और भाटिया, एस. (2022) सफल चिकित्सीय प्रगति और परिणाम को सुविधाजनक बनाने वाले कारकों में लिंग अंतर: एक पायलट अध्ययन। परामर्श और मनोचिकित्सा अनुसंधान, 22(4), 1030-1040.

कुमारी, आर., सिंघवी, एन., शर्मा, पी., चौधरी, सी., और शाक्य, आर. (2023)। मोटापे से निपटने के लिए एडिपोसाइट विभेदन और थर्मोजेनेसिस को विनियमित करने के लिए स्टीयरॉयल-सीओए डेसटुरेज़ 1 के संभावित अवरोधकों के रूप में आंत माइक्रोबायोम बैक्टीरियोसिन की वर्चुअल स्क्रीनिंग। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर डायनेमिक्स, *एनए(एनए),* 10.1080/07391102.2023.2167121.

वर्मा, ए., वारघाने, ए., धीमान, एन.के., पसेरकर, एन., उपाध्ये, वी., मोदी, ए., और सैनी आर. (2023)। मनुष्यों में बायोफिल्म संक्रमण के विरुद्ध नैनोकम्पोजिट्स की भूमिका। *फ्रंटियर्स इन सेल्युलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी, 13(एनए)*, 1104615.

परियोजना का शीर्षक: "जैव सूचना विज्ञान में कार्यशाला/प्रशिक्षण के लिए प्रस्ताव" जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा स्वीकृत, 2021-23, रु17,49,920/- पीआई: प्रोफेसर अपराजिता मोहंती; सीओ.पीआई: डॉ. रीमा मिश्रा

मंजूर/दायर पेटेंट

मंजूर किया गया पेटेंट: "हिंद अंग ट्यूमर विकिरण एक्सपोजर के लिए चूहे निरोधक"; पेटेंट धारक: डॉ. रश्मी सैनी; पेटेंट 2023 में प्रदान किया गया; पेटेंट संख्या: 427549; भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा एजेंसी, नई दिल्ली, भारत; पेटेंट आवेदन संख्या .: 2634/डीईएल/2013; पेटेंट फ़ाइल संख्या: 255713; पेटेंट प्रकाशन: 13 मार्च 2015; पेटेंट स्वीकृत: 31 मार्च 2023.

यूएसए पेटेंट; पेटेंट धारक: डॉ. रश्मी सैनी; पेटेंट दाखिल; शीर्षक: "मल्टीकॉपी एनआरडीबी जीन पर आधारित रोगज़नक़ कैंडिडैटस लाइरिबैक्टर एशियाटिकस (सीएलएएस) की संवेदनशील और तीव्र पहचान के लिए पीसीआर प्राइमर" (पेटेंट आवेदन संख्या टीईएमपी/ई1/21936/2023-डीईएल, दिनांक 19 मार्च, 2023। पेटेंट फ़ाइल संख्या - 202311018671).

आयोजित संगोष्ठी

24 फरवरी 2023 को नैतिकता पर यूके के कैंब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. फ्रिसबी सी. शेफ़ील्ड द्वारा

"सोक्रेटिक डायलॉग एंड एथिकल प्रैक्टिस" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

एन.एस.एस. में पूर्व पुलिस आयुक्त और संस्थापक, इंडिया विज़न फाउंडेशन, नई दिल्ली, भारत द्वारा डॉ. किरण बेदी द्वारा "उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरणा ढूँढना" शीर्षक पर संगोष्ठी। समापन समारोह 28 अप्रैल, 2023.

15 फरवरी 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष की स्मृति में, मिलेट्स फॉर हेल्थ, भारत की सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक सुश्री पल्लवी उपाध्याय द्वारा 'बाजरा: दिन की आवश्यकता' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

17 अक्तूबर 2022 को प्रोफेसर अनुराग शर्मा, एमेरिटस प्रोफेसर, आईआईटीडी और अध्यक्ष एनएएसआई, दिल्ली चैप्टर, भारत द्वारा "ऑप्टिक्स, इवोल्यूशन, और टेलीस्कोप की असेंबली पर डेमो: जनता तक विज्ञान पहुंचाना" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

22 सितंबर 2022 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत के सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम्स के प्रोफेसर प्रोफेसर अविजीत पाठक द्वारा "मोहनदास करमचंद गांधी और गांधीवादी मूल्यों के साथ प्रयोग" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मलेन

आईसीएसएसआर के तत्वावधान में 2 जनवरी, 2023 को "कल्याण के पुनरीक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय बहुआयामी सम्मेलन: परिप्रेक्ष्य, चुनौतियाँ और आगे की राह" का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

अमित रोहिल्ला ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा बिजनेस इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और सोशल साइंसेज (आईसीबीआईटीएसएस 2-2022) में समकालीन मुद्दों पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "क्या निवेशक की भावना भारतीय शेयर बाजार की अस्थिरता को प्रभावित करती है" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। ग्रेटर नोएडा, भारत, 24-25 मई, 2022 को। सम्मेलन के दौरान शोध-पत्र को सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पूनम फोगाट ने लचीलेपन, पुनः उभरने, सुदृढ़ीकरण, पुनः की पुनरावृत्ति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "निचले-मध्यम एसईएस व्यक्तियों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिए नशे की लत व्यक्तित्व लक्षणों और मनोसामाजिक बाधाओं का आकलन: पुनर्वास सुविधा में अनुभवों की खोज करने वाला एक गुणात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। -बिल्डिंग ऑफ द नेशन (आईसीसीएसआर द्वारा प्रायोजित) अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित किया गया। प्रस्तुति 19-20 जनवरी, 2023 को हुई और इसे सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

तृप्ति कुमारी ने एक रसायनज्ञ के रूप में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे के योगदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे-उदाहरण के आधार पर नेतृत्व किया: उनके जीवन के प्रतिबिंब और समकालीन शिक्षा प्रणाली एनईपी 2020 पर इसका प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। इंद्रप्रस्थ विज्ञान भारती और दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वतंत्रता सेनानी, 2-3 अगस्त, 2022 को आयोजित की गई। प्रस्तुति ने उन्हें तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

तृप्ति कुमारी ने आचार्य जगदीश चंद्र बोस-एक सत्याग्रही वैज्ञानिक के योगदान पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्लांट ऑटोग्राफ: पेड़ों और पौधों के प्रति एक दयालु और सज्जन दृष्टिकोण के लिए आचार्य जे सी बोस के कार्यों की समकालीन प्रासंगिकता और प्रतिबिंब" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन का आयोजन विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंद्रप्रस्थ विज्ञान भारती और आईयूएसी, दिल्ली के सहयोग से 30 नवंबर से 01 दिसंबर, 2022 तक किया गया था। प्रस्तुति को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

नेहा शर्मा ने 4-6 नवंबर, 2022 को देशबंधु महाविद्यालय द्वारा प्राकृतिक उत्पादों और मानव स्वास्थ्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "तनाव की जैव रसायन और ध्यान के माध्यम से इसका प्रबंधन" पर प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति से सम्मानित किया गया।

रूपल अरोड़ा ने 15-16 दिसंबर, 2022 को मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 2022 आईसीजीवी सम्मेलन: इसके संस्थागत संदर्भ में शासन में "कॉर्पोरेट गवर्नेंस और परिवार के स्वामित्व वाले व्यवसाय: एक व्यवस्थित समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

2022 पूनम फोगट ने यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी, मलेशिया और एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम द्वारा आयोजित स्वास्थ्य और कल्याण में मनोसामाजिक निहितार्थ: सीमाओं से परे की तलाश पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मानसिक स्वास्थ्य ऐप्स की प्रभावकारिता: व्यवस्थित शोध की समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। भारत, 2-3 नवंबर, 2022 को आयोजित किया गया।

अंजलि सिवाल ने 15-15 को अजय कुमार गर्ग इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गाजियाबाद में उभरते व्यापार और आर्थिक चुनौतियों (आईसीईबीईसी 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "समय के साथ डिजिटल मार्केटिंग का विकास: स्कोपस डेटाबेस पर एक ग्रंथसूची विश्लेषण" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 16 नवंबर, 2022.

सुमंत मीना ने 06 दिसंबर, 2022 को प्रबंधकीय प्रथाओं और नवाचारों में एक आदर्श बदलाव: प्रौद्योगिकी और व्यवसाय मॉडल के माध्यम से अग्रणी विषय पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सीएसआर, पर्यावरण

और फर्म का वित्तीय प्रदर्शन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर अलका माइकल ने अनुसंधान पद्धति पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरएम-2022) के दौरान "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण और फर्म का वित्तीय प्रदर्शन: एक साहित्य समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय और साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ, यूपी, भारत द्वारा संयुक्त रूप से 28-30 अक्तूबर 2022 तक आयोजित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

कार्यशालाओं, व्याख्यानों और अन्य मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग करने और छात्रों, शिक्षकों और व्यापक समुदाय के बीच मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देने के लिए गार्गी महाविद्यालय और मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचएसी) के बीच समझौता-ज्ञापन। यह साझेदारी मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान और संयुक्त कार्यक्रम विकास की सुविधा प्रदान करेगी।

गार्गी महाविद्यालय और दिल्ली प्रभावी शिक्षा और शैक्षणिक क्लस्टर (डीईईपी-सी) हितों के विशिष्ट क्षेत्रों में शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से सहयोगात्मक सहायता प्रदान करेंगे।

गार्गी महाविद्यालय और के.आर. के बीच समझौता-ज्ञापन मंगलम विश्वविद्यालय अकादमिक आदान-प्रदान, शोध-परियोजना, ऐड-ऑन पाठ्यक्रम, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/परियोजनाओं और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों के सहयोग में सहायता करेगा।

गार्गी महाविद्यालय और गवर्नमेंट मॉडल डिग्री महाविद्यालय, ज़ांस्कर, ज्ञान आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करेंगे। यह छात्रों और संकाय सदस्यों को अंतर-सांस्कृतिक अध्ययन के अनुभवों में शामिल होने और शोध-परियोजना पर एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करेगा।

गार्गी महाविद्यालय और आईसीटी अकादमी सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में संकाय सदस्यों को व्यापक सेवाएँ प्रदान करेंगे। इस साझेदारी का उद्देश्य आईसीटी से संबंधित ज्ञान, कौशल और संसाधनों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना और संकाय सदस्यों को उनके शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीनतम उपकरणों और तकनीकों से लैस करना है।

गार्गी महाविद्यालय और भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और अपशिष्ट और वायु गुणवत्ता प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए सहयोग किया है। साझेदारी

का उद्देश्य सतत विकास, रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों और संसाधन प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाना है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय ने एक गैर सरकारी संगठन सेवा भारती के साथ एक सहयोगात्मक 'खाद्य दान अभियान' चलाया।

मिलेट्स फॉर हेल्थ की सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक पल्लवी उपाध्याय द्वारा बाजरा के महत्त्व पर एक व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय ने ब्राजील दूतावास के समन्वय से डेटाग्रो कंसल्टिंग के संस्थापक-अध्यक्ष प्रो. प्लिनियो नास्तारी की अध्यक्षता में भारत-ब्राजील संबंधों पर "जैव ईंधन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का मुकाबला" शीर्षक से एक वक्ता सत्र की मेजबानी की।

अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस मनाने के लिए, एनएसीआई (राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत) के सहयोग से 16 सितंबर 2022 को एक स्ट्रीक कला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसके अतिरिक्त, दिल्ली पुलिस महिला सेल के सहयोग से सभी महाविद्यालय छात्रों के लिए 10-17 फरवरी 2023 तक एक 'आत्मरक्षा कार्यशाला' आयोजित की गई।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

विनिमय कार्यक्रम में इनबाउंड और आउटबाउंड दोनों तरह से 563 छात्रों ने भाग लिया। इस पहल के दौरान कुल 236 कंपनियों का दौरा किया गया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 234 छात्रों का नियोजन हुआ।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

वर्ष 2022-23 में विभिन्न उद्योगों का प्रतिनिधित्व करने वाली 192 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया। उनमें से 8 विपणन क्षेत्र से, 4 विनिर्माण से, 5 एआई-आधारित प्लेटफॉर्म/कोडिंग से संबंधित, 10 परिवहन, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला प्रौद्योगिकी से, 4 लेखापरीक्षा और अकाउंटिंग से, 8 विश्लेषक भूमिकाओं से, 10 परामर्श, बैंकिंग क्षेत्र से 3, व्यावसायिक सेवाओं में 14, कॉस्मेटिक और सौंदर्य क्षेत्र में 2, शिक्षा में 46, मानव संसाधन सेवाओं में 3, स्वास्थ्य सेवा में 9, आईटी सेवाओं और परामर्श में 14, बीमा में श्रेणी 2 थी।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

एक्टस गार्गी चार परियोजनाएं चलाती हैं- रचना, आगाह, नीव और विकास, जो विभिन्न उद्यमशीलता मॉडल के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए काम करती हैं। परियोजना रचना ने अखिल भारतीय समुदायों के साथ सहयोग किया और वंचित महिलाओं के जीवन का समर्थन किया।

गार्गी महाविद्यालय बॉटनिकल सोसाइटी-टीएआरयू ने 18 अक्तूबर , 2022 को विश्व खाद्य दिवस मनाने के लिए एक भोजन दान अभियान की व्यवस्था की।

गार्गी महाविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने स्कूली बच्चों के साथ खुशी दिवस मनाने के लिए वसंत विहार स्थित तमना स्पेशल स्कूल का दौरा किया।

मनोविज्ञान विभाग ने छात्रों को कक्षा शिक्षा को व्यावहारिक अनुप्रयोग से जोड़ने में मदद करने के लिए अनाथालयों, कॉर्पोरेट्स, अनुसंधान संस्थानों और प्रकाशन गृहों में खोजपूर्ण क्षेत्रीय दौरों का आयोजन किया।

एन.एस.एस. गार्गी ने अपना परियोजना हर घर शिक्षा लॉन्च किया, जहां एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने ईसीए ब्रेक के दौरान निर्माण स्थल श्रमिकों के बच्चों को पढ़ाने की पहल की।

पुस्तकालय विकास

गार्गी पुस्तकालय की वेबसाइट http://gargicollege.sarasmatilib.com/ और पुस्तकालय संसाधनों और सुविधाओं को आसानी से समझने और ऑनलाइन पहुंच के लिए वर्ष के दौरान ई-संसाधनों का ऑनलाइन उपयोग बढ़ा है। ई-संसाधनों के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन पैकेज: एनएलआईएसटी द्वारा उपयोगकर्ता नियंत्रण प्रदान किया गया। पुस्तकालय यूजीसी-इन्फोनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों की सदस्यता लेती है जिसमें ई-संसाधन (एन-लिस्ट के तहत 6000+ई-जर्नल और 199500+ई-पुस्तकें और एनडीएलआई के माध्यम से 600000 ई-पुस्तकें) और दिल्ली विश्वविद्यालय कनेक्टिविटी शामिल है दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली जिसमें संदर्भ स्रोत, ग्रंथ सूची स्रोत, सांख्यिकीय स्रोत और पूर्ण पाठ स्रोत शामिल हैं।

31 मार्च, 2023 तक 452 पुस्तकें जोड़ी गईं, जिससे कुल मिलाकर 76946 पुस्तकें जुड़ गईं। वर्तमान में, पुस्तकालय के पास 381 सीडी/वीडियो की संपत्ति है और 42 जर्नल और 10 समाचार-पत्रों तक पहुंच है।

रेफरी के परामर्श सहित उपयोगकर्ताओं द्वारा लगभग 222117 पुस्तकों का परामर्श किया गया।

संकाय संख्या

शिक्षण संकाय की कुल संख्या: 224

वित्तीय आवंटन और उपयोग

आवंटित अनुदान: रुपए 8182.70 लाख

उपयोगित अनुदान: रुपए 8174.76 लाख

***

हंसराज महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

हंसराज महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे बड़े घटक महाविद्यालयों में से एक है। महाविद्यालय की स्थापना डी.ए.वी. द्वारा की गई थी। 26 जुलाई 1948 को महाविद्यालय प्रबंध समिति द्वारा महर्षि

दयानंद सरस्वती और महात्मा हंसराज की पवित्र यादों में, जिन्होंने ज्ञान के महत्त्व पर जोर देते हुए अपना शानदार जीवन बिताया। यह डी.ए.वी. के अग्रणी 700 से अधिक संस्थानों का परिवार में से एक है।

हंसराज महाविद्यालय शिक्षण और अनुसंधान के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्थान है। इसमें उच्च योग्य शिक्षाविद हैं जो 5000 से अधिक छात्रों को स्नातक और स्नातक स्तर पर विज्ञान, वाणिज्य और कला में शिक्षा प्रदान करते हैं। महाविद्यालय ने शैक्षणिक, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

उच्च शिक्षा प्रदान करने के क्षेत्र में महाविद्यालय ने 75 वर्ष पूरे कर लिये हैं। इसने न केवल हमारे देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न क्षेत्रों में सेवारत विद्वानों, नौकरशाहों, बुद्धिजीवियों और खिलाड़ियों को तैयार करने में महत्त्वपूर्ण और अद्वितीय योगदान दिया है।

इन वर्षों में, महाविद्यालय ने एक प्रभावशाली बुनियादी ढाँचा तैयार किया है। इसमें एक सुसज्जित केंद्रीय पुस्तकालय, विज्ञान विषयों के लिए विभागीय पुस्तकालय और जरूरतमंद छात्रों के लिए एक बुक बैंक शामिल है। महाविद्यालय में छह कंप्यूटर और अठारह विज्ञान प्रयोगशालाएँ हैं। इसकी खेल सुविधाओं में एक विशाल खेल मैदान शामिल है जिसमें एक फुटबॉल मैदान और एक बास्केटबॉल कोर्ट, एक इनडोर खेल कैंपस और पूरे विश्वविद्यालय में एकमात्र इलेक्ट्रॉनिक शूटिंग रेंज शामिल है।

महाविद्यालय में एक आधुनिक वातानुकूलित सभागार है जो नवीनतम ध्वनि और प्रकाश प्रणालियों से सुसज्जित है, और 400-500 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ-साथ गणमान्य व्यक्तियों और मेहमानों की मेजबानी के लिए पहली मंजिल पर एक निर्दिष्ट बालकनी है। इसके अलावा, वातानुकूलित सेमिनार कक्षों में 120 लोगों के बैठने की क्षमता है और ये अत्याधुनिक ध्वनि और प्रक्षेपण प्रणालियों से सुसज्जित हैं। महाविद्यालय में लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए छात्रावास की सुविधा है, जिसमें 200 से अधिक स्नातक छात्र रह सकते हैं और यह सौर गीजर और 24 घंटे बिजली बैक-अप जैसी सभी कार्यात्मक सुविधाओं से सुसज्जित है। जैसे ही आप इस संस्थान के दरवाजे पर पहुंचते हैं, हरे-भरे खेतों और भव्य भवन से घिरे एक सुंदर कैंपस का शांत, शांत वातावरण आपकी आत्मा को छू जाता है। महाविद्यालय योग्य छात्रों को अनेक छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। हंसराज महाविद्यालय आज अतीत और भविष्य के बीच में खड़ा है। यद्यपि यह अपने गौरवशाली इतिहास के प्रेरणादायक पहलुओं को बरकरार रखता है, समान रूप से तेज नजर से यह आगे की ओर देखता है, नए ज्ञान की रोमांचक दुनिया को आत्मसात करते हुए, उन सभी के लिए उत्साहजनक शिक्षा और समग्र विकास के साथ एक अनुभव का वादा करता है। जो इसके पोर्टल में प्रवेश करते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

हंसराज महाविद्यालय को चक्र 2 में एनएएसी द्वारा प्रभावशाली ए++ ग्रेड से सम्मानित किया गया था।

यह एनआईआरएफ रैंकिंग में 12वें स्थान पर था। महाविद्यालय ने मार्च 2023 में नई दिल्ली के प्रतिष्ठित 'विज्ञान भवन' में एक राष्ट्रीय शिक्षा कॉन्क्लेव का आयोजन किया और इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर योगेश सिंह जैसे अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। महाविद्यालय को "मिट्टी कैफे" नामक अपनी अनूठी पहल पर भी गर्व है, जिसे पूरी तरह से दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा चलाया और प्रबंधित किया जाता है। महाविद्यालय में 2022 में भी प्रभावशाली नियोजन हुए, करीब 259 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया और लगभग 459 छात्रों को 98 नियोजन प्रतिशत के साथ पदों की पेशकश की गई। महाविद्यालय ने महात्मा हंसराज सेंटर फॉर इनोवेशन इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप नामक एक नया इनक्यूबेशन सेंटर भी शुरू किया। . महाविद्यालय ने एक अनुसंधान और विकास सेल स्थापित किया है जो संकाय सदस्यों और छात्रों को प्रोत्साहित करता है। आरडीसी के अंतर्गत दो अनुसंधान केंद्र हैं, हर गोबिंद खुराना सेंटर फॉर केमिकल बायोलॉजी और जगदीश चंद्र बोस सेंटर फॉर प्लांट जीनोमिक्स।

सम्मान/गौरव

डॉ. अर्चना सिंह को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सरकार द्वारा 2022 में 7वें वीनस अंतर्राष्ट्रीय महिला पुरस्कार-वीआईडबल्बूए 2022 में 'प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी में उत्कृष्ट महिला शोधकर्ता' से सम्मानित किया गया और संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में समीक्षा संपादक, फ्रंटियर्स ऑफ प्लांट साइंस (सेक्शन-प्लांट-पैथोजेन इंटरेक्शन) 2022 में शामिल हुए।

डॉ. ब्रिजेश राठी, स्निग्धा सिंह, नेहा शर्मा, पूनम, अगम पी सिंह, रवि दुर्वासुला, प्रकाशा केम्पैया को हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'महात्मा हंसराज रिसर्च एक्सीलेंस पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हाल ही में डॉ. राठी को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) फेलो' के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. आशीष कुमार सिंह को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा नवंबर 2022 में भारत के शीर्ष 2% शोधकर्ता (ऊर्जा क्षेत्र के तहत) के रूप में सूचीबद्ध किया गया।

डॉ. गगनदीप को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) फैलोशिप, नई दिल्ली, भारत प्राप्त हुई। अवधि: अगस्त 2017- फरवरी 2022.

गौरव प्राप्त छात्र

एम.एससी. की नेहा गुप्ता (एफ) भौतिकी को स्वर्ण पदक 2022 से सम्मानित किया गया।

एम.एससी. (एफ) की दिव्यांशा खजूरिया को मानव विज्ञान स्वर्ण पदक 2022 से सम्मानित किया गया।

एम.एससी. की रुचि यादव (एफ) भूविज्ञान को स्वर्ण पदक 2022 से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. के रक्तिम दास (ऑनर्स) एंथ्रोपोलॉजी तृतीय वर्ष को स्वर्ण पदक 2022 से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) के जय कुमार सिंह चौहान, भूविज्ञान तृतीय वर्ष को स्वर्ण पदक 2022 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

राजपाल, वी.आर., शर्मा, एस., कुमार, ए., चांद, एस., जोशी, एस., चंद्रा, ए., बब्बर, एस., गोयल, एस., रैना, एस.एन. और शिरन, बी. (2022). क्या ओमिक्रॉन हल्का है? इस कथा का इसके तीन वंशों के उत्परिवर्तन परिदृश्य और मौजूदा टीकों की प्रतिक्रिया के साथ परीक्षण करना। *मेडिकल* वायरोलॉजी जर्नल. 8(94): 3521-3539।

जियांग, एक्स., शर्मा, पी.पी., राठी, बी., जियांगकाई जी, हू, एल., गाओ, जेड., कांग, डी., वांग, जेड., झी, एम., शुजिंग जू, झांग, एक्स., क्लर्क, ई.डी., कॉकलिन, एस., पन्नेकौके, सी., डिक, ए., लियू, एक्स. और ज़ान, पी. (2022)। एचआईवी कैप्सिड प्रोटीन के इंटरप्रोटोमर पॉकेट के भीतर एक अज्ञात क्षेत्र को लक्षित करने वाले उपन्यास 1,2,4-ट्राईज़ोल फेनिलएलनिन डेरिवेटिव की खोज। *मेडिकल वायरोलॉजी जर्नल.* 94(12): 5975-5986.

कुमार, एस., यादव, डी., सिंह, डी., शाक्य, के., राठी, बी., और पूनम। (2023)। अर्जेंटीना रक्तस्रावी बुखार के प्रेरक एजेंट जूनिन वायरस पर हालिया घटनाक्रम। *मेडिकल वायरोलॉजी में समीक्षाएँ। 33(2): ई2419.*

शर्मा, एच., कुमार, एम., सेठी, ए., राठी, बी. (2023)। जलीय माध्यम में 2-(2-ऑक्सो-2-एरीलेथाइल) बेंजोनिट्राइल से एमिनेटेड आइसोक्विनोलिन फ्रेमवर्क का धातु-मुक्त निर्माण। *हरा रसायन।* 25(1): 167.

राजपाल, एस., राजपाल, ए., सग्गर, ए., वैद, ए.के., कुमार, वी., अग्रवाल, एम. और कुमार, एन. (2023)। एक्सएआई-मिथाइलमार्कर: मिथाइलेशन डेटा का उपयोग करके स्तन कैंसर उपप्रकार वर्गीकरण के लिए बायोमार्कर डिस्कवरी के लिए व्याख्या योग्य एआई दृष्टिकोण। *आवेदन के साथ विशेषज्ञ प्रणालियाँ।* 225(1): 120130.

कौर, बी., राठी, बी. और अग्रवाल, आर.के. (2022)। फीचर चयन के लिए क्वांटम व्हेल ऑप्टिमाइज़ेशन एल्गोरिदम का उपयोग करके भाषण से उन्नत अवसाद का पता लगाना। *जीव विज्ञान और चिकित्सा में कंप्यूटर.* 150(1): 106122.

द्विवेदी, के., राजपाल, ए., राजपाल, एस., अग्रवाल, एम., कुमार, वी. और कुमार, एन. (2023)। गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर वर्गीकरण के लिए एक व्याख्या योग्य एआई-संचालित बायोमार्कर डिस्कवरी फ्रेमवर्क। *जीव विज्ञान और चिकित्सा में कंप्यूटर.* 153(1):106544.

सिंह, वी., हदा, आर.एस., जैन, आर., वशिष्ठ, एम., कुमारी, जी., सिंह, एस., शर्मा, एन., बंसल, एम., पूनम, ज़ोल्टनर, एम., कैफ़ी, सी.आर., राठी, बी. और सिंह, एस. (2022)। मलेरिया के खिलाफ शक्तिशाली एंटी-ट्यूबुलिन हाइब्रिड अणुओं के रूप में थैलिमाइड्स का डिजाइन और विकास। *औषधीय रसायन विज्ञान*

के यूरोपीय जर्नल. 239(1): 114534.

राजपाल, वी.आर., सिंह, ए., कठपालिया, आर., ठाकुर, आर.के., खान, एम.के., पांडे, ए., हमुरकु, एम. और रैना, एस.एन. (2023)। जलवायु परिवर्तन शमन के लिए फसल के जंगली रिश्तेदारों से खेती की जाने वाली दाल में जीन अंतर्ग्रहण की संभावनाएँ। *पादप विज्ञान में सीमाएँ।* 14(1): 1127239.

राजपाल, वीआर, सिंह, ए., कठपालिया, आर., ठाकुर, आरके, खान, एमके, पांडे, ए., हमुरकू, एम. एंड रैना, एसएन (2023)। "जलवायु परिवर्तन शमन के लिए खेती की गई मसूर में फसल जंगली रिश्तेदारों से जीन घुसपैठ की संभावनाएं"। पादप विज्ञान में फ्रंटियर्स। 14(1): 1127239.

जर्नल

अर्थशास्त्र और वित्त के एचआरसी जर्नल। त्रैमासिक. 1(1): एन.ए.

प्रो नम्रता दीवान सोनी. (2022)। हंस शोध सुधा. *त्रैमासिक.* 2(4):109.
42. प्रो. नम्रता दीवान सोनी.(2022). हंस शोध सुधा. *त्रैमासिक.* 3(1):42.
प्रो. नम्रता दीवान सोनी.(2022). हंस शोध सुधा. *त्रैमासिक.* 3(2): 38.
प्रो. नम्रता दीवान सोनी.(2022). हंस शोध सुधा. *त्रैमासिक.* 3(3): 64.

शोध-परियोजनाएं

आईसीएमआर-डीएचआर द्वारा वित्त-पोषित परियोजना, जिसका शीर्षक है, "यंग साइंटिस्ट परियोजना"। 50 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. तेजवीर सिंह (प्राणी-विज्ञान विभाग)

डीआरडीओ द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "सीएआरसी- कोव -2 को लक्षित करने के लिए ऑप्टिकली सक्रिय अमाइन पर आधारित आणविक चिकित्सीय जांच"। 49.05 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. ब्रिजेश राठी (रसायन विज्ञान विभाग)।

डीएसटी (ब्रिक्स कंट्रीज ज्वाइंट परियोजना) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना, जिसका शीर्षक है, "दवाओं का पुनर्उपयोग और सीएआरसी - कोव -2 के मुख्य प्रोटीज और आरएनए आश्रित आरएनए पॉलीमरेज़ के खिलाफ लीड यौगिकों का सत्यापन"। 42.87 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. ब्रिजेश राठी (रसायन विज्ञान विभाग)

डीबीटी द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "भारतीय स्पर्मेटोफाइटा और आर्कगोनियाटा टैक्सा-चरण II के लिए जीनोम संबंधित जानकारी पर डेटाबेस के संवर्धन और अद्यतन के लिए नेटवर्क कार्यक्रम"। 35.46 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. विजय रानी राजपाल (वनस्पति विज्ञान विभाग)।

एसईआरबी वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "स्पोडोप्टेरा लिटुरा-संक्रमण के दौरान ग्लाइसिन मैक्स में एमएपीके मार्ग का निर्धारण"। 30 लाख रूपये की राशि स्वीकृत। पीआई: डॉ. अर्चना सिंह (वनस्पति विज्ञान विभाग)।

मंजूर/दायर पेटेंट

पेटेंट धारक: स्टीवन ब्रैडफुट, ब्रिजेश राठी, यश गुप्ता, पूनम, रवि दुर्वासुला, प्रकाशा केम्पैया'; 2022 में पेटेंट

प्रदान किया गया (पीसीटी/यूएस22/26943/29 अप्रैल 2022) शीर्षक: "वायरल संक्रमण के इलाज के लिए कैलक्सिनिन संरचनाएं और विधि"।

आयोजित संगोष्ठी

सेमिनार शीर्षक, 'वरिष्ठ वैज्ञानिक, जीएसआई गामा-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी ग्रुप प्लैंकस्ट्रेश 1 डी-64291 डार्मस्टेड, जर्मनी' डॉ. हाबिल हंस-जुर्गन वोलेर्सहेम, अंतर्राष्ट्रीय त्वरक सुविधा एफएआईआर-द यूनिवर्स इन द लैब द्वारा भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा 9 दिसंबर 2022 को आयोजित किया गया।

7 जनवरी 2023 को भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा "आईसीएससी-वर्ल्ड लेबोरेटरी", एरिस, इटली के अनुसंधान निदेशक डॉ. "प्रोफेसर अब्देल नासिर तौफीक" द्वारा 'उच्च-ऊर्जा भौतिकी के क्षितिज' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

21 जनवरी 2023 को लाइफ साइंसेज सोसाइटी, हंसराज महाविद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार का शीर्षक, 'बेसिक और मेडिकल रिसर्च में क्रोमोसोम का महत्व', डॉ. सेन पाठक, प्रोफेसर एमेरिटस, टेक्सास यूनिवर्सिटी एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, यूएसए द्वारा आयोजित किया गया।

1 फरवरी 2023 को प्राणी-विज्ञान विभाग द्वारा डॉ. बी. रोज़मेरी ग्रांट, वरिष्ठ अनुसंधान जीवविज्ञानी, एमेरिटस प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, यूएसए द्वारा 'डार्विन के प्रश्न पर दोबारा गौर: कैसे और क्यों प्रजातियां बढ़ती हैं' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

11 फरवरी 2023 को प्राणी-विज्ञान विभाग द्वारा मेहर्री मेडिकल महाविद्यालय, नैशविले, टेनेसी, यूएसए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिसर्च एंड इनोवेशन डॉ. अनिल शंकर द्वारा 'मानव जीनोम, स्वास्थ्य और समाज' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

एसईआरबी, डीएसटी, डीआरडीओ के सहयोग से 6 दिसंबर 2022 को 'इंटीग्रेटिव केमिस्ट्री' पर एक दिवसीय दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

3 सितंबर 2022 को 'फंगल जीवविज्ञान आईएलडीएफबी -2022 में नवीनतम विकास की जानकारी' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

16 मार्च 2023 को 'परमाणु ऊर्जा समाधान और भविष्य के पहलू 2023' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

16 मार्च 2023 को राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'औषधीय पौधे: अनुसंधान और विकास के अग्रणी क्षेत्र' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

9 दिसंबर 2022 को 'प्लांट बायोलॉजी में प्रगति' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. हरमीत कौर ने 2022 में कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग और अनुप्रयोगों आईसीसीएसईए-2022 पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "के-निकटतम पड़ोसी क्लासिफायर पर दूरी के माप का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. (डॉ.) बलजीत कौर ने 2023 में "सॉफ्ट कंप्यूटिंग और पैटर्न पहचान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में चेहरे के संकेतों के आधार पर उन्नत अवसाद का पता लगाने के लिए द्वि-चरण क्यूडबल्यूओए-आधारित कुशल फ़ीचर चयन" (एसओसीपीएआर 2022) शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुयश कुमार ने 2023 में आईओटी में प्रगति, एआई के साथ सुरक्षा (आईसीएसीआईए-2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हृदय रोगों को वर्गीकृत करने के लिए एक संयोजन विधि" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर विजय रानी राजपाल ने 2022 में आईएलडीफबी में "द कोड ब्लैक: कोविड 19 एसोसिएटेड म्यूकोर्मिकोसिस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर मोनिका कौल ने जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और स्मार्ट कृषि, प्राणीशास्त्र विभाग, कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड 19 महामारी के दौरान औद्योगिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन के साथ चयनित वीओसी और संघों में पर्याप्त परिवर्तन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर रीतिका जैन ने "क्या पर्यावरण संबंधी चिंताएं भारत में उपभोक्ताओं के हरित व्यवहार में बदलाव लाती हैं?" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 11-12 नवंबर 2022 तक वैश्विक व्यापार, अर्थशास्त्र, वित्त और सामाजिक विज्ञान (आईसीएजीबीईएफएसएस-2022) में प्रगति पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

25 जनवरी 2023 को प्रायोजन आदान-प्रदान और इवेंट प्रमोशन के लिए काव्यांजलि (राष्ट्रीय): द पोएट्री सोसाइटी ऑफ हंसराज महाविद्यालय (डीयू) और स्टॉकपे के बीच समझौता-ज्ञापन।

80 डिग्री कंसल्टिंग (राष्ट्रीय) के बीच समझौता-ज्ञापन: हंस राज महाविद्यालय और एलर्नमार्केट पाठ्यक्रम स्टॉक मार्केट्स मेड ईज़ी पर 3 फरवरी 2023 को पंजीकरण।

25 जनवरी 2023 को मीडिया पार्टनरशिप के लिए 180 डिग्री कंसल्टिंग (राष्ट्रीय): हंसराज महाविद्यालय और प्रतियोगिता जनरेटर के बीच समझौता-ज्ञापन।

समान अवसर सेल और समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम इंद्रप्रस्थ) (राष्ट्रीय) के बीच समझौता-ज्ञापन: 13 मई 2022 को दिव्यांग व्यक्तियों के संबंध में अनुसंधान की गुणवत्ता, बौद्धिक जागरूकता आदि प्रदान करने के लिए।

वनगति, द कॉमर्स एसोसिएशन, दिल्ली महाविद्यालय ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स और ग्रीन वॉरियर्स क्लब (राष्ट्रीय) के बीच समझौता-ज्ञापन: हंसराज महाविद्यालय ने 21 नवंबर 2022 को डीसीएसी महाविद्यालय

के साथ सहयोग किया।

कॉम्पिटिशन जेनरेटर और एस.पी.ए.आर.सी. के बीच समझौता-ज्ञापन सोसायटी हंसराज महाविद्यालय (राष्ट्रीय): हंसराज ने 2022 में सोशल मीडिया पार्टनर्स के लिए सहयोग किया।

श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय के वित्त और निवेश सेल और एस.पी.ए.आर.सी सोसायटी हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली यूनिवर्सिटी के बीच सोशल मीडिया हैंडल्स के लिए समझौता-ज्ञापन।

30 जनवरी 2023 को एक प्रतिनिधिमंडल विनिमय कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए ईएनक्टस एनसीयूटी और 180 डिग्री कंसल्टिंग हंसराज के बीच समझौता-ज्ञापन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

नैनोमटेरियल्स और उनके अनुप्रयोगों के संश्लेषण के लिए कार्बनिक ठोस अपशिष्ट पर इंटरमहाविद्यालय-इंटरडिसिप्लिनरी परियोजना के लिए हंसराज महाविद्यालय और स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, डीयू के बीच सहयोग।

"हम भी वहां थे: भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका का पुनर्पूजीकरण" विषय पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच सहयोग।

"वैज्ञानिक परिवर्तनों के लिए रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान इंटरफ़ेस" पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और एसजीटी विश्वविद्यालय के बीच सहयोग।

"पायथन प्रोग्रामिंग का परिचय" पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और दिल्ली इफेक्टिव एजुकेशन एंड पेडागॉजी क्लस्टर (डीईईपी-सी) के बीच सहयोग।

"उच्च शिक्षा में इंडिक-सेंट्रिक रिसर्च और नई शिक्षा नीति" पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और एसजीएनडी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच सहयोग।

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: भारत में अनुसंधान के लिए परिदृश्य और आगे का रास्ता" पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के बीच सहयोग।

"सांख्यिकीय उपकरण, एमओओसी और ई-सामग्री विकास" पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच सहयोग।

"आधुनिक युग में वैदिक गणित का महत्त्व" विषय पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और आर्यभट्ट महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के बीच सहयोग।

"सामाजिक विज्ञान में आधुनिक शिक्षण तकनीक" पर हंसराज महाविद्यालय और कामकस महाविद्यालय ऑफ लॉ के बीच सहयोग।

"जीवन विज्ञान में उन्नत प्रौद्योगिकी" पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और सेंटर फॉर इनोवेशन इन इंफेक्शियस डिजीज, रिसर्च, एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईआईडीआरईटी) और इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस

(आईओई)- दिल्ली स्कूल ऑफ स्किल एनहांसमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (डीएससीड) के बीच सहयोग।

"लिंग रूपरेखा और पूर्वाग्रह: वेतन असमानता का मानचित्रण और इसकी आंतरिक और बाहरी चुनौतियां" विषय पर एफडीपी के लिए हंसराज महाविद्यालय और भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच सहयोग।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 28 छात्रों का नियोजन हुआ।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

वर्ष 2022-23 के दौरान 259 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

विभिन्न तंत्रों के माध्यम से विस्तार गतिविधियों को प्रोत्साहित और समर्थन करता है। वंचित समुदायों के लिए विस्तार कार्यकलाप मुख्य रूप से छात्र-नेतृत्व वाली सोसाइटियों जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) और महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) इकाइयों, 15 विभागीय सोसाइटियों और 63 महाविद्यालय सोसाइटियों जैसे एनेक्टस, हरितिमा, लैंगिक समानता के माध्यम से की जाती हैं। सेल, उत्तर-पूर्व सेल, महिला विकास सेल आदि कुछ नाम हैं।

हंसराज महाविद्यालय एन.एस.एस. ने पड़ोस की झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए साक्षरता अभियान के रूप में 'पढ़ाकू' और स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करने के लिए झुग्गी-झोपड़ी को गोद लेने के लिए 'परवरिश', 'यमुना खादर' जैसी परियोजनाएं सफलतापूर्वक चलायी हैं। एन.सी.सी. ने वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छ भारत आंदोलन, फिट इंडिया मूवमेंट 2.0 और विभिन्न स्वच्छता अभियान शुरू किए।

सोसायटी की गतिविधियों में भोजन और कपड़े दान, वृक्षारोपण अभियान, मासिक धर्म और मौखिक स्वच्छता सत्र, कैंसर जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, मानव तस्करी जागरूकता कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण कार्यकलाप, महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना और दौरे शामिल हैं। वृद्धाश्रम. कैंपस के आसपास के शहर के अस्पतालों में सालाना लगभग 250 यूनिट रक्त दान किया जाता है।

“मिट्टी कैफे'बी एक्टस दिव्यांग लोगों को उत्पादक बनने और अपनी क्षमता दिखाने में सक्षम बनाता है। परियोजना 'सिलाई' गरीब पड़ोस की झुग्गी-झोपड़ियों की महिलाओं को सशक्त बनाती है। 'उन्नत भारत अभियान' ने मुफ्त खाद्य नीति, न्यूनतम मजदूरी जैसे मुद्दों पर चर्चा का आयोजन किया।

छात्रों के नेतृत्व वाली सामाजिक आउटरीच पहल 'अहसास', 'अरमान' और 'जुगनू' ने दिव्यांगों, नशा करने वालों, महिलाओं और ट्रांसजेंडरों की मदद की है। इन छात्रों की पहल को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में व्यापक रूप से सराहा गया है और उन्हें अनेक पुरस्कारों से सम्मानित भी किया गया है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 137000

अभिदत्त जर्नल की संख्या: 98

हंसराज महाविद्यालय 1948 में अस्तित्व में आया, यह दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी कैंपस के महाविद्यालयों में से एक अच्छी तरह से स्थापित, स्वचालित, वातानुकूलित और स्थान, संग्रह के मामले में सबसे बड़ा पुस्तकालय है। कैंपस के केंद्र में स्थित महाविद्यालय पुस्तकालय, इंटीग्रेटेड मल्टीयूजर पुस्तकालय मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर अर्थात कोहा के साथ आरएफआईडी तकनीक का उपयोग करते हुए वाई-फाई कनेक्टिविटी है और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में है।

महाविद्यालय पुस्तकालय ने पुस्तकालय हाउसकीपिंग संचालन, कुशल सुरक्षा प्रणाली, पूरी पुस्तकालय में सामग्रियों की अच्छी तरह से ट्रैकिंग, पुस्तकों का तेजी से वितरण, इन्वेंट्री, सामग्री प्रबंधन और स्वचालित बुक ड्रॉप, स्वयं के उद्देश्य से वर्ष 2016 में आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) तकनीक को अपनाया। कियोस्क का उपयोग और व्यवहार में किया जा रहा है।

आरएफआईडी तकनीक में कियोस्क, स्टाफ वर्कस्टेशन, आरएफआईडी रीडर, सुरक्षा द्वार, बुक ड्रॉप बॉक्स, आरएफआईडी टैग, आरएफआईडी सक्षम सदस्य आईडी कार्ड आदि शामिल हैं और यह उपयोगकर्ताओं को ई-मेल और एसएमएस के माध्यम से भी सचेत करता है।

महाविद्यालय की पुस्तकालय में 1,37,000 से अधिक पुस्तकें, लगभग 9,200 पुस्तक बैंक संग्रह, 23 समाचार पत्र और 98 पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ हैं। इसने संदर्भ सामग्री और छात्र सहायता प्राप्त निधि संग्रह पर भी कब्जा कर लिया। पुस्तकालय में छात्रों और संकाय सदस्यों की शैक्षणिक आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए पाठ्य, सामान्य और संदर्भ पुस्तकों का उत्कृष्ट संग्रह है।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 137000

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 98

संकाय संख्या

संकाय संख्या: 290 कुल संख्या: 290

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 4.3 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 3.89 करोड़

***

हिंदू महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

हिंदू महाविद्यालय की स्थापना 1899 में श्री कृष्ण दासजी गुरवाले ने एक न्यासी बोर्ड के साथ की थी जो

दिल्ली के प्रमुख नागरिकों का प्रतिनिधित्व करता था। हिंदू महाविद्यालय की स्थापना के पीछे प्रमुख उद्देश्य देश के युवाओं को आधुनिक और राष्ट्रवादी शिक्षा प्रदान करना था। हिंदू महाविद्यालय के संस्थापकों का उद्देश्य गैर-अभिजात्य और गैर-सांप्रदायिक होते हुए भी इसे नए विचारों का केंद्र बनाना था।

महाविद्यालय ने धर्म, जाति, पंथ और लिंग के आधार पर बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के युवाओं का स्वागत किया। कला और विज्ञान दोनों को शुरू से ही विषयों के रूप में पेश किया गया था। अपनी शुरुआत से लेकर अब तक, महाविद्यालय अपनी उत्कृष्टता और समावेशिता को बनाए रखते हुए अपने संस्थापकों के दृष्टिकोण पर खरा उतरा है। बाहरी दुनिया में तेजी से हो रहे बदलावों को निरंतर अपनाते हुए, हिंदू महाविद्यालय वर्ष दर वर्ष सफलता की नई ऊंचाइयां प्राप्त करने में कामयाब रहा है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

07 दिसंबर 2022 को, डीयू के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह द्वारा इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च के लिए रिलैक्सो रिसर्च सेंटर का उद्घाटन किया गया। अपनी तरह की इस 5 मंजिला भवन में 24 प्रयोगशालाएँ और जीसी-एमएस, ईडी एक्सआरएफ वर्क स्टेशन और अनेक अन्य अत्याधुनिक उपकरण और उपकरण हैं। अनुसंधान केंद्र भवन में नव उद्घाटन किया गया 250 सीटों वाला सुशीला देवी सभागार भी है।

सम्मान/गौरव

इंडिया टुडे बेस्ट महाविद्यालय रैंकिंग 2022 में हिंदू महाविद्यालय को कला और विज्ञान विधा में देश में नंबर 1 महाविद्यालय का दर्जा दिया गया था, और कॉमर्स विधा में दूसरा स्थान दिया गया था। महाविद्यालय को अगस्त 2022 में प्रतिष्ठित डीबीटी स्टार महाविद्यालय परियोजना से भी सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) फिजिक्स की हर्षा को मई/जून 2022 में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. की युविका यादव सांख्यिकी (ऑनर्स) को मई/जून 2022 में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

कनिथि वी.पी.एस. अचारी, बी.ए. (ऑनर्स) कर्नाटक संगीत को मई/जून 2022 में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

एम.ए. राजनीति विज्ञान की अदिति आनंद को मई/जून 2022 में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय परीक्षाओं

में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

मई/जून 2022 में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए एम.ए. हिंदी के कमल कांत उपाध्याय को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

प्रोफेसर अंजू श्रीवास्तव, प्राचार्य, रसायन विज्ञान में प्रोफेसर। (2022)। "आंतरिक एल्काइन्स के संश्लेषण के लिए सिलिका लेपित चुंबकीय कॉपर नैनोकैटलिस्ट का उपयोग करके डीकार्बोक्सिलेटिव क्रॉस-कपलिंग के लिए एक कुशल और टिकाऊ दृष्टिकोण"। फ्रंटियर्स इन केमिस्ट्री, na(9), na.

प्रोफेसर रीना जैन, उप प्राचार्य, रसायन विज्ञान में प्रोफेसर। (2022)। आईटीओ मुक्त प्लास्मोनिक गोल्ड नैनोकणों की सहायता से उल्टे कार्बनिक सौर कोशिकाओं का अनुकूलन और विकास। ऑप्टिकल सामग्री, 131(na), na.

डॉ. अब्दुल रहीम अंसारी, अर्थशास्त्र में सहायक प्रोफेसर। (2022)। पोस्ट सब प्राइम क्राइसिस युग में भारतीय फर्मों के बीच वित्तीय बाधाएं और निवेश वित्तपोषण निर्णय। इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट (डब्ल्यूओएस के स्कूपस एंड क्लैरिवेट एनालिटिक्स (ईएससीआई) में अनुक्रमित), एनए(एनए),एनए.

प्रोफेसर शालिनी सूर्यनारायण, समाजशास्त्र में प्रोफेसर। (2022)। 'पैराडाइज़' और इसके अंडरबेली: शहरी भारत में एक गेटेड एन्क्लेव के रोजमर्रा के जीवन में शक्ति के स्थान। एशियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस, 50(1), न.

सुश्री शायंतनी दास, अंग्रेजी में सहायक प्रोफेसर। (2022)। मिनाक्षी सेन की जेलेर भिटोर जेल में बंदी शरीर। तुलनात्मक साहित्य और सौंदर्यशास्त्र के जेसीएलए जर्नल, 45(3), एनए.

डॉ. ललित कुमार, भौतिकी में एसोसिएट प्रोफेसर। (2022)। आईटीओ-मुक्त प्लास्मोनिक गोल्ड नैनोपार्टिकल्स असिस्टेड इनवर्टेड ऑर्गेनिक सोलर सेल्स का अनुकूलन और विकास। ऑप्टिकल सामग्री, na (na), na.

डॉ. मनीषा पांडे, राजनीति विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर। (2022)। ब्रिटिश शिक्षा: शिक्षा में उपभोक्तावाद का परिचय। यूजीसी केयर जर्नल इतिहास दर्पण, 27(2), एनए.

डॉ. पल्लवी सक्सेना, पर्यावरण विज्ञान में सहायक प्रोफेसर। (2022)। एकीकृत, समन्वित, खुला, नेटवर्कयुक्त (आईसीओएन) विज्ञान पर वायुमंडलीय विज्ञान परिप्रेक्ष्य। पृथ्वी और अंतरिक्ष विज्ञान, ना(ना), 1-6.

प्रोफेसर अचला प्रीतम टंडन, समाजशास्त्र में प्रोफेसर। (2022)। "विश्वविद्यालयों में अंतरसांस्कृतिक दक्षताएं

और सॉफ्ट कौशल"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, एनए(एनए) एनए.

डॉ. देवसिया मुरुप्पथ एंटनी, दर्शनशास्त्र में एसोसिएट प्रोफेसर। (2023)। • धार्मिक भाषा के हेर्मेनेयुटिक्स: एक दार्शनिक अन्वेषण पुस्तक प्रकाशित। ग्रंथप्रेमी दक्षिण एशिया (प्रकाशक), एनए (एनए), एनए.

जर्नल

संगोष्ठी समाज।(2020-2023)। हिंदू महाविद्यालय राजपत्र. त्रैमासिक,एनए (एनए),एनए

कॉकस सोसायटी (2022-23)। जांच। त्रैमासिक,एनए(एनए),एनए

अंग्रेजी विभाग (2022-23)। प्रस्ताव। त्रैमासिक, नए (एनए),एनए

समाजशास्त्र विभाग (2022-23)। वाकिफ. वार्षिक,एनए (एनए),एनए

हिंदी विभाग (2022-23)। हस्ताक्षर. वार्षिक, एनए(एनए),एनए

शोध-परियोजनाएं

डॉ. बी.एम. भाटिया मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप, 2022-23 शीर्षक परियोजना के लिए, "यमुना नदी' के पेरी शहरी क्षेत्र में बैक्टीरिया विविधता के बीच एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीन और प्रोटीन की उपस्थिति की जांच करने के लिए"। स्वीकृत राशि: 1,25,000 रुपये। पीआई: डॉ. वरुणेंद्र सिंह, प्राणीशास्त्र विभाग। मंजूरी देने वाली संस्था: डॉ. बी.एम. भाटिया मेमोरियल ट्रस्ट।

डॉ. एन.वी. थडानी मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप, 2022-23 शीर्षक परियोजना के लिए, "ईईजी के माध्यम से स्नातक छात्रों पर तनाव और चिंता के स्तर पर ध्यान के प्रभाव की जांच"। स्वीकृत राशि: रुपए2,00,000. पीआई: डॉ. ललित कुमार, भौतिकी विभाग। मंजूरी देने वाली संस्था: डॉ. एन.वी. थडानी मेमोरियल ट्रस्ट।

डॉ. एन.वी. थडानी मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप, 2022-23 शीर्षक परियोजना के लिए, "उम्र बढ़ने के 'शारीरिक' और 'मनोवैज्ञानिक' पहलुओं के बीच सहसंबंध स्थापित करने के लिए एक जांच"। स्वीकृत राशि: 1,00,000 रुपये. पीआई: डॉ. शालिनी सूर्यनारायण, समाजशास्त्र विभाग। मंजूरी देने वाली संस्था: डॉ. एन.वी. थडानी मेमोरियल ट्रस्ट।

डॉ. बी.एम. भाटिया मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप, 2022-23 शीर्षक परियोजना के लिए, "परिमित आबादी में संवेदनशील विशेषताओं की व्यापकता का अनुमान लगाने के लिए मिश्रण बाइनरी रैंडमाइज्ड रिस्पांस मॉडल का एक फील्ड टेस्ट"। स्वीकृत राशि: रुपए 50,000. पीआई: डॉ. समृद्धि मेहता, गणित विभाग। मंजूरी देने वाली संस्था: डॉ. बी.एम. भाटिया मेमोरियल ट्रस्ट।

आयोजित संगोष्ठी

मंत्रालय के सहयोग से विवेकानन्द महाविद्यालय में इतिहास की एसोसिएट प्रोफेसर और एनसीईआरटी में सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. युथिका मिश्रा और प्रो. गौरी श्रीवास्तव द्वारा "सशक्त

महिलाएं राष्ट्र के निर्माण में योगदान देती हैं" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संस्कृति विभाग, भारत सरकार, 4-5 मई 2022।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) डॉ. तपन बसु द्वारा 14 दिसंबर 2022 को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार, जिसका शीर्षक था, "बाबासाहेब का बंगाल निर्वाचन क्षेत्र: बंगाल में दलित आत्म-अभियान का लगभग भूला हुआ अध्याय"।

30 जून 2022 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा अशोक विश्वविद्यालय में जीव विज्ञान और मनोविज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बिट्टू द्वारा "एलजीबीटीक्यू+ एसटीईएम में प्रतिनिधित्व" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

साइंस म्यूजियम ग्रुप, यूके के निदेशक और सीईओ इयान ब्लैचफोर्ड और लंदन के साउथ केंसिंग्टन में साइंस म्यूजियम ग्रुप में मेडिसिन की संरक्षक नताशा मैकेनरो द्वारा "ग्रेट टॉक्स: कलेक्टिंग साइंटिफिक इनोवेशन एट द साइंस म्यूजियम, लंदन" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई। ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से रसायन विज्ञान विभाग, आईक्यूएसी और डीबीटी स्टार परियोजना द्वारा, 14 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया।

29 अगस्त 2022 को दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा इजराइल के तेल अवीव विश्वविद्यालय में भारतीय और तुलनात्मक दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर प्रोफेसर डैनियल रवेह द्वारा "द बरगद ट्री: आइडियाटिंग द इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन्स" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

डीबीटी स्टार योजना के तहत भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और प्राणीशास्त्र विभागों ने 12 दिसंबर 2022 को "संक्रामक रोग: प्रबंधन, नियंत्रण और संरक्षण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की।

रसायन विज्ञान और एसटीई विभाग और सीएसआईआर-नीरी द्वारा सह-संगठित, दिल्ली जोनल सेंटर और रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन, उत्तर भारत अनुभाग ने "पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य (ईवॉश-2022): हरित की रणनीति" विषय पर एक सम्मेलन की मेजबानी की।

रसायन विज्ञान विभाग ने आईक्यूएसी और डीबीटी के तत्वावधान में वनस्पति विज्ञान विभाग के सहयोग से 19 सितंबर 2022 को "स्वाद और सुगंध" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की।

12 -13 जनवरी 2023 को वनस्पति विज्ञान और रसायन विज्ञान विभागों द्वारा "पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य (ईडब्ल्यूएएसएच-2022): हरित भविष्य की रणनीति" शीर्षक से एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन आयोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर अंजू श्रीवास्तव, प्राचार्य और रसायन विज्ञान में प्रोफेसर, ने पीजी रसायन विज्ञान विभाग, सरकार द्वारा हरित रसायन विज्ञान और प्रौद्योगिकी (उत्प्रेरक, खाद्य, जल और औषधि अनुसंधान पर विशेष जोर) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला और संगोष्ठी में भाग लिया। उन्होंने "ग्रीन केमिस्ट्री" पर एक भाषण दिया और कार्यक्रम के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की।

वाणिज्य में एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर रिंकू मनोचा ने स्कूल में ऊर्जा और बुनियादी ढांचा प्रबंधन पर 8वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कार्बन उत्सर्जन पर नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय ऊर्जा खपत का प्रभाव: भारत से एक अनुभवजन्य अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। पेट्रोलियम प्रबंधन, पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय 27-29 जुलाई 2022.

राजनीति विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर मनीषा पांडे ने 19 जून 2022 को भारत मंथन 2022 नामक एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "अंग्रेजों द्वारा शुरू की गई शिक्षा में उपभोक्तावाद" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पर्यावरण विज्ञान में सहायक प्रोफेसर प्रोफेसर पल्लवी सक्सेना ने ऑनलाइन "ग्लोबल सस्टेनेबल फ्यूचर्स: प्रोग्रेस थ्रू पार्टनरशिप नेटवर्क, फ्राइडे आइडिया एक्सचेंज सेमिनार सीरीज़" में आमंत्रित वक्ता के रूप में कार्य किया और "शहरी शहरों के लिए प्रकृति-आधारित समाधान-ए" पर व्याख्यान दिया। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए सतत दृष्टिकोण" 11 नवंबर 2022.

सांख्यिकी में एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार वार्ष्णेय ने जैविक और अनुप्रयुक्त विज्ञान (आरएआईबीएस 2022) में हालिया प्रगति और नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्वास्थ्य पर कोविड-19 का प्रभाव: एक सांख्यिकीय परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक मुख्य व्याख्यान दिया। 14-16 जून 2022 को एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में कृषि विज्ञान संकाय द्वारा ग्रामीण विकास के लिए अकादमिक अनुसंधान सोसायटी और आईसीएआर-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल के सहयोग से आयोजित किया गया।

समाजशास्त्र में एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर गितिका डे ने एक पैनल का आयोजन किया और पुराने अनुशासन, नए प्रक्षेपवक्र: सिद्धांत, तरीके और व्यवहार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (हाइब्रिड मोड) में राजनीतिक नृवंशविज्ञान में नई दिशाएं: मामले और पैटर्न पर एक व्याख्यान दिया। एंथ्रोपोलॉजी में, 16-18 जून 2022 को विनियस यूनिवर्सिटी, लिथुआनिया में सोसाइटी फॉर एंथ्रोपोलॉजिकल साइंसेज और द इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन एंड ट्रांसकल्चरल स्टडीज द्वारा सह-आयोजित किया गया।

दर्शनशास्त्र में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनन्या बरुआ ने 4-4 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में

तर्क और धर्म पर आयोजित तीसरी विश्व कांग्रेस में "स्वयं और चेतना: पूर्व और पश्चिम के बीच अंतर को पाटने का प्रयास" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 8 नवंबर 2022.

प्राणी-विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीतू ने द एक्सपैंडिंग फ्रंटियर्स ऑफ नॉलेज में "क्लीडोइक अंडों पर विभिन्न बैक्टीरिया की उपस्थिति की पहचान करने और एंटीबायोटिक के संबंध में संवेदनशीलता के भिन्न पैटर्न का अध्ययन करने के लिए मॉर्फोलॉजिकल और बायोकेमिकल परख" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। अनुसंधान केंद्र, मैत्रेयी महाविद्यालय 11-13 अगस्त 2022.

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

01 अगस्त 2022 को हिंदू महाविद्यालय, डीयू और एमएलबी महाविद्यालय, हिसार, हरियाणा के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता-ज्ञापन के हिस्से के रूप में, दोनों संस्थानों का लक्ष्य कौशल और संसाधनों का आदान-प्रदान करना और हिंदू महाविद्यालय जैसे स्थापित संस्थान के लिए एमएलबी महाविद्यालय जैसे युवा संस्थान, अकादमिक आदान-प्रदान कार्यक्रम और सेमिनार आयोजित करके अपेक्षाकृत सहायता करना है।

हिंदू महाविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के बीच जुलाई-दिसंबर 2022 सेमेस्टर में शैक्षणिक सहयोग के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता-ज्ञापन के तहत, हिंदू महाविद्यालय प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप (पीएमआरएफ) योजना के तहत आईआईटी दिल्ली में पंजीकृत पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर्स को योजना की आवश्यकताओं और नियमों और शर्तों के अनुसार, बिना किसी वित्तीय सहायता के महाविद्यालय में शिक्षण सहायक कर्तव्यों को पूरा करने की अनुमति देने पर सहमत हुआ।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय की विद्या विस्तार योजना हिंदू महाविद्यालय और तीन उत्तर-पूर्व महाविद्यालयों अर्थात दोरजी खांडू सरकारी महाविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के बीच सहयोग से नर बहादुर भंडारी गवर्नमेंट महाविद्यालय, सिक्किम; और नॉर्थ कामरूप महाविद्यालय, असम 25 अप्रैल 2022 को विशिष्ट मुख्य अतिथि श्री पेमा खांडू, अरुणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में शुरू हुई। गोइंग ग्लोबल एक्सप्लोरेटरी ग्रांट के हिस्से के रूप में, हिंदू महाविद्यालय ने ब्रिटिश काउंसिल द्वारा प्रायोजित यॉर्क विश्वविद्यालय, ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर और लद्दाख विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया है।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड) : 75

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

वर्ष 2022-23 में 85 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया

150 से अधिक (कुल छात्र संख्या का 15% और नियोजन चाहने वाले 100% छात्र) को विभिन्न कंपनियों द्वारा चुना गया और वर्ष 2022-23 में नियोजित किया गया।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

एन.एस.एस. के स्वास्थ्य विंग ने परियोजना मैत्री की शुरुआत की, जिसके तहत महाविद्यालय के छात्रों ने पुरानी पीढ़ी से अध्ययन के लिए वृद्धाश्रम का दौरा किया और बदले में उन्हें यह महसूस कराया कि उनकी देखभाल की जाती है। इसने 5 दिसंबर 2022 को दिव्यांग लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर परियोजना दास्तान का भी आयोजन किया, जिसमें उन्होंने दिव्यांग लोगों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए।

एन.एस.एस. हिंदू की शिक्षा शाखा ने परियोजना अक्षर नामक एक परियोजना शुरू की है जिसमें वे मलकागंज के वंचित बच्चों को पढ़ाते हैं। 21 जून 2022 को 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, एन.एस.एस. हिंदू महाविद्यालय ने सूर्य नमस्कार जैसी गतिविधियों की एक श्रृंखला के साथ इस दिन को मनाया, जिसके पहले योग के लाभों पर एक चर्चा हुई।

एन.एस.एस. ने 20 जुलाई 2022 को मलाला दिवस पर "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" विषय पर एक "लेख लेखन प्रतियोगिता" शुरू की, जिसके दौरान उक्त विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। 25 जुलाई 2022 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में कानून के वकील श्री अप्रतिन ठाकुर द्वारा इसी विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय को कुल 12,47,250 रुपये का बजट प्राप्त हुआ, जिसमें 12,24,750 रुपये विकास निधि पुस्तकालय को और शेष पुस्तक निधि को आवंटित किया गया। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, पुस्तकालय ने सफलतापूर्वक अपने संग्रह में 1,053 नई पुस्तकें जोड़ीं, जिससे पुस्तकों का कुल संग्रह 124749 हो गया। इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ताओं को वाई-फाई के माध्यम से इंटरनेट एक्सेस से लाभ होता है, जिससे पुस्तकालय कैंपस के भीतर अनुसंधान और अध्ययन के अवसर बढ़ते हैं।

संकाय संख्या : 163

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 58.90 करोड़

*उपयोगित अनुदान: रुपए 66.47 करोड़

*दिखाई गई राशि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से महाविद्यालय को प्राप्त वास्तविक अनुदान और अनुमोदित व्यय मदों पर किए गए वास्तविक व्यय के आधार पर है। वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान वास्तविक व्यय से कम है। हालाँकि, महाविद्यालय ने अपने फंड से प्राप्त अनुदान से अधिक खर्च को पूरा किया है। कम अनुदान प्राप्त होने के कारण होने वाला घाटा यूजीसी से उचित समय पर प्राप्य है क्योंकि अनुदान खातों को अंतिम रूप देने के अधीन खाते के आधार पर प्राप्त किया जाता है।

***

होली फ़ैमिली नर्सिंग महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

होली फ़ैमिली नर्सिंग महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और इसका प्रबंधन दिल्ली महाधर्मप्रांत द्वारा किया जाता है। महाविद्यालय का लक्ष्य नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र बनना है। नर्सिंग स्कूल, होली फ़ैमिली हॉस्पिटल, 1956 में शुरू हुआ, एक अंकुर था जो नर्सिंग महाविद्यालय में विकसित हुआ।

इन सभी वर्षों में यह उच्च गुणवत्ता वाली नर्सिंग शिक्षा प्रदान करने के मिशन और दृष्टिकोण पर दृढ़ रहा है। बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग कार्यक्रम वर्ष 2011 में दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत शुरू किया गया था, इसके बाद पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग एवं एम.एससी. शैक्षणिक सत्र 2016-2017 से नर्सिंग पाठ्यक्रम। एनपीसीसी रेजीडेंसी पाठ्यक्रम दिसंबर 2022 में शुरू हुआ।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने एसएनए द्वारा आयोजित विविध इकाई-स्तरीय और राज्य-स्तरीय प्रतियोगिताओं में छात्रों की भागीदारी देखी। इसके अलावा, संस्थान ने 10 छात्रों के वार्षिक प्रवेश के साथ, एक स्नातकोत्तर रेजीडेंसी कार्यक्रम, एनपीसीसी कार्यक्रम शुरू किया।

विशेष रूप से, महाविद्यालय ने 2.75 का स्कोर और बी+ ग्रेड प्राप्त करके एनएएसी मान्यता प्राप्त की, जो 11 अक्तूबर , 2022 से शुरू होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए वैध है।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) की सुश्री मेरिन बेनी नर्सिंग महाविद्यालय टॉपर थी। उन्होंने 2019-2022 बैच में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) की सुश्री केसिया कुरियाकोस नर्सिंग ने महाविद्यालय बैच 2019-2022 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग की एलिन मारिया एमआर यूनिवर्सिटी टॉपर बैच 2020-2022 रहीं।

एम.एससी. की सुश्री शिल्पा शर्मा, एम.एससी. नर्सिंग महाविद्यालय टॉपर रही। उन्होंने बैच 2020-2022 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एम.एससी. नर्सिंग की सुश्री ब्लेसी एलिजाबेथ वर्गीस महाविद्यालय टॉपर रही। उन्होंने बैच 2020-2022 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

रावत एस, बाबू सी, देवी जीबनलता एम. (2023)। दिल्ली के चयनित अस्पताल में दर्द की अनुभूति और प्रसव की प्रगति के संदर्भ में प्रसव के पहले चरण के दौरान प्राथमिक माताओं के बीच सीधी स्थिति की प्रभावशीलता का आकलन और मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 12 (2), एनए।*

नेगी लवली. (2022)। ऑनलाइन के लाभ और चुनौतियाँ। जंदिशापुर जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, *एनए*(एनए), 2744-2751.

रमिंदर कालरा (2022) दिल्ली के चयनित अस्पताल में नर्सिंग कर्मियों के लिए प्रभावी समय प्रबंधन पर सिफारिश विकसित करने की दृष्टि से चयनित नर्सिंग देखभाल इकाई में काम करने वाले नर्सिंग कर्मियों की गतिविधियों और समय उपयोग का आकलन करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 11(11), एनए।*

आयोजित संगोष्ठी

19 अक्तूबर 2022 को मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह समारोह के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की नर्सिंग सलाहकार डॉ. दीपिका सेसिल द्वारा "भारत में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दे और चिंताएं" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

"सृष्टि सोलंकी "आपातकालीन नर्सिंग में नवाचार की खोज" विषय पर एक कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति थीं, "संचार, एक रोगी केंद्रित दृष्टिकोण और अंग प्रत्यारोपण - कल की ओर एक साथ" विषय पर कार्यशाला की आयोजक थीं, उन्होंने परियोजना प्रकाश आईएलबीएस के तहत वायरल हेपेटाइटिस और इसकी जटिलताओं पर "हेपेटाइटिस कैन' शीर्षक से टीओटी में भाग लिया।

प्रोफेसर (डॉ.) रमिंदर कालरा ने "नर्सिंग परिप्रेक्ष्य में वर्तमान रुझान: गुणवत्ता देखभाल के लिए एक अग्रणी मार्ग" विषय पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 100%

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

दिल्ली पुलिस ने 20-26 सितंबर 2022 तक एक आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। सहज योग

इंटरनेशनल के सहयोग से एक व्यक्तित्व विकास और तनाव प्रबंधन कार्यक्रम 11 मार्च 2023 को हुआ। 03 सितंबर 2022 को एचएफएच के सुरक्षा विभाग के साथ एक फायर मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण दिवस मनाए गए। बी.एससी. तृतीय वर्ष, सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग विभाग ने 07 अप्रैल 2022 को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया। 5 मई 2022 को विश्व स्वच्छता दिवस मनाया गया, और मनोचिकित्सा नर्सिंग विभाग द्वारा 24 मई 2022 को सिज़ोफ्रेनिया जागरूकता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। नर्सिंग फाउंडेशन विभाग द्वारा 10 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया, इसके बाद उसी तिथि को विश्व पर्यावरण दिवस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बी.एससी. तृतीय वर्ष द्वारा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। बाल स्वास्थ्य नर्सिंग विभाग ने सीएनबीसी अस्पताल के सहयोग से 12 अक्तूबर 2022 को मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह मनाया गया, जिसमें भूमिका नाटक और प्रदर्शनियाँ शामिल थीं। एम.एससी. द्वितीय वर्ष के छात्रों ने 14 नवंबर 2022 को "विश्व मधुमेह दिवस" आयोजित किया, और 26 नवंबर 2022 को विश्व एनीमिया दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कर्मचारियों के लिए बीएलएस प्रशिक्षण 4 जनवरी 2023 को किया गया, विश्व कुष्ठ रोग दिवस 30 जनवरी 2023 को पीएचसी, पालम में आयोजित किया गया और 16 फरवरी 2023 को एमसीएच, डिफेंस कॉलोनी में विश्व कैंसर दिवस मनाया गया। 13 मार्च 2023 को प्रतिभा कन्या विद्यालय, मालवीय नगर में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम हुआ। 12 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, और 16 मार्च 2023 को विश्व टीकाकरण दिवस मनाया गया। 20 मार्च 2023 को विश्व मौखिक स्वच्छता दिवस के रूप में एक रोल प्ले मनाया गया, और 24 मार्च 2023 को "विश्व टीबी दिवस" पर एक समूह परियोजना आयोजित की गई।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय सुविधा में छात्रों के लिए 24 पुस्तक रैक/अलमारी, 5 जर्नल रैक और 28 टेबल हैं। इस संग्रह में 2,970 नर्सिंग पुस्तकें शामिल हैं, जिसमें 13 नर्सिंग जर्नल की सदस्यताएँ शामिल हैं। छात्रों के लिए इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय ने पिछले वित्तीय वर्ष में 290 पुस्तकें प्राप्त कीं, जिससे अकादमिक समुदाय के लिए अपने संसाधनों में वृद्धि हुई।

संकाय संख्या : 32

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 255000/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 225700/-

***

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान

संक्षिप्त विवरण

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान (आईजीआईपीईएसएस) की स्थापना 03.08.1987 को हुई थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कहने पर लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर, नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला और सेंट्रल हेल्थ एजुकेशन, ब्यूरो, दिल्ली जैसे संस्थानों की पेशेवर सलाह के आधार पर, तीन वर्ष का डिग्री पाठ्यक्रम अर्थात एससी. (शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा और खेल) की शुरुआत 1987 में हुई थी। वर्तमान में, संस्थान बी.पी.एड. (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन) डिग्री भी प्रदान संचालित करता है। एम.पी.एड. (मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन) चार सेमेस्टर पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त है। उपरोक्त के अलावा, संस्थान द्वारा दो स्व-वित्तपोषण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम अर्थात् फिटनेस ट्रेनर और योग पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित किए जाते हैं।

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान (आईजीआईपीईएसएस) दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध एकमात्र संस्थान है जो शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करता है। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय) भी आईजीआईपीईएसएस के कैंपस में स्थित है। आईजीआईपीईएसएस, दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों में से एक है और इसे 100% आधार पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा वित्त-पोषित किया जाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: आईजीआईपीईएसएस और आईक्यूएसी ने 20-21 मई 2022 तक "समुदाय के लिए योग शिविर" का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्थान में संस्थान का 35वां स्थापना दिवस भी आयोजित किया गया। "हर घर तिरंगा" के अवसर पर स्टाफ सदस्यों के बीच राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया गया। 15 अगस्त 2022 को 76वां स्वतंत्रता दिवस पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण समारोह और तिरंगा हमारी शान रैली का भी आयोजन किया गया। हॉकी के नायक मेजर ध्यानचंद की जयंती पर, महाविद्यालय ने 29 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। संस्थान के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के बीच एक वॉलीबॉल मैच खेला गया। 11 नवंबर 2022 को पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में पूर्व छात्र उपस्थित थे। अंडर-16 (लड़कों) के लिए सुपर 7 लीग का पहला संस्करण आयोजित किया गया। दिल्ली के विभिन्न स्कूलों/क्लबों की विभिन्न टीमों ने भाग लिया। बी.एससी. के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 22-23 नवंबर 2022 को एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। 27 जनवरी 2023 को आयोजित परीक्षा पे चर्चा का सीधा प्रसारण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ परीक्षा के तनाव को दूर करने के टिप्स साझा किए।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. (पीई, एचई और एस) की रिया कौशिक ने 9.227 सीजीपीए के साथ सेमेस्टर VI के संचयी परिणाम में महाविद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया है।

एससी. (पीई, एचई और एस) की मानसी सिंह ने 8.879 सीजीपीए के साथ सेमेस्टर VI के संचयी परिणाम में महाविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

बीबी.एससी. (पीई, एचई और एस) की निधि ने 8.742 सीजीपीए के साथ सेमेस्टर VI के संचयी परिणाम में महाविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

के देव होलकर ने 8.478 सीजीपीए के साथ सेमेस्टर IV के संचयी परिणाम में महाविद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया है।

बी.पी.एड. के मुनेश कुमार ने 8.053 सीजीपीए के साथ सेमेस्टर IV के संचयी परिणाम में महाविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

प्रकाशन

तिवारी, एस. (2022). पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच खेल मनोवैज्ञानिक कौशल का आकलन। *शोधसंहिता.* 9(4): 141-151.

बी.एससी. के बीच कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस। शारीरिक शिक्षा में दिल्ली के छात्र और बी.टेक छात्र। अन्वेषक. 5210(1): एनए.

त्यागी, एस. (2022). दिल्ली विश्वविद्यालय के पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच शरीर की संरचना और स्वास्थ्य की स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ यूजीसी सूचीबद्ध। 9(4): एनए.

त्यागी, एस. (2023)। बैडमिंटन और टेनिस के बीच लिंग अंतर के बावजूद खेल चिंता पर तुलनात्मक अध्ययन खेल विज्ञान और पोषण जर्नल। 4(1):

प्रमाणिक, टी.एन. (2022)। रक्त लिपिड और हीमोग्लोबिन संकुचन पर पूर्वोत्तर और दक्षिणी वरिष्ठ अभिजात वर्ग महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच तुलनात्मक अध्ययन। द कलकत्ता जर्नल ऑफ़ ग्लोबल अफ़ाईरुपए 6(3):

शोध-परियोजनाएं

लागू नहीं

मंजूर/दायर पेटेंट

लागू नहीं

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. नाओकी सुजुकी, एक प्रख्यात जापान विद्वान, जापानी स्कूल सीक्रेट द्वारा 'शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम के विशेष संदर्भ में प्राथमिक विद्वान पाठ्यक्रम' नामक सेमिनार 17 अगस्त 2022 को आयोजित किया

गया।

17 अगस्त 2022 को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार गुप्ता द्वारा 'प्वाइंट के संशोधित कोड पर जिमनास्टिक क्लिनिक' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

14 अक्तूबर 2022 को दिल्ली पुलिस की इंस्पेक्टर मृरुपे उषा शर्मा द्वारा 'महिला सुरक्षा' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

7 दिसंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय की प्रोफेसर अनु मेहरा द्वारा 'कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम-2013' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

11 फरवरी 2023 को उप लेखा नियंत्रक श्री सुधीर सिंह वर्मा द्वारा 'गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

22 मई 2022 को 'मिट्टी बचाओ' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

15 जून 2022 को 'आध्यात्मिकता एवं शांति' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

17 जून 2022 को '21वीं सदी में सूचना कौशल' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

22 जुलाई 2022 को 'संस्थान डेटाबेस कैसे प्रबंधित करें' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

17 अगस्त 2022 को 'संशोधित कोड ऑफ़ पॉइंट्स पर जिम्नास्टिक क्लिनिक' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

लागू नहीं

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

लागू नहीं

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 140

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 5

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समुदाय के लिए एक महीने का योग शिविर आयोजित किया गया

जिसमें आसपास के क्षेत्रों के निवासियों ने शिविर में भाग लिया और हर दिन योग आसन सीखे/अभ्यास किए। इसके अलावा, चार वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए जिमनास्टिक स्कूल की स्थापना की गई है।

पुस्तकालय विकास

डिजिटल पुस्तकालय के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन से, आईजीआईपीईएस के उपयोगकर्ताओं को डिजिटल प्रारूप में पूर्ण पाठ दस्तावेजों तक पहुंच प्राप्त हुई है, अर्थात पुराने प्रश्न पत्र, एम.पी.एड., बी.पी.एड., और बी.एससी. पाठ्यक्रम, सभी पीएच.डी. शोध और सभी एम.पी.एड. 2013 से शोध प्रबंध प्रदान किए गए। वर्तमान में आईजीआईपीईएसएस पुस्तकालय डेटाबेस "विद्या: पुस्तकालय मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर" को एक्सएएमपीपी सर्वर के माध्यम से ऑनलाइन है।

कुल पुस्तकालय संग्रह 13268 (9230 परिग्रहण पुस्तकें, 2322 वाचनालय, 1118 शोध और 598 विभाग पुस्तकें) को डेटाबेस में कम्प्यूटरीकृत किया गया है और बार-कोड किया गया है जिसे ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से खोजा जा सकता है।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या:13268

कुल संकाय संख्या: 24

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 19 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 19.35 करोड़

***

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

1924 में स्थापित इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का सबसे पुराना महिला महाविद्यालय है, जो महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय को अपनी लड़कियों की उग्र भावना पर गर्व है जिन्होंने हमेशा आगे बढ़कर राष्ट्रीय आंदोलनों का नेतृत्व किया है। उन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान पर भारत छोड़ो और अन्य आंदोलनों में भाग लेने के लिए अपनी कक्षाएं छोड़ दीं। रवीन्द्र नाथ टैगोर, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे प्रसिद्ध नेताओं के दौरों ने हमेशा महाविद्यालय समुदाय को नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया है।

कैंपस में हरे-भरे परिवेश और एक अच्छी तरह से संरक्षित विरासत भवन के साथ एक आधुनिक बुनियादी ढांचा मौजूद है। इसमें बाधा रहित पहुंच, दो बड़े छात्रावास, फायरिंग रेंज, रॉक-क्लाइम्बिंग दीवार, व्यायामशाला, स्विमिंग पूल, सौर पैनल और वर्षा जल संचयन जैसी टिकाऊ प्रथाओं सहित अनेक खेल

सुविधाएं शामिल हैं।

एनएएसी A+ ग्रेड छात्रों के समग्र विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है। आजादी का अमृत महोत्सव की भावना को मूर्त रूप देते हुए, महाविद्यालय स्वच्छ भारत अभियान, नदी को जानो, स्वीप, एनईपी के कार्यान्वयन और कौशल विकास को बढ़ावा देने जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उत्साहपूर्वक भाग लेता है। अनुसंधान और नवाचार को आठ अनुसंधान और शिक्षण केंद्रों, कौशल विकास सेल और उद्यमशीलता सेल के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय जून 2022 में एनएएसी मान्यता के दूसरे दौर से गुजरा और उसे A+ ग्रेड से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय दिवस के समारोह में जी20 शेरपा डॉ. अमिताभ कांत की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई। इसके अतिरिक्त, दिव्यांगता अध्ययन केंद्र का उद्घाटन संस्थान के लिए एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। संयुक्त राज्य अमेरिका से यूएसआईईएफ प्रशासकों ने कैंपस का दौरा किया।

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण सहभागिता सेल के रूप में मान्यता सामाजिक प्रभाव के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। महाविद्यालय को ऑन-कैंपस कौशल विकास के लिए आईसीटी अकादमी में अपनी संस्थागत सदस्यता की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। उल्लेखनीय घटनाओं में "राष्ट्रीय शिक्षा-नीति: हिंदी और मातृभाषाओं का संदर्भ" विषय पर सम्मेलन शामिल है, जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के डीन प्रोफेसर बलराम पाणि ने किया, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन में योगदान दे रहा है।

भारत सरकार (जीओआई) और दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के अनुरूप, हमारे महाविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसेकि हर घर तिरंगा उत्सव, विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष की मान्यता, और शताब्दी वृक्षरोपण और वृक्षारोपण अभियान। भाषा दिवस सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संकल्प लिया।

संगोष्ठी, "जन्मो भूमि से तपो भूमि: चेतना की यात्रा" ने श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती को चिह्नित किया। हिंदी साहित्य सभा और वातायन, यूके के साथ विश्व हिंदी दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

"भारतीय संगीत के राग और शैलियाँ" विषय पर श्रवण सत्र ने भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देने में योगदान दिया।

सम्मान/गौरव

प्रधानाचार्य, प्रोफेसर पूनम कुमरिया को इंडो-स्लोवेनिया बौद्धिक संवाद 2023 के तहत स्लोवेनिया के राजदूत द्वारा "उच्च शिक्षा" के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर से सम्मानित

किया गया है।

डॉ. प्रवीण ढांडा को उनके शोध-पत्र "द क्वेस्ट" के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट महाविद्यालय में आयोजित 'विश्व गुरु भारत: समकालीन दुनिया के लिए मध्यवर्तन और नवाचारों के विकास में भारतीय ज्ञान का उपयोग' विषय पर आईसीएसएसआर राष्ट्रीय सेमिनार में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला। वैश्विक नेतृत्व के लिए: स्वामी विवेकानन्द के साथ यूरोसेंट्रिज्म से परे की सोच"।

डॉ. शुभ्रा सेठ को सेंटर फॉर रिफ्यूजी स्टडीज, समर पाठ्यक्रम ऑन रिफ्यूजी एंड माइग्रेशन, यॉर्क यूनिवर्सिटी, टोरंटो, कनाडा द्वारा एक प्रतिभागी के रूप में चुना गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

बीएमएमएमसी, भाग-III की रितिका वार्ष्णेय ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी क्रम में, बीएमएमएमसी भाग-2 की पढ़ाई कर रही देवांशा बाबेल ने असाधारण शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

.बीएमएमएमसी पार्ट- I के उद्घाटन वर्ष में वृत्ति मेदिरत्ता ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने की उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की।

मनोविज्ञान के क्षेत्र में, एमए पार्ट- II की पढ़ाई कर रही स्मृद्धि सेठ ने उत्कृष्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

प्रकाशन

प्राथमिक देखभाल की विशेषताओं के बारे में रोगी की धारणा: दिल्ली, भारत में आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक का एक अध्ययन। *फ़ैमिली प्रैक्टिसऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, doi.org/10.1093/fampra /cmac154(19 जनवरी), 1-7।*

गोयंका, आर., गर्ग, सी.सी. . (2023)। गोयंका, आर., यादव, जे. शर्मा, पी.. (2023)। भारत में कैंसर देखभाल के लिए वित्तीय बोझ और उससे निपटने की रणनीतियाँ। क्लिनिकल महामारी विज्ञान और वैश्विक स्वास्थ्य, 20(24 फरवरी), 101259-101267।

बेदी, पी.एस., बाला, एम., शर्मा, के.. (2022)। अवधारणा-स्थान और कीवर्ड वाक्यांश का उपयोग करके निष्कर्षण सारांश। विशेषज्ञ प्रणालियाँ, 39(10), ई13110।

सेठी, आर. (2023)। ममांग देई। . वागर्थ, 403 (मार्च), 59-62.

सिंह, पी., वर्मा, पी., चौधरी, ए.एस. और अन्य.. (2023)। शहरी हीट द्वीप और भूमि उपयोग में अस्थायी परिवर्तन, एनडीवीआई और एनडीबीआई के बीच संबंधों का मूल्यांकन: भोपाल शहर, भारत का एक केस

अध्ययन। पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के *अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, doi.org/10.1007/ s13762-023-051y(18 अगस्त), 1.*

गुप्ता, एन., भट्टाचार्जी, एम., साहा, ए.आर.. (2023)। उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों की खपत में स्वास्थ्य अभिविन्यास की भूमिका: शहरी भारतीय उपभोक्ताओं का एक अन्वेषण। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल फूड एंड एग्रीबिजनेस मार्केटिंग, आईएसएसएन: 0897-4438 (23 फरवरी),*ई-आईएसएसएन: 1528-6983।*

भाटिया, दीपिका.. (2022)। भारतीय दार्शनिक प्रणाली में भावनाओं की घटना: कुछ विचार। धर्म अध्ययन पत्रिका, स्प्रिंगर, 5(1), 17-31।

शर्मा, हर्ष बाला. (2022)। रंग प्रसंग में 'भुवनेश्वर के नाटक में रंग संदर्भ और रंग प्रकृति'। *राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, 25(55), 67-77।*

शर्मा, हर्ष बाला. (2022)। दर्शनिक और फैंटेसी के अंदाज़ में लिखा गया उपन्यास। *स्त्री दर्पण,,- अक्तूबर (अगस्त), 15-17.*

शर्मा जे टी. (2022)। सावरकर और फ्रेंच कनेक्शन*. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्ट्स एंड एजुकेशन रिसर्च, 11(6), 67-71।*

जर्नल

श्री रामानंद दिग्विजयः में प्रतिध्वनित रामानन्दाचार्य जी का सामाजिक दर्शन. Quarterly, 14(5), 33-42.कुमारी, टी., चौधरी, एन.पी., चौहान, आर., और तिवारी, एन.के. (2022)। बेकार फलों के छिलकों से मोसम्बी (साइट्रस लिमेटा) आवश्यक तेल का पर्यावरण-अनुकूल निष्कर्षण और लार्विसाइडल, कीटनाशक और रोगाणुरोधी एजेंट के रूप में इसका संभावित उपयोग। त्रैमासिक, 3(29), 360-375.

सिन्हा, विनीता. (2022)। लोककथाओं का क्षेत्र और नारीवादी यात्रा की राजनीति इतालवी अनुवाद शीर्षक - इल रेग्नो देई रैकोन्टी पॉपोलारी ई ला पोलिटिका डेल'इटिनरेंस फेमिनिस्टा जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज। त्रैमासिक, XXXVIII(140), 55-76.

चोपड़ा एबी, जैन डी और लड्डा आई. (2022)। भारत में प्रिंट मीडिया उद्योग पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव: एक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ ग्लोबल कम्युनिकेशन. त्रैमासिक, 15(2), 137-146.

कोचर, एस.के., सोनी ए., श्रीवास्तव एस. गौड़ वी. (2022)। ई-मार्केट में एक सॉफ्टवेयर एजेंट के प्रतिष्ठा स्कोर का मूल्यांकन और विनियमन करने के लिए एक सिमुलेशन-आधारित दृष्टिकोण। अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। त्रैमासिक, 13(3).

वर्मा, माया. (2023)। शोध दृष्टि: एक इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रेफरीड रिसर्च जर्नल, पीयर रिव्यूड रिसर्च जर्नल में लेख जिसका शीर्षक है श्री रामानंददिग्विजयः में प्रतिध्वनित रामानंदाचार्य जी का सामाजिक दर्शन। त्रैमासिक, 14(5), 33-42.

शोध-परियोजनाएं

आईसीएसएसआर, मार्च-2023, एक्सप्लोरिंग क्लाइमेट चेंज एंड फोर्स्ड माइग्रेशन: द नैरेटिव्स ऑफ जेंडर एंड डिसेबिलिटी इन साउथ एशिया, 4,50,000/- रुपये; पीआई: प्रोफेसर अनिंदिता रॉय साहा, अर्थशास्त्र विभाग, सह पीआई डॉ. शुभ्रा सेठ, राजनीति विज्ञान विभाग के साथ।

आयोजित संगोष्ठी

22 नवंबर 2022 को फ़िंग्रोथ मीडिया के संस्थापक सी.ए. कानन बहल द्वारा सेमिनार शीर्षक, "अपने भविष्य की कल्पना, व्यक्तिगत वित्त की योजना बनाना"।

28 सितंबर 2023 को द मिलेट मैन ऑफ इंडिया डॉ. खादर वली द्वारा "सस्टेनेबल, होलिस्टिक, हेल्दी, एंड सॉवरेन लिविंग मॉडल फॉर द प्लैनेट" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

20 जनवरी 2023 को जेडईवीओ के सह-संस्थापक सीए ध्रुव भाटिया द्वारा "अपने भविष्य की कल्पना, व्यक्तिगत वित्त की योजना बनाना" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

23 नवंबर 2022 को गौटिंगेन विश्वविद्यालय में ईरानी अध्ययन के प्रोफेसर ईवा ऑर्थमैन द्वारा "भारतीय विद्या के फ़ारसी संस्करण: संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद और परिवर्तन" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

15 फरवरी 2023 को सीआईसी, दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ. सचिन कुमार द्वारा "डिजिटल परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: अवसर और चुनौतियाँ" शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

आईसीएसएसआर के अंतर्गत 21 मार्च 2023 को "दक्षिण एशिया में सुरक्षा चुनौतियाँ" विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारतीय भाषाएँ: साहित्य और संवाद'06 जून, 2022 को कला और मानविकी संकाय, लिस्बन विश्वविद्यालय के सहयोग से "लिंग्वास इंडियानास: लिटरेचरस ई-कॉनवर्सस/ भारतीय भाषाएँ: साहित्य और वार्तालाप" 'भारतीय भाषाएँ: साहित्य और संवाद' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

19 सितंबर 2022 को "जब अन्य आधे मर जाते हैं: खाद्य सुरक्षा से खाद्य संप्रभुता तक?" विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

15 सितंबर 2022 को "संकट में लोकतंत्र (पाकिस्तान, म्यांमार और श्रीलंका पर केस स्टडीज)" विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

यादव, एस ने 03 जून,2022 को सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, वियना, ऑस्ट्रिया द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "संरक्षण के निष्कर्षण भूगोल: कान्हा राष्ट्रीय उद्यान का एक केस अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वैफेई, एल. ने एशियन स्टडीज एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एएसएए) द्वारा मोनाश में आयोजित 'महामारी के समय में सामाजिक न्याय' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "द डिजिटल डिवाइड्स - टीचिंग एंड लर्निंग ड्यूरिंग कोविड टाइम (ऑनलाइन प्रेजेंटेशन)" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया 7 जुलाई 2022 को आयोजित हुआ।

शर्मा, टी. ने लिविंग टू टेल द स्टोरी-बिल्डिंग कम्युनिटी रेजिलिएशन इन जर्नलिज्म सिम्पोजियम में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, "महामारी के बाद की दुनिया में पत्रकारों के लिए आघात को सामान्य बनाना-दक्षिण एशिया में पत्रकारिता शिक्षा के भविष्य के लिए निहितार्थ"। शेफ़ील्ड विश्वविद्यालय, यूके 16 जून 2023 को आयोजित हुआ।

चोपड़ा, ए ने 3 जुलाई 2022 को डीकिन यूनिवर्सिटी, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से डीएमई स्कूल ऑफ मीडिया में "भारत में मीडिया साक्षरता के एक उपकरण के रूप में कार्टून कार्यक्रम: एक अध्ययन (सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार)" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सेठ, एस. ने जलवायु परिवर्तन और स्थिरता: शिक्षा, पर्यावरण, ऊर्जा और अर्थव्यवस्था, ढाका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ढाका बांग्लादेश में 12-13 नवंबर 2022 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जलवायु शरणार्थियों के लिए संघर्ष विस्थापन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

9 दिसंबर, 2022 को प्रतिस्पर्धी रणनीतियों के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटीसीएस) पर आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में निशा, सिंघल ए ने "विभेदक गोपनीयता और इसकी चुनौतियों की एक साहित्य समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बाला, एम. ने क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग (कॉनफ्लुएंस), नोएडा, भारत, 2023 पर 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नॉलेज ग्राफ़ का उपयोग करके डिस्लिपिडेमिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स की इंटरऑपरेबिलिटी" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

गोराई, बी. ने आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, ईएफएलयू द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन महाभारत एपिक अक्रॉस एशिया: एंशिएंट इंडियन नॉलेज सिस्टम ट्रांसेंडिंग स्पैटियो-टेम्पोरल बाउंड्रीज़ में "रीइमेजिंग अश्वत्थामा टुडे: ए स्टडी ऑफ द तमिल फिल्म अश्वत्थामा 2023" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। हैदराबाद में 29-31 मई 2023 तक आयोजित किया गया।

वर्मा, एम. ने 09 अक्तूबर , 2022 को आयोजित राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी (राष्ट्रीय सम्मेलन), संस्कृतम् आन्त्रिकविकासश्च, जेएनयू और संस्कृत भारती, दिल्ली में "प्राचीन संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

भाटिया, डी. ने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष: राष्ट्र

और राष्ट्रवाद विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्वराज और नैतिक व्यवस्था का पुनर्विलोकन: धर्म और राष्ट्रीय अखंडता के ढांचे पर गांधी" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 23-24 फरवरी 2023 तक आयोजित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

महाविद्यालय ने दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, एक कागज रीसाइक्लिंग सेवाओं और अपशिष्ट कागज प्रबंधन सेवाओं के लिए "ग्रीनोबिन" के साथ, प्लास्टिक और ई-कचरा प्रबंधन के लिए "चिंतन" के साथ और कैंपस में वन्यजीव बचाव के लिए "वन्यजीव बचाव" के साथ और दूसरा "हेल्प द" के साथ। ब्लाइंड फाउंडेशन दृश्य दिव्यांगता वाले दूसरे वर्ष के छात्रों के लिए दो वर्ष का कार्यक्रम, शिक्षा, गतिशीलता और रोजगार प्रशिक्षण (ईएमईटी) शुरू करेगा।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या **: 177**

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 55

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

स्वच्छ भारत की भावना को बढ़ावा देने के लिए, "ठोस अपशिष्ट प्रबंधन" पर एमसीडी के साथ एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। महाविद्यालय पर्यावरण की सुरक्षा के लिए काम करने में गर्व महसूस करता है। इसने पेपर रीसाइक्लिंग सेवा के लिए "ग्रीनोबिन" के साथ, प्लास्टिक और ई-कचरा प्रबंधन के लिए "चिंतन" और परिसर में वन्यजीव बचाव के लिए "वन्यजीव बचाव" के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। छात्रावास में स्वच्छ ऊर्जा का दोहन करने के लिए आईसीआईसीआई फाउंडेशन के सहयोग से सौर पैनल स्थापित किए गए थे।

हेल्प -द ब्लाइंड फाउंडेशन ने दृश्य दिव्यांग छात्रों के बीच कौशल विकास के लिए दो वर्ष का कार्यक्रम, "शिक्षा, गतिशीलता और रोजगार प्रशिक्षण" शुरू किया। इसके साथ ही, महाविद्यालय के समान अवसर सेल और सक्षम इकाई ने प्रोजेक्ट राइज के तहत दो कौशल विकास पाठ्यक्रम, इन-पर्सन इंटरव्यू और रिज्यूमे बिल्डिंग का आयोजन किया। महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने 31 मई, 2022 को निम्नलिखित विषयों पर वेबिनार का आयोजन किया, "तंबाकू के सेवन के हानिकारक प्रभाव"; दिनांक 4 और 7 मई, 2022 को धर्मशिला कैंसर फाउंडेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से "सर्वाइकल कैंसर और स्तन कैंसर जागरूकता"। एन.एस.एस. ने 19 दिसंबर, 2022 को प्राथमिक चिकित्सा पर एक कार्यशाला और राष्ट्रीय पोषण माह मनाने के लिए परिसर में एक मार्च का भी आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय में 97300 पुस्तकें और 349 सीडी/डीवीडी हैं। वर्ष के दौरान 435 पुस्तकें जोड़ी गईं। पुस्तकालय 70 अकादमिक जर्नल, 25 जर्नल की सदस्यता लेता है। इसकी यूजीसी-एनलिस्ट, डेलनेट

के साथ सहज सदस्यता है। पुस्तकालय कर्मचारी एनएलआईएसटी, डेलनेट और डीयूएलएस के सब्सक्राइब्ड ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच की सुविधा के लिए छात्रों और संकाय को यूजर-आईडी और पासवर्ड जारी करते हैं। इसके अलावा, छात्रों और शिक्षकों के लिए सुलभ सभी आवश्यक लिंक और इन-हाउस डिजीटल विश्वविद्यालय प्रश्न पत्रों के साथ पुस्तकालय पोर्टल/वेबसाइट को अपडेट करना।

इसके अलावा, आईक्यूएसी के तत्वावधान में पुस्तकालय समिति के साथ पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा वेबिनार/ कार्यशाला/बैठक/व्याख्यान का आयोजन और उनमें भागीदारी। पुस्तकालय विस्तारित सेवाओं में अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र के लिए पंजाबी, बंगाली, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी पुस्तकों की पहुंच शामिल है। एक छत के नीचे पुस्तकालय सेवाएं प्रदान करने की दृष्टि से सक्षम इकाई में बेंचमार्क दिव्यांगता वाले उपयोगकर्ताओं को विशेष सेवाएं प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय संग्रहालय और अभिलेखागार शिक्षण संसाधन केंद्र में आगंतुकों, शोधकर्ताओं और महाविद्यालय समुदाय के सदस्यों तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या : 188

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 61,58,00,000/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 59,25,45,000/-

***

गृह-आर्थिकी संस्थान

संक्षिप्त विवरण

गृह-आर्थिकी संस्थान (आईएचई) दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है, जो दक्षिण दिल्ली के केंद्र में स्थित है। गृह-आर्थिकी संस्थान डॉ. सुरजीत मल्हान द्वारा वर्ष 1961 में अपनी स्थापना के बाद से महिलाओं को शिक्षा प्रदान करने वाला एक प्रमुख संस्थान है। महाविद्यालय ने गृह-विज्ञान में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के साथ काम करना शुरू किया और अंततः 1969 में दिल्ली विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। महाविद्यालय ने 1986 में अपनी रजत जयंती मनाई और 1987 में तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति द्वारा नए भवन की आधारशिला रखी गई। ज्ञानी जैल सिंह. 2011 में, महाविद्यालय ने राष्ट्रीय कार्यशालाओं, सेमिनारों की एक श्रृंखला और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के भाषण के साथ अपनी स्वर्ण जयंती मनाई। पिछले कुछ वर्षों में, संस्थान का काफी विकास हुआ है। केवल 80 छात्रों के साथ शुरुआत करके, आज इसमें 2200 छात्र हैं, जिन्हें लगभग 80 संकाय सदस्य प्रशिक्षित करते हैं और लगभग 125 गैर-शिक्षण, प्रशासनिक और सहायक कर्मचारी इसका समर्थन करते हैं। महाविद्यालय गृह-विज्ञान (पास और ऑनर्स), माइक्रोबायोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री, खाद्य प्रौद्योगिकी, पत्रकारिता और प्राथमिक शिक्षा में सात

स्नातक कार्यक्रमों और खाद्य और पोषण के साथ-साथ फैब्रिक और परिधान विज्ञान के क्षेत्र में तीन स्नातकोत्तर कार्यक्रमों सहित अनेक कार्यक्रमों की पेशकश करता है। महाविद्यालय गृह-विज्ञान में कार्यक्रम में पीएच.डी. भी प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

वर्ष 2022-23 में प्रवेश दिल्ली विश्वविद्यालय के सीयूईटी के माध्यम से हुए और नए सत्र की शुरुआत सभी पाठ्यक्रमों में एनईपी की शुरुआत के साथ हुई। अनेक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय दिवस जैसे, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, हिंदी दिवस, राष्ट्रीय पोषण माह, विश्व फोटोग्राफी दिवस, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, विश्व स्तनपान सप्ताह, विश्व उद्यमिता दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, आदि के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष भी थे। अंतर्निहित गतिविधियों का आयोजन करके मनाया गया। महाविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, फइआरआईए-2023, फरवरी 2023 में आयोजित किया गया था। कर्मचारियों और छात्रों ने 13-15 अगस्त 2022 तक हर घर तिरंगा अभियान में भाग लिया और ये समारोह आज़ादी का अमृत महोत्सव के अनुरूप थे। आईएचई ने पूरे वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित करके दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष का समारोह मनाया। महाविद्यालय अब ई-कचरे के प्रबंधन के लिए (मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के साथ पंजीकृत है। महाविद्यालय ने आगे जागरूक हरित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए यूआरएस वेरिफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ईएचएस अलायंस सर्विसेज और एनर्जी लेखापरीक्षा के साथ पर्यावरण लेखापरीक्षा और ग्रीन लेखापरीक्षा की। महाविद्यालय के अनेक पूर्व छात्र पोषण विशेषज्ञ, आहार विशेषज्ञ, विकास व्यवसायी, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, परामर्शदाता, डिजाइनर और व्यापारी जैसे बहुत अच्छे पदों पर कार्यरत हैं।

सम्मान/गौरव

बायोकैमिस्ट्री संकाय विभाग को एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "क्रोनोबायोलॉजी और मानसिक स्वास्थ्य" आयोजित करने के लिए शास्त्री-इंडो कैनेडियन इंस्टीट्यूट (एसआईसीआई) द्वारा शास्त्री सम्मेलन और व्याख्यान श्रृंखला अनुदान (एससीएलएसजी) के हिस्से के रूप में अनुदान प्राप्त हुआ।

प्रदत्त पीएच.डी.

प्रारंभिक शिक्षा विभाग से डॉ. निधि गुलाटी ने पांच पीएच.डी. का पर्यवेक्षण किया है। इसी विभाग की छात्र डॉ. ज्योति दलाल ने दो पीएच.डी. का पर्यवेक्षण किया है। एक पीएच.डी. छात्र की देखरेख डॉ. रुचिरा दास ने की।

गृह-विज्ञान विभाग (विकास संचार और विस्तार और पत्रकारिता) से डॉ. परवीन पन्नू को तीन जबकि डॉ. गीता पुन्हानी और डॉ. सविता अग्रवाल को चार छात्रों का श्रेय दिया जाता है।

संस्थान के निदेशक सहित अनेक अन्य संकाय सदस्यों ने पीएच.डी. छात्रों का पर्यवेक्षण किया है।

प्रोफेसर सीमा पुरी (जून 2023 में सेवानिवृत्त) खाद्य पदार्थों, न्यूट्रास्यूटिकल्स, डायटेटिक्स और अन्य समान उत्पादों पर एफएसएसएआई वैज्ञानिक पैनल की सदस्य और लेबलिंग, दावों और विज्ञापनों पर एफएसएसएआई वैज्ञानिक पैनल की सदस्य थीं।

प्रोफेसर गीता त्रिलोक कुमार (पूर्व निदेशक, नवंबर 2022 में सेवानिवृत्त) भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक मल्टीकाउंटी पहल, स्वस्थ जीवन शैली प्रक्षेपवक्र पहल के लिए संचालन समिति की सदस्य थीं; दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में एसोसिएट प्रोफेसर/प्रोफेसर की पदोन्नति चयन समिति की सदस्य; एनसीडी नीति समूह और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और डब्ल्यूएचओ द्वारा गठित व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस) के लिए तकनीकी सलाहकार समूह; सदस्य, आईसीएमआर के परामर्श समूह "भारतीय बच्चों का विकास मूल्यांकन: भारत के विशिष्ट विकास मानकों की आवश्यकता" और आईसीएमआर के अन्य तकनीकी सलाहकार पद, दिल्ली निदेशालय की मध्याह्न भोजन योजना, जीएआईएन में बड़े पैमाने पर खाद्य सुदृढ़ीकरण।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. की हरलीन कौर। (ऑनर्स) फ़ूड टेक्नोलॉजी को उनके शिक्षाविदों के लिए स्वर्ण पदक (**2019-2022)** प्राप्त हुआ था।

प्रकाशन

वच्छेर, एम., बंसल, एस., कुमार, बी., यादव, एस., बर्मन, ए. (2022)। एनएएफएलडी और एनएएसएच में असामान्य डीएनए मिथाइलेशन की भूमिका को समझना। *हेलियॉन, 8(10),*ई11119।

गर्ग, एम., यादव, आर.एल., चोपड़ा, आर., पानी, बी., सबलानिया, वी. (2023)। कद्दू के छिलके के पाउडर का उपयोग करके बनाए गए पारंपरिक भारतीय स्नैक (बेक्ड बॉल्स) की गुणवत्ता विशेषताओं का अनुकूलन और मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ़ फ़ूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 222-*2233(60)।

भार्गव, एस., मर्केलबैक, ई., नोएल्स, एच., वोहरा, ए., जानकोव्स्की, जे. (2022)। क्रोनिक किडनी रोग *में आंत माइक्रोबायोटा।* विष, 10(14), 648

अग्रवाल, एस., सभरवाल, वी., कौशिक, पी., जोशी, ए., आयुषी, ए., सूरी, एम. (2022)। पोस्टबायोटिक्स: उभरती अवधारणा से अनुप्रयोग तक। *सतत खाद्य प्रणालियों में फ्रंटियर्स,* 6(6), 887642।

गुप्ता, एस., कपूर, डी. (2022)। दिल्ली, भारत में सामान्य और अव्यवस्थित खान-पान व्यवहार वाली महिला महाविद्यालय छात्राओं के बीच ऊर्जा का सेवन, व्यय और संतुलन। *खाद्य और पोषण विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 6(11),* 156-162।

दुग्गल, एम., सेसिकरन, बी., अर्लप्पा, एन., नायर, एस., शेखर, वी., सभरवाल, वी. (2022)। भारत में विटामिन और खनिज कमजोरियों को दूर करने के लिए एक पूरक रणनीति के रूप में बड़े पैमाने पर मुख्य खाद्य सुदृढ़ीकरण: एक महत्त्वपूर्ण समीक्षा। *भारतीय जर्नल सार्वजनिक स्वास्थ्य.*2022, 3(66), 313-320।

श्रीवास्तव, पी., रमेश, एम., कौशिक, पी., कुमारी, ए., अग्रवाल, एस. (2022)। स्यूडोमोनास प्रजाति से प्योसायनिन वर्णक: एक डाई और रोगाणुरोधी कपड़ा समाप्ति का स्रोत-एक समीक्षा। *भारतीय* राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, https://doi.org/10.1007/s43538-022-00109-x।

देवी, आर., चौहान, ए., यादव, एस., कुमार, पी., पुंडीर, सी.एस. (2023)। सोने के नैनोकणों का उपयोग

करके संपूर्ण रक्त ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन (HbA1c) आकलन के लिए एप्टामर आधारित वर्णमिति परख का विकास। *बायोसेंसर और बायोइलेक्ट्रॉनिक्स।* (13).

कुमार, ए., मंशाहा, एम., अग्रवाल, जे. (2023)। जलरोधक सांस लेने योग्य वस्त्रों के विकास की समीक्षा। टेक्सटाइल एसोसिएशन जर्नल, 5(83)।

सचदेवा, एस., गुप्ता, एस. (2022)। शिशु और छोटे बच्चे के आहार और देखभाल प्रथाओं में पहली बार पिता बने लोगों का ज्ञान, दृष्टिकोण और भागीदारी। पोषण और खाद्य विज्ञान में *वर्तमान अनुसंधान*, 3(10), 959-970

शोध-परियोजनाएं

मेडिकल रिसर्च काउंसिल, ग्लोबल हेल्थ न्यूट्रिशन, यूके और पीआई डॉ. गीता त्रिलोक कुमार (पूर्व निदेशक) द्वारा प्रायोजित, 'गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) के बाद दीर्घकालिक स्वास्थ्य: अग्न्याशय (एसएएमपीए) की भूमिका' शीर्षक वाली परियोजनाएं।

द वेलकम ट्रस्ट यूके/डीबीटी इंडिया एलायंस और पीआई डॉ. गीता त्रिलोक द्वारा प्रायोजित, 'अंतर-गर्भाशय विकास मंदता, प्रारंभिक विकास, आंत पारगम्यता, शरीर में वसा और कम जन्म वाले बच्चों में पुरानी बीमारी के जोखिम के बीच चर्चा की समझ में सुधार करने के लिए' शीर्षक वाली परियोजनाएं।

संगोष्ठी प्रस्तुतियाँ

'बाजरा: पोषण मूल्य और न्यूट्रास्यूटिकल्स और कार्यात्मक भोजन के रूप में क्षमता' नामक सेमिनार 17 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) जोधपुर, राजस्थान में डॉ. सी. तारा सत्यवती, परियोजना समन्वयक-पर्ल बाजरा अखिल भारतीय अनुसंधान परियोजना द्वारा प्रस्तुत किया गया था। अगस्त 2022.

9 सितंबर 2022 को कॉर्पोरेट वित्त विशेषज्ञ, सीए और केजीएमसी इंडिया, गुरुग्राम, हरियाणा के संस्थापक श्री मोहित गोयल द्वारा 'विश्व उद्यमिता दिवस' के अवसर पर 'उद्यमी बनने की दिशा में यात्रा' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

3 अक्तूबर 2022 को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन के प्रोफेसर गौरव सिंह द्वारा 'रिसर्च एथिक्स एंड साहित्यिक चोरी' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

'महिलाओं में कानूनी साक्षरता की शक्ति' नामक सेमिनार 19 जुलाई 2022 को उच्च न्यायालय में वकील सुश्री कोपलिन के. खंडधारी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सेमिनार प्रस्तुतियां 27 अगस्त 2022 को एनआईडी अहमदाबाद के पूर्व प्रधान डिजाइनर प्रोफेसर हिमाद्री घोष द्वारा 'खादी-एक व्यक्ति की यात्रा' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

6 अप्रैल 2023 को शास्त्री-इंडो कैनेडियन इंस्टीट्यूट (एसआईसीआई) के सहयोग से 'क्रोनोबायोलॉजी और मानसिक स्वास्थ्य' नामक एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

16 सितंबर 2022 को एज़ुरा फार्माकोन्युट्रिशन के सहयोग से 'महिला स्वास्थ्य जागरूकता- ज्ञान और अभ्यास के बीच अंतर को पाटना' शीर्षक से एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

18 अप्रैल 2023 को विज्ञान प्रतिभा के सहयोग से 'माइक्रोबायोलॉजी में वर्तमान रुझान' शीर्षक से एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर शताब्दी भाषण और पैनल चर्चा' शीर्षक से एक सम्मेलन का आयोजन किया गया; उच्च शिक्षा में परिवर्तन: बदलते परिदृश्य' 18 अक्तूबर 2020 को जिसे यूजीसी द्वारा प्रायोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में योद्धाअंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों/सेमिनारों/ कार्यशालाओं में शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ।

डॉ. सविता अग्रवाल और डॉ. जागृति खेर ने संयुक्त रूप से 19-20 सितंबर 2022 को आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित जलवायु और मौसम संबंधी चरम सीमाओं नए आयाम, चुनौतियां और समाधान आईसीसीडबल्यूई 2022 पर एक ऑनलाइन सेमिनार में 'बिल्डिंग रेजिलिएशन टू क्लाइमेट चेंज: रोल ऑफ क्वांटिफाइंग जेंडर एंड क्लाइमेट रिलेटेड रिस्क' नामक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर चारू गुप्ता ने 11-13 नवंबर 2022 के दौरान उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए वस्त्रों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन 'टेक्सटाइलटेक -2022' में 'कवक से कपड़ा रंग' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर ज्योति अग्रवाल ने 34वें 'महाविद्यालय के छात्रों के बीच टिकाऊ कपड़ों के प्रति खरीदारी के इरादे और खरीद व्यवहार के बीच अंतर का पता लगाना' शीर्षक से 15-17 दिसंबर 2022 को सेंट टेरेसा महाविद्यालय, (स्वायत्त) कोच्चि, केरल में होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएसएआई) को द्विवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. वंदना सभरवाल ने न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, मुंबई चैप्टर द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन राष्ट्रीय ई-कॉन्फ्रेंस पौष्टी-कॉन 2023 में 'दिल्ली-एनसीआर की कोविड-19 संक्रमित और असंक्रमित माताओं के बीच स्तनपान संबंधी विश्वास और प्रथाएं' शीर्षक से 27-28 जनवरी 2023 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

जुलाई-2022 से जून 2023 की अवधि के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

एनआईआई में वार्ता और दौरों के आयोजन के लिए विज्ञान सेतु कार्यक्रम शुरू करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सहयोगात्मक शैक्षणिक गतिविधियों के लिए ज़िरत्री महाविद्यालय, आइज़वाल के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

योगान सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ सम्मेलनों में भाग लेने और स्वच्छ वायु कक्ष की स्थापना के

लिए दो वर्षों के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मार्च 2023 से अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, सेमिनार के आयोजन के लिए IWART (भारत) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

डिजिटल मार्केटिंग में अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित करने और छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए ग्लोबल हनी बी के साथ एक वर्ष के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

ई-कचरा संग्रह अभियान: 'एटेरो रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड' के सहयोग से 18-21 अप्रैल 2023 तक एक सप्ताह तक चलने वाला ई-कचरा संग्रह अभियान आयोजित किया गया।

भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) के सहयोग से 18-21 अप्रैल 2023 तक प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण अभियान आयोजित किया गया।

टिकाऊ कृषि पद्धतियों की आवश्यकता और महत्त्व पर जोर देने के लिए कृषिकुल नेचुरल फार्म्स के सहयोग से 21 अप्रैल 2023 को स्थानीय किसानों के साथ जैविक खेती पर इंटरैक्टिव बैठक भी आयोजित की गई।

7 सितंबर 2022 को जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के सहयोग से "रेज़्यूमे बिल्डिंग और पर्सनल ब्रांडिंग" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

24 सितंबर 2022 को अपस्कूल के सहयोग से ऑनलाइन मोड में एक वेबिनार आयोजित किया गया और 3 मार्च 2023 को अपस्कूल के सहयोग से 'आजीविका मेला' आयोजित किया गया।

4 नवंबर 2022 को नेक्स्ट आईएएस के सहयोग से "सिविल सेवाओं पर आजीविका" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

17 अगस्त 2022 को आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए 'रेड क्रॉस' के सहयोग से रक्तदान अभियान आयोजित किया गया।

प्रतिसंधि' के सहयोग से मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मैत्री' का आयोजन 23 मार्च 2023 को किया गया और गूंज और पी सेफ के सहयोग से मासिक धर्म स्वच्छता पर कार्यकलाप आयोजित की गईं।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 149 (सभी कार्यक्रमों सहित)

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 45%

नियोजन के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या।

नियोजन के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या- 31

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

संस्थान में 'ईच वन इनेबल वन' कार्यक्रम बी.एससी. पर केंद्रित है। गृह-विज्ञान के छात्र समुदाय के साथ डिजिटल साक्षरता कौशल साझा कर रहे हैं। जुलाई 2022 से अप्रैल 2023 तक चलने वाले, छात्रों ने समुदाय से शिक्षार्थियों का चयन किया और 30 घंटे का व्यावहारिक डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया, जिसमें आवश्यकता-आधारित मूल्यांकन और उपयोगी दैनिक ऐप्स सिखाना शामिल था। इस वर्ष का ध्यान माताओं को डिजिटल साक्षरता प्रदान करने पर था, जिसका समापन 'प्रत्येक एक सक्षम एक मेला' में हुआ। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य और सुरक्षा ऐप्स पर छात्रों द्वारा विकसित शैक्षिक सामग्री प्रदर्शित की गई, जिसमें 120 उपस्थित लोगों ने महिलाओं के लिए लाभकारी ऐप्स के बारे में जानकारी प्राप्त की। डॉ. ज्योति अग्रवाल ने 31 जनवरी एवं 1 फरवरी 2022 को बरेली में हाशिये पर पड़ी महिलाओं के कौशल उन्नयन हेतु क्रोशिया पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

गृह-विज्ञान विभाग (खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी) ने पूरे वर्ष ऑनलाइन/ऑफ़लाइन मोड में अनेक सामुदायिक आउटरीच सत्र आयोजित किए।

सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम-पोषण एवं देखभाल की सूची (राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर 2022)"पोषण माह" के भाग के रूप में सितंबर माह में आयोजित किया गया था। विभाग ने 21 सितंबर 2022 को नेब सराय, दिल्ली में एक आंगनवाड़ी केंद्र में एक सामुदायिक आउटरीच का आयोजन किया। खाद्य और पोषण में परास्नातक के पांच छात्रों के नेतृत्व में, कार्यक्रम गर्भवती, स्तनपान कराने वाली महिलाओं और परिवार के सदस्यों को स्तनपान और शिशु और शिशु स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित करने पर केंद्रित था। छोटे बच्चों को दूध पिलाने की प्रथाएँ। पोषण संचार सहायता का उपयोग करते हुए, सत्र में मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया, जिसमें प्रारंभिक जीवन पोषण का महत्त्व, पहले छह महीनों के लिए विशेष स्तनपान और उचित पूरक आहार शामिल हैं। प्रश्नों के माध्यम से संवादात्मक जुड़ाव ने प्रभावी संचार सुनिश्चित किया।

न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली चैप्टर के सहयोग से, महाविद्यालय ने 24 जनवरी 2023 को केंद्रीय विद्यालय, आईएनए में बाजरा जागरूकता आउटरीच का आयोजन किया। स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों ने 6वीं से 10वीं तक शिक्षा प्राप्त की। ग्रेड के छात्रों ने बाजरा, नियमित आहार में उनके महत्त्व और स्वस्थ व्यंजनों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी छात्रों द्वारा एक नाटक, एम.एससी. से पोषण संबंधी अंतर्दृष्टि शामिल थी। खाद्य पोषण के छात्र, और व्यंजन साझा कर रहे हैं। स्कूली विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के अनाजों से युक्त गिफ्ट हैंपर वितरित किए गए।

खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने महाविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए 'आहार परामर्श केंद्र' की शुरुआत की, जिसका उद्घाटन 23 सितंबर 2022 को पोषण माह के दौरान किया गया था। 26 सितंबर 2022 से संचालित, केंद्र आईएचई छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को अनुकूलित आहार योजना और परामर्श प्रदान करता है।

एम.एससी. खाद्य और पोषण के छात्र नवंबर 2022 में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एनीमिया मुक्त भारत अभियान में शामिल हुए। इसके साथ ही, महाविद्यालय कैंटीन ने स्वस्थ भोजन को प्रोत्साहित करने के लिए बाजरा-आधारित उत्पादों की शुरुआत की। छात्रों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण द्वारा एक सफल जागरूकता अभियान के परिणामस्वरूप नियमित व्यंजनों में बाजरा को शामिल किया गया। बाजरा, पालक,

चीला और रागी मफिन जैसे लोकप्रिय व्यंजनों को निर्देशात्मक वीडियो के साथ जोड़ा गया, जिससे छात्रों के बीच बाजरा के बारे में जागरूकता और खपत में काफी वृद्धि हुई।

वायसिस, मानसिक स्वास्थ्य सोसायटी, महाविद्यालय में मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभियानों, कार्यशालाओं और परीक्षा-पूर्व वाद-विवाद प्रतियोगिता सहित प्रभावशाली ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से, वायसिस ने पांच हजार से अधिक ऑनलाइन और लगभग दो सौ ऑफ़लाइन प्रतिभागियों को शामिल किया है। सोशल मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए, समाज ने मूल्यवान मानसिक स्वास्थ्य संसाधन प्रदान किए और एक सहायक वातावरण बनाया। वायसिस के प्रयासों का महाविद्यालय समुदाय के मानसिक स्वास्थ्य परिदृश्य पर सकारात्मक और गहरा प्रभाव पड़ा है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 25000 से अधिक संसाधन सामग्रियों का संग्रह है जिसमें पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, शोध और जर्नल के पिछले संस्करण शामिल हैं। यह 1500 से अधिक छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों की जरूरतों को पूरा करता है। पुस्तकालय सर्कुलेशन सेवाएं कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित हैं। पुस्तकालय में अस्सी छात्रों की बैठने की क्षमता वाले दो वाचनालय हैं।

पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने 1,93,945/- रुपये मूल्य की 187 नई पुस्तकें खरीदीं। इसके अलावा, पुस्तकालय अपने संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों को ई-संसाधन भी प्रदान करती है जो दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय सिस्टम (डीयूएलएस) द्वारा सदस्यता ली जाती है। ई-संसाधनों में ई-डेटाबेस, ई-पुस्तकें, डीयूएलएस और ई-शॉड सिंधु द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-जर्नल्स शामिल हैं। महाविद्यालय के पास N-LIST की सदस्यता भी है। पुस्तकालय अपने संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और स्नातकोत्तर छात्रों (डीयूएलएस रिमोट एक्सेस प्लेटफॉर्म) को रिमोट एक्सेस सेवा प्रदान करती है। छात्रों को पुस्तकालय संसाधनों से परिचित कराने के लिए पुस्तकालय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुस्तकालय यूआरकुंड का उपयोग करके संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों को साहित्यिक चोरी जांच सेवाएं प्रदान कर रही है। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए सॉफ्टवेयर और पुस्तकों के कुशल वितरण के लिए तीन नए डेस्कटॉप कंप्यूटर जोड़े गए हैं।

संकाय संख्या

कुल स्वीकृत पदों की संख्या:89

स्थायी संकाय की कुल संख्या:45

तदर्थ संकाय की कुल संख्या:43

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

उपयोगित अनुदान: वेतन रुपए 35,85,88,000/- और वेतन से इतर रुपए 40,00,000/-

आवंटित अनुदान: वेतन रुपए 37,45,31,338/- और वेतन से इतर रुपए 1,85,90,000/-

***

मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इभास)

संक्षिप्त विवरण

1993 में जनहित याचिका के निर्णय में उच्चतम न्यायालय के आदेश द्वारा मानसिक रोग अस्पताल, शाहदरा को 'मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास)' में बदल दिया गया था। तब से इहबास ने कस्टोडियल केयर सेटिंग को आधुनिक न्यूरोसाइकिएट्रिक इंस्टीट्यूट में बदलने की अपनी यात्रा में एक लंबा सफर तय किया है और आज दिल्ली में सबसे बड़े सुपर स्पेशियलिटी तृतीयक देखभाल केंद्रों में से एक है जो विशेष रूप से न्यूरोसाइकिएट्रिक और व्यवहार संबंधी बीमारियों के लिए समर्पित है।

संस्थान अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रगति कर रहा है, जो इस प्रकार हैं:

I. मानसिक स्वास्थ्य, तंत्रिका विज्ञान, व्यवहार और संबद्ध विज्ञानों में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाली सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना।

II. मानसिक स्वास्थ्य, तंत्रिका विज्ञान और व्यवहार विज्ञान के क्षेत्र में उच्च स्तर के शोध का संचालन करना।

III. वर्तमान हित पर मानसिक स्वास्थ्य, तंत्रिका विज्ञान और व्यवहार विज्ञान और शोध गतिविधियों के क्षेत्र में एम.डी., डी.एम., एम. फिल. और पीएच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना।

इहबास एक शीर्ष न्यूरोसाइकिएट्रिक संस्थान के रूप में अस्पताल आधारित देखभाल से परे समुदाय तक रोगी देखभाल सेवाओं का विस्तार करने के लिए लगातार कार्यरत है। इसे दिल्ली के विभिन्न भागों में सामुदायिक आउटरीच सेवाओं, जागरूकता अभियानों, गैर-सरकारी संगठनों, उपयोगकर्ता और देखभालकर्ता समूहों, आरडब्ल्यूए और विभिन्न स्टेकहोल्डरों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम के साथ सक्रिय संपर्क के माध्यम से प्राप्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, समुदायोन्मुखी कार्यक्रम, स्कूली बच्चों के लिए कार्यक्रम जैसे पोस्टर प्रतियोगिता, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां आयोजित की गई ताकि तंत्रिका संबंधी बीमारियों की रोकथाम के लिए सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य और संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। रोगियों और उनके परिवारों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह, स्ट्रोक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) को एनएबीएच प्रत्यायन प्रदान किया गया है, जो 23.3.2022 से चार वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी होगा। सहायक औषधि नियंत्रक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार-32 द्वारा सितंबर 2022 से 2024 तक बीएसयू लाइसेंस का नवीनीकरण और 02 वर्षों के लिए किया गया है।

तंत्रिका-विज्ञान विभाग ने जून 2022 के महीने में डीएनबी तंत्रिका-विज्ञान परीक्षा आयोजित की और डीएनबी तंत्रिका-विज्ञान परीक्षा आयोजित करने के लिए केंद्र के रूप में चुना गया। विभाग को स्ट्रोक सेवाओं के लिए

विश्व स्ट्रोक संगठन से डब्ल्यूएसओ एंगल्स पुरस्कार 2022 और प्लेटिनम का दर्जा मिला। तंत्रिका-विज्ञान विभाग ने डीएनएकॉन में न्यूरो क्विज में पुरस्कार जीता। विभाग के एक संकाय ने अध्यक्ष के रूप में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया।

इहबास में न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग को निदेशक इहबास, प्रोफेसर (डॉ.) आर.के. धमीजा के सक्षम मार्गदर्शन में न्यूरोक्रिटिकल केयर में "पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप (पीडीएफ) पाठ्यक्रम" शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। पहले से मौजूद एलएमओ और संपीड़ित गैसों के अलावा न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग के तहत दबावयुक्त स्विंग सोखन तकनीक (पीएसए) और एक ऑक्सीजन जनरेटर स्थापित किया गया था। इससे इहबास के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति मजबूत हुई है। न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग के तहत सीपीआर प्रशिक्षण केंद्र में लाइफ सपोर्ट और एयरवे प्रबंधन की एक "स्किल लैब विकसित की गई थी।

सम्मान/गौरव

डॉ. अरविंद आर्य को 31 अगस्त 2023 को फैमिली फिजिशियन फोरम के वार्षिक सीएमई में कोविड महामारी में उनके योगदान के लिए फैमिली फिजिशियन फोरम द्वारा "चिकित्सा-रत्न पुरस्कार" मिला। डॉ. आर्य को 17 सितंबर 2022 को एनेस्थीसिया में हाल ही में हुई प्रगति पर सीएमई में "शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए एनेस्थीसिया में अनुकरणीय सेवाओं" के लिए सम्मानित किया गया। उन्होने 9 अक्टूबर 2022 को आईएसए दिल्ली के अध्यक्ष और एचओडी एलएचएमसी डॉ. मैत्रेयी से "आईएसए दिल्ली राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार" भी प्राप्त किया।

डॉ. (प्रो.) राजीव ठाकुर ने आपूर्ति श्रृंखला के लिए आईसीएमआर, नाको और राज्य सरकार के साथ समन्वय करते हुए विभिन्न आणविक नैदानिक किटों की योजना, आयोजन, मानकीकरण और सत्यापन किया, एचआई, न्यूरोट्रोपिक वायरस और कोविड-19 के लिए रीयल-टाइम पीसीआर आयोजित करने के लिए प्रयोगशाला कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया।

छात्र उपलब्धियां

इहबास के कर्मचारियों और छात्रों के लिए 'बेटी बचाओ' विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में नर्सिंग छात्रा उस्मा (नर्सिंग छात्र), भरत (जनरल स्टोर) और विकास कुमार ने क्रमश: पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

शोध प्रकाशन

शर्मा, एम., धनखड़, एम., कुमार, डी. (2022)। कुंडलिनी चक्रों का जागरण मनोविकृति के रूप में प्रस्तुत करना-एक केस रिपोर्ट। *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन.* 44: 526-528

चतुर्वेदी, एम., झा, डी., एंथोनी, ए., माहेश्वरी, एस. (2023)। खोपड़ी का आधार लीक होना-स्फेनोइड साइनस से जुड़े सहज मस्तिष्कमेरु द्रव (सीएसएफ) रिनोरहिआ के दो मामलों की इमेजिंग। *एक्टा साइंटिफिक न्यूरोलॉजी* 23-27।

प्रजापति, एन., कुमार, एम., शर्मा, वी.(2022) लिथियम मोनोथेरेपी के प्रोफिलैक्सिस पर यूथिमिक द्विध्रुवी रोगियों में संज्ञानात्मक शिथिलता। *इंडियन जेएल. ऑफ़ साइकाइट्री,* .64 (4)।

झा, एम., शर्मा, वी., एंथोनी, ए. (2022) सामान्य जनसंख्या पर कोविड-19 के पोस्ट ट्रॉमेटिक प्रभाव। *इंडियन जर्नल ऑफ़ क्लीनिकल साइकोलॉजी.* 49(1):33-39.

झा, एम., शर्मा, वी., एंथोनी, ए. (2022) सामान्य जनसंख्या पर कोविड-19 के पोस्ट ट्रॉमेटिक प्रभाव। *इंडियन जर्नल ऑफ़ क्लीनिकल साइकोलॉजी.* 49 (1), 33-39.

शर्मा, पी., गर्ग, एमके, चतुर्वेदी, एस., पंत, आई. (2023)। बाल चिकित्सा इंट्रावेंट्रिकुलर कैवर्नस हेमांगीओमा: एक न्यूरोलॉजिकल दुर्लभता। *जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक* से उपलब्ध: https://www.pediatricneurosciences.com/preprintarticle.asp?id=368804.

शर्मा, केके, श्रीनिवासन, एम., सरकार, एस., कौर, आर., शर्मा, वाई., वेंकटेशन, एल., गुप्ता, एस., वेणुगोपाल, ए. (2023)। कोविड-19 देखभाल में तैनात स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों के बीच अवसाद, चिंता, अनिद्रा और संकट। *इंडियन जे साइएनएसजी [सीरियल ऑनलाइन]* 20:28-35 से उपलब्ध: https://www.ijpn.in/text.asp?2023/20/1/28/380348

मृणाल, एम., खुराना, एस., सेगन, एम., जनार्दन, आर., उपाध्याय, पीके (2022)। वर्तमान परिदृश्य में लोक दंत चिकित्सकों की दुर्दशा का एक नृवंशविज्ञान/*एक्टा साइंटिफिक मेडिकल साइंसेज* 6.9: 24-36।

सिंह, आर., रानी, ए. (2022)। हाथ वरीयता (एचपी), प्रतिभा और रोग-क्या कोई संघ है*? आईजेईस्ट, 7(12)*, 14-20।

धमीजा, आरके, सलूजा, ए. (2022)। सेरेब्रोवास्कुलर रोग से जुड़े दौरे: एक भारतीय तृतीयक देखभाल केंद्र से अनुभव। *न्यूरोलॉजी इंडिया* 1;70(5):2279.

शोध परियोजनाएं

सरकार ने कार्यशाला और सामुदायिक कार्यकलापों के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरूपयोग के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के माध्यम से भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीडीडीआर) परियोजना और डॉ. दीपक कुमार और डॉ. श्रुति गर्ग के रूप में प्रधान अन्वेषकों को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

परियोजना हकदार, 'सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और सामुदायिक केंद्रों में ओएसटी वितरण में सक्षमकर्ताओं और बाधाओं को समझना' (फंडिंग एजेंसी-नेशनल एड्स कंट्रोल सोसाइटी) और प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर्स के रूप में डॉ. दीपक कुमार, डॉ. महादेव सिंह सेन और डॉ. श्रुति गर्ग।

परियोजना हकदार, 'दिल्ली में वस्तुतः सक्रिय एमएसएम के बीच लक्षित हस्तक्षेपों की ऑफ़लाइन सेवाओं तक पहुंच को प्रभावित करने वाले कारक' (फंडिंग एजेंसी-नेशनल एड्स कंट्रोल सोसाइटी) और प्रधान जांचकर्ता डॉ. दीपक कुमार, डॉ. महादेव सिंह सेन और डॉ. श्रुति गर्ग के रूप में।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दिल्ली के 5 जिलों में छुड़ाए गए बच्चों के लिए बाल देखरेख संस्थानों में कार्यरत बाल-देखभाल संस्थानों में कार्यरत देखभाल करने वालों के प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास नामक परियोजना को प्रायोजित किया गया था। प्रधान अन्वेषक डॉ. प्रेरणा शर्मा और 5 लाख रुपये की स्वीकृत राशि प्रदान की।

परियोजना हकदार, 'कार्डियो और एन्सेफैलोग्राफिक सहसंबंधों का अध्ययन और व्यक्तियों के क्लिनिको-फिजियोलॉजिक प्रोफाइल पर ध्यान का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण' फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, पटना में कार्यात्मक और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित।

सेमिनार का आयोजन

डॉ. मनोज कुमार और डॉ. श्रुति गरगंड द्वारा संयुक्त रूप से 'नशा मुक्त शाहदरा अभियान' नामक सेमिनार 7 अक्टूबर 2022 को डीएम शाहदरा के सहयोग से जीबीएसएसएस जनता फ्लैट्स, दिल्ली में आयोजित किया गया था।

विश्व विकलांगता दिवस की पूर्व संध्या पर 'न्यूरोसाइकिएट्रिक डिसेबिलिटी' नामक सेमिनार का आयोजन किया गया था और 6 दिसंबर 2022 को डॉ. मनोज कुमार और डॉ. महादेव सिंह सेन द्वारा दिया गया था।

सम्मेलनों/गतिविधियों का आयोजन

ऑटिज्म जागरूकता सप्ताह 31 मार्च 2022 से 2 अप्रैल 2022 तक मनाया गया।

होली फैमिली महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग के सहयोग से नुक्कड़ नाटक और पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से ऑटिज्म जागरूकता के लिए एक स्वास्थ्य शिक्षा अभियान 1 अप्रैल 2022 को आयोजित किया गया था।

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों और इसके प्रबंधन पर स्वास्थ्य जागरूकता पत्रक तैयार करना और जारी करना।

4 ओपीडी में एलसीडी स्क्रीन के माध्यम से ऑटिज्म जागरूकता वीडियो और सूचना का प्रदर्शन।

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर और इसके प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सभी प्रतिभागियों द्वारा शपथ ली गई।

तंत्रिका-विज्ञान विभाग ने 31 अक्टूबर 2022 को विश्व स्ट्रोक दिवस के अवसर पर नर्सिंग स्टाफ को संवेदनशील बनाने के लिए स्ट्रोक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

तंत्रिका-विज्ञान विभाग ने 14 मार्च 2022 को स्ट्रोक से बचे लोगों के लिए हीलिंग, रिकवरी, पुनर्वास और

सेल्फ केयर सत्र के लिए "ब्रोकन एंड ब्यूटीफुल" डांस मूवमेंट थेरेपी का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. जहाँआरा एम. गजेंद्रगढ़ 21 से 22 मार्च 2023 तक आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर आंध्र प्रदेश में आयोजित 'सामुदायिक स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्य (परिप्रेक्ष्य, चुनौतियां, समाधान और नीतियां)' पर यूजीसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक विशेष आमंत्रित और पैनलिस्ट थीं।

डॉ. संगीता गोटेवाल ने 18 मई 2022 को विश्व युवा केंद्र दिल्ली में आयोजित 'मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हिमांशु सिंह ने महाविद्यालय जाने वाले छात्रों के लिए 29 मार्च 2023 को मेवाड़ विश्वविद्यालय और विश्व युवा केंद्र एनजीओ द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, 'मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण।

प्रोफेसर राजिंदर के धमीजा को 26 अप्रैल 2023 को विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक सेमिनार में 'हील योर माइंड एंड हील योर लाइफ' पर मुख्य भाषण देने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. सुषमा कुमारी ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह (10 अक्टूबर 2022 से 15 अक्टूबर 2022 तक) के दौरान 10 अक्टूबर 2022 को डीएमएचपी क्लिनिक-छतरपुर, दिल्ली में और 14 अक्टूबर 2022 को डीएमएचपी क्लिनिक- तिमारपुर में 'मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सहयोग

वर्ष 2008 से, डॉ.(प्रोफेसर) राजीव ठाकुर की अगुवाई और प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण के तहत विभाग का आणविक सूक्ष्म जीव विज्ञान अनुभाग एआरटी थेरेपी के लिए नाको के जुड़े एआरटी केंद्रों के लिए एचआईवी वायरल लोड मॉनिटरिंग के लिए एक संदर्भ प्रयोगशाला के रूप में काम कर रहा है। नाको के साथ इस सहयोग के साथ, विभाग भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएसीपी) के लिए भी सक्रिय योगदान दे रहा है।

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं का गैप मूल्यांकन दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और दिल्ली सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ रेशनल यूज ऑफ ड्रग्स (डीएसपीआरयूडी) के सहयोग से दिसंबर 2022 से मार्च 2023 तक आयोजित किया गया था।

पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया और डीएसपीआरयूडी के सहयोग से 19-23 सितंबर 2022 और 28-4 मार्च 2023 तक एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप (सीसीएएमएस) पर प्रमाणपत्र के दो बैच आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 'एनएसी-नेट की समीक्षा कार्यशाला' का आयोजन 14-15 नवंबर 2022 को डब्ल्यूएचओ कंट्री ऑफिस इंडिया, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, एमओएचएफडब्ल्यू और डीएसपीआरयूडी के सहयोग से गुरुग्राम (हरियाणा) में किया गया था।

गुरुग्राम (हरियाणा) में डब्ल्यूएचओ कंट्री ऑफिस ऑफ इंडिया, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, एमओएचएफडब्ल्यू और डीएसपीआरयूडी के सहयोग से 1-2 दिसंबर 2022 और 13-14 दिसंबर 2022 को दो 'संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण' आयोजित किया गया था।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) क्लिनिकों को सामुदायिक जागरूकता पहुंच कार्यकलापों, मानसिक स्वास्थ्य के बारे में चिकित्सा अधिकारियों, नर्सों और अन्य पराचिकित्सीय कर्मचारियों के प्रशिक्षण, समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों के आयोजन और विभिन्न अन्य सूचना, शिक्षा एवं सम्प्रेषण कार्यकलापों में शामिल किया गया था। हेल्थ एक्सपो: यह 25-27 फरवरी 2022 तक दिल्ली हाट, पीतम पुरा में आयोजित किया गया था। इस एक्सपो में, डीएमएचपी टीम ने जनता के बीच मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करने के लिए एक स्टॉल का आयोजन किया और "मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन और रोगी देखभाल में उत्कृष्टता" के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

मनोरोग और व्यवहार संबंधी विकारों के बारे में सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, रोगियों के दरवाजे तक न्यूरोसाइकिएट्रिक सेवाएं देने के लिए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। सामुदायिक आउटरीच सेवाएं न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करने और मानसिक बीमारी से जुड़े मिथकों को दूर करने में मदद करती हैं।

असुरक्षित आबादी, विशेष रूप से बेघर और घर में रहने वाले गंभीर मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में महत्त्वपूर्ण उपचार अंतराल और कठिनाई को ध्यान में रखते हुए, जनवरी, 2011 में मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास), दिल्ली में (2 मोबाइल मानसिक स्वास्थ्य एककों के साथ) मोबाइल मानसिक स्वास्थ्य एकक सेवा शुरू की गई थी। वर्तमान में दिल्ली के चल मानसिक स्वास्थ्य एकक (एमएमएचयू) सेवा नेटवर्क का विस्तार दो यूनिटों से कुल ग्यारह यूनिटों तक किया गया है। यह उचित कानूनी और नैतिक शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में उपचार की खाई को पाटने के लिए एक अभिनव और विशेष सेवा है। भारत में, यह विशेष सेवा पहली बार सरकार द्वारा संचालित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान इहबास, दिल्ली द्वारा लागू की गई है।

पुस्तकालय विकास

संस्थान पुस्तकालय पुस्तकों और पत्रिकाओं के एक प्रभावशाली संग्रह के साथ केंद्रीय रूप से वातानुकूलित है। पुस्तकालय लैन और इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ एक कंप्यूटर प्रयोगशाला से सुसज्जित है। पुस्तकालय और एक सूचना केंद्र सभी शिक्षण और अन्य विभागों को सूचना सेवाएं प्रदान करता है। इसने संस्थान की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान की शिक्षा और उन्नति को सक्षम किया है।

पुस्तकालय ने मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में पुस्तकों, पत्रिकाओं का एक अद्यतन संग्रह

विकसित किया है। पुस्तकालय में लगभग 15,000 पुस्तकें और अन्य दस्तावेज जैसे बाध्य पत्रिकाएं, थीसिस आदि उपलब्ध हैं। 127 वैज्ञानिक (82 विदेशी और 45 भारतीय) पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई। 2018 तक 17 ई-जर्नल श्रृंखला के साथ करगर-ई संसाधन पैकेज भी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं के लिए प्रिंट सदस्यता और ई-पुस्तकों के साथ उपलब्ध कुछ मुफ्त ई-जर्नल उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में पाठकों और कर्मचारियों के लिए कुछ अच्छी अंग्रेजी और हिंदी साहित्य की पुस्तकों का संग्रह भी है। पुस्तकालय संग्रह में पुस्तकें, पत्रिकाएं, शोध और बैक वॉल्यूम शामिल हैं। पुस्तकों को विभागवार के अनुसार अलमारियों पर व्यवस्थित किया जाता है। बैक वॉल्यूम जर्नल्स को शीर्षक द्वारा अलमारियों वर्णमाला क्रम पर व्यवस्थित किया जाता है।

पुस्तकालय, दस्तावेजों के प्रबंधन के लिए कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है और उपयोगकर्ताओं के लिए ओपेक के माध्यम से दस्तावेजों की खोज की सुविधा प्रदान करता है और दिल्ली विश्वविद्यालय के मूल सॉफ्टवेयर के माध्यम से संकाय सदस्यों, डॉक्टरों और शोधकर्ताओं के लिए साहित्यिक चोरी का पता लगाने की सुविधा भी प्रदान करता है। पुस्तकालय कार्यालय समय के बाद शाम 7.00 बजे तक खुला रहता है उपयोगकर्ताओं को सुविधा प्रदान करना। पुस्तकालय संकाय सदस्यों की सुविधा के लिए संकाय सदस्यों, डॉक्टरों और संस्थान के छात्रों को ऑफलाइन का लाभ उठाने के लिए और राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय (एनएमएल) के ऑनलाइन संसाधनों का विस्तार सुकर करता है।

***

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय (जेडीएमसी) का लक्ष्य युवा महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाना है। 1959 में, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति श्री वी.के.आर.वी. राव ने शहर के धनी समाजसेवियों से दिल्ली में गर्ल्स महाविद्यालय खोलने के लिए आगे आने की अपील की। इसके बाद, उसी वर्ष इसकी स्थापना प्रख्यात गांधीवादी श्री बृज कृष्ण चांदीवाला ने की, जिनकी कोई संतान नहीं थी, उन्होंने अपनी सारी विरासत में मिली संपत्ति पारिवारिक ट्रस्ट श्री बनारसीदास चांदीवाला सेवा स्मारक सोसाइटी को दान कर दी, जिसने बदले में उनके दिवंगत की स्मृति में जेडीएमसी की स्थापना को वित्त-पोषित किया। माँ श्रीमती जानकी देवी संस्थापक भाईजी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ इस महाविद्यालय का निर्माण किया। आज जे.डी.एम.सी. डीयू के सबसे विशिष्ट संस्थानों में से एक है। यह उदार कला, सामाजिक विज्ञान, गणित और वाणिज्य में शिक्षा प्रदान करता है और अल्पकालिक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

महाविद्यालय शानदार सुविधाएं, अच्छा बुनियादी ढांचा और महाविद्यालय कैंपस और संबद्धता का समर्पित

प्रशासन प्रदान करता है। इसमें 105 बाहरी छात्रों के लिए एक सुंदर छात्रावास भी है, जिसका उद्घाटन भारत के पूर्व माननीय राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री प्रणब मुखर्जी ने किया था। छात्रावास में उन सभी के लिए क्रेच सुविधाएं भी हैं जिन्हें अपने शिशुओं के लिए इनकी आवश्यकता हो सकती है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

जे.डी.एम.सी. ने अपने दूसरे एनएएसी चक्र में 3.43 के उच्च स्कोर के साथ A+ ग्रेड प्राप्त किया। एनएबीसीबी द्वारा मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित आईएसओ 21001:2018 और आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त करना भी महाविद्यालय के लिए बहुत गर्व की बात है। हम दिल्ली विश्वविद्यालय के एकमात्र महाविद्यालय हैं जिन्हें प्रतिष्ठित ISO 21001 प्रमाणन से सम्मानित किया गया है।

शोध-परियोजनाएं by students.विद्या विस्तार योजना की एक पहल के रूप में, ट्राइब्स: लर्निंग एंड अनलर्निंग ट्राइबल कल्चर (2021 में आयोजित) की सम्मेलन कार्यवाही मई 2022 में प्रकाशित की गई थी। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के सहयोग से संवाद नामक एक ऑनलाइन पैनल चर्चा श्रृंखला। कुल 100 पूर्व छात्रों को विभिन्न विषयों पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था, और उनके लेखों को हंड्रेड वॉयस नामक पुस्तक में संकलित किया गया था; सौ स्व. इसे 21 अप्रैल 2023 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी पूर्व छात्र सम्मेलन में कुलपति प्रो. योगेश सिंह को प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा, 3 अंतरराष्ट्रीय और 11 राष्ट्रीय के अलावा कुल 79 वेबिनार और सेमिनार आयोजित किए गए।

जेडीएमसी-आईक्यूएसी रिसर्च सेंटर ने 11 महाविद्यालय वित्त-पोषित संकाय परियोजनाओं और 4 बाहरी स्रोतों से वित्त-पोषित, महाविद्यालय द्वारा वित्त-पोषित 22 छात्र परियोजनाओं, शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन और छात्रों द्वारा 48 स्वतंत्र शोध-परियोजनाओं की सुविधा प्रदान की।

सम्मान/गौरव

वाणिज्य विभाग की पूनम बेवत्रा को INSPIRA रिसर्च एसोसिएशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ महिला संकाय पुरस्कार से सम्मानित किया गया (1 फरवरी 2023)।

अंग्रेजी विभाग की स्वाति पाल को उनके 60वें स्थापना दिवस (10 जुलाई 2022) पर भारत विकास परिषद द्वारा सशक्त महिला सम्मान से सम्मानित किया गया।

अंग्रेजी विभाग इंदु जैन को इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी (मई-जुलाई 2022) के सहयोग से एरिक ऑरबैक फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

पर्यावरण विज्ञान विभाग सना रहमान को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया। 24 अगस्त, 2022 को पर्यावरण अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उनके शोध प्रबंध, दिल्ली की यमुना नदी में आवास चर के जवाब में आम जल पक्षियों का एक बहु-प्रजाति अधिभोग मॉडलिंग अध्ययन, के लिए डिग्री।

इतिहास विभाग की सौम्या गुप्ता को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय फेलोशिप (2021-23) से सम्मानित किया गया।

शारीरिक शिक्षा विभाग आभा जैन 18 सितंबर 2022 से 5 अक्तूबर 2022 तक महिलाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय शताब्दी समारोह इंटर महाविद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट की सह-संयोजक थीं।

राजनीति विज्ञान विभाग राजश्री चंद्रा को आईडबल्यूएम (मानव विज्ञान संस्थान), वियना, विजिटिंग फ़ेलोशिप (मई-जून 2022) से सम्मानित किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग देबाहुति ब्रह्मचारी ने इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार शोध-पत्र का पुरस्कार प्राप्त किया, जीसस एंड मैरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य असमानता और स्वास्थ्य असमानता के सामाजिक निर्धारकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भविष्य के लिए रणनीतियाँ। (23-24 फरवरी 2023)।

संस्कृत विभाग तनुजा रावल को श्री अरबिंदो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-आर्थिक जिम्मेदारी और समाज और ग्रामीण पर्यावरण में एसोसिएटेड उद्यमशीलता के अवसरों के लिए प्रौद्योगिकी पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैदिक गणित नामक ट्रैक में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति से सम्मानित किया गया। दिल्ली (16-17 मार्च 2023)।

समाजशास्त्र विभाग वंदना मदान को जेडीएमसी में सामाजिक उद्यमिता गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए एमजीएनसीआरई, शिक्षा मंत्रालय द्वारा सराहना प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ (24 अक्तूबर 2022)। बाईस्टैंडर कार्यान्वयन (अगस्त 2022) के लिए परियोजना समन्वयक के रूप में नेतृत्व करने के लिए म्यूएनस्टर विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा मान्यता का inspira प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। वी. राज्यलक्ष्मी को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा (15 फरवरी 2023) (2 वर्ष की अवधि के लिए) महिला अध्ययन और विकास के मानद रिसर्च फेलो (डब्लूएसडीसी) (2 वर्ष) नामक फेलोशिप से सम्मानित किया गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

एशियन एजुकेशन ग्रुप द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज बास्केटबॉल प्रतियोगिता में बी कॉम तृतीय वर्ष की अर्पिता कुमारी को द्वितीय रैंक से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष की आकांक्षा पांडे ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन इंजीनियरिंग, साइंस एंड मैनेजमेंट में क्रिप्टो करेंसी में भारतीय युवाओं की निवेश झिझक का सांख्यिकीय विश्लेषण शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी द्वितीय वर्ष की जयंती साहू ने डूडल्स नामक पुस्तक प्रकाशित की।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष की एकता को ढाका, बांग्लादेश में आयोजित हाफ मैराथन मीट में भारतीय टीम में चुना गया।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष की मंजू और सोनू दोनों ने स्वर्ण पदक जीता, दिल्ली की टीम ने नैनीताल में आयोजित अखिल भारतीय 5-ए-साइड महिला हॉकी टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक और चैम्पियनशिप जीती।

प्रकाशन

महिला सशक्तिकरण और लिंग समावेशन कोष: राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 में समान और समावेशी दृष्टि। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड एनालिसिस (IJIRA), 2 (3 (I)): 144-15।*

महिलाओं के खिलाफ फेसबुक (मेटा) विज्ञापनों पर बॉडी-शेमिंग सामग्री का विश्लेषण और विनियमन। *प्रबंधन और कंप्यूटर अनुप्रयोगों में उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 11(9): 1-4.*

चौधरी एस. और वशिष्ठ एन. (2022)। वित्तीय साक्षरता और इसके निर्धारक: दिल्ली-एनसीआर से साक्ष्य। *वाणिज्य, प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान में उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 5(1): 154-169.*

सूँघना नहीं चाहिए: मोहन की कहानी। *सेतु, पिट्सबर्ग, यूएसए। एनए (एनए): एनए।*

क्लोरेला सोरोकिनियाना और राल्स्टोनिया पिकेटी के बीच लौह-निर्भर पारस्परिकता एक स्थायी बायोरेमेडिएशन प्रणाली का आधार बनाती है। *आईएसएमई संचार।*2(1): 83.

गुप्ता एस. ईटी.एआई. (2022). दुनिया के खाद्य पदार्थों का अनुवाद: खाद्य पदार्थों के अनुवाद की चुनौतियों और विजय पर एक गोलमेज चर्चा। *गैस्ट्रोनोमिका: द जर्नल फॉर फूड स्टडीज।*22(2): 2-14.

भारद्वाज आर., और मुरलीधर एन. (2023)। कल्याण की खोज: एक समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य। *क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल.*11(1): 305-318.

अरोड़ा आर., मदन एस., गर्ग पी., और सिंह डीके (2022)। हिमालयी देशों में फैले कोविड-19 का विश्लेषण। *गणितीय विज्ञान में अग्रिम और अनुप्रयोग।* 21(6): 3249-3263.

भारतीय लोक विद्या का सांस्कृतिक लोकाचार। नाद नर्तन-जर्नल ऑफ डांस एंड म्यूजिक। 10(2): 17-21.

चंद्रा आर. (2022)। भारतीय राष्ट्रवाद की एक भारतीय आलोचना। *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक।*58(34):

जर्नल

पाल एस., गर्ग एस., मदन वी., गुप्ता एस., शीमर टी., शर्मा टी. (2023)। परिप्रेक्ष्य- एक अंतःविषय, द्विभाषी, सहकर्मी-समीक्षित ई-जर्नल। वार्षिक। III(एनए): 1-242.

शोध-परियोजनाएं

इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "कपड़ा उद्योग के अपशिष्ट जल में विकसित एरोमैटिक एमाइन से पर्यावरणीय व्यापकता और उभरते पर्यावरणीय खतरे"। 5 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. दीपक रावत (ईवीएस विभाग)।

कला और मानविकी अनुसंधान परिषद, यूनाइटेड किंगडम द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "भूला हुआ भोजन: पाक स्मृति, स्थानीय विरासत और भारत में लुप्त कृषि विविधताएँ"। 21 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. सौम्या गुप्ता।

वूमेन पावर कनेक्ट, नई दिल्ली द्वारा वित्त-पोषित परियोजना, जिसका शीर्षक है, "कोविड के दौरान

अविवाहित महिलाओं और पुरुषों के खिलाफ हिंसा"। स्वीकृत राशि 0.16 लाख रूपये। पीआई: डॉ. वंदना मदान।

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा वित्त-पोषित परियोजना, जिसका शीर्षक है, "दिल्ली में चिकित्सा पर्यटन के प्रभाव का समाजशास्त्रीय विश्लेषण"। स्वीकृत राशि 0.30 लाख रूपये। पीआई: प्रो. रूबी भारद्वाज (समाजशास्त्र विभाग) और सुश्री निर्मला मुरलीधर (एचडीएफई विभाग)।

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "आध्यात्मिक उपचार पद्धतियाँ - आंध्र प्रदेश और राजस्थान का एक केस स्टडी"। स्वीकृत राशि 0.30 लाख रूपये। पीआई डॉ. जितेंदर गिल (अंग्रेजी विभाग) और वी. राज्यलक्ष्मी (समाजशास्त्र विभाग)।

मंजूर/दायर पेटेंट

लागू नहीं

आयोजित संगोष्ठी

10 अक्तूबर 2022 को अर्थशास्त्र विभाग, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर जयन जोस थॉमस द्वारा 'श्रम और मैक्रो-अर्थव्यवस्था: भारतीय अनुभव' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

14 मार्च 2022 को वीकेराम आदित्य सहाय, कार्यकर्ता द्वारा '21वीं सदी में भारत में विचित्र कानूनी सुधारों को नेविगेट करना' शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

प्रोफेसर सुषमा यादव, सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और पूर्व कुलपति, बी.पी.एस महिला विश्वविद्यालय द्वारा 27 जुलाई 2022 को 'छात्रों और कर्मचारियों को संवैधानिक दायित्वों के प्रति संवेदनशील बनाना' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

30 अक्तूबर 2022 को डॉ. रितुपर्णा भट्टाचार्य, सीनियर फेलो, एडवांस एचई यूके और एडजंक्ट प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी द्वारा 'एएफएसपीए और लैंगिक हिंसा, लिंग' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

16 दिसंबर 2022 को मैग्सेसे पुरस्कार विजेता और सफाई कर्मचारी आंदोलन के संस्थापक डॉ. बेजवाड़ा विल्सन द्वारा 'मैनुअल स्कैवेंजिंग और इसका पर्यावरणीय प्रभाव' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

15 फरवरी 2022 को 'सूफी कवियों और संतों' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

11 जुलाई 2022 को 'जनसंख्या और पर्यावरण: विमर्श' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

16 नवंबर 2022 को 'लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम' पर एक जेंडरलॉग का आयोजन किया गया।

10 अप्रैल 2023 को 'राइटर्स फेस्टिवल-कॉन्फ्रेंस' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

27 अप्रैल 2023 को 'मेट्रोपोलिस एंड मार्जिन्स: शिफ्टिंग पर्सपेक्टिव इन लिटरेरी एंड लैंग्वेज स्टडीज' विषय

पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

सुषमा मौर्य ने 11 जनवरी 2023 को वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग इन इंडिया- ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड लिस्टेड कंपनीज" शीर्षक से एक शोध-पत्र लिखा।

साक्षी बंसल ने 25 नवंबर 2022 को 5वें सीआईईएमबी में नेशनल इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी, हनोई, वियतनाम द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सुधार के बाद की अवधि में भारतीय राज्यों में अभिसरण की गतिशीलता" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो स्वाति पाल ने गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, गांधी स्मृति और दर्शन समिति द्वारा दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन और सतीजा फाउंडेशन फॉर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, कॉन्फ्रेंस सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित 'नए भारत के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचा, सूचना और नवाचार' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता (10-12 नवंबर 2022) दी।

दीपक रावत को 11 अक्टूबर 2022 को शैवाल बायोमास संगठन द्वारा आयोजित 2022 अल्गल बायोमास शिखर सम्मेलन में "औद्योगिक कचरे के सतत बायोरेमेडिएशन के लिए क्लोरेला सोरोकिनियाना और राल्स्टोनिया पिकेट्टी के बीच लौह-निर्भर पारस्परिकता" पर वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

निर्मला मुरलीधर ने 5 नवंबर 2022 को देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्राकृतिक उत्पादों और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 2022 में "सामुदायिक जागरूकता के लिए स्वयंसेवा: बच्चों में रेटिनोब्लास्टोमा के लिए स्क्रीनिंग" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सौम्या गुप्ता को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (28 अक्टूबर 2022) में शेफील्ड विश्वविद्यालय और जेडीएमसी द्वारा आयोजित फॉरगॉटन फूड प्रोजेक्ट द्वारा आयोजित जश्न-ए-रामपुर पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड टाइम्स में मौखिक इतिहास का संग्रह" पर एक व्याख्यान के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

अंग्रेजी विभाग की इंदु जैन ने 'सपने में क्या है? नारीवादी रंगमंच में सपनों के सामाजिक आयाम', जुलाई 2022 के महीने में एरिक ऑरबैक व्याख्यान श्रृंखला, कोलोन विश्वविद्यालय में।

गणित विभाग की रितु अरोड़ा ने गणित विभाग, शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्लेषण और इसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएए-23) में 'बाउंड्स फॉर करेक्शन ऑफ एम-रिपीटेन बर्स्ट्स ऑफ लेंथ बी (फिक्स्ड) इन मल्टीपल सब-ब्लॉक्स' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया (28 फरवरी 2023)।

राजश्री चंद्रा को 27 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय आईडबल्यूएम (मानव विज्ञान संस्थान), वियना द्वारा आयोजित आईडबल्यूएम, वियना में फेलो कोलोक्वियम में "कानून द्वारा शासन और सत्तावादी लोकतंत्रों का निर्माण" पर एक व्याख्यान के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

शालिनी सिंह ने समस्या संरचना के पीछे की राजनीति पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "नीति निर्माण के साथ लोकलुभावनवाद का संवाद: समकालीन भारत में कृषि नीति प्रक्रियाओं को क्या सूचित करता है, इसका एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। नीति डिजाइन और कार्यान्वयन में समस्या संरचनाओं का निर्माण और प्रभाव, सार्वजनिक नीति की तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक नीति संघ, बुडापेस्ट, हंगरी द्वारा 28 जून 2022 को आयोजित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

रिपुदमन चैरिटेबल ट्रस्ट-विविधता और समावेशन पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित करके छात्रों/कर्मचारियों की क्षमता निर्माण को बढ़ाना।

स्वच्छ से हरित- ई-कचरे और इसके खतरों के बारे में जागरूक करने और छात्रों और कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में शिक्षित करने के लिए, कुछ सहभागिता कार्यकलाप आयोजित करना।

शक्ति शालिनी-एक्टस जेडीएमसी के परियोजना डेलारा के तहत एक्टस जेडीएमसी और शक्ति शालिनी एनजीओ के बीच होने वाले सहयोग के लिए रूपरेखा प्रदान करना।

सेवा के लिए गिल्ड -वृंदावन की विधवाओं के उत्थान के लिए एक नीतिगत ढांचा तैयार करना और संबंधित अधिकारियों को सिफारिशें भेजना।

जेडीएमसी किचन गार्डन के लिए सुश्री पारुल डागा-महाविद्यालय कैंपस में पारिस्थितिक बहाली और हरियाली लाने के लिए।

संस्कृत भारती, दिल्ली-स्पोकन संस्कृत शिविर/कार्यशाला/वेबिनार/सम्मेलन आयोजित करना।

वूमेन पावर कनेक्ट-बाईस्टैंडर इंटरवेंशन कार्यक्रम संचालित करने के लिए।

पोसांगीपुर गांव अवाम मंदिर-छात्रों की क्षमता निर्माण और विस्तार और आउटरीच से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करना।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा केंद्र (एमजीएनसीआरई), हैदराबाद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार - शैक्षिक, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और ग्रामीण विकास, शिक्षा, प्रशिक्षण और क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग के कार्यक्रमों के लिए एक रूपरेखा स्थापित करना।

इंटर्नशिप कार्यक्रम;

सीएल एजुकेट - शिक्षाशास्त्र श्रृंखला 2022 पर शोध-कार्य प्रकाशित करना

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 82

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियां

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 38

कैंपस में आने वाली कंपनियां बैंकिंग, विपणन, वित्त जैसे क्षेत्रों से थीं।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय अपने शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के साथ-साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में भी दृढ़ रहा। विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप केंद्र (सीईओ-ए) ने मानव विकास और परिवार सशक्तिकरण विभाग (एचडीएफई), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.), राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) और समान अवसर सेल/सक्षम इकाई सहित अन्य के साथ सहयोग किया।

सीईओ-ए के तत्वावधान में एचडीएफई विभाग ने रॉबिनहुड आर्मी के सहयोग से स्वतंत्रता दिवस ड्राइव जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) और सीईओ-ए ने संपर्क साथी फाउंडेशन के सहयोग से अनेक विविध कार्यक्रम आयोजित किए: जहांगीरपुरी स्लम में मासिक धर्म पर एक सत्र; एक रक्तदान अभियान; साक्षी संगठन के साथ साझेदारी में भारत सरकार (युवा मामले मंत्रालय) के तत्वावधान में पॉक्सो अधिनियम पर एक सत्र; राजौरी गार्डन के स्लम क्षेत्र में कपड़ा दान अभियान; गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत मेगा प्लॉगिंग ड्राइव; एनजीओ पेंट इट रेड के सहयोग से, दान उत्सव; रोटारैक्ट, एक गैर सरकारी संगठन के सहयोग से, स्तन कैंसर पर एक सत्र; डीकेएमएस बीएमएसटी फाउंडेशन के सहयोग से रक्त कैंसर जागरूकता विषय पर एक सेमिनार; भारतीय संघर्ष के गुमनाम नायकों के जीवनी रेखाचित्रों पर शादीपुर झुग्गी बस्ती के छात्रों के लिए एक सत्र; स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक भारत, श्रेष्ठ भारत विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता; वंचित स्लम बच्चों के लिए परियोजना एनईईवी एजुकेशन ने 26 जून 2022 से ऑफ़लाइन शिक्षण शुरू किया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) और सीईओ-ए ने निम्नलिखित कार्यक्रमों के लिए सहयोग किया: वसुंधरा-वॉयस फॉर द वॉयसलेस, वैश्विक पशु अधिकारों के मुद्दों से संबंधित जागरूकता फैलाने का एक अभियान; 4 मार्च, 2023 को पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं और जागरूकता रैली के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया; रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 14 जून 2022, विश्व रक्तदाता दिवस 2022 पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। वृक्षारोपण अभियान 2022 के दिन कैडेटों ने महाविद्यालय स्टाफ के साथ महाविद्यालय के लॉन में पौधे लगाए और 2 जून 2022 को ग्रह और इसकी जैव विविधता की रक्षा करने का संकल्प लिया; विश्व तंबाकू विरोधी दिवस 2022, 31 मई 2022 के अवसर पर, कैडेटों ने रचनात्मक और सूचनात्मक पोस्टर के माध्यम से लोगों को तंबाकू की लत के गंभीर परिणामों के बारे में जागरूक करने के लिए एक रैली में भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

जेडीएमसी पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और इसने पुस्तकालय सॉफ्टवेयर को क्लाउड सर्वर पर सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया है।

महाविद्यालय के शिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप अपनी सेवाओं को उपलब्ध और अद्यतन करने का निरंतर प्रयास करता है।

पुस्तकालय कैटलॉग जेमडीएम कोपक.लीज.इन पर 24x7 उपलब्ध है। लिबसिस एक एकीकृत पुस्तकालय

प्रबंधन प्रणाली है जहां सभी हाउसकीपिंग कार्य किए जाते हैं।

उपलब्ध पुस्तकों और जर्नल का डेटाबेस दिन-प्रतिदिन के आधार पर अद्यतन किया जाता है। पुस्तकालय डिजिटल डेटाबेस-एनलिस्ट और सुगम्य पुस्तकालय की सदस्यता भी लेती है और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सब्सक्राइब किए गए सभी डेटाबेस तक पहुंच भी प्रदान करती है।

लैपटॉप के साथ एक अलग संकाय वाचनालय और अनुसंधान कक्ष, 43 छात्रों के लिए एक नव विकसित ई-संसाधन केंद्र और इंटरनेट सुविधा के साथ एक अत्याधुनिक रिकॉर्डिंग कक्ष छात्रों और शिक्षकों के लिए उपलब्ध है।

पुस्तकालय में अधिक पढ़ने की जगह बनाने के लिए, संदर्भ अनुभाग में एक मेजेनाइन मंजिल बनाई गई है, जिससे 50 से अधिक छात्रों के लिए बैठने की जगह है।

दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं को समान पहुंच प्रदान करने के लिए, पुस्तकालय उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपना संग्रह विकसित कर रहा है। इसने ई-रिसोर्स सेंटर में 5 लैपटॉप में स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर स्थापित किया है और एक विशेष कमरा भी बनाया है जिसमें 7 लैपटॉप में स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर, एडिटिंग सॉफ्टवेयर के साथ स्कैनर, ब्रेल पुस्तकें और टॉकिंग बुक्स हैं।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 90184
जर्नल की कुल संख्या: 72

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 154

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 54.22 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 61.48 करोड़

***

जीसस और मैरी महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

जीसस एंड मैरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय, 1968 में जीसस एंड मैरी कांग्रेगेशन द्वारा स्थापित किया गया था। इस धार्मिक मंडली की स्थापना 1818 में ल्योन (फ्रांस) में सेंट क्लॉडाइन थेवेनेट द्वारा की गई थी। महाविद्यालय की शुरुआत एक विभाग की पेशकश के साथ हुई थी अंग्रेजी (ऑनर्स) और बी.ए. (पास) कार्यक्रम 116 छात्रों के नामांकन के साथ। कुछ वर्षों के अंतराल में छात्रों को अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, हिंदी, मनोविज्ञान, बी.कॉम और बी.कॉम पास सहित ऑनर्स कार्यक्रमों के अन्य विकल्प उपलब्ध कराए गए। वर्ष 2000 में महाविद्यालय के सामने वाली सड़क का नाम बदलकर

'जीसस एंड मैरी महाविद्यालय मार्ग' कर दिया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री सुश्री शीला दीक्षित और दिल्ली के आर्कबिशप हिज ग्रेस एलन डी लास्टिक ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। 2006 में एक पूरी तरह से सुसज्जित अत्याधुनिक बहुउद्देश्यीय हॉल (एमपीएच), जिसका नाम 'सेंट क्लॉडाइन थेवेनेट हॉल' था, का उद्घाटन आर्कबिशप विंसेंट कॉन्सेसाओ द्वारा किया गया और आशीर्वाद दिया गया। 2016 में जेएमसी पीएमकेवीवाई के तहत यूजीसी द्वारा प्रायोजित दो पेशेवर डिग्री प्रोग्राम- बी वोक हेल्थकेयर मैनेजमेंट और बी वोक रिटेल मैनेजमेंट और आईटी शुरू करने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के तीन महाविद्यालयों में से एक बन गया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

जीसस एंड मैरी महाविद्यालय ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त कीं। 2021 में, महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा मान्यता के दूसरे चक्र में 'ए+' ग्रेड से सम्मानित किया गया था। महाविद्यालय ने "स्वास्थ्य असमानता और स्वास्थ्य असमानता के सामाजिक निर्धारकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: कोविड 19 का प्रभाव; भविष्य के लिए रणनीतियाँ" का आयोजन किया, जो स्वास्थ्य असमानताओं को दूर करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। फरवरी 2023 में सामुदायिक सहभागिता केंद्र की स्थापना सामुदायिक आउटरीच के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता का उदाहरण है, जिसका लक्ष्य जागरूकता बढ़ाना और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना है। "फ्यूचर फीमेल फॉरवर्ड" कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो की यात्रा ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और महिला सशक्तिकरण के प्रति महाविद्यालय के समर्पण को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) के साथ सहयोगात्मक प्रयासों में आंध्र प्रदेश के प्रधानाचार्य डिग्री महाविद्यालयों की मेजबानी शामिल थी। लिवरपूल होप यूनिवर्सिटी से डॉ. वेंडी बिग्नोल्ड की यात्रा ने वैश्विक शैक्षणिक संबंधों को मजबूत किया। शैक्षणिक उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए, महाविद्यालय ने एक औपचारिक संकाय अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें विशेष रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर के प्रतिष्ठित पद पर पदोन्नत संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया। ये प्रयास सामूहिक रूप से प्रभावशाली पहल, सामुदायिक जुड़ाव और वैश्विक सहयोग के प्रति जीसस एंड मैरी महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव को फरवरी 2023 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. अर्चना त्रिपाठी को महिला सशक्तिकरण में उनके असाधारण कार्य के लिए सक्षम सोसायटी, जयपुर द्वारा सम्मानित किया गया, और जुलाई 2022 में हिंदी साहित्य में उनके योगदान के लिए प्रलेख उदय नाथ स्मृति सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

डॉ. नीलिमा चिटगोपेकर ने फरवरी 2023 में ऋषिकेश में शक्ति कुंभ अंतर्राष्ट्रीय बैठक में मुख्य वक्ता के

रूप में कार्य किया।

डॉ. शेरोन पिल्लई ने यूनाइटेड किंगडम के रूटलेज में जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज के संपादकीय बोर्ड में कार्य किया।

सुश्री मोनिका छाबड़ा को नवंबर 2022 में इंस्पिरा-आईआरए अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कारों के हिस्से के रूप में इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन (आईआरए) से युवा शोधकर्ता पुरस्कार मिला, और उसी महीने के दौरान उन्हें इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन में सदस्यता से भी सम्मानित किया गया।

प्रियंका मारवाह को सितंबर 2022 में जीनियस ब्रेन और एचआरडी मिशन द्वारा इनोवेटिव टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

डॉ. रूही घई को सितंबर 2022 में एचआरडी मिशन और जीनियस ब्रेन द्वारा इनोवेटिव टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

सुश्री सलोनी अरोड़ा को सितंबर 2022 में एचआरडी मिशन और जीनियस ब्रेन द्वारा इनोवेटिव टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

डॉ. अनुप्रीत विज को दिसंबर 2022 में असाधारण महिला उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

हर्षिता डंगवाल, बी.ए. (कार्यक्रम), 'वेनिस एंड इंडिया- ए बॉन्डेड एपिफेनी' शीर्षक वाले उनके निबंध के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई, जो सन नेटवर्क के सहयोग से सीए फोस्करी विश्वविद्यालय वेनिस द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में शीर्ष तीन निबंधों में से एक था।

अरुणिमा मरवाहा, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में एक सामाजिक प्रभाव परियोजना में सक्रिय भागीदारी के लिए मिलेनियम फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र अकादमिक प्रभाव द्वारा आयोजित एक पहल में, वंचित बच्चों को कानूनी जागरूकता और लिंग संवेदनशीलता से संबंधित विषयों पर शिक्षित करने के लिए साथियों के साथ सहयोग किया।

श्रेष्ठा वर्गीस, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान ने वैश्विक मंच पर निबंध लेखन में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करते हुए मोनोमौसुमी अंतर्राष्ट्रीय रचनात्मक निबंध लेखन प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

एलिजाबेथ मोहन, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित, दिल्ली महिला आयोग द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) में उनके असाधारण योगदान के लिए पचास हजार रुपये के नकद पुरस्कार और एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

कौशिक, पी. (2023)। हाइपरवेंटिलेशन, लिखने और पढ़ने की स्थिति के दौरान क्यूईईजी लक्षण वर्णन: एल वाले छात्रों पर एक प्री-पोस्ट संज्ञानात्मक-व्यवहार मध्यवर्तन अध्ययन। *क्लिनिकल ईईजी और न्यूरोसाइंस*,

01-12.

मारवाह, आर., रामनायके, एस.एस., यास्मीन, एल. (2022)। बिम्सटेक में व्यापार की राजनीतिक अर्थव्यवस्था: एक समकालीन परिप्रेक्ष्य"। *ऑनलाइन*, 23217081.

मिश्रा, एस., गोयल, वाई. (2023)। भारत में पिता बनने और पितृत्व की सांस्कृतिक समझ: जीवित अनुभवों की खोज। *संस्कृति एवं मनोविज्ञान*, 01-34.

मित्तल, डी., रंजन, ए. (2023)। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और भारतीय नागरिकता का बदलता विचार। *एशियाई जातीयता.*24:463-481.

मित्तल, डी. (2022)। विभाजन का वर्णन करना और कलंकित पहचान बनाना: दो भारतीय इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में मुसलमानों के प्रतिनिधित्व का विश्लेषण। *भारत* समीक्षा, 21:329-348.

फिलिप, जे.के. (2022)। गरिमा के लिए भूमि' और 'पहचान के लिए संघर्ष: दक्षिण भारत के एक गांव में जाति और वर्ग संबंधों में रुझान। *जर्नल* ऑफ एग्रेरियन चेंज, 23(2), 327-345।

रुचि, बी., सुरेंद्र, एम. (2023)। शिक्षा और स्वास्थ्य अवसंरचना में अंतरराज्यीय असमानताएँ: एक बहुभिन्नरूपी विश्लेषण। *आईएएसएसआई*, 41, 534-548.

शाश्वती, एस., कंसल, पी., सेठी, डी. (2022)। मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में कलात्मक अभ्यावेदन की खोज: मिली हुई कविता का उपयोग करने के लिए एक चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका। *गुणात्मक* रिपोर्ट. 27, 1621-1637.

टोहन, एस., धर्मराज, एस. (2023)। संभाव्य दृष्टिकोण का उपयोग करके एम/एम/1 कतार द्वारा संचालित द्रव मॉडल के समय-निर्भर समाधान पर। *इंटरनेशनल* जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 46, 65-72।

जर्नल

जेएमसी समीक्षा: आलोचना, अभ्यास और सिद्धांत का एक अंतःविषय सामाजिक विज्ञान जर्नल। वार्षिक रूप से प्रकाशित. 5: 001 - 301. मुख्य संपादक: प्रो. सैंड्रा जोसेफ संपादक: सांध्य देवेसन नांबियार संपादक: प्रो. रीना मारवाह। (2022-23)।

शोध-परियोजनाएं

परियोजना शीर्षक, 'नियोक्ताओं की निजी शक्ति और अनिश्चितता से परे: भुगतान किए गए घरेलू काम को नगरपालिका बनाने से सभी को लाभ होगा' वर्ष 2022-2023 के लिए 40,000/- रुपये की राशि के लिए रोजा लक्जमबर्ग स्टिफ्टंग द्वारा प्रायोजित।

वर्ष 2022 - 2023 के लिए 5 लाख रुपये की राशि के लिए आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'एशियाई सुरक्षा' नामक परियोजना।

आयोजित संगोष्ठी

23 अगस्त 2022 को पार्टिसिपेटरी रिसर्च इन एशिया (पीआरआईए) के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. राजेश टंडन द्वारा 'सामुदायिक सहभागिता अनुसंधान और सामाजिक उत्तरदायित्व: उच्च शिक्षा में शिक्षकों की भूमिका' नामक एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

28 अक्तूबर 2022 को दो दिवसीय राष्ट्रीय छात्र संगोष्ठी के दौरान न्यूज लॉन्ड्री के सह-संस्थापक और सीईओ अभिनंदन सेखरी द्वारा 'मीडियेटेड डिस (नाटक): वेब 2.0 के बाद टेक्स्ट का भविष्य' शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई था।

2 सितंबर 2022 को डीआरडीओ की वैज्ञानिक डॉ. स्वाति मुखर्जी द्वारा 'राष्ट्रीय पहचान: मुद्दे और चुनौतियां' नामक एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

डीयू शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में, महाविद्यालय ने 'स्वास्थ्य असमानता और स्वास्थ्य असमानता के सामाजिक निर्धारक: कोविड-19 का प्रभाव;' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। भविष्य के लिए रणनीतियाँ', 23 और 24 फरवरी 2023 को।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. अमृता शास्त्री ने जुलाई 2022 से जून 2023 तक "लिंग, समाज और विकास: समसामयिक मुद्दे" विषय पर एक समाजशास्त्र संगोष्ठी प्रस्तुत की।

एक अंतरराष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. अनुराधा शर्मा ने सितंबर 2022 के महीने के दौरान "भारत में खेलों में महिलाएं" शीर्षक से एक समाजशास्त्र संगोष्ठी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. अर्चना त्रिपाठी ने जून 2023 के दौरान "जयशंकर प्रसाद के सृजन में राष्ट्रवाद की अवधारणा" शीर्षक से एक हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. अर्चना त्रिपाठी ने जून 2023 के दौरान "छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति में श्री राम" विषय पर एक हिंदी संगोष्ठी दी।

एक अंतर्राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. जोन एंटनी ने मार्च 2023 के महीने में "शैक्षणिक क्षेत्र में महिलाएँ" पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक मनोविज्ञान संगोष्ठी प्रस्तुत की।

एक अंतरराष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. रीना मारवाह ने नवंबर 2022 के महीने में वियतनाम में भारत दिवस समारोह के दौरान आरएमआईटी विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए "भारत-वियतनाम संबंध" पर एक वाणिज्य सेमिनार प्रस्तुत किया।

नेशनल संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. दिव्या अग्रवाल ने नवंबर 2022 माह में "पर्यावरणीय परिवर्तनों का कृषि पर प्रभाव" पर चर्चा करने वाला बी.ए. कार्यक्रम सेमिनार प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

मानव मूल्यों के लिए लिवरपूल होप यूनिवर्सिटी के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मानवीय मूल्यों के लिए वियतनाम सामाजिक विज्ञान अकादमी के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मानवीय मूल्यों के लिए वियतनाम इको पार्क यूनिवर्सिटी के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विद्या विस्तार योजना के तहत सेंट जोसेफ गर्ल्स डिग्री महाविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 119.

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की कुल संख्या: 22

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सामुदायिक सहभागिता केंद्र (सीईसी) ने संजय कैंप, विवेकानंद कैंप और बाबू धाम सोसाइटी के आस-पास के समुदायों के लिए 15 फरवरी 2023 से 19 मई 2023 तक तीन महीने का टेलरिंग कोर्स शुरू किया। केंद्र ने एसिड हमले की हिंसा के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया। 31 मार्च 2023 को एसिड हमलों से संबंधित भारतीय दंड संहिता 1860, सीआरपीसी 1973 और दिल्ली पीड़ित मुआवजा योजना के प्रावधानों के बारे में जानकारी देने के लिए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया था। महाविद्यालय ने मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया और आसपास के समुदाय की महिलाओं को महिलाओं के स्वच्छता उत्पादों का वितरण किया।

जीसस एंड मैरी महाविद्यालय एजुकेशनल प्रोग्राम (जेएमसीईपी) के तहत आस-पास के समुदायों के बच्चों के लिए नियमित शिक्षण और साप्ताहिक नृत्य कक्षाएं आयोजित की गईं।

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई ने 15 से 17 फरवरी 2023 तक जेएमसी परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। एन.एस.एस. इकाई ने विश्व मृदा दिवस के अवसर पर एक वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

इनेक्टस द्वारा विन ओवर कैंसर के सहयोग से एक स्तन कैंसर जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई थी, जिसमें जनवरी 2023 में स्तन कैंसर, इसके उपचार और शुरुआती पहचान के महत्त्व का व्यापक अवलोकन प्रदान किया गया था।

जेएमसी और आईक्यूएसी की ग्रीन सोसाइटी ने राष्ट्रीय ई-कचरा संग्रह अभियान आयोजित करने के लिए *करो संभव* के साथ सहयोग किया। टीम ने उपयोगकर्ता-जनित लिखित सामग्री (सोशल मीडिया जागरूकता पहल) का भी आयोजन किया। जेएमसी की ग्रीन सोसाइटी ने संजय गांधी एनिमल केयर सेंटर के सहयोग

से आवारा जानवरों के कल्याण पर पशु आश्रय यात्राओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ब्लॉक महाविद्यालय कैंपस के केंद्र में स्थित है, जो 1686.81 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में है, और तीन मंजिला है। पुस्तकालय में दो बड़े वाचनालय, स्टैक क्षेत्र, एक संदर्भ अनुभाग और एक ई-संसाधन केंद्र है। महाविद्यालय पुस्तकालय मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक दोनों संसाधनों के लिए एक संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है। पुस्तकालय विभिन्न पाठ्यपुस्तकों और अन्य पठन सामग्री के अलावा संदर्भ स्रोतों (जैसे, विश्वकोश, शब्दकोश, एटलस, वार्षिक पुस्तकें, हैंडबुक आदि) का एक बड़ा संग्रह प्रदान करता है। बेहतर अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए इंफ्लीबनेट- एनलिस्ट और डीयूएलएस डेटाबेस की सदस्यता भी उपलब्ध है।

पुस्तकालय कॉमटेक सर्विसेज द्वारा उपलब्ध कराए गए ड्रडॉन आईएलएमएस सॉफ्टवेयर, संस्करण 5.6 का उपयोग करता है। सॉफ्टवेयर की मुख्य विशेषताएं इसका उपयोग में आसान ग्राफिकल यूआई, बहुभाषी खोज के साथ यूनिकोड समर्थन और अधिकांश रिपोर्टों के लिए निर्यात सुविधा है। पुस्तकालय 'ओपन एक्सेस' प्रणाली पर आधारित है। सॉफ़्टवेयर का ओपेक मॉड्यूल पसंदीदा शर्तों को दर्ज करके पुस्तकालय डेटाबेस की पूर्ण खोज की अनुमति देता है, जिससे सूचना पुनर्प्राप्ति एक निर्बाध प्रक्रिया बन जाती है।

सॉफ्टवेयर का सर्कुलेशन मॉड्यूल सभी सर्कुलेटरी ऑपरेशन्स को कवर करता है; सदस्य रिकॉर्ड बनाने से लेकर उत्कृष्ट पुस्तकों के लिए अनुस्मारक मुद्रित करने तक। डेटाबेस रखरखाव मॉड्यूल में डेटाबेस निर्माण और रखरखाव के संचालन शामिल हैं। यह हाल ही में प्राप्त पुस्तकों पर डेटा के लिए अधिग्रहण मॉड्यूल का उपयोग करता है। पुस्तकालय में पूरी तरह से स्वचालित साहित्यिक चोरी-रोधी सॉफ़्टवेयर, उर्कुड तक भी पहुंच है। वर्ष 2023 में पुस्तकालय के बुनियादी ढांचे में दो सूचना कियोस्क जोड़े गए हैं, जिससे पुस्तकालय में पुस्तकों की खोज करना आसान हो गया है। इन विभिन्न रूपरेखाओं के माध्यम से, जेएमसी पुस्तकालय प्रबंधन के लिए एक आधुनिक, स्वचालित दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

पुस्तकों की कुल संख्या: 62,000

जर्नल की कुल संख्या: 79

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय का विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और महाविद्यालयों के साथ शैक्षणिक सहयोग है, जैसे लोरेटो महाविद्यालय, कोलकाता, सेंट टेरेसा महाविद्यालय, ऑटोनॉमस एर्नाकुलम, लोयोला अकादमी, ऑटोनॉमस सिकंदराबाद, माउंट कार्मेल महाविद्यालय ऑफ टीचर एजुकेशन फॉर वुमेन, कोट्टायम, बिशप कुरियालास्सेरी महिला महाविद्यालयअमलागिरी, लिटिल फ्लावर डिग्री और पीजी महाविद्यालय, उप्पल हैदराबाद, क्लैरेट महाविद्यालय, बैंगलोर, सेंट जोसेफ महाविद्यालय ऑफ टीचर एजुकेशन, मांड्या और सेंट जोसेफ महाविद्यालय, ऑटोनॉमस तिरुचिरापल्ली।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 121
स्थायी संकाय की कुल संख्या : 55
तदर्थ संकाय की कुल संख्या : 66

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 61,06,79,000/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 48,51,12,500/-

***

कालिंदी महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

कालिंदी महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1967 में युवा महिलाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। अपनी 56 वर्षों की यात्रा में महाविद्यालय ने शैक्षणिक रूप से प्रेरक वातावरण को बढ़ावा देने में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है, जिससे इसके छात्रों के लिए परिवर्तनकारी शैक्षिक अनुभव की सुविधा प्राप्त हुई है। महाविद्यालय ने छात्रों को अकादमिक आलोचनात्मक पूछताछ, नागरिक जागरूकता के लिए एक दृष्टिकोण विकसित करने और एक मजबूत नैतिक नींव बनाने के लिए प्रोत्साहित करके अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जगह बनाने की दिशा में निरंतर काम किया है। समृद्ध और परिवर्तनकारी अध्ययन के अनुभव छात्रों को सशक्त और प्रबुद्ध विकास के लिए खुद को अभिव्यक्त करने, तलाशने और विकसित करने में सक्षम बनाते हैं। मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान अनुशासन में पेश किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अलावा, महाविद्यालय कंप्यूटर विज्ञान और पत्रकारिता में प्रतिष्ठित व्यावसायिक डिग्री पाठ्यक्रम, वेब डिजाइनिंग जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विदेशी भाषाओं जैसे ऐड-ऑन पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। तेजी से विकसित हो रही वैश्विक दुनिया। लगभग 179 अच्छी तरह से योग्य और गतिशील शिक्षण संकाय और 75-सदस्यीय कुशल और सहयोगी प्रशासनिक/तकनीकी/सहायक कर्मचारियों की एक टीम के साथ, महाविद्यालय का लक्ष्य अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास प्रदान करना है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को दिसंबर 2022 में एनएएसी के दूसरे चक्र में "ए+" ग्रेड से सम्मानित किया गया था। ट्रांसजेंडर सेल और जेंडर सेंसिटाइजेशन कमेटी के सहयोग से महिला विकास सेल द्वारा 20-21 मार्च 2023 को महिला लीडर्स कॉन्क्लेव और इंटर-महाविद्यालय जेंडर फेस्ट का आयोजन किया गया था। "साधारण महिलाएं: असाधारण जीवन" विषय पर। सुश्री शैली ओबेरॉय (दिल्ली एमसीडी मेयर), लॉकेट चटर्जी (सांसद), महुआ माजी (सांसद), उदित राज (पूर्व सांसद), शुभाशिनी अली (पूर्व सांसद), अखिलेश पति त्रिपाठी (विधायक), संजीव झा (विधायक) जैसे प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, विदुषी कौशिक (एसीपी, दिल्ली पुलिस), रुद्राणी छेत्री (सामाजिक कार्यकर्ता), रीना कुमारी पांडे (सामाजिक कार्यकर्ता) और प्रोफेसर कृष्ण मेनन (एयूडी) इस मेगा-इवेंट के लिए उपस्थित थे।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर अनुला मौर्य को 23 जनवरी 2023 को अंतरराष्ट्रीय माता सावित्री बाई फुले शोध संस्थान, दिल्ली द्वारा 'माता सावित्री बाई फुल्ले स्मृति राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान 2023' से सम्मानित किया गया। उन्हें विश्व हिंदी साहित्य परिषद द्वारा 'विश्व वागेश्वरी सम्मान 2023' से भी सम्मानित किया गया। दिल्ली 21 जनवरी 2023.

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. की तेजल दुआ (ऑनर्स) पत्रकारिता को विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अहमद, सी.वी., गुप्ता, आर., चक्रवर्ती, के., और वर्मा, पी. (2022)। एक्सई-एयू और पीबी टकराव प्रणालियों का आंतरिक-शेल आयनीकरण: एमओ चित्र। *भौतिकी अनुसंधान में परमाणु उपकरण और विधियाँ, बी 531, 9-23.*

कार्बन नैनोट्यूब गैस सेंसोरूपे शोधसंहिता के पुनर्प्राप्ति समय पर टिन ऑक्साइड चरण कार्यात्मकता का प्रभाव: जर्नल ऑफ फंडामेंटल एंड कम्पेरेटिव रिसर्च, IX(5), 334-338।

गुप्ता, एस., आनंद, ए., नीरू., कुमार, आर. (2022)। कार्बन नैनोट्यूब गैस सेंसोरूपे जर्नल ऑफ फंडामेंटल एंड कम्पेरेटिव रिसर्च, IX(5) के पुनर्प्राप्ति समय पर टिन ऑक्साइड कार्यात्मकता का *प्रभाव।*

कुमारी, जी., सज्जाद, एच., रहमान, एम.एच., एमडी मसरूर., रोशनी., अहमद, आर., सहाना, एम. (2023)। जलवायु परिवर्तनशीलता प्रेरित आजीविका भेद्यता: एक व्यवस्थित समीक्षा और भविष्य की संभावनाएँ। *आईबीजी के साथ रॉयल ज्योग्राफिकल सोसायटी, 1-20.*

लकाल, के., क्रिया, एम., एल हमदौई, जे., वर्षा, प्रसाद, वी., नौटियाल, वी.वी., एल-यात्री, एम., पेरेज़, एल.एम., लारोज़, डी. और फ़ेड्डी, ई. (2022) . रशबा स्पिन-ऑर्बिट युग्मन के साथ 2डी सिस्टम में इलेक्ट्रॉन-इलेक्ट्रॉन के चुंबकीयकरण और थर्मोडायनामिक गुणों पर पोलरोनिक सुधार। *जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स,* 551, पृष्ठ 169042।

रजनी., कुमार, एन., कासवान, के.एस. (2022)। ऑटो ट्यूनिंग के लिए सॉफ्ट हंटिंग एल्गोरिदम - सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता विकास मॉडल। *वायरलेस संचार और मोबाइल कंप्यूटिंग, आईएसएसएन:*1530-8669, (प्रिंट)

सौंथवाल, आर.के., सैनी, के.एम., ग्रिमब्लाट, एन., दानोदिया, ए.के., कुमार, एस., गैंडन, वी., वर्मा, ए.के.. (2022)। एल्काइनिलथियोफिनेस के अपरंपरागत एजी-उत्प्रेरित साइक्लोएरोमेटाइजेशन और एयू-उत्प्रेरित डबल सी-एच सक्रियण द्वारा पॉलीएरोमैटिक बायरिल्स तक समीचीन पहुंच। *संगठन. लेट.,* (24), 5018−5022.

सहदेव, एस. (2022)। उत्तर प्रदेश में मैपिंग पार्टी प्रतियोगिता: 2017 विधानसभा चुनावों का एक अध्ययन। *रवीन्द्र भारती जर्नल ऑफ फिलॉसफी, आईएसएसएन:*0973 - 0087 (संख्या: 05 खंड XXIII)।

वर्मा, डी. एट अल. (2022)। थार रेगिस्तान के एक शहर में वायुजनित पराग कणों और कवक बीजाणुओं की व्यापकता। *इंडिया जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, (8) (13), ईआईएसएसएन*0976-9595।

यादव, पी., पार्षद, बी., कृष्णा, शर्मा, ए., कक्कड़, आर., शर्मा, एस.के. (2023)। ट्रायज़ोल-आधारित C3-Cu(II) आयन सेंसर के रूप में सममित बहुसंयोजक डेंड्राइटिक आर्किटेक्चर। *इंडियन जर्नल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी*, (30), 111-116

जर्नल

डॉ. देश राज.(2022-2023). वार्षिक अकादमिक जर्नल. वार्षिक, खंड: XXII ISSN: 2348-9014। 130. सम्पादक (अंग्रेजी अनुभाग)-डॉ चैत्य दास सम्पादक (हिन्दी अनुभाग)।

शोध-परियोजनाएं

परियोजना शीर्षक, कैटफ़िश हेटेरोपनेस्टेस फॉसिलिस में डिम्बग्रंथि कैटेकोलामाइन और स्टेरॉयड के बीच कार्यात्मक चर्चा: डिम्बग्रंथि निषेध का प्रभाव' एसईआरबी-विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित और 19,80,000/- रुपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. वर्षा सिंह।

आयोजित संगोष्ठी

प्रोफेसर एमेरिटस डेविड ने 'साहित्य, पाठ और इतिहास' शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन किया। एल. कर्ली, उदार अध्ययन विभाग, पश्चिमी वाशिंगटन विश्वविद्यालय 25 सितंबर 2022.

17 अक्तूबर 2022 को ब्रॉडकास्ट मीडिया कंसल्टेंट श्री जगदीश राय गर्ग द्वारा 'प्राचीन गणित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बीच विलक्षण संयुक्ताक्षर' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल @ 35: पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करने वाला वैश्विक सहयोग' शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन 16 सितंबर 2022 को डॉ. अमरीशा पांडे एसोसिएट प्रोफेसर (कानून), बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

संगोष्ठी का शीर्षक 'डॉ. बी.आर. अंबेडकर: ए सिंबल ऑफ नॉलेज' प्रोफेसर सुरेश कुमार, डीन ऑफ अफ्रीकन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 28 सितंबर 2022 को आयोजन किया।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. महेश कुलहरिया द्वारा 9 नवंबर 2022 को 'शिक्षा में बौद्धिक संपदा अधिकार' शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर अनुला मौर्य ने संविधान दिवस के अवसर पर अर्थ रिवाइटल फाउंडेशन द्वारा आयोजित "भारतीय महिलाओं द्वारा नेतृत्व: भारतीय समाज में अग्रणी परिवर्तन के अग्रदूत" विषय पर 3 दिवसीय महिला कॉन्क्लेव में 'नारी कारों में डॉ अंबेडकर की भूमिका' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य

और परिवार कल्याण संस्थान, सरकार में। भारत सरकार, दिल्ली 24-26 नवंबर 2022.

प्रोफेसर रचना कुमार ने सेंट मार्टिन इंजीनियरिंग महाविद्यालय, सिकंदराबाद द्वारा " अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी में निरंतरता, स्थिरता और नवाचार" विषय पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एनओ2 गैस के लिए टिन ऑक्साइड कार्यात्मक कार्बन नैनोट्यूब गैस सेंसर में रिकवरी टाइम' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 16-17 सितंबर 2022.

प्रोफेसर पुष्पा बिंदल ने 13-15 मार्च 2023 को एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा "उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण एएफएमडी-2023" पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (जीयूआई): फोटोनिक और प्लास्मोनिक संरचनाओं के लिए विशेषता तकनीक' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर संगीता ढल ने राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित संघवाद में रुझान: विस्तार क्षितिज अल्पविराम अन्वेषण नए इलाकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'अंतर-सरकारी संलग्नताओं में तालमेल का मानचित्रण: सहकारी संघवाद के माध्यम से आईसीडीएस का एक केस- अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, तुलनात्मक संघवादी अनुसंधान समूह, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारती महाविद्यालय, एआरएसडी महाविद्यालय और सत्यवती महाविद्यालय के सहयोग से 10 दिसंबर 2022.

सुश्री मोनिका जुत्शी ने 'क्या मूल्यांकन किया जा रहा है और कैसे?' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 26-28 अक्तूबर 2022 को चेन्नई, भारत में आयोजित नए सामान्य और परे में कक्षा-आधारित मूल्यांकन पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय मूल्यांकन सम्मेलन में भारत में स्नातक ईएलटी शिक्षकों के शिक्षक विश्वासों की प्रारंभिक जांच: चुनौतियां और संभावनाएं।

सुश्री गीता कुमारी ने अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ विषयगत सम्मेलन, 2022 के दौरान "स्थिरता, भविष्य की पृथ्वी और मानवता: अवसर और चुनौतियाँ: अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर 'जलवायु परिवर्तन के प्रति आजीविका की संवेदनशीलता का आकलन: ग्रामीण दीमापुर जिले, नागालैंड का मामला' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। “हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा प्रतिवेदक द्वारा 24-25 नवंबर 2022 तक आयोजित किया गया।

सुश्री ममता ने जनसंचार और मीडिया अध्ययन विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के सहयोग से "राष्ट्र निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारतीय डिजिटल स्पेस में घरेलू और यौन हिंसा का चित्रण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 10-11 जनवरी 2023 को सार्क पत्रकार मंच।

सुश्री नेहा सिंह ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सिलचर द्वारा मॉडलिंग, सिमुलेशन और ऑप्टिमाइजेशन (सीओएमएसओ 2022) पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इष्टतम फीचर चयन का उपयोग करके पार्किंसंस रोग की पहचान के लिए कोयल खोज और चींटी कॉलोनी अनुकूलन की प्रदर्शन तुलना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। भारत 21-23 दिसंबर 2022.

डॉ. ताजेंदर कुमार ने अकाल विश्वविद्यालय, तलवंडी द्वारा "शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में विकास (आईसीईपीएएम-2022)" विषय पर आयोजित वर्चुअल कॉन्फ्रेंस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'परिमित क्षेत्रों पर प्लानर मैपिंग द्वारा अर्ध समूहों के निर्माण पर' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। साबो, पंजाब, भारत 16-18 नवंबर 2022.

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

चार्टर्ड इंटरनेशनल दा विंची यूनिवर्सिटी (सीआईडीवीयू), डेलावेयर, यूएसए के साथ समझौता-ज्ञापन।

वेस्ट कोस्ट इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड आर्ट्स (डब्ल्यूसीआईयूएसटीएमए) डेलावेयर, यूएसए के साथ समझौता-ज्ञापन।

क्राउन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल चार्टर्ड इंक (सीयूआईसीआई), अर्जेंटीना, सांता क्रूज़ प्रांत, यूएसए के साथ **समझौता-ज्ञापन**।

रोंकेल मीडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (रोनकेल एमईआरआई), मुंबई के साथ समझौता-ज्ञापन। इस समझौता-ज्ञापन को पत्रकारिता विभाग के माध्यम से टेलीविजन, रेडियो, फिल्म और थिएटर में ऐड-ऑन-कोर्सेज शुरू करके सुगम बनाया जा रहा है।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ ने 7 दिसंबर 2022 को "नई पेंशन योजना" पर एक वार्ता का आयोजन किया। कार्यक्रम की वक्ता सुश्री ज्योति कपूर, एक प्रमाणित सेबी और पीएफआरडीए प्रशिक्षक थीं। चिकित्सा जागरूकता व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में सेल ने 20 अक्तूबर 2022 को एक वार्ता भी आयोजित की। डॉ. श्याम सुंदर नागपाल ने 'युवा और सौंदर्य प्रसाधन' पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों को प्रबुद्ध किया और सौंदर्य प्रसाधनों, बाल प्रत्यारोपण की प्रक्रियाओं, बालों की देखभाल के सुझावों और प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग पर अपनी बात केंद्रित की। 10 नवंबर, 2022 को एक निःशुल्क दंत जांच शिविर आयोजित किया गया था। डेंटल सर्जन डॉ. मोनिका शाही ने अपनी टीम के साथ दंत जांच शिविर के लिए कैंपस का दौरा किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संपूर्ण दंत जांच और परामर्श की पेशकश की। इस कार्यक्रम में 137 प्रतिभागियों (115 छात्र, 11 शिक्षण कर्मचारी, 05 गैर-शिक्षण कर्मचारी और एसआरसी की आउटरीच गतिविधि के तहत 06 बाहरी लोगों) ने भाग लिया।

सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ ने 14 नवंबर 2022 को छोटे बच्चों के लिए रॉबिन हुड आर्मी के सहयोग से एक बाल दिवस कार्यक्रम भी आयोजित किया। कालिंदी महाविद्यालय के आकाश गोस्वामी (अतिथि गायक),

फुज़ोन डिवाइन (अतिथि बैंड) और कर्मा डांस क्रू ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। 8 दिसंबर 2022 को वरिष्ठ नागरिकों और छात्रों के लिए एक निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा निःशुल्क रक्त शर्करा, रक्तचाप, दंत और आंखों की जांच के साथ-साथ शारीरिक परीक्षण भी किया गया। शिविर में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ सहित 8 सदस्यों की एक मेडिकल टीम मौजूद थी। 200 से अधिक संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों ने शिविर में भाग लिया और डॉक्टरों से परामर्श लिया।

तंबाकू विरोधी समिति के सहयोग से सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ ने 8 दिसंबर 2022 को सेमिनार कक्ष में श्वसन संबंधी बीमारियों पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के वक्ता पल्मोनोलॉजिस्ट, वरिष्ठ निदेशक और बीएलके मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के एचओडी डॉ. संदीप नायर थे। डॉ. नायर ने अपनी बात को तीन भागों में विभाजित किया- पहला, जहां उन्होंने अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), और निमोनिया जैसी श्वसन संबंधी बीमारियों की बुनियादी बातों पर चर्चा की; दूसरा, उन्होंने अपने दर्शकों को प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जानकारी दी और तीसरा, जिसमें उन्होंने सावधानियों और उपचार के बारे में विस्तार से बताया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2022-23 के दौरान पुस्तकालय संसाधनों में वृद्धि की गई है और पुस्तकालय का कुल संग्रह बुक बैंक और छात्र सहायता निधि पुस्तकों सहित 87,308 पुस्तकों तक पहुंच गया है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता नई जोड़ी गई पुस्तकों को पढ़कर स्वयं को प्रबुद्ध करने में सक्षम हुए हैं। वर्तमान में पुस्तकालय अपने पाठकों के लिए रुचि के विभिन्न क्षेत्रों पर अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में 60 जर्नल/जर्नल और 14 समाचार-पत्रों की सदस्यता ले रहा है।

पुस्तकालय में ई-संसाधनों तक पहुंच के लिए एक वेब केंद्र, परामर्श उद्देश्यों के लिए अलग वाचनालय और छात्रों और कर्मचारियों के लिए फोटोकॉपी सुविधा है। एन-लिस्ट, डेलनेट और डीयूएलएस (संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए) आईडी के माध्यम से ई-संसाधनों की दूरस्थ लॉगिन पहुंच भी पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाती है। महाविद्यालय की वेबसाइट पर बड़ी संख्या में ओपन एक्सेस प्रिंट जर्नल, ई बुक्स और ई जर्नल्स, पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र और उपयोगी शैक्षिक संसाधनों के लिंक उपलब्ध हैं। जर्नल कंटेंट अलर्ट सेवा संकाय सदस्यों को ईमेल के माध्यम से भी प्रदान की जाती है और महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाती है। पुस्तकालय ने महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए विभागवार पुस्तकालय उपयोगकर्ता शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया है।

पुस्तकालय में दो सूचना कियोस्क जोड़े गए हैं। पुस्तकालय हरित पहल को भी बढ़ावा दे रहा है और इस प्रकार पुस्तकालय के बेकार कागज के बदले पुनर्नवीनीकरण सामग्री खरीद रहा है। प्रिंट दिव्यांग छात्रों के लिए ई-बुक्स की सुविधा डीयू ब्रेल पुस्तकालय और सुगमया पुस्तकालय के माध्यम से प्रदान की जाती है और

स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर अर्थात एनवीडीए पुस्तकालय में उपलब्ध है।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या:180

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 580,247,503.00/-
उपयोगित अनुदान: रुपए 548,758,441.50/-

***

कमला नेहरू महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

यूजीसी परामर्श के तहत एक सलाहकार संस्थान के रूप में, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे चार सलाहकार संस्थानों में से, दो को एनएएसी द्वारा सफलतापूर्वक मान्यता दी गई है, अर्थात् आर्यभट्ट महाविद्यालय और मोतीलाल नेहरू (सांध्य) महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। अन्य ग्रुप के लिए मान्यता की प्रक्रिया चल रही है।

महाविद्यालय ने 16 मार्च 2022 को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0 (पीएमकेवीवाई 3.0) के तहत एनएसडीसी और यूजीसी द्वारा प्रायोजित 'कौशल हब पहल' के रूप में "ज्वैलरी डिजाइनर - सीएडी पाठ्यक्रम (2022-2023)" लॉन्च किया। पत्रकारिता विभाग द्वारा दृश्य-श्रव्य उत्पादन के लिए एक सुसज्जित मीडिया लैब स्थापित की गई है। महाविद्यालय में एक कियोस्क के साथ एक हैप्पीनेस स्टेशन स्थापित किया गया था, जो एंटरप्रेन्योरशिप सेल और ल्यूमिनोसो, द फाइन आर्ट्स सोसाइटी द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करता था। कक्षाओं के बाहर द्विभाषी साइनबोर्ड लगाए गए और महाविद्यालय कैंपस में विभिन्न स्थानों पर अन्य साइनबोर्ड भी लगाए गए।

कैंटीन और बागवानी से उत्पन्न होने वाले महाविद्यालय के जैविक कचरे को नियमित रूप से खाद में परिवर्तित किया जाता है। 1 जुलाई, 2022 को 24 घंटे में 50 किलोग्राम कचरा पैदा करने की क्षमता वाला एक मैकेनिकल कंपोस्ट स्थापित और उद्घाटन किया गया। जो कंपोस्ट उत्पन्न होता है, उसका उपयोग बढ़ते प्लांटर्स के लिए किया जाता है, जिसे बाद में 'हरियाली' परियोजना के तहत बेचा जाता है। ग्रीन बीन्स, पर्यावरण सोसायटी ने छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र के लिए भारत के पॉन्डमैन और स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर श्री रामवीर तंवर को आमंत्रित किया।

गौरव प्राप्त छात्र

मेघा भड़ाना बी.एससी. से। (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष 9.527 सीजीपीए के साथ महाविद्यालय टॉपर है।

बी.कॉम (होस्न) द्वितीय वर्ष की आस्था 9.45 सीजीपीए के साथ महाविद्यालय टॉपर है।

बी.ए. ऑनर्स इकोनॉमिक्स द्वितीय वर्ष की संजना सहगल 9.37 सीजीपीए के साथ महाविद्यालय टॉपर है।

समीक्षा अहलावत बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल द्वितीय वर्ष 9.36 सीजीपीए के साथ महाविद्यालय टॉपर है। बी.एससी. (ऑनर्स) गणित द्वितीय वर्ष की महक 9.36 सीजीपीए के साथ महाविद्यालय टॉपर हैं।

प्रकाशन

रामधारी सिंह दिनकर और संस्कृति के चार अध्याय। *प्रागय पथ. 109-110. आईएसएसएन*2395-4000

अग्रवाल, एस. (2022)। स्वतंत्रत्रयोतर हिन्दी साहित्यिक पत्रिकाएँ। *समकालीन* प्रकाशन, दिल्ली। आईएसबीएन978-93-92356-27-8.

गौतम, पी. (2022)। गणित का उपयोग करके कैलकुलस। दरियागंज, *दिल्ली: के.के. प्रकाशक.*

गौतम, पी. (2022)। गणितीय मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा में कुछ परिमित समूह रिंगों पर एसोसिएशन योजनाएं। *स्प्रिंगर. सिंगापुर,* 13-23.

रानी, आर. (2022)। मैं शादी नहीं करूंगी. समकालीन भारतीय साहित्य. *साहित्य अकादमी*, नई दिल्ली 0970-8367

संतोष, आर. (2022)। रीमैन-लिउविल बाई-कॉम्प्लेक्स ऑर्डर और उसके गुणों के फ्रैक्शनल ऑपरेटर्स। अनुप्रयुक्त विज्ञान में गणितीय तरीके।

सेठी, एम. (2022)। ओडिशा की सांस्कृतिक विविधता पर श्री चैतन्य भक्ति की दार्शनिक व्याख्या। *जर्नलऑफ़द ऑल ओडिशा फिलॉसफी एसोसिएशन* (जेएओपीए)।

सूरी, एस. (2023)। प्रबंधन और खेल. योगिक, मानव आंदोलन और खेल विज्ञान के *अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*। आईएसएसएन: 2456-4419.

सहरावत, एस. (2022)। फंतासी के ब्याज से कार्यलय जीवन एवं जटिल व्यवस्था तंत्र की अभिव्यक्ति। *शोध ऋतु.*.ISSN: 2454-6283.

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल

यादव, पी. (2022)। असतत गणित के तत्व. सुल्तानचंद एंड संस, नई दिल्ली।

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ

अकाडेमोस (आईएसएसएन 2231-0584), अंग्रेजी और हिंदी में कमला नेहरू महाविद्यालय की बहु-विषयक, सहकर्मी-समीक्षित अकादमिक पत्रिकाएँ 2006 से हर वर्ष प्रकाशित होती रही हैं।

हिंदी में प्रकाशित अकाडेमोज़ अब नए शीर्षक शोध बोध के तहत पंजीकृत है। जर्नल ऑफ़ अंडरग्रेजुएट रिसर्च इनोवेशन एंड सस्टेनेबल एजुकेशन को RISE सेल के तत्वावधान में प्रकाशित किया जाता है। अंतःविषय, सहकर्मी-समीक्षित, द्विभाषी जर्नल संकाय सदस्यों की देखरेख में छात्रों द्वारा किए गए एक वर्ष के कठोर शोध

का परिणाम है। जर्नल का शीर्षक आरएनआई द्वारा सत्यापित किया गया है और आरएनआई के साथ जर्नल के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है।

आयोजित सेमिनार/वेबिनार

18 जनवरी 2023 को प्रोफेसर बलराम सिंह, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, अमेरिका और प्रोफेसर दयाशंकर तिवारी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 'भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

9 नवंबर 2022 को प्रोफेसर राहुल के. मिश्रा द्वारा 'वैश्विक आर्थिक संकट' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. पूजा साहनी, एसोसिएट डायरेक्टर ने,सुश्री शिवानी पाठक, डेटा साइंस प्रोडक्ट इंजीनियर, ईएसआरआई, आर एंड डी सेंटर इंडिया, और सुश्री श्रीदेवी कुरूर, ग्रेजुएट टीचिंग एसोसिएट, सीईपीटी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद और विश्वविद्यालय की विद्या विस्तार योजना के तहत जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर के सहयोग से हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी, मनीला, फिलीपींस के साथ संयुक्त रूप से 25 फरवरी 2023 को 'भूगोल में आजीविका' शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन किया।

सामुदायिक वन प्रशासन संस्थान के निदेशक, समर बोसु मल्लिक द्वारा 'आदिवासी दर्शन' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसे 7 नवंबर 2022 को विश्वविद्यालय की विद्या विस्तार योजना के तहत जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर के सहयोग से आयोजित किया गया था।

प्रो. जानकी अब्राहम, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और डॉ. शिवानी नाग, बी.आर. द्वारा संयुक्त रूप से 'गुणात्मक अनुसंधान पद्धति' नामक संगोष्ठी अम्बेडकर विश्वविद्यालय, 11 जनवरी 2023। को आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. एम.वी. शोभना वारियर ने 23 अप्रैल 2022 को ऑस्ट्रेलियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ लेबर हिस्ट्री, बेंडिगो, विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया के 17वें द्विवार्षिक सम्मेलन में 'जेंडरिंग द वर्कप्लेस: वुमन वर्कर्स इन कोलोनियल तमिलनाडु' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. शुभ्रा सिन्हा ने 12-13 अक्टूबर 2022 को आयोजित एशियन एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड हिस्टोरियंस द्वारा आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लाइफ बियॉन्ड बिजनेस:- सोशियो-रिलिजियस वर्ल्ड ऑफ जैन कम्युनिटी इन 17वीं सेंचुरी बिहार' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. ज्योति राघवन ने 26 अगस्त 2022 को मीडिया अध्ययन विभाग, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), बैंगलोर द्वारा आयोजित मीडिया मीट 2022, (मीडिया टेक्नोलॉजीज) के दौरान 'डिजिटल मार्केटिंग: नैतिक मुद्दे और चुनौतियां' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री स्वप्निल वर्मा ने 20-22 मई 2022 को आयोजित कम्प्यूटेशनल गणित और इंजीनियरिंग विज्ञान पर

6वें ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (सीएमईएस-2022), ओरडू-तुर्की के दौरान 'यूपीबी - अंतरिक्ष में प्रक्षेप के माध्यम से चटर्जिया प्रकार के गैर-अद्वितीय निश्चित बिंदु प्रमेयों का पुनरीक्षण' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मीनाक्षी सेठी ने 23 अप्रैल 2022 को संस्कृत विभाग, दौलत राम महाविद्यालय के सहयोग से संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन 2022 में 'जैन तीर्थंकरों में संस्कार' नामक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नूपुर रे ने अनिश्चित समय में नारीवादी वायदा पर 8वें विश्व सम्मेलन में 'यह शरीर किसका है: महिला, सिनेमा और राष्ट्रवाद प्रवचन भारत में' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, अनिश्चित समय में नारीवादी भविष्य: उपनिवेशवाद, सीमा और, और परिवर्तनकारी दर्शन '12-14 मई 2022.

डॉ. नूपुर रे ने 19 सितंबर 2022 को एचडीसीए सम्मेलन-क्षमताओं और परिवर्तनकारी संस्थानों में 'लिंग, यौन स्वास्थ्य और अधिकार: महामारी के दौरान जैव-चिकित्सा लेंस से परे देखना' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

सोफिया गर्ल्स महाविद्यालय, अजमेर, राजस्थान के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

असिस्टेक लैब, आईआईटी, दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

औद्योगिक इनक्यूबेशन उद्यमिता और कौशल प्रशिक्षण महासंघ (आईआईईएसटी) फेडरेशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय (विद्या विस्तार स्कीम) से संबद्ध जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या

नियोजन के लिए पंजीकृत 371 छात्रों में से 114.

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

रेडक्रॉस फाउंडेशन के सहयोग से महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने महाविद्यालय परिसर में रक्तदान अभियान चलाया। मानव तस्करी के मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने के लिए, एन.एस.एस. इकाई ने बच्चों और वयस्कों दोनों को शिक्षित करने के लिए एक नाटक का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस और बाल दिवस को चिह्नित करने के लिए, एन.एस.एस. ने नेत्रहीन बच्चों के लिए एक गैर-सरकारी संगठन इनसाइड मी की यात्रा का आयोजन किया। हमारे स्वयंसेवकों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें कुछ बुनियादी विषय सिखाए। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर और हर घर तिरंगा की पहल के बाद, एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने अपने गोद लिए गए गांव-बेगमपुर का दौरा किया। स्वयंसेवकों ने बच्चों के साथ समय बिताया, और

स्वतंत्रता दिवस के लिए उनके साथ झंडे बनाए।

एन.सी.सी. कैडेट्स ने शिविरों में भाग लिया, गणतंत्र दिवस परेड के दौरान सीएम रैली और पीएम रैली में भाग लिया। उद्यमिता सेल, या ई-सेल की परियोजना मधुमक्खी सुरक्षित हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन में उपयोग किए जाने वाले विषाक्त और गैर-पुनर्नवीनीकरण उत्पादों के लिए स्थायी विकल्प प्रदान करने की कल्पना करती है, जिसमें इसने नेफ़थलीन गेंदों के स्थायी विकल्प के रूप में एल्यूमीनियम पन्नी और सुगंधित गोलियों के स्थायी विकल्प के रूप में मधुमक्खियों के लपेटें लॉन्च कीं। यह परियोजना उद्यमशीलता की पहल करने में सहायता करके समाज के एक हाशिए वाले वर्ग का उत्थान करना चाहती है। टीम ने वसंत कुंज में स्थित मुस्कान एनजीओ के साथ काम किया, जो बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों को क्षमता विकास के अवसर प्रदान करने की दिशा में काम करता है। इस परियोजना के विचार को जुलाई 2022 में आइडिएशन स्टेज प्रोजेक्ट्स के तहत आयोजित इनेक्टस नेशनल प्रतियोगिता में प्रस्तुत किया गया था और प्राथमिक लक्ष्य के रूप में स्थिरता के साथ एक अभिनव और भविष्य के प्रयास के रूप में सराहना प्राप्त हुई थी।

पुस्तकालय विकास

संस्थान के पास एक अच्छी, सुसज्जित पुस्तकालय है जो एक प्रभावशाली भवन की तीन मंजिलों में है। यह सुसज्जित है और वाई-फाई सक्षम है, जिसमें लगभग 250 रुपये की बैठने की क्षमता है। महाविद्यालय की पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित है (एनईटीटीएलआईबी सॉफ्टवेयर 3.0.3 संस्करण के माध्यम से) जो एक सर्वर और लोकल एरिया नेटवर्क के तेरह क्लाइंट से जुड़ी हुई है। संकाय के लिए एक वातानुकूलित और सुसज्जित अनुसंधान कक्ष पहली मंजिल पर 16 लैपटॉप और दो डेस्कटॉप के साथ एक स्कैनर/फोटोकॉपियर सह प्रिंटर के साथ उपलब्ध है ताकि संकाय के अनुसंधान आउटपुट को सुविधाजनक बनाया जा सके। दूसरी मंजिल में ई-पुस्तकालय है, जिसमें इनफ्लिबनेट, एन-लिस्ट, डीयू रिमोट एक्सेस के माध्यम से ई-जर्नल्स तक पहुंचने के लिए 100 एमबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ है।

एन-लिस्ट ई-संसाधनों के माध्यम से ई-संसाधनों और ई-जर्नलों तक पहुंच के लिए छात्रों और संकाय के लिए आईएनफएलआईबीएनईटी सदस्यता खुली है। इसे महाविद्यालय के क्यूआर बारकोड से एक्सेस किया जा सकता है। संकाय सदस्य अंतर-पुस्तकालय ऋण सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं जो उन्हें देश के किसी भी पुस्तकालय से कोई भी पुस्तक प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। संकाय, एमए, एम.फिल. और पीएच.डी. छात्रों के लिए वेब ओपेक सेवाएं रिमोट एक्सेस से उपलब्ध हैं। छात्र महाविद्यालय पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध कराए गए क्यूआर बार कोड के माध्यम से 1966 से पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र और पाठ्यक्रम तक पहुंच सकते हैं। शोध दस्तावेजों की साहित्यिक चोरी की जांच करने के लिए पुस्तकालय के पास उरकुंड साहित्यिक चोरी चेकर भी है।

पुस्तकालय में एक सर्वर और छह उपयोगरूपों के साथ एक ई-संसाधन केंद्र स्थापित किया गया है। पुस्तकालय में लगभग 106371 पुस्तकें और 70 पत्रिकाएँ/पत्रिकाएँ हैं। पुस्तकालय में शिक्षकों के पढ़ने/शोध कक्ष में 771 डीवीडी और 421 सीडी के साथ एक ऑडियो-विज़ुअल अनुभाग है, और सभी को बारकोड किया गया है। पुस्तकालय विभिन्न वेबसाइटों, कैटलॉग, पुस्तक समीक्षाओं और ग्रंथ सूची तक पहुंच और क्रॉस-चेकिंग और उन प्रकाशकों से परामर्श करके पुस्तकों/प्रकाशन के नवीनतम संस्करण की खरीद सुनिश्चित करता है जो

डीयूएलएस द्वारा नामांकित हैं।

पुस्तकालय स्टाफ अच्छी तरह से प्रशिक्षित है, जिसके पास एनईटीटीएलआईबी सॉफ्टवेयर का उपयोग करने का विशेष ज्ञान है जो 2002 से उपयोग में है। पुस्तकालय स्टाफ अलग-अलग दिव्यांग छात्रों और संकाय को प्रासंगिक जानकारी प्रदान करता है। दिव्यांगों को आवश्यक सामग्री उनके डेस्क पर उपलब्ध करायी जाती है तथा पुस्तकालय कार्यालय कक्ष में उनके पढ़ने के लिए एक अलग टेबल की भी व्यवस्था है। दृष्टिबाधित छात्रों और संकाय सदस्यों की सुविधा के लिए पुस्तकालय में 62 ब्रेल पुस्तकें और 48 सीडी हैं। स्कैनर के साथ जेएडबल्यूएस सक्षम कंप्यूटर उपयोग के लिए सुलभ हैं। एंजेल फुली टॉकिंग डिजिटल पॉकेट डेज़ी प्लेयर सह ई-बुक, रीडर सह एमपी 3 प्लेयर सह रेडियो सह आवाज की दो इकाइयाँ दृष्टिबाधित छात्रों और स्टाफ सदस्यों के लिए पुस्तकालय में रिकॉर्डर उपलब्ध हैं

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 156

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान रुपए 56.017 करोड़

उपयोगित अनुदान रुपए 57.74 करोड़

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

खेल के क्षेत्र में हमारी उपलब्धियाँ है: बी.ए. मनोविज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की प्रियंका महापात्रा ने 3-4 दिसंबर 2022 तक आयोजित 62-भार वर्ग के तहत ओडिशा राज्य क्योरुगी ताइक्वांडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

कीर्ति गुप्ता बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष ने ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी में भाग लिया और 9-12 अप्रैल 2022 तक टीम-गोल्ड प्राप्त किया। 23 अप्रैल 2022.

महक प्रीत कौर को पुर्तगाल में फआईजी विश्वकप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। 27-29 मई 2022.

बी.ए. राजनीतिविज्ञान (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की रोमिला सिंह ने 19-27 जुलाई 2022 तक आयोजित 37वीं दिल्ली राज्य शूटिंग चैंपियनशिप 2022 राइफल पिस्टल में तीसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने 37वीं दिल्ली राज्य शूटिंग चैंपियनशिप 2022 में10 मीटर राइफल पिस्टल जूनियर महिला व्यक्तिगत में कांस्य पदक प्राप्त किया।

हमारी फुटबॉल टीम ने 11-13 अप्रैल 2022 तक आयोजित जीसस एंड मैरी महाविद्यालय के वार्षिक खेल महोत्सव होनोब' 22 में प्रथम स्थान, 15-18 अक्टूबर 2022 तक आयोजित बिट्स ओपन स्पोर्ट्स मीट में दूसरा स्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्पोर्ट्स काउंसिल फुटबॉल (महिला) टूर्नामेंट 18 अगस्त 2022 से 5 सितंबर 2022 तक आयोजित किया गया। बास्केट बॉल टीम ने 4-6 नवंबर 2022 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित वर्चास'22 में पहला स्थान प्राप्त किया।

***

केशव महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

केशव महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे युवा घटक महाविद्यालयों में से एक है, जिसे 1994 में दिल्ली एनसीटी सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। यह पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त-पोषित है। दिल्ली के एनसीटी के महाविद्यालय ने सबसे पहले केशव पुरम में एक स्कूल भवन में केवल दो पाठ्यक्रमों अर्थात बी.कॉम (ऑनर्स) और बी.एससी. (जनरल) कंप्यूटर साइंस के साथ काम करना शुरू किया। धीरे-धीरे, बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स, बी.एससी. (सामान्य) गणितीय विज्ञान, पीजीडीसीए और बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान जैसे पाठ्यक्रम जोड़े गए। पीतमपुरा में महाविद्यालय का नया कैंपस, जो 10 एकड़ से अधिक के विशाल कैंपस में स्थित है, ने शैक्षणिक सत्र 2006-07 से काम करना शुरू कर दिया और बी.एससी. (ऑनर्स) गणित, बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान और बैचलर ऑफ बिजनेस स्टडीज (अब प्रबंधन अध्ययन स्नातक) को जोड़ा गया। अपने संस्थापक प्राचार्य डॉ. के.पी. चिंदा और वर्तमान प्राचार्य डॉ. मधु प्रूथी के कुशल मार्गदर्शन में महाविद्यालय बहुत कम समय में नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। संस्थान निरंतर सफलता की राह पर आगे बढ़ा है और अपनी उपलब्धियों, संकाय और बुनियादी ढांचे के लिए प्रशंसित है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

वर्तमान में महाविद्यालय विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन, मनोविज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान विषयों में नौ पाठ्यक्रम प्रदान करता है। महाविद्यालय फ्रेंच और जर्मन भाषाओं में अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। इसमें लगभग 1800 छात्र 100 से अधिक संकाय सदस्यों और 60 गैर-शिक्षण कर्मचारियों की देखरेख में अध्ययन कर रहे हैं।

एनएएसी द्वारा दूसरे चक्र का निरीक्षण 17-18 मई 2022 को किया गया, जिसमें महाविद्यालय को 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त हुई। 2022 में एमएचआरडी के एनआईआरएफ द्वारा महाविद्यालय को 77वां स्थान दिया गया था। राजभाषा के रूप में हिंदी के उपयोग के लिए महाविद्यालय का निरीक्षण 21.10.2022 को विज्ञान भवन में राजभाषा की संसदीय समिति की उप-समिति द्वारा किया गया था।

पहुंच में सुधार के लिए, महाविद्यालय ने प्रवेश द्वार पर एक स्वचालित कांच का दरवाजा लगाया। महाविद्यालय और महिला छात्रावास के लिए अनेक संपत्तियां जीईएम/सीपीपी पोर्टल/स्थानीय खरीद के माध्यम से खरीदी गई हैं, जिनमें 110 से अधिक सीसीटीवी, एनवीआर, पीटीजेड कैमरे और निगरानी के लिए टीवी शामिल हैं। टाटा टेलीसर्विसेज से 100 एमबीपीएस की एक अतिरिक्त लीज्ड लाइन खरीदी गई थी। महिला छात्रावास-इंटरनेशनल विंग में छह विदेशी छात्रों के रहने के लिए तीन अतिरिक्त कमरे विकसित किए गए। महाविद्यालय कैंपस में क्रमशः 14 और 16 दिसंबर को मदर डेयरी बूथ और फोटोकॉपियर मशीन की सुविधा शुरू की गई।

8 जुलाई 2022 को, केशव महाविद्यालय मनोविज्ञान की पूर्व छात्रा सुश्री साक्षी बंसल को महाविद्यालय सभागार में इंग्लैंड में प्रतिष्ठित डायना पुरस्कार प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर विनीता जिंदल और डॉ. अंजलि ठुकराल 19 अक्तूबर 2022 को हंसराज महाविद्यालय में आयोजित वीएसी-1: डिजिटल एम्पावरमेंट एफडीपी कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति थे।

प्रोफेसर पद्मसाई अरोड़ा को दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) द्वारा व्यवसाय और प्रबंधन पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्हाट डिटरमाइन्स वेंचर कैपिटल मोड ऑफ एग्जिट?: ए स्टडी ऑफ इंडियन वेंचर कैपिटल एग्जिट्स शीर्षक वाले शोध-पत्र के लिए सम्मेलन के सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र से सम्मानित किया गया। थीम डिजिटलीकरण और सतत विकास लक्ष्य, जनवरी 19-20 2023.

डॉ. अनीता मेंदीरत्ता को 29वें वार्षिक वैश्विक वित्त सम्मेलन, पुर्तगाल में 20-22 जून 2022 को 'कॉर्पोरेट सामाजिक गैर-जिम्मेदारी, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और फर्म मूल्य में संलग्नताओं के बीच संबंध' विषय पर उनके शोध कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र और एमएसआर प्रॉमिसिंग निबंध पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. मोना रंगा को इंडियन एकेडमी ऑफ हेल्थ साइकोलॉजी के सहयोग से प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस, बांग्लादेश द्वारा स्वास्थ्य विज्ञान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डिमेंशिया से पीड़ित रोगियों और देखभाल करने वालों के बीच मनोवैज्ञानिक कल्याण विषय पर सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र से सम्मानित किया गया। 2-3 सितंबर 2023.

प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित कीं: 1. प्रदीप कुमार, प्रबंधन सिद्धांत और अनुप्रयोग, सुल्तान चंद एंड संस, दिल्ली 2023, आईएसबीएन: 978-93-91820-60-2 2. प्रदीप कुमार, विपणन के सिद्धांत, सुल्तान चंद और संस, नई दिल्ली 2023, आईएसबीएन 978-93-91602-01-6। 3. प्रदीप कुमार, ऑर्गनाइजेशन बिहेवियर, जेएसआर पब्लिशिंग हाउस एलएलपी, नई दिल्ली, 2023, आईएसबीएन 978-93-94336-43-8.

गौरव प्राप्त छात्र

क्र.सं.	**विद्यार्थियों का नाम**	**कक्षा**
1	दीप्ति शर्मा	बी.एससी. (कार्यक्रम) गणितीय विज्ञान
2	मो. सादिक अंसारी	बी.एससी. (कार्यक्रम) गणितीय विज्ञान

3	गरिमा पांडे	बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस
4	नूपुर त्यागी	बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस
5	सौम्या गुप्ता	बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस

प्रकाशन

डॉ. जसमीत सिंह। (2023). एसिटिलीन ट्राइकेशन के तीन-शरीर विखंडन की खोज। द जर्नल ऑफ केमिकल फिजिक्स, 158 (7), 74302डॉ. जसमीत सिंह। (2023). एसिटिलीन ट्राइकेशन के तीन-शरीर विखंडन की खोज। द जर्नल ऑफ केमिकल फिजिक्स, 158 (7), 74302.

प्रोफेसर विनीता जिंदल। (2022)। इंटरनेट प्रोटोकॉल संस्करण *6 में स्टोरेज आधारित गुप्त चैनलों का* पता लगाना और उनका पता लगाना। आईईईई एक्सेस, 10(-), 110661-110675.

डॉ. जसमीत सिंह। (2022). आर-मैट्रिक्स गणना एचसीएन और एचएनसी अणुओं के साथ इलेक्ट्रॉन टकराव। यूरोपीय भौतिक जर्नल डी, 76 (-), 242। डॉ. हरप्रीत भाटिया। (2023). "भौतिकवाद के मनोवैज्ञानिक सहसंबंध: जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक खुशी और आत्मसम्मान"। शिक्षा और समाज, 46 (3), 177-184.

सुश्री आकांक्षा मेंदीरत्ता। (2022). लचीलापन और जीवन संतुष्टि: पेंशनभोगियों और गैर-पेंशनभोगियों में कल्याण के भविष्यवाणियों इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 10 (2), 446-453।

सुश्री आकांक्षा मेंदीरत्ता । (2023). "साइकोपैथोलॉजिकल डिसऑर्डर में न्यूरोप्लास्टिकिटी: एक समीक्षा"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 11 (1), 343-358।

डॉ. भावना गुप्ता। (2022). विश्वास आधारित सहयोग का उपयोग करके सक्रिय उत्पादों की प्रणाली की मजबूती को बढ़ाना। जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 43 (-), 939-956.

प्रो पद्म साई अरोड़ा। (2023). उद्यम पूंजीपतियों के निकास विकल्पों के निर्धारक: भारत से साक्ष्य। जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च, 15 (3), 403-430.

डॉ. अनीता मेंदीरत्ता (2023). ईएसजी विवाद भारत में फर्म मूल्य को कब कम करते हैं? ग्लोबल फाइनेंस जर्नल, 55.

मंजूर/दायर पेटेंट

1 और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधार पर उपयोगकर्ता को समान अनुशंसा जानकारी प्रदान करने के लिए सिस्टम और विधि।

1 और स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) आधारित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, आवेदकों में ब्लॉकचेन

प्रौद्योगिकी को लागू करना।

आयोजित संगोष्ठी

अप्रैल 2023 को 'आधुनिक कार्यस्थल में रोजगार योग्य और अनुकूलनीय होने के लिए जेन जेड को सशक्त बनाना' शीर्षक संगोष्ठी।

14 नवंबर 2022 को 'जीआईटी/जीआईटीएचयूबी, सूचना प्रौद्योगिकी के साथ ओपन सोर्स' शीर्षक संगोष्ठी।

फरवरी 2023 को 'एसिड अटैक' शीर्षक संगोष्ठी।

केस स्टडीज़ को कैसे हल करें' शीर्षक संगोष्ठी। 30 जुलाई 2022.

21 अगस्त 2022 को 'समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार में कैसे आगे बढ़ें' शीर्षक से संगोष्ठी।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

एसबी तनेजा, जीसी ब्रह्मा, संजय बिष्ट, विनीता जिंदल और पुनम बेदी ने जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेआईआईटी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित समकालीन कंप्यूटिंग (आईसी3) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्रीडेटर-प्री पीएसओ आधारित हथियार तैनाती रचनात्मक' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया। भारत और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, गेन्सविले, यूएसए (IC3-2023), अगस्त 03-05 2023, नोएडा, भारत, एसीएम, स्कोपस अनुक्रमित https://doi.org/10.1145/3607947.3608296.

पिंकी और हरप्रीत भाटिया ने 10-12 अगस्त, 23 अगस्त को क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग, निमहांस के सहयोग से क्लिनिकल साइकोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीपीएसआईसीओएन-2023) के पहले राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में कोविड-19 की पृष्ठभूमि में आघात की घटना को समझने पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। निमहांस, बेंगलुरु।

आरती दुआ, विनीता जिंदल, पुनम बेदी, डीआईसीसीएच-डी ने 16 जुलाई 2022 को 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सूचना, संचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी (आईसीआईसीसीटी-2022) में 'डीएनएन का उपयोग करके आईपीवी6-आधारित गुप्त चैनलों का पता लगाना' विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सिया गर्ग, राहुल जौहरी, विनीता जिंदल, देव प्रकाश विद्यार्थी और हिमेश नायक ने स्मार्ट सिटी चुनौतियों, प्रौद्योगिकियों और रुझानों (एससीसीटीटी - 2022) पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वीएआईबीटी: ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी में भेद्यता आकलन' पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमएआईटी, दिल्ली, भारत एनआईटी दिल्ली और आईईईई कम्युनिकेशन सोसाइटी दिल्ली चैप्टर के सहयोग से, 4 नवंबर 2022.

देव ए., अग्रवाल एस.एस., शर्मा ए. (संस्करण) ने 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड स्पीच टेक्नोलॉजी' पर शोध-

पत्र प्रस्तुत किया। एएआईएसटी'21आईएसटी 2021. कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, खंड 1546 (पीपी 318-328)। स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-030-95711-7_28 (आईएसबीएन 978-3-030-95710-0 प्रिंट)।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर विनीता जिंदल को सुश्री रानिया अलशिखे नाम की छात्रा के लिए पीएच.डी. पर्यवेक्षण के लिए आरएमआईटी विश्वविद्यालय, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में एसोसिएट पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्राप्त है, "विशिष्ट स्थानिक में सामान्य सूचना प्रणाली" विषय पर प्रोफेसर जेम्स हारलैंड और डॉ. एल्हम नगीज़ादे के साथ संयुक्त पर्यवेक्षण। टेम्पोरल डेटा विश्लेषण", 03 नवंबर 2018 से स्कूल ऑफ साइंस, आरएमआईटी यूनिवर्सिटी, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में पंजीकृत है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 70

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 54

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय परिसर में 10 जून 2022 को कोविशिल्ड और 1 जुलाई 2022 को कोवाक्सिन और कोविशिल्ड के बूस्टर शॉट्स के लिए एक दिवसीय मुफ्त टीकाकरण सुविधा की व्यवस्था की गई थी।

2 सितंबर 2022 को कैंटीन लॉन में, 6 सितंबर 2022 को एक स्थानीय पार्क में और 7 सितंबर 2022 को सड़क के किनारे सफाई अभियान का आयोजन किया गया।

12 अगस्त, 2022 को नशा मुक्त भारत अभियान विभिन्न गतिविधियों के साथ चलाया गया।

वित्तीय साक्षरता कार्यशाला: हमारी एक पहल ने निम्न-आय समूहों में वित्तीय निरक्षरता के मुद्दे को हल करने की भी मांग की, इसलिए हमने आजादपुर मेट्रो स्टेशन के करीब वंचित पड़ोस के लिए एक सत्र आयोजित किया।

वित्तीय साक्षरता कार्यशाला: हमारी एक पहल ने निम्न-आय समूहों में वित्तीय निरक्षरता के मुद्दे को हल करने की भी मांग की, इसलिए हमने आजादपुर मेट्रो स्टेशन के करीब वंचित पड़ोस के लिए एक सत्र आयोजित किया।

एन.एस.एस. पहल: पड़ोस को सम्मानित करने के लिए दान उत्सव का आयोजन किया गया था। हमने हाथ से बने सैंडविच बांटे और यह सुनिश्चित किया कि हम किसी भी प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें।

महाविद्यालय समाज, इनेक्टस पहल प्रोजेक्ट पहल: वंचित महिलाओं को अपने जीवन पर अधिक नियंत्रण देने और उनके लिए दीर्घकालिक रोजगार के अवसर पैदा करने की एक पहल। प्रोजेक्ट पहल के तहत, हमने

25 से अधिक उद्यमी बनाए हैं, कार्यशालाओं के माध्यम से 50 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया है, और कुल मिलाकर हमारे समुदाय में लगभग 100 महिलाओं को प्रभावित किया है। इससे कई महिलाओं की मासिक आय रुपए2,000 से रुपए7,000 तक बढ़ाने में मदद मिली।

इस वर्ष हमने बाजार अनुसंधान के अनुसार बैग के प्रकारों के संदर्भ में आर एंड डी किया है जैसे पोटली, टोट बैग, ट्रैवल पाउच आदि। हम आजादपुर के स्लम क्षेत्रों में महिलाओं के साथ जुड़े है ताकि उनकी सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का मुकाबला करके उन्हें स्थायी आय प्रदान की जा सके। प्रोजेक्ट सहायता इनेक्टस की एक पहल है। बिचौलियों को काटकर और ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्लेटफार्मों का उपयोग करके एक सीधा बाजार लिंक स्थापित करके, परियोजना पॉटर समुदाय को सशक्त बनाने का प्रयास करती है। इस वर्ष हमने 10 कुम्हारों को कुशल/नियोजित किया और 30 से अधिक कुम्हारों को शिक्षित किया, जिससे 10 परिवारों की मासिक आय 10,000 से बढ़कर 15,000 हो गई। हमने दिल्ली भर में विभिन्न समुदायों का दौरा और सर्वेक्षण किया है, जैसे कि कठपुतली समुदाय, बधिर और गूंगा समुदाय, और कई अन्य लोगों के लिए स्थायी व्यवसाय मॉडल तैयार करके उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए।

पुस्तकालय विकास

केशव महाविद्यालय का पुस्तकालय एक आधुनिक, दो मंजिला भवन है जिसमें पर्याप्त जगह और पुस्तकों का विशाल संग्रह है। एनआईसी क्लाउड पर ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से अनेक संसाधन ऑनलाइन उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में लगभग 29984 पुस्तकें हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों की पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ सामग्री और विश्वकोश शामिल हैं। हाल ही में, 2022-23 में, पुस्तकालय ने 1030 नई पुस्तकें खरीदीं और अनेक दैनिक, साप्ताहिक और आवधिक प्रकाशनों की सदस्यता ली। रीडर के लिए लगभग 36 पत्रिकाएं और 18 समाचार-पत्र उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय ने एन-लिस्ट-डेटाबेस की अपनी सदस्यता को नवीनीकृत किया है, जो केशव महाविद्यालय के उपयोग के लिए अनेक ई-पुस्तकों और ई-जर्नलों तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय हजारों ई-जर्नल तक पहुंच भी प्रदान करती है। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा स्टाफ सदस्यों और छात्रों को इंटरनेट के माध्यम से प्रदान की जाने वाली पत्रिकाएँ और शोध लेख। इसके अलावा, अपने उपयोगकर्ताओं और संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पुस्तकालय ने 32 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं।

संकाय संख्या : 100

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

स्वीकृत अनुदान: 34.79 करोड़

उपयोगित अनुदान: 32.63 करोड़

***

किरोड़ीमल महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

किरोड़ीमल महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है। इंडिया टुडे 2023 महाविद्यालय रैंकिंग के अनुसार इसे भारत में राजनीति विज्ञान के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ और रसायन विज्ञान के लिए छठा सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। केंद्रीय मंत्रालय एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 के अनुसार इसे भारत में 9वां सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय (समग्र श्रेणी) का दर्जा दिया गया है, अर्थात दिल्ली विश्वविद्यालय के शीर्ष महाविद्यालयों में चौथा। एनआईआरएफ के अनुसार, इसने वर्ष 2021-22 में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के वेतन के लिए 363,30,91,509 रुपये का निवेश किया है, जिसके कारण यह पूरे भारत में सबसे अच्छे संकायों और सुविधाओं में से एक है।

1954 में स्थापित, यह दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी कैंपस में स्थित है। किरोड़ीमल महाविद्यालय 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान खेल प्रशिक्षण के लिए चुने गए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ संस्थानों में से एक था, जिसके कारण खेल और अन्य गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक नए भवन और एक व्यायामशाला के रूप में नई सुविधाएं बनाई गईं। यह विज्ञान, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। एनएएसी ने 2023 में इसे 3.54 (ए++) के सीजीपीए के साथ मान्यता दी, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में तीसरा सबसे अधिक है।

सम्मान/गौरव

#कलाकार द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में इतिहास टीवी18 के लिए 100 लेखकों में से डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमन का चयन किया गया। इसके अलावा, एक दिन में, एक महीने में और दो वर्ष की अवधि में सबसे अधिक शायरी लिखने के लिए उनका नाम हार्वर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड 2022 में शामिल किया गया, साथ ही एक दिन में हिंदी में 100 कविताएँ लिखने का रिकॉर्ड भी शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, उन्हें उनकी पुस्तक "शब्द-संवाद: 'अविचारो' की अविरल धारा" के लिए उकियोटो द्वारा सर्वश्रेष्ठ चित्रकार पुरस्कार 2, 2022 से सम्मानित किया गया, और एक कवि के रूप में कविता कोश में भी उनका नाम दर्ज कराया गया। उन्हें एजुकेशन सेंसेशन्स के इंडियन शिक्षा अवार्ड्स 2022 द्वारा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर से भी सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

आकांक्षा बहल, सुभाष सोलंकी, श्रवण के. ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर की रोकथाम के लिए एमयूसी1 अवरोधक और डॉक्सोरूबिसिन की सह-डिलीवरी के लिए बायोडिग्रेडेबल पीईजी-पीसीएल नैनोकण। *जर्नल ऑफ़ पॉलिमर एंड द एनवायरनमेंट,* 31(एन.ए.), 999-1018।

सिंह, डी.; धीमान, एस.के.; कुमार, वी.; बाबू, आर.; श्री, के.; प्रियदर्शनी, ए.; सिंह, ए.; शाक्य, एल.; नौटियाल, ए.; सलूजा, एस.. (2022)। *फसल अवशेष जलाना और स्वास्थ्य, कृषि मूल्यवर्धन और क्षेत्रीय वित्त के बीच इसका संबंध। वायुमंडल*, 13(9), 1405.

सचिन, रोहित राज, सृष्टि धीमान और लीना शाक्य। (2022)। टिकाऊ कृषि में नैनोटेक्नोलॉजिकल मध्यवर्तन। *जर्नल ऑफ़ बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिज़िक्स, 59(*एन.ए.), 1153-1158.

वर्मा, एन.. (2022)। एशियाई उभरते बाजारों में पूंजी खाता खुलापन और वित्तीय स्थिरता। *जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट, 13(एन.ए.), 13-24.*

आकांक्षा बहल, जहूर ए. वानी, नागेंद्र नाथ दास, विरिंदर एस. परमार, क्रिस्टोफ लेन, शाश्वत मल्होत्रा, और अनिल के. छिल्लर। (2023)। स्तन कैंसर में मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज: एक महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन। *ऑन्कोलॉजी/हेमेटोलॉजी में आलोचनात्मक समीक्षा, 183(एन.ए.),* 103915.

शर्मा, एन., पाठक, ए., लावण्या, बी.एल., गर्ग, एन. और लता, के.. (2023)। भारतीय शिक्षकों के बीच व्यक्तिगत आशावाद और आत्म-प्रभावकारिता आशावाद-विस्तारित (पीओएसओ-ई) पैमाने के साइकोमेट्रिक गुणों की खोज। *बेंचमार्किंग: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* 30(7), 2234-2247.

गर्ग, एन., शर्मा, एन. और बर्गेस, जे.. (2023)। तीन-आइटम अकेलापन पैमाना: भारतीय संदर्भ में साइकोमेट्रिक गुणों की खोज। *एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, 80(एन.ए.),* 103323.

गर्ग, एन., महिपालन, एम. और शर्मा, एन.. (2023)। क्या कार्यस्थल विषाक्तता भारतीय स्वास्थ्य कर्मचारियों के टर्नओवर इरादों को प्रभावित करती है? कृतज्ञता की संयमित भूमिका की जाँच करना। *जर्नल ऑफ़ हेल्थ ऑर्गेनाइज़ेशन एंड मैनेजमेंट,* 37(2), 250-272.

शर्मा, एन. और सामंतारा, आर.. (2023)। संगठनात्मक परिणामों को अधिकतम करना: व्यक्तिगत आध्यात्मिकता की अनिवार्यता। *एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स*, 10(5), 67-78.

गर्ग, एन., शर्मा, एन. और पालफ्रामन, जे.. (2023)। भारत में अस्तित्वगत कृतज्ञता पैमाने (ईजीएस) की मान्यता और आध्यात्मिक कल्याण और संकट के साथ इसका संबंध। *ब्रिटिश जर्नल ऑफ गाइडेंस एंड काउंसलिंग, अहेड-ऑफ-प्रिंट(प्रिंट से आगे),* 1-14.

आयोजित सम्मेलन

नैनो मेडिकल साइंसेज संस्थान के सहयोग से 20 जुलाई 2022 को "नैनोबायोटेक्नोलॉजी (एनबीटी 2022)" पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

मेदिनी द्वारा 29 सितंबर 2022 को "मशरूम: न्यूट्रास्यूटिकल्स कैप्सूल" पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आईएआरआई के सहयोग से डीबीटी स्थिति योजना के तत्वावधान में 11 मार्च 2023 को हाइब्रिड मोड में "हाइड्रोपोनिक्स- स्मार्ट शहरी खेती" पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। जी, अहेड-ऑफ़-प्रिंट(प्रिंट से आगे), 1-14.

आयोजित सम्मेलन

नैनो मेडिकल साइंसेज संस्थान के सहयोग से 20 जुलाई 2022 को "नैनोबायोटेक्नोलॉजी (एनबीटी 2022)" पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

मेदिनी द्वारा 29 सितंबर 2022 को "मशरूम: न्यूट्रास्यूटिकल्स कैप्सूल" पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आईएआरआई के सहयोग से डीबीटी स्थिति योजना के तत्वावधान में 11 मार्च 2023 को हाइब्रिड मोड में "हाइड्रोपोनिक्स- स्मार्ट शहरी खेती" पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर राकेश कुमार पांडे ने www.steconf.org द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "स्थिरता, ऊर्जा और पर्यावरण पर दूसरा विश्व सम्मेलन" में वस्तुतः भाग लिया और 9 बजे से बर्लिन, जर्मनी में "सतत विश्व: भावनात्मक संसाधनों का संरक्षण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। -11 दिसंबर 2022.

प्रोफेसर उषा कुलश्रेष्ठ को 6-9 सितंबर 2022 तक इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, प्राग, चेक गणराज्य द्वारा भौतिकी में बीजगणितीय और विश्लेषणात्मक तरीकों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया था।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 86

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

16 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया। दौरा करने वाली कंपनियों की प्रकृति: लेखापरीक्षा, वित्त, परामर्श, अनुसंधान, रणनीति विकास, राजनीतिक सलाहकार, बीएफएसआई, आतिथ्य, प्रौद्योगिकी, ई-लर्निंग।

पुस्तकालय विकास

एन.एस. प्रधान मेमोरियल पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे व्यापक पुस्तकालयों में से एक है। यह पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है, इसमें लगभग 1.5 लाख पुस्तकें हैं और इसमें लगभग 350 छात्र बैठ सकते हैं। वर्ष 2022 में डॉ. एन.एस. किरोड़ीमल महाविद्यालय की प्रधान मेमोरियल पुस्तकालय पूर्णतः

वातानुकूलित भवन में परिवर्तित किया गया। 24 दिसंबर 2022 को पुस्तकालय की नवनिर्मित दूसरी मंजिल का उद्घाटन किया गया। पुस्तकालय की दूसरी मंजिल में दो बड़े विशाल वाचनालय और छात्रों और शिक्षकों के लिए एक ई-लर्निंग सेंटर है। ई-लर्निंग सेंटर को इंटरनेट जैसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। पुस्तकालय में ही पहुंच, ऑनलाइन ई-संसाधनों को डाउनलोड करना, मुद्रण, स्कैनिंग और फोटोकॉपी करना।

महाविद्यालय में 5000 से अधिक छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पुस्तकालय में जगह के उचित उपयोग का कार्य 2022 में शुरू किया था। पुस्तकालय भवन की पहली मंजिल पर, तीन बड़े हॉलों में भाषा पाठ्यक्रम, विज्ञान विधा और वाणिज्य विधा की पुस्तकें अब अलग-अलग रखी गई हैं। पहली मंजिल पर एक छोटे से कमरे को भाषा प्रयोगशाला में बदल दिया गया है। भूतल पर, जिसमें दो बड़े हॉल हैं, एक हॉल को पाठ्यपुस्तक अनुभाग के रूप में आरक्षित किया गया है, और दूसरे हॉल को स्व-अध्ययन के लिए सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक वातानुकूलित वातावरण में 100 छात्रों को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। साथ ही, महाविद्यालय की वेबसाइट पर एक ऑनलाइन लॉगिन सुविधा भी बनाई गई, जहां शिक्षक लॉगिन करके उन पुस्तकों को खोज सकते हैं जो पुस्तकालय में उपलब्ध हैं या उन्हें जारी की गई हैं। इसके अलावा, एक शिक्षक उन पुस्तकों के आरक्षण के लिए ऑनलाइन अनुरोध कर सकता है जिन्हें वह जारी कराना चाहता है।

संकाय संख्या

शिक्षण संकाय की कुल संख्या: 237

आचार्य : 35, सह आचार्य : 57, सहायक आचार्य : 145

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 96,42,15,000
उपयोगित अनुदान: रुपए 94,71,84,760

***

लेडी इरविन महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

लेडी इरविन महाविद्यालय ने एक समावेशी और सशक्त दृष्टिकोण के बाद और क्षमता निर्माण, कौशल विकास और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए महिलाओं की शिक्षा का बीड़ा उठाया है। 1932 में केवल ग्यारह छात्रों के साथ शुरू हुआ, यह अंततः गृह-विज्ञान शिक्षा प्रदान करने वाले सर्वोत्तम संस्थानों में से एक बन गया है। पिछले नौ दशकों में, महाविद्यालय ने राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रम कार्यान्वयन में भाग

लिया है। वर्षों से हमारी विशेषता अनुसंधान, नवाचार, सहयोग और गुणवत्ता आश्वासन के स्तंभों के माध्यम से समुदाय तक पहुंच बनाना रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त होने के बाद, महाविद्यालय को महिला सामूहिक नेतृत्व वाले सामाजिक कार्य केंद्र (एमओआरडी द्वारा रोशनी), राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और आहार पर उन्नत अनुसंधान (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा एनसीईएआरडी), डिजाइन के पदों पर गर्व है। नवाचार केंद्र (एमएचआरडी द्वारा स्पोके), डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तहत स्टार महाविद्यालय अनुदान, एमओएफपीआई, भारत सरकार द्वारा पीएमएफएमई योजना फ्लैगशिप योजना के लिए नोडल सेंटर और राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) द्वारा कौशल विकास केंद्र।

अच्छी तरह से प्रशिक्षित संकाय और सरकारी मंत्रालयों, यूनिसेफ फंडिंग और मास्टर एनजीओ के साथ साझेदारी सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे ने हमारे महाविद्यालय को राष्ट्रीय नीतियों का मार्गदर्शन करने और राष्ट्र विकास में सहायता करने के लिए रणनीतिक रूप से एक नोडल एजेंसी के रूप में स्थापित किया है। एनसीईएआरडी केंद्र आहार, एनीमिया और पैन-इंडिया मातृ पोषण टूलकिट के विकास पर राष्ट्रीय नीति का मार्गदर्शन करने में सक्षम है। रोशनी केंद्र ने पोषण-अभियान के तहत डीएवाई-एनआरएलएम दशासूत्र रणनीति और जन आंदोलन के साथ संरेखित एफएनएचडब्ल्यू हस्तक्षेपों के लिए तकनीकी केंद्र के रूप में कार्य किया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

लेडी इरविन महाविद्यालय वर्ष 2023 के दौरान एनआईआरएफ रैंकिंग के अनुसार भारत के शीर्ष 25 महाविद्यालयों में से एक है और इसे एनएएसी द्वारा 'ए+' के प्रभावशाली ग्रेड से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2022-23 में, महाविद्यालय द्वारा 48 संकाय सदस्यों को सह आचार्य या आचार्य स्तर पर पदोन्नत किया गया। अनुसंधान पर एक मजबूत प्रोत्साहन के साथ सौ से अधिक स्नातकोत्तर शोध प्रबंध दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किए गए। वर्ष 2022-23 में नब्बे से अधिक छात्र पीएच.डी. कर रहे थे। लेडी इरविन महाविद्यालय में गृह-विज्ञान विभाग से और लगभग तीस छात्रों को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया।

लेडी इरविन महाविद्यालय को विभिन्न उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से मान्यता दी गई है और एक विशेष दर्जा दिया गया है। इस वर्ष महाविद्यालय ने सीएसबीसी मॉड्यूल को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने के लिए विश्वविद्यालयों को तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए यूनिसेफ के साथ एक समझौता-ज्ञापन के साथ उत्कृष्टता केंद्र, सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन केंद्र की स्थापना की है। महाविद्यालय में महिला समूहों के नेतृत्व वाली सामाजिक कार्रवाई (रोशनी) के लिए उत्कृष्टता केंद्र है, जो एफएनएचडब्ल्यू और वॉश के क्षेत्र में महिला समूहों के साथ काम करने के लिए एमओआरडी और यूनिसेफ के सहयोग से

काम करता है। इसे एमओफपीआई, भारत सरकार द्वारा पीएमफएमई योजना फ्लैगशिप योजना के लिए एसएलटीआई के रूप में नोडल केंद्र का दर्जा भी दिया गया है। महाविद्यालय में एमएचआरडी के तहत डिजाइन इनोवेशन स्पोक सेंटर भी है। इसके अलावा, इसे 1985-2012 तक सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (सीएएस), यूजीसी विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) के रूप में भी मान्यता दी गई थी और इसमें एनसीईएआरडी (नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर एडवांस्ड रिसर्च ऑन डाइट) का राष्ट्रीय केंद्र था। पोषण माह के दौरान महाविद्यालय ने जन आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसने डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तहत स्नातक अनुसंधान और ओडीओपी के तहत उद्यमियों और जिला स्तर के प्रशिक्षकों के कौशल विकास को काफी बढ़ावा दिया है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर अनुपा सिद्धू को दिसंबर 2022 में न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, हैदराबाद में प्रतिष्ठित 13वें राजामल देवदास मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. ललिता वर्मा को 2 अगस्त को "स्तनपान के लिए कदम: शिक्षा और सहायता" विषय पर आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायक दाई नर्सों के लिए एक कार्यशाला आयोजित करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र से एक प्रशंसा-पत्र मिला।

डॉ. अपर्णा अग्रवाल और डॉ. पूजा रायज़ादा को ब्लू प्लैनेट एनवायर्नमेंटल के साथ साझेदारी में दिल्ली इफेक्टिव एजुकेशन एंड पेडागॉजी क्लस्टर (डीईईपी-सी) द्वारा प्रस्तावित ब्लू प्लैनेट सस्टेनेबिलिटी फ़ेलोशिप प्रोग्राम, ब्लू नज कलेक्टिव रिस्पॉन्सिबिलिटी ड्राइव (सीआरडी) के लिए मेंटर्स के लिए प्रशंसा-पत्र प्राप्त हुआ।

डॉ. माधुरी निगम को भारतीय कपड़ा क्षेत्र के लिए जीवन चक्र सूची के माध्यम से वस्त्रों के जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के आकलन के लिए प्रशंसा-पत्र प्राप्त हुआ (मौखिक प्रस्तुति - ऑनलाइन); जलवायु परिवर्तन: विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार (एनसीसीसीएसटीआई-2022) 16 दिसंबर 2022 पर्यावरण विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा, 2022.

प्रकाशन

अग्रवाल, ए., गांधी, एस., त्रिपाठी, ए.डी., इम्मारिनो, एम., होमरोय, एस. (2022)। माइक्रोवेव हीटिंग के दौरान माइक्रोवेव योग्य पॉलीकार्बोनेट कप से कॉफी में बिस्फेनॉल ए के स्थानांतरण का विश्लेषण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 57(12), 7477-7485।*

आनंद, ए., सेखरी, एस. (2022)। भारतीय हथकरघा: वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की दिशाएँ। *जर्नल ऑफ आर्ट्स, आईआईएस यूनिवर्सिटी, जयपुर, यूजीसी केयर-सूचीबद्ध*, 10(3), 339-57

बत्रा, एस., आनंद, एस., वर्मा, ए. (2022)। हरियाणा में मातृ स्वास्थ्य के लिए सेवाएँ: स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधनों की धारणा। *इंडियनजर्नलऑफ होम साइंस.* 2022: 34(1). पीपी. 43-52.

भामराह, ए., रंगीला, डी. (2023)। दृष्टिबाधित युवा वयस्क: सामाजिक समावेशन में चुनौतियाँ। *द इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस (यूजीसी केयर लिस्टेड),* 35(1), 167-176

चोपड़ा, एस., गोयल, एन., हरीश, जी., (2022) राजस्थान के स्ट्रिंग कठपुतलियों के पारंपरिक और समकालीन पहलू, टेक्सटाइल: *द जर्नल ऑफ क्लॉथ एंड कल्चर, पीपी*: 1-11.

दीप्ति, एस., कुमारी, ए., कौर, एन., त्रिपाठी, ए. डी., अग्रवाल, ए. (2023)। वसा प्रतिस्थापक के रूप में ख़ुरमा फल (डायस्पायरोस काकी) का उपयोग करके केक का विकास और इसका रासायनिक और संरचनात्मक प्रोफ़ाइल विश्लेषण। *एलडब्ल्यूटी*, 178, 114601.

जैन, एम., मितल, एम., सयाल, एम. (2022)। वाणिज्यिक भवन क्षेत्र के लिए सौर ऊर्जा नीतियां: भारत से अनुभव। *ओआईडीएइंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबलडेवलपमेंट*, 15(3), 33-38.

मेदीरत्ता, एस., माथुर, पी. (2022)। दिल्ली में रहने वाले वयस्कों (20-40 वर्ष) द्वारा भोजन की पसंद और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादों के चयन के निर्धारक। *पोषणमें वर्तमान विकास,* 6(पूरक_1), *491*-491.

मेहता, आर. (2022)। भारत में शिक्षा में लिंग विभाजन: महिला शिक्षा पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एंड इनोवेटिव रिसर्च। 9(2):131-136.

मेहता, आर. (2022)। बाल श्रम के प्रति दृष्टिकोण एवं व्यवहार। *परिशोध जर्नल.*15(6), 73-85.

शोध-परियोजनाएं

शोध-पत्र बैग बनाने (ग्रीन जॉब्स) के लिए एक उद्योग भागीदार एम3एम द्वारा समर्थित पीएमकेवीवाई 3:0 एनएसडीसी, एमएसडीई, भारत सरकार के तहत एक कौशल केंद्र पहल की स्थापना की गई थी।

बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी (2020 से 2023) के लिए तीन वर्षों के लिए पच्चीस लाख के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त-पोषित 'स्नातक स्तर पर जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रशिक्षण को मजबूत करने' के लिए स्टार महाविद्यालय योजना।

पेटेंट/कॉपीराइट

योजना के तहत एमएचआरडी के स्पोक केंद्र द्वारा 10 कॉपीराइट और 4 डिज़ाइन पंजीकरण।

संगोष्ठी/कार्यशालाओं का आयोजन

13 जुलाई 2022 को वरिष्ठ अंतर्राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता और पोषण विशेषज्ञ। सुश्री शशि सरीन द्वारा 'खाद्य सुरक्षा- क्षेत्र में प्रासंगिक मुद्दे और चुनौतियाँ' शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

13 जुलाई 2022 को खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता और पोषण विशेषज्ञ, एफएओ सुश्री शशि सरीन द्वारा 'खाद्य सुरक्षा: क्षेत्र में प्रासंगिक मुद्दे और चुनौतियां' शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार दिया गया।

17 मार्च 2023 को डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में वर्ष 2014 के नोबेल शांति पुरस्कार

विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा 'भारत में बाल अधिकार: मुद्दे और चुनौतियाँ' शीर्षक विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

आयोजित सम्मेलन

महर्षि आयुर्वेद अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 17 दिसंबर 2022 को 'आयुर्वेद और पोषण' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

18वें संजम रंधावा मेमोरियल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जिसे 16 मार्च 2023 को फिक्की, केमिकल ब्रदर्स, स्वयं, मनोहर फिलामेंट्स, सीसीपीएल, अर्क्रोमा का समर्थन प्राप्त था।

17 दिसंबर 2022 को 'लर्निंग (एनसीएल 2022)' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

सम्मेलनों/संगोष्ठियों में शोध-पत्र प्रस्तुति

तेजपुर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन: विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार (एनसीसीसीएसटीआई - 2022) सम्मेलन के दौरान डॉ. माधुरी निगम ने 'भारतीय कपड़ा क्षेत्र के लिए जीवन चक्र सूची के माध्यम से वस्त्रों के जलवायु परिवर्तन प्रभावों का आकलन' शीर्षक से एक शोध-पत्र 16 दिसंबर 2022 को प्रस्तुत किया।

तेजपुर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन: विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार (एनसीसीएसआईसीआईटीआई - 2022) सम्मेलन के दौरान डॉ. रफाच कॉर्पोरेशन ने 'भारतीय कपड़ा क्षेत्र के लिए जीवन चक्र सूची के माध्यम से वस्त्रों के जलवायु परिवर्तन उत्पादों का सारांश' शीर्षक से एक शोध-पत्र 16 दिसंबर 2022 को प्रस्तुत किया।

15-16 नवंबर 2022 कोलॉरेंटियन यूनिवर्सिटी मेंलॉ (आईसीआईआरएल), सेंटर फॉर रिसर्च इन सोशल जस्टिस एंड पॉलिसी (सीआरएसजेपी) और ओंटारियो इंटरनेशनल डेवलपमेंट एजेंसी (ओआईडीए), कनाडा। डॉ. एन. माकोलने इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च द्वारा आयोजित सतत विकास, बैंकॉक, थाईलैंड पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में' अक्षय ऊर्जा के व्यवहार्य नवीकरणीय खरीद विकल्पों का विश्लेषण: भारत में सी एंड आई उपभोक्ताओं के लिए एक अभिन्न डीकार्बोनाइजेशन उपकरण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

17 दिसंबर 2022 को महाविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लर्निंग में डॉ. डी. रंगीला ने 'बच्चों के साहित्य में दिव्यांगता का प्रतिनिधित्व' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआईएस) के लिए सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन के लिए संचार (सीएसबीआई) पाठ्यक्रम रोल-आउट के लिए यूनिसेफ, भारत के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

आईसीडीएस के लिए पूरक पोषण प्रावधानों के अनुकूलन के लिए डब्ल्यूएचओ-एसजेआरआई के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

परिधान और गृह वस्त्र क्षेत्र, 2022 के लिए अपैरल मेड अप्स और होम टेक्सटाइल्स सेक्टर स्किल काउंसिल (एएमएचएसएससी और फएएस एलआईसी) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

स्कूल ऑफ प्लानिंग, डिजाइन एंड कंस्ट्रक्शन, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, एमएसयू और आरएमडीए विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो 2019-2024 से वैध है।

एनआरएलएम और लेडी इरविन महाविद्यालय के बीच रोशनी परियोजना के तहत समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर, अक्टूबर 2018 अक्टूबर 2023 तक वैध है।

सहयोगात्मक परास्नातक और डॉक्टरेट शोध, सहयोगात्मक प्रकाशन, वार्षिक टास्क फोर्स, वार्षिक संगोष्ठी के लिए मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिट के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

उद्योग भागीदार एम3एम द्वारा समर्थित पेपर बैग बनाने (ग्रीन जॉब्स) पर पीएमकेवीवाई3:0 एनएसडीसी, एमएसडीई, भारत सरकार के तहत कौशल हब पहल के लिए भारत सरकार, एम3एम के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय ने 6 सितंबर 2022 को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, दिल्ली में एक कार्यशाला आयोजित करके ओएनजीसी के सहयोग से पोषण माह मनाया। महाविद्यालय ने 2 अगस्त 2022 को स्तनपान सप्ताह मनाने के लिए आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और एएनएम कार्यकर्ताओं के लिए "स्तनपान के लिए कदम: शिक्षित और समर्थन" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की। विभाग द्वारा 27 अक्तूबर 2022 को विश्व खाद्य दिवस समारोह भी आयोजित किया गया।

एनईपी के तहत एसईसी पाठ्यक्रम के लिए 'खोज इंजन अनुकूलन' पर एक सेमिनार का आयोजन संसाधन व्यक्ति: श्री रजत गुप्ता, सामग्री लेखक, क्रेडफ्लो के साथ किया गया था। संसाधन व्यक्ति: सुश्री गायत्री सुब्रमण्यम, निदेशक, एसोसिएशन ऑफ वीमेन इन बिजनेस, पूर्व मुख्य कार्यक्रम कार्यकारी, भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान, कॉर्पोरेट मामलों मंत्रालय, भारत सरकार के साथ 'सीएसआर: वर्तमान रुझान और अवसर' पर एक वेबिनार भी आयोजित किया गया। इसके अलावा, विभाग ने 'डिजिटल मार्केटिंग के लिए सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ)' संसाधन व्यक्ति: श्री मनीष जैन, संस्थापक और निदेशक, लेट्स बिल्ड ब्रांड्स मीडिया (एलबीबी) पर एक कार्यशाला सह सेमिनार की भी मेजबानी की। :

एचडीसीएस विभाग ने राजकुमारी अमृत कौर बाल अध्ययन केंद्र के साथ मिलकर 14.11.2022 को 'बाल

मेला' का आयोजन किया। आउटडोर गेम्स, रोल-प्लेइंग, गायन, कहानी सुनाना और कठपुतली शो जैसी विभिन्न कार्यकलाप आयोजित की गईं। विभाग के छात्रों ने अपने पाककला, शिल्प और उद्यमशीलता कौशल को प्रदर्शित करने और बढ़ाने के लिए विविध स्टॉल लगाए।

ट्रैशन-वेस्ट से फैशन और स्टाइलिंग प्रतियोगिता, टेल ऑफ ए ट्रेंड, वाबी सबी सस्टेनेबिलिटी, ज़ूम दिल्ली और केमिकल ब्रदर्स द्वारा समर्थित, फरवरी, 2023 में एफएएस विभाग द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें यूजी और पीजी छात्रों ने अपशिष्ट सामग्री से कपड़े बनाए थे।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने एक पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर एलआईबीएसवाईएस **10** स्थापित किया है**,** जो एक क्लाउड-आधारित प्लेटफ़ॉर्म है और इसलिए ओपीएसी अब जून **2022** से किसी भी इंटरनेट से जुड़े डिवाइस पर प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए **24x7** उपलब्ध है। छात्रों के उपयोग के लिए आठ नए कंप्यूटर सिस्टम खरीदे और स्थापित किए गए और एन-लिस्ट और डेलनेट की सदस्यता नवीनीकृत की गई। पुस्तकालय ने मार्च **2023** में केआईबीओ **-** डिवाइस का अधिग्रहण किया जो उपयोगकर्ताओं को मुद्रित**,** हस्तलिखित दस्तावेज़ को सुनने**,** अनुवाद करने**,** डिजिटाइज़ करने में सक्षम बनाता है। इससे दृष्टिबाधित लोगों को मदद मिलेगी और साथ ही दैनिक कामकाज में हिंदी का उपयोग करने की आवश्यकता भी पूरी होगी।

पुस्तकालय ने ऑनर्स तृतीय वर्ष के रिसर्च प्रैक्टिकल के स्नातक छात्रों के लिए "साहित्यिक चोरी" पर एक सत्र भी आयोजित किया। वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान, 112 पुस्तकें 88,164/- रुपये में खरीदी गईं और 42 जर्नल की सदस्यता 6,23,001**/-** रुपये में नवीनीकृत की गई।

संकाय संख्या:

संकाय की कुल संख्या : 103

***

लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय (एलएसआर) उन महिलाओं के पोषण के लिए प्रतिबद्ध है जो विश्व नागरिक बनने के लिए तैयार हैं। वे महिलाएं जो अपनी संस्कृति और विरासत पर गर्व करती हैं, लेकिन उनमें आज की दुनिया की एक सर्वदेशीय समझ और विविधता का समारोह मनाने वाली संवेदनशीलता भी है। स्वर्गीय सर श्री राम द्वारा अपनी पत्नी की याद में 1956 में नई दिल्ली में स्थापित, महाविद्यालय की शुरुआत मध्य दिल्ली के दरियागंज में एक स्कूल भवन में हुई थी, जिसमें 243 छात्र, 9 संकाय, 4 सहायक कर्मचारी और अध्ययन के 3 अलग-अलग पाठ्यक्रम थे। संस्था का उद्देश्य महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुंच प्रदान करना था। एलएसआर इसके संस्थापक की दूरदर्शी दृष्टि और उनके सपने को साकार करने के अथक उत्साह का प्रमाण है। आज, महाविद्यालय दक्षिण दिल्ली में 15 एकड़ के खूबसूरत कैंपस में स्थित है, इसमें लगभग 2000 छात्र, 150 से अधिक संकाय, प्रशासनिक और सहायक कर्मचारी और अध्ययन के 16 पाठ्यक्रम हैं। उद्योगपति और परोपकारी, स्वर्गीय डॉ. भरत राम की प्रेरक अध्यक्षता

में, महाविद्यालय शैक्षणिक और पाठ्येतर उपलब्धियों का पर्याय बन गया। उद्योग, कानून, पत्रकारिता, शिक्षाविदों और नौकरशाही के क्षेत्रों से लिया गया एक प्रबुद्ध और सहायक गवर्नर्स बोर्ड, महाविद्यालय के संचालन में अध्यक्ष की सहायता करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एलएसआर ने ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल की भी मेजबानी की। दौरे पर आए समूह का नेतृत्व क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और कुलपति प्रोफेसर डेबोरा टेरी एओ ने किया। यूक्यू दुनिया के शीर्षतम विश्वविद्यालयों में शुमार है। हमने 2 मार्च 2023 को ला ट्रोब विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आईक्यूएसी एलएसआर ने छात्रों को देश के कानूनी ढांचे से परिचित कराने के उद्देश्य से दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के सहयोग से 'विधि ज्ञान' नामक एक ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में पटियाला हाउस कोर्ट कॉम्प्लेक्स और चित्तरंजन पार्क पुलिस स्टेशन का दौरा शामिल था। आईक्यूएसी के तत्वावधान में अर्थशास्त्र विभाग ने सुश्री नंदिता बख्शी द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया, जो वर्तमान में बीएनपी परिबस कंपनी, बैंक ऑफ वेस्ट के अध्यक्ष और सीईओ के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा, प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद द्वारा प्रायोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: विषय और परिप्रेक्ष्य' नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस वर्ष नियोजन सीज़न अभूतपूर्व था और हमने अपने छात्रों को 236 ऑफर प्रदान करते हुए 140 से अधिक कंपनियों की भागीदारी देखी। विभिन्न उद्योग दिग्गजों ने हमारे छात्रों को विविध श्रेणी में पदों की पेशकश की।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर शर्मा को मार्च 2023 में "अनुसंधान" के क्षेत्र में चौथे डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रीय समर्पण पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया।

डॉ. शेरनाज़ कामा को 2022 में 12वीं विश्व पारसी कांग्रेस, न्यूयॉर्क में विश्व जरथुश्ती सामुदायिक सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. कंचन वर्मा को शिक्षा और अनुवाद के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य के लिए 2021-2022 के दौरान सन्निधि संगोष्ठी, नई दिल्ली (राष्ट्रीय) द्वारा काका साहेब कालेलकर स्मृति राष्ट्रीय प्रोत्साहन सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ. वर्तिका नंदा को 16 जनवरी 2023 को किस्सा खाकी का से सम्मानित किया गया। किस्सा खाकी का भारत का पहला और एकमात्र पॉडकास्ट है जो किसी पुलिस विभाग द्वारा चलाया जा रहा है। वर्तिका नंदा ने इन पॉडकास्ट की कल्पना की है और वह आधिकारिक कहानीकार हैं। यह पॉडकास्ट शृंखला दुनिया के सामने दिल्ली पुलिस कर्मियों से संबंधित अपराध और मानवता की असाधारण कहानियां प्रस्तुत करती है।

डॉ. वर्तिका नंदा को उनके तिनका तिनका जेल रेडियो पॉडकास्ट, एपिसोड 11, जिसका शीर्षक-होली और

करनाल जेल रेडियो है, के लिए 2022 में पॉपुलेशन फर्स्ट द्वारा वेब पॉडकास्ट (हिंदी) श्रेणी में लैंगिक संवेदनशीलता के लिए लाडली मीडिया एंड एडवरटाइजिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसकी परिकल्पना और निर्माण किसके द्वारा किया गया था? तिनका तिनका फाउंडेशन. तिनका तिनका जेल रेडियो पॉडकास्ट भारत में जेल सुधारों के लिए समर्पित एकमात्र पॉडकास्ट है।

गौरव प्राप्त छात्र

1. नवनीत कौर बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी तृतीय वर्ष को महाविद्यालय-संचयी परिणाम के आधार पर एलएसआर महाविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया।

2. बी.ए. की अमी सहगल। (ऑनर्स) समाजशास्त्र तृतीय वर्ष को महाविद्यालय-संचयी परिणाम के आधार पर एलएसआर महाविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया।

3. बी.ए. की निकिता साहनी, कार्यक्रम तृतीय वर्ष को महाविद्यालय-संचयी परिणाम के आधार पर एलएसआर महाविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया।

4. बी.कॉम तृतीय वर्ष की अंशिता बंसल को महाविद्यालय-संचयी परिणाम के आधार पर एलएसआर महाविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया।

5. बी.ए. के ओशीन खरे (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष को महाविद्यालय-संचयी परिणाम के आधार पर एलएसआर महाविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

ढिल्लों, एम. (2023)। "भारत में एक बॉडी इमेज स्कूल-आधारित हस्तक्षेप का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"। शरीर की छवि। 44 (एनए): 148-156.

दरबारी, जे. (2022)। दो-चरण नेटवर्क डीईए का उपयोग करके भारतीय खुदरा श्रृंखला का सतत प्रदर्शन माप। संचालन अनुसंधान के इतिहास। 315(2): 1477-1515.

आहूजा, के. (2022)। वायरस को स्कैन करना: तनाव के आयामों का अध्ययन और कोविड-19 से मुकाबला करना। वर्तमान मनोविज्ञान। एनए (41): 7326-7336।

दरबारी, जे. (2022)। एकीकृत टीएसएम-फयूजी एमआईसीएमएसी मॉडल का उपयोग करके बहु-स्तरीय खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में सहयोगात्मक सतत प्रथाओं का विश्लेषण: एक आपूर्ति श्रृंखला अभ्यास दृश्य। क्लीनर उत्पादन के जर्नल. 354 (एनए): 131271.

दासता के ऐतिहासिक रूपों का पता लगाना: परिचयात्मक टिप्पणी और प्राथमिक प्रतिबिंब। दक्षिण एशियाई इतिहास और संस्कृति। 4(13): 433-444.

ढिल्लों, एम. (2022)। "मैंने अपने अनुभव से और अपने वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बहादुर दिल से किसी

भी चुनौती का सामना करना सीखा है": महामारी के दौरान भारतीय पुलिस समुदाय के सदस्यों के जीवंत अनुभव। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सामुदायिक मनोविज्ञान। 22 (8): एनए।

सहगल, एस. (2023)। एक आदर्श पत्नी के प्रतिमान में डेंट बनाना: भारतीय पौराणिक कथाओं में पितृसत्ता के साथ पार्वती की चर्चा। सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल में प्रगति। 4(10): 221-232.

गांगुली, आर. (2022)। अमेरिकी बादाम के लिए भारत की आयात मांग को प्रभावित करने वाले आर्थिक, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारकों का विश्लेषण। सामाजिक विज्ञान और आर्थिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 8(7): 2661-2670.

गांगुली, आर. (2022)। अमेरिकी बादाम के लिए भारत की आयात मांग को प्रभावित करने वाले आर्थिक, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारकों का विश्लेषण। सामाजिक विज्ञान और आर्थिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 8(7): 2661-2670.

जोशी एम. (2022)। जलवायु परिवर्तन पर बौद्ध प्रतिक्रिया: हमें क्या करना चाहिए। महाबोधि: अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध जर्नल। 2566बीई (130): 29-39।

जर्नल

आहूजा, के., ढिल्लों, के.(2022-23)। सीखने की अवस्था। वार्षिक अंक। 12(1): 100.

खंडेलवाल, ए. और परवीन, एस. (2022-23)। एक्लाट। वार्षिक अंक। 14 (एनए): 100.

रविशंकर, ए., माथुर जी., सिंह एस., ध्यानी, वी.(2022-23)। विकल्प- सबाब। वार्षिक अंक। 7(1): 130.

अनन्या। (2022-23). नोएसिस. वार्षिक अंक। 9 (एनए): 127.

कक्कड़, एस. (2022-23)। समबोल। वार्षिक अंक। एनए (एनए): 201.

जर्नल

आहूजा, के., ढिल्लों, के.(2022-23)। अध्ययन की अवस्था. *वार्षिक*/12(1): 100.

खंडेलवाल, ए. और परवीन, एस.(2022-23)। एक्लाट। *वार्षिक*/14(एनए): 100.

रविशंकर, ए., माथुर जी., सिंह एस., ध्यानी, वी.(2022-23)। विकल्प- सबाब। *वार्षिक*/। 7(1): 130.

अनन्या.(2022-23). शोर। *वार्षिक*/। 9(एनए): 127.

कक्कड़, एस.(2022-23)। पारिस्थितिक बोलचाल। *वार्षिक*/ एनए(NA): 201.

शोध-परियोजनाएं

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "भारत में आश्रय गृहों में परित्यक्त वृद्ध विधवाएं: उनके सामाजिक-आर्थिक कल्याण और सरकारी कल्याण नीतियों के प्रसार का एक अध्ययन"। 8 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: प्रोफेसर सुमन शर्मा।

डॉ. भरत राम अनुसंधान अनुदान द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "भारतीय महानगर में महिलाओं का प्रतिनिधित्व: लिंग, हिंसा और शहरी स्थान"। 2 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. वफ़ा हामिद और डॉ. अरुणिमा रॉय।

डॉ. भरत राम रिसर्च ग्रांट द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "दिव्यांगता का ऐतिहासिक और समकालीन चित्रण: भारत में युवा महिलाओं के लिए निहितार्थ"। 2 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. मेघा ढिल्लों और डॉ. शतरूपा भट्टाचार्य।

चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "कविता और राजनीति- आगा शाहिद अली की कविता का एक अध्ययन"। 1.53 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. वफ़ा हामिद।

मंजूर/दायर पेटेंट : लागू नहीं

आयोजित संगोष्ठी

29 मार्च 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) प्रोफेसर पूनम बत्रा द्वारा 'एनईपी2020 और शिक्षक शिक्षा' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. भास्करजीत नियोग, संकाय, दर्शनशास्त्र केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा 'व्यक्तिगत जिम्मेदारी और जलवायु परिवर्तन' शीर्षक सेमिनार 13 अप्रैल 2023 को आयोजित किया गया।

17 मार्च 2023 को ग्रैड कैपिटलो के संस्थापक श्री अभिषेक सेठी द्वारा 'स्टार्ट अप बनाम स्केल अप- वैल्यू क्रिएशन का अर्थ' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन द्वारा 'मध्यम अवधि विकास' शीर्षक सेमिनार 31 मार्च 2023 को आयोजित किया गया।

प्रोफेसर वी सुजाता, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम्स, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की संकाय द्वारा 12 अप्रैल 2023 को संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसका शीर्षक था, 'एक अलग दुनिया में एम्बेडेड ज्ञान: 21वीं सदी में लोक ज्ञान'।

आयोजित सम्मेलन

17 अप्रैल 2023 को 'रीडिंग बिटवीन द पैनल्स: डीकंस्ट्रक्टिंग द ग्राफिक' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन

का आयोजन किया गया।

12 अप्रैल 2023 को 'गणित, वित्त और प्रौद्योगिकी के परस्पर क्रिया को डिकोड करना' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

17 अप्रैल 2023 को 'संकट में उदारवाद' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

17 अप्रैल 2023 को 'संकट में उदारवाद' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया।

23 मार्च 2023 को 'श्रम और आराम का इतिहास' पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

शर्मा, एस. ने मौलाना आज़ाद नेशनल में आयोजित शैक्षिक परिवर्तन: संकट और लचीलापन विषय पर तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई) 2022 के 12वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भावी शिक्षकों में महत्त्वपूर्ण सामाजिक-राजनीतिक चेतना का विकास" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू), हैदराबाद, 9-11 दिसंबर 2022 तक।

बस्सी, टी. ने शैक्षिक परिवर्तन: संकट विषय पर तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई) 2022 के 12वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लिंग, समाजीकरण और शिक्षा: कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली में लड़कियों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। और रेजिलिएंस 9-11 दिसंबर 2022 तक मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (एमएएनयूयू), हैदराबाद में आयोजित किया गया।

मिनोचा, ए. ने दिनांक 22 अप्रैल, 2022 को मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, एलएनएम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के सम्मेलन "भाषा, साहित्य और मीडिया के माध्यम से सांस्कृतिक प्रक्षेपवक्र" में "डिजिटल संस्कृतियां, 'मीडिया नार्कोसिस' और एजेंसी का प्रश्न" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 29 अप्रैल 2022.

कामा, एस. ने मलेशिया के जकार्ता विश्वविद्यालय में यूनेस्को कार्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय विरासत विभाग में "मानवता की विरासत: नए जन्म का पारसी अनुभव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, केलंतन ने 2022 में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

मिश्रा, एम. ने 11-12 मार्च 2023 को भारतीय साहित्य में राष्ट्र की अवधारणा पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पुनर्प्राप्त महिलाएं और विभाजित राष्ट्र" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हामिद, डब्ल्यू. ने 24 मार्च 2023 को साउथ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी (ऑनलाइन) में तीसरे वार्षिक इंटरसेक्शनल स्टडीज कॉन्फ्रेंस में "प्रिसिरियस बॉडीज: जेंडर, क्लास, एंड द ग्रामर ऑफ वायलेंस इन द मेट्रोपोलिस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कोशी, जे. ने "हेरेटिक्स, हीथेंस और ईसाई;" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। या 22-24 अप्रैल 2022

को इलिनोइस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दूसरे शहर मानवविज्ञान सम्मेलन में इंग्लैंड के चर्च ने सिरिएक ईसाइयों के इतिहास का निर्माण कैसे किया।

वर्मा, के, ने 1-2 फरवरी 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के एआरएसडी महाविद्यालय में नाटक एवं रंगमंच: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ पर दो दिवसीय वेबिनार में "चुनातियों के दौर में रंगमंच: बोल कि लब आज़ाद हैं तेरे" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

ढिल्लों, एम. और भट्टाचार्य 2 फरवरी 2023 को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आगे की राह। एस. ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 100 वर्ष पूरे होने का समारोह मनाने के लिए बहुआयामी सम्मेलन में "संघर्ष, ताकत और कल्याण: दिव्यांग बच्चों वाली माताओं के बॉलीवुड प्रतिनिधित्व का एक नारीवादी विषयगत विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आहूजा ने 'मनोविज्ञान और शिक्षा: आकार देना' विषय पर इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी के 27 वें अंतर्राष्ट्रीय और 58 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "घर से काम के कार्यक्षेत्र की रूपरेखा: भारतीय आईटी प्रमुखों द्वारा संचार के महत्त्वपूर्ण प्रवचन विश्लेषण से अंतर्दृष्टि" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 16 फरवरी 2023 को मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय मनोविज्ञान संस्थान द्वारा विश्व" का आयोजन किया गया (सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार दिया गया)।

पाढ़ी, पी. ने एमिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर पॉजिटिविटी एंड हैप्पीनेस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में "मेकिंग पॉप्सिकल्स आउट ऑफ लेमन्स: एक्सप्लोरिंग हैप्पीनेस एंड रेजिलिएंस इन चिल्ड्रन विद क्रॉनिक इलनेसेस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया: "परमानंद: फिलॉसफी, साइकोलॉजी, एंड फिजियोलॉजी ऑफ हैप्पीनेस" 28-30 सितंबर 2022।

ढिल्लन, एम. ने "लिंग अधिकार, न्याय पर बहस: मुद्दे और चिंताएं" (संगठित) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ाई: भारत में नारीत्व, दिव्यांगता और मानसिक स्वास्थ्य के अंतर्संबंधों का एक नारीवादी विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। भारतीय महिला अध्ययन संघ द्वारा) 5-6 मई 2023 को आयोजित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

ला ट्रोब विश्वविद्यालय (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय ने 2 मार्च 2023 को ला ट्रोब विश्वविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम को माननीय शिक्षा मंत्री ने देखा। धर्मेंद्र प्रधान और उनके समकक्ष ऑस्ट्रेलियाई माननीय शिक्षा मंत्री, जेसन क्लेयर ने देखा।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

कारगिल छात्रवृत्ति: एलएसआर के दो छात्रों को 2022 में प्रतिष्ठित कारगिल छात्रवृत्ति से सम्मानित किया

गया। पूरे भारत से चुने गए दस छात्रों में से, सुश्री अग्रिमा गुप्ता, मनोविज्ञान (ऑनर्स) और सुश्री शाजिया परवीन, गणित (ऑनर्स) को 2022 में छात्रवृत्ति के लिए चुना गया था।

एशियाई विश्वविद्यालय शिखर सम्मेलन ऑनलाइन आयोजित किया गया था और सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। एलएसआर के प्रतिभागियों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया: सुश्री बर्षा दास (अर्थशास्त्र), सुश्री गुनिशा अग्रवाल (अंग्रेजी), सुश्री महक सिंह (मनोविज्ञान), सुश्री साक्षी मिश्रा (मनोविज्ञान) और सुश्री तमारा वुंडरू (राजनीति विज्ञान)। ऑस्ट्रेलिया में वर्ष के लिए विषय "एक जटिल दुनिया में नेतृत्व: अनिश्चितता के समय में अवसर पैदा करना" था। यह 20-29 जून 2022 तक नौ दिनों में आयोजित किया गया था।

लेडी श्री राम महाविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय को 4 अगस्त 2022 को क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी करने का सम्मान मिला। दौरे पर आए समूह का नेतृत्व क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और कुलपति प्रोफेसर डेबोराटेरीएओ ने किया। प्रोफेसर टेरी ने अपने सहयोगियों, प्रोफेसर हीदरज़िवकर और प्रोफेसर हेलेनक्लेबे के साथ "नेतृत्व में महिलाएं" विषय पर छात्रों के साथ एक सत्र आयोजित किया।

(डॉ) लिंडसे जी ओडेस, निदेशक, सेंटर फॉर वेलबीइंग साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबॉर्न, मेलबर्न विश्वविद्यालय का एक प्रतिनिधिमंडल 7 सितंबर 2022 को ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग से सुश्री अनु जैन के साथ एलएसआर का दौरा करने आया था।

प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से प्राथमिक शिक्षा विभाग, एलएसआर के साथ भविष्य के सहयोग और अनुसंधान योजनाओं पर चर्चा करने के लिए एलएसआर का दौरा किया। विभाग की ओर से डॉ. ए. कल्याणी, डॉ. स्मृति, डॉ. तृप्ति बस्सी और डॉ. जोनाकी घोष ने अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय के प्रोफेसर शर्मा, सुश्री भावना शर्मा झा और डॉ. शतरूपा भट्टाचार्य के साथ प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा की।

14 सितंबर 2022 को, यूरोप और विदेश मामलों की माननीय मंत्री, कैथरीन कोलोना ने भारत की अपनी पहली यात्रा में, महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कार्यालय द्वारा स्वागत किया। एलएसआर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उनके साथ फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनिन और फ्रांसीसी दूतावास के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी थे। उन्होंने शिक्षा और प्रशिक्षण में दोनों देशों के बीच मौजूद मजबूत संबंधों पर जोर दिया, एक उदाहरण के रूप में लेडी श्रीराम महाविद्यालय और साइंसेज पो के बीच सहयोग पर प्रकाश डाला और फ्रांस में भारतीय छात्रों की संख्या को दोगुना करने के प्रमुख लक्ष्यों को दोहराया। 14 सितंबर 2022 को, यूरोप और विदेश मामलों की माननीय मंत्री, कैथरीन कोलोना ने भारत की अपनी पहली यात्रा में, महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कार्यालय द्वारा स्वागत किया। एलएसआर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उनके साथ फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनिन और फ्रांसीसी दूतावास के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी थे। उन्होंने शिक्षा और प्रशिक्षण में दोनों देशों के बीच मौजूद मजबूत संबंधों पर जोर दिया, एक उदाहरण के रूप में लेडी श्रीराम महाविद्यालय और साइंसेज पो के बीच सहयोग पर प्रकाश डाला और फ्रांस में भारतीय छात्रों की संख्या को दोगुना करने के प्रमुख लक्ष्यों को दोहराया।

फ्रांसीसी दूतावास के विशिष्ट प्रतिनिधियों ने भी समारोह में भाग लिया और इस कार्यक्रम को एएनआई

नेटवर्क, द हिंदू और द टाइम्स ऑफ इंडिया जैसे महत्त्वपूर्ण मीडिया आउटलेट्स द्वारा कवर किया गया। फ्रांसीसी दूतावास के विशिष्ट प्रतिनिधियों ने भी समारोह में भाग लिया और इस कार्यक्रम को एएनआई नेटवर्क, द हिंदू और द टाइम्स ऑफ इंडिया जैसे महत्त्वपूर्ण मीडिया आउटलेट्स द्वारा कवर किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कार्यालय को 28 नवंबर 2022 से 2 दिसंबर 2022 तक शुरू होने वाले चार दिवसीय अध्ययन दौरे के लिए मैक्वेरी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के एक प्रतिनिधिमंडल सुश्री ब्रूना गोम्स, सुश्री टेनिएल कोरकोरन, सुश्री केसी क्रॉस, सुश्री एवलिन रॉबिन्सन, सुश्री यूनिस झाओ और सुश्री शिमरान कुमार की मेजबानी करने के लिए भी सम्मानित किया गया था। विजिटिंग ग्रुप का नेतृत्व मैक्वेरी विश्वविद्यालय के कुलपति और अध्यक्ष प्रोफेसर एस ब्रूस डॉटन ने किया, जिन्होंने अध्ययन दौरे का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद सम्मानित अतिथियों द्वारा पौधे लगाए गए। सात छात्रों के साथ संगीत अध्ययन के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. एंड्रयू अल्टर्स भी थे। स्टडी टूर में विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों ने भाग लिया था।

सुश्री प्रीति डावरा, निदेशक, ग्लोबल मार्केटिंग स्ट्रैटेजी, ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल एंगेजमेंट, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर और श्री राहुल सिंह, सहायक निदेशक, ग्लोबल मार्केटिंग, ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल एंगेजमेंट, एनटीयू ने दोनों संस्थानों के बीच आने वाले वर्षों में साझेदारी और विनिमय के अवसरों पर चर्चा करने के लिए 14 दिसंबर 2022 को एलएसआर का दौरा किया।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

एनयूएस से सुश्री राधिका गुरसाहनी एक सेमेस्टर के लिए एलएसआर में शामिल हुईं। उन्होंने राजनीति विज्ञान, इतिहास और समाजशास्त्र से शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 242

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 140

कैंपस में आने वाली कंपनियों में मैकिन्से एंड कंपनी, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, एलईके कंसल्टिंग, एचयूएल, बैंक ऑफ अमेरिका, डी.ई. शॉ, केप्लर कैनन, एफटीआई कंसल्टिंग, एक्सेंचर, अमेज़ॅन आदि हैं।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

लेडी श्रीराम महाविद्यालय फॉर वुमन में राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के बीच सामाजिक कर्तव्यनिष्ठा को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। महामारी द्वारा प्रस्तुत बाधाओं के बावजूद, टीम ने 2022-23 के कार्यकाल के दौरान ऑफ़लाइन गतिविधियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया।

8वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में, एन.एस.एस. ने दुनिया भर में कल्याण के महत्त्व पर जोर देने के लिए व्यक्तिगत और आभासी दोनों सत्रों को एकीकृत करते हुए, सम्मानित योगाचार्य काजल चौधरी के नेतृत्व में 5 दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया। नतीजतन, कारगिल शहीद और वीर चक्र प्राप्तकर्ता कैप्टन विजयंत थापर के पिता कर्नल वीएन थापर द्वारा एक ऑनलाइन सत्र के माध्यम से

कारगिल विजय दिवस मनाया गया। कर्नल थापर ने "कारगिल में विजयंत, एक कारगिल युद्ध नायक का जीवन" शीर्षक से रीडिंग साझा की, जिससे दर्शकों को इस महान नायक के जीवन की झलक मिली, जिनकी वीरता ने उनके द्वारा जीते गए वर्षों की संख्या को पार कर लिया। समाज के वंचित तबके के बीच देशभक्ति की भावना पैदा करने के लिए, एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने हर घर तिरंगा अभियान चलाया, जिसमें सामुदायिक यात्राओं और कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों की सक्रिय भागीदारी के साथ इंप्रोमेप्टू क्विज़, आकर्षक चर्चाएं और नाटकों सहित प्रदर्शन शामिल थे।

स्वच्छता पखवासा: स्वच्छता पखवाड़ा अभियान, स्वच्छता और स्वच्छता के महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसमें स्वच्छता अभियान, प्रतिज्ञालेना, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग, अपशिष्ट प्रबंधन प्रश्नोत्तरी और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। हमने अपने तीन वार्षिक त्योहारों-काला, नूर और नेक्सस को भी पुनर्जीवित किया।

भौतिक सेटिंग जिसे छात्र समुदाय से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

एन.एस.एस. वार्षिक कला उत्सव, काला, 15 सितंबर को आयोजित हुआ, जो लाभार्थी गैर-सरकारी संगठनों के बच्चों को अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। काला 2023 की थीम "कुदरत और काला" थी, जो प्रकृति की लुभावनी शक्ति और बच्चों की कलात्मक अभिव्यक्ति का समारोह मनाती है। स्पंज पेंटिंग, कहानी सुनाना और अखबार पेनस्टैंड बनाने जैसी घटनाओं ने बच्चों को व्यस्त रखा। ड्रामेटिक्स सोसाइटी ने स्थिरता पर एक प्रस्तुति प्रस्तुत की, जिसे सभी ने खूब सराहा। नूर- दिवालीमेला: 21 अक्टूबर 2022 को, एन.एस.एस. ने एन.एस.एस.-एलएसआर के दिवाली मे लेनूर का आयोजन किया। तीन वर्ष के अंतराल के बाद, यह वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव एक ऑफ़लाइन कार्यक्रम के रूप में लौटा, जिसमें महाविद्यालय समुदाय की उत्साहपूर्ण भागीदारी हुई। थीम "नूररामभ: महामारी के बाद की दुनिया में नई शुरुआत", उत्सव ने स्थानीय विक्रेताओं को स्टॉल स्थापित करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जबकि एलएसआर छात्रों को अपनी प्रतिभा और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए रियायती दरें प्राप्तहुईं, जिससे उनके नवोदितों को परखने और बढ़ावा देने के लिए एक बाजार स्थान प्रदान किया गया।

एलएसआर.नेक्सस: एन.एस.एस.-एलएसआर द्वारा आयोजित वार्षिक युवा सम्मेलन, दिव्यांगता की चुनौतियों के मुकाबले सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए "दिव्यांगता पर प्रवचन: एक समावेशी कल का निर्माण" विषय के तहत 15-16 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया था। सम्मेलन में दिव्यांगता केसामाजिक-राजनीतिक निर्माण और एक समावेशी दुनिया के निर्माण में सहायक प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जानकारीपूर्ण पैनल चर्चाएं शामिल थीं। डॉ. रेनू अदलखा, सुश्री जैसे प्रतिष्ठित वक्ता। मैत्रेयी मिश्रा और मलु पेमालिनी धीरन ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। दिव्यांगता संवेदनशीलता और समावेशन पर स्वयं सेवी प्रशिक्षण सत्र एक गैर-सरकारी संगठन, दसर्वोदय कलेक्टिव और रीच: एलएसआर के समान अवसर

सेल के सहयोग से आयोजित किए गए थे।

स्वीप कार्यक्रम: इसके अतिरिक्त, एन.एस.एस. ने भारत के चुनाव आयोग के तहत स्वीप कार्यक्रम के लिए 100+ अपंजीकृत मतदाताओं को पंजीकृत करने के लिए 'यंग इंडिया फाउंडेशन' के साथ सहयोग किया।एन.सी.सी. एलएसआर को अपनी मेधावी कैडेट सीएचएम महिमा यादव को बधाई देने पर गर्व है जिन्होंने एक और उपलब्धि प्राप्त की है। 74वें एन.सी.सी. स्थापना दिवस के अवसर पर, कुछ मेधावी कैडेटों को हमारे बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का अवसर मिला।राष्ट्रीय युद्ध स्मारक उन भारतीय सैन्य कर्मियों को सम्मानित करने और याद करने के लिए बनाया गया एक राष्ट्रीय स्मारक है, जिन्होंने उन युद्धों में भाग लिया, जिनके कारण देश की आजादी हुई। सीएचएम महिमा यादव, रियर एडमिरल पुनीत चड्ढा, वीएसएम की पुष्पांजलि वाहक थीं। सीएचएम महिमा यादव और जेयूओ मेघा यादव को भारत के रक्षा सचिव के साथ चर्चा करने का प्रतिष्ठित अवसर मिला। गिरिधर अरमाने. आई.ए.एस. रियर एडमिरल पुनीत चड्ढा और रक्षा सचिव श्री गिरिधर अरामाने मुख्य अतिथि के रूप में एनडब्ल्यूएम 2022 के उत्सव में शामिल हुए।

सी एम की रैली 15 अगस्त 2022 को छत्रसाल स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सम्मानित अतिथि थे जिन्होंने परेड का निरीक्षण किया। परेड में दिल्ली पुलिस, होमगार्ड, अग्नि शमन सेवा, भारतीय इंजीनियरिंग सेवा, दिल्ली पुलिस बैंड आदि जैसी विभिन्न सेवाओं के कई कर्मियों ने भाग लिया। इसकेअलावा, दिल्ली सरकार के स्कूलों के कई छात्र भी मार्च और ध्वज वाहक के रूप में परेड में शामिल हुए, सीएचएमम हिमा यादव, जेयूओ मेघा यादव, जेयूओ हिमांशी और एसजीटी ईशा एम खोबरागड़े ने वहां एलएसआर का प्रतिनिधित्व किया।

हर घर तिरंगा-प्रभात फेरी "यह कार्यक्रम 9 अगस्त 2022 को जमरूदपुर गांव और अमर कॉलोनी के पास 4डीजीबीएन यूनिट के पीआई स्टाफ की देखरेख में हुआ। रैली में लेडी श्री राम महाविद्यालय और देशबंधु महाविद्यालय के लगभग 30 छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने हाथों में झंडे और सिर गर्व से ऊंचा करके मार्च किया। कैडेटों ने बुलंद नारे और देश भक्ति गीत गाए। वे उत्साह और देशभक्ति से भरे हुए थे। दूसरी ओर, जनता की प्रतिक्रिया ज़बरदस्त थी। उन्होंने भी नारेबाज़ी में हिस्सा लिया और ताली बजाकर और कैडेटों को चॉकलेट देकर अपना समर्थन दिखाया। प्रॉमिसिंग डे परेड में भाग लेने वाले कैडेटों के लिए यह एक अद्भुत अनुभव था।

प्रॉमिसिंग डे परेड: 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, 15 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय कैडेट कोर, एलएसआर द्वारा प्रॉमिसिंग डे परेड का आयोजन किया गया, जहां नए नामांकित कैडेटों ने एन.सी.सी., देश और इस के नागरिकों के प्रति खुद को प्रतिबद्ध करने की शपथ ली।इस कार्यक्रम के गवाह अधिकांश महाविद्यालय छात्र और कर्मचारी थे। समारोह की शुरुआत 30 कैडेटों के एक दल ने ध्वज क्षेत्र के सामने मार्च करते हुए की, जहां प्राचार्य डॉ. सुमन शर्मा ने ध्वजारोहण समारोह किया, जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ। शपथ ग्रहण समारोह के बाद, जो होनहार दिवस परेड का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य कैडेटों में अपने देश के प्रचार और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की भावना पैदा करना है।
राष्ट्रीय महिला दिवस: राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, राष्ट्रीय कैडेट कोर, लेडी श्रीराम महिला

महाविद्यालय ने भारत की सबसे प्रभावशाली राजनेताओं, नारीवादी और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता- सरोजिनी नायडू की जयंती मनाई। एक लघु नाटक के माध्यम से देश भर में हजारों लड़कियों की दुर्दशा को प्रदर्शित किया गया, क्योंकि उन्हें शादी के लिए मजबूर किया जाता है और बाद में, कठोर ससुराल वालों के प्रति आज्ञाकारिता का जीवन। शक्तिशाली प्रदर्शन के बाद भीड़ ने तालियां बजाईं और लोगों ने नाटक के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। वीरांगना 2023 - खाकी की कलाकारी: NCCIsR का वार्षिक उत्सव आखिरकार कोविड-19 के बाद पहली बार हो पाया। यह आयोजन 3 अप्रैल 2023 को हुआ और दिल्ली के कई कॉलेजों की टुकड़ियों ने इस आयोजन में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि- मेजर जनरल एस. विश्वासराव और सम्मानित अतिथि-कर्नल केएस बिष्ट ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और कैडेटों को एक सक्रिय और समर्पित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

पुस्तकालय विकास

पूर्णतः पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत उपयोगकर्ता-अनुकूल डेटा फाइलिंग प्रणाली वाले महाविद्यालय पुस्तकालय में लगभग 1,25,7026 पुस्तकें, 7162 जिल्द वाली पत्रिकाएँ, 1360 रिप्रो-ग्राफिक सामग्री और लगभग 360 सीडी और डीवीडी का अमूल्य संग्रह है। यह अनेक समाचार-पत्रों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क और डेलनेट से जुड़ी हुई है, जिससे पाठ और सामग्री तक पहुंच आसान हो जाती है। पुस्तकालय सुबह 8.00 बजे से सांध्य 8.00 बजे तक खुला रहता है और सभी पुस्तकों और बाध्य जर्नल के त्रुटि मुक्त डेटाबेस के साथ पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है, जिसे इन-हाउस टीम द्वारा बनाया और बनाए रखा जाता है। एलएसआर पुस्तकालय ने पुस्तकालय द्वारा प्राप्त जर्नल में प्रकाशित लेखों को अनुक्रमित करने की एक सेवा विकसित की है। इन लेखों का डेटा ऑनलाइन उपलब्ध है। इन लेखों को विषय शीर्षकों की एलसी सूची के अनुसार विषय शीर्षक दिए गए हैं। यह अनुसंधान में संलग्न संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन होगा। वे विभिन्न जर्नल को खोजे बिना अपने शोध के लिए आवश्यक सामग्री तक पहुंच सकेंगे। इससे उनका प्रयास और समय बचेगा। प्रत्येक पाठक को आवश्यक सामग्री शीघ्रता से उपलब्ध हो सकेगी। वर्ष के दौरान पुस्तकालय में जोड़ी जाने वाली पुस्तकों की एक त्रैमासिक सूची होती है जिसे विषयवार व्यवस्थित किया जाता है और लेखक, शीर्षक और विषय अनुक्रमणिका द्वारा पूरक किया जाता है जो सटीक और त्वरित पुनर्प्राप्ति के लिए पहुंच बिंदु के रूप में कार्य करता है। पुस्तकालय ने ई-मेल के जरिए करंट अवेयरनेस सर्विस शुरू की है। छात्रों (कक्षा प्रतिनिधियों) के साथ-साथ सभी संकाय सदस्यों को निर्दिष्ट अवधि के दौरान जोड़ी गई पुस्तकों, अनुक्रमित लेखों और समाचार अलर्ट के बारे में सूचित किया जाता है। ओपेक (कैटलॉग की ऑनलाइन सार्वजनिक पहुंच) पाठकों के लिए पूरी तरह से सुलभ है और पठन सामग्री का प्रसार भी पूरी तरह से स्वचालित है। हालाँकि, पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित है, लेकिन पुस्तकों तक पहुँचने के लिए एक समानांतर प्रणाली भी है। पूरा रिकॉर्ड मैन्युअल रूप से और साथ ही कंप्यूटर पर बनाया और बनाए रखा जाता है। डीयू नेटवर्क पर उपलब्ध सभी ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंच के साथ, एलएसआर पुस्तकालय एन-लिस्ट की सदस्यता लेती है जो जर्नल का एक ऑनलाइन डेटाबेस है। पुस्तकालय ने NLIST और डेलनेट की वार्षिक संस्थागत सदस्यता भी ले ली है और सभी सदस्य इससे संबंधित लाभ और विशेषाधिकार के हकदार हैं। पुस्तकालय ने गायब पुस्तकों का पता लगाने और रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के लिए बारकोड तकनीक का उपयोग करके

स्टॉक सत्यापन प्रक्रिया को अंजाम दिया है। नैक टीम ने पुस्तकालय का दौरा किया और इसकी गतिविधियों की सराहना की। पुस्तकालय ने ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर को लिबसिस (वाणिज्यिक सॉफ्टवेयर) से ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर कोहा में बदल दिया है। कोहा एक खुला स्रोत एकीकृत पुस्तकालय प्रणाली (आईएलएस) है, जिसका उपयोग दुनिया भर में सार्वजनिक, शैक्षणिक और विशेष पुस्तकालयों द्वारा किया जाता है।

इसे दुनिया भर में कहीं से भी आसानी से पुस्तकालय संग्रह तक पहुंचने के लिए वेब ओपेक के साथ पुस्तकालय में स्थापित किया गया है। Mysql डेटाबेस की स्थापना और कॉन्फ़िगरेशन, मेल सर्वर, कोहा LMS के साथ Apache सर्वर को Libsys से कोहा में डेटा माइग्रेशन के साथ किया गया था एन-कंप्यूटिंग लाइब्रेरी में शुरू किया गया है। एन-कंप्यूटिंग एक डेस्कटॉप वर्चुअलाइजेशन कंपनी है जो वर्चुअल डेस्कटॉप (कभी-कभी शून्य क्लाइंट या पतले क्लाइंट कहा जाता है) बनाने के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर बनाती है जो कई उपयोगकर्ताओं को एक साथ एकल ऑपरेटिंग सिस्टम इंस्टेंस साझा करने में सक्षम बनाता है। पुस्तकालय कर्मचारी अक्सर प्रासंगिक विषयों जैसे महिला सशक्तिकरण, महात्मा गांधी का जीवन, श्री अरबिंदो का कार्य, स्वतंत्रता दिवस आदि पर प्रदर्शनियों का आयोजन करते हैं और इसके उपयोग के लिए वेबिनार आयोजित करते हैं कर्मचारियों की प्रेरणा और व्यावसायिक विकास को बनाए रखने के लिए, पुस्तकालय कर्मचारियों के तीन सदस्यों को अब पुस्तकालय सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया है।
अभिदत्त इसे दुनिया भर में कहीं से भी पुस्तकालय संग्रह तक आसानी से पहुंचने के लिए वेब ओपेक के साथ पुस्तकालय में स्थापित किया गया है। कोहा एलएमएस के साथ मैसकल डेटाबेस, मेल सर्वर, अपाचे सर्वर की स्थापना और कॉन्फ़िगरेशन किया गया था, साथ ही लिबसिस से कोहा तक डेटा माइग्रेशन किया गया था, पुस्तकालय में एन-कंप्यूटिंग शुरू कर दी गई है। एन-कंप्यूटिंग एक डेस्कटॉप वर्चुअलाइजेशन कंपनी है जो वर्चुअल डेस्कटॉप (कभी-कभी जीरो क्लाइंट या थिन क्लाइंट कहा जाता है) बनाने के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर बनाती है जो अनेक उपयोगकर्ताओं को एक ही ऑपरेटिंग सिस्टम इंस्टेंस को एक साथ साझा करने में सक्षम बनाती है। पुस्तकालय कर्मचारी अक्सर महिला सशक्तिकरण, महात्मा गांधी का जीवन, श्री अरबिंदो का कार्य, स्वतंत्रता दिवस आदि जैसे प्रासंगिक विषयों पर प्रदर्शनियां आयोजित करते हैं और इसके उपयोग के लिए वेबिनार का आयोजन करते हैं। कर्मचारियों की प्रेरणा और व्यावसायिक विकास को बनाए रखने के लिए, तीन सदस्य पुस्तकालय कर्मचारियों को अब पुस्तकालय सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 118687
अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 77

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 154

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 55.12 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 54.98 करोड़

***

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

लक्ष्मीबाई महिला महाविद्यालय की स्थापना 1965 में की गई थी और इसका नाम निडर योद्धा और देशभक्त, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के सम्मान में रखा गया था। महाविद्यालय दिल्ली सरकार द्वारा चलाया जाता है, और अशोक विहार के पड़ोस में स्थित है। इसमें वाणिज्य, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, गृह-विज्ञान (खाद्य प्रौद्योगिकी और परिधान डिजाइन और निर्माण), गणित, संगीत, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, पंजाबी, संस्कृत और सहित अनेक विभाग हैं। यह स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर समाज शास्त्र, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। तीन वर्ष के बी.ए. और बी.कॉम. (ऑनर्स) पाठ्यक्रमों के अलावा, स्नातक छात्र बी.ए. (कार्यक्रम) और बी.कॉम. पाठ्यक्रमों में भी दाखिला ले सकते हैं। दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान और संस्कृत में विशेषज्ञता के साथ कला में स्नातकोत्तर की पेशकश की जाती है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, विश्वविद्यालय ने कार्यान्वयन में अपने दृष्टिकोण को उत्साहपूर्वक अपनाया है। पहलों की एक श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए, महाविद्यालय ने अंडर ग्रेजुएट पाठ्यचर्या रूपरेखा (यूजीसीएफ) में प्रवेश करने वाले उद्घाटन समूह के लिए संक्रमण को सक्रिय रूप से सुविधाजनक बनाया है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, संस्थान ने लंबे समय तक चले गतिरोध को सफलतापूर्वक पार किया और शिक्षण पदों के नियमितीकरण के लिए साक्षात्कार आयोजित करने में अग्रणी संस्थानों में से एक बनकर उभरा। 15 विभागों में रणनीतिक रूप से वितरित 79 नए स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति के साथ एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर प्राप्त किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिवर्तनकारी सिद्धांतों के प्रति अपने समर्पण का उदाहरण देते हुए, महाविद्यालय ने पंद्रह नए केंद्रों का उद्घाटन किया है, जिन्हें नीति के मूल सिद्धांतों को शामिल करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। इन पहलों का सामूहिक उद्देश्य वैश्विक परिप्रेक्ष्य से सुसज्जित, संलग्न, उत्पादक और सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिकों के विकास को बढ़ावा देना है। महाविद्यालय के प्रमुख ब्रांड, परंपरा ने आईएआरआई, पूसा में आयोजित प्रतिष्ठित वैश्विक बाजरा प्रदर्शनी और सम्मेलन में मुख्य भूमिका निभाई। इस आयोजन ने न केवल नवाचार के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया, बल्कि छात्रों और संकाय दोनों को अमूल्य अंतर्राष्ट्रीय अनुभव भी प्रदान किया। इस तरह के प्रयास समकालीन वैश्विक मानकों और आकांक्षाओं के अनुरूप शैक्षिक परिदृश्य को आकार देने के लिए महाविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

सम्मान/गौरव

प्रो. प्रत्युष वत्सला को 10 जुलाई 2022 को इसके 60वें स्थापना दिवस पर भारत विकास परिषद से सशक्त महिला सम्मान पुरस्कार मिला। इसके अतिरिक्त, उन्हें 21 अक्तूबर 2022 को भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा और प्रशिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संयुक्त राष्ट्र दिवस के अवसर पर. इसके अलावा, प्रो. वत्सला को 13 मार्च 2023 को आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा

शिखर सम्मेलन द्वारा आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा (SAVE) पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

प्रोफेसर अनीता मल्होत्रा को फरवरी 2023 में 'ओबेसिटी रिव्यूज' पत्रिका में एक शीर्ष उद्धृत शोध-पत्र (जनवरी 2021-दिसंबर 2022 के बीच प्रकाशित शोध के क्लेरिवेट एनालिटिक्स के आधार पर) के लेखक के रूप में उपलब्धि का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया था।

डॉ रुचि मुंडेजा को द जोसेफ कॉनराड सोसाइटी ऑफ अमेरिका द्वारा इंग्लिश स्टडीज में प्रकाशित "वर्ल्डिंग एपेटाइट: कॉलोनियलिज्म, मॉडर्निज्म एंड द गस्टेटरी इन जोसेफ कॉनराड हार्ट ऑफ डार्कनेस" नामक निबंध के लिए ज़ेडज़िस्लाव नजदेर निबंध पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

सुश्री इशिता दास, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष ने 9.419 का उत्कृष्ट सीजीपीए प्राप्त किया और अपनी कक्षा में विशिष्टता प्राप्त की।

सुश्री वंशिका मंगल, बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने 9.365 का उत्कृष्ट सीजीपीए प्राप्त किया और अपनी कक्षा में विशिष्टता प्राप्त की।

सुश्री श्रेया जाजोरिया, बी.एससी. (ऑनर्स) गृह-विज्ञान द्वितीय वर्ष ने 9.36 का उत्कृष्ट सीजीपीए प्राप्त किया और अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री दीपिका शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष ने 9.216 का उत्कृष्ट सीजीपीए प्राप्त किया और अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री छवि गर्ग, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित प्रथम वर्ष में 9.197 का उत्कृष्ट सीजीपीए प्राप्त किया और अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

मल्होत्रा, ए., अरोड़ा, सी., रंजन, पी., सिंह, वी., सिंह, एन., शालीमार., द्विवेदी, एस.एन., विक्रम, एन.के. (2023)। मोटापे और गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग वाले रोगियों के बीच चयापचय, अल्ट्रासाउंड और एंथ्रोपोमेट्रिक मापदंडों पर गहन वजन घटाने के मध्यवर्तन का प्रभाव: एक आरसीटी। *यूरोपियन जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल न्यूट्रिशन*, (76), 1332-1338।

मल्होत्रा, ए., चोपड़ा, एस., रंजन, पी., सरकार, एस., कुमारी, ए., प्रकाश, बिंदु., कलोईया, जी.एस., द्विवेदी, एस.एन., सिद्धु, ए., विक्रम, एन.के. (2022)। अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में सफल वजन घटाने के परिणाम के पूर्वानुमानों का आकलन करने के लिए उपकरणों का सत्यापन। *जर्नल ऑफ़ न्यूट्रिशन एजुकेशन एंड बिहेवियर*, 9(54), 878-885।

मल्होत्रा, ए., चोपड़ा, एस., रंजन, पी., वर्मा, ए., कुमारी, ए., उपाध्याय, ए.एस., बैठा, यू., विक्रम, एन.के.

(2022)। कथित जोखिम कारकों और स्वस्थ जीवन शैली का पालन करने में आने वाली बाधाओं और सामाजिक-जनसांख्यिकीय कारकों और रजोनिवृत्ति लक्षणों के साथ संबंध के संबंध में 504 महिलाओं का एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण। *मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम - नैदानिक अनुसंधान और समीक्षा, 16(6), 102529 (ऑनलाइन)*।

मृदुला गर्ग की कठगुलाब में स्वयं और अन्य के बीच की द्वंद्वात्मकता। *म्यूज़्यूज़इंडिया, 101* (*ऑनलाइन)*।

मुंडेजा, आर. (2023)। टैक्सोनॉमीज़ से परे: आधुनिकतावादी कक्षा में आवारा रूप से 'निवास'। *साहित्य कम्पास*, 1(20).

मुंडेजा, आर. (2022)। मार्जिन्स में पैंसिलिंग: वर्जीनिया वुल्फ की 'स्ट्रीट हॉन्टिंग: ए लंदन एडवेंचर' और लिमनिंग द इंपीरियल मेट्रोपोल"। *संवाद,* (39).

दो दशकों में लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की इंटर महाविद्यालय खेल यात्रा: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी में एक मूल्यांकन। *पोषणऔरशारीरिक शिक्षा*, 1(8), 44-49।

त्रिपाठी, ए.के. (2022)। 'कर्नाटक का कुद्रेमुख पर्यावरण आंदोलन: कुछ विचार'। *बिहार जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस.*, 1-4 (IX-X).

शोध-परियोजनाएं

महाविद्यालय संकाय और प्रशासन की सक्रिय भागीदारी और समर्थन के साथ 'स्टिचिंग द चेंज' नामक परियोजना वर्ष 2022-2023 में शुरू की गई थी।

मंजूर/दायर पेटेंट

ऑस्ट्रेलिया में प्रदान किया गया पेटेंट नंबर : 2021106398, एक अभिनव फ़ाइल सुरक्षा प्रणाली से संबंधित है जो डेटा सुरक्षा को बढ़ाता है और क्लाउड स्टोरेज आवश्यकताओं को कम करता है, जो विशेष रूप से व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आयोजित संगोष्ठी

1 फरवरी 2023 को हंसराज महाविद्यालय के संकाय, डॉ. मुकुंद माधव मिश्रा द्वारा 'यूक्लिड के तत्वों से ब्लैक होल तक: ज्यामिति की यात्रा' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

22 फरवरी 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर नवाचार केंद्र की प्रोफेसर शोभा बगई द्वारा 'गणित में परियोजना आधारित शिक्षा' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रबंधन नियम 2016 का सार, महत्त्व और जमीनी अनुप्रयोग' शीर्षक सेमिनार 17 अक्तूबर 2022 को डॉ. नवीन अग्रवाल, आईएएस, उपायुक्त, एमसीडी केशवपुरम जोन द्वारा दिया गया।

'अंडरग्रेजुएट स्तर पर अनुसंधान करना' शीर्षक सेमिनार 4 नवंबर 2022 को सत्यवती महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर, भरत सिंह द्वारा दिया गया।

15 फरवरी 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, एक उभरते अर्थशास्त्री, सीईओ और "इकोनॉमिक्स फॉरएवर" के संस्थापक श्री समदीश डी शर्मा द्वारा 'अर्थशास्त्र में विभिन्न आजीविका विकल्प: यूपीएससी या आईईएस में सफलता कैसे प्राप्त करें' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

2 मार्च 2023 को 'आजादी का अमृत महोत्सव में महिलाओं का समारोह' विषय पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसे आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित किया गया।

महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने 30 सितंबर 2022 को 'एनईपी कार्यान्वयन और प्रवेश 2022' पर एक कार्यशाला आयोजित की। आईक्यूएसी ने 12 नवंबर 2022 को 'शैक्षणिक लेखा परीक्षा और दस्तावेज़ीकरण' पर एक कार्यशाला आयोजित की।

27 जनवरी 2023 को डिजिटल मार्केटिंग के शीर्ष संस्थानों में से एक, दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल मार्केटिंग में 'डिजिटल मार्केटिंग' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. रुचि मुंडेजा ने 'जीन राइस फिक्शन के धुंधले टाइम-फ्रेम्स के माध्यम से टाइम-फ़्रेमिंग आधुनिकतावाद' शीर्षक से एक शोध-पत्र 15-18 जून 2022 को यूनिवर्सिटी केन नॉर्मंडी में एसईएम "आधुनिक संरचनाएं" सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

15-16 दिसंबर 2022 को आईआईएफटी द्वारा आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान उज्जयिनी रॉय ने 'अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दे' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

उज्जयिनी रॉय ने 7-9 दिसंबर 2022 तक अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में 'भारत भूमि विकास सम्मेलन 2022: स्थानीय भूमि पर वैश्विक प्रभाव: दक्षिणी परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

'विद्या विस्तार योजना' के माध्यम से, महाविद्यालय ने डीएचएस कनोई महाविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम; पटकाई क्रिश्चियन महाविद्यालय, दीमापुर, नागालैंड; बैरकपुर राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल; श्री गुरु राम राय (पीजी) महाविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड; जैसे संस्थानों के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और के.एस. साकेत पी.जी. महाविद्यालय, अयोध्या, शैक्षणिक आदान-प्रदान और सहयोगात्मक अनुसंधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दे रहा है।

अन्य सहयोग अन्य सहयोग

महाविद्यालय अंतरराष्ट्रीय सहयोग का भी दावा करता है, जिसमें संकाय और छात्रों के लिए एडएक्स पाठ्यक्रम और ट्रिनिटी महाविद्यालय, लंदन के साथ साझेदारी शामिल है।

राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय संबद्धताओं में दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, उड़ान: फिल्म निर्माण,

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय अनुवाद परिषद, वेदमूर्ति सेंटर फॉर इनोवेटिव रिसर्च ऑन वैदिक साइंस, भारतीय शिक्षण द्वारा यज्ञ का वैदिक विज्ञान जैसी संस्थाओं के साथ आधिकारिक लिंक शामिल हैं। मंडल, और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन और जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग शामिल हैं।

महाविद्यालय ने छात्रों और संकाय को विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों तक पहुंच प्रदान करने के लिए एक एनपीटीईएल स्थानीय अध्याय (5591) स्थापित किया है।

सेवा भारती, जीनोमिक वैली बायोटेक लिमिटेड, आर्यावर्त वैदिक चिकित्सालय, वेदमूर्ति सेंटर फॉर इनोवेटिव रिसर्च ऑन वैदिक साइंस और वुमेनोवेटर वर्चुअल इनक्यूबेटर एलएलपी जैसे संगठनों के साथ सहयोग उद्यमशीलता उद्यमों के लिए स्थिरता से लेकर ऊष्मायन समर्थन तक की पहल पर ध्यान केंद्रित करता है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 3

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 1

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

रक्तदान के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए एन.एस.एस. इकाई ने 13 जून 2022 को ब्लड कनेक्ट फाउंडेशन के सहयोग से एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया।

गांधी जयंती को "एकला चलो" नामक एक कार्यक्रम के साथ मनाया गया, जहां स्वयंसेवक वजीरपुर में एकत्र हुए, उन्होंने 2 अक्तूबर 2022 को गांव के बच्चों के साथ स्वच्छता की शपथ ली। इसके बाद, एक दान अभियान चलाया गया, और छात्रों और कर्मचारियों से एकत्र की गई सामग्री को दान कर दिया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय सुविधा में ओपीएसी, आरएफआईड प्रौद्योगिकी, एनलिस्ट, इन्फ्लिबनेट और डेलनेट शामिल हैं।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 91500
अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 45
ई-जर्नल्स की कुल संख्या: 500
ई-पुस्तकों की कुल संख्या: 75000
ब्रेल पुस्तकों की कुल संख्या: 225

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 170

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान : रुपए 47,4258441/-
उपयोगित अनुदान: रुपए 516304530/-

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

हमारे महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के दौरान विभिन्न खेलों में उल्लेखनीय उपलब्धियां और सक्रिय छात्र भागीदारी देखी है। कोविड महामारी के बाद की अवधि में, खेल छात्रों ने विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अथक दृढ़ता का प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर, नौ छात्रों ने कुश्ती, सॉफ्टबॉल और एथलेटिक्स जैसे खेलों में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। उल्लेखनीय उपलब्धियों में अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय सॉफ्टबॉल चैम्पियनशिप में चार छात्रों का कांस्य पदक जीतना और राशि मित्तल का राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता के लिए चयन होना शामिल है। महाविद्यालय के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अनेक स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्राप्त करके राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर भी सफलता प्राप्त की। विभाग ने योग सत्र, ऑनलाइन व्याख्यान और खेल चयन परीक्षणों सहित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया, जिससे हमारे खेल प्रेमियों के समग्र विकास और मान्यता में योगदान हुआ। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) ने एकता, अनुशासन और देशभक्ति जैसे गुणों को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, हमारे कैडेटों ने अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर और विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर जैसे आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एन.सी.सी. इकाई ने सामुदायिक भागीदारी, स्वच्छता अभियान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे महाविद्यालय के पाठ्येतर परिदृश्य में एक जीवंत आयाम जुड़ गया।

***

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की स्थापना अगस्त 1994 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक महाविद्यालय के रूप में की गई थी। प्रारंभ में इसका नाम सह-शिक्षा महाविद्यालय था, जिसे महान भारतीय शासक के नाम पर महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के रूप में पुनः नामित किया गया। घनी आबादी वाली पूर्वी दिल्ली की शैक्षिक मांगों को पूरा करते हुए, महाविद्यालय ने दो सबसे लोकप्रिय पाठ्यक्रमों बी.ए. (पास) और बी.कॉम (ऑनर्स) एक स्कूल भवन के एक हिस्से में नामांकित 220 छात्रों के साथ अपनी यात्रा शुरू की। 2010 में, महाविद्यालय 10 एकड़ में फैले एक विशाल हरे-भरे अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे में स्थानांतरित हो गया और लगभग 2400 छात्रों को 15 विभागों में 10 पाठ्यक्रम प्रदान करता है और न केवल दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से, बल्कि देश के सभी हिस्सों से छात्र बुद्धिजीवियों को आकर्षित

करता है। इसकी अभूतपूर्व वृद्धि को 2016 और 2022 (द्वितीय चक्र) में ग्रेड 'ए' के साथ एनएएसी द्वारा इसके मूल्यांकन और मान्यता में मान्यता दी गई है और एनआईआरएफ द्वारा अखिल भारतीय रैंक 52, और विज्ञान में 20वीं रैंक, कला में 28वीं और वाणिज्य धाराओं में 30वीं रैंक दी गई है। महाविद्यालय में एक वाई-फाई सक्षम कैंपस, रिकॉर्डिंग स्टूडियो, स्मार्ट हाइब्रिड क्लासरूम, एक 750 सीटों वाला सभागार, एक समकालीन आईसीटी और मीडिया लैब, खेल मैदान, 58 सीटों वाले महिला छात्रावास के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय है। .

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय ने एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की, इसे अपने दूसरे चक्र में 3.14 के बेहतर स्कोर के साथ एनएएसी द्वारा ग्रेड 'ए' मान्यता प्राप्त हुई। हिमालयी पारिस्थितिकी पर बहु-विषयक अनुसंधान करने के लिए हिमालयन स्टडी सर्कल की स्थापना की गई थी। इसके अलावा, महाविद्यालय को दिल्ली नगर निगम द्वारा जीरो वेस्ट कैंपस घोषित किया गया था। अनेक राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनमें आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जम्मू और कश्मीर की भूमिका' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 'युवाओं की शक्ति: अधिकार और जिम्मेदारियां' पर राष्ट्रीय छात्र शैक्षणिक कांग्रेस, पर राष्ट्रीय सम्मेलन शामिल हैं। 'मीडिया बहुलवाद और नेटवर्कयुक्त समाज में विविधता' और 'अनुवाद का रोजगार परिदृश्य' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन अत्यधिक सफल रहे और इसमें शिक्षा जगत और छात्रों की व्यापक भागीदारी देखी गई। स्पिक मैके के तत्वावधान में सात दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 'विरासत' का आयोजन किया गया और अनुसंधान के मोर्चे पर, आईसीएसएसआर द्वारा महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय को एक प्रमुख शोध परियोजना "दिल्ली डाइवर-सिटी: ए वर्चुअल सिटी कम्पेंडियम परियोजना (वीसीसीपी)" हेतु 5,00,000/- रुपये का अनुदान की राशि प्रदान की गई। । यह वर्ष इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय पूर्व छात्र संघ के पंजीकरण का प्रतीक है जिसने महाविद्यालय के पूर्व छात्रों और छात्रों के बीच इंटरफेस को मजबूत किया।

सम्मान/गौरव

शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नाएडा, यूपी के डॉ. राकेश कुमार को 'पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में गरीबी रेखा से नीचे और गरीबी रेखा से ऊपर के परिवारों के वित्तीय समावेशन का तुलनात्मक अध्ययन' पर पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

गौरव प्राप्त छात्र

क्र. सं.	छात्रों के नाम	कक्षा
1	विशु शर्मा	बी.एससी. गणितीय विज्ञान
2	प्रतीक टकराव	बी.कॉम (ऑनर्स)
3	देविका प्रकाश नैय्यर	बी.कॉम (ऑनर्स)

4 आशी अंसारी बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स

प्रकाशन

सी(एक्स, वाई) पर पॉइंट-ओपन, ओपन-पॉइंट और हाई-पेंट-ओपन टोपोलॉजी के लिए मेट्रिज़ोबिलिटी और सबमेट्रिज़ेबिलिटी। *कोरियाई गणितीय सोसायटी*, 37(3), 905-913।

प्रसन्नन, ए.आर. (2022)। रैखिक रूप से एस-बंद स्थान। फिलोमैट, 36(20), 6841-6854।

यादव, एस., (2022)। पर्टर्बेशन तकनीक का उपयोग करके पृथ्वी-चंद्रमा प्रणाली में पृथ्वी की भूमध्यरेखीय दीर्घवृत्ताकारता के कारण गुंजयमान वक्र और चरण पोर्ट्रेट का विश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ डायनामिकल सिस्टम्स एंड जियोमेट्रिक थ्योरीज़,* 20(2), 275-298।

पृथ्वी की भूमध्यरेखीय अण्डाकारता और प्रतिरोधक बल सहित भू-तुल्यकालिक उपग्रह में गड़बड़ी के कारण गुंजयमान वक्र। *खगोल विज्ञान रिपोर्ट,* 66(8), 736-753।

प्रतिरोधक बल और पृथ्वी की भूमध्यरेखीय दीर्घवृत्ताकारता सहित भू-तुल्यकालिक उपग्रह के लैग्रेंजियन बिंदुओं का स्थिरता विश्लेषण। *न्यू एस्ट्रोनॉमी*, 97(-),101887.

यादव, एस. (2022) यादव, एस. (2022) कुमारी, वी.,. (2022)। डोसीमीटर अनुप्रयोगों के लिए आर-रे विकिरण और 3DEG के बीच परस्पर क्रिया। *आईईईईएक्सेस*, 10(-), 25811-25827.

कुमारी, वी., (2022)। एलएनए के लिए बेहतर रैखिकता और वर्तमान पतन के साथ दोहरे गेट MISHEMT के लिए टीसीएडी जांच। *आईईटीईतकनीकीसमीक्षा*, 39(-), 1383-1394.

कुमारी, वि., (2022). प्रोटॉन विकिरणित दोहरी क्षेत्र प्लेट एएलीएन/GaN जीएएन एचईएमटीएस की जांच: टीसीएडी आधारित मूल्यांकन। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक जर्नल 122(-), 105405.

सिन्हा, एम. (2023)। 'मीडिया के युग में साहित्य और भाषा' विषय पर प्रोफेसर सिमी मल्होत्रा का साक्षात्कार। *फोर्टेल*, (46), 166-171.

यूवीए फोटोडिटेक्टर के लिए प्लानर ग्राउंड प्लेन जंक्शनलेस ट्रांजिस्टर (जीपी-जेएलटी) की संवेदनशीलता जांच। *आईईईईसेंसर*, 23(-), 308-316.

शोध-परियोजनाएं

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), 2022. 2 वर्षीय दिल्ली डाइवर-सिटी: एक वर्चुअल सिटी कम्पेंडियम परियोजना (वीसीसीपी), पांच लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठी

प्रोफेसर अनूप पंत, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज, शारदा विश्वविद्यालय, कैपिटल मार्केट्स: ट्रेडिंग

एंड टेक्नोलॉजी, कैपिटल मार्केट्स, 22 सितंबर 2022.

प्रोफेसर आशीष चंद्रा, प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, उद्यमिता और आर्थिक विकास, उद्यमिता, 08 जुलाई 2022.

प्रोफेसर शांता लैशराम, प्रोफेसर, गणित विभाग, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली, अभाज्य संख्याओं की दुनिया, गणित, 17 फरवरी 2023.

प्रोफेसर कीर्ति रंजन, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर: ब्रह्मांड की पहेली को उजागर करना, खगोल भौतिकी, 02 फरवरी 2023.

डॉ. नमिता वशिष्ठ, डिप्टी डीन, अकादमिक मामले, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, महिला कानून और अधिकार, 29 नवंबर 2022.

आयोजित सम्मेलन

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जम्मू-कश्मीर की भूमिका', 30 मार्च 2023, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर)।

'युवा की शक्ति: अधिकार और जिम्मेदारियाँ' विषय पर राष्ट्रीय छात्र शैक्षणिक कांग्रेस, 10 अप्रैल 023, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय।

मीडिया बहुलवाद और नेटवर्क समाज में विविधता' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 12 अप्रैल 2023, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय।

'अनुवाद का रोज़गार परिचय' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 17 अप्रैल 2023, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

मनीषा, पांडे, पी.के. और अन्य।, मोबाइल रोबोट के लिए जुगनू एल्गोरिदम पर आधारित एक बहुउद्देश्यीय पथ-योजना, एआई के साथ एलओटी और सुरक्षा में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएआईएसए 2023), 24-25 मार्च 2023, दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, भारत।

डेका, एन., महिला, जादू-टोना और कास्ट (ईजे)आईएनजी अनुभव: महाश्वेता देवी की "बेयेन" और बाबूराव बागुल की "प्रिजनर ऑफ डार्कनेस' का विश्लेषण, अंग्रेजी भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन में समकालीन परिप्रेक्ष्य, 15-16 जुलाई 2022। अंग्रेजी विभाग (यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज), चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली.

डेका, एन., विभाजन की वास्तविकता: एक सिनेमाई प्रतिक्रिया, पुनर्विचार विभाजन: 75 वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय, 3-5 नवंबर, 2022, माता सुंदरी महिला महाविद्यालय (पंजाबी सा हित सभा के सहयोग से डीयूआई) का

1क्यूएसी, दिल्ली एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर)।

डेका, एन., दीपा मेहता की 1947 के माध्यम से विभाजन की एक सिनेमाई यात्रा का अनुभव और अन्वेषण: सिनेमा में पृथ्वी, सीमाएँ और संघर्ष, राष्ट्रीय, 4-6 नवंबर, 2022। एसोसिएशन फॉर फिल्म स्टडीज़ इन साउथ एशिया (एफएसएसएएल)।

पॉल, डी., विस्थापन और हिंसा के आख्यानों में विकलांगों का चित्रण: इतनी लंबी यात्रा और अर्जुन का विश्लेषण, दिव्यांग शरीर से सक्षम विषयों तक, राष्ट्रीय, 20 मार्च 2023, जाकिर हुसैन सांध्य महाविद्यालय।

राजावर, एस., भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में भारतीय प्रवासियों का नेतृत्व, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय प्रवासियों का योगदान और अमृतकाल के दौरान वैश्विक भारत का उदय, राष्ट्रीय, 10-11 जनवरी 2023, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, एमपी।

मनीषा, पांडे, पी.के. एट अल, मेटाहयूरिस्टिक तकनीक: समीक्षा, विश्लेषण और अनुप्रयोगों का दायरा, प्रबंधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईएमएसटी 2022), अंतर्राष्ट्रीय, 05-06 अगस्त 2022, कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम)।

राजावर, एस., भारत और कोरिया का स्वतंत्रता आंदोलन: एक तुलनात्मक विश्लेषण, दक्षिण एशिया में कोरियाई अध्ययन में उभरते रुझानों पर 8वां एकेएस अंतःविषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: तुलनात्मक और अंतर-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, 23-24 जुलाई 2022, नेपाल लॉ कैंपस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल और कोरियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू।

राजावर, एस., दक्षिण अफ्रीका में भारतीय डायस्पोरा पर गांधी की भारतीय राय की भूमिका और प्रभाव, यूरोपीय शासन के तहत महात्मा गांधी और भारतीय डायस्पोरा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और बाद में 22-24 अप्रैल 2022, राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 06

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने 2022-23 शैक्षणिक सत्र के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए:

एमएसी-एन.एस.एस. ने गो ग्रीन की अवधारणा का समर्थन करने और पर्यावरण को बचाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया और इस अभियान में कुछ पौधों और जड़ी-बूटियों के साथ बीस से अधिक पेड़ लगाए गए। इसने 7 अप्रैल 2023 को महाविद्यालय में एम्स, मैक्स हेल्थकेयर, क्लोव डेंटल और सेंटर फॉर साइट के सहयोग से रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर का

आयोजन किया।

भारत सरकार की हर घर तिरंगा पहल का समारोह मनाने के लिए एक तिरंगा यात्रा और तिरंगा वितरण अभियान का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय ध्वज छात्रों, शिक्षकों, गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्यों और पड़ोसी समुदायों के बीच वितरित किया गया।

पेडल पावर क्लब ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर एक कविता प्रतियोगिता और पदयात्रा का आयोजन किया। स्वयंसेवकों ने परियोजना अक्षर के तहत पढ़ाए गए बच्चों के साथ दिवाली मनाई। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों द्वारा खरीदे जाने के लिए बच्चों द्वारा बनाई गई सजावटी सामग्री, दीयों और मोमबत्तियों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की। हमारे परिवेश को स्वच्छ और कचरा मुक्त रखने और कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एन.एस.एस. स्वच्छता इकाई द्वारा एक प्लॉग रन का आयोजन किया गया था।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहयोग से एमएसी के समान अवसर सेल ने 12 अप्रैल 2023 को बौद्धिक और विकास दिव्यांगता को संवेदनशील बनाने पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, सरकार के सहयोग से भूकंप के लिए आपदा प्रबंधन के लिए मॉक अभ्यास का भी आयोजन किया गया। एमएसी एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने 2022-23 शैक्षणिक सत्र के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय और युवा एवं मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लिया है, जिसमें शताब्दी समारोह, अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान शृंखला भी शामिल है।

पुस्तकालय विकास

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय पुस्तकालय की स्थापना 1994 में हुई थी। इसमें विभिन्न विषयों की 46589 पुस्तकों का एक विस्तृत संग्रह है और कुल 14 समाचार पत्र और 25 पत्रिकाएँ और प्रिंट जर्नल उपलब्ध हैं। पुस्तकालय सीधे डीयू नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, उपयोगकर्ता विभिन्न व्यावसायिक डेटाबेस के माध्यम से सामाजिक विज्ञान, विज्ञान पर लगभग 47000 ई-जर्नल्स तक आसानी से पहुंच सकते हैं। (लॉग इन) आधार पर लगभग 135000 ई-पुस्तकें और (लॉग इन) आधार पर 5000 ई-जर्नल हैं। पुस्तकालय के दृश्य-श्रव्य संग्रह में लगभग 269 सीडी/डीवीडी हैं। पुस्तकालय में हाल ही में जोड़ी गई अतिरिक्त पुस्तकों की सूची संकाय और छात्रों को उनके संदर्भ के लिए भेज दी जाती है और समाचार अलर्ट साप्ताहिक रूप से राष्ट्रीय समाचार-पत्रों से नवीनतम समाचारों और लेखों की स्कैनिंग के माध्यम से प्रदान किया जाता है। नई पुस्तकों के बुक जैकेट भी बोर्ड पर प्रदर्शित किए जाते हैं।

ग्रंथ सूची सेवा {मांग पर}

संदर्भ सेवाएँ

- तैयार संदर्भ सेवा।
- लंबी दूरी की संदर्भ सेवा ई-सेवाएँ।

• डीयू ई-टिब्रेरी ऐप के माध्यम से रिमोट एक्सेस प्रदान करना।
• एन-सूची।
• डीयूएलएस डाटाबेस रिप्रोक्रेफी सेवा।
• एसडीआई {चयनात्मक प्रसार सूचना} {मांग पर}।
• शोध-पत्र की जांच के लिए उरकुंड साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर।

संकाय संख्या : 118

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

स्वीकृत अनुदान: 36.3 करोड़
उपयोगित अनुदान: 36.5 करोड़

***

महर्षि वाल्मिकी शिक्षा महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

महर्षि वाल्मिकी शिक्षा महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1995 में एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा शिक्षा प्रदान करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक महाविद्यालय के रूप में की गई थी। प्रारंभ में महाविद्यालय ऑफ एजुकेशन के रूप में जाना जाता था और भाई परमानंद इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस स्टडीज बिल्डिंग, शकरपुर, दिल्ली के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित इस महाविद्यालय ने बाद में वर्ष 1997 में अपना वर्तमान नाम, महर्षि वाल्मिकी शिक्षा महाविद्यालय रखा।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान धाराओं से केवल 38 छात्रों के साथ अपने शिक्षा स्नातक कार्यक्रम के साथ एक विनम्र शुरुआत करते हुए, महाविद्यालय में वर्तमान वार्षिक प्रवेश 125 है और कुल छात्रों की संख्या 250 है। दार्शनिक, कलाकार और शिक्षक दिवंगत प्रोफेसर आर. पी. शर्मा, संस्थापक प्राचार्य (विशेष कर्तव्य अधिकारी) के प्रेरणादायक नेतृत्व में महाविद्यालय ने अपनी आशाजनक प्रोफ़ाइल को आकार देने की प्रक्रिया शुरू की। महाविद्यालय की औपचारिक स्थापना 16 नवंबर 1995 को हुई, जिसके बाद से इस दिन को हर वर्ष स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 2003 में महाविद्यालय अपने वर्तमान स्थान गीता कॉलोनी में स्थानांतरित हो गया। महाविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित एक सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण लगभग दो वर्षों तक ऑनलाइन शिक्षण के बाद, महाविद्यालय पूर्ण क्षमता के साथ ऑफ़लाइन कक्षाओं के लिए फिर से खुल गया। महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय चर्चा: दक्षिण अफ्रीका और भारत में गांधी, शिक्षा और योग: समकालीन अनिवार्यता (दक्षिण अफ्रीका और भारत में गांधी, शिक्षा और योग: समकालीन अनिवार्यता) विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

अंतर-संस्थागत दौरे गुरुवार के लिए निर्धारित थे। फील्ड ऑब्जर्वेशन प्रोग्राम के चरण IV के तहत 7 जुलाई 2022 और शुक्रवार, 8 जुलाई 2022। छात्रों ने सीआईईटी (एनसीईआरटी), डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक और गांधी दर्शन का दौरा किया।

महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रभजोत कुलकर्णी ने "पर एक कार्यशाला आयोजित की। स्वयं और जीवन में विश्वास का निर्माण"। बी.एड. द्वितीय वर्ष (2022-23) के छात्रों के लिए "ब्रेल मानचित्र और सीस्क्रिप्ट" विषय पर एक कार्यशाला 17 अप्रैल 2023 को आयोजित की गई थी।

मॉर्निंग असेंबली महाविद्यालय का एक बहुत महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। सत्र 2022-2023 में पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आज़ादी का अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा, अहिंसा दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, दिव्यांग लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस जैसे विषयों पर विशेष सभाएँ आयोजित की गईं।

सम्मान/गौरव : कोई नहीं

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एड. के शिवेंद्र प्रताप सिंह को डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन : कोई नहीं

शोध-परियोजनाएं : कोई नहीं

मंजूर/दायर पेटेंट : कोई नहीं

संगोष्ठी/सम्मेलन

संसाधन व्यक्तियों, सुश्री प्रियंका सिंह और सुश्री श्रुति पाल के साथ 'साक्षात्कार के लिए तैयारी: सीवी और बायोडाटा विकसित करना' शीर्षक वाली कार्यशाला 15 अप्रैल 2022 और 4 जुलाई 2022 को आयोजित की गई।

9 फरवरी 2023 को संसाधन व्यक्ति के रूप में सुश्री हर्षिता चंदोलिया के साथ 'अंग्रेजी अध्ययन वालों की शिक्षाशास्त्र के लिए बुलेटिन बोर्ड बनाना' नामक कार्यशाला आयोजित की गई।

18 नवंबर 2022 को श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय भाषा समिति द्वारा समर्थित सेमिनार "विज्ञान के गणित में भारतीय भाषा के क्षेत्र का विस्तार" में "पैनल चर्चा" की अध्यक्षता की।

समझौता-ज्ञापन : कोई नहीं।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग : कोई नहीं।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड) : कोई नहीं।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : कोई नहीं।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : कोई नहीं।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप: कोई नहीं।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालयों में पुस्तकालय का एक प्रमुख स्थान होता है और यह शिक्षण कार्यक्रम का एक महत्त्वपूर्ण और अभिन्न अंग है। महाविद्यालय पुस्तकालय छात्रों और संकाय सदस्यों को स्व-शिक्षा के अवसर प्रदान करता है। पुस्तकालय छात्रों में ज्ञान की खोज में जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। महाविद्यालय पुस्तकालय छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने, मूल्यांकन करने और पहचानने और आगे की शिक्षा और नए विषयों को अध्ययन के लिए ज्ञान के रुझानों से परिचित होने के लिए प्रेरित करता है। महाविद्यालय ने वर्ष 2022-2023 के दौरान अपने संग्रह में 250 से अधिक पुस्तकें शामिल की गई।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या:

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या:

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 10

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 10.50 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 10.27 करोड़

***

मैत्रेयी महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

मैत्रेयी महाविद्यालय की स्थापना 1967 में हुई थी। यह दिल्ली विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग है। यह आदरणीय वैदिक विद्वान मैत्रेयी के नाम पर है। जब विद्वान के सामने सांसारिक धन और ज्ञान के बीच चयन करने की बात सामने आई, तो उसने बुद्धिमानी से ज्ञान को चुना। परिश्रम और प्रतिबद्धता की इस भावना को ध्यान में रखते हुए, मैत्रेयी महाविद्यालय ने अपने संकाय और छात्रों दोनों में समान मूल्यों को स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किया है।

बी.ए. की पढ़ाई कराने वाले मात्र सत्रह शिक्षकों वाले संकाय के साथ, नेताजी नगर में मामूली शुरुआत के साथ अपनी यात्रा शुरू करना। महाविद्यालय तब से विकसित हुआ है और उच्च शिक्षा के एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में विकसित हुआ है। वर्तमान में, मैत्रेयी महाविद्यालय गणित और राजनीति विज्ञान में 2 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ-साथ विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी के क्षेत्रों में 18 स्नातक पाठ्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में, महाविद्यालय में 3631 छात्रों का नामांकन हुआ, जिसमें 90 समर्पित व्यक्ति स्नातकोत्तर अध्ययन कर रहे हैं।

मैत्रेयी महाविद्यालय ने अनेक उल्लेखनीय विशिष्टताएँ अर्जित की हैं। यह जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा स्टार स्टेटस से सम्मानित शीर्ष छह महाविद्यालयों में गर्व से शामिल है, जो भारत सरकार द्वारा दी गई मान्यता है। इसके अलावा, महाविद्यालय ने 2022 में एनएएसी द्वारा मान्यता के अपने दूसरे चक्र के दौरान "ए++" ग्रेड प्राप्त किया। संस्थान की उल्लेखनीय प्रगति का उदाहरण इसकी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआफ) रैंकिंग में निरंतर सुधार है, जो 2018-19 में अखिल भारतीय समग्र रैंक 86 से 2022-23 में प्रभावशाली 36 तक आगे बढ़ी है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

मैत्रेयी महाविद्यालय ने न केवल शैक्षणिक और अनुसंधान में बल्कि सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक अत्यंत फलदायी और संतुष्टिदायक वर्ष का अनुभव किया। प्रभावशाली ढंग से, 1045 छात्रों ने अंतिम वर्ष की स्नातक परीक्षाओं में भाग लिया, जिनमें से उत्कृष्ट 989 छात्रों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की, जिसके परिणामस्वरूप कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 99.92% रहा।

मैत्रेयी महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने शिक्षण और अनुसंधान दोनों में अपनी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रशंसा अर्जित करते हुए चमक बिखेरी है। उनके योगदान में 16 पुस्तकों, 80 शोध पत्रों का प्रकाशन, 1 अंतर्राष्ट्रीय और 2 राष्ट्रीय पेटेंट का अधिग्रहण, 26 पुस्तक अध्यायों का निर्माण और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर 36 शोध-पत्र प्रस्तुतियों का वितरण शामिल है।

संस्थान, शिक्षकों और छात्रों दोनों को अपने ज्ञान को बढ़ाने, अपने शिक्षण-अध्ययन के कौशल को परिष्कृत करने और अनुसंधान-केंद्रित मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त अवसर और मंच प्रदान करने में विश्वास रखता है। विशेष रूप से, महाविद्यालय ने 11 राष्ट्रीय कार्यशालाओं के साथ-साथ कुल 2 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 81 अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनार और वेबिनार आयोजित किए। इसके अलावा, अध्ययन के अनुभव को समृद्ध करने के लिए 13 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पेश किए गए। इन सम्मेलनों, कार्यशालाओं और वेबिनार के माध्यम से 118 सम्मानित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं की एक प्रतिष्ठित टीम ने महाविद्यालय की शोभा बढ़ाई और अपने विशेषज्ञ ज्ञान और अनुभवों को हमारे संकाय और छात्रों के साथ साझा किया।

हमारी उपलब्धियों को जोड़ते हुए, मैत्रेयी महाविद्यालय ने गर्व से अपने महिला छात्रावास का उद्घाटन किया। महाविद्यालय का हरा अंगूठा वार्षिक यूनिवर्सिटी फ्लावर शो-2022 में पूरे प्रदर्शन पर था, क्योंकि इसने अनेक पुरस्कार जीते, जिनमें सर्वश्रेष्ठ रॉक गार्डन के लिए "दिल्ली महाविद्यालय कप", फूलों की बेहतरीन बॉर्डर के लिए "जानकी अम्मा कप", और दूसरा और क्रमशः 'लॉन' और 'हर्बल गार्डन' श्रेणियों में तीसरा पुरस्कार। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय ने कट फ्लावर श्रेणी में 12 पुरस्कार अर्जित किये।

कक्षा की सीमाओं से परे, मैत्रेयी महाविद्यालय ने अपने अनुसंधान केंद्र के माध्यम से एक शोध-गहन माहौल तैयार करना जारी रखा। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 27 परियोजनाओं का निष्पादन हुआ, जिसमें कुल 40 संकाय सदस्य और 85 छात्र शामिल हुए। इसके अलावा, सेंटर फॉर रिसर्च ने कुल 10 वार्षिक शोध-परियोजनाओं को उदारतापूर्वक वित्त-पोषित किया, जिसमें कुल 20 संकाय सदस्यों और 31 छात्रों को शामिल किया गया, जिससे संस्थान के भीतर जांच और नवाचार की

भावना को बढ़ावा मिला।

सम्मान/गौरव

डॉ. अंकिता सहरावत को 2022 में द इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च फाउंडेशन (आईएमआरएफ) इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ संकाय और शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्हें इंस्टीट्यूट ऑफ स्कॉलर्स, इंटरनेशनल पब्लिशर्स द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार भी मिला।

डॉ. श्वेता शंखवार को 2022 में निखिल भारत शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित बंगाल एजुकेशन कॉन्क्लेव और शिक्षा सम्मान में वीमेन इन एकेडमिक्स अवार्ड 2022 प्राप्त हुआ।

डॉ. पवन कुमार को अप्रैल 2023 में दिल्ली स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन द्वारा उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. पूनम खटाना को 2023 में उत्तर प्रदेश सरकार की अमरोहा पुलिस द्वारा महिला उत्कृष्टता पुरस्कार मिला।

डॉ. ए. विनीता को 2022 में गोफिटनेस एकेडमी और पावरमूव्स के सहयोग से पुनालिक फिटहेल्थ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पावर संकाय और रिसर्चर अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.कॉम (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष की खुशी वासन ने दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतिम परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (प्रोग्राम) लाइफ साइंसेज तृतीय वर्ष की प्रज्ञा नारायण श्रीवास्तव हार्वर्ड विश्वविद्यालय में सम्मेलन में एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि थीं और उन्हें एशियाई और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए हार्वर्ड परियोजना के तहत पूर्ण योग्यता-आधारित छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया था।

बी.ए. की अंतरा शर्मा (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष को उनके परियोजना "स्ट्रिमे" के लिए मिलेनियम फ़ेलोशिप प्राप्त हुई।

बी.ए. की अविशी (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष को उनके परियोजना "शिक्षा" के लिए मिलेनियम फ़ेलोशिप प्राप्त हुई।

बी.एससी. (ऑनर्स) बी.एससी. प्रथम वर्ष की खुशी प्रजापति ने दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतिम परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

डॉ. अतिका चंद्रा (2022). "क्या ओमिक्रॉन हल्का है"? इस कथा को इसके तीन वंशों के उत्परिवर्ती परिदृश्य और मौजूदा टीकों और चिकित्सीय एंटीबॉडी की प्रतिक्रिया के साथ परीक्षण करना। जर्नल ऑफ मेडिकल

वायरोलॉजी, 94 (8), 3521-3539.

डॉ. अतिका चंद्रा (2023). निःस्वार्थ बनने की दिशा में उनकी यात्रा में बी गुणसूत्रों की गतिशीलता को समझना. सेल और विकासात्मक जीवविज्ञान में फ्रंटियर्स, 10 (0), 1-26.

डॉ. संदीपा सिंह, (2022). मंकीपॉक्स के खिलाफ फाइटोकेमिकल्स को पुन: पेश करने के लिए पॉक्सवायरस के लिफाफे प्रोटीन को लक्षित करना: सिलिको जांच में माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियर्स, 13 (0), 1-19.

डॉ. मोनिका हेक्रुजम (2023). लवणता तनाव के लिए भौतिक-जैव रासायनिक प्रतिक्रियाओं का सुधार और बीज प्राइमिंग पर फूलगोभी में प्राथमिक अंकुरण सूचकांक घटकों की गणना। . हेलियन, 0 (0), 0-0.

डॉ. हेमा भंडारी बिस्मथ फेराइट की हालिया प्रगति पर एक समीक्षा ने आकारिकी को एक प्रभावी के रूप में संशोधित किया. जल और वायु प्रदूषण को रोकने के लिए फोटोकैटलिस्ट। अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 144 (0), 109834.

डॉ. अंकिता चौधरी (2023). मल्टीकंपोनेंट प्रतिक्रियाओं में शर्करा: विविधता-उन्मुख संश्लेषण के लिए एक टूलबॉक्स। सिंथेसी, 55 (0), 1007-1041।

डॉ. ब्रोटोटी रॉय (2022). स्पॉटेड स्नेकहेड fbn3 सी-टर्मिनल क्षेत्र एन्कोडिंग एस्प्रोसिन और fbn1 की अभिव्यक्ति विश्लेषण का आणविक क्लोनिंग, लक्षण वर्णन और 1D मॉडलिंग। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 13 (0), 14470।

डॉ. नीलम सिंह क्षार (Na, K) मिश्रित SnO2: ऑक्साइड आधारित सिरेमिक जलविद्युत कोशिकाओं के बिजली उत्पादन पर माइक्रोस्ट्रक्चर की भूमिका पर एक जांच। अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 146 (0), 110115।

डॉ. वसुधा अग्रवाल (2022). Sm0.55Sr0.45MnO3 पतली फिल्मों में चुंबकत्व और मैग्नेटो-परिवहन गुणों में ऑक्सीजन रिक्ति-प्रेरित वृद्धि। एप्लाइड फिजिक्स ए: सामग्री विज्ञान और प्रसंस्करण।128(0), 121135.

डॉ. शालिनी लम्ब तलवार, (2022). रुद्धोष्म दालों का उत्पादन। फिजिका ई: एडियाबेटिक दालों की कम-आयामी पीढ़ी। फिजिका ई: कम-आयामी सिस्टम और नैनोस्ट्रक्चर। फिजिका ई: लो-डायमेंशनल सिस्टम और नैनोस्ट्रक्चर, 144 (0), 115431.

जर्नलपत्रिकाओं

प्रो. हरितमा चोपड़ा, डॉ. गोपी देवदत्त त्रिपाठी, डॉ. ब्रोटोटी रॉय, डॉ. मीना यादव, (2022)। सहूलियत: जर्नल ऑफ थीमैटिक एनालिसिस (आईएसएसएन: 2582-7391) द्वि-वार्षिक, 2 (2), 1-139

मंजूर/दायर पेटेंट

जर्मन पेटेंट, जिसका शीर्षक 2022 में "तटीय शहरी वातावरण में फैलने वाले सूक्ष्म पैमाने पर वायु प्रदूषक के लिए एक संशोधित सीएफडी मॉडल को लागू करना" है। पेटेंट धारक: डॉ. लता वोडवाल।

भारतीय पेटेंट, "बच्चों के लिए प्रतिरक्षा परीक्षण किट" पर डिजाइन। डिजाइन संख्या 379780-001 2023 में। पेटेंट धारक: डॉ. तेजेंद्र कुमार।

भारतीय पेटेंट, पराबैंगनी (यूवी) कीटाणुनाशक बॉक्स। पेटेंट संख्या 409373, 2022 में। पेटेंट धारक: डॉ. गीता बत्रा नरूला और डॉ. स्वर्णदीप कौर सेठी।

जर्नल

प्रो. हरितमा चोपड़ा, डॉ. गोपी देवदत्त त्रिपाठी, डॉ. ब्रोटोटी रॉय, डॉ. मीना यादव, (2022)। सहूलियत: विषयगत विश्लेषण जर्नल (आईएसएसएन: 2582-7391) द्वि-वार्षिक, 2(2), 1-139.

मंजूर/दायर पेटेंट

जर्मन पेटेंट, जिसका शीर्षक 2022 में "तटीय शहरी वातावरण में सूक्ष्म पैमाने पर वायु प्रदूषक फैलाने के लिए एक संशोधित सीएफडी मॉडल लागू करना" है। पेटेंट धारक: डॉ. लता वोडवाल।

भारतीय पेटेंट, "बच्चों के लिए प्रतिरक्षा परीक्षण किट" पर डिज़ाइन। 2023 में डिज़ाइन नंबर 379780-001। पेटेंट धारक: डॉ. तेजेंद्र कुमा ।

भारतीय पेटेंट, पराबैंगनी (यूवी) कीटाणुनाशक बॉक्स। पेटेंट संख्या 409373, 2022 में। पेटेंट धारक: डॉ. गीता बत्रा नरूला और डॉ. स्वर्णदीप कौर सेठ ।

आयोजित संगोष्ठी

20 सितंबर, 2022 को एआई रिसर्च सेंटर, उल्स्टर यूनिवर्सिटी में डेटा एनालिटिक्स और सिस्टम के थीम लीडर, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग के प्रोफेसर हुइरू (जेन) झेंग द्वारा सेमिनार शीर्षक, "डिजिटल हेल्थ"।

भारत में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत डॉ. अहमद अल बन्ना और डॉ. के.एस. द्वारा सेमिनार शीर्षक, "आपदा प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका"। सुकोन, महानिदेशक, मॉरीशस मुक्त विश्वविद्यालय 08 सितंबर, 2022.

07 दिसंबर 2022 को प्रोफेसर रिचर्ड डेविडसन, विलियम जेम्स और विलास मनोविज्ञान और मनोचिकित्सा के प्रोफेसर, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर हेल्दी माइंड्स के संस्थापक और निदेशक द्वारा सेमिनार शीर्षक, "वेल बीइंग एक कौशल है"।

17 जनवरी 2023 को एडवांस्ड साइंसेज, डार्टमाउथ, यूएसए के अध्यक्ष और बोटुलिनम रिसर्च सेंटर, डार्टमाउथ, यूएसए के निदेशक प्रोफेसर बल राम सिंह द्वारा "एकीकृत स्वास्थ्य के लिए वैज्ञानिक ज्ञानमीमांसा विकसित करने के लिए योग का उपयोग" विषय पर सेमिनार।

आयोजित सम्मेलन

सीएफआर, मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा 11 अगस्त 2022 को वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "इक्विनॉक्स" 2022 का आयोजन किया गया।

दिव्यांग कर्मचारी कल्याण संघ (डीईडबल्यूए) के सहयोग से 26 जून 2022 को "दिव्यांगता प्रवचन में समकालीन मध्यवर्तन" पर प्रथम विश्व दिव्यांगता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. श्वेता शर्मा ने "कैंसर प्रतिरोध के आणविक तंत्र को समझने के लिए विभिन्न जीवों में ट्यूमर प्रोटीन पी53 के लिए टीपी53 जीन एन्कोडिंग का तुलनात्मक विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन वेलबीइंग रीविजिटिंग: परिप्रेक्ष्य, चुनौतियां और आगे की राह पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में किया गया। 1-2 फरवरी 2023 के दौरान गार्गी महाविद्यालय।

सुश्री नेहा ने 20-21 जनवरी 2022 के दौरान जीसस एंड मैरी महाविद्यालय द्वारा बदलते वैश्विक पर्यावरण में व्यावसायिक रणनीतियों के विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्थायी एफडीआई पर संस्थागत और पर्यावरणीय कारकों का प्रभाव: आसियान अर्थव्यवस्थाओं में साक्ष्य" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. ज्योत्सना ने दिनांक 24-25 मार्च 2022 के दौरान दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट और आर्थिक परिवर्तन-परिवर्तन को अपनाने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आर्थिक परिवर्तन-अंतर-क्षेत्रीय व्यापार प्रथाओं के परिवर्तन को अपनाना: भारत और श्रीलंका पर एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री रमिता ने 28-29 सितंबर 2022 को प्रबंधन विभाग, जामिया हमदर्द द्वारा आयोजित स्थिरता और डिजिटलीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दिल्ली एनसीआर में ओपन बैंकिंग और डिजिटल-केवल बैंकों के प्रति ग्राहक धारणा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

देशबंधु महाविद्यालय द्वारा "रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति: स्वास्थ्य, पर्यावरण और समाज" विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. लता वोडवाल ने "संभावित कीटनाशक वाहक के रूप में बोविन बीटा-लैक्टोग्लोबुलिन प्रोटीन के साथ कीटनाशकों की आणविक चर्चा का अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली विश्वविद्यालय 08-09 अप्रैल 2022 के दौरान आयोजित किया गया।

डॉ. अनिता देवी ने 21-22 जनवरी 2023 के दौरान इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में विश्व हिंदी परिषद और अध्ययन फाउंडेशन द्वारा भाषा का प्रश्न और 21वीं सदी का भारत विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हिंदी सिनेमा की भाषा: आज और कल" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. गीतन मनचंदा ने गणित विभाग, अकाल विश्वविद्यालय, तलवंडी साबो, बठिंडा, पंजाब (भारत) द्वारा 16-18 नवंबर 2022 को शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में विकास (आईसीईपीएएम-2022) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ध्रुवीय निर्देशांक में 1डी तरंग समीकरण की प्रणाली के लिए आधे-चरण विवेकीकरण

पर आधारित एक नई उच्च सटीकता क्यूबिक स्पलाइन विधि" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के लिए ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फ़रीदाबाद के साथ समझौता-ज्ञापन। प्रमुख संस्थान के वैज्ञानिकों ने जैव प्रौद्योगिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान और अन्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषयों के विभिन्न पहलुओं पर भाग लेने वाले महाविद्यालयों में चर्चा और व्याख्यान आयोजित किए हैं।

महाविद्यालय के कागज के कचरे के पुनर्चक्रण के लिए "जागृति", अपशिष्ट कागज पुनर्चक्रण सेवाओं के साथ समझौता-ज्ञापन।

आईसीटी अकादमी के सहयोग से छात्र साक्षरता कार्यक्रम, शक्ति सेमिनार और संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आईसीटी अकादमी के साथ समझौता-ज्ञापन।

हमारे देश के युवाओं के बीच संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने और उनके बीच हमारी प्राचीन संस्कृति और मूल्यों का प्रचार करने के लिए संस्कृत भाषा में 3 महीने का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, यूएसए के साथ समझौता-ज्ञापन।

इंडोजीनियस टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता-ज्ञापन न्यूजीलैंड प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत न्यूजीलैंड के छात्रों के लिए विनिमय कार्यक्रम की मेजबानी के लिए लिमिटेड।

एनआईआई के सहयोग से सेमिनार, वार्ता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई), नई दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

कार्यक्रम की संख्या: 01 (एशिया के लिए न्यूजीलैंड प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति)
शामिल छात्रों की संख्या: 21

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 218

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

वर्ष 2022-23 में 70 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया (निजी लिमिटेड, गैर-लाभकारी संगठन, सीमित देयता भागीदारी, बहुराष्ट्रीय कंपनियां।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

शैक्षणिक सत्र के दौरान, मैत्रेयी महाविद्यालय ने प्रभावशाली आउटरीच कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। मैत्रेयी महाविद्यालय में सक्षम इकाई दिव्यांग छात्रों और संकाय सदस्यों दोनों के लिए समर्थन और मार्गदर्शन के एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ के रूप में खड़ी थी। दिव्यांग व्यक्तियों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की नई परीक्षा नीति के अनुपालन में, सक्षम इकाई ने सत्र के लिए लेखक और पाठक बैंक का नवीनीकरण किया और दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लाभ के लिए क्रांतिकारी किबो एक्सएस डिवाइस-एक बहुभाषी स्कैनिंग

और रीडिंग डिवाइस-पेश किया। इस अत्याधुनिक तकनीक ने दृष्टिबाधित समुदाय के सामने आने वाली पढ़ने की चुनौतियों को काफी हद तक कम कर दिया है।

मैत्रेयी महाविद्यालय की स्वास्थ्य और स्वच्छता समिति के साथ सहयोग करते हुए, सक्षम इकाई ने दो ज्ञानवर्धक राष्ट्रीय वेबिनार की मेजबानी की, जिसमें "हृदय रोग और आहार" को केंद्र में रखा गया, इसके बाद "कार्यस्थल ऑर्थोपेडिक: खेल चोटें और जोड़ों का दर्द" रहा। सक्षम इकाई ने प्रिंट दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए परिश्रमपूर्वक ई-सामग्री तैयार करके एक सराहनीय पहल शुरू की, जो अब दुनिया भर में जरूरतमंद लोगों के लिए सुलभ है।

सामाजिक सेवा और स्वास्थ्य देखभाल के गुणों को बढ़ावा देने के लिए, रोटरी क्लब के सहयोग से एक व्यापक 'रक्तदान अभियान, मुफ्त दंत चिकित्सा जांच और स्वास्थ्य जांच के लिए मैमोग्राफी परीक्षा' का आयोजन किया गया।

जनवरी 2023 में, एक 'स्वच्छता अभियान' ने सत्य निकेतन में डीडीए पार्क को सजाने, नागरिक समाज के भीतर स्वच्छता और एक प्राचीन वातावरण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए पंद्रह समर्पित स्वयंसेवकों को संगठित किया। निवउडित, यूथ फॉर सेवा और एन.सी.सी., मैत्रेयी महाविद्यालय के साथ एक सहयोगात्मक प्रयास, 29 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया था, जिसमें वंचित पृष्ठभूमि के छोटे बच्चों की प्रतिभा का समारोह मनाया गया और उनका पोषण किया गया। एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों, गैर सरकारी संगठनों और इलाकों के 3000 से अधिक छात्रों की भागीदारी से कार्यक्रम ने महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय ने 2022-2023 सत्र के दौरान 791 पुस्तकें (31 मार्च 2023 तक) प्राप्त कीं। पुस्तकालय का कुल संग्रह 1,00,437 मुद्रित पुस्तकों तक बढ़ा दिया गया है। पुस्तकालय 52 जर्नल की भी सदस्यता लेता है, जिनमें लोकप्रिय पत्रिकाएँ और पुस्तकालय में 22 समाचार-पत्रों (15 शीर्षक) का संग्रह शामिल है। पुस्तकालय एन-लिस्ट कंसोर्टियम की सदस्यता लेती है, जिसमें एन-लिस्ट के तहत 6000+ ई-जर्नल्स और 1,99,500 ई-बुक्स के साथ-साथ एनडीएल के माध्यम से 6,00,000 ई-बुक्स शामिल हैं।

महाविद्यालय पुस्तकालय डेलनेट (डेवलपिंग पुस्तकालय नेटवर्क) का सदस्य है, जो विशेष रूप से अंतर-पुस्तकालय ऋण के माध्यम से हमारी जरूरतों को पूरा करता है। पुस्तकालय ने डीस्पेस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके अपना संस्थागत भंडार बनाया है जो केवल पुस्तकालय में ही उपलब्ध है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता महाविद्यालय की वेबसाइट पर पुस्तकालय टैब के तहत पिछले और वर्तमान वर्ष के पाठ्यक्रम/प्रश्न पत्रों तक पहुंच सकते हैं। इसके अलावा, पुस्तकालय ने ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के लिए और पुस्तकालय की पुस्तकें खोजने और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को उनकी लंबित फीस और बकाया के बारे में जानने में मदद करने के लिए एक और कियोस्क मशीन (कुल 2) भी पेश की।

संकाय संख्या : 193

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: 731837069 रुपए
उपयोगित अनुदान: 724917914 रुपए

***

माता सुंदरी महिला महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, जिसका नाम सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी की पत्नी, माता सुंदरी जी के नाम पर रखा गया था, की स्थापना आदर्श वाक्य के साथ युवा महिलाओं के बीच सेवा, नेतृत्व, सामाजिक जिम्मेदारी और शैक्षणिक गतिविधियों के पोषित आदर्शों का प्रचार करने के लिए की गई थी। "सच्चाई सभी गुणों में सर्वोच्च है लेकिन सच्चा जीवन उससे भी ऊंचा है"।

महाविद्यालय की नींव जत्थेदार संतोख सिंह के नेतृत्व में समर्पित, समर्पित और महान सिख नेताओं की एक टीम द्वारा रखी गई थी। महाविद्यालय की शुरुआत केवल बी.ए. (पास) पाठ्यक्रम के साथ हुई, लेकिन चार नए पाठ्यक्रम अर्थात पंजाबी, हिंदी, संस्कृत और इतिहास में बी.ए. (ऑनर्स) शुरू किए गए, जो 1968 में शुरू किए गए थे। राजनीति विज्ञान और दर्शनशास्त्र में बी.ए. (ऑनर्स) 1969 में जोड़े गए थे। जब 1976 में पंजाबी में पोस्ट ग्रेजुएशन और 1978 में संस्कृत में स्नातकोत्तर की शुरुआत हुई तो महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एक पूर्ण घटक महाविद्यालय बन गया। वर्ष 1978 में बी.ए. (ऑनर्स) गणित में और बी.कॉम. (पास) पाठ्यक्रमों की निरंतर बढ़ती संख्या को भी शामिल किया गया। बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी में 1980 में और बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान में और बी.कॉम. (ऑनर्स) 1985 में शुरू किया गया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को एनएएसी द्वारा ग्रेड 'ए' और 3.18 सीजीपीए के साथ मान्यता दी गई थी। महाविद्यालय ने एनआईआरएफ और इंडिया टुडे जैसे अन्य गुणवत्ता लेखापरीक्षा में भी भागीदारी शुरू की। एमबीए सेल, मोटिवेशन टू मास्टर्स सेल, सिविल सर्विसेज सोसाइटी और सीए/सीएस सेल पूरे वर्ष सक्रिय रहे और छात्रों के लिए वार्ता, व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन किया।

महाविद्यालय में अनुसंधान के माहौल को बढ़ावा देने और संकाय और छात्रों द्वारा की जा रही दिन-प्रतिदिन की अनुसंधान गतिविधियों की निगरानी के लिए अनुसंधान सलाहकार परिषद के तत्वावधान में एक अनुसंधान और विकास सेल की स्थापना की गई थी। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की स्थापना राजभाषाओं के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। हिंदी और पंजाबी में साइनेज बनाए जा रहे हैं और भारतीय भाषाओं में आधिकारिक संचार किया जा रहा है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर हरप्रीत कौर को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2023 पर सिख धर्म इंटरनेशनल, ग्लोबल अलायंस फॉर वुमेन एम्पावरमेंट, विन-विन वुमेन और ग्लोबल पीस एंड प्रॉस्पेरिटी इनिशिएटिव द्वारा आयोजित एक विशेष आईडब्ल्यूडी कार्यक्रम में उत्कृष्ट महिला पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 2023 में अनुसंधान में उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रदर्शन के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड सोशल रिसर्च तुर्की द्वारा 13वें इक्साद विज्ञान पुरस्कारों में उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार भी मिला। उन्हें 2023 में विश्व हिंदी साहित्य परिषद भारत द्वारा 'विश्व वागेश्वरी सम्मान' भी प्राप्त हुआ। इसके साथ, उन्हें 23 फरवरी 2023 को इंडियन ब्रेव हार्ट्स एनजीओ द्वारा आयोजित 9वें राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2023 में राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार मिला। उन्हें पंजाबी प्रचारणी सभा और पंजाबी लोक द्वारा पंजाबी भाषा, साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सम्मान पत्र भी मिला। 21 फरवरी 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर मंच, दिल्ली। उन्हें 2022 में ब्लूमहो ग्लोबल और गोल्डन सिग्नेचर द्वारा एंबेसडर ऑफ ग्रीन प्लैनेट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उन्हें 2022 में यूनिवर्सल पीस फेडरेशन से एंबेसडर ऑफ पीस अवार्ड भी मिला। इसके अलावा, उन्हें उत्कृष्ट सेवा, अथक प्रयासों और पीसीआरए (पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ) और हरित और स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से सक्षम-2022 (आजादी का अमृत महोत्सव) में ईंधन और ऊर्जा संरक्षण से संबंधित इसकी परियोजनाओं के लिए निरंतर समर्थन के लिए प्रशंसा से सम्मानित किया गया। साथ ही कैंपस में हरित गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने और पूरा करने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस समारोह, जून 2022 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, भारत सरकार द्वारा सराहना भी की गई।

डॉ. उज़्मा नदीम को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2023 पर सिख धरना यूनिवर्सल, ग्लोबल एलायंस फॉर वुमेन एम्पावरमेंट, ग्लोबल पीस एंड प्रॉस्पेरिटी इनिशिएटिव और विन-विन वुमेन द्वारा उत्कृष्टता महिला पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 13 के दौरान उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार भी मिला। 2022 में उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रदर्शन के लिए इक्साद और पुरस्कार आयोग तुर्की द्वारा इक्साद विज्ञान पुरस्कार आयोजित किए गए।

प्रकाशन

कौर, एच. (2022)। भाई कन्हैया: रेड क्रॉस आंदोलन के प्रणेता। *खालसा . खालसा समाचार*, 32(35), 7-10.

कौर, जी., शर्मा, यू. और सिंह, जी. (2023)। व्यवहार संबंधों के प्रति मानक प्रतिबद्धता के मध्यस्थ के रूप में प्रभावशाली और नागरिकता व्यवहार के मुख्य भविष्यवक्ता के रूप में पेशेवर प्रतिबद्धता: अनुभवजन्य पुष्टि। *सार्वजनिक क्षेत्र प्रदर्शन प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* 11(2), 218-232..

गुप्ता, पी. एवं गुप्ता, एस. (2022)। मेडिकल इमेज वर्गीकरण और ऑब्जेक्ट डिटेक्शन में गहन शिक्षण: एक सर्वेक्षण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमेज प्रोसेसिंग एंड पैटर्न रिकॉग्निशन, 8(2), एनए।*

तिवारी, एस., कौर, सी. (2022)। पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच खेल मनोवैज्ञानिक कौशल का

आकलन। *शोधसंहिता,,* IX(1), एनए।

कौर, डी.. (2022)। महारानी जिंद कौर: सिख साम्राज्य की लौह महिला। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, एनए(एनए), एनए।

कर्तव्य बोध और मूलबोध को रचता उपन्यास, 'उत्कोच'। *अभिव्यक्ति पत्रिका, एनए(एनए), 62-64.*

कौर, जी. (2022)। यूनिट II. एच के दास, रजनीश वर्मा और डॉ. आर. वर्मा (सं.) में, डिफरेंशियल इक्वेशन: सेमेस्टर 2। *एनए, एनए(एनए), 92-124।*

कौर, एच., नदीम, यू. और मानेकेयेवा, आर.. (2022)। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड सोशल रिसर्च प्रकाशन, तुर्की द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान कांग्रेस-बारहवीं की कार्यवाही। IKSAD प्रकाशन। . *एनए, एनए(एनए), एनए।*

भट्टाचार्य, पी. (2022)। भारतीय सिनेमा: समय के माध्यम से एक सेल्युलाइड यात्रा। मीडिया और संचार: छात्रों की एक पुस्तिका। *विश्वदृष्टिकोण. .एनए, एनए(एनए), एनए।*

गुप्ता, पी. और गुप्ता, एस.. (2022)। मेडिकल इमेज वर्गीकरण और ऑब्जेक्ट डिटेक्शन में गहन शिक्षण: एक सर्वेक्षण। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमेज प्रोसेसिंग एंड पैटर्न रिकॉग्निशन, 2(8), एनए*।

आयोजित संगोष्ठी

03 फरवरी 2023 को निकोल गोएत्ची डेनेसी, प्रोफेसर, एचईपी वॉड, स्विट्जरलैंड द्वारा "कला, प्रकृति और ईएसडी: आशा की शिक्षाशास्त्र" पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

14 सितंबर 2022 को भारतीय भाषाओं पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी द्वारा "भारतीय भाषाओं की एकात्मता में हिंदी की भूमिका" का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

03 नवंबर 2022 को पंजाबी साहित्य सभा दिल्ली और आईसीएसएसआर के सहयोग से आईक्यूएसी द्वारा "पुनर्विचार विभाजन: 75 वर्ष" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

25 अगस्त 2022 को हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी के सहयोग से अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा गुरु तेग बहादुर की 400वीं जयंती को समर्पित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

13-15 अगस्त 2022 तक आर्थिक विकास और सामाजिक अनुसंधान संस्थान तुर्की के सहयोग से पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा "अंतर्राष्ट्रीय आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान कांग्रेस" का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रो. हरप्रीत कौर ने 13-15 मार्च 2023 तक ब्राजील के रियो डी जनेरियो में सामाजिक विज्ञान और

मानविकी- IV पर लैटिन अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में "हरित बुनियादी ढांचे के माध्यम से पर्यावरण प्रबंधन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हरलीन कौर ने 10-11 नवंबर 2022 को शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा व्यवसाय और प्रबंधन में प्रगति पर आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऊर्जा कुशल उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण ग्रंथसूची" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री शिवानी वर्मा ने 15 अक्तूबर 2022 को इको फाउंडेशन के सहयोग से आईपीईएम लॉ अकादमी द्वारा पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और स्थिरता पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "कठिन ऊर्जा के उपयोग के कारण पर्यावरण एनीमिया: उपचारात्मक उपायों पर ध्यान केंद्रित करना" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ.राधिका मेनन ने 21 जून 2022 को केरल में टीईएसएफ इंडिया डायलॉग-एससीईआरटी, डाइट कोट्टायम में "पारिवारिक संस्कृतियों में पितृसत्ता का पता लगाना" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रश्मि वर्मा ने 5-7 दिसंबर 2022 तक बोसेन एकेडमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित अनुप्रयुक्त गणित, सूचना विज्ञान और कंप्यूटिंग विज्ञान (एएमआईसीएस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बार-बार होने वाली त्रुटि और इसके वेरिएंट" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. दलजीत कौर ने 10-11 अक्तूबर 2022 तक पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में अंतर-धार्मिक सम्मेलन में "भगत बानी, गुरु ग्रंथ साहिब-एक स्पष्ट विरासत" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

विश्व हिंदी द्वारा आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक एवं भाषा सम्मेलन में 21वीं सदी में भाषा और भारत के प्रश्न पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. गरिमा मणि त्रिपाठी ने "सार्वभौमिक भाषा का विचार और हिंदी के लिए संभावनाएं: एक दार्शनिक अध्ययन" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 21 जनवरी 2023, साहित्य परिषद्, नई दिल्ली।

डॉ. इकबाल कौर ने 28 सितंबर 2022 को दयाल सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सेमिनार, वर्तमान परवासी पंजाबी साहित्य दे विशेष सरोकार में नदीम परमार दे उपन्यास 'निपत्ता रुख-इक अध्ययन' नामक एक लेख प्रस्तुत किया।

डॉ. गुरजीत कौर ने 28 सितंबर 2022 को दयाल सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सेमिनार वर्तमान परवासी पंजाबी साहित्य दे विशेष सरोकार में "सुरिंदर गीत दा काव्य संग्रह: गुस्ताख हवा (आलोचनात्मक अध्ययन)" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीतू शर्मा ने 3-5 नवंबर 2022 तक माता सुंदरी महिला में रीथिंकिंग पार्टिशन:75 इयर्स पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शिरोमणि अकाली दल और पंजाब का विभाजन" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

संस्कृत संभाषण (बोली जाने वाली संस्कृत) को बढ़ावा देने के लिए संस्कृत भारती, नई दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

कपड़ा डिजाइनिंग कौशल बढ़ाने के लिए कैलीग्राफी इंडिया के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

ईएसडी पर इंटरकल्चरल विनिमय कार्यक्रम के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ टीचर एजुकेशन, स्टेट ऑफ वाउड, स्विट्जरलैंड (एचईपी) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

क्षमता निर्माण और अकादमिक आदान-प्रदान के लिए सेमिनार, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित करने के लिए Vii मीडिया के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अकादमिक आदान-प्रदान के लिए क्षमता निर्माण, सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएं, संगोष्ठियों के लिए ड्राइवव इफेक्टिव एजुकेशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अल्पकालिक पाठ्यक्रम-दार्शनिक परामर्श का परिचय के लिए फिलॉसॉफिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

शैक्षणिक आदान-प्रदान के लिए सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां आयोजित करने के लिए इंडो ग्लोबल बिजनेस काउंसिल चैंबर्स के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

आउटरीच, शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन और क्षमता निर्माण-संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के लिए अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़, हरियाणा के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

वेब डिजाइनिंग, वर्डप्रेस और शॉपिफाई के ज्ञान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक्सेल रेंज मीडिया के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सेनेटरी नैपकिन डिस्पोजल मशीन और सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन की स्थापना के लिए रोशनी-एनजीओ के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

ई-कचरा प्रबंधन सेवाओं के लिए सोर्डिटकॉन प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों (अनुसंधान, नवाचार, प्रकाशन, सम्मेलन, प्रशिक्षण, सेमिनार और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों) के लिए इक्साद और एमएससीडबल्यू के बीच सहयोग के लिए आर्थिक विकास और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, तुर्की के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

छात्रों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम के लिए उद्यमी हेल्पलाइन इंडिया के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

22 मार्च 2023 को ऐपवार्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से एक एडवांस एक्सेल वर्कशॉप आयोजित की गई थी। लिमिटेड के प्रशिक्षक/वक्ता श्री मोहम्मद काशिफ और श्री उत्कर्ष उपाध्याय थे।

अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान कांग्रेस-XII का आयोजन 13-15 अगस्त 2022 को आर्थिक विकास और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, तुर्की के सहयोग से किया गया था।

फैम्क (परिचित अभ्यास) का आयोजन पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, मध्य दिल्ली द्वारा 8वीं बटालियन, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरु), गाजियाबाद, मध्य दिल्ली के सहयोग से 19 जनवरी 2023 को छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए किया गया था।

हिंदी विभाग ने 'भारतीय भाषा मंच' के सहयोग से फरवरी 2023 में 'मातृभाषा पखवाड़ा' मनाया।

03 फरवरी 2023 से फिलॉसॉफिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के सहयोग से दार्शनिक परामर्श पर एक सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया गया था।

डबल्यूईएलएलएम के सहयोग से 12 सितंबर 2022 को "चिंता से सफलता: एक नया प्रतिमान" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था।

भाई वीर सिंह की 150वीं जयंती मनाने के लिए, 21 दिसंबर 2022 को विचार चर्चा- भाई वीर सिंह: रचना एट प्रसिंगिता पर भाषा विभाग पंजाब के सहयोग से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

महिला इतिहास माह मनाने के लिए 18 और 19 मार्च 2023 को उड़नकार: एक नई सुबह और एनसीडब्ल्यूईबी के सहयोग से एक आत्मरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई थी।

1 मार्च, 2023 को दिल्ली पुलिस के सहयोग से साइबर अपराध जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्व में महिलाओं को समर्पित एक कार्यक्रम 4 मार्च 2023 को DSGMC और सिख धर्म यूनिवर्सल के सहयोग से आयोजित किया गया था।

इको क्लब और आंतरिक शिकायत समिति ने 24 मई 2022 को केंद्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और साहस एनजीओ के सहयोग से "स्वच्छ पर्यावरण पर विशेष जोर देने के साथ मौलिक अधिकार और कर्तव्य" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

लंग केयर फाउंडेशन के सहयोग से "स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण व्यापक जागरूकता" पर एक जागरूकता सत्र 24 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया।

ई-कचरा और कागज अपशिष्ट निपटान अभियान 10 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया।

17 जनवरी 2023 को सॉर्डिटकॉन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से स्थिरता पर विशेष जोर देने के साथ एक ई-कचरा प्रबंधन जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

22 मार्च 2023 को राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, नई दिल्ली (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से विश्व जल दिवस मनाया गया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 61

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 21

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

स्कूल सहयोग कार्यक्रम "सहयोग: एक सामुदायिक आउटरीच पहल" के तहत दो कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। डॉ. जगजीत कौर (सहायक प्रोफेसर, पंजाबी विभाग) द्वारा *"गुरु गोबिंद सिंह जी और खालसा साजना दिवस"* पर कार्यशाला 10 नवंबर को आयोजित की गई थी और डॉ. रमिता साहनी, सहायक प्रोफेसर, विभाग द्वारा "वैदिक गणित ट्रिक्स" पर कार्यशाला आयोजित की गई थी। गणित की कार्यशाला 12 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई थी। इन कार्यशालाओं में हमारे सहयोगी पड़ोस के स्कूल के शिक्षकों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संगिनी सहेली और दिल्ली पुलिस, उत्तरी जिले ने 20 अगस्त 2022 को थान सिंह की पाठशाला के छात्रों के लिए सुश्री प्रियाल भारद्वाज द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता और मासिक धर्म स्वच्छता व्याख्यान का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

इस शैक्षणिक वर्ष में 1399 पुस्तकें जोड़ी गईं, जिससे पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 1,17,669 हो गई। महाविद्यालय ने 38 पत्र-जर्नल की सदस्यता ली है और 6 समाचारपत्रों डेलनेट (डेवलपिंग पुस्तकालय नेटवर्क) की संस्थागत सदस्यता ली है।

संकाय संख्या : 158

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 59,24,87,348/-
उपयोगित अनुदान: 59,24,87,348/-

***

मिरांडा हाउस

संक्षिप्त विवरण

मिरांडा हाउस ने 1946 में 7, प्रोबिन रोड (अब इसका नाम बदलकर छात्र मार्ग) स्थित एक पुराने

औपनिवेशिक बंगले से महिला छात्रों के लिए एक छात्रावास के रूप में अपना अस्तित्व शुरू किया। महाविद्यालय अंततः 1948 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति (1938-1950) सर मौरिस ग्वेयर के नेतृत्व में शुरू हुआ। सुश्री वेद ठाकुरदास को प्रथम प्राचार्य नियुक्त किया गया। 122 युवतियों को अनेक विभागों में प्रवेश दिया गया: अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, हिंदी, इतिहास, दर्शनशास्त्र, गणित, संस्कृत, भौतिकी और प्राणीशास्त्र। महाविद्यालय ने महिलाओं के लिए बुनियादी विज्ञान शिक्षा का बीड़ा उठाया। आज, महाविद्यालय में अठारह विभाग हैं जिनमें मानविकी, सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञान, 200 संकाय सदस्य और 5000 से अधिक छात्र शामिल हैं।

विवरण

मिरांडा हाउस का इतिहास महिला शिक्षा के इतिहास के साथ-साथ स्वतंत्रता के बाद के भारत में महिला आंदोलन का भी इतिहास है। अब जो छात्रावास भवन है उसकी आधारशिला 7 मार्च 1948 को एडविना माउंटबेटन द्वारा रखी गई थी। मिरांडा हाउस ने मानविकी, सामाजिक विज्ञान और बुनियादी विज्ञान में गुणवत्ता और समग्र शिक्षा के लिए एक जगह बनाई है जो समावेशी है और संवेदनशील और सक्षम बनाने के लिए समर्पित है। छात्र, जो देश के नेता और जिम्मेदार नागरिक बनने की आकांक्षा रखते हैं। इसे 2017 से 2023 तक निरंतर सात वर्षों तक राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के तहत महाविद्यालयों के बीच अखिल भारतीय रैंक वन से सम्मानित किया गया है। इसे एनएएसी से ए++ का संस्थागत ग्रेड मिला है और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्टार महाविद्यालय का दर्जा दिया गया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

मिरांडा हाउस ने अनुसंधान, कौशल विकास और आउटरीच गतिविधियों पर जोर देकर अपना ध्यान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ जोड़ दिया है। इसका समर्थन करने के लिए, मिरांडा हाउस ने अपने बहुविषयक अनुसंधान केंद्र को मजबूत किया है, जो पीएच.डी. छात्र द्वारा इस क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के माननीय प्रधानमंत्री के मिशन के अनुरूप संचालित उन्नत अर्धचालक उपकरण निर्माण अनुसंधान के लिए समर्पित है। ।

मिरांडा हाउस ने "मेकिंग इंडिया काउंट-रोल ऑफ यूथ, एकेडेमिया और इंटेलेक्चुअल्स" विषय के तहत कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से जी20 में भारत के नेतृत्व को प्रदर्शित किया। महाविद्यालय ने भारत-कोरिया राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने पर कोरिया नेशनल स्पोर्ट यूनिवर्सिटी के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए। इसके अलावा, मिरांडा हाउस ने प्लैटिनम जुबली कप और सेंटेनरी कप सहित फ्लावर शो में आठ प्रतिष्ठित कप जीतकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

मिरांडा हाउस को एक सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण सहभागिता सेल (एसईएस आरईसी) संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है, और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, भारत सरकार द्वारा स्वच्छता, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन और हरियाली प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एक स्थायी कैंपस के रूप में मान्यता दी गई है। विशेष रूप से, मिरांडा हाउस ने हाल ही में नॉर्थ कैंपस-दिल्ली जिले के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन ग्रेड 'एस' के साथ डिस्ट्रिक्ट इको-एसडीजी चैंपियन 2023 होने

का गौरव प्राप्त किया है।

सम्मान/गौरव

डॉ. रश्मि शाक्य को डीएसटी एसईआरबी, 2022 द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान अनुभव पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रोफेसर अनिंदिता सरकार को दिल्ली विश्वविद्यालय, 2023 द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. दीपक को 2023 में जामिया हमदर्द नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईआरएसडी में आईआरएसडी प्रमुख शिक्षक पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रोफेसर कलावती सैनी को रॉयल रिसर्च अवार्ड समारोह, आईएसएसएन आईआईएसटीएसी, 2022 में इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, मटेरियल केमिस्ट्री, एंटीकैंसर गतिविधि में अनुसंधान और उत्कृष्टता के लिए अंतर्राष्ट्रीय, सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्हें साइंस फादर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक पुरस्कार भी मिला, जो स्किफ़ैक्स का ट्रेडमार्क है।

प्रोफेसर मोनिका तोमर को मार्च 2023 में कमला पावर वूमेन अवार्ड एनजीओ द्वारा वुमन इन साइंस रिसर्च एंड एकेडमिक्स (पुरस्कार) प्राप्त हुआ।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. गणित (ऑनर्स) की शालिनी ठाकुर तृतीय वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. गणित (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की समृद्धि मिश्रा को दिल्ली विश्वविद्यालय में द्वितीय रैंक प्रदान की गई।

अर्शदीप कौर बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया।

बी.ए. की काव्या खेमका. कार्यक्रम I वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया

एम. एससी. गणित अंतिम वर्ष की मीनाक्षी को दिल्ली विश्वविद्यालय में रैंक I से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

भट्ट, पी., शर्मा, एम., शर्मा, पी., राठी, बी., शर्मा, एस. (2022) माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस डॉर्मेंसी रेगुलोन प्रोटीन आरवी2627सी और आरवी2628 टोल जैसे रिसेप्टर के खिलाफ और संभावित सहायक के रूप में। *इंटरनेशनल इम्यूनोफार्माकोलॉजी*, 112 (0), 109238।

जैन, एस., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी., तोमर, एम. (2022)। जीएलएडी सहायता प्राप्त आरएफ स्पटरिंग तकनीक का उपयोग करके विकसित नैनोसंरचित एमआईओ2 फिल्मों का एसपीआर आधारित अपवर्तक सूचकांक मॉड्यूलेशन। *सतहें और इंटरफेस*, 34(2), 102355।

जीनगर, सी., जिंदल, के., तोमर, एम. और झा, पी. (2022)। एक कुशल यूवी फोटोडिटेक्टर की प्राप्ति के लिए टी-इन2सी3 में आंतरिक बिंदु दोषों का अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स*, 912 (0), 165197।

कौर, एल., रहमान, जे.ए., सिंह, ए., पाठक, एम., दत्ता, ए., सिंघल, आर., ओझा एच. (2022)। खतरनाक ऑर्गनोफॉस्फोरस यौगिक फॉस्फेट और लाइसोजाइम के बीच चर्चा के लिए बाइंडिंग अध्ययन: स्पेक्ट्रोस्कोपिक और इन-सिलिको विश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स*, 118954(355)।

कुमार, एस., कोवालेंक, एस., भारद्वाज, एस., सेठी, ए., गोरोबेट्स एन.वाई., पूनम; राठी बी. (2022)। एसएआरएस-कोव-2 के विरुद्ध औषधि पुनर्प्रयोजन का कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण द्वारा पूर्वानुमान लगाया गया। *ड्रग डिस्कवरी टुडे*, 27(5), 2015-2027।

कुमारी, आर., यादव, वाई., मिश्रा, आर., दास, यू., अधिकारी, पी.एम., दुबे, जी.पी. (2022)। एंटीबायोटिक्स के उपयोग की उभरती सीमाएं और मानव आंत माइक्रोबायोम पर उनका प्रभाव। *सूक्ष्मजैविक अनुसंधान*, 263(0), 127127.

लामिछाने, एस., शर्मा, एस., तोमर, एम., चौधरी ए. (2023)। बीएफओ/डब्ल्यूओ3 बाइलेयर पतली फिल्म संधारित्र के ऊर्जा भंडारण गुणों पर अध्ययन। *ऊर्जा भंडारण,* 5(1), 1-11.

मेधा, प्रियंका, भट्ट, पी., शर्मा, एस., शर्मा, एम. (2023)। मेजबान माइटोकॉन्ड्रियल तनाव और मैक्रोफेज एपोप्टोसिस में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पीई6 (Rv0335c) प्रोटीन के सी-टर्मिनल डोमेन की भूमिका। *एपोप्टोसिस: क्रमादेशित कोशिका मृत्यु पर एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* 28(1-2), 136-165।

ओक, एच. और बंसल एस. (2022)। भारतीय उद्योगों की ऊर्जा दक्षता बढ़ाना: पीएटी योजना की प्रभावशीलता। *ऊर्जा अर्थशास्त्र,* 113(सी)।

यादव, एस., यादव, जे., कुमार, एम., और सैनी, के. (2022)। मेथिलीन ब्लू के प्रभावी क्षरण के लिए निकल ऑक्साइड/कोबाल्ट ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोग के लिए इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में उनका तुलनात्मक विद्युत रासायनिक अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी*, 47(99), 41684-41697।

शोध-परियोजनाएं

उत्तर पूर्वी परिषद, भारत सरकार, 2022-2025, मिरांडा हाउस में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय अनुसंधान और संसाधन केंद्र की स्थापना। 275.40 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई-प्रो. बिजयलक्ष्मी नंदा।

डीआरडीओ, 2019-2023, रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए एसआईओ2/एसआई मेम्ब्रेन पर लैम्ब वेव डिवाइस का निर्माण। स्वीकृत राशि 428.03 लाख रूपये। पीआई-प्रो. मोनिका तोमर।

डीएसटी, 2019-2023, फेरोइलेक्ट्रिक और फेरोमैग्नेटिक पतली फिल्म स्तरित संरचनाओं का उपयोग करके एमईएमएस आधारित दोहरी ऊर्जा हार्वेस्टर की प्राप्ति। स्वीकृत राशि 51.48 लाख रूपये। पीआई-प्रो. मोनिका तोमर।

डीएसटी, 2021-2023, फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए नैनो आधारित कुशल कीटनाशक फॉर्मूलेशन तकनीक का उपयोग करके कीटनाशक प्रबंधन के लिए स्थायी मार्ग। स्वीकृत राशि 46.77 लाख रूपये। पीआई-डॉ. पूनम।

एसईआरबी, 2020-2023, शक्तिशाली मल्टीस्टेज एंटीमलेरियल्स का लीड अनुकूलन। स्वीकृत राशि 46.41 लाख रूपये। पीआई-डॉ. पूनम.

मंजूर/दायर पेटेंट

यूएसए पेटेंट; पेटेंट धारक: अशोक कुमार, हितेश बोरकर, विभव राव, मोनिका तोमर, विनय गुप्ता; पेटेंट प्रदान किया गया: 20/07/2020; शीर्षक: "मल्टी-स्टेट्स नॉनवोलेटाइल ऑप्टो-फेरोइलेक्ट्रिक मेमोरी सामग्री और उसे तैयार करने की प्रक्रिया" (पेटेंट संख्या US10115456B2, 2018/10/30) (US20170206952A1, 2017/1/13)।

यूएसए पेटेंट; पेटेंट धारक: स्टीव ब्रैडफ़ुटे, रवि दुर्वासुला, प्रेक्षा केम्पैया, ब्रिजेश राठी, पूनम, यश गुप्ता; पेटेंट प्रदान किया गया: 29 अप्रैल 2022; शीर्षक: "कैलक्सिनिन संरचनाएं और वायरल संक्रमण के इलाज की विधि" (आवेदन संख्या पीसीटी/यूएस22/26943)।

पेटेंट धारक: विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, आयुषी पालीवाल और सुरभि जैन; पेटेंट प्रदान किया गया: 27 अगस्त 2020; शीर्षक: "यूरिक एसिड और उसके निर्माण का पता लगाने के लिए एक नया अत्यधिक संवेदनशील और विश्वसनीय एलआरएसपीआर बायोसेंसर" (आवेदन संख्या 201911006783)।

पेटेंट धारक: विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, अंजलि शर्मा और अवनीत सिंह; पेटेंट प्रदान किया गया: 27 अगस्त 2020; शीर्षक: "इलेक्ट्रिक फील्ड असिस्टेड कम बिजली खपत करने वाला कंडक्टो-मीट्रिक गैस सेंसर" (201811006329)।

पेटेंट धारक: विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, अंजलि शर्मा, अवनीत सिंह, परिवेश चुघ, जयविंदर सिंह, भारती सुब्रमण्यम; पेटेंट प्रदान किया गया: 08 मार्च 2019; शीर्षक: "एक संवेदनशील, चयनात्मक और तीव्र ईंधन गैस सेंसर" (आवेदन संख्या 201711011941)।

पेटेंट धारक: नीलम आर यादव, रिज़वाना रेहसावला, सुरभि जैन, सविता शर्मा, मोनिका तोमर, विनय गुप्ता; पेटेंट प्रदान किया गया: 30 मई 2020; शीर्षक: “पुकिनिया स्ट्राइफोर्मिस एफ का पता लगाने के लिए एसपीआर आधारित डीएनए बायोसेंसर। ट्रिटिसी, गेहूं में पीले रतुआ का कारक एजेंट” (आवेदन क्रमांक

TEMP/E-1/24707/2020-DEL)

पेटेंट धारक: रिज़वाना रेहसावला, नीलम आर. यादव, निधि ढुल, सविता शर्मा, मोनिका तोमर, विनय गुप्ता; पेटेंट प्रदान किया गया: 26 जून 2020; शीर्षक: “पुकिनिया स्ट्राइफोर्मिस एफ का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल आधारित जेनोसेंसर। ट्रिटिसी, गेहूं में पीले रतुआ का कारक एजेंट” (आवेदन संख्या TEMP/E-1/30053/2020-DEL)।

पेटेंट धारक: प्रदीप के. झा, मोनिका तोमर, काजल जिंदल, चंचल; पेटेंट प्रदान किया गया: 21 जुलाई 2023; शीर्षक: "जैविक तरल पदार्थों में यूरिक एसिड का पता लगाने के लिए फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल जल विभाजन आधारित बायोसेंसर" (आवेदन संख्या: 202311040935, प्रकाशन तिथि: 21/7/2023)।

पेटेंट धारक: मोनिका तोमर, अंजलि शर्मा, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, श्वेता शर्मा; आवेदन किया गया: 29 मार्च 2023; शीर्षक: "लिथियम डोप्ड पोटेशियम सोडियम नाइओबेट पतली फिल्म आधारित मेम्स प्रेशर सेंसर" (आवेदन संख्या- 202311023209)।

पेटेंट धारक: मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, प्रदीप के. झा, मनीषा भारती, ए. टी. निमल, उपेन्द्र मित्तल; आवेदन किया गया: 10 जनवरी 2023; शीर्षक: "प्रेशर सेंसिंग के लिए लैम्ब वेव रेज़ोनेटर डिवाइस" (आवेदन संख्या- 202311002112)।

पेटेंट इनके द्वारा लागू: मोनिका तोमर, लोकेश राणा, वंदना, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, मनीषा भारती, ए. टी. निमल, उपेन्द्र मित्तल, जेम्स अजीत रेमंड; लागू: 5 जून 2023; शीर्षक "नाइओबियम लेड ज़िरकोनियम टाइटेनेट (पीएनजेडटी) पतली फिल्म लैम्ब वेव ध्वनिक डिवाइस का एकीकरण" (आवेदन संख्या- 202311036612)।

पेटेंट इनके द्वारा लागू: ए. टी. निमल, उपेन्द्र मित्तल, मोनिका तोमर, लोकेश राणा, रीमा गुप्ता, अंजलि शर्मा, श्वेता शर्मा, मनीषा भारती; आवेदन किया गया: 8 दिसंबर 2022; शीर्षक "पोटेशियम सोडियम नाइओबेट (केएनएन) पतली फिल्मों का उपयोग करके लैम्ब वेवर ध्वनिक उपकरण का निर्माण" (आवेदन संख्या- 202211070947)।

आयोजित संगोष्ठी

सेमिनार शीर्षक, 'काम और शिक्षा, वैश्विक महिला नाश्ता श्रृंखला: एसटीईएम में महिलाएं' 13 फरवरी 2023 को गुएलफ विश्वविद्यालय, ओंटारियो, कनाडा के अध्यक्ष और कुलपति डॉ. चार्लोट येट्स द्वारा लिंग।

24 फरवरी 2023 को कोरिया गणराज्य के सार्वजनिक कूटनीति राजदूत श्री ली सांग-ह्वा द्वारा 'भारत-कोरिया राजनयिक संबंधों के 50 वर्षों का समारोह: भारत-कोरिया राजनयिक संबंध' नामक सेमिनार।

'स्टार्ट-अप: भारत में महिला उद्यमिता, उत्तर-पूर्व भारत में स्टार्ट-अप, स्थिरता, नवाचार और उद्यमिता' विषय

पर सेमिनार, डॉ. जितेंद्र सिंह, विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री और कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा। 28 मार्च 2023 को भारत सरकार।

सेमिनार का शीर्षक है, 'उत्तर-पूर्व भारत में स्वास्थ्य योजना, पुरुष स्वास्थ्य और ट्रांसलेशनल मेडिसिन, ट्रांसलेशनल मेडिसिन और उत्तर-पूर्व भारत' प्रोफेसर (डॉ) सुजॉय के गुहा, पद्म श्री, प्रोफेसर एमेरिटस, मेडिकल स्कूल में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आईआईटी (खड़गपुर) वर्तमान में 06 दिसंबर 2022 को एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, भारत।

सेमिनार शीर्षक, 'धातु और आधुनिक चिकित्सा, उद्घाटन संगोष्ठी श्रृंखला' प्रोफेसर ए.के. गांगुली, उप निदेशक (रणनीति और योजना), प्रोफेसर एन.के. झा चेयर प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, प्रोफेसर, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, रसायनिका, द केमिकल सोसाइटी, रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 19 मार्च 2022 को आयोजित किया गया।

आयोजित सम्मेलन

'रसायन विज्ञान में हालिया रुझान' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत सरकार, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से।

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा हंसराज महाविद्यालय (डीयू), आईएनएमएएस (डीआरडीओ), हेटेरोकेम इरमोटेक, मेयो क्लिनिक (फ्लोरिडा) के सहयोग से दिसंबर 2022 को 'इंटीग्रेटिव केमिस्ट्री, बायोलॉजी और ट्रांसलेशनल मेडिसिन' पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। यूएसए), डेब्रेसेन विश्वविद्यालय (हंगरी), एसजीटी विश्वविद्यालय (गुरुग्राम) और इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (डीयू)।

28 मार्च 2023 को नॉर्थ ईस्ट रीजनल रिसर्च एंड रिसोर्स सेंटर (एनईआरआरआरसी), मिरांडा हाउस और नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल (एनईसी), शिलांग द्वारा 'उत्तर-पूर्वी भारत में स्टार्ट-अप, स्थिरता, नवाचार और उद्यमिता' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

11 नवंबर 2022 को भारत विकास परिषद (परियोजना पर्यावरण) द्वारा सेंटर फॉर हिमालयन स्टडीज (दिल्ली विश्वविद्यालय) और हिमालयन स्टडी सर्कल, मिरांडा हाउस के सहयोग से 'पर्यावरण और खुशी' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

एनईआरआरआरसी, मिरांडा हाउस और एनईसी, शिलांग द्वारा 14 सितंबर 2022 को आइडिया कॉन्क्लेव- 'पूर्वोत्तर भारत में अनुसंधान नवाचार, उद्यमिता की संभावनाएं और संभावनाएं' का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर मोनिका तोमर को भौतिकी और विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमएसआई-2023) की इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और एक्सएलआई वार्षिक बैठक पर अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन में "ऊर्जा संचयन अनुप्रयोग के लिए नोवेल एमओएस2 और जीएएन आधारित ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर" पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया था। खगोल भौतिकी, दिल्ली विश्वविद्यालय 8-10 फरवरी 2023।

डॉ. हेना ओक ने 16 सितंबर 2022 को पोर्टो, पुर्तगाल में ऊर्जा और पर्यावरण अनुसंधान आईसीईईआर 2022 पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय सीमेंट फर्मों की दक्षता: पीएटी चक्र I और II के बड़े सीमेंट उत्पादकों का एक डीईए विश्लेषण" विषय पर एक सम्मेलन मौखिक प्रस्तुति दी।.

डॉ. रेहका कुमारी को 7 नवंबर से 11 नवंबर 2022 तक भारतीय मृदा दूषित अनुसंधान नेटवर्क (आईएनएससीआर 2022) के 7वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लिपोजेनेसिस को विनियमित करके मोटापे से निपटने के लिए आंत बैक्टीरियल बैक्टीरियोसिन की भूमिका" पर एक ई-चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर बशाबी गुप्ता को "भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भारतीय प्रवासियों की भूमिका और योगदान: यूरोप में सुभाष चंद्र बोस की यात्रा डायरी और सिंगापुर में आजाद हिंद फौज का पुनर्निर्माण" विषय पर और अमृत काल के दौरान वैश्विक भारत का उदय" स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, तक्षशिला कैंपस, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश में 10-11 जनवरी 2023 को। एक चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर मोनिका तोमर को 9 दिसंबर 2022 डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज (डीआईपीएएस), डीआरडीओ द्वारा 7 बजे से आयोजित स्क्रीनिंग और डायग्नोस्टिक अनुप्रयोगों के लिए बायोसेंसिंग दृष्टिकोण में हालिया प्रगति पर सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) में "बायोसेंसर में हालिया प्रगति" पर एक चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. अनिंदिता सरकार को आईडब्ल्यूएमआई, एसडीसी, आईआईटी गांधीनगर, डब्ल्यूआरआई, आईआरईएनए, आईएसए, जीजीजीआई द्वारा दक्षिण एशिया में ऊर्जावान कृषि और ऊर्जा परिवर्तन को सक्षम करने पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बांग्लादेश में भूजल विकास के प्रक्षेप पथ" पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था। (अहमदाबाद विश्वविद्यालय और जीआईजेड, गांधीनगर, गुजरात 6-8 फरवरी 2023)।

प्रोफेसर कलवती सैनी को 19-23 सितंबर 2022 के दौरान सीएफईईएस, डीआरडीओ, दिल्ली द्वारा आयोजित "पानी से विषाक्त प्रदूषकों को हटाने के लिए हरित संश्लेषित उन्नत नैनो सामग्री" पर एक वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. मोनिका शर्मा ने 4-4 को देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्राकृतिक उत्पादों और मानव स्वास्थ्य पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का एक

कोशिका झिल्ली से संबंधित प्रोटीन पीई_पीजीआरएस45 प्राकृतिक रोगाणुरोधी यौगिकों के लिए एक संभावित लक्ष्य है" विषय पर एक सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति दी। (6 नवंबर 2022)

डॉ. हेना ओक ने 6-8 जनवरी के दौरान चांग्शा, चीन में ऊर्जा और पर्यावरण विज्ञान पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईईएस 2023) में "भारतीय उर्वरक संयंत्रों द्वारा ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा बचत: फीडस्टॉक और स्वामित्व की भूमिका" पर एक सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति दी। (2023)

डॉ. मोनिका शर्मा ने स्नातकोत्तर संस्थान में आयोजित भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसायटी आईएमएमयूएनओसीओएन-2022 के 49वें वार्षिक सम्मेलन और सामान्य निकाय की बैठक में "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस आरवी0335सी मेजबान माइटोकॉन्ड्रियल गड़बड़ी और एपोप्टोसिस को प्रेरित करता है: यूकेरियोटिक बीसीएल2 प्रोटीन की आणविक नकल के रूप में" पर एक सम्मेलन मौखिक प्रस्तुति दी। 23-26 नवंबर 2022 के दौरान चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

विभिन्न संस्थानों के साथ विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिनमें विनिमय कार्यक्रम, अल्पकालिक मॉड्यूल, ग्रीष्मकालीन कार्यशालाएं, सहयोगात्मक अनुसंधान और वैश्विक नेटवर्क शामिल हैं।

गुएल्फ़ विश्वविद्यालय, ओंटारियो, कनाडा (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन।

कोरिया नेशनल स्पोर्ट यूनिवर्सिटी, कोरिया (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन।

मेयो क्लिनिक, यूएसए (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ आशय-पत्र।

मैरीलैंड विश्वविद्यालय, महाविद्यालय पार्क, यूएसए (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ आशय पत्र।

इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड अलाइड साइंस, दिल्ली (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, दिल्ली (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 146

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 23

कैंपस में आने वाली कंपनियों में डीई शॉ, एक्सेंचर, केपीएमजी ग्लोबल सर्विसेज, ट्रेसविस्टा, मेक माई ट्रिप, जेडएस एसोसिएट्स, आईसीआईसीआई, टेक महिंद्रा, बार्कलेज, एचसीएल समेत अन्य कंपनियां शामिल थीं।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

उत्तर पूर्व क्षेत्रीय अनुसंधान और संसाधन केंद्र (एनईआरआरआरसी) विविध पहलों के माध्यम से, विशेष रूप से उत्तर पूर्व क्षेत्र और समुदाय के छात्रों को सशक्त बनाने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। केंद्र ने हाल ही में एक रेडियो सेटअप स्थापित किया है और 30 छात्रों को रेडियो प्रसारण पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पूरे

2022 में, एनईआरआरआरसी ने कौशल वृद्धि कार्यशालाएँ आयोजित कीं। सिक्किम परियोजना ब्लूम, एक बांस-आधारित स्टार्ट-अप पहल, टिकाऊ उत्पादों और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित है। एनईआरआरआरसी प्रत्येक सत्र में 20 छात्रों को अनुसंधान इंटर्नशिप प्रदान करता है, जो पूर्वोत्तर भारत से संबंधित व्यावहारिक अनुसंधान अनुभव प्रदान करता है।

पर्यावरण अध्ययन और आपदा प्रबंधन केंद्र (सीईएसडीएम) महाविद्यालय समुदाय में जागरूकता फैलाने और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करता है, साथ ही अन्य हितधारकों के लिए आउटरीच कार्यक्रमों के साथ सीईएसडीएम प्रशिक्षुओं ने महाविद्यालय की आपदा प्रबंधन योजना तैयार की है। केंद्र का लक्ष्य एक टिकाऊ और लचीला समुदाय बनाने के लिए सरकारी, गैर-सरकारी और निजी क्षेत्र के विभिन्न भागीदारों के साथ अपना सहयोग जारी रखना है।

मिरांडा हाउस की पर्यावरण सोसायटी वातावरण ने वर्ष भर में जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए थे और विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व ओजोन दिवस, विश्व जल दिवस सहित अन्य कार्यक्रम मनाए थे। मिरांडा हाउस में एक इको-स्मारिका शॉप है जिसे औपचारिक रूप से जनवरी 2023 में महाविद्यालय कैंपस के भीतर स्थापित किया गया, जो हस्तनिर्मित कागज उत्पादों की एक सुंदर श्रृंखला प्रदान करती है-सभी पुनर्नवीनीकरण कागज से बने, महाविद्यालय कैंपस के भीतर उत्पन्न खाद, महाविद्यालय नर्सरी से गमले में लगे पौधे और विभिन्न महाविद्यालय यादगार वस्तुएं, जो सभी के लिए उपलब्ध हैं, वहां खरीदारी करें. वातावरण ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के साथ अपना सहयोग जारी रखा है, जिसके तहत छात्र स्वयंसेवक, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के सहयोग से तितली आवास बहाली जैसे विभिन्न पर्यावरण अभियानों पर काम करने के लिए नियमित रूप से संजय वन, दिल्ली का दौरा करते हैं।

लक्षिता, एनेबलिंग सोसाइटी ने विश्व ब्रेल दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 'साहित्य में दिव्यांगता का प्रतिनिधित्व' पर एक वार्ता और एक रचनात्मक लेखन कार्यशाला शामिल थी; सुगम्य पुस्तकालय और बुकशेयर पर कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं।

एन.सी.सी., मिरांडा हाउस ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किए। अनाथालय के दौरे और दान अभियान आयोजित किए गए। इंटर डायरेक्टरेट स्पोर्ट्स शूटिंग चैंपियनशिप में अनेक कैडेट्स ने हिस्सा लिया। एन.सी.सी., मिरांडा हाउस द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, जी20 जागरूकता कार्यशाला, स्वतंत्रता दिवस पर वृक्षारोपण (थीम-मेरी माटी मेरा देश के तहत) भी मनाया गया।

एन.एस.एस. मिरांडा हाउस ने अपनी पांच अलग-अलग परियोजनाओं आगाज, स्वच्छता, सक्षम, सद्भावना और साकार को जारी रखा, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में अनेक प्रभावशाली क्षेत्रीय दौरों की व्यवस्था की। सोसायटी ने पूरे वर्ष सक्रिय रूप से सरकार के नेतृत्व वाली विभिन्न सामुदायिक सेवा गतिविधियों और

कार्यक्रमों का संचालन किया, जिसमें सैनिटरी नैपकिन वितरण अभियान, एनीमिया और थैलेसीमिया जांच शिविर और जागरूकता अभियान शामिल हैं। स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में, दो व्यापक योग पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके साथ दो सफल रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए। तनाव मुक्ति सत्र का भी आयोजन किया गया। वर्ष का एक उल्लेखनीय आकर्षण नो शेम मूवमेंट टॉक शो था, जिसमें गैर-सहमति से अंतरंग छवि के दुरुपयोग के मुद्दे को संबोधित किया गया था। इसके अलावा, एन.एस.एस. मिरांडा हाउस ने आजादी का अमृत महोत्सव, मिशन लाइफ और स्वच्छ भारत 2.0 पहल के तहत विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे उत्तरी दिल्ली में धीरपुर, आज़ादपुर और बुराडी के समुदायों के साथ घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा मिला।

उन्नत भारत अभियान सेल ने सरकारी (सर्वोदय) स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्रों को उनके भविष्य के विषयों को चुनने के महत्त्वपूर्ण पहलुओं को तय करने और उनका विश्लेषण करने में सहायता करने के उद्देश्य से जगतपुर गांव में एक आजीविका परामर्श सत्र का आयोजन किया। इसके अलावा, एसकेवी, गांव-जगतपुर में स्वच्छता अभियान: छात्रों को स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक से संबंधित मुद्दों के महत्त्व के बारे में जागरूक करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक और एक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बुराड़ी गांव में भी वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इसके अलावा, छात्रों से उनकी प्रयुक्त पुस्तकें, उपन्यास, एनसीईआरटी, स्टेशनरी या कोई अन्य पठन सामग्री दान करने का आग्रह करते हुए एक संग्रह अभियान आयोजित किया गया, जिसे गांवों में जरूरतमंद छात्रों को दान किया जा सकता है।

पुस्तकालय विकास

कुल स्वीकृत पुस्तकालय बजट 11,78,635/- रुपये था। शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में 1143 पुस्तकें जोड़ी गईं।

संकाय संख्या :

स्थायी: 188, अस्थायी: 01, तदर्थ: 11

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 825135000/-
उपयोगित अनुदान: रुपए 899840129/-

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

खेलों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एशियन चैंपियनशिप में मिरांडा हाउस की दो छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें से एक छात्रा यशस्वी जोशी, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी (पिस्टल शूटिंग) ने 9 से 19 सितंबर 2022 तक दक्षिण कोरिया के डेगू में आयोजित 15वीं एशियाई एयर गन चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीता।

साइना सलोनिका को सर्बिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियनशिप में महिला अंतर्राष्ट्रीय शतरंज मास्टर (डबल्यूआईएम) के खिताब से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर, कुल 21 मिरांडा हाउस की छात्राओं ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लिया और प्रभावशाली प्रदर्शन किया, तीन छात्रों ने प्रथम स्थान, तीन छात्राओं ने दूसरा स्थान और पांच छात्राओं ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ऑल इंडिया इंटरवर्सिटी चैंपियनशिप, स्टेट चैंपियनशिप और विभिन्न दिल्ली यूनिवर्सिटी अंतर-महाविद्यालयीय चैंपियनशिप में भी इसी तरह की उपलब्धियां प्राप्त की गईं।

मिरांडा हाउस एन.सी.सी. कैडेट, पूर्व एसजीटी मनस्विनी और जेयूओ अमिल मारिया जॉय को एन.सी.सी. के अतिरिक्त महानिदेशक द्वारा दिया गया एडीजी कमेंडेशन पुरस्कार मिला।

***

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे बड़े घटक महाविद्यालयों में से एक है। 1964 में 300 छात्रों के नामांकन के साथ एक सरकारी स्कूल भवन में एक साधारण व्यवस्था से शुरू हुआ यह महाविद्यालय 1989 में अपने वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित हो गया और वर्तमान में इसमें भारत के सभी हिस्सों और विदेशों से आने वाले 5000 से अधिक छात्र नामांकित हैं। महाविद्यालय में एक विशाल कैंपस, विशाल पुस्तकालय, तकनीकी रूप से सक्षम सम्मेलन कक्ष, विशाल व्याख्यान थिएटर और उत्कृष्ट खेल सुविधाएं हैं। पूरा कैंपस वाई-फाई सक्षम है और सभी छात्रों को इंटरनेट कनेक्टिविटी तक निःशुल्क निर्बाध पहुंच मिल सकती है। पिछले पचास वर्षों में, हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों ने शैक्षणिक, खेल, सामाजिक विज्ञान और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके संस्थान का नाम रोशन किया है। हमारे पूर्व छात्रों ने प्रशासन, न्यायपालिका, उद्यमिता, रचनात्मकता और अन्य क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों से हमें गौरवान्वित किया है। नामांकित छात्रों के वर्तमान बैच ने शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता की परंपरा को जारी रखा है। हमारे छात्रों ने परीक्षाओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और विश्वविद्यालय में कुछ स्थान प्राप्त किए हैं। हमने अधिकांश विभागों में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त किये हैं।

सम्मान/गौरव

प्रो.राधिका कुमार को दिल्ली सरकार के अधीन अंबेडकर विशिष्ट उत्कृष्टता विद्यालयों के लिए पाठ्यचर्या समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

श्री आज़ाद सिंह को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया है। पंजाब विश्वविद्यालय-चंडीगढ़ से नवंबर 2022 में डिग्री और उनके शोध का शीर्षक है "हरियाणा के जीएसडीपी की बदलती संरचना में रोजगार परिदृश्य: 1993-94 से 2017-18"

प्रो.राधिका कुमार को 1 जून 2022 से 31 मई 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस में इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस से फेलोशिप प्राप्त हुई।

प्रोफेसर पवन सिन्हा को तीन वर्ष के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज में फेलो के

रूप में चुना गया है। यह केंद्र चुनाव विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में अपने शोध के लिए जाना जाता है।

गौरव प्राप्त छात्र

शौर्य भट्टाचार्य ने इंग्लैंड, यूरोप में आयोजित गोल्फ की अंतर्राष्ट्रीय एमेच्योर चैम्पियनशिप में भाग लिया।

प्रकाशन

कुमार, आर., राज, जी., शर्मा, के., वत्स, पी., संस्कृति, सैनी, एस., दीपक, एस., अग्रवाल, एस., भटनागर, वाई. (2023)। अवसर, प्रकाशिकी और पहचान: दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2023 के दृश्य। *मेनस्ट्रीम वीकली*, 61(48)।

रत्नानी, एस., सिंह, वी.के., अग्निहोत्री, एन.के. (2022)। पर्यावरण और मानक नमूनों में कैडमियम और कोबाल्ट के एक साथ निर्धारण के लिए एक व्युत्पन्न स्पेक्ट्रोफोटोमेट्रिक विधि। *जर्नल ऑफ एनालिटिकल केमिस्ट्री,* 77(7), 870-873।

जारवाल, डी. (2022)। लियोन्टीफ़ मॉडल का उपयोग करके व्यापार करने में आसानी के कारण औपचारिक और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के बीच इंटरैक्टिव गतिशीलता का पता चला। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड ग्रोथ इवैल्यूएशन*, 3(4), 205-212।

कुमार, डी., जारवाल, डी. (2022)। इक्विटी मार्केट में चरवाहा व्यवहार: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। *उड़ीसा जर्नल ऑफ कॉमर्स,* 43(3), 132-146।

जारवाल, डी., कहल, ए. (2022)। दलित उद्यमिता पर उदारीकरण का प्रभाव। *जर्नल ऑफ सोशल इंक्लूजन स्टडीज*, 8(2)।

सिन्हा, पी. (2022)। शिक्षक तैयारी और शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम- शिक्षा भारत। *शिक्षा पर संवाद जर्नल.*

आर्य, वी. (2023)। कात्यायनीय संज्ञाओं का विश्लेषण। *भारतीय भाषा, शिक्षा साहित्य एवं शोध,* 14(11).

शोध-परियोजनाएं

2022-23 के लिए पीआई के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) के दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस से पारंपरिक जल प्रणालियों की राजनीतिक पारिस्थितिकी: उत्तर प्रदेश और हरियाणा में संभावनाओं और संभावनाओं की खोज शीर्षक से शोध अनुदान प्राप्त हुआ।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. अनिल कुमार द्वारा 24-25 अप्रैल 2023 को 'भारतीय ज्ञान परंपरा: इतिहास, वर्तमान और भविष्य' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

सार्वजनिक नीति अनुसंधान, शिक्षाशास्त्र और अभ्यास पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 15 मार्च 2023 को दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय और राजनीति विज्ञान विभाग, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय के साथ किया गया था।

अप्रैल 2023 में राजनीति विज्ञान विभाग के लिए अनुसंधान पद्धति पर पाठ्यक्रम जोड़ें जिसमें विभिन्न संसाधन व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान की एक श्रृंखला शामिल थी।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

प्रो. पवन सिन्हा ने एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा आयोजित एक सेमिनार में 'मानव मूल्यों के माध्यम से छात्रों के चरित्र को आकार देना: विजन ऑफ एनईपी 2020' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. पवन सिन्हा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम महाविद्यालय के प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार में 'नई शिक्षा नीति 2020' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो पवन सिन्हा ने एनसीईआरटी द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों के विकास के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला के दौरान 'उल्लास में वक्ता (यूएलएएस-समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ)' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. राधिका कुमार ने सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (CSDS) और ज़ेंट्रम मॉडर्नर ओरिएंट (ZMO), जर्मनी द्वारा 12-14 अक्टूबर 2022 तक आयोजित 'टाइमली हिस्ट्रीज़' पर एक सम्मेलन में 'जाति, ऐतिहासिक समय और आगमन के क्षण' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शशि कुमार ने 'भारतीय ज्ञान परंपरा: डॉ. देवेंद्र जारवाल ने 29-30 अक्टूबर 2022 तक जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा आयोजित 44वें अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन के दौरान 'एन एनालिसिस ऑफ सीएसआर अकाउंटिंग इन इंडिया' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 60

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 53

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं और जर्नल का एक समृद्ध संग्रह है, वर्तमान में महाविद्यालय में 1,07,586 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय वैज्ञानिक और सामान्य रुचि के लगभग 86 जर्नल और जर्नल का सब्सक्रिप्सन है। पुस्तकालय में पुस्तक बैंक/छात्र सहायता कोष अनुभाग में 22206 से अधिक पुस्तकें भी हैं। पुस्तकालय में सभी उपयोगकर्ताओं के लिए अपनी होल्डिंग्स की एक अद्यतन ऑनलाइन कैटलॉग (ओपीएसी) है, पुस्तकालय के सदस्यों के लिए इंटरनेट सुविधा के साथ 21 कंप्यूटर स्टेशन भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए विशेष सॉफ्टवेयर वाले दो कंप्यूटर स्टेशन हैं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय पुस्तकालय में

उपलब्ध पुस्तकों की कुल संख्या-1,19,408 है। पुस्तकालय में दृश्य-श्रव्य कक्ष है। पुस्तकालय के पास सभी उपयोगों के लिए अपनी होल्डिंग्स की एक अद्यतन ऑन-लाइन कैटलॉग (ओपीएसी) है। यूजीसी "विद्वान सामग्री" के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा बुनियादी ढांचे (एन-) के माध्यम से महाविद्यालयों में ई-पुस्तकों की उपलब्धता की सुविधा प्रदान कर रहा है।

पुस्तकालय वर्तमान में लगभग 104 पत्र-जर्नल की सदस्यता, पुस्तकालय, वैज्ञानिक और सामान्य रुचि के समाचार पत्र ले रहा है। पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत वातावरण में काम कर रहा है और 'NETLIB' सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है। पुस्तकालय में ओपन एक्सेस प्रणाली का पालन करना जारी है जो छात्रों को अधिक सुविधा प्रदान करता है। अब हम छात्रों और स्टाफ सदस्यों को निर्बाध रूप से पुस्तक जारी करना/वापसी सुनिश्चित करते हैं।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 142

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 58,66,43,000/-
उपयोगित अनुदान: रुपए 58,51,02,973/-

***

मोती लाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य)

संक्षिप्त विवरण

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य) अध्ययन की एक संस्था है जो पचास से अधिक वर्षों से युवा वयस्कों को बौद्धिक और व्यावसायिक रूप से उत्पादक भावी जीवन के लिए तैयार कर रही है, साथ ही उनके समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। डीयू से संबद्ध इस महाविद्यालय की शुरुआत केवल लड़कों के महाविद्यालय के रूप में हुई थी। महाविद्यालय, मोती बाग में एक स्कूल भवन में स्थित था। 1965 में एक साधारण शुरुआत से, एमएलएनसीई ने एक लंबा सफर तय किया है और डीयू के सबसे अच्छे सांध्य महाविद्यालयों में से एक में विकसित हुआ है, जो नौकरी करने वालों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करने के अपने प्राथमिक उद्देश्य को पूरा कर रहा है। महाविद्यालय का आदर्श वाक्य है, 'लिंग, जाति, वर्ग और समुदाय की परवाह किए बिना सभी के लिए समान और सस्ती शिक्षा।'

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को स्थापना के बाद से अपने इतिहास में पहली बार यूजीसी एनएएसी द्वारा मान्यता प्राप्त हुई थी। इसे ग्रेड बी से सम्मानित किया गया।

नई शिक्षा नीति 2020 के व्यापक ढांचे के तहत एक 'राजभाषा सेल' बनाया गया।

मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक शक्ति के लिए योग के अभ्यास और प्रचार के लिए धीरा नामक एक सोसायटी बनाई गई।

भारतीय लोक कला रूपों के अभ्यास और प्रचार के लिए 'लोकफोक' नामक एक सोसायटी बनाई गई।

अंग्रेजी विभाग ने द एस्थेट्स की एक पहल, 'फ्लेग्लिंग फिल्म फेस्टिवल' नाम से एमएलएनसीई का पहला छात्र फिल्म महोत्सव आयोजित किया।
आईआरआईएस द्वारा 'ओह होराइजन' नामक एक सिनेमाई काव्य वीडियो: एमएलएनसीई की कला और साहित्यिक सोसायटी को 'हेयर इन द विंड' परियोजना के हिस्से के रूप में मिलान, रोम, पियासेंज़ा और जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया गया था। आईआरआईएस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित होने वाली एमएलएनसीई की पहली सांस्कृतिक सोसाइटी बन गई।

महाविद्यालय ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के समापन समारोह के साथ आयोजित प्रदर्शनी में एक स्टॉल लगाया। आईआरआईएस द्वारा हस्तशिल्प और लोक पेंटिंग एमएलएनसीई स्टॉल का मुख्य आकर्षण थे।

सम्मान/गौरव

एमएलएनसीई की प्रधानाचार्य प्रोफेसर विचित्रा को जनवरी 2023 में 'विद्या वाचस्पति सम्मान 2023' से सम्मानित किया गया था। उन्हें एकेएस, नई दिल्ली द्वारा 'भूमिपुत्र बीजू पाटनिक अंतराष्ट्रीय महिला सम्मान 2023' से भी सम्मानित किया गया था।

अंग्रेजी विभाग के श्री देबाशीष पराशर ने सितंबर, 2022 में सर्बिया में आयोजित इंडिजा प्रो पोएट-2022 अंतर्राष्ट्रीय कविता महोत्सव में भारत का प्रतिनिधित्व किया। देबाशीष को महोत्सव के कविता के विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अंग्रेजी विभाग के श्री दीपक कुमार गुप्ता ने मार्च 2023 में आईआईटी-मद्रास द्वारा 'स्पर्श भारती प्रोजेक्ट' के तहत भारतीय ब्रेल लिपि के विकास पर चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

प्रोफेसर प्रदीप शरण को एनईपी 2020 के ढांचे के तहत पीजी पाठ्यक्रम डिजाइन करने पर बात करने के लिए मार्च, 2023 में कुमाऊं विश्वविद्यालय में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

राजनीति विज्ञान विभाग की मारुद दीपिका हांडा ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, अर्थ, अनुसंधान और बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

इतिहास विभाग के श्री प्रेम कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में अपना शोध पत्र "शहरी परिदृश्य और शहरीवाद के पहलू: नाट्य साहित्य का एक अध्ययन" प्रस्तुत किया।

अर्थशास्त्र विभाग की प्रोफेसर प्रिया भल्ला ने दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित 'इंडिया @ 2047: रोल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस' विषय पर 8वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन में 'सर्वोदय की गांधीवादी धारणा का पुनरीक्षण: समावेशी विकास की ओर

एक कदम' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

गौरव प्राप्त छात्र

क्र.सं.		कक्षा
1	नरगिस शबनम को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ, द्वारा 'विरुशा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।	तृतीय वर्ष, बी.ए. ऑनर्स (राजनीति विज्ञान)
2	शौर्य लांबा को, खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा सम्मानित किया गया।	बी.ए. ऑनर्स (अंग्रेजी) द्वितीय वर्ष
3	तनिष देसवाल ने मध्य प्रदेश में आयोजित खेलो इंडिया जूडो गेम्स -81 भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने 38वीं दिल्ली राज्य जूडो चैम्पियनशिप में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया।	बी.ए.(कार्यक्रम) दूसरा सेमेस्टर

प्रकाशन

'यात्रा लेखन: 'जा सिमरन, जिया ले अपनी जिंदगी: हिंदी सिनेमा में महिला यात्री', *डायनेमिक्स ऑफ नॉलेज प्रोडक्शन', एनए(एनए), एनए।*

के. अनुराधा. (2022-23)। 'लैंगिक रूढ़िवादिता के प्रभाव का अध्ययन किसी की अपनी पहचान को गलत पहचानने की ओर ले जाता है'। *'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज (आईजेआरएसएस)', 4(4), एनए।*

'वैकल्पिक आधुनिकतावाद': दादावाद और अतियथार्थवाद के 'कट्टरपंथी' आंदोलन का पुनरीक्षण। *एडुज़ोन: इंटरनेशनल पीयर समीक्षित/संदर्भित बहुविषयक जर्नल, 11(एनए),*एनए।

एम.ए. ईमानदार मोहिदीन। (2022-23)। 'कोवीड-19 के बाद के युग में कंपनी की सफलता के लिए एक महत्त्वपूर्ण मार्ग के रूप में बिक्री प्रशिक्षण'। *मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, एनए(एनए), एनए।*

मोनिका गुप्ता. (2022-23)। 'लाभांश नीति का अतीत और भविष्य का रुझान (2022)',। *वाणिज्य, प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान में उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 411(एनए), एनए।*

नरेंद्र कुमार. (2022-23). संविधान की पांचवी अनुसुची, पेसा कानून और आदिवासी स्वशासन एजुकेशन प्लस: ए मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड/रेफरीड जर्नल-, 12(7), एनए.

सुमित कुमार, भावनीत कौर और राजीव अग्रवाल। (2022-23). 'गैर-गोलाकार प्राइमरी, किनेमैट के साथ परेशान बागे की समस्या पर चिपचिपापन और तिरछापन का प्रभाव। दिव्य, शरीर। एएएम, 17 (एनए), एनए।

आयोजित संगोष्ठी

श्री वीरेन्द्र सिंह यादव, सेवानिवृत्त। मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, भारत में सामाजिक बहिष्कार: अतीत और वर्तमान, भारत में सामाजिक बहिष्कार: अतीत और वर्तमान, 19-04-2023.

वाणिज्य विभाग। तनाव मुक्त जीवन के रहस्य: कॉर्पोरेट जगत से प्रमाण, तनाव मुक्त जीवन के रहस्य: कॉर्पोरेट जगत से प्रमाण, 28 सितंबर 2023.

विजया लक्ष्मी सिंह, प्रोफेसर, प्राचीन भारत की ऐतिहासिक परंपरा को समझने का अधिकार, प्राचीन भारत की ऐतिहासिक परंपरा को समझने का अधिकार, 27 अप्रैल 2023.

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

आइरिस: द आर्ट एंड लिटरेरी सोसाइटी ऑफ मलंके ने सामाजिक कार्यों के लिए टीईडीएक्सडीआरसी के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

07 फरवरी,2023 पाँच प्राध्यापक एवं 32 छात्रों ने भारत सरकार के उद्यान उत्सव की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में स्थित 'अमृत उद्यान' का भ्रमण किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय सांध्य की टीम को मुख्यअतिथि और पूज्य संत श्री रविशंकर की गरिमामयी उपस्थिति के साथ 'हरघर ध्यान' के तहत ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य परकार्य क्रम में भाग लेने के लिए मल्टीपरपज हॉल में 3 मार्च 2023 को आमंत्रित किया गया।

श्री मनोहरलाल खट्टर जी (हरियाणा के मुख्यमंत्री) को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रितकिया गया था। कार्यक्रममें कुलपति महोदय एवं विश्वविद्यालय के सभीअधिकारियों ने भाग लिया| श्री श्री से ध्यान लाभ अध्ययन के साथ ही ध्यान करवाकर सभी को ध्यान के प्रत्यक्ष लाभ से परिचित कराया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सदस्यों ने कैंसर सर्वाईवर के समर्थन मेंआयोजित कार्यक्रम @cansuppor twalk for life #2023 में भाग लिया। 19 फरवरी 2023 को कार्यक्रम का आयोजन कर्तव्य पथ नई दिल्ली में हुआ।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के अवसर पर संस्कृति परिषदचाणक्य' द्वारा मनोज जोशी निर्देशित 'धर्मजम' टीम द्वारा एक नाटक का आयोजन किया। टीम एन.एस.एस., मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय सांध्य ने अपने स्वयंसेवकों को एक नाटक की विविधता और ताकत को समझने के लिए भेजा, यह नाटक सामाजिक पहलुओं को रोचक ढंग से समझाने में सफल रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने 16 सितंबर 2022 को महाविद्यालय केदृष्टिबाधित छात्रों के लिए 'हेल्प द एलब्लाइंड' फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवा की।

मोतीलाल नेहरूमहाविद्यालय (सांध्य)की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने मोती बाग में 11 अगस्त को झंडा संग्रह और वितरण अभियान का आयोजन किया।

प्रचार्या प्रो. डॉ. विचित्रा के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई नेअपने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पिंटू कुमार के मार्गदर्शन में "1 करोड़ वृक्षारोपणअभियान" के समर्थन में 3 अगस्त,2022को वृक्षारोपण

अभियान का आयोजन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय इकाई ने योग शिविर का आयोजन किया और स्वयंसेवकों ने 21 जून से 27 जून 2022 तक दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित योग शिविर में भी भाग लिया।

जेंडर चैंपियन क्लब़ के छात्र सदस्यों द्वारा दिनांक 15 नवम्बर 2022 को सांध्य 4 बजे ओपनएमआईसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

अंबेडकर स्टडी सर्कल ने "आइडिया ऑफ इंडिया: अंबेडकर का परिप्रेक्ष्य" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया, मुख्य वक्ता के रूप में श्रीउर्मिलेश को आमंत्रित किया गया जो एक पत्रकार और राज्यसभा टीवी के पूर्व कार्यकारी संपादक हैं।

सौंदर्यशास्त्र(अंग्रेजी विभाग) ने एनएएसी टीम के आगमन के वक्त अपने चेहरे पर आईरिस के कलाकारों से कलाकृतियां करवाई जिससे हमारी कला को सम्मान मिला जिसे (चित्र्राहिणी द फिल्म एंड फोटोग्राफी सोसाइटी) ने अपने कैमरों में कैद किया।

आईरिस ने सर्वहिते एनजीओ के साथ मिल कर अप्रैल 2023 में उनके संस्थाओं में वॉल पेंटिंग का कार्य किया।

आईरिस ने परिवर्तन के लिए पेंट के साथ मिल कर जनवरी 2023 में दिल्ली के विद्यालयों में वॉल पेंटिंग का कार्य किया।

8 मार्च 2023 को मिपेफलान (इटली) में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित हेयर इन द विंड में आईरिस के सदस्यों द्वारा तैयार की गई एक प्रस्तुति इटालियन भाषा में अनुवाद के साथ प्रस्तुत की गई। यह प्रस्तुति प्यासेंज़ा, मिलान, रोम में दिखाई गई। इस प्रस्तुति को जर्मन तथा इतालियन मीडिया का कवरेज प्राप्त हुआ। आगे भी अभी अनेकअमेरिकी और यूरोपीय संस्थान इस प्रस्तुति को बढ़ावा दे रहे हैं। इसे विश्वभर के कवि और साहित्यकारों से सराहना मिली है। यह प्रस्तुति रूकसाक :ए ग्लोबल पोएट्री पैचवर्क नामक आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

आईरिस के सिनेमैटिक कविता (है! दिगंत/आह! क्षितिज) आधिकारिक रूप से ट्रांसनेशनल द फेमिनिज्म और क्वीर राजनीति,आईयूएईएस कमीशन में प्रदर्शित की गईथी, और नोम चोम्स्की, अन्नाहिता महदवी वेस्ट और मार्गरेट ओवन जैसे दिग्गज विचारकों के साथ उनकी आधिकारिक पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया था।

आईरिस ने इस सत्र में कला और लेखन का त्योहार अथर्व मनाया। विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं और पहली बार इंटर महाविद्यालय स्तर पे "कबीरा खड़ा बाज़ार में" काव्य सांध्य आयोजित की गई, इस आयोजन में सुक्रिता पॉल कुमार जी और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सैफ इरफान साहब मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित रहे। हमारे बहुत से अध्यापकों और छात्रों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की।
कला के माध्यम से चिंतन को ज़मीन देने के लिए पहली बार इस सत्र में पेरिस में शाम का अयोजन किया गया,इस अयोजन में पेरिस में आधी रात
सिनेमा को महाविद्यालय प्रांगण में प्रदर्शित किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में 14 मार्च 2023 को 'गांधी, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें प्रसिद्ध गांधीवादी विद्वान प्रोफेसर माइकल सोनलिटनर के (पूर्व प्रोफेसर, पोर्टलैंड कम्युनिटी महाविद्यालय, ओरेगन, यूएसए) महत्त्वपूर्ण विचार सुनने का अवसर प्राप्त हुआ।

बी.ए .अंग्रेजी) ऑनर्स (वीएसी पारिस्थितिकी और साहित्य के छात्रों को इको-हेरिटेज वॉक पर लोधी गार्डन में प्राध्यापक देवाशीष पाराशर एवं प्राध्यापिका प्रियंका पंवर लेकर गए।

दिनाँक 27अप्रैल, 2023 को अर्थशास्त्र विभाग की सोसाइटी अर्थशास्त्र ने इको फेस्ट का आयोजन किया, फेस्ट में सार्वजानिक नीति विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता यश अग्रवाल थे।

पुस्तकालय विकास

इस सत्र में पुस्तकालय परामर्शदाता समिति के संयोजक डॉ. राजेश कुमार तथा सह-संयोजक प्रोफेसर बृज किशोर हैं। पुस्तकालय का संचालन श्री राजेश हांडू, प्रशासनिक अधिकारी की देखरेख में होता है जिनके परामर्श और सुझाव पुस्तकालय को समय-समय पर मिलते रहे हैं और पुस्तकालय का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। महाविद्यालय का पुस्तकालय बहुत समृद्ध होने के साथ-साथ पूर्णतः वातानुकूलित है। पुस्तकालय गेट पर छात्रों कर्मचारियों एवं प्राध्यापकों के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था है। हमारे पुस्तकालय में प्राध्यापकों के लिए अलग से एक पठन एवं मंत्रणा कक्ष की व्यवस्था है। पुस्तकालय विभाग में फोटो स्टेट की व्यवस्था भी उपलब्ध है। पुस्तकालय में सभी राष्ट्रीय प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ आती हैं। पुस्तकालय में यू.जी.सी. द्वारा संचालित इन्फलेबनिट (इनफ्लिबनेट)) एन-लिस्ट (एनलिस्ट) का नवीनीकरण भी कराया गया है। एन-लिस्ट में अनगिनत ई-जर्नल्स (पिरोडिकल्स) तथा एक करोड़ से अधिक ई-बुक्स उपलब्ध हैं। एन-लिस्ट देखने के लिए प्राध्यापकों एवं छात्रों को यूजर आई.डी. दी गई जिससे इस सेवा का लाभ प्राध्यापकों एवं छात्रों को मिल रहा है। पुस्तकालय के नोटिस बोर्ड के समीप ओपेक (ओपेक) मशीन रखी है जिससे टीचर्स और विद्यार्थी ओपेक (ओपेक) में पुस्तकें सर्च कर सकते हैं। कालेज पुस्तकालय में 77,669 पुस्तकों का अनूठा संग्रह है। जिसमें वाणिज्य, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर, गणित, स्पोर्ट्स सहित विशेषकर अंग्रेजी एवं हिन्दी साहित्य का उत्तम संग्रह है। 2022-23 सत्र में 705 नई पुस्तकें खरीदी गईं। पुस्तकालय स्टाफ की संख्या

कम होने के बावजूद, पुस्तकालय सेवाएं एक दिन के लिए भी बाधित नहीं हुईं। समस्त पुस्तकालय स्टाफ इसके लिए बधाई का पात्र हैं।

संकाय संख्या : 84

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

वित्तीय आवंटन : रुपए 28.9 करोड़

और उपयोगिता : रुपए 23.2 करोड़

***

पं. दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांग संस्थान

संक्षिप्त विवरण

पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांग व्यक्ति संस्थान की स्थापना वर्ष 1960 में दिव्यांग सोसाइटी और विकलांगों द्वारा एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में की गई थी। भारत सरकार ने 1975 में इसका प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और वर्ष 1976 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत इसे एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया।

वर्तमान में, संस्थान फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक थेरेपी और प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो सभी दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांग व्यक्ति संस्थान (दिव्यांगजन) लोकोमोटर दिव्यांगता वाले व्यक्तियों, सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों, हैनसेन रोग से ठीक हो चुके व्यक्तियों और बोलने और सुनने की हानि जैसी संबंधित समस्याओं वाले व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएं प्रदान करता है। यह गतिशीलता में सुधार के लिए आवश्यक थेरेपी और सहायता एवं उपकरण भी प्रदान करता है और शारीरिक बहाली में मदद करता है।

संस्थान स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी), बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी और बैचलर ऑफ प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स (बीपीओ) शामिल हैं, प्रत्येक की अवधि साढ़े चार वर्ष है। इसके अतिरिक्त, यह प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (एमपीओ) में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करता है। 2 वर्ष तक चलने वाला कार्यक्रम यह संस्थान दिव्यांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के सशक्तिकरण विभाग के वित्तीय क्षेत्राधिकार के तहत संचालित होता है, जो भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

संस्थान पुनर्वास सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों का मूल्यांकन करके उनकी विशिष्ट पुनर्वास आवश्यकताओं की पहचान करना और उचित प्रबंधन योजनाएं विकसित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त संस्थान कैलिपर्स, स्प्लिंट्स, कृत्रिम अंग, एम्बुलेटरी सहायता और गतिशीलता उपकरणों जैसे ऑर्थोटिक और कृत्रिम उपकरणों के निर्माण के लिए कार्यशालाएं आयोजित करता है। बाह्य रोगी सेवाओं में फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक थेरेपी और स्पीच थेरेपी शामिल हैं। संस्थान सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और व्यावसायिक परामर्श सेवाएँ भी प्रदान करता है। इसमें PDUNIPPD(D) के तहत 0-06 वर्ष की आयु के दिव्यांग बच्चों के लिए एक क्रॉस डिसेबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर (CDIC) है। इसके अलावा, संस्थान फिजियोथेरेपी और व्यावसायिक थेरेपी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया में है।

गौरव प्राप्त छात्र

बीपीओ पाठ्यक्रम की सुश्री फियोना वर्मा ने 14वें बैच की मेरिट सूची में 82.57% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बीपीटी पाठ्यक्रम के श्री अरहान दत्त आनंद ने 28वें बैच की सूची में 77% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त

किया।

बीपीटी पाठ्यक्रम की सुश्री कनिष्का मेहता ने 28वें बैच की मेरिट सूची में 77% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एमपीओ पाठ्यक्रम की सुश्री रश्मिया एम ने 04वें बैच की मेरिट सूची में 72.72% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

दास, राजेश और नायक, स्मिता। (2022)। भारत में प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स पुनर्वास पर कोविड-19 का प्रभाव: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज,* 12(1), 57-61.

कमल नारायण आर्य, शांता पांडियन, अक्षय कुमार जोशी जीजी अग्रवाल, नीरा चौधरी। (2022)। पोस्टस्ट्रोक विषयों के बीच ऊपरी अंग की रिकवरी को बढ़ाने वाली सक्रिय संवेदी थेरेपी: एक व्यवस्थित समीक्षा। *एनल्स ऑफ न्यूरोसाइंसेज, खंड*: 2(29), 104-115.0

मधुछंदा मोहंती, और प्रकाश कुमार। (--). व्यक्तिपरक संज्ञानात्मक गिरावट (एससीडी) वाले वृद्ध वयस्कों में बहु-घटक मध्यवर्तन-एक समीक्षा लेख। *जराचिकित्सा (बेसल), 27 दिसंबर 2022 को ऑनलाइन प्रकाशित,---(10.3390/जरियाट्रिक्स*8010004),---।

गुप्ता, एस., और शर्मा, एस.. (1 अप्रैल 2022)। आईसीयू में फिजियोथेरेपी की भूमिका के लिए एक साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण। *इंटजे फिजियोथेर रेस,* (2),(10), 4150-61।

शर्मा, एम., राठौर, ए., शर्मा, एस., रेड्डी, केआर, साधु, वी., और कुलकर्णी, आरवी (2022)। (2 जून, 2022)। अस्थमा महामारी विज्ञान, एटियलजि, पैथोफिज़ियोलॉजी और वर्तमान परिदृश्य में प्रबंधन। . पॉइंट-ऑफ-केयर अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट नैनोडिवाइसेस में, (पीपी 13-24)।

शर्मा, एम., राठौर, ए., शर्मा, एस., रेड्डी, केआर, और साधु, वी. (2022)। (3 जून, 2022)। क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसोर्ड के उपचार में वर्तमान और भविष्य की संभावनाएं। पॉइंट-ऑफ-केयर अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट नैनोडिवाइसेस में, (पीपी 75-100)।

अनूप अग्रवाल एट अल.2022, (जून 2022)। "टिबियो-फेमोरल ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले रोगियों के बीच रेडियोलॉजिकल गंभीरता और लिंग के आधार पर टग टेस्ट का तुलनात्मक प्रदर्शन"। इंट जे हाल ही में विज्ञान रेस, (06), (13), पीपी 1484-1487.

अनूप अग्रवाल एट अल.2022,। (जुलाई 2022)। बीएमआई और टिबियो-फेमोरल ऑस्टियोआर्थराइटिस की रेडियोलॉजिकल गंभीरता के बीच एसोसिएशन-मूल शोध लेख। इंट जे हाल ही में विज्ञान रेस, (07), (13), पीपी 1781-1785.

शोध-परियोजनाएं

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, स्ट्रोक के बाद के विषयों में एकतरफा स्थानिक उपेक्षा के लिए कार्य-आधारित और आवर्धित मिरर थेरेपी पर एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण आयोजित कर रही है। स्वीकृत राशिः 7 लाख रूपये। पीआई: डॉ. कमल नारायण आर्य, व्याख्याता, व्यावसायिक चिकित्सा।

आयोजित संगोष्ठी

25 अप्रैल 2022 को शिवानी शर्मा, प्रदर्शक (पी एंड ओ) पीडीयूएनआईपीपीडी द्वारा "एडवांसमेंट इन स्पाइनल ऑर्थोसिस" शीर्षक सेमिनार।

रेड क्रॉस, नई दिल्ली, भारत की अंतर्राष्ट्रीय समिति और मानव अध्ययन जर्मनी के सहयोग से "सेरेब्रल पाल्सी (सीपी) के लिए वर्तमान उपचार के तरीके" शीर्षक से सेमिनार। वक्ताओं में 26 सितंबर 2022 को जर्मनी से क्रिस्टियन स्क्लिर्फ और पीडीयूएनआईपीपीडी, नई दिल्ली के संकाय शामिल हैं।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

आईएसआईसी हॉस्पिटल के साथ समझौता-ज्ञापन प्रक्रियाधीन है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

संस्थान ने अपने छात्रों की नियमित चिकित्सा कक्षाओं के लिए एमएएमसी, अस्पताल और एलएनजेपी अस्पताल, दिल्ली के साथ सहयोग को नवीनीकृत किया है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 98%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या; 05

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सैटेलाइट सेंटर, नरेला, सैटेलाइट सेंटर, नीलखेड़ी, सैटेलाइट सेंटर सीमापुरी, सैटेलाइट सेंटर, ताओक और दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद जैसे विभिन्न सैटेलाइट और क्षेत्रीय केंद्रों ने पूरे वर्ष विभिन्न सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों के लिए काम किया।

नरेला, सैटेलाइट सेंटर समुदाय-आधारित पुनर्वास केंद्र के रूप में काम कर रहा है और फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक थेरेपी, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स, ऑडियोमेट्री और स्पीच थेरेपी, मनोवैज्ञानिक परामर्श और सामाजिक कार्य के क्षेत्रों में पुनर्वास सेवाएं प्रदान करता है। इन सेवाओं के साथ-साथ इसने अन्य गैर सरकारी संगठनों और संस्थानों के सहयोग से जागरूकता और मूल्यांकन शिविर, सहायता और उपकरण वितरण शिविर, नौकरी मेले और स्वरोजगार शिविर भी आयोजित किए।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 31 मार्च 2023 तक ओटी/पीटी/पीएंडओ/पुनर्वास और अन्य संबद्ध विषयों के क्षेत्र में पेशेवर

और गैर-पेशेवर विषयों की 15253 पुस्तकों का संग्रह है। वर्ष 2023 के दौरान अनेक प्रतियों के साथ कुल 298 व्यावसायिक पुस्तकें जोड़ी गईं।

पुस्तकालय हर वर्ष ओटी/पीटी/पीएंडओ और पुनर्वास के क्षेत्र में 11 व्यावसायिक विदेशी जर्नल (मुद्रित रूप में) की सदस्यता लेता है। इसके अतिरिक्त, यह अपने उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय नियमों के अनुसार संदर्भ सेवा, इंटरनेट/प्रिंट आउट और फोटोकॉपी सुविधा भी प्रदान कर रहा है।

संकाय संख्या

कुल **39;** बीपीओ में **11,** बीपीटी में **14** और बीओटी में **14**

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 29.43 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 28.81 करोड़

***

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने महाविद्यालयों में से एक है। पी.जी.डी.ए.वी. दयानंद एंग्लो वैदिक आंदोलन की समृद्ध विरासत का एक अभिन्न अंग है। महान संत और आर्य समाज के संस्थापक, महर्षि दयानंद सरस्वती का भारतीय परिवेश में आधुनिक वैश्विक शिक्षा के लिए दृष्टिकोण पी.जी.डी.ए.वी. में हमारे मिशन के लिए एक प्रेरणादायक सुसमाचार है। महाविद्यालय शिक्षा और संस्कार का एक संयोजन प्रदान करता है-राष्ट्र-निर्माण और समाज के कल्याण के लिए भारतीय मूल्यों में अंतर्निहित आधुनिक शिक्षा।

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय की नींव 17 अगस्त 1957 को चित्रगुप्त रोड पर रखी गई थी, जो वर्तमान में दयानंद एंग्लो वैदिक महाविद्यालय प्रबंध समिति का मुख्यालय है। महाविद्यालय ने पाँच कमरों, सात शिक्षकों, 65 छात्रों और दो कार्यक्रमों के साथ एक विनम्र शुरुआत की। बाद में, अनेक अन्य पाठ्यक्रम, जैसे बी.ए. (ऑनर्स) गणित, बी.कॉम, बी.कॉम (ऑनर्स), बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी और बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, सहित अन्य विषय प्रस्तुत किए गए। वर्तमान में, हमारे पास 13 विभिन्न विभागों द्वारा पढ़ाए जाने वाले 12 स्नातक और चार स्नातकोत्तर कार्यक्रम हैं। नियमित छात्रों की संख्या धीरे-धीरे बढ़कर लगभग 4,000 हो गई है; इसमें गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड, मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के केंद्र शामिल नहीं हैं, जिनमें सप्ताहांत और अन्य अवकाश शिक्षण के लिए अतिरिक्त 8,000 छात्र हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय ने विभिन्न विभागों में 40 स्थायी संकाय सदस्यों की नियुक्ति के अलावा, 130 संकाय सदस्यों और 11 गैर-शिक्षण कर्मचारियों की पदोन्नति सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हमारे छात्रों का परिणाम संतोषजनक रहा है और हमारे एक छात्र को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्म के 200 वर्ष पूरे होने का समारोह मनाने के लिए अनेक सेमिनार, वार्ता और अतिरिक्त-शैक्षणिक कार्यकलाप आयोजित की गईं।

ढांचागत विकास पर ध्यान इस शैक्षणिक वर्ष का मुख्य आकर्षण था। एक नई उपयोगकर्ता-इंटरैक्टिव, सुलभ और द्विभाषी-वेबसाइट डिज़ाइन और लॉन्च की गई है। छात्र व्यवहार को अधिक संवादात्मक और परेशानी मुक्त बनाने के लिए नया प्रशासनिक ब्लॉक बनाया गया था। शैक्षणिक माहौल को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्टाफ रूम का पूरी तरह से नवीनीकरण किया गया। महाविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए पुस्तकालय में एक नया सम्मेलन कक्ष बनाया गया था। हमने छात्रों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक नई पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला और एक कंप्यूटर प्रयोगशाला का निर्माण किया। दिन-रात के मैचों की सुविधा के लिए चार फ्लडलाइट और मैदान की परिधि पर एक सिंथेटिक रनिंग ट्रैक से सुसज्जित नए खेल कैंपस का उद्घाटन किया गया। हमें सस्टेनेबल कैम्पस का प्रमाणपत्र जारी किया गया। महाविद्यालय को दिल्ली नगर निगम द्वारा शून्य-अपशिष्ट प्रबंधन संस्थान भी घोषित किया गया है।

सम्मान/गौरव

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर कृष्णा शर्मा को छात्राओं के बीच शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के उपाय करने के लिए जनवरी 2023 में पहला सावित्रीबाई फुले अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। उन्हें जुलाई 2022 में भारत विकास परिषद द्वारा सशक्त महिला सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

चौहान, वी. (2022)। गैलरी में बजाना: दृश्य-संस्कृति, सौंदर्यशास्त्र, और स्पेक्ट्रम: (पुनः) राष्ट्रमंडल खेल 2010, नई दिल्ली पढ़ना। *समरहिल,* 27(2), 97-103.

चौहान, वी. (2022)। प्रजामण्डल आन्दोलन, इतिहास लेखन और जन-इतिहा। *इतिहास दृष्टि,* 1 (20-21), 69-79.

डागा, एस., यादव, के. और यादव, बी. (2022)। व्यवहारिक वित्त और भविष्य अनुसंधान एजेंडा: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण। *आईयूपीजर्नल ऑफ एप्लाइड फाइनेंस,* 4 (28), 55-69।

महाजन, ए., चंद, पी. (2022)। कोविड-19 और भारत में असमानताएँ: एक विश्लेषण। *प्रबंधन: इंडियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट,* 15(12)(12), 54-61।

मिश्रा, एन.एस. और देव, एन. (2022)। मनमाने आदेश के सामान्यीकृत बास्काकोव कांटोरोविच ऑपरेटरों द्वारा अनुमोदन। *ईरानी गणितीय सोसायटी का बुलेटिन*, 48(6), 3839-3854।

नंदा, एस. और जैन, ए. (2022)। कोविड-2019 को नेविगेट करना: "न्यू नॉर्मल" 2022 में मानव संसाधन पेशेवरों के लिए प्रमुख चुनौतियाँ और समाधान। *जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट रिसर्च एंड एनालिसिस,* 3 (9), 157-161।

सिंह, सी.पी. (2022)। त्रावणकोर और हैदराबाद का एकीकरण। *मंथन,* 43 (4 अक्तूबर -दिसंबर 2022), 78-89।

सिंह, सी.पी. (2022)। 1857 के भारतीय विद्रोह पर ब्रिटिश प्रेस और सार्वजनिक बहस। *हिस्ट्री टुडे,* 23 (नंबर 23, 2022), 80-87।

सिंह, एस., कुमार, एम., सेठी, पी.के. और सिंह, वी. (2022)। योग मध्यवर्तन पर महिला योग अभ्यासकर्ताओं की हृदय गति के बीच संबंध का पता लगाना। *न्यूरोक्वांटोलॉजी,* 20 (22), 3509-3513।

सोलखे, एम. और तनेजा, जी.एल. (2022)। सशर्त वारंटी वाले सिस्टम के लिए विश्वसनीयता मॉडल का आर्थिक *विश्लेषण और मूल्यह्रास के साथ बीमा पर विचार। न्यूरोक्वांटोलॉजी, 20* (22), 1310-1317।

शोध-परियोजनाएं

बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी के साथ सहयोगात्मक परियोजना; कला और मानविकी अनुसंधान परिषद और इनोवेट यूके ने "भारत-यूके क्रिएटिव इंडस्ट्रीज @75: अवसर और चुनौतियां" नामक 9 महीने की अनुसंधान परियोजना को वित्त-पोषित किया। 50,00,000 रूपये की स्वीकृत राशि। सह-अन्वेषक: डॉ. विशाल चौहान, इतिहास विभाग।

आयोजित संगोष्ठी

11 अप्रैल 2022 को गणितीय विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर, मोहाली के प्रमुख प्रोफेसर कृष्णेंदु गंगोपाध्याय द्वारा "गैर-यूक्लिडियन ज्यामिति का परिचय" नामक सेमिनार।

26 अप्रैल 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रमुख और डीन प्रोफेसर अजय कुमार सिंह द्वारा सेमिनार शीर्षक: "माइंड मैनेजमेंट"

अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस पर सेमिनार टी.के. रॉय, पर्यावरणविद्, 22 मई 2022.

10 सितंबर 2022 को डॉ. जी.एस. चौहान, संयुक्त सचिव, यूजीसी द्वारा सेमिनार शीर्षक, "राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका वैश्विक"।

22 फरवरी 2023 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय के डॉ. अजय कुमार सिंह द्वारा "तोमर एवं चौहान राजवंश के प्रवेश द्वार गौरवशाली दिल्ली" विषय पर सेमिनार।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. गौरव कुमार ने सरकारी राजेंद्र महाविद्यालय बठिंडा, पंजाब, भारत में कोटा विशेषज्ञ पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रभाग (कीड) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण और जैव विविधता पर

मानवजनित प्रभाव, सामाजिक-पारिस्थितिक चिंताएं और समाधान" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 22-23 अप्रैल 2022.

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

महाविद्यालय ने शैक्षणिक सहयोग स्थापित करने हेतु पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के साथ एक समझौता-ज्ञापन (समझौता-ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं।

महाविद्यालय ने हमारे छात्रों की शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए रूस के टूमेन विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन (समझौता-ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 195

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 135

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय में 1,03,907 पुस्तकें और 4,534 जिल्द वाली जर्नल का खजाना है। इस सत्र में 14,17,361 रुपये मूल्य की कुल 1871 पुस्तकें खरीदी गईं। लगभग 65 पत्रिकाएँ और 18 समाचार पत्रों नियमित रूप से सदस्यता ली जाती हैं। पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत है और सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9 बजे से सांध्य 5 बजे तक खुला रहता है। संकाय और छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस), डीयू ई-पुस्तकालय, एन-लिस्ट ई-संसाधन, डेलनेट ई-संसाधन आदि जैसे पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों संसाधनों तक मुफ्त पहुंच है। इस वर्ष 1213 छात्र और संकाय सदस्यों को महाविद्यालय के कुल 5624 सदस्य उपयोगकर्ताओं के साथ एन लिस्ट संसाधनों से जोड़ा गया था। पुस्तकालय में बहुत मूल्यवान 'टॉकिंग गीता' सिग्नेचर संस्करण है जो 15 भाषाओं में उपलब्ध है। नई ओपेक की दो इकाइयाँ पुस्तकालय द्वारा खरीदी जाती हैं। इनमें टच स्क्रीन जैसी नवीनतम सुविधाएं हैं जो उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय संसाधनों को आसानी से ढूंढने में सक्षम बनाती हैं।

पुस्तकालय बुक बैंक: हमारे पास जरूरतमंद छात्रों के लिए 12,497 पुस्तकों का एक बहुत समृद्ध पुस्तक बैंक संग्रह है। वे वर्ष में दो बार इस सुविधा का लाभ उठाते हैं।

दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय सेवाएँ: महाविद्यालय पुस्तकालय दिव्यांग उपयोगकर्ताओं को ब्रेल एस/डब्ल्यू जेएडब्ल्यूएस, एंजेल डेज़ी रीडर, एमपी3 रिकॉर्डर, लैपटॉप, ज़ूम एक्स इंस्टेंट टेक्स्ट रीडर, लेक्स पोर्टेबल कैमरा इत्यादि जैसे अनेक सहायक उपकरणों और सॉफ्टवेयरों के माध्यम से सहायता प्रदान करता है। शिक्षण और सीखना. दृष्टिबाधित छात्रों को ब्रेल पुस्तकालय और ध्वनि रिकॉर्डिंग सुविधा तक पहुंच भी प्रदान की जाती है। इस उद्देश्य के लिए पांच कंप्यूटर वर्क स्टेशन समर्पित हैं। पुस्तकालय अंग्रेजी ब्रेल पत्रिका 'व्हाइट प्रिंट' की भी सदस्यता लेती है।

पुस्तकालय कार्यकलाप: छात्रों को पुस्तकालय संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन

करने के लिए निरंतर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का समारोह मनाते हुए, महाविद्यालय पुस्तकालय ने 11-18 अगस्त 22 तक "आजादी की कहानी, किताबों की जुबानी" विषय पर एक सप्ताह की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। महाविद्यालय पुस्तकालय ने 18-19 जनवरी 2023 को दो दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए, महाविद्यालय के पुस्तकालय ने "स्वतंत्रता साहित्य पुस्तक दीर्घा" के बैनर तले भारत के स्वतंत्रता संग्राम, इसके स्वतंत्रता सेनानियों, भूले हुए नायकों पर पुस्तकों के संग्रह के लिए एक विशेष कोना विकसित किया है।

संकाय संख्या : 176

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: 50,85,82,000
उपयोगित अनुदान: 50,85,82,000

***

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य)

संक्षिप्त विवरण

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) विशाल डी.ए.वी. परिवार का एक प्रतिष्ठित सदस्य है-जो देश का सबसे बड़ा गैर-सरकारी शैक्षणिक संगठन है। इसका दृष्टिकोण प्रसिद्ध समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा प्रतिपादित शिक्षा पर महान विचारों से प्राप्त हुआ है। इन विचारों के कारण डी.ए.वी. आंदोलन का विकास हुआ जो 1886 में लाहौर में 'दयानंद एंग्लो वैदिक महाविद्यालय ट्रस्ट एंड मैनेजमेंट सोसाइटी' की स्थापना के साथ शुरू हुआ। 18 जुलाई 1958 को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने के मिशन के साथ सांध्य की कक्षाएं शुरू की गईं।

डी.ए.वी. संस्थान दुनिया में ज्ञान के सबसे पुराने स्रोत वेदों से प्रेरणा लेते हैं। एक नया शैक्षणिक सत्र यज्ञ के साथ शुरू होता है, जो आत्म-खोज, परिपक्वता और अध्ययन की दिशा में हमारी यात्रा में मार्गदर्शन मांगता है। अधिक की खोज में यज्ञ हमारी सचेत पसंद है। महाविद्यालय का उद्देश्य केवल छात्रों को अकादमिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करना नहीं है बल्कि उन्हें समग्र विकास की ओर ले जाना है ताकि वे परिपक्व होकर जिम्मेदार इंसान और नागरिक बन सकें। महाविद्यालय इस विचार से सहमत है कि शिक्षा का उद्देश्य अच्छे चरित्र की ओर ले जाने वाले मूल्यों को आत्मसात करना है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए उनकी प्राकृतिक प्रतिभा और रचनात्मक कौशल को पोषित करने और उजागर करने के उद्देश्य से अनेक पूरक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इसी विचार के अनुसरण में 2016 में महाविद्यालय में 'कानूनी जागरूकता' पाठ्यक्रम शुरू किया गया था। तब से अब

तक कुल 12 बैच पूरे हो चुके हैं। महाविद्यालय छात्रों को एक आदर्श, तनाव मुक्त माहौल, उचित मार्गदर्शन और परामर्श (शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक) प्रदान करना चाहता है। इस उद्देश्य के लिए, महाविद्यालय पिछले अनेक वर्षों से मेंटर-मेंटी प्रथा का पालन कर रहा है। इस प्रणाली ने आवश्यकता पड़ने पर छात्रों को भावनात्मक और शारीरिक सहायता प्रदान की है। पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) ने छात्रों के बीच लोकतंत्र की भावना फैलाने के उद्देश्य से मई 2022 में यूथ पार्लियामेंट सोसाइटी का गठन किया। महाविद्यालय ने संसदीय कार्य मंत्रालय की राष्ट्रीय युवा संसद योजना के तहत युवा संसद बैठक के लिए पंजीकरण कराया।

महाविद्यालय को दिल्ली नगर निगम (मध्य क्षेत्र) द्वारा शून्य-अपशिष्ट कैंपस के रूप में प्रमाणित किया गया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने महाविद्यालय को राष्ट्रीय उद्यमिता मिशन के सदस्य के रूप में मान्यता दी है। संगठन ने महाविद्यालय द्वारा की गई स्थायी पहल को भी मान्यता दी है।

सम्मान/गौरव

डॉ. मीना शर्मा को 12 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार राजदूत संगठन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में "राष्ट्रीय महिला उत्कृष्टता पुरस्कार 2022" से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, संविधान का समारोह में उन्हें "संविधान सम्मान पुरस्कार-2023" से सम्मानित किया गया। डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 17 मार्च 2023 को राजभवन, गोवा में उन्हें 25 मार्च 2023 को विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, रोहिणी में डीसी कंसल्टेंट और स्टार्टिफ़्लाई कंसल्टेंट से "नारी शक्ति पुरस्कार-2023" प्राप्त हुआ। उन्हें यूएसए में यूडोक्सिया रिसर्च यूनिवर्सिटी के लाइफटाइम सदस्य के रूप में चुना गया है।

शोध-परियोजनाएं

डॉ. सोनिका नागपाल ने जून 2022 में इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय में सह-पीआई के रूप में "डिजिटल लर्निंग एनवायरनमेंट में चैटबॉट एप्लिकेशन: गुणों और परिणामों का एक मात्रात्मक मूल्यांकन" शीर्षक से एक लघु शोध परियोजना प्रस्तुत की।

प्रकाशन

डॉ डिम्पल गुप्ता. (2023)। गुरु नानकदेव के साहित्य मे मानविय मूल्य। *सह्रदय, खण्ड 58 (भारतीय संत परम्परा एवं श्री गुरु नानकदेव), पृष्ठ संख्या-32।*

हरिप्रदाप. (2023)। विकृत लाप्लास ट्रांसफॉर्म और उसके अनुप्रयोग। *अंतर्राष्ट्रीय जर्नल डी ग्रुइटर (एससीआई), एनए(एनए), पृष्ठ संख्या-30।*

आदित्य प्रताप सिंह. (2022)। डीएसटी के लिए मनमाने क्रम का हिल्बर्ट ट्रांसफार्मर डिजाइनिंग दृष्टिकोण। *इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग जर्नल (यूजीसी लिस्टेड, खंड 15 (अंक 12), पृष्ठ संख्या-17।*

डॉ सोनिका नागपाल. (2022)। शैक्षिक सेवाओं के लिए चैटबॉट: गुणवत्ता आयामों की पुष्टि और मूल्यांकन।

आईआईटीएमजर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, एनए(एनए), पेज नंबर-55।

डॉ मीना शर्मा (2023)। हिन्दी: परम्परागत ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक। *नई धारा, एनए(एनए), पेज नंबर-13।*

डॉ मयंक पांडे. (2023)। इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सतत प्रबंधन के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था की अवधारणाएँ: चुनौतियाँ और प्रबंधन विकल्प। *पर्यावरण विज्ञान एवं प्रदूषण अनुसंधान,, एनए(एनए), पृष्ठ संख्या-20।*

डॉ मयंक पांडे. (2022)। जयपुर, भारत में कोविड-19 प्रेरित लॉकडाउन से पहले और उसके दौरान वायु गुणवत्ता का आकलन। *मपन. जर्नल एच इंडेक्स: 17, एनए(एनए), पेज नंबर-27।*

डॉ मयंक पांडे. (2022)। ऊर्जा: 'बायोडीजल उत्पादन के लिए उन्नत नैनोकैटलिस्ट' में वर्तमान और भविष्य की मांगें। *सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), एनए(एनए), पेज नंबर-35।*

डॉ. तरूण कुमार दीप। (2023)। गुणत्रय का स्वरूप, आईएमआर। *आईएमआर*, खंड-2, (अंक 99), पृष्ठ संख्या-40.

मंजूर/दायर पेटेंटमंजूर/दायर पेटेंट

01 और राष्ट्रीय आविष्कार के लिए आवेदन संख्या 202211026041 के माध्यम से 13 मई 2022 को पेटेंट प्रकाशित हुआ, जिसका शीर्षक था, "उत्पादों के एकीकरण के लिए लागत प्रबंधन की पद्धति।" पेटेंट धारक प्रोफेसर आर.के. हैं। गुप्ता, डॉ. राकेश कुमार गुप्ता और डॉ. प्रणव मिश्रा।

आयोजित संगोष्ठी

27 जनवरी 2023 को ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के उप निदेशक श्री सिद्धार्थ सक्सेना द्वारा "मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (एमएटी) गेटवे टू ए सक्सेसफुल करियर इन मैनेजमेंट (एमबीए/पीजीडीएम)" शीर्षक सेमिनार।

सेमिनार का शीर्षक था "नियति: क्या हम इसे बनाते हैं या यह हमें बनाती है?" श्री पद्मलोचन दास द्वारा 20 जनवरी 2023 को।

21 सितंबर 2022 को डॉ. सुधी शर्मा द्वारा "दिवाला और दिवालियापन संहिता 2016" शीर्षक सेमिनार।

प्रोफेसर के.पी. द्वारा "गांधी और शिक्षा" शीर्षक संगोष्ठी। सिंह, निदेशक, गांधी भवन 06 सितम्बर 2022।

18 जनवरी 2023 को सीए श्रुति गुप्ता और समदीश डी शर्मा द्वारा "कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता कैसे प्राप्त करें" शीर्षक वाला सेमिनार।

आयोजित सम्मेलन

17 जनवरी 2023 को "आर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स" पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

06 सितंबर 2022 को "प्रभावी शिक्षण-शिक्षण के लिए आईसीटी उपकरणों पर शैक्षणिक प्रशिक्षण" पर एक

दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

07 अक्तूबर 2022 को "राष्ट्रीय शैक्षिक नीति (एनईपी) 2020" पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

04 सितम्बर 2022 को "भारतीय भाषाये और भारतीय ज्ञान परम्परा" विषय पर सम्मेलन का आयोजन।

आईसीसीएचआर के सहयोग से 10 फरवरी 2023 को "भारतीय भाषाये और भारतीय ज्ञान परम्परा" विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

06 सितंबर 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग ने गांधी स्टडी सर्कल और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ मिलकर महाविद्यालय सभागार में 'गांधी और शिक्षा' नामक एक सेमिनार का आयोजन किया। दिन के मुख्य वक्ता प्रोफेसर के.पी. सिंह, निदेशक, गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय थे।

अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र और भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने संयुक्त रूप से 10-11 फरवरी 2023 को 'भारतीय भाषाएं और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

मार्केटिंग एंड कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब ने नियोजन एंड इंटर्नशिप सेल और कॉमर्स एसोसिएशन के सहयोग से मनी माइलेज कंपनी द्वारा 31 मार्च 2023 को "वित्तीय स्वतंत्रता की ओर पहला कदम" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

15-17 फरवरी 2023 के बीच विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और फिजी सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन में डॉ. मीना शर्मा ने भाग लिया और "हिंदी: पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हरि प्रताप को 29 अगस्त 2022 को एस.वी.आर.एम महाविद्यालय, नगरम के गणित विभाग द्वारा "फ्रैक्शनल डेरिवेटिव्स और उनकी कमियाँ" विषय पर आयोजित एक वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. श्रुति वीआईपी ने यूजीसी, सीईसी की ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के एक भाग के रूप में "भारतीय उपमहाद्वीप में कला का एक परिचय" (24 व्याख्यान) और "समकालीन भारत का निर्माण" (6 व्याख्यान) विषयों पर व्याख्यान की एक श्रृंखला दी। अगस्त 2022 से अप्रैल 2023.

डॉ. श्रुति वीआईपी ने इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, यूजीसी, सीईसी डिस्टेंस लर्निंग के तत्वावधान में 25 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

पी.जी.डी.ए.वी. (सांध्य) महाविद्यालय के तत्वावधान में 10-11 फरवरी 2023 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. श्रुति विप ने "कलात्मक अभिव्यक्ति एवं भारतीय राष्ट्रवाद-अबनिंद्रनाथ टैगोर पर

कुछ चिंतन" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, पी.जी.डी.ए.वी. सांध्य महाविद्यालय।

डॉ. समशेर सिंह ने अप्रैल 2023 में डॉ. भीम राव अम्बेडकर स्टडी सर्कल द्वारा आयोजित "आधुनिक राष्ट्र निर्माण: डॉ. भीम राव अम्बेडकर" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

संयुक्त रूप से आयोजित "प्रभावी शिक्षण अध्ययन के लिए आईसीटी उपकरणों पर शैक्षणिक प्रशिक्षण" विषय पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में आदित्य प्रताप सिंह ने एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। महाविद्यालय (सांध्य) और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज 6 से 12 दिसंबर 2022 के बीच आयोजित किया गया।

पी.जी.डी.ए.वी. द्वारा परमीद सिंह ने 19 नवंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में "आभासी दुनिया में डिजिटल पहचान" पर कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

शैक्षणिक और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अगस्त 2022 में महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिए साझेदारी हेतु अक्तूबर 2022 में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में सितंबर 2022 में भारतीय प्रदूषण नियंत्रण एसोसिएशन (आईपीसीए) के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नवंबर 2022 में ISKON के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

जल प्रबंधन के लिए नवंबर 2022 में सेफ वॉटर नेटवर्क इंडिया के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

प्रीपेड कार्ड समाधान और शुल्क के ऑनलाइन संग्रह के लिए एम/एस आइडियाज़ इंक. लिमिटेड और मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ दिसंबर 2022 में एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

01 जून 2022 को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020" पर एक ऑनलाइन कार्यशाला के लिए महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया गया।

सत्र 2022 -2023 के दौरान, महाविद्यालय के गांधी स्टडी सर्कल ने गांधी सदन, दिल्ली विश्वविद्यालय और गांधी स्मृति द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, महिला विकास सेल और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सर्विस के सहयोग से 12-19 सितंबर 2022 तक महाविद्यालय में 'कौशल विकास और डेटा एनालिटिक्स' पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन (एलएलएफ) के साथ, एक गैर-लाभकारी संगठन जो अध्ययन के माध्यम से जीवन को समृद्ध बनाने के लिए समर्पित है।

अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र और पं. द्वारा संयुक्त रूप से 23 जनवरी से 06 फरवरी 2023 तक दो सप्ताह की एफडीपी का आयोजन किया गया था। मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षा मिशन, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा 'भारतीय परंपरा और विश्वगुरु भारत' विषय पर व्याख्यान।

कलांजलि ने 7 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय कवि संगम के सहयोग से एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। इस गोष्ठी में 15 से अधिक युवा कवियों, मुख्य रूप से विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों और विश्वविद्यालयों के छात्र और शोधकर्ता और हमारे महाविद्यालय के छात्रों ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

दृश्यम (फिल्म निर्माण और फोटोग्राफी) और इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली के सहयोग से संस्कृति और नैतिकता सेल ने छात्रों के बीच उनके समग्र विकास में मूल्य वर्धन करने और छात्रों को देश के लिए मूल्यवान संपत्ति बनने की संभावना का विस्तार करने के लिए प्राचीन वैदिक ज्ञान से संबंधित जागरूकता लाने के लिए "विवेकशील युवा: विश्वगुरु भारत" विषय पर आधारित एक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 31

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 2

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

संस्कृति और नैतिकता सेल ने इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली के सहयोग से अप्रैल 2022 में "श्री भगवद गीता के माध्यम से मन प्रबंधन" पर एक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम शुरू किया।

सहयोग के परिणामस्वरूप 27 जनवरी 2023 को छात्रों को ज्ञान के स्रोतों से जोड़ने, आध्यात्मिक उत्थान की संभावना का विस्तार करने और उनके समग्र विकास में मूल्य जोड़ने के लिए इस्कॉन मंदिर कैंपस (कैलाश के पूर्व) का दौरा भी हुआ। इस यात्रा में देवताओं के दर्शन शामिल थे, इसके बाद दुनिया की सबसे बड़ी भगवद गीता का दौरा किया गया जिसमें 670 पृष्ठ और 800 किलोग्राम वजन था, और इस्कॉन भक्तों द्वारा इसकी सटीक व्याख्या की गई थी।

पी.जी.डी.ए.वी. की एन.एस.एस. इकाई महाविद्यालय (सांध्य) ने वर्ष 2022-23 में अनेक कार्यक्रम किये। कार्यकाल की शुरुआत कारगिल युद्ध के शहीदों को सम्मान देने के लिए जुलाई में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर स्वयंसेवकों की यात्रा के साथ हुई। स्वतंत्रता सप्ताह का समारोह मनाने के लिए इसने नेहरू नगर में तिरंगा रैलियां आयोजित कीं, सराय काले खां के प्राथमिक विद्यालयों में स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण

अभियान चलाया, हुमायूं मकबरे में सफाई अभियान चलाया और 12 अगस्त 2022 को एक वृत्तचित्र स्क्रीनिंग की। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तिरंगा रैली और युवा एवं खेल मंत्रालय के युवा संवाद में भाग लिया। 28 अगस्त 2022 को, इसने झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के साथ एक खेल दिवस का आयोजन किया, जिसमें 100 मीटर दौड़ और 3-लेग दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं थीं। खेलों को बढ़ावा दें और मेजर ध्यानचंद के योगदान को याद करें। विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र भी दिये गये। सितंबर में एन.एस.एस. वॉल के सामने स्वच्छता शपथ ली गई थी। 10 सितम्बर को नशा मुक्ति/नशा मुक्ति भारत अभियान पर संगोष्ठी आयोजित की गई। यूनिट ने उपहार इकट्ठा करके और उन्हें आस-पास की झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के बीच वितरित करके बाल दिवस मनाया। दिसंबर में, परियोजना पाठशाला के तहत पढ़ाए गए बच्चों ने सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के सभागार में अटल फाउंडेशन में प्रदर्शन किया। फरवरी में, परियोजना'ख़ुशी' के तहत, एन.एस.एस. ने कपड़े एकत्र किए जिन्हें झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों और उनके माता-पिता के बीच वितरित किया गया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया: अपनी पुस्तकालय को जानें। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पुस्तकालय संसाधनों के कुशल उपयोग के बारे में जानकारी देना था। महाविद्यालय के पुस्तकालय में 57491 पुस्तकें, 55 जर्नल/पत्रिकाएं और 4489 बुक बैंक हैं।

संकाय संख्या : 79

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 298552915
उपयोगित अनुदान: रुपए 280133895

***

राजधानी महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

राजधानी महाविद्यालय की स्थापना 1964 में दिल्ली प्रशासन द्वारा कीर्ति नगर, नई दिल्ली में सरकारी महाविद्यालय के नाम से की गई थी और जब दिल्ली प्रशासन ने अपना शासन एक स्वायत्त शासी निकाय को सौंप दिया तो इसका नाम बदलकर राजधानी महाविद्यालय कर दिया गया। राजधानी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है और इसने अकादमिक उत्कृष्टता के 50 गौरवशाली वर्ष पूरे कर लिए हैं। महाविद्यालय पश्चिमी दिल्ली में राजा गार्डन, नई दिल्ली के पास महात्मा गांधी मार्ग (रिंग रोड) पर स्थित है और दिल्ली के सभी कोनों से पहुँचा जा सकता है।

महाविद्यालय कैंपस में एक वातानुकूलित सेमिनार/सम्मेलन कक्ष, एक वातानुकूलित सभागार, कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधा के साथ एक सुसज्जित पुस्तकालय है जिसमें विभिन्न विषयों पर एक लाख से अधिक

विद्वान पुस्तकें और ई-पुस्तकें उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में अच्छी तरह से सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशालाओं के साथ-साथ गणित और कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ भी हैं।

ई-यंत्र आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से एक रोबोटिक्स प्रयोगशाला 2013 में स्थापित की गई थी। इसका औपचारिक उद्घाटन 16 जनवरी 2015 को किया गया था। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय शिक्षा मिशन के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक पहल का भी हिस्सा है। पूरे देश में एम्बेडेड सिस्टम और रोबोटिक्स में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आईसीटी (एनएमईआईसीटी)। मनोरंजन की सुविधा के लिए महाविद्यालय में क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल आदि जैसी आउटडोर खेल गतिविधियों के लिए एक सुंदर खेल का मैदान है।

हम ये पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं: वाणिज्य, मानविकी, और सामाजिक विज्ञान, और विज्ञान विधा। विभिन्न ऑनर्स पाठ्यक्रमों में से महाविद्यालय वाणिज्य में ऑनर्स के साथ बैचलर, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र में ऑनर्स के साथ बैचलर और रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित और इलेक्ट्रॉनिक्स में ऑनर्स के साथ बैचलर प्रदान करता है। महाविद्यालय अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास और वाणिज्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न सोसायटियों के माध्यम से सह-पाठ्यचर्या संबंधी कार्यकलाप आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक विभाग की अपनी सोसायटी होती है जो अपने विषय क्षेत्र से संबंधित नियमित शैक्षणिक कार्यक्रम और कार्यक्रम आयोजित करती है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

इस वर्ष, महाविद्यालय ने दूरस्थ शिक्षा मोड में छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए महाविद्यालय में इग्नू अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया। महाविद्यालय ने हमारे छात्रों की बुनियादी जरूरतों का ख्याल रखने के लिए उचित भंडारण के साथ स्वच्छ पेयजल के लिए पांच वाटर कूलर भी स्थापित किए। हमने अपने खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए उचित स्थान प्रदान करने के लिए खेल मैदान में 3 फ्लड लाइटें भी लगाईं। युवाओं को सामूहिक प्रगति, शांति और सद्भाव के लिए प्रेरित करने के लिए, महाविद्यालय कैंपस में हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया है। कैंपस को सुंदर बनाने के लिए, हाल ही में "आई लव राजधानी महाविद्यालय" थीम वाला एक सेल्फी-प्वाइंट स्थापित किया गया है।

महाविद्यालय को फरवरी 2023 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार से कारीगरी (कौशल) और करोबारी (उद्यमिता) विषय पर एक वीडियो प्रस्तुत करने के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

सम्मान/गौरव

डॉ. सोनिया लंब को 05 सितंबर 2022 को इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च फाउंडेशन (आईएमआरएफ) इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, भारत द्वारा भौतिकी में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ शिक्षक और शोधकर्ता पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

भाषा और भाषा शिक्षण में अनीता देसाई की 'इन कस्टडी' में भाषा की राजनीति और ध्रुवीकरण। *भाषा एवं भाषा शिक्षण,* 12(23), 41-48.

डॉ. रचना सेठी (एसोसिएट प्रोफेसर)। (2023)। डॉ. भारती शर्मा (सहायक प्रोफेसर)। (2023)। अर्थ रूट पत्रिका में '21वीं सदी के मनुष्य और/बनाम पर्यावरण'। *अर्थ रूट पत्रिका,* 22(0), 8-10.

डॉ. सतीश कुमार (सहायक प्रोफेसर). (2022) सुसंकृत साहर्तये लोककथा परंपरा। *वेदांजलि,* 18(9), 184-187.

प्रोफेसर सुमन कुमार सह-लेखक हैं। नॉर्डकत संबंध वैश्ववक नेतरतृवा की ववदेश नीतत्"। *न्यूज़ टाइम्स पोस्ट,* 20-21(2022).

डॉ. सोनिया भंडारी। (2022)। शिक्षा में आईसीटी के सामाजिक और आर्थिक सिद्धांत। *आर्थिकसिद्धांत*, (1).

प्रोफेसर सोनिया लंब (एसोसिएट प्रोफेसर)। (2022)। एडियाबेटिक दालों का उत्पादन'। *फिजिका, 144(1), 115431.*

डॉ. दिव्या सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर)। (2022)। वायु प्लाज्मा पर अल्ट्रा शॉर्ट लेजर विकिरण के मद्देनजर टेराहर्ट्ज़ फ्रीक्वेंसी शासन में प्लाज्मा तरंग दोलनों का विकास। वायु प्लाज्मा पर अल्ट्रा शॉर्ट लेजर विकिरण के मद्देनजर टेराहर्ट्ज़ फ्रीक्वेंसी रिजीम में प्लाज्मा तरंग *दोलनों का विकास,* 271(1), 511-519.

प्रो.राजेश गिरी। (2023)। दो आयामी हार्मोनिक ऑसिलेटर की थर्मल संपत्ति पर विद्युत और चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव। *भौतिकी में परिणाम*, 45(2), 1-12.

प्रो. राजेश गिरी। (2023)। Coumarins के इलेक्ट्रॉनिक गुणों में अंतर्दृष्टि: भौतिकी में एक तुलनात्मक अध्ययन। *भौतिक रसायन अनुसंधान,* 11(2), 267-286.

प्रो. उर्वशी अरोड़ा (2022)। 'असमान डोमेन पर 3डी क्वासिलिनियर हाइपरबोलिक समीकरणों के लिए उच्च परिशुद्धता निहित विधि: 3डी टेलीग्राफिक समीकरण के लिए अनुप्रयोग'। *कंप्यूटर और गणित*, 122(1), 93-116.

शोध-परियोजनाएं

IoE योजना 2022-2023 (IoE अनुदान संख्या: IoE/2021/12/FRP-47) विषय पर "Y III का संश्लेषण, लक्षण वर्णन-प्रतिस्थापित आर्सेनोटुंगस्टेट और थियोथर ऑक्सीकरण में इसका उत्प्रेरक अनुप्रयोग"। स्वीकृत राशिः 5 लाख रूपये। पीआई: डॉ. मुकेश कुमार सैनी, रसायन विज्ञान विभाग।

आयोजित संगोष्ठी

27 सितंबर 2022 को सामाजिक कल्याण और युवा विकास सोसायटी, युवा द्वारा "साइबरवेयर" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई था। वक्ता प्रोफेसर सुनैना कनौजिया और श्री अतुल वर्मा थे।

03 नवंबर 2022 को मजमा-अल-बहरीन (इतिहास विभाग की विभागीय सोसायटी) द्वारा विस्तार व्याख्यान

श्रृंखला समिति के साथ मिलकर "सामाजिक विज्ञान में सीमांत" नामक संगोष्ठी आयोजित की गई था। वक्ता डॉ. धनजय राय और डॉ. संजीव राय थे।

आयोजित सम्मेलन

28 से 29 अप्रैल 2022 तक राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा "पुनर्विचार समकालीन वैश्विक चिंताओं: सार्वभौमिक बुनियादी आय, सार्वभौमिक नागरिकता और वैश्विक न्याय" विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारतीय जीवन कौशल शिक्षा संघ (आईएएलएसई), संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष और आईसीएसएसआर के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा "महामारी के बाद के युग में सतत भविष्य: रणनीतिक समर्थकों के रूप में जीवन कौशल" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। 4-6 नवंबर 2022.

27 फरवरी 2023 को इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन, दिल्ली एनसीआर चैप्टर, पिनाकी टेक्नो, भारत के साथ संयुक्त रूप से "वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में सतत विकास" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग ने "यूरोपीय संघ की ऐतिहासिक एकीकरण प्रक्रिया" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में तुलनात्मक संघवादी अनुसंधान समूह, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और अनुसंधान विकास सेल, राजधानी महाविद्यालय के साथ भागीदारी की, जो सत्यकाम भवन में आयोजित किया गया था। 5 दिसंबर, 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

मुकेश कुमार सैनी ने 06 दिसंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में "नैनो मेडिसिन: केमिस्ट्री मेडिसिन इंटरफेस (एनसीएमआई-2022)" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध कार्य पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. सस्मिता मोहंती ने राजनीति विज्ञान विभाग, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "महिला और राष्ट्रीय आंदोलन: ओडिशा का मामला" विषय पर आजादी का अमृत महोत्सव में महिलाओं का समारोह मनाने पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 2-3 मार्च 2023, दिल्ली।

डॉ. रचना सेठी ने 02 दिसंबर 2022 को कामाख्यानगर महाविद्यालय (ओडिशा) द्वारा सेक्स और जेंडर: नारीवादी परिप्रेक्ष्य पर बहस पर राष्ट्रीय वेबिनार में "लिंग और शहरी मानचित्रण: रिक्त स्थान का नारीवादी वाचन" पर व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी महिला महाविद्यालय द्वारा पुनर्विचार विभाजन:75 वर्ष पर आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. वेद मित्र शुक्ल ने "अनुवाद में विभाजन: हिंदी लंबी कविता 'एक अग्निकांड जगाहें बदलता' को अंग्रेजी में दोबारा पढ़ना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 3-5 नवंबर 2022 के दौरान पंजाबी साहित्य सभा, दिल्ली और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग

से।

10-11 जनवरी 2023 को सार्क जर्नलिस्ट फोरम के सहयोग से गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में संचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा राष्ट्र निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. जसवीर त्यागी ने "सोशल मीडिया और साहित्य" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. दिव्या सिंह ने 06 दिसंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा नैनोमेडिसिन: केमिस्ट्री मेडिसिन इंटरफेस (एनसीएमआई-2022) विषय पर आयोजित "बायोमेडिसिन में टीएचजेड तकनीक" नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर नवल किशोर ने शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से संघवाद में रुझान: क्षितिज का विस्तार, नए इलाकों की खोज विषय पर "बिहार में पार्टी की राजनीति: एक क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया। 10 दिसंबर 2022 को तुलनात्मकवादी संघीय अनुसंधान समूह।

सुश्री म्हादेनो जंगी ने लक्ष्मीबाई महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय आजादी के अमृत महोत्सव में महिलाओं का समारोह मनाने के लिए "भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में पत्नी, मां और महिलाएं" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली विश्वविद्यालय 2-3 मार्च 2023.

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 85

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 370

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

13 फरवरी को, सामाजिक कल्याण और युवा विकास सोसायटी, युवा ने 'सद्भाव' के तहत एक वृद्धाश्रम का दौरा आयोजित किया, जहां उन्होंने माता राम बेटी वृद्धाश्रम का दौरा किया। उन्हें अंताक्षरी, नृत्य आदि खेलने का एक उपयोगी अनुभव था। हर घर तिरंगा पहल का समारोह मनाने और आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का समारोह मनाने के लिए, युवाओं ने 13 अगस्त 2022 को महाविद्यालय से बाली नगर और वापस महाविद्यालय तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। इस पहल से लोगों में देशभक्ति की भावना जागृत करने में मदद मिली।

इसके अलावा, स्वयंसेवकों ने 19 अक्तूबर 2022 को लाल किले में भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर की उपस्थिति में एक नेक काम के लिए हाथ मिलाया, जहां स्वच्छ भारत अभियान 2.0 शुरू किया गया था।

महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने दिल्ली के चांदनी चौक में भोजन दान अभियान भी चलाया और 60 जरूरतमंद और गरीब लोगों की सेवा की। आम जनता को कैंसर की रोकथाम और शीघ्र निदान के प्रति जागरूक करने के लिए 7 नवंबर 2022 को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर स्लाइड जारी

की गईं। 11 नवंबर 2022 को, लोगों से मुस्कुराहाट 4.0 के लिए दान करने के लिए कहा गया-बच्चों के उदास चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए अनाथालय का दौरा किया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय ने उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुसार अनुकूलन करने की क्षमता दिखाई है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर 1.35+ लाख से अधिक विद्वतापूर्ण पुस्तकें हैं और पुस्तकालय की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 36 समाचार-पत्रों और 60 से अधिक जर्नल की सदस्यता ली गई है।

इस वर्ष हमारी महाविद्यालय पुस्तकालय भी डेलनेट (डेवलपिंग पुस्तकालय नेटवर्क) की सदस्य बन गई है, इस पुस्तकालय के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को डिस्कवरी पोर्टल के माध्यम से पुस्तकों, जर्नल, लेखों आदि के 3.5 करोड़ से अधिक कैटलॉग रिकॉर्ड और एक करोड़ पचास लाख से अधिक तक पहुंच प्राप्त हो सकती है। नॉलेज गेनर पोर्टल के माध्यम से पूर्ण-पाठ, ई-पुस्तकें, ई-जर्नल और ई-लेख। इसके अलावा महाविद्यालय पुस्तकालय यूजीसी इनफ्लिबनेट के एन-लिस्ट प्रोग्राम का भी सदस्य है, जिसके माध्यम से पुस्तकालय के उपयोगकर्ता रिमोट लॉगिन सुविधा के साथ 6000+ई-जर्नल्स और 1,99,000+ ई-बुक्स तक पहुंच सकते हैं।

पुस्तकालय का वाचनालय पूरी तरह से वातानुकूलित है और हमारे पुस्तकालय में अब एक विशेष वातानुकूलित संकाय वाचनालय भी है। महाविद्यालय पुस्तकालय एक स्वचालित पुस्तकालय है, जहाँ उपयोगकर्ता स्वचालित तरीके से पुस्तकालय तक पहुँच सकते हैं। दिव्यांग छात्रों और शिक्षण कर्मचारियों के लिए एक विशेष रीडिंग कॉर्नर शुरू किया गया है, जहां स्कैनर और प्रिंटर के साथ इंटरनेट-सक्षम हाई स्पीड कंप्यूटर उनके लिए उपलब्ध कराए गए हैं। पुस्तकालय अपने उपयोग के लिए घरेलू रिप्रोग्राफी सेवा भी प्रदान करता है।

संकाय संख्या

स्थायी और 54 तदर्थ; कुल 138

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 655730000/-
उपयोगित अनुदान: रुपए 650671936/-

***

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

महाविद्यालय की स्थापना 1946 में हुई थी और शुरुआत में बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग कार्यक्रम देश की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए युवा महिलाओं को पेशेवर नर्सों के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया था। 1959 में, विश्वविद्यालय ने नर्सिंग में दो वर्ष के स्नातकोत्तर नर्सिंग कार्यक्रम, एम.फिल की शुरुआत को मंजूरी दे दी। 1986 में डॉक्टरेट कार्य करने के लिए एक फाउंडेशन पाठ्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था और वर्ष 1992 में, नर्सिंग विभाग के तहत नर्सिंग में डॉक्टरेट

कार्यक्रम शुरू किया गया था। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा महाविद्यालय को नर्सिंग में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। महाविद्यालय को आईएनसी के तहत जीएफएटीएम (एड्स, तपेदिक और मलेरिया के लिए वैश्विक कोष) परियोजना के लिए उप-प्राप्तकर्ताओं में से एक के रूप में चुना गया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय पिछले 77 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय नियमित कार्यक्रम अर्थात बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, एम.एससी. नर्सिंग प्रदान करता है। बी.एससी.(ऑनर्स) नर्सिंग और एम.एससी. (ऑनर्स) दोनों के लिए संशोधित पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली के तहत नर्सिंग चल रही है। महाविद्यालय को 'नर्सों के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन सहायता' के लिए मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से नामित किया गया है। उद्देश्य उन्मुख सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से आरएचटीसी नजफगढ़ के अंतर्गत छावला गांव में ग्रामीण शिक्षण केंद्र, महामारी के दौरान भी काम करना जारी रखता है। महाविद्यालय को इग्नू द्वारा अध्ययन केंद्र के रूप में नामित किया गया है। महाविद्यालय ने राष्ट्रीय सम्मेलन में 77वें टीएनएआई और 50वें एसएनए जनरल कमेटी की बैठक, रक्तदान सप्ताह, विश्व किडनी दिवस, उत्तम स्वास्थ्य मेला आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

सम्मान/गौरव

अर्चना माजू और सुश्री दीप्ति लूथरा एम.एससी. नर्सिंग प्रथम वर्ष 2. एम.एल.यू.पी. जिशा श्रीवास्तव और सुश्री पासंग एम.एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष 3. सुश्री श्रुति और सुश्री प्रिया बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग प्रथम वर्ष 4. सुश्री नेयति और सुश्री स्टैनज़िन बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग द्वितीय वर्ष 5. सुश्री चंचल पाराशर और सुश्री दिव्या बूरा बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग तृतीय वर्ष 6. सुश्री रश्मी और सुश्री रजनी बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग चतुर्थ वर्ष।

गौरव प्राप्त छात्र

नर्सिंग प्रथम वर्ष की अर्चना माजू को आरएके महाविद्यालय में प्रथम रैंक से सम्मानित किया गया

नर्सिंग. उसने 1100 में से 895 अंक प्राप्त किए।

एम.एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष की जिशा श्रीवास्तव को आरएके नर्सिंग महाविद्यालय में प्रथम रैंक से सम्मानित किया गया। उन्होंने 1900 में से 1566 अंक प्राप्त किए।

बी.एससी. की नियति. (ऑनर्स) नर्सिंग द्वितीय वर्ष को आरएके नर्सिंग महाविद्यालय में दूसरी रैंक से सम्मानित किया गया। उसने 900 में से 645 अंक प्राप्त किए।

बी.एससी. की चंचल. (ऑनर्स) नर्सिंग तृतीय वर्ष को आरएके नर्सिंग महाविद्यालय में द्वितीय रैंक से सम्मानित किया गया। उसने 900 में से 706 अंक प्राप्त किए।

बी.एससी. की दिव्या बूरा (ऑनर्स) नर्सिंग तृतीय वर्ष को आरएके नर्सिंग महाविद्यालय में प्रथम रैंक से सम्मानित किया गया। उसने 900 में से 707 अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

मधुमिता, डी. एट अल. (अप्रैल, 2022)। स्नातक छात्रों के बीच ज्ञान और अभ्यास के संदर्भ में चयनित सामान्य कैंसर स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं और निवारक उपायों पर एक मोबाइल ऐप कैनस्क्रीन की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। *इंटरनेशनलजर्नल ऑफ नर्सिंग एंड मिडवाइफरी रिसर्च*/11(09): 11-23.

मधुमिता, डी. एट अल. (जून, 2022)। हरियाणा के चयनित जिले के महाविद्यालय के छात्रों के ज्ञान और अभ्यास के संदर्भ में चयनित आपात स्थितियों पर प्रथम उत्तरदाता के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। *वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल.*11(06): 10-22.

शोध-परियोजनाएं

स्व-वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "कोविड के बाद की स्वास्थ्य समस्याओं का आकलन करने के लिए एक अध्ययन और दिल्ली के चयनित ग्रामीण समुदाय में ज्ञान और अभ्यास के संदर्भ में पोस्ट-कोविड पेटेंट के बीच पोस्ट-कोविड पुनर्वास पर एक शैक्षिक पैकेज की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: सैम स्नेहा सारा।

स्व-वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "मासिक धर्म की समस्याओं और चयनित कारकों के बीच संबंध का आकलन करने और मासिक धर्म की समस्या और उनके प्रबंधन पर नियोजित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: लालरिंदिकी के.

स्व-वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "दिल्ली में चयनित गैर-सरकारी वृद्धाश्रम में कोविड-19 के दौरान वृद्ध वयस्कों के बीच मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर संगीत चिकित्सा के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: शालिनी।

"मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं की पहचान करने और हरियाणा के चयनित अस्पताल में काम करने वाली नर्सों के बीच ज्ञान और अभ्यास के संदर्भ में बॉडी मैकेनिक्स पर सूचना पुस्तिका की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: श्रुति शर्मा।

स्व-वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "दिल्ली के चयनित नर्सिंग संस्थानों में नर्सिंग छात्रों के महत्त्वपूर्ण सोच कौशल में सुधार करने के लिए एक शिक्षण रणनीति के रूप में अवधारणा मानचित्रण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रयोगात्मक अध्ययन"। स्वीकृत राशि शून्य. पीआई: आरटी स्मिता।

आयोजित सम्मेलन

6 फरवरी 2023 को 'क्रिटिकल केयर बियॉन्ड बेसिस: नर्स प्रैक्टिशनर इन फ्रंट फ्रंट' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

31 जनवरी 2023 को 'आपातकालीन देखभाल: कौशल बढ़ाने से फर्क पड़ता है' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. म्लुपे डेज़ी थॉमस ने 2-9 फरवरी 2023 तक "आपातकालीन देखभाल पर राष्ट्रीय कार्यशाला: अपस्किलिंग से फर्क पड़ता है" और "आधार से परे गंभीर देखभाल पर राष्ट्रीय कार्यशाला: नर्स प्रैक्टिशनर सबसे आगे" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सरिता शोकंदा ने 9 फरवरी 2023 को "आधार से परे महत्वपूर्ण देखभाल पर राष्ट्रीय कार्यशाला: सबसे आगे नर्स प्रैक्टिशनर" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

मधुमिता डे ने 2-9 फरवरी 2023 तक "आपातकालीन देखभाल पर राष्ट्रीय कार्यशाला: अपस्किलिंग से फर्क पड़ता है" और "आधार से परे गंभीर देखभाल पर राष्ट्रीय कार्यशाला: अग्रिम मोर्चे पर नर्स प्रैक्टिशनर" में वैज्ञानिक मौखिक शोध-पत्र प्रस्तुति में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

मिताली बिस्वास ने 2 फरवरी 2023 को "आपातकालीन देखभाल पर राष्ट्रीय कार्यशाला: अपस्किलिंग से फर्क पड़ता है" में वैज्ञानिक मौखिक शोध-पत्र प्रस्तुति में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत :100 %

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 1

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

छात्रों को उद्देश्य उन्मुख ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 1950 में ग्रामीण शिक्षण केंद्र की स्थापना की गई थी। इसमें लगभग 23,000 की आबादी शामिल है और यह महाविद्यालय से 35 किलोमीटर दूर स्थित है। केंद्र समुदाय को एक एकीकृत व्यापक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवा प्रदान करता है। आरएचटीसी, नजफगढ़ के कर्मचारियों के सहयोग से ग्रामीण इकाई के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा एमसीएच सेवाओं, परिवार नियोजन, टीकाकरण, परिवार कल्याण सेवाओं, पोषण, किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जाता है। कर्मचारियों और छात्रों ने मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम, डेंगू नियंत्रण कार्यक्रम, संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी भाग लिया; एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, डायरिया रोग नियंत्रण और गहन पल्स पोलियो कार्यक्रम आदि। केंद्र में टी.बी. की जांच और उपचार के लिए डॉट्स और माइक्रोस्कोपिक सेंटर भी है। और एमडीआर टीबी रोगियों के लिए आरएफटीसी छावला 10 गांवों को कवर करने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिए एक 'टीम मूवमेंट प्वाइंट' भी है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 21956

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 32

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 29

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: 35 करोड़

उपयोगित अनुदान: 34.67 करोड़

***

रामानुजन महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

रामानुजन महाविद्यालय, जिसे पहले देशबंधु महाविद्यालय (सांध्य) के नाम से जाना जाता था, की स्थापना 1958 में भारत सरकार के पुनर्वास मंत्रालय द्वारा स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय लाला देशबंधु गुप्ता की स्मृति में की गई थी। सांध्य के महाविद्यालय के रूप में, यह देशबंधु महाविद्यालय के कैंपस से संचालित होता था जो सुबह के समय संचालित होता था। यह 1994 में एक सह-शिक्षा संस्थान बन गया। यूजीसी द्वारा पूरी तरह से वित्त-पोषित, इसे 1972 से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बनाए रखा गया है।

वर्ष 2010 में, महाविद्यालय को एक नई पहचान मिली जब दिल्ली विश्वविद्यालय ने यूजीसी और एमओई (तत्कालीन एमएचआरडी) के साथ मिलकर देशबंधु महाविद्यालय (सांध्य) का नाम बदलकर रामानुजन महाविद्यालय कर दिया, और मौजूदा महाविद्यालय कैंपस के भीतर कालकाजी, नई दिल्ली में सात एकड़ भूमि का एक अलग स्थान आवंटित किया। सांध्य के महाविद्यालय से, यह 2012 में एक पूर्ण सुबह का महाविद्यालय बन गया। शुरुआती वर्षों में, महाविद्यालय केवल छह स्नातक पाठ्यक्रमों की पेशकश करता था, अर्थात् बी.कॉम., बी.ए. कार्यक्रम, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, हिंदी में बी.कॉम (ऑनर्स) और बी.ए. (ऑनर्स)। वर्तमान में, महाविद्यालय ने पिछले दशक में दस और पाठ्यक्रम जोड़े हैं, अर्थात्: बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, दर्शन-शास्त्र और अर्थशास्त्र में; बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी, गणित, कंप्यूटर विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान में; प्रबंधन अध्ययन में स्नातक (बीएमएस); और बी. व्यावसायिक बैंकिंग संचालन और सॉफ्टवेयर विकास में। महाविद्यालय हिंदी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम भी चलाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

.महाविद्यालय ने अपने ज्ञान के बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखा। अनुसंधान विकास और सेवा सेल में 3.5 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था, जो अब सतत विकास और नीति अनुसंधान और प्रैक्सिस,

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन लैब, फिनटेक डिवीजन और लोक संस्कृति अध्ययन केंद्र से लेकर 17 डोमेन को कवर करता है। मेटा, लिनक्स फाउंडेशन और ओपन-एयर इंटरफेस के साथ 3 अंतरराष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे कुल संख्या 7 हो गई। आईटी बुनियादी ढांचे और स्टूडियो संवर्द्धन पर 2.08 करोड़ रुपये खर्च किए गए। नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों, सामाजिक विज्ञान और प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियों में ऑनलाइन कौशल पाठ्यक्रम चलाने के लिए एक अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए 36 लाख रुपये खर्च किए गए। विद्या-विस्तार के तहत, पूरे भारत में 31 संस्थानों के साथ गठजोड़ पूरा किया गया। संस्थान का इनोवेशन सेल अक्तूबर में स्थापित किया गया था।

सहयोगात्मक संकाय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 32 राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी) द्वारा 130 कार्यक्रम (एफडीपी, एफआईपी, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और सम्मेलन) आयोजित किए गए, जिससे पूरे भारत में लगभग 31,357 प्रतिभागियों को लाभ हुआ। "ईएसजी और स्थिरता के बुनियादी सिद्धांत" पर 2 महीने के ऑनलाइन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के माध्यम से 40,000 कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पर्यावरण विज्ञान विभाग के लिए एक प्रयोगशाला स्थापित की गई थी जो कैंपस में मियावाकी जंगल का रखरखाव करता है। पुस्तकालय आरएफआईडी प्रणाली को भी उन्नत किया गया। एक और शैक्षणिक ब्लॉक निर्माणाधीन है।

सम्मान/गौरव

डॉ. सुनीता पूनिया को 15-16 अक्तूबर 2022 तक विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन के दौरान पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए), दिल्ली द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया।

डॉ. अजय कुमार को 25 सितंबर 2022 को सोशल रिसर्च फाउंडेशन, कानपुर (उत्तर प्रदेश) भारत द्वारा शिक्षा, अन्य शैक्षणिक गतिविधियों और अनुसंधान में नवाचार में बहुमूल्य योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद पुरस्कार मिला।

डॉ. मोइरांगथेम जीबन सिंह को 23 जनवरी 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के ईसीए दौलत राम महाविद्यालय में सृष्टि मंथन के दौरान स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट, दिल्ली द्वारा पर्यावरण रक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र, बैच 2019-2022 के तुषार मिड्ढा को 2022 में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक (भारतीय दार्शनिक कांग्रेस पदक) से सम्मानित किया गया।

शोध-परियोजनाएं

सुश्री ईशा गुप्ता को सीईपीआर (आर्थिक नीति और अनुसंधान केंद्र) द्वारा प्रायोजित, "भारत, केन्या और दक्षिण अफ्रीका में व्यावसायिक सेवाओं और संरचनात्मक परिवर्तन का उदय: महिला श्रम आपूर्ति की भूमिका" नामक परियोजना के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान अनुदान पुरस्कार मिला। यूरोप. अनुदान राशि: 1000 पाउंड.

टीएलसी रामानुजन महाविद्यालय, 2 वर्ष की अवधि की परियोजना जिसका शीर्षक है "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग क्षेत्र में चाय उत्पादन पर जलवायु परिवर्तनशीलता का प्रभाव आकलन"। 10,000,00 रुपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. नेत्रानंद साहू, सह-पीआई: डॉ. राजीव नयन। स्वीकृत संस्थान: रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

टीएलसी रामानुजन महाविद्यालय, 2 वर्ष की अवधि की परियोजना जिसका शीर्षक है "उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले की साउंडस्केप पारिस्थितिकी"। 1000000 रुपये की स्वीकृत राशि. पीआई: डॉ. निखिल कुमार राजपूत. स्वीकृत संस्थान: रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रकाशन

ओमिशा संगीत, श्योदान सिंह। (2022)। वर्तमान भारतीय संदर्भ में एकल माता-पिता बच्चों के अनुभव। *जर्नल ऑफ़ फ़ैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर*, 11(7), 3790-3794।

एस. कुमार और वी. कुमार, एच. एम. श्रीवास्तव और एन. ई. चो. (2022)। एक तर्कसंगत कार्य से जुड़े तारे जैसे कार्यों के लिए हर्मिटियन-टोप्लिट्ज़ और हैंकेल निर्धारक। *जर्नल ऑफ नॉनलीनियर एंड कॉन्वेक्स एनालिसिस*, 23(12), 2815-2833।

डी. कुमार, वी. कुमार और एल. एन. दास। (2022)। हर्मिटियन-टोएप्लिट्ज़ निर्धारक और तारे जैसे कार्यों के लिए कुछ गुणांक कार्यात्मक। *गणित में अनुप्रयोग*, 68(1), 289-304.

वी. कुमार, आर. श्रीवास्तव और एन. ई. चो. (2022)। विश्लेषणात्मक कार्यों के कुछ वर्गों से जुड़ा लिटिलवुड-पेली अनुमान। *बोलेटिन डे ला सोसिदाद माटेमेटिका मेक्सिकाना*, 28(13), 16पीपी।

राजेश सिंह, पूर्णिमा गुप्ता और एस अरुमुगम। (2022)। वास्तव में गैर-तुच्छ ग्राफ़ॉइडल ग्राफ़। ए*केसीई इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्राफ्स एंड कॉम्बिनेटरिक्स,* 19(2), 112-117.

बुलो कानो. (2023)। क्या कोई मशीन बुद्धिमान हो सकती है?: एआई प्रवचन में विचारों का विश्लेषण। *तुलनात्मक साहित्य और सौंदर्यशास्त्र जर्नल*, 96(2), 90-97।

अजय कुमार. (2023)। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और भारत की विदेश नीति के प्रति अम्बेडकर का दृष्टिकोण। *ब्रिटिश जर्नल ऑफ फिलॉसफी, सोशियोलॉजी एंड हिस्ट्री*, 3(1), 17-31.

सिंह, कंवल जीत और गुणसेकरन, वेम्बनान। (2023)। उद्यमिता और रोजगार कौशल: राष्ट्रीय शिक्षा नीति

(एनईपी) 2020 की भूमिका। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च*, 11(7), 708-711.

साक्षी सोनी, आशीष कुमार शुक्ला और कपिल कुमार। (2023)। हाइब्रिड सेंसर्ड डेटा का उपयोग करके सामान्यीकृत आधे लॉजिस्टिक जीवनकाल मॉडल में विश्वसनीयता शोध-पत्र अनुमान और भविष्यवाणी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट, ऑनलाइन प्रकाशित* (https://doi.org/10.1108/IJQRM-05-2022-0149), 15पीपी।

आनंद, प्रबुद्ध और रंजन, तूलिका। (2022)। मासिक धर्म, विज्ञापन और समस्यात्मक ढाँचे। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रेंड्स इन इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर*, 4(3), 28-43.

जर्नल

प्रो. (डॉ.) एस. पी. अग्रवाल। (2022)। एप्लाइड एथिक्स अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईएसएसएन: 2321-2497)। वार्षिक, 9(1), 1-33

प्रो. (डॉ.) एस. पी. अग्रवाल (भारत) और प्रो. (डॉ.) दीपक खजांची (अंतर्राष्ट्रीय) (2022)। रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च (आरआईजेबीआर) आईएसएसएन प्रिंट: 2455-5959 आईएसएसएन ऑनलाइन: 2583-0171। वार्षिक, 7(1), 1-82

आयोजित संगोष्ठी

09 दिसंबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र के पूर्व प्रोफेसर प्रो. बी. जुत्शी द्वारा "आपदा प्रभावित क्षेत्रों में कमजोर समूहों के मानवाधिकारों के लिए योजना" विषय पर संगोष्ठी।

06 फरवरी 2023 को शहरी विकास मंत्रालय के पूर्व निदेशक विनोद जिंदल द्वारा "सार्वजनिक प्रशासन में नैतिकता और मूल्य" शीर्षक पर संगोष्ठी।

11 मार्च 2023 को टीईडीएक्स वक्ता और ऑस्ट्रेलियाई बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारत इकाई के निदेशक श्री अनीश कोहली द्वारा "सहज योग ध्यान के माध्यम से व्यक्तित्व विकास और बेहतर आक्यू, ईक्यू, एचक्यू और एसक्यू" विषय पर संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन

इंडियन ऑयल, एसईआरबी, डीआरडीओ और पीएनबी के सहयोग से 10 जनवरी 2023 को "ग्राफ़, नेटवर्क और कॉम्बिनेटरिक्स (आईसीजीएनसी 2023)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. संदीप ठाकुर ने रिवर माउथ सिस्टम और सीमांत समुद्र-प्राकृतिक चालक और मानव प्रभाव पर ई-सम्मेलन में "छोटी समुद्री नदी प्रणालियों में क्षेत्रीय टेक्टोनिक्स, अवसादन और मानव मध्यवर्तन का प्रभाव: सुवर्णरेखा नदी से एक केस अध्ययन" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 5-7 दिसंबर 2022 तक स्ज़ेसिन

विश्वविद्यालय, हेल्महोल्ट्ज़ ज़ेंट्रम हेरॉन द्वारा आयोजित किया गया।

हाशियाकरण और सामाजिक समावेशन: भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक विचार की खेती पर केंद्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. नेहा सिंह ने भारत के विचार पर "महिलाएं, अंबेडकर के सामाजिक एंडोस्मोसिस की विभाजक" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 13-14 अप्रैल 2022 तक सामाजिक अध्ययन फाउंडेशन के सहयोग से सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति का अध्ययन, जे.एन.यू.

डॉ. पल्लवी महाजन ने तकनीकी परिवर्तन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मानव पूंजी की भूमिका", "बाजार अर्थव्यवस्था और स्थिरता की चुनौतियां" और "नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा: हरित जीवन की दिशा में एक छलांग" पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए। उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा द्वारा प्रायोजित, डी.ए.वी. सेंटेनरी महाविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा आयोजित परिप्रेक्ष्य और चुनौतियाँ, 31 मार्च 2023 को आयोजित की गईं।

प्रेक्षा मिश्रा ने इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स कॉन्फ्रेंस में "पीएलएफएस 2019-20 से 2021-22 का उपयोग करके कोविड-19 के कारण आय और रोजगार हानि: एक पुनर्मूल्यांकन", और "भारत में ग्रामीण विविधीकरण और रोजगार की कहानी" पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए। मार्च 2023.

प्रेक्षा मिश्रा ने 2022 में इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स कॉन्फ्रेंस में "काम की दुनिया में निरंतर कमजोरियां और समकालीन पूंजीवाद: भारत से कुछ प्रतिबिंब" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आस्था जैन ने अक्तूबर 2022 में हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय समाज विज्ञान परिषद (आरएसवीपी) द्वारा आयोजित 5वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग में एफडीआई और औद्योगिक नीति की भूमिका" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रेक्षा मिश्रा सितंबर 2022 में एक्शनएड इंडिया द्वारा "सामाजिक सुरक्षा और अनौपचारिक श्रमिकों" पर आयोजित एक वेबिनार में वक्ता थीं।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

5जी, एआर/वीआर, ब्लॉकचेन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास के लिए रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और ओपनएयरइंटरफेस सॉफ्टवेयर एलायंस सी/ओ यूरेकॉम कैंपस सोफियाटेक, फ्रांस के बीच 09 जून 2022 को एसोसिएट सदस्यता फॉर्म पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय ने शिक्षकों और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन की योजना के तहत सहयोगात्मक संकाय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए देश भर के महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के साथ 30 से अधिक राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 254 छात्रों का नियोजन हुआ।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 146

26 परामर्श प्रोफ़ाइल से, 22 वित्तीय सेवाओं से, 5 बिक्री और विपणन से, 41 प्रौद्योगिकी क्षेत्र से, 2 यात्रा उद्योग से, 13 एड-टेक एक और 37 अन्य कंपनियां थीं।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सेंटर फॉर सोशल इनोवेशन ने "पाठशाला" परियोजना चलाई जिसमें छात्रों ने मलिन बस्तियों में लगभग 50 शिक्षण सत्र आयोजित किए। अंग्रेजी विभाग द्वारा महाविद्यालय कैंपस में निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए चार सप्ताह की शिक्षण-अध्ययन की पहल का आयोजन किया गया था। 21 अक्तूबर 2022 को, महाविद्यालय में निर्माण श्रमिकों के वंचित बच्चों के लिए अंग्रेजी विभाग द्वारा एक दिवाली उत्सव की व्यवस्था की गई।

तत्व सोसाइटी ने 22 जनवरी और 26 फरवरी 2023 को संजय वन में 2 सफाई अभियान और 12 फरवरी 2023 को सेंट्रल रिज फॉरेस्ट में एक सफाई अभियान चलाया। यह फ्राइडेज़ फॉर फ्यूचर के नेतृत्व में वैश्विक आंदोलन के दिल्ली चैप्टर में भी शामिल हुआ। उन्होंने अनुसंधान टीम में भाग लिया और दिल्ली में पर्यावरणीय मुद्दों और संभावित समाधानों पर शोध किया। आईटीओ मेट्रो स्टेशन से दिल्ली सचिवालय तक यूनाइटेड इको वॉरियर्स के मार्च में दस स्वयंसेवकों ने भी भाग लिया, कविता और चॉक ग्रैफिटी जैसी कुछ कलाओं का प्रदर्शन किया और दिल्ली सरकार को ज्ञापन सौंपा।

गर्ल-अप रामानुजन ने 14 नवंबर 2022 को कुली कैंप, वसंत कुंज में पैड दान अभियान चलाया। अंग्रेजी विभाग ने स्कूल ऑफ हैप्पीनेस और समान अवसर सेल के सहयोग से, दिव्यांग बच्चों के लिए "लवहैप" नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया। 30 नवंबर 2022 को चेतना कल्याण, फ़रीदाबाद।

20 जुलाई 2022 को, राष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रम के सदस्यों ने पंचवटी वृद्धाश्रम के निवासियों से मुलाकात की और बुजुर्गों के साथ मोबाइल फोन के बारे में अपना ज्ञान साझा किया। 23 अक्तूबर 2022 को उन्होंने वहां दिवाली उत्सव का आयोजन किया. 30 दिसंबर 2022 को सोसायटी ने बुजुर्ग निवासियों के सानिध्य में नए वर्ष का स्वागत किया। 14 अगस्त 2023 को उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित करने के लिए कुली कैंप के बच्चों के साथ सहयोग किया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय ने इस वर्ष 606 पुस्तकें खरीदीं, जिससे महाविद्यालय पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 40,000 हो गई। पुस्तकालय वेब पेज और वेबोपाक अधिक अनुकूलित हैं और उपयोगकर्ता पुस्तकालय के बारे में सभी प्रासंगिक जानकारी पा सकते हैं। डीएसपीएसीई पर भी अधिक काम किया गया है जो रामानुजन संस्थागत भंडार है जहां पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र, समाचार कतरनें, संकाय प्रकाशन और रामानुजन महाविद्यालय पत्रिकाएं अब उपलब्ध हैं। इस वर्ष, पुस्तकालय ने छात्रों को पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग करने का तरीका सिखाने के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। महाविद्यालय

पुस्तकालय ने पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को बढ़ावा देने और उन्हें पुस्तक चयन के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए 18-19 अक्तूबर 2022 को एक पुस्तक मेले का भी आयोजन किया। 8-10 फरवरी 2023 तक पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय कोहा कार्यशाला भी आयोजित की गई।

संकाय संख्या : 127

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 423659954
उपयोगित अनुदान: रुपए 425441237
अग्रेनितज अनुदान सहित: रुपए 279632558

***

रामजस महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

रामजस महाविद्यालय अरावली पर्वत श्रृंखला की गोद में दिल्ली के उत्तरी रिज पर स्थित है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने संस्थानों में से एक के रूप में, यह महाविद्यालय 14 मई 1917 को अपने पिता लाला रामजस मल की स्मृति में महान शिक्षाविद् और परोपकारी लाला राय केदार नाथ द्वारा स्थापित किए जाने के बाद से देश की सेवा कर रहा है। महाविद्यालय की आधारशिला महात्मा गांधी ने काला पहाड़ नामक पहाड़ी पर रखी थी, जिसे बाद में आनंद पर्वत कहा जाने लगा। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैन्य उपयोग के लिए आनंद पर्वत को ब्रिटिश सेना को सौंपने के बाद, रामजस महाविद्यालय को वर्ष 1950 में अपने वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया था। इस नए भवन का उद्घाटन 1951 में भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा किया गया था। महाविद्यालय को भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ. बी.आर. अम्बेडकर से जुड़े होने पर भी गर्व है, जिन्होंने इस संस्थान के शासी निकाय को सुशोभित किया। रामजस महाविद्यालय के छात्र भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। महाविद्यालय ने विश्वविद्यालय स्तर पर अनेक नई पहलों में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जैसे कि कर्मचारी परिषद के गठन के लिए विचार की अवधारणा दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी संबद्ध महाविद्यालयों में एक वैधानिक निकाय के रूप में। वर्ष 2017 में, रामजस महाविद्यालय द्वारा 100 वर्षों की यात्रा के उपलक्ष्य में एक भव्य उत्सव का आयोजन किया गया था और बाद में भारत सरकार के डाक विभाग ने संस्थान की शताब्दी को चिह्नित करने के लिए एक डाक टिकट जारी किया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी कैंपस में स्थित, यह दुनिया भर से दूर-दूर से प्रतिभाओं को आकर्षित करता है। एक शताब्दी से भी अधिक समय तक शिक्षा का यह प्रसिद्ध मंदिर ऐसे नेताओं को बनाने का श्रेय रखता है जिन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है। महाविद्यालय छात्रों, संकायों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के मानव संसाधनों की क्षमता का उपयोग करके एक कुशल शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाए रखता है। इससे ज्ञान की खोज के लिए इस घर में एक स्वस्थ शिक्षण-अध्ययन का माहौल बनाने

में मदद मिली है।

आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित नई संरचनाओं के साथ महाविद्यालय की विरासत भवन शिक्षण, अनुसंधान और आउटरीच कार्यक्रमों के संचालन के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करती है। संस्थान को एक विशाल कैंपस, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, समर्पित संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ उपहार दिया गया है जो शिक्षण और अध्ययन के सभी पहलुओं में सतत विकास के सिद्धांतों, मूल्यों और प्रथाओं को एकीकृत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। महाविद्यालय विभिन्न क्लबों और सोसाइटियों के माध्यम से छात्रों को उनके ज्ञान और कौशल को बढ़ाने, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने और सर्वांगीण विकास प्राप्त करने के लिए विविध प्रकार के अवसर प्रदान करता है। इसमें उन्नत प्रौद्योगिकी द्वारा समर्थित पर्याप्त सुविधाएं हैं जो इसे अध्ययन के लिए एक प्रमुख संस्थान बनाती है।

वर्तमान में महाविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को विज्ञान, कला और वाणिज्य की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ विदेशी भाषाओं में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के साथ निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के दौरान, किताबों में 18 पुस्तकें/अध्याय और यूजीसी देखभाल सूची में 140 शोध-पत्र प्रकाशित किए गए हैं1 अनुसंधान परियोजना पुरस्कृत की गई, और 30 से अधिक सेमिनार/सम्मेलन आयोजित किए गए।

सम्मान/गौरव

डॉ. पी. सी. तुलसियान को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "महाविद्यालय में सेवाकालीन शिक्षक के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। उन्हें इंस्पिरा-इरा अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार-जून 2022 द्वारा सर्वश्रेष्ठ विद्वान का पुरस्कार भी मिला।

प्रोफेसर सुरेश कुमार को मेसास-2023 द्वारा "लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया गया।

2023 में आणविक/फंगल जीवविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान और अकादमिक योगदान के लिए जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रो. हरदीप कौर पुरस्कार।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. के हर्षित सिंह (ऑनर्स) सांख्यिकी तृतीय वर्ष को 9.676 सीजीपीए के साथ प्रथम स्थान मिला है।

बी.एससी. की निष्ठा जैन को लाइफ साइंसेज तृतीय वर्ष को 9.439 सीजीपीए के साथ प्रथम स्थान मिला है।

बी.एससी. की दृष्टि सुंदर फुकन (ऑनर्स) गणित को 9.58 सीजीपीए के साथ पहला स्थान मिला है।

बी. कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की एकता शर्मा ने 8.973 के सीजीपीए के साथ पहला स्थान प्राप्त किया है।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष के जयवीर सिंह ने 8.176 सीजीपीए के साथ पहला स्थान प्राप्त किया है।

प्रकाशन

खन्ना, एम.के, शर्मा, एस, दत्ता, एस, एट ऑल (2023). सी सब्सट्रेट पर अल्ट्राथिन TiOx-SiOx नैनोकम्पोजिट परतों के ढांकता हुआ गुणों की जांच। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री। 34 (एनए): अनुच्छेद संख्या 490।

खन्ना, एमके, कुमार, वी., गुप्ता, ए. (2023)। फ्यूचरिस्टिक टोपोलॉजिकल क्वांटम सामग्री के साथ चर्चा: स्पिनट्रोनिक्स उपकरणों के लिए एक संभावित उम्मीदवार। मैग्नेटोकेमिस्ट्री। 9(3): 73.

कौर, एच. (2023)। कैंडिडा ऑरिस इन डॉग ई-जर्नल ऑफ फंगी। 9(7): 720.

कौर, एच. (2023)। सिलिको और जैविक स्क्रीनिंग प्लेटफॉर्म में एकीकृत का उपयोग करके एक शक्तिशाली एंटिफंगल एजेंट के रूप में सीसमम इंडिकम से सेसमिन की पहचान। अणु 28(12): 4658.

रत्नानी, एस. (2022)। "उभरते एंटीकोर्सिव नैनोमैटेरियल्स के रूप में आयनिक तरल पदार्थ-संशोधित कार्बन अलॉट्रोप्स का उपयोग करने में चुनौतियां और अवसर"। सामग्री लेटहेक्रु, 328 (एनए): 133213.

नीलिमा (2022). मैककेन-व्लासोव के लिए अच्छी तरह से प्रस्तुत और नामांकित योजनाएं। अनुप्रयुक्त संभावना के इतिहास। 32(5): 3283-3330.

दुआ, एस., कुमार, पी., पाणि, बी., कौर, ए., एट ऑल। कार्बन क्वांटम डॉट्स की स्थिरता: एक महत्त्वपूर्ण समीक्षा। आरएससी अग्रिम। एनए (13): 13845-13861.

सिंह, एस. (2023)। दूरस्थ कार्य परिणाम और फर्म के प्रदर्शन पर इसके प्रभाव का अध्ययन। सामाजिक विज्ञान और मानविकी खुला। 8(1):100528.

सिंह, ओ. (सितंबर 2022)। क्रायफोडेरा कलेसारी की नई वर्गीकरण जानकारी (नेमोटोडा; हेटेरोडेरिडे)। सूत्रकृमि विज्ञान 24(9): 1-10.

राजोर, एच. (2023)। विभिन्न जीवित जीवों के प्रति कांगो लाल विषाक्तता की जांच: एक समीक्षा. प्रक्रियाओं. 11(3): 807.

जर्नल

रामजस आर्थिक समीक्षा। *वार्षिक अंक।*

जर्नल

रामजस आर्थिक समीक्षा। *वार्षिक*

शोध-परियोजनाएं

भारत सरकार, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी विभाग ने 3 वर्ष की परियोजना को वित्त-पोषित किया, जिसका शीर्षक था, 'गाय के गोबर से गाय-बायोप्लास्टिक का उत्पादन और विभिन्न क्षेत्रों में इसका अनुप्रयोग।' 1 करोड़ पचासी हज़ार की स्वीकृत राशि. पीआई: डॉ. सुचि वर्मा

आयोजित संगोष्ठी

15 अप्रैल 2023 को आईक्यूएसी रामजस महाविद्यालय के तत्वावधान में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड ट्रांसडिसिप्लिनरी स्टडीज इग्नू, नई दिल्ली की निदेशक प्रोफेसर शची शाह द्वारा 'पर्यावरण और जलवायु स्थिरता: चुनौतियां और संभावनाएं' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

25 मार्च 2023 को आईक्यूएसी रामजस महाविद्यालय के तत्वावधान में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) देवमाली, अरुणाचल प्रदेश सुश्री विशाखा यादव द्वारा 'सिविल सेवाओं में आजीविका के अवसर' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

20 मार्च 2023 को आईक्यूएसी रामजस महाविद्यालय के तत्वावधान में डॉ. संजय त्यागी, एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, श्री अरबिंदो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. सुकृति चौहान, सीईओ, ईटीआई द्वारा 'खुशी की तलाश' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

7 फरवरी 2023 को आईक्यूएसी रामजस महाविद्यालय के तत्वावधान में मल्टीएनिमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार मौर्य द्वारा 'जैविक संसाधन और आईपीआर कानून: स्थिति के अवसर और चुनौतियां' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

प्रोफेसर बल राम सिंह, इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड साइंसेज और बोटुलिनम रिसर्च सेंटर, डार्टमाउथ, एमए, यूएसए द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति: अवसर और चुनौतियां, गुणवत्ता आधारित शिक्षा और वैश्विक दक्षताएं' विषय पर सेमिनार 2 को आईक्यूएसी रामजस महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित किया गया। फरवरी 2023.

आयोजित सम्मेलन

24 फरवरी 2023 को अंग्रेजी विभाग द्वारा "रिमेम्बरिंग आर्किटेक्चर, एक्सकेवेटिंग मेमोरी" विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा वार्षिक शीतकालीन सम्मेलन 24 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. आलोक कुमार सिंह ने 2-4 दिसंबर 2022 को वायु: महत्त्वपूर्ण जीवन शक्ति विषय पर आयोजित सम्मेलन में "वायु प्रदूषण के परिप्रेक्ष्य में मानव स्वास्थ्य" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अमित भट्टाचार्य ने 5-6 जनवरी 2023 को विज्ञान संचारक के रूप में 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस 2023 में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शीतल बुद्धिराजा ने हरित प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: मुद्दे और चुनौतियाँ, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग केंद्र, चौधरी में "रक्त मस्तिष्क बाधा में सक्रिय यौगिक से भरे कैल्शियम फॉस्फेट नैनोकणों की डिलीवरी" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ 22-24 सितंबर 2022.

डॉ. शीतल बुद्धिराजा ने 28 मार्च 2023 को रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में स्मार्ट मैटेरियल्स-परिप्रेक्ष्य और संभावनाएँ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कैंसर के थेराग्नोसिस और उपचार में नैनो टेक्नोलॉजी का उपयोग और इसके भविष्य के परिप्रेक्ष्य" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. अमित भट्टाचार्य ने 21 नवंबर 2022, 30 जनवरी, 20 मार्च, 6 जुलाई 2023 को "एंजाइमों की समझ", "गुणसूत्र असामान्यताओं के लिए कैरियोटाइपिंग" और सेलुलर प्रक्रियाओं: एक सिंहावलोकन" पर व्याख्यान की एक श्रृंखला दी।

डॉ. सोनिया गोयल ने जेसुइट इकोनॉमिक एसोसिएशन के सहयोग से सेंट जेवियर्स यूनिवर्सिटी, कोलकाता के अर्थशास्त्र विभाग के "आर्थिक सिद्धांत और नीति में समसामयिक मुद्दों" के राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में शहरी अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं की व्यावसायिक पसंद" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 25 मार्च 2023, भारत।

डॉ. अमनजीत पंघाल ने 2-4 मार्च 2023 को प्राकृतिक पर्यावरण में विकिरण जागरूकता और जांच पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. तरूण कुमार ने अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा आयोजित नैनोटेक्नोलॉजी: अवसर और चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक फोटोनिक क्रिस्टल नैनोकैविटी में डबल नाइट्रोजन रिक्ति केंद्र की गतिशीलता: ऑप्टिकल बिस्टेबिलिटी और फोर वेव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया 28-30 नवंबर 2022.

3 अगस्त 2022 को क्यूंग ही यूनिवर्सिटी, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय, दक्षिण कोरिया द्वारा ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में "टिकाऊ दुनिया के लिए पानी" विषय पर डॉ. शर्फ़ इलाही सिद्दीकी द्वारा आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. सुरेंद्र सिंह ने आत्मनिर्भर भारत: सेंट्रल में लचीलेपन, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता का निर्माण विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में "संसाधन जुटाना बनाम आम आदमी: पोस्ट-कोविड उदारीकरण अवधि के दौरान भारत में व्यक्तिगत आयकर निर्धारितियों का एक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। झारखंड विश्वविद्यालय, रांची, 11-12 नवंबर 2022 तक आयोजित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली

विश्वविद्यालय और रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 22 मार्च-3 अप्रैल 2023 तक "कंप्यूटर बीजगणित प्रणाली" और "सिद्धांतों" पर एक संकाय विकास कार्यक्रम के संचालन के लिए सहयोग किया। विकिरण जांच और मापन और प्रायोगिक तकनीक" (ऑनलाइन मोड के माध्यम से) 3-9 अप्रैल 2023.

स्टेलनबोश विश्वविद्यालय (अंतर्राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: दक्षिण अफ्रीका के स्टेलनबोश विश्वविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर 1 मार्च 2023 को हस्ताक्षर किए गए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के बीच समझौता-ज्ञापन 2023 में किया गया था।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा (यूपी) के बीच 20 जून 2023 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (डीआईएएस) (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: रामजस महाविद्यालय और दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (डीआईएएस) के बीच वाणिज्य विभाग के छात्रों और शिक्षकों के साथ 'व्यक्तिगत विकास में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता' पर ऑनलाइन सत्र के लिए समझौता-ज्ञापन 28 जून 2023 को आयोजित किया गया।

गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: रामजस महाविद्यालय और गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल (जीआईबीएस) ने 6 जून 2023 को 'ब्रेकिंग जेंडर स्टीरियोटाइप्स: अवेयरनेस एंड एक्सेप्टेंस' विषय पर व्याख्यान के लिए सहयोग किया।

सहज योग संगठन (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: जेनेसिस, द लाइफ साइंस सोसाइटी, रामजस महाविद्यालय और सहज योग संगठन ने वृक्षारोपण अभियान और 'सहज योग के माध्यम से तनाव प्रबंधन का एक अनूठा अनुभव' विषय पर व्याख्यान के लिए 22 मार्च 2023 को सहयोग किया।

एकेडमी ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी एंड वेस्ट वाटर इनोवेशन्स, जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका (इंटरनेशनल) के साथ समझौता-ज्ञापन: रामजस महाविद्यालय, एकेडमी ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी एंड वेस्ट वाटर इनोवेशन्स, जोहान्सबर्ग, साउथ अफ्रीका के सहयोग से "प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण" पर व्याख्यान कैंसर अस्पताल जलीय अपशिष्ट" पर 1 जून 2023 को हस्ताक्षर किए गए।

सेंटर फॉर सोशल डेवलपमेंट (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: 27 मई 2023 को गुमनाम नायकों पर व्याख्यान श्रृंखला के लिए सेंटर फॉर सोशल डेवलपमेंट के सहयोग से रामजस महाविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

रामजस महाविद्यालय ने दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, गार्गी महाविद्यालय, किरोड़ीमल महाविद्यालय, आईआईटी रूड़की, पीजी डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी (एमयू), फीएक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग किया। आउटरीच के लिए लिमिटेड: माइक्रोस्फीयर: 17 सितंबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रम।

महिला विकास प्रकोष्ठ, रामजस महाविद्यालय ने आईक्यूएसी के तत्वावधान में परिवार कल्याण निदेशालय, सरकार के साथ सहयोग किया। दिल्ली, राज्य रक्त कोशिका, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और जेनेटिक्स प्रभाग, बाल रोग विभाग, लोक नायक अस्पताल और भोर लिविंग ह्यूमनली फाउंडेशन ने 1 मार्च 2023 को थैलेसीमिया स्क्रीनिंग शिविर और जागरूकता अभियान (डब्ल्यूडीसी) का आयोजन किया।

रामजस महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने डॉ. राम मनोहर लाल लोहिया अस्पताल के सहयोग से 27 मार्च 2023 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

एन.एस.एस. इकाई, रामजस महाविद्यालय ने एन.सी.सी. और रीच फाउंडेशन के सहयोग से 29 मार्च 2023 को 'युवा परामर्श: भारत में स्वास्थ्य, टीबी और युवा' कार्यक्रम का आयोजन किया।

आईक्यूएसी, वाणिज्य विभाग के संकाय और छात्रों ने 31 मई 2023 को एओन, नोएडा के औद्योगिक दौरे के लिए एओएन के साथ सहयोग किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 145

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 80

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में, एन.एस.एस., एन.सी.सी. आदि के माध्यम से उद्योग, समुदाय और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से संचालित 33 विस्तार और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। शैक्षणिक पहलुओं के अलावा, महाविद्यालय समाज की सेवा करने और छात्रों को सामाजिक सेवा और जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देता है। छात्र विभिन्न मानव-केंद्रित और नैतिक मुद्दों को संबोधित करने वाले सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। सामुदायिक सेवा में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए महाविद्यालय को अनेक मान्यताएँ प्रदान की गई हैं। महाविद्यालय की विस्तार कार्यकलाप रचनात्मकता, वैज्ञानिक कौशल और सामुदायिक आउटरीच की ओर निर्देशित हैं। डीएसटी-इंस्पायर विज्ञान शिविर, सेमिनार/वेबिनार और कार्यशालाएं नियमित आधार पर आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, महाविद्यालय का मानना है कि युवाओं की ऊर्जा और सहभागिता समाज की समस्याओं को कम करने में अग्रणी परिवर्तन ला सकती है। लिंग संवेदीकरण, रक्तदान शिविर, पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान जैसे विभिन्न सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा

योजना, एनक्टुस, इको क्लब और लिंग संवेदीकरण समिति (जीएससी) के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं। संस्थान के दृष्टिकोण और मिशन वक्तव्यों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए छात्रों द्वारा विस्तार गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हमारी एन.एस.एस. इकाई के छात्र स्वयंसेवक गोद लिए गए गांवों में विशेष शिविर, अनाथालयों की सेवा, वृक्षारोपण, योग कक्षाएं और बाढ़ राहत शिविर जैसी सामाजिक सेवा गतिविधियां चलाते हैं। ये सभी कार्यक्रम जिम्मेदारी, जवाबदेही, सत्यनिष्ठा और मानवीय मूल्यों की भावना विकसित करते हैं।

एन.एस.एस. गतिविधियों के हिस्से के रूप में समाज के लाभ के लिए पड़ोस में चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत महाविद्यालय ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता और स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

आत्महत्या की रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता, चिंता का प्रबंधन, नींद की समस्याएं, परीक्षा तनाव, कृतज्ञता विकसित करना, सहानुभूतिपूर्ण संचार, दंगों और कोविड19 जैसे व्यक्तिगत और सामाजिक आघात जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं।

एन.एस.एस. द्वारा सामुदायिक और पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम जैसे अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, बीजारोपण जागरूकता, वृक्षारोपण अभियान और समग्र कल्याण कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं।

एन.एस.एस. की पहल के माध्यम से अनेक चालू परियोजनाएं चल रही हैं। परियोजना समृद्धि और नवान्नमर्दन का उद्देश्य कार्यशालाओं, साक्षरता कक्षाओं और कौशल-आधारित ज्ञान के माध्यम से वंचितों को शैक्षिक सहायता प्रदान करना है, साथ ही वंचित क्षेत्रों में बच्चों के साथ कार्यक्रम मनाना है। परियोजना परिवेश एक पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम है जो संरक्षण और पारिस्थितिकी के बारे में जागरूकता फैलाने में सक्षम बनाता है। परियोजना सशक्त दिव्यांग व्यक्तियों के लिए शैक्षिक सामग्री के उन्नयन और प्रावधान के लिए है। परियोजना इन्द्रनुश का उद्देश्य बीमारियों, स्वास्थ्य देखभाल और टीकों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

रामजस एन.एस.एस. इकाई ने कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए साक्षरता कक्षाएं, नेतृत्व कार्यशालाएं, ग्रीष्मकालीन शिविर, राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम, दिवाली मेला, स्वच्छता पखवाड़ा, सक्रियता, स्वच्छता, सादगी और विनम्रता, अखंडता और देशभक्ति, भाईचारा, अहिंसा, नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियों का आयोजन किया। रक्तदान, स्तुति, आत्मनिर्भरता, सामाजिक मुद्दों पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, डोनेशन व्युत्पन्न, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, स्वयंसेवकों के साथ-साथ समाज की वृद्धि और विकास से संबंधित विभिन्न वेबिनार आदि।

एनक्टुस रामजस ने ईडबल्यूसी में फाइनलिस्ट के रूप में अर्हता प्राप्त की और एनक्टुस विश्व कप, 2022

में ग्लोबल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। हम रेस टू फीड द प्लैनेट में शीर्ष 4 टीमों में और रेस टू क्लाइमेट एक्शन में शीर्ष 5 टीमों में थे।

पुस्तकालय विकास

रामजस महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय में पूर्ण गोद लेने वाला पहला संस्थान था।

पुस्तकों के विशाल संग्रह के साथ पुस्तकालय का स्वचालन (2000 से)।

स्वचालन के लिए उपयोग किया जाने वाला आईएलएमएस सॉफ्टवेयर ड्रूडन संस्करण 3.0 है। इस सॉफ्टवेयर में अधिग्रहण, रखरखाव, परिसंचरण, धारावाहिक, ऑनलाइन सार्वजनिक जैसे विभिन्न मॉड्यूल हैं।

एक्सेस कैटलॉग (ओपेक) कियोस्क जो पुस्तकालय में पुस्तकों को खोजने और खोजने में मदद करता है।

यह पुस्तक वापसी के लिए रिमाइंडर एसएमएस के माध्यम से छात्रों को सचेत भी करता है।

देवनागरी और अन्य भारतीय भाषाएँ

2022-23 में, एसी, पीडब्ल्यूडी के लिए डबल फुटस्टेप, दीवार पंखे, पीसी और सूचना कियोस्क स्थापित किए गए थे। पुस्तकालय अब पूरी तरह से वातानुकूलित और वाई-फाई सक्षम है। छात्रों और शिक्षकों की दैनिक उपस्थिति को अलग-अलग दर्ज करने के लिए प्रवेश रजिस्टर मुख्य प्रवेश द्वार पर रखा जाता है। डेस्कटॉप सुविधा के साथ छात्रों और शिक्षकों के लिए अलग-अलग बैठने की जगह है।

महाविद्यालय के पुस्तकालय में 1,33,585 से अधिक पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। यह पुरानी पुस्तकों का दुर्लभ पुस्तक संग्रह भी है जो अब बाजारों में उपलब्ध नहीं है।

यह 18 समाचार-पत्रों और कई पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है।

विज्ञान विषयों के संग्रह में वनस्पति विज्ञान, जूलॉजी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, इलेक्ट्रॉनिक्स, एंथ्रोपोलॉजी, लाइफ साइंसेज, फिजिकल साइंसेज जैसे विषयों की पुस्तकें शामिल हैं। इसमें वाणिज्य और अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, इतिहास, अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र जैसे मानविकी विषयों के लिए अकादमिक और पूरक ग्रंथों का एक विस्तृत संग्रह भी है।

इन-हाउस संग्रह के अलावा, पुस्तकालय में एन-लिस्ट डेटाबेस के माध्यम से ऑनलाइन हजारों पत्रिकाओं तक पूरी पहुंच है। एन-लिस्ट एक व्यापक डेटाबेस है जहां एन-लिस्ट रामजस महाविद्यालय के उपयोगकर्ता 6000+ राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय के माध्यम से 6000+ ई-जर्नल, 199500 ई-पुस्तकों से अधिक तक पहुंच सकते हैं। इसमें सभी विषयों अर्थात् विशुद्ध विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं और भाषा विज्ञान सहित मानविकी शामिल हैं। पुस्तकालय में दिल्ली विश्वविद्यालय से लेक्स सॉफ्टवेयर की सदस्यता है जो छात्रों को पीडीएफ में ई-पुस्तकों की अनुमति देता है जिसे अध्ययन सामग्री के लिए डाउनलोड किया जा सकता है। प्रिंट विकलांग लोगों के लिए पर्याप्त शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए, पुस्तकालय में ब्रेल पुस्तकों/शब्दकोश और ब्रेल डेस्कटॉप का प्रावधान है।

पहुंच में आसानी सुनिश्चित करने के लिए, नेत्रहीन विकलांग छात्रों को उनके व्याख्यान रिकॉर्ड करने के

लिए रिकॉर्डिंग डिवाइस, एंजेल प्रदान किए जाते हैं। पुस्तकालय में औसत दैनिक उपयोगकर्ता संख्या लगभग 308 है। पुस्तकालय के भविष्य के विस्तार कार्यक्रमों में से एक पुस्तकालय उपयोग के पूर्ण स्वचालन को अद्यतन करना है जो इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा गेट की मदद से स्व-चेक-इन और चेक-आउट को सक्षम करता है।

कुल संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या**:** 229

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 72 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 99.9 करोड़

***

राम लाल आनंद महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

राम लाल आनंद (आरएलए) महाविद्यालय की स्थापना 1964 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील स्वर्गीय श्री राम लाल आनंद द्वारा की गई थी। शुरुआत में इसका प्रबंधन राम लाल आनंद ट्रस्ट द्वारा किया गया था और 1973 में दिल्ली विश्वविद्यालय ने इसे अपने कब्जे में ले लिया और उसके बाद इसे महाविद्यालय के रूप में चलाया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय ने यूजीसी, भारत सरकार से 100% वित्त पोषण के साथ संस्थान का संचालन किया। यह एक बहु-विषयक, सह-शिक्षा संस्थान है जिसमें 2700 से अधिक छात्र मानविकी, वाणिज्य, प्रबंधन और विज्ञान में 14 स्नातक कार्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं। महाविद्यालय कैंपस हरे-भरे लॉन और सुंदर इमारतों के साथ दस एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के बगल में स्थित है और दुर्गाबाई देशमुख, साउथ कैंपस मेट्रो स्टेशन से जुड़ा हुआ है। महाविद्यालय उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के साथ पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम है, जिसमें लैन से जुड़े 40 आईसीटी-सक्षम कक्षाएँ, 10 स्मार्ट कक्षाएँ, मीडिया उत्पादन केंद्र, सांख्यिकी, माइक्रोबायोलॉजी, कंप्यूटर विज्ञान विभागों में अत्याधुनिक सुसज्जित प्रयोगशालाएँ शामिल हैं। वाणिज्य, भूविज्ञान, गणित और हिंदी पत्रकारिता, सेमिनार कक्ष, एम्फीथिएटर, पुस्तकालय, खेल का मैदान और कैफेटेरिया। महाविद्यालय को शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक स्थायी कैंपस के रूप में और दिव्यांग छात्रों के लिए सर्वोत्तम सुविधाओं के लिए दिल्ली के दिव्यांग आयुक्त द्वारा "मॉडल महाविद्यालय" के रूप में मान्यता दी गई है। महाविद्यालय ने अब तक छात्रों के लिए 55 रोजगार-उन्मुख कौशल विकास पाठ्यक्रमों की पेशकश की है। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना महाविद्यालय की सर्वोत्तम प्रथाओं में से एक है। महाविद्यालय सक्रिय रूप से छोटे शोध-परियोजना, ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप कार्यक्रमों को वित्त-पोषित करता है और स्टार्ट-अप की सुविधा प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर "अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क 20201242022" के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम लागू किया, जो छात्रों को जीई, एसईसी, वीएसी, डीएसई पाठ्यक्रम विकल्पों के साथ व्यापक विकल्प प्रदान करता है। शैक्षणिक सत्र 2022-23 के दौरान, 829 छात्रों को स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया और 6 छात्रों को हिंदी में पीजी कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया, जिससे कुल संख्या 2600 हो गई, जिसमें 40% लड़कियां थीं। इसके अलावा, पांच पीएच.डी. छात्रों को संकाय सदस्यों की देखरेख में नामांकित किया गया था। निन्यानवे छात्रों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार संगठनों के तहत छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

आरएलए सामुदायिक रेडियो "तरंग" शुरू करने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय है जो एफएम आवृत्ति 90.0 पर प्रसारित होता है। 10 किलोमीटर के दायरे में फैला अनोखा शैक्षिक और इन्फोटेनमेंट चैनल पूरे देश में एंड्रॉइड ऐप और आई स्टोर ऐप के माध्यम से भी उपलब्ध कराया गया है।

महाविद्यालय ने नौ अतिरिक्त कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों की पेशकश की, जिसमें 450 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया; अनुसंधान और आईपीआर सेल के माध्यम से पेश की गई ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप के माध्यम से 56 छात्र लाभान्वित हुए। दिल्ली विश्वविद्यालय के 100 वर्ष पूरे होने का समारोह मनाने के लिए 100 दिवसीय प्रशिक्षण और कौशल संवर्धन महोत्सव की श्रृंखला में पहली एक सप्ताह की व्यावहारिक कार्यशाला संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार केंद्र (सीआईआईडीआरईटी) के साथ "माइक्रोबायोलॉजी में बुनियादी तकनीकों" पर आयोजित की गई थी।

महाविद्यालय ने 11 संकाय सदस्यों के साथ अपने ऑनसाइट आंतरिक लेखापरीक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूरा करने के साथ शैक्षिक संगठनों (ईओएमएस) के लिए प्रबंधन प्रणाली के लिए आईएसओ 21000-2018 प्रमाणन की प्रक्रिया शुरू की। आर, एनईपी 2020 का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर तीन एफडीपी: उच्च शिक्षा में नए रुझान, बाबासाहेब अम्बेडकर और उनका दूरदर्शी भारत: धारणा से आरंभ तक टीएलसी, रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित किए गए। गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के विशेषज्ञों के साथ 23-24 जून 2022 को "प्रशैक्षणिक हिंदी" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

छात्रों को समझाने के लिए वेरका मिल्क प्लांट, चंडीगढ़ और मोहाली, टीएचएसटीआई (ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट), गांधी संग्रहालय, भारत दर्शन पार्क, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, मनाली, अल्मोडा और आसपास के क्षेत्रों सहित उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों की शैक्षिक यात्राएं आयोजित की गईं। उनके अध्ययन की प्रासंगिकता और अनुप्रयोग तथा उन्हें विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और दृष्टिकोणों से परिचित कराना। सतत विकास के सभी पहलुओं की देखभाल के लिए 6 उपसमितियों के साथ एक स्वच्छता कार्य योजना समिति (कार्यान्वयन और निगरानी) का गठन किया गया। बुनियादी ढांचे के उन्नयन में 62 डेस्कटॉप कंप्यूटर, 10 स्मार्टबोर्ड, नेट अभ्यास के लिए 3 क्रिकेट पिचों के साथ उत्कृष्ट खेल मैदान, टूर्नामेंट के लिए 2 पिच,

फुटबॉल मैदान, वॉलीबॉल मैदान और खो-खो और कबड्डी के लिए एक-एक मैदान; 80 कंप्यूटर इकाइयों की खरीद, योग और गतिविधि कक्ष और एक जिम के साथ दो कंप्यूटर लैब की मंजूरी शामिल है; हर्बल गार्डन का भूदृश्यीकरण एवं संवर्धन किया गया।

सम्मान/गौरव

इतिहास विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रतीक कुमार को अगस्त 2022 के महीने में नेहरू मेमोरियल एंड म्यूजियम पुस्तकालय, तीन मूर्ति द्वारा एनएमएमएल फेलोशिप से सम्मानित किया गया था।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रोफेसर प्रेरणा दीवान को जनवरी 2023 में माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी, भारत द्वारा सत्र 2021-22 के लिए "राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

डॉ. निधि एस चंद्रा को 30 नवंबर 2022 को वीडीगूड प्रोफेशनल एसोसिएशन, भारत द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार मिला।

डॉ. संदीप भट्ट को सत्र 2022-23 के दौरान पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया है।

गौरव प्राप्त छात्र

अभिलाष जीस जॉर्ज, बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी तृतीय वर्ष को विश्वविद्यालय परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के लिए 25 फरवरी 2023 को आयोजित 99वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

सौम्या समृद्धि, बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी तृतीय वर्ष को जेएनसीएएसआर समर रिसर्च फेलोशिप 2022 और एसीबीआर समर अंडरग्रेजुएट रिसर्च फेलोशिप 2022 के लिए चुना गया और आईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित अग्र आर्ट प्रतियोगिता "बायोआर्टिस्ट" में दूसरा स्थान मिला।

अक्षित कोटाच, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित, द्वितीय वर्ष (एन.सी.सी. कैडेट) को 26 जनवरी, 2023 को आरडी कैंप और गणतंत्र दिवस परेड, नई दिल्ली के लिए चुना गया था।

सुमित कुमार सिन्हा, बीएमएस प्रथम वर्ष ने 18-20 नवंबर 2022 तक धनबाद में भारतीय ओलंपिक संघ और जूडो यूनियन ऑफ एशिया द्वारा आयोजित 12वीं झारखंड राज्य जूडो चैंपियनशिप 2022 में रजत पदक जीता।

गौरीप्रिया मेनन, बी.एससी. (ऑनर्स) भूविज्ञान तृतीय वर्ष को यूरोपीय संघ, फ्रांस और स्वीडन से प्रतिष्ठित इरास्मस मुंडस अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति 27 मार्च 2023 प्राप्त हुई।

प्रकाशन

भट, एस., साहा, एस., गर्ग, टी., सहरावत, एच., चोपडे, बी.ए., गुप्ता, वी. (2023)। एमपॉक्स के चुनौतीपूर्ण बहु-देशीय प्रकोप की अंतर्दृष्टि: एक व्यापक समीक्षा। *जे मेड माइक्रोबायोल*, 72(6)।

गुप्ता, आई., बरनवाल, पी., सिंह, जी., गुप्ता, वी. (2023)। म्यूकोर्मिकोसिस, अतीत और वर्तमान: एक व्यापक समीक्षा। *फ्यूचरमाइक्रोबायोलॉजी,* 18, 217-234।

कपूर, एस., सिंह, ए., गुप्ता, वी. (2023)। एसएआरएस- सीओवी -2 आरएनए-निर्भर आरएनए पोलीमरेज़ के खिलाफ संभावित हस्तक्षेप के सिलिको मूल्यांकन। पृथ्वी की भौतिकी और रसायन विज्ञान, 129,103350.निर्भर आरएनए।

दीवान, पी., निर्वाण, एम., बहुगुणा, एम., कुमारी, एस.पी., गुप्ता, आर.के. (2023)। बेटल क्विड चबाने वालों के बीच मौखिक माइक्रोबायोम में परिवर्तन और मौखिक कैंसर से इसके संबंध का मूल्यांकन: प्रोबायोटिक मध्यवर्तन के माध्यम से प्रत्यावर्तन की संभावना। *रोगजनक,* 8(12), 996.

बहुगुणा, एम., हुडा, एस., मोहन, एल., गुप्ता, आर.के., दीवान, पी. (2023)। दिल्ली, भारत की वयस्क पान चबाने वाली आबादी में मौखिक माइक्रोबायोम परिवर्तनों की पहचान करना। *प्लस वन, 1(18*), e0278221.

हुडा, एस., मलिक, जी., सैनी, पी., ग्रेवाल, ए., पांडे, वी.सी. (2023)। ख़राब भूमि को बहाल करने के लिए संभावित बायोसेट के रूप में सायनोबैक्टीरिया। *भूमि क्षरण एवं विकास*, 12(34), 3435-3450.

पंत, आर.आर., बिश्वकर्मा, के., कैंडेल, के., पौडेल, एस., नेपाल, जे., न्यूपेन, बी.बी., सिंह, वी.बी. (2023)। बादीगाड नदी, लघु हिमालय, नेपाल में मौसमी बदलाव और ट्रेस तत्वों का स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन। *एक्टा जियोचिमिका*, 42, 689-703.

कुमारी, आर., सुमन, के., कर्माकर, एस., लाकड़ा, एस.जी., सौरव, जी.के., महतो, बी.के. (2023)। नैनो-प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि-उत्पादों के लिए विनियमन और सुरक्षा उपाय। *फ्रंटियर्स इन जीनोम एडिटिंग*, 5, ई1200987.

जैन, आर., बिष्ट, टी., गुप्ता, एस., दीवान, पी., कुमार, एस. (2023)। भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र का एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन: राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना। *मनुष्य और समाज*, XVIII, 81-110।

जर्नल

आरएलए समाचार। वार्षिक, 1(1), 1-4
संभव. द्विवार्षिक, 16(2), 1-32

शोध-परियोजनाएं

वर्ष 2022-24 में आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'एक्सप्लेनेबल का उपयोग करके एनेस्थीसिया की गहराई का आकलन और निगरानी' नामक परियोजना, रुपए 19.55 लाख।

प्रायोजित परियोजना शीर्षक, 'भारत में दिल्ली-एनसीआर (कोविड-19) में मेट्रो नेटवर्क में बायोएरोसोल की

प्रतिरोधी मेटागेनोमिक प्रोफाइलिंग' आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा 2021-24 की अवधि के लिए 56 लाख रुपये।

प्रायोजितपरियोजना का शीर्षक है, 'आईबीएबी, बेंगलुरु के सहयोग से कोविड-19 मल्टी-ओमिक्स डेटा विश्लेषण के लिए कम्प्यूटेशनल ढांचे का विकास और आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा 2021-23 की अवधि के लिए 28.30 लाख रुपये।

परियोजना का शीर्षक है, 'प्राकृतिक उत्पादों के साथ ईएसकेएपीई रोगजनकों में सिस्टीन बायोसिंथेसिस मार्ग एंजाइमों को रोककर बायोफिल्म निर्माण को लक्षित करना' और 2020-23 की अवधि के लिए आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 24 लाख रुपये।

परियोजना का शीर्षक है, 'उत्तराखंड के ताकुला ब्लॉक, अल्मोडा जिले में पटिया के आसपास ग्राम क्लस्टर के लिए बहुआयामी समर्थन योजनाओं का उपयोग करके सतत विकास के माध्यम से आजीविका के अवसरों में वृद्धि' और इस अवधि के लिए एमओईएफ और सीसी, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन द्वारा प्रायोजित है। 2019-2022, 199 लाख रुपए।

मंजूर/दायर पेटेंट

माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रोफेसर वंदना गुप्ता ने जनवरी 2023 में 30 मार्च 2017 को दायर एक पेटेंट "हेपेटाइटिस सी वायरस के खिलाफ स्क्रीनिंग अवरोधकों की विधि" प्रदान किया, पेटेंट संख्या: 418733

आयोजित संगोष्ठी

'प्रोबायोटिक्स: वर्तमान समझ और भविष्य की संभावनाएं, उत्तरी क्षेत्र के लिए नवजात और बाल स्वास्थ्य में प्रोबायोटिक्स की भूमिका' नामक सेमिनार 12 अप्रैल 2023 को टीएचएसटीआई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भाबातोष दास द्वारा दिया गया था।

12 अप्रैल, 2023 को सेमिनार का शीर्षक था, 'बच्चों में उपभोज्य प्रोबायोटिक तैयारी, उत्तरी क्षेत्र के लिए नवजात और बाल स्वास्थ्य में प्रोबायोटिक्स की भूमिका को शामिल करने वाले प्रीक्लिनिकल/क्लिनिकल अध्ययन की योजना कैसे बनाएं और संचालित करें' पर टीएचएसटीआई से सीडीएसए प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. सुचेता बनर्जी कुरुंदकर ने व्याख्यान दिया।

6 सितंबर 2022 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान स्कूल के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार मिश्रा द्वारा 'ओजोन परत विज्ञान और नीति की गाथा' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

'ब्लॉक-चेन विशेषज्ञ, क्रिप्टोग्राफी: गणित में एक हालिया रुझान' शीर्षक वाला सेमिनार 9 सितंबर 2022 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के प्रोफेसर प्रोफेसर आर.के. शर्मा द्वारा दिया गया था।

3 फरवरी 2023 को संस्थापक सुश्री इंदु पुंज द्वारा 'कहानियां मायने रखती हैं, अपनी खुद की कहानी के

लेखक कैसे बनें' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर प्रेरणा दीवान ने 2-4 फरवरी 2023 को आयोजित एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) के 63वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "टिकाऊ जीवमंडल के लिए माइक्रोबियल प्रौद्योगिकियों" में 'कुशल वायु नमूनाकरण और मेटागेनोमिक डीएनए निष्कर्षण के लिए एक रणनीति' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। रोहतक, भारत।

प्रोफेसर प्रेरणा दीवान ने एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) के 63वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सतत जीवमंडल के लिए माइक्रोबियल प्रौद्योगिकियों' में 'सामुदायिक विशेषताओं और प्रतिरोध जीन प्रदर्शनों की सूची का आकलन करने के लिए शहरी एसटीपी से पानी का संपूर्ण मेटागेनोम अनुक्रमण आधारित विश्लेषण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। ”2-4 फरवरी 2023 को रोहतक, भारत में आयोजित किया गया।

प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) के 63वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मेटागेनोमिक्स दृष्टिकोण के माध्यम से सरकारी अस्पतालों के ओपीडी में वायु माइक्रोबायोम की मैपिंग: प्रतिरोध पर एक विशेष जोर' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। बायोस्फीयर” 2-4 फरवरी 2023 को रोहतक, भारत में आयोजित किया गया।

भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट महाविद्यालय द्वारा आयोजित विश्व गुरु भारत: समकालीन दुनिया के लिए मध्यवर्तन और नवाचार के विकास में भारतीय ज्ञान का उपयोग के दौरान डॉ. वंदना गुप्ता ने 'विकास और स्थिरता: हमारे नवाचार' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 13-14 दिसंबर 2022 को दिल्ली प्रांत और आईसीएसएसआर दिल्ली।

डॉ. निधि एस. चंद्रा ने 63वें वार्षिक एएमआई सम्मेलन के दौरान "स्थायी बायोस्फर माइक्रोबियो टेक-2023 के लिए माइक्रोबियल टेक्नोलॉजीज" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, 'एस्चेरिचिया कोली और स्टैफिलोकोकस ऑरियस के खिलाफ मेथनॉल में राउवोल्फिया सर्पेंटिना के अर्क की इन विट्रो रोगाणुरोधी गतिविधि की स्क्रीनिंग'। एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट (एएमआई) इंडिया एमडीयू रोहतक, हरियाणा द्वारा 2-4 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया।

वार्षिक एएमआई सम्मेलन के दौरान डॉ. शालिनी स्वामी ने 'डेल्टा वेरिएंट (बी.1.617.2) के एसएआरएस सीओवी -2 रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन के खिलाफ संभावित मध्यवर्तन के लिए सिलिको चिकित्सीय दृष्टिकोण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था "टिकाऊ बायोस्फर माइक्रोबियो के लिए माइक्रोबियल टेक्नोलॉजीज"। एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट (एएमआई) इंडिया एमडीयू रोहतक, हरियाणा द्वारा 2-4 फरवरी 2023 को टेक-2023' का आयोजन किया गया।

सुश्री शिखा वर्मा ने वर्सेल्स विश्वविद्यालय-पेरिस सैकले, फ्रांस और यूपीईएस द्वारा आयोजित सम्मेलन में

'मशीन लर्निंग तकनीक प्रस्तुति मशीन इंटेलिजेंस और डेटा विज्ञान अनुप्रयोगों (एमआईडीएएस-2022) का उपयोग करके मेडिकल इमेजिंग डेटा के वर्गीकरण के लिए हाइब्रिड दृष्टिकोण' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। देहरादून 7 दिसंबर 2022.

डॉ. प्रभास के. पांडे ने 2-3 दिसंबर 2022 को उत्तराखंड के अल्मोडा में राम लाल आनंद महाविद्यालय द्वारा सतत भू-पर्यटन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'हिमालय में भू-विरासत और भू-विविधता को संरक्षित करें' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. लेम्मी-वोन ज़िमिक ने 2-3 दिसंबर 2022 को उत्तराखंड के अल्मोडा में राम लाल आनंद महाविद्यालय द्वारा सतत भू-पर्यटन पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिमालय में उखरुल जिला: भू-पर्यटन के लिए एक आशाजनक स्थान' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रभास के. पांडे ने सांची-बौद्ध यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिक स्टडीज, माधव निधि और अखिल भारतीय इतिहास संकलन द्वारा आयोजित इतिहास पाठ्यक्रम: हालिया परिप्रेक्ष्य और चुनौतियां विषय पर कार्यशाला के दौरान 'पाठ्यचर्या के माध्यम से सक्रियता: एनसीईआरटी का एक केस अध्ययन' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। साँची 6-7 मई 2022.

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

27 जनवरी 2022 को लाडली फाउंडेशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

2 फरवरी 2022 को सत्व-द सस्टेनेबल इनिशिएटिव सस्टेनेबल ट्रस्ट ऑफ इंडिया (बैठना) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

7 दिसंबर 2021 को टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. अंबेडकर चेयर इन सोशल जस्टिस, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

वर्चुअल लैब, आईआईटी दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन जारी रहा।

साइंस सेतु के तहत ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) के साथ समझौता-ज्ञापन जारी रहा।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय का विज्ञान प्रसार; पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी), रामानुजन महाविद्यालय (पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत); जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेआईआईटी; स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत; संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस; सेंट एडमंड्स महाविद्यालय शिलांग, मेघालय; आईसीटी अकादमी; साइंस सेतु के तहत ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई); विज्ञान सेतु के तहत राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (एनआईपीजीआर); कैलीक्सपोड; वर्चुअल लैब्स (आईआईटी दिल्ली); अमर उजाला प्रकाशन लिमिटेड;

विकलांगों का परिवार (एफओडी); मोलिटिक्स; सामाजिक न्याय में डॉ. अम्बेडकर चेयर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान; स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज (एससी एंड एसएस), जेएनयू के साथ सहयोग है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

माइलस्टोन 3.0 (नियोजन और इंटर्नशिप मेला, आरएलएसी) के माध्यम से 70 छात्रों को इंटर्नशिप मिली; 15 विद्यार्थियों को मिला नियोजन; दो एन.सी.सी. कैडेट अभिमन्यु सिंह और चिराग शर्मा को सेना में कमीशनिंग के लिए चुना गया।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 25

एनआईआईटी, एक्सिस बैंक, स्टबॉर्न फैक्ट्री, लीनिंग रूट्स, लीडिंग सॉल्यूशन, डेटाविन्सी आदि।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तहत 13 से 17 जुलाई 2022 तक एक सप्ताह की व्यावहारिक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यशाला "माइक्रोबियल विविधता की खोज और पहचान" आयोजित की गई। बी.एससी. के पच्चीस छात्र। (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर ने कार्यशाला पूरी की।

डीबीटी स्टार योजना के तहत माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा 9 सितंबर 2022 को ए.पी.जे. स्कूल के कक्षा 8वीं के छात्रों के लिए "जर्नी टू द माइक्रोबियल दायरे" नामक एक आउटरीच कार्यशाला आयोजित की गई थी। पांच शिक्षकों ने कार्यशाला का संचालन किया और चार छात्रों ने 120 से अधिक स्कूली छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए स्वेच्छा से काम किया।

स्पिक मैके आरएलए चैप्टर के तहत, अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 4 दिनों की कांगड़ा लघु चित्रकला कार्यशाला, स्पिक मैके की रेंडेज़वस श्रृंखला के तहत पंडित प्रदीप बारोट (सरोद) का संगीत कार्यक्रम और पंडित विश्व मोहन भट्ट द्वारा मोहन वीणा गायन और कव्वाली संगीत कार्यक्रम शामिल थे। 22-23 मार्च 2023 को आयोजित दो दिवसीय महाविद्यालय उत्सव के दौरान हसनैन निज़ामी कव्वाली समूह।

डीबीटी स्टार योजना के तहत 11 अक्तूबर 2022 को रामजस इंटरनेशनल स्कूल के 11वीं कक्षा के 20 छात्रों और शिक्षकों के लिए "सूक्ष्मजीव कैसे दिखते हैं, बढ़ते हैं और दोहराते हैं" शीर्षक से एक आउटरीच कार्यशाला आयोजित की गई थी।

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तहत 02 नवंबर 2022 को दरबारी लाल डी.ए.वी. स्कूल के कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए "सूक्ष्मजीव कैसे दिखते हैं, बढ़ते हैं और दोहराते हैं" शीर्षक से एक आउटरीच कार्यशाला आयोजित की गई थी जिसमें 33 छात्रों और एक शिक्षक ने भाग लिया था।

17 जनवरी 2023 को, सेंट एडमंड महाविद्यालय, शिलांग, मेघालय से 19 छात्रों और 2 संकाय सदस्यों ने महाविद्यालय का दौरा किया। उन्हें माइक्रोबायोलॉजी लैब में छोटे पैमाने पर किण्वक, स्ट्रीक प्लेट तकनीक, कॉलोनी काउंटर और एनारोबिक गैस पाक सिस्टम दिखाया गया। फिर उन्होंने भूविज्ञान प्रयोगशाला का दौरा किया और भूविज्ञान प्रयोगशाला में माइक्रोस्कोप के नीचे देखी गई क्रिस्टल संरचनाओं और चट्टान

के नमूनों से मंत्रमुग्ध हो गए।

झुग्गीवासियों के लिए अनेक साक्षरता कार्यशालाएँ, आत्मरक्षा शिविर, रक्तदान शिविर, स्वच्छता शिविर, अपशिष्ट पृथक्करण, ई-कचरा प्रबंधन, वंचित लड़कियों को बड़े पैमाने पर गोद लेना, स्वच्छता अभियान और हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आदि विभिन्न एन.एस.एस. सोसाएटी के तहत आयोजित किए गए थे।.

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 11,091,98/- रुपये के कुल व्यय से कुल 1338 पुस्तकें (पाठ्य एवं संदर्भ) खरीदी गईं। जरूरतमंद छात्रों के लिए बुक बैंक सुविधा विकसित की गई है, जिन्हें पूरे सेमेस्टर के लिए मुख्य पाठ्यक्रमों के लिए पुस्तकों का सेट दिया जाएगा।

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 90

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 336400000/-
उपयोगित अनुदान: रुपए 321951258/-

***

सत्यवती महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

सत्यवती महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है। इसकी स्थापना 1972 में दिल्ली सरकार द्वारा की गई थी। महाविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, स्वामी श्रद्धानंद की पोती, बेहेन (बहन) सत्यवती के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, जय प्रकाश नारायण और सरोजिनी नायडू जैसे नेताओं के साथ मिलकर काम किया था। उन्होंने 39 वर्ष की उम्र में अपनी मृत्यु तक गरीबी, अज्ञानता और सांप्रदायिकता को जड़ से उखाड़ने के लिए निरंतर मेहनत की। उनके उत्साह और दृढ़ संकल्प के लिए महात्मा गांधी द्वारा उन्हें तूफानी बहन (तूफानी बहन) नाम दिया गया था। सत्यवती देवी दिल्ली की एक उत्साही स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्होंने बड़ी संख्या में महिलाओं को सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राष्ट्रीय मुक्ति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और महिलाओं की स्वतंत्रता के प्रति उनका समर्पण विस्मयकारी है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनके भाषण और अवज्ञा के कार्य महाविद्यालय की भावना का प्रतीक हैं।

दिल्ली सरकार द्वारा संचालित सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध एक अत्यधिक सम्मानित ऑफ-कैंपस संस्थान है। महाविद्यालय अशोक विहार, उत्तरी दिल्ली के केंद्र में स्थित है, और 10 एकड़ में फैले विशाल परिसर में स्थित है। महाविद्यालय सह-शैक्षिक है और विविध सामाजिक पृष्ठभूमि के छात्रों से अपील करता है। कुल ग्यारह विभाग और कई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक

उपलब्धियों के अलावा, हमारे छात्र पाठ्येतर गतिविधियों में असाधारण सफलता भी प्रदर्शित करते हैं। महाविद्यालय विभिन्न सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देता है, जिससे उनके बीच सकारात्मक चर्चा होती है।

यह महाविद्यालय अपने शानदार, अत्याधुनिक डॉ. के.पी. भट्ट सत्य ऑडिटोरियम का भी गौरव रखता है, जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय के बेहतरीन ऑडिटोरियम में से एक माना जाता है। विशाल थिएटर शिक्षा, कला और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के क्षेत्र में घटनाओं को समायोजित करने में सक्षम है। महाविद्यालय ने छात्रों को खेलों में सफल होने और उनके समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए एक अलग भवन में एक व्यापक खेल विभाग की स्थापना की है। इसके अतिरिक्त, यह दिव्यांग व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करता है। महाविद्यालय में एक समकालीन और सुसज्जित सेमिनार कक्ष, एक कंप्यूटर प्रयोगशाला और एक पूरी तरह से स्वचालित और वातानुकूलित डॉ. हलदर मेमोरियल पुस्तकालय है जिसमें पुस्तकों और जर्नल की एक विस्तृत श्रृंखला है। अतिरिक्त सुविधाओं में एक सेमिनार कक्ष, कैंटीन, बैंक, फोटोकॉपियर और बहुत कुछ शामिल हैं। महाविद्यालय छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए पूरे कैंपस में वायरलेस इंटरनेट एक्सेस प्रदान करता है। अनेक छात्र-केंद्रित संगठन, जिनमें विभाग-आधारित क्लब और कला और संस्कृति, वाद-विवाद, नाटकीयता, फिल्म और फोटोग्राफी, एन.एस.एस., एन.सी.सी. और नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी जैसे संगठन शामिल हैं, महाविद्यालय को समृद्ध करते हैं। ये समाज सामूहिक रूप से हमारे छात्रों के लिए एक जीवंत और गतिशील वातावरण बनाते हैं। महाविद्यालय का लक्ष्य गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से छात्रों के बीच रचनात्मक और महत्त्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करना है। शिक्षकों का एक प्रतिबद्ध समूह विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में सक्रिय रूप से प्रयास करता है, जिससे उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाया जाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को अपने दूसरे चक्र के दौरान एनएएसी से ए+ मान्यता प्राप्त हुई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सहायक प्रोफेसर (एएल-12) के रैंक से एसोसिएट प्रोफेसर (एएल -13ए) तक आठ शिक्षकों की पदोन्नति सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए महाविद्यालय परिसर में 10 वाटर कूलर की स्थापना का अधिग्रहण और कार्यान्वयन किया। विभिन्न अवसरों पर अतिथि संकाय नियुक्तियां की गईं।

कई शोध पहल की गई हैं और अनुमोदन प्राप्त किया गया है। सेमिनारों और सम्मेलनों की एक विविध श्रेणी का समन्वय किया। महाविद्यालय ने एक वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया है और संदीप सूरी क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी की हैकई शोध पहल की गई हैं और अनुमोदन प्राप्त किया गया है। सेमिनारों

और सम्मेलनों की एक विविध श्रेणी का समन्वय किया। महाविद्यालय ने एक वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया है और संदीप सूरी क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी की है।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के नीलेश कुमार ने 9.784 सीजीपीए स्कोर किया।
बी.कॉम. की तन्नु कुमारी और पल्लवी (पी) तृतीय वर्ष ने 9.41 सीजीपीए स्कोर किया।
बी.कॉम. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की भव्या अग्रवाल ने 9.41 सीजीपीए स्कोर किया।
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, तृतीय वर्ष के हर्ष वर्धन ने 9.25 सीजीपीए स्कोर किया।
बी.कॉम (ऑनर्स) की भाव्या अग्रवाल ने 9.18 सीजीपीए स्कोर किया।

प्रकाशन

सिंह, आर. (2022)। कशेरुकियों में लेप्टिन और लेप्टिन रिसेप्टर का प्रक्षेप पथ: संरचना, कार्य और उनका विनियमन। *तुलनात्मक जैव रसायन और शरीर विज्ञान भाग बी: जैव रसायन और आणविक।* 257: 110652.

जैन, के. (2022)। बड़ी गिरावट: कोविड-19 बनाम वैश्विक वित्तीय संकट (08-09) भारतीय एमएसएमई पर प्रभाव। *जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी.* 6(2): 2571-2584.

गोस्वामी, ए. (2022)। पोर्टफोलियो अनुकूलन में निवेशक का मनोविज्ञान: एक लक्ष्य प्रोग्रामिंग। *जर्नल ऑफ़ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी.* 6(6): 2369-2382.

समाजवादी बाजार अर्थव्यवस्था का एक सैद्धांतिक विचार। *अंतर्राष्ट्रीय आलोचनात्मक विचार.* 12(2): 287-304.

शरतचंद, सी. (2022)। भारतीय कृषि में कॉर्पोरेट अतिक्रमण के विरुद्ध संघर्ष। *पूंजी एवं वर्ग.* 46(2): 159-165.

राम, आर. (2022)। बियॉन्ड द मार्केट: द क्वेस्ट फॉर सर्वाइवेबिलिटी ऑफ इनफॉर्मल वर्करुपे *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग।*7: 659-667.

कुमार, आर. (2022)। ग्रामीण राजस्थान में उपभोक्ता खरीदारी व्यवहार का विश्लेषण करने के लिए ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शॉपिंग: एक अनुभवजन्य अध्ययन। *मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल.*7(1): 7026-7031.

उपाध्याय, ए. (2022)। विला कैथर के ओ'पायनियर्स और माई एंटोनिया में अग्रणी के रूप में महिलाएं। *रचनात्मक अनुसंधान विचारों का अंतर्राष्ट्रीयजर्नल।*12(10): 847-853.

बत्रा, एल. और तनेजा, एच.सी. (2022)। वित्तीय बाज़ारों का आकलन करने के लिए सूचना सैद्धांतिक

उपायों के बीच तुलना। *फिनटेक*। 1(2): 137-154.

शोध-परियोजनाएं

आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "मीडिया और हाशिए पर: हाशिये पर पड़े वर्ग के लिए इंटरनेट युग का एक अध्ययन"। 5 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. स्वदेश सिंह (राजनीति विज्ञान विभाग)।

आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले परिवारों की बचत और निवेश पैटर्न का एक अनुभवजन्य विश्लेषण"। 4 लाख रुपये की स्वीकृत राशि पीआई: डॉ. आशुतोष गोस्वामी (वाणिज्य विभाग)।

आईसीएमआर द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "मानव मोनोसाइटिक सेल लाइन (टीएचपी-1) में गैर-आयोनाइजिंग लेक्ट्रोमैग्नेटिक विकिरण द्वारा शामिल अंतर्निहित तंत्र जीनोटॉक्सिसिटी"। स्वीकृत राशि 1 करोड़ चौदह लाख अड़तालीस हजार रूपये। पीआई: डॉ. राजीव सिंह (पर्यावरण अध्ययन विभाग)।

आईसीएमआर द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, "मानव डिम्बग्रंथि ग्रैनुलोसा सेल (सीओवी 424) के विकास और गैर-आयनीकरण विद्युत-चुंबकीय विकिरण द्वारा प्रेरित अंतःस्रावी कार्यों का मॉड्यूलेशन"। 1 करोड़ दस लाख छियासी हजार रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. राजीव सिंह (पर्यावरण अध्ययन विभाग)।

आयोजित संगोष्ठी

डीएसई में वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर, प्रोफेसर मदन लाल द्वारा 'जीवन के अर्थ की खोज' शीर्षक से सेमिनार 2 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया।

13 अक्तूबर 2022 को एमडीएई के अकादमिक निदेशक डॉ. अमलेश कानेकर द्वारा 'डेटा साइंस में आजीविका, डेटा साइंस के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं वाले छात्रों को शिक्षित करने के लिए' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. अरुण कुमार, इतिहास के सहायक प्रोफेसर, नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यूके द्वारा 5 सितंबर 2022 को आयोजित संगोष्ठी जिसका शीर्षक है, 'डू नाइट्स हैव हिस्ट्री'.5 सितंबर 2022 को यूके के नॉटिंघम विश्वविद्यालय में इतिहास के सहायक प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार द्वारा 'डू नाइट्स हैव हिस्ट्री' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

21 फरवरी 2023 को वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर गिश्रीश नाथ झा द्वारा 'संस्कृत की कहानी' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

22 फरवरी 2023 को प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, डीडीयू के प्रो. हिमांशु रॉय द्वारा 'इंडिक पर्सपेक्टिव के माध्यम से अनुसंधान पद्धति' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

25 मार्च 2023 को मेवाड़ के महाराणा के लेखक, स्तंभकार, सामाजिक विकास केंद्र के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र रत्नू द्वारा 'मध्यकालीन भारत के महानतम हिंदू राजा का सत्य' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 16 अंतर-संस्थागत सहयोग किये गये।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के नियोजित छात्रों की संख्या: 6

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 36

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 120 से अधिक के बैठने की पर्याप्त क्षमता है और विशेष रूप से संकाय सदस्यों के लिए एक समर्पित क्षेत्र भी है। संग्रह में वर्तमान में अठहत्तर हजार से अधिक आइटम हैं और नए अधिग्रहणों के साथ सालाना विस्तार जारी है। पुस्तकालय में पुस्तकों, विश्वकोषों, शब्दकोशों, एटलस और वार्षिक पुस्तकों सहित संदर्भ सामग्रियों का एक उल्लेखनीय वर्गीकरण है। पुस्तकालय में कुल मिलाकर 25 समाचार-पत्रों और 20 जर्नल की सदस्यता है। संस्थान इंटरनेट एक्सेस और शैक्षिक संसाधनों से सुसज्जित कंप्यूटर सिस्टम प्रदान करता है, जिसमें ब्रेल पठन सामग्री भी शामिल है, जो विशेष रूप से हमारे दिव्यांग छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा, यह एलसीडी परियोजनार और कंप्यूटर केबिन जैसे वर्तमान शिक्षण और अध्ययन के उपकरणों से भी सुसज्जित है। यह पुस्तकालय ग्राहकों को दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सब्सक्राइब किए गए प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करती है। पुस्तकालय दो रीडिंग हॉल से सुसज्जित है, एक छात्रों के लिए और दूसरा शिक्षकों के लिए। पुस्तकों तक उपयोगकर्ता की सुविधाजनक पहुंच की सुविधा के लिए ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) लागू किया गया है।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 80859

अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 25

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या:134

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 50.67 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 56.16 करोड़

***

सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए, अनेक शिक्षकों ने भारत और विदेशों में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक और विद्वान सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग लिया और शोध-पत्र प्रस्तुत किए हैं। उनमें से कुछ ने अकादमिक लेखों और पुस्तकों का लेखन और/या सह-लेखन भी किया है।

महाविद्यालय के शैक्षणिक परिणामों ने निरंतर उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है और विभिन्न विभागों में अनेक छात्रों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों और विषयों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं।

महाविद्यालय ने खेल, एन.सी.सी., नाटक और वाद-विवाद जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है। महाविद्यालय ने जूडो और भारोत्तोलन में उत्कृष्टता के मानक स्थापित किए हैं। हमारे छात्रों ने कुश्ती, भारोत्तोलन, बॉडी बिल्डिंग, कबड्डी, तीरंदाजी और जूडो में अंतर-विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

एन.सी.सी. यूनिट ने कैडेटों को गणतंत्र दिवस शिविर, प्रधानमंत्री रैली (2023), अमर जवान ज्योति शिविर (इंडिया गेट), पैरा सेलिंग और पैरा स्लाइदरिंग शिविर आदि सहित महत्त्वपूर्ण अखिल भारतीय शिविरों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए हैं।

गौरव प्राप्त छात्र:

पीएम रैली कल्चर में कैडेट सुप्रीत कुमार झा, कैडेट भरत सिंह कोशियारी, कैडेट जय कुमार, कैडेट अभिषेक यादव और सीडीटी आकाश ने भाग लिया।

प्रकाशन:

मित्तल, पी. (**2023)** कोविड-**19** महामारी युग के दौरान ई-लर्निंग की तैयारी और चुनौतियाँ: प्रायद्वीपीय मलेशिया में एक अंतरिक्ष विश्लेषण। **पर्यावरण अनुसंधान और सार्वजनिक स्वास्थ्य अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।20(2): 905.**

मित्तल, पी. (**2022)** उच्च शिक्षा के छात्रों में रोजगार कौशल बढ़ाने के लिए ऑनलाइन लर्निंग: लर्निंग एनालिटिक्स की मध्यस्थता भूमिका। **टीईएमजर्नल।11(4): 1469-1476.**

रंजन, एस. (**2022)** एग्रीप्रेन्योरशिप एडवांसमेंट क्रिएटिंग लिविंग फॉर इंडिजिनस यूथ: प्रतिबंध और समाधान। सीबोल्डरिपोर्ट।**17(8): 468-485.**

सिंह, बी., कौशिक, ए. (**2022)** हरित शहरी योजना के लिए वायु प्रदूषण सहनशीलता-सह-प्रदर्शन के लिए दिल्ली, भारत के यातायात क्षेत्र के किनारों में कुछ वृक्ष प्रजातियों की उपयुक्तता का आकलन। भूगोल, भूविज्ञान और पर्यावरण अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।**4(2):** 122-134.

अशोक, ए., एन. नेगी (**2023)** लेखक का प्रश्न: रोलैंड बार्थ की 'द डेथ ऑफ द ऑथर' और मिशेल फौकॉल्ट की 'व्हाट इज एन ऑथर**?**' के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। बहुसांस्कृतिक साहित्य अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। **13(1): 75.**

तारिका (**2022)** गांधी के नक्शेकदम पर: इतिहास के माध्यम से भारतीय नारीवादी लेखकों का विद्रोह'। बहुसांस्कृतिक साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।**12(2):103.**

अनामिका (**2023)**। त्रिन धारी ओट. वाणी प्रकाशन: नई दिल्ली**.**

अनामिका (**2022)**। बैंड रास्तों का सफ़र. राजकमल प्रकाशन: नई दिल्ली.

गुप्ता, खुशबू (**2023)**। संपादित पुस्तक इंडियन थॉट्स ऑन फेमिनिज्म में राजनीतिक क्षेत्र में भारतीय महिलाएं अध्याय। भारतीय ज्ञान में अनुसंधान: नई दिल्ली आईएसबीएन:978-81-955489-2-7.

शोध-परियोजनाएं

आईसीएसएसआर द्वारा वित्त-पोषित परियोजना का शीर्षक है, 'स्वच्छ भारत अभियान में छात्र समुदाय की भागीदारी की पहल: उच्च शिक्षा संस्थानों में पर्यावरण और स्थिरता अभियान। पीआई: प्रो. प्रभात मित्तल (वाणिज्य विभाग)।

आयोजित संगोष्ठी

9 नवंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर शालीन जैन द्वारा 'प्रतिरोध के स्वरूप और मुगल राज्य' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

22 फरवरी 2023 को इतिहास विभाग द्वारा प्रोफेसर सलिल मिश्रा, अंबेडकर विश्वविद्यालय और प्रोफेसर अजीत झा, सत्यवती महाविद्यालय द्वारा 'गांधीवादी राष्ट्रवाद की बौद्धिक नींव: प्रारंभिक मध्यवर्तन' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

15 फरवरी 2023 को राइज फाउंडेशन के सहयोग से पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित द राइज फाउंडेशन, नई दिल्ली के संस्थापक श्री मधुकर वार्ष्णेय और माधुरी वार्ष्णेय द्वारा 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन' पर कार्यशाला आयोजित की गई।

5 मार्च 2022 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा डॉ. इंदु चौधरी द्वारा 'डेटा विश्लेषण के संदर्भ में केंद्रीय बजट-2022 को समझना' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

10 मार्च 2023 को जेंडर चैंपियंस यूनिट, सत्यवती महाविद्यालय (ई) द्वारा आयोजित एफआईएफई, नई दिल्ली की सह-संस्थापक सुश्री शुभिका द्वारा 'लैंगिक समानता' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

17 मार्च 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'सुभाष चंद्र बोस: द मिस्ट्री' शीर्षक वाली फिल्म पर

पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

नीरजा सिंह ने **8-9** नवंबर **2022** तक रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली, यूपी द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश इतिहास कांग्रेस में 'आधुनिक भारत सत्र' का अध्यक्षीय भाषण दिया।

नीरजा सिंह ने **16** दिसंबर **2022** को सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला, आजादी का अमृत महोत्सव के तहत संस्कृति मंत्रालय द्वारा एनएमएमएल, तीन मूर्ति, नई दिल्ली में 'सरदार पटेल: उभरते राष्ट्र और राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियां' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

दुर्गेश वर्मा ने **14-16** मार्च **2023** तक आईआईपीए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में राजनीतिक दलों और पार्टी प्रणाली के बदलते रुझान" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

लविशा वर्मा ने **2-3** फरवरी **2023** को दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सार्वजनिक सुविधा केंद्र: एक नृवंशविज्ञान परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन : लागू नहीं

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 50

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 4

कैंपस में आने वाली कंपनियों में फ्यूचर बडी, कॉर्पोरेट सर्विस एम्प्लॉयमेंट, आरटीएस मैनपावर केसी ग्लोबएड और माई वेज़ शामिल थीं।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय के अपने संग्रह में विभिन्न विषयों पर 2200 नई पुस्तकें शामिल की हैं। पुस्तकालय विभिन्न विषयों की छह जर्नल की सदस्यता लेता है, दृष्टिबाधित छात्रों के लिए एक पत्रिका (रिलायंस दृष्टि), बाईस पत्रिकाएँ और तेईस समाचार पत्र। दृष्टिबाधित छात्रों को परेशानी मुक्त पहुंच प्रदान करने के लिए पुस्तकालय ने इंडो-एनवीडी सॉफ्टवेयर स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर की भी सदस्यता ली है। 10 भाषाओं में 14 आवाजों के साथ)। पुस्तकालय एन-लिस्ट कार्यक्रम का भी सदस्य है। महाविद्यालयों तक चयनित ई-संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने के लिए कार्यक्रम को एनएमईआईसीटी के तहत एमएचआरडी द्वारा वित्त-पोषित किया गया है। यह वर्ष 2014 से यूजीसी द्वारा वित्त-पोषित होने वाले महाविद्यालय घटक के रूप में यूजीसी-इन्फोनेट-डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम के अंतर्गत शामिल हो गया है। पुस्तकालय उपलब्ध संग्रह के लिए उपयोगकर्ताओं को खुली पहुंच सुविधा और ओपेक सुविधा प्रदान करता है। इसने नियत तारीख के बाद पुस्तकें लौटाने पर ऑनलाइन जुर्माना भरने की Paytm सुविधा भी शुरू की है। हाल ही में

पुस्तकालय ने उपयोगकर्ताओं के लिए एक नया जर्नल और पत्रिका अनुभाग खोला है, जहां वे पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए समाचार पत्र, पत्रिकाएं और जर्नल पढ़ सकते हैं। छात्रों और शिक्षकों के बीच आसान प्रसार के लिए पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र भी डिजिटल रूप में उपलब्ध कराए गए हैं।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 83456
अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 28

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 125

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 30.06 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 30.84 करोड़

***

मुक्त शिक्षा विद्यालय

संक्षिप्त विवरण

मुक्त शिक्षा विद्यालय [मुक्त शिक्षा विद्यालय कैंपस का एक हिस्सा] जिसे पहले पत्राचार पाठ्यक्रम और सतत शिक्षा विद्यालय के नाम से जाना जाता था। 1962 में दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत स्थापित, भारत में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। विद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित मानदंडों द्वारा शासित होती है। परीक्षा भी दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय, विद्यालय के छात्रों को डिग्री प्रदान करता है जैसा कि वह अपने अन्य घटक महाविद्यालयों के मामले में करता है। मुक्त शिक्षा विद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य घटक महाविद्यालयों और विभागों द्वारा अपनाए जाने वाले पाठ्यक्रम में कोई भेदभाव नहीं है। बड़ी संख्या में छात्रों तक पहुंचने के प्रयास में विद्यालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के पूर्वी और पश्चिमी हिस्से में अध्ययन केंद्र खोलने की प्रक्रिया में है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के मुक्त शिक्षा विद्यालय (एसओएल) ने सफलतापूर्वक अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय ने सेवानिवृत्त शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और पिछले पांच वर्षों के 170 टॉपर्स को पुरस्कृत किया, स्कूल ने वर्ष 2022-23 के दौरान छह नए कार्यक्रम शुरू किए, अर्थात् एमबीए, बीबीए, बीएमएस, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, बी.लिब. और एम.लिब. दिल्ली विश्वविद्यालय के मुक्त शिक्षा विद्यालय के दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग ने नए पाठ्यक्रमों के लिए ई-कंटेंट, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान तैयार किए।

गौरव प्राप्त छात्र

एम.ए. पॉलिटिकल साइंस की स्वीटी टॉपर रहीं।

आयोजित संगोष्ठी

11 मई 2022 को सेमिनार शीर्षक, 'रूस-यूक्रेन संकट का एक राजनीतिक विश्लेषण', प्रो. अर्तुर डेमचुक, तुलनात्मक राजनीति विभाग के प्रमुख, राजनीति विज्ञान संकाय, मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस, भारत द्वारा आयोजित किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव 75 वर्ष का समारोह मना रहा है।

12वीं सदी में भारत की आजादी के 75 वर्ष और श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती का समारोह मनाते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रोफेसर पायल मागो ने '21वीं सदी में श्री अरबिंदो के शिक्षा दर्शन को फिर से देखना' शीर्षक से सेमिनार आयोजित किया जुलाई 2022।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 280

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 16

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

शोध-परियोजनाएं.ओपन लर्निंग डेवलपमेंट सेंटर ने न केवल हमारे विश्वविद्यालय के अंदर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और प्रगति करने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में सेवा करने के लिए ईटी-लैब की शुरुआत की। ईटी-लैब के मुख्य कार्य हैं: निर्देशात्मक संसाधन डिजाइन, एवी उपकरण का प्रावधान और रखरखाव, वीडियो और कंप्यूटर आधारित शैक्षिक पैकेज, संकाय और व्यावसायिक प्रशिक्षण, संकाय चयन साक्षात्कार और बैठकों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, ई-लर्निंग और एमओओसी, प्रायोजित और शोध।

पुस्तकालय विकास

एसओएल पुस्तकालय एक ज्ञान संसाधन केंद्र है जिसमें एसओएल के पाठ्यक्रमों के विषयों से संबंधित प्रिंट और डिजिटल संसाधन हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान, एसओएल ने 6740 महत्त्वपूर्ण पुस्तकें जोड़ीं और नए जर्नल और न्यूज़लेटर की सदस्यता ली। एसओएल ने 2 नई पुस्तकालय अर्थात वेस्ट रीजनल सेंटर एंड पुस्तकालय और ओएलडीसी विकसित कीं।

पुस्तकालय ओएलडीसी डिजिटल सामग्री को संरक्षित और उपलब्ध कराती है। इसका लक्ष्य पुस्तकालय विज्ञान अनुसंधान, सामग्री विकास, शिक्षा और नवीन प्रौद्योगिकी और आकर्षक कार्यक्रम को बढ़ावा देना है। यह रिपोर्ट महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों, कठिनाइयों और भविष्य को कवर करती है। ओएलडीसीने इस क्षेत्र में शैक्षणिक संसाधनों को बढ़ाते हुए पुस्तकालय में 396 दुर्लभ और महत्त्वपूर्ण पुस्तकें जोड़ीं। सभी दुर्लभ और नाजुक सामग्रियों को ऑनलाइन पुस्तकालय डिस्कवरी कैटलॉग (ओएलडीसी) में उपलब्ध कराने के लिए आरएफआईडी-टैग किया गया।

प्रौद्योगिकी को बढ़ाने के लिए, ओएलडीसी ने अत्याधुनिक कंप्यूटर सिस्टम लागू किया जो डिजिटल यूनिवर्सिटी पुस्तकालय सिस्टम (डीयूएलएस) इलेक्ट्रॉनिक जर्नल और डेटाबेस तक आसान पहुंच की अनुमति

देता है, जिससे अकादमिक समुदाय के अनुसंधान विकल्पों को बढ़ावा मिलता है। पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली, कोहा को सेवाओं को सुव्यवस्थित और बेहतर बनाने के लिए उन्नत किया गया था। इस अपग्रेड ने ओपेक खोजों को तेज़ कर दिया है और सर्कुलेशन सेवाओं में सुधार किया है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या:17
अस्थायी संकाय की कुल संख्या:1
तदर्थ संकाय की कुल संख्या:19

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

1997-98 के बाद से यूजीसी से कोई अनुदान नहीं मिला है।

***

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, जिसका नाम भारत के महान सपूत शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह के नाम पर रखा गया था, 1967 में एक सहशिक्षा महाविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया था और यह दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक महाविद्यालय के रूप में कार्य करता है। इसने 09 वर्ष के रिकॉर्ड न्यूनतम समय में स्नातकोत्तर का दर्जा प्राप्त किया। महाविद्यालय को एक कुशल संकाय होने पर गर्व है। यह महाविद्यालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय, सेमिनार कक्ष, कंप्यूटर लैब, भूगोल प्रयोगशाला और क्रिकेट पिच, वॉली-बॉल कोर्ट, बास्केट-बॉल कोर्ट और एक लॉन टेनिस कोर्ट के साथ बड़े खेल मैदान सहित प्रभावशाली बुनियादी ढांचे के साथ एनएएसी मान्यता प्राप्त 'ए' ग्रेड महाविद्यालय है।

महाविद्यालय संकाय सदस्यों की विभिन्न समितियों के माध्यम से कार्य करता है। छात्रों को सक्षम संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में कुछ समितियों के लिए स्वयंसेवक बनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। सांस्कृतिक और उनकी सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में प्रतिभा को विकसित होने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया जाता है। वर्षों से, विचार और दृष्टि की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए, महाविद्यालय ने एक जीवंत और बौद्धिक रूप से प्रेरक शैक्षणिक संस्कृति प्रदान करके विविध शैक्षणिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में खुद को प्रतिष्ठित किया है। महाविद्यालय को अपने पूर्व छात्रों पर गर्व है जो बड़े पैमाने पर व्यवसाय, संस्कृति और समाज के विविध क्षेत्रों में सार्थक रूप से लगे हुए हैं। उत्तीर्ण छात्र सरकार, न्यायपालिका, व्यापार, उद्योग और राजनीति में वरिष्ठ पदों पर नियुक्त हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय पिछले पांच दशकों से अधिक समय से वाणिज्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। अपने ऑनलाइन और ऑफलाइन अनुभवों से सीखते हुए, हम अपने सभी छात्रों के समग्र विकास के लिए एक जीवंत छात्र-केंद्रित शिक्षाशास्त्र और वातावरण प्रदान करने

का प्रयास करते हैं।

वर्ष 2022-23 हमारे अनेक संकाय सदस्यों के लिए विशेष था क्योंकि इस वर्ष अनेक पदोन्नति को मंजूरी दी गई थी। विभिन्न स्तरों (स्तर-11, स्तर-12, स्तर-13ए, और स्तर-14) पर कुल 22 संकाय सदस्यों को पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा, शैक्षणिक वर्ष 2022-23 नए संकाय सदस्यों की नियुक्ति के कारण उल्लेखनीय था। अब तक कुल 64 नियुक्तियाँ हुई हैं, जिनमें वाणिज्य विभाग में 36, अर्थशास्त्र विभाग में 15, भूगोल में 9 और गणित विभाग में 4 शामिल हैं।

महाविद्यालय का 56वां वार्षिक दिवस 26 अप्रैल, 2023 को सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में मनाया गया। इस कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य श्री अशोक बाजपेयी की गरिमामयी उपस्थिति रही। महाविद्यालय ने कैंपस को पर्यावरण-अनुकूल बनाने के नए तरीके विकसित करने के लिए भी अनेक पहल कीं। पारिस्थितिक रूप से अधिक जागरूक होने के लिए, महाविद्यालय ने प्लास्टिक की बोतलों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर पूजा गोयल को मार्च 2023 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021-2022 के लिए पेशे में सराहनीय सेवाएं प्रदान करने के लिए महाविद्यालय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रोफेसर रुचि गुप्ता को प्रसिद्ध इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज (एबीडीसी-ए जर्नल, इम्पैक्ट फैक्टर: 7.096, साइट स्कोर: 10.0) द्वारा वर्ष 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ समीक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार के लिए दुनिया भर में दस शिक्षाविदों को मान्यता दी गई है। वर्ष 2022 के लिए यह पुरस्कार पाने वाली वह भारत की एकमात्र महिला हैं।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 17वें डेक्कन ज्योग्राफिकल सोसाइटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. अमृता बजाज को डेक्कन जियोग्राफिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.कॉम.(ऑनर्स) बैच 2020-23 की धैर्या शर्मा को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एसडीजी एंड पब्लिक पॉलिसी रिसर्च में 3 महीने की इंटर्नशिप में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, एन. (2023)। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रथाओं: विषय मॉडलिंग दृष्टिकोण का उपयोग करके साहित्य की एक व्यवस्थित समीक्षा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट,* 14 (0), 1-17.

गोयल, पी. (2022)। सामाजिक रूप से जिम्मेदार होने के नाते: हरे रंग की आत्म-पहचान और नियंत्रण का स्थान हरे रंग की खरीद के इरादों को कैसे प्रभावित करता है?*जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 35 (7),*

अनुच्छेद नं 131895।

गोयल, पी. (2022)। जैसा कि आप बोते हैं, इसलिए आप काटेंगे: सामाजिक रूप से जिम्मेदार निवेश दृष्टिकोण और इरादे के ड्राइवरों का आकलन करना। *तकनीकी पूर्वानुमान और सामाजिक परिवर्तन, 18 (4), अनुच्छेद संख्या*122030.

गोयल, पी. (2022)। सतत शहर के लिए इलेक्ट्रिक वाहन आधारित गतिशीलता को अपनाने के लिए परिवहन उपयोगकर्ताओं की वरीयताओं को समझना: एक मॉडरेट मॉडरेटेड-मध्यस्थता मॉडल। *जर्नल ऑफ ट्रांसपोर्ट जियोग्राफी, 10 (6), लेख संख्या* 103520.

गोयल, पी. (2022)। खाद्य अपव्यय परिहार व्यवहार: जनरेशन जेड यात्री कितने अलग हैं? जर्नल ऑफ सस्टेनेबल टूरिज्म,*टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन, ऑनलाइन प्रकाशित:*15 मार्च 2023.

सामाजिक उद्यमिता और क्षमता दृष्टिकोण: एक अनुभवजन्य अध्ययन। *एकेडमी ऑफ मार्केटिंग स्टडीज जर्नल*, 27 (3), 1-20.

कुमार, एस. (2022)। (ख) सरकार ने हिमालयी पर्यावरण और भविष्य की पृथ्वी को बनाए रखना विशेष अंक में विशेष अंक में कुमाऊं हिमालय क्षेत्र, उत्तराखंड में 1907-2015 के दौरान दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन मूल्यांकन किया है। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज*, 49 (2), ऑनलाइन।

मल, एस. (2022)। "एमओडीआईएस डेटा का उपयोग करके गंगा नदी बेसिन पर भूमि की सतह के तापमान में स्थानिक-अस्थायी परिवर्तनशीलता का आकलन"। *जियोकार्टोइंटरनेशनल*, 37(13), 3817-3839.

मल, एस. (2022)। इजिप्शियन जर्नल ऑफ रिमोट सेंसिंग एंड स्पेस साइंसेज: हाई माउंटेन एशिया पर भूमि की सतह के तापमान और इसके ड्राइवरों में रुझान। *द इजिप्शियन जर्नल ऑफ रिमोट सेंसिंग एंड स्पेस साइंसेज,* 25 (3), 717-729.

सेतिया, एन. (2022)। मिश्रित सीमा स्थिति के साथ दो-बिंदु गैर-रेखीय बीवीपी के लिए एक उच्च सटीकता चर जाल संख्यात्मक सन्निकटन। *सॉफ्ट कंप्यूटिंग और मॉडलिंग (स्प्रिंगर नेचर),* 26 (19), 9805-9821.

शर्मा, एस. (2022)। *जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज*, XII (1), 70.

जर्नल

बिजनेस स्टडीज जर्नल. आईएसएसएन नंबर 0975-0150। **संपादक: डॉ. सोनिका शर्मा.**

शोध-परियोजनाएं

राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा वित्त-पोषित एक वर्ष की परियोजना जिसका शीर्षक है "हिमाचल प्रदेश में महिला पुलिस स्टेशन (डब्ल्यूपीएस) के कामकाज और प्रभावशीलता पर एक अध्ययन: सामाजिक न्याय को सुविधाजनक बनाने वाला कदम"। स्वीकृत राशि 12,21,000 रूपये। पीआई: डॉ. सुनील कुमार (वाणिज्य विभाग)।

आईसीएसएसआर प्रायोजित 24 महीने की अवधि की परियोजना जिसका शीर्षक है, "साइबर स्पेस में महिलाओं को उनके उत्पीड़न के बीच इंटरनेट के माध्यम से सशक्त बनाना: हिमाचल प्रदेश राज्य में ग्रामीण महिलाओं के बीच इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता के उपयोग की जांच"। स्वीकृत राशि 6,00,000 रुपए पीआई: डॉ. सुनील कुमार (वाणिज्य विभाग)।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 6 महीने की अवधि की परियोजना, जिसका शीर्षक है, "पातालकोट घाटी (मध्य प्रदेश) की भारिया जनजातियों की सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक प्रणाली: सतत विकास के लिए रणनीतियाँ"। 1,00,000 रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. अमृता बजाज (भूगोल विभाग)।

आयोजित संगोष्ठी

5 सितंबर 2022 को टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली में डॉ. मोंटू बोस, बिजनेस एंड सस्टेनेबिलिटी विभाग द्वारा "मॉड्यूल ऑफ राइटिंग रिसर्च शोध-पत्र, रिसर्च एंड रिसर्च डिजाइन" शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

23 सितंबर 2022 को असम की समलैंगिक अधिकार कार्यकर्ता, कवयित्री, कहानीकार और विकास क्षेत्र की कार्यकर्ता सुश्री रितुपर्णा निओग द्वारा "महिला और स्वास्थ्य देखभाल लैंगिक समानता" विषय पर सेमिनार।

अक्तूबर 2022 को मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पटपड़गंज में स्तन सर्जिकल ऑन्कोलॉजी प्रमुख डॉ. गीता कदयप्रथ द्वारा सेमिनार शीर्षक, "स्तन कैंसर: समस्या और इलाज, महिला और स्वास्थ्य देखभाल"।

16 नवंबर 2022 को सीआईएसएफ के डीआईजीपी, श्री सचिन बादशाह, आईपीएस गुजरात (2004), द्वारा "सिविल सेवाओं, उच्च शिक्षा और रोजगार का दायरा और उत्तेजना" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

27 जनवरी 2023 को महिला विकास सेल द्वारा सुश्री श्वेता राज, महासचिव, दिल्ली आशा कामगार यूनियन और प्रो. अर्चना प्रसाद, प्रोफेसर, सेंटर फॉर इनफॉर्मल सेक्टर एंड लेबर स्टडीज, जेएनयू द्वारा सेमिनार शीर्षक, "समकालीन भारत में महिलाओं का अवैतनिक श्रम"।

आयोजित सम्मेलन

10 नवंबर 2022 को कॉमर्स एसोसिएशन द्वारा "सतत विकास लक्ष्य 2030 के युग में व्यावसायिक अभ्यास और नए युग की प्रौद्योगिकियों" पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

10 दिसंबर 2022 को भारती महाविद्यालय (डीयू), सत्यवती महाविद्यालय (डीयू) और एआरएसडी महाविद्यालय (डीयू) के सहयोग से "संघवाद में रुझान: क्षितिज का विस्तार, नए इलाकों की खोज" विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, अल्फ्रेड नोबेल विश्वविद्यालय, ताशकंद अर्थशास्त्र विश्वविद्यालय की

समरकंद शाखा द्वारा आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सीईओ (संचार, अर्थशास्त्र, संगठन) सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में प्रोफेसर शिखा गुप्ता ने "ईएसजी फंड्स: ए रूट टू सस्टेनेबल डेवलपमेंट" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय गोराज़डे विश्वविद्यालय 20-22 मई 2022.

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बोधगया और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा सतत लक्ष्य 2022 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेसर शिखा गुप्ता ने "चुनिंदा भारतीय कंपनियों की ईएसजी प्रथाओं में एक जांच: एक क्रॉस-सेक्टर विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 17 सितंबर 2022.

प्रोफेसर शिखा गुप्ता ने "क्या विलय और अधिग्रहण प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं?" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 17 जुलाई 2022 को रिसर्च एजुकेशन सॉल्यूशंस, सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी और सेंचुरियन यूनिवर्सिटी द्वारा हरित प्रौद्योगिकी, कृषि सूचना प्रौद्योगिकी, व्यवसाय प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक मामले की जांच।

प्रोफेसर नीलांजना मुखर्जी ने 29-30 सितंबर 2022 तक जर्मनी के रेगेन्सबर्ग विश्वविद्यालय में "राज्य विवरण पुनरीक्षित: क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के ऐतिहासिक रूप" विषय पर आयोजित एक कार्यशाला में "महान भारतीय रेगिस्तान का स्थानीकरण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. आरती सैनी ने 16-17 नवंबर 2022 प्रबंधन अध्ययन संकाय द्वारा आयोजित प्रबंधन शोधकर्ताओं के अंतःविषय सम्मेलन के बैंकिंग और बीमा सत्र में "मोबाइल भुगतान अपनाने पर स्वास्थ्य संबंधी धारणाओं की भूमिका: श्रीलंका में मोबाइल बैंकिंग उद्योग से साक्ष्य" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया। एमराल्ड पब्लिशिंग के सहयोग से श्रीलंका की सबारागामुवा यूनिवर्सिटी.

प्रोफेसर विश्व राज शर्मा ने 11-17 मार्च, 2023 के दौरान क्वानसी गायकुन विश्वविद्यालय, कोबे, जापान द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में आईसीएसएसआर-जेएसपीएस संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम के दौरान "भारत में क्षेत्रीय भूगोल की परंपरा और उत्तराधिकार" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर विश्व राज शर्मा ने 18-22 जुलाई 2022 के दौरान पेरिस, फ्रांस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक कांग्रेस (आईजीसी) में "भारत में शहरीकरण के पिछले अनुभव, वर्तमान चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रितुषा मणि तिवारी ने 9-10 सितंबर 2022 को सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के सहयोग से चीनी अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित चीन के घरेलू शासन पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "चीन का राज्य पूंजीवाद और वैश्विक पूंजी: घरेलू परिवर्तन और विदेश नीति समायोजन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।.

डॉ. रितुषा मणि तिवारी ने 64वें अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संघ के वार्षिक सम्मेलन में पैनल "बियॉन्ड ग्लोबल आईआर? संवाद और एक अधिक समावेशी अनुशासन के लिए विवाद" के लिए "चीन की छवि युद्ध-कोविड-19 की उत्पत्ति पर कवरेज में विरोधाभास" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया: वास्तविक संघर्ष, उच्च दांव: सहयोग, विवाद और रचनात्मकता, 15-18 मार्च 2023 के दौरान मॉन्ट्रियल, क्यूबेक, कनाडा में

आयोजित किया गया।

डॉ. ऋतुषा मणि तिवारी ने "नेहरू और तीसरी दुनिया का अंतर्राष्ट्रीयवाद" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया; एआरएसआईपी, नेशनल रिपब्लिक के सहयोग से बांडुंग नेटवर्क द्वारा आयोजित वैश्विक इतिहास और परिप्रेक्ष्य सम्मेलन में बांडुंग-बेलग्रेड-हवाना में "ब्रिक्स, एनएएम और वैश्विक पुनर्गठन में अन्य उभरती ताकतें", और "दक्षिण एशिया में कोविड के लिए क्षेत्रीय प्रतिक्रियाएं" 7-14 नवंबर 2022 के दौरान इंडोनेशिया, यूनिवर्सिटास पदजादजारन, बांडुंग, यूनिवर्सिटास एयरलंगा, सुरबाया और यूनिवर्सिटास उदयना, बाली।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

बीएसयू, यूके (इंटरनेशनल) के साथ समझौता-ज्ञापन: फरवरी, 2022 में एसबी.एससी. और बाथ स्पा यूनिवर्सिटी, यूके के बीच समझौता-ज्ञापन (समझौता-ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता-ज्ञापन सूचना और शैक्षणिक सामग्रियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और आदान-प्रदान के माध्यम से किसी भी विषय में सहयोग की सुविधा प्रदान करना चाहता है। दोनों संस्थानों के आपसी सहयोग से संकाय, प्रशासनिक कर्मचारी, अनुसंधान कर्मचारी, अतिथि विद्वान, छात्र और अन्य से संबंधित।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 203

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 70

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने विभिन्न युवा जागरूकता कार्यकलाप आयोजित कीं जैसे सामाजिक और समाजशास्त्रीय मुद्दों पर व्याख्यान, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, रक्तदान शिविर, पुस्तक दान अभियान, आपदा प्रभावित पीड़ितों के लिए दान अभियान और झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए शैक्षिक कक्षाएं।

स्लम क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें: एन.एस.एस. सदस्यों ने स्वेच्छा से 70 छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की, जिनमें से 50 कक्षा 10वीं की लड़कियाँ थीं, और शेष कक्षा चौथी और पाँचवी के छात्र थे। इन स्वयंसेवकों ने मार्च में पढ़ाना शुरू किया और आज तक विभिन्न संगठनों के साथ अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

कपड़े और पुस्तकें दान अभियान: एन.एस.एस. एसबी.एससी. ने मई महीने में कपड़े और पुस्तकें दान अभियान का आयोजन किया। इसके लिए महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से महाविद्यालय कैंपस में ही पुस्तकें व कपड़े एकत्रित किये गये. लगभग 14 उत्साही स्वयंसेवकों ने इस अभियान में योगदान दिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हम एनजीओ के वंचित बच्चों को 160 पुस्तकें और 100 कपड़े वितरित करने में सक्षम थे।

प्रोजेक्ट काबिल: एन.एस.एस. एसबीएससी की एक पहल, प्रोजेक्ट काबिल के बारह स्वयंसेवकों ने जे ब्लॉक, संगम विहार में कक्षा 10 वीं के 49 बच्चों को पढ़ाने के लिए अपने पर्याप्त कौशल और ज्ञान को आगे

बढ़ाया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय एक बढ़ती हुई संस्था है और हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पुस्तकालय अपने संसाधनों और सेवाओं के मामले में विकसित हुआ है। 2022-23 में, पुस्तकालय ने वाणिज्य, अर्थशास्त्र, गणित, भूगोल, राजनीति विज्ञान, इतिहास, अंग्रेजी और हिंदी जैसे विभिन्न विषयों के संग्रह में 1501 शीर्षक जोड़े। हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों की मांग का स्वागत और सम्मान करने के हमारे प्रयास में, हमारे संदर्भ अनुभाग में 368 शीर्षक भी जोड़े गए हैं जिनमें प्रतिस्पर्धी प्रवेश पुस्तकें; सामान्य ज्ञान की पुस्तकें; वार्षिक पुस्तकें; रिपोर्ट; एटलस शामिल हैं।

इस वर्ष के दौरान, एक और उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की गई। हमारी पुस्तकालय का डेटा LSEase (LibSys पुस्तकालय मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर) से कोहा पुस्तकालय मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर में क्लाउड पर माइग्रेट कर दिया गया है। कोहा बेहतर सेवाओं वाला अंतर्राष्ट्रीय खुला सॉफ्टवेयर है। यह एक उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफ़ेस है। यह एक ई-मेल अलर्ट सेवा, पुस्तक खोज के लिए वेब ओपेक के साथ एक ऑनलाइन आरक्षण सुविधा प्रदान करता है। यह स्वचालित रूप से ई-मेल भेजता है और उपयोगकर्ताओं को अतिदेय, चेक-आउट और चेक-इन के लिए सचेत करता है। कोहा उपयोगकर्ता को पुस्तकें खरीदने के लिए ऑनलाइन सुझाव भेजने की अनुमति देता है।

पुस्तलय में पुस्तकों की कुल संख्या: 68739

जर्नल की कुल संख्या: 72 पत्रिकाएँ, जिनमें 54 पत्रिकाएँ और 18 पत्रिकाएँ शामिल हैं।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय: 150

तदर्थ संकाय: 20

गेस्ट संकाय: 17

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 69,92,00,000

उपयोगित अनुदान: रुपए 69,92,00,000

***

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (सांध्य)

संक्षिप्त विवरण

शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रमुख महाविद्यालय है जो वाणिज्य, कला और भूगोल में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसकी स्थापना 16 जुलाई, 1973 को तत्कालीन

दिल्ली प्रशासन द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालयों में से एक के रूप में की गई थी। वर्ष 1996-97 में इसे सह-शिक्षा संस्थान बनाया गया। महाविद्यालय शहीद भगत सिंह के दर्शन और आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध है और छात्रों के बीच इन मूल्यों को विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत करता है। 1973 में छात्रों की कम संख्या से लेकर वर्तमान में 2500 से अधिक छात्रों तक की यह एक लंबी और कठिन यात्रा रही है। कड़ी मेहनत करने वाले समर्पित और कुशल प्रशासनिक कर्मचारियों की एक टीम द्वारा समर्थित लगभग 100 अत्यधिक निपुण और प्रेरित संकाय सदस्य हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने अपने 50 वर्ष पूरे किए और 16 जुलाई 2022 को डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र में स्वर्ण जयंती का इतना बड़ा समारोह मनाया। इस अवसर के मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह थे।

महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने महाविद्यालय स्तर पर अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्लस्टर तरीके से शिक्षकों और छात्रों को 12 अंतर-अनुशासनात्मक नवीन परियोजनाएं प्रदान कीं। ये परियोजनाएँ सफलतापूर्वक शुरू की गईं और तय समय में पूरी की गईं।

महाविद्यालय ने अपने ढांचागत विकास कार्यक्रम के तहत कंप्यूटर लैब, एलईडी इंटरएक्टिव पैनल, गर्ल्स कॉमन रूम, सोलर लाइट को जोड़ा।

सम्मान/गौरव

प्रो. एस.के. बंदूनी और प्रोफेसर वी.एस. नेगी ग्राम हेरवाल गांव, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड द्वारा आयोजित गांव वापसी संवाद में शिक्षा को बढ़ावा देने में असाधारण योगदान के लिए भूगोल विभाग के प्रोफेसर वी.एस.नेगी को महर्षि वेद व्यास सम्मान पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.कॉम. की कशिश पाहवा। (ऑनर्स) तृतीय वर्ष ने 9.32 सीजीपीए स्कोर किया।
बी.कॉम. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की श्रुति रानी ने 9.27 सीजीपीए स्कोर किया।
बी.कॉम. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की प्रतीक्षा यादव ने 9.25 सीजीपीए स्कोर किया।
बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के यश खंडेलवाल ने 9.20 सीजीपीए स्कोर किया।
बी.ए प्रोग्राम तृतीय वर्ष की साक्षी सूरी ने 8.80 सीजीपीए अंक प्राप्त किये।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. सुनील कुमार ने बुन्देलखण्ड महाविद्यालय, झाँसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बहु-अनुशासनात्मक सम्मेलन में "हिमालयी क्षेत्र में धार्मिक और साहसिक पर्यटन का एक अनुभवजन्य अध्ययन" शीर्षक से 29 मई 2022 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर सी.एस. दुबे ने 21 अप्रैल 2023 को तुलनात्मक साहित्य सोसायटी, भुवनेश्वर के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "चुड़ैल शिल्प और जादू: एक पोस्ट औपनिवेशिक

अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुनील कुमार ने बुन्देलखण्ड महाविद्यालय, झाँसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बहु-अनुशासनात्मक सम्मेलन में "हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तीर्थयात्रा पर्यटन का विश्लेषण" शीर्षक से 29 मई 2022 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा आयोजित आईजीयू थीमैटिक कॉन्फ्रेंस 2022 में डॉ. अनुपमा एम. हसीजा ने "एंथ्रोपोसीन युग में जैव विविधता संरक्षण: यमुना जैव विविधता पार्क, नई दिल्ली का एक केस स्टडी" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। भूगोल विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा 24-25 नवंबर 2022.

प्रोफेसर पूनम चौधरी ने 10-12 नवंबर 2022 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में नए भारत के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे, सूचना और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अमृत महोत्सव की प्रतिष्ठाभूमि पर आत्मनिर्भर भारत का संकल्प" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 250

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 52

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने अपने नए वेब पेज के साथ सॉफ्टवेयर क्षमताओं को उन्नत किया जो महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है, रिमोट एक्सेस के लिए वेब ओपेक की नई सुविधा के साथ। पुस्तकालय को सुबह 8.00 बजे से रात 9.00 बजे तक छात्रों के लिए सुलभ बनाया गया है।

पुस्तकालय ने अपने नए वेब पेज के साथ सॉफ्टवेयर क्षमताओं को उन्नत किया है जो रिमोट एक्सेस के लिए वेब ओपेक की नई सुविधा के साथ महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय को विद्यार्थियों के लिए प्रातः 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक सुलभ बनाया गया है।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 55643

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 43

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 104

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 30.24 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 34.26 करोड़

***

शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय एक गतिशील संस्थान है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, चरित्र विकास को बढ़ावा देने और विविध शिक्षण अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। बी.एससी. (ऑनर्स) सहित चौदह स्नातक कार्यक्रमों बायोकैमिस्ट्री, बायोमेडिकल साइंस, केमिस्ट्री, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड टेक्नोलॉजी, इंस्ट्रुमेंटेशन, गणित, माइक्रोबायोलॉजी, फिजिक्स, स्टैटिस्टिक्स, प्रबंधन अध्ययन स्नातक, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्तीय निवेश विश्लेषण), और बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान की एक विविध श्रृंखला की पेशकश, हमारा महाविद्यालय छात्रों को एक पुरस्कृत आजीविका के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करने के लिए एक सर्वांगीण व्यक्तित्व विकसित करते हुए अपनी रुचियों और प्रतिभाओं का अधिकार देता है। महाविद्यालय उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है, यह हमारी अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं के माध्यम से स्पष्ट है, जो हमें भारत में एक प्रमुख वैज्ञानिक संस्थान के रूप में स्थापित करता है। महाविद्यालय एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और बौद्धिक रूप से उत्तेजक वातावरण बनाता है जो छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कौशल से लैस करता है, उनकी रचनात्मकता और महत्त्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देता है। महाविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को तार्किक रूप से सोचने के लिए ज्ञान और कौशल प्रदान करना, जांच की भावना पैदा करना, वैज्ञानिक स्वभाव का पोषण करना और अपनी शिक्षा को वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करना है जहां निर्णय लेने के लिए ध्वनि निर्णय महत्त्वपूर्ण है।

शैक्षिक मिशन का समर्थन करने के लिए, महाविद्यालय ने आधुनिक शिक्षण तकनीकों, इंटरनेट सुविधाओं और अत्याधुनिक संसाधनों में निवेश किया है, 9.5 एकड़ से अधिक कैंपस में फैला हुआ, हरे-भरे हरियाली से घिरा हुआ, वाई-फाई कनेक्टिविटी, प्रक्षेपण सुविधाओं के साथ स्मार्ट कक्षाओं और इंटरैक्टिव सुविधाओं का दावा करता है। अलग-अलग अध्ययन की शैली वाले छात्रों को समायोजित करने के लिए मॉनिटर। इसके अतिरिक्त, कैंपस में एक ओपन-एयर एम्फीथिएटर, इनडोर ऑडिटोरियम, एक तीन मंजिला आरएफआईडी-सक्षम पुस्तकालय, एक सम्मेलन कक्ष और लगभग 120 छात्रों के लिए छात्रावास आवास की सुविधा है।

इन वर्षों में, महाविद्यालय ने गर्व से एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र नेटवर्क तैयार किया है, जिसमें अनेक पूर्व छात्रों ने भारत और विदेशों में विभिन्न उद्योगों में उच्च रैंकिंग स्थान प्राप्त किए हैं। शहीद राजगुरु महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय एक पोषण और बौद्धिक रूप से उत्तेजक वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित है जो छात्रों को अकादमिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने और जिम्मेदार, रचनात्मक और सफल व्यक्तियों के रूप में विकसित करने के लिए सशक्त बनाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने उल्लेखनीय मान्यता और प्रशंसा प्राप्त की है, जिसमें एनएएसी द्वारा अपने दूसरे चक्र मूल्यांकन में प्रभावशाली ए+ ग्रेड और 3.29 का सराहनीय सीजीपीए शामिल है। 2022 की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी एनआईआरएफ रैंकिंग में, महाविद्यालय ने गर्व से 32वां स्थान प्राप्त किया। अपने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित,

महाविद्यालय ने बहुविषयक अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता केंद्र की स्थापना की है। यह केंद्र इन महत्त्वपूर्ण गतिविधियों को समेकित और सुव्यवस्थित करने, प्रभावी निष्पादन, पर्याप्त धन और ठोस परिणाम सुनिश्चित करने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। केंद्र विशेष रूप से सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देता है। महाविद्यालय आईसीएसएसआर द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए सीएमआरआईई को प्राप्त 2.70 लाख रुपये की फंडिंग को स्वीकार करता है। इसका उपयोग केंद्र के बुनियादी ढांचे के निर्माण और गतिविधियों के कामकाज में किया गया है। सीएमआरआईई की वेबसाइट 10 अक्तूबर 2022 को लॉन्च की गई थी। ज्ञान प्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, महाविद्यालय ने 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च' के प्रकाशन की शुरुआत की और 10 अक्तूबर 2022 को IJIAMR की वेबसाइट लॉन्च की। जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च" (आईजेआईएएमआर), खंड 2, अंक 1, 2 और 3। हमारे महाविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर स्क्रीनिंग के बाद सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव सेल संस्थान सहित अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

सम्मान/गौरव

प्रो. (डॉ.) पायल मागो को दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र (डब्ल्यूएसडीसी) के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। 2022-23 में एक संपादक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें-"स्ट्रिट्वा: स्टोरीज़ ऑफ इंडियन वुमनहुड", आईएसबीएन: 978-9394176089, माई बुक्स पब्लिकेशन (18 अक्तूबर 2022) और विदेशी मशरूम व्यंजनों पर एक किताब "मश टेल्स- द ऑल नेचुरल मशरूम कुकबुक" (डिवाइन कम्युनिकेशन एंड मार्केटिंग एजेंसी आईएसबीएन 978-93-95538-04-6)।

सुश्री हिमानी दुआ सहगल को 21-22 अप्रैल 2022 तक करुण्या इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, कोयंबटूर, भारत द्वारा आयोजित डिवाइसेस, सर्किट और सिस्टम (आईसीडीसीएस) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र का पुरस्कार मिला।

डॉ. नेहा गर्ग को 15 अक्तूबर 2022 को इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस और आईओटी विषय पर आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी-दिल्ली चैप्टर के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "रिसर्च कॉन्क्लेव" में दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) बायोकैमिस्ट्री तृतीय वर्ष की सुश्री शिवानी बरुआ टॉपर रही और महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी तृतीय वर्ष की सुश्री सिमरन कौर टॉपर रही और महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी तृतीय वर्ष की सुश्री ईशा श्रीवास्तव टॉपर रही और महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष की सुश्री अंशिका सिंह टॉपर रही और महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स तृतीय वर्ष की सुश्री भावना शाक्य टॉपर रही और महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

अरोरा, इंदु. (2023)। मैग्नोफ्लोरिन-लोडेड चिटोसन कोलेजन नैनोकैप्सूल IL-1β, IL-6, TNF-α, और ऑक्सीडेटिव तनाव को डाउनरेगुलेट करके और मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर और डीसीएक्स एक्सप्रेशंस को अपग्रेड करके एक चूहे के मॉडल में स्कोपोलामाइन-प्रेरित अल्जाइमर रोग जैसी स्थितियों में संज्ञानात्मक घाटे में सुधार करता है। *एसीएस ओमेगा. 8(2): 2227-2236.*

जस्टिसिया एडहाटोडा की पत्तियों से निकाले गए एल्कलॉइड द्वारा माइकोबैक्टीरियल उपभेदों के बाह्यकोशिकीय और अंतःकोशिकीय अस्तित्व को रोकना। *इंटीग्रेटिव मेडिसिन के यूरोपीय जर्नल. 59(एनए): 102241.*

कौर, जसजीत. (2022)। बंदूक की गोली के अवशेष विश्लेषण का फोरेंसिक महत्त्व। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी एंड लीगल मेडिसिन। 25(एनए): 14-21.*

जैन, साधना और सरीन, एल.पी. (2022)। निदान के क्षेत्र में एक गैर-आक्रामक और बहुआयामी उपकरण। *जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च. एनए(एनए): 713-720.*

जर्नल

मुख्य संपादक: प्रो. पायल मागो। (2022)। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च"।*

शोध-परियोजनाएं

डीएसटी एसईआरबी वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है "औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए फ्लोटिंग गेट फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर आधारित विषाक्त गैस सेंसर का डिजाइन, आभासी निर्माण और लक्षण वर्णन"। 29.90 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: डॉ. स्नेहा काबरा।

आयोजित संगोष्ठी

7 अप्रैल 2022 को इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा सीईटीपीए के प्रबंधक श्री कार्तिक गुप्ता द्वारा 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

19 सितंबर 2022 को प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आईबीएस गुड़गांव के संकाय प्रोफेसर जे. सल्दान्हा द्वारा 'एकीकृत व्यक्तित्व विकास और संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

श्री सिद्धार्थ सिंघल, मुख्य शिक्षक, आईएमएस द्वारा 12 जनवरी 2023 को 'आईआईएम की ओर 7 कदम' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

23 जनवरी 2023 को प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आईटी क्षेत्र की सुश्री अल्मा हुसैन द्वारा 'यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का रहस्योद्घाटन' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

7 फरवरी 2023 को प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग के एसोसिएट डायरेक्टर और चार्टर्ड वित्तीय विश्लेषक (सीएफए) डॉ. कुमार बिजॉय द्वारा 'डिकोडिंग द यूनियन बजट 2023' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 51

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 69

कैंपस में आने वाली कंपनियाँ एक्यूइटी नॉलेज पार्टनर्स, डी.ई. थीं। शॉ, जेनपैक्ट, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विलिस टावर्स वॉटसन, एओन, डेकाथलॉन, कावेंट, इंडिगो और विप्रो, एओन, कैपलाइन सर्विसेज, कंट्री एडू, फिनकार्ट फिनवेस्ट, फुलड एंड कंपनी, जेनपैक्ट, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, इंडिगो, इन्फोलियन रिसर्च, जारो एजुकेशन, केन रिसर्च, प्लैनेट स्पार्क, स्किलवर्टेक्स, एसएसएसआई, टीसीएस, एक्ससीईएल कॉर्प, ज़ेल एजुकेशन।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

16 सितंबर 2022 को, कैंसर के उपचार के बारे में अधिक जानने के लिए धर्मशिला राहत मेडिकल सेंटर केयर का ऑफ़लाइन दौरा किया गया था।

27 सितंबर 2022 को एहसास के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए दल्लूपुरा गांव का दौरा किया गया।

18 जनवरी 2023 को “शब्दों का युद्ध” नामक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

1 फरवरी 2023 को आपातकाल के समय प्रदान की जाने वाली तत्काल सहायता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक प्राथमिक चिकित्सा पहला कदम कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

10 फरवरी 2023 को स्थिति और विकास योजनाओं का आकलन करने के लिए एक सर्वेक्षण करने के उद्देश्य से दल्लूपुरा, कोंडली, हरोला, चिल्ला और मोरना गांवों का दौरा आयोजित किया गया था।

23 मार्च 2023 को, यूबीए और मासिक धर्म कैफे के दोनों सदस्यों ने मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने और मासिक धर्म स्वास्थ्य उत्पादों का दान करने के लिए कोंडली और दल्लूपुरा गांवों का दौरा किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 20500

अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 10000 (ई-जर्नल)

महाविद्यालय की पुस्तकालय ने एनएलआईएसटी और डीयूएलएस संसाधनों के माध्यम से छात्रों और

संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन संसाधन पहुंच शुरू की है। मौजूदा छात्रों और संकाय सदस्यों के खाते को अपग्रेड कर दिया गया है। प्रथम वर्ष के नए छात्रों ने लॉगिन आईडी (रिमोट एक्सेसिबिलिटी) के साथ 10000 से अधिक ई-जर्नल्स और 165000 से अधिक ई-पुस्तकों तक पहुंचने के लिए लगभग 446 एनएलआईएसटी खाते बनाए हैं। पुस्तकालय ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 14 (पंद्रह) पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं। इस कार्यक्रम में अधिकांश छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुस्तकालय ने इस वर्ष 535 पुस्तकें भी खरीदीं, कुछ पुस्तकें खरीदी गईं और अनेक पाठ्य पुस्तकें दान से प्राप्त हुईं।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 20500

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 10000 (ई-जर्नल)

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 87

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 34.14 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 29.75 करोड़

***

शहीद सुखदेव अध्ययन महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय (एस.एस.एस.सी.बी.एस.), दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख संस्थानों में से एक है, जो प्रबंधन और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी शिक्षा प्रदान करता है। इसकी स्थापना अगस्त 1987 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) द्वारा की गई थी। वर्तमान में, महाविद्यालय अपने तीन विभागों-प्रबंधन अध्ययन विभाग (डीएमएस), वित्तीय अध्ययन विभाग (डीएफएस) और कंप्यूटर विज्ञान विभाग (डीसीएस) के तहत तीन पूर्णकालिक प्रबंधन अध्ययन स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। महाविद्यालय बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्तीय और निवेश विश्लेषण) और बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस, साइबर सुरक्षा और कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। महाविद्यालय विभिन्न क्षेत्रों (जैसे विपणन, वित्त, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता), सामाजिक आउटरीच, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि में छात्रों के कौशल को मजबूत करने सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लगभग 45 छात्र समाजों का समर्थन करता है। पंद्रह क्षेत्रों की कंपनियां, परामर्श, बीमा, ज्ञान सेवाएँ, रियल एस्टेट, मीडिया, निवेश बैंकिंग, पीआर, आईटी, शिपिंग और वित्तीय सेवाएँ हैं जो हमारे छात्रों की भर्ती करती हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एस.एस.एस.सी.बी.एस. ने निरंतर चौथी बार भारत में सर्वश्रेष्ठ अंडरग्रेजुएट बिजनेस स्कूल के रूप में अपना स्थान प्राप्त किया है, जैसा कि 2023 में इंडिया टुडे मैगजीन द्वारा मान्यता प्राप्त है। 2023 के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में, एस.एस.एस.सी.बी.एस. ने शीर्ष 100 महाविद्यालयों में एक स्थान प्राप्त किया है। ओपन मैगजीन बीबीए रैंकिंग 2023 ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, नियोजन रिकॉर्ड, स्नातक संख्या और बुनियादी ढांचे जैसे कारकों पर विचार करते हुए एस.एस.एस.सी.बी.एस. को निरंतर दूसरे वर्ष शीर्ष बीबीए महाविद्यालय के रूप में स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय की वेबसाइट को दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से 2023 के लिए सर्वश्रेष्ठ वेबसाइट (महाविद्यालय) का सम्मानित खिताब प्राप्त हुआ। विभिन्न वैश्विक प्रतियोगिताओं में, एस.एस.एस.सी.बी.एस. ने प्रभावशाली रैंक अर्जित की है, जिसमें ईवाई-माइक्रोसॉफ्ट बेटर वर्किंग वर्ल्ड डेटा चैलेंज में ग्लोबल रैंक 1, इंडोनेशिया इन्वेस्टमेंट बैंकिंग प्रतियोगिता में ग्लोबल रैंक 1 और 3, ग्लोबल माइक्रोफाइनेंस केस प्रतियोगिता में ग्लोबल रैंक 2 और 4 शामिल हैं। सीआरएमएस रिस्क चैलेंज में ग्लोबल रैंक 2, हाई ब्रिज इंटरनेशनल केस कॉम्पिटिशन में ग्लोबल रैंक 2, और एचएसबीसी केस कॉम्पिटिशन में ग्लोबल रैंक 3। राष्ट्रीय मोर्चे पर, एस.एस.एस.सी.बी.एस. ने बैन एंड कंपनी द्वारा ब्रेनवॉर्स, ईवाई काफ्टा केस चैम्पियनशिप जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में जीत प्राप्त की और क्रोल वन टीम चैलेंज में राष्ट्रीय उपविजेता बनकर उभरी।

सम्मान/गौरव

डॉ. मधु टोटला, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. नीरज कुमार सहरावत और डॉ. सौम्या जैन को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉ. निधि केसरी और डॉ. सोनिका ठकराल को एसोसिएट प्रोफेसर ग्रेड पर पदोन्नत किया गया।

डॉ. कुमार बिजॉय ने 30 नवंबर 2022.को एक वर्ष की अवधि के लिए कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग, दूरस्थ और सतत शिक्षा विभाग, मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था।

प्रोफेसर अजय जयसवाल को 30 नवंबर 2022 को एक वर्ष की अवधि के लिए कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग, दूरस्थ और सतत शिक्षा विभाग, मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में संयुक्त निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था।.

गौरव प्राप्त छात्र

वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित छात्र महाविद्यालय के टॉपर थे:

बैचलर्स ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के ईशान जैन।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस की सृष्टि वढेरा।

वर्ष 2022-23 के दौरान प्रबंधन अध्ययन में स्नातक की खुशी कात्याल।

प्रकाशन

गौतम, पी., माहेश्वरी, एस., कौसर, ए., जग्गी, सीके (2023)। पर्यावरण विचार-विमर्श के साथ गिरावट को कम करने के लिए संरक्षण प्रौद्योगिकी निवेश के साथ सतत खुदरा मॉडल। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 390, 136128.

माहेश्वरी, एस., कौसर, ए., हसन, ए. (2023)। इष्टतम अपशिष्ट प्रबंधन का उपयोग करके तीन-परत आपूर्ति श्रृंखला के लिए सतत इन्वेंट्री मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 14, 216-235.

माहेश्वरी, एस., गौतम, पी., कौसर, ए., जग्गी, सीके (2023)। विज्ञापन और मूल्य निर्भर मांग के प्रभाव के तहत संरक्षण प्रौद्योगिकी के साथ बिगड़ती वस्तुओं के लिए इन्वेंट्री पुनःपूर्ति नीतियों के तहत संरक्षण प्रौद्योगिकी के साथ बिगड़ती वस्तुओं के लिए वस्तुओं को खराब करने के लिए इष्टतम इन्वेंट्री पुनःपूर्ति नीतियां। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम साइंस: ऑपरेशंस एंड लॉजिस्टिक्स*, 10 (1), 2186753.

(लाल, एम., कुमार, आर. (2023)। सामाजिक उद्यमिता और क्षमता दृष्टिकोण: एक अनुभवजन्य अध्ययन। *एकेडमी ऑफ मार्केटिंग स्टडीज जर्नल.*

बेंटूर, एसए, मिश्रा, ए., कुमार, वाई., ठकराल, एस., गर्ग, आर. (2022)। कोविड-19 के उच्च जोखिम वाले मामलों के उपचार के लिए योग, आयुर्वेद और आधुनिक पश्चिमी चिकित्सा पर आधारित एकीकृत चिकित्सा: एक टेलीमेडिसिन-आधारित केस श्रृंखला। *इंडियनजर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज,* 21 (3).

निगम, एनके, गुप्ता, सीपी (2023)। नकारात्मक संबंधित विविधीकरण, सकारात्मक संबंधित विविधीकरण और फर्म का प्रदर्शन: माप और अनुप्रयोग। *ग्लोबल बिजनेस रिव्यू*, 24 (1), 48-67.

निगम, एनके, सिंह, के. और आर्य, पी. (2022)। भारतीय कॉरपोरेट्स के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल पर बोर्डरूम में लिंग विविधता का प्रभाव। *जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च*, 14 (3), 213-230.

टंडन, ए., कौर, जी. (2022)। रिलीज प्लानिंग अपूर्ण डिबगिंग के तहत परीक्षण कवरेज और गलती में कमी कारक के साथ समस्या। *गणितीय विज्ञान और अनुप्रयोगों में प्रगति*, 31 (1), 73-91.

मेहता, पी., शर्मा, एच., टंडन, ए. (2022)। अनुप्रयोग विशेषताओं में परिवर्तन की दर के साथ सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता विकास मॉडल। *कंप्यूटर विज्ञान और संचार में हालिया प्रगति*, 15 (5).

आयोजित सम्मेलन

17 फरवरी 2023 को इनोवेटिव कंप्यूटिंग और कम्युनिकेशन (आईसीआईसीसी 2023) पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वलाडोलिड स्पेन विश्वविद्यालय, कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल कन्वर्जेंस (दक्षिण कोरिया), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पटना और यूनिवर्सल इनोवेटर।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. सौम्या जैन ने चिन्मय विश्व विद्यापीठ, कोच्चि के सहयोग से "वाणिज्य, वित्त और अर्थशास्त्र में नए क्षितिज" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लेखांकन वस्तुओं के मूल्य प्रासंगिकता

पर आईएफआरएस का प्रभाव: भारत से साक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 16-17 फरवरी 2023 को श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय।

सुश्री परिधि सानी ने 16-17 सितंबर 2022 को आईआईएम बोधगया द्वारा आयोजित सतत लक्ष्यों (आईसीएसजी) 2022 पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्थिरता प्रकटीकरण के साथ वर्तमान चुनौतियां' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री परिधि सानी ने 3-5 को आईआईएम शिलांग द्वारा स्थिरता (विषय: सहयोग, करुणा और सह-निर्माण) पर आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बचाने के लिए केवल एक दुनिया है" पूरे देश में कॉर्पोरेट स्थिरता प्रशासन के लिए पूर्वापेक्षा' शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया। नवंबर 2022.

डॉ. मधु टोटला ने 'क्या ओवरसब्सक्राइब्ड आईपीओ लंबे समय में बेहतर प्रदर्शन करते हैं?' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 29-30 अक्तूबर 2022 को आयोजित 44वें अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन और लेखांकन शिक्षा और अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत से साक्ष्य'।

इंडिया फाइनेंस कॉन्फ्रेंस 2022 द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. नीरज कुमार ने 'उधारकर्ताओं की कमाई प्रबंधन व्यवहार पर बैंक निगरानी का प्रभाव: भारत से साक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

इंडिया फाइनेंस कॉन्फ्रेंस 2022 द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अमित कुमार ने 'उधारकर्ताओं की कमाई प्रबंधन व्यवहार पर बैंक निगरानी का प्रभाव: भारत से साक्ष्य' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन और अन्य सहयोग

मान्या-घटना के लिए प्रायोजन के लिए प्रिंसटन की समीक्षा Ascend'23.

लाइव प्रोजेक्ट के लिए मेडुलेंस-गो-टू-मार्केट रणनीति-प्रतियोगी विश्लेषण, उद्योग विश्लेषण, एसटीपी विश्लेषण, मार्केटिंग फ़नल और मार्केट साइज़िंग। विभिन्न खेल बाजार आकार, प्रतिस्पर्धी विश्लेषण, बाजार में प्रवेश के अवसर और अनुसंधान के संयुक्त निर्णायक विश्लेषण के लिए ट्वीक लैब्स, किक स्टार्टर अभियान की रणनीति बनाना, एपीआईसी एसएस.एस.एस.सी.बी.एस. चैप्टर के लिए पंजीकृत प्रतिभागियों के उचित डेटाबेस के साथ अनस्टॉप पर 60 पंजीकरणों के लिए कॉमर्स सोसाइटी, हंसराज महाविद्यालय वार्षिक कार्यक्रम।

एपीआईसीएस एस.एस.एस.सी.बी.एस. चैप्टर वार्षिक कार्यक्रम, एसेंड के लिए पंजीकृत प्रतिभागियों के उचित डेटाबेस के साथ अनस्टॉप।

90 पंजीकरणों के लिए कंप्यूटर और गणित सोसायटी, एसआरसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय।

घटना से पहले एक पोस्ट और दो कहानियों के लिए और हमारे सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिंक साझा करना।

एक्टस, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी को एकल-उपयोग प्लास्टिक के संग्रह के लिए कंटेनरों के प्रावधान के लिए, हमारे प्रोजेक्ट सृजन के लिए आपके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहानियां, और एक तिहाई-कचरे को एस.एस.एस.सी.बी.एस. परिसर में वापस पहुंचाने के लिए एक सफल सहयोग के पूरा होने पर प्रमाणपत्र।

अर्था, दयाल सिंह को डिब्बे या बक्से में ई-कचरे के संग्रह के लिए सृजन के पोस्टर के साथ संशोधित किया गया, उक्त ई कचरे का परिवहन आधे रास्ते और सत्र के बारे में सोशल मीडिया हैंडल पर एक कहानी।

इनेक्टस, सृजन सहयोग के लिए महाराजा सूरजमल संस्थान।

कौशल वृद्धि के लिए सहयोगी गुणवत्ता पहल में संलग्न होकर, हमारी संस्था ने इनोवेटिव कंप्यूटिंग और संचार (आईसीआईसीसी) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए वलाडोलिड स्पेन विश्वविद्यालय, कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल कन्वर्जेंस (दक्षिणकोरिया), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पटना और यूनिवर्स लइनोवेटर के साथ भागीदारी की। 17-1 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, एनएसई अकादमी लिमिटेड और बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से क्रमशः एनएसई अकादमी सर्टिफाइड कैपिटल मार्केट प्रोफेशनल (एनसीसीएमपी) और फाइनेंशियल मॉडलिंग और एल्गो ट्रेडिंग जैसे कार्यक्रमों की सुविधा मिली।

वित्तीय वर्ष में अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक, 182 कंपनियों के साथ हमारे सहयोग के परिणामस्वरूप 335 छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर मिले, जिनमें डी. ई. शॉग्रुप, डालबर्ग, बीसीजी, डेलॉइट इंडिया, पीडब्ल्यूसी इंडिया, अर्न्स्ट एंड यंग, फ्रॉस्ट और सुलिवन, एफटीआई कंसल्टिंग, इंडियन एंजेल नेटवर्क, मैकिन्से क्लाइंट कैपेबिलिटीज नेटवर्क, ग्रांट थॉर्नटन, बोस्टन एनालिटिक्स, कोलियर्स इंटरनेशनल, सीआरईडी, कुशमैन एंड वेक फील्ड इंडिया, ग्रिप इन्वेस्टमेंट्स, दासरा, मेडुलेंस, डेंसैट और सिनर्जी कंसल्टिंग जैसे प्रसिद्ध संगठनों के साथ नियोजन शामिल थे।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

विनिमय कार्यक्रम के भाग के रूप में, विभिन्न शैक्षणिक विषयों में छात्रों का सक्रिय आगमन और बहिर्प्रवाह होता है। वर्तमान में, बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान कार्यक्रम के तहत इनबाउंड और आउटबाउंड एक्सचेंज में 6 छात्र भाग ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्तीय और निवेश विश्लेषण) के 5 छात्र इस विनिमय पहल में लगे हुए हैं। इसी तरह, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (बीएमएस) 6 छात्रों के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम में योगदान दे रहा है। यह गतिशील आदान-प्रदान एक विविध शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देता है, जिससे छात्रों को अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के साथियों के साथ चर्चा के माध्यम से अपने शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करते हैं।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 253

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 89%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 002080

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

एस.एस.एस.सी.बी.एस. और एन.एस.एस. सक्रिय रूप से प्रभावशाली गतिविधियों की श्रृंखला में संलग्न हैं। वे कपड़ों के दान की पहल के साथ-साथ स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन करते हैं। विशेष रूप से, वे विशिंग वॉल जैसी पहल के माध्यम से वंचित बच्चों की इच्छाओं को पूरा करते हैं। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान अभियान और रक्त स्टेम सेल दान शिविर सामुदायिक कल्याण में योगदान करते हैं। समाज महत्त्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को संबोधित करते हुए जागरूकता कार्यक्रम और वेबिनार भी आयोजित करते हैं, विशेष रूप से लैंगिक समानता पर जोर देते हैं। इन प्रयासों के माध्यम से, एस.एस.एस.सी.बी.एस. में कर्तव्य और एन.एस.एस. सामाजिक बेहतरी और समग्र सामुदायिक विकास में सार्थक योगदान देते हैं।

कोविड-19 के जवाब में, एस.एस.एस.सी.बी.एस. में एन.एस.एस. ने समुदाय के भीतर आवश्यक सावधानियों के बारे में सक्रिय रूप से जागरूकता फैलाने और सुरागों की पुष्टि करके महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एस.एस.एस.सी.बी.एस. सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से विभिन्न प्रभावशाली परियोजनाओं की पहल करता है। इन परियोजनाओं में प्रोजेक्ट मुस्कान शामिल है, जो रूढ़ियों को तोड़ने और समानता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है; प्रोजेक्ट चेतना, सत्रों और वेबिनार के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करना; प्रोजेक्ट फरी, आवारा जानवरों की देखभाल करके पशु कल्याण को बढ़ावा देना; प्रोजेक्ट सक्षम, शिक्षा, करियर और सरकारी नीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना; प्रोजेक्ट सम्मान, बुजुर्गों और वृद्धाश्रमों की जरूरतों का समर्थन करना; और प्रोजेक्ट किलकारी, एनजीओ में बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कोप फॉर चेंज के साथ सहयोग कर रहा है। ये पहल विभिन्न सामाजिक कारणों के लिए एस.एस.एस.सी.बी.एस. की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

इनेक्टस एस.एस.एस.सी.बी.एस. संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के साथ गठबंधन करते हुए 8.6 लाख से अधिक लोगों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाली प्रभावशाली परियोजनाओं को लागू करने के लिए समर्पित है। पहलों में प्रोजेक्ट प्रवाह के माध्यम से इनडोर वायु प्रदूषण को संबोधित करना, प्रोजेक्ट बसेरा के साथ महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और स्वास्थ्य शिविर, परामर्श सत्र आयोजित करना और प्रोजेक्ट क्षितिज के तहत गैर सरकारी संगठनों का पुनर्गठन करना शामिल है। इन प्रयासों के माध्यम से, इनेक्टस एस.एस.एस.सी.बी.एस. सक्रिय रूप से सामाजिक और पर्यावरणीय कल्याण में योगदान देता है।

रोटारैक्ट एस.एस.एस.सी.बी.एस. प्रभावशाली परियोजनाओं में लगा हुआ है जैसे कि प्रोजेक्ट कामाख्या, संवेदीकरण सत्रों के माध्यम से पर्यावरण के अनुकूल मासिक धर्म उत्पादों को बढ़ावा देना, और प्रोजेक्ट सृजन, जो अनौपचारिक और औपचारिक ई-कचरा रीसाइक्लिंग के बीच की खाई को पाटता है समाज विभिन्न अल्पकालिक गतिविधियों का भी आयोजन करता है, जिसमें रक्तदान अभियान, खाद्य दान अभियान और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं, जो सामुदायिक कल्याण में योगदान करते हैं।

सीडीएफ एस.एस.एस.सी.बी.एस. सक्रिय रूप से प्रोजेक्ट हुनर के माध्यम से सामाजिक उद्यमिता में संलग्न है**,** जो एक छात्र-नेतृत्व वाली पहल है जो महिलाओं और बच्चों के कौशल उन्नयन पर केंद्रित है। इसके

अतिरिक्त, प्रोजेक्ट उत्सव कुम्हारों को सीधे रेस्तरां से जोड़ता है, बिचौलियों को समाप्त करता है और यह सुनिश्चित करता है कि सभी राजस्व और लाभ सीधे कुम्हारों को लाभान्वित करें।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय का पुस्तकालय लगभग 1161 वर्ग मीटर के क्षेत्र के साथ दो मंजिलों में फैला हुआ है, जिसमें 218 छात्रों के लिए पढ़ने के कमरे और संकाय सदस्यों के लिए एक शोध अनुभाग है। संग्रह में 24,347 पुस्तकें हैं, जिनमें हाल ही में 686 नए शीर्षक जोड़े गए हैं। पुस्तकालय 13 समाचार-पत्रों के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की 56 जर्नल और जर्नलों की सदस्यता लेता है। बजट में पुस्तकों के लिए 5,17,119/- रुपये, जर्नल/जर्नलों के लिए 2,78,535/- रुपये और समाचार-पत्रों के लिए 27,829/- रुपये, कुल मिलाकर रुपये 8,74,314/-आवंटित किया गया है। पुस्तकालय एन.एल.आई.एस.टी. और डेलनेट का एक संस्थागत सदस्य है, जो छात्रों को ई-पुस्तकों और ई-जर्नलों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करता है। सर्कुलेशन और सिस्टम प्रशासन सहित पुस्तकालय कार्यकलाप, क्लाउड-आधारित ओपन-सोर्स समाधान कोहा का उपयोग करके स्वचालित की जाती हैं। पुस्तकालय बार-कोड तकनीक का उपयोग करके सालाना अपने स्टॉक का सत्यापन करती है और ऑनलाइन नवीनीकरण सेवाएं प्रदान करती है। पुस्तकालय का पोर्टल विभिन्न संसाधनों को एकीकृत करता है और कैटलॉग, ई-संसाधनों, दुर्लभ पुस्तकों, पाठ्यक्रम, प्रश्न पत्रों और बहुत कुछ तक आसान पहुंच प्रदान करता है। प्रतिदिन 159 फिजिकल फ़ुटफॉल और 192 ऑनलाइन लॉगिन के साथ, पुस्तकालय छात्रों और संकाय के लिए एक सहज अध्ययन का अनुभव सुनिश्चित करती है, जो इंटर्नशिप और ऑनलाइन संसाधनों और डेटाबेस पर नियमित अपडेट द्वारा पूरक है।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 89
स्थायी संकाय की कुल संख्या:32
तदर्थ संकाय की कुल संख्या:09
गेस्ट संकाय की कुल संख्या:48

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

उपयोगित अनुदान: रुपए 17.92 करोड़
आवंटित अनुदान: रुपए 17.92 करोड़

***

शिवाजी महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

शिवाजी महाविद्यालय की स्थापना 1961 में डॉ पंजाब राव देशमुख ने मटियाला गांव में समाज के सभी वर्गों के बीच उच्च शिक्षा के प्रसार की दृष्टि से की थी। केवल 20 शिक्षकों, 400 छात्रों के साथ एक प्राथमिक विद्यालय की इमारत में स्थित संस्थान होने और केवल तीन पाठ्यक्रम (बी.ए., बी.कॉम. पास

और प्री-मेडिकल स्टडीज) प्रदान करने वाले शिवाजी महाविद्यालय ने एक लंबी यात्रा पूरी की है। इसे 1976 में राजा गार्डन में स्थित अपने वर्तमान भवन में स्थानांतरित कर दिया गया था। आज, महाविद्यालय में दस एकड़ से अधिक का एक विशाल परिसर, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, कक्षाएं और सभागार हैं। इसका पुस्तकालय RFID तकनीक के साथ पुस्तकों और पत्रिकाओं के समृद्ध संग्रह से समृद्ध है। महाविद्यालय ने जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक का सफलतापूर्वक निर्माण किया है जो कक्षा शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक नवीनतम तकनीकी नवाचार की एक झलक प्रस्तुत करता है। महाविद्यालय का आदर्श वाक्य "अमृतम तू विद्या" है जो कक्षाओं और विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से अनुकूल वातावरण का पोषण करने के तरीके से परिलक्षित होता है। महाविद्यालय में 18 विभाग हैं जो 26 स्नातक और 3 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। इंडिया टुडे 2022 तक महाविद्यालय को साइंस कॉलेजों में 35वां और कॉमर्स में 28वां और मानविकी में 42वां स्थान मिला था। महाविद्यालय को एन.आई.आर.एफ. 2022 द्वारा 70वां और आउटलुक इंडिया द्वारा 31वां स्थान दिया गया है। शिवाजी महाविद्यालय को भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की एक पहल, प्रतिष्ठित डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तहत वित्तीय अनुदान से भी सम्मानित किया गया था। महाविद्यालय के 18 विभागों में से 13 को आई.सी.एस.एस.आर., डी.एस.टी., डी.बी.टी., एस.ई.आर.बी., यूजीसी और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान निधि प्रदान की गई।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में, जैव रसायन, वनस्पति विज्ञान, जूलॉजी और रसायन विज्ञान जैसे विज्ञान विभागों ने कुल 100 अतिरिक्त प्रयोग, 17 इन-हाउस माइनर प्रोजेक्ट्स, 21 वर्कशॉप, 130 आमंत्रित वार्ता, 19 ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 57 शैक्षिक लैब विजिट/फील्ड ट्रिप और 6 लैब-कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम किए। देश भर के दूरदराज के क्षेत्रों में छह महाविद्यालय को भी एस सी एस, शिवाजी महाविद्यालय के तहत विभागों द्वारा सलाह दी गई थी, जिसमें वर्ष 2022-23 में कुपवाड़ा, जम्मू और कश्मीर के आकांक्षी जिले के एक महाविद्यालय भी शामिल थे। शिवाजी महाविद्यालय को अक्टूबर 2022 में 1.26 करोड़ रुपये के वित्तीय अनुदान के साथ सभी चार भाग लेने वाले विभागों को स्टार स्टेटस प्रदान करने की सिफारिश की गई है।

एन.सी.सी. कैडेट ने विभिन्न शिविरों में भी भाग लिया जिसमें अंतर निदेशालय राज्य शूटिंग चैंपियनशिप, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, स्वतंत्रता दिवस शिविर, एक भारत श्रेष्ठ भारत, एडवांस लीडरशिप कैंप, प्रधानमंत्री रैली और कई अन्य शामिल हैं एन.एस.एस. इकाई ने इस वर्ष "ज्ञानोदय"-सभी के लिए शिक्षा अभियान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह जैसे कार्यक्रमों के साथ एक प्रेरणादायक यात्रा की। यथार्थ (एन.एस.एस. शिवाजी की प्ले टीम) और मानसिक स्वास्थ्य सत्र, स्वच्छ भारत 2.0 अभियान, पुस्तक दान अभियान, एसिड अटैक विकिट्स पर कानूनी जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया।

छात्रों ने बीसीसीआई ट्रॉफी, रणजी ट्रॉफी, कूच बिहार ट्रॉफी जीती है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया है। महाविद्यालय ने फरवरी 2023 में अपना वार्षिक

सांस्कृतिक उत्सव कंपन आयोजित किया, जिसका उद्घाटन श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार ने किया। डेलॉइट, ट्रेसविस्टा, डीई शॉ और अन्य सहित 100+ से अधिक कंपनियों ने महाविद्यालय का दौरा किया और सभी पाठ्यक्रमों और सेमेस्टे में 150 से अधिक छात्रों को प्लेसमेंट और इंटर्नशिप प्रदान की प्लेसमेंट के लिए उच्चतम पैकेज 22 लाख प्रतिवर्ष और इंटर्नशिप के लिए 60 हजार वजीफा तक गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. नीतू रानी को 15 मई 2022 को शिक्षण में उत्कृष्ट सेवा के लिए "ग्लोबल एमिनेंट एकेडमिशियन अवार्ड" प्राप्त हुआ, जिसे वीआईजे ट्रस्ट, रेग द्वारा सम्मानित और स्वीकार किया गया। नंबर 959/2010/बीके4, थिरुवेंगदानगर, थिरुनिनरावुर, तमिलनाडु-602024, भारत सरकार; 10 अप्रैल, 2022 को कामराजार इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (KIER), पंजीकृत द्वारा सम्मानित और स्वीकृत "उत्कृष्ट शिक्षाविद राष्ट्रीय पुरस्कार 2022" प्राप्त किया। मदुरै रोड, थेनी-625531.

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ज्योति शर्मा को कार्यकाल और आईसीसीआर इंडोलॉजी चेयर के रूप में वहां काम करने के लिए प्रतिष्ठित भारतीय-क्रोएशियाई सोसायटी, ज़ाग्रेब, क्रोएशिया द्वारा जुलाई 2022 को उत्कृष्टता 21 का पुरस्कार मिला।

डॉ. ऋचा अरोड़ा 05 सितंबर 05 2022 को आईएमआरएफ कार्यकारी परिषद और इंटरनेशनल मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च फाउंडेशन की उत्कृष्टता पुरस्कार समिति द्वारा रसायन विज्ञान में सर्वपल्ली राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ संकाय और शोधकर्ता पुरस्कार 2022.

गौरव प्राप्त छात्र

निम्नलिखित छात्रों ने नीचे उल्लिखित पाठ्यक्रमों में महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
मीनाखी, बी.ए. ऑनर्स. हिंदी प्रथम वर्ष
सुप्रिया कुमारी, बी.ए. कार्यक्रम प्रथम वर्ष
सूरज चंद्र जोशी, बी.एससी. ऑनर्स. भौतिकी द्वितीय वर्ष
वंशिका गर्ग, बी.कॉम. कार्यक्रम द्वितीय वर्ष
गरिमा, बी.कॉम. ऑनर्स. द्वितीय वर्ष

प्रकाशन

पैन एस, उपाध्याय आर, सिंह एस, सिंह एम (2022)। बेहतर औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए धातु और ग्राफीन ऑक्साइड नैनोकणों के साथ डोप किए गए सुपर चिपकने वाले मेलामाइन फॉर्मेल्डिहाइड पॉलीविनाइलपाइरोलिडोन रेजिन का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और क्रियाशीलता। एप्लाइड पॉलिमर साइंसेज जर्नल, 139 (38), 1-32.

लिपोएट प्रोटीन लिगेज बी मुख्य रूप से अपने दाता सब्सट्रेट की सी8-फॉस्फोपेंटेथीन भुजा को पहचानता है और एसाइल वाहक प्रोटीन को कमजोर रूप से बांधता है। . जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री, 8(298),

1-16.

प्रज्ञा, पी., शर्मा, के. के., कुमार, एस., मनीषा, एम., सिंह, डी., कुमार, वी., और सिंह, बी.(2022)। एस्परगिलस ओरिजा से फाइटेज का उन्नत उत्पादन और स्थिरीकरण: पोषण में सुधार के लिए एक सुरक्षित और आदर्श खाद्य पूरक। एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी 76(2).

अग्रवाल, ए., अरोड़ा, एस., खुमान, ए., सिंह, के., कुमार, वी., और चौधरी, बी.. (2022)। द्विगुणित और एलोपॉलीप्लोइड कपास प्रजातियों में miR167 जीन के 5'सीआईएस-नियामक तत्वों (सीआरई) की तुलनात्मक विकासवादी गतिशीलता। प्लांटजीन, 32(-), 100-380.

रामलाल ए, नौटियाल ए, बवेजा पी, कुमार महतो आर, मेहता एस, पुजारी मल्लिकारुंजा बी, विजयन आर, सलूजा, एस कुमार वी, कुमार धीमान एस, लाल एसके, राजू डी और राजेंद्रन ए। (2022)। सोयाबीन में हेटेरोसिसऔर पुरुष बाँझपन का दोहन [ग्लाइसिन मैक्स (एल.) मेरिल]: एक महत्त्वपूर्ण समीक्षा। सोयाबीन में हेटेरोसिस और पुरुष बाँझपन का दोहन [ग्लाइसिन मैक्स (एल.) मेरिल]: एक महत्त्वपूर्ण पुनरावलोकन।, 13(-), 1-9.

तलवार एस, मंडल एन, के गौरव, माथुर पी और भारद्वाज एस. (2022)। फ्यूसेरियम ग्रैमिनेरम के खिलाफ लौंग, नीम और शोध-पत्रमिंट ऑयल की एंटीफंगल गतिविधि। कृषि विज्ञान अनुसंधान जर्नल, 13(4), 962-965.

गयाचरण, स्वरूप परिदा, नूपुर मंडल, रश्मी यादव, एच.विश्वकर्मा और जेसी राणा। (2023)। आनुवंशिक लाभ के लिए फलियां जर्मप्लाज्म का खनन: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। जेनेटिक्स में फ्रंटियर्स, 14-(-), 1-30.

गयाचरण, स्वरूप परिदा, नूपुर मंडल, रश्मी यादव, एच.विश्वकर्मा और जेसी राणा। (2022)। गंभीर कोरोनोवायरस रोग 19 के उपचार के लिए मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी पहलू की खोज। सेल, 11(14), 1-20.

कांत, एन., सामंता, एस., पांचाल, आई., पांडे, ए., घटक, एल., राऊत, ए., और चौधरी, जे.के.. (2022)। जीनोम-व्यापी उत्परिवर्तन/एसएनपी विश्लेषण, जैविक विशेषताएं, और चिंता के SARS-CoV-2वेरिएंट की अखिल भारतीय व्यापकता। रासायनिक जीवविज्ञान पत्र, 9(2), 1-12.

प्रियंका, के. (2022)। सांख्यिकी में गैर-प्रतिक्रिया और सहसंबद्ध माप त्रुटि संचार की उपस्थिति में जनसंख्या माध्य के हाइब्रिड अनुमानक (15 दिसंबर, 2022 को ऑनलाइन प्रकाशित)।

शोध-परियोजनाएं

केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, भारत की यूनानी प्रणाली में उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों के लिए डीएनए बारकोड का विकास, रुपये 19,89,624/-.

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली, 3 वर्ष, सर्वेक्षण नमूनाकरण में गैर-नमूनाकरण त्रुटियों के मॉडलिंग के लिए ट्यून किए गए अनुमान पद्धतियों का विकास, रु 6,60,000/-.

महाविद्यालय रिसर्च सेल, शिवाजी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया इंट्राम्यूरल परियोजना, 1 वर्ष, रोडामाइन आधारित केमोसेंसर का संश्लेषण और विषाक्त धातु आयनों का पता लगाने में उनका अनुप्रयोग, रु 30,000/-.

महाविद्यालय रिसर्च सेल, शिवाजी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया इंट्राम्यूरल परियोजना, 1 वर्ष, अमरूद के आयतन अनुमान के लिए गणितीय मॉडलिंग (PsidiumGuajava L.), रु 30,000/-.

महाविद्यालय रिसर्च सेल, शिवाजी महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया इंट्राम्यूरल परियोजना, 1 वर्ष, औषधीय पौधों (कैथरानथस रोजियस और ट्राइगोनेला फोनम-ग्रेकम) के बीज अंकुरण पर ऊंचे तापमान का प्रभाव, 30,000/- रुपये।

मंजूर/दायर पेटेंट

अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट (01), डॉ. अभिजीत मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के संभावित उपचार के लिए मानव एस्ट्रोसाइट्स में व्हार्टन जेली व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम सेल (डब्ल्यूजे-एम.एससी.एस) की उप-जनसंख्या का ट्रांस-विभेदन।

राष्ट्रीय पेटेंट, डॉ. राकेश यादव, श्री के.के.एस. गौतम, कंप्यूटर विज्ञान विभाग और "आईओटी नेटवर्क और उसके तरीके में खतरों का पता लगाने के लिए एक प्रणाली", आवेदन संख्या: 202141061667। प्रकाशन तिथि (4/02/2022)।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. एम. आर. रमेश कुमार, मुख्य वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) और प्रमुख, पीओडी, एनआईओ, गोवा, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान,-,"अंटार्कटिका और इसका वैज्ञानिक महत्त्व", 13 फरवरी 2023.

प्रो. रितु सपरा, प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय। "पर्यावरण रिपोर्टिंग-सतत विकास के लिए एक उपकरण" 09 नवंबर 2022.

प्रोफेसर मारिया इवानोवा, निदेशक स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड अर्बन अफेयर्स नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी बोस्टन, यूएसए, पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार 26-29 सितंबर 2022.

प्रोफेसर विनोद शर्मा, प्रोफेसर कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय-, 22 अप्रैल 2022 को बिजनेस और मार्केटिंग में डेटा एनालिटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

श्री राघवेंद्र शर्मा, पूर्व छात्र, अर्थशास्त्र विभाग बैच 2019, आईपीएस बैच 2021, यूपीएससी परीक्षा: 10 फरवरी 2023 को इसकी तैयारी पर अंतर्दृष्टि।

आयोजित सम्मेलन

27 फरवरी 2023 को विश्लेषण और उसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

21 अप्रैल 2023 को "बिजनेस और मार्केटिंग में डेटा एनालिटिक्स" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

सामाजिक संकाय द्वारा "सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत "भारत में मिलेनियल्स का हरित क्रय व्यवहार: एक व्यवहार विश्लेषण" नामक शोध-पत्र पर डॉ. अश्वनी शर्मा को सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुतकर्ता का पुरस्कार मिला। विज्ञान, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा।

4-5 मार्च 2023 को विश्व संवाद केंद्र, दिल्ली और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, यूपी द्वारा संयुक्त रूप से 'आरक्षण और धर्मांतरण' पर आयोजित कॉन्क्लेव में सहायक प्रोफेसर डॉ. तरूण गुप्ता ने 'अनुसूचित जाति: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सोनल ने 27-31 जनवरी, 2023 को भारतीदासन विश्वविद्यालय, त्रिची में एक्सएलवीआई भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस की पुरातत्व, इतिहास और संस्कृति अनुसंधान समिति के लिए 'औपनिवेशिक ज्ञानमीमांसा और भारतीय इतिहास का लेखन' नामक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

शिवाजी महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा 27-28 फरवरी, 2023 को आयोजित "विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग" नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. बबीता गुप्ता ने "इंटीग्रल ऑपरेटर्स से जुड़ी कुछ असमानताएँ" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

शिवाजी महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा 27-28 फरवरी, 2023 को आयोजित "विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग" नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. अपर्णा जैन ने "फज़ी आइडियल जेनरेटेड बाय ए फ़ज़ी सेट इन ए लैटिस" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. उत्तम कुमार सिन्हा, एसोसिएट प्रोफेसर ने गणितीय विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति (रामसा -2022) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मैट्रिक्स-वैल्यूड गैबोर बेसेल अनुक्रम, स्थानीय रूप से कॉम्पैक्ट एबेलियन समूहों पर दोहरे फ्रेम और सममित फ्रेम" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। (दिसंबर 08-10, 2022) गणित विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ए-10, सेक्टर-62, नोएडा, यूपी, भारत-201309 द्वारा आयोजित।

डॉ. वंदन ने 27-28 फरवरी, 2023 को गणित विभाग, शिवाजी महाविद्यालय द्वारा आयोजित "विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग" नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आइडियल्स इन ए टर्नरी रिंग ऑफ ऑपरेटर" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. के.के.एस. गौतम ने इलेक्ट्रिकल विभाग में आयोजित इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटिंग, संचार और सतत प्रौद्योगिकियों (आईसीएईसीटी 2022) में प्रगति पर आईईईई प्रायोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "5जी

और इंटरनेट ऑफ थिंग (आईओटी) नेटवर्क के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया। और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस (एसएसटीसी), भिलाई, छत्तीसगढ़, भारत 21-22 अप्रैल 2022.

डॉ. विराट जॉली ने 25-26 जून 2022 को अनुप्रयुक्त विज्ञान, आर्टविन, तुर्की में कराडेनिज़ 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हिमालय में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए नागरिक विज्ञान का उपयोग करके लोगों और प्रकृति को जोड़ना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर डॉ. सुरभि मदान ने 27-28 फरवरी 2023 के दौरान शिवाजी महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित विश्लेषण और उसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कोडिंग सिद्धांत में हालिया विकास' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

विद्या विस्तार योजना के तहत सिक्किम गवर्नमेंट महाविद्यालय, बुर्टुक, गंगटोक, पूर्वी सिक्किम, सिक्किम के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विद्या विस्तार योजना के तहत हिमालयन डिग्री महाविद्यालय (जम्मू विश्वविद्यालय), राजौरी, जम्मू और कश्मीर के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

डॉ. अम्बेडकर सेंटर फॉर एक्सीलेंस की स्थापना के लिए भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 42

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 78

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय यह सुनिश्चित करता है कि छात्र एन.सी.सी., एन.एस.एस. और डब्ल्यूडीसी जैसी विभिन्न समितियों और कोशिकाओं के माध्यम से रचनात्मक सामुदायिक कल्याण परियोजनाओं में लगे रहें। शिवाजी महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये। कैडेटों ने पेड़-पौधे भी लगाए और दूसरों को ग्लोबल वार्मिंग और वनों की कटाई के बारे में प्रोत्साहित किया ताकि लोगों के बीच पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा सके। कैडेट ने विभिन्न शिविरों में भी भाग लिया जिनमें अंतर निदेशालय राज्य शूटिंग चैम्पियनशिप, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, स्वतंत्रता दिवस शिविर, एक भारत श्रेष्ठ भारत, उन्नत नेतृत्व शिविर, प्रधानमंत्री रैली और अनेक अन्य शिविर शामिल हैं।

शिवाजी महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई सामाजिक सशक्तिकरण और शिक्षा के लिए समर्पित है, और ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरण से संबंधित पहल को प्रोत्साहित करती है। इस वर्ष

एन.एस.एस. की यात्रा "ज्ञानोदय"-सभी के लिए शिक्षा अभियान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह, यथार्थ (एन.एस.एस. शिवाजी की नाटक टीम) और मानसिक कल्याण सत्र, स्वच्छ भारत 2.0 अभियान, पुस्तक दान अभियान जैसे कार्यक्रमों के साथ एक प्रेरणादायक यात्रा रही। एसिड अटैक पीड़ितों पर कानूनी जागरूकता सेमिनार। इनका उद्देश्य छात्रों को सामुदायिक कल्याण और उन्नति के उद्देश्यों के प्रति संवेदनशील बनाना है।

महाविद्यालय के महिला विकास सेल ने "समाज, दुर्व्यवहार और लिंग", और "कानूनी जागरूकता" जैसे संवेदनशील विषयों पर एक सेमिनार का आयोजन किया। महिला विकास सेल ने दिल्ली पुलिस के महिलाओं के खिलाफ अपराध (सीएडब्ल्यू) सेल के साथ सहयोग किया और 6 से 15 फरवरी, 2023 तक महाविद्यालय की सभी महिला छात्रों के लिए 10 दिवसीय "आत्मरक्षा कार्यशाला" का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

शिवाजी महाविद्यालय पुस्तकालय कोहा सॉफ्टवेयर के साथ पूरी तरह से स्वचालित है और आरएफआईडी सक्षम है। उपयोगकर्ता स्वयं पुस्तकें जारी कर सकते हैं और वापस कर सकते हैं और कैंपस ओपेक के माध्यम से पुस्तक खोज सकते हैं। इसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का एक समृद्ध संग्रह है जिसमें पुस्तकें, जर्नल, पत्रिकाएं और समाचार पत्र शामिल हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान, महाविद्यालय पुस्तकालय ने अपने संग्रह में 1930 पुस्तकें और 05 सीडी जोड़ी हैं और अब पुस्तकालय में कुल 84110 पुस्तकें और 744 सीडी हैं। विभिन्न विषयों का. पुस्तकालय ने उपयोगकर्ताओं की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने और उन्हें नवीनतम विकास से अवगत रखने के लिए 09 जर्नल, 22 जर्नल और 15 समाचार-पत्रों की अनेक प्रतियों के साथ सदस्यता ली। पुस्तकालय महाविद्यालय कैंपस के भीतर और दूर से दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय सिस्टम, एनएलआईएसटी और डेलनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक मुफ्त पहुंच भी प्रदान करती है। इसके अलावा, दिव्यांग उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुस्तकालय में 304 ब्रेल पुस्तकें और 33 सीडी हैं। इसके अलावा पुस्तकालय में 09 आईपॉड और 33 एंजल्स ऑडियो प्लेयर भी हैं।

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 163

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

स्वीकृत अनुदान: रुपए 69.83 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 81.07 करोड़

***

श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय (एसआरसीसी) की स्थापना 1926 में प्रसिद्ध उद्योगपति और परोपकारी सर श्री राम द्वारा वाणिज्यिक महाविद्यालय के रूप में की गई थी। 1932 में इसे डिग्री महाविद्यालय में अपग्रेड किया गया। बी.ए. (ऑनर्स) (वाणिज्य समूह) डिग्री और एम.ए. (अर्थशास्त्र) की शुरुआत 1943 में हुई, उसके बाद एम.कॉम की शुरुआत 1948 में हुई। 1949 में, महाविद्यालय ने बी.कॉम की पेशकश शुरू की। 1951 में, अपनी रजत जयंती पर, कमर्शियल महाविद्यालय ने वाणिज्य और अर्थशास्त्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने का फैसला किया और अपने संस्थापक की मान्यता में खुद को श्री राम वाणिज्य महाविद्यालय (एसआरसीसी) के रूप में पुनः नामित किया। 1954 में, एसआरसीसी अपने वर्तमान कैंपस में स्थानांतरित हो गया। बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम 1958 में शुरू किया गया था। 1976 में, इसकी स्वर्ण जयंती के समारोह के दौरान, पहली बार "चौराहे" का आयोजन किया गया था। 1999 में, एसआरसीसी ने एक अद्वितीय स्व-वित्तपोषित कार्यक्रम पीजीडीजीबीओ की शुरुआत की। 2007 में, मुख्य महाविद्यालय भवन को "विरासत भवन" घोषित किया गया था। 2010 के दशक में, एसआरसीसी ने अपने दृष्टिकोण को "राष्ट्रीय प्रतिष्ठा का महाविद्यालय" से "वैश्विक पसंद का महाविद्यालय बनने" के रूप में फिर से परिभाषित किया।

एसआरसीसी वाणिज्य, अर्थशास्त्र और प्रबंधन में भारत का प्रमुख एचईआई है और इसे निरंतर भारत में नंबर वन वाणिज्य महाविद्यालय के रूप में स्थान दिया गया है। एसआरसीसी को एनएएसी द्वारा 2023 में दूसरे चक्र में 'A++' मान्यता दी गई थी।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एनएएसी द्वारा दूसरे चक्र को ए++ से सम्मानित किया गया।

अनाउंसमेंट अरुणा मेमोरियल डिबेट का आयोजन।

महाविद्यालय कोचिंगोरियम का मीन्स और इसका नाम श्रीधर श्रीराम कोचिंगोरियम का कार्य पूरा हो गया। भारतीय आर्थिक इतिहास केंद्र का शुभारंभ।

संस्कृति द्वारा "प्राचीन भारत के आर्थिक इतिहास, ज्ञान और आर्थिक विचारों पर ज्ञान, अनुसंधान और शिक्षण संस्थानों के विकास और प्रसार" पर तीन मंडल और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा एक परियोजना के लिए संक्षिप्त और पुरस्कार प्राप्त हुआ।

6 सहायक प्रोफेसर, 73 एसोसिएट प्रोफेसर की भर्ती की गई।

शिक्षण एवं गैर-शिक्षण रेस्तरां का संयोजन किया गया।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर ए.जे.सी. बोस, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, को 22 मार्च 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों में सेवा में शिक्षकों के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार-45 वर्ष से अधिक आयु से सम्मानित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.कॉम. (ऑनर्स) की देवांशी सतीजा तैराकी 2xएशियाई युवा पैरा खेलों में भारत की सबसे कम उम्र की और पहली महिला एशियाई पैरा खेलों की पदक विजेता। उन्होंने 22-28 अक्तूबर को चीन के हांगझू में आयोजित एशियाई पैरा गेम्स 2023 में महिला तैराकी में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

प्रकाशन

झा, ए. (2023)। कर्मचारियों की भावात्मक प्रतिबद्धता के निर्माण के लिए सीएसआर की प्रासंगिकता एल ए बहुस्तरीय दृष्टिकोण। **वैश्विक उत्तरदायित्व जर्नल.** 14(1): 135-154.

झा, ए., एट अल. (2023)। फास्ट-फूड उद्योग में जेनरेशन Z की खरीद के इरादे पर सीएसआर धारणा के प्रभाव को उजागर करना। **एलबीएस जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च।** 20(1/2): 1-20.

बोस, ए.जे.सी., एट अल। (2022)। सामाजिक सुरक्षा पर कुछ विचार: प्रतीकवाद से लेकर वास्तविक निष्पक्षता तक। **जर्नल ऑफ इंडियन रिसर्च. 10(एनए):**1-2.

कौशिक, आर. (2023)। अंग्रेजी कक्षा में विज्ञापनों का उपयोग: एक खोजपूर्ण अध्ययन। **कला जर्नल.**11(3): 219-233.

मल्लिक, एस., एट अल. (2022)। भारत में घरेलू वित्तीय भेद्यता पर एक अनुभवजन्य विश्लेषण: वित्तीय ज्ञान, आवेग और धन-प्रबंधन कौशल की भूमिका की खोज। प्रबंधकीय वित्त।48(9/10): 1391-1412।

शर्मा, एस. (2022)। एक स्टोकेस्टिक नवाचार-समावेशी गतिशील संभावित बाजार। **अरेखीय अध्ययन**. 29(4): 1183-1197.

जर्नल

मित्तल, एन. (2022 और 2023)। बिजनेस एनालिस्ट जर्नल (बीएजे)। द्विवार्षिक, 43 और 44 (1 और 2)।

शोध-परियोजनाएं

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (2019-2023) द्वारा वित्त-पोषित परियोजना, जिसका शीर्षक है, "भारतीय संदर्भ में सर्ज प्राइसिंग और एल्गोरिथम मिलीभगत के विशेष संदर्भ में टैक्सी और कैब एग्रीगेटर उद्योग से संबंधित प्रतिस्पर्धा और नियामक मुद्दे"। 24.5 लाख रूपये की स्वीकृत राशि। पीआई: प्रोफेसर सिमरित कौर (प्रधानाचार्य, एसआरसीसी)।

आयोजित संगोष्ठी

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में सीनियर रिसर्च फेलो सुश्री जेनिफर लीनिंग द्वारा 'ब्रिटिश भारत का 1947 का विभाजन: जबरन प्रवासन और इसकी गूंज' शीर्षक वाला सेमिनार, ओआईपी - हार्वर्ड सेमिनार, 10 अक्तूबर 2022 को आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क, भारतीय विकास कहानी: मानव पूंजी विकास की गाथा के महानिदेशक श्री धनंजय सिंह द्वारा 'महत्त्वपूर्ण मानव संसाधन मुद्दों की पुनर्गणना: सैद्धांतिक और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि' नामक संगोष्ठी 21 अक्तूबर 2022 को आयोजित की गई।

सुश्री एनेटी अम्मेराल, वरिष्ठ व्याख्याता, अवांस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नीदरलैंड द्वारा 'चेंजमेकर्स के रूप में महिलाएं' नामक सेमिनार, 8 मार्च 2023 को चेंजमेकर्स के रूप में महिलाओं पर ओआईपी संगोष्ठी आयोजित की गई।

सुश्री सावित्री सिंह, उप मुख्य कार्यकारी, एनसीयूआई, सहकारी व्यवसाय द्वारा 'एशिया और प्रशांत क्षेत्र में युवा उद्यमिता के लिए सहकारी व्यवसाय और अवसर' शीर्षक से सेमिनार दिसंबर 2022 को आयोजित किया गया।

आयोजित सम्मेलन

16 फरवरी 2023 को 'वाणिज्य, वित्त और अर्थशास्त्र में नए क्षितिज' पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्टी/सम्मेलन में प्रस्तुति

विदेश मंत्रालय और भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद के सहयोग से 62वां भारत को जानो कार्यक्रम नवंबर 2022 में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय, एसआरसीसी द्वारा आयोजित किया गया था।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

चिन्मय विश्व विद्यापीठ (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर: शैक्षणिक सहयोग**,** अनुसंधान दक्षताओं के निर्माण और संकाय और छात्रों के पारस्परिक विकास के लिए समझौता-ज्ञापन किया गया।

ईएडीए बिजनेस स्कूल, **स्पेन (इंटरनेशनल) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर:** शैक्षणिक सहयोग**,** अनुसंधान दक्षताओं के निर्माण और संकाय और छात्रों के पारस्परिक विकास के लिए समझौता-ज्ञापन किया गया।

कलाम रिसर्च सेंटर (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर: शैक्षणिक सहयोग**,** अनुसंधान दक्षताओं के निर्माण और संकाय और छात्रों के पारस्परिक विकास के लिए समझौता-ज्ञापन किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

जी20 के एक आधिकारिक सहभागिता समूह, थिंक 20 के साथ अंतर-संस्थागत सहयोग किया गया था।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 508 छात्रों को स्थान मिला।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

वर्ष 2022-23 के दौरान 90 कंपनियों ने कैंपस का दौरा किया।

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

ईएनक्टस एसआरसीसी चैप्टर-परियोजना विरासत का आयोजन।
ईएनक्टस एसआरसीसी चैप्टर-परियोजना अमल का आयोजन किया गया।
ईएनक्टस एसआरसीसी चैप्टर-परियोजना लेहर का आयोजन किया गया।
एन.एस.एस. एसआरसीसी परियोजना संस्कार का आयोजन किया गया।
सीडीएफ एसआरसीसी चैप्टर परियोजना आरोग्य का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 1000 से अधिक पुस्तकें जोड़ी गईं। भारत के संविधान पर एक समर्पित अनुभाग बनाया गया। उन्नत महाविद्यालय पुस्तकालय आईटी डेटाबेस और सॉफ्टवेयर।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 85000

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 80

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 130

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 42.98 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 42.98 करोड़

***

श्याम लाल महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

श्याम लाल महाविद्यालय (एसएलसी) एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है जो शिक्षाविदों, संस्कृति, खेल और अन्य छात्र सशक्त गतिविधियों में उत्कृष्टता के विकास के लिए जीवंत समावेशी वातावरण प्रदान करता है। 1964 में श्याम लाल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्कालीन अध्यक्ष, महान दूरदर्शी और उद्यमी पद्मश्री (स्वर्गीय) श्री श्याम लाल गुप्ता द्वारा स्थापित। 59 वर्षों की अवधि में, महाविद्यालय ने विभिन्न विभागों में प्रतिष्ठित संकाय के समृद्ध योगदान के साथ ढेर सारे पाठ्यक्रम और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करके खुद को प्रतिष्ठित किया है। एसएलसी पूरी तरह से अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब, सम्मेलन केंद्र, विज्ञान प्रयोगशाला,

ज्ञान संसाधन केंद्र और पुस्तकालय से सुसज्जित है। महाविद्यालय कैंपस में विशाल खेल बुनियादी ढांचा है और यह हरे-भरे लॉन और खिले हुए बगीचों से भरा है जो समग्र शिक्षण अध्ययन की प्रक्रिया का प्राकृतिक माहौल बनाते हैं। महाविद्यालय, निरंतर पांच वर्षों से, महाविद्यालयों के लिए एनआईआरएफ रैंकिंग में भारत के शीर्ष 100 महाविद्यालयों में से एक रहा है (2018 में 61वां; 2019 में 41वां; 2020 में 69वां; 2022 में 77वां; और 2023 में 68वां)। एसएलसी को दूसरे चक्र (2023) में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा ए++ मान्यता दी गई है। महाविद्यालय को 2020 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत डीबीटी स्टार महाविद्यालय कार्यक्रम के लिए भी चुना गया है। इनोवेशन काउंसिल को आईआईसी कैलेंडर वर्ष 2020-21 के दौरान शिक्षा मंत्रालय (एमओई) से 3 सितारों के साथ मान्यता दी गई है। एसएलसी को अनेक राष्ट्रीय (एसएपी, ISO-9001) और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों (2022 में वूरी) से भी मान्यता प्राप्त है। एसएलसी को अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशंस ऑन इनोवेशन अचीवमेंट (एआरआईआईए) द्वारा सामान्य (गैर-तकनीकी) श्रेणी के तहत "परफॉर्मर" बैंड में मान्यता दी गई है। महाविद्यालय ने सक्रिय रूप से अनेक नवीन, सामाजिक रूप से प्रासंगिक और मूल्य-आधारित दृष्टिकोण अपनाए हैं, जिन्होंने छात्रों की समग्र शिक्षा में बहुत योगदान दिया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एसएलसी को दूसरे चक्र (2023) में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा A++ मान्यता प्राप्त है और नवीनतम राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) में 68 वीं रैंक भी प्राप्त की है और वास्तविक प्रभाव वाले विश्व के विश्वविद्यालयों (WURI) के तहत सम्मानजनक मान्यता प्राप्त की है।

एसएलसी को 2023 में प्रतिष्ठित डीबीटी स्टार महाविद्यालय कार्यक्रम में एक भागीदार के रूप में चुना गया था, जिससे अत्याधुनिक अनुसंधान और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष समारोह, आजादी का अमृत महोत्सव और भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी में सक्रिय भागीदार रहा है। इन भव्य स्मरणोत्सवों के तहत, एसएलसी ने "ग्लोबल साउथ" और "वसुधैव कुटुंबकम" विषयों के तहत कार्यक्रम, वार्ता और सम्मेलन आयोजित करने की अनेक पहल की हैं, जो एक परस्पर जुड़ी दुनिया में भारत की भूमिका पर प्रकाश डालती हैं।

महाविद्यालय को अनेक शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं और प्रतिष्ठित जर्नल में 100 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित हुए हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा के अमूल्य ज्ञान को संरक्षित और प्रचारित करने के लिए रिपोर्ट के तहत वर्ष में एसएलसी के सरस्वती आईकेएस केंद्र की स्थापना की गई। अपने उद्घाटन वर्ष में, सरस्वती आईकेएस केंद्र ने महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त कीं। इसने एआईसीटीई के सहयोग से एक छात्र इंटर्नशिप परियोजना "भारतीय ज्ञान संवाहन कार्यक्रम" को पूरा किया, जो भारतीय ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में गहराई से उतरता है।

डीबीटी प्रायोजित स्टार महाविद्यालय योजना के तहत, एसएलसी ने महाविद्यालय में 07 अच्छी तरह से सुसज्जित स्नातक प्रयोगशालाओं, पुनर्निर्मित वातानुकूलित स्टाफ रूम, पुस्तकालय, कार्यालय और कैंटीन

और सीसीटीवी निगरानी कैंपस के साथ अपने शैक्षणिक और प्रयोगशाला बुनियादी ढांचे में काफी सुधार किया है।

ग्रामीण विकास, कौशल वृद्धि और अपने छात्रों के बीच रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए एसएलसी की प्रतिबद्धता उन्नत भारत अभियान, कौशल भारत जैसी पहल में भागीदारी के माध्यम से स्पष्ट है। एसएलसी एंटरप्रेन्योरशिप सेल, सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट और इनोवेशन काउंसिल ने "युवा स्पंदना" राष्ट्रीय कौशल विकास और स्टार्टअप मेले का आयोजन किया है, जो छात्रों को अपने कौशल और नवीन विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह पहल राष्ट्रीय "कौशल भारत" कार्यक्रम के अनुरूप है।

एसएलसी ने सीआईबीईआर, जीटी, अटलांटा, यूएसए, एआईसीटीई, आईसीएसएसआर, डीबीटी, आईसीएचआर, टीयूएएस (फिनलैंड), एपीयू (जापान) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों के साथ साझेदारी और सहयोग स्थापित किया है, जो छात्रों और संकाय को विनिमय कार्यक्रमों में शामिल होने और वैश्विक अध्ययन के अनुभव के लिए प्रोत्साहित करता है।

सम्मान/गौरव

एसएलसी की खेल समिति पूरे शैक्षणिक सत्र 2022-23 में अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, विश्वविद्यालय, इंटर-महाविद्यालय के साथ-साथ राज्य स्तर पर विभिन्न खेलों में छात्रों की भागीदारी के साथ सक्रिय रही। 2022-23 की कुछ उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है:

• श्याम लाल महाविद्यालय की कबड्डी टीम एमिटी यूथ की चैंपियन बनी।

• श्याम लाल महाविद्यालय ने दिल्ली यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा आयोजित प्री इंटर-महाविद्यालय कबड्डी चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

• श्याम लाल महाविद्यालय बेसबॉल टीम ने इंटर-महाविद्यालय बेसबॉल टूर्नामेंट **2022-23** में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

गौरव प्राप्त छात्र

• 2021-22 के दौरान आयोजित सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने वाले 3008 छात्रों में से 3003 उत्तीर्ण हुए, जिसमें 99.83% उत्तीर्ण हुए।

• एसएलसी छात्रों ने विभिन्न श्रेणियों में अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, विश्वविद्यालय, इंटर-महाविद्यालय के साथ-साथ राज्य स्तर पर भी भाग लिया है, इंटर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में भी स्थान प्राप्त किया है और पुरस्कार जीते हैं और महाविद्यालय में लॉरेल लाए हैं। 2022-23 की कुछ उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है:

• सुश्री सुदीप्ति खन्ना, बीए (एच) राजनीति विज्ञान III वर्ष, 3 से 5 सितंबर 2022 तक थाईलैंड में आयोजित 7वीं एरोबिक जिम्नास्टिक एशियाई चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए भारत एरोबिक जिम्नास्टिक टीम के लिए चुनी गईं।

- सुश्री सुदीप्ति खन्ना, बीए (एच) राजनीति विज्ञान III वर्ष, जम्मू एरोबिक जिम्नास्टिक टीम के लिए चुनी गईं और 29 से 31 मार्च 2023 तक बैंगलोर, कर्नाटक में आयोजित 17वीं एरोबिक जिम्नास्टिक नेशनल चैंपियनशिप 2022-23 में एक रजत पदक और एक कांस्य पदक जीता।

- श्री मोहित राणा, बीए (पी) III वर्ष, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर-यूनिवर्सिटी हॉकी टूर्नामेंट 2022-23 में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय हॉकी टीम के लिए चयनित।

- श्री तन्मय कौशिक, बीकॉम III वर्ष, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी टूर्नामेंट 2022-23 में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय हॉकी टीम के लिए चयनित।

- श्री अनिल त्यागी, बीए (कार्यक्रम) III वर्ष, एमडीयू, रोहतक में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट 2022-23 में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय कबड्डी टीम के लिए चुने गए।

- श्री संदीप यादव, बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र III वर्ष, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट 2022-23 में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय बेसबॉल टीम के लिए चुने गए।

- श्री विशाल, बीए (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष, दिल्ली बेसबॉल टीम के लिए चुने गए और जूनियर बेसबॉल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लिया और स्वर्ण पदक जीता।

- बीकॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के श्री करेंद्र और बीए (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष के श्री दीपांशु सिरोही को 19 से 22 अक्टूबर 2023 तक गुरु काशी विश्वविद्यालय भटिंडा में वर्ष 2023-24 के लिए इंटर-यूनिवर्सिटी कबड्डी चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय कबड्डी टीम के लिए चुना गया।

- हमारे महाविद्यालय हॉकी खिलाड़ियों को 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 तक महाराजा भूपिंदर सिंह विश्वविद्यालय**,** पंजाब में वर्ष 2023-24 के लिए अंतर-विश्वविद्यालय हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय हॉकी टीम के लिए चुना गया।

प्रकाशन

कार, आरएन (2022)। सक्रिय शासन और वित्तपोषण: नया भारतीय मॉडल। चार्टर्ड सेक्रेटरी, आईसीएसआई, वॉल्यूम।

कुमार, एस., शर्मा, एम., मुट्टू, एसके, और सिंह, वीबी (2022)। शब्द एम्बेडिंग के आधार पर अंतर परियोजना दोष वर्गीकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, स्प्रिंगर, 1-14।

इटू, एस., अहमद, एम., कुमार, वी., और अलखय्यात, ए. (2023), आरकेएमआईएस: औद्योगिक सेंसर नेटवर्क सिस्टम के लिए मजबूत कुंजी प्रबंधन प्रोटोकॉल। द जर्नल ऑफ सुपरकंप्यूटिंग, स्प्रिंगर, 1-30।

भंडारी, वी., और सहाय, एम. (2023)। सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनियों और ब्लू चिप कंपनियों के

प्रदर्शन पर व्यापक रूप से कोविड' 19 का प्रभाव - एक तुलनात्मक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट, 13 (1), 16-28। भंडारी, वी., और सहाय, एम. (2023)। सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनियों और ब्लू चिप कंपनियों के प्रदर्शन पर व्यापक रूप से कोविड'19 का प्रभाव-एक तुलनात्मक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट, 13 (1), 16-28।

खान, ए.ए., कुमार, वी., श्रीनिवास, जे., कुमारी, एस., और गुप्ता, एमके (2022)। आरएकेएस: उपग्रह अवसंरचना के लिए सुदृढ़ प्रमाणीकरण और प्रमुख समझौता योजना। दूरसंचार प्रणाली, स्प्रिंगर।

खान, ए.ए., कुमार, वी., अहमद, एम., और जंगीराला, एस. (2022)। वाहन-ग्रिड प्रणाली के लिए एक सुरक्षित और ऊर्जा कुशल प्रमुख समझौता ढांचा। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी एंड एप्लीकेशन, एल्सेवियर, 68, 103231.

कौर, के., भारद्वाज, एच.के., राजोरिया, वाई.के., यादव, ए., मौर्य, डी., और बोध, आर. (2022)। मौखिक कैंसर जोखिम (ओसीआर) निदान के लिए फजी विशेषज्ञ प्रणाली (एफईएस) एकीकरण। जर्नल ऑफ़ फार्मास्युटिकल नेगेटिव रिजल्ट्स, वॉल्यूम 13 (08), पीपी 3433-3437.

अग्रवाल, एन., कपूर, ए., और गुप्ता, एम. (2023)। शहरी क्षेत्रों में बिना छायांकित और आंशिक छायांकन स्थितियों के तहत कुल क्रॉस टाईड-इन-सीरीज़ और पारंपरिक पीवी सरणी विन्यास की तुलनात्मक वार्षिक ऊर्जा उपज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च, वॉल्यूम 13 (1), पीपी 465-473.

शर्मा, एस., मोंगा, वाई., गुप्ता, ए., और सिंह, एस. (2023)। सिलिको स्क्रीनिंग और आणविक डॉकिंग में मानव कैलिकेरिन 7 के साथ क्विनोलिन आधारित यौगिकों का अध्ययन 1,4-डायजेपेन-7-एक 1-एसिटामाइड व्युत्पन्न रिसेप्टर संभावित जीवाणुरोधी के लिए लक्ष्य के साथ जटिल में। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर केमिस्ट्री, 3 (1), 585

शोध-परियोजनाएं

अंतर्राष्ट्रीय

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), वियना, ऑस्ट्रिया के साथ फ्यूजन उपकरणों (फ43024) में वाष्प परिरक्षण के लिए परमाणु डेटा।

राष्ट्रीय

"उच्च शिक्षा संस्थानों के लाभ के लिए आश्रमों और गुरुकुलों के महान भारतीय ज्ञान नेटवर्क की खोज और कनेक्टिंग: एनईपी 2020 के जनादेश के अनुसार एक कार्य मॉडल" आईसीएसएसआर द्वारा।

डीबीटी के तहत स्टार महाविद्यालय योजना।

ओडिशा में समुद्र-जनित आपदा जोखिम न्यूनीकरण, शासन और प्रबंधन: नीति और नवाचार का एक तुलनात्मक अध्ययन, इम्प्रेस-आईसीएसएसआर।

थर्मोइलेक्ट्रिक गुणों पर लॉन बीम विकिरण के प्रभाव का अध्ययन अर्थात थर्मो पावर और बिस्मथ टेल्यूराइड

(बीआई 2 टी ई 3), लेड टेल्यूराइड (पीबीटीई) और एमजीएजीएसबी आधारित मिश्र धातु की तापीय चालकता नागालैंड सरकार।

एक्सप्लोर एंड कनेक्ट करने के लिए एक एक्शन आधारित अध्ययन समकालीन प्रकटीकरण और प्रथाओं में आईकेएस का चयन करें, MoE@AICTE के आईकेएस डिवीजन।

मंजूर/दायर पेटेंट

के. माहेश्वरी, एन. कामराज, डॉ. राहुल बोध, एट अल 2022, स्वास्थ्य देखभाल डेटा में विसंगतियों का पता लगाने के लिए हाइब्रिड फजी एसोसिएशन नियम एल्गोरिदम। भारतीय पेटेंट प्रकाशित: आईडी नंबर: 202241025524।

सतीश कुमार, मुकेश कुमार, डॉ. राहुल बोध एवं अन्य 2022, ई-पर्यावरण के लिए मशीन लर्निंग आधारित स्वचालित अपशिष्ट प्रबंधन। भारतीय पेटेंट प्रकाशित: आईडी नंबर: 202211047396.

डॉ. देव दत्ता आर्या, डॉ. राहुल बोध एवं अन्य 2022, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने संगठनात्मक चपलता और सतत प्रदर्शन के माध्यम से मानव प्रतिमान को एकीकृत किया। भारतीय पेटेंट प्रकाशित: आईडी नंबर: 202211051481.

डॉ. योगेंद्र कुमार राजोरिया, डॉ. राहुल बोध एवं अन्य 2022, उद्योग की जबरदस्त वृद्धि के साथ मानव संसाधन प्रबंधन के लिए कर्मचारियों के प्रदर्शन की निगरानी और भविष्यवाणी करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्मार्ट सिस्टम। भारतीय पेटेंट प्रकाशित: आईडी नंबर: 202211051656।

डॉ. राहुल बोध, डॉ. कुलजिंदर कौर एट अल 2022, एक मरीज की रीयलटाइम स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी के लिए एक प्रणाली और उसकी एक विधि। दक्षिण अफ्रीकी पेटेंट अनुदान: आईडी नंबर 2022/09665.

डॉ. राहुल बोध एट अल 2022, पर्यावरण के अनुकूल भविष्य के लिए सतत हरित इलेक्ट्रॉनिक्स का विकास। भारतीय पेटेंट प्रकाशित: आईडी नंबर: 202211054425.

डॉ. राहुल बोध एट अल 2022, एआई इमेज प्रोसेसिंग द्वारा मानव माइक्रो-एक्सप्रेशन वर्गीकरण के लिए एकीकृत मशीन विजन सिस्टम। भारतीय पेटेंट प्रकाशित: आईडी नंबर: लेखक 202211054424.

डॉ. राहुल बोध एवं अन्य 2022, हाइब्रिड तकनीक का उपयोग करके वायु प्रदूषकों के फैलाव पैटर्न को अलग करने के लिए एक प्रणाली। जर्मन पेटेंट स्वीकृत: आईडी नंबर 202022105576.9

डॉ. राहुल बोध एट अल 2022, तटीय शहरी वातावरण में वायु प्रदूषकों का सूक्ष्म पैमाने पर फैलाव। जर्मन पेटेंट स्वीकृत: आईडी नंबर 20 2022 105 965.9

डॉ. राहुल बोध एट अल 2022, वाहनों से उत्सर्जित प्रदूषकों के अध्ययन के लिए एक युग्मन तकनीक

आधारित प्रणाली। दक्षिण अफ्रीकी पेटेंट स्वीकृत: आईडी नंबर 2022/11443.

डॉ. राहुल बोध एट अल 2022, रेडियल बेसिस फंक्शन बाइपोलर फजी न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके सबसे टिकाऊ प्लास्टिक सामग्री की पहचान करने की एक विधि। दक्षिण अफ्रीकी पेटेंट प्रदान किया गया। आईडी नंबर 2022/11999.

डॉ. राहुल बोध एट अल 2022, खाद्य जनित रोगज़नक़ साल्मोनेला का पता लगाने के लिए एक प्रणाली। जर्मन पेटेंट स्वीकृत: आईडी नंबर 20 2022 106 098.3.

डॉ लीना सिंह को "ए नोवेल सोलर पीसी मॉड्यूल डिजाइन" पर एक पेटेंट मिला। आवेदन संख्या 355623-001.

डॉ. सौभाग्यलक्ष्मी सिंह, "स्मार्ट शहरों में आईओटी आधारित इलेक्ट्रिक वाहन नियंत्रण प्रणाली"-पेटेंट संख्या-202241073743, प्रकाशन तिथि-30.12.2022.

डॉ. निधि जैन ने "ए सप्लाई चेन मैनेजमेंट एंड कंट्रोल सिस्टम" नामक एक पेटेंट प्रकाशित किया।

आयोजित संगोष्ठी

महाविद्यालय के ई-सेल के साथ संयुक्त रूप से 'मैनेजिंग पर्सनल फाइनेंस' नामक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 28 मार्च 2023 को किया गया।

आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन सेल (आईक्यूएसी) द्वारा 10-13 मई 2023 तक आयोजित 'यूके स्नातकोत्तर शिक्षा प्रणाली को नेविगेट करें' नामक संगोष्ठी।

10 नवंबर 2022 को महाविद्यालय और वारविक विश्वविद्यालय और सीपीआरएचई - एनआईईपीए द्वारा संयुक्त रूप से 'भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तार' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय द्वारा 10 नवंबर, 2022 को श्याम लाल महाविद्यालय के सीएसडी के ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए संयुक्त रूप से 'स्टेपिंग टुवर्ड्स एक्सीलेंस' नामक सेमिनार का आयोजन किया गया था, जिसका आयोजन 22 नवंबर, 2022 को उद्यमिता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 'स्टार्टिंग ए कंपनी' पर संगोष्ठी आयोजित किया गया।

16 फरवरी 2023 को गणित विभाग सरस्वती आईकेएसकेंद्र के सहयोग से भारतीय गणित की शैली' पर संगोष्ठी का आयोजन।

20 सितंबर 2022 को महाविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा 'हाउ टू क्रिएट ए इफेक्टिव फर्स्ट इंप्रेशन' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

17 जून 2022 को अनएकेडमी के सहयोग से सीएसडी और आईसीयूएसी द्वारा 'B.Sc के बाद रोजगार के

अवसर' नामक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

'भारतीय बिजनेस प्रैक्टिस: ए रोडमैप टू सस्टेनेबिलिटी' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संयुक्त रूप से वाणिज्य विभाग, कौशल विकास केंद्र और आईक्यूएसी द्वारा आईसीएसएसआर के सहयोग से 17-18 अप्रैल 2023 को श्याम लाल महाविद्यालय में आयोजित किया गया।

14-15 जुलाई 2022 को स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आईसीएसएसआर और एआईसीटीई के सहयोग से आईक्यूएसी और सरस्वती आईकेएस सेंटर, श्याम लाल महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'भारतीय ज्ञान प्रणाली: एकीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण' नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रोफेसर रबी नारायण कर, प्रधानाचार्य, एसएलसी ने निम्नलिखित में मुख्य वक्ता/संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

13 अप्रैल, 2022 को जीओसीई डेलचेव यूनिवर्सिटी ऑफ एसएचटीआईपी, बिजनेस लॉजिस्टिक एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा उत्तर मैसेडोनिया गणराज्य द्वारा 5वां अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन एसएचटीआईपी आयोजित किया गया।

शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणाली को एकीकृत करने पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 5-6 मई, 2022 को एनआईओएस, नोएडा में वीबीयूएसएस के सहयोग से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग और आईकेएस डिवीजन, एआईसीटीई द्वारा आयोजित की गई।

5-6 जुलाई, 2022 को चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय, आईसीएआई और आईसीएसआई के साथ वीबीयूएसएस द्वारा संयुक्त रूप से वाणिज्य और व्यवसाय में आईकेएस पर चर्चा आयोजित की गई।

सितंबर- अक्तूबर , 2023 में एनआईईपीए द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में महाविद्यालय की तैयारी और छात्र सफलता की अनुसंधान समिति की बैठकों में भाग लिया।

27-28 मई, 2022 को अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा "अंग्रेजी भाषा पाठ्यपुस्तकों में एनईपी 2020 के दृष्टिकोण को पूरा करना" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति प्रो. कुशा तिवारी।

प्रोफेसर कविता अरोड़ा ने वाणिज्य विभाग, कौशल विकास केंद्र और आईक्यूएसी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय बिजनेस प्रैक्टिस: ए रोडमैप टू फ्यूचर सस्टेनेबिलिटी" में "ग्रीन फाइनेंस: ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इन इंडिया" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। एसएलसी 17-18 अप्रैल, 2023 को आईसीएसएसआर के सहयोग से।

सुश्री मनीला कोहली ने 7-8 अक्तूबर 2022 को ईएलटी@1 राजस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, द लिटरेरी लिगेसी ऑफ बुकर प्राइज विनर्स में "रंगभेद के बाद के संदर्भ में संरक्षणवादी को फिर से पढ़ना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

श्री मुकेश कुमार ने 27-28 फरवरी को आयोजित "विश्लेषण और उसके अनुप्रयोग" शीर्षक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पृथ्वी-चंद्रमा प्रणाली में पृथ्वी की भूमध्यरेखीय अण्डाकारता के कारण पर्टर्बेशन तकनीक का उपयोग करके गुंजयमान वक्र और चरण पोर्ट्रेट का विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 2023 गणित विभाग, शिवाजी महाविद्यालय द्वारा आयोजित।

डॉ. नीलम डबास ने आईसीएसएसआर के सहयोग से आईक्यूएसी, सरस्वती आईकेएस सेंटर, एसएलसी द्वारा 14-15 जुलाई को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय ज्ञान प्रणाली: एकीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण" में "भारतीय गणित में शून्य की यादें" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुबोध कुमार ने 3-6 अप्रैल 2023 के दौरान वेलिको टार्नोवो की एक शाखा द्वारा आयोजित पांचवें अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक 'इनोवेटिव स्टेम एजुकेशन' (स्टेमेडु 2023) में "प्रतिबंधित मुख्य त्रुटियां और उनका पता लगाना, स्थान और सुधार" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। वर्ना मेडिकल यूनिवर्सिटी। बुल्गारिया।

सत्यवती महाविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत में राजनीतिक दलों और पार्टी प्रणाली में बदलते रुझान" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. सीताराम कुंभार ने "राजनीति का क्षेत्रीयकरण और भारतीय लोकतंत्र में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उत्थान और पतन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 14-15 मार्च, 2023 को डॉ. अम्बेडकर सामाजिक न्याय पीठ, आईआईपीए, नई दिल्ली और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।

डॉ. गायत्री चतुर्वेदी ने 14-15 जुलाई, 2022 को भारतीय ज्ञान प्रणाली: एकीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय संस्कृति में प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व और वर्तमान संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

सुपरप्रो एआई के साथ वयम ऐप 5 फरवरी 2022 को 2 वर्ष के लिए।
14 जून 2022 को 3 वर्षों के लिए ए3 चार्ज प्राइवेट लिमिटेड के साथ ऊर्जा प्रबंधन।
23 सितंबर 2022 को 5 वर्षों के लिए हॉलपार्टी के साथ छात्र आईडी कार्ड का प्रशासन
अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग।
एसएलसी ने इनके साथ सहयोग किया है:
शिक्षा मंत्रालय (एमओई);
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर);
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई);

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान;
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) और भी बहुत कुछ।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत:

752, 41.85%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 40

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

निम्नलिखित सामुदायिक आउटरीच कदम हैं जिन्हें महाविद्यालय सुविधा प्रदान करता है:

महाविद्यालय में एन.सी.सी., एन.एस.एस., महिला विकास प्रकोष्ठ, समग्र विकास केंद्र, उद्योग संवाद और कौशल विकास केंद्र, अम्बेडकर अध्ययन मंडल, गांधी अध्ययन मंडल आदि हैं जो छात्रों के बीच सामुदायिक भावना और नागरिकता की भावना को बढ़ाने के लिए रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान, यमुना बचाओ अभियान, लिंग संवेदीकरण, पहचान प्रवचन, नैतिक शिक्षा आदि जैसे सामुदायिक सेवा के लिए समर्पित कार्यक्रम आयोजित करते हैं। एसएलसी ने शाहदरा मंडी को भी अपनाया है और नियमित रूप से स्वच्छता अभियान, स्वच्छता अभियान, कैशलेस ट्रेडिंग और प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाता है।

महाविद्यालय निम्न-आय समूहों या समाज के वंचित वर्गों के युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर और सर्वोत्तम कोचिंग सुविधाएं प्रदान करके दिल्ली के ट्रांस-यमुना क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देता है।

महाविद्यालय ने अतीत में विभिन्न सर्वेक्षण किए हैं, जिसमें 'दिल्ली में वृद्धाश्रम-उनके सामने आने वाली चुनौतियों और समाज में उनके योगदान' परियोजना के हिस्से के रूप में सर्वेक्षण शामिल है। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली में कार्यरत वृद्धाश्रमों पर करीब से नज़र रखना है ताकि उन समस्याओं और चुनौतियों का आकलन किया जा सके जिनका ये संस्थान सामना कर रहे हैं।

महाविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवक गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। महाविद्यालय द्वारा आयोजित वृक्षारोपण गतिविधियों का उद्देश्य महाविद्यालय में और उसके आसपास हवा की गुणवत्ता में सुधार करना और साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

डब्ल्यूडीसी नियमित रूप से छात्रों और कर्मचारियों को लिंग संबंधी मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने और जाति, धर्म, रंग या लिंग के बावजूद मनुष्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का आयोजन करता है।

समान अवसर सेल की अधिकांश गतिविधियां जैसे कि वंचित समुदायों के छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं और स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं और दिव्यांगों के लिए सुविधाएं भी बड़े पैमाने पर आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को लाभान्वित कर रही हैं।

महाविद्यालय अच्छी नागरिकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय पहलों में भाग लेता है जैसे

स्वच्छता अभियान, कौशल और उद्यमिता विकास पहल, "मेक इन इंडिया" अभियान आदि।

महाविद्यालय ने एमओई, भारत सरकार के तहत यूबीए परियोजना के तहत 5 गांवों को गोद लिया है। महाविद्यालय का एन.एस.एस. भी नियमित रूप से छात्राओं के लिए "निर्भीक"-एक सप्ताह का महिला आत्मरक्षा शिविर आयोजित करता है। महाविद्यालय की यूबीए टीम और एन.एस.एस. टीम पहले ही यमुना बाजार घाट नंबर 21 में सफाई अभियान चला चुकी है। घाट नंबर-21 का मरम्मत, सौन्दर्यीकरण, पुर्ननिर्माण, रंग-रोगन सहित विकास और रखरखाव कार्य कराया गया है।

महाविद्यालय का एन.एस.एस. विंग अपने आदर्श वाक्य "सभी को प्यार करें और सभी की सेवा करें" पर कायम है। छात्र अनेक गैर सरकारी संगठनों के साथ एन.एस.एस. स्वयंसेवक के रूप में जुड़े। वे अमर ज्योति जैसे गैर सरकारी संगठनों का समर्थन करने के लिए कपड़े दान अभियान भी आयोजित करते हैं। एन.एस.एस. हर वर्ष महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन करता है। एसएलसी की एन.सी.सी. लड़कियों ने भाग लिया और आत्मरक्षा शिविर, योग शिविर, वृक्षारोपण अभियान और यमुना बचाओ अभियान का आयोजन किया।'

महाविद्यालय के विभिन्न केंद्र अर्थात महाविद्यालय के इनोवेशन, ई-सेल, सीएसडी ने छात्रों के अंतर्निहित कौशल का पता लगाने के लिए अनेक शोध संस्थानों और विभागों के साथ सहयोग किया और क्षेत्र यात्राएं, औद्योगिक और शैक्षिक दौरे भी आयोजित किए। महिला विकास केंद्र (डब्ल्यूडीसी) ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) और एसएलसी की स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) के सहयोग से "मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

पुस्तकालय विकास

- हमारे महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 56,000 से अधिक पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस, ई-जर्नल्स, ई-बुक्स आदि तक पहुंचने के लिए अपने उपयोगकर्ताओं को डीयूएलएस, एन-लिस्ट और डेलनेट के माध्यम से ई-संसाधन सुविधा प्रदान की जाती है। वर्ष 2022-23 में, विभिन्न विषयों में 457 पुस्तकें हमारे संग्रह में जोड़ी गईं। महाविद्यालय पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान करती है-

- सर्कुलेशन सेवाएँ।
- ज्ञान संसाधन केंद्र में, उपयोगकर्ता ई-संसाधनों (डीयूएलएस के माध्यम से) और एन-लिस्ट तक पहुंच सकते हैं।
- ज्ञान संसाधन केंद्र में अपने उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट एक्सेस की सुविधा भी प्रदान की जाती है
- वेब ओपेक
- डेलनेट
- समाचार पत्र कतरन सेवा
- अंतर पुस्तकालय ऋण
- एन-लिस्ट के माध्यम से, डीयूएलएस (संकाय सदस्यों के लिए) और डेलनेट रिमोट एक्सेस सुविधा अपने उपयोगकर्ताओं को ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए प्रदान की जाती है।

- संदर्भ सेवाएँ
- वाचनालय सुविधाएं
- एंगल प्रो डिवाइस प्रदान करके दृष्टिबाधित छात्रों को सेवाएँ

संकाय संख्या

कुल संकाय सदस्य: **160**

वित्तीय आवंटन और उपयोग

अनुदान प्राप्त: रुपए **29.95** करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए **29.95** करोड़

***

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने डीएसपीएसआर के सहयोग से 7-9 जनवरी 2023 तक "राष्ट्रवाद, वैश्वीकरण और विकास" पर (ऑनलाइन) XXIV वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

गौरव प्राप्त छात्र:

निम्नलिखित छात्र महाविद्यालय टॉपर थे:

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष के नवीन चंद भट्ट ने **81.76** प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष के मुदित भारद्वाज ने **78.70** प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष की अंजलि कनौजिया ने **79.08** प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

बी.कॉम. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष पल्लवी सिंह ने **84.99** प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अनुसंधान प्रकाशन

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और प्रौद्योगिकी का उपयोग: एक महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन। केएएवी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ आईएसएसएन: **2349-2589**

कुमार, ए. ई-बैंकिंग और ग्राहक संतुष्टि के बीच संबंध। वाणिज्य और प्रबंधन अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. आई॰एस॰एस॰एन॰: **2455-1627.**

कुमार, ए. जेफ बेजोन: द एंटरप्रेन्योर विद ए डिफरेंस। एप्लाइड सोशल साइंस के इंटरनेशनल जर्नल आईएसएसएन: **2394-1405**

आयोजित सम्मेलन

डीएसपीएसआर के सहयोग से महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने 7-9 जनवरी 2023 को "राष्ट्रवाद, वैश्वीकरण और विकास" पर (ऑनलाइन) XXIV वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. सुरेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग ने **4-5** सितंबर **2022** को महिला महाविद्यालय खगड़िया, मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विकास मुद्दे और अंतःविषय अनुसंधान पद्धति' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

वाणिज्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरेश कुमार ने **12** फरवरी **2023** को श्री जैन पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय, बीकानेर द्वारा "भारत में कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर उभरते रुझान" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक शोध-पत्र भी प्रस्तुत किया।

उन्होंने **26-27** फरवरी **2023** को अनुसंधान मामलों की समिति, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "वाणिज्य, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में सतत विकास" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

उन्होंने एसडी (पीजी) द्वारा आयोजित "मानविकी और सामाजिक विज्ञान में समकालीन रुझान" पर महाविद्यालय, पानीपत, हरियाणा **18-19** मार्च **2023** को राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 57

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

5 (एजाइल कैपिटल सर्विसेज, इंग्लू, पहचान, प्लैनेट स्पार्क, टाटा स्ट्राइव)

पुस्तकालय विकास

हमारे पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 53,365 से अधिक पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। यह 16 हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्रों, 18 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। ई-संसाधन सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से छात्र और शिक्षक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस, डीयूएलएस, ई-जर्नल्स, ई-पुस्तकें और रिपोर्ट तक पहुंच सकते हैं। हमारा पुस्तकालय स्वचालित है और प्रकाशकों, कैटलॉग, पुस्तक समीक्षाओं और प्रकाशक वेबसाइटों से परामर्श करके वर्तमान शीर्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। छात्रों और कर्मचारियों के लिए मुक्त पहुंच की सुविधाएं भूतल और ऊपरी पुस्तकालय भवन पर उपलब्ध हैं।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या: 41

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 22

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 30,68,72,000/-

उपयोगिता अनुदान: रुपए 27,48,12,737/-

***

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय की 53 वर्षों की गौरवशाली यात्रा वर्ष 1969 में टैगोर गार्डन के एक छोटे से सरकारी भवन में केवल छह कार्यक्रमों, 500 छात्रों और मुट्ठी भर शिक्षण और प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ एक साधारण शुरुआत के साथ शुरू हुई। महाविद्यालय का नाम प्रसिद्ध राजनेता और शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखा गया है। महाविद्यालय को अक्तूबर , 1985 में अपने वर्तमान स्थान, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली में स्थानांतरित कर दिया गया था। वर्तमान में, महाविद्यालय तीन व्यावसायिक पाठ्यक्रम और तीन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सहित 21 कार्यक्रम प्रदान करता है।

आज, महाविद्यालय को 10 एकड़ भूमि में फैले अपने बड़े कैंपस पर बहुत गर्व है, जिसमें दो शैक्षणिक ब्लॉक, 100 से अधिक कमरे, 9 प्रयोगशालाएं, 4 सेमिनार कक्ष, एक ऑडियो-विजुअल कक्ष, एक अत्याधुनिक सभागार है जिसमे 1150 लोगों की बैठने की क्षमता है। महाविद्यालय में उत्कृष्ट खेल अवसंरचना भी है, जिसमें इनडोर और आउटडोर जिम शामिल हैं; एक बास्केटबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट; खो-खो,कबड्डी और हॉकी मैदान। महाविद्यालय में 85,000 पुस्तकों, 22 जर्नल, 11 समाचार-पत्रों और वातानुकूलित वाचनालयों के संग्रह के साथ एक बड़ी, अच्छी तरह से भंडारित, पूरी तरह से डिजिटलीकृत पुस्तकालय है। इसके कैंपस में स्टाफ क्वार्टर, इंडियन ओवरसीज बैंक की एक शाखा, एक एटीएम, एक किताब की दुकान और एक फोटो कॉपी की दुकान भी है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय ने आईक्यूएसी की देखरेख में पूरे वर्ष विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए। कुछ कार्यकलाप हैं; संकाय विकास कार्यक्रम, 2 यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार, सेमिनार और विशेष व्याख्यान की संख्या, आईसीपीआर प्रायोजक सेमिनार, गुमनाम नायकों पर जागरूकता अभियान, साहित्यिक उत्सव और विभिन्न इंटर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं। हमारे संकाय सदस्यों ने अनेक शोध लेख, पुस्तकें और पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए। हमारे अनेक संकाय सदस्यों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किए, सत्रों की अध्यक्षता की और विभिन्न सेमिनारों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।

सम्मान/गौरव

विश्व पर्यावरण दिवस 2022 पर योगदान के लिए उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से प्रशंसा प्रमाणपत्र, पर्यावरण और ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए द एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट, दरबारी सेठ ब्लॉक, दिल्ली से प्रशंसा प्रमाणपत्र (2021-22 और 2022-23), ऊर्जा और पर्यावरण संबंधी

गतिविधियों में योगदान के लिए पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (पीसीआरए), नई दिल्ली से प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग के छात्रों ने गौरव बढ़ाया है, जिसमें हमारी खो-खो टीम ने दिल्ली के खो-खो एसोसिएशन के सहयोग से युवा मामले और खेल मंत्रालय और एसएआई द्वारा आयोजित "खेलो-इंडिया 10 का दम" में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, एसपीएमसी एरोबिक टीम ने मिरांडा हाउस महाविद्यालय में आयोजित एरोबर्न इनविटेशनल इंटर-महाविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया और 12 अप्रैल 2022 को कालिंदी महाविद्यालय में आयोजित एरोबिक्स इनविटेशनल इंटर-महाविद्यालय में एरोबिक टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में वार्षिक एन.सी.सी. उत्सवों के दौरान, एन.सी.सी., एसपीएमसी ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और अनेक पदक और उपलब्धियां प्राप्त कीं, उदाहरण के लिए वार्षिक एन.सी.सी. संघर्ष' 23 में एसपीएमसी ने क्वार्टर गार्ड प्रतियोगिता में पहला और रस्साकशी में दूसरा स्थान प्राप्त किया। आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय का उत्सव, एन.सी.सी., एसपीएमसी ने दयाल सिंह महाविद्यालय में स्क्वाड ड्रिल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जीता और भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय में आयोजित क्वार्टर गार्ड प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। एन.सी.सी., एसपीएमसी ने राजधानी महाविद्यालय में आयोजित स्क्वाड ड्रिल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 29 मार्च 2023 को श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में आयोजित रस्साकसी में एन.सी.सी., एसपीएमसी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एन.सी.सी. कैडेटों ने विभिन्न शिविरों और रैली में भाग लिया।

गौरव प्राप्त छात्र

क्र.सं. विद्यार्थियों का नाम	**कक्षा**
1 शिवात्मिका शुक्ल	तृतीय वर्ष व्यावहारिक मनोविज्ञान
2 दिशिता प्रसाद	तृतीय वर्ष भूगोल
3 नंदिनी जिंदल	द्वितीय वर्ष, अर्थशास्त्र
4 गरिमा खुराना	द्वितीय वर्ष, व्यावहारिक मनोविज्ञान
5 श्रुति शर्मा	प्रथम वर्ष, व्यावहारिक मनोविज्ञान

प्रकाशन

आकांक्षा बंसल चोपड़ा और वी.एस. दीक्षित. (2022)। ओपिनियन माइनिंग का उपयोग करके सहयोगात्मक अनुशंसा प्रणाली में पक्षपाती रेटिंग का पता लगाना। *जर्नल ऑफ़ इंटेलिजेंट सिस्टम्स, 32(1), ऑनलाइन।*

प्रतिभा यादव, स्वीटा त्यागी और अन्य। (2022)। विकासवादी चरम शिक्षण मशीन आधारित सहयोगात्मक फ़िल्टरिंग। *उन्नत प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग अन्वेषण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(104), ऑनलाइन।*

एम. सूद, जया गेरा और अन्य। (2022)। डोमेन-आधारित शब्दकोश का निर्माण, मूल्यांकन और अनुकूलन। . *जर्नल ऑफ़ इंटेलिजेंट एंड फ़ज़ी सिस्टम*, 43(5), 6123-6136.

टूलिका वाधवा. (2022)। कायापलट करने वाली कक्षाओं में संचार: कोविड-19 महामारी के दौरान शिक्षण पर विचार। *फोर्टेल, उपलब्ध नहीं(45)*, 56-66.

रचना दुआ. (2022)। भारत के विशेष संदर्भ में बेल्ट एंड रोड पहल के भू-राजनीतिक निहितार्थ। *नेशनल ज्योग्राफिकल जर्नल ऑफ इंडिया, 68(2), ऑनलाइन।*

एस भाटिया, एस हौशौ। (2022)। भारत में कोविड-19 के बीच इंटरनेट की लत और चिंता: सामाजिक आर्थिक स्थिति की भूमिका और नियंत्रण का स्थान। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंस, 12(4), ऑनलाइन।*

आरिफ हुसैन और ओथेरुपे (2022)। स्फीति घाटी, हिमाचल प्रदेश, भारत में भूमि की सतह के तापमान के संबंध में हिम आवरण और हिमरेखा भिन्नता। *जर्नल ऑफ़ इकोल इंटरनेशनलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज*, 49(2), 187-189.

ए.के. बंसल और वी.एस.दीक्षित। (2022)। हाइब्रिड अनुशंसा प्रणाली में ऑनलाइन उत्पादों के लिए शिलिंग हमलों का पता लगाने के लिए एक अनुकूली आरएनएन एल्गोरिदम। जर्नल ऑफ़ इंटेलिजेंट सिस्टम्स, 31(1), ऑनलाइन।

ए.के. बंसल एवं वी.एस. दीक्षित. (2023)। डीएनएन-एचएचओ एल्गोरिदम का उपयोग करके पुश और परमाणु हमलों का पता लगाना। *सूचना और कंप्यूटर सुरक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*, 20(2-3), 248-268.

शोध-परियोजनाएं

आईसीएसएसआर, 2019-21 (जारी), आजादी के बाद से हाशिए पर रहने वाले समुदायों पर जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति के प्रभाव की स्थिति, 18.06 लाख।

आईसीएचआर, 2020-22 (जारी), आधुनिक भारत में इतिहास, विज्ञान, धर्म राजनीतिक विचारक: एक विषयगत और पद्धति संबंधी अन्वेषण। 3.5 लाख।

आईसीएचआर, 2022-23, पीएम कृषि सिंचाई योजना की पहुंच और स्थिरता: उत्तर प्रदेश, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का तुलनात्मक अध्ययन। 14 लाख।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021-22, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का मनोवैज्ञानिक-सामाजिक और आर्थिक प्रभाव। 1.5 लाख।

आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021-22, स्वातंत्र्योत्तर संस्कृत काव्यों पुरुष अभिनव प्रयोग। 1.5 लाख।

आयोजित संगोष्ठी

'दृश्य स्रोत के माध्यम से लिंग जागरूकता' पर प्रोफेसर सीमा बावा, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर, 29 मार्च 2023.

प्रोफेसर उज्ज्वल कुमार सिंह, प्रोफेसर/दिल्ली विश्वविद्यालय, 'गांधी और भारतीय संविधान' पर, भारतीय संविधान समारोह, 23 नवंबर 2022.

डॉ. दीपा सिन्हा, सहायक प्रोफेसर/अंबेडकर विश्वविद्यालय, 14 सितंबर 2022 को 'भारत, भारतीय अर्थव्यवस्था में महिला रोजगार में क्षेत्रीय रुझानों को खोलना' पर।

एनजीओ-मन राही, एनजीओ, 'मानसिक स्वास्थ्य और सभी के लिए कल्याण: एक वैश्विक प्राथमिकता, सामाजिक जागरूकता' पर, 21 सितंबर 2022.

प्रोफेसर रेनू देसवाल और डॉ. सुरुचि कपूरिया, प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के कार्यान्वयन (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013), 'यौन उत्पीड़न पर जागरूकता अभियान' पर 07 दिसंबर 2022.

आयोजित सम्मेलन

हाशियाकरण और समावेशन: भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हाशिये पर पड़े समुदायों की भूमिका, 09 अगस्त 2022, आईसीएसएसआर।

भारतीय ज्ञान प्रणाली: समय के साथ संवाद, 23 फरवरी 2023, यूजीसी।

समय के साथ संवाद, 04 जनवरी 2023, एसपीएमसी।

साहित्य महोत्सव, 31 मार्च 2023, आईजीएनसीए।

परवाज़-23: हिंदी, भविष्य की भाषा, 31 मार्च 2023, ऑयल इंडिया लिमिटेड और दृष्टि के साथ।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. अनामिका राय ने 2022 में मैत्री महाविद्यालय, डीयू में वृक्ष दिवस सम्मेलन में "परिसरों में कल्याण पर अच्छी प्रथाओं के मॉडल" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. ऋषिराज पाठक ने 16 फरवरी 2023 को लेडी श्रीराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'संगीत और भावनाओं पर संबंध की खोज' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. चयनिका उनियाल ने 26-27 अगस्त 2022 को बुखारेस्ट, रोमानिया में आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय यूरोपीय अंतःविषय वैज्ञानिक अनुसंधान सम्मेलन में 'महिला सशक्तिकरण की विकसित रूपरेखा: भारत में राजनीतिक संस्थानों और शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी का एक अध्ययन' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रितु भगत ने 20-21 नवंबर 2022 तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित हरियाणा कांग्रेस के दो दिवसीय राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में 'भारत में खाद्य प्रथाओं का विकास: हरियाणा में फार्म पर्यटन का विकास' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री ममता मारवा ने 9 सितंबर 2022 को जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'सेलिब्रेटिंग वर्ल्ड ऑफ फ्लेवर' पर अपनी विशेषज्ञता साझा की।

डॉ. मीनू गेरे ने 23-24 फरवरी 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली: समय के साथ एक संवाद विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत के लोक एवं संस्कार गीत' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हिमांशी वर्मा ने 10-11 नवंबर, 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह में एडवांस इन बिजनेस एंड मैनेजमेंट पर आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सतत विकास के युग में बिजनेस प्रैक्टिस पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मुकुल खाना ने 11-12 जनवरी 2023 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वाणिज्य विभाग में आयोजित भारत@2047 पर दो दिवसीय वार्षिक वाणिज्य सम्मेलन में 'भारत में इलेक्ट्रिक वाहन के अपेक्षित भविष्य का अध्ययन' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुप्रिया सिन्हा ने 23-24 फरवरी 2023 तक श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली: समय के साथ एक संवाद विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली में विरासत प्रबंधन' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुरुचि भाटिया ने विश्वविद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण: परिप्रेक्ष्य, पद्धतियां और अभ्यास पर संवाद विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "परिसरों में अच्छी प्रथाओं की पहल/मॉडल" पर समाजशास्त्र, मैत्रेयी महाविद्यालय, मनोदर्पण, द एमओई के सहयोग से 21-23 अप्रैल, 2022 तक छात्रों के मनोवैज्ञानिक समर्थन और मानसिक कल्याण के लिए एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

महाविद्यालय द्वारा आयोजित सामाजिक महत्त्व के कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों के लिए रेडियो भागीदार बनने के लिए 14 नवंबर 2022 को प्रसार भारती के एक घटक ऑल इंडिया रेडियो, दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन।

19 जुलाई 2022 को दिव्यांग व्यक्तियों की बेहतरी के लिए सहयोग करने और काम करने के लिए सक्षम, इंद्रप्रस्थ, दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन।

20 जून 2022 को "मार्जिनलाइजेशन एंड इंक्लूजन' पर सेमिनार आयोजित करने के लिए सोशल स्टडीज फाउंडेशन (एसएसएफ) 1196, पुणे के साथ समझौता-ज्ञापन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

एसपीएमसी 5 वर्षों से अधिक समय से इको-क्लब दिल्ली सरकार के साथ जुड़ रहा है। हर वर्ष पर्यावरण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए दिल्ली सरकार की ओर से एसपीएमसी के इको क्लब को 20,000 रुपये का छोटा अनुदान दिया जाता है।

इको क्लब, एन.एस.एस. और मेडिकल कमेटी, एसपीएमसी ने डीईईपी-सी और लंग केयर एंड फाउंडेशन के सहयोग से 14 दिसंबर 2022 को स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण व्यापक जागरूकता (एच.ए.डब्ल्यू.ए.) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

आईजीएनसीए के सहयोग से एसपीएम महाविद्यालय ने 23-24 फरवरी 2024 तक 'भारत ज्ञान प्रणाली: समय के साथ संवाद' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

हिंदी विभाग, एसपीएमसी ने 8 फरवरी 2023 को "वर्जनें: समाज, साहित्य और सिनेमा" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

दर्शनशास्त्र विभाग, एसपीएमसी ने 29 मार्च 2023 को "दर्शनशास्त्र की नींव" पर आईसीपीआर फंडर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। डॉ. आदित्य गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. मौसमी बोस, एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. सागरिका दत्ता, एसोसिएट प्रोफेसर ने विषय पर विचार-विमर्श किया।

एसपीएम महाविद्यालय ने जीआईआईपी के सहयोग से 9 दिसंबर 2022 को 'आईपीआर: वैश्विक दुनिया में बुनियादी बातें और चुनौतियां' का आयोजन किया।

दर्शनशास्त्र विभाग, एसपीएमसी को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद से विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए 20,000/- रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई।

नियोजित छात्रों की संख्या: 02

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 05

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

रुचिका ने महाविद्यालय के कैंपस में वोकेशनल सेंटर में पड़ोसी इलाकों में रहने वाली महिलाओं के लिए विशेष रूप से दो पाठ्यक्रम 'कटिंग-टेलरिंग और 'सचिवालय प्रशिक्षण' चलाया और अनेक महिलाओं को हैंड ऑन ट्रेनिंग दी।

एन.एस.एस., एसपीएमसी ने भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से 25 अगस्त 2022 को "सुभाष चंद्र बोस" के योगदान और उनके "आत्मनिर्भर भारत" के दृष्टिकोण पर एक जागरूकता अभियान शुरू किया।

डीयू शताब्दी समारोह के तत्वावधान में एन.एस.एस., एसपीएमसी ने 4 जनवरी 2023 को महाविद्यालय राजीव गांधी ऑडिटोरियम में छात्रों के बीच भारतीय ज्ञान प्रणाली के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'समय के साथ एक संवाद' का आयोजन किया।

एन.एस.एस., एसपीएमसी ने डीप-सी और लंग केयर फाउंडेशन के सहयोग से स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण व्यापक जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग और परिवार और परामर्श केंद्र, एसपीएमसी ने पूरे वर्ष महाविद्यालय के आसपास सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य के महत्त्व को फैलाने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियान और गतिविधियों का आयोजन किया। साथ ही महाविद्यालय सभी हितधारकों और बड़े पैमाने पर समुदाय को परामर्श सुविधाएं भी प्रदान कर रहा है।

एफसीसी, एसपीएमसी ने पूरे वर्ष आत्महत्या की रोकथाम, आओ जीवन का समारोह मनाएं, महिलाओं के बीच सामाजिक परिवर्तन, परिप्रेक्ष्य लेने आदि मुद्दों पर सभी हितधारकों के लिए कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए।

दुर्वा-इको क्लब, एसपीएमसी ने सोर्डिटकॉन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के सहयोग से 27 जनवरी 2023 को एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसका उद्देश्य छात्रों को ई-कचरे के बारे में जागरूक करना था और यह पर्यावरण को कैसे प्रभावित कर रहा है और खतरनाक बीमारियों का कैसे कारण बन रहा है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने 22 जर्नल, 42 जर्नल और 10 समाचारपत्रों की सदस्यता ली। वर्ष 2022-23 के दौरान पुस्तकों, जर्नल, जर्नल आदि की खरीद पर 1408875/- रुपये की राशि खर्च की गई। पुस्तकालय की सदस्यता 5126 थी।

महाविद्यालय ने एन-लिस्ट प्रदान की है: ई-बुक्स, ई-जर्नल्स, ई-डेटाबेस आदि तक ऑनलाइन पहुंच के माध्यम से संकाय और छात्रों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए "विद्वान सामग्री के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा अवसंरचना" नामक परियोजना। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए अधिक सुलभ होने के कारण, पुस्तकालय ने किबो उपकरण खरीदा था। किबो डिवाइस विभिन्न भारतीय भाषाओं में मुद्रित/हस्तलिखित/ डिजिटल पाठ को पढ़ता है और उनका अनुवाद करता है और उन्हें पीडीएफ और ऑडियो फाइलों में संग्रहीत कर सकता है।

संकाय संख्या: 180

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

स्वीकृत अनुदान: 78.5 करोड़
उपयोगित अनुदान: 78.5 करोड़

***

श्री अरबिंदो महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

श्री अरबिंदो महाविद्यालय की स्थापना 1972 में दार्शनिक, देशभक्त-कवि श्री अरबिंदो की जन्म शताब्दी पर हुई थी। हमारे महाविद्यालय की नींव युवा महत्वाकांक्षी दिमागों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से रखी गई थी। महाविद्यालय ने वर्ष 2022 में स्वर्ण जयंती मनाई। 1972 में अपनी स्थापना के समय, महाविद्यालय केवल दो पाठ्यक्रमों की पेशकश करता था: बी.ए. और बी.कॉम (पास)। तब संस्था में 172 छात्र थे। उस समय तेरह शिक्षण और चौदह गैर-शिक्षण सदस्य संस्था का हिस्सा थे। वर्तमान में, महाविद्यालय शिक्षण संकाय में 50 स्थायी और 78 तदर्थ सदस्य हैं, जबकि गैर-शिक्षण कर्मचारियों में 36 स्थायी और 28 संविदा कर्मचारी हैं, जो सीबीसीएस के साथ-साथ नई शिक्षा नीति के तहत कुल दस पाठ्यक्रमों की पेशकश करते हैं, अर्थात् बी.ए. (कार्यक्रम), बी.ए. अंग्रेजी (ऑनर्स), बी.ए. हिंदी (ऑनर्स), बी.ए पॉलिटिकल एससी (ऑनर्स), बी.कॉम (ऑनर्स), बी.कॉम (कार्यक्रम), बी.एससी. लाइफ साइंस, बी.एससी. फिजिकल साइंस, बी.एससी. इलेक्ट्रॉनिक्स (ऑनर्स) एम.ए.हिन्दी और इसमें 4000 से अधिक छात्र हैं। समय के साथ, हमारे महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अग्रणी महाविद्यालयों में से एक के रूप में अपना नाम स्थापित किया है। इसे अध्ययन के सबसे प्रतिष्ठित स्थानों में से एक माना जाता है और यह देश के दूर-दराज के इलाकों से भी छात्रों को आकर्षित करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 का मुख्य आकर्षण यह भी था कि श्री अरबिंदो महाविद्यालय ने डॉ. रश्मी माथुर के संयोजकत्व में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 16-17 मार्च 2023 को "पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-आर्थिक जिम्मेदारी और समाज और ग्रामीण पर्यावरण में संबद्ध उद्यमशीलता के अवसरों के लिए प्रौद्योगिकी" शीर्षक से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्ति और प्रतिष्ठित वक्ता शामिल हुए और पूरे देश से अनेक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा, छात्र सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के साथ-साथ विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप में भी सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं, जिससे कैंपस में और उसके आसपास सभी के लिए जागरूकता पैदा करने में मदद मिली है। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष विश्वविद्यालय और देश के विभिन्न संस्थानों में छात्रों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ अनेक क्षेत्रों में प्रशंसा की सूची देखी गई।

सम्मान/गौरव

प्रो. नमिता राजपूत के 9 स्कोपस प्रकाशन हैं। उनकी देखरेख में 4 पीएच.डी. प्रदान की गई हैं। इसके अलावा उनके द्वारा 9 पुस्तकों का संपादन किया गया है। उन्होंने सीयूईटी प्रवेश व्यवसाय अध्ययन के लिए एक पुस्तक लिखी है। उनकी अकादमिक झोली में एनईपी और लिंग संवेदीकरण पर 20 आमंत्रित व्याख्यान हैं। उन्हें एक ऑस्ट्रेलियाई पेटेंट प्रदान किया गया है। उन्हें भारत सरकार के कॉपीराइट कार्यालय जेंडर व्हील से कॉपीराइट प्राप्त हुआ है।

पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली महाविद्यालय, बरेली द्वारा मानव स्वास्थ्य और समाज के लिए प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और पर्यावरणीय चुनौतियों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. नीतू द्विवेदी को सर्वश्रेष्ठ मौखिक शोध-पत्र प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. अनीता कुमारी ने "कार्बन नैनोमटेरियल्स और उनके नैनोकम्पोजिट-आधारित केमिरेसिस्टिव गैस सेंसर्स" के राशी नाथावत, सत्यपाल एस. राठौड़, पूनम आर. खरनगढ़, रीना देवी और अनीता कुमारी द्वारा "कार्बन-आधारित नैनोकम्पोजिट का संश्लेषण और अनुप्रयोग" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय लिखा है। "शिवानी ढल्ल द्वारा संपादित, सामग्री विज्ञान, एल्सेवियर 2023, आईएसबीएन: 9780128228371.

28-29 जनवरी 2023 को भौतिकी विभाग, आर्यभट्ट इंस्टीट्यूट ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च और अमीरुद्दौला इस्लामिया डिग्री महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "एक्टिनाइड क्षेत्र में एक स्तरीय योजना का अध्ययन" शीर्षक वाले शोध-पत्र पर डॉ. पूनम जैन को "मौखिक प्रस्तुति 2023 में प्रथम पुरस्कार", लखनऊ।

डॉ. पूनम जैन को इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स आरसी-01 द्वारा 24-25 सितंबर 2022 तक आयोजित "भौतिकी में नवीन प्रयोगों पर क्षेत्रीय प्रतियोगिता आरसीआईईपी 2022" में प्रथम पुरस्कार।

डॉ. पूनम जैन को 28-29 जनवरी 2023 को भौतिक विज्ञान विभाग, आर्यभट्ट इंस्टीट्यूट ऑफ एकेडमिक्स एंड रिसर्च और अमीरुद्दौला इस्लामिया डिग्री महाविद्यालय, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "बहुविषयक शैक्षणिक अनुसंधान और नवाचार" पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. पूनम जैन को इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी आरसी-1) 2022-2023, दिल्ली और हरियाणा क्षेत्र के कार्यकारी परिषद सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. पूनम जैन ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स आरसी-1 और दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के सहयोग से 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया।

"पृथ्वी दिवस-2022" माह का प्रो. अपराजिता चौहान व्याख्यान। सीईसी में सीईसी न्यूज, खंड 22 में प्रकाशित। नंबर 7 जुलाई 2022 कंसोर्टियम फॉर एजुकेशनल कम्युनिकेशन, सीईसी-यूजीसी एजुसैट, भारत सरकार। उन्होंने यूजीसी सीईसी-एडुसैट टीवी और व्यास टीवी के साथ सीईसी-गुरुकुल लाइव व्याख्यान चैनल पर जीवन और पर्यावरण के अणुओं पर 14 व्याख्यान दिए।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए की जिया (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष को श्री अरबिंदो महाविद्यालय में प्रथम रैंक प्रदान किया गया।

बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की प्रियांशी गर्ग को श्री अरबिंदो महाविद्यालय में प्रथम रैंक से सम्मानित किया गया।

बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के संयम गर्ग को श्री अरबिंदो महाविद्यालय में द्वितीय रैंक से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स प्रथम वर्ष की शालिनी प्रिया को श्री अरबिंदो महाविद्यालय में रैंक । से सम्मानित किया गया।

बी.एससी. भौतिक विज्ञान प्रथम वर्ष के शांत शर्मा को श्री अरबिंदो महाविद्यालय में रैंक । से सम्मानित किया गया था।

प्रकाशन

चौहान. ए. (2023)। कुल पत्ती प्रोटीन सामग्री: फसल पौधों पर सल्फर डाइऑक्साइड के फाइटोटॉक्सिक प्रभावों का अध्ययन करने का एक उपाय। *इजरासेट*/11(III): 911-915.

श्रीवास्तव, ए., राजपूत, एन., राजेश, पी., स्वर्णलता। (2023)। हेल्थकेयर अनुप्रयोग के लिए ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए IoT-आधारित लेबल लर्निंग वितरण तंत्र। *इंटरनेट ऑफ़ मेडिकल थिंग्स: उभरते रुझान, मुद्दे और चुनौतियाँ।* एनए(एनए): 305-321.

द्विवेदी, एन. (2022)। ऊर्जा और बायोसेंसिंग अनुप्रयोगों में क्वांटम डॉट्स: एक संक्षिप्त समीक्षा,*जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंट एंड बायो-साइंस।* 36(एनए): 77-84.

द्विवेदी, एन. (2022)। भारत में सतत नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन: व्यवहार्यता और चुनौतियाँ। *पर्यावरण और जैव विज्ञान जर्नल.* 36(2): 145-151.

सोनवाल, के. (2022)। भारत में सतत नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन: व्यवहार्यता और चुनौतियाँ। *पर्यावरण और जैव विज्ञान जर्नल.* 36(2): 145-151.

सोबती, एस. (2023)। 'सोल्स इन टॉरमेंट': गैंडे के इओनेस्को और बेरेन्जर। *अभिव्यक्ति: एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक जर्नल।* 9(एनए): एनए.

कुमार, पी. (2023)। भारत के झरिया कोयला क्षेत्र में पर्यावरण पर कोयला खनन गतिविधियों का प्रभाव: एक समीक्षा। *इंडियनजर्नल पर्यावरण संरक्षण*/42(6): 752-757.

आयोजित संगोष्ठी

26 सितंबर 2022 को दक्षिण नगर निगम की उपायुक्त डॉ. अंकिता चक्रवर्ती द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस और विश्व गर्भनिरोधक दिवस' शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

सेमिनार का शीर्षक है, 'व्यावसायिक लचीलापन विकसित करना: आगे बढ़ने का रास्ता, व्यापार लचीलापन विकसित करना: पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से आगे बढ़ने का रास्ता' प्रो. सुधीर के. जैन, प्रो. एके सिंह, श्री अनिल खेतान, सीए एस. रवि, सीए अमरजीत चोपड़ा, श्री अरुण कुमार झा, डॉ ऋषिका नैय्यर, प्रोफेसर कविता शर्मा, श्री राजेंद्र प्रसाद सिंह और डॉ जतिंदर सिंह, प्रोफेसर और उद्योगपतियों ने 17 जून 2022 को आयोजित किया।

20 जून 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अश्विनी रे द्वारा 'वैश्विक पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने की चुनौतियाँ, पर्यावरणीय स्थिरता केवल एक पृथ्वी' शीर्षक से संगोष्ठी आयोजित की गई।

18 जुलाई 2022 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पवन के जोशी और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राधे श्याम शर्मा द्वारा 'भारतीय संदर्भ में सतत विकास लक्ष्य-विजन 2030' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

1995 में स्थापित प्रसिद्ध एनपीओ वाइल्डलाइफ एसओएस की विशेष परियोजनाओं के उप निदेशक श्री वसीम अकरम द्वारा 11 अक्तूबर 2022 को आयोजित सेमिनार का शीर्षक था, 'असुरक्षित क्षेत्रों में वन्यजीवों की रक्षा करना, असुरक्षित क्षेत्रों में वन्यजीवों की रक्षा करना'।

आयोजित सम्मेलन

आईसीएसएसआर के तत्वावधान में 16 मार्च 2023 को 'पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-आर्थिक जिम्मेदारी और समाज और ग्रामीण पर्यावरण में संबद्ध उद्यमशीलता के अवसरों के लिए प्रौद्योगिकी' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

16-17 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो महाविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक आर्थिक जिम्मेदारी के लिए प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. नीतू द्विवेदी ने "टिकाऊ कृषि में नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का योगदान: एक समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। मार्च, 2023.

सुश्री सुकृति सोबती ने 17 मार्च 2023 को आईसीएसएसआर में 'पर्यावरण स्थिरता, सामाजिक-आर्थिक जिम्मेदारी और समाज और ग्रामीण पर्यावरण में संबद्ध उद्यमशीलता के अवसरों के लिए प्रौद्योगिकी' विषय पर सेमिनार द्वारा प्रायोजित आईसीएसएसआर में "विज्ञान और वैज्ञानिक स्वभाव: राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020' शीर्षक से श्री अरबिंदो महाविद्यालय में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री कल्पिता सोनवाल ने 6-7 जुलाई 2022 को पेरिस में आयोजित सामाजिक विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय पेरिस सम्मेलन-VII में "भारतीय खाद्य क्षेत्र में चक्रीयता: सतत विकास लक्ष्यों और पेरिस समझौते के साथ इसका गठबंधन-एक समीक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री कल्पिता सोनवाल ने 4 जून 2022 को पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली महाविद्यालय, यूपी द्वारा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और मानव स्वास्थ्य और समाज के लिए पर्यावरणीय चुनौतियों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "मशरूम खेती के माध्यम से सतत पर्यावरण-पुनर्स्थापना' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

कैंपस में प्रयोगशालाओं के लिए सौर पैनल और एलपीजी पाइपलाइन। इसके अलावा, जेंडर लेखापरीक्षा, एनर्जी लेखापरीक्षा और ग्रीन लेखापरीक्षा के लिए इंडोहान टेक्नोलॉजीज द्वारा लेखापरीक्षा की गई।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

शिक्षा सशक्तिकरण पहल के लिए इग्नू, एसओएल और एनसीडब्ल्यूईबी के साथ सहयोग।

नियोजित छात्रों की संख्या : 200

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 25

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय गतिविधियों का एक क्षेत्र बन गया है जो छात्रों को प्रदान किए गए कौशल और सुविधाओं का उपयोग करके अपने कौशल को निखारने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। उदाहरण के तौर पर, नीचे सूचीबद्ध कुछ कार्यकलाप हैं जिनका कुछ मामलों में महाविद्यालय के छात्रों के साथ-साथ कैंपस के पड़ोसी क्षेत्रों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) श्री अरबिंदो महाविद्यालय की एक सामुदायिक सेवा-उन्मुख इकाई है, जो प्राचार्य प्रोफेसर विपिन कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में काम करती है। एन.एस.एस. एसएसी इकाई का नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुभांजलि चोपड़ा द्वारा किया जाता है, जबकि सुश्री आकृति सैनी, डॉ. नीतू द्विवेदी, सुश्री कल्पिता सोनोवाल, डॉ. सीमा कुमारी, सुश्री सोनिया लोहिया, सुश्री सोनिया रेक्सवाल और श्री अवनीश यादव इकाई के शिक्षक समन्वयक हैं।

इकाई छह परियोजनाओं में संलग्न है, जिसमें सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए एक्शन ऑन एडिक्शन, सहयोग एक पहल, वसुंदरा, परियोजना सेवियर, वी हील और परियोजना किलकारी शामिल हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में, श्री अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में, श्री अरबिंदो महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने प्रमुख कार्यक्रमों स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छ भारत 2.0, रक्तदान शिविर, फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 सहित 102 कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया है जिनमे प्रमुख मेगा कलेक्शन और डोनेशन ड्राइव, सगुति: ए हैप्पी डेस्टिनेशन (अनाथालय का दौरा), वी फॉर शी (सैनिटरी पैड वितरण ड्राइव), कुतुब मीनार में वृक्षारोपण अभियान और उन्नति'23-एन.एस.एस. वार्षिक उत्सव है।

मीमांसा: द मोरल एजुकेशन सोसाइटी: प्रोफेसर संगीता कौल के संयोजकत्व में श्री अरबिंदो महाविद्यालय की नैतिक शिक्षा सोसायटी, मीमांसा, महाविद्यालय के सभी छात्रों को दार्शनिक, नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों के ज्ञान के साथ शिक्षित करने की कल्पना करती है। डॉ. हेमा नागपाल और डॉ. शिखा नारंग मीमांसा सोसायटी की संकाय समन्वयक हैं।

मीमांसा सोसाइटी ने अपना वार्षिक दिवस 'गांधी उत्सव' मनाया और "राष्ट्र निर्माण और शांति में नैतिकता की भूमिका" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। दक्षिणी दिल्ली मुख्यालय की एसडीएम सुश्री अनुपमा चक्रवर्ती इस सेमिनार की मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता थीं। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर मीमांसा समाज ने छात्रों के बीच नवंबर 2022 के महीने में प्रतियोगिता आयोजित की:, हमारे महाविद्यालय के छात्रों के बीच नैतिकता, नैतिकता और दार्शनिक और सांस्कृतिक जागरूकता के स्तर को सुनिश्चित करने के लिए "दर्पण" सर्वेक्षण किया। दिसंबर माह में मीमांसा के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के पास की झुग्गी बस्ती 'बेगमपुर' में बच्चों को नैतिक शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए अनेक बार दौरा किया। मीमांसा सोसाइटी ने महक '23 के तत्वावधान में एक इंटर महाविद्यालय मेम मेकिंग प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 40 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

पृथ्वी-पर्यावरण सोसायटी: 20 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस और स्वर्ण जयंती समारोह के अनुसरण में "पर्यावरणीय स्थिरता केवल एक पृथ्वी" पर विशेष वार्ता। इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. अश्विनी रे थे, उन्होंने "वैश्विक पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने की चुनौतियाँ" पर अपना भाषण दिया।

भारतीय संदर्भ में सतत विकास लक्ष्य-विजन 2030: 18 जुलाई 2022 को पृथ्वी सोसायटी ने छात्रों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दो विशेष अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पवन के जोशी और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राधे श्याम शर्मा ने एसडीजी पर अपनी राय प्रस्तुत की और छात्रों के प्रासंगिक प्रश्नों का उत्तर दिया।

"वन्यजीव सप्ताह श्रृंखला" पृथ्वी: पर्यावरण के लिए सोसायटी, 2 अक्तूबर से 8 अक्तूबर 2022 तक "वन्यजीव सप्ताह" मनाती है, और वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर, हमने कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। "फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता" इस श्रृंखला का पहला आयोजन "फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता" है जिसका विषय "दिल्ली के वन्य वनस्पतियों और जीवों की खोज" है।

वन्यजीवों की सुरक्षा पर सेमिनार: 11 अक्तूबर 2022 को, बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम सबसे प्रसिद्ध व्यक्तित्वों में से एक श्री वसीम अकरम के साथ 'असुरक्षित क्षेत्रों में वन्यजीवों की रक्षा' पर एक विशेष सेमिनार के साथ शुरू हुआ। वह 1995 में स्थापित प्रसिद्ध एनपीओ वाइल्डलाइफ एसओएस के उप निदेशक-विशेष परियोजनाएँ हैं।

परियोजना एव्स: परियोजना एव्स को एक सभा स्थल के रूप में लॉन्च किया गया है जहां हर कोई प्रकृति और उसकी सभी रचनाओं के लिए एक साथ आ सकता है।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ भारत का दौरा: 14 नवंबर 2022 को, हमने प्रदर्शनी के लिए "विंग्स ऑफ वंडर" डब्ल्यूडब्ल्यूएफ कार्यालय, लोधी एस्टेट का दौरा किया। यात्रा में लगभग 50 सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

भर्ती और ओरिएंटेशन: 23 नवंबर 2022 को, पृथ्वी सोसायटी ने फ्रेशर बैच के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। 24 फरवरी 2023 को जैव विविधता पार्क और संजय वन की प्रकृति यात्रा, परियोजना एव्स के तहत पृथ्वी ने नीला हौज़ जैव विविधता पार्क का दौरा किया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता-विश्व जल दिवस के अवसर पर एक अंतर महाविद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। पर्यावरण के लिए अधिनियम-विश्व जल दिवस के अवसर पर एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया।

नियोजन सेल

श्री अरबिंदो महाविद्यालय का प्रशिक्षण और नियोजन सेल श्री अरबिंदो के सिद्धांतों को विकसित करने की दिशा में निरंतर काम कर रहा है। सेल के निम्नलिखित लक्ष्य हैं: स्नातक स्तर पर हमारे छात्रों में विभिन्न कौशल विकसित करना, बड़े पैमाने पर भर्तीकर्ताओं के साथ-साथ उत्पाद-आधारित कंपनियों को लाना, हमारे महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र के लिए नियोजन और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना। हमारे महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र के लिए नियोजन और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए, उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सेल नियमित रूप से कार्यशालाओं, सेमिनारों और नौकरी मेलों का आयोजन करता है।

इस वर्ष, सेल ने 24 मार्च, 2023 को नीव 2.0 का आयोजन किया जिसमें शिक्षकों, सदस्यों और स्वयंसेवकों ने मिशन को सफल बनाने के लिए मिलकर काम किया। मेला सुबह 9 बजे से शुरू होकर सांध्य 4 बजे समाप्त हुआ। टर्मिनस पर, एचआर और टीम के सदस्यों को महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रोफेसर विपिन कुमार अग्रवाल और प्रशिक्षण और नियोजन सेल के संयोजक प्रोफेसर सुभांजलि चोपड़ा से प्रमाणपत्र मिला। इस वर्ष, 35 से अधिक कंपनियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में अपनी उपस्थिति से इस आयोजन को गौरवान्वित किया। भारी बारिश के बावजूद 1200 से अधिक पंजीकरण आये और 500 से अधिक छात्र उपस्थित रहे।

डॉ. हर्षदा मुले द्वारा सीवी वेटिंग कार्यशाला

श्री अरबिंदो महाविद्यालय के प्रशिक्षण और नियोजन सेल ने 6 अक्तूबर 2022 को डॉ. हर्षदा मुले के साथ

एक वक्ता सत्र का आयोजन किया, ताकि छात्रों को एक अद्भुत सीवी वेटिंग कार्यशाला के माध्यम से सीवी तैयार करते समय आने वाली गलतियों और कठिनाइयों को दूर करने के लिए मार्गदर्शन किया जा सके।

श्री वरुण भूटानी द्वारा आजीविका ओरिएंटेशन कार्यशाला। श्री अरबिंदो महाविद्यालय के प्रशिक्षण और नियोजन सेल ने 12 अक्तूबर 2022 को एक आजीविका ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया और श्री वरुण भूटानी की उपस्थिति में एक बहुत ही शानदार सेमिनार का अनुभव किया। श्री अरबिंदो महाविद्यालय के प्रशिक्षण और नियोजन सेल ने हाल ही में प्रसिद्ध वक्ता डॉ. शुभ्रा चक्रवर्ती के साथ "पर्सनल ब्रांडिंग एंड क्रैकिंग योर नियोजन" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

पाखी

महिला सशक्तिकरण सेल व्यक्तियों के बीच एकजुटता, अध्ययन और समर्पित जुड़ाव के अपने सिद्धांतों के साथ जागरूकता पैदा करने के लिए सदस्यों के निरंतर और नियतात्मक प्रयासों के साथ-साथ घटनाओं में जीवंतता और विविधता को प्रदर्शित करता है।

पूरे सत्र 2022-2023 में निम्नलिखित कार्यक्रम हुए- जागरूकता अभियानसंवेदना-लिंग संवेदीकरण मंच और पाखी-श्री अरबिंदो महाविद्यालय (एम), दिल्ली विश्वविद्यालय की महिला सशक्तिकरण सेल ने महाविद्यालय प्रशासन द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए 11 अप्रैल 2022 को एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

पाखी और संवेदना-अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस और विश्व गर्भनिरोधक दिवस।

पाखी ने संवेदना के सहयोग से 26 सितंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस और विश्व गर्भनिरोधक दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। "बालिका दिवस" विषय पर ओपन माइक प्रतियोगिता। पाखी ने 13 अक्तूबर 2022 को डॉ. वंदना भल्ला के संयोजकत्व में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने के लिए एक ओपन माइक प्रतियोगिता का आयोजन किया।

पाखी ने 28 अक्तूबर 2022 को पाखी के सोशल मीडिया हैंडल @wec_sac के माध्यम से स्तन कैंसर जागरूकता माह के महत्त्व को चिह्नित किया।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस और राष्ट्रीय कानून दिवस।

सम्मानित अधिवक्ता संपत्ति वकील नवनीत पवित्रम ने छात्रों को अनेक कानूनों और मामलों के बारे में बताया जो महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित हैं, साथ ही महिलाओं को उनके पक्ष में बनाए गए पर्याप्त कानूनों के बावजूद समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और साथ ही ऐसे मुद्दों के समाधान भी सुझाए।

राष्ट्रीय युवा दिवस: महिला सशक्तिकरण सेल पाखी ने 12 जनवरी 2023 को एक रोमांचक और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया, जिसमें महाविद्यालय के युवाओं को महिला सशक्तिकरण के लिए क्या किया जा

सकता है, इस पर अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

वीरांगना'23-पाखी का वार्षिक उत्सव: पाखी, श्री अरबिंदो महाविद्यालय के महिला अधिकारिता प्रकोष्ठ ने 3 अप्रैल 2023 को अपने वार्षिक उत्सव वीरांगना का आयोजन किया। नारी-शक्ति का प्रतीक थीम के तहत। अतिथि वाई-20 इंडिया के प्रतिनिधि फलित सिजारिया, संस्थापक-अध्यक्ष स्टुडोमैट्रिक्स और डिप्लोमेट्रोन के साथ वाई-20 इंडिया की मीडिया सचिव वेलेंटीना ब्रह्मा थे।

लिंग संवेदीकरण मंच

संवेदना, श्री अरबिंदो महाविद्यालय का लिंग संवेदीकरण मंच एक ऐसा समाज है जिसका उद्देश्य समाज में हर किसी को दूसरों के प्रति संवेदनशील बनाना है।

26 सितंबर 2022 को संवेदना ने महाविद्यालय की महिला सशक्तिकरण सेल-पाखी के सहयोग से, डॉ. ध्वनि मागो और उपायुक्त, दक्षिण नगर निगम, डॉ. अंकिता चक्रवर्ती के साथ वक्ता सत्र आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस और विश्व गर्भनिरोधक दिवस मनाया।

24 जनवरी 2023 को संवेदना ने राष्ट्रीय बालिका दिवस और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने के लिए पाखी- महाविद्यालय की महिला सशक्तिकरण सेल के साथ सहयोग किया।

28 मार्च 2023 को वार्षिक उत्सव- स्प्रिंग का आयोजन किया गया। उत्सव में एक गतिशील वक्ता, एमलुए मीनू चौधरी (आईपीएस), संयुक्त सीपी दक्षिणी रेंज, दिल्ली पुलिस द्वारा एक प्रेरक चर्चा की गई।

वार्षिक उत्सव-स्प्रिंग के दौरान नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, छवि विवरण प्रतियोगिता, खेल और फेस पेंटिंग जैसे अनेक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। गैर सरकारी संगठन-सत्यखंड के माध्यम से एक पीरियड पेन मॉड्यूलेटर शिविर का आयोजन किया गया।

जी-20 कॉन्क्लेव

8 फरवरी 2023 को श्री अरबिंदो महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल के तत्वावधान में और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 'भारत के नेतृत्व में जी-20 कॉन्क्लेव 2023' नामक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी के दौरान वर्तमान वैश्विक चुनौतियों जैसे "सतत विकास", "जीवन शैली और खुशी", "डिजिटलीकरण", "पारिस्थितिकी" और "वैश्विक स्थिति संघर्ष और संकल्प" आदि पर केंद्रित व्याख्यान और शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।

खेल

तीरंदाजी

नाम-आयुष राव (बी.ए.)

उपलब्धियाँ-(श्रेणी-यौगिक)

23 दिसंबर से 28 दिसंबर 2022 तक गुरु काशी यूनिवर्सिटी, तलवंडी साबो, पंजाब में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी तीरंदाजी चैंपियनशिप में भाग लिया।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022-23 के लिए चयनित।

16 से 18 दिसंबर 2022 तक गुरुग्राम, हरियाणा में आयोजित खेलो हरियाणा यूथ गेम्स में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

37वें में अंडर 17 कंपाउंड कैटेगरी में टीम इवेंट में पहला स्थान प्राप्त किया। हरियाणा राज्य लड़कों की तीरंदाजी चैंपियनशिप 6 से 10 दिसंबर 2022 तक उमरा, हरियाणा में आयोजित की गई।

10वीं गुरुग्राम जिला तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड श्रेणी (व्यक्तिगत स्पर्धा) में पहला स्थान प्राप्त किया। (सब जूनियर)

10वीं गुरूग्राम जिला तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड श्रेणी (टीम इवेंट) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। (सब जूनियर)

10वीं गुरुग्राम जिला तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड श्रेणी (टीम इवेंट) में दूसरा स्थान प्राप्त किया। (वरिष्ठ)

नाम-आयुषी लिंगवाल (बी.एससी. पीएच. साइंस.) उपलब्धियां-(श्रेणी-भारतीय)

23 दिसंबर से 28 दिसंबर 2022 तक गुरु काशी यूनिवर्सिटी, तलवंडी साबो, पंजाब में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी तीरंदाजी चैंपियनशिप में भाग लिया।

27 जनवरी से 1 फरवरी 2023 तक जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली स्टेट तीरंदाजी चैम्पियनशिप (जूनियर) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बैडमिंटन

नाम-पीयूष सिंगला (बी.कॉम ऑनर्स) उपलब्धि

15-22 अक्तूबर 2022 तक एसएएस नगर, पंजाब में आयोजित पंजाब स्टेट गेम्स अंडर-21 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

नाम-माहिरा नागपाल (इंजी. ऑनर्स) उपलब्धियाँ

7-14 अगस्त 2022 तक स्टेडियम, नई दिल्ली में महिला युगल में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली राज्य बैडमिंटन रैंकिंग चैम्पियनशिप में महिला युगल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कबड्डी (महिला)

टीम के सदस्य: हिमानी, कुनिका, राबिया, गरिमा, खुशी, थानेश्वरी, अंजलि, डिंपल, मुस्कान और प्रीति।

उपलब्धियाँ

1-2 फरवरी 2023 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय में आयोजित आमंत्रण अंतर-महाविद्यालय महिला कबड्डी टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

18-20 अक्तूबर 2022 तक जयपुर, राजस्थान में आयोजित नंगला पुरोहित कबड्डी लीग में प्रथम स्थान

प्राप्त किया।

प्री-इंटर-महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो महाविद्यालय में आयोजित आमंत्रण मैच में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

टीम के सदस्य: राबिया, गरिमा और थानेश्वरी ने 7-11 दिसंबर 2022 तक सोनीपत में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में भाग लिया।

टीम सदस्य: थानेश्वरी (बी.ए.) ने 23-26 मार्च 2023 तक महेंद्रगढ़, हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय महिला कबड्डी चैंपियनशिप में भाग लिया।

टीम सदस्य: ख़ुशी तंवर (बी.ए.) ने 1-4 सितंबर 2022 तक दिल्ली में आयोजित जूनियर नेशनल कबड्डी महिला चैम्पियनशिप में भाग लिया।

कबड्डी (पुरुष)

नाम-सौरभ (बी.ए.) उपलब्धि

नाम-आयुष चपराना (बी.ए.) उपलब्धि_6-11 दिसंबर 2022 तक एमडीयू, रोहतक, हरियाणा में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर-यूनिवर्सिटी कबड्डी पुरुष चैंपियनशिप में भाग लिया।

6-11 दिसंबर 2022 तक एमडीयू, रोहतक, हरियाणा में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर-यूनिवर्सिटी कबड्डी पुरुष चैंपियनशिप में भाग लिया।

तायक्वोंडो

नाम-चन्द्र देव किराड (हिन्दी ऑनर्स) उपलब्धियाँ

11 दिसंबर 2022 को दिल्ली में आयोजित दिल्ली राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

14-16 अप्रैल 2023 तक आईजी स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2022-23 के लिए चयनित।

नाम-देवेन्द्र सिंह चौहान (बी.कॉम) उपलब्धियाँ

2-6 जनवरी 2023 तक जीएनडीयू, अमृतसर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भाग लिया।

नाम-पिंकी यादव (बी.एससी. लाइफ साइंस)

उपलब्धियां 11-12 फरवरी 2023 को पुडुचेरी में आयोजित 38वीं राष्ट्रीय सीनियर क्योरुगी ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भाग लिया।

शूटिंग

नाम-साहिल चौधरी (बी.ए.) उपलब्धियाँ 20 नवंबर से 12 दिसंबर 2022 तक भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित पिस्टल स्पर्धाओं में 65वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

टीम सदस्य: साहिल चौधरी ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप 2022-23 में भाग लिया।

कसरत

नाम-पारस सिंह कार्की (बी.एससी. पीएच. साइंस.) उपलब्धियां

10-14 मार्च 2023 तक पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022-23 में दूसरा स्थान प्राप्त किया। 2-6 फरवरी 2023 तक ग्वालियर, मध्य प्रदेश में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022-23 में 7वीं रैंक प्राप्त की।

28 दिसंबर 2022 से 4 जनवरी 2023 तक तिरुवनंतपुरम, केरल में आयोजित जूनियर नेशनल जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भाग लिया।

दिल्ली राज्य जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में दो श्रेणियों (पॉमेल और हॉरिजॉन्टल बार) में पहला स्थान और व्यक्तिगत ऑल राउंडिंग चैंपियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

नेटबॉल

नाम-रोमी डबास (बी.ए. प्रो.) उपलब्धियाँ

26-30 सितंबर 2022 तक भावनगर, गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में तीसरा स्थान प्राप्त किया। (टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिताब से भी सम्मानित) 1 से 4 मार्च 2023 तक नागपुर, महाराष्ट्र में आयोजित 40वीं सीनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

1-4 मार्च 2023 तक नागपुर, महाराष्ट्र में आयोजित 6वीं ऑल इंडिया इंटर जोनल नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

30 मार्च से 3 अप्रैल 2022 तक भिवानी, हरियाणा में आयोजित 39वीं सीनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

नाम-भारती तोमर (बी.एससी.) उपलब्धि

24-26 फरवरी 2023 तक हीरालाल स्कूल, नई दिल्ली में आयोजित सीनियर दिल्ली स्टेट नेटबॉल चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

हाथ की गेंद

नाम-राहुल (बी.कॉम ऑनर्स) उपलब्धि 10-14 मार्च 2023 तक कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय टीम के लिए चयनित।

कराटे

नाम-दीपशिखा (बी.ए.) उपलब्धि

दीपशिखा को दिल्ली सरकार से 20,000 रुपये प्रति वर्ष (2021- 2024) की छात्रवृत्ति मिली है।

नाम-कशिश शर्मा बी.कॉम.(एच)

कशिश शर्मा को दिल्ली सरकार से 3 लाख रुपए की स्कॉलरशिप मिली है।

योग

नाम - अंजलि कश्यप (बी.ए.) उपलब्धि

अंजलि कश्यप ने 27-30 दिसंबर 2022 तक ध्रुव ग्लोबल स्कूल सांगामेर महाराष्ट्र में आयोजित दूसरी राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

श्री अरबिंदो महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने 16-21 जून 2022 तक 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की है।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2022-23

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो महाविद्यालय (दिवस) के शारीरिक शिक्षा विभाग ने 25 मार्च 2023 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय स्टेडियम, नई दिल्ली में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

किसी संस्थान में पुस्तकालय के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए, महाविद्यालय में इसके लिए एक समर्पित स्थान आवंटित किया जाता है। पुस्तकों का रिकॉर्ड/कैटलॉग पूरी तरह कम्प्यूटरीकृत है और यह डेटा को सुव्यवस्थित करने के लिए एनईटी एलआईबी सॉफ़्टवेयर का उपयोग करता है। यह सॉफ़्टवेयर कठिन-से-प्राप्त, कम प्रसार रिपोर्ट और शोध-पत्र को संग्रहीत करता है। बुक बैंक को सुव्यवस्थित करने के लिए रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से रखा जाता है; यह जारी की गई पुस्तकों के साथ-साथ उन पुस्तकों की संख्या का पता लगाने में होने वाली परेशानी से बचने के उद्देश्य को भी पूरा करता है जो जारी नहीं की गई हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र परेशानी मुक्त तरीके से पुस्तकों तक पहुंच सकें, वे पुस्तकालय सर्च इंजन का उपयोग करके पुस्तकों की उपलब्धता की जांच कर सकते हैं। पुस्तकालय में साठ हजार से अधिक पुस्तकें हैं जिन्हें उनके विषय के आधार पर विभिन्न खंडों में वितरित और विभाजित किया जाता है। पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी आदि जैसे विभिन्न विषयों को कवर करने वाली पुस्तकों की व्यापक विविधता है। हर वर्ष मौजूदा बुक बैंक में अनेक नई पुस्तकें जोड़ी जाती हैं। पुस्तकालय में हर वर्ष नई पुस्तकें भरने के लिए अलग-अलग फंड होते हैं, छात्रों की संख्या के आधार पर प्रत्येक विभाग को फंड आवंटित किया जाता है। हमारे पास पुस्तकालय का विशाल वाचनालय है जिसमें एक समय में 100 से अधिक छात्र रह सकते हैं। संकाय सदस्यों के लिए एक अलग वाचनालय है जिसमें एक समय में 15 लोगों के बैठने की क्षमता है। हमारे छात्र सुविधा का अधिकतम उपयोग करते हैं और ई-पुस्तकें भी प्राप्त करते हैं जो हमें दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय कला और विज्ञान पुस्तकालय के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। हमारे महाविद्यालय की पुस्तकालय पूरी तरह से

स्वचालित है। उधार ली गई तथा जमा की गई पुस्तकों का रिकार्ड रखा जाता है। महाविद्यालय की पुस्तकालय छात्रों और शिक्षकों के लिए एक हजार से अधिक लैपटॉप से भी सुसज्जित है। छात्र लैपटॉप उधार ले सकते हैं और उन्हें सेमेस्टर परीक्षा शुरू होने से पहले उन्हें वापस करना होगा। छात्रों को लैपटॉप देने की पहल शैक्षणिक वर्ष 2013-14 में की गई थी, जब दिल्ली विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) शुरू किया गया था, हालांकि अगले वर्ष इसे वापस ले लिया गया था। महाविद्यालय में एक पुस्तकालय समिति है जिसमें पुस्तकालय के अधिकारी शामिल होते हैं। महाविद्यालय बर्सर, विभिन्न छात्रों के प्रभारी सभी संबंधित शिक्षक। पुस्तकालय इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित है और यह छात्रों के अनुकूल है। पुस्तकालय में विशेष रूप से शिक्षकों के लिए जर्नल और संदर्भ पुस्तकों का एक अलग अनुभाग है। पाठ्य पुस्तक अनुभाग का उपयोग मुख्य रूप से छात्रों द्वारा किया जाता है। आमतौर पर छात्रों को तय समय में पुस्तकें लौटानी होती हैं, लेकिन अनेक बार शिक्षक आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद छात्रों के लिए पुस्तकें प्राप्त करने के लिए अपने रास्ते से हट जाते हैं। संकाय सदस्य अधिकृत डीलरों से पुस्तकों की सिफारिश कर सकते हैं और पुस्तकालय समिति सिफारिशों को मंजूरी देती है। छात्रों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हर वर्ष किताबों की संख्या भी बढ़ाई जाती है। हमारे पास एक नामित पुस्तकालय कर्मचारी है, जो पुस्तकालय के रखरखाव के लिए पूरी तरह से समर्पित है। पुस्तकालय के पास प्रत्येक वर्ष पुस्तकें भरने के लिए अलग-अलग धनराशि होती है। प्रत्येक विभाग को छात्रों की संख्या के अनुसार धनराशि आवंटित की जाती है। पुस्तकालय में पूर्ण पावर बैकअप है और वाचनालय छात्रों के लिए एक शांत वातावरण प्रदान करता है। यह पूरी तरह से एयर कूल्ड है और छात्र इस सुविधा का सर्वोत्तम उपयोग करते हैं।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 62000
अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सदस्यता प्राप्त सभी पत्रिकाएँ

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 128

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता
आवंटित अनुदान: रुपए 20.6 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 20.5 करोड़

***

श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य)

संक्षिप्त विवरण

श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य), जिसका नाम प्रसिद्ध दार्शनिक, राष्ट्रवादी और सुधारक श्री अरबिंदो घोष के नाम पर रखा गया था, की स्थापना 1984 में दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक महाविद्यालय के रूप में की गई थी। वर्ष 1988 में इस सांध्य महाविद्यालय ने महिला छात्रों के लिए अपने दरवाजे

खोलकर इतिहास रच दिया। महाविद्यालय की शुरुआत बी.ए. (कार्यक्रम) और बी.कॉम. (कार्यक्रम) पाठ्यक्रम में निर्देश देने से हुई थी। तत्पश्चात बी.कॉम में पाठ्यक्रम (ऑनर्स), बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी और बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की शुरुआत की गई। महाविद्यालय वर्तमान में निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रदान करता है: बी.कॉम. (ऑनर्स), बी.कॉम., बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, बी.ए. (कार्यक्रम), बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी और बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र। महाविद्यालय पारंपरिक भारतीय मूल्यों के आधार पर छात्रों को शरीर, मन और आत्मा के विकास के लिए समग्र शिक्षा और ज्ञान प्रदान करके श्री अरबिंदो घोष के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम शिक्षण/अध्ययन की प्रक्रिया को बौद्धिक कठोरता और सौंदर्य और नैतिक जुड़ाव के अनूठे मिश्रण से भरने का प्रयास करते हैं। शैक्षणिक उद्देश्य उत्कृष्टता और आत्म-बोध से प्रेरित शिक्षार्थियों का एक समुदाय विकसित करना है, जो समुदाय और समाज में योगदान देने के लिए तैयार और इच्छुक हों।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

हैंडबॉल पुरुष-महाविद्यालय की टीम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। सेमेस्टर छह की अलका सिंह ने राष्ट्रीय शूटिंग महिला चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। विभिन्न विभागों और सोसायटियों ने अनेक कार्यकलाप आयोजित कीं। उनमें से प्रमुख: अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग ने "तनाव और प्रबंधन तकनीक" पर एक इंटरैक्टिव सत्र, "समय परिप्रेक्ष्य और तनाव के बीच संबंध" पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, "भारतीय मनोविज्ञान" पर कार्यशाला", "सम्मोहन और पिछले जीवन प्रतिगमन" पर सेमिनार आयोजित किया। मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण"-एक आमंत्रित व्याख्यान, "संघर्ष समाधान"-एक इंटरैक्टिव सत्र, और "माइंडफुलनेस-आत्म-विश्लेषण का एक अभ्यास" पर एक कार्यशाला। वाणिज्य विभाग ने "व्यावसायिक नैतिकता और सुसंगत संचार" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। अर्थशास्त्र विभाग ने "निजीकरण आर्थिक विकास का मार्ग है" विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की, एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की और भारत में विकास और रोजगार परिदृश्य पर एक लाइव सेमिनार आयोजित किया। अंग्रेजी विभाग ने एक इंटरएक्टिव बुक रीडिंग सत्र का आयोजन किया जिसमें उपन्यासकार जलजा श्रीवास्तव को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। पर्यावरण अध्ययन विभाग ने शताब्दी वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। हिंदुस्तानी संगीत विभाग ने श्री द्वारा "अर्ध-शास्त्रीय संगीत के संगीत रूपों" पर एक व्याख्यान प्रदर्शन का आयोजन किया। अरुल सेठ (ए ग्रेडेड आकाशवाणी कलाकार)। इतिहास विभाग ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। संस्कृत विभाग द्वारा "पत्र वचन प्रतियोगिता" एवं विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर सुशांत कुमार बाग को 'डॉ.' से सम्मानित किया गया। आईएमआरएफ, विजयवाड़ा, एपी द्वारा इतिहास में सर्वपल्ली राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ शिक्षक और शोधकर्ता पुरस्कार-2022। उन्हें 'ए.पी.जे.' से भी

सम्मानित किया गया था। सीपीएसीई, विजयवाड़ा, एपी द्वारा आधुनिक भारतीय इतिहास में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के लिए अब्दुल कलाम पुरस्कार-2022। हाल ही में, प्रो. कुमार को काइटक्राफ्ट्स, लुधियाना, पंजाब में यंग प्रोफेसर ऑफ द ईयर के रूप में अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार-2023 से सम्मानित किया गया।

डॉ. अमनदीप नाहर को 'डॉ.' सम्मान से सम्मानित किया गया। 11 सितंबर, 2022 को एचआरडी मिशन और जीनियस ब्रेन द्वारा 'सर्वपल्ली राधाकृष्णन अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 15 अक्तूबर 2022 को सेंटर ऑफ प्रोफेशनल एडवांसमेंट कंटीन्यूअस एजुकेशन (सीपीएसीई) द्वारा मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सर्वश्रेष्ठ शिक्षक और शोधकर्ता पुरस्कार 2022'.

विकास कुमार जोशीया को 15-16 अक्तूबर 2022 को ऑडिटोरियम, वी.पी. में विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2022 के दौरान 'मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2022' से सम्मानित किया गया। एनवायरनमेंट एंड सोशल डेवलपमेंट एसोसिएशन (ईएसडीए), दिल्ली द्वारा चेस्ट इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.कॉम की आस्था सिंह। (ऑनर्स) ने सेमेस्टर VI के महाविद्यालय-संचयी परिणाम में 9.054 के सीजीपीए के साथ पहला स्थान प्राप्त किया है।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की संजना ने सेमेस्टर IV के महाविद्यालय-संचयी परिणाम में 8.89 के सीजीपीए के साथ पहला स्थान प्राप्त किया है।

बी.ए. (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की हर्षिता कौर जौहर ने सेमेस्टर VI के महाविद्यालय-संचयी परिणाम में 8.84 के सीजीपीए के साथ पहला स्थान प्राप्त किया।

बी.कॉम के देवराज मंडल. (ऑनर्स) ने सेमेस्टर VI के महाविद्यालय-संचयी परिणाम में 8.82 के सीजीपीए के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (कार्यक्रम) के मनीष केशरी ने 8.76 सीजीपीए के साथ सेमेस्टर VI के महाविद्यालय-संचयी परिणाम में पहला स्थान प्राप्त किया।

आयोजित संगोष्ठी

रोटरी क्लब दिल्ली के अध्यक्ष और एनवीएफपी प्राइवेट लिमिटेड-मीडिया कंपनी के निदेशक डॉ. नवनीत वल्लभ द्वारा 16 जनवरी 2023 को 'सम्मोहन और पिछले जीवन प्रतिगमन, मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत और मानव मन की संरचना' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आईआईटी दिल्ली के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर जयन जोस थॉमस द्वारा 'भारत में विकास और रोजगार परिदृश्य' शीर्षक से सेमिनार 3 मार्च 2022 को आयोजित किया गया।

25 जनवरी 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के डॉ. विपुल सिंह द्वारा 'सत्रहवीं सदी में जलवायु परिवर्तन और वैश्विक संकट' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

27 जनवरी 2023 को सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर दया शंकर तिवारी द्वारा 'वैश्विक समाज और श्रीमद्भगवद गीता' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रोफेसर दिनेश त्यागी, प्रमुख, मनोचिकित्सा विभाग, डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'मानसिक स्वास्थ्य परीक्षा' नामक सेमिनार 30 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

"प्राचीन शिक्षा बनाम आधुनिक शिक्षा" धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय, नरेंद्र नगरटिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड, 25 और 26 नवंबर 2022.

प्रोफेसर मुनीश शर्मा ने "प्राचीन शिक्षा बनाम आधुनिक शिक्षा" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया, धर्मानंद उनियाल महाविद्यालय, नरेंद्र नगर स्मारक गढ़वाल, उत्तराखंड, 25 और 26 नवंबर 2022.

विकास कुमार जोशीया ने 20-21 मार्च 22 को आरकेजीआईटी, गाजियाबाद में ग्लोबल वॉटर कांग्रेस 2022 में "पानी के नीचे के लिए सुरक्षात्मक कानून" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

'जनजातीय क्षेत्रों में कौशल विकास की संभावनाएं एवं आयाम' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन (मिश्रित मोड) में डॉ. कल्पना रोहित ने 'मध्य प्रदेश की जनजातीय जनसंख्या के कौशल संवर्धन में योग्यता आधारित शिक्षा की भूमिका' शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मप्र द्वारा, 12 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया।

डॉ. दीपा शर्मा ने "अवसरों की चुनौतियाँ-हिमाचल प्रदेश की आदिवासी महिलाओं का गुणात्मक अध्ययन" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। विभाग में महिला सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय सेमिनार में मनोविज्ञान, पी.पी.एन. (पीजी) महाविद्यालय, कानपुर 5-6 नवंबर 2022.

भारतीय समाज विज्ञान परिषद और हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी “प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन-प्रणाली में उत्तरदायित्व पूर्ण शासन” में डॉ. श्याम नारायण पांडे ने "प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन-प्रणाली में उत्तरदायित्व पूर्ण शासन" शीर्षक से 15-17 अक्तूबर 2022 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

भारत के विभाजन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. श्याम नारायण पांडे ने "समान नागरिक संहिता: दावेदारों के दावेदार" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, 22-23 फरवरी 2023 तक डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, MoSJE द्वारा “समान नागरिक संहिता :अंबेडकर के पश्चात् अंबेडकरवादी”, आयोजित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन : लागू नहीं

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रोजेक्ट एक्स-कल्चर-यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए-40 देशों के 80 विश्वविद्यालयों में एक अंतरराष्ट्रीय अनुभवात्मक शिक्षण परियोजना जिसमें 2500 छात्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विभिन्न आयामों पर काम कर रहे हैं। प्रोफेसर सुमति वर्मा, वाणिज्य विभाग, श्री अरबिंदो कॉलेज-इवनिंग प्रोजेक्ट एक्स कल्चर, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए के कार्यकारी बोर्ड की सदस्य हैं।

नियोजित छात्रों की संख्या: 20

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 85

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

टीम समर्पण (एन.एस.एस.-एसएसीई) ने इस शैक्षणिक वर्ष में अनेक नई और अनूठी कार्यकलाप शुरू कीं। एन.एस.एस. ने फीड द स्ट्रे अभियान का आयोजन किया, जो एन.एस.एस. और एसएसीई के अधिकांश सफल मासिक अभियानों में से एक था। आईपीसीए (भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ) के सहयोग से, एक प्लास्टिक रीसाइक्लिंग अभियान भी आयोजित किया गया। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय और पीवीआर साकेत क्षेत्र के आसपास सफाई अभियान चलाया गया। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी से बचने के लिए जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सर्दियों के कपड़े वितरण अभियान का आयोजन किया गया था। आवारा जानवरों की मदद के लिए, फ्रेंडिकोज़ एनिमल शेल्टर के सहयोग से एक दान अभियान का आयोजन किया गया था। एकत्र किए गए धन का उपयोग जरूरतमंद जानवरों के लिए भोजन, चिकित्सा आपूर्ति और बिस्तर उपलब्ध कराने के लिए किया गया था।

श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य) का एक्टस चैप्टर 2016 में गठित किया गया था और यह दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी कैंपस में सबसे सक्रिय छात्र संगठनों में से एक है। यह अध्याय दो परियोजनाओं परियोजना इष्ट और परियोजना अन्नपूर्णा को चलाने में सामाजिक उद्यमिता के सिद्धांतों पर काम करता है, जो शुरुआत से ही हमारी प्रमुख परियोजना रही है। परियोजनाएं वित्तीय और उद्यमशीलता साक्षरता बढ़ाने सहित अपने सदस्यों को वास्तविक जीवन का अनुभव और सामाजिक उद्यमिता और प्रबंधन के सभी पहलुओं का अनुभव देने में मदद करती हैं।

परियोजना अन्नपूर्णा का मूल उद्देश्य सामाजिक उद्यमिता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण है, और इसने गृहणियों को टिफिन सेवा व्यवसाय स्थापित करने में सक्षम बनाया है। छात्र टीम प्रबंधन सलाहकार के रूप में कार्य करती है और घरेलू गतिविधि को एक समृद्ध व्यवसाय का रूप लेने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान किया है। सोसायटी ने इन गृहिणियों के व्यावसायिक कौशल को निखारा है और इस प्रकार न केवल उन्हें आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद की है, बल्कि उनके परिवारों की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

परियोजना इष्ट-'सभी के प्रति स्वच्छता और स्वच्छता की पहल' - स्वच्छ स्वच्छता के लिए महिला उद्यमिता पर एक परियोजना। परियोजना इष्ट का उद्देश्य महिलाओं के लिए पूर्ण, सस्ती सार्वजनिक स्वच्छता को

सक्षम बनाना है। हमने एक सुविधाजनक, स्वच्छ और वाटरप्रूफ टॉयलेट सीट कवर बनाया है जो सभी सीटों पर फिट बैठता है और पूर्ण कवरेज और सुरक्षा देता है। यह परियोजना सरकार के "स्वच्छ भारत" के दृष्टिकोण को पूरा करती है क्योंकि टॉयलेट सीट कवर से प्राप्त आय का उपयोग वंचित क्षेत्रों में सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण के लिए किया जाता है। स्वच्छ भी हरा है. इष्ट न्यूनतर है और 3 R का पालन करता है-कागज का उपयोग 'कम' करें, स्वच्छता के लिए 'पुनः नियोजित' करें और सुरक्षित निपटान के लिए 'पुनर्चक्रण योग्य' सामग्री का उपयोग करें।

परियोजना कैटरन का उद्देश्य कारखानों और सिलाई की दुकानों द्वारा छोड़े गए स्क्रैप कपड़ा सामग्री का उपयोग करके फैशन उद्योग में कचरे को कम करना है। यह पुनर्चक्रण और पुनर्चक्रण के सिद्धांतों पर आधारित है और कचरे को कम करने और पुनर्चक्रण करने और महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करता है।

ईएनक्टस के छात्रों ने पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया है।

परियोजना अन्नपूर्णा ने स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित बी-प्लान प्रतियोगिता परियोजनास 22 में दूसरा पुरस्कार जीता।

अखिलेश दास गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट द्वारा आयोजित जीएनओएसआईएस में शार्क टैंक कार्यक्रम में छात्रों ने भी भाग लिया। छात्रों ने मध्यम के सहयोग से ग्लोबल चैलेंजेस फोरम (जीसीएफ) के कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लिया है, जिसका उद्देश्य युवाओं में लचीलापन और जागरूकता पैदा करना है।

टीम कैटरन ने विभिन्न महाविद्यालय उत्सवों में भी अपने कार्यक्रम प्रदर्शित किए और उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया और बहुत सराहना मिली।

पुस्तकालय विकास

वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान सभी प्रासंगिक विषयों और सभी आईसीटी सुविधाओं में 1500 से अधिक पुस्तकें जोड़ी गईं।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 46500

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 14

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 60

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 31.01 करोड़
उपयोगित अनुदान: रुपए 27.41 करोड़

***

श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

1984 में स्थापित श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में खड़ा है, जो विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित दूसरा वाणिज्य महाविद्यालय है। यह प्रतिष्ठित महाविद्यालय वाणिज्य, अर्थशास्त्र, व्यावसायिक अर्थशास्त्र, प्रबंधन और कंप्यूटर विज्ञान में विशेष पाठ्यक्रम प्रदान करता है। महाविद्यालय को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति द्वारा समर्थित किया जाता है, जो एक वैधानिक निकाय है, जो संसद के एक अधिनियम के तहत गठित है। महाविद्यालय का नाम गर्व से दसवें सिख गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर रखा गया है। सिख गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए, महाविद्यालय अपने विद्वानों को सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत नैतिक और आध्यात्मिक सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। प्रारंभ में, महाविद्यालय को अपर्याप्त संसाधनों के साथ 'बैरक' में रखा गया था, जिसमें कुल 129 छात्रों का नामांकन था, और केवल छह शिक्षक थे। संस्था से जुड़े व्यक्तियों के संयुक्त प्रयासों ने एसजीजीएससीसी को गौरव और सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। 2200 छात्र और लगभग 75 शिक्षाविदों का एक शिक्षण संकाय और वर्ष 2022 में ए++ का एनएएसी ग्रेड। सिख गुरुओं की शिक्षाओं में निहित, महाविद्यालय अपने विद्वानों में सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत नैतिक और आध्यात्मिक सिद्धांतों को शामिल करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में, महाविद्यालय ने महत्त्वपूर्ण मील के पत्थर प्राप्त किए, जिसमें राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से एक सम्मानित 'A++' ग्रेड प्राप्त करना और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में एक प्रमुख स्थान प्राप्त करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय ने नए यूजीसी पाठ्यक्रम ढांचे को सफलतापूर्वक लागू किया, हमारे जर्नल-'जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट' को ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस डीन काउंसिल (एबीडीसी) जर्नल क्वालिटी लिस्ट में अनुक्रमित किया, और अंतःविषय मूल्य-संवर्द्धन पाठ्यक्रम और कौशल-वृद्धि पाठ्यक्रम पेश किए। महाविद्यालय ने अपने बुनियादी ढांचे को वातानुकूलित कक्षाओं, पर्सनल कंप्यूटर से सुसज्जित संकाय कक्ष और उन्नत कंप्यूटर प्रयोगशालाओं के साथ उन्नत किया। इसके अलावा, पुस्तक जारी करने के लिए पुस्तकालय में एक रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) प्रणाली लागू की गई और दृष्टिबाधित व्यक्तियों की सहायता के लिए किबो डिवाइस भी पेश किया गया है। छात्रों की उपलब्धि पर विशेष ध्यान देने और एक इष्टतम शिक्षण वातावरण बनाने के साथ, महाविद्यालय अपने छात्रों और शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए बधाई देता है और भविष्य में और भी अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए तत्पर है।

गौरव प्राप्त छात्र

बीएमएस की ख्याति कालरा को 2022 के लिए बीएमएस में उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के 99वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में प्रतिष्ठित 'बीएमएस में विश्वविद्यालय पदक' से सम्मानित किया गया।

बी.ए. (ऑनर्स) पंजाबी की रितिका कौर को बी.ए. में उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के 99वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में प्रतिष्ठित 'सरदार मोहन सिंह मेमोरियल गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया। (ऑनर्स) पंजाबी 2022 के लिए।

प्रकाशन

कालरा वी., कश्यप आई., कौर एच. (2022)। डोमेन-विशिष्ट शब्दावली का उपयोग करके वर्गीकरण आधारित विषय निष्कर्षण: एक पर्यवेक्षित दृष्टिकोण। *इंडोनेशियाई जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर साइंस,* 26(1): 442-449.

सेठी आर., मेहरोत्रा एम., सेठी डी. और मेहरोत्रा जी. (2022)। चेस्ट एक्स-रे डेटा असंतुलन के समाधान के लिए मेडिकल इमेज ऑग्मेंटेशन फ्रेमवर्क। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटिंग एंड डिजिटल सिस्टम्स*, 12(1): 1161-1171.

मुद्रास्फीति और राजकोषीय घाटे के बीच संबंध: भारत और चीन का एक तुलनात्मक अध्ययन। *जर्नल ऑफ़ चाइनीज़ इकोनॉमिक एंड फॉरेन ट्रेड स्टडीज़*, 15(2): 193-216.

पुरी वी., जोशी एस., देवकोटा एन. (2022)। नेपाल में बुनियादी ढाँचा और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन: एक आकलन। *साउथईस्टएशियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स*, 10(3): 1-26.

मल्होत्रा आर., खन्ना एम.. (2023)। सॉफ़्टवेयर परिवर्तन पूर्वानुमान के लिए खोज-आधारित एल्गोरिदम की प्रयोज्यता पर। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, 16(1): 55-73.

साहू बी.पी., अश्री डी., गुलाटी ए. (2022)। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई के चालक: ब्रिक्स बनाम मिंट। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड एंड एप्लाइड साइंसेज,* 9(9): 118-126.

प्रीत एस., चोपड़ा एस., गुलाटी ए. (2022)। आर्थिक विकास पर सतत विकास का प्रभाव: ओईसीडी देशों से साक्ष्य। *जिम्स 8एम-द जर्नल, वेब ऑफ साइंस*, 27(2): 54-61.

शोध-परियोजनाएं

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, एसजीजीएससीसी द्वारा वित्त-पोषित परियोजना, जिसका शीर्षक है, "भारत में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों पर कोविड-2019 का मनोसामाजिक और आर्थिक प्रभाव"। स्वीकृत राशि 0.90 लाख रूपये। पीआई: डॉ. परमजीत कौर (अर्थशास्त्र विभाग)

उत्कृष्टता केंद्र, एसजीजीएससीसी द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "कैंपस स्थिरता: समझ से मूल्यांकन और कार्रवाई तक"। स्वीकृत राशि 0.90 लाख रूपये। पीआई: प्रो. कवल गिल (वाणिज्य विभाग)।

उत्कृष्टता केंद्र, एसजीजीएससीसी द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "भारत में युवा निवेशकों के दीर्घकालिक निवेश व्यवहार पर वित्तीय साक्षरता का प्रभाव: एक अनुभवजन्य अध्ययन"। स्वीकृत राशि 0.85 लाख रूपये। पीआई: डॉ. डी.डी.चतुर्वेदी (अर्थशास्त्र विभाग)।

उत्कृष्टता केंद्र, एसजीजीएससीसी द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "ਕੈਨੇਡੀਅਨਸਮਾਜ, ਅਤਥਚਾਰੇਤੇਰਾਜਨੀਤੀ और और अधिक पढ़ें और भी बहुत कुछ है"। स्वीकृत राशि 0.50 लाख रूपये। पीआई: प्रो. तरनजीत कौर (पंजाबी विभाग)।

उत्कृष्टता केंद्र, एसजीजीएससीसी द्वारा वित्त-पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है, "भारत में अप्रत्यक्ष कर राजस्व पर जीएसटी व्यवस्था के बारे में करदाताओं की जागरूकता और धारणा का प्रभाव: उत्पादक और उपभोक्ता राज्य का एक अध्ययन"। स्वीकृत राशि 0.83 लाख रूपये। पीआई: प्रो. संगीता दोदराजका (वाणिज्य विभाग)।

आयोजित संगोष्ठी

एमएलएस विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान के प्रबंधन अध्ययन संकाय में प्रोफेसर मीना माथुर और टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के नीति और प्रबंधन अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मोंटू बोस द्वारा 'व्यवस्थित साहित्य समीक्षा' नामक संगोष्ठी का आयोजन 22 जुलाई 2022 को किया गया।

16 अगस्त 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर हेमंद्र डांगी द्वारा 'गुणात्मक अनुसंधान पद्धति-एनवीआईवीओ' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

9 फरवरी 2023 को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर स्टीफन डर्कोन द्वारा 'क्या विकासशील देश विकास पर जुआ खेल रहे हैं?' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. राजिंदर कौर सग्गू, ऑन्कोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 'कैंसर जागरूकता' नामक सेमिनार 2 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया था।

15 नवंबर 2023 को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रमुख प्रोफेसर ए.के. सिंह द्वारा 'मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई था।

आयोजित सम्मेलन

24 मार्च 2023 को 'सतत और समावेशी विकास के पथ पर भारत: मिथक या वास्तविकता' विषय पर एक

दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी महाविद्यालय द्वारा "सामाजिक निर्धारक स्वास्थ्य असमानता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. गुरमिंदर कौर अरोड़ा ने "भारत में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों पर कोविड 2019 के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक-आर्थिक प्रभाव की खोज" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री मीनू गुप्ता ने क्रमशः जून 2022 और सितंबर 2022 में गोयनका स्कूल ऑफ मैनेजमेंट और आईआईएम बोधगया द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में "फॉरेंसिक अकाउंटिंग" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

प्रो. रेनू गुप्ता ने 10-11 दिसंबर 2022 को उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यापार, सतत नवोन्मेषी व्यावसायिक प्रथाओं और सामाजिक कल्याण पर वैश्विक सम्मेलन में "वित्तीय बाजारों में फिनटेक का विकास: एक ग्रंथसूची विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर रेनू गुप्ता ने उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यापार, सतत नवोन्मेषी व्यावसायिक प्रथाओं और सामाजिक कल्याण पर वैश्विक सम्मेलन में आईटी पेशेवरों में आयुवाद व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण पर मानचित्रण अनुसंधान: एक साहित्य समीक्षा और ग्रंथ सूची विश्लेषण शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 10-11 दिसंबर 2022.

प्रोफेसर रेनू गुप्ता ने 10-11 को उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यापार, सतत नवोन्मेषी व्यावसायिक प्रथाओं और सामाजिक कल्याण पर वैश्विक सम्मेलन में "दिल्ली विश्वविद्यालय के चुनिंदा उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों की आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता, खुशी और सफलता" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दिसंबर 2022.

प्रो. रेनू गुप्ता ने 10-11 दिसंबर 2022 को उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यापार, सतत नवोन्मेषी व्यावसायिक प्रथाओं और सामाजिक कल्याण पर वैश्विक सम्मेलन में "ईएचआरएम का विकास: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर रेनू गुप्ता ने 7-8 जनवरी 2023 को दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च द्वारा आयोजित XXIV वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय स्टॉक मार्केट में पशुधन पूर्वाग्रह पर साक्ष्य" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. वंदना कालरा ने भारत के गुनुपुर में कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग और अनुप्रयोगों पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मशीन लर्निंग, बिग डेटा, क्लाउड और पैरेलल कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मेडिकल डोमेन में वर्गीकरण के लिए भारित के-निकटतम पड़ोसी के साथ "के-निकटतम पड़ोसी

क्लासिफायर पर दूरी के माप का प्रभाव" और "के-फोल्ड क्रॉस-वैलिडेशन पर संयोजन का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कंप्यूटिंग और संचार में स्मार्ट रुझानों पर सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. मेघा उम्मत ने "उम्र बढ़ने से संबंधित बग की भविष्यवाणी के लिए खोज-आधारित एल्गोरिदम का विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

माता सुंदरी महाविद्यालय द्वारा 'श्री गुरु तेग बहादुर: जीवन, दर्शन और विरासत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. तरविंदर कौर ने 'गुरु तेग बहादुर जी दे अनिन्न शार्धालु भाई जैता जी: पंजवा साहिबजादा नवल दे विशेष संदर्भ विच' शीर्षक से महिलाओं के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय, हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी के सहयोग से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सिख इतिहास और गुरबानी फोरम (डीएसजीएमसी) गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. तरविंदर कौर ने "गुरु तेग बहादुर जी दी बानी विच चिंता तो संतोख दा सफर" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

के.आर. के साथ समझौता**-ज्ञापन मंगलम (राष्ट्रीय):** श्री गुरु गोविंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय और के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय संयुक्त शोध-परियोजना को पूरक करने, समग्र अनुसंधान, प्रशिक्षण और नियोजन की सुविधा के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करने और उन्हें पर्यावरण प्रबंधन के मुद्दों के महत्व को समझाने के लिए एक साथ शामिल हुआ। समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य पारस्परिक हित के क्षेत्रों में अकादमिक और अनुसंधान सहयोग, संकाय विकास कार्यक्रमों को काम के साथ अद्यतन करने में मदद करना, नियमित छात्र-संकाय विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त प्रकाशन, संयुक्त कार्यशालाएं, सेमिनार आदि शामिल हैं।

डीएसपीएसआर (राष्ट्रीय) के साथ समझौता-ज्ञापन: महाविद्यालय 7-8 जनवरी 2023 को व्यापक विषय, "राष्ट्रवाद, वैश्वीकरण, पर आयोजित XXIV वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए सहयोग करने के लिए दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च (डीएसपीएसआर) में शामिल हो गया। विकास"। इस बात पर सहमति हुई कि महाविद्यालय का जर्नल, जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट, जर्नल के समग्र विषय से संबंधित XXIV वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के चयनित शोध-पत्र प्रकाशित करेगा, जो जर्नल में सभी संभावित प्रकाशनों के लिए अपनाई जाने वाली मानक प्रस्तुति और समीक्षा प्रक्रिया की मंजूरी के अधीन होगा।

नियोजित छात्रों की संख्या: 366

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 104

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: एन.एस.एस. इकाई ने 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को चिह्नित करने के लिए एक योग सत्र का आयोजन किया, आजादी का अमृत महोत्सव मनाया, सदस्यों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक ध्वजारोहण में भाग लिया और लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए हर घर तिरंगा अभियान में भी भाग लिया।

उन्नत भारत अभियान: इस पहल के तहत कराला, खेड़ाखुर्द और पूटखुर्द गांवों में तीन अभियान चलाए गए। कराला गांव में यह अभियान अपशिष्ट पृथक्करण और आजीविका परामर्श पर आधारित था। खेड़ाखुर्द में अभियान का उद्देश्य स्वच्छता और अपशिष्ट पृथक्करण पर ज्ञान प्रदान करना था। पूठखुर्द में अंतिम ड्राइव वृक्षारोपण और आजीविका परामर्श थीम पर आधारित थी।

मासिक धर्म स्वच्छता: मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए रोटारैक्ट क्लब द्वारा 10 जुलाई को स्वीट होम्स गर्ल्स आश्रम में एक सेनेटरी पैड वितरण अभियान चलाया गया। क्लब द्वारा मानसिक और शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन का दौरा और दीक्षा स्कूल में एक आत्मरक्षा कार्यशाला (16 जुलाई) शुरू की गई, इसके बाद 27 अगस्त 2022 को भारतीय नस्ल के कुत्तों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए टेल्स ऑफ कम्पैशन ट्रस्ट का दौरा किया गया।

वार्षिक रक्तदान शिविर: क्लब ने 21 सितंबर 2022 को अपना वार्षिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जहाँ 202 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

दिवाली और डेंगू जागरूकता कार्यशाला: ऑटिज़्म बॉयज़ हॉस्टल (1 अक्तूबर 2022) के लिए एक अभियान, दिवाली मनाने के लिए कमला बख्शी वृद्धाश्रम का दौरा और स्प्रेडिंग स्माइल्स ज्ञान केंद्र में एक डेंगू जागरूकता कार्यशाला अक्तूबर 2022 के महीने में आयोजित की गई थी।

खाद्य दान अभियान: नवंबर 2022 के महीने में बाल दिवस पर रैन बसेरा की यात्रा और "कमिट टू क्विट"- एक सिगरेट बट कलेक्शन ड्राइव भी शुरू की गई थी। इस कार्यकाल में प्रमुख पहलों में से एक परियोजना एक साप्ताहिक पहल गोपाल मंदिर, पीतमपुरा के पास उड़ान है-झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों को शिक्षित करें।

कृतज्ञता दिवस: एन.एस.एस. इकाई ने 5 सितंबर 2022 को महाविद्यालय कैंपस में 'शिक्षक दिवस' मनाने के लिए कृतज्ञता दिवस का आयोजन किया। महाविद्यालय कैंपस और आसपास को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों के बीच प्रेरणा पैदा करने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया।

25वां साहिबज़ादा अजीत सिंह क्रिकेट टूर्नामेंट: टूर्नामेंट का आयोजन महाविद्यालय के संस्थापक दिवस पर 15 दिसंबर 2022 से 18 जनवरी 2023 तक किया गया।

लिंग संवेदीकरण और रोकथाम: आंतरिक शिकायत और लिंग संवेदीकरण समिति ने 17 जनवरी 2023 को उच्च शिक्षा संस्थानों में लिंग संवेदीकरण और रोकथाम, निषेध और यौन उत्पीड़न के निवारण, यूजीसी विनियमन 2015 पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सत्र के अतिथि वक्ता प्रोफेसर डॉ. नमिता राजपूत, प्रोफेसर, श्री अरबिंदो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय थे। वह एक POSH प्रैक्टिशनर हैं, जो महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ सूचीबद्ध हैं, उन्होंने लैंगिक संवेदनशीलता और लैंगिक समानता जैसे

विषयों पर चर्चा की।

लैंगिक समानता: गणतंत्र के महिला विकास प्रकोष्ठ ने 15 फरवरी 2023 को "जश्न-ए-आजादी: ब्रेकिंग द ग्लास सीलिंग" शीर्षक से एक सेमिनार का आयोजन किया। विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित महिला हस्तियों को अपने विचार और अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था कि महिलाओं की संख्या कितनी है। भारत ने प्रगति की है और लैंगिक समानता के लिए अभी भी सभी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है।

पुस्तकालय विकास

यह महाविद्यालय पुस्तकालय के लिए एक शानदार वर्ष रहा है। छात्र समुदाय के सामने आने वाले किसी भी मुद्दे के आसान और त्वरित समाधान की सुविधा के लिए एक छात्र टीम नियुक्त की गई थी। टीम ने संयोजक के साथ ब्रिटिश काउंसिल पुस्तकालय का दौरा किया ताकि उनकी प्रणाली और सुविधाओं का अनुभव किया जा सके और महाविद्यालय पुस्तकालय में इसे लागू किया जा सके।

एक नया कियोस्क स्थापित किया गया है, जिससे छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री तक पहुंच आसान हो गई है। सामग्री को ऑनलाइन एक्सेस करने के लिए छात्र टीम द्वारा एक वेबसाइट भी विकसित की गई है जिसमें ई-पुस्तकें, ई-जर्नल्स, महत्वपूर्ण लिंक और अन्य इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का संग्रह शामिल है। सदस्यों ने महाविद्यालय और प्रतियोगी परीक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले विषयों के पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों का एक संग्रह भी तैयार किया है।

एक नया उपकरण 'किबो' भी स्थापित किया गया है, जो चित्रों को स्कैन कर सकता है, उन्हें वर्ड फ़ाइलों में बदल सकता है और अनेक भाषाओं में अनुवाद कर सकता है। यह दृष्टिबाधित विद्यार्थियों और सामान्यतः के लिए अत्यंत उपयोगी है।

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 55000
अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 45

अभिदत्त पत्रिका और जर्नल की कुल संख्या: 45

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 75

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 28.18 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 32.08 करोड़

***

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, अपने विद्वान, भावुक और समर्पित शिक्षकों के साथ-साथ मेहनती और दृढ़ स्टाफ सदस्यों सहित, छात्रों को समग्र तरीके से अध्ययन, समृद्ध होने और प्रगति करने के लिए एक सक्षम वातावरण प्रदान कर रहा है। यह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है, जिसकी स्थापना वर्ष 1973 में हुई थी। महाविद्यालय, जिसे श्री गुरु तेग बहादुर खालसा (सांध्य) महाविद्यालय के नाम से जाना जाता था, शैक्षणिक वर्ष 2005-06 में एक पूर्ण (दिन का) महाविद्यालय बन गया और प्रथम सिख गुरु श्री गुरु नानक देव जी के नाम पर श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय का अधिग्रहण कर लिया गया। । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) मूल संस्था है और श्री गुरु नानक जी की न्याय-आधारित, समानता-उन्मुख और समाज-केंद्रित नैतिक शिक्षाओं के साथ आधुनिक शिक्षा पाठ्यक्रम को मिलाकर शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करती है। सिख समुदाय की जरूरतों और आकांक्षाओं को बढ़ावा देने और पूरा करने के संदर्भ में, हमारे महाविद्यालय को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग द्वारा अल्पसंख्यक दर्जा दिया गया था। महाविद्यालय मानवता की समानता के दर्शन में विश्वास करता है जो महान शब्दों, मानस की जात सभै एकै पहचानबो, साथ ही बंधुत्व और 'एक आदमी, एक मूल्य' की हमारी संवैधानिक दृष्टि में परिलक्षित होता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) के मार्गदर्शन में, महाविद्यालय के विभिन्न विभाग समितियों द्वारा कई संगोष्ठी, वार्ता, प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं आदि आयोजित की गई हैं। आईक्यूएसी शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए कार्यशालाओं और सेमिनारों का भी आयोजन करता रहा है। महाविद्यालय का एक केंद्र बिंदु न केवल छात्रों को शिक्षित करना है, बल्कि उन्हें बारीकी से मार्गदर्शन करना, प्रेरणा और भावनात्मक समर्थन प्रदान करना और उन्हें आजीविका तलाशने, लक्ष्य निर्धारित करने और एक संरचित और प्रभावी एमएमपी के साथ संसाधनों की पहचान करने में मदद करना है। मेंटरिंग मेंटर प्रोग्राम जिसमें प्रोफाइल/बायोडाटा निर्माण, भारत और विदेश में उच्च शिक्षा की संभावनाएं और छात्रों के हित पर सामान्य सत्रों के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बढ़ती चिंताओं को शामिल किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में विभागीय एवं महाविद्यालय स्तर पर आयोजित उपरोक्त सभी गतिविधियों से महाविद्यालय में अध्ययन के माहौल को काफी फायदा हुआ है। यह सब हमारे संकाय सदस्यों की निरंतर भागीदारी और समर्थन से संभव हुआ, जो अपनी अकादमिक साख, नवीन शिक्षण पद्धतियों और ज्ञान प्रसार के लिए कभी न खत्म होने वाले उत्साह के लिए जाने जाते हैं और मूल्यवान हैं। हमारे संकाय ने लगातार स्वयं को नवीनतम शैक्षणिक तरीकों और उपकरणों से अद्यतन किया है।

सम्मान/गौरव

डॉ. हरमन कौर और डॉ. सिमरप्रीत कौर को अंतर राष्ट्रीय सहयोग परिषद, डायस्पोरा अनुसंधान और

संसाधन केंद्र, विदेश मंत्रालय और श्री गुरु नानक देव खालसा के आईक्यूएसी द्वारा "भारतीय डायस्पोरा: प्रशांत क्षेत्र में विश्लेषण" पर शोध परियोजना के लिए योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय नवंबर 2022.

गौरव प्राप्त छात्र

गणित (ऑनर्स) कार्यक्रम में आशीष गर्ग, वीरेश चौधरी, सक्षम गुप्ता, सजल शर्मा और रितेश सेठ ने टॉप किया।

प्रकाशित जर्नल

अनुसंधान और नवाचार जर्नल. *वार्षिक, 5 (अंक 1),* 124

आयोजित संगोष्ठी

14 नवंबर 2022 को टीआईएमई संस्थान के सहयोग से 'समय प्रबंधन-नई स्थिति, नई चुनौतियां' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

'शिफ्टिंग कंटूर्स ऑफ डिसेबिलिटी ऑफ डिसेबिलिटी' नामक संगोष्ठी प्रो. अनिल अनेजा और प्रो. सोमेश्वर सती, प्रोफेसर अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 17 मार्च 2023 को आयोजित की गई।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय भाषाएं' नामक संगोष्ठी का विमोचन प्रोफेसर मंजू मुकुल, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19 जनवरी 2023 को किया।

'लेबर माइग्रेशन एंड आइडेंटिटी: पोस्ट-पार्टीशन रिफ्यूजी ऑफ करोल बाग' नामक संगोष्ठी का आयोजन डॉ. आकांक्षा कुमार, सहायक प्रोफेसर, जेडीएम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 15 सितंबर 2022 को किया गया।

'डेटा वर्ल्ड में एक कदम उठाना' नामक संगोष्ठी का आयोजन 15 नवंबर 2022 को श्री ऋषिकेश कोनापुरे और श्री अनमोल भटनागर द्वारा किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय सहयोग परिषद (ARSP) डायस्पोरा रिसर्च के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यूथ फॉर सर्विस के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

दृष्टिहीनता और अल्प दृष्टि वाले विद्यार्थियो को उच्चतर शिक्षा में शामिल करने के अवसर सृजित करने के लिए सक्षम विकलांगता के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

शहीद राजगुरु महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय के साथ सहयोग।
गुरु अंगद देव टीचिंग-लर्निंग सेंटर, खालसा महाविद्यालय के साथ सहयोग

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 79

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 19

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

महाविद्यालय द्वारा विभिन्न विस्तार और आउटरीच गतिविधियों का आयोजन किया गया था, जिनमें से कुछ नीचे उल्लिखित हैं:

7 और 8 अप्रैल 2022 को आयोजित वार्षिक उत्सव ताशी; 26 अप्रैल 2022 को आयोजित आत्मरक्षा कार्यक्रम समापन समारोह; दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस का आयोजन 1 मई 2022 को किया गया; 8 मई 2022 को आयोजित मदर्स डे (ऑनलाइन) पर वीडियो स्क्रीनिंग; 19 मई 2022 को आयोजित डीयू शताब्दी समारोह (एन.एस.एस. सेंटर) के तहत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; 3 जून 2022 को आयोजित विश्व साइकिल दिवस पर जागरूकता प्रसार की कोशिश करने के लिए हस्तनिर्मित पोस्टर; 1-7 जुलाई 2022 को आयोजित वन महोत्सव सप्ताह (इंस्टाग्राम हैंडल पर अपडेट किए गए तथ्य); 1-7 सितंबर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह समारोह का आयोजन; कपड़े संग्रह अभियान का आयोजन 18-21 अक्टूबर 2022 को; 14 जनवरी 2023 को यातायात प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन।

महाविद्यालय ने, हमारे महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के सहयोग से फिट इंडिया मूवमेंट 3.0 के तहत कई कार्यक्रम भी आयोजित किए।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय ने सुचारू पुस्तकालय कामकाज, कैटलॉगिंग, सर्कुलेशन और ओपेक के लिए केडीएचए सॉफ्टवेयर को सफलतापूर्वक स्थापित किया है। अब संकाय के साथ-साथ छात्र भी महाविद्यालय की लाइब्रेरी तक ऑनलाइन पहुंच सकते हैं। पुस्तकालय ने INFLIBNET और DELNET की सदस्यता भी ले ली है। INFLIBNET (सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र) यूजीसी का एक अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र है जो इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है। DELNET (डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क) भारत में एक प्रमुख परिचालन संसाधन-साझाकरण लाइब्रेरी नेटवर्क है जो भारत के 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों और सात अन्य देशों में 1674 पुस्तकालयों को जोड़ता है। ई-संसाधनों तक पहुंच के अलावा, इसकी सेवाओं में इंटर लाइब्रेरी लोन (आईएलएल) और दस्तावेज़ वितरण सेवाएं (डीडीएस) शामिल हैं।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 96

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

वित्तीय आवंटन: 28,02,90,000/- रुपये और स्वीकृत अनुदान: 6,90,00,000/- रुपये
उपयोगिता अनुदान: 34,15,04,000/- रुपये

***

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय, 1951 में स्थापित किया गया था और इसका रखरखाव दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) द्वारा किया जाता है, जो भारत की संसद के एक अधिनियम के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। महाविद्यालय देव नगर में एक स्कूल भवन में शुरू हुआ और 1973 में नॉर्थ कैंपस में अपने वर्तमान कैंपस में स्थानांतरित हो गया। स्थापना के समय महाविद्यालय का ध्यान विशेष रूप से युवा पंजाबियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच के माध्यम से व्यापक सामाजिक परिवर्तन सुनिश्चित करना था। 1947 में विभाजन के शरणार्थी, और पंजाबी भाषा, संस्कृति और विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देना। महाविद्यालय का नाम नौवें गुरु-श्री गुरु तेग बहादुर के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखने के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया, और यह एक महानगरीय वातावरण और प्रगतिशील दृष्टिकोण वाला संस्थान है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में, हमारे महाविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक संवर्धन को प्राथमिकता दी। 20 जुलाई, 2022 को शुरू होने वाले सत्र में परिवर्तनकारी शैक्षिक अनुभव को बढ़ावा देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अपनाया गया। 5 से 7 जनवरी, 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय सिख कांग्रेस एक मुख्य आकर्षण थी, जो सिख इतिहास और भारत में योगदान का दस्तावेजीकरण करने के लिए समर्पित थी, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल गुरमित सिंह और प्रोफेसर योगेश सिंह उपस्थित थे। 9 सितंबर, 2022 को पद्म श्री पुरस्कार विजेता एस. विक्रमजीत सिंह साहनी को सम्मानित करने के लिए एक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भारत के विभाजन और स्वतंत्रता में सिख की भूमिका पर 8 अगस्त, 2022 के राष्ट्रीय सेमिनार के साथ अकादमिक चर्चा जारी रही। खेलों में 2023 में 9वें साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन डॉ. रवि चतुर्वेदी ने किया. नौवें सिख गुरु, तेग बहादुर साहिब जी की शहादत का सम्मान करते हुए, 26 नवंबर को संस्थापक दिवस के साथ परंपरा कायम रही। हमारे महाविद्यालय के छात्रों ने शिक्षा और खेल में अनुकरणीय प्रदर्शन किया। जीएडी-टीएलसी ने 86 कार्यक्रमों की मेजबानी की, जिसमें देश भर से 12,316 प्रतिभागियों ने भाग लिया। शिक्षण संकाय के लिए पदोन्नति और भर्तियाँ आयोजित की गईं। ये सामूहिक प्रयास समग्र शिक्षा, सांस्कृतिक उत्सव और बौद्धिक

जुड़ाव के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

सम्मान/गौरव

प्रो. विमल रारह को 16 दिसंबर 2022 को विशाखापत्तनम में वर्षगांठ आम बैठक में एक पुरस्कार समारोह के दौरान भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा आईएनएसए सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2020 से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर विमल रारह को शिक्षक प्रशिक्षण में यूके-भारत कार्यक्रमों के समन्वय के लिए "यूके अवार्ड्स, नॉटिंघम, यूनाइटेड किंगडम" द्वारा "भारत समन्वयक" के रूप में सम्मानित किया गया था।

प्रोफेसर विक्रम रारह को शिक्षक प्रशिक्षण में यूके-भारत कार्यक्रमों के समन्वय के लिए "एनपीटीसी महाविद्यालय, वेल्स, यूनाइटेड किंगडम" द्वारा "भारत समन्वयक" के रूप में सम्मानित किया गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

एम.ए. पंजाबी की सोनाली शर्मा को पंजाबी में एम.ए. परीक्षा में उच्चतम सीजीपीए के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भाई वीर सिंह स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

लक्ष्य राज शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स को अकादमिक में यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

बी.ए. की दिव्या शर्मा (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान को राजनीति विज्ञान में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय राजनीति विज्ञान सम्मेलन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.ए. के नितिन लोकाब (कार्यक्रम) द्वितीय वर्ष ने दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया और हरियाणा के सिरसा में आयोजित सीनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप (2022) में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. के अमीश नेहरा (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष ने 25-26 अक्तूबर 2022 को दिल्ली एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित ओपन दिल्ली स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 में रजत पदक और दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर-महाविद्यालय एथलेटिक्स मीट 2022 में एक और रजत पदक जीता।

प्रकाशन

कौर, एस., भारद्वाज ए., बलूजा, के.एल. (2022)। एएलएफ के साथ इलेक्ट्रॉन की अन्योन्यक्रिया। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 76(एनए), 176.

गुलाटी, एस., चित्रलेखा पी., पंडित, एम.ए., कात्याल, आर., भंडारी, एन., मेहता, पी., रावत, सी.डी., कौर, एस., कौर, जे. (2022)। लीफ लिटर अपघटन के संबंध में ल्यूकेना ल्यूकोसेफला के फाइलोप्लेन माइकोफ्लोरा की विविधता, उत्तराधिकार और मौसमी विविधता। *जर्नल ऑफ फंगी,* 8(6), 608.

कुमार, आर., सिन्हा, एन., यादव, एच., कुमार, बी. (2022)। ट्राइग्लिसिन सल्फेट एकल क्रिस्टल में

ज़ाइलेनॉल ऑरेंज डाई के पिरामिड पैटर्न का हिर्शफेल्ड सतह, नक़्क़ाशी, यांत्रिक और विद्युत वृद्धि विश्लेषण। *जर्नल ऑफ़ सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री,* 315, 123498.

सिरेमिक पर एनडी-डोपिंग का प्रभाव: उन्नत विद्युत गुण और पीजोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयन क्षमता। *जर्नलऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स*, 170, 110953.

कुमार, एस., जैन, जी., कुमार, के., सिंह, बी.पी., धकाते, एस.आर. (2022)। पॉलीमेरिक फोटोल्यूमिनिसेंट नैनोफाइबर पर समीक्षा: सॉलिड-स्टेट लाइटिंग एप्लिकेशन के लिए अकार्बनिक, कार्बनिक और पेरोव्स्काइट्स एडिटिव्स। *पॉलिमर विज्ञान, श्रृंखला* ए, 64, 367-392.

कुमार, एस., जैन, जी., कुमार, के., गुप्ता, ए., तवले, जे.एस., सिंह, बी.पी., धकाते, एस.आर., सहारे। पी. डी. (2022)। पॉलीस्टाइरीन/NaYF4 में तनाव-प्रेरित संरचनात्मक चरण संक्रमण: Eu3+ *फोटोल्यूमिनसेंट इलेक्ट्रोस्पन नैनोफाइबरपे जर्नल ऑफ़ नैनोमटेरियल्स,* 2022, 2173629.

कुमार, पी., कुमार, डी. (2022)। सामान्यीकृत ब्रेकिंग सॉलिटॉन समीकरण के मल्टी-पीक सॉलिटॉन समाधान। *फिजिका स्क्रिप्टा*, 97(10), 105203.

कौर, आई., धामा, एस., मुखर्जी, ए., माथुर, पी. (2023)। मिट्टी की भौतिक-रासायनिक विशेषताओं के मॉड्यूलेशन और गेंदे के पौधों की वृद्धि में विभिन्न जैविक संशोधनों का प्रभाव। *जर्नल ऑफ़ प्लांट न्यूट्रिशन,* 46(13), 3068-3081.

कौर, आई., कौल, एम. (2022)। भ्रूणकोष की सहयोगी कोशिकाओं की खोज: विकासात्मक और कार्यात्मक विशेषताएँ। *द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंटल बायोलॉजी,* 66(4-5-6), 349-358.

दुबे, एस.के., खटकर, एस., त्रिवेदी, एम., गुलाटी, एम., कुमार, एस., रथ, एन.पी., कुमार, एस., लाखिया, आर., राघव, एन., कौर, एस. (2022) . मर्कैप्टो लिगैंड युक्त रूथेनियम (ii)-डीएमएसओ कॉम्प्लेक्स की गतिविधि की रक्षा करने वाले संश्लेषण और संरचनात्मक और सीरम प्रोटीन। *न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, 46(24), 11669-11675.

शोध-परियोजनाएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार। [अनुदान संख्या बीटी/पीआर207 46/एमईडी/29/1194/2016], 13 दिसंबर 2019 से 12 दिसंबर 2022/3 वर्ष, लूप मध्यस्थता इज़ोटेर्मल प्रवर्धन का उपयोग करके एमडीआर तपेदिक का पता लगाने के लिए देखभाल निदान परख के बिंदु का डिजाइन और मूल्यांकन पार्श्व प्रवाह डिपस्टिक के साथ संयुक्त, 25.4 लाख।

परियोजना (अनुदान संख्या 1115/ टीएस /एसपीएल / कारों -101/23 दिनांक 24 मार्च 2023), 2023-24, PMN-PT पाउडर संश्लेषण के अनुकूलन पर अध्ययन, 9.9 लाख।

एफआरपी-आईओई परियोजना (अनुदान संख्या आईओई/2021/12/एफआरपी दिनांक: 31/08/2022), 2022-23, पीईएनपी:जीओ हाइब्रिड का उपयोग करके शरीर की गति से विद्युत ऊर्जा के लिए पहनने योग्य पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर का निर्माण, 5 लाख।

आईओई [अनुदान संख्या: आईओई /2021/12/ एफआरपी दिनांक: 29/10/2021], 2021-22, पीजोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए नैनोकणों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन, 3 लाख।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. रघुवेंद्र तंवर, अध्यक्ष, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा 8 अगस्त 2022 को 'भारत का विभाजन और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में सिखों की भूमिका, 1947 में भारत का विभाजन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सिखों की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

श्री नर हरि सिंह, पूर्व द्वारा 'भारत में कानूनी पेशे का महत्व और भविष्य: चुनौतियां और संभावनाएं, भारत का कानूनी परिदृश्य' शीर्षक सेमिनार। जम्मू-कश्मीर के एडवोकेट जनरल, एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड, केंद्र सरकार के वकील, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने 15 अक्तूबर 2022 को आयोजित किया।

प्रोफेसर सुरजीत मजूमदार, प्रोफेसर सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज एंड प्लानिंग, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा 'वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था का संकट, वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था' शीर्षक सेमिनार 15 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया।

20 जनवरी 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज के निदेशक प्रोफेसर सुनील के. चौधरी द्वारा 'संवैधानिक लोकतंत्र: परिवर्तन और चुनौतियां' शीर्षक से संवैधानिक लोकतंत्र पर सार्वजनिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

डॉ. भारती अरोड़ा, वरिष्ठ परियोजना सहयोगी, भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा 29 सितंबर 2022 को 'ब्रेकिंग फ्री: फ्रॉम लैब लाइफ टू वाइल्डलाइफ, वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

प्रथम सिख इतिहास कांग्रेस का आयोजन 5 जनवरी 2023 को डीएसजीएमसी, आईसीएचआर और आईजीएनसीए के सहयोग से किया गया था।

साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से 'भाई वीर सिंह: टाइम्स, लेखन और विरासत' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 1 दिसंबर 2022 को भाई वीर सिंह साहित्य सदन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

हिंदी के नए क्षितिज: अवसर ऐवम चुनौतियाँ 27 सितंबर 2022 को एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय में आयोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रधानाचार्य, प्रो. जसविंदर सिंह जीएडी-टीएलसी द्वारा आयोजित विभिन्न संकाय विकास कार्यक्रमों/वेबिनार/ कार्यशालाओं में सत्रों के लिए एक आमंत्रित वक्ता और संसाधन व्यक्ति थे।

31 जनवरी 2023 को किरोड़ीमल महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित डीबीटी स्टार स्टेटस योजना के तहत "लैब सुरक्षा और हरित लैब्स" पर एक दिवसीय कार्यशाला में प्रोफेसर विमल रारह ने "रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं में सुरक्षित और हरित पद्धतियों" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

9 मार्च 2023 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा एमओओसी विकास और वितरण पर आयोजित एक सप्ताह की कार्यशाला में प्रो. विमल रारह ने "4 क्वाड्रेंट एमओओसी विकसित करने की पद्धति" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

11 जुलाई 2022 को आयोजित एनएएसी प्रायोजित "शिक्षण, अध्ययन और मूल्यांकन के तरीकों पर पारंपरिक से मिश्रित दृष्टिकोण: पारंपरिक से मिश्रित दृष्टिकोण पर ऑनलाइन दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन" में प्रो. विमल रारह ने "प्रौद्योगिकी और परिणाम आधारित शिक्षा @ एनईपी 2020" पर जेएसएस महाविद्यालय, ऊटी रोड, मैसूर, कर्नाटक द्वारा एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. तरूण कुमार 21 फरवरी, 2023 को जामिया मिलिया इस्लामिया के विदेशी भाषा विभाग द्वारा आयोजित "कोरियाई इतिहास पर छात्र कार्यशाला 2023: भारतीय परिप्रेक्ष्य के माध्यम से कोरियाई इतिहास को समझना" में मुख्य वक्ता थे। शोध-पत्र का शीर्षक "खानपान" था राज्य के लिए: भारत और कोरिया में पुरातत्व और राष्ट्रवादी राजनीति"।

तरूण कुमार ने 11 को आयोजित 16वें आरएएसके अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "भारत-दक्षिण कोरिया संबंध: इतिहास, मूल्यों और रुचि के माध्यम से संबंधों की खोज" शीर्षक से "प्राचीन भारत और प्रारंभिक कोरिया में शाही महिलाएं और राजनीतिक शक्ति" शीर्षक से 12 नवंबर 2022 जामिया मिलिया इस्लामिया में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. बिपिन ठाकुर ने विश्व हिंदी साहित्य परिषद अध्ययन फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित 21वीं सदी में भाषा और भारत के प्रश्न पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आठवीं अनुसूची में शामिल करने के मानदंड: प्रगति पर एक कार्य" शीर्षक से इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, मैक्स मुलर मार्ग में 21 से 22 जनवरी 2023 तक एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. बिपिन ठाकुर ने "क्या भारत को तत्काल समान नागरिक संहिता की आवश्यकता है?" शीर्षक दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 1919 से आयोजित 'स्वराज' से 'नए भारत' तक भारत के विचारों को फिर से देखने पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संविधान सभा की बहस पर दोबारा गौर करना" पर 21 मई 2022 को एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

5 अप्रैल 2022 को संगोष्ठियों / वेबिनार / सम्मेलनों / संकाय विकास कार्यक्रमों (एफडीपी)/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण/ प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के रूप में संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करके संकाय सदस्यों/अनुसंधान विद्वानों और अन्य छात्रों की क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए महात्मा गांधी विद्यामंदिर के लोकनेटे व्यंकटराव हिरे कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

एस.के. तिलक एजुकेशन सोसायटी के साथ समझौता-ज्ञापन पर विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय 13 जून 2022 को सेमिनार/वेबिनार/सम्मेलन/संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)/कार्यशाला/प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र कार्यक्रम के रूप में हस्ताक्षर. संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करके संकाय सदस्यों/ अनुसंधान विद्वानों और

अन्य छात्रों की क्षमता निर्माण को बढ़ाएगा।

15 जुलाई 2022 को सेमिनार/वेबिनार/सम्मेलन/संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)/कार्यशाला/प्रशिक्षण /प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के रूप में संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करके संकाय सदस्यों/शोध विद्वानों और अन्य छात्रों की क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए जीवन ज्योत एजुकेशन चैरिटेबल ट्रस्ट रीना मेहता कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

श्रीमती राधादेवी गोयनका महिला महाविद्यालय के साथ 4 अगस्त 2022 को सेमिनार/वेबिनार/सम्मेलन/संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)/कार्यशाला/प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र कार्यक्रम जैसे संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करके संकाय सदस्यों/अनुसंधान विद्वानों और अन्य छात्रों की क्षमता निर्माण को बढाने पर समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

एटीएसपीएम के सलाहकार के साथ बी.डी. हैम्बार्डे महाविद्यालय 3 सितंबर 2022 को सेमिनार/वेबिनार/ सम्मेलन/संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)/कार्यशाला/प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र कार्यक्रम के रूप में संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करके संकाय सदस्यों/अनुसंधान विद्वानों और अन्य छात्रों की क्षमता निर्माण बढाने पर समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

अग्रवाल पीजी महाविद्यालय के साथ 12 नवंबर 2022 को सेमिनार/वेबिनार/सम्मेलन/संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)/कार्यशाला/प्रशिक्षण/ प्रमाणपत्र कार्यक्रम के रूप में संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करके संकाय सदस्यों/अनुसंधान विद्वानों और अन्य छात्रों की क्षमता निर्माण को बढाने पर समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

20 फरवरी 2023 को सेमिनार/वेबिनार/सम्मेलन/संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)/कार्यशाला/ प्रशिक्षण/प्रमाणपत्र कार्यक्रम के रूप में संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करके संकाय सदस्यों/अनुसंधान विद्वानों और अन्य छात्रों की क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए दौलत राम महाविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई विद्या विस्तार योजना के तहत शोध-परियोजना और अन्य शैक्षणिक सहयोग करने के लिए महाविद्यालय का गुरु काशी विश्वविद्यालय, तलवंडी साबो, पंजाब के साथ एक समझौता-ज्ञापन चल रहा है। ये संस्थान परियोजना के तहत व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे और सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे।

हाविद्यालय ने शिक्षकों और छात्रों के लिए एक विनिमय कार्यक्रम सहित संयुक्त शोध-परियोजना के लिए कार्लटन विश्वविद्यालय के साथ एक निरंतर सहयोग किया है।

महाविद्यालय का कनाडा के फ्रेजर वैली विश्वविद्यालय के साथ निरंतर सहयोग है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 130

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 23%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 24

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए धर्मशिला नारायण सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के सहयोग से 12 अप्रैल 2023 को एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

'ब्रोन्कियल अस्थमा और कोविड बर्डन' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जो उस समय वर्ष की आवश्यकता थी।

2 जुलाई 2022 को मानसिक स्वास्थ्य पर एक सत्र आयोजित किया गया था। सत्र का विषय 'मानसिक स्वास्थ्य का महत्त्व' था, जिसमें चिंता और अवसाद जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया गया था।

युवा चौपाल के अंतर्गत अंतिम साक्षरता के सत्र और "आप एक पेड़ नहीं हैं" विषय पर एक वेबिनार जैसे विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

परियोजना ख्वाहिश को विभिन्न दौरों के साथ आगे बढ़ाया गया, जैसे मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए कोशिश स्पेशल स्कूल का दौरा, दिवाली मनाने के लिए वृद्धाश्रम का दौरा और आजादपुर या तिमारपुर बस्ती की तरह मलिन बस्तियों का दौरा भी किया गया, जहां वितरण अभियान चलाया गया। बड़े पैमाने पर किये गये।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय कैंपस के विभिन्न संस्थानों के बीच पठन सामग्री का बेहतरीन संग्रह है। यह रिकॉर्ड पर सभी विषयों की 145642 पुस्तकों और भारतीय जर्नल की नियमित सदस्यता से सुसज्जित है; पत्रिकाएँ और दैनिक समाचार पत्र यह अनुसंधान और अध्ययन में सहायता के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों की जरूरतों को पूरा करता है। पुस्तकालय सेवाएँ स्वचालित हैं। (2022-2023) की अवधि के लिए पुस्तकालय का वार्षिक आम बजट 11,80,000 रुपये (केवल ग्यारह लाख अस्सी हजार रुपये) का था। सत्र 2022-2023 में पुस्तकालय में 1251 पुस्तकें जोड़ी गईं। पुस्तकालय में एक गेट सुरक्षा जांच प्रणाली है जिसमें निगरानी के लिए 32 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुस्तकालय एक विस्तृत क्षेत्र कैंपस नेटवर्किंग प्रणाली के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़ा हुआ है और अपने उपयोगकर्ताओं को दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) और यूजीसी-इन्फोनेट कंसोर्टियम से इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय ने 7जर्नल, 28जर्नल और 27 समाचार-पत्रों की सदस्यता ली है। 07 नवंबर 2022 को दो स्थायी पुस्तकालय अटेंडेंट नियुक्त किए गए हैं। पुस्तकालय में सिख अध्ययन पर 8000 क्लासिक्स और अन्य संदर्भ पुस्तकों का एक अलग खंड है।

महाविद्यालय पुस्तकालय यूजीसी एन-लिस्ट कंसोर्टियम का सदस्य है और पुस्तकालय के सदस्यों को पुस्तकालयकैंपस के भीतर और बाहर और यहां तक कि घर पर भी ऑनलाइन जर्नल, ई-पुस्तकों आदि तक पहुंच मिल सकती है।

हर वर्ष नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। छात्रों को बैचों में इसके संग्रह, सेवाओं, सुविधाओं आदि के लिए पुस्तकालय की ओर उन्मुख किया गया था।

छात्रों को ई-संसाधनों के साथ प्रशिक्षित करने और फीडबैक एकत्र करने के लिए एन-लिस्ट डेमो कक्षाएं सप्ताह में दो बार आयोजित की जाती हैं।

पुस्तकालय इंटर्नशिप कार्यक्रम: पुस्तकालय साइंस के दो छात्रों को महाविद्यालय पुस्तकालय में एक महीने के लिए इंटर्न के रूप में भर्ती किया गया है। उन्हें पुस्तकालय के सभी अनुभागों में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

नई आगमन सूची: पुस्तकालय में जोड़ी गई नई पुस्तकों की सूची कंप्यूटर पर तैयार की जाती है और उपयोग की जानकारी के लिए समय-समय पर वाचनालय में प्रदर्शित की जाती है।

प्रश्न बैंक और पाठ्यक्रम: पुस्तकालय परामर्श और ज़ेरॉक्स के लिए पिछले वर्षों के स्कैन किए गए प्रश्न पत्र और विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत है और पुस्तकों को बार-कोडित किया गया है और ओपीएसी (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) के माध्यम से आसानी से सुलभ बनाया गया है। महाविद्यालय अवकाश के दौरान छात्रों और कर्मचारियों के लिए पुस्तकालय रीडिंग रूम में इंटरनेट तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय महाविद्यालय पत्रिका "द टीईजीएच" के सभी संस्करणों को संरक्षित करती है, जिसका पहला संस्करण 1953 में प्रकाशित हुआ था।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 147

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 77,39,00,000/-
उपयोगित अनुदान: रुपए 76,03,00,000/-

***

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

ज्ञान साझा करने की इच्छा और शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने का सपना तीन दूरदर्शी लोगों को एक साथ लाया: श्रीमती दुर्गाबाई देशमुख, श्री के.एल. राव, और श्री सी. अन्ना राव ने भारत की आजादी

के शुरुआती दशकों में ज्ञान साझा करने के लिए एक गतिशील स्थान बनाया। इसका उद्देश्य दिल्ली में पारंपरिक मूल्यों, आधुनिक दृष्टिकोण और तर्क के साथ शिक्षा का मिश्रण करना था। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा प्रदान की गई सहायता और प्रोत्साहन से यह सपना हकीकत में बदल गया और श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय ने 1961 में आंध्र एजुकेशन सोसाइटी में अपनी मामूली शुरुआत की। श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय की आधारशिला वर्ष 1961 में प्रख्यात भारतीय दार्शनिक और राजनेता डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा रखी गई थी। अपने नए कैंपस के अधिग्रहण के कुछ वर्षों के भीतर, और अपने प्रधानाचार्य वी कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में, महाविद्यालय ने कला और विज्ञान में ऑनर्स पाठ्यक्रम शुरू किए। 1973 में दिल्ली विश्वविद्यालय ने इसे अपने घटक महाविद्यालयों में से एक के रूप में मान्यता दी, जिससे भविष्य में विस्तार का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस वर्षअर्थात2023 में इस प्रतिष्ठित संस्थान को 62 वर्ष हो गए हैं, जो पिछले अनेक दशकों से गर्व के साथ खड़ा है। श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शिक्षा मानचित्र पर एक अदम्य स्थान प्राप्त कर लिया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय को 2023 में एनआईआरएफ द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 13वां स्थान दिया गया और एनएएसी द्वारा A+ ग्रेड से सम्मानित किया गया। इसने अपना हीरक जयंती समापन समारोह मनाया, जिसमें शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह सहित उल्लेखनीय गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। महाविद्यालय को स्थिरता और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मान्यता दी गई है, संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें 'पेरियार पुरस्कार' और सतत पर्यटन पुरस्कार के लिए नामांकन शामिल हैं। महाविद्यालय ने महत्त्वपूर्ण ढांचागत प्रगति की है, सौर ऊर्जा जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दिया है और वर्षा जल संचयन संरचनाओं का उद्घाटन किया है। INMAS, दिल्ली और श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च जैसे संस्थानों के साथ वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग के लिए अनेक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। महाविद्यालय ने राष्ट्रीय गौरव और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं, जिनमें मतदाता पंजीकरण अभियान और अंतरराष्ट्रीय मंच शामिल हैं, जैसे उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर भारत-ऑस्ट्रेलिया बैठक, जिसमें जेसन क्लेयर और क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल थीं। ये पहल शैक्षणिक उत्कृष्टता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और नागरिक जुड़ाव के प्रति महाविद्यालय के समर्पण को रेखांकित करती हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. कृष्ण कुमार भारतीय विश्व मामलों की परिषद से सप्रू शोध-पत्र अनुदान के प्राप्तकर्ता और विदेश व्यापार समीक्षा, सेज प्रकाशन के रेफरी हैं।

डॉ. नंदिता नारायणसामी को एसटीईएम मोहरा भारत @75 में महिलाओं के रूप में चित्रित किया गया।

गौरव प्राप्त छात्र

क्र.सं.	विद्यार्थियों का नाम	कक्षा
1	परिधि कोटनाला (विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक)	बी.एससी. (ऑनर्स) जैविक विज्ञान तृतीय वर्ष
2	यशवर्धन ओबेरॉय, (बहु-दिवसीय मैचों के लिए दिल्ली अंडर-19 टीम के लिए चयनित)	बी.कॉम कार्यक्रम
3	आर्यन दलाल, (एक दिवसीय टूर्नामेंट के लिए दिल्ली पुरुष क्रिकेट अंडर-25 टीम के लिए चयनित।	बी.ए. (एच.)
4	जयेश पंडिता, (टूर्नामेंट के लिए राजस्थान अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित	बी.कॉम कार्यक्रम

प्रकाशन

शिखा गुलाटी, स्नेहा विजयन, मानसी, संजय कुमार, भरतहरिकुमार, मनोज त्रिवेदी, राजेंद्र एस.वर्मा। (2023)। कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) को मूल्यवर्धित रसायनों में सीधे परिवर्तित करने के लिए धातु-कार्बनिक फ्रेमवर्क (एमओएफ)-आधारित नैनोकैटलिस्ट के अनुप्रयोग में हालिया प्रगति। *समन्वय रसायन विज्ञान समीक्षा,* 474(एनए), 214853.

शिखा गुलाटी, अकंगखा चौधरी गौरव्या मोहन, रिया कटियार, मोहम्मद अबान कुरिक्कल एम पी, संजय कुमार और राजेंद्र एस वर्मा। (2023)। कैंसर के लिए प्रभावी निदान और चिकित्सीय उपकरण के रूप में मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (एमओएफ)। *जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स केमिस्ट्री बी,* 11(29), 6782-6801.

शेफाली शुक्ला, बुलबुल सागर, अनंतप्रीत कौर सूद, अभय गौड़, संजय बत्रा, शिखा गुलाटी। (2023)। एनकैप्सुलेटिंग होस्ट के रूप में कुकुर्बिट[एन]यूरिल्स के साथ सुपरमॉलेक्यूलर कीमोथेरेपी। *एसीएस एप्लाइड बायोमटेरियल्स,* 6(6), 2089-2101.

मीना बिष्ट, सरथ कुमार थयल्लाथ, प्रणव भारद्वाज, ग्रेगरी फ्रैंकलिन, दिब्येंदु मंडल। (2023)। एंजाइमों के वाहक के रूप में बायोमास-व्युत्पन्न कार्यात्मक सामग्री: टिकाऊ और मजबूत जैव उत्प्रेरक की ओर। *ग्रीन केमिस्ट्री*, 25(12), 4591-4264.

मीना बिष्ट, भावना, बलजीत सिंह, सिद्धार्थ पांडे। (2023)। CO2 कैप्चर के लिए डीप यूटेक्टिक सॉल्वेंट-संशोधित मेसोपोरस सिलिका: हाइब्रिड सॉर्बेंट्स की एक नई पीढ़ी। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स,

384(एनए), 122203.

श्रीनुवासु नक्का, अनामिका सिंधु, दीपक चाहर, मीना बिष्ट, नागराजू देवुनुरी, पन्नुरु वेंकटसु। (2023)। प्रोटीन के लिए स्थिरता और कार्यक्षमता के लिए एक जीवंत त्वरित रणनीतिक विलायक प्रणाली: हाइब्रिड आयनिक तरल पदार्थों में स्टेम ब्रोमेलैन की अपरिवर्तित संरचना। एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 11(16), 6395-6404.

चिक्किली वेंकटेश्वर राजू, वाई वीरा मनोहर रेड्डी, चाए ह्वान चो, ह्योन हो शिन, ताए जंग पार्क, जोंग पिल पार्क। (2023)। बाईमेटैलिक प्लैटिनम और रूथेनियम नैनोपार्टिकल-टेथर्ड मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क संशोधित इलेक्ट्रोड का उपयोग करके समुद्री बायोटॉक्सिन का पता लगाने के लिए अत्यधिक संवेदनशील इलेक्ट्रोकेमिकल पेप्टाइड-आधारित बायोसेंसर। खाद्य रसायन विज्ञान, 428(एनए), 136811.

मृण्मय जेना, देबाशीष सेन, मोहम्मद जुल्फेक्वार, के. अशोकन और अनंत पांडे। (2023)। ठोस अवस्था प्रसार विधि द्वारा संश्लेषित γ और यूवी -सी विकिरणित Li3PO4:Dy के थर्मोल्यूमिनेशन गुणों का अध्ययन। जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स, 955(एनए), 170077.

गरिमा शर्मा, सुरभि अग्रवाल, कविता वर्मा, रश्मी भारद्वाज, वर्तिका माथुर। (2023)। औषधीय पौधे एंडोफाइट्स से चिकित्सीय यौगिक: आणविक और चयापचय अनुकूलन। जर्नल ऑफ एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी, 134(4), 1-14.

रेखा कुमारी, यशा यादव, ऋचा मिश्रा, उत्पल दास, उपासना दास अधिकारी, पुष्कर मालाकार, ज्ञानेंद्र पी दुबे। (2022)। एंटीबायोटिक्स के उपयोग की उभरती सीमाएं और मानव आंत माइक्रोबायोम पर उनका प्रभाव। सूक्ष्मजैविक अनुसंधान, 263(एनए), 127127.

शोध-परियोजनाएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार, 3 वर्ष (2021-2024), माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन लोकी के नियमन में सेर/थ्र प्रोटीन किनेसेस की भूमिका को समझना, 12386270.

पर्यावरण, वानिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी) (संरक्षण और विकास योजना के लिए अनुसंधान एवं विकास), 2 वर्ष (2021-2023), बदलते जलवायु शासन में माइक्रोबियल समुदाय: प्राथमिक और माध्यमिक जोखिम कारकों का विश्लेषण, 4323800.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, 3 वर्ष (2020-23), नैनोडोस- रेडियोथेरेपी बीम के लिए ऊर्जा-स्वतंत्र डोसीमीटर के रूप में नैनो-फॉस्फोरस और स्पिन-ट्रैपिंग नैनो-क्रिस्टल का संश्लेषण (इंडो-नॉर्वेजियन संयुक्त अनुसंधान परियोजना) 3255211.

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), 3 वर्ष (2021-24), बारापुला ड्रेन क्षेत्र में पुनर्वनीकरण परियोजना की

वैज्ञानिक निगरानी, 1925000.

होंडा कार प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष (2022-23), मशीनरी पार्ट्स पर कीड़ों के व्यवहार की जांच, 1096160.

मंजूर/दायर पेटेंट

आईपी इंडिया पेटेंट संख्या - 433031 (प्रथम लेखक- डॉ. हरि सिंह (इलेक्ट्रॉनिक्स) भारत सरकार द्वारा पेटेंट) और "एक कपड़ा सामग्री आधारित वाइडबैंड एमआईएमओ एंटीना"।

आईपी इंडिया पेटेंट संख्या - 430696 (सह-लेखक-डॉ. हरि सिंह (इलेक्ट्रॉनिक्स) भारत सरकार द्वारा पेटेंट) और "रेटिना प्रोस्थेसिस के लिए इलेक्ट्रिकली स्मॉल सर्कुलरली पोलराइज्ड यूडब्ल्यूबी इंट्राओकुलर एंटीना सिस्टम"

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. सुधीर कुमार, अनुसंधान वैज्ञानिक सेंटर ऑफ ग्लोबल इंफेक्शियस डिजीज रिसर्च सिएटल चिल्ड्रन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिएटल, यूएसए, प्लास्मोडियम फर्टिलाइजेशन: ए टेल ऑफ टू गैमीट फ्यूसोजेन, प्लास्मोडियम फर्टिलाइजेशन: ए टेल ऑफ टू गैमीट फ्यूजोजेन, 17 अक्तूबर 2022.

डॉ. निशांत कुमार, भारतीय वन्यजीव संस्थान में परियोजना वैज्ञानिक और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, पीपल, एनिमल्स एंड वेस्ट सिस्टम्स वेब में विजिटिंग फेलो हैं। 21वीं सदी में शहरी पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए अनुशासनों को एकीकृत करना, लोग, जानवर और अपशिष्ट प्रणाली वेब। 21वीं सदी में शहरी पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए अनुशासनों का एकीकरण, 22 नवंबर 2022.

डॉ. रेनू स्वरूप, पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार, सीमाओं से परे विज्ञान, रोमांचक अवसर, सीमाओं से परे विज्ञान, रोमांचक अवसर, 23 मार्च 2023.

डॉ. सीमा ग्रोवर, चीफ ऑफ फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, दिल्ली और डॉ. रंजन मोदी, एसोसिएट कंसल्टेंट और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, दिल्ली, 'पोस्ट-कोविड वर्कप्लेस एर्गोनॉमिक्स एंड हार्ट हेल्थ' पर सेमिनार, एर्गोनॉमिक्स के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यस्थल पर लगने वाली चोटों को रोकने में मदद करके अनुपस्थिति में सुधार किया जा सकता है जिसके कारण काम के दिन छूट जाते हैं और कर्मचारियों के लिए अधिक आरामदायक कामकाजी माहौल तैयार किया जा सकता है। 19 अक्तूबर 2022.

श्री शुएब खान, पैनल अधिवक्ता, नई दिल्ली, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एसिड अटैक पर कानूनी जागरूकता सेमिनार, एसिड अटैक पर कानूनी जागरूकता सेमिनार, 15 फरवरी 2023.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. मानवी सिंह ने "भोजन, स्मृति और लिंग का अंतर्विरोध: चयनित भारतीय पाककला आत्मकथात्मक कथाओं का एक नारीवादी अध्ययन" विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय मालट्या गैस्ट्रोनॉमी संस्कृति और पर्यटन सम्मेलन, मालट्या, तुर्की, 16-18 सितंबर 2022.

आयरलैंड-भारत संस्थान, डबलिन सिटी यूनिवर्सिटी, आयरलैंड द्वारा 28-30 को आयोजित 5वें वार्षिक

दक्षिण एशिया सम्मेलन में डॉ. मानवी सिंह ने "दुख और प्रतिरोध के निकाय: अंग्रेजी में अनुवादित दलित आत्मकथाओं में दलित महिलाओं की आवाज़" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। अप्रैल 2022.

13-15 मार्च 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर नवाचार केंद्र द्वारा आयोजित पीपीपी मॉडल के माध्यम से शिक्षा में नवाचारों पर राष्ट्रीय सेमिनार में जैव रसायन विभाग की डॉ. अंजू कैकर ने "शिक्षा और रोजगार में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की भूमिका" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नंदिता नारायणसामी ने निर्माण श्रमिकों में वायु प्रदूषकों के व्यावसायिक जोखिम और फुफ्फुसीय स्वास्थ्य के बीच संबंध पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। ललिता, जे. और नारायणसामी, एन.; 24 और 5 नवंबर 2022 को जेएनयू और शक्ति द्वारा स्त्री 2020 राष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो का आयोजन किया गया।

डॉ. मुथाबातुला प्रजना ने जैव सूचना विज्ञान विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए), पांडिचेरी चैप्टर और सोसाइटी फॉर प्लांट रिसर्च (एसपीआर), भारत की बैठक 13-15 फरवरी 2023 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित की गई।

डॉ. के. प्रसाद ने "प्लांट टैक्सोनॉमी, एथनोबोटनी और बॉटनिकल गार्डन" पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "पेरोकार्पस सैंटालिनस (फैबेसी) का संरक्षण और प्रसार" और "विशाल जल लिली, विक्टोरिया अमेज़ोनिका (निम्फियासी) का संरक्षण और गुणन" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। "भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 13-14 फरवरी 2023 तक आयोजित किया गया।

एनपीटीसी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज एंड यूके अवार्ड्स, यूनाइटेड किंगडम और टीचिंग लर्निंग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "उच्च शिक्षा में उभरते रुझान" पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में डॉ. विनीता कपूर ने "कक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग: लाभ और परिणाम" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 28 मार्च से 29 मार्च 2023 तक शिक्षा मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत केंद्र, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. एस कृष्ण कुमार ने "ब्रेटन वुड्स II, कोर-परिधि मॉडल और विकासशील दुनिया में विकास की संभावनाएं" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। हेरिटेज महाविद्यालय, कोलकाता के सहयोग से गोयनका महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समकालीन मुद्दों पर ऑनलाइन प्रस्तुति: चुनौतियां और अवसर।

सुश्री अरुशी ने 26 मई 2022 को गणित विभाग, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय में बीजगणित और असतत गणित पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सममित समूह और सामान्य रैखिक समूह में विशेष प्रकार के उपसमूहों के आदेश और संयुग्मता वर्ग" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री प्रीति सिंह ने 27-28 फरवरी, 2023 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन भारत और विश्व: चुनौतियाँ और अवसर में "वैश्वीकरण और सांस्कृतिक पहचान" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

यूनिवर्सिडैड डी बर्गोस, बर्गोस, स्पेन ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और विनिमय कार्यक्रमों में सहयोग के अवसरों

का पता लगाने के लिए शैक्षिक यात्राओं को बढ़ावा देने के लिए 2022 में 4 वर्षों के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

बेब्स बोल्याई विश्वविद्यालय, क्लुज-नोपाका, रोमानिया ने 2023 में 5 वर्षों के लिए शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

ईरान के मशाद के फिरदौसी विश्वविद्यालय के कृषि संकाय ने 2022 में 4 वर्षों के लिए मानव संसाधन प्रशिक्षण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

विज्ञान अकादमी, ताशकंद, उज़्बेकिस्तान के द्वि-कार्बनिक रसायन विज्ञान संस्थान ने 2021 में 5 वर्षों के लिए हस्ताक्षर किए-संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों, अकादमिक आदान-प्रदान और अनुसंधान इंटर्नशिप के माध्यम से वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

नॉर्डिक सेंटर-स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड में 19 विश्वविद्यालयों का एक संघ, 2018 में 5 वर्षों के लिए हस्ताक्षरित-संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों, अकादमिक आदान-प्रदान और अनुसंधान इंटर्नशिप के माध्यम से सहयोगात्मक संबंध स्थापित करने के लिए।

चेक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज प्राग, चेक गणराज्य ने 2021 में संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों, अकादमिक आदान-प्रदान और अनुसंधान इंटर्नशिप के माध्यम से वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करने के लिए 3 वर्ष के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

मार्टिन लूथर विश्वविद्यालय, हाले-विटेनबर्ग, जर्मनी ने 2019 में 5 वर्षों के लिए जैव-सूचना विज्ञान में संयुक्त सहयोग के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

आईसीटी अकादमी, 2023 में 1 वर्ष के लिए हस्ताक्षरित-सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों को सेवाएं प्रदान करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च ने 2022 में 5 वर्ष के लिए हस्ताक्षर किए-संयुक्त अनुसंधान के अवसरों और आउटरीच गतिविधियों का पता लगाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज, ब्रिगेडियर। एस. के. मजूमदार मार्ग, दिल्ली-110054, 2022 में 10 वर्षों के लिए हस्ताक्षरित-दोनों संस्थानों के बीच मौजूदा अनुसंधान सुविधाओं और उपलब्ध विशेषज्ञता को साझा करने के लिए समझौता।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

रेडिएशन डोसिमेट्री के क्षेत्र में ओस्लो विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के साथ वैज्ञानिक विनिमय कार्यक्रम

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र (इनबाउंड/आउटबाउंड)

एसवीसी-नॉर्डिक सेंटर ऑफ इंडिया (एनसीआई) के तहत विनिमय

1. श्री एडम अहमद हैनसेन जनवरी 2022-मई 2022 तक

2. सुश्री एनेमेट लिंडबर्ग फ्रिस जोंसन जनवरी 2022-मई 2022 तक
3. सुश्री विक्टोरिया स्कोवशॉव्ड जनवरी 2022-मई 2022 तक
4. बास्टियन गौतम वोल्टर लार्सन जुलाई 2022-दिसंबर 2022 तक
5. मेलानी गुणरत्नम जुलाई 2022-दिसंबर 2022 तक
6. मिकेल साहिल क्रुगर हेनरिक्सन जुलाई 2022-दिसंबर 2022 तक

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 242

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 60

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

छात्रों को पर्यावरणीय चुनौतियों और संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग और इको क्लब द्वारा 28 और 29 नवंबर 2022 को ग्रीन स्कूल पहल का आयोजन किया गया।

छात्रों को जल संरक्षण की आवश्यकता, वर्षा जल संचयन प्रणालियों, उनकी स्थापना और रखरखाव के बारे में जागरूक करने के लिए 19 अप्रैल 2023 को वर्षा जल संचयन प्रणाली के रखरखाव पर संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अपशिष्ट पृथक्करण और प्रबंधन के महत्त्व को समझने के लिए 30 अप्रैल 2023 को इको क्लब द्वारा "स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण और उसके प्रबंधन" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कागज के कचरे, रसोई के कचरे आदि जैसी संरचना के अनुसार कचरे को अलग-अलग कंटेनरों में अलग करना। महाविद्यालय कैंपस के बेहतर रखरखाव के लिए हमारे कर्मचारियों, संकाय सदस्यों और छात्रों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान करना।

दिव्यांग छात्रों और मुख्यधारा के समाज के बीच की खाई को पाटने और दिव्यांग समुदाय की बेहतरी के लिए ईओसी के सदस्यों और स्वयंसेवकों के क्षितिज को आगे बढ़ाने के लिए एन.एस.एस. द्वारा 1 सितंबर 2022 को एजुकेशनल ट्रिप टू ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन का आयोजन किया गया।

लोगों को रक्त कैंसर और रक्तदान के महत्त्व के बारे में शिक्षित करने के लिए 20 मार्च 2023 को एन.एस.एस. द्वारा रक्त स्टेम सेल दान का आयोजन किया गया। -स्वस्थ और महत्त्वपूर्ण उद्देश्य के लिए रक्तदान करने के लाभों के बारे में लोगों को प्रचारित करना। -रक्तदान शिविर लगाकर जरूरतमंद लोगों की मदद करें।

संजय कैंप के वयस्कों को उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देने, स्वास्थ्य देखभाल और दंत चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए एन.एस.एस. द्वारा 12 फरवरी 2023 को स्वास्थ्य जांच शिविर (पहल) का आयोजन किया गया।

बाल सेवा के अनाथ बच्चों से चर्चा करने और उन्हें शामिल करने के लिए 9 नवंबर 2022 को एन.एस.एस. द्वारा आयोजित अनाथालय यात्रा के माध्यम से बाल दिवस मनाना, बच्चों को अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श और अन्य जागरूकता विषय पर शिक्षित करना।

13 फरवरी 2023 को आईसीटी द्वारा हनीवेल आईसीटी अकादमी डेटा एनालिटिक्स और प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता और सैनिटरी पैड के उपयोग के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ क्षेत्र की वंचित महिलाओं को सैनिटरी पैड वितरित करने के लिए वाणिज्य विभाग द्वारा 20 फरवरी 2023 को मासिक धर्म जागरूकता और पैड वितरण अभियान का आयोजन किया गया।

एसवीसी का ईएनक्टस छात्रों में उद्यमिता की भावना पैदा करने और उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए परियोजना क्रिमसन, परियोजना गुलज़ार और परियोजना फैनकारी चलाता है। एक्टस समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए अवसरों को खोजने और उन्हें वास्तविक, टिकाऊ परियोजनाओं में बदलने में विश्वास करता है।

सीडीएफ एसवीसी परियोजना रोशनी, परियोजना प्रेरणा और परियोजना अंग्रेजी वार्ता चलाता है, संयुक्त राष्ट्र के अनेक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) जैसे गरीबी नहीं, अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, सभ्य कार्य और आर्थिक विकास में योगदान देता है।

पुस्तकालय विकास

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय पुस्तकालय अध्ययन का एक जीवंत केंद्र है, जो अकादमिक उत्कृष्टता को सुविधाजनक बनाने, पूछताछ की संस्कृति को बढ़ावा देने और हमारे छात्रों और शिक्षकों के बीच आजीवन अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में, यह हमारे छात्रों और संकाय की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित और अनुकूलित होता रहा है।

इसके संग्रह में उल्लेखनीय रूप से विस्तार हुआ है, अब इसमें 105950 से अधिक पुस्तकें, 23 पत्रिकाएँ, 31 पत्रिकाएँ, 14 समाचार पत्र और एक विशाल डिजिटल भंडार तक पहुँच है। यह वृद्धि विभिन्न विषयों में रणनीतिक अधिग्रहणों से प्रेरित है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि सभी विभागों के शिक्षार्थियों के पास नवीनतम संसाधनों तक पहुंच हो।

अपने व्यापक संग्रह के अलावा, पुस्तकालय ने प्रौद्योगिकी एकीकरण को प्राथमिकता दी है। आईएलएम सॉफ़्टवेयर को सितंबर 2022 में लिब्सिस में अपग्रेड किया गया था।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय: 205

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

स्वीकृत अनुदान: रुपए 78.37 करोड़

उपयोगित अनुदान: रुपए 88.23 करोड़

***

सेंट स्टीफन महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

सेंट स्टीफंस महाविद्यालय की स्थापना 1 फरवरी 1881 को कैम्ब्रिज मिशन द्वारा दिल्ली में सोसाइटी फॉर द प्रोपेगेशन ऑफ द गॉस्पेल के साथ मिलकर की गई थी। कैम्ब्रिज मिशन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के कई डॉन शामिल थे, और उनमें से एक, बाद के कैनन सैमुअल स्कॉट ऑलनट महाविद्यालय के संस्थापक और पहले प्रधानाचार्य थे। शुरुआती वर्षों में, महाविद्यालय ने वर्तमान सेंट्रल बैंक बिल्डिंग के सामने, चांदनी चौक की गलियों में पुरानी मुगल शैली में बनी दो हवेलियों में किराए के केम्पस में संचालन किया। महाविद्यालय 1881 से 1890 तक किनारी बाजार में कटरा खुशहाल राय के शीश महल में स्थित था। 8 दिसंबर 1891 को यह जयपुर राज्य के मुख्य अभियंता कर्नल (बाद में सर) स्विंटन जैकब द्वारा डिजाइन किए गए आपने भवन में चला गया। यह भवन ऐतिहासिक सेंट जेम्स चर्च के नजदीक कश्मीरी गेट में सड़क के दोनों ओर हैं। महाविद्यालय1 अक्टूबर 1941 को दिल्ली यूनिवर्सिटी एन्क्लेव में अपने वर्तमान केम्पस में स्थानांतरित हो गया। महाविद्यालय में शिक्षकों और छात्रों दोनों ने हमारे प्राकृतिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा, कला, विज्ञान, कानून, वाणिज्य, प्रशासन, खेल, पत्रकारिता और राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय को NAAC द्वारा A++ की शीर्ष रैंक के साथ मान्यता प्राप्त है और इसने NIRF रैंकिंग प्रक्रिया में भी भाग लिया है। चार वर्षीय एन.सी.सी. दल ने राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष पुरस्कार जीतना जारी रखा। प्रवेश सीयूईटी प्रक्रियाओं के बाद आयोजित किए गए। महाविद्यालय, जो एक ईसाई अल्पसंख्यक संस्थान है, में प्रवेश ऑनलाइन किए गए थे। ऑफलाइन कक्षाएं शुरू हुईं और डीयू कैलेंडर के अनुसार परीक्षाएं आयोजित की गईं। महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में भाग लिया और विश्वविद्यालय रग्बी स्टेडियम में एक बहुप्रतीक्षित स्टॉल लगाया। पिछले वर्ष दो छात्रों, सैयद मुहम्मद खालिद और वेदांत थापर को रोड्स छात्रवृत्ति के लिए चुना गया था। खेल के क्षेत्र में हमारे छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और ऐसे कई छात्र हैं जिन्होंने कड़ी मेहनत की है, भाग लिया और पदक जीते हैं, यहां केवल कुछ के नाम हैं जिन्होंने अपनी उपलब्धियों से देश, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और स्वयं को गौरवान्वित किया है।

सम्मान/गौरव

सेंट स्टीफंस यंग लीडर्स, नेबरहुड-फर्स्ट फ़ेलोशिप कार्यक्रम, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा समर्थित है। पिछले वर्ष दो छात्रों, सैयद मुहम्मद खालिद और वेदांत थापर को रोड्स छात्रवृत्ति के लिए चुना गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान की दीक्षा दीवान राय बहादुर बृजमोहन लाल साहिब मेमोरियल गोल्ड

मेडल और प्रोफेसर शेषाद्रि पुरस्कार से सम्मानित थीं।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित की श्रीवंती देबगुप्ता को दो स्वर्ण पदक-राय बहादुर बृजमोहनलाल साहिब मेमोरियल गोल्ड मेडल और श्री सुरेश भाटिया मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। वह मित्र मेमोरियल पुरस्कार की प्राप्तकर्ता भी थीं।

बी.एससी. भौतिक विज्ञान की आकांक्षा को उनकी पढ़ाई के लिए विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया था।

एम.ए. संस्कृत की देवकी मिश्रा को डॉ. सीडी देशमुख मेमोरियल गोल्ड मेडल, श्रीमती शिवकम्मा राड्लियाकृष्णन मेडल और पंडित रघुबर दयाल मेमोरियल मेडल भी दिया गया।

एम.बी.एससी. रसायन विज्ञान की चाहत मेहरा को प्रो. आर.पी. मित्रा स्वर्ण पदक और प्रोफेसर के.एन. जौहरी मेमोरियल स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी III वर्ष की पायल खत्री एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज और कई पदक (विश्व कप और चैम्पियनशिप- स्वर्ण पदक) प्राप्तकर्ता हैं।

प्रकाशन

अहमद, के., पाल, एस., मोहन, आर. (**2022**)। कुछ नई सेमीरिंग संरचनाएं। गणित के एशियाई-यूरोपीय जर्नल. डोई: **10.1142/S179355712250173X**

अहमद, के., पाल, एस., मोहन, आर. (**2022**)। एक संशोधित उष्णकटिबंधीय संरचना के आधार पर प्रमुख विनिमय प्रोटोकॉल। बीजगणित में संचार। **1-10.** डोई: **10.1080/00927872.2022.2095566**।

अग्रवाल, एम., गुप्ता, एल. (**2022**)। यूनिफ़ॉर्म स्प्लिट निरंतरता। जर्नल ऑफ मैथमेटिकल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन, **511: 126099.**

गुप्ता, एल., अग्रवाल, एम. (**2022**)। स्प्लिट निरंतरता: एक अलग परिप्रेक्ष्य। टोपोलॉजी और इसके अनुप्रयोग, **317: 108189 .**

बंसल, पी., कुमार, ए., बंसल, ए. (**2022**)। निरंतर संग्राहक शीयरलेट रूपांतरण। शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में प्रगति। **13(4), 29-57**

मलिक, पी., थरेजा, आर., सिंह, जे., कक्कड़, आर. (**2022**)। **II-VI** कोर/शेल क्वांटम डॉट्स और संक्रमण धातु आयनों के साथ डोपिंग **CdS/ZnS** कोर/शेल **QDs** के मैग्नेटोइलेक्ट्रॉनिक गुणों को ट्यून करने के साधन के रूप में: एक **DFT** अध्ययन। आणविक ग्राफिक्स और मॉडलिंग के जर्नल. **111: 108099.**

गोस्वामी, ए., प्रसाद, एके, मैती, जे., खनेजा, एन. (**2022**)। "संश्लेषण और बाइसिक्लिक चीनी के अनुप्रयोगों ने लॉक न्यूक्लिक एसिड को संशोधित किया: एक समीक्षा"। न्यूक्लियोसाइड्स, न्यूक्लियोटाइड और न्यूक्लिक एसिड, **41, 5-6, 503-529**।

होलंदा, आरएफएल, लीमा, एफएस, राणा, ए., जैन, डी. (**2022**)। मजबूत लेंसिंग सिस्टम और आकाशगंगा क्लस्टर अवलोकन ब्रह्मांडीय दूरी द्वैत संबंध की जांच के रूप में। यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, **82: 115.**

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य (सदस्यों) के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या

1-प्रोफेसर जॉन वर्गीज द बेडे एथेनियम के संपादकीय बोर्ड में कार्य करते हैं

अनुसंधान परियोजनाएं

परियोजना शीर्षक, '75 भारतीय रणनीतियों का सार-संग्रह', भूमि युद्ध अध्ययन केंद्र (सरकारी एजेंसी) और प्रधान जांचकर्ता डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. ए. डी. माथुर और कर्नल वी विद्याशंकर द्वारा प्रायोजित है। स्वीकृत राशिः 40,000/- रूपये एवं अवधि 3 माह।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सरकारी एजेंसी) और प्रधान अन्वेषक डॉ. राज कुमार भारद्वाज (लाइब्रेरियन) द्वारा प्रायोजित परियोजना जिसका शीर्षक है, 'सामाजिक विज्ञान में मान्यता प्राप्त बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का अध्ययन और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में उनका कार्यान्वयन।' स्वीकृत राशि: 2 वर्ष की अवधि के लिए 4,00,000/- रुपए

परियोजना शीर्षक, 'ग्रामीण समुदायों में महामारी से लड़ने की क्षमता का निर्माण' भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और प्रमुख जांचकर्ता श्री बेनस्टन जॉन (अर्थशास्त्र विभाग) द्वारा प्रायोजित है और स्वीकृत राशि: 3 साल की अवधि के लिए 28,89,330/- रुपये है।

परियोजना शीर्षक, 'रेडियोधर्मी धातु आयनों का पता लगाने और अलग करने के लिए पुन: प्रयोज्य मैक्रोसाइक्लिक जांच का विकास' रक्षा और विकास मंत्रालय, जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड और प्रमुख जांचकर्ता डॉ. सतीश कुमार (रसायन विज्ञान विभाग) द्वारा प्रायोजित और स्वीकृत राशि: 10,07,408 रुपये/- 3 वर्ष की अवधि के लिए।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. सूरज सक्सेना द्वारा 'सांस्कृतिक लेंस के माध्यम से ज्ञानमीमांसीय अन्याय को समझना' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

जादवपुर विश्वविद्यालय की डॉ. सुचेतना चट्टोपाध्याय द्वारा 'बंगाल 1946-47: स्वतंत्रता और विभाजन का क्षण' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सुश्री पालकी शर्मा उपाध्याय ने 'भारत की यथार्थवादी विदेश नीति' के सत्र 'राजमान परिप्रेक्ष्य- सत्र' शीर्षक से संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. तनिका सरकार (जेएनयू और अशोक विश्वविद्यालय) द्वारा 'द चाइल्ड सती इन अर्ली 19वीं सेंचुरी बंगाल: टेल्स फ्रॉम द आर्काइव्स' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

डॉ. बिक्रम फूकुन द्वारा 'क्वांटम पहेली मापन और अनिश्चितता सिद्धांत' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज, नई दिल्ली (एआईआईएस) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

नियोजित छात्रों की संख्या: 54

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 13.4%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 45

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

युवा नेता पड़ोस ; पहला फैलोशिप कार्यक्रम शुरू किया गया था जिसे मार्च 2022 में शुरू किए गए विदेश मंत्रालय द्वारा भी समर्थित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय का पुस्तकालय महाविद्यालय जितनी ही पुराना है। वर्ष 1881 में स्थापित और वर्ष 1941 में वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित, इसका अपना एक समृद्ध इतिहास है। पुस्तकालय आज 993 वर्ग मीटर के कुल कवर क्षेत्र में है। पुस्तकालय को ड्रूडॉन 5.5 सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके स्वचालित किया गया है। ओपेक उपयोगकर्ताओं को दस्तावेज़ों के विशाल संग्रह को खोजने में मदद करता है। महाविद्यालय में पाठ्यपुस्तकों, दुर्लभ पुस्तकों और ई संसाधनों का एक समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय एनएलआईएसटी का सदस्य है, जिसे ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम, इन्फ्लिबनेट और इंडेस्ट-एआईसीटीई कंसोर्टियम, आईआईटी दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से निष्पादित किया जाता है। महाविद्यालय पुस्तकालय ने पूरे कोविड काल में छात्रों को सहायता प्रदान की।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या: 55

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 37

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

नियमानुसार

अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी

संकाय अपनी शैक्षणिक जिम्मेदारियाँ निभाना जारी रखता है और अपने नियमित कर्तव्यों के अलावा निम्नलिखित सदस्यों ने निम्नलिखित योगदान दिया है:

डॉ. विभा शर्मा ने NAAC संचालन समिति की अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने सदस्य के रूप में कार्य किया। विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय (2022 से - वर्तमान) और एक शोध-पत्र प्रकाशित किया।

डॉ. एकता कुंद्रा अरोड़ा विषम सेमेस्टर 2022-23 की परीक्षा उप-अधीक्षक थीं और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के बीएससी कार्यक्रम भौतिक विज्ञान और जीवन विज्ञान के लिए यूजीसीएफ 2022 के तहत पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने एक शोध-पत्र प्रकाशित किया और एक मुख्य भाषण दिया।

डॉ. ज्योतिर्मय मैती ने पांच शोध-पत्र प्रकाशित किए और एनआरएस गवर्नमेंट महाविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स ऑन एवरीडे केमिस्ट्री में एक रिसोर्स पर्सन थे।

संजीव कुमार ग्रेवाल ने अर्थशास्त्र विभाग के पाठ्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया और सामाजिक विज्ञान संकाय के सदस्य हैं।

दिव्या सिंह ने NAAC संचालन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया और महाविद्यालय की सौर परियोजना समिति की सदस्य हैं। उन्हें अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर में नई आर्थिक सोच संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वैश्वीकरण, गरीबी और विकास पर उन्नत स्नातक कार्यशाला के लिए एक प्रतिभागी के रूप में चुना गया था।

डॉ कैरेन गेब्रियल ने एंटी-रैगिंग कमेटी के सदस्य के रूप में कार्य किया। डॉ गेब्रियल रिंग्स के कार्यकारी सदस्य के रूप में कार्य करते हैं; वह ATINER (एथेंस इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च - एक वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ एकेडमिक्स एंड रिसर्चर्स) की सदस्य हैं और भारतीय महिला अध्ययन संघ (भारत) की आजीवन सदस्य हैं। उन्होंने इस वर्ष में दो शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं और आठ मुख्य भाषण दिए हैं।

डॉ. सूफिया सिद्दीकी पर पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष और अनुवाद अध्ययन केंद्र के संयोजक होने की विशेष जिम्मेदारी है।

डॉ एन पी एशले ने एक शोध-पत्र प्रकाशित किया और क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट में एक मुख्य भाषण दिया।

एन सुसान एलेयस सेंट स्टीफन महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के संकाय समन्वयक हैं और दो शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं।

नवीन जॉन पनिकर सेंट स्टीफन महाविद्यालय के एसोसिएट डीन (निवास) हैं, एनएएसी संचालन समिति के सदस्य थे और एंटी-रैगिंग कमेटी के सदस्य हैं।

डॉ. आदित्य प्रताप देव आईक्यूएसी के समन्वयक हैं। वह संपादकीय बोर्ड, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के सदस्य हैं और पिछले वर्ष उन्होंने एक शोध-पत्र और एक पुस्तक प्रकाशित की है।

डायस मारियो एंटनी ने इस साल दो शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं। वह समन्वयक, महाविद्यालय भवन संरक्षण परियोजना और एंटी-रैगिंग समिति के सदस्य भी हैं।

डॉ. सुदीप्तो बसु 2016-21 के मूल्यांकन चक्र के लिए NAAC संचालन समिति के सदस्य थे और पिछले वर्ष उनके खाते में एक शोध-पत्र है।

डॉ. सबीना काज़मी भारतीय इतिहास कांग्रेस के सदस्य के रूप में कार्य करती हैं।

डॉ. अभिषेक मिश्रा ने सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज (क्लॉज) के तहत एक विशेष अनुवाद परियोजना शुरू की: 75 भारतीय रणनीतियों का संग्रह।

डॉ. आशुतोष शुक्ला ने 20 मार्च को D.S.N. PG COLLEGE, UNNAO (U.P.) में मुख्य भाषण दिया।

डॉ. जसप्रीत कौर ने नवंबर 2022 तक शासी निकाय के सदस्य के रूप में कार्य किया और मार्च 2022 से अब तक गणितीय विज्ञान संकाय की पाठ्यक्रम समिति की सदस्य हैं।

डॉ. चिनखानलुन गुइते ने महाविद्यालय के बर्सर के रूप में कार्य किया और महाविद्यालय के सार्वजनिक सूचना अधिकारी हैं।

डॉ. अन्नू मल्होत्रा स्टाफ सचिव हैं और वह नोडल अधिकारी, एनआईआरएफ और एआईएसएचई सर्वेक्षण के रूप में भी कार्य करती हैं।

डॉ. हरीश कुमार यादव, बीएससी की पाठ्यक्रम निर्माण समिति के सदस्य हैं। (ऑनर्स) भौतिकी और बी.एससी. (प्रोग) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर आधारित अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (यूजीसीएफ)-2022 के तहत और विश्वविद्यालय की अंतिम परीक्षाओं के लिए भौतिकी के पेपरों के मॉडरेशन के लिए समिति के सदस्य भी हैं।

डॉ. संगीता सचदेवा प्रवेश (टीएफए) 2022-2023 के लिए ट्यूटर थीं। उन्होंने बी.एससी. के लिए भौतिकी में पाठ्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। (भौतिकी) ऑनर्स/प्रोग्राम, दिल्ली विश्वविद्यालय। वह दिल्ली विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा (यूजीसीएफ) के लिए पाठ्यक्रम डिजाइनिंग टीम की सदस्य भी थीं। डॉ. सचदेवा ने मई/जून 2023 में दिल्ली विश्वविद्यालय में बी.एससी.(एच)/प्रोग परीक्षा के लिए भौतिकी में मॉडरेशन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. अभिनव गुप्ता एनईपी के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए पाठ्यक्रम समिति के सदस्य हैं।

डॉ. अक्षय राणा नैक संचालन समिति के सदस्य थे। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में दो शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं।

डॉ. रोहित मैथ्यू ने द फिलॉसॉफिकल सोसाइटी जर्नल, KOSMOS 2023 के लिए संकाय संपादक के रूप में कार्य किया। उन्होंने एक पत्र प्रकाशित किया है।

डॉ. ए.डी. माथुर रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज हैं और शिकायत निवारण सेल के सदस्य हैं। वह, डीएससी पाठ्यक्रम समिति, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयोजक हैं, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश में जुलाई 2022 में दो विशेष व्याख्यान दिए और वर्तमान में दो पीएच.डी. छात्रों की देखरेख कर रहे हैं।

***

स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

यश ढुल ने अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट चैम्पियनशिप में विजेता कप्तान के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और एशिया कप, रणजी ट्रॉफी और आईपीएल (दिल्ली कप्तान) का भी प्रतिनिधित्व किया, दोनों पारियों में रणजी ट्रॉफी की शुरुआत पर शतक (नारी ठेकेदार और विराज अवाथे के बाद ऐसा करने वाले भारत के केवल तीसरे खिलाड़ी और इसके बाद दोहरा शतक बनाया।

हिमांशु राणा ने अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट चैम्पियनशिप (विश्व कप विजेता) में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कप्तान के रूप में एशिया कप और रणजी ट्रॉफी में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस साल रणजी ट्रॉफी सीजन में लगातार दो शतक जड़े हैं।

बेस बॉल: हमारी टीम ने इंटर कॉलेज बेसबॉल टूर्नामेंट में रजत पदक जीता। हमारे चार खिलाड़ियों पवन कुमार, पुष्पेंद्र, रोहित और अमर नाथ ने रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी असम और गुवाहाटी में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बेस बॉल चैम्पियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था।

कबड्डी: हमारे तीन कबड्डी खिलाडी यश मलिक, परवेश, मयंक ने एमडी यूनिवर्सिटी रोहतक में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी चैंपियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

कुश्ती: जतिन ने शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती चैम्पियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

एथलेटिक: इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक चैम्पियनशिप में विजय कुमार का चयन दस हजार मीटर दौड़ और (21 किमी) हाफ मैराथन दौड़ में हुआ था। दिल्ली राज्य में 10,000 मी. 9वीं रैंक प्राप्त की। वेदांता हाफ मैराथन दौड़ में अखिल भारतीय रैंक 19वीं और वर्ल्ड-वाइड रैंक 97वीं।

प्रकाशन

मेहता, बी. (2022)। उपन्यास स्पिरो का संश्लेषण [इमिडाज़ोलिडाइन- पाइराज़ोलिन] -2, 4-डायोन डेरिवेटिव। इंडियन जर्नल ऑफ एडवांसेज इन केमिकल साइंस. 10(4). 172-176.

सिंह, पीपी (2022)। कार्बनिक परिवर्तन में समर्थित आयनिक तरल पदार्थ और उनके अनुप्रयोग। *वर्तमान* कार्बनिक *संश्लेषण।* 2022. 19(8), 905-922.

सेठी, ए. (2022) क्यूप्रस डेलाफोसाइट्स, Cu3(MFeSb)O6 (M = Na, Li) मधुकोश सरणियों के साथ, टोपोकेमिकल आयन-एक्सचेंज प्रतिक्रियाओं द्वारा महसूस किया गया। *सिरेमिक इंटरनेशनल।* 2022. 48(10) 13833-13841.

श्रीवास्तव, आरएन (2022)। आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली के छात्रों की धारणा का विश्लेषण। *इंटरनेशनल जनरल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू।* 9(1), 43602.

पालीवाल, एलआर (2022) महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समावेशन निधि: राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 में समान और समावेशी दृष्टि। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड रिसर्च एनालिसिस* (IJIRA)। 02(03).

चनाना, केएस (2023)। क्वीर आर्टिक्यूलेशन ऑफ सेल्फ: इंडियन हिजरा ऑटोबायोग्राफीज "इन स्टडीज इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज। *इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी,* (आईएसएसएन: 0972-1401, आगामी)।

सच्चर, पी. (2022)। जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न अनुप्रयोग। *कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में उन्नत रुझानों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. द्वितीय* (2), 58-61

कुमारी, वी. (2022)। पूर्वोत्तर राज्यों में प्रांतीय भाषाओं के विकास में हिंदी की भूमिका। *भाषा*। 301(61) 18-22.

महाजन, एल. (2022)। COVID-19 न्यूमोनाइटिस के प्रबंधन और COVID-19 के निदान के लिए फेफड़े का सीटी स्कैन, COVID-19 निमोनिया फेफड़े की इमेजिंग के विश्लेषण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रणनीतियाँ। लक्षण वर्णन दृष्टिकोण। अयमान अल-बाज और जसजीत एस सूरी: ब्रिस्टल, यूके आईओपी पब्लिशिंग लिमिटेड अध्याय 10

प्रसाद, वी. (2022)। "गैर-आदर्श शास्त्रीय प्लास्मा में एच-एटम की बहुध्रुव ध्रुवीकरण और द्विध्रुवीय थरथरानवाला ताकत"। *यूरोपीय भौतिक जर्नल प्लस*। 137, पृ॰ 78.

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीएसएसआर, दिल्ली और प्रधान अन्वेषक डॉ जीवन सिंह, सहायक प्रोफेसर द्वारा प्रायोजित परियोजना 'वैदिक काल से हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक अभेद्यता उनके वनस्पतियों के संदर्भ में'।

आयोजित संगोष्ठी

प्रो जगबीर सिंह, भूगोल में प्रोफेसर - 3 और 4 फरवरी 2023 को आयोजित "ग्रीन टेक्नोलॉजीज फॉर ए सस्टेनेबल वर्ल्ड: ए जी-20 विजन" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. एल.आर. पालीवाल, वाणिज्य में सहायक प्रोफेसर: 29 अक्टूबर 2022 को ग्वालियर में आयोजित भारतीय लेखा संघ के 44वें अखिल भारतीय सम्मेलन में "ऑनलाइन ऐप्स में विकास के साथ लेखांकन के नए प्रतिमान और डिजिटलीकरण: भारत में शीर्ष 10 लेखांकन सॉफ्टवेयर का एक अध्ययन"।

सुश्री आकांक्षा गुप्ता, कंप्यूटर विज्ञान में सहायक प्रोफेसर: एसकेसी एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजों के साथ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में हालिया अनुसंधान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में "भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के निहितार्थ" , भारत, 5 अगस्त 2022.

प्रोफेसर सरोज बाला, अंग्रेजी में प्रोफेसर: जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा द्वारा "साहित्यिक कल्पना में भारत" विषय पर 8वां जेजीयू अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक सम्मेलन, 18 -20 जुलाई 2022.

डॉ. प्रीति सच्चर, वाणिज्य में सहायक प्रोफेसर: "कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए हरित प्रौद्योगिकी के उपयोग की भूमिका: एक सिंहावलोकन" सतत विश्व के लिए हरित प्रौद्योगिकियों पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में: संस्थान के सहयोग से भूगोल विभाग एसएसएनसी द्वारा आयोजित एक जी20 विजन माइंस-टेलीकॉम बिजनेस स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस, फ्रांस 3-4 फरवरी 2023 को आयोजित हुआ।

डॉ. प्रीति सच्चर, वाणिज्य में सहायक प्रोफेसर: "हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरण प्रबंधन- रुझान और दायरा" सतत विश्व के लिए हरित प्रौद्योगिकियों पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में: भूगोल विभाग एसएसएनसी द्वारा इंस्टीट्यूट माइंस के सहयोग से आयोजित एक जी-20 विजन- टेलीकॉम बिजनेस स्कूल, पेरिस विश्वविद्यालय, फ्रांस 3-4 फरवरी 2023 को आयोजित हुआ।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय एक संवेदनशील, सीखने वाला और निरंतर विकसित होने वाला संगठन है। यह छात्रों को प्रतिबद्धता की भावना रखने, राष्ट्रीय विकास में योगदान देने और धर्म, भाषा, संस्कृति, जातीयता, जीवन शैली और निवास स्थान में विविधता के प्रति सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यालय समय के दौरान पुस्तकालय महाविद्यालयों के सभी नियमित छात्रों के लिए खुला रहता है। पुस्तकालय का प्राथमिक मिशन सूचना तक भौतिक और बौद्धिक पहुंच प्रदान करके कॉलेज के शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों का समर्थन करना है। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों का अनुसरण करते हुए, पुस्तकालय का लक्ष्य पाठकों के लिए उपयोगी दस्तावेजों का एक व्यापक संग्रह विकसित करना है।

पुस्तकालय संग्रह: पुस्तकालय में 112300 से अधिक पुस्तकों, 24 से अधिक समाचार पत्रों और 52 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं का एक समृद्ध संग्रह है जो विभिन्न विषयों की नवीनतम जानकारी और ज्ञान प्रदान करता है। पुस्तकालय नियमित रूप से अपने संग्रह को अद्यतन करता है और हर साल 2500 से अधिक पुस्तकें जोड़ता है। प्रतिदिन 450 से अधिक उपयोगकर्ता विभिन्न आवश्यकताओं के लिए पुस्तकालय में आते हैं।

तकनीकी सहायता: लाइब्रेरी अपने विभिन्न मॉड्यूल के साथ लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर SOUL 3.0 के साथ एक पूरी तरह से स्वचालित लाइब्रेरी है। लाइब्रेरी सितंबर 2022 से अपनी स्वचालित सेवाएं प्रदान कर रही है। एक वेब-आधारित ओपीएसी स्थापित किया गया है जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता विभिन्न खोज विकल्पों के साथ लाइब्रेरी में आवश्यक संग्रह और उनके स्थान की खोज कर सकते हैं। अधिग्रहण, परिग्रहण, क्रमिक नियंत्रण और पुस्तकों की खोज जैसे विभिन्न कार्यों से निपटने के लिए तकनीकी सहायता शामिल है।

वीएच छात्रों के लिए सहायता प्रणाली: पुस्तकालय वीएच छात्रों को सहायक उपकरण, ब्रेल भाषा की किताबें और अन्य तकनीकी सहायता प्रदान करके उनके अध्ययन को आसान बनाता है।

प्रदान की गई सेवाएँ: पुस्तक(दस्तावेजों)/दस्तावेज़ों को खोजने में सहायता, ई-संसाधनों को पुनः प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं का मार्गदर्शन, सॉफ़्टवेयर-आधारित संचलन सेवाएँ, ग्रंथसूची और अनुक्रमणिका संदर्भ, विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए संदर्भ/रेफ़रल सेवाएँ, ओपेक-आधारित खोज, साहित्यिक चोरी जाँच सेवा।

ई-संसाधनों का प्रावधान: पुस्तकालय एक इलेक्ट्रॉनिक प्रबंधन पैकेज के माध्यम से एनएलआईएसटी, डेलनेट और डीयूएलएस जैसे अच्छी तरह से स्थापित पुस्तकालय संसाधन केंद्रों से जुड़ा हुआ है। कंसोर्टियम NLIST 6000 से अधिक जर्नल और लगभग 2 लाख ई-पुस्तकें प्रदान करता है और DELNET बड़ी संख्या में ई-डेटाबेस भी प्रदान करता है। DULS अपने इलेक्ट्रॉनिक प्रबंधन पैकेज के माध्यम से लगभग 4500 ई-जर्नल और 100 से अधिक ई-डेटाबेस प्रदान करता है।

संकाय की कुल संख्या: 173

***

विवेकानन्द महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

विवेकानन्द महाविद्यालय युवा महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सशक्तिकरण की भावना प्रदान करने के लिए समर्पित एक संस्थान है। महाविद्यालय की स्थापना 1970 में गांधी नगर में दिल्ली प्रशासन (अब दिल्ली सरकार) द्वारा यूजीसी और दिल्ली प्रशासन के अनुदान से की गई थी, जिसका उद्देश्य ट्रांस-यमुना क्षेत्र में महिलाओं को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना था। नए महाविद्यालय भवन की आधारशिला 26 अक्तूबर 1976 को प्रोफेसर एस. नुरुल हसन द्वारा रखी गई थी और भवन को 1979 में रामकृष्ण मिशन के स्वामी रंगनाथानंद द्वारा समर्पित किया गया था।

बी.ए. (पास), में दाखिला लेने वाले लगभग 300 छात्रों के साथ एक स्कूल भवन में अपनी यात्रा शुरू की। तब से, महाविद्यालय ने इसके द्वारा प्रस्तावित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश चाहने वाले छात्रों की संख्या में भारी वृद्धि देखी है। आज, महाविद्यालय में लगभग 2265 छात्र हैं और यह स्नातक स्तर पर अनेक अनुशासन और सम्मान पाठ्यक्रम, दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, अर्थात् हिंदी और संस्कृत, तीन अतिरिक्त पाठ्यक्रम (हिंदी पत्रकारिता, अनुवाद और अंग्रेजी दक्षता), एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और जर्मन भाषा में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। महाविद्यालय समुदाय प्रभावी शिक्षण और अध्ययन के माहौल को बढ़ावा देने के लिए तालमेल से काम करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

हॉकी टर्फ का उद्घाटन 3 नवंबर 2022 को महाविद्यालय में आयोजित किया गया था, जिसमें श्री मनीष सिसोदिया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। छात्रों के लिए नई गृह-विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ स्थापित की गईं। पुस्तकालय गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए महाविद्यालय पुस्तकालय में आरएफआईडी प्रौद्योगिकी की स्थापना शुरू की गई थी।

सम्मान/गौरव

07 जून 2022 को आयोजित विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस समारोह में डॉ. सुखनीत सूरी को "खाद्य सुरक्षा सलाहकार" पुरस्कार मिला। कार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर क्वालिटी एंड फूड सेफ्टी, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च और अध्ययन, आईआईईएसटी, सीपीआरटीटीएफ, निटकॉन और ईट राइट (एफएसएसएआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

सुश्री ईशा गुप्ता को 13 मई 2022 को स्प्रिंग कॉन्फ्रेंस में आयोजित एक विशेष सत्र के दौरान कोरिया मल्टीमीडिया सोसाइटी द्वारा उत्कृष्ट शोध-पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. नीता माथुर को 04 अक्तूबर 2022 को "शास्त्रीय संगीत के सूर्य" नामक उनकी पुस्तक लॉन्च के लिए सुश्री मीनाक्षी लेखी, माननीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री, भारत सरकार और पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह, सदस्य से प्रशंसा-पत्र मिला।

गौरव प्राप्त छात्र

बी.एससी. ऑनर्स गणित तृतीय वर्ष की सुश्री उमाइमा को वर्ष 2022-23 के लिए महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार मिला।

बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष की सुश्री मनीषा शर्मा को वर्ष 2022-23 के लिए महाविद्यालय का सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स पर्सन (कबड्डी और एथलेटिक्स में) का पुरस्कार मिला।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष की सुश्री एकता शर्मा को पाठ्येतर गतिविधियों में महाविद्यालय में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2022-23 का पुरस्कार मिला।

प्रकाशन

डॉ. हिना नंदराजोग और प्रेम कुमारी श्रीवास्तव (2023). अमृता प्रीतम: द राइटर प्रोवोकेटर. रूटलेज, (एनए)।

सेठ, एस., चड्ढा, एन.के., और भाटिया, एच.. (2022). गुणात्मक तरीके: अनुसंधान में एक व्यावहारिक यात्रा. फ्रेंड्स पब्लिकेशन, एनए।

सोरोकोव्स्की, पी., कोवल, एम, स्टर्नबर्ग, आर.जे. और अन्य. (2023)। आधुनिकीकरण, सामूहिकता और लैंगिक समानता 45 देशों में प्रेम अनुभवों की भविष्यवाणी करती है। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 13 एनए।

भनोट, डी., वर्मा, एस.के. (2022)। भारतीय कलंकित समूह के लिए बहुआयामी सामाजिक-राजनीतिक सशक्तिकरण (एसपीई) पैमाने का विकास और प्रारंभिक सत्यापन. वर्तमान मनोविज्ञान, (एनए), 1-18.

वर्मा एस.के. शरद, एस. सिंह, टी एवं भारती पी.. (2023)। विकल्पों के साथ जीना: संकट और अर्थहीनता और भारतीय हिजरा में सार्थक जीवन बनाए रखने का प्रयास। संस्कृति और मनोविज्ञान, (एनए), 1-24.

कपूर, बी. और सोंधी, वी.. (2023)। वैश्वीकरण की समझ की खोज: शहरी, शिक्षित, मध्यवर्गीय, युवा भारतीयों का गुणात्मक अध्ययन। संस्कृति एवं मनोविज्ञान, एनए।

हमीद, एस और सोंधी, वी. (2023). सीलिएक रोग से पीड़ित बच्चों की प्राथमिक देखभाल करने वालों के लिए अनुभव और कठिनाइयाँ-एक गुणात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एनए।

मिश्रा, आर. एवं सोंधी, वी. (2022). भारत में अनाथ और संस्थागत देखभाल में रहने वाले किशोरों के बीच लचीलेपन की संकल्पना। बच्चों और युवाओं के लिए आवासीय उपचार, एनए।

आई. गुप्ता, आई. चटर्जी और एन. गुप्ता। (2023)। "भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों पर भावनाओं का आकलन करने के लिए दो चरणों वाली एनएलपी आधारित रूपरेखा"। सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 15(एनए।

सिंह, टी., मित्तल, एस. शरद, एस. एट. अल.. (2022)। काले बादल के पीछे आशा की किरण: कोविड-19 महामारी के दौरान सफल अनुकूलन को प्रभावित करने वाले मनो-सामाजिक कारकों की खोज। जर्नल ऑफ़ पैसिफिक रिम साइकोलॉजी, 16(एनए), 1-18.

शोध-परियोजनाएं

डॉ. शिवांतिका शरद और डॉ. सुनील कुमार वर्मा को उनके परियोजना "ब्रॉडनिंग होराइजन्स: ए सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम ऑन क्रॉस कल्चरल साइकोलॉजी" के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ क्रॉस-कल्चरल साइकोलॉजी से स्पार्क ग्रांट प्राप्त हुआ। स्वीकृत राशि: $1000: रुपये 83000 लगभग।

मंजूर/दायर पेटेंटमंजूर/दायर पेटेंट

अर्थशास्त्र विभाग की सुश्री विशाखा जैन द्वारा अपने परियोजना, "ओपन ड्रेन्स के लिए स्मार्ट मेश फ़िल्टर" के लिए 14 जनवरी 2022 को भारतीय पेटेंट कार्यालय में एक पेटेंट दायर किया गया है। पहली परीक्षा के लिए अनुरोध 09 फरवरी 2023 को किया गया था। इसके लिए प्रतिक्रिया 15 जुलाई 2023 को दायर की गई।

आयोजित संगोष्ठी

भारतीय भाषाओं के प्रचार और एनईपी 2020 थीम के तहत "यूनाइटेड कलर्स ऑफ लैंग्वेजेज एंड एनईपी 2020" नामक सेमिनार 27 अप्रैल 2022 को आयोजित किया गया था। वक्ताओं में डॉ. कुमुद खन्ना, निदेशक, सेवानिवृत्त, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, प्रोफेसर विमल राह, संयुक्त निदेशक जीएडी-टीएलसी, प्रो.

राजीव, इंटरनेशनल सेंटर फॉर फ्री एंड ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर से आरआर और डॉ. सगुना दीवान, वैज्ञानिक, इनोवेशन प्रोटेक्शन यूनिट, शामिल थे।

17 अगस्त 2022 को डॉ. राजेश सिंह, यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सेमिनार शीर्षक, "सूचना साक्षरता कौशल, आईटी कौशल को बढ़ावा देना"।

डॉ. मुकेश बैरवा, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, पी.जी.डी.ए.वी. द्वारा सेमिनार का शीर्षक, "स्वयं का उपनिवेशीकरण: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य, पुनर्विचार भारतीय आधुनिक विचार"। दिल्ली विश्वविद्यालय 04 नवंबर 2022.

01 फरवरी 2023 को सुश्री शिस्बा चावला, अधिवक्ता, डीएलएसए 0 द्वारा सेमिनार शीर्षक, "एसिड अटैक पीड़ितों और सेवाओं के अधिकार, एसिड अटैक सर्वाइवर्स के बारे में जागरूकता और कानूनी अधिकारों को बढ़ावा देना"।

21 फरवरी 2023 को डॉ. दीपिका दाहिमा, संस्थापक-येलो फ़िरोज़ा, परामर्श मनोवैज्ञानिक, शिक्षक द्वारा सेमिनार शीर्षक, "महिलाएं और भावनाएं, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को समझना"।

आयोजित सम्मेलन

2 फरवरी 2023 को "नई सहस्राब्दी में क्रांति-नवाचार, नैतिकता और स्थिरता: एक बहुविषयक दृष्टिकोण" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल ने 24 नवंबर 2022 को बिजनेस महाविद्यालय, बुरैमी विश्वविद्यालय, ओमान के सहयोग से "गुणात्मक अनुसंधान, एनवीआईवीओ और उच्च अनुक्रमित जर्नल में प्रकाशन" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. हिना नंदराजोग ने पंजाब: अतीत, वर्तमान, भविष्य, पंजाब अनुसंधान समूह सम्मेलन, (ऑक्सफोर्ड, यूके) 29 अक्तूबर 2022 में "स्क्रिप्ट द्वारा विभाजित, अनुवाद द्वारा संयुक्त: 1947 में पंजाब के विभाजन पर पंजाबी कहानियां" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

जनवरी 2023 तक हवाई, यूएसए में कला और मानविकी पर तीसरे आईएएफओआर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (IICAH2023) में "सांस्कृतिक पाठ और संदर्भ: रामायण की विविधता" शीर्षक से शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हिना नंदराजोग ने 9-10 फरवरी 2023 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय के अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित लिटफेस्ट में "रूटलेज: राइटर इन कॉन्टेक्स्ट" सत्र में भाग लिया।

डॉ. हिना नंदराजोग ने 05-08 डॉ. ज्योतिका एलहांस ने न्यू मिलेनियम-इनोवेशन, एथिक्स एंड सस्टेनेबिलिटी: ए मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच में वोल्यूशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "घरेलू स्थानों में फंसे म्यूटेड जेंडर का विनाश: तस्नीम खान की कल्पना में महिलाओं की दुर्दशा का एक अध्ययन" शीर्षक 2-3 फरवरी 2023 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानन्द महाविद्यालय द्वारा आयोजित में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. ज्योतिका एलहांस ने 04 फरवरी 2023 को गुरु राम दास महाविद्यालय ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित "टेक्नोलॉजी टुडे: द सेवियर एंड द एनेबलर इन द टाइम्स ऑफ कोविड-19" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

अकादमिक साझेदारी के लिए बुरैमी विश्वविद्यालय, ओमान के साथ एक समझौता-ज्ञापन को 21 सितंबर 2021 से 21 सितंबर 2022 की अवधि के लिए बढ़ाया गया।

औद्योगिक विकास संस्थान (एमएसएमई) के साथ विवेकानंद महाविद्यालय के सहयोग (समझौता-ज्ञापन) के हिस्से के रूप में, बी.एससी. (ऑनर्स), बी.ए. (कार्यक्रम) के पंद्रह छात्रों ने गृह-विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी ने 05 अगस्त 2022 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में "प्रधानमंत्री खाद्य सूक्ष्म उद्यमों की औपचारिकता (पीएमएफएमई)" पर कार्यशाला में भाग लिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के मद्देनजर, "आजादी का अमृत महोत्सव"" और 17 अगस्त 2022 को वस्तुतः गूगल मीट के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष मनाने के लिए आईक्यूएसी के तत्वावधान में और भारतीय पुस्तकालय संघ (इला) के सहयोग से पुस्तकालय द्वारा "सूचना साक्षरता और कौशल" शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था।

छात्रों को नियोजन के बारे में उन्मुख करने के लिए कैच ए क्लाउड और हंटओवर4यू के सहयोग से आईक्यूएसी द्वारा 8 नवंबर 2022 को "नियोजन की ओर ओरिएंटेशन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

MentorW के सहयोग से मेंटरिंग प्रोग्राम कमेटी ने 10 नवंबर 2022 को छात्रों के लिए "व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन का निर्माण" विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया।

उन्नत भारत अभियान के सहयोग से, SSF स्वयंसेवकों ने 31 अगस्त 2022 को "पटपड़गंज झुग्गी में सर्वेक्षण" किया। 16 छात्र स्वयंसेवकों और 2 संकाय सदस्यों (डॉ गार्गी सेनगुप्ता और श्री जसप्रताप सिंह) ने क्षेत्र का दौरा किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला शाहदरा के सहयोग से और उछलना के बैनर तले, 21 फरवरी 2023 को "कानूनी जागरूकता" पर 10 घंटे का एक ऐड-ऑन कोर्स शुरू किया गया था। सत्र अभी भी चल रहा है।

6 सितंबर 2022 को बी.कॉम द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए आईसीएआई संस्थान के सहयोग से एक करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया था।

9 सितंबर 2022 को "ग्रेजुएशन के बाद करियर" और 23 नवंबर 2023 को "कार्य और तनाव प्रबंधन" पर आईबीएस आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल के सहयोग से ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत

2022-23 के दौरान कुल 05 छात्रों का नियोजन हुआ।

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या

कैंपस भर्ती के लिए कुल 08 कंपनियों ने दौरा किया

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

सोशल आउटरीच और सामुदायिक विकास समिति ने झिलमिल शिविर के लिए एक दान अभियान का आयोजन किया जिसमें सोमवार से शनिवार तक शिविर के बच्चों के लिए ऑफ़लाइन कक्षाओं के संचालन के साथ-साथ पुस्तकें, पेंसिल, रंग, इरेज़र और नोटबुक जैसी चीजें शामिल थीं। उन्नत भारत अभियान के सहयोग से, वीएनसी एसएसएफ स्वयंसेवकों ने झिलमिल कॉलोनी के बच्चों के साथ दीया पेंटिंग, गायन और नृत्य जैसी गतिविधियों का संचालन करके दिवाली मनाई। झिलमिल कैंप में केक काटकर बाल दिवस मनाया गया। गणतंत्र दिवस भी इसी तरह मनाया गया। स्वयंसेवकों ने वार्षिक महाविद्यालय उत्सव के दौरान शिविर के लिए कुछ धन इकट्ठा करने के लिए एक गेम स्टॉल लगाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना ने तिरंगा यात्रा, मौन मार्च, ध्वजारोहण समारोह, टीकाकरण अभियान, रक्तदान शिविर, स्वच्छता पर शपथ, प्लॉगिंग (सेवा दिवस), स्वास्थ्य जांच शिविर, जीवन समर्थन सत्र, प्री आरडी शिविर, युवा उत्सव, मैट डेटा जंक्शन, स्वच्छता अभियान, अहिंसा दिवस पर जागरूकता, कौशल विकास कार्यक्रम, फिल्म स्क्रीनिंग, एकता रैली, गुरबानी गायन, सामाजिक बुराई पर वेबिनार, संस्कृति उत्सव, यातायात नियम जागरूकता अभियान, जनजातीय गौरव दिवस पर पोस्टर प्रदर्शनी, कपड़ा दान अभियान, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, वृद्धाश्रम का दौरा, एसिड अटैक पर नुक्कड़ नाटक, फिटनेस और योग सत्र, दिल्ली युवा संसद, अंतर-पीढ़ी मेला, सैनिटरी पैड वितरण अभियान, ग्लोबल मिलेट सम्मेलन, जी20 कार्यक्रम, शोध-पत्र बैग दान, यौन शिक्षा वेबिनार, राष्ट्रीय एकता शिविर 2023 जैसी गतिविधियों का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में विभिन्न सुविधाओं में वेब-आधारित सूचना सेवाएं, वेब 2.0 टूल का उपयोग, ऑनलाइन सेवाएं और मोबाइल पुस्तकालय जैसे ई-संसाधन शामिल हैं, जिसमें पुस्तकालय वेबसाइट को मोबाइल संगत और द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) बनाया गया है। इसके अलावा, बायोमेट्रिक्स और आरएफआईडी के कार्यान्वयन के साथ, पुस्तकालय पाठकों की अनावश्यक प्रक्रिया को खत्म करने की प्रक्रिया में है, जो स्टॉक सत्यापन और मध्य-शेल्व पुस्तकों के सुधार में मदद करेगा।

वर्तमान में पुस्तकों की कुल संख्या 66120 है। पुस्तकालय 16 प्रिंट जर्नल और 10 समाचारपत्रों की सदस्यता लेता है। यह सीडी, डीवीडी और ऑडियो कैसेट जैसे ऑडियो-विजुअल मीडिया और दृष्टिबाधित छात्रों के लिए अपने संग्रह में ब्रेल पुस्तकों से भी सुसज्जित है।

साथ ही, पुस्तकालय डीयूएलएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभिन्न ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करती है। डीयूएलएस के ई-शोधसिंधु के माध्यम से लाखों जर्नल, ईबुक और अनेक ऑनलाइन डेटाबेस उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन डीयूएलएस और NList के माध्यम से किया जाता है और J-गेट फ़ेडरेटेड खोज में मदद करता है। पुस्तकालय भावी पीढ़ी के लिए संकाय प्रकाशन का एक संस्थागत भंडार और डिजिटल प्रश्न पत्र संग्रह विकसित करने का प्रयास कर रही है।

पुस्तकें लौटाने में लगने वाले समय को कम करने के लिए बुक ड्रॉप सुविधा, आरएफआईडी कार्यान्वयन, पुस्तकालय के सोशल मीडिया हैंडल के लिए छात्रों को मानद सामग्री लेखन इंटर्नशिप, पुस्तकालय विज्ञान स्नातकों के लिए मानद इंटर्नशिप, चेक-इन और चेक-इन के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली जैसी पहल किताबों से बाहर (आईएलएमएस में दर्ज किया जा रहा डेटा) लागू कर दिया गया है।

'ई-वार्तालाप' जैसी नई सूचना सेवा शुरू की गई है और इसका पायलट परीक्षण किया जा रहा है। यह पुस्तकालय कर्मचारियों को वास्तविक समय मोड (वस्तुतः) में सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम बनाता है। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के रखरखाव के साथ-साथ पुस्तकालय के उपयोग के आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए आगंतुकों की उपस्थिति की डिजिटल रिकॉर्डिंग भी की गई है।

संकाय संख्या

स्थायी 35, तदर्थ 43

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

स्वीकृत अनुदान: यूजीसी-रुपये 24,75,63,000/- और एनसीटी दिल्ली सरकार-रुपये 47,00,000/-
उपयोगित अनुदान: यूजीसी-रुपये 25,86,99,784.45 और एनसीटी दिल्ली सरकार-रुपये 99,18,130.55

***

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय

संक्षिप्त विवरण

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय की यात्रा 1792 में साहित्य, विज्ञान और कला के लिए ओरिएंटल महाविद्यालय के रूप में शुरू हुई। 1824 में, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार द्वारा संस्थान का नाम बदलकर दिल्ली महाविद्यालय कर दिया गया। बीसवीं सदी की शुरुआत तक यह जीवंत वैज्ञानिक और साहित्यिक बौद्धिक गतिविधियों का केंद्र बन गया जिसे 'दिल्ली पुनर्जागरण' कहा जाएगा। 1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश अधिकारियों ने इस संस्था को बंद कर दिया। 1864 से 1871 के बीच इंटरमीडिएट बी.ए. और एम.ए. की कक्षाएं शुरू हुईं। हालाँकि ब्रिटिश सरकार ने 1877 में दिल्ली ओरिएंटल महाविद्यालय को लाहौर में स्थानांतरित कर दिया। इसे 1924 में एंग्लो-अरबी इंटरमीडिएट महाविद्यालय के रूप में पुनर्गठित किया गया। यह 1925 में दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध हो गया और 1929 में इसके घटक डिग्री महाविद्यालयों में से एक बन गया। महाविद्यालय पर हमला किया गया था और विभाजन के बाद भीड़ द्वारा आग लगा दी गई। किसी तरह पुस्तकालय और ऑफिस के रिकॉर्ड को बचा लिया गया. डॉ. ज़ाकिर हुसैन और अन्य लोगों के सहयोग से, 1948 में दिल्ली महाविद्यालयको पुनर्जीवित किया गया। 1975 में, महाविद्यालय में उनके योगदान का सम्मान करने के लिए महाविद्यालय का नाम बदलकर डॉ. ज़ाकिर हुसैन कर दिया गया। 1986 में, महाविद्यालय कैंपस को उसके वर्तमान स्थान, जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर स्थानांतरित कर दिया गया। 2010 में महाविद्यालय का नाम बदलकर ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय कर दिया गया।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को सोलर वॉटर डिस्टिलर के लिए भारतीय पेटेंट प्राप्त हुआ है। हमारे महाविद्यालय को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित डीबीटी-स्टार महाविद्यालय योजना से सम्मानित किया गया है। गांधी स्टडी सर्कल ने केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के गांधी स्मृति और दर्शन समिति के सहयोग से एक अल्पकालिक कौशल वृद्धि और मूल्य-निर्माण पाठ्यक्रम शुरू किया। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सेंटर ने अम्बेडकर के "लेखन और भाषण खंड" को पढ़ने पर अपना प्रमुख कार्यक्रम शुरू किया। महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग दिवस समारोह के साथ अपनी कार्यकलाप शुरू कीं। महाविद्यालय शासी निकाय के कोषाध्यक्ष प्रोफेसर अमित बर्धन मुख्य अतिथि थे। स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए 13 अगस्त 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में एक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। एन.एस.एस. इकाई ने 29 और 31 अक्तूबर, 2022 को महाविद्यालय कैंपस के अंदर एक स्वच्छता अभियान भी चलाया। नियोजन सेल की ओर से 8 और 9 फरवरी को नियोजन मेला लगाया गया। 40 से अधिक

कंपनियों ने छात्रों को विभिन्न जिम्मेदारियों के लिए नियुक्त किया। दो दिन में 120 से अधिक विद्यार्थियों को नियोजन प्रस्ताव मिला।

सम्मान/गौरव

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर नरेंद्र सिंह ने 19 से 21 अक्तूबर 2022 तक वियना, ऑस्ट्रिया में आयोजित एक शोध समन्वय बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बैठक के दौरान "उत्तेजना ऊर्जा, विकिरण डेटा, और टकराव संबंधी उत्तेजना क्रॉस-सेक्शन" पर एक भाषण दिया।

प्रोफेसर रवि रंजन राजनीति विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य हैं। उन्हें राज्यसभा फ़ेलोशिप (राज्यसभा सचिवालय, भारत की संसद, विधायी विषयों पर शोध के लिए दी जाने वाली एक राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक फ़ेलोशिप) से सम्मानित किया गया था।

गौरव प्राप्त छात्र

क्र.सं.	विद्यार्थियों का नाम	कक्षा
1	हामिद अंसारी	बी.कॉम प्रो. तृतीय वर्ष
2	दिव्यांक शमी	बी.एससी. कार्यक्रम तृतीय वर्ष
3	विक्रांत सागर	बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष
4	श्रेया दीक्षित	बी.एससी. कार्यक्रम तृतीय वर्ष
5	अनुभूति गुप्ता	बी.एससी.(ऑनर्स) रसायन, तृतीय वर्ष

प्रकाशन

एफ. यादव, गोयल ए. और सिंह एन. (2023)। 3डी6 स्तरों के ऑप्टिकल संक्रमण और फई III आयन की परमाणु संरचना पर प्लाज्मा स्क्रीनिंग प्रभाव के लिए लाइन तीव्रता अनुपात का विश्लेषण। *विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान*, 206(110795), एनए।

गुप्ता एस., शिशोदिया जी. और शिशोदिया पी.के. (2023)। एससीएपीएस सौर सेल कैपेसिटेंस सिम्युलेटर का उपयोग करके ZrS2-आधारित पतली फिल्म सौर कोशिकाओं का तुलनात्मक अध्ययन। *सेमीकंडक्टर विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 38(एनए)*, 025012-025023.

गुप्ता एस., शिशोदिया जी. और शिशोदिया पी.के. (2022)। ZrS2/CZTS हेटरोस्ट्रक्चर प्रदर्शन पर सेलेनाइजेशन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए कम्प्यूटेशनल विश्लेषण। *इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस*, 4(एनए), 035026-035038.

वर्मा, ए., गुप्ता, ए., गहरवार, यू.एस. और अन्य। (2023)। शारीरिक, रूपात्मक और जैव रासायनिक स्तरों पर अपशिष्ट जल का प्रभाव और पिसम सैटिवम पर इसकी साइटोटोक्सिक क्षमता। *इंट. जे. पर्यावरण. विज्ञान. टेक्नो, एनए, 1-18.*

योगराज सिंह और दिनेश सी.एस.बिष्ट। (2022)। वास्तविक जीवन के अनुप्रयोग के साथ पाइथोगोरियन फ़ज़ी वातावरण में "अभिनव एन्ट्रॉपी उपाय"। *"नॉनलाइनियर स्टडीज़, एल्सेवियर, 29(एनए)।*

पूनम गर्ग, सुरभि मदान, रितु अरोरा, धीरज कुमार सिंह। (2022)। *मोरक्को में कोविड-19 मामले: एक तुलनात्मक ई विश्लेषण। अरेखीय विश्लेषण,* 5(3), 2636-7556.

पूनम जोरवाल, मो. आरिफ, धर्मेन्द्र कुमार। (2023)। तीन विश्लेषणात्मक तरीकों का उपयोग करके (2+1)-आयामी विस्तारित उथले जल तरंग समीकरण के सॉलिटॉन समाधानों की एक विशाल विविधता। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स बी, (24501 04), एनए।*

सिंह, एन. और गोयल, ए. (2022)। 2. एसएन आयनों में परमाणु मापदंडों, इलेक्ट्रॉन प्रभाव उत्तेजना, और 4d और 4d2 राज्यों के फोटोआयनीकरण का सैद्धांतिक अध्ययन. *यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 1054(137), एनए।*

सिंह, एन. अग्रवाल एस. और गोयल ए. (2022)। 3. नरम एक्स-रे क्षेत्र में एसएम-जैसे और एनडी-जैसे डब्ल्यू आयनों के परमाणु मापदंडों का सैद्धांतिक विश्लेषण। *फिजिका स्क्रिप्टा, 075401(97), एनए।*

सिंह एन., गोयल ए., और अग्रवाल एस., (2022)। दोगुनी उत्तेजित अवस्थाओं की उत्तेजना ऊर्जाओं का अध्ययन और W LXXIII और Au LXXVIII के M1 संक्रमणों में ईयूवी, एसएक्सआर और एचएक्सआर वर्णक्रमीय रेखाओं की पहचान। *जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी और संबंधित घटना*, 147205(257), एनए।

शोध-परियोजनाएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, चालू (2020 से), डीबीटी स्टार-महाविद्यालय योजना, 63 लाख।

डीआरडीओ, 31-1-2022 से 31-1-2026, माइक्रोवेव अवशोषण (2-18 गीगाहर्ट्ज) के लिए पॉलिमर कंपोजिट का निर्माण और मूल्यांकन, 47.59 लाख।

भारत सरकार, विज्ञान मंत्रालय, विज्ञान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद, 4-2-2022 से 3-2-2024, एनओआर 1 विज्ञान मीडिया अनुसंधान और आउटरीच, युवा विज्ञान मीडिया चैलेंज, 37,64,066.

मंजूर/दायर पेटेंट

भारतीय पेटेंट संख्या 383711 और सौर जल डिस्टिलर

आयोजित संगोष्ठी

प्रोफेसर बिजॉय कुमार, प्रोफेसर, जेएनयू, मैग्नेटिक नैनोस्ट्रक्चर और नैनोडिवाइसेज विजन', मैग्नेटिक नैनोस्ट्रक्चर और नैनोडिवाइसेज, आईक्यूएसी, जेडएचडीसी के तहत, 31-05-2022.

प्रोफेसर शिबनाथ मजूमदार, प्रॉक्टर और दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के डीन, प्रतिरक्षा प्रणाली को आकार देना, प्रतिरक्षा प्रणाली को आकार देना, आईक्यूएसी, जेडएचडीसी के तहत, 09-09-2022.

प्रोफेसर शम्स कमाल अंजुम, बीजीएसबीयू, "शम्सुल उलमा डिप्टी नज़ीर अहमद: दिल्ली महाविद्यालय के सबसे प्रतिष्ठित अरबी कवि और लेखक।", गाजीउद्दीन खान व्याख्यान-8, 11-01-2023.

डॉ. सुहैब आलम, अरबी विभाग, जामिया, "भारत-अरब संबंध: पुराने और नए प्रक्षेप पथ को समझना।", विशेष व्याख्यान-3, 16-02-2023.

प्रोफेसर नईमुल हसन, अरबी विभाग के प्रमुख, दिल्ली विश्वविद्यालय, "अरबी भाषा अध्ययन और सिखाने में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग।" मामलुकुल अली व्याख्यान-5, 29-04-2023.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. बबीता सी. कौला ने जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय में प्रोटिओमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और आणविक औषधि डिजाइन: एक एकीकृत ओमिक्स दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला में आयोजित सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कौल ने विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिया है, जिसमें प्रोटिओमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और आणविक औषधि डिजाइन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला और एनईपी 2020 में परिकल्पित अनुभवात्मक शिक्षा पर एक राष्ट्रीय वेबिनार शामिल है।

डॉ. मो. कासिम ने अरबी साहित्य के विकास पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अरब नारीवादी उपन्यास और अरब महिलाओं के मुद्दे: एक महत्वपूर्ण अध्ययन" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मो. कासिम ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "समकालीन अरब यात्रा पुस्तकों में भारतीय समाज की विशेषताएं" पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. उषा बंसल सम्मेलनों और शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। उन्होंने एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और 2022 में जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय और आईएसएएस में "रासायनिक विज्ञान और नैनोकम्पोजिट में प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। उन्होंने "प्राकृतिक और अप्राकृतिक सामग्री के लिए 9वें एशियाई नेटवर्क (वार्षिक-)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी

भाग लिया। 9)" रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा 8 अप्रैल, 2022 को आयोजित किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर सरिता पासी ने हाल ही में यूनाइटेड किंगडम में "उच्च शिक्षा में उभरते रुझान" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन का आयोजन एनपीटीसी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज एंड यूके अवार्ड्स और गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। प्रो. पासी ने मौखिक रूप में "मानसिक स्वास्थ्य-उच्च शिक्षा में एक चुनौती" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

21 अप्रैल 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग, ग्रबस्ट्रीट द्वारा आयोजित और डॉ. गीति चंद्रा द्वारा दिए गए स्पेक-फ़िक सेमिनार "इमेजिनिंग न्यू वर्ल्ड्स ऑन न्यू टर्म्स: रीडिंग सट्टा फिक्शन" के मुख्य भाषण की अध्यक्षता डॉ. श्रद्धा आदित्यवीर सिंह ने की।

प्रोफेसर गुरप्रीत सिंह टुटेजा को विभिन्न विषयों पर अनेक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है। इनमें मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय की गणितीय सोसायटी के लिए बुनियादी अनुमान और आयाम पर एक व्याख्यान, कॉमन यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन सह मार्गदर्शन कार्यक्रम, गणितीय सोसायटी के लिए "चैटजीपीटी, एक वरदान या अभिशाप" के प्रभाव पर एक जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय में, और पीएचक्यू, नई दिल्ली में पुलिस परिवार कल्याण **सोसायटी के लिए "महाविद्यालय और विश्वविद्यालय प्रवेश"** पर चर्चा शामिल है।

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत; 237 और 45%

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 52

विस्तार और आउटरीच कार्यकलाप

'हिस्टोलॉजी की तकनीक को समझना' शीर्षक से कार्यशाला 12-17 सितंबर 2022 को हुई। "जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण की तकनीक" पर केंद्रित दूसरी कार्यशाला 22-28 दिसंबर 2022 को हुई। दोनों कार्यशालाएं विशेष रूप से बी.एससी. के लिए तैयार की गई थीं। बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी-विज्ञान और (कार्यक्रम) बी.एससी. जीवन विज्ञान के छात्रों को जीन15 अभिव्यक्ति विश्लेषण के लिए हिस्टोलॉजिकल स्लाइड फिक्सेशन, माइक्रोटॉमी, आरएनए आइसोलेशन, पीसीआर और जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस जैसी आवश्यक तकनीकों से परिचित कराने का लक्ष्य है। गणित विभाग ने एक अत्यंत लाभकारी एक सप्ताह 16-21 दिसंबर 2022 तक "आर के माध्यम से डेटा का हेरफेर और प्राप्ति" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। 1-5 नवंबर 2022 तक "डेटा के मेटा-विश्लेषण के लिए पायथन का परिचय" पर एक ज्ञानवर्धक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस योजना के तहत, एक शोध लेख 2022 में बायोसाइंसेज बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च एशिया, खंड 19

(1): 153-162 में "दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 मामलों के मापदंडों का आकलन" शीर्षक से प्रकाशित किया गया था। 20 अगस्त 2022 को, प्रतिष्ठित गांधी व्याख्यान श्रृंखला का 8वां संस्करण 'गांधी का दृष्टिकोण' विषय पर प्रख्यात प्रोफेसर उदय सिंह मेहता ने व्याख्यान दिया। गांधी जयंती उत्सव 2022 के लिए, महात्मा गांधी की 153वीं जयंती के उपलक्ष्य में, 28 सितंबर 2022 को गांधी स्मृति के लिए एक फील्ड ट्रिप का आयोजन किया गया था। 'गांधी का प्रारंभिक जीवन और दक्षिण अफ्रीका में' विषय पर एक क्रॉसवर्ड पहेली प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। 29 सितंबर 2022। 'समकालीन गांधी' विषय पर पहला छात्र सेमिनार 30 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया था। प्रतिष्ठित गांधी व्याख्यान श्रृंखला का 9वां सत्र 3 अक्तूबर 2023 को आयोजित किया गया था। प्रो. विनय लाल, इतिहास के प्रख्यात प्रोफेसर और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स में एशियन अमेरिकन स्टडीज ने 'ए फिलॉसफी ऑफ केयर: गांधी एंड द एथिक्स एंड पोएटिक्स ऑफ नर्सिंग' विषय पर बात की। 15 नवंबर 2022 को शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। 23 जनवरी 2023 को, गांधी स्मृति दर्शन समिति, संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से पेश किए गए 'अहिंसक संचार' पर मूल्य वर्धित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए ओरिएंटेशन सत्र वस्तुतः आयोजित किया गया था। 27 जनवरी 2023 को, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिंदु पुरी द्वारा 'गांधी की सच्ची राजनीति और न्याय की चिंता: 'अन्य' के साथ रिश्तेदारी रखने का एकतरफा कर्तव्य' विषय पर एक व्याख्यान दिया गया था। 30 जनवरी 2023 को, 'गांधी की गैलरी: उनके जीवन के अध्यायों को फिर से बनाना' विषय पर एक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। 31 जनवरी 2023 को तीन मूर्ति भवन संग्रहालय की एक क्षेत्रीय यात्रा का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

प्राप्त पुस्तकों की संख्या: 1483

सदस्यता प्राप्त राष्ट्रीय जर्नल की संख्या: 01

समाचार-पत्रों की संख्या: अंग्रेजी:10, हिंदी: 06, उर्दू: 05, बंगाली: 01, मलयालम: 01

जर्नल की संख्या: अंग्रेजी: 13, हिंदी: 09, उर्दू: 12, बंगाली: 01

12 अगस्त 2022 को "आजादी का अमृत महोत्सव" के तत्वावधान में आईक्यूएसी के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस 2022 पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तरीय पुस्तकालय और सूचना विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। 12 से 18 अगस्त तक भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर एक पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई। अगस्त 2022 में पुस्तकालय कमेटी और आईक्यूएसी के सहयोग से महाविद्यालय पुस्तकालय में आजादी का अमृत महोत्सव और दिल्ली विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष मनाया जाएगा। भारत के विभाजन और उसकी त्रासदियों पर एक और पुस्तक प्रदर्शनी 17 से 27 अगस्त, 2022 तक आयोजित की गई थी। गांधी और उनके अहिंसा के मार्ग पर एक पुस्तक प्रदर्शनी 13 से 20 अक्तूबर

2022 तक पुस्तकालय समिति और आईक्यूएसी के सहयोग से आयोजित की गई थी। भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तत्वावधान में महाविद्यालय पुस्तकालय में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जाएगा। पुस्तकालय कमेटी के सहयोग से 26 से 31 दिसंबर 2022 तक 10वें सिख गुरु गोबिंद सिंह जी के दो युवा पुत्रों साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी के बलिदान की याद में वीर बल दिवस 2022 पर एक पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। आईक्यूएसी महाविद्यालय पुस्तकालय में आजादी का अमृत महोत्सव और दिल्ली विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष मनाएगा।

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

स्वीकृत अनुदान: 20,11,200.00
उपयोगित अनुदान: 9,70,206.00

संकाय संख्या

स्थायी संकाय:154

***

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य)

संक्षिप्त विवरण

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय, दिल्ली के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में से एक है, जिसकी एक समृद्ध और ऐतिहासिक रूप से महत्त्वपूर्ण अतीत की विरासत है। संस्था की उत्पत्ति एक मदरसे से हुई है, जिसकी स्थापना गाजीउद्दीन फ़िरोज़ जंग ने की थी, जो आगे चलकर दिल्ली के प्रमुख शिक्षा स्थलों में से एक बन गया। अठारहवीं शताब्दी के अंत तक, मदरसा अजमेरी गेट के ठीक बाहर एक मस्जिद के पास स्थित था, जो शाहजहानाबाद के चारदीवारी वाले शहर के द्वारों में से एक था। इंडो-सारसेनिक शैली में निर्मित, पुरानी भवन को मदरसा-मस्जिद, मकतबा, एक पुस्तकालय और छात्रों के लिए हुजरा के दोहरे स्तर के सभी तत्वों के साथ डिजाइन किया गया था। उस समय, मदरसा उच्च शिक्षा के एक पारंपरिक मुस्लिम संस्थान के रूप में कार्य करता था, जिसमें कम संख्या में छात्रों को अरबी और फ़ारसी पढ़ाई जाती थी।

1803 में अंग्रेजों ने दिल्ली पर कब्ज़ा कर लिया और शिक्षा का यह विनम्र केंद्र 1825 में दिल्ली महाविद्यालय बन गया, जिसे 'दिली महाविद्यालय' के नाम से भी जाना जाता है। यह संस्था 1830-40 के दशक के दौरान दिल्ली पुनर्जागरण के केंद्रों में से एक रही। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद इसे बंद कर दिया गया, दो दशक बाद 1877 में इसे खोला गया, जब इसे लाहौर के सरकारी महाविद्यालय में मिला दिया गया।

प्रारंभ में, अरबी और फ़ारसी मदरसे में पढ़ाई जाने वाली मुख्य भाषाएँ थीं। हालाँकि, पूरे देश में ब्रिटिश शासन की स्थापना के साथ, अंग्रेजी अध्ययन-सिखाने की इच्छा बढ़ गई थी। हालाँकि, महाविद्यालय ने अरबी, फ़ारसी और संस्कृत पर विशेष जोर देते हुए उर्दू को पढ़ाई का माध्यम बनाए रखा। दिल्ली महाविद्यालय की प्रमुख विशेषताओं में से एक यह थी कि अन्य विज्ञानों के अलावा गणित, ज्यामिति, दर्शनशास्त्र और भौतिकी जैसे आधुनिक विषय उर्दू में पढ़ाए जाते थे। महाविद्यालय ने वैज्ञानिक ग्रंथों, ग्रीक क्लासिक्स और फ़ारसी कार्यों के उर्दू में अनुवाद के लिए 1832 में दिल्ली वर्नाक्युलर सोसाइटी की स्थापना की। शिक्षक और छात्र उस वैज्ञानिक और साहित्यिक उत्कर्ष का केंद्र बन गए जो सी.एफ. एंड्रयू को 'दिल्ली पुनर्जागरण' कहा जाता है।

पुराने दिल्ली महाविद्यालय ने ओरिएंटल और पश्चिमी शिक्षा के साथ प्रगति की, जो धर्मनिरपेक्षता और आधुनिकीकरण को बनाए रखने की दिशा में एक कदम था क्योंकि इसका उद्देश्य छात्रों को पारंपरिक और आधुनिक दोनों ज्ञान प्रदान करना था। विज्ञान की प्रगति के साथ, महाविद्यालय रूढ़िवाद की बेड़ियों को चुनौती देने के लिए तर्कसंगतता का माहौल बनाने में सक्षम था। जैसा कि सर सैयद अहमद खान ने कहा है, "हमारे दाहिने हाथ में दर्शनशास्त्र, बाएं हाथ में प्राकृतिक विज्ञान और हमारे सिर पर 'कलमा-ए-तैयबा' का ताज होना चाहिए"।

1947 में भारत के विभाजन के कारण महाविद्यालय कुछ समय के लिए बंद हो गया। लेकिन एक संपूर्ण परोपकारी और शिक्षा के क्षेत्र में दूरदर्शी मिर्ज़ा महमूद बेग के कठिन प्रयासों के कारण दिल्ली महाविद्यालय का पुनरुद्धार हुआ। संकाय के कुछ पुराने और नए सदस्यों और संरक्षकों के सहयोग से, उन्होंने महाविद्यालय में एक नया जीवन स्थापित किया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य के रूप में बेग की स्थिति ने 1947 में 200-250 छात्रों के साथ एक मामूली शुरुआत सुनिश्चित की जो बाद में एक हजार से अधिक छात्रों को समायोजित करने वाले एक पूर्ण संस्थान में विकसित हुई। यह उनके नेतृत्व में था कि 1958 में नौकरी पेशा युवाओं को अपनी शिक्षा जारी रखने में सक्षम बनाने के लिए सांध्य कक्षाएं शुरू की गईं। इस प्रकार, सांध्य महाविद्यालय ने व्यापक विविधता और अपेक्षाकृत बड़ी संख्या में छात्रों को सेवा प्रदान की। 1970 के दशक के मध्य में, महाविद्यालय को पूरी तरह से नकदी की कमी और वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा, और बाद में इसे जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट को सौंप दिया गया। 1975 में महाविद्यालय का नया नाम ज़ाकिर हुसैन महाविद्यालय रखा गया।

सांध्य महाविद्यालय की शुरुआत प्रिपरेटरी क्लास नामक पाठ्यक्रम से हुई। इसे 1969 में यूजीसी से अनुदान प्राप्त हुआ और उसके बाद, उप-प्रधानाचार्य, बर्सर और छात्रों के लिए एक अलग पुस्तकालय के लिए नए कमरे का निर्माण किया गया। पूर्व प्राचार्यों-मंज़ूर हुसैन मुसावी, डॉ. मोहित कुमार हलदर, डॉ. सैयद अहमद अली, श्री सलमान गनी हाशमी, श्री रूप लाल शर्मा, श्री मोहम्मद रियाज़ उमर, डॉ. एस.ए.

हमीदीन, डॉ. एम.एन. सीतारमन और डॉ. शंकर लाल। के कुशल मार्गदर्शन में बाद के वर्षों में महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ। हाल के विकास के रूप में, महाविद्यालय कार्यालय, स्टाफ-रूम और पुस्तकालय में एयर कंडीशनर स्थापित किए गए थे। शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी नेटवर्किंग एवं इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध करायी गयी। आज महाविद्यालय में आधुनिक कम्प्यूटर लैब है। पुस्तकालय में कम्प्यूटर भी उपलब्ध कराये गये हैं। पुस्तकालय में अधिक जगह बनाने और पुस्तकों को धूल से मुक्त रखने के लिए कॉम्पैक्टर लगाए गए हैं।

महाविद्यालय ने प्रधानाचार्य डॉ. एम.ए. बेग के नेतृत्व में विकास के अपने निरंतर पथ को बनाए रखा है, जो 2015 में महाविद्यालय में शामिल हुए थे। महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ है। विभिन्न स्थानों पर अधिक सीसीटीवी कैमरे, बढ़ी हुई संख्या में सुरक्षा कर्मियों की सघन गश्त और एक सतर्क प्रॉक्टोरियल बोर्ड के साथ, छात्र अनुशासन में जबरदस्त सुधार देखा गया है। कक्षाओं में अच्छी रोशनी है, और एलसीडी परियोजनार से सुसज्जित हैं। सांध्य महाविद्यालय के लिए लिफ्ट को चालू कर दिया गया है। स्टाफरूम में और अकादमिक ब्लॉक के बाहर एलसीडी स्क्रीन यह सुनिश्चित करती हैं कि महाविद्यालय बिरादरी को महत्त्वपूर्ण परिपत्रों और नोटिसों के बारे में सूचित किया जाता है, जिसमें कक्षाओं का शेड्यूल और छुट्टी पर शिक्षक भी शामिल हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

प्रजातंत्र, यह राष्ट्रीय युवा महोत्सव प्रतिभागियों को शहर के प्रशासन का एक व्यापक अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया था जहां उन्हें नगर निगम के विभिन्न विंगों की भूमिका निभाने का मौका मिलता है। प्रजातंत्र विशेष रूप से युवाओं को स्थानीय मुद्दों का गंभीर विश्लेषण करने और 'मॉडल सिटी गवर्नेंस' के लिए अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

प्रजातंत्र 2022-23 उत्सव का चौथा संस्करण है और इसका आयोजन एनआईयूए के सहयोग से प्रजा फाउंडेशन द्वारा किया गया था। वास्तव में एक राष्ट्रीय आयोजन, 1385 प्रतिभागियों वाली 216 टीमों ने प्रजातंत्र 2022-23 के लिए नामांकन कराया। सामूहिक रूप से उन्होंने 23 राज्यों, 5 केंद्र शासित प्रदेशों और 79 भारतीय शहरों का प्रतिनिधित्व किया। यह कार्यक्रम जी20 फोरम के तहत आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और युवा मामलों और खेल मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

इको-क्लब ने **17** फरवरी **2023** को यमुना जैव विविधता पार्क**,** दिल्ली में फील्ड ट्रिप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह यात्रा हमारे श्री अर्बिन कुमार ठाकुर (शिक्षक-प्रभारी) और पर्यावरण अध्ययन विभाग से डॉ स्मिता सुंदरम के मार्गदर्शन में आयोजित की गई थी। टीम के सदस्यों को वाईबीपी के वैज्ञानिकों और उनकी टीम ने शामिल किया जिन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन किया और उन्हें प्रबुद्ध किया।

हमारे महाविद्यालय के 40 छात्र हमारे साथ शामिल हुए। उन्हें पार्क के बारे में पता चला जो यमुना नदी बेसिन के लिए स्वदेशी पारिस्थितिकी प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला को आश्रय देता है और 1,500 से अधिक पौधों और जानवरों की प्रजातियों के साथ-साथ पक्षियों, सरीसृपों और उभयचरों की सैकड़ों किस्मों का समर्थन करता है।

यह एक अद्भुत यात्रा थी और हमारे नव चयनित सदस्यों के साथ चर्चा करने का एक आदर्श तरीका भी था, जिनके साथ क्लब अगले 1-2 वर्षों तक उत्साह, मौज-मस्ती, समर्पण और हमारे स्वभाव के प्रति कड़ी मेहनत के साथ काम करेगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य) के इको-क्लब ने छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 21-22 मार्च 2023 को दो दिवसीय अंतर-महाविद्यालय उत्सव "पंचतत्व" का आयोजन किया। विभिन्न आकर्षक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लें। यह उत्सव दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों और डीयू के अलावा अन्य विश्वविद्यालयों के सभी विभागों के छात्रों के लिए खुला था।

उत्सव के पहले दिन की शुरुआत रिबन काटने की रस्म के साथ हुई, जिसमें हमारे माननीय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मसरूर अहमद बेग, संयोजक डॉ. तारिक सईद, श्री अरबिन कुमार ठाकुर, (शिक्षक-प्रभारी), डॉ. स्मिता सुंदरम और हमारे महाविद्यालय के अन्य प्रतिष्ठित प्रोफेसर उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत इको-क्लब के सदस्यों द्वारा अर्ध शास्त्रीय नृत्य और गायन प्रदर्शन के साथ हुई। प्रधानाचार्य ने सभा को संबोधित किया, ऐसे आयोजनों के महत्त्व और छात्रों को पूरे उत्साह के साथ पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और वार्षिक इको उत्सव के रूप में टिप्पणी की। बाद में प्रधानाचार्य और फैसिलिटी सदस्यों ने दिल्ली विश्वविद्यालय, एमिटी यूनिवर्सिटी और कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा स्थापित सभी 30 स्टालों का दौरा किया।

लोकचित्र: भारतीय लोक कला प्रतिनिधित्व विषय पर पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता और अल्फ़ाज़: प्रकृति और सामाजिक कारण विषय पर शायरी और कविता प्रतियोगिता, ये दोनों प्रकृति वार्तालाप, सामाजिक मुद्दों और कागज रहित कलात्मकता के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता लाने के लिए पहले दिन आयोजित की गईं। विभिन्न महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने काव्यात्मक एवं कलात्मक तरीकों से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में, विजेताओं की घोषणा की गई जिसमें निम्नलिखित प्रतिभागी शामिल थे: पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए नेहा कथरिया, भानु सचदेवा, आकांशा और निभा रंजन और मोहिनी राय, हेमंत बिष्ट, उत्कर्ष पाठक और मोहम्मद। शायरी एवं कविता प्रतियोगिता के लिए जफर। विजेताओं को तीन अलग-अलग ब्रांडों के प्रमाणपत्र और उपहार वाउचर से सम्मानित किया जाता है।

कुल मिलाकर, पहला दिन बेहद सफल रहा, जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न

कार्यक्रमों का आनंद लिया। इस तरह के सुनियोजित और क्रियान्वित कार्यक्रम के आयोजन के लिए सोसायटी को सराहना मिली, जिसने छात्रों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया। यह उत्सव छात्रों के लिए एक-दूसरे के साथ चर्चा करने और व्यक्तिगत रूप से अपने साथियों से अध्ययन का एक शानदार अवसर भी था।

इको-क्लब ने "भारतीय लोक-कला प्रतिनिधित्व" विषय पर लोकचित्र नाम से एक पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय और डीयू सोल के विभिन्न महाविद्यालयों से 22 छात्रों ने भाग लिया। लोकचित्र इको-क्लब की एक पहल थी जहाँ छात्रों ने कागज रहित कलात्मकता प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. मंजुला गुप्ता को डॉ. महेश शर्मा द्वारा स्नेहिल एजुकेशनल अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है

गौरव प्राप्त छात्र

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत तृतीय वर्ष के सूरज प्रताप सिंह ने महाविद्यालय-संचयी परिणामों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उर्दू (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के नौधाद अहमद ने अपने अनुशासन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित संगोष्ठी

30 सितंबर 2022 को अनीश नंदलाइक, वित्त शिक्षक द्वारा 'स्टॉक मार्केट निवेश की मूल बातें' नामक संगोष्ठी आयोजित की गई।

14 अक्तूबर 2022 को आईएसबी एंड एम के अध्यक्ष प्रमोद कुमार द्वारा 'रोड मैप टू बी-स्कूल' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

17 जनवरी 2023 को नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में संकाय स्वाति भटनागर द्वारा 'जीडी और पीआई कैसे क्रैक करें' शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य) के तत्वावधान में 20 मार्च 2023 को 'दिव्यांग शरीर से सक्षम विषय तक' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. शाहला तबस्सुम ने सेंटर फॉर द्वारा 25-26 मार्च 2023 को आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लोकल गवर्नेंस इन इंडिया@75: मुद्दे, चुनौतियाँ और समसामयिक विकास में "भारत में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पंचायती राज संस्थानों को सशक्त बनाना" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली में आरजीएनआईवाईडी, तमिलनाडु के सहयोग से कानून और शासन का अध्ययन, जे.एन.यू.।

डॉ. शाहला तबस्सुम ने जेएनवी विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा 23-24 दिसंबर 2022 तक स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में भारत में लोक प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: परिवर्तन और चुनौतियाँ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उच्च शिक्षा में भारतीय महिलाओं की स्थिति: एक विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। .

डॉ. शाहला तबस्सुम ने 10 अप्रैल, 2022 को संस्कृत विभाग, मारवाड़ी महाविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार द्वारा सम्राट अशोक के योगदान और उनकी विरासत पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "सम्राट अशोक की राजनीति और प्रशासन: एक विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय विकास

2021-2022 तक अनुभाग में पाठ्य पुस्तक की संख्या: 30524
2022-2023 के दौरान अनुभाग में जोड़ी गई पाठ्य पुस्तकों की संख्या: 62
2021-2022 तक सामान्य अनुभाग में पुस्तकों की संख्या: 65569
2022-2023 के दौरान सामान्य अनुभाग में जोड़ी गई सामान्य/अन्य पुस्तकें: 834

विभिन्न भाषाओं में मासिक, पाक्षिक और साप्ताहिक पत्रिकाओं की संख्या:

अंग्रेजी: मासिक -6, पाक्षिक-4, साप्ताहिक-4

हिंदी: मासिक-4, साप्ताहिक-3

उर्दू: मासिक-4, साप्ताहिक-2, द्विवार्षिक-01

अरबी: पाक्षिक-01

बंगाली: पाक्षिक-01 (कुल-30)

विभिन्न भाषाओं में समाचार-पत्रों की संख्या:

अंग्रेजी-4, हिंदी-4, उर्दू-2, बंगाली-1 (कुल-11)

पुस्तकालय में स्थापित थर्मल प्रिंटर के माध्यम से मुद्रित पुस्तकें। दृष्टिबाधित छात्रों और शिक्षकों के लिए पुस्तकालय में सक्षम इकाई बनाई गई।

इकाई को सक्षम करने के लिए प्रिंटर, एनवीडीए स्क्रीन रीडिंग सॉफ़्टवेयर और किबो एक्सएस स्कैनर के साथ अलग कंप्यूटर खरीदा।

अभिदत्त जर्नल की कुल संख्या: 41

2021-2022 तक अनुभाग में पाठ्य पुस्तक की संख्या: 30524

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 100

वित्तीय आवंटन और उपयोगिता

आवंटित अनुदान: रुपए 3915.56 करोड़
उपयोग अनुदान: रुपए 3842.85 करोड़

****

सामान्य सुविधाएं

पूर्व छात्र मामले

विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में, पूर्व छात्र मामलों के कार्यालय ने एक मेगा "शताब्दी पूर्व छात्र मीट" कार्यक्रम की तैयारी की। इसका उद्देश्य पूर्व-छात्रों को उनके अल्मा मेटर से जोड़ना था जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात पूर्व-छात्रों की भागीदारी देखने को मिली।

माननीय कुलपति ने जगदीश चेन्नुपति को सम्मानित किया, जिन्हें भौतिकी और इंजीनियरिंग में उनके योगदान के लिए ऑस्ट्रेलिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, एसी, कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया मिला है और उन्हें ऑस्ट्रेलियन एकेडमी ऑफ साइंस के अगले अध्यक्ष के रूप में भी चुना गया है।

डीयू पूर्व-छात्र एसोसिएशन (डीयूएए) विश्वविद्यालय के निर्णय लेने में अपनी वैधानिक भूमिका निभाता रहेगा। डीयू कोर्ट में डीयूएए के प्रतिनिधि श्री हरिशंकर गुप्ता, प्रो. वीरेंद्र कुमार अग्रवाल, प्रो. जय प्रकाश शर्मा, श्री अमन कुमार, प्रो. जे.एल. गुप्ता, श्री राजेश बी मंगला एफसीए, अधिवक्ता नाथू राम शर्मा, डॉ. संजीव कुमार सिंघल, डॉ. एल.एस. चौधरी और श्री स्वर्ण स्वरूप दुबे हैं। समर्थ पोर्टल के माध्यम से डीयू पूर्व-छात्र एसोसिएशन (डीयूएए) की सदस्यता बढ़ाने के लिए एक ऑनलाइन सदस्यता पंजीकरण शुरू किया गया था। नए सिरे से सदस्यता और डीयूएए का नवीकरण मानदंडों के भीतर किया गया था।

छात्रों, संकायों और संस्थानों के विकास के लिए शुभचिंतकों, पूर्व-छात्रों, परोपकारी लोगों और उद्योगों से दान, धन और योगदान जुटाने के उद्देश्य से केंद्रीय विश्वविद्यालय बंदोबस्ती निधि (सीयूईएफ) के लिए दिशानिर्देशों के संबंध में शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित संरचना के साथ सात सदस्यीय दिल्ली विश्वविद्यालय बंदोबस्ती निधि बोर्ड (डीयूईएफ) का गठन किया है:
प्रो. योगेश सिंह, माननीय कुलपति (अध्यक्ष)
प्रो. बलराम पाणि, महाविद्यालयों के डीन
प्रो. श्री प्रकाश सिंह, निदेशक, साउथ कैंपस
डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव
वित्त अधिकारी
सीनियर प्रोफेसर श्यामा रथ, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग (डीन, पूर्व छात्र मामले)
प्रोफेसर अनिल कुमार, वाणिज्य विभाग।

इसके अतिरिक्त, दिल्ली विश्वविद्यालय ने भारतीय कंपनी अधिनियम, 2013 की के अंतर्गत निगमित दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन के नाम से एक गैर-लाभकारी धारा 8 कंपनी की स्थापना की है। पूर्व-छात्रों की व्यस्तता को मजबूत करने के लिए प्रयास और योजनाएं जारी हैं।

***

संस्कृति परिषद

दिल्ली विश्वविद्यालय की संस्कृति परिषद ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यक्रमों और परियोजनाओं की एक श्रृंखला विकसित की है। इसका एक मुख्य फोकस प्रदर्शन कला समूहों की एक विविध श्रेणी का पोषण कर रहा है और छात्र कलाकारों को सभी प्रवीणता स्तरों पर विभिन्न कलात्मक शाखाओं का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। पूरे वर्ष, संस्कृति परिषद छात्रों को मनोरम प्रदर्शन, ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं और सूचनात्मक वार्ता के माध्यम से संलग्न करती है, अक्सर विभिन्न महाविद्यालयों, संकायों और उद्योग के पेशेवरों के सहयोग से कला को पाठ्यक्रम में एकीकृत करती है। हम प्रासंगिक सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं और छात्र समुदाय के बीच सकारात्मक बदलाव और सक्रियता को बढ़ावा देते हैं। मेंटरशिप, नेटवर्किंग के अवसरों और संसाधनों के माध्यम से, संस्कृति परिषद सांस्कृतिक उद्यमिता में रुचि रखने वाले छात्रों का भी समर्थन करती है, जिससे उन्हें कला और संस्कृति के लिए अपने जुनून को स्थायी उद्यमों में बदलने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

त्बिलिसी अख्मेटेली स्टेट ड्रामा का आयोजन जॉर्जिया से 7 सितंबर 2022 को हिंदू महाविद्यालय में किया गया था। 30 नवंबर 2022 को रग्बी स्टेडियम में एक हिंदी ऐतिहासिक नाटक 'चाणक्य' का आयोजन किया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन इस प्रकार किया गया: (i) एचआरसीए में 13 फरवरी 2023 को माइम कॉम्प (ii) आईपी महाविद्यालय में 14 फरवरी 2023 को लोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया (iii) मिरांडा हाउस में 20-21 फरवरी 2023 को लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

विभिन्न महाविद्यालयों और केंद्रों में संचार कौशल, आत्मविश्वास निर्माण, अभिरुचि को फिर से परिभाषित करने, प्रस्तुति कौशल और सार्वजनिक बोलने पर आठ प्रेरक सत्र आयोजित किए गए थे। 21-23 मार्च 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में ड्राइंग और पेंटिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। संस्कृति परिषद के कार्यालय ने पाठ्येतर कार्यकलापों (ईसीए) श्रेणी के तहत सभी स्नातक (यूजी) प्रवेश के लिए नोडल कार्यालय के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उद्देश्य और सुविधाएं

संस्कृति परिषद दिल्ली विश्वविद्यालय का एक सक्रिय सांस्कृतिक मंच है और पूरे वर्ष विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में शामिल है। यह सक्रिय रूप से छात्रों के बीच कला और संस्कृति को विकसित करने और बढ़ावा देने में कार्यरत है। संस्कृति परिषद शैक्षणिक वर्ष के आसपास कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करती है। इन सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल हैं:

वाद-विवाद (हिंदी और अंग्रेजी दोनों में)

थिएटर और नुक्कड़ नाटक

संगीत (शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय, मुखर, वाद्य)

रचनात्मक लेखन (हिंदी और अंग्रेजी दोनों में)

अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताएं

नृत्य (शास्त्रीय, लोक)

पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, वायर स्कल्पचर, थिएटर के लिए वर्कशॉप

चित्रकला प्रदर्शनियां

फोटोग्राफी प्रदर्शनियां

इसके अलावा, संस्कृति परिषद के उद्देश्यों में शामिल हैं:

विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के बीच कला के अध्ययन और अभ्यास को प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना।

हमारी विविध सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत के लिए सम्मान करना।

सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और चर्चा के माध्यम से पारस्परिक संबंधों और मानव देखभाल की भावना में संवेदनशीलता भावना उत्पन्न करना।

व्यवसायिक, ढांचागत और वित्तीय तरीके से मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना।

विश्वविद्यालय से संबद्ध संकायों, विभागों और महाविद्यालयों/संस्थानों में सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों के संगठन का समन्वय और निगरानी करना।

विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में विभिन्न क्लबों, समाजों, मंचों और इसी तरह के निकायों की सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यकलापों का समन्वय करना।

छात्रों और कर्मचारियों की वास्तविक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिभा और हितों को चिन्हित करना और उनका पोषण करना।

शिक्षा के सांस्कृतिक संवर्धन में योगदान करना।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

संस्कृति परिषद का कार्यालय अगस्त-नवंबर 2023 के महीने के दौरान महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक-सह-शैक्षणिक कार्यकलापों का आयोजन कर रहा है क्योंकि भारत 2023 में पहली बार जी20 लीडर्स समिट का नेतृत्व कर रहा है। कार्यकलापों का उद्देश्य संस्कृति (सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से), समकालीन मुद्दों और भविष्य की द्विपक्षीय संभावनाओं (बहस और संगोष्ठी आदि के माध्यम से) का प्रदर्शन करना होगा। संस्कृति परिषद कार्यालय द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के 18 नोडल केंद्रों (महाविद्यालयों और विभागों) की पहचान उनके उपलब्ध संसाधनों, रुचि और कार्यकलापों में भाग लेने की क्षमता के आधार पर की जाती है।

संस्कृति परिषद का कार्यालय भी 12 जनवरी 2023 को संचालन समिति की बैठक में अनुशंसित सितंबर-अक्तूबर 2023 के महीने के दौरान पांच मुख्य श्रेणियों में अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं के आयोजन की प्रक्रिया में है:

संगीत (लोक ऑर्केस्ट्रा)
नृत्य (लोक/जनजातीय नृत्य)
थिएटर (माइम)
साहित्यिक कार्यक्रम (वाद-विवाद)
ललित कला (क) पोस्टर मेकिंग (ख) रंगोली (ग) मेहंदी (घ) ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी (ङ) ऑन द स्पॉट पेंटिंग

***

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र उचित रणनीतिक योजना, निरीक्षण और विश्वविद्यालय के आईटी बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सेवाओं के काम में संलग्न है। यह अकादमिक और प्रशासनिक इकाइयों के साथ परामर्श करने में शामिल है ताकि उनकी आईटी आवश्यकताओं, क्षमताओं और अनुरोधों का मूल्यांकन करने के साथ-साथ उन्हें संभावित समाधान सुझाए जा सकें। शैक्षणिक और सहयोगी अनुप्रयोग, सुलभ प्रौद्योगिकी, प्रशासनिक सिस्टम और सूचना प्रबंधन, कक्षा प्रौद्योगिकी, कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे, ग्राहक सेवा, डेटा केंद्र, सूचना सुरक्षा और गोपनीयता, आईटी सेवाओं और रणनीतिक सोर्सिंग, नेटवर्किंग, प्रौद्योगिकी प्रक्रिया निरंतरता और दूरसंचार सहित दिल्ली विश्वविद्यालय की आईटी अवसंरचना और सेवाओं का प्रबंधन भी अन्य मुख्य विशेषताएं हैं। डीयूसीसी आईटी आवश्यकताओं, नीतियों, प्राथमिकताओं और संसाधन आवंटन को निर्धारित करने के लिए प्रशासनिक प्रमुखों, डीन, पदाधिकारियों और उपयुक्त शासन समितियों (आईक्यूएसी, योजना, प्रवेश, परीक्षा, पुस्तकालय आदि) के साथ मिलकर काम कर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के आईटी हितों का प्रतिनिधित्व करना और एमओयू और सहयोग के अन्य संभावित तरीकों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संगठनों के साथ सहयोग करना डीयूसीसी की अन्य पहल हैं।

डीयूसीसी डिजिटल पहल

स्वदेशी द्विभाषी विश्वविद्यालय वेबसाइट का समावेश

दिल्ली विश्वविद्यालय ने सभी हितधारकों को न केवल सूचना तक सुगम पहुंच के साथ सुविधा प्रदान करने के लिए एक नए मजबूत डिजाइन के साथ स्वदेशी द्विभाषी वेबसाइट को शामिल किया, बल्कि इष्टतम आउटपुट के लिए उस जानकारी का उपयोग भी किया। विश्वविद्यालय की वेबसाइट सभी उपयोगकर्ताओं

के लिए जानकारी का एक प्रामाणिक स्रोत है। इस पर निम्नलिखित लिंक के माध्यम से पहुँचा जा सकता है: www.du.ac.in www.uod.ac.in.

उद्यम संसाधन योजना-ईआरपी (e-Gov) समर्थ (e-Gov) ईआरपी के माध्यम से डीयू का डिजिटलीकरण

समर्थ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक ओपन सोर्स, ओपन स्टैंडर्ड सक्षम मजबूत, सुरक्षित, स्केलेबल और विकासवादी प्रोसेस ऑटोमेशन इंजन है। विश्वविद्यालय प्रक्रियाओं के कामकाज को सुचारू बनाने के लिए इसमें 9 कोर मॉड्यूल और 40+ उप-मॉड्यूल हैं। समर्थ विश्वविद्यालय को एक ऐसी सिस्टम में स्थानांतरित करने में मदद करेगा जो सुरक्षित, विश्वसनीय और स्केलेबल है। विश्वविद्यालय ने समर्थ कार्यान्वयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

डीयू e-Gov **समर्थ**

समर्थ का कार्यान्वयन दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को जानकारी तक प्रभावी पहुंच प्रदान करने के लिए विविध प्रक्रियाओं के सहज एकीकरण के साथ लचीला समाधान प्रदान करना है।

डीयू पोर्टल पर उपलब्ध मॉड्यूल

शैक्षिक और प्रवेश, छात्र जीवन चक्र प्रबंधन, परीक्षा, प्रशिक्षण और नियोजन, समय-सारिणी, ऑनलाइन उपस्थिति सिस्टम, नामांकन संख्या अर्जन सिस्टम से संबंधित विभिन्न मॉड्यूल। डीयू पोर्टल पर वित्त और लेखा-अनुदान प्रबंधन, संपत्ति और सूची, अनुसंधान परियोजना प्रबंधन, ऑनलाइन शुल्क, विक्रेता बिल ट्रैकिंग प्रबंधन सिस्टम, मानव संसाधन और पेरोल-भर्ती, कार्मिक सूचना सिस्टम, पेरोल, छुट्टी प्रबंधन, प्रशासन-संपदा प्रबंधन, फ़ाइल ट्रैकिंग, शिकायत प्रबंधन और निवारण, कानूनी मामला प्रबंधन उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय प्रक्रिया का स्वचालन

पिछले वर्ष शुरू किए गए ऑनलाइन फॉर्म को मैनुअल हस्तक्षेप में कटौती करने और सेवाएं प्रदान करने के लिए और सुदृढ़ किया गया था। विभिन्न अन्य स्वचालन पहलों का विवरण इस प्रकार है:

कैंपस वाई-फाई सक्षम है, एप्लिकेशन कैंपस वाई-फाई पासवर्ड का रीसेट ईमेल बेबाकी प्रमाणपत्र।

जीईएम उपयोगकर्ता पंजीकरण

ई-प्रोक्योरमेंट उपयोगकर्ता पंजीकरण

विभागों/महाविद्यालयों/केंद्रों/छात्रावासों के लिए वेब-स्पेस पंजीकरण चिकित्सा प्रतिपूर्ति

हेल्पडेस्क/समर्थ e-Gov **सेंटर की स्थापना**

डीयूसीसी में e-Gov केंद्र स्थापित किया गया है ताकि छात्रों और संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को डीयूसीसी द्वारा दी जा रही विभिन्न सेवाओं के लिए सहायता मिल सके, जिसमें डीयू e-Gov समर्थ भी शामिल है। एक समर्पित फोन, व्हाट्सएप, ईमेल और इन-पर्सन विज़िट के माध्यम से निरंतर समर्थन प्रदान किया जाता है।

समर्थ के समर्थन से ऑनलाइन ओबीई परीक्षा

दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल के समर्थन से 'ऑनलाइन ओपन बुक परीक्षा' आयोजित की।

समर्थ के समर्थन से ऑनलाइन प्रवेश

दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल के समर्थन से विदेशी छात्रों और चिकित्सा विज्ञान संकाय सहित विभिन्न यूजी/पीजी/एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रमों के ऑनलाइन प्रवेश आयोजित किए।

छात्रों को ऑनलाइन सुविधा के लिए निम्नलिखित मॉड्यूल का कार्यान्वयन

ऑनलाइन डिजिटल डिग्री

प्रतिलेख के लिए ऑनलाइन आवेदन

साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरण (उरकुंड) का उपयोग

संकाय सदस्यों और विभागों को ऑनलाइन साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरण (उरकुंड /मूल) की सुविधा प्रदान की गई है। यह बड़े पैमाने पर 1182 उपयोगकर्ताओं द्वारा उपयोग किया जा रहा है और संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले वर्ष के दौरान साहित्यिक चोरी के लिए 68,967 शोध-पत्रों/पुस्तकों की जाँच की गई।

संकाय सदस्यों और छात्रों की सुविधा के लिए माइक्रोसॉफ्ट कैंपस लाइसेंस

संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों की सुविधा के लिए, विंडोज और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के साथ-साथ विभिन्न अन्य एमएस सॉफ्टवेयरों के लिए ऑपरेटिंग सिस्टम का लाभ उठाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ कैंपस समझौता किया गया है। माइक्रोसॉफ्ट टीमें खातों ने संकाय सदस्यों और छात्रों को विभिन्न सम्मेलनों और अन्य कार्यक्रमों का संचालन करने की सुविधा प्रदान की।

संकाय सदस्यों के लिए घर/कहीं से भी ई-संसाधनों का उपयोग करने के लिए वीपीएन सुविधा

संकाय सदस्यों को एक वीपीएन सुविधा प्रदान की गई थी ताकि ई-संसाधनों द्वारा उन्हें अपनी घरों या कहीं से भी दूरस्थ रूप से पहुँच प्राप्त हो सके। जी-सूट के साथ एकीकृत ईमेल सिस्टम डीयूसीसी ने ईमेल

सेवाओं को एकीकृत किया जो जी-सूट के साथ ओपन सोर्स 'जिम्ब्रा' प्लेटफॉर्म पर घर में होस्ट की जाती हैं। परिणामत:, सेवाओं और स्थान आवश्यकताओं की उपलब्धता के बारे में उपयोगकर्ता अनुभव कई गुना बढ़ गया है। सभी हितधारकों के पास क्लासरूम, गूगल मीट, ड्राइव, शीट्स आदि जैसी सभी सेवाओं तक पहुंच है; जो उन्हें ऑनलाइन शिक्षण अध्ययन प्रक्रिया का हिस्सा बनने में सक्षम बनाता है।

विभागों/केंद्रों/छात्रावासों/अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वेबसाइट होस्टिंग के लिए क्लाउड पर सी-पैनल

विभिन्न विभागों/संकायों/महाविद्यालयों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए, सी-पैनल-वेब होस्ट मैनेजर (डब्ल्यूएचएम) को कॉन्फ़िगर किया गया है और वेबसाइटों को क्लाउड सर्वर पर माइग्रेट किया गया है। डब्ल्यूएचएम प्लेटफॉर्म ने उपयोगकर्ताओं को अधिक सुरक्षित और लचीला प्लेटफॉर्म प्रदान किया है।

वेब-होस्टिंग पर सुरक्षा परत

du.ac.in पर उप-डोमेन के रूप में सभी वेबसाइटें एसएसएल (https) के माध्यम से सुरक्षित हैं।

दोनों परिसरों में 10 जीबीपीएस की बैंडविड्थ

उत्तर और दक्षिण परिसर और संबंधित महाविद्यालयों दोनों में बैंडविड्थ उपयोग का उपयोग इसकी पूरी क्षमता के लिए किया गया था। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) ने 10 जीबीपीएस बैंडविड्थ प्रदान करना जारी रखा। दिल्ली विश्वविद्यालय देश भर में एनकेएन संसाधनों के उच्चतम उपयोगकों में से एक बना हुआ है।

कैंपस कनेक्ट प्रोजेक्ट

वाई-फाई नेटवर्क के संवर्धन और मजबूत बैकएंड स्थापित करने के लिए एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान के साथ, डीयूसीसी ने सभी विभागों के लिए संयोजकता को फिर से स्थापित किया और मौजूदा 1 जीबीपीएस से 10 जीबीपीएस तक समाप्त बैंडविड्थ बढ़ाया। कोर स्विचों और वितरण स्विचों के बीच बैंडविड्थ को 10 जीबीपीएस से बढ़ाकर 40 जीबीपीएस करने की परिकल्पना की गई है। नेटवर्क की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए परिसर में इमारतों को रिंग आर्किटेक्चर के साथ एक हाइब्रिड नेटवर्क के माध्यम से जोड़ा जाएगा। पूरे परिसर के भवन रिंग का हिस्सा होंगे और दो तरफ से जुड़े होंगे ताकि नेटवर्क एक तरफ से बाधित होने पर भी नेटवर्क उपलब्ध रहे।

कैंपस वाइड सॉफ्टवेयर

डीयूसीसी ने विश्वविद्यालय के संकाय, कर्मचारियों, शोध विद्वानों, पीजी और यूजी छात्रों के उपयोग के लिए निम्नलिखित नेटवर्क लाइसेंस सॉफ्टवेयर प्रदान करना जारी रखा है:

एसपीएसएस वी 22 + एएमओएस (विंडोज 32 बिट और 64 बिट, यूनिक्स और मैक प्लेटफॉर्म) मैटलैब आर 2014 बी (विंडोज 32 बिट और 64 बिट, यूनिक्स और मैक प्लेटफॉर्म) सिग्मा प्लॉट 12 (केवल विंडोज के लिए) विश्वविद्यालय ने माइक्रोसॉफ्ट कैंपस लाइसेंस भी प्राप्त किया है जिसमें सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विभिन्न विभागों के छात्र प्रयोगशालाओं के लिए विंडोज, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस शामिल हैं।

एएए प्रमाणीकरण के साथ उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों में कैंपस विस्तृत वाई-फाई

कैंपस वाइड वाई-फाई को सफलतापूर्वक शुरू किया गया और उत्तर और दक्षिण दोनों कैंपस में चलाया गया। यह सेवा विश्वविद्यालय के संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। वर्तमान में सभी संकाय, कार्मिक और छात्र जो वाई-फाई सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं, उन्हें व्यक्तिगत लॉगिन और पासवर्ड के साथ परिसर में वाई-फाई का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की गई है। वाई-फाई सेटअप को व्यक्तिगत इंटरनेट उपयोगकर्ता स्तर पर प्रमाणीकरण, प्राधिकरण और लेखा (एएए) के लिए बनाया गया है। 6000 से अधिक उपयोगकर्ता पहले ही कैंपस वाई-फाई सुविधा का लाभ उठा चुके हैं, और यह गिनती दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

नेटवर्क की निगरानी

वाई-फाई नेटवर्क की सक्रिय रूप से निगरानी करने के लिए, मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर (ज़ब्बिक्स) स्थापित किया गया है जो सक्रिय समस्या निवारण में मदद कर सकता है और नेटवर्क, सर्वर और अनुप्रयोगों के लिए अधिकतम अपटाइम बनाए रखने में मदद कर सकता है।

महाविद्यालय नेटवर्क

सभी ऑफ-कैंपस महाविद्यालयों के लिए 100 एमबीपीएस की बैंडविड्थ जारी रही। इंटरनेट सेवाओं के अधिकतम अपटाइम को बनाए रखने की आवश्यकता को देखते हुए, डीयूसीसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं कि महाविद्यालय वीपीएन संयोजकता रिंग आर्किटेक्चर में होनी चाहिए। एक तरफ से वीपीएन संयोजकता के व्यवधान के मामले में, नेटवर्क रिंग के दूसरी तरफ से उपलब्ध रहता है।

यूट्यूब के माध्यम से लाइव वेबकास्टिंग

डीयूसीसी विश्वविद्यालय के सभी प्रमुख कार्यक्रमों जैसे वार्षिक दीक्षांत समारोह, स्थापना दिवस, शताब्दी कार्यक्रम आदि का सीधा प्रसारण करता रहा है। डीयूसीसी फोटोग्राफ और वीडियो का एक कोष glimpses.du.ac.in पर है।

डीयूसीसी में आयोजित माइक्रोसॉफ्ट कैंपस लाइसेंस प्रशिक्षण

डीयूसीसी ने संकाय, कार्मिक, अध्येता, स्नातकोत्तर छात्रों, महाविद्यालय सिस्टम प्रशासक/तकनीकी स्टाफ के लिए विभिन्न ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जो बुनियादी से लेकर उन्नत पाठ्यक्रमों तक के सभी वर्टिकल को कवर करते हैं।

नियमित कार्यकलाप

नई पहलों के अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर सेंटर (डीयूसीसी) भारत के सबसे बड़े शैक्षिक आईटी नेटवर्क को डिजाइन और प्रशासित करता है, जो वायर्ड नेटवर्क के माध्यम से 15000 से अधिक उपकरणों को और इंटरनेट जरूरतों के लिए वाई-फाई पर 1.5 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं को राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के माध्यम से आज तक फीड करता है। डीयूसीसी विश्वविद्यालय के मुख्य आईटी बुनियादी ढांचे का प्रबंधन कर रहा है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

सर्वर, कोर स्विच, जोनल स्विच, राउटर, यूटीएम डिवाइस, स्टोरेज आदि सहित 60 से अधिक सक्रिय उपकरणों के साथ डेटा सेंटर।

400 से अधिक नेटवर्क स्विच (और बढ़ते हुए) वाई-फाई उपकरण युक्त वायर्ड उपकरण जिसमें 100+ स्विच और 500 वायरलेस एक्सेस पॉइंट शामिल हैं दोनों परिसरों में 43 किलोमीटर का फाइबर ऑप्टिक केबल नेटवर्क बिछाया गया

विश्वविद्यालय की मुख्य वेबसाइट, डीएनएस, प्रॉक्सी, ईमेल, पेमेंट गेटवे, लाइसेंस और वेबकास्ट सर्वर के साथ महाविद्यालय और विभाग की वेबसाइट जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों की मेजबानी करने वाले सर्वर।
परीक्षा, प्रशासन, वित्त, मुक्त शिक्षा विद्यालय, पुस्तकालय कैटलॉग और ब्रेल सॉफ्टवेयर आदि के लिए कोलोकेशन सर्वर।

डीयूसीसी सक्रिय रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट का सामग्री प्रबंधन, तकनीकी सहायता और विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज पर नियमित अपडेट, महाविद्यालयों/विभागों/केंद्रों के लिए वेब होस्टिंग सेवाएं, संकाय सदस्यों की वेब होस्टिंग सेवाएं भी कर रहा है। नेटवर्क और वेबसाइट डिजाइनिंग और रखरखाव के अलावा, डीयूसीसी ने सफलतापूर्वक तकनीकी सहायता प्रदान की है और सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला, स्टूडियो व्याख्यान, ज्ञानोदय, वार्षिक दीक्षांत समारोह, अंतर्ध्वनि आदि जैसे कार्यक्रमों के लिए वीडियो होस्ट किए हैं।

डीयूसीसी में 1500 से अधिक सदस्य हैं जिनमें पीजी छात्र, अध्येता, संकाय और कार्मिक शामिल हैं जो मुफ्त में इंटरनेट और प्रिंटिंग सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। डीयूसीसी के भविष्य में कैंपस और महाविद्यालय वाई-फाई का वस्तुतः संयोजन शामिल है ताकि उपयोगकर्ता स्थान के बावजूद इंटरनेट से जुड़े रहें। यह अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए निर्बाध संयोजकता सुनिश्चित करेगा।

विश्वविद्यालय वेबकास्ट लाइव स्ट्रीमिंग की विभिन्न इकाइयों के लिए आईसीटी वीपीएस का प्रावधान

डीयू के प्रमुख आयोजनों के लिए तकनीकी अवसंरचना का प्रावधान। एसी/ईसी बैठकें, कोर्ट मीटिंग और अन्य प्रमुख कार्यक्रम/बैठकें। इसमें वाई-फाई सेटअप, कंप्यूटिंग सुविधाएं आदि शामिल हैं।
ई-प्रोक्योरमेंट और जीईएम का प्रबंधन

विश्वविद्यालय समुदाय को सभी ई-प्रोक्योरमेंट और जीईएम संबंधित उपयोगिताओं के समाधान के एकल बिंदु प्रदान किए जाते हैं।

प्रशासनिक इकाइयों और विभागों को निम्नलिखित सहायता प्रदान की जाती है:- जीईएम खातों का प्रावधान और सुविधा प्रदान करना।

ई-प्रोक्योरमेंट खातों का प्रावधान और सुविधा प्रदान करना।

विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों, विभागों, महाविद्यालयों से डीयू के अधिकारियों/संकाय के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।
जीईएम-594 704 121 129 विभागों के उपयोगकर्ता
डीयू ई-प्रोक्योरमेंट उपयोगकर्ता: 58 विभागों और 37 महाविद्यालयों के लगभग 550 उपयोगकर्ता

***

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय सिस्टम (डीयूएलएस)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय सिस्टम (डीयूएलएस) भौतिक और आभासी संग्रह और संबंधित सूचना सेवाओं का एक संघ द्वारा प्रबंधित संयोजन है, जहां एक तरफ, पुस्तकालय होल्डिंग की पारंपरिक सिस्टम को बनाए रखा जाता है और दूसरी तरफ, आईसीटी आधारित सेवाओं को लागू किया जाता है। पुस्तकालय सिस्टम ने नए संशोधित अध्यादेश XVI को ध्यान में रखते हुए, अपने 33 घटक पुस्तकालयों के माध्यम से प्रदान की गई पुस्तकालय और सूचना सेवाओं को सुधारने के लिए कई उपाय किए हैं। एक संक्षिप्त सूची नीचे दी गई है।

प्रिंट संसाधन

पुस्तकालय सिस्टम ने कैपिटल एसेट्स बजट से खरीदकर अपने संग्रह में 6574 संस्करणों की पुस्तकों को जोड़ा। 31-03-2023 को कुल कलेक्शन 1716705 वॉल्यूम हैं। डीयूएलएस द्वारा अभिलिखित वर्तमान प्रिंट पत्रिकाएं 998 हैं जिनका नवीकरण अनुरक्षण अनुदान से किया गया है। इसमें 49173 थीसिस/शोध-प्रबंध का सुव्यवस्थित संग्रह भी है।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

डीयूएलएस ने उपयोगकर्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की पहुंच को सुदृढ़ रखना जारी रखा। विभिन्न शाखाओं और शाखाओं में 49 इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस हैं जो विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ता समुदाय के लिए उपलब्ध हैं।

ऑडियो पुस्तक संसाधन और ब्रेल पुस्तकालय

ब्रेल पुस्तकालय दृष्टिबाधित छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण, सीखने और अनुसंधान का समर्थन करने में सक्रिय रूप से कार्यरत है। इसमें 3 ऑडियो बुक प्रोडक्शन स्टूडियो, 1 उच्च क्षमता वाले ब्रेल एम्बॉसर, डेज़ी सिस्टम, स्पर्शा, ओबीआई, पुट्टी, सिगतुना, जॉ, डक्सबरी, लीप ऑफिस आदि जैसे सॉफ्टवेयर के साथ 22 नवीनतम कंप्यूटरों का नेटवर्क है। 1863 ऑडियो पुस्तकें, 2020 ब्रेल पुस्तकें, 1873 ई-पाठ और ई-पब प्रारूप में 403 पुस्तकें हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 15 सदस्य नामांकित हैं। इसने सीडी और पैन ड्राइव पर 200 किताबें प्रसारित की हैं। ब्रेल पुस्तकालय भी सुगम्य पुस्तकालय का सदस्य है जिसके तहत उपयोगकर्ता दूरस्थ पहुंच द्वारा ऑडियो पुस्तकों या ई-पाठ के रूप में अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकता है।

अन्य प्रमुख पुस्तकालयों में गतिविधियाँ

केंद्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित)

केंद्रीय पुस्तकालय पिछले वित्तीय वर्ष में 4926 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और 21967 पुस्तकों के प्रसार के साथ 1930 खंडों का संग्रह जोड़ने में सक्षम रहा है। पुस्तकालय छात्रों और शिक्षकों को साहित्यिक चोरी जाँच सेवाएँ प्रदान कर रहा है। शोध कार्य की जांच करने और समानता रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ एक समर्पित डेस्क स्थापित किया गया है। पुस्तकालय प्रिंट प्रारूप में 248 पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। केंद्रीय पुस्तकालय में थीसिस और शोध प्रबंध का कुल संग्रह 49173 है। आगरा, बनारस, प्रियराज, रोहतक, महेंद्रगढ़, केरल, कर्नाटक और मुंबई आदि जैसे बाहरी विश्वविद्यालयों के कई आगंतुकों ने पुस्तकालय का दौरा किया।

केंद्रीय विज्ञान पुस्तकालय

केंद्रीय विज्ञान पुस्तकालय में 38278 पुस्तकों के प्रसार के साथ 2555 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता है। पुस्तकालय ने जेसीसीसी के माध्यम से देश के विभिन्न पुस्तकालयों से कई दस्तावेज/लेख प्राप्त किए और भेजे। प्रिंट और ऑनलाइन सहित वर्तमान पत्रिकाओं की सदस्यता 195 है।

रतन टाटा पुस्तकालय

रतन टाटा पुस्तकालय में 1059 यूजर्स की सदस्यता है। आरटीएल ने विभिन्न संसाधनों और एक उच्च अंत सर्वर तक पहुंचने के लिए 107 टर्मिनलों के साथ अपनी कंप्यूटिंग सुविधा और अद्वितीय ई-लाइब्रेरी को बढ़ाया है। आरटीएल की कुल आवधिक सदस्यता प्रिंट और ऑनलाइन पत्रिकाओं सहित 236 है। इसके संग्रह में लगभग -1500 थीसिस और शोध प्रबंध भी हैं। यह संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार के प्रकाशनों के जमा केंद्र के रूप में भी कार्य करता है।

दक्षिण दिल्ली कैंपस

दक्षिण दिल्ली कैंपस पुस्तकालय पिछले वित्तीय वर्ष में 1277 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और लगभग 9528 पुस्तकों के प्रसार के साथ 1458 खंडों का संग्रह जोड़ने में सक्षम रहा है। इसमें 104 प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता है, पत्रिकाओं के 15928 बैक वॉल्यूम हैं और यह पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। पुस्तकालय कार्यकलाप जैसे परिसंचरण-मुद्दा-वापसी, अनुस्मारक, सदस्यता, अधिग्रहण-आदेश और बिलिंग, सीरियल कंट्रोल, ओपेक ड्रूडन पुस्तकालय प्रबंधन सिस्टम का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित वातावरण में होती हैं।

संगीत और ललित कला पुस्तकालय संकाय

संगीत और ललित कला पुस्तकालय में 602 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता के साथ 16793 पुस्तकों का कुल संग्रह है। इसके डिजिटल संग्रह में 344 ब्रेल पुस्तकों के अलावा 2643 कैसेट, 1187 सीडी और 104 टॉकिंग पुस्तकें हैं। ऑडियो-विजुअल पुस्तकालय के विस्तार के रूप में, इसमें 10 सीडी प्लेयर के साथ एक श्रवण कक्ष है जहां छात्र ऑडियो सामग्री सुन सकते हैं।

प्रशिक्षण की श्रेणी	**आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या और विषय**	
ई-गवर्नेंस कार्यक्रम और आईटी परियोजनाएं	समर्थ ई-गवर्नेंस ईआरपी, यूजी/पीजी/पीएच.डी. प्रवेश पोर्टल, महाविद्यालयों, विभागों और छात्रों के लिए परीक्षा पोर्टल, उत्तर पुस्तिकाएं अपलोड करने के लिए प्रशासन, मूल्यांकनकर्ताओं और छात्रों के लिए ओबीई पोर्टल।	59
विशिष्ट प्रशिक्षण	समर्थ पोर्टल के विशिष्ट मॉड्यूल अर्थात कार्मिक प्रोफाइल, पेरोल प्रबंधन सिस्टम, अवकाश प्रबंधन सिस्टम, संपदा और भवन, इन्वेंटरी प्रबंधन सिस्टम, विक्रेता प्रबंधन सिस्टम, फ़ाइल ट्रैकिंग सिस्टम, आईटी समर्थन/हेल्पडेस्क	44
सामान्य प्रशिक्षण	सरकारी ई-मार्केटप्लेस/केंद्रीय सार्वजनिक प्रापण पोर्टल विश्वविद्यालय और उसके महाविद्यालयों के प्रशासनिक कर्मचारियों/संकाय के लिए प्रशिक्षण	24
अन्य	इंटरनेट प्रौद्योगिकियाँ और ईमेल, वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क प्रशिक्षण	19

सम्मान/गौरव

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रदर्शनी

डॉ. राजेश सिंह, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष ने विभिन्न मुद्दों पर कार्यशालाओं में कई व्याख्यान दिए हैं जो अकादमिक समुदाय के लिए रुचि रखते थे। इसके अलावा, उन्होंने कई अकादमिक वार्ताओं में एक पैनलिस्ट के रूप में भी काम किया है। कुछ गतिविधियां निम्नानुसार हैं:-

डॉ. राजेश सिंह ने 10-12 नवंबर 2022 तक वेबमेट्रिक्स, इन्फोमेट्रिक्स एंड साइंटमेट्रिक्स (विस) & 21 सेंचुरी, थाईलैंड पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया है।

डॉ. राजेश सिंह ने 17 से 19 नवंबर 2022 तक 3 दिवसीय सम्मेलन 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन ऑटोमेशन ऑफ लाइब्रेरीज़ इन एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस (कैलिबर) 2022 में भाग लिया।

डॉ. राजेश सिंह को एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन (असिला) द्वारा शनिवार, 26 नवंबर 2022 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में "चैलेंजेज बिफोर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स" पर एक पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. राजेश सिंह ने एशियाई विशेष पुस्तकालयों के 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "पांचवीं औद्योगिक क्रांति की ओर एशियाई विशेष पुस्तकालयों को आगे बढ़ाना" विषय के साथ एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन का आयोजन विशेष पुस्तकालय संघ एशिया समुदाय द्वारा किया गया था। (एसएलए एशिया) 22-24 फरवरी 2023 के दौरान सेबू सिटी, फिलीपींस में।

- डीयूएलएस द्वारा निम्नलिखित कार्यकलापों, कार्यशाला और वेबिनार आयोजित किए गए, जिन्हें उपयोगकर्ता से भारी प्रतिक्रिया मिली:
- 7 अप्रैल 2022 को आयोजित "अनुसंधान में वेब ऑफ साइंस का उपयोग" पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

5-8 अप्रैल 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में "ट्रांसफॉर्मिंग एकेडमिक लाइब्रेरी: इवोल्यूशन, इनोवेशन, क्वालिटी, ट्रांसफ़िगरेशन" विषय पर अकादमिक पुस्तकालयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICAL-2023) का आयोजन किया।

प्रोक्वेस्ट के सहयोग से एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया, 14 जुलाई 2022 को आयोजित 'नया पीक्यूडीटी ग्लोबल & प्रशस्ति-पत्र कनेक्शन: नई अंतर्दृष्टि के साथ अपनी साहित्य समीक्षा को पहचानना' पर क्लेरिवेट का हिस्सा।

28 जुलाई 2022 को सेज पब्लिशिंग द्वारा लेखक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में सूचना साक्षरता और खोज रणनीतियों पर सत्र आयोजित किया गया।

शोध चक्र के लिए सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट), गांधीनगर के साथ एक समझौता-ज्ञापन

पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

शोध चक्र के कार्यान्वयन: एक ऑनलाइन अनुसंधान प्रबंधन सिस्टम की शुरुआत की।

du.irins.org में संकाय प्रोफाइल के निर्माण के लिए समर्थन देने के लिए डीयू अनुसंधान सूचना प्रबंधन (डीयूआरआईएम) टीम बनाई गई।

एक उपयोगकर्ता जागरूकता वेबिनार 'मेंडली का उपयोग करके संदर्भ प्रबंधित करना आसान हो गया' पर आयोजित किया जाता है। ई-पुस्तकों के पूर्ण पाठ लिंक के साथ ग्रंथ सूची विवरण डीयू ई-लाइब्रेरी के साथ-साथ ई-बुक पोर्टल पर भी खरीदा और अपलोड किया गया था।

पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर डीयू ई-लाइब्रेरी की ऑनलाइन कार्यशाला, 12 अगस्त 2022।

'अकादमिक साहित्यिक चोरी, आईपीआर और साहित्यिक चोरी परीक्षण' पर वेबिनार 18 अगस्त 2022 को आयोजित किया गया था।

22 सितंबर, 2022 को सीएमआईई के सहयोग से डेटाबेस प्रोवेस आईक्यू पर इंटरएक्टिव प्रशिक्षण सत्र।

इकोन: सीएमआईई के सहयोग से वित्तीय विश्लेषण और ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला 28 अक्तूबर 2022 को आयोजित की गई थी।

डॉ.क्टोरल रिसर्च की दीक्षांत प्रदर्शनी का आयोजन 24-28 फरवरी 2023 को किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रो. बलराम पाणि ने की

- सुविधाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय ई-लाइब्रेरी

डीयू ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म 3 दिसंबर 2021 को शुरू किया गया था। डीयू ई-लाइब्रेरी अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ जुड़ने और उन्हें लाखों डीयू-सब्सक्राइब्ड और ओपन एक्सेस ई-रिसोर्सेज, कहीं भी, कभी भी और किसी भी डिवाइस पर सेवा देने की नवीनतम पहल है।

डीयू ई-लाइब्रेरी निम्नलिखित के लिए एक सामान्य प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करती है:

विली, एल्सेवियर, सेज, डीग्रुटियर, ब्रिल, आईजीआई ग्लोबल, वर्ल्ड साइंटिफिक, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस और कई गोल्ड्स स्टैंडर्ड ओपन एक्सेस पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म सहित टॉप रेटेड भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों की 20,000+ ई-पुस्तकें।

स्प्रिंगर, टेलर और फ्रांसिस, ओयूपी, सीयूपी, एसीएस, आईओपी, सेज, डीग्रुटियर और अधिक जैसे सबसे प्रसिद्ध प्रकाशकों से 25,000+ ई-जर्नल।

भारत और विदेशों के 1000+ विश्वविद्यालयों से 10,00,000+ ईशोध और शोध प्रबंध।

आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईएसबी, एमआईटी, हार्वर्ड, येल, यूसीआई जैसे कई विदेशी विश्वविद्यालयों, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री और टेड-ईडी जैसे कई प्रकाशक प्रसारण चैनलों से

1,30,000+ वीडियो व्याख्यान।

कानूनी डेटाबेस में लेक्सिसनेक्सिस, एससीसी ऑनलाइन, वेस्टलॉ और मनुपत्र शामिल हैं।

50+ ई-न्यूज़ प्रकाशनों जैसे टीओआई, द हिंदू, सीएनएन, टाइम, आदि से समाचार।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी में उभरते क्षेत्रों पर विषय संग्रह विशेषज्ञ वार्ता के 1000 और अवकाश पढ़ने के लिए अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में साहित्यिक कार्य।

प्लेटफॉर्म को निम्नलिखित का भी समर्थन है:

विद्वानों के लिए सभी सब्सक्राइब्ड और ओपन एक्सेस प्रकाशकों से नवीनतम शोध लेखों की खोज करने के लिए एक सिंगल क्लिक डिस्कवरी विंडो; इस प्रकार, समय और प्रयास की बचत।

भविष्य के संदर्भ के लिए सामग्री को सहेजने के लिए छात्रों के लिए एक व्यक्तिगत पठन सूची सुविधा।

एक इनबिल्ट रिमोट ऑथेंटिकेशन लेयर जो सभी सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को छात्रों के लिए 24x7, कहीं से भी सुलभ बनाती है।

अद्वितीय 'सोशियो लिब' सुविधा जो उपयोगकर्ताओं को साथियों का अनुसरण करने और सामाजिक तरीके से पुस्तकालय संसाधनों की खोज करने की सुविधा देती है।

डीयू ई-लाइब्रेरी की सुविधा मोबाइल ऐप के माध्यम से स्मार्ट फोन पर भी उपलब्ध है।

छात्रों के अनुरोधों को पूरा करने और प्लेटफॉर्म का पूरा लाभ उठाने में उनकी मदद करने के लिए सेवा प्रदाता द्वारा एक प्रतिक्रिया टीम भी स्थापित की गई है।

समानता का पता लगाना: केंद्रीय पुस्तकालय अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य के लिए समानता का पता लगाने का काम जारी रखे हुए है। सेंट्रल पुस्तकालय ने पदोन्नति के लिए कुल 2756 पीएच.डी. थीसिस और एम.फिल शोध प्रबंध, अन्य शोध कार्य और संकाय शोध-पत्रों को सत्यापित किया है।

मानव संसाधन विकास: पुस्तकालय परिचर का प्रशिक्षण 26 मई 2022 से 1 जून 2022 तक आयोजित किया गया था। अर्ध व्यावसायिक सहायकों के लिए प्रशिक्षण 9 जून 2022 से 15 जून 2022 तक आयोजित किया गया था।

सूचना साक्षरता कार्यक्रम: डीयूएलएस छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों को प्रभावी ढंग से और कुशलता से जानकारी प्राप्त करने, मूल्यांकन करने, उपयोग करने और बनाने के लिए सशक्त बनाने की दृष्टि से अपनी सूचना साक्षरता कार्यकलापों को जारी रखता है। डीयूएलएस अभिविन्यास कार्यक्रम,

कार्यशालाएं और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण आयोजित करता है।

संकाय प्रकाशन कॉर्नर का उद्घाटन: दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित पुस्तकों से युक्त एक संकाय प्रकाशन कार्नर विकसित किया गया है। केंद्रीय पुस्तकालय के मुख्य हॉल में, इसका उद्घाटन महाविद्यालयों के डीन प्रो. बलराम पाणि द्वारा किया जाता है।

- अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डीयूएलएस–वेबसाइट

डीयूएलएस -वेबसाइट जिसमें चयनित पुस्तकालयों (ओपेक) की सूची शामिल है; ई-संदर्भ, ई-पत्रिकाओं की ए-जेड सूची, ऑनलाइन सूचना साक्षरता ट्यूटोरियल, विषय पोर्टल, अपने लाइब्रेरियन से पूछो, खुली पहुंच संसाधनों और कई अन्य उपयोगकर्ता के अनुकूल सुविधाओं सहित इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच का प्रावधान प्रचालन में है।

- ई-पुस्तकें

वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान, डीयूएलएस परपेचुअल एक्सेस मोड में ई-बुक टाइटल प्राप्त करने में सक्षम रहा है। वर्तमान में, डीयूएलएस में ई-पुस्तकों की कुल संख्या 86586 है। इन ई-पुस्तकों के ग्रंथ सूची विवरण को पहुंच प्रदान करने के लिए डीयूएलएस ओपेक में शामिल किया गया है। इसके अलावा, विभिन्न शेयरधारकों द्वारा उपयोग के लिए एक ई-बुक खोज सुविधा भी विकसित की गई है। यह *www.eb.du.ac.in.* पर उपलब्ध है

***

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह-शिक्षा विद्यालय

- पूर्व-छात्रों का पुनर्मिलन

हमें अपने पूर्व-छात्रों के लिए एक पुनर्मिलन की मेजबानी करने में खुशी हुई, जिन्होंने स्कूल की स्मृतियांसाझा कीं और भविष्य के प्रयासों के लिए अपना समर्थन देने का वादा किया।

- पुरस्कार और सम्मान

हमने अपने उत्कृष्ट छात्रों और शिक्षकों को उनके असाधारण योगदान और उपलब्धियों के लिए मानयता दी और सम्मानित किया।

- प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

इस वर्ष का मुख्य आकर्षण हमारे स्कूल का प्लेटिनम जुबली समारोह था जो शैक्षिक उत्कृष्टता के 75 वर्षों के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह और डॉ.

विकास गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव का इस कार्यक्रम में शामिल होने पर आभार प्रकट करते हैं। हमारे छात्रों ने खेल, कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं आदि सहित विभिन्न पाठ्येतर कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उपलब्धियां:

- जोनल साइंस डिबेट में कक्षा 9वीं की उदिति द्वितीय स्थान पर थी।
- क्षेत्रीय कविता प्रतियोगिता में सातवीं कक्षा की दीक्षा तृतीय स्थान पर रही।

सुविधाएं:

1. सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशाला
2. कंप्यूटर लैब
3. पुस्तकालय
4. साफ और स्वच्छ शौचालय
5. स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर योगेश सिंह ने प्लेटिनम जुबली समारोह पर अपने संबोधन में वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर अपग्रेड करने के हमारे स्कूल के प्रयास का समर्थन करने का आश्वासन दिया।
इस कारण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हमारे छात्रों को व्यापक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ (डीयूडब्ल्यूए) एक सामाजिक कल्याण संगठन है और 31 अक्तूबर, 1964 को केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली तक विस्तारित सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (पंजाब संशोधन अधिनियम 1957) के अंतर्गत पंजीकृत किया गया था। यह दिल्ली विश्वविद्यालय में और उसके आसपास महिलाओं के लाभ के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक, शैक्षिक और आर्थिक कार्यकलापों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। डूवा की शुरुआत एक सामाजिक कार्यकर्ता, एक महान दूरदर्शी और तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर सी.डी. देशमुख की पत्नी डॉ. दुर्गाबाई देशमुख ने वंचित और वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने की दृष्टि से की थी।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

यमुना सफाई अभियान का आयोजन 5 मई 2022 को किया गया था। 21 जून 2022 को मानवता के लिए योग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। वन महोत्सव 1 -7 जून 2022 तक मनाया गया। शिक्षक और अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 जुलाई 2022 को आयोजित किया गया था। 23 जुलाई 2022 को "परिवार, स्कूल और समुदाय के बीच शैक्षिक नैतिकता अंतर" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 27 अगस्त 2022 को "भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भागीदारी" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। Couple of other activities were also organized. कुछ अन्य कार्यकलापों का भी आयोजन किया गया।

सुविधाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ निम्नलिखित इकाइयां संचालित करता है: 1. प्ले स्कूल-उषा गांगुली शिशु विहार और दुर्गाबाई देशमुख बलवाड़ी प्ले स्कूल 2. डे केयर सेंटर-वात्सल्य 3. पीएच.डी. और कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास 4. माइंड बॉडी सेंटर- प्राकृतिक चिकित्सा, परामर्श सेवाएं और होमियोपैथ 5. स्मारिका की दुकान 6. सहयोग-वंचित बच्चों के लिए ट्यूशन 7. कौशल विकास पाठ्यक्रम- कंप्यूटर पाठ्यक्रम, संगीत, पेंटिंग, क्राफ्ट/स्टिचिंग, डांस क्लास, कुकिंग और बॉडी केयर। 8. विदेशी भाषा पाठ्यक्रम-जर्मन, चीनी, स्पेनिश 9. दृष्टि- शारीरिक और दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षण और परियोजना कार्य 10. दयालुता की दीवार-आसपास के समुदायों में गरीब लोगों के लिए मदद करने वाला हाथ दिल्ली विश्वविद्यालय।

इस गतिविधि का प्राथमिक उद्देश्य डीयू ब्रांड को बढ़ावा देना और साथ ही छात्रों और डीयू समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच गर्व और अपनेपन की भावना पैदा करना है। स्मारिका वस्तुओं के डिजाइन और बिक्री का प्रबंधन दुवा सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। कुछ स्मारिका वस्तुओं जैसे फ़ोल्डर, स्वेटशर्ट, बैग, पेन, की चेन, मग आदि की बहुत मांग रही है।

सहयोग : सहयोग कार्यक्रम पड़ोस के I-XII तक के स्कूली छात्रों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करने के उद्देश्य से मदद करता है। इस ट्यूशन सहायता कार्यक्रम में, बच्चों को पौष्टिक स्नैक्स और स्वास्थ्य पेय परोसा जाता है। कक्षाएं सप्ताह में छह दिन दोपहर 3-5 बजे से आयोजित की जाती हैं, और इस कार्यक्रम में लगभग 40 बच्चे नामांकित हैं।

दृष्टि : डीयूडब्ल्यूए के सदस्यों ने दिल्ली विश्वविद्यालय में दृष्टिबाधित छात्रों की जरूरतों को संबोधित करके दृष्टि कार्यक्रम के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सदस्य पाठ पढ़ते हैं और रिकॉर्ड करते हैं, अध्ययन सामग्री की व्यवस्था करते हैं और दृष्टिबाधित लोगों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं।

जागृति : महिलाओं में कैंसर की बढ़ती घटनाओं को पहचानते हुए यह कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच व्याख्यान, चर्चा, स्क्रीनिंग शिविर, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं और अन्य कार्यकलापों के आयोजन के माध्यम से जागरूकता प्रसार करने का प्रयास करता है।

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम : इस चार महीने के कंप्यूटर कोर्स में जो बुनियादी ज्ञान प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है जिसमें एमएस-वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, एक्सेस और इंटरनेट शामिल हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लड़कियों को बुनियादी कंप्यूटर कौशल प्राप्त करने में मदद करना है।

भाषा परिचय कार्यक्रम : डीयूडब्ल्यूए, सदस्यों, डीयू कार्मिकों, शिक्षकों और छात्रों के लिए नि:शुल्क अल्पकालिक भाषा परिचित पाठ्यक्रम आयोजित करने की पहल कर रहा है। कार्यक्रम चीनी भाषा के तीन महीने के पाठ्यक्रम के साथ शुरू हुआ।

***

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, जिन्होंने अपने अध्ययन के माध्यम के रूप में हिंदी का विकल्प चुना है, के लाभार्थ मुख्यत सामाजिक विज्ञान और मानविकी पर हिंदी में उच्च मानक पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करता है। हमने अब तक इतिहास, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, वाणिज्य, कानून, खेल और शारीरिक शिक्षा, अर्थशास्त्र, दर्शन, भूगोल, साहित्य, संगीत आदि सहित विभिन्न शाखाओं में लगभग 280 पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

वर्ष 2023-2024 के लिए, निदेशालय के पास पांच नए शीर्षक, पांच संशोधित संस्करण और सौ से अधिक पुनर्मुद्रण प्रकाशित करने के लिए तैयार हैं। इनमें से 17 पुस्तकें शीघ्र ही मुद्रण के लिए भेजी जा रही हैं जिनमें 4 नए शीर्षक शामिल हैं।

***

समान अवसर प्रकोष्ठ

दिल्ली विश्वविद्यालय के समावेशी विश्वविद्यालय की दृष्टि और दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के मिशन के लिए प्रतिबद्ध, समान अवसर प्रकोष्ठ ने अप्रैल 2022-मार्च 2023 की अवधि के दौरान ऐसे छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाओं के सुधार की दिशा में प्रयास जारी रखा है। इसके कुछ प्रमुख कार्यकलापों का विवरण नीचे दिया गया है:

स्वयंसेवी सहायता :

समान अवसर प्रकोष्ठ शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए दिव्यांग छात्रों को आवश्यकता-आधारित स्वयंसेवी सहायता प्रदान करता है। इस वर्ष अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक समान अवसर प्रकोष्ठ में 7632 घंटों का उपयोग किया गया। इस समर्थन ने दिव्यांग छात्रों को पढ़ने की सेवाओं, उनके असाइनमेंट को पूरा करने और उनके फॉर्म भरने आदि के मामले में महत्वपूर्ण मदद प्रदान की है।

पठन सामग्री का सुलभ प्रारूप में रूपांतरण :

दृष्टिबाधित छात्रों के अध्ययन के लिए सुलभ प्रारूप में सामग्री की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, इस वर्ष सुलभ पठन सामग्री के हमारे संग्रह में लगभग एक लाख पृष्ठ जोड़े गए। समान अवसर प्रकोष्ठ ने यह काम एक नई पहल अर्थात केबो कैमरा-स्कैनर के साथ किया था। इस डिवाइस की मदद से अब हिंदी और कुछ अन्य भारतीय भाषाओं की पुस्तकों को ई-टेक्स्ट फॉर्मेट में तेज गति से बदलना संभव होगा।

प्रवेश :

प्रत्येक वर्ष की तरह, रिपोर्ट अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक दिव्यांग छात्रों को महत्वपूर्ण परामर्श और सहायता प्रदान की गई। ऐसे छात्रों और उनके माता-पिता को व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने उन्हें अपने प्रश्नों और कठिनाइयों को हल करने में मदद की।

सांकेतिक भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय दिवस :

23 सितंबर **2022** को**,** दुनिया भर में विभिन्न सांकेतिक भाषाओं को पहचानने और बढ़ावा देने के लिए बधिर समुदायों के लिए समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा सांकेतिक भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। सांकेतिक भाषा बधिर लोगों के लिए एक आवश्यक मानव अधिकार है और मानव अधिकारों के लिए संकेत है। बड़ी संख्या में प्रतिभागी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और समान अवसर प्रकोष्ठ ने प्रतिभागियों को सांकेतिक भाषा के महत्व और **बधिर** लोगों की भाषाई पहचान के बारे में जागरूक किया।

दिव्यांगता अध्ययन केंद्र:

समान अवसर प्रकोष्ठ ने दिव्यांगता अध्ययन केन्द्र की स्थापना के लिए सक्रिय रूप से समन्वय किया है। विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने विश्वविद्यालय के अध्यादेश 20Q के तहत दिव्यांगता अध्ययन केंद्र की स्थापना को मंजूरी दी। प्रोफेसर अनिल के. अनेजा को निदेशक और प्रोफेसर बिपिन के तिवारी को दिव्यांग अध्ययन केंद्र के विशेष ड्यूटी (ओएसडी) अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिव्यांग व्यक्तियों के संबंध में शुल्क की रियायत/छूट

वर्ष 2012 से शारीरिक रूप से निशक्त व्यक्तियों को प्रवेश शुल्क**,** दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की

सदस्यता और विश्वविद्यालय या उसके महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर या अन्य पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने के लिए पहचान-पत्र शुल्क को छोड़कर परीक्षा-शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क सहित सभी देय शुल्क माफ कर दिए गए हैं।

अन्य कार्यकलाप:

समान अवसर प्रकोष्ठ ने इस अवधि के दौरान कई पहल की जैसे:

- दिल्ली विश्वविद्यालय ने ऐतिहासिक शताब्दी वर्ष के स्मरणोत्सव के प्रतीक के रूप में 1 मई 2022 से 1 मई 2023 तक अपना शताब्दी वर्ष मनाया है। विश्वविद्यालय ने शताब्दी वर्ष के स्मरणोत्सव के हिस्से के रूप में 18.11.2022 को शताब्दी रन का आयोजन किया था। समान अवसर प्रकोष्ठ ने दिव्यांग छात्रों को शताब्दी दौड़ में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और ईओसी कार्यालय की मदद से कई दिव्यांग छात्रों ने शताब्दी रन में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- समान अवसर प्रकोष्ठ ने 12.10.2022 को नई कारों को देखने के लिए एनजीओ निपमैन फाउंडेशन की मदद से ग्रेटर नोएडा में दिल्ली विश्वविद्यालय के दिव्यांग छात्रों के लिए ऑटो एक्सपो की यात्रा का आयोजन किया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय ने 27 अप्रैल 2023 को मन की बात दिव्यांगजन को सशक्त बनाना-सामाजिक परिवर्तन पर एक संवाद का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ माननीय कुलपति ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समावेश, अवसरों और समर्थन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दिव्यांगजनों के संदर्भ में मन की बात के महत्व पर भी प्रकाश डाला है।
- उपर्युक्त स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद, विश्वविद्यालय ने अपने समान अवसर प्रकोष्ठ के माध्यम से, दिव्यांग छात्रों के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए अपनी पूरी कोशिश की है, समान अवसर प्रकोष्ठ को आने वाले वर्ष में सेंटर फॉर डिसएबिलिटी स्टडीज के तत्वाधान में अपनी गतिविधियों का और विस्तार करने की आशा है।

***

विदेशी छात्र रजिस्ट्री

संक्षिप्त विवरण

हमारे पास बहुत सक्रिय छात्र हैं जो यहां अध्ययन करते समय और अपने मूल देशों में वापस पहुंचने के बाद सीखने के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

एफएसआर कार्यालय विदेशी देशों के छात्रों के प्रवेश का ध्यान रखता है। एफएसआर का 60 वर्षों का उतार-चढ़ाव भरा इतिहास रहा है। हमारे पास प्रवेश की दो श्रेणियां हैं : आईसीसीआर प्रायोजित छात्र, और जो

स्वयं शुल्क का भुगतान करते हैं। इस प्रकार हमने सभी महाद्वीपों के छात्रों को देखा है। कुछ प्रसिद्ध विद्वान राष्ट्राध्यक्ष रहे हैं; उनमें से एक को नोबल पुरस्कार भी मिला है। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक अंतर्राष्ट्रीय छात्र समुदाय के बीच वृद्धि हुई है। विदेशी छात्रों के कार्यालय को 8000 से अधिक देशों से 10,000-100 प्रवेश अनुरोध प्राप्त होते हैं (प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों से पीएच.डी. तक)

***

गांधी भवन

संक्षिप्त विवरण

गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 जुलाई 1958 को स्थापित किया गया था। भवन की आधारशिला स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 17 दिसंबर 1959 को रखी थी और 9 सितंबर 1962 को लोक नायक स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण ने इसका उद्घाटन किया था। उद्घाटन समारोह में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों में श्री यू.एन. देभर और श्री जी. रामचन्द्रन शामिल थे। प्रोफेसर सदगोपाल को गांधी भवन का पहला निदेशक नियुक्त किया गया था। गांधी भवन की स्थापना से संबंधित उत्पत्ति 24 जुलाई 1958 को आयोजित कार्यकारी परिषद की बैठक में निहित है।

निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, गांधी भवन में गांधी विचारधारा पर व्याख्यान, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां और संगोष्ठी, गीता पर प्रवचन, योग और ध्यान कक्षाएं, विभिन्न महाविद्यालयों में गांधी अध्ययन मंडल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, पुस्तकालय, वाद-विवाद, शांति मार्च, पोस्टर और स्लोगन, निबंध लेखन, चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता आदि पर व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। गांधी भवन की महत्वपूर्ण पहलों में से एक पुस्तकालय-सह-वाचनालय है जिसमें गांधीवादी दर्शन और भारतीय संस्कृति शामिल है। गांधी भवन में गांधी स्टडी सर्किल के तत्वावधान में 56 महाविद्यालय हैं

गांधी भवन ने गांधीवादी विचार और व्यवहार पर सामयिक चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया है; इसने राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन किया है; इसने गांधीवादी अवधारणा और स्वास्थ्य और कल्याण के तरीकों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। इसने एक बड़ा कार्यशील पुस्तकालय बनाया है। सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों के लिए बैठक स्थल

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: गांधी भवन ने आजादी का अमृत महोत्सव और दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह (1922-2022) के तत्वावधान में योग का 8वां अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2022 'मानवता के लिए योग' 21-27 जून 2022 तक योग सप्ताह के रूप में मनाया। 22 जून 2022 को विश्वविद्यालय स्टेडियम के

मल्टीपर्पज हॉल में योगऋषि रामदेव जी, संस्थापक, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार और श्री अर्जुन राम मेघवाल जी, संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति के साथ एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्घाटन समारोह दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में आयोजित किया गया। प्रारंभ में दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना हुई। योग प्रोटोकॉल का पालन किया गया। सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8:00 बजे योगासन और ध्यान के साथ हुई। 500 से अधिक छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने योग सप्ताह के लिए अपना पंजीकरण कराया। प्रातः 9:00 बजे कार्यक्रम का परिचय एवं गांधी भवन के निदेशक प्रो. के.पी. सिंह के स्वागत भाषण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली की निदेशक डॉ. तनुजा मनोज नेसारी मुख्य अतिथि थीं। बलराम पाणि, निदेशक, साउथ कैंपस, डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव, प्रोफेसर पायल मग्गो, निदेशक, मुक्त शिक्षा विद्यालय और प्रोफेसर रजनी अब्बी भी मंच पर उपस्थित थे। तत्पश्चात्, निदेशक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सैपलिंग प्लांट्स, स्मृति चिन्ह, स्मारिका, कॉफी-टेबल बुक द्वारा समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। अगले ही दिन, दिल्ली विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय हॉल में दिल्ली विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सदस्यों के साथ एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें योगऋषि रामदेव जी, संस्थापक, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार और श्री अर्जुन राम मेघवाल, संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति थी। सबसे पहले राष्ट्रगान गाया गया। राष्ट्रगान के साथ सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया गया। स्वागत भाषण दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने दिया।

सम्मान/गौरव

गांधी भवन को दिल्ली विश्वविद्यालय में वार्षिक फ्लावर शो में मध्यम श्रेणी के उद्यान के रखरखाव और सुधार में उत्कृष्ट योगदान के लिए मध्यम श्रेणी के उद्यान में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुविधाएं

योग और ध्यान कक्षाएं, खद्दी (हथकरघा) कक्षाएं, चरखा कताई कक्षाएं, हिंदी-दर-हिंदी प्रसार केंद्र (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार) में टाइपिंग-आशुलिपि पाठ्यक्रम। इसके अलावा वह योग, चरखा, खद्दी पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित करते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभिन्न कार्यक्रमों/कार्यक्रमों के आयोजन के अलावा, गांधी भवन शैक्षिक संस्थानों के साथ भी सहयोग

करता है अर्थात गांधीवादी दर्शन और कार्य के प्रचार के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागों और महाविद्यालयों और भारत सरकार सहित अन्य विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं जैसे गांधी स्मृति के साथ सहयोग।

***

उद्यान समिति

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

हरित स्थानों को बढ़ाने और कायाकल्प करने के लिए अगस्त-अक्तूबर 2022 के महीनों के दौरान देशी पेड़ों और बड़े, मध्यम और छोटे झाड़ी-रोपण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न वर्गीकरण पौधों की प्रजातियों के 1342 पौधे शामिल थे। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से उच्च गुणवत्ता वाले पौधे खरीदे गए और विश्वविद्यालय उद्यान समिति के 'मेल' द्वारा ली गई पौध का भी उपयोग किया गया। स्वस्थ पारिस्थितिक तंत्र के लिए पौधों की आवश्यक भूमिका के बारे में हितधारकों को शिक्षित करने का यह हरित प्रयास 2018 में मानसून वृक्षारोपण के साथ शुरू किया गया था।

विश्वविद्यालय के लगभग अड़तीस महाविद्यालयों, संस्थानों, विभागों और छात्रावासों ने उत्साहपूर्वक वृक्षोपन 2022 अभियान में पेड़ और झाड़ी प्रजातियों जैसे 'बेलपत्र/बेल (एग्ले मैमेलन), 'गुलमोहर' (डेलोनिक्स रेजिया), 'आम' (मैंगिफेरा इंडिका), 'करोंदा' (कैरिसा कारंडास), अर्जुन (टर्मिनलिया अर्जुन) आदि के साथ भाग लिया। वर्ष 2022-23 के दौरान बहुउद्देशीय हॉल के पास विश्वविद्यालय स्टेडियम के 5 लॉन का नवीनीकरण किया गया। वर्ष 2022 -23 के दौरान बहुउद्देशीय हॉल के पास विश्वविद्यालय स्टेडियम के 5 लॉन का नवीनीकरण।

सम्मान/गौरव

10-11 फरवरी 2023 को आयोजित इंद्रप्रस्थ फ्लावर शो सोसाइटी द्वारा आयोजित लॉन, उद्यान, औषधीय, फल और गमलों में उगाए गए सब्जियों के पौधों जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा के लिए नौ रनिंग कप और ट्राफियां प्रदान की गईं। 9-13 मार्च 2023 को आयोजित दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फ्लावर शो में सर्वश्रेष्ठ वनस्पति उद्यान और लॉन के लिए दो ट्राफियों का विजेता था।

सुविधाएं

विश्वविद्यालय उद्यान समिति के माली और स्टाफ ने दीक्षांत समारोह में सजावट और फूलों की व्यवस्था और पूरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के दौरान संगोष्ठी, सम्मेलन और व्याख्यान जैसे विभिन्न आधिकारिक कार्यों/कार्यकलापों में सहायता प्रदान की।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

"पुष्पोत्सव" 2023-सेलिब्रेटिंग सेंटेनियल ब्लॉसमिंग ऑफ दिल्ली यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली (दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटेनियल ब्लॉसमिंग) विषय पर आधारित दिल्ली विश्वविद्यालय का 65वां वार्षिक फ्लावर शो 2 मार्च 2023 को गौतम बुद्ध सेंटेनरी गार्डन (वाइस-रीगल लॉज के सामने), नॉर्थ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय श्री सतीश उपाध्याय, उपाध्यक्ष, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने प्रो. योगेश सिंह, माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव; बलराम पाणि, महाविद्यालयों के डीन; प्रो. श्री प्रकाश सिंह, साउथ कैंपस के निदेशक, प्रो. रजनी अब्बी प्रॉक्टर और फ्लावर शो के अध्यक्ष और विश्वविद्यालय और उससे आगे के अन्य गणमान्य व्यक्ति। यूनिवर्सिटी गार्डन फूलों के प्रदर्शन, रसीले, कैक्टि, पत्ते के पौधों, बोनसैस आदि से देदीप्यमान था जो वसंत के फूलों और हरियाली के रंगों और विविधता को दर्शाता था।

कई छात्रों ने ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम स्थल को और रोचक बनाने के लिए पहली बार सेल्फी प्वाइंट को सजाने की एक और प्रतियोगिता शुरू की गई। यह प्रतियोगिता दिल्ली विश्वविद्यालय के नौ महाविद्यालयों की भागीदारी के साथ एक बड़ी सफलता थी। रोलिंग शील्ड, कप और ट्राफियां विभिन्न महाविद्यालयों, छात्रावासों/हॉल, स्कूलों और संस्थानों को प्रदान की गईं, जिन्होंने पॉटेड प्लांट्स, लॉन और गार्डन की श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। विश्वविद्यालय के बागवानों (मालियों) के शानदार प्रयासों को मान्यता दी गई और बगीचों के रखरखाव के लिए उत्कृष्ट सेवा के लिए सर्वश्रेष्ठ मालियों को सम्मानित किया गया।

***

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह

संक्षिप्त विवरण

वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के मेहमानों को आराम और रहने की गुणवत्ता प्रदान करने के लिए निम्नलिखित की मरम्मत और रखरखाव आवश्यकता के अनुसार किया गया है: -

भवन के आसपास का नियमित मरम्मत कार्य, बिजली/सैनिटरी फिटिंग, लकड़ी का फर्नीचर और खाना पकाने का स्थल का मरम्मत कार्य किया गया।

लाउंज, स्टोररूम, डाइनिंग रूम, कॉन्फ्रेंस हॉल के नवीनीकरण का काम किया गया है।

जेनसेट की छत पर फाइबर शीट की स्थापना, यूजीआर पर रिसाव और ग्रेनाइट फर्श की रक्षा के लिए पैरापेट दीवार पर ग्रेनाइट कोपिंग को ठीक करने का काम किया गया है

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शताब्दी वर्ष समारोह समिति, विभागों के सम्मेलनों और विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों की अन्य शैक्षणिक/ प्रशासनिक बैठकों से प्राप्त छह सौ इकतालीस (641) अनुरोधों के लिए खानपान व्यवस्था की गई थी।

महाविद्यालयों द्वारा आमंत्रित अतिथियों के लिए भोजन और आवास सुविधाओं के साथ एक हजार चार सौ सत्तानवे (1497) अतिथि कमरे प्रदान किए गए थे। अतिथियों ने अपनी संतुष्टि दिखाई और आईजीएच के कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की सराहना की।

सुविधाएं

आईजीएच की आवश्यकता के अनुसार लिनन, रसोई के बर्तन, स्टीम आयरन, कपड़े के स्टैंड, एलईडी टीवी, तेल हीटर, माइक्रोवेव, चाय वेंडिंग मशीन, इलेक्ट्रिक इंडक्शन प्लेट, चटाई, पर्दे, कालीन की खरीद की गई है और वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के मेहमानों को गुणवत्ता सेवाएं प्रदान की गई।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नाइट विजन की सुविधा के साथ पच्चीस (25) नए सीसीटीवी सेटअप की स्थापना।

***

राष्ट्रीय कैडेट कोर

भारत में एनसीसी का गठन वर्ष 1948 में हुआ था। इसका पता 'विश्वविद्यालय कोर' से लगाया जा सकता है, जिसे भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत सेना में कर्मियों की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से बनाया गया था। 1949 में, स्कूल और महाविद्यालय जाने वाली लड़कियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए बालिका प्रभाग की स्थापना की गई थी। एनसीसी को 1950 में एयर विंग को जोड़ने के बाद एक अंतर-सेवा छवि दी गई थी, इसके बाद 1952 में नौसेना विंग को जोड़ा गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर महाविद्यालयों के वरिष्ठ विंग और वरिष्ठ प्रभाग में एनसीसी कैडेटों के नामांकन का प्रबंधन अलग-अलग महाविद्यालय एनसीसी इकाइयों द्वारा किया गया था। एनसीसी कैडेटों ने विश्वविद्यालय स्तर की कार्यकलापों की एक विस्तृत श्रृंखला में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह, सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और संविधान दिवस जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

एनसीसी कैडेट भी विभिन्न राष्ट्रीय अभियानों जैसे फिट इंडिया अभियान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छ भारत अभियान), एकता दिवस (एकता दिवस), वृक्षारोपण पहल, एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर, सीएम रैली, गणतंत्र दिवस शिविर और युवा विनिमय कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक कार्यरत हैं।

विशेष रूप से, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, पूर्व-गणतंत्र दिवस शिविर, सीएम रैली, और अमर जवान ज्योति जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी एनसीसी निदेशालय दिल्ली द्वारा हाइब्रिड मोड और डे कैंप का उपयोग करके आयोजित की गई थी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर विभिन्न महाविद्यालयों के एनसीसी कैडेटों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, श्री अमित शाह जी, श्री राजनाथ सिंह जी ने संबोधित किया, जिसमें कुलपति गार्ड ऑफ ऑनर जैसे कार्यक्रम शामिल थे और स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वार्षिक रूप से, एनसीसी कैडेटों ने एनडीए/सीडीएस प्रविष्टि और एनसीसी विशेष प्रवेश योजना के माध्यम से देश में प्रतिष्ठित सैन्य अकादमियों में सफलतापूर्वक प्रवेश प्राप्त करके दिल्ली निदेशालय के लिए मान्यता और सम्मान अर्जित किया है।

इसके अलावा, एनसीसी पर मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों को 2022 के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे (एनईपी यूजीसीएफ 2022) के साथ संरेखण में जोड़ा गया था।

विभिन्न कार्यकलापों में एनसीसी कैडेटों की यह व्यापक भागीदारी और उपलब्धियां और राष्ट्र के लिए उनका महत्वपूर्ण योगदान व्यक्तिगत विकास और समाज की बेहतरी दोनों के लिए उनके समर्पण और प्रतिबद्धता का एक वसीयतनामा है।

***

राष्ट्रीय सेवा योजना

संक्षिप्त विवरण

राष्ट्रीय एनएसएस का योगदान और उपलब्धि वर्ष बीतने और वर्ष 1969 में इसकी स्थापना के बाद से उल्लेखनीय और बहुत प्रशंसित रही है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

परीक्षा पे चर्चा 1 अप्रैल 2022
बैंगलोर में राष्ट्रीय एकता शिविर: 22 मई से 28 मई 2022
दिल्ली में राष्ट्रीय एकता शिविर: 23 मई से 29 मई 2022
विश्व साइकिल दिवस का अवलोकन 3 जून 2022
साइबर जगरूक्ता दिवस 5 जुलाई 2022
राष्ट्रीय साहसिक शिविर: 12 सितंबर से 21 सितंबर 2022
एनएसएस स्वयंसेवकों के चयन के लिए राज्य स्तरीय परीक्षण

राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्तूबर 2022

संविधान दिवस का उत्सव 26 नवंबर 2022

गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2023

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 12-16 जनवरी 2023

राष्ट्रीय एकता शिविर: 26 फरवरी से 4 मार्च 2023

***

गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

(1) प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ; प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां;

प्रवेश प्रक्रिया 2022-23 :- प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन हो गई है। पंजीकरण के साथ-साथ प्रवेश पत्र ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से भरा गया था। एनसीडब्ल्यूईबी के छात्रों के लिए एक अलग शिकायत निवारण तंत्र शुरू किया गया था। यूजी प्रवेश में एससी श्रेणी के तहत 100% सीटें भरी गईं।

स्नातकीय पाठ्यक्रमों में कुल प्रवेश (2022-2023) :11319

पीजी पाठ्यक्रमों में कुल प्रवेश (2022-2023): 378

सुविधाएं

कोविड-19 के दौरान, एनसीडब्ल्यूईबी ने विभिन्न एनसीडब्ल्यूईबी केंद्रों पर छात्रों को अतिथि संकाय द्वारा दी गई अध्ययन सामग्री के ई-संसाधन लिंक और सॉफ्ट कॉपी प्रदान की।

वर्ष 2022-23 के दौरान 234 जरूरतमंद और योग्य छात्रों को 3000/- रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, लगभग 7,02,000/- रुपये की राशि

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मैत्रेयी महाविद्यालय एनसीडब्ल्यूईबी शिक्षण सेंटर द्वारा आयोजित इंटरपर्सनल कम्युनिकेशन स्किल्स और लगभग 250 छात्र इस ओरिएंटेशन में भाग लेते हैं जिसका आयोजन 6 अप्रैल 2022 को किया गया था।

योग और पारंपरिक चिकित्सा शिविर जून 2022 के महीने में आयोजित किया गया था और लगभग 300 छात्रों ने इसके लिए नामांकन किया था। योग को दुनिया भर में स्वीकार किया गया है कि यह आनंद, स्वास्थ्य, शांति लाने का एक माध्यम है और एक व्यक्ति में जुड़ाव की भावना को गहरा करता है।

एनसीडब्ल्यूईबीई, डीयूसीसी के सहयोग से, 14 सितंबर 2022 को एक कौशल विकास प्रशिक्षण "बैंकिंग और वित्तीय साहित्यिक" का आयोजन किया, जिसे आईसीटी अकादमी द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यशाला में 4 लाख रुपये से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाले 150 एनसीडब्ल्यूईबी छात्रों ने भाग लिया। एनसीडब्ल्यूईबी के 26 यूजी शिक्षण केंद्रों के 100 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया और कार्यक्रम में सफल

छात्रों को आईसीटी अकादमी द्वारा नियोजन समर्थन और सुविधा दी गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर सेंटर, डीयू ने हमारे छात्रों के लिए अपनी प्रयोगशालाओं में 75 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के कन्वेंशन हॉल में एक समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. बलराम पानी (डीयू के डीन), प्रो. संजीव सिंह (निदेशक डीयूसीसी, डीयू), श्री राघव श्री निवास (आईसीटी अकादमी के प्रमुख), प्रो. रत्नाबली, (डीन अकादमिक, डीयू), प्रो. गीता भट्ट (निदेशक, एनसीडब्ल्यूईबी) उपस्थित थे। कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता और राघव श्रीनिवास के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

मैक एनसीडब्ल्यूईबी शिक्षण सेंटर द्वारा 9 जुलाई 2022 को एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 467 छात्रों ने इस शिविर में दाखिला लिया।

पांचवां राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर के महीने के दौरान आयोजित भारत सरकार का एक हस्ताक्षर कार्यक्रम है जहां विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन का सेवन प्रचारित किया जाता है। राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से एनसीडब्ल्यूईबी ने 26 सितंबर 2022 को पांचवें राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव सुश्री मीता राजीवलोचन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं, जिन्होंने पारंपरिक खाद्य पदार्थों के महत्व पर जोर दिया और बताया कि कैसे हाल की महामारी ने हमें पोषण भोजन का सेवन करना सिखाया है। इस अवसर पर एनसीडब्ल्यूईबी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड द्वारा 25-26 नवंबर 2022 को सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में "भारत के निर्माण में महिलाओं के पदचिह्न" नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्रों के रूप में प्रस्तुति के लिए कुल 206 सार प्राप्त हुए। संगोष्ठी भारत के निर्माण में वास्तुकार के रूप में महिलाओं की भूमिका, उनके संघर्षों और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करने की एक पहल थी।

***

छात्र कल्याण कार्यालय

संक्षिप्त विवरण

दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन छात्र कल्याण कार्यालय कल्याणकारी कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है जो छात्रों के व्यापक और सुव्यवस्थित विकास में योगदान करते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में, कार्यालय ने निम्नानुसार विभिन्न पहलें की हैं।

नियोजन और इंटर्नशिप
आजीविका मेला
शिकायत निवारण परामर्श

वित्तीय सहायता योजना
कुलपति इंटर्नशिप योजना

प्रधानमंत्री का दौरा

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन छात्र कल्याण कार्यालय कल्याणकारी कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है जो छात्रों के व्यापक और सुव्यवस्थित विकास में योगदान करते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में कार्यालय ने निम्नलिखित विभिन्न पहल की हैं:- नियोजन और इंटर्नशिप-केंद्रीय नियोजन सेल (सीपीसी) शैक्षणिक संस्थान और उद्योग के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है। आजीविका मेला-सीपीसी द्वारा आयोजित किया जाता है। शिकायत निवारण-छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ (एसजीआरसी) ने छात्रों की सभी प्रकार की शिकायतों का समाधान किया। परामर्श-कार्यालय छात्रों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में शिक्षित करने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियान आयोजित करता है। वित्तीय सहायता योजना-शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से शुरू होकर परीक्षा और छात्रावास शुल्क को छोड़कर सभी छात्रों की फीस में छूट की शुरुआत की गई। कुलपति इंटर्नशिप योजना-2022-23 से शुरू होकर एक मूल्यवान पहल शुरू की जिसे विश्वविद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री का दौरा-30 जून 2023 को विश्वविद्यालय शताब्दी समारोह का समापन।

***

विश्वविद्यालय अतिथि-गृह

संक्षिप्त विवरण

विश्वविद्यालय अतिथि-गृह में मुख्य भवन में 33 कमरे हैं और संलग्न बाथरूम के साथ 06 बांस कॉटेज कमरे, फोन, टीवी आदि हैं। एक कमरे में दो लोग रह सकते हैं। विश्वविद्यालय अतिथि-गृह अतिथियों को नि:शुल्क इंटरनेट और वाई-फाई की सुविधा देता है। विश्वविद्यालय अतिथि-गृह में सुरक्षित, स्वस्थ, स्वच्छ और स्वादिष्ट भोजन प्रदान करने के लिए एक रसोईघर है।

विश्वविद्यालय अतिथि-गृह में 35-40 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक साफ-सुथरा और विशिष्ट डाइनिंग हॉल है। अतिथि-गृह में माइक और प्रोजेक्टर के साथ एक लाउंज है जिसमें बैठकें, 70-80 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ:- विश्वविद्यालय अतिथि-गृह आवास और भोजन प्रदान करके प्रमुख शैक्षणिक बैठकों की जरूरतों को पूरा करता है। यह बैठकों का स्थल भी है। कई परीक्षकों और अतिथि वैज्ञानिकों को आतिथ्य प्रदान किया जाता है।
विश्वविद्यालय अतिथि-गृह में जीर्णोद्धार का काम किया गया है।

सभी कमरों में नए एयर कंडीशनर लगाए गए हैं।

सभी कमरों में नया एलईडी टेलीविजन 32" स्थापित है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विश्वविद्यालय अतिथि-गृह ने कमरे के मेहमानों को सभी भोजन और सम्मेलन/संगोष्ठी/सेवानिवृत्ति पार्टियों/गेट-टुगेदर आदि जैसे कार्यक्रमों के लिए नाश्ते/दोपहर के भोजन/रात के खाने/उच्च चाय के लिए विशेष खानपान व्यवस्था प्रदान की।

***

विश्व विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केंद्र (डब्ल्यूयूएस)

संक्षिप्त विवरण

डब्ल्यूयूएस हेल्थ सेंटर (नॉर्थ कैंपस) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, उनके आश्रितों और छात्रों के लिए रविवार/राजपत्रित छुट्टियों को छोड़कर प्रात: 08:00 बजे से शाम 08:00 बजे तक 24x7 घंटे की सेवाएं प्रदान करता है।

ओपीडी का समय : सोमवार से शनिवार*

सुबह की ड्यूटी : सुबह 08:00 बजे से दोपहर 02:30 बजे तक

शाम की ड्यूटी : दोपहर 01:30 बजे से रात 08:00 बजे तक

रात्रि ड्यूटी : रात 08:00 बजे से सुबह 08:00 बजे तक

रात्रिकालीन सेवा (केवल आपातकालीन सेवाएं) : सभी दिन

डब्ल्यूयूएस हेल्थ सेंटर (नॉर्थ कैंपस) नोडल बिंदु है और इसमें 10 समर्पित चिकित्सा अधिकारियों की एक टीम है [अनुबंध पर 1 चिकित्सा सलाहकार, अनुबंध पर 1 चिकित्सा अधिकारी और 2 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी, 12 विजिटिंग अंशकालिक विशेषज्ञ [जो कार्डियोलॉजी में दो घंटे के लिए विशेष सेवाएं प्रदान करते हैं (प्रति सप्ताह तीन बार), न्यूरोलॉजी (प्रति सप्ताह एक बार), मनोरोग (प्रति सप्ताह एक दिन), आर्थोपेडिक्स (प्रति सप्ताह पांच दिन), ईएनटी (प्रति सप्ताह पांच दिन), बाल रोग (प्रति सप्ताह चार दिन), त्वचाविज्ञान (प्रति सप्ताह 3 दिन), नेत्र विज्ञान (प्रति सप्ताह तीन दिन), दंत चिकित्सा (3 घंटे, प्रति सप्ताह छह दिन)] 6 स्थायी फर

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

डब्ल्यूयूएस एचसी (उत्तर) ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित टूर्नामेंटों/अन्य विश्वविद्यालय समारोहों 99वें वार्षिक दीक्षांत समारोह, अखिल दिल्ली विश्वविद्यालय शताब्दी समारोह समारोह, दिवाली, वार्षिक फ्लावर शो, होली के दौरान रविवारों/राजपत्रित छुट्टियों पर भी आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं ।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल 2023 को डब्ल्यूयूएसएचसी (नॉर्थ कैंपस) में मनाया गया। इस वर्ष के विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय "वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य : हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़े होना" था। विश्वविद्यालय बिरादरी की जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in और डब्ल्यूयूएस हेल्थ सेंटर की वेबसाइट पर हमारे ग्रह हमारे स्वास्थ्य पर एक लेख अपलोड किया गया था।

विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर, 2022 को डब्ल्यू.यू.एस. हेल्थ सेंटर (नॉर्थ कैंपस) में मनाया गया। विश्व हृदय दिवस 2020 का संदेश "सभी के लिए हृदय स्वास्थ्य" था।

प्रतिष्ठित अस्पतालों के सहयोग से समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर, हृदय रोग जांच शिविर, मधुमेह नियंत्रण शिविर आयोजित किए गए हैं।

सुविधाएं

डब्ल्यूयूएस हेल्थ सेंटर (उत्तर) में डेंटल, पैथोलॉजी लेबोरेटरी, फिजियोथेरेपी यूनिट, फार्मेसी, नर्सिंग स्टेशन, ड्रेसिंग रूम है

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अस्पताल में भर्ती और ओपीडी उपचार बिलों के चिकित्सा दावों को ऑनलाइन जमा करने का पालन किया जा रहा है।
रोगियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल का प्रावधान है।
गणमान्य व्यक्तियों को चिकित्सा कवर प्रदान किया गया।
रोगियों को शीघ्र और समय पर सुविधाएं।
नए नियुक्त कर्मचारियों की चिकित्सा जांच का समय पर निपटान और पेंशन का कम्यूटेशन।
वित्त वर्ष 2023-2024 और 2024-2025 के लिए बजट शीर्ष "पी/ओ ड्रग्स एंड मेडिसिन" के तहत दवाओं और दवाओं की खरीद के लिए ई-निविदाओं को अंतिम रूप देने के लिए बैठकों की श्रृंखला का समय पर आयोजन।
विश्व स्वास्थ्य संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, एम्स, नई दिल्ली, आईसीएमआर द्वारा जारी सार्वभौमिक सावधानियों और सलाहों का अक्षरश पालन किया जा रहा है।
डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा अपने लाभार्थियों को 24x7 घंटे (नॉर्थ कैंपस) दवाएं जारी की जाती हैं।

****

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल

अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

महिलाओं के लिए आंबेडकर-गांगुली छात्र छात्रावास अक्तूबर 2003 में शुरू किया गया था। यह दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर महिला छात्रों के लिए बड़े पैमाने पर एक आत्मनिर्भर आवास है। यह सौ निवासियों और दो अतिथि निवासियों को समायोजित कर सकता है। शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए, नवंबर 2022 में पुन: प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई थी और 31.03.2023 तक 66 वास्तविक निवासियों और 14 अतिथि निवासियों को प्रवेश दिया गया था।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

स्वतंत्रता दिवस का उत्सव: 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, इसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। इस कार्यक्रम में प्रोवोस्ट, वार्डन, रेजिडेंट ट्यूटर, सभी स्टाफ और अंबेडकर गांगुली महिला छात्रावास के निवासियों ने भाग लिया। इसके बाद मिठाई का वितरण किया गया।

शताब्दी वृक्षारोपण 2022: विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार 10 अगस्त 2022 को छात्रावास में शताब्दी वृक्षारोपण का आयोजन किया गया।

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 66

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 14

सर्वोत्तम प्रथाएं

एमसीडी द्वारा "शून्य वेस्ट मैनेजमेंट" पर एक सामुदायिक कार्यशाला: 10 सितंबर, 2022 को एमसीडी द्वारा शून्य वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। शून्य अपशिष्ट प्रबंधन की प्रमुख विशेषताओं पर एक वार्ता अर्थात स्रोत पर कचरे का पृथक्करण, प्रत्येक प्रकार के लिए अलग संग्रह, कचरे के पृथक्करण का महत्व, सभी गतिविधियों में सामुदायिक भागीदारी। उन्होंने कूड़ा निस्तारण पर लघु नाटक भी प्रस्तुत किया। कार्यशाला का आयोजन बड़े विस्तार से किया गया जिसमें कचरे को अलग करने के तरीके का प्रदर्शन किया गया।

अग्निशामक यंत्रों के संचालन के संबंध में प्रदर्शन: 14 फरवरी, 2023 को आपातकाल के मामले में अग्निशामक यंत्र संचालित करने के लिए निवासियों और छात्रावास के कर्मचारियों को एकबारगी प्रदर्शन दिया गया।

"गो ग्रीन एंड नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक" पर एक कार्यशाला: एमसीडी द्वारा 18 मार्च, 2023 को "गो ग्रीन एंड से नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। एमसीडी के अधिकारियों ने "सिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहें" के महत्व पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया क्योंकि प्लास्टिक की थैलियां हमारे पर्यावरण के लिए खतरा हैं। क्योंकि एक प्लास्टिक बैग को विघटित होने में 1000 वर्ष तक

का समय लगता है क्योंकि इसमें गैर-नवीकरणीय पेट्रोकेमिकल्स होते हैं। हर वर्ष प्लास्टिक बैग खाने से बड़ी संख्या में जानवरों और पक्षियों की मौत हो जाती है। प्लास्टिक प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता है और गैर-बायोडिग्रेडेबल है। प्लास्टिक को ना कहना केवल एक पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक स्थायी भविष्य की दिशा में एक कदम है। समारोह के बाद धन्यवाद ज्ञापन और कपड़े के थैले और मिठाई का वितरण किया गया।

सुविधायें

सुविधाएं क. दिव्यांग अनुकूल वॉशरूम ख. दिव्यांग के लिए रैंप ग. कॉमन रूम (टीवी और प्रोजेक्टर) घ. प्यूटर रूम (वातानुकूलित) ङ. पुस्तकालय (वातानुकूलित) च. मेस (वातानुकूलित) छ. व्यायामशाला (कार्डियो-वैस्कुलर उपकरण) ज. कपड़े धोने का कमरा (पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन) झ. सौर वॉटर हीटर ञ. प्रत्येक मंजिल के प्रत्येक विंग में फ्रिज, माइक्रोवेव और हॉटप्लेट ट. जल शोधक एल. सामान्य क्षेत्रों के साथ निवासियों के कमरों की सफाई के लिए सफाई कर्मचारी था सुबह और शाम की सैर के लिए व्यापक लॉन द. बैडमिंटन कोर्ट और सीसीटीवी निगरानी।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

2022-23 के दौरान छात्रावास में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कुछ घटनाओं की झलक इस प्रकार है:

- लोहड़ी का समारोह 13 जनवरी 2023 को अलाव जलाकर मनाया गया और सभी छात्रों ने अलाव में आहुति दी।
- गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय ध्वज फहराकर, राष्ट्रगान गाकर और निवासियों और कर्मचारियों के बीच मिठाई और स्नैक्स संवितरित करके मनाया गया।
- 8 मार्च 2023 को, होली (रंगों का त्योहार) रंगों के साथ मनाया गया और कर्मचारियों और छात्रों के बीच मिठाइयाँ संवितरित की गईं।
- फ्रेशर्स पार्टी 25 मार्च, 2023 को फ्रेशर्स के स्वागत के लिए धूमधाम और शो के साथ आयोजित की गई थी। प्रोफेसर रंजन कुमार त्रिपाठी, संयुक्त डीन ऑफ महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे और प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश शर्मा, पर्यावरण अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय सम्मानित अतिथि थे।

***

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

छात्रावास में स्वचालित सैनिटाइजिंग मशीन लगाई गई है। आरओ के अपशिष्ट जल का उपयोग बागवानी के लिए किया जाता है। छात्रावास निवासियों को 24X7 सुरक्षा प्रदान करता है और गार्ड और पार्किंग की सुविधा है। अरावली छात्रावास ने छात्रावास के चारों ओर हरे-भरे हरे, सुंदर परिदृश्य को भी बनाए रखा है।

***

केंद्रीय शिक्षा छात्रावास संस्थान

संक्षिप्त विवरण

केंद्रीय शिक्षा संस्थान में दो छात्रावास हैं, महिलाओं के लिए श्री भवन और पुरुषों के लिए शक्ति भवन। 1950 में स्थापित श्री भवन में 23 छात्राओं के लिए 08 कमरे हैं और शक्ति भवन में 03 शयनगृह और 01 दो सीटर कमरे हैं जिनमें 24 पुरुष छात्र हैं। छात्रावास में बी.एड., एम.एड., एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के छात्र रहते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

छात्रावास और उसके आस-पास सीसीटीवी लगाने की प्रक्रिया प्रगति पर है। इस वर्ष छात्रावास में 03 आरओ वाटर प्यूरीफायर और मेस भोजन कक्ष में एग्जॉस्ट पंखे लगाए गए। दोनों छात्रावासों में इंडक्शन प्लेट/हॉट प्लेट लगाई गई थी।

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या 42

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या 04

सर्वोत्तम प्रथाएं

इस वर्ष छात्रावास ने नेचर वॉक, वृक्षारोपण अभियान, आजादी का अमृत महोत्सव आयोजित किया। त्योहार होली, इद-उल-फितर, दशहरा, दिवाली, क्रिसमस दिवस का छात्रावास में आयोजन किया जाता है।

Facilities सुविधायें

- ठंडे पानी के लिए तीन वाटर कूलर छात्रावास में स्थापित किए गए हैं, एक पुरुषों और महिलाओं के निवास में और तीसरा छात्रावास मेस भोजन कक्ष में स्थापित किया गया है।
- छात्रावास में वाटर कूलर के साथ तीन आरओ वाटर प्यूरीफायर सिस्टम लगाए गए हैं, एक पुरुषों और महिलाओं के निवास में और तीसरा छात्रावास मेस भोजन कक्ष में।
- छात्रावास में चार वाशिंग मशीन स्थापित हैं, पुरुषों और महिलाओं के निवास में दो-दो।
- छात्रावास में गर्म पानी के लिए पांच गीजर स्थापित हैं, पुरुषों और महिलाओं के निवास में दो-दो और छात्रावास मेस किचन में एक।
- डिश के साथ एलईडी टीवी
- मेहमानों के लिए आगंतुक कक्ष
- निवासियों के लिए चार समाचार-पत्र, हिंदी और अंग्रेजी में प्रत्येक में दो
- निवासियों के लिए चौबीसों घंटे सुरक्षा
- छात्रावास के प्रत्येक कमरे में हर रोज डस्टिंग और छात्रावास और डस्टबिन की सफाई रखी गई थी।
- निवासियों के लिए मेस भोजन कक्ष

- निवासियों द्वारा सामना की जा रही दिन-प्रतिदिन विद्युत समस्याओं के लिए अंशकालिक इलेक्ट्रीशियन उपलब्ध है।
- डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र की सदस्यता मामूली शुल्क पर सभी निवासियों के लिए अनिवार्य है। स्वास्थ्य आपातकाल के मामले में डॉक्टर से मिलने के लिए निवासी स्वास्थ्य केंद्र जा सकते हैं।
- डीयूसीसी के निवासियों को वाई-फाई सुविधा प्रदान की जा रही है।

***

डी.एस. कोठारी छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

रिज क्षेत्र में स्थित डी.एस. कोठारी छात्रावास का नाम प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और शिक्षाविद् पद्म भूषण प्रोफेसर डी.एस. कोठारी के नाम पर रखा गया है, जिसने इस शैक्षणिक वर्ष में अपने 'रजत जयंती' चरण में प्रवेश किया है।

स्नातक-पूर्व छात्रों की संख्या: 1

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 49

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 27

सर्वोत्तम प्रथाएं

1. इसने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट अनुसंधान कार्यक्रमों में संलग्न लगभग 100 छात्रों के ठहरने के लिए स्वच्छ और अनुकूल वातावरण प्रदान करना जारी रखा। इसमें नियमित निवासी के रूप में 08 विदेशी छात्र शामिल थे।
2. छात्रावास ने प्रमुख शिक्षाविदों द्वारा 'संध्या व्याख्यान' की एक श्रृंखला के साथ कल्पना की है और इस तरह की सभी शैक्षिक गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया है।
3. इस वर्ष, छात्रावास ने पर्यावरण जागरूकता प्रसार की दिशा में निरंतर प्रयास किए। यह छात्रावास की दीवारों पर नारा लेखन गतिविधियों, वृक्षारोपण अभियान और सूखे और गीले कचरे के प्रबंधन में लगा संलग्न था और दिल्ली नगर निगम द्वारा छात्रावास को 'शून्य अपशिष्ट क्षेत्र' के रूप में प्रमाणित करके इसकी सराहना की गई थी।
4. छात्रावास की बड़ी सुरक्षा के लिए छात्रावास ने 32 चैनल सीसीटीवी कैमरों के साथ एनवीआर स्थापित किया।
5. अपने समृद्ध कॉर्पोरेट कार्यकाल के हिस्से के रूप में, छात्रावास ने आगरा-फतेहपुर सीकरी के लिए एक यादगार शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया।

6. इसमें सभी राष्ट्रीय छुट्टियों के साथ-साथ सरस्वती पूजा, लोहड़ी और ईद जैसे लोकप्रिय छात्रावास त्योहारों पर रंगारंग समारोह किए गए, जिन्होंने विभिन्न समुदायों के निवासियों के बीच एक सामंजस्यपूर्ण वातावरण का पोषण किया।
7. इसके निवासियों ने इंटर छात्रावास खेल प्रतियोगिताओं में सर्वांगीण प्रदर्शन किया और क्रिकेट और टेबल टेनिस में चैंपियन रहे।
8. इस छात्रावास के प्रमुख-माली को वार्षिक फूल शो में विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ माली में से एक के रूप में सम्मानित किया गया था।

छात्रावास नए शैक्षणिक वर्ष में अपने बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की योजना बना रहा है।

सुविधायें

बैडमिंटन कोर्ट, कॉमन रूम, टीवी रूम, वॉशिंग मशीन, टेबल टेनिस, गेस्ट रूम, दिव्यांग सुविधाएं, यूनियन-सह-पुस्तकालय।

***

गीतांजलि छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

स्नातकोत्तर महिला छात्रों के लिए गीतांजली छात्रावास का उद्घाटन 08 जनवरी, 1990 को तत्कालीन कुलपति, प्रोफेसर मूनिस रजा द्वारा किया गया था। छात्रावास ने 15 जनवरी, 1991 को 32 छात्रों को समायोजित करने की कार्यक्षमता प्राप्त की। 1996 तक, यह अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुंच गया, जिसमें छह एकल कमरे थे, जिसमें 96 निवासी थे। हालांकि, छात्रावास आवास की बढ़ती मांग की पूर्ति में, इन एकल कमरों को बाद में डबल सीटर में बदल दिया गया, जिससे क्षमता 102 हो गई। साउथ कैंपस के केंद्र में स्थित, छात्रावास आवश्यक इनडोर मनोरंजक सुविधाएं प्रदान करता है और अपने निवासियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें एक पुस्तकालय भी है ताकि "छात्रावास से दूर एक छात्रावास" के अपने आदर्श वाक्य को आगे बढ़ाया जा सके। छात्रावास की मेस सेवाओं को एक ठेकेदार को आउटसोर्स किया जाता है, जिसका प्रदर्शन वार्षिक मूल्यांकन किया जाता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

गीतांजलि छात्रावास ने 12 फरवरी, 2023 को खेल दिवस मनाया, जिसमें शतरंज, टेबल टेनिस, कैरम, आर्म रेसलिंग और लेमन रेस सहित कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियाँ शामिल थीं। इन एकल आयोजनों के अलावा, बैडमिंटन और रस्साकशी जैसे टीम खेलों ने भी उत्साह बढ़ाया। निवासियों ने इन आयोजनों के दौरान अपने उत्साह और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया। 25 मार्च, 2023 को चिह्नित छात्रावास का वार्षिक दिवस, उत्सव और सौहार्द से भरा एक भव्य अवसर था। निवासियों के लिए एक साथ आने और इस अवसर का जश्न मनाने के लिए छात्रावास नाइट का आयोजन किया गया था। इसके अलावा, छात्रावास

ने 15 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस मनाया। इन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों को ध्वजारोहण समारोहों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इसके बाद विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जो निवासियों को एकता और देशभक्ति की भावना में एक साथ लाया। गीतांजली छात्रावास ने होली, लोहड़ी और दिवाली जैसे विभिन्न सांस्कृतिक त्योहारों को भी खुशी-खुशी मनाया, जिससे निवासियों के बीच सांस्कृतिक विविधता और समावेशिता की एक समृद्ध चित्रण को बढ़ावा मिला।

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 80

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 23

सर्वोत्तम प्रथाएं

अपने निवासियों की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, छात्रावास प्रवेश द्वार पर एक आरएफआईडी सिस्टम है। निवासियों को परिसर में प्रवेश करने के लिए अद्वितीय कार्ड प्रदान किए जाते हैं। निवासियों के लिए कर्फ्यू रात 10 बजे है, हालांकि, अगर किसी भी प्रयोगशाला या पुस्तकालय की पहुंच की आवश्यकता होती है, तो वे कर्फ्यू के बाद परिसर में प्रवेश करने के लिए विशेष अनुमति ले सकते हैं। गीतांजली छात्रावास के छात्रों को कभी भी यह महसूस नहीं कराया जाता है कि वे छात्रावास से दूर रह रहे हैं, क्योंकि मेस में विशेष रात्रिभोज के साथ त्योहार बहुत उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। छात्रावास का वार्षिक उत्सव, मृदांग, हर वर्ष आयोजित किया जाता है जो जीवंतता, स्वादिष्ट भोजन और जीवंत प्रदर्शन का दावा करता है, जिसमें निवासी पूरे दिल से भाग लेते हैं।

सुविधायें

सुसज्जित जिम और खेल उपकरण कॉमन रूम में टेलीविजन, स्पीकर के साथ संगीत प्रणाली, वाचनालय, सेनेटरी पैड डिस्पेंसिंग मशीन, पुस्तकालय रेफ्रिजरेटर, इंडक्शन, प्रत्येक मंजिल के लिए कुकटॉप, माइक्रोवेव, वाशिंग मशीन

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास परिसर में पर्याप्त रोशनी और संबंधित क्षेत्रों में चार सीसीटीवी कैमरे हैं। चार सुरक्षा गार्डों को उनकी दक्षता को अधिकतम करने के लिए कर्तव्यों में फेरबदल किया जाता है। छात्रावास में एंटी-रैगिंग, एंटी-मादक द्रव्यों के सेवन और मेस में नैतिक खाने की आदतों पर पोस्टर लगे हैं। प्रत्येक तल पर पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारियों को दैनिक आधार पर परिसर की अत्यंत स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी दी गई है। डेंगू या मलेरिया के प्रसार को रोकने के लिए कीड़ों और मच्छरों को दूर करने के लिए नियमित रूप से धूमन का अभ्यास किया जाता है। आगंतुकों और कर्मचारियों के लिए परिसर में हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर स्थापित हैं।

***

ग्वायर हॉल

संक्षिप्त विवरण

ग्वायर हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित पुरुषों का स्नातकोत्तर छात्रावास है। यह इस छात्रावास की अनूठी विशिष्ट विशेषता है जहां छात्र और संकाय सदस्य एक साथ रहते हैं और भोजन करते हैं। इन वर्षों में ग्वेरियन ने भारत और विदेशों में जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। छात्रावास यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाता है कि अपने अस्तित्व के वर्षों में जीवित रहने वाली भावना और समृद्ध विरासत फलती-फूलती रहे।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

इस दौरान, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. के तीस छात्र उत्तीर्ण हुए। छात्रावास में अम्बेडकर जयंती, होली, दिवाली, नव-वर्ष, लोहारी, सरस्वती पूजा आदि मनाए गए थे। ग्वायर हॉल ने 65वें वार्षिक फ्लावर शो 2023 में कालीचरण पुरस्कार-I और विभिन्न श्रेणी में चौदह अन्य पुरस्कारों के साथ पहला पुरस्कार जीता, ग्वायर हॉल ने निम्नलिखित कार्यक्रम का आयोजन किया है।

- 19-10-2022 को 'पर्यावरण जागरूकता और अपशिष्ट प्रबंधन' पर एक कार्यशाला की गई है।
- व्याख्यान 23-8-2022 "कौन गांधी है" प्रोफेसर बिद्युत चक्रवरी, कुलपति, विश्व भारती विश्वविद्यालय व्याख्यान।

स्नातक-पूर्व छात्रों की संख्या: 5

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 43

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 37

सुविधायें

1. वातानुकूलित कंप्यूटर कक्ष, कॉमन रूम और रीडिंग रूम।
2. सभी निवासियों के लिए शुद्ध पेयजल।
3. निवासियों के लिए मुफ्त वाशिंग मशीन की सुविधा
4. दिव्यांग सुविधाएं।
5. रसोई में ऑन लाइन गैस कनेक्शन लगाए गए।
6. कमरों में नए छत के पंखे लगाए गए।
7. स्टाफ क्वार्टर का जीर्णोद्धार।
8. मेस में डक सिस्टम को बदला गया।
9. दो पुराने सबमर्सिबल के बदले नए लगाए गए।
10. चार हैलोजन स्ट्रीट लाइट एलईडी फ्लड स्ट्रीट लाइट में बदली गई।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ग्वायर हॉल को 65वें वार्षिक फ्लावर शो 2023 में उच्चतम अंकों के लिए कुलपति कप मिला। ग्वायर हॉल को फ्लावर शो में निम्नलिखित पुरस्कार भी मिले:

1. कुलपति कप (कालीचरण पुरस्कार-I
2. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स कप
3. लेडी इरविन महाविद्यालय कप
4. यूनिवर्सिटी आर्किटेक्ट कप
5. डॉ. एन. एस. प्रधान कप
6. कालिंदी महाविद्यालय ट्रॉफी
7. दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल व्रोक कप
8. विश्वविद्यालय पुस्तकालय कप
9. श्रीराम महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स कप
10. कोषाध्यक्ष कप
11. कुलसचिव कप
12. हिंदी विभाग कप
13. जानकी देवी मेमोरियल कप
14. प्राणिविज्ञान विभाग कप
15. नर्सिंग महाविद्यालय कप

***

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास की स्थापना 1964 में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय द्वारा विदेशी छात्रों और स्नातकोत्तर भारतीय छात्रों के लिए की गई थी। इसमें 98 कमरे हैं और सभी एकल सीट वाले हैं। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान, 32 देशों के 56 विदेशी छात्रों और 20 भारतीय छात्रों को छात्रावास में प्रवेश दिया गया, जो अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय संस्कृतियों का एक समामेलन और विविध मोज़ेक प्रस्तुत करते हैं। अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रकृति के कारण, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रावास प्रणाली में एक विशेष स्थान रखता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

अपनी स्थापना के बाद से, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास को अपनी विविध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रशंसित किया गया है। जैसा कि छात्रावासियों को छात्रावास के बच्चे माना जाता है, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास अधिकारी

कुछ विशिष्ट कौशल आधारित सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के साथ अपने छात्रावासियों के विकास पर काम करते हैं।

कुछ गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं हैं:

1. इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हाउस ने वर्ष के दौरान बड़े उत्साह के साथ सांस्कृतिक और राष्ट्रीय त्योहारों की एक विविध श्रृंखला मनाई, जिसमें "आजादी का अमृत महोत्सव" पहल के तहत भारत के "75 वें स्वतंत्रता दिवस" का भव्य पालन भी शामिल है। इन समारोहों में दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के निदेशक प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह और अन्य गणमान्य अतिथियों की भागीदारी हुई, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हुआ जिसने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भारत की स्वतंत्रता की भावना का अनुभव करने की अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, दीपावली, क्रिसमस, नव-वर्ष, गणतंत्र दिवस, लोहड़ी, स्वामी विवेकानंद जयंती, ईद-उल-फितर, ईद-उल-जुहा, सरस्वती पूजन और होली के उत्सव उत्साह और उमंग के साथ किए गए। इन अवसरों ने न केवल अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच भारतीय संस्कृति की समझ को समृद्ध किया बल्कि भारतीय छात्रों को अपने अंतरराष्ट्रीय साथियों की विविध संस्कृतियों को गले लगाने और सराहना करने का अवसर भी प्रदान किया।
2. इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हाउस ने स्वच्छ भारत अभियान के बदले "स्वच्छ भारत अभियान" को बढ़ावा देने के लिए 1 से 15 सितंबर, 2022 तक एक गतिविधि स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया, जिसे भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रोवोस्ट, वार्डन, रेजिडेंट ट्यूटर, छात्र-छात्राओं व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इस अभियान में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने परिसर को साफ रखने और रखने की शपथ ली है। उन्होंने इस अवसर पर परिसर की सफाई भी की है। तब से समय-समय पर निरंतर स्वच्छता अभियान चलाए गए और नियमित रूप से छात्रावास परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए।
3. 25 फरवरी, 2023 को हाउस यूनियन के उद्घाटन के साथ एक फ्रेशर की स्वागत पार्टी की व्यवस्था की गई थी।
4. प्रोजेक्ट ग्रीन कैंपस- "प्रोजेक्ट ग्रीन कैंपस", वर्ष के दौरान लॉन्च किया गया, जिसने छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता और पर्यावरण-चेतना पैदा की। इसने उल्लेखनीय परिवर्तनों का नेतृत्व किया, जिसमें एक हरा-भरा परिसर, बेहतर वायु गुणवत्ता, अपशिष्ट में कमी और लैंडफिल कचरे में 40% की कमी शामिल है। इस पहल को दिल्ली नगर निगम से मान्यता और पहला पुरस्कार मिला।
5. शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में, दिल्ली विश्वविद्यालय में इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हाउस (अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास) ने "प्रोजेक्ट ग्रीन कैंपस" के साथ एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की। इस पहल को अपने निवासियों के बीच पर्यावरण जागरूकता पैदा करने और पर्यावरण-चेतना को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इस पहल के माध्यम से प्राप्त परिणाम उल्लेखनीय हैं।

प्रमुख उपलब्धियां:

"प्रोजेक्ट ग्रीन कैंपस" की पहली उल्लेखनीय उपलब्धि अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास परिसर को एक हरे-भरे स्वर्ग में बदलना था। व्यापक वृक्षारोपण अभियान और छात्रों और कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के माध्यम से, एक बार साधारण परिसर अब हरियाली की प्रचुरता का दावा करता है। यह न केवल सौंदर्यशास्त्र को बढ़ाता है बल्कि एक स्वस्थ वातावरण में भी योगदान देता है। विशेष रूप से, दिल्ली विश्वविद्यालय के

महाविद्यालय के डीन प्रोफेसर बलराम पाणि सहयोगी भावना को रेखांकित करते हुए इन वृक्षारोपण प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

अपशिष्ट न्यूनीकरण: "प्रोजेक्ट ग्रीन कैंपस" ने एक मौलिक लक्ष्य के रूप में अपशिष्ट में कमी को प्राथमिकता दी। निवासियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदार अपशिष्ट निपटान प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अपशिष्ट कटौती अभियान आयोजित किए गए थे। परिणामत:, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास परिसर के भीतर कचरे के उत्पादन में उल्लेखनीय कमी आई है।

शून्य प्लास्टिक कैंपस: पहल की असाधारण उपलब्धियों में से एक "शून्य प्लास्टिक कैंपस" पहल का सफल कार्यान्वयन था। परिसर में प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के उद्देश्य से इस महत्वाकांक्षी प्रयास को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से मंजूरी मिली। अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास ने अपने पर्यावरण पदचिह्न को कम करके और समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव डालकर स्थिरता के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है।

नेतृत्व और जुड़ाव:

"प्रोजेक्ट ग्रीन कैंपस" छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों के माध्यम से संभव बनाया गया था। विशेष रूप से, दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉलेजों के डीन प्रोफेसर बलराम पाणि ने वृक्षारोपण अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जो पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए एक उदाहरण स्थापित करता है। इस पहल को मान्यता मिली और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा पहली उपाधि से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार स्थायी जीवन और पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास के समर्पण को रेखांकित करता है।

स्नातक-पूर्व छात्रों की संख्या: 19 (विदेशी)

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 34

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 23

सर्वोत्तम प्रथाएं

सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर बल:

1. विभिन्न संस्कृतियों की समझ को बढ़ावा देने के लिए विविध सांस्कृतिक और राष्ट्रीय त्योहारों के समारोहों को प्रोत्साहित करना।
2. अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए भारतीय सांस्कृतिक विरासत के सार का अनुभव करने और उसकी सराहना करने के लिए एक वातावरण बनाना।
3. भारतीय छात्रों को अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों से गले लगाने और सीखने के लिए एक मंच प्रदान करना।

पर्यावरणीय पहल:

1. पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने और छात्रों के बीच स्थायी जीवन को बढ़ावा देने के लिए "प्रोजेक्ट ग्रीन कैंपस" की शुरुआत।

2. परिसर की हरियाली, कचरे में कमी और "शून्य प्लास्टिक कैंपस" पहल के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन प्राप्त करना।
3. प्रोवोस्ट और संकाय सदस्यों सहित प्रमुख हितधारकों को शामिल करना, पर्यावरण की पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए, स्थिरता की संस्कृति को बढ़ावा देना।

समावेशी सामुदायिक जुड़ाव:

1. रैगिंग विरोधी, पूर्वोत्तर मामलों, यौन उत्पीड़न और स्वच्छता अभियान सहित विशिष्ट मुद्दों को संबोधित करने के लिए समितियों की स्थापना।
2. छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाली कई सुविधाएं प्रदान करना, जिसमें सामान्य कमरे, कंप्यूटर कमरे, पढ़ने के कमरे, धोने की सुविधा, एक कैंटीन और खेल सुविधाएं शामिल हैं।
3. सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा गार्डों की उपस्थिति के माध्यम से निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

पारदर्शिता और जवाबदेही:

1. छात्रावास की प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सीटों के वितरण को स्पष्ट रूप से बताना।
2. निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए विभिन्न सुविधाओं और उपकरणों की खरीद पर प्रकाश डालना।
3. उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना, यह सुनिश्चित करना कि निवासियों और हितधारकों को प्रदान किए गए संसाधनों और सेवाओं के बारे में पता है।

ये सर्वोत्तम प्रथाएं एक जीवंत और समावेशी समुदाय को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हाउस (अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास) की प्रतिबद्धता का उदाहरण देती हैं जो सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यावरणीय स्थिरता और इसके निवासियों के समग्र विकास को प्राथमिकता देती है। प्रमुख हितधारकों की भागीदारी और सीखने और विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के समर्पण ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास की सफलता और उपलब्धियों में योगदान दिया है।

सुविधायें

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास आम कमरे, कंप्यूटर कमरे, पढ़ने के कमरे, कपड़े धोने की सुविधा, एक कैंटीन, व्यायामशाला, अतिथि कमरे, खेल सुविधाएं, वाई-फाई, टेलीफोन, सुरक्षा/सीसीटीवी, गीजर, और आरओ शुद्धिकरण के साथ वाटर कूलर सहित कई सुविधाएं प्रदान करना जारी हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वर्ष को निवासियों के लिए सेवाओं में सुधार द्वारा भी चिह्नित किया गया था, जैसे कि 50 कमरे की कुर्सियों, 2 कार्यकारी टेबल, 1 आरओ (केंट) 1 डबल डोर रेफ्रिजरेटर, 2 घूमने वाली कुर्सियों, 1 प्रिंटर, 5 कूलर, 2 वाटर कूलर, 1 माइक्रोवेव ओवन, 1 डबल डोर डीपफ्रीज, 1 चार डोर डीपफ्रीज, 2 डेस्कटॉप कंप्यूटर, 18 गीजर, छात्रों और कार्यालय कर्मचारियों के उपयोग के लिए 2 बैन मैरी और 2 एसी।

***

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रवास

संक्षिप्त विवरण

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रवास विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर के ढाका परिसर में स्थित है। यह लगभग 20 वर्ष पहले अस्तित्व में आया था। 3 जून, 2002 को स्थापित, महिलाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्र सभा का बहुसांस्कृतिक चरित्र छात्रावास द्वारा आयोजित सभी गतिविधियों के लिए केंद्रीय है। 34 से अधिक देशों के निवासी संयुक्त रूप से अपने सांस्कृतिक त्योहारों और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों को सद्भाव और मित्रता की भावना में मनाते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

पिछले एक वर्ष में छात्रावास में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। सत्र की शुरुआत ईद-उल-फितर 03-05-2022 से हुई। योग दिवस 21-06-2022 को मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस 15-08-2022 को मनाया गया, जिससे छात्रों और कर्मचारियों में देशभक्ति की भावना उत्पन्न हुई और ध्वजारोहण, मिठाई और विशेष नाश्ते का आयोजन किया गया। दिवाली 21-10-2022 से 24-10-2022 के दौरान छात्रावास को रोशनी से सजाया गया। रोशनी और दीयों से भरी एक औपचारिक पार्टी के बाद एक भव्य रात्रिभोज किया गया। अधिकांश निवासियों ने पारंपरिक भारतीय पोशाक पहनी और उत्सव का आनंद लिया। क्रिसमस 25-12-2022, नव-वर्ष 31-12-2022, गणतंत्र दिवस 26-01-2023 भी मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास ने वार्षिक फ्लावर शो 02-03-2023 में सर्वश्रेष्ठ माली पुरस्कार जीता। वार्षिक पिकनिक 04-03-2023 को आयोजित की गई। होली 08-03-2023 रंगों की बौछार के साथ मनाई गई। फ्रेशर्स पार्टी 11-03-2023 को और 07-06-2023 को निवर्तमान निवासियों के लिए विदाई पार्टी आयोजित की गई, जिन्होंने छात्रावास में बिताए गए अद्भुत समय को याद किया और सुनाया।

स्नातक-पूर्व छात्रों की संख्या: 18

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 45

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 19 (पीएच.डी.)

सर्वोत्तम प्रथाएं

34 से अधिक देशों के निवासी संयुक्त रूप से अपने सांस्कृतिक त्योहारों और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों को सद्भाव और मित्रता की भावना में मनाते हैं।

Facilities सुविधायें

- अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास में अपने छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं, नामत:
- 98 सुसज्जित कमरे जिनमें एक सिंगल बेड, अलमारी, गद्दा, पर्दा, स्टडी टेबल, कुर्सी आदि हैं।
- पूरे छात्रावास परिसर में सीसीटीवी है-जो निवासियों को एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में सक्षम है।

- इसमें आगंतुक लॉबी, समिति कक्ष, चिकित्सा कक्ष, भोजन कक्ष, पुस्तकालय, वाचनालय, लाउंज रूम (एलसीडी प्रोजेक्टर, बड़ी स्क्रीन और ध्वनि प्रणाली के साथ), बैडमिंटन कोर्ट, इंटरनेट कक्ष, टीवी कक्ष, व्यायामशाला। हर मंजिल पर पेंट्री हैं। बाथरूम गीजर और सौर प्रणाली के माध्यम से गर्म पानी के लिए सौर हीटर से सुसज्जित हैं। छात्रावास अपने निवासियों को वाई-फाई सुविधा प्रदान करता है। पूरे छात्रावास कॉम्प्लेक्स में वाई-फाई कनेक्शन है।
- छात्रावास आरओ वाटर कूलर सभी मंजिलों पर उपलब्ध हैं। सभी चार मंजिलों पर इलेक्ट्रिक हीटर, माइक्रोवेव, वाटर डिस्पेंसर, इलेक्ट्रिक केतली और दो फ्रिज के साथ सुसज्जित पेंट्री, शाकाहारी निवासियों के लिए एक और मांसाहारी निवासियों के लिए उपलब्ध है।
- सभी निवासियों के कपड़े धोने का काम हमारे कपड़े धोने वाले परिचर द्वारा कपड़े धोने के कमरे में किया जाता है जिसमें भूतल पर स्थित पांच पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास की पहली-तीसरी मंजिल पर अलग से इस्त्री कक्ष भी उपलब्ध है।
- आधुनिक उपकरणों के साथ तीसरी मंजिल पर व्यायामशाला है।
- भूतल पर पूरी तरह से वातानुकूलित भोजन कक्ष है।
- बिजली की विफलता/खराबी के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास पूरे परिसर में जेनसेट सुविधा प्रदान की गई है।
- छात्रों को 24×7 सुरक्षा प्रदान की जाती है।
- इसमें प्राथमिक चिकित्सा किट उपलब्ध है। निवासी डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र, (डीयू) के सदस्य हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास के छात्रों और कर्मचारियों के लिए भी छात्रावास जीवन को समृद्ध बनाने के लिए, कर्मचारियों और छात्रों के साथ छात्रावास के अधिकारियों की नियमित चर्चा सुनिश्चित की जाती है।

***

जुबली हॉल

संक्षिप्त विवरण

जुबली हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर और शोध-छात्रों के पूर्णकालिक पाठ्यक्रम के लिए छात्रावास है। यह वर्ष 1947 में दिल्ली विश्वविद्यालय की रजत जयंती के अवसर पर अस्तित्व में आया था। छात्रावास का आंतरिक प्रशासन और अनुशासन प्रोवोस्ट में निहित है जिसे वार्डन और रेजिडेंट ट्यूटर द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। हॉल की नीतियों के निर्णय दिल्ली विश्वविद्यालय की नीतियों के समग्र दिशानिर्देशों के तहत प्रबंधन समिति द्वारा लिए जाते हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

हॉल प्रोवोस्ट-प्रो सुनील के शर, वार्डन-प्रो सुभाष आनंद और निवासी ट्यूटर-डॉ नेत्रानंद साहू के नियंत्रण में कार्य करता है। सद्भाव और "विविधता में एकता" के मूल चरित्र को बनाए रखने के लिए हॉल ने सरस्वती पूजा, होली, ईद, स्वतंत्रता दिवस, दीपावली और क्रिसमस जैसे सभी त्योहारों को बहुत उल्लास और उत्साह के साथ मनाया।

स्नातक-पूर्व छात्रों की संख्या: 02

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 38

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 41

सुविधायें

हॉल में मेस को प्रोवोस्ट, वार्डन और रेजिडेंट ट्यूटर की देखरेख में एक मेस कमेटी द्वारा नो प्रॉफिट नो लॉस के आधार पर चलाई जानी है। मेस कमेटी जुबली हॉल स्टूडेंट्स यूनियन के परामर्श से प्रोवोस्ट द्वारा तैयार किए गए मेस नियमों के अनुसार कार्य करती है। कॉमन रूम हॉल में एक जंबो आकार का कॉमन रूम है जो 65 इंच एलईडी टीवी टेबल टेनिस, कैरम जैसे प्रवेश के विभिन्न साधनों से सुसज्जित है। हॉल छात्रावास के ज्ञान स्थल के रूप में भी काम करता है क्योंकि इसमें विभिन्न दैनिक समाचार-पत्र (अंग्रेजी, हिंदी) और विभिन्न क्षेत्रों की पत्रिकाएं शामिल हैं, जहां छात्र आते हैं और आसपास, राष्ट्रीय और वैश्विक घटनाओं की अंतर्दृष्टि रखते हैं। कंप्यूटर कक्ष हॉल निवासियों को इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटर की सुविधा प्रदान करता है। एक वातानुकूलित कंप्यूटर कक्ष है जो कंप्यूटर पर काम करने के लिए जगह प्रदान करता है और साथ ही नाममात्र शुल्क पर मुद्रण सुविधा प्रदान करता है। व्यायामशाला: आज के व्यस्त जीवन में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए हॉल में बड़े आकार की व्यायामशाला है जो सभी प्रकार के आधुनिक शरीर रखरखाव मशीनरी से सुसज्जित है। अतिथि कक्ष हॉल में सुसज्जित वातानुकूलित अभिभावक अतिथि कक्ष है जो निवासियों के माता-पिता के लिए मामूली शुल्क पर उपलब्ध है। कैंटीन हॉल में एक कैंटीन है जो अनुबंध के आधार पर चलती है जो जुबली हॉल छात्र संघ और हॉल प्रशासन की देखरेख में निवासियों के गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करती है। वाचनालय हॉल में वातानुकूलित वाचनालय है जिसमें एक समय में 20-25 निवासियों के बैठने की क्षमता है। कपड़े धोने की सुविधा न्यूनतम रखरखाव शुल्क के साथ निवासियों के उपयोग के लिए हॉल की प्रत्येक मंजिल पर 12 अर्ध स्वचालित मशीन स्थापित की गई हैं।

***

मानसरोवर छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

मानसरोवर छात्रावास पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए पुरुषों का निवास-स्थल है, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन के लिए भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से आने वाले 163 निवासियों को समायोजित करने की क्षमता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

- स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रोवोस्ट प्रो. सुरेंद्र सिंह ने ध्वजारोहण किया। सभी छात्रावास निवासी, कर्मचारी और अतिथि उपस्थित थे। छात्रावास परिसर में दशहरा, दिवाली, होली, ईद, सरस्वती पूजा, क्रिसमस, गांधी जयंती और अंबेडकर जयंती जैसे त्योहार भी मनाए गए।
- छात्रावास रेजिडेंट्स यूनियन ने फ्रेशर पार्टी और न्यू ईयर का आयोजन किया।
- छात्रावास के निवासियों ने वर्ष के दौरान विभिन्न आउट-डोर और इनडोर खेलों में भाग लिया।

स्नातक-पूर्व छात्रों की संख्या: 05

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 97

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 29

सुविधायें

छात्रावास अपने निवासियों को उनके ठहरने को आरामदायक बनाने के लिए कई सुविधाएं प्रदान करता है।

भोजन कक्ष अपने निवासी सदस्यों के लिए गुणवत्ता वाले शाकाहारी और मांसाहारी भोजन परोसता है। इस उद्देश्य के लिए कूपन खरीदने के बाद मेहमान और अन्य लोग भोजन कर सकते हैं।

वाचनालय एक अच्छी तरह से रोशनी वाला सुसज्जित एसी कमरा अध्ययन/पढ़ने के लिए अच्छी जगह प्रदान करता है।

इंटरनेट कक्ष इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर सभी वास्तविक निवासियों के लिए उपलब्ध है। विश्वविद्यालय नेटवर्क से जुड़े कंप्यूटर को शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक्सेस किया जा सकता है।

कॉमन रूम कॉमन रूम केबल कनेक्शन के साथ एक बड़ी स्क्रीन टीवी सेट से सुसज्जित है।

समाचार-पत्र कक्ष समाचार-पत्र और पत्रिकाएं निवासियों के लिए उपलब्ध हैं।

शीर्ष मंजिल पर एक व्यायामशाला कई आधुनिक मशीनों से सुसज्जित है, जो निवासियों को व्यायाम करने और स्वयं को तंदरूस्त और स्वस्थ रखने में मदद करती है।

अतिथि कक्ष: छात्रावास में एक सुसज्जित अतिथि कक्ष है। कमरा अभिभावकों और निवासियों के तत्काल परिवार के सदस्यों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। नियमानुसार किराया मिलने पर छात्रावास कार्यालय के माध्यम से अग्रिम रूप से कमरा बुक करना होगा। गेस्ट रूम से चेक आउट का समय सुबह

11 बजे से पहले होगा।

आगंतुक कक्ष: छात्रावास में एक सुसज्जित आगंतुक कक्ष है।

कैफेटेरिया: मानसरोवर छात्रावास कैफेटेरिया एक ठेकेदार द्वारा चलाया जाता है जहां छात्रावास प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित उचित दरों पर भोजन और पेय पदार्थ परोसे जाते हैं। कैफे सप्ताह के सातों दिन प्रात: से देर शाम तक खुला रहता है।

लॉन्ड्री हॉल में निवासियों द्वारा उपयोग के लिए सभी वॉशरूम में अर्ध-स्वचालित वाशिंग मशीन हैं।

टेलीफोन/फैक्स/फोटोस्टेट: छात्रावास परिसर के भीतर एक दुकान सभी प्रकार के दैनिक उपयोग, स्टेशनरी/प्रिंटआउट/स्कैनिंग/लेमिनेशन और फोटोकॉपी सेवाएं प्रदान करती है।

छात्रावास में एक जनरेटर सुविधा है जो आपातकालीन स्थिति में उपयोग की जाती है।

छात्रावास के निवासियों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए विश्व विश्वविद्यालय सेवा (डब्ल्यूयूएस) स्वास्थ्य केंद्र के सदस्यों के रूप में नामांकित होने का अवसर मिलता है।

***

मेघदूत छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

मेघदूत छात्रावास में दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर की पूर्णकालिक स्नातकोत्तर/शोध महिला छात्रों को रखा जाता है। इसकी आधारशिला 26 अगस्त 1989 को कुलपति प्रो. मुनीश रजा द्वारा रखी गई थी और इसका उद्घाटन 23 सितंबर 1992 को कॉलेजों के डीन डॉ. एस.एस. राणा ने किया था। इसमें 100 कमरों के दो ब्लॉक हैं। यह जी.सी. नारंग मार्ग पर मुक्त शिक्षा विद्यालय के सामने स्थित है। छात्रावास का आंतरिक प्रशासन और अनुशासन छात्रावास के प्रोवोस्ट में निहित है। प्रोवोस्ट छात्रावास के प्रशासनिक प्रमुख है। आंतरिक प्रशासन के लिए, उसे वार्डन द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। एक निवासी ट्यूटर भी है जो निवासियों और उनके सामान्य कल्याण के बीच पाठ्येतर और सांस्कृतिक गतिविधियों की देखभाल करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान, मेघदूत छात्रावास में अनेक प्रकार की पहल और ऊर्जावान गतिविधियां देखी गईं। यहाँ उनमें से कुछ इस प्रकार हैं;

स्वतंत्रता दिवस समारोह (मेघदूत छात्रावास ने 15.08.2022 को उत्साहपूर्वक स्वतंत्रता दिवस मनाया। इस समारोह में एक विशेष अतिथि उपस्थित था।)

दशहरा समारोह (एक विशेष दावत के साथ निवासियों ने जातीय नृत्य में भाग लिया और संगीत का आनंद लिया।)

दीपावली का त्यौहार (दीपावली हर्षोल्लास से मनाया गया। छात्रावास को सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया

और रोशनी की गई। छात्रावास के लोगों ने रंगोली बनाई।)

लोहड़ी उत्सव (पवित्र अग्नि प्रोवोस्ट द्वारा प्रज्वलित की गई और छात्रावास में हर कोई त्योहार मनाने के लिए इसके चारों ओर इकट्ठा हुए और एक हर्षित और सफल नव-वर्ष के लिए कामना की)

गणतंत्र दिवस समारोह (प्रोवोस्ट, वार्डन, रेजिडेंट ट्यूटर और छात्रों ने तिरंगा झंडा फहराया।

सरस्वती पूजा

होली का उत्सव

पर्यावरण दिवस समारोह

योग दिवस समारोह

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 45

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 12

सर्वोत्तम प्रथाएं

आत्मरक्षा प्रशिक्षण और सभी सांस्कृतिक गतिविधियां।

सुविधायें

टीवी रूम, भोजन कक्ष, कंप्यूटर लैब, लॉन्डरी रूम, सुरक्षा कक्ष, मेडिकल रूम, स्टडी रूम, दिव्यांग स्टडी रूम, कॉमन रूम, जिम सुविधाएं और सीसीटीवी

***

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास 2002 में स्थापित किया गया था। पूर्वोत्तर महिला छात्रावास में 101 सिंगल रूम और एक गेस्ट रूम है जिसमें एयर कंडीशनर और अटैच्ड वाश-रूम हैं। 101 कमरों में से 71% सीटें देश के पूर्वोत्तर राज्यों की छात्राओं के लिए और 30% शेष भारत की छात्राओं के लिए आरक्षित हैं।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

वर्ष के दौरान, निवासियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस, फ्रेशर नाइट, क्रिसमस, लोहड़ी, गणतंत्र दिवस, होली, वार्षिक अतिथि रात्रि और विदाई पार्टी मनाई गई। छात्रावास ने डॉ. रुचि शर्मा, जो इंदिरा विहार में डॉ. शर्मा के आदर्श इलाज में एक वरिष्ठ होम्योपैथिक सलाहकार हैं, डॉ. नीतू कटारिया, हरियाणा सरकार में एक आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी और डॉ. भवानी शेखर, एक प्रसूति रोग विशेषज्ञ और दिल्ली में सर गंगाराम अस्पताल में आईवीएफ विशेष द्वारा "स्वास्थ्य और कल्याण" विषय पर 3 व्याख्यानों की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई।

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 101

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावास परिसर में और उसके आसपास अधिक से अधिक हरियाली बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। उपयोग की जाने वाली जैविक खाद कर्मचारियों द्वारा मल्चिंग, कम्पोस्टिंग के माध्यम से तैयार की जाती है। रासायनिक उर्वरकों से पूरी तरह से परहेज किया जाता है।

सुविधायें

छात्रावास अपने निवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है: क) एलईडी टीवी और संगीत प्रणाली के साथ वातानुकूलित आम कमरा। ख) कपड़े धोने का कमरा चार पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन से सुसज्जित है। ग) प्रत्येक मंजिल में एक हॉट प्लेट, रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव और वाटर डिस्पेंसर/कूलर है। घ) प्रिंटर और इंटरनेट सुविधा के साथ वातानुकूलित कंप्यूटर कक्ष। ड•) नवीनतम पत्रिकाओं और समाचार-पत्रों के साथ वातानुकूलित वाचनालय। च) पीने के पानी के लिए प्रमुख आरओ सिस्टम। छ) बैडमिंटन कोर्ट ज) सीसीटीवी निगरानी झ) सौर वॉटर हीटर k) व्यायामशाला (कार्डियो-वैस्कुलर उपकरण) प) सुबह और शाम की सैर के लिए व्यापक लॉन।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

153वीं गांधी जयंती और 118वीं शास्त्री जयंती के अवसर पर, 2 अक्तूबर, 2022 को दिल्ली एमएसडब्ल्यू सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा आयोजित पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला प्रतिभागियों को स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल थी। कार्यशाला में तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया: स्किट के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता, जैविक अपशिष्ट परिवर्तन के लिए लैंडफिल का निर्माण और प्लास्टिक कचरे के लिए प्रभावी रीसाइक्लिंग रणनीतियां। हमारे छात्रावास के माली अब जैविक खाद लैंडफिल को प्रभावी ढंग से संभाल रहे हैं, निवासियों और छात्रावास के अधिकारियों ने प्लास्टिक कचरे को विशिष्ट प्लास्टिक कूड़ेदान में डालने के लिए एक बिंदु बनाया है, प्रारंभिक बिंदु पर कचरे को अलग करना अपशिष्ट पृथक्करण की संस्कृति को बढ़ावा देना। हमारे छात्रावास को शून्य अवशिष्ट प्रमाणपत्र भी मिला है।

***

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान, हमारा छात्रावास सांस्कृतिक और उत्सव की घटनाओं के जीवंत टेपेस्ट्री के साथ स्पंदित हुआ। 15 अप्रैल, 2022 को अम्बेडकर जयंती के स्मरणोत्सव के साथ शुरू होने वाला उत्सव ईद और 29 अप्रैल को "इफ्तार" के आनंदमय आयोजन के साथ जारी रहा। विशेष रूप से, एक शताब्दी समारोह बोर्ड की स्थापना ने छात्रावास की बाहरी दीवार को सुशोभित किया, जो सामूहिक अस्तित्व की एक सदी का एक वसीयतनामा है। छात्रावास सांस्कृतिक विविधता के साथ गूंजता है, व्यास पूजा, जन्माष्टमी, नवरात्रि

पूजा, दिवाली, क्रिसमस और नव-वर्ष की पूर्व संध्या जैसे अवसरों को चिह्नित करता है। प्रत्येक उत्सव एक अनूठी चमक लेकर आया, जिसका समापन 13 जनवरी, 2023 को लोहड़ी के विपुल पालन में हुआ।

देशभक्ति क्रमशः 9 अगस्त, 2022 को ध्वज वितरण और ध्वजारोहण समारोह और 15 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस के दौरान बढ़ी, इसके बाद 26 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस हुआ। उत्सवों के स्पेक्ट्रम में 8 मार्च, 2023 को होली शामिल थी, जो हमारे छात्रावास समुदाय के भीतर साझा अनुभवों और सांस्कृतिक एकता का एक समृद्ध मोज़ेक बुनती है।

समितियां

- कॉमन रूम: कॉमन रूम गतिविधियों को व्यवस्थित करने के लिए।
- सांस्कृतिक: सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने के लिए।
- स्वास्थ्य और स्वच्छता: छात्रावास की स्वच्छता की देखभाल करने के लिए।
- खेल: खेल गतिविधियों को व्यवस्थित करने के लिए।
- मेस: मेस मेनू और कच्चे माल की खरीद को व्यवस्थित करने के लिए।
- एंटी रेजिंग और डिसिप्लिनरी: उग्र से बचने और उग्र से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए।
- होली: छात्रावास में होली की गुंडागर्दी का मुकाबला करने के लिए।
- धूम्रपान विरोधी: छात्रावास परिसर में धूम्रपान से बचने के लिए।

सुविधायें

कॉमन रूम, वाई-फाई सुविधाओं के साथ इंटरनेट के साथ वातानुकूलित पुस्तकालय सह कंप्यूटर लैब, मोटर चालित ट्रेडमिल के साथ जिम, कपड़े धोने और प्रत्येक मंजिल पर अर्ध स्वचालित वाशिंग मशीन, फोटोकॉपी आउटलेट, दो बैडमिंटन कोर्ट और मनोरंजन हॉल जैसी सुविधाओं के मामले में छात्रावास में काफी सुविधाएं हैं।

***

राजीव गांधी महिला छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

राजीव गांधी महिला छात्रावास, ढाका छात्रावास कॉम्प्लेक्स, मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित एक बहुत ही विशाल और सुंदर छात्रावास है। छात्रावास भवन का निर्माण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय(एमडीएनईआर/एनईसी) और जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमटीए) की वित्तीय सहायता से किया गया था। छात्रावास जून 2012 में अस्तित्व में आया।

छात्रावास परिसर उत्तर पूर्व और भारत के अन्य हिस्सों से महिला छात्रों (स्नातकोत्तर और शोध विद्वानों) के लिए बड़े पैमाने पर एक आत्मनिर्भर निवास है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

सांस्कृतिक गतिविधियाँ और छात्रावास की उपलब्धियाँ: भारत एक सांस्कृतिक रूप से विविध राष्ट्र और रंगारंग उत्सवों की भूमि है। छात्रावास स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय त्योहारों पर ध्वजारोहण समारोह आयोजित करता है। भारत के राष्ट्रीय त्योहारों को छात्रावास में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। होली, दिवाली, क्रिसमस, ईद, लोहड़ी और सरस्वती पूजा जैसे त्योहार बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाए जाते हैं। निवासी समय-समय पर छात्रावास द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 414

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 60

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावास ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए साप्ताहिक योग-ध्यान सत्र आयोजित किया।

छात्रावास ने 2 मार्च, 2023 को आयोजित 65वें वार्षिक फ्लावर शो में फूलों और लॉन की अलग-अलग प्रविष्टियां देकर भाग लेकर अपनी सूक्ष्मता साबित की और इसे तीन प्रथम पुरस्कार-हंसराज महाविद्यालय कप, लेडी श्री राम कप और मनोविज्ञान विभाग कप से सम्मानित किया गया है।

दिल्ली नगर निगम ने छात्रावास का निरीक्षण किया और छात्राओं के लिए राजीव गांधी छात्रावास को शून्य अपशिष्ट परिसर घोषित किया और साइट कंपोस्टिंग, वेट एंड ड्राई वेस्ट सेग्रीगेशन के प्रयासों और एसयूपी (एकल उपयोग प्लास्टिक) के उचित कार्यान्वयन के लिए एक प्रमाणपत्र प्रदान किया

सुविधायें

सामान्य सुविधाएं: छात्रावास में दो आम कमरे और एक आगंतुक कक्ष है। केबल के साथ टेलीविजन भी प्रदान किया गया है। अन्य सुविधाओं में विशाल वातानुकूलित वाचनालय और पुस्तकालय, वाई-फाई सुविधा के साथ कंप्यूटर लैब, ब्यूटी पार्लर और टक शॉप शामिल हैं। छात्रावास खाली करने के समय सामान रखने के लिए प्रत्येक क्लस्टर में स्टोर रूम उपलब्ध है। इंडक्शन प्लेट हर क्लस्टर की प्रत्येक मंजिल पर उपलब्ध है। आरओ इकाइयों के साथ वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं। निवासियों के लिए पीने के पानी के लिए 4 डिस्पेंसर भी उपलब्ध हैं। चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान की जाती है। छात्रावास परिसर को निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरों से सुरक्षित किया जाता है, एक पूर्ण धूम्रपान और वाहन मुक्त क्षेत्र, अच्छी तरह से बनाए रखा लॉन और उद्यान छात्रावास की सुंदरता में वृद्धि करते हैं।

छात्रावास के निवासियों को विश्व विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य के रूप में नामांकित होने का अवसर मिलता है। छात्रावास में बुनियादी और साथ ही आपातकालीन स्वास्थ्य उपचार की व्यवस्था है। चिकित्सा आपातकाल के मामले में, निवासी को निकटतम उपलब्ध अस्पताल में ले जाया जाता है, स्थानीय अभिभावक को उसके वार्ड का प्रभार लेने के लिए सूचित किया जाता है। इसके अलावा, प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित एक चिकित्सा कक्ष है।

खेल सुविधाएं क) जिम कक्ष: बुनियादी व्यायाम उपकरण-साइकिल+डम्बल, क्रॉस ट्रेनर+एरोबिक कदम, ख) इनडोर खेल: टेबल टेनिस+कैरम+लूडो+शतरंज टेबल टेनिस+कैरम+लूडो+शतरंज ग) आउटडोर खेल: बास्केट बॉल+बैडमिंटन कोर्ट+योगा मैट+बैडमिंटन, बैट और बॉल+लंघन रस्सियाँ

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रावास सभी सुविधाओं का नियमित रखरखाव सुनिश्चित करता है। छात्रावास द्वारा स्वच्छता, जल आपूत, बिजली और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दो पूर्णकालिक केयरटेकर नियुक्त किए गए हैं ताकि छात्रावास प्राधिकारियों को दैनिक स्थिति के बारे में अद्यतन किया जा सके। पूरी जगह को साफ-सुथरा रखने के लिए बहुत सावधानी बरती जा रही है। छात्रावास, निवासियों को एक आरामदायक, अनुकूल और घरेलू वातावरण प्रदान करते है।

***

सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास की स्थापना नॉर्थ ईस्ट काउंसिल, गृह मंत्रालय, भारत सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा की गई है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले देश के पूर्वोत्तर हिस्सों के छात्रों के साथ-साथ शैक्षणिक कार्यक्रमों का अनुसरण करने वाले अन्य छात्रों और साउथ कैंपस के वास्तविक छात्रों को आवासीय सुविधा प्रदान करता है। यह विश्वविद्यालय के मामूली और सुसज्जित छात्रावासों में से एक है। इसमें दोहरे साझाकरण आधार पर 130 छात्रों को समायोजित करने की क्षमता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

छात्रावास ने गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस को अत्यधिक छात्रों की भागीदारी के साथ मनाया।

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 110

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 1

सर्वोत्तम प्रथाएं

सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास ने ऑनलाइन प्रवेश और शुल्क भुगतान प्रणाली को अपनाया। छात्र, विश्वविद्यालय में शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना, ऑनलाइन प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश सूची ई-मेल द्वारा सभी को साझा की गई।

सुविधायें

छात्रावास निवासियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन, नाश्ता, अपरान्ह भोज, हाई-टी और रात्रि भोज प्रदान करते है। छात्रावास में डीटीएच सेवा के साथ उच्च स्तरीय एलईडी टीवी सेट के साथ मनोरंजन कक्ष और दर्जनों समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के साथ आम पढ़ने की जगह है। छात्रावास व्यायामशाला और इनडोर खेलों जैसे टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम-बोर्ड आदि के लिए खेल सुविधाएं प्रदान करता है। छात्रावास निवासियों को

सुचारु और तेज इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए आधुनिक वाई-फाई सुविधा से लैस है। छात्रावास ने बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर 8 कैमरों के साथ सीसीटीवी लगाए हैं। छात्रावास निवासियों को 24x7 सुरक्षा प्रदान करता है और गार्ड के साथ पार्किंग की सुविधा प्रदान करता है। छात्रावास में स्वचालित सैनिटाइजिंग मशीन और आइसोलेशन रूम तैयार किया गया है। छात्रावास में एक डबल बेड अतिथि कक्ष और अतिथि-गृह है जो एयर कंडीशनर और हीट कन्वेक्टर से सुसज्जित है। दोनों सुविधाएं, आगंतुक मेहमानों और निवासियों के माता-पिता के लिए खुली हैं। सारामती छात्रावास ने छात्रावास के चारों ओर हरे-भरे, सुंदर परिदृश्य को भी बनाए रखा गया है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

दिल्ली विश्वविद्यालय और पूर्वोत्तर परिषद, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, 70% सीटें पूर्वोत्तर राज्यों से संबंधित छात्रों के लिए आरक्षित हैं। तथापि, यदि पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों के लिए आरक्षित सीटें रिक्त रहती हैं तो ये सीटें अन्य विद्याथयों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन निर्धारित प्रपत्र पर किया जाना चाहिए जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस की वेबसाइट (अर्थात www.south.du.ac इंच) और छात्रावास की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है (http://pgmenhosteludsc.du.ac.in)

***

सामाजिक कार्य विभाग छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

विभाग का अपना छात्रावास है। इस छात्रावास की आधारशिला श्रीमती दुर्गाबाई देशमुख, अध्यक्ष, केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड, भारत सरकार द्वारा 25 जुलाई, 1962 को रखी गई थी। छात्रावास 16 जुलाई, 1966 से कार्यात्मक हो गया। विभाग परिसर के भीतर एक संलग्न छात्रावास होने के नाते, यह सामाजिक कार्य के छात्रों के समग्र व्यक्तित्व के विकास में वृद्धि करता है और उनके व्यावसायिक कारकों को सुदृढ़ करने में मदद करता है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में अठारह महिला और पच्चीस पुरुष छात्रों (कुल 43) को तैंतालीस कमरों में समायोजित किया जा रहा है।

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 43

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 1

सुविधायें

परिसर दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति काफी अनुकूल है। इसके प्रवेश द्वार को संशोधित किया गया है और उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप रैंप के साथ लगाया गया है। उनचास कमरे हैं; सुसज्जित रसोई और भोजन सुविधाओं के साथ एक छात्रों का प्रबंधित मेस; रिवर्स ऑस्मोसिस फ़िल्टरिंग सुविधाओं के साथ तीन पेयजल बिंदु; एक वातानुकूलित आम कमरा; दो बीमार/अलगाव कमरे (प्रत्येक विंग में एक); एक बैठक

कक्ष; कार्यालय के कमरे; वार्डन का निवास; हरे-भरे लॉन; पेड़ों और उद्यानों; नगरपालिका जल आपूर्ति के अलावा एक बोरवेल कुआं; सुरक्षा सेवाओं के अलावा सीसीटीवी निगरानी; कॉमन रूम में डीटीएच सेवाओं के साथ टीवी; और कई समाचार-पत्र, पत्रिकाएं और पत्रिकाएं। डीएसडब्ल्यू छात्रावास की अपनी websitehttp://dswh.du.ac.in है जो छात्रावास के बारे में जानकारी प्रदान करती है। विभाग परिसर में दिनभर सुरक्षा की व्यवस्था है। छात्रावास के लिए, रात के समय एक अतिरिक्त सुरक्षा है। दो सुरक्षा गार्ड प्रतिदिन दो शिफ्टों में अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। अग्नि सुरक्षा के उपाय भी किए गए हैं।

***

छात्राओं के लिए स्नातक-पूर्व छात्रावास

छात्रावास अक्तूबर 2012 में स्थापित किया गया था। छात्रावास को सात ब्लॉकों के साथ एक विशाल परिसर में खूबसूरती से डिजाइन किया गया है और डबल अधिवास पर कुल 344 कमरे हैं।

यह दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तर और दक्षिण दोनों परिसरों सहित 49 कॉलेजों/विभागों के स्नातक छात्रों को समायोजित करने वाला पहला छात्रावास है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

छात्रावास ने पूरे वर्ष असंख्य आकर्षक और समृद्ध घटनाओं का आयोजन किया। उल्लेखनीय गतिविधियों में पठन-पाठन छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम, तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए एक छात्र-संगठित विदाई समारोह और डॉ. कृष्णा गोला द्वारा आयोजित एक फ्रैक्चर रोकथाम और देखभाल कार्यक्रम शामिल थे। प्रोवोस्ट के नेतृत्व में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम, एमसीडी आयुक्त के साथ अपशिष्ट पृथक्करण पर एक बैठक और दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के तहत विभिन्न सत्रों ने समग्र विकास के लिए छात्रावास की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा, क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट में स्नातकोत्तर अध्ययन और थैलेसीमिया जागरूकता शिविर जैसे विषयों पर विशेष सत्रों ने अकादमिक कैलेंडर में गहराई को जोड़ा। छात्रावास में अकादमिक और सांस्कृतिक आयामों का मिश्रण है, प्रमुख त्योहारों का जश्न मनाया जाता है, गणेश उत्सव की मेजबानी, दिवाली, क्रिसमस, नव-वर्ष, लोहड़ी और होली की मेजबानी की जाती है।

15 दिवसीय योग सत्र और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह द्वारा जीवंत वातावरण को और बढ़ाया गया। एक अनुकूल अध्ययन परिवेश को बढ़ावा देने के लिए छात्रावास का समर्पण छात्र जुड़ाव के लिए अपने विविध और समावेशी दृष्टिकोण में स्पष्ट था।

पुरस्कार

छात्रावास ने 2 मार्च, 2023 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय फ्लावर शो में भाग लिया और कई पुरस्कार जीते।

1. अभिमन्यु संघी मेमोरियल कप
2. जौहरी कप

3. डॉ. रमाला भार कप
4. पुरस्कार नकद मूल्य रु.3850/-

समितियाँ

2022-23 की अवधि के दौरान, निम्नलिखित समितियों का गठन किया गया था:

- धूम्रपान विरोधी समिति
- यौन उत्पीड़न विरोधी समिति
- रैगिंग विरोधी समिति
- नस्लीय भेदभाव समिति
- पूर्वोत्तर के लिए नोडल अधिकारी
- होली समिति
- तंबाकू मुक्त परिसर के लिए नोडल अधिकारी

सुविधायें

छात्रावास में वातानुकूलित सहित कई आधुनिक सुविधाएं हैं

- कॉमन रूम
- कंप्यूटर लैब
- दो वाचनालय
- व्यायामशाला
- खेल कक्ष
- पुस्तकालय
- आगंतुकों का कमरा
- चिकित्सा सुविधाओं के साथ चिकित्सा कक्ष, जिसमें एक दैनिक नर्स और सप्ताह में तीन बार डॉक्टर का दौरा शामिल है
- दो टीवी रूम
- छात्रावास में एक अच्छी तरह हवादार भोजन कक्ष भी है
- अन्य सुविधाओं में शामिल हैं:
- कपड़े धोने का कमरा
- टक-शॉप
- बैडमिंटन कोर्ट
- बास्केट बॉल कोर्ट
- टेबल टेनिस कोर्ट

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हरे-भरे लॉन और फूलों की क्यारियाँ निवासियों का स्वागत करती हैं। भारत की समृद्ध विरासत को जीवित रखते हुए दीवारों को चित्रों से सजाया गया है। छात्रों की सुरक्षा के लिए कॉमन एरिया और गेट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। दिव्यांगों के अनुकूल वॉशरूम और रैंप हैं। सभी शुल्क ऑनलाइन एकत्र किए जाते हैं। मेस में दिन में चार बार भोजन परोसा जाता है, जिसमें पैक्ड लंच की सुविधा भी शामिल है। छात्रावास हरित प्रथाओं को अपनाता है, जिसमें अपशिष्ट पृथक्करण, बगीचे के कचरे को खाद बनाना, पर्यावरण के अनुकूल एलईडी प्रकाश व्यवस्था पर स्विचओवर, न्यूनतम कागज का उपयोग आदि शामिल हैं।

***

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

महिला सशक्तिकरण के लिए उत्प्रेरक बनने के लिए, उन्हें उच्च अध्ययन करने और समाज के विकास का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने के संदर्भ में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने फरवरी, 1973 में एक आवासीय संस्थान शुरू करने का निर्णय लिया। इसे स्नातकोत्तर महिला छात्रावास के रूप में नामित किया गया था, जिसे बाद में विश्वविद्यालय महिला छात्रावास के रूप में नाम दिया गया था। इस छात्रावास को न केवल भारत से, बल्कि दुनिया भर के विद्वानों को "घर से दूर एक कोई घर" प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था। विचार यह था कि "कोई लाभ नहीं हानि नहीं" संरचना हो जहां सभी वर्गों और जनता की महिलाओं को एक किफायती निवास मिल सके।

यह संस्थान आज दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी संकायों में 55 से अधिक विभागों के स्नातकोत्तर और शोध विद्वानों को एक छात्रावास प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ; प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ; इसमें सदैव छात्रावास की परंपरा में अनेक कार्यों और समारोहों का आयोजन किया है। 2022-2023 में निम्नलिखित समारोह आयोजित किए गए थे।

उत्सव समारोह;

छात्रावास में दिवाली, क्रिसमस की पूर्व संध्या, नव-वर्ष की पूर्व संध्या, लोहड़ी, सरस्वती पूजा और होली जैसे सभी त्योहार मनाए गए।

चेतना बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय त्योहार और गतिविधियाँ;

15 अगस्त 2022, स्वतंत्रता दिवस: सभी अधिकारियों, निवासियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रगान और अन्य देशभक्ति गीत गाकर स्वतंत्रता दिवस के समारोह में देश का साथ दिया।

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 57

सर्वोत्तम प्रथाएं

हम इस बात पर गर्व करते हैं कि सभी प्रशासन और निवासी एक परिवार के रूप में एक साथ रहते हैं और प्रत्येक त्योहार और अवसर को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं।

सुविधायें

- कॉमन रूम/रीडिंग रूम
- आगंतुक कक्ष
- रुग्णता कक्ष
- रा रूम
- कपड़े धोने का कमरा
- टेलिविजन और रेफ्रिजरेटर
- बहुउद्देशीय हॉल
- बैडमिंटन कोर्ट

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

निवासियों को ठंडा, फ़िल्टर्ड और सुरक्षित पेयजल प्रदान करने के लिए भवन में उपयुक्त स्थानों पर वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं। हॉट प्लेट्स और इंडक्शन सुविधा फर्श पर प्रदान की जाती है। सभी निवासियों को विश्व विश्वविद्यालय सेवा (डब्ल्यूयूएस) की स्वास्थ्य केन्द्र कार्ड सुविधा प्रदान की जाती है।

***

वी.के.आर.वी. राव छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

वी.के.आर.वी. राव छात्रावास का नाम प्रोफेसर वीकेआरवी राव के नाम पर 1999 स्थापित किया गया था। यह प्रवंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस) और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई), दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों और शोध विद्वानों के लिए एक विशेष छात्रावास है।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ

छात्रावास के निवासियों ने स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती सहित राष्ट्रीय दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाए। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय एकता की संस्कृति को स्थापित करने के लिए तिरंगा झंडा फहराकर मनाया गया, जबकि गांधी जयंती स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता पर जोर देती है।

छात्रावास के निवासियों ने कोविड-19 के प्रोटोकॉल को बनाए रखते हुए दिवाली, होली, लोहड़ी, सरस्वती पूजा और क्रिसमस की पूर्व संध्या पर विभिन्न त्योहारों को बहुत उत्साह के साथ मनाया। छात्रावास के सांस्कृतिक कार्यक्रम सत्र की शुरुआत में फ्रेशर्स के स्वागत के साथ शुरू होते हैं और सत्र के अंत में विदाई पार्टी के साथ समाप्त होते हैं।

इस वर्ष छात्रावास ने अपना वार्षिक समारोह 'उमंग' बड़े उत्साह के साथ मनाया था।

वार्षिक समारोह के दौरान छात्रावास में सांस्कृतिक, साहित्यिक और इंट्रा छात्रावास खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न कॉलेजों व छात्रावासों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

अंत में गरिमा वितरण समारोह हुआ, जिसमें छात्रावास के अधिकारियों व छात्रावास के अध्यक्ष ने विजयी अभ्यर्थियों को दलीलों का वितरण किया।

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या

108 निवासियों की क्षमता

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या: 10

सर्वोत्तम प्रथाएं

छात्रावास ने निवासियों की आवश्यकताओं और कल्याण को पूरा करने के लिए एक सेवा समिति का गठन किया है। इसके अलावा, इसने एंटी-रैगिंग समिति, पूर्वोत्तर के छात्रों के कल्याण और छात्रों के लिए शिकायत समिति सहित कई अन्य समितियों का गठन किया है जो छात्रावास के निवासियों के सामने आने वाले सभी मुद्दों को शामिल करते हैं।

सुविधायें

छात्रावास अपने निवासियों के जीवन की गुणवत्ता को समर्थन और बढ़ाने के लिए सेवाओं और संसाधनों की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करता है।

1. निवासियों के मेहमानों के लिए सुविधाएं।
2. केवल अभिभावकों के लिए अतिथि कमरे।
3. चिकित्सा सुविधाएं।
4. मेस और भोजन कक्ष।
5. कैनटीन।
6. कंप्यूटर और इंटरनेट और वाई-फाई सुविधाएं।
7. कॉमन रूम।
8. जिम और खेल आयोजन।
9. प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स।
10. Book Bank बुक बैंक।

11. कपड़े धोने की सेवाएं।

12. वाचनालय।

13. आगंतुकों का कमरा।

14. सीसीटीवी कैमरों के साथ छात्रावास सुरक्षा।

15. दिव्यांग के अनुकूल संसाधन।

***

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास

संक्षिप्त विवरण

महिलाओं के लिए डब्ल्यूयूएस यूनिवर्सिटी छात्रावास पीएच.डी. छात्रों का निवास है। विश्वविद्यालय के शिक्षक, विजिटिंग शिक्षक और 18 कमरों की क्षमता वाले पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ता। छात्रावास को 1990 में विश्व विश्वविद्यालय विज्ञान से विश्वविद्यालय द्वारा लिया गया था।

एम.फिल./पीएच.डी. छात्रों की संख्या-18

सुविधायें

निवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गई हैं:

आगंतुक कक्ष (एसी)

कलर टीवी

दोनों मंजिलों और रसोई पर रेफ्रिजरेटर

समाचार-पत्र (हिंदी और अंग्रेजी)

सीसीटीवी

वॉशिंग मशीन

मेस सहकारी आधार पर कार्य करता है। तथापि, छात्रावास द्वारा भोजनालय सुविधा के लिए अवसंरचना उपलब्ध कराई जा रही है।

****

दिल्ली विश्वविद्यालय

वर्ष 2022–23 के वार्षिक लेखे

सूचकांक

क्रमांक	विवरण का नाम	पृष्ठ संख्या
	क. दिल्ली विश्वविद्यालय	
1.	तुलन पत्र	1
2.	आय तथा व्यय लेखा	2
3.	अनुसूची जो तुलनपत्र का भाग है : अनुसूची 1,2,3,4,5,6,7,8	3 से 23
4.	अनुसूची जो आय तथा व्यय का भाग है : अनुसूची 9,10,11,12,13,14,15ए16ए17ए18ए19ए20ए21ए22	24 से 39
5.	महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियॉ रू अनुसूची 23	40 से 46
6.	आनुषांगिक देयताएँ तथा लेखो पर टिप्पणियॉ रू अनुसूची 24	47 से 52
7.	प्राप्ति और अदायगी लेखा	53 से 54
	ख. भविष्य निधि लेखा	
8.	तुलनपत्र	55
9.	आय तथा व्यय लेखा	56
10.	प्राप्ति और अदायगी लेखा	57
	ग. नई पेंशन निधि	
11.	तुलनपत्र	58
12.	आय तथा व्यय लेखा	59
13.	प्राप्ति और अदायगी लेखा	60
	घ. हॉल तथा छात्रावास	
14.	समेकित तुलनपत्र	61
15.	समेकित आय तथा व्यय लेखा	62
16.	समेकित प्राप्ति और अदायगी लेखा	63

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2023 तक का तुलन पत्र

धनराशि करोड़ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
निधियों के स्रोत			
समग्र/पूंजीगत निधि	1	(2388.36)	(1989.67)
नामोद्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	2	1199.95	1599.19
चालू देयताएं और प्रावधान	3	4106.88	3244.96
कुल		2918.47	2854.48
निधियों के अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	759.98	763.84
अमूर्त परिसंपत्तियां		2.14	2.98
पूंजी वर्क इन प्रोग्रेस		3.47	---
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	5	63.81	66.52
निवेश - अन्य	6	---	---
चालू परिसंपत्तियां	7	1953.26	1878.19
ऋण, अग्रिम और जमा	8	135.81	142.95
कुल		2918.47	2854.48
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और नोट्स टू अकाउंट्स	24		

दिनांक : 7 अगस्त 2023

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

धनराशि करोड़ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	153.52	153.47
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	766.11	697.28
निवेशों से आय	11	2.23	1.62
अर्जित ब्याज	12	1.59	1.93
अन्य आय	13	10.58	8.38
पूर्व अवधि आय	14	4.30	0.00
स्टॉक में वृद्धि/कमी		1.02	0.77
कुल (क)		939.35	863.45
व्यय			
स्टाफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	1039.35	804.60
शैक्षणिक व्यय	16	91.67	76.53
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	142.89	118.74
परिवहन व्यय	18	1.35	0.56
मरम्मत एवं रखरखाव	19	34.61	17.65
वित्तीय लागत	20	0.01	0.01
मूल्यहास	4	35.64	31.97
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं इत्यादि पर खर्च	21	16.93	13.81
पूर्व अवधि आय	22	37.28	11.49
कुल (ख)		1399.73	1075.36
आय पर व्यय के आधिक्य/(व्यय का आय पर आधिक्य) का शेष (क-ख)		(460.38)	(211.91)
नामोद्दिष्ट निधि से/का स्थानांतरण भवन निधि/अन्य (विनिर्दिष्ट करें)			
अधिशेष/(कमी) के रूप में शेष का पूंजीगत निधि में शामिल		(460.38)	(211.91)
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और नोट्स टू अकाउंट्स	24		

दिनांक : 7 अगस्त 2023

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2023 तक का तुलन पत्र

धनराशि ₹ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
निधियों के स्रोत			
समग्र/पूंजीगत निधि	1	(23883612378)	(19896737698)
नामोद्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	2	11999545279	15991877962
चालू देयताएं और प्रावधान	3	41068792016	32449632762
कुल		**29184724917**	**28544773026**
निधियों के अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	7599842715	7638378423
अमूर्त परिसंपत्तियां		21379611	29848025
पूंजी वर्क इन प्रोग्रेस		34675556	-----
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	5	638100000	665183000
निवेश - अन्य	6	-----	-----
चालू परिसंपत्तियां	7	19532636063	18781856056
ऋण, अग्रिम और जमा	8	1358090972	1429507522
कुल		**29184724917**	**28544773026**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और नोट्स टू अकाउंट्स	24		

दिनांक : 7 अगस्त 2023

दिल्ली विश्वविद्यालय,

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

धनराशि ₹ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	1535159573	1534725903
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	7661138800	6972795725
निवेशों से आय	11	22273788	16178940
अर्जित ब्याज	12	15944141	19326702
अन्य आय	13	105797565	83836579
पूर्व अवधि आय	14	43015515	0
स्टॉक में वृद्धि/कमी		10242765	7661742
कुल (क)		**9393572147**	**8634525591**
व्यय			
स्टाफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	10393472688	8045976222
शैक्षणिक व्यय	16	916744953	765337471
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	1428926768	1187417190
परिवहन व्यय	18	13549903	5568048
मरम्मत एवं रखरखाव	19	346093041	176530299
वित्तीय लागत	20	83093	69473
मूल्यह्रास	4	356437186	319662566
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं इत्यादि पर खर्च	21	169301972	138117277
पूर्व अवधि आय	22	372807549	114871468
कुल (ख)		**13997417153**	**10753550014**
आय पर व्यय के आधिक्य/(व्यय का आय पर आधिक्य) का शेष (क-ख)		(4603845007)	(2119024423)
नामोद्दिष्ट निधि से/का स्थानांतरण भवन निधि/अन्य (विनिर्दिष्ट करें)			
अधिशेष/(कमी) के रूप में शेष का पूंजीगत निधि में शामिल		**(4603845007)**	**(2119024423)**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और नोट्स टू अकाउंट्स	24		

दिनांक : 7 अगस्त 2023

दिल्ली विश्वविद्यालय,
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 1 -समग्र/पूंजीगत निधि	चालू वर्ष		गत वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष		(19896737698)		(18161577781)
जोड़ें: योजना लेखा के समग्र/पूंजीगत निधि के प्रति अंशदान		-----		-----
जोड़ें: समग्र/ पूंजीगत निधि के प्रति अंशदान		-----		-----
जोड़ें: यू.जी.सी., भारत सरकार और राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान का पूंजीगत व्यय हेतु एक सीमा तक उपयोग किया गया				
(क) - योजना लेखा	53431387		40292004	
(ख) - एफ आर पी / सी पी डी एच ई (0875)	11102404		-----	
(ग) - गैर-योजना लेखा (पूंजीगत संपति)	135534087		157443633	
(घ) - ई डब्ल्यू एस के तहत जमा आधार पर सी पी डब्ल्यू डी को राशि जारी की गई	250000000	450067878	100000000	297735637
जोड़ें: उद्दिष्ट निधि में से क्रय की गई परिसंपत्तियां				
(क) - विविध लेखा	8366595		1308370	
(ग) - अन्य उद्दिष्ट निधि	117603352	125969947	56725210	58033580
जोड़ें: यू.जी.सी. विशिष्ट योजना 0875 में से क्रय की गई परिसंपत्तियां		-----		1516857
जोडें: प्रयोजित परियोजनाओं से खरीदी/क्रय की गई परिसंपत्तियां, जहां स्वामित्व संस्था के पास ही है				
जोड़ें: दान/उपहार स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां	742		1008	
जोड़ें: बंद परियोजना द्वारा प्राप्त परिसंपत्तियां	26960513	26961255	27696275	27697283
जोड़ें: ऋण का समायोजन ए.सी.बी.आर. (2021-22)		-----		500000
जोड़ें: पिछले वर्ष का समायोजन		19948251		-----
घटाएँ: वर्ष के दौरान बेची गई परिसंपतियों का ह्रासित मूल्य (डब्ल्यू.डी.वी.)		(4778209)		(1618851)
घटाएँ: लेखापरीक्षा अवलोकन के अनुसास भवन मे समायोजन		(1198795)		-----
जोड़ें: व्यय पर आय के आधिक्य को आय और व्यय खाते से अंतरण कर दिया गया		(4603845007)		(2119024423)
वर्ष के अंत में शेष		**(23883612378)**		**(19896737698)**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 2 – नामोद्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां

धनराशि ₹ में

विवरण	निधिवार ब्योरा			कुल	
	विविध लेखा	अक्षय निधियां	अन्य उद्दिष्ट	चालू वर्ष	गत वर्ष
क.					
क) प्रारंभिक शेष	1620971379	1063958957	13306947626	15991877962	9515403543
प्रारंभिक शेष योजना लेखा	-	-	(4747144861)	(4747144861)	4781958314
प्रारंभिक शेष एल. डी. एफ.	-	-	-	0	42964506
प्रारंभिक शेष दान खाते का	-	1661068	(1661068)	-	-
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन					
(i) निधियों से किए गए निवेशों से आय	38031984	30728658	275109734	343870376	419774353
(ii)) निवेशों/अग्रिमों पर प्रोद्भूत ब्याज	41215898	30661468	220047109	291924475	312277992
(iii) बचत बैंक खाता पर ब्याज	300425	936016	4706424	5942865	8393639
(iv) अन्य परिवर्धन (प्रकृति निर्दिष्ट करें)	52039625	54698614	767309336	874047575	1318093354
कुल (क)	1752559311	1182644781	9825314300	12760518392	16398865700
ख.					
निधियों के प्रयोजनार्थ उपयोगिता/व्यय					
ii) पूंजीगत व्यय	8366595	----	117603352	125969947	98325584
iii) राजस्व व्यय	425107038	54128203	155767925	635003166	308662154
कुल (ख)	433473633	54128203	273371277	760973113	406987738
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क-ख)	1319085678	1128516578	9551943023	11999545279	15991877962
प्रस्तुतकर्ता					
नकद और बैंक शेष					
चालू खाता	----	----	----	0	3860940
बचत खाता	8442291	9914172	131513983	149870446	370117108
निवेश	----	134200000	500900000	635100000	665100000
सावधि जमा	1259785245	950007468	8523814209	10733606922	14281489266
प्रौद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं	41215898	30695635	220280348	292191881	312507809
शेयर्स	----	----	3000000	3000000	83000
अन्य कर्ज़/अग्रिमों	884925	----	53393020	54277945	295819627
यूनिवर्सिटी प्रेस को देय राशि	----	----	----	0	(18202)
विद्युत जमा	----	----	9409500	9409500	9409500
अनुदान योजना खाते से संबंधित नहीं	----	----	----	0	(747353)
पूंजीगत संपत्ति/परियोजना खाता एसीबीआर	----	----	----	0	(19773445)
कर पर स्रोत कटौती की वापसी	8757319	3699303	89631963	102088585	90470875
जीएसटी प्राप्य	----	----	----	0	66960
विशिष्ट योजनाओं के तहत प्राप्त अन्य अनुदान	----		----	0	(16508123)
इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस को ऋण	----	----	20000000	20000000	0
कुल	1319085678	1128516578	9551943023	11999545279	15991877962

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची - 2 क अक्षय निधि

धनराशि ₹ ३

1.क्र.सं. क.	2.अक्षय निधि का नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान परिवर्धन			कुल	दौरान वस्तु पर व्यय	अंत शेष		कुल
		3.अक्षय निधि	4.संचित ब्याज	5.अक्षय	6.ब्याज	7.अक्षय निधि	8.संचित ब्याज (4+6)		10. अक्षय	11.संचित ब्याज	(10+11)
1	सर शंकर लाल संगीत स्थान (298355)	2560144	737331	0	72885	2560144	810216	10047	2560144	800169	336031
2	श्री श्री राम चेयर इन फिजिक्स (298399)	8075484	4390764	0	282772	8075484	4673536	47	8075484	4673489	1274897
3	श्री शंकर लाल चेयर इन कमेस्ट्री (298402)	8942830	4998119	0	294608	8942830	5292727	1100118	8942830	4192609	1313543
4	आई.एफ.सी. चेयर इन फेकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीस (298683)	16159640	8735929	0	585875	16159640	9321804	93	16159640	9321711	2548135
5	एस.पी. जैन एडवांस्ड मैनेजमेंट रिसर्च (299041)	2179569	1118764	0	66530	2179569	1185294	71	2179569	1185223	336479
6	पं. मन मोहन नाथ धर (298956)	1422014	790657	0	36205	1422014	826862	24	1422014	826838	224885
7	प्रोफेसरशिप इन इकनोमिक्स (298741)	14723096	8326912	0	425578	14723096	8752490	47	14723096	8752443	2347553
8	पब्लिकेशन ऑफ ओरिएंट इंसेक्ट (299416)	622573	323937	0	17225	622573	341162	0	622573	341162	96373
9	डी.यू. अक्षय निधि (299733)	271855784	97614544	0	20981998	271855784	118596542	39564786	271855784	79031756	35088754
10	पं. मन मोहन कृष्ण कौल (299880)	1691856	942475	0	62869	1691856	1005344	0	1691856	1005344	269720
11	पुस्तक अनुदान आर.टी.एल.(300228)	311091980	99672840	0	25250055	311091980	124922895	12268521	311091980	112654374	42374635
12	डी.यू. ऐम्बे प्रोफेसरशिप इन एंटर. डेव.(300705)	13004520	6578679	0	409766	13004520	6988445	47	13004520	6988398	1999291
13	समूह नवाचार केंद्र समग्र निधि	115472131	58651388	0	10986018	115472131	69637406	0	115472131	69637406	18510953
14	एम.एच.आर.डी. आई.पी.आर. चेयर	488	7398	0	185	488	7583	0	488	7583	807
15	भारतीय स्टेट बैंक छात्रवृत्ति (अग्रिम आर. पी. ए.छात्रवृत्ति) (46397)	2779255	387133	0	174957	2779255	562090	0	2779255	562090	334134
16	डी यू कोष निधि(94542)	100000	725	0	2746	100000	3471	0	100000	3471	10347
17	दान खाता (300433)	1597075	63994	51347731	6026753	52944806	6090747	1184402	52944806	4906345	5785115
	कुल	772278439	293341589	51347731	65677025	823626170	359018614	54128203	823626170	304890408	1128516578

टिप्पणियां

1. कॉलम 3 और 4 का कुल, तुलनपत्र के फर्मिंग भाग के उद्दिष्ट निधि की अनुसूची-2 में अक्षय निधि कॉलम में प्रारंभिक शेष के रूप में दर्शाया जाएगा।
2. कॉलम संख्या 9 का कुल सामान्यत: कॉलम सं.8 के कुल से कम होना चाहिए क्योंकि अक्षय निधियों (चेयर्स हेतु अक्षय निधि को छोड़कर) की वस्तु पर व्यय हेतु उपयोग किया जाने वाला केवल ब्याज है।
3. अनुसूची में साधारणत: नामे शेष नहीं होना चाहिए। यदि किसी विशिष्ट मामले में, किसी उद्दिष्ट निधि के प्रति नामे शेष है तो वह अनुसूची-8 ऋण, अग्रिम जमा के रूप में तुलनपत्र की परिसंपत्तियों में 'प्राप्तियों' में दर्शाया

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची-3 – चालू देयताएं और प्रावधान	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. चालू देयताएं		
1. विविध लेनदार		
क) वस्तुओं हेतु	31568280	92836606
2. अन्य जमा (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	----	492159
3. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्ल्यू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ., जी.आई.एस., एन.पी.एस.)		
क) अन्य निकायों की जमाएँ	47185764	54409924
ख) इयूटीज़ एवं टैक्सेस	42627409	40756774
4. अन्य चालू देयताएं		
क) वेतन	178467009	164701157
ख) प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	1842961104	2620210419
ग) प्रायोजित अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	105994165	109382375
घ) अप्रयुक्त अनुदान	5246551256	408070808
ङ.) यूजीसी को वापस किया जाने वाला ब्याज	29456930	10930244
ङ) यू.जी.सी.को वापस की जाने वाली धनराशि	167090231	63629445
च) अन्य निधियां	625984718	269314139
छ) अन्य देयताएं	8036024	48388238
कुल (क)	**8325922890**	**3883122288**
ख. प्रावधान		
1. उपदान	1322713538	1370980441
2. अधिवर्षिता पेंशन	29416399413	25525982894
3. संचित छुट्टी का नकदीकरण	1825366796	1620850862
4. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)/देय खर्च	178389379	48696277
कुल (ख)	**32742869126**	**28566510474**
कुल (क+ख)	**41068792016**	**32449632762**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची-3 (क) प्रायोजित परियोजनाएं

धनराशि ₹ में

1	2	प्रारंभिक शेष		5 वर्ष के दौरान	6	7	अंत शेष	
क्रमांक	परियोजना का नाम	3	4	प्राप्तियां/वसूलियां	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	8	9
		क्रेडिट	डेबिट				क्रेडिट	डेबिट
1	अनुसंधान योजना लेखा (298650)	583755057	0	146288287	730043344	132874374	597168970	0
2	आई.ए.एस.ई. योजना लेखा (शैक्षिक) (295853)	869670	0	0	869670	62652	807018	0
3	अनुसंधान योजना लेखा (एस.डी.सी.) (546386)	899289514	0	195428362	1094717876	274262117	820455759	0
4	बी.आर.ए. परियोजना लेखा (298264)	66275749	0	20566324	86942073	28358792	58583281	0
5	युवा अनुसंधान वैज्ञानिक लेखा (298593)	192168506	0	24084768	216253274	69194471	148725683	0
6	सी.ई.एम.डी.ई.जैव विविधता पार्क (डी.डी.ए.)	52740553	0	88647636	141388189	118097620	23290569	0
7	इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस	825111370	0	667682406	1492793776	1300613709	192180067	0
8	डॉ. अम्बेडकर सेंटर फॉर एक्सीलेंस यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली	0	0	3750000	3750000	2000243	1749757	0
9	दिल्ली विश्वविद्यालय टी आर आई ई.सी.ई. योजना 15025 LC2RP010	0	0	466360	466360	466360	0	0
10	दिल्ली विश्वविद्यालय बी.आर.डी. योजना PR23640	0	0	14344972	14344972	14344972	0	0
11	दिल्ली विश्वविद्यालय DSTITDD योजना	0	0	1934941	1934941	1934941	0	0
12	दिल्ली विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं विकास योजना RF394	0	0	542982	542982	542982	0	0
13	दिल्ली विश्वविद्यालय REACHOUT योजना 95	0	0	1823781	1823781	1823781	0	0
14	दिल्ली विश्वविद्यालय STHICB सी.एस.आर.आई. 1620	0	0	6462273	6462273	6462273	0	0
15	दिल्ली विश्वविद्यालय एस.डी.सी. डी.बी.टी.	0	0	19701456	19701456	19701456	0	0
16	एन.एम.ई.आई.सी.टी. समर्थ परियोजना यू.डी.एस.सी. खाता	0	0	83335505	83335505	83335505	0	0
17	यू.एस.डी.सी. स्टार्स प्रोजेक्ट्स लेखा	0	0	1437993	1437993	1437993	0	0
18	डी.एस.टी. योजना	0	0	365053	365053	365053	0	0
19	पी.एम.आर.एफ. लेखा	0	0	1858750	1858750	1858750	0	0
20	दिल्ली विश्वविद्यालय निधि योजना	0	0	0	0	0	0	0
कुल		2620210419	0	1278821849	3899032268	2057738044	1842961104	0
गत वर्ष		1952517182	0	1224643564	3177160746	556950327	2620210419	0

1. प्रत्येक एजेंसी हेतु उप-कल सहित परियोजनाओं को ऐजेंसीवार सूचीकृत किया जाए।
2. कॉलम 8 (क्रेडिट) का कुल तुलनपत्र (अनुसूची 3) की देयताओं की ओर उपर्युक्त शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाए।
3. कॉलम 9 (डेबिट) का कुल तुलनपत्र में परिसंपत्तियों की ओर अनुसूची 8 ऋण, अग्रिम और जमा में "प्राप्तियों" के रूप में दर्शाया जाए।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 (ख) प्रायोजित अध्येतावृत्तियां छात्रवृत्तियां

धनराशि ₹ में

1.क्रमांक	2. प्रायोजक का नाम	01.04.22 को प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान लेनदेन		31.03.23 को अंत शेष	
		3	4	5	6	7	8
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1	सी.एस.आई.आर. अध्येतावृत्ति (298413)	48333655	0	8327892	4406200	52255347	0
2	यू.जी.सी. अध्येतावृत्ति (298560)	15693090	0	1282998	2855694	14120394	0
3	अन्य निकाय छात्रवृत्ति (298707)	40301675	0	19944766	26432922	33813519	0
4	सी.एस.आई.आर. अध्येतावृत्ति (एस.डी.सी.)	493919	0	1094391	577414	1010896	0
5	यू.जी.सी. अध्येतावृत्ति (एस.डी.सी.) (545258)	4560036	0	234622	649	4794009	0
कुल		109382375	0	30884669	34272879	105994165	0
गत वर्ष		107139520	0	48629533	46386678	109382375	0

टिप्पणी:

1. कॉलम 7 (क्रेडिट) का कुल तुलनपत्र (अनुसूची 3) की देयताओं की ओर उपर्युक्त शीर्षक के अधीन दर्शाया जाएगा।
2. कॉलम 8 (डेबिट) का कुल अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमाएं) में तुलनपत्र में परिसंपत्तियों की और "प्राप्तियों" में दर्शाया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 (सी) यू.जी.सी., भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान

धनराशि ₹ में

		चालू वर्ष	गत वर्ष
क. विशिष्ट योजना के लिए यूजीसी से अनुदान			
अधोनीत शेष		18175003	4781958313
एस.ए.पी. और अन्य अनुदानों के लिए पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि		27958727	-----
जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		22123716	23804318
	कुल (क)	68257446	4805762631
घटाएं : निर्धारित निधि में अंतरित		1666880	4781958313
घटाएं : प्रतिदाय		11476389	----
घटाएं : राजस्व व्यय हेत प्रयक्त		27572441	4112458
घटाएं : पूंजीगत व्यय हेत् प्रयुक्त		11102404	1516857
	कुल (ख)	51818114	4787587628
अप्रयुक्त अग्रेनीत (क-ख)		16439332	18175003
ख. राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान (पूंजीगत संपत्ति)			
अधोनीत शेष		229035115	317049705
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		85000000	70000000
	कुल (ग)	314035115	387049705
घटाएं : पिछले वर्ष में उपयोग किया गया अब पूंजीगत निधि में स्थानांतरित कर दिया गया		20218199	-----
घटाएं : प्रतिदाय		-----	-----
घटाएं : छात्रावास को पूंजीगत व्यय हेतु अनुदान		3359043	570957
घटाएं : पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		135534087	157443633
	कुल (घ)	159111329	158014590
अप्रयुक्त अग्रेनीत (ग-घ)		154923786	229035115
ग. ओ.बी.सी./उत्कृष्टता/योजना के लिए यूजीसी से अनुदान			
अधोनीत शेष		4719186134	-----
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		264698390	-----
कुल (ग)		4983884524	0
घटाएं : प्रतिदाय		-----	-----
घटाएं : राजस्व व्यय हेत् प्रयुक्त		2417738	-----
घटाएं : पूंजीगत व्यय हेत् प्रयुक्त		53431387	-----
कुल (घ)		55849125	0
अप्रयुक्त अग्रेनीत (ग-घ)		4928035399	0

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

ग. ई.डब्ल्यू.एस. अनुदान			
अधोनीत शेष		160860690	-----
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		250000000	100000000
	कुल (ड.)	410860690	100000000
घटाएं : प्रतिदाय		-----	-----
घटाएं : राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त		13707951	-----
घटाएं : पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		250000000	100000000
	कुल (च)	263707951	100000000
अप्रयुक्त शेष अग्रेनीत (ड-च)		147152739	0
घ. यूजीसी अनुदान : वेतन और आवर्ती			
अधोनीत शेष		-----	597639000
जोड़े : आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए अनुदान		-----	
जोड़े : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		7614081627	6531334000
	कुल (छ)	7614081627	7128973000
घटाएं : प्रतिदाय		-----	0
घटाएं :राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त		7614081627	6968112310
घटाएं : पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त		-----	-----
	कुल (ज)	7614081627	6968112310
अप्रयुक्त शेष अग्रेनीत (छ-ज)		0	160860690
कुल योग : क+ख+ग+घ		5246551256	408070808

टिप्पणी:

- पूंजीगत खाते पर अग्रिम सहित अप्रयुक्त अनुदान
- अगले वर्ष हेतु अग्रिम रूप से प्राप्त अनुदान सहित अप्रयुक्त अनुदान
- अप्रयुक्त अनुदानों को बैंक बैलेंस बैंकों के साथ अल्पकालिक जमा और पूंजीगत खाते पर अग्रिम द्वारा परिसंपत्तियों की ओर दर्शाया जाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4- स्थायी परिसंपत्तियां

धनराशि ₹

		सकल ब्लॉक										शुद्ध कुल संपत्तियां	
क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.20
1	भूमि	0%	19716892	0	0	19716892	0	0	0	0	0	19716892	19716
2	स्थल विकास/ लघु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
3	भवन	2%	6756155127	39167095	1327616	6793994606	498677229	114036667	0	0	612713897	6181280709	6257477
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	38655003	0	207799	38447204	9850032	1944794	207799	-364653	11222373	27224831	288045
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	674943065	15986453	1526291	689403227	160627437	35155645	1526291	1063498	215320289	474082939	494315
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	749560155	120674689	309551	869925293	318950297	71306079	309551	51217084	441163908	428761384	430609
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	80632565	70862657	2409638	149085584	20896775	10809710	2409638	-3192116	26104731	122980853	59735
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	5055612	1583172	10031	6628753	1760254	498060	10031	-21615	2226687	4402066	3295
12	कंप्यूटर एवं पेरीफेरल्स	20%	1917344944	51597917	132168	1968810693	1827340101	43161343	132168	764523	1871133799	97676893	900048
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	7.50%	247247573	31538767	182515	278623825	119703701	20956583	182515	5176037	145653805	132970020	127543
14	खेल सामग्री	10%	215434	0	0	215434	170872	21543	0	0	192415	23019	44
15	वाहन	10%	5306806	1721287	0	7028093	2284267	769340	0	-203071	2850537	4177556	3022
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जरनल्स	10%	276532564	11460161	216	288992509	155888101	28829261	216	-88457	184628691	103463818	120744
17	कम मूल्य की परिसंपत्तियां	0%	0	289985	0	289985	0	21749	0	0	21749	268236	
18	कलाकृति	7.50%	3310000	0	0	3310000	248250	248250	0	0	496500	2813500	30617
कुल (क)			10774775740	344902182	6105825	11113572098	3136397315	327759044	4778209	54351230	3513729381	7599842715	76383784
19	पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस (ख)		0	34675556	0	34675556	0	0	0	0	0	34675556	

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तिगां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.20
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	38602235	668685	0	39270970	24443224	9749909	0	0	34193133	5077837	14159
21	ई-जरनल्स	40%	32752809	19541043	0	52293852	17098434	18918886	0	0	36017320	16276532	15654
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	84135	0	0	84135	49546	9347	0	0	58893	25242	345
कुल (ग)			71439229	20209728	0	91648957	41591204	28678142	0	0	70269346	21379611	29848
कुल योग (क+ख+ग)			10846214969	399787466	6105825	11239896611	3177988519	356437186	4778209	54351230	3583998727	7655897882	76682264
गतवर्ष (2021-22)			10568233104	284983357	7001492	10846214969	2863708595	319662566	5382641	0	3177988519	7668226448	

टिप्पणी: कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस शीर्ष के प्रति सकल ब्लॉक के तहत 'कटौतियां'कॉलम में आंकडे वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस से अंतरण दर्शाता है। परिसंपत्तियां 1 से 14 के प्रति सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान 'जोड़' कॉलम में आंकडों में वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस के साथ वर्ष के दौरान आगे अधिग्रहण से अंतरण शामिल है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 क- योजनागत

धनराशि ₹ में

क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक				शुद्ध कुल संपत्तियां						
		मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
1	भूमि	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/ लघु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	2902816739	0	0	2902816739	242043369	58056335	0	0	300099704	2602717035	2660773370
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	401303005	250145	0	401553150	107408289	20090165	0	125073	127623527	273929624	293894716
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	370810538	52823129	0	423633667	182678761	35536960	0	50657841	268873562	154760105	188131777
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	0	65908	0	65908	0	9886	0	49431	59317	6591	0
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	1567898	0	0	1567898	712771	117592	0	0	830363	737535	855127
12	कंप्यूटर एवं पेरीफेरल्स	20%	1712401059	292205	0	1712693264	1690130467	7614792	0	1402953	1699148212	13545052	22270592
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	7.50%	74664630	0	0	74664630	41479100	5599847	0	0	47078947	27585683	33185530
14	खेल सामान	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
15	वाहन	10%	976781	0	0	976781	781425	97678	0	0	879103	97678	195356
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जरनल्स	10%	31755129	0	0	31755129	19808763	3194661	0	0	23003424	8751705	11946366
17	कम मूल्य की परिसंपत्तियां	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	कलाकृति	7.50%	1310000	0	0	1310000	98250	98250	0	0	196500	1113500	1211750
कुल (क)			5497605779	53431387	0	5551037166	2285141195	130416166	0	52235297	2467792659	3083244507	3212464584
19	पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस (ख)		0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
21	ई-जरनल्स	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	19360	0	0	19360	12905	2151	0	0	15056	4304	6455
कुल (ग)			19360	0	0	19360	12905	2151	0	0	15056	4304	6455
कुल योग (क+ख+ग)			5497625139	53431387	0	5551056526	2265154100	130418317	0	52235297	2467807714	3083248812	3212471039
गतवर्ष (2021-22)			5497625139	0	0	5497625139	2158294623	126859476	0	0	2285154100	3212471039	0

टिप्पणी: कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस शीर्ष के प्रति सकल ब्लॉक के तहत कटौतियां कॉलम में अंतिड़े वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस से अंतरण दर्शाता है। परिसंपत्तियां 1 से 14 के प्रति सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान 'जोड़' कॉलम में अंतरण में वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस के साथ-साथ-वर्ष-के-दौरान आने अधिग्रहण से अंतरण शामिल है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख(1)

धनराशि ₹ में

क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक										शुद्ध कुल संपत्तियां		
		मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	पूर्व अवधि समायोजन	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन /पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
1	भूमि	0%	19716892	0	0	0	19716892	0	0	0	0	0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/ लघु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	407708564	0	0	0	407708564	64500731	8154171	0	0	72654903	335053661	343207833
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	20380918	0	207799	0	20173119	7765624	1031089	207799	-364653	8224261	11948858	12615294
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	95941902	231712	1526291	0	94647323	35324390	5405342	1526291	-4862790	34340651	60306672	60617512
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	88418769	3049449	309551	0	91158667	41413113	7358482	309551	-616603	47845441	43313226	47005656
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	38022219	1372656	2409638	0	36985237	14968554	2397241	2409638	-3241547	11714609	25270628	23053665
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	1550043	14000	10031		1554012	503855	117474	10031	-21615	589683	964329	1046188
12	कंप्यूटर एवं पेरीफेरल्स	20%	83381346	1973399	132168		85222577	76781928	4646388	132168	-638430	80657719	4564858	6599418
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	7.50%	117541846	3642502	182515		121001833	61508351	9134934	182515	-700536	69760233	51241600	56033495
14	खेल सामग्री	10%	214690	0	0		214690	170277	21469	0	0	191746	22944	44413
15	वाहन	10%	1534502	0	0		1534502	1222731	219961	0	-203071	1239641	294861	311771
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जरनल्स	10%	216664546	136538	216		216800869	128406357	21630949	216	-38457	149998634	66802235	88258189
17	कम मूल्य की परिसंपत्तियां	0%	0	0	0		0	0	0	0		0	0	0
18	कलाकृति	7.50%	0	0	0		0	0	0	0		0	0	0
कुल (क)			1091076237	10420256	4778209	0	1096718284	432565911	60167521	4778209	-10737702	477217522	619500763	658510326
19	पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस (ख)		0	0	0	0	0	0	0	0		0	0	0

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	पूर्व अवधि समायोजन	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन /पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	13800942	15929	0	0	13816871	13800931	6372	0	0	13807302	9569	11
21	ई-जरनल्स	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	31575	0	0	0	31575	28064	3508	0	0	31572	3	3511
कुल (ग)			13832517	15929	0	0	13848446	13828994	9880	0	0	13838874	9572	3523
कुल योग (क+ख+ग)			1104908754	10436185	4778209	0	1110566730	446394905	60177401	4778209	-10737702	491056396	619510335	658513849
गतवर्ष (2021-22)			1111910246	0	7001492	0	1104908754	393336314	58441232	5382641	0	446394905	658513849	

टिप्पणी: कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस शीर्ष के प्रति सकल ब्लॉक के तहत कटौतियां कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस से अंतरण दर्शाता है। परिसंपत्तियां 1 से 14 के प्रति सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान 'जोड़' कॉलम में आंकड़े में वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस के साथ वर्ष के दौरान आगे अधिग्रहण से अंतरण शामिल है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख(2) पूंजीगत संपत्ति

धनराशि ₹ में

			सकल ब्लॉक					मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियां	
क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	पूर्व अवधि समायोजन	वर्ष के अंत 31.03.2023	प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
1	भूमि	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/ लघु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	17842755	12511787	0	0	30354542	496592	607091	0		1103683	29250859	17346163
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	8565587	0	0	0	8565587	499757	428279	0		928036	7637551	8065830
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	35838226	5996790	0	0	41835016	4361543	2091751	0		6453294	35381722	31476683
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	80444627	18397176	0	0	98841803	15307768	7907344	0		23215112	75626691	65136859
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	36844598	18739349	0	0	55583947	4580509	4168796	0		8749305	46834642	32264089
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	1251554	1553172	0	0	2804726	278535	210354	0		488890	2315836	973018
12	कंप्यूटर एवं पेरीफेरल्स	20%	90586139	36096761	0	0	126682900	38136675	25336580	0		63473255	63209645	52449464
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	7.50%	20899970	12715141	0	0	33615111	2469939	2521133	0		4991072	28624039	18430031
14	खेल सामग्री	10%	0	0	0	0	0	0	0	0		0	0	0
15	वाहन	10%	2795523	1721287	0	0	4516810	280112	451681	0		731793	3785017	2515411
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जरनल्स	10%	18478672	9479566	0	0	27958238	2979273	2795824	0		5775097	22183141	15499399
17	कम मूल्य की परिसंपत्तियां	0%	0	289985	0	0	289985	0	21749	0		21749	268236	0
18	कलाकृति	7.50%	0	0	0	0	0	0	0	0		0	0	0
कुल (क)			313547651	117501014	0	0	431048665	69390703	46540583	0		115931286	315117379	244156948
19	पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस (ख)		0	34675556	0		0	0	0	0		0	0	0

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	पूर्व अवधि समायोजन	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन/ पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	807709	168675	0	0	976384	659787	209159	0		868946	107438	147922
21	ई-जरनल्स	40%	32752809	19541043	0	0	52293852	17098434	18918886	0		36017320	16276532	15654375
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	24400	0	0	0	24400	2711	2711	0		5422	18978	21689
कुल (ग)			33584918	19709718	0	0	53294636	17760932	19130756	0		36891688	16402948	15823986
कुल योग (क+ख+ग)			347132569	171886288	0	0	484343301	87151635	65671339	0		152822974	331520327	259980934
गतवर्ष (2021-22)			189388936	157443633	0	0	347132569	40661422	46490213	0		87151635	259980934	

टिप्पणी: कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस शीर्ष के प्रति सकल ब्लॉक के तहत 'कटौतियां'कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस से अंतरण दर्शाता है। परिसंपत्तियां 1 से 14 के प्रति सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान 'जोड़' कॉलम में आंकड़ो में वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस के साथ वर्ष के दौरान आगे अधिग्रहण से अंतरण शामिल है।

पूर्व अवधि समायोजन	1676645
वर्क-इन-प्रोग्रेस	34675556
वर्ष में की गई वृद्धि	135534087
कुल	171886288

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ग:- अमूर्त संपत्ति

धनराशि ₹ में

क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/विक्री	पूर्व अवधि समायोजन	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन/ पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	38602285	668685	0	0	39270970	24443224	9749909	0	0	34193133	5077837	14159061
2	ई-जरनल्स	32752809	19541043	0	0	52293852	17098434	18918886	0	0	36017320	16276532	15654375
3	पेटेंट्स एवं कॉपीराइट्स	84135	0	0	0	84135	49546	9347	0	0	58893	25242	34589
कुल		71439229	20209728	0	0	91648957	41591204	28678142	0	0	70269346	21379611	29848025
गतवर्ष (2021-22)		25287855	46151374	0	0	71439229	18797982	22793223	0	0	41591204	29848025	

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4(ग) (i) पेटेंट और कॉपीराईट्स

धनराशि ₹ में

विवरण	प्रारंभिक शेष	जोड़	सकल	ऋण परिशोधन	निवल ब्लॉक 20.....	निवल ब्लॉक 20.....
क. स्वीकृत पेटेंट्स						
1. वर्ष 2022-23 में प्राप्त पेटेंटों का दि.31.03.23 को बैलेंस	----	----	----	----	----	----
(वास्तविक मूल्य रु. .....)	----	----	----	----	----	----
2. वर्ष 2022-23 में प्राप्त पेटेंटों का दि. 31.03.23 को बैलेंस	----	----	----	----	----	----
(वास्तविक मूल्य रु. .....)	----	----	----	----	----	----
3. वर्ष 2022-23 में प्राप्त पेटेंटों का दि. 31.03.23 को बैलेंस	----	----	----	----	----	----
(वास्तविक मूल्य रु. .....)	----	----	----	----	----	----
4. चालू वर्ष के दौरान स्वीकृत पेटेंट	----	----	----	----	----	----
कुल	----	----	----	----	----	----

विवरण	प्रारंभिक शेष	जोड़	सकल	स्वीकृत/ अस्वीकृत	निवल ब्लॉक 20.....	निवल ब्लॉक 20.....
ख. पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट के लिए आवेदन	----	----	----	----	----	----
1. वर्ष ..... से ..... के दौरान किए गए व्यय	----	----	----	----	----	----
2. वर्ष ..... के दौरान वहन किए गए व्यय	----	----	----	----	----	----
3. वर्ष ..... के दौरान वहन किए गए व्यय	----	----	----	----	----	----
कुल	----	----	----	----	----	----
ग. कुल योग (क+ख)	----	----	----	----	----	----

नोट: भाग 'ए' (स्वीकृत पेटेंटों) में जोड़ वर्ष के दौरान स्वीकृत पेटेंटों की संख्या भाग 'बी' (कॉलम - स्वीकृत/अस्वीकृत पेटेंटों) से अंतरित होगी। वर्ष के दौरान अनुदान से रिजेक्टेड धनराशि को आय एवं व्यय खाता में बट्टे खाता में डाला जाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 घ- अन्य

धनराशि ₹ में

		सकल ब्लॉक									शुद्ध कुल संपत्तियां		
क्रमांक	परिसंपत्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	पूर्व अवधि समायोजन	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन पर पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
1	भूमि	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
2	स्थल विकास/ लघु कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
3	भवन	2%	3427787069	26655308	1327616	0	3453114761	191636538	47219071	0	0	238855608	3214259153	323615053
4	सड़क और पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
5	नलकूप और जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
6	सीवरेज और जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
7	विद्युत संस्थापनाएं और उपकरण	5%	9708498	0	0	0	9708498	1584651	485425	0	0	2070076	7638422	812384
8	संयंत्र और मशीनरी	5%	141859932	9507806	0	0	151367739	33533215	7568387	0	5801215	46902817	104464921	10832671
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%	209886221	46404935	0	0	256291156	79550654	20503292	0	1175846	101229793	155061363	13033556
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	5765748	50684744	0	0	56450492	1347713	4233787	0	0	5581500	50868992	441803
11	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%	686117	16000	0	0	702117	265092	52659	0	0	317750	384367	42102
12	कंप्यूटर एवं पेरीफेरल्स	20%	30976400	13235552	0	0	44211952	22291030	5563583	0	0	27854613	16357339	868537
13	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	7.50%	34141127	15201124	0	0	49342251	14246312	3700668	0	5876573	23823553	25518698	1989481
14	खेल सामग्री	10%	744	0	0	0	744	595	74	0	0	669	75	14
15	वाहन	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
16	पुस्तकालयों की पुस्तकें और वैज्ञानिक जरनल्स	10%	9734217	1844057	0	0	11578274	4693708	1157827	0	0	5851535	5726738	504050
17	कम मूल्य की परिसंपत्तियां	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
18	कलाकृति	7.50%	2000000	0	0	0	2000000	150000	150000	0	0	300000	1700000	185000
कुल (क)			3872546073	163549525	1327616	0	4034767982	349299508	90634774	0	12853634	452787915	3581980067	352324656
19	पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस (ख)		0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

क्रमांक	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ 01.04.2022	वर्ष में की गई वृद्धि	वर्ष के दौरान में कटौतियां/बिक्री	पूर्व अवधि समायोजन	वर्ष के अंत 31.03.2023	मूल्यह्रास प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष में मूल्यह्रास	कटौती/समायोजन पर पूर्व अवधि	पूर्व अवधि समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2023	31.03.2022
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	23993634	484081	0	0	24477715	9982507	9534378	0	0	19516885	4960830	1401112
21	ई-जरनल्स	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
22	पेटेंट्स	9 वर्ष	8800	0	0	0	8800	5866	978	0	0	6844	1956	293
कुल (ग)			24002434	484081	0	0	24486515	9988373	9535356	0	0	19523728	4962787	1401406
कुल योग (क+ख+ग)			3896548507	164033606	1327616	0	4059254497	359287881	100170129	0	12853634	472311644	3586942854	353726062
गतवर्ष (2021-22)			3769008783	127539724	0		3896548507	271416236	87871644	0	0	359287881	3537260627	

टिप्पणी: कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस शीर्ष के प्रति सकल ब्लॉक के तहत 'कटौतियां'कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस से अंतरण दर्शाता है। परिसंपत्तियां 1 से 14 के प्रति सकल ब्लॉक के तहत वर्ष के दौरान 'जोड़' कॉलम में आंकड़ों में वर्ष के दौरान वर्क इन प्रोग्रेस के साथ वर्ष के दौरान आगे अधिग्रहण से अंतरण शामिल है।

उपहार पुस्तकें	742
बंद परियोजनाएं	26960513
विशिष्ट योजना 0875	11102404
विविध निधियां	8366595
योजना लेखा	0
एस. डी. एफ.	3431509
उद्दिष्ट निधियां	114171843
कुल	164033606

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 5: उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश		चालू वर्ष	गत वर्ष
1.	केंद्र सरकार प्रतिभूतियों में	635100000	665100000
2.	राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
3.	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-----	-----
4.	शेयरों	-----	83000
5.	डिबेंचर और बॉन्ड्स	-----	-----
6.	बैंकों में सावधि जमा	-----	-----
7.	अन्य (निर्दिष्ट किया जाए)	3000000	-----
कुल		638100000	665183000

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 5 (क)-उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश (निधिवार)

धनराशि ₹ में

क्रमांक	निधियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
1 .	अक्षय निधि- सरकारी प्रतिभूतियां	133500000	164200000
2	विविध अक्षय निधि- सरकारी प्रतिभूतियां	501600000	500900000
3	अक्षय निधि- शेयर्स (डीयू के मित्र और उधमोद्य फाउंडेशन)	3000000	83000
कुल		638100000	665183000

नोट: इस उप सूची में कुल अनुसूची 5 में कुल से सहमत होंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची-6 निवेश - अन्य	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. केंद्र सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-----	-----
4. शेयर्स	-----	-----
5. डिबेंचर और बॉन्ड्स	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	-----	-----
कुल	-----	-----

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 7 - चालू परिसंपत्तियां		चालू वर्ष	गत वर्ष
1. स्टॉक			
क. लेखन सामग्री		12698055	11487987
ख. रसायन और कांच के बने पदार्थ		3317569	1207615
ग. दवाइयाँ		15346516	12269862
घ. उत्तर पत्रिका		5017666	1171577
2. विविध देनदार			
क. छह माह से अधिक अवधि से बकाया देनदार	8131582		
ख. अन्य	1085264	9216846	16857427
3. नकद और बैंक बैलेंस (शेष)			
क. अनुसूचित बैंकों के साथ			
- चालू खाते में		26499075	45063494
- सावधि जमा खाते में		18187179406	16583372774
- बचत खाते में		1272820930	2109353820
ख. गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ			
- सावधि जमा खाते में		-----	-----
- बचत खाते में		-----	-----
ग. हाथ में रोकड़ शेष (चैक, ड्राफ्ट सहित)		540000	1071500
4. पोस्ट ऑफिस बचत खाता		-----	-----
कुल		19532636063	18781856056

नोट: अनुबंध 'क' बैंक खातों के विवरण दर्शाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

संलग्नक-'क'

धनराशि ₹ में

	I. चालू बैंक खाता	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	बी.आर. अम्बेडकर सेंटर सामान्य निधि खाता	7	2870
2	एस.बी.आई विधि केंद्र- II	-----	132064
3	एस.बी.आई. एम.जी.-II	-----	1169991
4	एस.डी.सी. परीक्षा खाता	4276456	9567538
5	एस.डी.सी. सामान्य खाता	21415593	29460421
6	प्रायोजित परियोजना निधि खाता	807019	869670
7	योजना चालू खाता	-----	1192057
8	उद्दिष्ट निधि चालू खाते	-----	2668883
	कुल-I	26499075	45063494
	II. बचत खाता		
1	एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी खाता	-----	617
2	एस.बी.आई. विभागीय प्राप्ति खाता	1842607	2629524
3	एस.बी.आई. सामान्य निधि खाता	12018122	27721318
4	एस.बी.आई.चिकित्सा प्रतिपूर्ति खाता	-----	2582074
5	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	371217940	853679454
6	प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति खाता	56768457	21813317
7	योजना बचत खाता	11929271	42962591
8	उदद्दिष्ट निधि बचत खाता	148027839	324524994
9	यू.जी.सी. को प्रतिदेय सी.पी.एफ. खाता	9920736	1147510
10	आई.डी.बी.आई. खाता (विविध शुल्क)	4444954	2881377
11	आईसीआईसीआई बैंक पर छात्रों से वसूला ऑनलाइन शुल्क	149894035	256456104
12	आवर्ती खाता (38010936321)	168543063	190162155
13	आई.सी.आई.सी.आई.(परीक्षा) खाता-004318	1640548	15067659
14	पूंजीगत संपत्ति खाता (38010936467)	409875	15420149
15	दिल्ली विश्वविद्यालय सुविधाएं एवं सेवाएं बैंक खाता	2598773	-----
16	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निधि बैंक खाता	18246381	-----
17	देसन खाता (38010911307)	315318329	352304977
	कुल-II	1272820930	2109353820
	III. भारतीय रिजर्व बैंक- टीएसए कुल-III	-----	-----
	VI. सावधि जमा खाता		
1	उद्दिष्ट निधि से सावधि जमा	10733606922	9772607720
2	यू.जी.सी. को प्रतिदेय खाता से सावधि जमा	155275000	63875000
3	ए.सी.बी.आर. खाता से सावधि जमा	1305715	1102166
4	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	1355991769	1556849342
5	प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्तियां	45000000	85000000
6	योजना खाता से सावधि जमा (मार्जिन मनी सहित)	4582500000	4508881546
7	पूंजीगत संपत्ति खाता स सावधि जमा	176000000	185057000
8	एसबीआई सामान्य निधि बचत खाता 50212 से सावधि जमा	100000000	80000000
9	आई.सी.आई.सी.आई. ऑनलाइन शुल्क (एफ.डी.आर.)	480000000	-----
10	डीयू सुविधा से एफडीआर	57500000	-----
11	एफ.डी.आर. 38010911307 से	500000000	330000000
	कुल-IV	18187179406	16583372774
	कुल योग (I+II+III+IV)	19486499411	18737790088

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम एवं जमा	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों के लिए अग्रिम (गैर-सब्याज)		
क) छुट्टी यात्रा रियायत	2564562	2359912
2. कर्मचारी हेतु दीर्घावधि अग्रिम (सब्याज)		
क) वाहन ऋण/कम्प्युटर	395640	464850
ख) आवास ऋण/गृह निर्माण अग्रिम	6273160	7052200
3. नकद में वसूली योग्य अग्रिम और अन्य धनराशि अथवा अन्य प्रकार से अथवा मूल्य में प्राप्त की जाए		
क) दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस	----	17395000
ख) सर शंकर लाल चेयर इन कमेस्ट्री निधि खाता	----	1100000
ग) उद्दिष्ट निधियों में से अन्य अग्रिम	47609145	64823116
घ) रखरखाव अनुदान खाते से अन्य अग्रिम		
i) परीक्षा के लिए अग्रिम	8696366	113473817
ii) अन्य शुल्कों के लिए अग्रिम	39845608	154261173
iii) पूंजीगत संपत्तियों के लिए अग्रिम		
केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को अग्रिम	315324444	106974400
अन्य के लिए अग्रिम	6596716	1424965
ज) प्रायोजित परियोजना में से अन्य अग्रिम	74881993	206984802
झ) योजना खाता में से अग्रिम	167159771	223479461
ञ) अन्य	167359111	103964145
4. पूर्व प्रदत्त व्यय		
ख) अन्य खर्च	7623495	42733473
5. जमा		
ग) विद्युत	20805300	20805300
ङ) डी.ई.एस.यू. (प्रतिभूति)	4795	4795
च) अन्य (निर्दिष्ट किया जाए)	202373	4922373
6. प्रोद्भूत आय		
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर	292191881	190191513
ख) ए.सी.बी.आर./यू.जी.सी. प्रतिदेय खाता से निवेश पर	21199	152497
ग) यू.जी.सी. को प्रतिदेय सी.पी.एफ. खाता से निवेश पर	1730308	1581594
घ) प्रायोजित योजना से निवेश पर	51373519	38890010
ङ) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृतियां	3001689	1276554
च) योजना से निवेश पर	138644961	122316296
छ) अनुरक्षण अनुदान से निवेश पर	5524347	2075082
7. अन्य - यू.जी.सी./प्रयोजित परियोजनाओं में प्राप्य चालू परिसंपत्तियां		
घ) प्राप्त अन्य	260589	327221
8. प्राप्य दावा		
क) जीएसटी प्राप्य	----	472973
कुल	1358090972	1429507522

नोट: यदि पारिक्रामी धनराशि कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण, कप्यूटर और वाहन अग्रिम हेतु निर्मित की गई है, तो

अग्रिम उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के हिस्से के रूप में दिखाई देगी। इन सब्याज अग्रिमों के प्रति बैलेंस इस अनुसूची में दिखाई नहीं देगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 9 - शैक्षणिक प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	गत वर्ष
छात्रों से फीस		
शैक्षणिक		
1. शिक्षा शुल्क	41894188	30376224
2. प्रवेश शुल्क	2526486	10602674
3. नामांकन शुल्क	43847277	113442658
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	3293820	3168689
5. प्रयोगशाला शुल्क	42960	35595
6. खेल एवं एथलेटिक एसोसिएशन शुल्क	7264305	12844549
7. पंजीकरण शुल्क	205264369	86344760
8. दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	18328750	----
9. संकाय/विभाग/केंद्र/कॉलेज सुविधाएं एवं सेवाएं	90645852	----
10. स्नातक/स्नातकोत्तर प्रवेश रद्दीकरण शुल्क	65708000	3722000
11 अन्य शुल्क	34133098	29979789
कुल (क)	517949105	290516938
परीक्षा		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क	970846412	1213238536
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	45943380	30295677
3. अंकपत्र, प्रमाणपत्र शुल्क	420676	674752
कुल (ख)	1017210468	1244208965
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	-----	-----
2. जुर्माना/विविध शुल्क	-----	-----
3. चिकित्सा शुल्क	-----	-----
4. पारेतहल शुल्क	-----	-----
5. छात्रावास शुल्क	-----	-----
कुल (ग)	0	0
प्रकाशनों की बिक्री		
1. प्रवेश फार्म की बिक्री	-----	-----
2. पाठ्यविवरण और प्रश्नपत्र इत्यादि की बिक्री	-----	-----
3. प्रवेश पत्र के साथ विवरणिका की बिक्री	-----	-----
कुल (घ)	0	0
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
1. कार्यशाला कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	-----	-----
2. पंजीकरण शुल्क (अकादमिक स्टाफ कॉलेज)	-----	-----
कुल (ङ.)	0	0
कुल (क+ख+ग+घ+ङ)	1535159573	1534725903

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त लावसूल अनुदान)

धनराशि ₹ में

विवरण	भारत सरकार	यू.जी.सी.					चालू वर्ष का कुल	पिछला वर्ष का कुल
		अन्य पिछड़ा वर्ग/उत्कृष्टता/ योजना	अन्य (एस.ए.पी./एफ.आर.पी./ सी.पी.डी.एच.ई.)	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (पूंजीगत/आवर्ती/वेतन)	पूंजीगत संपत्ति	आवर्ती/वेतन अनुदान		
अधोनीत शेष	-----	18175003	160860690	229035115	-----	408070808	5696647018	
अव्ययित उत्कृष्टता/योजना अनुदान	4719186134	27958727				4747144861		
जोड़ें: वर्ष के दौरान की प्राप्तियां	264698390	22123716	250000000	85000000	7614081627	8235903733	6725138318	
कुल	4983884524	68257446	410860690	314035115	7614081627	13391119402	12421785336	
घटाएं : प्रायोजित परियोजना एवं पूंजी निधि में स्थानांतरण		1666880	0	20218199		21885079	4781958313	
घटाएं: यू.जी.सी. शेष की वापसी	0	11476389	0	0	0	11476389	0	
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)	53431387	11102404	250000000	135534087	0	450067878	258960490	
शेष	4930453137	44011773	160860690	158282829	7614081627	12907690056	7380866533	
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त (ख)	2417738	27572441	13707951	0	7614081627	7657779757	6972795725	
घटाएं: छात्रावासों को पूंजीगत व्यय हेतु जारी अनुदान	0	0	0	3359043	0	3359043	0	
कुल(ख)	2417738	27572441	13707951	3359043	7614081627	7661138800	6972795725	
शेष धनराशि सी/एफ (ग)	4928035399	16439332	147152739	154923786	0	5246551256	408070808	

रु. 492,80,35,399/- में से रु. 139,25,09,000/- अव्ययित अनुदान (ओबीसी विस्तार/12वीं योजना और उत्कृष्टता अनुदान) और शेष रु. 353,55,26,399/- अर्जित ब्याज के रूप में।

क) वर्ष के दौरान पूंजी निधि के परिवर्धन के साथ-साथ अचल संपत्तियों के परिवर्धन के रूप में प्रतीत होता है।

ख) आय और व्यय खाते में आय के रूप में प्रतीत होती है।

ग) (i) तुलनपत्र में चालू देनदारियों के तहत प्रतीत होता है और अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में हो जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 11 - निवेश से आय	उद्दिष्ट/अक्षय निधि		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियो पर	-----	-----	-----	-----
ख. अन्य बॉन्ड्स/डिबेंचर	-----	-----	-----	-----
2. सावधि जमा पर ब्याज	635794851	732052345	22273788	16178940
3. प्राद्भूत आय लेकिन कर्मचारियों के सावधि जमा धनराशियों/सब्याज अग्रिमों पर देय नहीं	-----	-----	-----	-----
4. बचत बैंक खातों पर ब्याज	5942865	8393639	-----	-----
5. अन्य (विशेष ब्योरा दें)	-----	-----	-----	-----
कुल	641737716	740445984	22273788	16178940
उद्दिष्ट/अक्षय निधि फंड हेतु अंतरण किया गया	641737716	740445984		
शेष	NIL	NIL		

नोट: प्रोद्भूत ब्याज लेकिन एच.बी.ए. निधि वाहन अग्रिम निधि और कंप्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर देय नहीं है और कर्मचारियों के सब्याज अग्रिम यहां (मद 3) शामिल होंगे, ऐसे अग्रिमों हेतु केवल जहां परिक्रामी निधियों (इ.एम.एफ.) की स्थापनां की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 12: अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	15944141	19326702
2. ऋण पर		
क) कर्मचारियों/स्टाफ	------	------
ख) अन्य	------	------
3. देनदार और अन्य प्राप्यों पर	------	------
कुल	15944141	19326702

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 13 - अन्य आय

विविध आय में शामिल सामग्री धनराशि के मदों को अलग से दिखाया जाना चाहिए।

धनराशि ₹ में

क. भूमि एवं भवन से आय	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. भवन किराया/ भूमि इत्यादि	10323870	11219741
2. आवास के लिए कर्मचारियों से लिया गया लाइसेंस शुल्क	17937515	22404057
3. सभागार/खेल का मैदान सम्मेलन केंद्र इत्यादि के किराया शुल्क	-----	-----
4. वसूल - बिजली शुल्क	-----	-----
5. वसूल - जल शुल्क	-----	-----
कुल (क)	28261385	33623798
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-----	-----
ग. धारित परिसंपत्तियों से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेलकूद आनंदोत्सव निवल से सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाएं: वार्षिक समारोह/खेलकूद आनंदोत्सव पर वहन किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
2. उत्सवों से सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाएं: उत्सवों पर वहन किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
3. शैक्षिक पर्यटन हेतु सकल प्राप्तियां	-----	-----
घटाएं: पर्यटन पर वहन किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
4. अन्य (विनिर्दिष्ट एवं अलग से दिखाया जाए)	-----	-----
कुल (ग)	0	0
घ. अन्य		
1. आर.टी.आई. शुल्क	11664	8630
2. विविध प्राप्तियां/निविदा फार्म, रद्दी कागज इत्यादि की बिक्री	1916437	1114971
3. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ		
क) निजी परिसंपत्तियां	10233894	22547
ख) मुक्त परिसंपत्ति प्राप्त नि:शुल्क परिसंपत्तियां	-----	-----
4. स्वास्थ्य केंद्र के लिए योगदान	63503459	47988754
5. अन्य (विशेष ब्योरा दें)	1870726	1077879
कुल (घ)	77536180	50212781
कुल योग (क+ख+ग+घ)	105797565	83836579

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय

धनराशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. शैक्षणिक प्राप्तियां	10000000	-----
ख. निवेश से आय	-----	-----
ग. अर्जित आय	-----	-----
घ अन्य आय	33015515	-----
कुल	43015515	0

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 - कर्मचारियों को भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)

धनराशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल
क) वेतन और मजदूरी						
शिक्षक	16125712	2326312581	2342438293	3180368	2230736844	2233917212
गैर-शिक्षक	6067871	938724615	944792486	----	1006177945	1006177945
ख) सेवानिवृत्ति और सेवांत हितलाभ	24656	6796731208	6796755864	----	4512947045	4512947045
ग) छुट्टी यात्रा रियायत सुविधा	----	25262914	25262914	----	20955539	20955539
घ) चिकित्सा सुविधा	48246	257892973	257941219	----	235161228	235161228
ङ) संतान शिक्षा भत्ता	54000	17639850	17693850	----	18703967	18703967
झ) मानदेय	----	8588062	8588062	----	18113286	18113286
कुल	22320485	10371152203	10393472688	3180368	8042795854	8045976222

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 क - कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत हितलाभ

धनराशि ₹ में

	पेंशन	उपदान	छुट्टी नकदीकरण	चालू वर्ष कुल	गत वर्ष कुल
पेंशन उपदान छुट्टी नगदीकरण कुल					
1.04.22 को प्रारंभिक शेष	25525982894	1370980441	1620850862	28517814197	26434747655
जोड़ें: अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीकृत मूल्य	10975508	2335930	1170264	14481702	11391621
कुल (क)	25536958402	1373316371	1622021126	28532295899	26446139276
घटाएं: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	2421571462	188502677	154323221	2764397360	2440132124
31.03.23 को उपलब्ध शेष ग (क-ख)	23115386940	1184813694	1467697905	25767898539	24006007152
बीमांकन मूल्य निर्धारण के अनुसार 31.03.23 को अपेक्षित प्रावधान	29416399413	1322713538	1825366796	32564479747	28517814197
क. चालू वर्ष में प्रावधान किया जाए (ग-घ)	6301012473	137899844	357668891	6796581208	4511807045
ख. नई पेंशन योजना के लिए अंशदान	0	0	0	0	0
ग. सेवानिवृत्ति कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति	0	0	0	0	0
घ. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा	0	0	0	0	0
ङ. जमा लिंक्ड बीमा भुगतान	0	0	0	150000	1140000
कुल (क+ख+ग+घ+ङ.)	6301012473	137899844	357668891	6796731208	4512947045

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल
क) रसायन और कांच के बने पदार्थ	171004	17084869	17255873	517295	13688816	14206111
ख) क्षेत्रकार्य/सम्मेलन में भागीदारी	----	372409	372409	----	231263	231263
ग) सेमीनारों/कार्यशालाओं में व्यय	----	1650724	1650724	----	729278	729278
घ) पुरस्कार तथा छात्रावृत्तियां	----	89107507	89107507	----	85465008	85465008
ङ) परीक्षा	----	369598047	369598047	----	180151244	180151244
च) शुल्क की वापसी	----	----	0	----	1777945	1777945
छ) प्रवेश परीक्षा	----	5387086	5387086	----	9629352	9629352
ज) प्रकाशनों	----	643716	643716	----	30000	30000
झ) पत्रिकाएं एवं जरनल	----	73842348	73842348	----	107728793	107728793
ञ) शिक्षण कर्मचारी का संविदा वेतन या तदर्थ वेतन	----	358887243	358887243	----	365388477	365388477
कुल	171004	916573949	916744953	517295	764820176	765337471

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 17 - प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्ययोजना	गैर योजना	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल
अ. आधारिक संरचना						
क) बिजली एवं पावर	----	290127339	290127339	----	225446070	225446070
ख) जल प्रभार	----	12088127	12088127	----	4881252	4881252
ग) किराया, दरों तथा करों (संपत्ति कर सहित)	----	63359421	63359421	----	69383968	69383968
ब. संचार						
क) डाक और टेलीफोन	----	3658468	3658468	----	4506405	4506405
ख) नेटवर्क संबंधी खर्चे	----	36707678	36707678	----	45349261	45349261
स. अन्य						
क) मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोग)	34754	20520539	20555293	80789	17281846	17362635
ख) विधिक एवं पेशेवर हेतु प्रभार	----	20006983	20006983	----	12512936	12512936
ग) विज्ञापन एव प्रचार	----	----	0	----	131439	131439
घ) पहरेदारों की सेवाएँ	----	166834619	166834619	----	146028521	146028521
ङ) गृह व्यवस्था के खर्चे	----	115686882	115686882	----	110342704	110342704
च) खेलकूद तथा स्पोर्ट्स	----	8025380	8025380	----	3343891	3343891
छ) चिकित्सा खर्चे	----	59303832	59303832	----	61001594	61001594
ज) अन्य/(विशेष ब्योरा दें)	4432599	65989003	70421602	271161	41425894	41697055
डी.संविदा/तदर्थ स्टाफ वेतन						
क) गैर-शिक्षण कर्मचारी	----	357705754	357705754	----	280342043	280342043
ख) भविष्य निधि में योगदान	----	3605734	3605734	----	4282441	4282441
ग) नई पेंशन योजना में योगदान	469023	200370633	200839656	----	160804975	160804975
कुल	4936376	1423990392	1428926768	351950	1187065240	1187417190

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)						
क) परिचालन (रनिंग) व्यय	----	1275102	1275102	----	1087105	1087105
ख) मरम्मत और अनुरक्षण	----	818905	818905	----	471586	471586
ग) बीमा व्यय	----	90853	90853	----	170936	170936
2. भाड़े/पट्टे पर लिए गए वाहन						
क) भाड़ा/पट्टा हेतु व्यय	----	1527617	1527617	----	760959	760959
3. वाहन (टैक्सी) हेतु व्यय	----	9837426	9837426	----	3077462	3077462
कुल	----	13549903	13549903	----	5568048	5568048

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 19 - मरम्मत और अनुरक्षण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल
क) भवन	----	317737091	317737091	----	151753739	151753739
ख) फर्नीचर एवं फिक्सचर	----	8005406	8005406	5357	6675169	6680526
ग) संयत्र और मशीनरी	6325	16928976	16935301	----	15571245	15571245
घ) कार्यालय उपकरण	11800	103678	115478	48823	21660	70483
ङ) कंप्यूटर्स	----	18100	18100	8665	----	8665
च) बागवानी	----	3281665	3281665		2445641	2445641
कुल	18125	346074916	346093041	62845	176467454	176530299

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 20 - वित्त लागत	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना	गैर योजना	कुल
क) बैंक प्रभार	26473	56620	83093	----	69473	69473
ख) अन्य (विशेष ब्योरा दें)	----	----	----	----	----	----
कुल	26473	56620	83093	0	69473	69473

नोट : यदि धनराशि महत्वपूर्ण एवं आवश्यक नहीं है तो मुख्य बैंक प्रभार को विलोपित किया जा सकता है, और इन्हें अनुसूची 17 में प्रशासनिक व्यय के रूप में वर्णित किया जा सकता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 21 - अनुदानों, आर्थिक सहायताओ इत्यादि पर खर्च	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना		कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना		कुल
क) अशोध्य और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान	----	----	----	----	----	----
ख) लावसूल शेष को बट्टे खाते में डालें	----	----	----	----	----	----
ग) अन्य संस्थानों/संगठनों से प्राप्त अनुदान/सब्सिडी	----	169301972	169301972	----	138117277	138117277
घ) अन्य (विशेष ब्योरा दें)	----	----	----	----	----	----
कुल	----	169301972	169301972	0	138117277	138117277

नोट: अन्य व्यय बट्टे खाते, विविध व्यय, निवेश की बिक्री पर हानि, अचल परिसंपत्तियों की हानि तथा अचल परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि इत्यादि के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा और तद्नुसार दर्शाया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

अनुसूची 22 : पूर्व अवधि के खर्चे	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	यू.जी.सी./अन्य योजना		कुल	यू.जी.सी./अन्य योजना		कुल
1. स्थापना व्यय	----	----	0	----	----	0
2. शैक्षणिक व्यय	----	279289534	279289534	----	110692222	110692222
3. प्रशासनिक व्यय (प्रिंटिंग और बाइंडिंग)	----	----	0	----	2387518	2387518
4. गैर-शिक्षण को मानदेय (N.C.W.E.B.)	----	4284755	4284755	----	----	----
5. मरम्मत एवं रखरखाव	2517716	5233341	7751057	----	----	0
6. पूर्व अवधि से संबन्धित ह्रास मूल्य	----	81482203	81482203	----	1791728	1791728
कुल	**2517716**	**370289833**	**372807549**	**----**	**114871468**	**114871468**

दिल्ली विश्वविद्यालय
31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

स्टॉक में वृद्धि/कमी	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) अंतिम स्टॉक		
मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोग)	12698055	11487987
चिकित्सा खर्चे	15346516	12269862
रसायन और कांच के बने पदार्थ	3317569	1207615
उत्तर पुस्तिका	5017666	1171577
कुल (क)	36379806	26137041
ख) घटाये: आरंभिक स्टॉक	26137041	18475299
कुल (ख)	26137041	18475299
अधिशेष/(कमी) (क-ख)	10242765	7661742

अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा तैयार करने हेतु आधार

क) परिपाटी के आधार पर ऐतिहासिक लागत परिपाटी और आमतौर पर जब तक अन्यथा न कहा जाए प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं।

2. राजस्व मान्यता

2.1) विद्यार्थियों से फीस, प्रवेश फॉर्मों की बिक्री ट्युशन शुल्क, प्रत्येक सेमेस्टर की ट्यूशन फीस तथा बचत बैंक खातों पर ब्याज का नकदी आधार पर लेखा- जोखा किया जाता है।

2.2) भूमि, भवन, अन्य संपत्ति से आय और निवेश पर प्रोद्भवन आधार पर लेखा-जोखा किया जाता है।

2.3) गृह-निर्माण, वाहनों और कम्प्यूटरों की खरीदी के लिए कर्मचारियों हेतु सब्याज अग्रिमों का प्रत्येक वर्ष प्रोद्भवन आधार पर लेखा-जोखा किया जाता हैं यद्यपि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी चुकौती के बाद शुरू होगी।

3. अचल संपत्ति एवं मूल्यह्रास

3.1) आवक भाड़ा, शुल्क तथा कर और अधिग्रहण, संस्थापना तथा निम्न मूल्यह्रास कमीशनिंग के संबंध में प्रासंगिक और प्रत्यक्ष व्यय सहित अधिग्रहण की लागत अचल संपत्ति कही जाती है। किसी भी विचार के बिना विश्वविद्यालय से प्राप्त अचल परिसंपत्तियां अंकित मूल्य अर्थात ₹ एक प्रति परिसंपत्ति पर वित्तीय विवरण में पूंजीकृत की गई।

3.2 उपहार / दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियों के अंकित मूल्य पर अर्थात ₹ 1(एक) प्रति परिसंपत्ति मूल्य निर्धारित किए जाते हैं।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का अंकित मूल्य अर्थात ₹ 1/-(एक) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्य निर्धारित किया जाता है।

3.4 विश्वविद्यालय ने वित्तीय वर्ष 2020-21 से डब्ल्यू.डी.वी. से एस.एल.एम. मूल्यह्रास का तरीका अपनाया है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास निम्नलिखित दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाता है।

मूर्त परिसंपत्तियां

क्रमांक	संपत्ति के प्रकार	सीधी रेखा विधि के अनुसार दर
1	भूमि	0%
2	साइट का विकास	0%
3	भवन	2%
4	सड़कें और पुल	2%
5	नलकूप और पानी की आपूर्ति	2%
6	सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7	विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
8	संयंत्र एवं मशीनरी	5%
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8.0%
10	कार्यालय उपकरण	7.5%
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	7.5%
12	कंप्यूटर और बाह्य उपकरणों	20%
13	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग	7.5%
14	खेल सामाग्री	10%
15	वाहनों	10%
16	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%
17	कलाकृति	7.5%

अमूर्त परिसंपत्तिया

1	ई-पत्रिकाओं	40%
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3	पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 वर्ष के दौरान अचल संपत्तियों के लिए परिवर्धन के संबंध में पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान की गई है। अचल संपत्तियों से बिक्री/ कटौतियों के संबंध में कोई मूल्यह्रास शुल्क नहीं लगाया गया है। जिन संपत्तियों का निपटान किया गया है, उन्हें वर्ष के दौरान कटौती के रूप में दिखाया गया है। बकाया अग्रिमों के विरुद्ध, जो परिसंपत्तियाँ पिछले वित्तीय वर्ष में अर्जित की गई हैं, उनके मूल्यह्रास को पूर्व अवधि के मूल्यह्रास के रूप में लिया गया है। अग्रिम भुगतान के बाद पिछले वित्तीय वर्ष के व्यय को भी पूर्व अवधि के व्यय में लिया गया है।

3.6 उद्दिष्टध निधियों से सृजित परिसंपत्तियां जहां ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय में निहित होता है, पूंजीगत निधि में क्रेडिट द्वारा स्थापित की जाती हैं और विश्वविद्यालय की स्थायी परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दी जाती है । शिक्षा मंत्रालय(एम.ओ.ई.) के संशोधित प्रारूप में निर्धारित अनुसार संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है। बाहरी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजना से खरीदी गई संपत्ति परियोजना बंद होने तक संबंधित वित्त पोषित एजेंसी की संपत्ति बनी रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद, संबंधित स्थायी परिसंपत्तियां खाते को डेबिट करके और पूंजीगत निधि खाते को क्रेडिट करके संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास प्रभारित होने के बाद परियोजना परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की स्थायी परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है।

3.7 परिसंपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक की मूल्य रू.2000/- अथवा उससे कम (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर) छोटी मूल्य की संपत्ति, जिस वर्ष इन्हें खरीदा जाता है, उस वर्ष में 100% मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। हालांकि भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जैसी परीसंपत्तियाँ धारकों द्वारा जारी रखी जायेगी।

4. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

पेटेंट, कॉपीराइट्स ई जर्नल तथा कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में अमूर्त परिसंपत्तियों के अंतर्गत वर्गीकृत किए जाते हैं।

4.1 **पेटेंट** : पेटेंट प्राप्त करने के लिए समय-समय पर वहन किये गए व्यय (आवेदन शुल्क, कानूनी खर्च इत्यादि) पूंजीकृत तथा तुलन-पत्र में अमूर्त परिसंपत्ति के हिस्से के रूप में दर्शाए जाते हैं। यदि पेटेंट हेतु आवेदन पत्र खारिज हो जाता है तो विशेष पेटेंट पर वहन किए गए संचयी व्यय को आवेदन के अस्वीकृत होने वाले वर्ष में ही आय और व्यय के बट्टे खाते में लिखा जाता है।

प्रदत्त एकस्व (पेटेंट) पर खर्च एक कंजर्वेटिव आधार पर 9 वर्ष की अवधि के बाद बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

4.2 **इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाएँ:**

(ए) सतत: - इलेक्ट्रॉनिक जर्नल (ई-जर्नल) मूर्त रूप में नहीं हैं, लेकिन अस्थायी रूप से पूंजीकृत हैं और व्यय की मात्रा और अकादमिक और अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा अर्जित सतत ज्ञान के संदर्भ में प्राप्त लाभ को देखते हुए, पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में प्रदान किए गए 10% के मूल्यह्रास की तुलना में ई-जर्नल्स के संबंध में 40% की उच्च दर पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

(बी) गैर-स्थायी: - ई-जर्नल्स/पत्रिकाओं पर खर्च की गई राशि को चालू वर्ष में उपयोग किए गए लाभों की सीमा तक राजस्व व्यय के रूप में माना जाता है और शेष राशि को प्रीपेड खर्चों के रूप में संचय के आधार पर खाते की किताबों में दर्ज किया जाता है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अर्जन पर व्यय को कम्प्यूटर तथा वाह्य उपकरणों से अलग किया गया, अमूर्त संपत्ति होने के अलावा, इनके संबंध में अप्रचलन की दर बहुत अधिक है। सॉफ्टवेयर के संबंध में मूल्यह्रास स्ट्रेट लाइन मेथड पर 40% की दर से चार्ज हो रहा है, जबकि कंप्यूटर और पेरिफेरल्स के संबंध में 20% मूल्यह्रास प्रदान किया गया है।

5. भंडार (स्टॉक्स)

वर्ष के अंत में स्टॉक मूल्य पर मूल्यांकन किया गया है।

6. सेवा- निवृत्ति लाभ

सेवा-निवृत्ति लाभ जैसे पेंशन, ग्रैचुइटी और छुट्टी-भुगतान को बीमांकिक मूल्यन लेखा मानक-15 के आधार पर हिसाब में लिया गया है। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों जिन्हें विश्वविद्यालय में अवशोषित किया गया है के पिछले नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन, उपदान और अर्जित-छुट्टी का पूंजीकृत मूल्य उनके संबंधित प्रावधान खातों मे जोड़ा गया है। प्रतिनियुकित पर कर्मचारियों के संबंध में प्राप्त पेंशन और छुट्टी वेतन को भी संबंधित प्रावधान खातो में जोड़ा गया है।

7. निवेश

निधियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त निधियों को समय-समय पर बैंक खातों में सावधि जमा के रूप में रखा जाता है।अन्य निवेश जो पिछले पिछले वर्षों में किए गए हैं उन्हें उनकी लागत/अंकित मूल्य पर शामिल किया गया है।

8. उद्दिष्ट/अक्षय निधि

समग्र निधि, गृह निर्माण निधि, वाहन निधि (कंप्यूटर अग्रिम और अन्य ऐसी निधिओं सहित), पुस्तकालय विकास कोष इत्यादि शामिल निर्धारित निधि दीर्घकालिक निधि है और विशिष्ट प्रयोजनों के लिए निर्धारित की जाती है। प्रत्येक निधियों का एक अलग बैंक खाता है। जिनमे अधिक शेष राशि वाले खातों में सें राशि को सरकारी प्रतिभूतियों, डिबेंचर, तथा बॉन्ड और बैंकों में सावधि जमा में भी निवेश किया जाता है। निवेश प्रोद्भूत आधार पर अग्रिम (गृह-निर्माण, वाहन तथा कम्प्यूटर पुस्तकालय विकास कोष) से प्राप्त आय तथा बचत बैंक खातों पर ब्याज को नकदी आधार पर संबंधित निधि मे जमा किया जाता है। व्यय तथा अग्रिम (गृह-निर्माण, वाहन तथा कम्प्यूटर पुस्तकालय विकास कोष के मामले में) संबंधित निधियों में डेबिट किए जाते हैं।

8.1 संबंधित निधियों की शेष राशि, तुलन-पत्र की देनदारी की तरफ में अग्रेनीत किया जाता है तथा जिसे तुलन-पत्र की तरफ बैंक बैलेन्स, अग्रिमों, सावधि जमा तथा निवेश द्वारा दर्शाया जाता है।

8.2 जहां विश्वविद्यालय में निहित स्वामित्व होता है वहाँ उद्दिष्ट निधियों में से क्रय की गई/बनाई गई परिसंपत्तियाँ संबंधित परिसंपत्ति खाते से डेबिट तथा पूंजीगत निधि खाते से क्रेडिट द्वारा विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्ति में मिलाया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दरों पर प्रभारित किया जाता है।

8.3 अक्षय निधियाँ: दाताओं द्वारा यथा विनिर्दिष्ट चेयर्स तथा पदकों एवं पुरस्कारों/छात्रवृत्ति की स्थापना हेतु, अक्षय निधि, विभिन्न प्रत्येक दाताओं, न्यास तथा अन्य संगठन से प्राप्त होती है ।

प्रत्येक अक्षय निधि के निवेश से होने वाली आय को निधि में जोड़ा जाता है। पदकों और पुरस्कारों पर होने वाले व्यय को संबंधित अक्षय निधि के निवेश से अर्जित ब्याज से वहन किया जाता है, तथा शेष राशि अगले वर्ष अग्रेनीत की जाती है। हालांकि अक्षय संग्रह चेयर्स के संबंध में भी उपयोग किया जाता है। शेष राशि भारतीय रिजर्व बैंक के बॉन्ड्स तथा मियादी जमा में निवेश तथा कॉमन बचत बैंक खाता में शेष राशि तथा निवेशों पर प्रोद्भूत ब्याज द्वारा दर्शाए जाते हैं।

9. सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अनुदान

9.1 वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, भारतीय रिज़र्व बैंक के टी.एस.ए. खाते में दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए कुल अनुदान रु.777,43,00,000/- आवंटित किए गए हैं, जिसमें रु. 3,22,25,00,000/- का आवर्ती अनुदान, रु. 4,46,68,00,000/- का वेतन अनुदान एवं रु. 8,50,00,000/- पूंजी अनुदान शामिल है। कुल अनुदान रु. 777,43,00,000/- में से विश्वविद्यालय ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान रु. 769,90,81,627/- का उपयोग किया है। । निर्धारित वेतन अनुदान रु. 4,46,68,00,000/- में से -, कुल रु. 7,52,18,373/- दिनांक 31.03.2023 को सरकार को वापस हो गया।

9.2 पूंजीगत व्यय, यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदान प्रयुक्त सीमा की ओर पूंजीगत निधि में अंतरित किए जाते हैं।

9.3 राजस्व व्यय पूरा करने हेतु, यू. जी. सी. अनुदानों को वर्ष की आय के रूप में प्रयुक्त सीमा के लिए समझे जाते हैं।

9.4 वाणिज्यिक बैंक में विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान को बैलेंस शीट में अनुसूची -3 (वर्तमान देनदारियां और प्रावधान) में देयता के रूप में दिखाया गया है।

10. उद्दिष्ट निधि निवेश और ऐसे निवेशों पर उपार्जित ब्याज:

ऐसी निधियों के प्रति उपलब्ध धनराशि एक सीमा तक किंतु तत्काल खर्च करना अपेक्षित नहीं हैं उसे अनुमोदित प्रतिभूतियों और बॉन्डस अथवा बैंकों में निश्चित अवधि के लिए जमा किया जाता है शेष राशि बचत बैंक खाता में रहेगी। इस तरह के निवेश पर अर्जित ब्याज, प्रोद्भूत ब्याज और देय तथा प्रोद्भूत ब्याज किंतु बिना देय संबंधित निधियों में जोड़ दी जाती है तथा जो संस्था की आय के रूप में नहीं समझी जाती हैं।

11. प्रायोजित परियोजनाएं

11.1 चल रही प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को 'वर्तमान देनदारियां और प्रावधान-वर्तमान देनदारियां - "प्रायोजित परियोजनाओं के खिलाफ रसीद" शीर्षक में जमा किया जाता है। जब भी ऐसी परियोजना के लिए किए गए व्यय/अग्रिम का भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना खाते को आवंटित ओवरहेड शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, तो देयता खाता डेबिट हो जाता है। 31.03.2023 को अप्रयुक्त अनुदान को बैलेंस शीट की अनुसूची - 3 में देयता के रूप में दिखाया गया है।

11.2 यू.जी.सी. फेलोशिप तथा छात्रवृत्ति द्वारा वित्तपोषित के अतिरिक्त फेलोशिप तथा छात्रवृत्ति विभिन्न संगठनों द्वारा प्रायोजित निर्धारित धनराशि भी प्रायोजित होती है। इन्हें प्रायोजित परियोजना की तरह लेखाबद्ध किया जाता है सिवाय इसके कि व्यय आमतौर पर केवल अध्येतावृत्ति(फेलोशिप) और छात्रवृत्ति के वितरण पर हो, जिसमें फेलो तथा विद्वानों के आकस्मिक व्यय हेतु भत्ते शामिल होते हैं।

11.3 संस्थान स्वयं भी अध्येतावृत्ति(फेलोशिप) तथा छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जोकि शैक्षणिक खर्च में ही लेखाबद्ध किए जाते हैं।

11.4 बाहरी ऐजंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजना से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित्तपोषित ऐजेंसी की संपत्ति होती है। परियोजना बंद होने के बाद, संबंधित स्थायी परिसंपत्ति खाते को डेबिट करके और पूंजीनिधि खाते को क्रेडिट करके संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास शुल्क के बाद परियोजना परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की स्थायी परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है।

12. आयकर

संस्था की आय आयकर अधिनियम के सेक्शन 10(23)(c) (iiiab) के तहत आयकर मुक्त होती है। इसलिए खातों में कर के किए कोई प्रावधान नहीं होता है।

दिनांक : 7 अगस्त 2023

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष हेतु लेखा का हिस्सा बनी अनुसूचियां

अनुसूची 24 : आकस्मिक देताएं और नोट्स ऑन अकाउंट

1. आकस्मिक देताएं

(क) विश्वविद्यालय के वर्तमान/पूर्व कर्मचारियों द्वारा दायर किए गए विभिन्न दावे औद्योगिक न्यायाधिकरणों और माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं। दावों की मात्रा सुनिश्चित नहीं है।

(ख) कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 के दौरान डीयू के विभिन्न स्थानों से संबंधित सुरक्षा उपकरणों की आपूर्ति और चालू करने के लिए शेष भुगतान के रूप में ई.सी.आई.एल. को 14.25 करोड़ रुपये की राशि (28.23 करोड़ रुपये की बिल राशि के खिलाफ) देय है। गृह मंत्रालय द्वारा बकाया भुगतान रोक दिया गया था क्योंकि मामला माननीय न्यायालय में विचाराधीन है।

2. आकस्मिक संपत्ति

साउथ कैंपस में जगह के उपयोग के लिए लंबित लाइसेंस शुल्क के रूप में इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन द्वारा रुपये 1.21 करोड़ की राशि देय है। मामला माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण राशि को खातों में वसूली योग्य नहीं दर्शाया गया है।

3. पूंजीगत वचनबद्धता

(ए) वर्ष के दौरान दो भवन परियोजनाओं के निर्माण के लिए शिक्षा मंत्रालय से आर्थिक कमजोर वर्ग योजना के तहत रुपये 25.00 करोड़ प्राप्त हुए हैं। निम्नलिखित कार्यों पर जमा आधार पर कार्यों के निष्पादन के लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को राशि जारी की गई है: -

(बी) पूंजीगत कार्य प्रगति पर: पूंजीगत कार्य प्रगति निम्नलिखित परियोजनाओं के निर्माण के लिए 31 मार्च 2023 तक पूरे किए गए कार्य की लागत को दर्शाता है:

ए. उत्तरी परिसर, दिल्ली में बहुमंजिला विज्ञान ब्लॉक की मौजूदा इमारत का लंबवत विस्तार:-	रु. 3,00,03,662/-
बी. दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर सेंटर के भवन निर्माण के लिए:	रु. 46,71,894/-

4. स्थायी परिसंपत्तियां

4.1 अनुसूची 4 में अचल संपत्तियों में वर्ष में वृद्धि, पूंजीगत संपत्ति रु. 13,55,34,087/- और निर्धारित/बंदोबस्ती निधि रु. 16,40,33,606/- जिसमें विशेष योजना एफ.आर.पी./सी.पी.डी.एच.ई. से खरीदी गई रु. 1,11,02,404/- की संपत्ति, बंद की गई प्रायोजित परियोजनाएं रु.

2,69,60,513/-, रु. 742/- मूल्य की पुस्तकालय की किताबें और अन्य संपत्तियां जो दिल्ली विश्वविद्यालय को उपहार में दी गई शामिल हैं। पुस्तकालय की किताबें और अन्य संपत्ति का अंकित मूल्य रु. 1/- दिखाया गया है। परिसंपत्ति की स्थापना पूंजी निधि में क्रेडिट द्वारा की गई है।

4.2. अनुसूची-4 मे, दर्शाई गई परिसंपत्तियों में प्रायोजित परियोजना निधि में से खरीदी गई परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं, जो संस्थान द्वारा संघटित और उपयोग की गई है, क्योंकि परियोजना करार में शर्तें शामिल हैं कि परियोजना निधि में से खरीदी गई ऐसी परिसंपत्तियां प्रायोजकों की परिसंपत्तियां रहेंगी जब तक प्रोजेक्ट बंद नहीं हो जाते।

5. मेसर्स राइट्स लिमिटेड और इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड (ई.आई.एल.) के पास लंबे समय से बकाया अग्रिमों को संबंधित एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत उपयोगिता प्रमाणपत्र/व्यय विवरण और इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विधिवत सत्यापित के आधार पर समायोजित किया गया है। शेष अग्रिम राशि अन्य भवन परियोजनाओं के चल रहे निर्माण के लिए राइट्स लिमिटेड द्वारा सीमित है।

6. निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश

विश्वविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नाम पर 100% इक्विटी के साथ उधोमड्या फाउंडेशन और फ्रेंड्स ऑफ डीयू फाउंडेशन नाम से दो कंपनियां (सेक्शन-8) बनाई हैं और प्रत्येक कंपनी के 1,50,000 इक्विटी शेयर सब्सक्राइब किए हैं।

7. जमा देयताएँ

कोई भी बयाना राशि/सुरक्षा जमा राशि राजस्व खाते में हस्तांतरित नहीं की गई है।

8. विदेशी मुद्रा में व्यय

भुगतान/ प्राप्ति की तिथि को प्रचलित विनिमय दर पर विदेशी मुद्रा में लेन-देन का अभिधान किया गया है।

9. चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम और जमाएँ

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का मूल्य सामान्य तौर पर वसूली पर होता है, जो कम से कम बैलेंस शीट में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है। चूंकि पिछले 10-15 वर्षों से भी अधिक समय से अग्रिम राशि बकाया थी; अधिकांश अग्रिमों का निपटान उपलब्ध अभिलेखों/दस्तावेजों के आधार पर किया गया है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के तहत रु. 35,00,00,000/- (वित्तीय वर्ष 2021-22 में रु. 10,00,00,000/- और वित्तीय वर्ष 2022-23 में रु. 25,00,00,000/-) के अनुदान में से दो भवन परियोजनाओं के लिए स्वीकृत केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण किया जाना है, रु. 31,53,24,444/- की शेष राशि छोड़कर चल रहे निर्माण कार्य के लिए रु. 3,46,75,556/- को पूंजीगत कार्य प्रगति पर दिखाया गया है।

10. बैंक शेष

बैंक में बचत खाते, चालू खाते और मियादी जमा खाते में शेष का विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची के संलग्नक 'क' में संलग्न हैं।

• सभी बचत बैंक खाते (वेतन खाते, पूंजी खाते और आवर्ती खाते को छोड़कर) ऑटो स्वीप (फ्लेक्सी जमा) सुविधा वाले है तथा इनसे उत्पन्न ब्याज उस अवधि के लिए फ़िक्स्ड डिपॉज़िट पर लागू दर (यदि फ़िक्स्ड डिपॉज़िट में रखे जाते) से प्राप्त होता है। इन सभी बचत खातों से प्राप्त ब्याज की आय प्रोद्भवन आधार पर लिया गया हैं।

11. जहां आवश्यक था, गत वर्ष के आंकड़ो को पुन: समूहित/पुन:गठित किया गया है।

12. अंतिम लेखों के आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित (राउंड ऑफ) किया गया है।

13. अनुसूची 1 से 24 अंत मे संलग्न हैं तथा 31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का महत्वपूर्ण भाग है और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय और व्यय खाता का निर्माण करता है।

14. भविष्य निधि खाता/लेखा

चूंकि भविष्य निधि खाते निधि सहित उन निधियों के स्वामित्व सदस्यों के स्वामित्व में हैं, विश्वविद्यालय के पास स्वामित्व नहीं हैं, इन खातों को विश्वविद्यालय के खातों से अलग कर दिया गया था। हालांकि, एक प्राप्तियां और भुगतान खाते, एक आय और व्यय खाता (प्रोद्भवन आधार पर) और भविष्य निधि खातों के एक तुलन-पत्र(बैलेंस शीट) के साथ-साथ वर्ष 2022-23 के लिए नई पेन्शयन योजना को विश्वविद्यालय के खातों से जोड़ा गया है।

15. वेतन

वर्ष के वेतन पर व्यय में मार्च 2023 माह के वेतन का प्रावधान शामिल है ।

16. पूर्व अवधि आय और व्यय:

पूर्व अवधि का व्यय रु. 37,28,07,550/- में रु. 27,92,89,534/- शैक्षणिक व्यय, रु. 42,84,755/- गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मानदेय, रु.77,51,057/- मरम्मत और रखरखाव, और रु. 8,14,82,203/-मूल्यह्रास शामिल है (अनुसूची 22 देखें: पूर्व अवधि व्यय)।

17. हाल्स और छात्रावास

चूंकि हॉल और हॉस्टल अलग-अलग रिपोर्टिंग संस्थाएं हैं, इसलिए उनके खाते दिल्ली विश्वविद्यालय के खातों से अलग से तैयार किए जाते हैं। हालाँकि, एक समेकित रसीद और भुगतान खाता, समेकित आय और व्यय खाता और सभी हॉल और हॉस्टल और गेस्ट हाउस की एक समेकित बैलेंस शीट दिल्ली विश्वविद्यालय के खाते से जुड़ी हुई है।

18. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस

विश्वविद्यालय प्रेस को शिक्षा मंत्रालय (एम.एच.आर.डी) के निर्देशानुसार और कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 79 (79-17) दिनांकित15.03.2020के अनुसार पहले ही बंद कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय प्रेस की सभी संपत्तियों और देनदारियों को 31.03.2022 की बुक वैल्यू पर विश्वविद्यालय द्वारा ले लिया गया है और वित्तीय वर्ष 2022-23 में दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों में विलय कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रेस को बंद करने और विश्वविद्यालय प्रेस की सभी संपत्तियों और देनदारियों को विश्वविद्यालय के साथ विलय करने के मामले पर वित्त समिति ने 06.12.2022 को हुई बैठक में विचार और अनुमोदन किया है और कार्यकारी परिषद ने भी इसे ई.सी. संकल्प संख्या-43 के तहत 08.12.2022 को आयोजित की बैठक में मंजूरी दे दी है। तदनुसार, विश्वविद्यालय प्रेस का अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

19. उत्कृष्ट संस्थान(इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस):-

केंद्र सरकार ने अधिकार प्राप्त विशेषज्ञ समिति (ई.ई.सी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी) की सिफारिशों पर अधिसूचना संख्या एफ.11/9/2019-यू3(ए) दिनांकित 2 मार्च,2020 के जारी होने से दिल्ली विश्वविद्यालय को "उत्कृष्ट संस्थान" घोषित किया। इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस अकाउंट को परियोजना खातों के रूप में शामिल किया गया है, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों को अनुसूची-3 (ए) यानी प्रायोजित परियोजनाओं में शामिल किया गया है। आई.ओ.ई. द्वारा अलग से जमा किए गए खातों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में रु.

82.51 करोड़ आरंभिक शेष ले लिया गया और वर्ष के दौरान रु. 65.00 करोड़ का अनुदान और रु. 1.77 करोड़ ब्याज/अन्य आय रु.प्राप्त हुए हैं, वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान रु. 130.06 करोड़ का उपयोग किया गया।

20. अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस

अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस के एक कर्मचारी द्वारा रु.9,67,325/- के गबन की राशि के विरुद्ध, रु. 2,88,383/- की वसूली पहले ही की जा चुकी है और शेष रु.6,78,942/- हटाए गए कर्मचारी को देय वेतन के बकाया से वसूली की जाएगी, जिस पर विचार चल रहा है और उचित अधिकारियों के अनुमोदन से समायोजित किया जाएगा।

21. आयकर रिफंड की स्थिति

आकलन वर्ष	रिटर्न के अनुसार देय रिफंड (ए(	सीपीसी सूचना संख्या और तारीख	सीपीसी सूचना के अनुसार कुल रिफंड	सीपीसी सूचना के अनुसार रिफंड की मूल राशि (बी)	ब्याज	दावे के अनुसार आयकर रिफंड में कमी	स्थितिटिप्पणियाँ/
2019-20	47048450	CPC/2021/A7/201 852207 25.12.2021	40688732	36822390	386634 2	10226150	रु.3,68,22,390 वितीय वर्ष 2019-20 में काटे गए टीडीएस से संबंधित पूर्ण रिफंड (ब्याज सहित) 27.12.2021 को प्राप्त हुए। हालाँकि वितीय वर्ष 2018-19 से आगे लाया गया टीडीएस आयकर विभाग द्वारा विचार नहीं किया गया। रु . 1.02 करोड़ की रिफंड राशि की कमी के लिए 29.12.2021 और 14.01.2022 को शिकायत उठाई गई, लेकिन सुधार के अनुसार धारा 154 के तहत दाखिल करने की जरूरत है। धारा 154 के तहत सुधार दाखिल किया जाना है, लेकिन आईटीडी पोर्टल सुधार को स्वीकार नहीं कर रहा है। 24.03.2023 को पत्र के माध्यम से धारा 154 के तहत मैन्युअल सुधार दायर किया गया।
2021-22	30690425	143(1)=CPC/2122/ A7/243802408 04.07.2022 154=CPC/2122/U7	80292	74348	5944	30616077	रु. 74,348 का आंशिक रिफंड. 06 जुलाई 2022 को प्राप्त हुआ। शेष वापसी रु .3.06 करोड़ के दावे के लिए 17.11.2022 को सुधार दायर किया गया, लेकिन धारा 154

		/316926910 08.12.2022					दिनांक 08.12.2022 के तहत सुधार आदेश के अनुसार, दावा फिर से अस्वीकार कर दिया गया है। फॉर्म 26एएस में आईटीआर में दावा किए गए टीडीएस की सही राशि आ रही है। चूंकि सीपीसी ने धारा 154 के तहत दायर सुधार के अनुसार हमारी दलीलों पर विचार नहीं किया है, इसलिए 08.02.2023 को दायर धारा 143 (1)/सुधार के तहत सूचना आदेश के खिलाफ धारा 246ए के तहत अपील दायर की गई है।
2022-23	52569750	CPC/2223/A7/325 877566 18.07.2023	56775328	52569750	420557 8		आयकर रिटर्न धारा 143(1) डीआईएन सीपीसी/2223/ए7/325877566 दिनांक 18.07.2023 के तहत सूचना के माध्यम से संसाधित किया गया है और आईटीडी ने रु .5.25 करोड़ के आईटीआर के अनुसार रिफंड स्वीकार कर लिया है और रु .42.06 लाख का ब्याज भी दिया। .सूचना के अनुसार कुल रिफंड रु) .5.68 करोड़ है (शून्य के रूप में उल्लिखित), इसलिए आईटीडी केवल जांच मूल्यांकन मामले को अंतिम रूप देने के बाद रिफंड जारी कर सकता है। DIN:ITBA/AST/S/143(2)/2023-24/1053502993 (1) दिनांक 02.06.2023 के माध्यम से फेसलेस जांच मूल्यांकन के लिए मामले का चयन किया गया है। अब कार्यवाही बंद होने के बाद रिफंड जारी किया जाएगा।

दिनांक: 7 अगस्त 2023

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

धनराशि ₹ में

प्राप्तियां		चालू वर्ष	गत वर्ष
I. प्रारंभिक शेष			
क. नकद शेष		-----	-----
ख. बैंक शेष			
i. चालू खाते में		45063494	82265824
ii. बचत खाते में		2109353820	2765513691
iii. जमा खाते में		16583372774	13779817209
ग. स्थायी पेशगी		1071500	897600
II. प्राप्त अनुदान			
क. भारत सरकार से			
ख. राज्य सरकार से		-----	-----
ग. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से		-----	-----
i) पूँजीगत व्यय के लिए अनुदान	85000000		
ii) राजस्व व्यय के लिए अनुदान	7614081627		
iii) ई.डब्ल्यू.एस. अनुदान	250000000		
घ. यूजीसी की विशिष्ट योजनाओं से	22123716	7971705343	6725138318
III. शैक्षणिक प्राप्तियां			
क) शुल्क एवं अभिदान		1535159573	1534845903
IV. उद्दिष्ट/अक्षय निधि के प्रति प्राप्तियां		874047575	1315326551
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति प्राप्तियां		1116034254	1139436740
VI. अप्रयुक्त अनुदान अन्य पिछड़ा वर्ग अनुदान महाविद्यालय द्वारा वापसी योग्य		5243407	----
VII. प्रयोजित अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां		26132579	44147512

भुगतान	चालू वर्ष	गत वर्ष
I. व्यय		
क. संस्थापन व्यय	6298389856	5920421514
ख. शैक्षणिक व्यय	772915205	748306145
ग. प्रशासनिक व्यय	1339025861	1195114601
घ. परिवहन व्यय	12875496	4996360
ड. मरम्मत और अनुरक्षण	288595715	175769909
च. वित्तीय प्रभार	83093	69473
छ. अनुदान से व्यय	169301972	138117277
ज. पूर्व आवधिक व्यय	298586890	0
II. उद्दिष्ट/अक्षय निधि के प्रति भुगतान	639125161	274560877
III. प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं के प्रति भुगतान	1926083451	675247523
IV. प्रायोजित अध्येतावृत्ति/ छात्रवृत्ति के प्रति भुगतान	34272879	46386678
V. योजना अनुदान के प्रति भुगतान	----	----
VI. किए गए निवेश और जमा		
क. उद्दिष्ट और अक्षय निधि में से	3000000	----
ख. स्व निवेश में से	----	----
VII. अनुसूची बैंकों में सावधि जमा	-----	-----
VIII. स्थायी परिसंपतियां और पूंजीगत वर्क-इन-प्रोग्रेस पर व्यय		
क. स्थायी परिसंपतियां	527127310	213326461
ख. केपिटल वर्क इन प्रोग्रेस	-----	-----
IX. सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	9120611	53884919

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.3.2023 तक के तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

VIII. निम्न के निवेश पर आय			X. अनुदानों का प्रतिदाय	11476389	----
क. उद्दिष्ट/अक्षय निधि	498953242	702550022	XI. जमा और अग्रिम		
ख. योजना खाता	225524218	----	क) एल. टी. सी. पेशगी	----	2859495
ग. प्रायोजित परियोनाओ	106667459	91859021	ख) अग्रिम	9736581	135566198
घ. अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति	3095440	5191805	ग. धन प्रेषण	----	----
IX. निम्न पर प्राप्त ब्याज			घ. प्रायोजित परियोनाओ से पेशगी	----	1229151
क. बैंक जमा	16771335	13582367	XII. अन्य भुगतान	9247910	29323188
ख. ऋण और अग्रिम	----	----	XIII. अंतिम शेष		
ग. बचत बैंक खाता	15944141	19326702	क. हाथ रोकड़	----	----
X. निवेश भुनाना	30083000	217900000	ख. बैंक शेष		
XI. अनुसूची बैंकों में सावधि जमा	----	----	चालू खाते में	26499075	45063494
XII. अन्य आय (पूर्व आवधिक आय सहित)	155553377	78465149	बचत खाते में	1272820930	2109353820
XIII. जमा और अग्रिम			जमा खाते में	18187179406	16583372774
क) एल. टी. सी. पेशगी	----	393277	स्थायी पेशगी	540000	1071500
ख) अग्रिम	----	24070956			
ग) धन प्रेषण	----	----			
घ) प्रायोजित परियोनाओ से पेशगी	----	9146470			
XIV. सांविधिक भुगतानों सहित विविध प्राप्तियां	8273063	54646603			
XV. कोई अन्य प्राप्तियां	508454197	13428229			
कुल	31836003791	28617950049	कुल	31836003791	28617950049

दिल्ली विश्वविद्यालय
भविष्य निधि खाता
31 मार्च, 2023 तक की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

धनराशि 31.03.22	देयताएं		धनराशि 31.03.23	धनराशि 31.03.22	परिसंपत्तियां		धनराशि 31.03.23
	सामान्य भविष्य निधि						
4472248899	आरंभिक शेष	4604383984		1717190000	निवेश (बंधपत्र)		272000000
590166494	जोड़ें: वर्ष में अभिदान और अंशदान के अग्रिम का भुगतान	701409299		3470600000	जमा खाता (एफडी)		4559600000
307012927	जोड़ें: ब्याज जमा किया गया	313304533		99316443	31.03.2023 को प्रोद्भूत ब्याज		136238056
(764951172)	घटाएं: अग्रिम/ निकासी/अंतिम भुगतान	(951800289)					
(93164)	घटाएं: गत वर्ष से संबंधित समायोजन	(8656)			कर पर स्रोत कटौती प्राप्य :-		
4604383984	अंत शेष		4667288871		---- सीपीएफ खाता	1334094	
				3595270	---- जीपीएफ खाता	2315366	3649460
	अंशदायी भविष्य निधि						
554122893	आरंभिक शेष	482830956			भारतीय स्टेट बैंक में बचत खातों में शेष राशि		
35820376	जोड़ें: वर्ष में अभिदान और अंशदान के अग्रिम का भुगतान	23214660		185227173	--जीपीएफ	242130276	
28041344	जोड़ें: ब्याज जमा किया गया	21310603		69529914	--सीपीएफ	33384374	275514651
(135153657)	घटाएं: अग्रिम/ निकासी/अंतिम भुगतान	(415563757)					
-	घटाएं: गत वर्ष से संबंधित समायोजन	-					
482830956	अंत शेष		111792462				
	ब्याज रिजर्व						
488243666	आरंभिक शेष	458243860					
-	जोड़ें: व्यय पर आय का आधिक्य	9676974					
(29999806)	घटाएं: आय पर व्यय का आधिक्य	-					
458243860	अंत शेष		467920834				
	--जीपीएफ	41544963			--जीपीएफ	41544963	
	--सीपीएफ	591210	42136173		--सीपीएफ	591210	42136173
5545458800	कुल		5289138340	5545458800			5289138340

दिल्ली विश्वविद्यालय
भविष्य निधि खाता
31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय और व्यय खाता

(धनराशि/रुपए)

31/03/22 को धनराशि	व्यय	31/03/2023 को धनराशि	31/03/2022 को धनराशि	आय	31/03/2023 को धनराशि
	क्रेडिट ब्याज:		330803040	निवेश पर अर्जित ब्याज	307363507
307012927	जीपीएफ खाता	313304533	99316443	वर्ष के दौरान प्रोद्भूत ब्याज	136238056
28041344	सीपीएफ खाता	21310603	93164	गत वर्ष से संबंधित समायोजन (ब्याज)	8656
3776	बैंक प्रभार	1666	(125154406)	घटाएं: गत वर्ष हेतु प्रोद्भूत ब्याज परंतु चालू वर्ष के दौरान प्राप्त हुआ।	(99316443)
	कर पर स्रोत कटौती :				
----	व्यय पर आय का आधिक्य	9676974	29999806	आय पर व्यय का आधिक्य	-----
335058047	कुल	344293776	335058047	कुल	344293776

दिल्ली विश्वविद्यालय

भविष्य निधि खाता

वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(धनराशि/रुपए.)

प्राप्तियां	धनराशि	भुगतान	धनराशि
01/04/22 को आरंभिक शेष			
जीपीएफ खाता सं. 10851298435	185227173	जीपीएफ अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	951800289
सीपीएफ खाता सं. 10851298457	69529914	सीपीएफ अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	415563757
जीपीएफ अभिदान	701409299	वर्ष के दौरान निवेश	4842700000
सीपीएफ अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	23214660	बैंक प्रभार	1666
भुनाया गया निवेश	5198890000	अंत शेष	
		जीपीएफ खाता सं. 10851298435	242130276
प्राप्त ब्याज	307309317	सीपीएफ खाता सं. 10851298457	33384374
कुल	6485580363	कुल	6485580363

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टीयर-I खाता
31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

(धनराशि/रुपए)

	धनराशि 31.03.22	देयताएं		धनराशि 31.03.23	धनराशि 31.03.22	परिसंपत्तियां	धनराशि 31.03.23
		एनपीएस टीयर-I खाता					
2585462		आरंभिक शेष	2119680		3603000	निवेश	3443000
		जोड़ें: पिछले वर्ष से संबंधित समायोजन	647019				
270837777		जोड़ें: अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	329361550		233344	प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं	487729
			332128249				
(271303559)	2119680	घटाएं: एनएसडीएल को हस्तांतरित की गई राशि	(329361550)	2766699	28058	फ्लेक्सी सावधि जमा और सावधि जमा पर काटा गया टीडीएस	28058
		मार्च 2023 माह के लिए सदस्यता और अंशदान का प्रावधान		26324126		मार्च 2023 के लिए प्राप्य सदस्यता और योगदान	26324126
		आरक्षित ब्याज					
4379911		आरंभिक शेष	5016945				
637034	5016945	जोड़े: व्यय की तुलना में आय की अधिकता	866809	5883754	3272223	बचत बैंक खाते में शेष	4691666
	7136625	कुल		34974579	7136625	कुल	34974579

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टीयर-I खाता
वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु आय और व्यय खाता

(धनराशि/रुपए)

धनराशि 31.03.22	व्यय	धनराशि 31.03.23	धनराशि 31.03.22	आय	धनराशि 31.03.23
578	बैंक प्रभार	876	531905	निवेश पर प्राप्त ब्याज	613300
637034	व्यय पर आय का आधिक्य	866809	(127637)	वर्ष 2021-22 हेतु प्रोद्भूत ब्याज परंतु जो वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त हुआ।	(132323)
			233344	जोड़ें: प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं	386708
637612	कुल	867685	637612	कुल	867685

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टीयर-I खाता
वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(धनराशि/रुपए)

धनराशि 31.03.22	प्राप्तियां	धनराशि 31.03.23	धनराशि 31.03.22	भुगतान	धनराशि 31.03.23
3308300	01/04/22 को आरंभिक शेष	3272223	1736000	निवेश	1576000
270837777	स्व: अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	329361550	271303559	एनएसडीएल को भेजी गई/निकासी की गई धनराशि	329361550
	पिछले वर्ष से संबंधित समायोजन	791238		पिछले वर्ष से संबंधित समायोजन	144219
366943	निवेश से प्राप्त ब्याज	453328	578	बैंक प्रभार	876
153340	बचत बैंक खाता पर ब्याज	159972			
1646000	निवेश भुनाया गया (एफ.डी.)	1736000	3272223	31.03.2023 को अंत शेष	4691666
276312360	कुल	**335774311**	**276312360**	कुल	**335774311**

दिल्ली विश्वविद्यालय
हॉल तथा छात्रावास
31 मार्च 2023 तक का तुलन–पत्र

धनराशि ₹ में

निधियों के स्रोत	चालू वर्ष	गत वर्ष
समग्र/पूंजीगत निधि	376976071	341842416
नामोदिष्ट/उदिष्ट/अक्षय निधियां	59136999	49932568
चालू देयताएं और प्रावधान	64840370	51118268
कुल	**500953440**	**442893252**
निधियों के अनुप्रयोग		
अचल परिसंपत्तियां		
मूर्त परिसंपत्तियां	33024754	30229767
अमूर्त परिसंपतियां	14	6041
पूंजी वर्क इन प्रोग्रेस	-----	-----
उदिष्ट/अक्षय निधियों सं निवेश		
दीर्घकालिक	-----	-----
अल्पकालिक	14923466	14108114
निवेश - अन्य	86267512	86020895
चालू परिसंपतियां	355677383	300506405
ऋण, अग्रिम और जमा	11114536	12076254
विविध खर्चे	(54224)	(54224)
कुल	**500953440**	**442893252**

दिल्ली विश्वविद्यालय

हॉल तथा छात्रावास

31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखा

धनराशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय (क)		
शैक्षणिक प्राप्तियां	84089766	33041975
अनुदान/आर्थिक सहायता	162401950	138299309
निवेशों से आय	16341725	16023742
अर्जित ब्याज	1339458	1289901
अन्य आय	43948682	16463834
पूर्व अवधि आय	1943391	-----
कुल (क)	**310064972**	**205118761**
व्यय (ख)		
स्टाफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	109772076	107844719
शैक्षणिक व्यय	-----	-----
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	151794170	105732604
परिवहन व्यय	660938	343878
मरम्मत एवं रखरखाव	12377538	9142141
वित्तीय लागत	77641	72828
मूल्यह्रास	4404859	3841821
अनुदानों, आर्थिक सहायताओं इत्यादि पर खर्च	-----	-----
पूर्व अवधि आय	3057092	10618128
कुल (ख)	**282144314**	**237596119**
आय पर व्यय के आधिक्य का शेष (क-ख)	27920658	(32477358)
अधिशेष/(कमी) के रूप में शेष का पूंजीगत निधि में शामिल	27920658	(32477358)

दिल्ली विश्वविद्यालय

हॉल तथा छात्रावास

31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगियाँ

धनराशि ₹ में

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अदायगियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 आरंभिक शेष			1 खर्चे		
– नकदी	18344	61838	(क) स्थापना खर्चे	114216489	105221303
– बैंक मे शेष	75547864	85903695	(ख) शैक्षणिक खर्चे	----	----
- अग्रदाय	106262	164680	(ग) प्रशासनिक खर्च	135298047	94035753
– जमा खाता	283203997	278965197	(घ) परिवहन व्यय	660938	343878
- एफ. डी. के व्याज पर कर की कटौती	0	51614	(ड) मरम्मत और अनुरक्षण	12169126	8996344
II. अन्य बैंक बकाया	0	203046	पूर्व अवधि के खर्चे	2664150	5640877
III. प्राप्त अनुदान	164929452	136071320	II. (अ) उद्दिष्ट निधियों से भुगतान	10541713	7911952
IV. शैक्षणिक प्राप्तियां	78514755	29448526	(ब) परियोजनाओं से भुगतान	285173	5197
V. उद्दिष्टअक्षय निधि के प्रति प्राप्तियां	19028517	8174647	III- किए गए निवेश तथा जमा	328765	6579808
Vi- प्राप्त ब्याज	3763500	9143510	IV. स्थायी परिसंपत्तियों तथा चल रहे पूँजीगत	4096884	2441136
VII. निवेशों से आय	12132906	12683413	कार्यों पर खर्चे		
VIII- अन्य आय	46432109	18330094	V- वित्तीय प्रभार	76290	75686
IX. जमा और अग्रिम	12122865	9857539	VI. जमा और अग्रिम	9118632	454459
X. कोई अन्य प्राप्तियाँ	12149287	4224551	VII. अन्य अदायगियाँ	8148434	2700809
			VIII. अंत शेष		
			- हाथ रोकड़	21085	18344
			– बैंक में शेष	90225949	75547864
			- अग्रदाय	139694	106262
			-- जमा खाता	319958491	283203997
जोड़	707949860	593283670	जोड़	707949860	593283670